

अनंतावलि सुभाषि

प्रथमो मुद्रणः

जीवन्मृत्युसं, सचपरेण्डने
जीवा जीवन्मृत्युसं, सचपरेण्डने

सम्पादकः—

रत्नलाल डोई
सम्पादकः—

प्रकाशकः—

अनंतावलि सुभाषि

— रत्नलाल —

अनंगपविट्ट सुत्ताणि

पढमो सुयस्त्रेथो

ओववाइयसुत्तं, रायपसेणइयं
जीवाजीवाभिगमे, पणवणासुत्तं

सम्पादक-

रतनलाल डोशी
पारसमल चण्डालिया

प्रकाशक--

आखिल भारतीय साधुमार्गी
जैन संस्कृति-रक्षक संघ
सैलाना [म. प्र.]

प्राप्ति-स्थान

- १ श्री अखिल भारतीय साधुमार्गी जैन संस्कृति-रक्षक संघ
सैलाना ४५७-५५० (मध्य-प्रदेश)
- २ " एडुन बिल्डिंग, पहली घोबी तलाव लेन
बंबई—४००००२
- ३ " सिटी पुलिस, जोधपुर (राजस्थान)

मूल्य २५-०

प्रथमावृत्ति
१०००

वीर संवत् २५१०
विक्रम संवत् २०४०
फरवरी सन् १९६४

मुद्रक—श्री जैन प्रिंटिंग प्रेस, सैलाना (मं. प्र.)

संपादकीय

अनंगपविट्ट सुत्ताणि का यह प्रथम भाग धर्मप्रिय स्वाध्यायशील पाठकों के कर-कमलों में पहुँचाते मुझे परम हर्ष हो रहा है। दिनांक १०।१०।७७ को सैलाना में हुई संघ की कार्यकारिणी सभा के निर्णयानुसार आगम प्रकाशन की इस योजना के अंतर्गत जिनागमों के ११ सूत्रों का अंग विभाग “अंगपविट्ट सुत्ताणि एङ्कारसंगसंजुओ” के रूप में जनवरी १९८२ में प्रकाशित किया गया।

अंगपविट्ट सुत्ताणि के प्रकाशन के बाद शेष सूत्रों का प्रकाशन “अनंग-पविट्ट सुत्ताणि” के रूप में करना तय हुआ, मुद्रण प्रारंभ किया गया, इस पुस्तक के प्रथम आठ पेज ही कम्पोज हुए कि आगमज्ञ सुश्रावक श्रीमान् रतनलालजी सा. डोशी का दिनांक १३।१।८२ को अकस्मात् स्वर्गवास हो गया। विधि की कैसी विह्वलता है? आप अपनी आंखों से इस योजना के अंतर्गत संपूर्ण सूत्रों का प्रकाशन नहीं देख पाये? हमारा दुर्भाग्य ही कहिए कि उनकी उपस्थिति में संपूर्ण आगम-वत्तीसी का प्रकाशन होने से रह गया।

स्व० डोशीजी सा. के आकस्मिक वियोग के पश्चात् हुई संघ की कार्य-कारिणी सभा सैलाना दिनांक ३, ४ फरवरी १९८२ के प्रस्ताव क्रं. ६ के अनुसार अनंगपविट्टसुत्ताणि का मुद्रण पुनः प्रारंभ किया गया। साधन अल्प और बाधाएँ अधिक होने से प्रकाशन में विलम्ब हुआ। किसी प्रकार उपांग सूत्रों का यह प्रथम भाग प्रकाशित किया जा रहा है।

नंदा सूत्र में श्रुतज्ञान के जो चौदह भेद बतलाये गये हैं उनमें अंतिम दो भेद हैं—१ अंगपविट्ठ—अंगप्रविष्ट श्रुत और २ अणंगपविट्ठ—अनंगप्रविष्ट श्रुत—अंग बाह्य श्रुत। जो तीर्थंकर द्वारा प्रतिपादित और गणधर द्वारा रचित आगम हैं वे “अंगप्रविष्ट” कहलाते हैं। अंगप्रविष्ट के आचारसंग

आदि बारह भेद हैं। पूर्वधर, श्रुत-स्थविर आदि द्वारा रचित आगम “अंगवाद्य” कहलते हैं। अंग सूत्रों के अतिरिक्त शेष सभी सूत्र “अंगवाद्य” हैं। अंगवाद्य के दो भेद हैं—१ आवश्यक और २ आवश्यक व्यतिरिक्त। आवश्यक व्यतिरिक्त के दो भेद हैं—१ कालिक और २ उत्कालिक। बारह उपांग, चार मूल सूत्र और चार छेद सूत्र ये सब आवश्यक व्यतिरिक्त के इन दो भेदों में आते हैं। अनंग-पवित्र सुत्ताणि के इस प्रथम भाग में बारह उपांग में से प्रथम के चार उपांग सूत्र समाविष्ट किये गये हैं। चारों उत्कालिक सूत्र हैं। इनका संक्षिप्त विषय विवरण इस प्रकार है—

१ औपवाडय—औपपातिक सूत्र में मुख्यतः तीन विषय हैं—

१ समवसरणाधिकार—इसमें चंपानमरी, गुणशीलनैस्य, अशोकवृक्ष, कोणिक-राजा और उनकी भगवद् भक्ति, भगवान् महावीर का समवसरण, तप के १२ भेद, भगवान् के श्रमण परिवार और प्रभु की धर्मदेशना आदि का विशद वर्णन है। **२ औपपातिक अधिकार**—औपपातिक पृच्छा, कर्मबंधन, मरणोत्तर उत्पत्ति का निर्णय एवं अम्बुड परित्राजक आदि का वर्णन है। **३ सिद्धाधिकार**—केवली समुद्घात, सिद्धों के विषय में प्रश्नोत्तर और अंत में २२ गाथाओं द्वारा सिद्ध स्वरूप बतलाया गया है।

२ रायपसेणइयं—राजप्रश्नीय नामक इस द्वितीय उपांग सूत्र में सूर्याभदेव एवं प्रदेशी राजा द्वारा किए गए प्रश्न और केशी श्रमण द्वारा दिये गये उत्तर आदि का विस्तृत वर्णन है।

३ जीवाजीवाभिगमे—जीवाजीवाभिगम नामक इस तृतीय उपांग सूत्र में जीव-अजीव-अभिगम—जीव और अजीव का विस्तृत स्वरूप, विजयदेव का वर्णन एवं मुख्यरूप से द्वार्वद्वीप तथा सामान्य रूप से सभी द्वीप समुद्रों का कथन है। इसमें नौ प्रतिपत्तियाँ हैं।

४ पणवणा—प्रशपना नामक इस चतुर्थ उपांग में ३६ पद हैं। एक-एक पद में एक-एक विषय का विशेष वर्णन किया गया है।

आगमों में चार प्रकार के अनुयोगों का गिरुपण किया गया है—

१ **द्रव्यानुयोग**—इसमें जीव, पुद्गल 'धर्म, अधर्म' आकाश, काल, द्रव्य आदि का वर्णन आता है। २ **गणितानुयोग** में चारों गति के जीवों की गणना आदि का वर्णन होता है। ३ **चरणकरणानुयोग** में चारित्र संबंधी और ४ **धर्मकथानुयोग** में कथा द्वारा धर्मोपदेश आदि का वर्णन आता है।

प्रज्ञापना सूत्र में मुख्यतया द्रव्यानुयोग का वर्णन है परंतु कहीं-कहीं चरण-करणानुयोग एवं गणितानुयोग का विषय भी आया है।

इस पुस्तक का कम्पोज सुत्तागमे की संशोधित प्रति के आधार से किया गया। यह संशोधित प्रति पू० तपस्वी श्री लालचंदजी म. सा. के परिवार के पं. र. पू० श्री पारसमुनिजी म. सा. द्वारा प्राप्त हुई, इस पर से हमने अपनी प्रति शुद्ध की और उसी से मुद्रण प्रारंभ करवाया। गेली प्रूफ का मिलान सूत्रों की उपलब्ध अन्य प्रतियों से किया गया। स्व० श्री डोशीजी सा. के स्वर्गवास के बाद मुझ पर कार्यभार विशेष रहा, साहित्य सामग्री भी कम उपलब्ध हुई और अन्य योग्य सहायक के अभाव में प्रूफ संशोधन का सारा कार्य मुझे ही करना पड़ा। अतः मैं जितना चाहता था उतना तो नहीं कर सका पर जो कुछ किया जा सका, वह प्रस्तुत है। आशा है जिनवाणी के रसिक महानुभावों को यह प्रकाशन उपयोगी लगेगा।

मैं विद्वान् नहीं हूँ, आगमज्ञान और अनुभव भी विशेष नहीं परंतु मैं अपने आपको भाग्यशाली मानता हूँ कि मुझे विगत ४, ५ वर्षों से श्रद्धेय डोशीजी सा. के सान्निध्य में रह कर कार्य करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। उन्हीं के आशीर्वाद और बरकत से मैं यह सुस्तर कार्य कर सका हूँ। इस प्रकाशन में दृढधर्मी सुश्रावक श्रीमान् अशवंतलालभाई शाह बम्बई निवासी का समय २ पर मार्गदर्शन प्राप्त होता रहा, इसके लिये मैं उनका हृदय से आभारी हूँ।

प्रूफ संशोधन में सावधानी रखते हुए भी कार्य व्यस्तता एवं दृष्टिदोष से अशुद्धियाँ रहना संभव है। अतः सुज्ञ पाठकों एवं विद्वद्वजनों से नम्र निवेदन है कि वे अशुद्धियों के बारे में हमें सूचित करने का कष्ट करें ताकि सम्पूर्ण उपांग सूत्रों के प्रकाशन के साथ शुद्धिपत्र प्रकाशित किया जा सके।

जिन धर्मोपासक संघ संरक्षक दानवीर महानुभावों के उदारतापूर्ण सहयोग से यह आगम सेवा बन सकी है। उन सभी का मैं आभारी हूँ।

इस समय द्वितीय भाग में शेष उपांग ब छेद सूत्र छप चुके हैं, मूल सूत्रों का मुद्रण चल रहा है। हमारा प्रयास है कि यह भी शीघ्र पाठकों की सेवा में पहुँचावें।

इस पुस्तक में यदि कहीं कोई भूल रह गई हो या सिद्धांत के विरुद्ध प्रकाशन हुआ हो तो अनंत सिद्धों की साक्षी से “मिच्छामि दुःखं”।

सैलाना

—पारसमल चंडालिया

दि. १५।२।१९८४



अस्वाध्याय

निम्न लिखित चौतीस कारण टाल कर स्वाध्याय करना चाहिये ।

आकाश सम्बन्धी १० अस्वाध्याय	कालमर्यादा
१ बड़ा तारा टूटे तो	एक प्रहर
२ दिशा-दाह*.....	जब तक रहे
३ अकाल में मेघ-गर्जना हो तो.....	दो प्रहर
४ " बिजली चमके तो.....	एक प्रहर
५ " बिजली कड़के तो.....	दो प्रहर
६ शुक्ल पक्ष की १-२-३ की रात.....	प्रहर रात्रि तक
७ आकाश में यक्ष की चिन्ह हो.....	जब तक दिखाई दे
८-९ काली और सफेद धूँधर.....	जब तक रहे
१० आकाश-मण्डल धूलि से आच्छादित हो.....	"

औदारिक सम्बन्धी १० अस्वाध्याय

११-१३ हड्डी, रक्त और मांस, ये तिर्यच के ६० हाथ के भीतर हो । मनुष्य के हो तो १०० हाथ के भीतर

* आकाश में किसी दिशा में नगर जलने या अग्नि की लपटें उठने जैसा दिखाई दे और प्रकाश हो तथा नीचे अंधकार हो, वह दिशा-दाह है ।

हो । मनुष्य की हड्डी यदि जली हो । धुली न हो तो
१२ वर्ष तक ।

१४ अशुचि की दुर्गन्ध आवे या दिखाई दे तब तक

१५ इमशान भूमि—..... सौ हाथ से कम दूर हो तो

१६ चन्द्रग्रहण—खण्ड ग्रहण में ८ प्रहर, पूर्ण हो तो १२ प्रहर

१७ सूर्य ग्रहण " १२ " १६ "

१८ राजा का अवसान होने पर । जब तक नया राजा घोषित
न हो ।

१९ युद्ध स्थान के निकट..... जब तक युद्ध चले ।

२० उपाश्रय में पंचेन्द्रिय का शव पड़ा हो । जब तक पड़ा रहे ।

२१—२५ आषाढ़, भाद्रपद, आश्विन, कार्तिक और चैत्र की
पूर्णिमा ।..... दिन-रात

२६—३० इन पूर्णिमाओं के बाद की प्रतिपदा "

३१—३४ प्रातः, मध्याह्न, संख्या और अर्द्धरात्रि । १—१ मुहूर्त ।

उपरोक्त अस्वाध्याय को टाल कर स्वाध्याय करना
चाहिए । खुले मुंह नहीं बोलना तथा दीपक के उजाले में नहीं
बाँचना चाहिए ।

नोट—मेष-गर्जनादि में अकाल, आर्द्रा नक्षत्र से पूर्व और स्वांति
के बाद का माना गया है ।



अनंगपविह सुत्ताणि

ओतवाइयसुत्तं

तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा णाम णयरी होत्था, रिद्धत्थिमियसमिद्धा पमुइय-
जणजाणवयां आइण्णजणमणुस्सा हलसयसहस्ससंकिट्ठविकिट्ठलहपण्णत्तसेउसीमा
कुक्कुडसंडेयगामपउरा उच्छुजवसालिकलिया गोमहिसगवेलगण्णभूया आयाखंत-
चेइय-भुवइ-विविह-सण्णिविह-बहुला उक्कोडियगायगंठिभेयगभटतक्करत्तंडरक्करहिया
खेमा णिरुवद्धा मुभित्त्वा वीसत्थसुहावासा अणेगकोडिकुडुंबियाइण्णिवुयसुहा
णडण्णगजहमल्लमुट्ठित्थयवेलंबयकहगपदगलासगआइक्खगलंखमंखत्तूणइहत्तुंबवीणिय-
अणेगतालायराणुचरिया आरामुजाणअगडतलागर्दहियवप्पिणिगुणोववेया णंदणवण-
सण्णिमण्णगासा उज्ज्वद्विउल्लगंभीरस्सायफलिहा चक्कगयसुसुंदिओरोहसयग्धिजमल-
क्काडपणहुप्पवेसा धणुकुडिल्लवंकपागारपरिभित्ता कविसीसयवट्टरइयसंठियविराय-
माणा अज्ञालयचरियदारगोपुरतोरणउण्णभसुविभत्तरायमग्गा छेयायरियरइयददफलिह-
इंदकीला विवणिवणिच्छेत्तसिप्पियाइण्णिवुयसुहा सिंघाडगतिगचउक्कचच्चरपणिया-
वणविविहत्थपरिमंडिया सुरम्मा णरवइपविइण्णमहिउपहा अणेगवरत्तरगमत्तकुंजर-
रइपहकरसीयसंदमाणीयाइण्णजाणजुग्गा विमउल्लणवणल्लिणिसोभियजला पंडुरवरभवण-
सण्णिमहिया उत्ताणयणपेच्छणिजा पासादीया दरिसणिजा अमिरूवा पडिरूवा ॥१॥
तीसे णं चंपाए णयरीए वहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए पुण्णभहे णामं चेइए
होत्था, चिराईए पुव्वपुरिस पण्णत्ते पोराने सहिए वित्तिए (कित्तिए) णाए
सच्छत्ते सज्जए सधंते सपडागाइपडागमंडिए सलोमहत्थे कयवेयहिए लाउल्लोइय-
महिए गोसीसससस्त-चंदणदहरदिण्ण-पंचंगुलितले उवचियचंदणकलसे चंदण-
घट-सुकयतोरण-गडिदुवारदेसभाए आसत्तोसत्तविउल्लवट्ट-वग्गारिय मल्लदामकलावे
पंचवण्णसरससुरहिमुक्कपुप्फपुंजोवयारकलिए कालागुरुपवरकुंदुरुक्कत्तुंरुक्क-धूमधमधंत-
गंधुद्धुयाभिरामे सुगंधवर-गंधगंधिए गंधवट्ठिभूए णडण्णगजहमल्लमुट्ठित्थय-वेलंबय-
पवगकहगलासग-आइक्खगलंखमंखत्तूणइहत्तुंबवीणिय-भुयगमागहपरिगए बहुजण-

जागवयस्स विस्सुय-कित्तिए बहुजणस्स आहुस्स आहुणिज्जे पाहुणिज्जे अच्चणिज्जे बंद
 णिज्जे गमंसणिज्जे पूयणिज्जे सक्कारणिज्जे सम्माणणिज्जे कक्काणं मंगलं देवयं चेइयं
 विणाएणं पज्जुवासणिज्जे दिव्वे सच्चवे सच्चोवाए सण्णिहिय-पाडिहेरे जागसहस्सभाग-
 पडिच्छए बहुजणो अच्चेइ आगम्म पुण्णभदं चेइयं पुण्णभदं चेइयं ॥२॥ से णं
 पुण्णभदे चेइए एककेणं महया वणसंडेणं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते, से णं वणसंडे
 किण्हे किण्होभासे णीले णीलोभासे हरिए हरिओभासे सीए सीओभासे णिद्धे णिद्धो-
 भासे तिव्वे तिव्वोभासे किण्हे किण्हच्छाए णीले णीलच्छाए हरिए हरियच्छाए सीए
 सीयच्छाए णिद्धे णिद्धच्छाए तिव्वे तिव्वच्छाए घणक्कडिअक्कडिच्छाए रम्मे महामेह-
 णिकुरंभवूए । ते णं पायवा मूलमंतो कंदमंतो खंधमंतो तयामंतो सालमंतो पवालमंतो
 पत्तमंतो पुप्फमंतो फलमंतो बीयमंतो अणुपुव्वसुजाय-रुइल-वट्टभावपरिणया एक-
 खंधा अणेगसाळा अणेगसाहप्पसाहविडिमा अणेगणरवामि-सुप्पसारिअअणेज्झघण-
 विउल-बद्धखंधा अच्छिद्वपत्ता अविरलपत्ता अवाईणपत्ता अणईयपत्ता णिद्धूयजरट-
 पंडुपत्ता णवहरियभिसंतपत्तभारं धकारं गंभीर-दरिसणिजा उवणिग्गयणवतरुणपत्त पल्लव-
 कोमलउज्जलचलंत-किसलय-सुकुमाल-पवाल-सोहियवरंकुरग्गसिहरा णिच्चं कुसुमिया
 णिच्चं माइया णिच्चं लवइया णिच्चं थवइया णिच्चं गुलइया णिच्चं गोच्छिया
 णिच्चं जमलिया णिच्चं जुवलिया णिच्चं विणमिया णिच्चं पणमिया णिच्चं कुसु-
 मियमाइयलवइयथवइयगुलइयगोच्छियजमलियजुवलियविणमिय-पणमिय-सुविभत्त-
 पिंड-मंजरि-वडिसयधरा सुयवरहिणमयण-साल-कोइल्लोहंगक-भिगारककोडलक-
 जीवंजीवग-णंदीमुह-कविल-पिंगलकल्लगकरंड चक्कवाय-कलहंससारस अणेगसउणगण-
 मिहुण-विरइय-सद्धुण्णइय-भहुर सरणाइए सुरम्मे सांपिडियदरिय-भमार-महुयरिपह-
 कर-परिलित्त-मत्त-छयय-कुसुमासव-लोल-भहुर-गुमगुमंत-गुजत-देसभागे अब्भंत-
 पुप्फफले बाहिरपत्तोच्छण्णे पत्तेहि य पुप्फेहि य उच्छण्ण पडिवलिच्छण्णे साउफले
 णिरोयए अकंटए णाणाविह गुच्छ-गुम्म-मंडवग-रम्म-सोहिए विचित्त-सुह-केउभूए
 वावीपुक्खरिणी दीहियासु य सुणिवेसिय-रम्म-जालहरए । पिंडिम णीहारिम-सुगंधि-
 सुह-सुरमिमणहरं च महया गंधद्वणिं मुयंता णाणाविहगुच्छ-गुम्म-मंडवक-धरकखुहसेउ-
 केउबहुला अणेगरहजाणजुग्ग-सिवियपविमोयणा सुरम्मा पासादीया दरिसणिजा अभि-
 रुत्ता पडिरुत्ता । तस्सणं वणसंडस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं महं एकके असोगवरपायवे
 प० कुसविकुसविसुद्धरुक्खमूले मूलमंतो कदमंतो खंधमंतो तयामंतो सालमंतो पवालमंतो

पत्तमंते पुप्फमंते फळमंते बीयमंते अणुपुक्खसुजायकइलवट्टमावपरिणए एकखंवे अणेग-
साले अणेगसाहप्पसाहविडिमे अणेगणरवामसुप्पसारियअगेज्झघणविउल्लवद्धखंवे
अच्छिइपत्ते अविरलपत्ते अवाईणपत्ते अणईयपत्ते णिद्धूयजरदपंडुपत्ते णवहरियभि-
संतपत्तभारंभकारंगंभीरदरिसणिज्जे उवणिग्गायणवतरुणपत्तपल्लवकोमलउज्जलचलंत-
किसलयसुकुमालपवाल्सोहियदरं कुरंगासिहरे णिच्चं कुसुमिणं णिच्चं माइए णिच्चं लव-
इए णिच्चं धवइए णिच्चं गुलइए णिच्चं गोच्छिइए णिच्चं जमलिणं णिच्चं जुवलिणं
णिच्चं विणमिणं णिच्चं पणमिणं णिच्चं कुसुमियमाइयलवइयधवइयगुलइयगोच्छिइय-
जमलियजुवलियविणमियपणमियसुविमत्तपिंडमंजरिवडिसयधरे सुयवरहिणमयण-
सालकोइल्लकोहंगकभिमारककांडलकजीवंजीवगणंदीमुहकविलपिगलवखगकारंडचक्का-
यकल्लहंससारस अणेगसउण्णमिहुणविरइयसदहुण्णइयमहुरसरणाइए सुरम्मे संपि-
डियदरियममरमहुयपरिपहकरपारेलितमत्तछापयकुसुमासवलोल्लमहुरगुमगुमंतगुजंत-
देसभागे अन्तंरपुप्फफले बाहिरपत्तोच्छण्णे, पत्तेहिं य पुप्फेहिं य उच्छण्णपडिक्-
लिच्छण्णे साउफले णिरोयेए अकंटए णाणाविहगुच्छगुम्ममंडवगरम्मसोहिणं विचित्त-
मुहकेउभूए वावीपुक्खरिणीदीहियासु य सुनिवेसियरम्मजालहरणं पिंडिमणीहारिम-
सुगणिसुहसुरभिमणहरं च महया गंधदणं मुयंते णाणाविहगुच्छगुम्ममंडवकधरकसुह-
सेउकेउवहुले अणेगरहजाणजुगासिवियपविमोयणं सुरम्मे पासादीए दरिसणिज्जे
अभिरूवे पडिरूवे । सै णं असोगवरपायवे अण्णेहिं वहुहिं तिलएहिं लउएहिं छत्तो-
वेहिं सिरीसेहिं सत्तवण्णेहिं दहिवण्णेहिं लोद्धेहिं धवेहिं चंदणेहिं अज्जुणेहिं णीवोहिं
कुडएहिं कलेबेहिं सव्वेहिं फणसेहिं दाडिमेहिं सालेहिं तालेहिं तमालेहिं पियएहिं पियं-
गूहिं पुरोवगेहिं रायकखेहिं णदिरूक्खेहिं सव्वओ समंता संपरिकिखत्ते । ते णं तिलया
लवइया जाव णंदिरूक्खा कुसविट्ठुसविमुद्धरूक्खमूला मूलमंतो कंदमंतो, एएसिं वण्णओ
भाणियव्वो जाव सिवियपविमोयणा सुरम्मा पासादीया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडि-
रूवा । ते णं तिलया जाव णंदिरूक्खा अण्णेहिं वहुहिं पउमलयाहिं णागलयाहिं असो-
लयाहिं चंपलयाहिं चूयलयाहिं वणलयाहिं वासंतियलयाहिं अइमुत्तयलयाहिं कुंद-
लयाहिं सामलयाहिं सव्वओ समंता संपरिकिखत्ता । ताओ णं पउमलयाओ णिच्चं
कुसुमियाओ जाव वडिसयधरीओ पासादीयाओ दरिसणिज्जाओ अभिरूवाओ पडि-
रूवाओ॥३॥तस्स णं असोगवरपायवत्सं हेट्ठा ईसिं खंधसमल्लीणे एत्थं णं महं एकके
पुदविसित्तापट्टए पण्णत्ते, विक्खंभायामउस्सेहसुप्पमाणे किण्हे अंजणघणकिवाणदुव-

ल्यहलधरकोसेजागासकेसकजलंगीखंजणसिंगभेदरिद्वयजंबूफलअसणकसणवंधणणीलु-
 प्लपत्तनिकरअयसिक्कुसुमप्पगासे मरगयमसारकलित्तणयणकीयरासिंणणे णिद्धघणे
 अट्टसिरे आयंसयतलोवमे सुरमे ईहामियउसभतुरगनरमगरविहृगवालाकिण्णररुस-
 रभचमरकुंजरवणलयपउमलयभत्तिचित्ते आईणगरुयबूरणवणीयतूलफरिसे सीहासण-
 संठिए पासादीए दरिसणिज्जे अभिरुवे पडिरुवे ॥४॥ तत्थ णं चंपाए णयरीए
 कूणिए णामं राया परिवसइ, महयाहिमवंतमहंतमलयमंदरमाहिंदसारे अच्चंतविमुद-
 सीहरायकुल्लवंससुप्पसूए णिरंतरं रायलक्खणविराइयंगमंगे बहुजणवहुमाणपूइए
 सव्वगुणसमिद्धे खत्तिए मुइए मुद्धाहिसित्ते माउपिउसुजाए दयपत्ते सीमंकरे
 सीमंघरे खेमंकरे खेमंघरे मणुत्तिंदे जणवयपिया जणवयपाले जणवयपुरोहिए
 सेउकरे केउकरे णरपवरे पुरिसवरे पुरिससीहे पुरिसववे पुरिसासीविसे पुरिसपुंडरीए
 पुरिसवरगंधहत्थी अट्ठे वित्ते वित्ते विच्छिण्णविउलभवणसयणासणजाणवाहणाइणो
 बहुधणबहुजायरुवरयए आओगपओगसंपउत्ते विच्छिड्डियपउरभत्तापणे बहुदासीदा-
 सगोमहिसगवेलगप्पभूए पडिपुण्णजंतकोसकोट्टागाराउहागारे बल्लं दुब्बलपच्चामित्ते
 ओहयकंटयं णिहयकंटयं मलियकंटयं उद्धियकंटयं अकंटयं ओहयसत्तुं णिहयसत्तुं
 मलियसत्तुं उद्धियसत्तुं णिज्जियसत्तुं पराइयसत्तुं ववगयदुब्भिकखं मारिभयविप्पमुक्कं
 खेमं सिवं सुभिकखं पसंतडिबडमरं रज्जं पसासेमाणे विहरइ ॥५॥ तस्स णं कोणि-
 यस्स रण्णो धारिणी णामं देवी होत्था, सुकुमाल्पाणिपाया अहीणपडिपुण्णपंचविय-
 सरीरा लक्खणवंजणगुणोववेया माणुम्माणयमाणपडिपुण्णसुजायसव्वंगसुंदरंगी ससि-
 सोमाकारकतपियदंसणा सुरुवा करयलपरिमियपसत्थतिवलियवलियमज्झा कुंडलुल्लि-
 हियगंडलेहा कोमुइरयणियरविमलपडिपुण्णसोमवयणा सिंगारागारचारुवेसा संगथगय-
 हसियभणियविहियविलाससललियसंलावणिउणजुत्तोवयारकुसला(सुंदर थणजघणवयण-
 करचरण णयणलावण विलास कलिया) पासादीया दरिसणिज्जा अभिरुवा पडिरुवा,
 कोणिएणं रण्णा भंभसारपुत्तेणं सार्द्धं अणुरत्ता अविरत्ता इट्ठे सहफरिसरसरुवगंधे
 पंचविहे माणुत्सए कामभोए पच्चणुभवभाणी विरइइ ॥६॥ तस्सणं कोणियस्स रण्णो
 एक्के पुरिसे विउल्लकयविर्त्तिए भगवओ पवित्तिवाउए भगवओ तद्देवसियं पवित्ति
 णिवेएइ, तस्स णं पुरिसस्स बहवे अण्णे पुरिसादिण्णभइभत्तवेयणा भगवओ पवि-
 त्तिवाउया भगवओ तद्देवसियं पवित्ति णिवेदेति ॥७॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं
 कोणिए राया भंभसारपुत्ते बाहिरियाए उवट्ठाणसालाए अणेगगण्णायगदंढणायगराई-

सरतल्वरमाडंविद्यकोडंविद्यमंतिमहामंतिगणगदोवारिय अमच्चचेडपीढमहणगरिगम-
सेट्टिउसेणावइसत्थवाहदूयसंघिवाल्सद्धिं संपरिवुडे विहरइ॥८॥तेणं कालेणंतेणं समएणं
समणे भगवं महावीरे आइगरे तित्थगरे सहसंबुद्धे पुरिसुत्तमे पुरिससीहे पुरिसवर-
पुंडरीए पुरिसचरणंधवहत्थी अभयदए चक्खुदए मग्गदए सरणदए जीवदए दीवो
ताणं सरणं गई पइहा धम्मवरचाउरंतचक्कवट्टी अप्पडिहयवरनाणदंसणधरे विद्यट्ठ-
च्छउमे जिणे जाणए तिण्णे तारए सुत्ते मोयए बुद्धे बोहए सव्वण्णू सव्वदरिसी
सिवमयलमरुयमणंतमकखयमव्वावाहमपुणरावत्तियं सिद्धिगइणामधेयं ठाणं संपावि-
उकामे अरहा जिणे केवली सत्तहत्थुस्सेहे समच्चउरंसंठाणसंठिए वजरिसइणाराय-
संघयणे अणुलोमवाउवेगे कंकगहणी कवोयपरिणामे सउणिपोसपिट्ठंतरोरुपरिणए
पउमुयलंगंधसरिसणिस्सासुरभिवयणे छवी गिरायंकउत्तमपसत्थअइसेयणिरुवमपले-
(तले) जल्लमहकलंकसेयरयदोसवज्जियसरीरणिस्सलेवे छायाउज्जोइयंगमंगे धणणिचि-
यसुबद्धलक्खणुण्ययकूडागरानिभपिंडियगसिए सामलिबोडधणणिचियच्छोडियमिउ-
विसयपसत्थमुहुमलक्खणसुमंधसुंदरभुयमोयगाभिगनेलकजलपहिडममरणणिद्धणिक्खं-
निचियकुंचियपयाहिणावत्तमुद्धसिए दालिमपुप्फपगासतवणिजसरिसणिम्मलसुणि-
द्धकेसंतकेसभूमी धण(णिचिय)छत्तागारुत्तमंगदेसे णिव्वणसमलद्धमद्धचंदद्धसमणिडाले
उहुवइपडिपुण्णसोभययणे अल्लीणपमाणजुत्तसवणे सुस्सवणे पीणमंसलक्खोलदेसभाए
आणामियचावरुइलकिण्हन्नभराइतणुक सिणणिद्धभमुहे अवदालियपुंडरीयणयणे कोया-
सियधवलपत्तलच्छे गरुलायउज्जुतुंगणासे उवचियसिलप्पवालविंबपल्लाणिभाइरोट्ठे
पंडुरससिथलविमलणिम्मलसंखगोक्खीरफेणकुंददगरयमुणालियाधवलदंतसेद्धी अखं-
दंतं अण्डुडियदंतं अवरिलदंतं सुणिद्धदंतं मुजायदंतं एगदंतसेद्धीविव अणेगदंतं
हुयवहणिद्धंतथोयतत्तवणिज्जरत्ततलतालुजीहे अवट्ठियसुविभत्तचित्तमंसू मंसलसं-
ठियपसत्थसदूलविउलहणए चउरंगुल्लसुप्पमाणकंबुवरसरिसग्गीवे वरमहिसवराहसीह-
सदूलउसमणागवरपडिपुण्णविउलक्खंधे जुगसन्निभपीणरइयपीवरपउट्ठसुसंठियसुसिलि-
द्धविसिद्धपणथिरुसुबद्धसंधिपुरवरफलिहवट्ठियभुए भुयईसरविउलमोगआयाणफलिह-
उच्छूददीहवाहू रस्तलोवइयमउयमंसलसुजायलक्खणपसत्थअच्छिहजालपाणी पीवर
कोमलवरंगुली आर्यवत्तंतलणिसुइरुइलणिद्धणक्खे चंदपाणिलेहे सूरपाणिलेहे
संखपाणिलेहे चक्कपाणिलेहे दिसासोथियपाणिलेहे चंदसूरसंखचक्कदिसासोथि-
यपाणिलेहे कणासिलायलुजलपसत्थसमतलउवचियविच्छिण्णपिहुलवच्छे सिरिवच्छं-

णं देवाणुप्पिया णाम्मोत्तस्सवि सवणयाए हट्ठदुट्ठ जाव हियया भवंति, से णं समणे
 भगवं महावीरे पुब्बाणुपुब्बि चरमाणे गामाणुग्गामं दूइजमाणे चंपाए णयरीए उवण-
 गरगामं उवागाए चंपं णयरीं पुण्णभद्दं चेइयं समोसरिउकामे, तं एयं णं देवाणुप्पियाणं
 पियठयाए पियं णिवेदेमि, पियं ते भवउ ॥१०॥ तए णं से कृणिए राया भंभसार-
 पुत्ते तस्स पवित्तिवाउयस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठदुट्ठ जाव हियए-
 धाराहय-नीय-सुरभिकुमुम-चंचुमालइय-उच्छिय-रोमकूवे, वियसियवरकमलणयणवयणे
 पयलियवरकडयतुडियकेऊरमउडकुंडलहारविरायंतरइयवच्छे पालंबपलंबमाणघोलंत-
 भूसणधरे समंभमं तुरियं चवलं णरिदे सीहासणाओ अन्नमट्ठेइ २ ता पायपीदाओ
 पच्चोरुहइ २ ता पाउयाओ ओमुयइ २ ता अवहट्ठु पंच रायककुहाई तंजहा-खगं
 १ छत्तं २ उप्पेसं ३ वाहणाओ ४ वालवीणं ५ एगसाडियं उत्तरासंगं करेइ २ ता
 आयंते चोक्खे परममुइभूए अंजलिमउलियग्गहत्थे तित्थगराभिमुहे सत्तइ पयाइं अणु-
 गच्छइ सत्तइ पयाहं अणुगच्छित्ता यामं जाणुं अंचेइ वामं जाणुं अंचेत्ता दाहिणं जाणुं
 धरणिंतलंसि साहट्ठु तिक्खुज्जो मुद्धाणं धरणिंतलंसि णिवेसेइ २ ता ईसिं पच्चुण्णमइ
 पच्चुण्णमित्ता कडगतुडियधंभियाओ भुयाओ पडिसाहरइ २ ता करयल जाव कट्ठु
 एवं वयासी-णमोऽत्थु णं अरिहंताणं भगवंताणं आइगराणं तित्थगराणं सयंसंबुद्धाणं पुरि-
 सुत्तमाणं पुरिससीहाणं पुरिसवरपुंडरीयाणं पुरिसवरगंधहत्थीणं लोगुत्तमाणं लोगनाहाणं
 लोगहियाणं लोगपईवाणं लोगपज्जोयगराणं अभयदयाणं चक्खुदयाणं मग्गदयाणं सरण-
 दयाणं जीवदयाणं बोहिदयाणं धम्मदयाणं धम्मदेसयाणं धम्मणायगाणं धम्मसारहीणं
 धम्मवरचाउरंतचक्खट्ठीणं दीवो ताणं, सरणं गई पइहा अप्पडिहयवरणाणंदसण-
 धराणं वियइच्छुउमाणं जिणाणं जावयाणं तिण्णाणं तारयाणं बुद्धाणं बोहयाणं मुत्ताणं
 मोयगाणं सव्वन्नूणं सव्वदरिसीणं सिवमयल्लमरुयमणंतमक्खयमव्वावाहमपुणरावत्ति-
 सिद्धिगदनामधेयं ठाणं संपत्ताणं, णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ महावीरस्स आइ-
 गरस्स तित्थगरस्स जाव संपाविउकामस्स मम धम्मायरियस्स धम्मोवदेसगस्स,
 वंदामि णं भगवंतं तत्थ गयं इह गए, पासइ मे (मे से) भगवं तत्थ गए इह
 गयंति कट्ठु वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता सीहासणवरगाए पुरत्थाभिमुहे
 णिसीयइ णिसीइत्ता तस्स पवित्तिवाउयस्स अट्ठुत्तरसयसहस्सं पीइदाणं दल-
 यइ दलइत्ता सक्कारेइ सम्माणेइ सक्कारित्ता सम्माणित्ता एवं वयासी-जया णं देवाणु-
 प्पिया ! समणे भगवं महावीरे इहमागच्छेज्जा इह समोसरिजा इहेव चंपाए णयरीए

बहिया पुण्णभदे चेइए अहापडिरुवं उग्गहं उग्गिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं
 भावेमाणे विहरेज्जा तया णं मम एयमट्ठं गिवेदिज्जासित्तिक्कट्ठु विसज्जिए ॥११॥
 तए णं समणे भगवं महावीरे कट्ठं पाउप्पभायाए रयणीए फुल्लप्पल्लमल्लकोमल-
 म्मिलियंमि अहंपदुरे पहाए रत्तासोगप्पगासकिंसुयसुयमुहगुंजद्धरागसरिसे कमलागर-
 संडवोहए उट्ठियम्मि सूरे सहस्सरस्सिमि दिणयरे तेयसा जलंते जेणेव चंपा णयरी
 जेणेव पुण्णभदे चेइए तेणेव उवागच्छइ २ स्ता अहापडिरुवं उग्गहं उग्गिण्हित्ता
 संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥१२॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स
 भगवओ महावीरस्स अंतेवासी बहवे समणा भगवंतो अप्पेगइया उग्गपव्वइया भोग-
 पव्वइया राइण्णं णायं कोरव्वं सुत्तियं पव्वइया भडा जोहा सेणावई पसत्थारो
 सेट्ठी इब्भा अण्णे य बहवे एवमाइणो उत्तमजाइकुल्लरूवविणयविण्णाणवण्णालावण्ण-
 विक्रमपट्ठाणसोभगकंतिजुत्ता बहुधणधण्णिचयपरियालफिडिया णरवइगुणाइरेगा
 इच्छियमोगा सुहसंपललिया किंपागफलोवमं च मुणिय विसयसोक्खं जल्लुब्बुय-
 समणं कुसग्गजलबिंदुचंचलं जीवियं च णाऊण अद्धुवमिणं रयमिव पडमल्लगं
 संविधुणित्ता णं चइत्ता हिरण्णं जाव पव्वइया, अप्पेगइया अद्धमासपरिआया अप्पे-
 गइया मासपरिआया एवं दुमास-तिमास जाव एक्कारसं अप्पेगइया वासपरिआया
 दुवासं तिवासं अप्पेगइया अणेगवासपरिआया संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा
 विहरंति ॥१३॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी
 बहवे णिग्गंथा भगवंतो अप्पेगइया आभिणिद्रोहियणाणी जाव केवलणाणी अप्पेगइया
 मणवलिया बयवलिया कायवलिया (णाणवलिया दंसणवलिया चारित्तवलिया)
 अप्पेगइया मणेणं सावाणुगहसमत्था ३ अप्पेगइया खेलोसहिपत्ता एवं जल्लोसहिं
 विप्पोसहिं आमोसहिं सव्वोसहिं अप्पेगइया कोट्ठबुद्धी एवं बीयबुद्धी पडबुद्धी
 अप्पेगइया पयाणुसारी अप्पेगइया संभिजसोया अप्पेगइया खीरासवा अप्पेगइया
 महुआसवा अप्पेगइया सप्पिआसवा अप्पेगइया अस्खीणमहाणसिया एवं उज्जुमई
 अप्पेगइया विउल्लमई विउल्लणिड्ढिपत्ता चारणा विज्जाहराआगासाइवाइणो ॥
 अप्पेगइया कण्णावलं तवोकम्मं पडिवण्णा एवं एगावलं खुड्डागसीहणिक्कीलियं
 तवोकम्मं पडिवण्णा अप्पेगइया महालयं सीह णिक्कीलियं तवोकम्मं पडिवण्णा
 भट्ठपडिमं महाभट्ठपडिमं सव्वओभट्ठपडिमं आर्यबिल्वद्धमाणं तवोकम्मं पडिवण्णा
 मासियं भिक्खुपडिमं एषं दोमासियं पडिमं तिमासियं पडिमं जाव सत्तमासियं

मिक्खुपडिमं पडिवण्णा अप्पेगइया पढमं सत्तराइंदियं मिक्खुपडिमं पडिवण्णा जाव
 तच्चं सत्तराइंदियं मिक्खुपडिमं पडिवण्णा अहोराइंदियं मिक्खुपडिमं पडिवण्णा
 एकराइंदियं मिक्खुपडिमं पडिवण्णा सत्तसत्तमियं मिक्खुपडिमं अट्ठमियं मिक्खु-
 पडिमं णवणवमियं मिक्खुपडिमं दसदसमियं मिक्खुपडिमं खुड्डियं मोयपडिमं
 पडिवण्णा महल्लियं मोयपडिमं पडिवण्णा जवमज्झं चंदपडिमं पडिवण्णा वड्ढर(वज्ज)-
 मज्झं चंदपडिमं पडिवण्णा संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरंति ॥१४॥
 तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी बहवे थेरा भगवंतो
 जाइसंपणा कुल० बल० रुव० विणय० णाण० दंसण० चरित्त० लज्जा० लाघव०
 ओयंसी तेयंसी वच्चंसी जसंसी जियक्रोहा जियमाणा जियमाया जियलोभा जिय-
 इंदिया जियणिहा जियपरीसहा जीवियासमरणभयविप्पमुक्का वयप्पहाणा गुणप्पहाणा
 करणप्पहाणा चरणप्पहाणा णिगाहप्पहाणा णिच्छयप्पहाणा अजवप्पहाणा मदवप्पहाणा
 लाघवप्पहाणा खंतिप्पहाणा मुत्तिप्पहाणा विज्जापहाणा मंतप्पहाणा वेयप्पहाणा बंभप्प-
 हाणा णवप्पहाणा णियमप्पहाणा सच्चप्पहाणा सोयप्पहाणा च्वासवण्णा लज्जातवस्सी-
 जिइंदिया सोही अणियाणा अप्पुस्सुया अबहिल्लेत्ता अप्पडिल्लेत्ता सुसामण्णरया दंता
 (बहूणं आयरिया बहूणं उवज्झाया दीवो ताणं सरणं गई पइहा) इणमेव णिमंथं
 पावयणं पुरओकाउं विहरंति । तेसि णं भगवंताणं आयावायावि विदिता भवंति पर-
 वाया विदिता भवंति आयावायं जमइत्ता णल्लवणमिव मत्तमातंगा अच्छिइपसिण-
 वागरणा रयणकरंडगसमाणा कुत्तियावणभूया परवादियपमइहा दुवालसंणिणो समत्त-
 गणिपिडगधरा सव्वक्खरसण्णिवाइणो सव्वभासाणुगामिणो अजिणा जिणसंकासा
 जिणा इव अवितहं वागरमाणा संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरंति ॥१५॥
 तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी बहवे
 अणगारा भगवंतो ईरियासमिया भासासमिया एसणासमिया आयाणभंढमत्त-
 णिक्खेवणासमिया उच्चार-पासवण-खेलसिंघाणजल्ल-पारिट्ठावणियासमिया मणगुत्ता
 वयगुत्ता कायगुत्ता गुत्ता गुत्तिंदिया गुत्तबंभयारी अममा अकिंचणा छिण्ण-
 मंया छिण्णसोया गिरुवलेवा कंसपाइव मुक्कतोया संख इव गिरंगणा जीवो विव
 अप्पडिहयमई जच्चकणपिप जायरूवा आदरिसफलगाविव पागडभावा कुम्भो इव
 गुत्तिंदिया पुक्खरपत्तं व गिरुवलेवा गगणमिव गिरालंबणा अणिलो इव गिरालया
 चंदो इव सोमलेसा सूरु इव दित्ततेया सागरो इव गंभीरा विहग इव सव्वओ

विप्पमुक्का मंदर इव अप्पकंपा सारयसलिलं व सुद्धहियया खग्गिविसाणं व एगजाया भारंडपक्खी व अप्पमत्ता कुंजरो इव सौंदीरा वसभो इव जायत्थामा सीहो इव दुद्धरिसा वसुंधरा इव सब्बफासविसहा सुहुयहुयासणे इव तेयसा जलंता णत्थि णं तेसिं णं भगवंताणं कत्थइ पडिंघे भवइ, से य पडिंघे चउळ्विहे पण्णत्ते, तंजहा—दव्वओ खित्तओ कालओ भावओ, दव्वओ णं सच्चित्ताचित्तमीसिएसु दव्वेसु, लेत्तओ गामे वा णयरे वा रण्णे वा खेत्ते वा खले वा धरे वा अंगणे वा, कालओ समए वा आवलियाए वा जाव अयणे वा अण्णयरे वा दीहकालसंजोगे, भावओ कोहे वा माणे वा मायाए वा लोहे वा भए वा हासे वा एवं तेसिं ण भवइ । ते णं भगवंतो वासावासवजं अट्ठ गिम्हेमंतियाणि मासाणि गामे एगराइया णयरे पंचराइया वासी-चंदणसमाणकप्पा समलेद्धुकंचणा समसुहद्धुक्खा इहलोगपरलोगअप्पडिवद्धा संसार-पारगामी कम्मणिग्घायणट्ठाए अब्भुट्ठया विहरंति ॥१६॥ तेसिं णं भगवंताणं एएणं विहारेणं विहरमाणं इमे एयारूवे अग्गिमतएवाहिए तओवहाणे होत्था, तंजहा—अग्गिमतए छव्विहे बाहिएवि छव्विहे ॥१७॥ से किं तं बाहिए ? २ छव्विहे प०, तंजहा—अणसणे ऊणो(अवमो)यरिया भिक्खायरिया रसपरिच्चाए कायकिलेसे पडिसंलीणया । से किं तं अणसणे ? २ दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—इत्तरिए य आवकहिए य । से किं तं इत्तरिए ? २ अणेगविहे पण्णत्ते, तंजहा—चउत्थभत्ते छट्ठभत्ते अट्ठभत्ते दसमभत्ते बारसभत्ते चउदसभत्ते सोलसभत्ते अद्द-मासिए भत्ते मासिए भत्ते दोमासिए भत्ते तेमासिए भत्ते चउमासिए भत्ते पंचमा-सिए भत्ते छम्मासिए भत्ते, से तं इत्तरिए । से किं तं आवकहिए ? २ दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—पाओवगमणे य भत्तपच्चक्खाणे य । से किं तं पाओवगमणे ? २ दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—वाघाइमे य णिव्वाघाइमे य णियमा अप्पडिकम्मे, से तं पाओवगमणे । से किं तं भत्तपच्चक्खाणे ? २ दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—वाघाइमे य णिव्वाघाइमे य णियमा सप्पडिकम्मे, से तं भत्तपच्चक्खाणे, से तं अणसणे । से किं तं ओमोयरिया ? २ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—दव्वोमोयरिया य भावोमोयरिया य, से किं तं दव्वोमोयरिया ? २ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—उवगरणदव्वोमोयरिया य भत्त-पाणदव्वोमोयरिया य । से किं तं उवगरणदव्वोमोयरिया ? २ तिविहा पण्णत्ता, तंजहा—एगे वत्थे एगे पाए चियत्तोवगरणसाइज्जणया, से तं उवगरणदव्वोमोयरिया । से किं तं भत्तपाणदव्वोमोयरिया ? २ अणेगविहा पण्णत्ता, तंजहा—अट्ठकुक्कुडि-

अंडगप्पमाणमेत्ते कवले आहारमाणे अप्पाहारे, दुवाल्सकुक्कुडिअंडगप्पमाणमेत्ते कवले आहारमाणे अवड्ढोमोयरिया, सोल्सकुक्कुडिअंडगप्पमाणमेत्ते कवले आहारमाणे दुभागपत्तोमोयरिया, चउव्वीसकुक्कुडिअंडगप्पमाणमेत्ते कवले आहारमाणे पत्तोमोयरिया, एकतीसकुक्कुडिअंडगप्पमाणमेत्ते कवले आहारमाणे किंचूणोमोयरिया वत्तीसकुक्कुडिअंडगप्पमाणमेत्ते कवले आहारमाणे पमाणपत्ता एत्तो एगेणवि घासेणं ऊणयं आहारमाहारेमाणे समणे णिग्गंथे णो पक्कामरसभोईत्ति वत्तव्वं सिया, से तं भत्तपाणदव्वोमोयरिया, से तं दव्वोमोयरिया । से किं तं भावोमोयरिया ? २ अणेगविहा पणत्ता, तंजहा—अप्पकोहे अप्पमाणे अप्पमाए अप्पलोहे अप्पसहे अप्पअंसे, से तं भावोमोयरिया, से तं ओमोयरिया । से किं तं भिक्खायरिया ? २ अणेगविहा पणत्ता, तंजहा—दव्वाभिग्गहचरण खेत्ताभिग्गहचरण कालाभिग्गहचरण भावाभिग्गहचरण उक्खित्तचरण णिविखत्तचरण उक्खित्तणिक्खित्तचरण णिक्खित्तउक्खित्तचरण वट्ठिजमाणचरण साहरिजमाणचरण उवणीयचरण अवणीयचरण उवणीयअवणीयचरण अवणीयउवणीयचरण संसट्ठचरण असंसट्ठचरण तज्जायत्तंसट्ठचरण अण्णायचरण मोणचरण दिट्ठलाभिए अदिट्ठलाभिए पुट्ठलाभिए अपुट्ठलाभिए भिक्खालाभिए अभिक्खलाभिए अण्णगिलायए ओवणिहिए परिमियापिंडवाइए सुद्धेसणिए संखायत्तिए, से तं भिक्खायरिया । से किं तं रसपरिच्चाए ? २ अणेगविहे पणत्ते, तंजहा—णिच्चि(य)तिए पणीयरसपरिच्चाए आर्यंबिलए आर्यामसित्थभोई अरसाहारे विरसाहारे अंताहारे पंताहारे लूहाहारे, से तं रसपरिच्चाए । से किं तं कायकिलेसे ? २ अणेगविहे पणत्ते, तंजहा—ठाणट्ठिइए ठाणाइए उक्कुडुआसणिए पडिमठाई वीरासणिए णेसजिए दंडायए लउडसाई आयावए अवाउए अक्कुडुए अणिदुहए सव्वगायपरिकम्मविभूसविष्णुमुक्के, से तं कायकिलेसे । से किं तं पडिसंलीणया ? २ चउव्विहा पणत्ता, तंजहा—इंदियपडिसंलीणया कसायपडिसंलीणया जोगपडिसंलीणया विवित्तसयणात्तणसेवणया, से किं तं इंदियपडिसंलीणया ? २ पंचविहा पणत्ता, तंजहा—सोइंदियविसयप्पयारणिरोहो वा सोइंदियविसयपत्तेसु अत्थेसु रागदोसणिग्गहो वा चक्खिंदियविसयप्पयारणिरोहो वा चक्खिंदियविसयपत्तेसु अत्थेसु रागदोसणिग्गहो वा घाणिंदियविसयप्पयारणिरोहो वा घाणिंदियविसयपत्तेसु अत्थेसु रागदोसणिग्गहो वा जिद्धिंदियविसयप्पयारणिरोहो वा जिद्धिंदियविसयपत्तेसु अत्थेसु रागदोसणिग्गहो वा फासिंदियविसयप्पयारणिरोहो

वा फासिंदियविसयपत्तेसु अत्थेसु रागदोसणिग्गहो वा, से तं इंदियपडिसंलीणया । से किं तं कसायपडिसंलीणया ? २ चउज्झिहा पण्णत्ता, तंजहा—कोहस्सुदयणिरोहो वा उदयपत्तस्स वा कोहस्स विफलीकरणं माणस्सुदयणिरोहो वा उदयपत्तस्स वा माणस्स विफलीकरणं मायाउदयणिरोहो वा उदयपत्ताए वा मायाए विफलीकरणं लोहस्सुदयणिरोहो वा उदयपत्तस्स वा लोहस्स विफलीकरणं, से तं कसायपडिसंलीणया ? से किं तं जोगपडिसंलीणया ? २ तिविहा पण्णत्ता, तंजहा—मणजोगपडिसंलीणया वयजोगपडिसंलीणया कायजोगपडिसंलीणया । से किं तं मणजोगपडिसंलीणया ? २ अकुसलमणणिरोहो वा कुसलमणउदीरणं वा, से तं मणजोगपडिसंलीणया । से किं तं वयजोगपडिसंलीणया ? २ अकुसलवयणिरोहो वा कुसलवयउदीरणं वा, से तं वयजोगपडिसंलीणया । से किं तं कायजोगपडिसंलीणया ? २ जण्णं सुसमाहियपाणिपाए कुम्भो इव गुत्तिंदिए सव्वगायपडिसंलीणे चिट्ठइ, से तं कायजोगपडिसंलीणया । से किं तं विवित्तसयणासणसेवणया ? २ जं णं आरामेसु उज्जाणेसु देवकुलेसु सभासु पवासु पणियगिहेसु पणियसालासु इत्थीपसुपंडगसंसत्तविरहियासु वसहीसु फासुएसणिजपीढफल्मसेजासंधारणं उवसंपज्जित्ता णं विहरइ, से तं पडिसंलीणया, से तं बाहिरए तवे ॥१८॥ से किं तं अब्भितरए तवे ? २ छव्विहे पण्णत्ते, तंजहा—पायच्छित्तं विणओ वेयावच्चं सज्झाओ ज्ञाणं विउत्सग्गो । से किं तं पायच्छित्ते ? २ दसविहे पण्णत्ते, तंजहा—आलोयणारिहे पडिक्कमणारिहे तदुभयारिहे विवेगारिहे विउत्सग्गारिहे तवारिहे छेयारिहे मूलारिहे अणवट्ठप्पारिहे पारंचियारिहे, से तं पायच्छित्ते । से किं तं विणए ? २ सत्तविहे पण्णत्ते, तंजहा—णाणविणए दंसणविणए चरित्तविणए मणविणए वइविणए कायविणए लोभोवयारविणए ? से किं तं णाणविणए ? २ पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा—आभिणिवोहियणाणविणए सुयणाणविणए ओहिणाणविणए मणपज्जवणाणविणए केवलणाणविणए से तं णाणविणए । से किं तं दंसणविणए ? २ दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—सुस्सूसणाविणए अणच्चासायणाविणए । से किं तं सुस्सूसणाविणए ? २ अणेगविहे पण्णत्ते, तंजहा—अव्वुद्धाणे इ या आसणाभिग्गहे इ वा आसणाप्पयाणे इ वा सक्कारे इ वा सम्भाणे इ वा किंइक्कम्मे इ वा अंजलिपग्गहे इ वा एतस्स अणुगच्छणया ठियस्स पज्जुवासणया गच्छंतस्स पडिसंसाहणया, से तं सुस्सूसणाविणए ॥ से किं तं अणच्चासायणाविणए ? २ पणयालीसविहे पण्णत्ते, तंजहा—अरहंताणं अणच्चासायणया अरहंतपण्णत्तस्स धम्मस्स

अण्चासायणया आयरियाणं अण्चासायणया एवं उवज्झायाणं धेराणं कुलस्स गणस्स संभस्स किरियाणं संभेगिदस्स आभिणिवोहियणाणस्स सुयणाणस्स ओहिणाणस्स मण-
पजवणाणस्स केवलणाणस्स एएसिं चेव भत्तिबहुमाणे एएसिं चेव वण्णसंजलणया,
से तं अण्चासायणाविणए से तं दंसणाविणए । से किं तं चरित्तविणए ? २ पंचविहे
पण्णत्ते, तंजहा—सामाइयचरित्तविणए छेओवट्ठावणियचरित्तविणए परिहारविसुद्धि-
चरित्तविणए मुट्ठमसंपरायचरित्तविणए अहक्खायचरित्तविणए, से तं चरित्तविणए ।
से किं तं मणाविणए ? २ दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—पसत्थमणाविणए अपसत्थमणाविणए ।
से किं तं अपसत्थमणाविणए ? २ जे य मणे सवज्जे सकिरिए सककसे कडुए
णिददुरे फरुसे अण्हयकरे छेयकरे भेयकरे परितावणकरे उदवणकरे भूओवधाइए
तहपगारं मणो णो पहारेजा, से तं अपसत्थमणाविणए । से किं तं पसत्थमणा-
विणए ? २ तं चेव पसत्थं णेयव्वं, एवं चेव वइविणओऽवि एएहिं पएहिं चेव
णेयव्वो, से तं वइविणए । से किं तं कायविणए ? २ दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—पसत्थ-
कायविणए अपसत्थकायविणए । से किं तं अपसत्थकायविणए ? २ सत्तविहे पण्णत्ते,
तंजहा—अणाउत्तं गमणे अणाउत्तं ठाणे अणाउत्तं णिसीयणे अणाउत्तं तुयट्ठणे अणा-
उत्तं उल्लंघणे अणाउत्तं पल्लंघणे अणाउत्तं सव्विंदियकायजोगुंजणया, से तं अप-
सत्थकायविणए । से किं तं पसत्थकायविणए ? २ एवं चेव पसत्थं भाणियव्वं, से
तं पसत्थकायविणए, से तं कायविणए । से किं तं लोगोवयारविणए ? २ सत्तविहे
पण्णत्ते, तंजहा—अभासवत्तियं परच्छंदाणुवत्तियं कज्जेउं कयपडिकिरिया अत्तग-
वेसयया देसकालणुया सव्वट्ठेसु अप्पडिलोमया, से तं लोगोवयारविणए, से तं
विणए । से किं तं वेयावच्चे ? २ दसविहे पण्णत्ते, तंजहा—आयरियवेयावच्चे उव-
ज्झायवेयावच्चे सेहवेयावच्चे गिलाणवेयावच्चे तवस्तिवेयावच्चे धेरवेयावच्चे
साहम्मियवेयावच्चे कुलवेयावच्चे गणवेयावच्चे संघवेयावच्चे, से तं वेयावच्चे ।
से किं तं सज्झाए ? २ पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा—वायणा पडिपुच्छणा परियट्ठणा
अणुपेहा भम्भकहा, से तं सज्झाए । से किं तं झग्गे ? २ चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा—
अट्ठज्झाणे रुट्ठज्झाणे धम्मज्झाणे सुक्कज्झाणे, अट्ठज्झाणे चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा—
अमणुण्णसंपओगसंपउत्ते तस्स विण्णओगस्सइसमण्णागए यावि भवइ, मणुण्णसंप-
ओगसंपउत्ते तस्स अविण्णओगस्सइसमण्णागए यावि भवइ, आर्यकंसंपओगसंपउत्ते
तस्स विण्णओगस्सइसमण्णागए यावि भवइ, परिजूसियकामभोगसंपओगसंपउत्ते

तस्स अविप्पओगस्सइसमण्णागए यावि भवइ । अट्टस्स णं ज्ञाणस्स चत्तारि लक्खणा
 पण्णत्ता, तंजहा-कंदणया सोयणया तिप्पणया विलब्बणया । रुद्धज्ज्ञाणे चउव्विहे पण्णत्ते,
 तंजहा-हिंसाणुबंधी मोसाणुबंधी तेणाणुबंधी सारक्खणाणुबंधी, रुद्धस्स णं ज्ञाणस्स चत्तारि
 लक्खणा पण्णत्ता, तंजहा—उसण्णदोसे बहुदोसे अण्णाणदोसे अम्मरणंतदोसे । धम्म-
 ज्ञाणे चउव्विहे चउप्पडोयारे पण्णत्ते, तंजहा—आणाविजए अवायविजए विवाग-
 विजए संठाणविजए । धम्मस्स णं ज्ञाणस्स चत्तारि लक्खणा पण्णत्ता, तंजहा—आणा-
 रुई णिसम्मरुई उवएसरुई सुत्तरुई, धम्मस्स णं ज्ञाणस्स चत्तारि आलंबणा पण्णत्ता,
 तंजहा—वायणा पुच्छणा परियट्ठणा धम्मकहा, धम्मस्स णं ज्ञाणस्स चत्तारि अणुप्पे-
 हाओ पण्णत्ताओ, तंजहा—अणिच्चाणुप्पेहा अस्सरणाणुप्पेहा एगत्ताणुप्पेहा संसारा-
 णुप्पेहा । सुक्कज्ज्ञाणे चउव्विहे चउप्पडोयारे पण्णत्ते, तंजहा—पुहुत्तवियक्के सवियारी १
 एगत्तवियक्के अवियारी २ सुहुमकिरिए अप्पडिवाई ३ समुच्छिन्नकिरिए अणियट्ठी ४,
 सुक्कस्स णं ज्ञाणस्स चत्तारि लक्खणा पण्णत्ता, तंजहा—विवेगे विउस्सग्गे अव्वहे
 असम्मोहे, सुक्कस्स णं ज्ञाणस्स चत्तारि आलंबणा पण्णत्ता, तंजहा—खंती मुत्ती अजवे
 मद्वे, सुक्कस्स णं ज्ञाणस्स चत्तारि अणुप्पेहाओ पण्णत्ताओ, तंजहा—अवायाणुप्पेहा
 असुमाणुप्पेहा अणंतवित्तिथणुप्पेहा विप्परिणामाणुप्पेहा, से तं ज्ञाणे ॥ से किं तं
 विउस्सग्गे ? २ दुव्विहे पण्णत्ते, तंजहा—दव्वविउस्सग्गे भावविउस्सग्गे य । से किं तं
 दव्वविउस्सग्गे ? २ चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा—सरीरविउस्सग्गे गणविउस्सग्गे उव्वि-
 विउस्सग्गे भत्तपाणविउस्सग्गे, से तं दव्वविउस्सग्गे, से किं तं भावविउस्सग्गे ? २
 तिविहे पण्णत्ते, तंजहा—कसायविउस्सग्गे संसारविउस्सग्गे कम्मविउस्सग्गे, से किं
 तं कसायविउस्सग्गे ? २ चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा—कोहकसायविउस्सग्गे भाण-
 कसायविउस्सग्गे मायाकसायविउस्सग्गे लोहकसायविउस्सग्गे, से तं कसायविउस्सग्गे
 से किं तं संसारविउस्सग्गे ? २ चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा—णेरइयसंसारविउस्सग्गे
 तिरियसंसारविउस्सग्गे मणुयसंसारविउस्सग्गे देवसंसारविउस्सग्गे, से तं संसार-
 विउस्सग्गे, से किं तं कम्मविउस्सग्गे ? २ अट्टविहे पण्णत्ते, तंजहा—णाणावर-
 णिजकम्मविउस्सग्गे दरिसणावरणिजकम्मविउस्सग्गे वेयणीयकम्मविउस्सग्गे मोह-
 णीयकम्मविउस्सग्गे आऊयकम्मविउस्सग्गे णामकम्मविउस्सग्गे गोशकम्मविउस्सग्गे
 अंतरायकम्मविउस्सग्गे, से तं कम्मविउस्सग्गे, से तं भावविउस्सग्गे, से तं विउ-
 स्सग्गे ॥१९॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स बह्वे

अणगारा भगवंतो अप्पेगइया आयारधरा जाव विवागसुयधरा तत्थ तत्थ तहिं तहिं
 देसे देसे गच्छागच्छिं गुम्मागुम्मिं फड्डाफड्डिं अप्पेगइया वायंति अप्पेगइया पडि-
 पुच्छंति अप्पेगइया परियदंति अप्पेगइया अणुप्पेहंति अप्पेगइया अक्खेवणीओ
 विक्खेवणीओ संवेयणीओ णिवेयणीओ चउच्चिहाओ कहाओ कहंति, अप्पेगइया
 उइदंजाणू अहोसिरा ज्ञाणकोदोवगया संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरंति ।
 संसारभउच्चिग्गा भीया जम्मण-जरमरण-करणगंभीरदुक्खपक्खुत्तिमय-पउरसलिलं
 संजोगविओगवीइचित्तापसंगपसरियवहवंधमहल्लविउल्लकल्लोलकल्लणविलवियलोभकल-
 कलंतबोल्लवहुलं अवमाणणफेणतिव्वखिसणपुलंपुलपभूययोगवेयणपरिभवविणिवाय-
 फरुसधरिसणासमावडियकटिणकम्मपत्थरतरंगरंगतणिच्चमच्चुभयतोयपट्ठं कसाय
 पायाल्लसंकुलं भवसयसहस्सकल्लुसजलसंचयं पइभयं अपरिमियमहिच्छकल्लसमइवाउ-
 वेयउद्धुम्ममाणदगरयरवंधयारवरफेणपउरआसापिवासधवलं मोहमहावत्तभोगभम-
 माणगुप्पमाणुच्छलंत-पच्चोणियत्त-पाणियपमायचंद्वहुदुडसावथ-समाहउद्धायमाणप-
 ञ्जारधोरकंदियमहारखवंतमेरखस्वं अण्णाणभमंतमच्छपरिहत्थअणिहुइदियमहामगर-
 तुरियचरियखोखुब्भमाणणच्चंतचवलचंचलचलंतघुम्मंतजवसमूहं अरइभयविसाय-
 सोगमिच्छत्तसेलसंकटं अणाइसंताणकम्मबंधणकिलेसचिक्खिहल्लमुल्लत्तारं अमरणर-
 तिरियणिरयगइगमणकुडिलपरिवत्तविउल्लवेलं चउरंतमहंतमणवदग्गं रुहं संसारसागरं-
 भीमदरिसणिजं तरंति धीइंधणियणिप्पकंपेण तुरियचवलं संवरवेरगातुंगकूवयसुसंप-
 उत्तेणं णाणसियविमल्लूसिएणं सम्मत्तविमुद्लद्वणिजामएणं धीरा संजमपोएण सील-
 कलिया पत्तथज्झाणतववायपणोह्ठियपहाणिएणं उज्जमववसायमाहियणिजरणजयण-
 उवओगणाणदंसणविसुद्धवयमंडभेरियसारा जिणवरवयणोवदिट्ठम्मणेणं अकुडिलेण
 सिद्धिमहापट्ठणामिमुहा समणवरसत्थवाहा सुसुइसुसंभाससुपण्हसासा गामे गामे एग-
 रायं गगरे गगरे पंचरायं दूइजंता जिइदिया णिब्भया गयभया सचित्ताचित्तभीसि-
 एसु दव्वेसु विरागयं गया सं(चेयाओ)जया विरया मुत्ता लहुया णिरयक्खा साहू
 णिहुया चरंति धम्मं ॥२९॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स
 बहवे असुरकुमारा देवा अंतियं पाउब्भवित्था कालमहाणील्लसरिसणील्लगुलियरावल-
 लअंसिकुसुमप्पगासा वियसियसयवत्तमिव पत्तलणिम्मलईसिसियरत्ततंबणयणा गर-
 लाययउज्जुतुंगासा उअचियसिलप्पवालविंबफलसणिभाइरोह्ठा पंडुरससिसयलवमिल-
 णिम्मलसंखगोक्खीरफेणदगरयमुणालियाधवलदंससेढी हुयवहणिद्धंतघोयतत्ततवणिज-

रत्ततल्लाजुजीहा अंजणवणकसिगयगरमणिजगिद्वकेसा वामेगकुंडलधरा अहचंद-
 षाणुलित्तगता । ईसिसिलिंधपुप्फपगासाहं सुहुमाई असंकिलिंठाई वथाई पवरपरि-
 हिया वयं च पदमं समइकंता विइयं च वयं असंपत्ता भदे जोव्वणे वट्टमाणा तल-
 मंगयतुडियपवरभूसणणिम्मलमणिरयणमंडियमुया दसमुदामंडियगाहत्था चूलामणि-
 चिंधगया सुरूवा महिडिदया महज्जुइया महब्बला महायसा महासोक्खा महाणुभागा
 हारविराइयवच्छा कडग-तुडिय-यंमियमुया अंगयकुंडल-मट्ट-गंडतल-कणपीठधारां
 विचित्तवत्थामरणा विचित्तमालामउलिमउडा कल्लाणकयपवरवत्थपरिहिया कल्लाण-
 कयपवरमल्लाणुलेवणा भासुखोदी पलंबवणमालधरा । दिव्वेणं वण्णेणं दिव्वेणं गंधेणं
 दिव्वेणं रुव्वेणं दिव्वेणं फासेणं दिव्वेणं संघाए(घयणे)णं दिव्वेणं संठाणेणं दिव्वाए
 इड्ढीए दिव्वाए जुत्तीए दिव्वाए पमाए दिव्वाए छायाए दिव्वाए अच्चीए दिव्वेणं
 तेएणं दिव्वाए लेसाए दस दिसाओ उज्जोवेमाणा पमासेमाणा समणस्स भगवओ
 महावीरस्स अंतियं आगम्मागम्म रत्ता समणं भगवं महावीरं तिकखुत्तो आयाहिणं
 पयाहिणं करेइ २ ता वंदंति णमंसंति २ ता(साइं २ गामगोयाइं सधित्ति)णच्चासण्णे
 णाइदूरे सुत्तूसमाणा णमंसमाणा अभिसुहा विण्णंणं पंजलिउडा पज्जुवासंति ॥२१॥
 तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स बहवे असुरिंदवजिया भवण-
 वासी देवा अंतियं पाउब्भवित्था गागपइणो सुवण्णा विज्जू अग्गीया दीवा उदही
 दिसाकुमारा य पवण-थणिया य भवणवासी गागफडा-गरुलवयरपुण्णकलस(संक्किण्ण
 उपफेससीहे)सीहहयगत्यमगरमउडवद्धमाणिजुत्तविचित्तचिंधगया सुरूवा महिडिदया
 सेसं तं चेव बाव पज्जुवासंति ॥२२॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ
 महावीरस्स बहवे वाणमंतरा देवा अंतियं पाउब्भवित्था सिसाया भूया य जक्ख-
 रक्खसकिंणरकिंपुरिसभुयगवइणो य महाकाथा गंधव्वणिक्काय(पइ)गणा णिउणमंधव्व-
 गीयरइणो अणपणियपणपणियइसिवाईयभूयवाईयकंदियमहाकंदिया य कुहंडपयए
 य देवा चंचलचवलचित्तकीलणदवणिया गंभीरहस्सियभणियपीयगीयणच्चणरई वण-
 मालामेळमउडकुंडलसच्छंदविउव्वियाहरणचारुविभूसणधरा सव्वोउयसुरभिकुसुम-
 सुरइयपलंबसोभतकंतवियसंतवित्तवणमालरइयवच्छा कामगामी कामरूवधारी गाणा-
 विहवणरगवरवत्थचित्तचिल्लियणियंसणा विविहदेसीणेवत्थगाहियवेसा पमुइयकंदण-
 कल्लहेकेलिक्कोलाहलपिया हास-बोल(केलि)वहुला अणेग-मणिरयणं-विविहणिजुत्तवि-
 चित्तचिंधगया सुरूवा महिडिदया जाव पज्जुवासंति ॥२३॥ तेणं कालेणं तेणं सम-

एणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जोइसिया देवा अंतियं पाउब्भविन्था विहस्सई
चंद-सू-सुक-सणिच्चरा राहू धूमकेऊ बुहा य अंगारका य तत्तवणिजकणग-
वणा जे गहा जोइसमि चारं चरंति केऊ य गइरइया अट्ठावीसविहा य णक्खत्त-
देवगणा णाणमंटाणमंठियाओ य पंचवणाओ ताराओ ठियलेस्सा चारिणो य
अविस्साममंडलाई पत्तेयं णामंकापागडियच्चिधमउडा महिड्डिया जाव पज्जुवासंति
॥२४॥तिणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स वेमाणिया देवा अंतियं
पाउब्भविन्था सोहम्मीसाणसणंकुमारमाहिंदंभलंतगमहासुकसहस्साराणयपाणयारण-
अचुयवई पहिडा देवा जिगदंसणुस्सुयागमणजणियहासा पाल्ळापुप्फासोमणससिरि-
वच्छणंदियावत्तकामगमपीइगममणोगमविमलसव्वओभइणाभिजेहिं विमाणेहिं
ओइणा वंदगा जिणिंदं । मिगमहिसवराहछगलददुंदुरहयगयवइभुयगखगाउसभंकवि-
डिमपागडियच्चिधमउडा पसिदिल्लवरमउडतिरीडधारी कुंडलउजोवियाणणा मउड-
दित्तसिरया रत्ताभा पउमपम्हगोरा सेवा सुभवणगंधफासा उत्तमविउत्विणो विविह-
कथगंधमल्लधरा महिड्डिया महज्जुइया जाव पंजलिउडा पज्जुवासंति ॥२५॥ तए
णं चंपाए गयरीए सिंघाडगतिगचउक्कचचरचउम्मुहमहापहपहेसु महया जणसहे
इ वा जणवूहे इ वा जणरोले इ वा जणकलकले इ वा जणुम्मी इ वा जणुकलिया
इ वा जणसणिग्वाए इ वा बहुजणो अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ एवं भासइ एवं
पणवेइ एवं परूवेइ-एवं खलु देवाणुप्पिया ! समणे भगवं महावीरे आइगरे तित्थ-
गरे सयंसंबुद्धे पुरिसुत्तमे जाव संपाविउक्कमे पुव्वाणुपुल्लिं चरमाणे गामाणुगामं
दूइजमाणे इहमागए इह संपत्ते इह समोसडे इहेव चंपाए गयरीए बाहिं पुण्णभहे
चेइयं अहापडिल्लं उगाहं उमिगिहत्ता संजमेणं तवसा अभ्याणं भावेमाणे विहरइ ।
तं महप्फलं खलु भो देवाणुप्पिया ! तहारूवाणं अरहंताणं भगवंताणं णामगोयस्सवि-
सवणयाए, किमंगपुण अभिगमणवंदणणमंसणपडिपुच्छणपज्जुवासणयाए ? एक्कस्स
वि आयरियस्स धम्मियस्स सुवयणस्स सवणयाए ?, किमंगपुण विउलस्स अत्थस्स
गहणयाए ?, तं गच्छामो णं देवाणुप्पिया ! समणं भगवं महावीरं वंदामो णमंसामो
सक्कारेमो सम्माणेमो कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं [विणएणं] पज्जुवासामो एयं णे
पेच्चभवे इहभवे यं (परभवे यं) हियाए सुहाए खमाए णिस्सेयसाए आणुगामियत्ताए
भविस्सइत्तिकदट्ठु बहवे उग्गा उम्मापुत्ता भोगा भोगपुत्ता एवं दुपडोयारेणं राइण्णा
खत्तिथा माहणा मडा जोहा पसत्थारो मल्लई लेच्छई लेच्छईपुत्ता अण्णे य बहवे

राईसरत्तउवरमाडंवि यकोहुंवि यइब्भसेट्ठिउसेणावत्तथवाहपमिइओ अप्पेगइया वंदण-
वत्तियं अप्पेगइया पूयणवत्तियं एवं सक्कारवत्तियं सम्माणवत्तियं दंसणवत्तियं कोऊ-
हलवत्तियं अप्पेगइया अट्ठविणिच्छयहेउं अस्सुयाइं सुणेस्सामो सुयाइं गित्स्सकियाइं
करिस्सामो अप्पेगइया अट्ठाइं हेऊइं कारणाइं वागरणाइं पुच्छिस्सामो । अप्पेगइया
सव्वओ समंता मुण्डे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइस्सामो, पंचाणुवइयं
सत्तसिक्खावइयं दुवालसविहं गिहि धम्मं पडिबजिस्सामो, अप्पेगइया जिणभत्तिरागेणं
अप्पेगइया जीयमेवतिकट्टु ण्हाया कयवलिकम्मा कयकोऊयमंगलपायच्छित्ता सिर-
साकंठेमालकडा आविद्धमणिसुवण्णा कप्पियहारइद्धारतिसरयपालंबपत्तंमाणकडिसुत्त-
यसुकयसोहाभरणा पवरवत्तपरिहिया चंदणोलित्तगायसरीरा अप्पेगइया हयगया एवं
गयगया रहगया (जाणगया जुमगया गिल्लीगया थिल्लीगया पवहणगया) सिवियागया
संदमाणियागया अप्पेगइया पायविहारचारिणो पुरिसवग्गुरापरिक्खत्ता (वग्गावग्गि
गुम्मागुग्गि) महया उक्किट्ठिसीहणायबोलकलकलरवेणं पक्खुग्गिमयमहासमुदरवभूयं पिव
करेमाणा (पायदहरेणं भूमिं कंप्पेमाणा अंबरतलमिवकोट्टेमाणा एगदिसिं एगामिमुहा)
चंपाए णयरीए मज्झमज्जेणं णिमाच्छंति २ त्ता जेणेव पुण्णभदे चेइए तेणेव उवाग-
च्छंति २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते उत्ताइए तित्थराइसेसे पासंति
पासित्ता जाणवाहणाइं ठावइंति २ त्ता जाणवाहणेहिंते पच्चोरुहंति पच्चोरुहिंत्ता जेणेव
समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो
आयाहिणं पयाहिणं करेति करित्ता वंदंति णमंसंति वंदित्ता णमंसित्ता णच्चासण्णे
णाइदूरे सुस्सुसमाणा णमंसमाणा अभिमुहा विणएणं पंजलिउडा पज्जुवासंति ॥ २६ ॥
तए णं से पवित्तिवाउए इमीसे कहाए लद्धट्ठे समणे हट्ठुट्ठ जाव हियए ण्हाए
जाव अप्पमहग्ग्याभरणालंकियसरीरे सयाओ गिहाओ पडिणिक्खमइ सयाओ गिहाओ
पडिणिक्खमित्ता चंपाणयरिं मज्झमज्जेणं जेणेव बाहिरिया सव्वेव हेट्ठिल्ला वत्तव्वया
जाव णिसीयइ णिसीइत्ता तस्स पवित्तिवाउयस्स अट्ठतेस्ससयसहस्साइं पीइदाणं
दलयइ २ त्ता सक्कारेइ सम्माणेइ सक्कारेत्ता सम्माणेत्ता पडिविसज्जेइ ॥ २७ ॥
तए णं से कूणिए राया भंभसारपुत्ते बलवाउयं आमंतेइ आमंतेत्ता एवं वयासी-
खिण्णामेव भो देवाणुप्पिया ! आभिसेक्कं हत्थिरयणं पडिक्कप्पेहि, हयगयरहपवर-
जोहकलियं च चाउरंगिणिं सेणं सण्णाहेहि, सुभद्दापसुहाण य देवीणं बाहिरियाए
उवट्ठाणसालाए पाडिएक्काडिएक्काइं जत्ताभिमुहाइं जुत्ताइं जाणाइं उवट्ठवेह, चंपं

णयरिं सभितरवाहिरियं आसित्तिसित्तसुइसम्मट्ठरथेतरादण्वीहियं मंचाइमंचकलियं
 णाणाविहरागउच्छिन्नज्जयपडागाइपडागमंडियं लाउल्लोइयमहियं गोसीससरसरत्त-
 चंदणं जाव गंधवट्टिभूयं करेह कारवेह करित्ता कारवेत्ता एयमाणत्तिथं पच्चप्पिणाहि,
 णिजाइस्सामि समणं भगवं महावीरं अभिंदए ॥ २८ ॥ तए णं से बलवाउए
 कृणिएणं रण्णा एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुठ जाव हियए करयलपरिग्गहियं सिरसावत्तं
 मथए अंजळिं कट्ठु एवं वयासी—सामित्ति आणाए विणएणं वयणं पडिसुणेइ २ ता
 हत्थिवाउयं आभंतेइ आभंतेत्ता एवं वयासी—खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! कृणियस्स
 रण्णे भंमसारपुत्तस्स आभित्तेकं हत्थिरयणं पडिकप्पेहि, हयगयरहपवरजोहकलियं
 चाउरंणिणिं सेणं सण्णाहेहि सण्णाहिता एयमाणत्तिथं पच्चप्पिणाहि । तए णं से
 हत्थिवाउए बलवाउयस्स एयमट्ठं सोच्चा आणाए विणएणं वयणं पडिसुणेइ पडि-
 सुणिन्ता छेयारियउवणसमइविकप्पणाविकप्पेहिं सुणिउणेहिं उज्जलणेवत्थत्थपरि-
 वत्थियंमुमज्जं धम्मियसण्णद्वयद्वकवइयउप्पीलियकच्छवच्छ(वच्छ कच्छ)गेवेयवद्ध-
 गल्लवरभूषणाविरावंतं अहियत्तेयजुत्तं सललियवरकणपूरविराइयं पल्लवउच्चूलमहुयर-
 कथंयवारं वित्तपरिच्छेयपच्छयं पहरणावरणभरियजुद्धसज्जं सच्छत्तं सज्जयं सय्यं
 सपडागं पंचामेलयपरिमंडियाभिरामं ओसारियजमलजुयलध्वंत्तं विज्जुपणद्धं व काल-
 मेहं उप्पाइयपव्वयं व चंचमंते मत्तं गुल्लगुल्लं मणपवणजइणवेगं भीमं संगामिया-
 ओणं [ज्जं] आभित्तेकं हत्थिरयणं पडिकप्पइ पडिकप्पेत्ता हयगयरहपवरजोहक-
 लियं चाउरंणिणिं सेणं सण्णाहेइ सण्णाहिता जेणेव बलवाउए तेणेव उवागच्छइ
 उवागच्छित्ता एयमाणत्तिथं पच्चप्पिणइ । तए णं से बलवाउए जाणसालियं सहा-
 वेइ सहावित्ता एवं वयासी—खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! सुभद्दापमुहाणं देवीणं
 वाहिरियाए उवहाणसालाए पाडिएक्कपाडिएक्काइं जत्ताभिमुहाइं जत्ताइं जाणाइं
 उवद्धवेह उवद्धवित्ता एयमाणत्तिथं पच्चप्पिणाहि । तए णं से जाणसालिए बलवा-
 उयस्स एयमट्ठं आणाए विणएणं वयणं पडिसुणेइ पडिसुणिन्ता जेणेव जाणसाला
 तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता जाणाइं पच्चुवेक्खेइ पच्चुवोक्खित्ता
 जाणाइं संपमज्जेइ २ ता जाणाइं संवट्ठेइ जाणाइं संवट्ठेत्ता जाणाइं णीणेइ जाणाइं
 णीणेत्ता जाणाणं दूसे पवीणेइ २ ता जाणाइं समलंकरेइ २ ता जाणाइं वरभंडग-
 मंडियाइं करेइ २ ता जेणेव वाहणसाला तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता
 वाहणाइं पच्चुवेक्खेइ २ ता वाहणाइं संपमज्जेइ २ ता वाहणाइं णीणेइ २ ता वाह-

णाइं अफालेइ २ ता दूसे पवीणेइ २ ता वाहणाइं समलंकरेइ २ ता वाहणाइं वरमंडगमंडियाइं करेइ २ ता वाहणाइं जाणाइं जोएइ २ ता पओयलट्टिं पओय-
धरे य समं आडहइ आडहिता वट्टमगं गाहेइ २ ता जेणेव बलवाउए तेणेव उवा-
गच्छइ २ ता बलवाउयस्स एयमाणत्तियं पच्चप्पिणइ । तए णं से बलवाउए णयर-
गुत्तियं आमंतेइ २ ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! चंपं णयरिं सन्निम-
तरवाहिरियं आसित्त जाव कारवेत्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणाहि । तए णं से णयर-
गुत्तिए बलवाउयस्स एयमदुं आणाए विणएणं(वयणं)पडिसुणेइ २ ता चंपं णयरिं
सन्निमतरवाहिरियं आसित्त जाव कारवेत्ता जेणेव बलवाउए तेणेव उवागच्छइ २ ता
एयमाणत्तियं पच्चप्पिणइ । तए णं से बलवाउए कोणियस्स रण्णो भंभसारपुत्तस्स
आभिसेक्कं हत्थिरयणं पडिकप्पियं पासइ हयगय जाव सण्णाहियं पासइ, सुमदापमु-
हाणं देवीणं पडिजाणाइं उवट्ठविथाइं पासइ, चंपं णयरिं सन्निमतर जाव गंधवट्ठिभूयं
कयं पासइ, पासित्ता हट्ठुट्ठचित्तमाणंदिए पीयमणे जाव हियए जेणेव कूणिए राया
भंभसारपुत्ते तेणेव उवागच्छइ २ ता करयल जाव एवं वयासी-खप्पिए णं देवाणु-
प्पियाणं आभिसेक्के हत्थिरयणे हयगयरहपवरजोहकलिया य चाउरंगिणी सेणा सण्णा-
हिया सुमदापमुहाणं च देवीणं बाहिरियाए य उवट्ठणसालाए पाडिएकपाडिएकाइं
जत्तामिमुहाइं जुत्ताइं जाणाइं उवट्ठविथाइं चंपा णयरी सन्निमतरवाहिरिया आसित्त
जाव गंधवट्ठिभूया कया, तं णिजंतु णं देवाणुप्पिया ! समणं भगवं महावीरं अभि-
वंदया ॥२९॥ तए णं से कूणिए सया भंभसारपुत्ते बलवाउयस्स अंतिए एयमदुं
सोच्चा णिसम्म हट्ठुट्ठ जाव हियए जेणेव अट्ठणसाला तेणेव उवागच्छइ २ ता अट्ठण-
सालं अणुपविसइ २ ता अणेगवायामजोग्गवमणवामदणमल्लजुद्धकरणेहिं संते परि-
स्संते सयपागसहस्सपागेहिं सुगंधतेल्लमाइएहिं पीणणिजेहिं दप्पणिजेहिं मयणिजेहिं
विहणिजेहिं सन्निदियगायपल्हायणिजेहिं अन्निभगेहिं अन्निमगिए समाणे तेल्लचम्मंसि
पडिपुण्णपाणिपायसुकुमालकोमलतलेहिं पुरिसेहिं छेएहिं दक्खेहिं पत्तदोहिं कुसलेहिं
मेहावीहिं णिउणसिप्पोवगाएहिं अन्निभगणपरिमहणुव्वलणकरणगुणणिग्गमाएहिं अट्ठि-
सुहाए मंससुहाए तथासुहाए रोमसुहाए चउव्विहाए संवाहणाए संवाहिए समाणे
अवगयखेयपरिस्समे अट्ठणसालाओ पडिणिक्खमइ पडिणिक्खमिच्चा जेणेव मज्जणधरे
तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता मज्जणधरं अणुपविसइ २ ता समुत्तजालाउला-
भिरामे विचित्तमणिरयणकुट्टिमतले रमणिजे ण्हाणमंडवंसि णाणामणिरयणमत्ति-

चित्तं सि ष्ठाण्णां सि सुहणिसण्णे सुद्धोदएहिं गंधोदएहिं पुण्णोदएहिं सुहोदएहिं पुणो २
 कल्लाणापवरमज्जणविहीए मज्जिए तत्थ कोउयसएहिं बहुविहेहिं कल्लाणापवरमज्जणा-
 वमाणे पम्हलसुकुमालमंधकासाइयद्धहियंगे सरससुरहिगोसीसचंदणाणुल्लिगतते ।
 अह्यसुमहम्हदूसरयणसुसंबुए सुइमालवण्णाविलेवणे आविद्धमणिमुधण्णे कप्पियहार-
 द्दहारतिसरयपालंबपलंबमाणकडिसुत्तसुकयसोमे पिणद्धमेविजअंगुलिज्जगल्लियंगय-
 लल्लियकयामरणे वरकडगतुडियधंभियभुए अहियरूवसस्सिराए मुहियापिगलंगुलिए
 कुंडलउज्जेविआणणे मउडदित्तसिरए हारोत्थयसुकयरइयवच्छे पालंबपलंबमाणपड-
 सुकयउत्तरिजे णाणामणिक्कणगरयणविमलमहरिहणिउणोवियमि सिमिसंतविरइयसुसि-
 लिद्धविसिद्धल्लुआविद्धवीखलए । किं बहुणा ? कप्परुक्खए चेव अल्लिकियविभूसिए
 णरवई सकोरंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं चउचामरवालवीइयंगे मंगलजय-
 सद्धकयालोए मज्जणधराओ पडिणिक्खमइ मज्जणधराउ पडिणिवस्समित्ता अणेगगाण-
 णायगदडणायगराईसरतल्लवरमाडंभियकोडुंबियइम्मसेट्टिउसेणावइसत्थवाहदूयसंधिवाल-
 सद्धि संपरिउडे ध्वलमल्लदामेहणिग्गाए इव गहगणदिपंतरिक्खत्तारागणाण मज्जे ससिक्ख
 पियदंसणे णरवई जेणेव वाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव आभिसेक्के हत्थिरयणे तेणेव
 उवागच्छइ उवागच्छित्ता अज्जणगिरिक्कुडसण्णिभं गयवइं णरवईं दुरुडे । तए णं तस्स
 कूणियस्स रण्णे भंभसारपुत्तस्स आभिसेक्के हत्थिरयणं दुरुट्ठस्स समाणस्स तप्पटम-
 याए इमे अट्ठमंगलया पुरओ अहाणुपुव्वीए संपट्ठिया, तंजहा-सोवत्थिय सिरि-
 वच्छ णदियावत्त वट्टमाणग भद्दासण कलस मच्छ दम्पण, तयाऽणंतरं च णं पुण्ण-
 कलसभिगारं दिव्वा य छत्तपडागा सत्तामरा दंसणरइयआलोयदरिसणिज्जा वाउद्धूय-
 विजयवेजयंती य ऊसिया गगणतल्लमणुलिहंती पुरओ अहाणुपुव्वीए संपट्ठिया,
 तयाऽणंतरं च णं वेरुलियमिसंतविमलदंडं पल्लवकोरंटमल्लदामोवसोभियं चंदमंडल-
 णिभं समूसिंयं विमलं आयवत्तं पवरं सीहासणं वरमणिरयणपायपीढं संपाउयाजोय-
 समाउत्तं बहु(दासीदास)किंकरकम्मकरपुरिसपायत्तपरिक्खत्तं पुरओ अहाणुपुव्वीए
 संपट्ठियं । तयाऽणंतरं बहवे लट्ठिग्गाहा कुंतग्गाहा चावग्गाहा चामरग्गाहा पास-
 ग्गाहा पोत्थयग्गाहा फल्लग्गाहा पीढग्गाहा वीणग्गाहा कुतुवग्गाहा हट्ठप्फग्गाहा पुरओ
 अहाणुपुव्वीए संपट्ठिया । तयाऽणंतरं बहवे डंडिणो मुंडिणो सिहडिणो जडिणो
 पिंलिणो हासकरा डमरकरा चाडुकरा वादकरा कंदप्पकरा दक्करा कोक्कुइया
 किट्टिक्करा वायंता गायंता हसंता णच्चंता भासंता सावेंता खलंता आलोयं च करे-

माणा जयस्सहं पउजमाणा पुरओ अहाणुपुव्वीए संपट्ठिया । तथाऽणंतरं जच्चाणं
 तरमल्लिहायणाणं हरिमेलामउल्लमल्लियच्छाणं बुत्तुच्चियल्लिपुत्तियच्चलच्चलच्चलच्चल-
 गईणं लंघणवमाणधावणधोरणतिवईजइणसिक्खियगईणं ललंतलामगललायवरभूसणाणं
 मुहभंडगओचूलागथासगअहिलाणचामरगणउपरिमंडियकडीणं किंकरवरतरुणपरिग्ग-
 हियाणं अट्ठसयं वरतुरगाणं पुरओ अहाणुपुव्वीए संपट्ठियं । तथाऽणंतरं च णं ईसी-
 दंताणं ईसीमत्ताणं ईसीतुगाणं ईसीउच्छंगविमालधवलदंताणं कंचणकोसीपविट्ठदंताणं
 कंचणमणिरयणभूसियाणं वरपुरिसारोहगसंपउत्ताणं अट्ठसयं गयाणं पुरओ अहाणु-
 पुव्वीए संपट्ठियं । तथाऽणंतरं संच्छत्ताणं सज्झयाणं सघट्ठाणं सपड्डागाणं सतोरण-
 वराणं सणदिघोसाणं सखिखिणीजालपरिक्खित्ताणं हेमवयाचित्तिणिगसकगगणिजुत्त-
 दासुयाणं कालायससुकयणेमिजंतकम्माणं सुसिलिद्धवत्तमंडल्लुवुराणं आइणवरतुरगसु-
 संपउत्ताणं कुसलगरच्छेयसारहिंसुसंपमाहियाणं (हेमजाला वक्खजाल खिखिणे-
 थंटाजाल परिक्खित्ताणं) वत्तीसतोषपरिमंडियाणं सकंकडवईसगाणं सचावसरप-
 हरणावरणभरियजुद्धसज्जाणं अट्ठसयं रूहाणं पुरओ अहाणुपुव्वीए संपट्ठियं ।
 तथाऽणंतरं च णं असित्तिकोततोमरसूललउडमिडिमालधगुणाणिसज्जं पायत्ताणीयं
 (सन्नद्धवद्ववम्मियकवयाणं उप्पीलियसरसगवट्ठियाणं पिणद्धरोवेजविमल्लवरवद्ध-
 चिधेरइण गहिया उहप्पहरणाणं) पुरओ अहाणुपुव्वीए संपट्ठियं । तए णं
 से कूणिए राया हारोत्थयसुकथरइयवच्छे कुंडलउज्जोवियाणणे मउडदित्तिसिए गर-
 सीहे णरवई णरिंदे णरवसहे मणुयरायवसभकप्पे अब्भहियरायतेयलच्छीए विप्प-
 माणे हत्थिक्खंधवरगए सकोरंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरिजमाणेणं सेयवरचामराहिं
 उद्धुव्वमाणीहिं २ वेसमणो चेव णरवई अमरवईसण्णिमाइ इड्डीए पहियकित्ती हय-
 गयरहपवरजोहकलियाए चाउरंगिणी सेणाए समणुगम्ममाणमग्गे जेणेव पुण्णभहे
 चेइए तेणेव पहारेत्थ गमणाए, तए णं तस्स कूणियस्स रण्णो भंभसारपुत्तस्स पुरओ
 महंआस्ता आसधरा उभओ पासिं णागा णागधरा पिडओ रहसंगेहि । तए णं से
 कूणिए राया भंभसारपुत्ते अब्भुग्गयभिगारे पम्माहियतालियंटे उच्चियसेयच्छत्ते
 पवीइयवालवीयणीए सव्वइड्डीए सव्वजुत्तीए सव्वबलेणं सव्वसमुदएणं सव्वादरेणं
 सव्वविभूईए सव्वविभूसाए सव्वसंभमेणं सव्वपगईहिं सव्वणावगेहिं सव्वतालायरेहिं
 सव्वओरोहेहिं सव्वपुप्फांधमल्लालंकारेणं सव्वतुडियसहसण्णिगाएणं महया इड्डीए
 महया जुत्तीए महया बलेणं महया समुदएणं महया वरतुडियजमसमगप्पवाइएणं

संजयणवपडहेरिअल्लरिखरमुहिहुडुकमुखसुखमुयंगुंदुं दुमिणिधोसणाइयरवेणं चंपाए
 णरीए मज्झमज्जेणं गिगच्छइ ॥३०॥ तए णं कूणिस्स रणो चंपाणगरिं मज्झ-
 मज्जेणं गिगच्छमाणस्स वव्वे अन्थऽन्थिया कामत्थिया भोगत्थिया लामत्थिया किब्बि-
 सिया कराडिया कारवाहिया संखिया चक्किया णंगलिया मुहमंगलिया वद्धमाणा
 पुस्समाणा खंडियगणा ताहिं इट्ठाहिं कंताहिं पियाहिं मणुण्णाहिं मणोभिरामाहिं
 उरालाहिं कल्लाणाहिं सिवाहिं धणाहिं मंगल्लाहिं सस्सिरीयाहिं हिययगमणिजाहिं
 [हिययपल्लायणिजाहिं मिय महुरेणभिरगाहिगाहिं अट्टसइवाहिं(अपुणरुक्ताहिं)]वग्गूहिं
 जयविजयमंगलसएहिं अणवरयं अभिणंदंता य अभियुणंता य एवं वयासी-जय २
 णंदा ! जय २ भदा ! भदं ते अजियं जिणाहि जियं(च)पालेहि जियमज्झे वसाहि ।
 इंदो इव देवाणं चमरो इव अमुराण धरणो इव ण्णामाणं चंदो इव ताराणं भरहो इव
 मणुयाणं बहूइ वासाइं बहूइ वाससंथाइं बहूइ वाससहस्साइं बहूइ वाससयसहस्साइं
 अणहसममो हट्ठतुट्ठो परमाउं पालयाहि । इट्ठजणसंपरिउडो चंपाए णरीए
 अणेतं च बहूणं गामागर-णयर-खेड-कब्बड-मडंव-दोणमुह-पट्टण-आसम-णिगम-
 संवाह-सणिदेसाणं आहेवच्चं पारेवच्चं सामित्तं भट्टिट्तं महत्तरगतं आणाईसर-
 सेणवच्चं कारेमाणे पालेमाणे महयाऽऽइयणट्टगीयवाइयत्तीतलतालतुडियवण-
 मुयंगपटुप्पवाइयरवेणं विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहराहि त्ति-कट्ठु जय
 जय सह पउंजंति । तए णं से कूणिए सया भंभस्तारपुत्ते णयणमालासहस्सेहिं
 पेच्छिजमाणे पेच्छिजमाणे हिययमालासहस्सेहिं अभिणंदिजमाणे २ मणोरहमालासह-
 स्सेहिं विच्छिजमाणे २ वयणमालासहस्सेहिं अभियुज्जमाणे २ कंतिसोदग्गणुणेहिं
 पत्थिजमाणे पत्थिजमाणे बहूणं णरणासिहस्साणं दाहिणहत्थेणं अंजलिमालासहस्साइं
 पडिच्छमाणे २ मंजुमंजुणा धोसेणं पडिबुज्जमाणे २ भवणपतिसहस्साइं समइच्छ-
 माणे २ [त्ती-तल-ताल-तुडिय-गीय-वाइयरवेणं (महुरेणं) मणहरेणं जयसद्दुग्घो-
 सविसएणं मंजुमंजुणा धोसेणं अपडिबुज्जमाणे, कंदरगिरि-विवर-कुहरगिरिवर पासा-
 दुद्ध-धण-भवण-देवकुल-सिंधाडग-तिग-च उक्क-च च्चरआरामुज्जाणकाणसमापवाप-
 देसदेसभागे पडिसइ (डिंसुआ) सयसहस्ससंकुलं करंति । हयहेसिय हत्थिगुलगुला-
 इय रहयणणसह्मीसएणं महया कलकलरवेणं जणस्स महुरेण पूरयंते, सुगंधवर-
 कुसुमपुण्णउत्तिववसासरेणुकविलं णभं करंते, कालागुरुकुंदुरुक्कतुरुक्कधूवणिवहेण-
 जीवलोगमिव वासयंते, समंतओ खुभियचक्कवालं, पउरजणवालुइइ-पमुइयतु-

रियपहाविय विउलाउलबोलबहुलं णमं करेते] चंपाए णयरीए मज्झमज्जेणं णिमा-
च्छइ णिमाच्छित्ता जेणेव पुण्णभदे चेइए तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता
समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते छत्ताइए तित्थयराइसेसे पासइ पासित्ता
आभित्सेकं हत्थिरयणं ठवेइ ठवित्ता आभित्सेकाओ हत्थिरयणाओ पच्चोरुहइ
पच्चोरुहइत्ता अवहट्ठु पंच रायककुहाइं, तंजहा—खगं छत्तं उप्पेसं वाहणाओ
वाल्वीयणं, जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता समणं
भगवंमहावीरं पंचविहेणं अभिगमेणं अभिगच्छइ, तंजहा—सच्चित्ताणं दव्वाणं विउ-
सरण्याए १ अच्चित्ताणं दव्वाणं अविउसरण्याए २ एगसाडियं उत्तरासंगकरणेणं
३ चक्रबुक्कासे अंजलिपग्गहेणं ४ मणतो एगत्तभावकरणेणं ५ समणं भगवं महावीरं
तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ करेत्ता वदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता
तिविहाए पज्जुवासणाए पज्जुवासइ, तंजहा—काइयाए बाइयाए माणसियाए
काइयाए ताव संकुइयग्गहत्थपाए सुत्सूसमाणे णमंसमाणे अभिमुहे विणएणं पंजलि-
उडे पज्जुवासइ, वाहयाए जं जं भगवं वागरेइ एवमेयं भंते ! तहमेयं भंते ! अवि-
तहमेयं भंते ! असंदिद्धमेयं भंते ! इच्छियमेयं भंते ! पडिच्छियमेयं भंते ! इच्छियप-
डिच्छियमेयं भंते ! से जहेयं तुब्भे वदइ अपडिक्कुलमाणे पज्जुवासइ, माणसियाए
महया संवेगं जणइत्ता तिव्वधम्मणुरागरत्तो पज्जुवासइ ॥३१॥ तए णं ताओ सुभहा-
पमुहाओ देवीओ अंतो अंतेउरंसि ण्हायाओ जाव पायच्छित्ताओ सव्वालंकारविभू-
सियाओ बहूहिं खुजाहिं चेलाहिं वामणीहिं वडभीहिं बन्वरीहिं पयाउसीयाहिं जोणि-
याहिं पण्हवियाहिं इसिगिणियाहिं वासिइणियाहिं लासियाहिं लउसियाहिं सिंहलिहिं
दमिलीहिं आरवीहिं पुलंदीहिं पक्कणीहिं बहलीहिं मुकुंडीहिं सबरियाहिं पारसीहिं णाणा-
देसीविदेसपरिमंडियाहिं इगियचित्तियपत्थियमणोगतविजाणियाहिं सदेसणेवत्थ-
माहियवेसाहिं चेडियाचक्रवाल्वरिसधरकंचुइज्जमहत्तरगवंदपरिक्खित्ताओ अंतेउराओ
णिमाच्छंति २ च्ता जेणेव पाडिएक्कजाणाइं तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता पाडि-
एक्कपाडिएक्काइ जत्ताभिमुहाइं जुत्ताइं जाणाइं दुरुहंति दुरुहित्ता णियगपरियाल्लसद्धिं
संपरिखुडाओ चंपाए णयरीए मज्झमज्जेणं णिमाच्छंति णिमाच्छित्ता जेणेव पुण्णभदे
चेइए तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते
छत्ताइए तित्थयराइसेसे पासंति पासित्ता पाडिएक्कपाडिएक्काइ जाणाइं ठवंति ठवित्ता
जाणेहिंतो पच्चोरुहंति पच्चोरुहित्ता बहूहिं खुजाहिं जाव परिक्खित्ताओ जेणेव
समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छंति २ च्ता समणं भगवं महावीरं पंचविहेणं

अभिगमेण अभिगच्छेति, तज्जहा—सच्चित्ताणं दब्बाणं विउसरण्याए अच्चित्ताणं दब्बाणं
 अविउसरण्याए चिणओणयाए गायलट्ठीए चक्खुप्फासे अंजलिपग्गेहेणं मणसो
 एगत्तकरणेणं समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेति वंदति
 णमंसति वंदित्ता णमंसित्ता कूणियरायं पुरओ कट्ठु ठिइयाओ चेव सपरिवाराओ
 अभिमुहाओ विणएणं पंजलिउडाओ पज्जुवासति ॥३२॥ तए णं समणे भगवं महा-
 वीरे कूणियस्स रण्णो भमसारपुत्तस्स सुभद्दापमुहाणं देवीणं तीसे य महइमहालियाए
 परिस्ताए इसिपरिस्ताए सुणिपरिस्ताए जइपरिस्ताए देवपरिस्ताए अणेगसयाए अणेग-
 सयवंदाए अणेगसयवंदपरिवाराए ओहबले अइबले महब्बले अपरिमियबलवीरिय-
 तेयमाहत्थकंतिजुत्ते सारवणवत्थणियमहुरगंभीरक्कोचणिग्गेसतुं दुभिसरे उरेवित्थडाए
 कठेऽवट्ठियाए सिरे समाइणाए अगरलाए अमम्मणाए सव्ववस्सरसणिवाइयाए
 पुणरस्ताए फुडविमय महुरगंभीर माहियाए सव्वभासाणुगामिणीए सरस्सईए जोयण-
 णीहारिणा सरेणं अद्धमागहाए भासाए भासइ अरिहा धम्मं परिकहेइ । तेसिं
 सव्वेसिं आरियमणारियाणं अंगिलाए धम्ममाइक्खइ, साऽवियं अद्धमागहा भासा
 तेसिं सव्वेसिं आरियमणारियाणं अण्णो सभासाए परिणामेणं परिणमइ, तज्जहा—
 अत्थि लेए अत्थि अलोए एवं जीवा अजीवा बंधे मोक्खे पुण्णे पावे आसवे संवरे
 वेयणा गिजरा अरिहंता चक्खवट्ठी बलदेवा वासुदेवा णरगा णेरइया तिरिक्खजोणिया
 तिरिक्खजोणिणीओ माया पिया रिमओ देवा देवलोया सिद्धी सिद्धा परिणिव्वाणं
 परिणिव्वाया अत्थि पाणाइवाए मुसावाए अदिण्णादाणे मेहुणे परिग्गेहे अत्थि कोहे
 माणे माया लोभे जाव मिच्छादंसणसहे । अत्थि पाणाइवायवेरमणे मुसावायवेरमणे
 अदिण्णादायवेरमणे मेहुणवेरमणे परिग्गाहवेरमणे जाव मिच्छादंसणसहविवेगे सव्वं
 अत्थिभावं अत्थित्ति वयइ, सव्वं णत्थिभावं णत्थित्ति वयइ, सुचिण्णा कम्मा सुचिण्ण-
 फला भवंति, दुचिण्णा कम्मा दुचिण्णफला भवंति, पुसइ पुण्णपावे, पच्चायंति
 जीवा, सफले कळाणपावए । धम्ममाइक्खइ—इणसेव णिग्गेथे पावयणे सच्चे अणु-
 त्तरे केवलए संसुद्धे पडिपुण्णे गेयाउए सहकत्तणे सिद्धिमग्गे मुत्तिमग्गे णिव्वाण-
 मग्गे गिजाणमग्गे अवितहमविसंधि सव्वदुक्खलपहीणमग्गे इहट्ठिया जीवा सिज्झंति
 बुज्झंति मुच्चंति परिणिव्वायंति सव्वदुक्खाणमंतं करंति । एगच्चा पुण एगे
 भयंतारो पुक्कम्मावसेसेणं अण्णयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति,
 महइइएसु जाव (महज्जुइएसु महाबलेसु महाजसेसु महाणुभागेसु) महासुक्खेसु

दूरंगइएसु चिरट्टिउईएसु, ते णं तत्थ देवा भवन्ति महड्डिए जाव चिरट्टिउईया
 शारविराइयवच्छा जाव पभासमाणा कय्योवगा गइक्खणा ठिइक्खणा आगमेसिभदा
 जाव पडिस्वा, तमाइक्खइ एवं खलु चउहिं ठाणेहिं जीवा णेरइयत्ताए कम्मं पकरन्ति
 णेरइयत्ताए कम्मं पकरेत्ता णेरइएसु उववजन्ति, तंजहा—महारंभयाए महापरिग्गहयाए
 पंचिदियवहेणं कुणिमाहारेणं, एवं एएणं अभिल्लवेणं तिरिक्खजोणिएसु माइल्लयाए
 णियडिल्लयाए अलियवयणेणं उक्कंचणयाए वंचणयाए, मणुस्सेसु पगाइभइयाए पगाइ-
 विणीययाए साणुक्कोसयाए अमच्छरिययाए, देवेषु सरागसंजमेणं संजमासंजमेणं
 अकामणिज्जराए बालतवोक्कमेणं तमाइक्खइ—जहं णरगा गम्भन्ति जे णरगा जा य
 वेयणा णरए । सारोस्मानसाइं दुक्खाइं तिरिक्खजोणीए ॥१॥ माणुस्सं च अणिच्चं
 बाहिजरामरणवेयणापउरं । देवे य देवलोए देविड्ढिं देवसोक्खाइं ॥२॥ णरगं
 तिरिक्खजोणिं माणुसभावं च देवलोयं च । सिद्धे य सिद्धवसहिं छज्जीवणियं परि-
 कहेइ ॥३॥ जह जीवा वज्झन्ति मुच्चन्ति जह य परिकिलिस्सन्ति । जह दुक्खाणं अंतं
 करन्ति केई अपडिबद्धा ॥४॥ अट्टदुहट्टियचित्ता जह जीवा दुक्खसागरमुव्विन्ति । जह
 वेरगमुवगया कम्मसमुग्गं विहाडन्ति ॥५॥ जहा रागेण कडाणं कम्माणं पावगो फल-
 विवागो, जह य परिहीणकम्मा सिद्धा सिद्धालयमुव्विन्ति ॥६॥ तमेव धम्मं दुविहं
 आइक्खइ, तंजहा—अगारधम्मं अणगारधम्मं च, अणगारधम्मो ताव इह खलु
 सव्वओ सव्वत्ताए मुडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वयइ सव्वओ पाणाइ-
 वायाओ वेरमणं सव्वओ मुसावाय० अदिण्णादाण० मेहुण० परिग्गह० राईभोयणाओ
 वेरमणं अयमाउसो ! अणगारसामइए धम्मं पण्णत्ते, एयस्स धम्मस्स सिक्खाए उव-
 ट्ठिए णिग्गंथे वा णिग्गंथी वा विहरमाणे आणाए आराहए भवइ । अगारधम्मं दुवाल-
 सविहं आइक्खइ, तंजहा—पंच अणुव्वयाइं तिण्णि गुणव्वयाइं चत्तारि सिक्खावयाइं,
 पंच अणुव्वयाइं, तंजहा—थूलाओ पाणाइवायाओ वेरमणं थूलाओ मुसावायाओ
 वेरमणं थूलाओ अदिण्णादाणाओ वेरमणं सदास्संतोसे इच्छापरिमाणे, तिण्णि गुणव्व-
 याइं तंजहा—अणत्थदंडवेरमणं विसिक्खयं उवभोगपरिभोगपरिमाणं, चत्तारि सिक्खाव-
 याइं, तंजहा—सामाइयं देसावगासियं पोसहोववासे अतिहिसंयअस्स विभागे, अपच्छिमा
 मारणंतिया संलेहणाजूसणाराहणा अयमाउसो ! अगारसामइए धम्मं पण्णत्ते, अगार-
 धम्मस्स सिक्खाए उवट्ठिए समणोवासए समणोवासिया वा विहरमाणे आणाए
 आराहए भवइ ॥३॥ तए णं सा महइमहालिया मणुसपरिसा समणस्स भगवओ

महावीरस्स अंतिए धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठुड जाव हियया उट्ठाए उट्ठेइ उट्ठाए उट्ठित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ ता वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता अत्थेगइया मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए, अत्थेगइया पंचाणुव्वइयं सत्तसिक्खवइयं दुवालसविहं गिहियम्मं पडिवण्णा, अव-
सेसा णं परिता समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी-
सुअक्खाए ते भंते ! णियंथे पावयणे एवं सुपण्णत्ते सुभासिए सुविणीए सुभाविए
अणुत्तरे ते भंते ! णियंथे पावयणे, धम्मं णं आइक्खमाणा तुब्भे उवसमं आइ-
क्खइ, उवसमं आइक्खमाणा विवेगं आइक्खइ, विवेगं आइक्खमाणा वेरम्मणं
आइक्खइ, वेरम्मणं आइक्खमाणा अकरणं पावाणं कम्माणं आइक्खइ, णत्थि णं
अण्णे केइ सण्णे वा माहणे वा जे एरिसं धम्ममाइक्खित्तए, किमंग पुण एत्तो
उत्तरतरं ?, एवं वदित्ता जामेव दिसं पाउब्भूया तामेव दिसं पडिगया ॥ ३४ ॥
तए णं कूणिए राया भंभसारपुत्ते समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं सोच्चा
णिसम्म हट्ठुड जाव हियए उट्ठाए उट्ठेइ उट्ठाए उट्ठित्ता समणं भगवं महावीरं
तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ ता वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता एवं
वयासी-सुअक्खाए ते भंते ! णियंथे पावयणे जाव किमंग पुण एत्तो उत्तरतरं ?,
एवं वदित्ता जामेव दिसं पाउब्भूया तामेव दिसं पडिगए ॥ ३५ ॥ तए णं ताओ
सुभहापमुहाओ देवीओ समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं सोच्चा णिसम्म
हट्ठुड जाव हिययाओ उट्ठाए उट्ठित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं
पयाहिणं करेन्ति २ ता वंदन्ति णमंसन्ति वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी-सुअक्खाए
ते भंते ! णियंथे पावयणे जाव किमंग पुण एत्तो उत्तरतरं ?, एवं वदित्ता जामेव
दिसिं पाउब्भूयाओ तामेव दिसिं पडिगयाओ ॥ समोसरणं समत्तं ॥ ३६ ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतैवासी इंदभूई
णामं अणगारे गोयमसगोत्तेणं सत्तुस्सेहे समच्चउरंससंठाणसंठिए वइरोसहणारायसंघयणे
कणगापुल्लगणिभसपहगोरे उमातवे दित्ततवे तत्ततवे महातवे घोरतवे उराले घोरे
घोरगुणे घोरतवस्सी घोरवंभचेखासी उच्छूदसरीरे संखित्तविउल्लतेयलेस्से समणस्स
भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते उड्ढंजाणू अहोसिरे झाणकोट्ठोवगए संजमेणं
तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ । तए णं से भगवं गोयमे जायसइडे जायसंसए जाय-
कोऊहले उप्पण्णसइडे उप्पण्णसंसए उप्पण्णकोऊहले संजायसइडे संजायसंसए संजाय-

कोऊहले समुप्पणसङ्खे समुप्पणसंसए समुप्पणकोऊहले उट्टाए उट्ठेइ उट्टाए
उट्ठित्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता समणं
भगवं महावीरं तिकखुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ णमंसइ वंदित्ता णम-
सित्ता णच्चासण्णे णाइदूरे सुसूसमाणे णमंसमाणे अभिमुहे विणएणं पंजलिउडे पल्ल-
वासमाणे एवं वयासी-जीवे णं भंते ! असंजए अविरए अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे
सकिरिए असंबुडे एगंतदंडे एगंतबाले एगंतसुत्ते पावकम्मे अण्हाइ ? हंता अण्हाइ १ ।
जीवे णं भंते ! अमंजयअविरयअप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे सकिरिए असंबुडे
एगंतदंडे एगंतबाले एगंतसुत्ते मोहणिज्जं पावकम्मे अण्हाइ ? हंता अण्हाइ २ ।
जीवे णं भंते ! मोहणिज्जं कम्मं वेदेमाणे किं मोहणिज्जं कम्मं बंधइ ? वेयणिज्जं कम्मं
बंधइ ?, गोयमा ! मोहणिज्जं कम्मं बंधइ वेयणिज्जं कम्मं बंधइ, णणत्थ
अरिममोहणिज्जं कम्मं वेदेमाणे वेयणिज्जं कम्मं बंधइ णो मोहणिज्जं कम्मं बंधइ ३ ।
जीवे णं भंते ! असंजए अविरए अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे सकिरिए असंबुडे
एगंतदंडे एगंतबाले एगंतसुत्ते ओसण्णतसपाणघाई काल्मासे कालं किच्चा णेरइएसु
उववज्जइ ? हंता उववज्जइ ४ । जीवे णं भंते ! असंजए अविरए अप्पडिहयपच्चक्खाय-
पावकम्मे इओ सुए पेच्चा देवे सिया ? गोयमा ! अत्थेगइया देवे सिया अत्थेगइया
णो देवे सिया, से केणदूठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-अत्थेगइया देवे सिया अत्थेगइया णो
देवे सिया ? गोयमा ! जे इमे जीवा गामागरणयरणिगमरायहाणित्वेडकब्बडमंडव-
दोणमुहपट्ठणासमसंबाहसण्णिवेसेसु अकामतण्हाए अकामच्छुहाए अकामबंभेचरवासेणं
अकामअण्हाणसीयायवदंसमसगसेयजल्लमल्लपंकपरितावेणं अप्पतरो वा भुज्जतरो वा
कालं अप्पाणं परिकिलेसंति अप्पतरो वा भुज्जतरो वा कालं अप्पाणं परिकिलेसित्ता
काल्मासे कालं किच्चा अण्णयरेसु वाणमंतरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति,
तहिं तेसिं गई तहिं तेसिं ठिई तहिं तेसिं उक्खाए णणत्ते । तेसिं णं भंते ! देवाणं
केवइयं कालं ठिई णणत्ता ? गोयमा ! दसवाससहस्साइं ठिई णणत्ता, अत्थि णं
भंते ! तेसिं देवाणं इड्ढी वा जुई वा जसे इ वा बले इ वा वीरिए इ वा पुरिस-
कारपरिकमे इ वा ? हंता अत्थि, ते णं भंते ! देवा परलोगस्साराहगा ? णो इणदूठे
समदूठे ५ । से जे इमे गामागरणयरणिगमरायहाणित्वेडकब्बडमंडवदोणमुहपट्ठणा-
समसंबाहसण्णिवेसेसु मणुया भवंति, तंजहा-अंडुबद्धगा णियल्लबद्धगा हडिबद्धगा
चारगवद्धगा हत्थच्छिण्णगा पायच्छिण्णगा कण्णच्छिण्णगा णक्कच्छिण्णगा उट्ठच्छिण्णगा

त्रिभच्छिण्णगा सीसच्छिण्णगा मुहच्छिण्णगा मज्झच्छिण्णगा वेक्खच्छिण्णगा हिय-
उप्पाडियगा णयणुप्पाडियगा दसणुप्पाडियगा वसणुप्पाडियगा गेवच्छिण्णगा तंडु-
लच्छिण्णगा कागणिमंसक्खाइयया ओलंबियया लंबियया वंसियया शोलियया फाडि-
यया पीलियया सूलाइयया सूलभिण्णगा खारवात्तिया वज्झवत्तिया सीहपुच्छियया
दवगिदड्ढगा पंकोसण्णगा पंके खुत्तगा बलयमयगा वसट्टमयगा गियाणमयगा
अंतोसहमयगा गिरिपडियगा तरुपडियगा मरुपडियगा गिरिपक्खंदोलिया तरुपक्खं-
दोलिया मरुपक्खंदोलिया जलपवेसिगा जलणपवेसिगा विसभक्खियगा सत्थोवाडि-
यगा वेहाणसिया गिद्धपिट्ठा कंतारमयगा दुब्भिक्खमयगा असंकिलिट्ठपरिणामा ते
कालभासे काल किच्चा अण्णयरेसु वाणमंतरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवन्ति,
तहिं तेसिं गई तहिं तेसिं ठिई तहिं तेसिं उववाए ण्णत्ते, तेसिं णं भंते ! देवाणं
केवइयं कालं ठिई ण्णत्ता ? गोयमा ! बारसवाससहस्ताइं ठिई ण्णत्ता । अत्थि णं
भंते ! तेसिं देवाणं इड्ढी वा जुई वा जसे इ वा बले इ वा वीरिए इ वा पुरिस-
कारपरिकमं इ वा ? हंता अत्थि, ते णं भंते ! देवा परलोगस्साराहगा ? णो इणदुठे
समदुठे ६ । से जे इमे गामागरणयरणिगमरायहाणिखेडकब्बडमडंबदोणमुहपट्ठणा-
समसंबाहसंणिवेसेसु मणुया भवन्ति, तंजहा-पगइभइगा पगइउवसंता पगइपतणुकोह-
माणमायालोहा मिउमहवसंणणा अल्लीणा विणीया अम्मापिउसुसूस्सा अम्मापिईणं
अणइक्कमणिज्वयणा अप्पिच्छा अप्पारंभा अप्पपरिग्गहा अप्पेणं आरंभेणं अप्पेणं
समारंभेणं अप्पेणं आरंभसमारंभेणं वित्तिं कप्पेमाणा बहूइं वासाइं आउयं पालंति
पालत्ता कालभासे कालं किच्चा अण्णयरेसु वाणमंतरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो
भवन्ति, तहिं तेसिं गई तहिं तेसिं ठिई तहिं तेसिं उववाए ण्णत्ते, तेसिं णं भंते !
देवाणं केवइयं कालं ठिई ण्णत्ता ? गोयमा ! चउहसवाससहस्ता ७ । से जाओ
इमाओ गामागरणयरणिगमरायहाणिखेडकब्बडमडंबदोणमुहपट्ठणासमसंबाहसंणिवेसेसु
इत्थियाओ भवन्ति, तंजहा-अंतो अंतोउरियाओ गयपइयाओ मयपइयाओ बाल-
विहवाओ छड्ढियलियाओ माइरक्खियाओ पियरक्खियाओ भायरक्खियाओ कुल-
घररक्खियाओ ससुरकुलरक्खियाओ परुट्ठणहमंसुक्केसक्खरोमाओ ववगयपुण्णगंध-
मल्लालंकाराओ अण्हाणगसेयजइमल्लपंकपरितावियाओ ववगयखीरदहिणवणीय-
सणित्तेल्लगुल्लोणंमहुमज्जमंसपरिचत्तकयाहाराओ अप्पिच्छाओ अप्पारंभाओ अप्प-
परिग्गहाओ अप्पेणं आरंभेणं अप्पेणं समारंभेणं अप्पेणं आरंभसमारंभेणं वित्तिं कप्पे-
माणीओ अकामव्रंभचेरवासेणं तमेव पइसेजं णाइक्कमंति, ताओ णं इत्थियाओ एया-

रूवेण विहारेण विहरमाणीओ बहूइं वासाइं सेसं तं चेव जाव चउसट्ठं वाससहस्साइं
 ठिईं पण्णत्ता ८ । से जे इमे गामगरणयरणिगमरायहाणिखेडकब्बडमडंयदोगमुहपट्टेणा-
 समसंवाहसण्णिवेसेसु मणुया भवंति, तंजहा—दगबिड्ढया दगतइया दगसत्तमा दग-
 एकारसमा गोयमा गोव्वइया गिहिधम्मा धम्मचिंतगा अविरुद्धविरुद्धबुद्धसावगप्प-
 मियओ तेसिं मणुयाणं णो कप्पइ इमाओ णव रसविगईओ आहारित्ताए, तंजहा—
 खीरं दहिं णवणीयं सय्यिं तेहं फाणियं महुं मज्जं मंसं, णणत्थ एक्काए सरिसववि-
 गईए, ते णं मणुया अप्पिच्छा तं चेव सव्वं णवरं चउरासीइवाससहस्साइं ठिईं
 पण्णत्ता ९ । से जे इमे गंगाकूलमा वाणपत्था तावसा भवंति, तंजहा—होत्तिया पोत्तिया
 कोत्तिया जण्णई सड्ढई थालई हुंपउट्ठा दंतुक्खलिया उम्मजगा सम्मजगा णिम्मजगा
 संपक्खाला दक्खिणकूलमा उत्तरकूलमा संखधम्मगा कूलधम्मगा मिगलुद्धगा इत्थितावसा
 उइंढगा दिसापोक्खिणो वाकवासिणो अंबुवासिणो बिलवासिणो जलवासिणो वेल-
 वासिणो रुक्खमूलिया अंबुभक्खिणो वाउभक्खिणो सेवालभक्खिणो मूलाहारा कंदा-
 हारा तयाहारा पत्ताहारा पुप्फहारा बीयाहारा परिसडियकंदमूलतयपत्तपुप्फफलाहारा-
 ब्रलामित्थेयकदिणगायभूया आयावणाहिं पंचमितावेहिं इंगाल्लसोल्लियं कंडुसोल्लियं
 कडसोल्लियंपिं अय्याणंकरेमाणा बहूइं वासाइं परियायं पाउणंति बहूइं वासाइं परि-
 यायं पाउणित्ता काल्मासे कालं किच्चा उक्कोसेण जोइसिएसु देवेसु देवत्ताए उव-
 वत्तारो भवंति, पलिओवमं वाससयसहस्समन्महिंयं ठिईं, सेसं तं चेव आराइगा ? णो
 इणदूठे समदूठे १० । से जे इमे जाव सण्णिवेसेसु पव्वइया समणा भवंति, तंजहा—
 कंदप्पिया कुक्कुइया मोहरिया गीयरइप्पिया णब्बणसीला ते णं एएणं विहारेण विहर-
 माणा बहूइं वासाइं सामण्णपरियायं पाउणंति २ त्ता तस्स ठाणस्स अणालोइयअप्पडि-
 ङ्गता काल्मासे कालं किच्चा उक्कोसेणं सोइभमे कप्पे कंदप्पिएसु देवेसु देवत्ताए उव-
 वत्तारो भवंति, तहिं तेसिं गई तहिं तेसिं ठिईं, सेसं तं चेव, णवरं पलिओवमं वास-
 सहस्समन्महिंयं ठिईं ११ । से जे इमे जाव सण्णिवेसेसु परिव्वायगा भवंति, तंजहा—
 संखा जोई कविला मिउच्चा हंसा परमहंसा बहुउदया कुडिक्खया कण्हपरिव्वायगा,
 तत्थ खलु इमे अट्ठ माहणपरिव्वायगा भवंति, तंजहा—कण्हे य कण्कडे य, अंयडे य
 परासरे । कण्हे दीवायणे चेव, देवगुत्ते य णारए ॥१॥ तत्थ खलु इमे अट्ठ खत्तिय-
 परिव्वायया भवंति, तंजहा—सीलई ससिहारे(य), णमई भगई इ य. । विदेहे राया-
 राया रायारामे बलेइ य ॥१॥ ते णं परिव्वायगा रिउव्वेयज्जुल्लेयसामवेयअहव्वण-
 वेयइतिहासपंचमाणं णिबंदुल्लङ्घणं संगोवंगाणं सरइस्साणं चउण्हं वेयाणं सारगा पारगा

धारणा वारणा सडंगवी सट्ठितंतविसारया संखाणे सिक्खाकप्पे वागरणे छंदे गिरुत्ते जोइसामयणे अण्णेसु य बंभण्णएसु य सत्थेसु सुपरिणिट्ठया यावि हुत्था । ते णं परिव्वायगा दाणधम्मं च सोयधम्मं च तित्थाभिसेयं च आघवेमाणा पणवेमाणा पलंभमाणा विहरंति, जण्णं अम्हे किंचि असुई भवइ तण्णं उदएण य मट्ठियाए य पक्खालियं सुई भवइ, एवं खलु अम्हे चोक्खा चोक्खायारा सुई सुइसमायारा भवेत्ता अभिसेयजलपूयप्पाणो अविग्गेण सग्गं गमिस्सामो, तेसि णं परिव्वायगाणं णो कप्पइ अगडं वा तलायं वा णई वा वाविं वा पुक्खरिणिं वा दीहियं वा गुंजालियं वा सरं वा सारं वा ओगाहित्तए, जण्णत्थ अट्ठाणगमणे, णो कप्पइ सगडं वा जाव संद-
माणियं वा दुरुहत्ता णं गच्छित्तए, तेसि णं परिव्वायगाणं णो कप्पइ आसं वा हत्थि वा उट्ठं वा गोणिं वा महिंसं वा खरं वा दुरुहत्ता णं गमित्तए, तेसि णं परिव्वाय-
गाणं णो कप्पइ णडपेच्छा इ वा जाव मागहपेच्छा इ वा पेच्छित्तए, तेसि परिव्वाय-
गाणं णो कप्पइ हरियाणं लेसण्यां वा धट्टण्यां वा धंभण्यां वा लूसण्यां वा उप्पा-
डण्यां वा करित्तए, तेसि परिव्वायगाणं णो कप्पइ इत्थिकहा इ वा भत्तकहा इ वा देसकहा इ वा रायकहा इ वा चोरकहा इ वा (जणवयकहा इ वा) अणत्थदंदं करि-
त्तए, तेसि णं णो कप्पइ अयपायाणि वा तउयपाणि वा तंबपायाणि वा जसदपायाणि वा सीसगपायाणि वा रूपपायाणि वा सुवण्णपायाणि वा अण्णयराणि वा बहुमुल्लाणि धारित्तए, जण्णत्थ लाउपाएण वा दाउपाएण वा मट्ठियापाएण वा, तेसि णं परि-
व्वायगाणं णो कप्पइ अयवंधणाणि वा तउयवंधणाणि वा तंवबंधणाणि जाव बहु-
मुल्लाणि धारित्तए, तेसि णं परिव्वायगाणं णो कप्पइ णाणाविहवण्णारागत्ताइ कथाइ धारित्तए, जण्णत्थ एक्काए धाउरत्ताए तेसि णं परिव्वायगाणं णो कप्पइ हारं वा अद्धहारं वा एगावलिं वा मुत्तावलिं वा कणावलिं वा रयणावलिं वा मुरविं वा कंठमुरविं वा पाल्लवं वा तिसरयं वा कडिसुत्तं वा दसमुहियाणंतगं वा कडयाणि वा तुडियाणि वा अंगयाणि वा केजराणि वा कुंडलाणि वा मउडं वा चूलामणिं वा पिण्डित्तए, जण्णत्थ एगेणं तंबिएणं पवित्तएणं, तेसि णं परिव्वायगाणं णो कप्पइ गंधिमवेट्ठिमपूरिमसंधाइमे चउव्विहे महे धारित्तए, जण्णत्थ एगेणं कण्णपूरेणं, तेसि णं परिव्वायगाणं णो कप्पइ अगलएण वा चंदणेण वा कुंडुमेण वा गायं अणु-
लिपित्तए, जण्णत्थ एक्काए गंगामट्ठियाए, तेसि णं (परिव्वायगाणं) कप्पइ मागहए पत्थए जलस्स पडिगाहित्तए, सेऽविय वह्माणे णो चेव णं अबहमाणे, सेऽविय थिमिओदए णो चेव णं कइमोदए, सेऽविय बहुपसण्णे णो चेव णं अबहुपसण्णे,

सेऽविय परिपूए णो चेव णं अपरिपूए, सेऽविय णं दिण्णे णो चेव णं अदिण्णे,
 सेऽविय पिबित्तए णो चेव णं हत्थपायच्चरुचमसपक्खाल्लणाए सिणाइत्तए वा, तेसि
 णं परिव्वायगाणं कप्पइ मामाहए अद्दाए जलस्स पडिग्गाहित्तए, सेऽविय वहमाणं
 णो चेव णं अवहमाणे जाव णो चेव णं अदिण्णे, सेऽविय हत्थपायच्चरुचमसपक्खा-
 ल्लणइयाए णो चेव णं पिबित्तए सिणाइत्तए वा ते णं परिव्वायगा एयारूवेणं विहा-
 रेणं विहरमाणा बहूइं वासाइं परियायं पाउणंति २ ता कालमासे कालं किच्चा उक्को-
 सेणं बंभलोए कप्पे देवत्ताए उववत्तारो भवंति, तहिं तेसिं गई तहिं तेसिं छिई दस
 सागरोवमाइं छिई पण्णत्ता, सेसं तं चेव १२ ॥३७॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं अम्म-
 डस्स परिव्वायगस्स सत्त अंतेवासिसयाइं गिम्हकालसमयंसि जेढामूलमांसंसि गंगाए
 महाणइए उभओकूलेणं कं पिळपुराओ णयराओ पुरिमत्तलं णयरं संपट्ठित्था विहा-
 राए, तए णं तेसिं परिव्वायगाणं तीसे अगामियाए छिण्णोवायाए दीहमद्वाए अडवीए
 कंचि देसंतरमणुपत्ताणं से पुव्वग्गहिए उदए अणुपुव्वेणं परिभुजमाणे झीणे, तए णं
 ते परिव्वाया झीणोदगा समाणा तण्हाए पारब्भमाणा २ उदगदातारमपस्समाणा
 अण्णमण्णं सद्दवैति सद्दवित्ता एवं बयासी—एवं खलु देवाणुप्पिया ! अन्ह इमीसे
 अगामियाए जाव अडवीए कंचि देसंतरमणुपत्ताणं से उदए जाव झीणे तं सेयं
 खलु देवाणुप्पिया ! अन्ह इमीसे अगामियाए जाव अडवीए उदगदातारस्स सव्वओ
 समंता मग्गणगवेसणं करित्तएत्तिकदट्ठ अण्णमण्णस्स अंतिए एयमदं पडिसुणंति २
 ता तीसे अगामियाए जाव अडवीए उदगदातारस्स सव्वओ समंता मग्गणगवेसणं
 करैति करित्ता उदगदातारमलभमाणा दोच्चंसि अण्णमण्णं सद्दवैति सद्दवित्ता एवं
 बयासी—इह णं देवाणुप्पिया ! उदगदातारो णत्थि तं णो खलु कप्पइ अन्ह अदिण्णं
 मिण्हित्तए अदिण्णं साइजित्तए, तं मा णं अन्ह इयाणि आवइकालंमि अदिण्णं
 मिण्हामो अदिण्णं साइजामो मा णं अन्ह तवलोवे भविस्सइ, तं सेयं खलु अन्ह
 देवाणुप्पिया ! तिदंडयं कुंडियाओ य कंचणियाओ य करोडियाओ य भिसियाओ
 य छण्णाए य अंकुसए य केसरियाओ य पवित्तए य गणेत्तियाओ य छत्तए य
 वाहणाओ य पाउयाओ य धाउरत्ताओ य एगंते एडित्ता गंगं महाणइं ओगाहित्ता
 वाळुयासंथारए संधरित्ता संलेहणाओसियाणं भत्तपाणपडियाइक्खियाणं पाओवगायाणं
 कालं अण्वकंखमाणं विहरित्तएत्तिकदट्ठ अण्णमण्णस्स अंतिए एयमदं पडिसुणंति
 अण्णमण्णस्स अंतिए० पडिसुणिता तिदंडए य जाव एगंते एडइ २ ता गंगं

महाणइं ओगाहंति २ स्ता वालुयासं थारयं संथरति २ स्ता वालुयासं थारयं दुरुहंति २ स्ता
 पुराधामिमुहा संपलिवं कणिसण्णा करवळ जाव कट्ठु एवं वयासी-णमोऽत्थु णं अरहंताणं
 जाव संपत्ताणं, णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव संपाविउकामस्स,
 णमोऽत्थु णं अम्मइस्स परिव्वायस्स अम्हं धम्मायरियस्स धम्मोवएसगस्स, पुब्बि णं
 अम्हे अम्मइस्स परिव्वायस्स अंति ए थूलगापाणाइवाए पच्चक्खाए जावजीवाए थूलए
 मुत्तावाए थूलए अविण्णादाणे पच्चक्खाए जावजीवाए सव्वे मेहुणे पच्चक्खाए
 जावजीवाए थूलए परिगहे पच्चक्खाए जावजीवाए इयाणिं अम्हे समणस्स भगवओ
 महावीरस्स अंति ए सव्वं पाणाइवायं पच्चक्खामो जावजीवाए एवं जाव सव्वं
 परिगहं, पच्चक्खामो जावजीवाए सव्वं कोहं माणं मायं लोहं पेजं दोसं कलहं
 अम्भक्खाणं पेसुणं परपरिवायं अरइरइं मायामोसं मिच्छादंसणसहं अकरणिजं जोगं
 पच्चक्खामो जावजीवाए सव्वं असणं पाणं खाइमं साइमं चउव्विहं पि आहारं पच्च-
 क्खामो जावजीवाए जं पि य इमं सरीरं इट्ठं कंतं पियं मणुणं मणामं थेजं (पेजं)
 वेसासियं समयं बहुमयं अणुमयं भंडकरंडगसमाणं मा णं सीयं मा णं उण्हं मा णं
 खुहा मा णं पिवासा मा णं वाला मा णं चोरा मा णं देसा मा णं मसगा मा णं
 बाइयपित्तियसंणिवाइयं विविहा रोगायंका परीसहोवसग्गा पुसंतुत्तिकट्ठु एयं पि णं
 चरमेहिं ऊत्तासणीसासेहिं वोसिरामित्तिकट्ठु संलेहणाञ्जसणाञ्जसिया भत्तपाणपडिया-
 इस्सिया पाओवगया-कालं अणवकंखमाणा विहरंति, तए णं ते परिव्वाया बहूइं
 भत्ताइं अणसणाए छेदेति छेदित्ता आलोइयपडिकंता समाहिपत्ता कालमासे कालं
 किच्चा वंभलोए कप्पे देवत्ताए उव्वण्णा, तहिं तेसिं गई दससागरोवमाइं ठिई
 पणत्ता, परलोगस्स आराहंगा, सेसं तं चेव १३ ॥ ३८ ॥ बहुजणे णं भंते !
 अणमण्णस्स एवमाइक्खइ एवं भासइ एवं परुवेइ एवं खलु अंबडे परिव्वायए
 कं पिल्लपुरे णयरे घरसए आहारमाहरेइ, घरसए वसहिं उवेइ; से कहमेयं भंते !
 एवं ? गोयमा ! जणं से बहुजणे अणमण्णस्स एवमाइक्खइ जाव एवं
 परुवेइ-एवं खलु अम्मडे परिव्वायए कं पिल्लपुरे जाव घरसए वसहिं उवेइ, सच्चे णं
 एसमट्ठे, अहं पि णं गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव एवं परुवेमि-एवं खलु अम्मडे
 परिव्वायए जाव वसहिं उवेइ ! से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ-अम्मडे परिव्वायए
 जाव वसहिं उवेइ ? गोयमा ! अम्मइस्स णं परिव्वाययस्स पगाइभइयाए जाव
 विणीययाए छट्ठं छट्ठेणं अणिकिस्सत्तेणं तवोक्कमेणं उड्ढं बाहाओ पगिज्झिय २

सूराभिमुहस्स आयावणभूमीए आयावेमाणस्स सुभेणं परिणामेणं पसत्थाहिं लेसाहिं विमुज्झमाणीहिं अण्णया कयाइ तयावरणिजाणं कम्माणं खओवसमेणं ईहावूह-
मगाणावेसणं करेमाणस्स वीरियलद्धी वेउज्वियलद्धी ओहिणाणलद्धी समुप्पणा,
तए णं से अम्मडे परिव्वायए ताए वीरियलद्धीए वेउज्वियलद्धीए ओहिणाणलद्धीए
समुप्पणाए जणविम्हावणहेउं कंपिल्लपुरे णयरे घरसए जाव वसहिं उवेइ, से
तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ-अम्मडे परिव्वायए कंपिल्लपुरे णयरे घरसए जाव
वसहिं उवेइ ! पहू णं मेते ! अम्मडे परिव्वायए देवाणुप्पियाण अंतिए मुंडे भवित्ता
अगाराओ अणगारिं पव्वइत्तए ! णो इणट्ठे समट्ठे, गोयमा ! अम्मडे णं परिव्वायए
समणोवासए अभिगयजीवाजीवे जाव अप्पाणं भावेमाणे विहरइ, णवरं ऊसियफलिहे
अवंगुयदुवारे चियत्तंतेउत्तरदारपवेसी णं बुच्चइ अम्मडस्स णं परिव्वायगस्स थूलए
पाणाइवाए पच्चक्खाए जावजीवाए जाव परिग्गहे णवरं सव्वे मेहुणे पच्चक्खाए
जावजीवाए, अम्मडस्स णं णो कप्पइ अक्खसोयप्पमाणमेत्तं पि जलं सयरहं उत्तरित्तए
णण्णत्थ अद्दाणगमणेणं, अम्मडस्स णं णो कप्पइ सगडं वा एवं चेव भाणियव्वं
जाव णण्णत्थ एग्गाए गंगामट्ठियाए, अम्मडस्स णं परिव्वायगस्स णो कप्पइ आहा-
कम्मिए वा उद्देसिए वा मीसजाए इ वा अज्झोयरए इ वा पूइकम्मे इ वा कीयगडे
इ वा पामिच्चे इ वा अणिसिट्ठे इ वा अभिहडे इ वा ठइत्तए वा रहत्तए वा कंता-
भत्ते इ वा दुब्भिकखभत्ते इ वा पाहुणगभत्ते इ वा गिलाणभत्ते इ वा वहलियाभत्ते इ वा
भोत्तए वा पाइत्तए वा, अम्मडस्स णं परिव्वायगस्स णो कप्पइ मूलभोयणे वा जाव
बीयभोयणे वा भोत्तए वा पाइत्तए वा, अम्मडस्स णं परिव्वायगस्स चउज्विहे
अण्णत्थदंडे पच्चक्खाए जावजीवाए, तंजहा-अवज्झाणायरिए पमायायरिए हिंसप्पयाणं
पावकभोवएत्ते, अम्मडस्स कप्पइ मागहए अद्दादए जलस्स पडिग्गाहित्तए सेऽविय
वहमाणए णो चेव णं अवहमाणए जाव सेऽविय पूए णो चेव णं अपरिपूए
सेऽविय सावज्जेत्तिकउ णो चेव णं अणवजे सेऽविय जीवा इत्तिकट्ठु णो चेव णं
अजीवा सेऽविय दिण्णे णो चेव णं अदिण्णे सेऽविय दंतहत्थपायचरुचमसपक्खाल-
णट्ठयाए पिबित्तए वा णो चेव णं सिणाइत्तए, अम्मडस्स कप्पइ मागहए य आदए
जलस्स पडिग्गाहित्तए, सेऽविय वहमाणे जाव दिण्णे णो चेव णं अदिण्णे सेऽविय
सिणाइत्तए णो चेव णं हत्थपायचरुचमसपक्खालणट्ठयाए पिबित्तए वा, अम्मडस्स

णो कयइ अण्णउत्थिया वा अण्णउत्थियदेवयाणि वा अण्णउत्थियपरिग्गहियाणि वा चेइयाइ वंदित्ताए वा णमंनित्ताए वा जाव पज्जुवासित्ताए वा णणत्थ अरिहंते वा अरिहंत चेइयाइ वा । अम्मडे णं भंते ! परिव्वायए कालमासे कालं किञ्चा कहिं गच्छिहिइ ? कहिं उववज्जिहिइ ?, गोयमा ! अम्मडे णं परिव्वायाए उच्चावएहिं सीलव्वयगुणंवरमणपच्चक्खणपोसहोववासेहिं अप्पाणं भावेमाणे बहूइं वासाइं समणोवासयपरियायं पाउणिहिइ २ ता मासियाए संलेहणाए अप्पाणं झूसित्ता सट्ठिउ भत्ताइं अणसणाए छेदित्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किञ्चा वंमलोए कप्पे देवत्ताए उववज्जिहिइ, तत्थ णं अत्थंगइयाणं देवाणं दस सागरोवमाइं ठिई पणत्ता, तत्थ णं अम्मडस्सवि देवस्स दस सागरोवमाइं ठिई । से णं भंते ! अम्मडे देवे ताओ देवलोगाओ आउवत्तएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं अणतरं चयं चइत्ता कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! महाविदेहे वामे जाइं कुलाइं भवंति अइदाइं दित्ताइं वित्ताइं विच्छिण्णविउल्लभवणसयणसणजार्णवाहणाइं बहुधणजायरूवरयथाइं आओगपओगसंपउत्ताइं विच्छिइइउरभत्तपाणाइं बहुदासीदासगोमहिसगवेल्गप्पभूयाइं दहुज्जणस्स अपरिभूयाइं तहप्पगारेसु कुलेसु पुमत्ताए पच्चायाहिइ । तए णं तस्स दारगस्स गम्भत्थस्स चेव समाणस्स अम्मापिईणं धम्मे दट्ठा पइण्णा भविस्सइ, से णं तत्थ णवण्हं मासाणं बहुपडिपुणाणं अइड्डमाणराइंदियाणं वीइक्कंताणं सुकुमालंपाणिपाए जाव ससिसोमाकारे कंते पियदंसणे सुरूवे दारए पयाहिइ, तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो पढमे दिवसे ठिइवडियं काहिति, बिइयदिवसे चंदसूरदंसणियं काहिति, छट्ठे दिवसे जागरियं काहिति, एक्कारसमे दिवसे वीइक्कंते णित्तिसे असुइजायकम्मकरणे संपत्ते बारसाहे दिवसे अम्मापियरो इमं एयारुवं गोणं गुणणिप्फणं णामधेजं काहिति—जम्हा णं अम्हं इमंसि दारगंसि गम्भत्थंसि चेव समाणंसि धम्मे दट्ठपइण्णा तं होउ णं अम्हं दारए दट्ठपइण्णे णामेणं, तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो णामधेजं करेहिंति दट्ठपइण्णेत्ति । तं दट्ठपइण्णं दारगं अम्मापियरो साइरेगउट्टवारुजायगं जाणित्ता सोभणंसि तिहिकरणक्कत्तमुहुत्तंसि कलायरियस्स उवणेहिंति । तए णं से कलायरिए तं दट्ठपइण्णं दारगं लेहाइयाओ गणियप्पहाणाओ सउणरुयपज्जवसाणाओ बावत्तारिकलाओ सुत्तओ य अत्थओ य करणओ य सेहाविहिइ सिक्खाविहिइ, तंजहा—लेहं गणियं रुवं णट्ठं गीयं वाइयं सरगयं पुक्खरगयं समतालं जूयं जणवायं

पासगं अट्ठावयं पोरैकच्चं दगमट्टित्तं अण्णविहिं पाणविहिं वत्थविहिं विलेवणविहिं सयणविहिं अजं पहेलियं भागहियं गाहं गीइयं सिलेयं हिरण्णजुत्तिं मुवण्णजुत्तिं गंधजुत्तिं चुण्णजुत्तिं आभरणविहिं तरुणीपडिकम्मं इत्थिलक्खणं पुरिसलक्खणं हय-लक्खणं गयलक्खणं गोणलक्खणं कुक्कुडलक्खणं चकलक्खणं छत्तलक्खणं चम्म-लक्खणं दंडलक्खणं असिलक्खणं मणिलक्खणं कावणिलक्खणं वंथुविज्जं खंधारमाणं णगरमाणं वत्थुणिवेसणं वूहं पडिवूहं चारं पडिचारं चकवूहं गधलक्खणं सगडवूहं जुद्धं णिजुद्धं जुद्धाइनुद्धं मुट्ठिजुद्धं बाहुजुद्धं लयाजुद्धं इत्थं छरूपवाहं धणुद्धेयं हिरण्ण-पागं मुवण्णपागं वट्टुखेड्डं सुत्तखेड्डं णालियाखेड्डं पत्तच्छेज्जं कट्टवच्छेज्जं सज्जीवं मिज्जीवं सउण्णस्यमिति वावत्तरिकलाओ सेहावित्ता सिक्खावेत्ता अम्मापिईणं उवणेहिइ । तए णं तस्स दट्ठपइण्णस्स दारगस्स अम्मापियरो तं कलायरियं विउलेणं असणपाण-खाइमसाइमेणं वत्थगंधमल्लालंकारेण य सकारेहिंति सम्माणेहिंति स० २ ता विउलं जीवियारिहं पीइदाणं दलइस्सइ २ ता पडिविसज्जेहिंति । तए णं से दट्ठपइण्णे दारए वावत्तरिकलापंडिए णवंगमुत्तपडिबोहिए अट्टारसदेसीभासाविसारए गीयरइं गंधव्वण-ट्टुकुसले हयजोही गयजोही रहजोही बाहुजोही बाहुप्पमदी वियालचारी साहसिए अलं भोगसमत्थे यावि भविस्सइ । तए णं दट्ठपइण्णं दारगं अम्मापियरो वावत्तरिकलापंडियं जाव अलं भोगसमत्थं वियाणित्ता विउलेहिं अण्णभोगेहिं पाणभोगेहिं लेणभोगेहिं वत्थभोगेहिं सयणभोगेहिं कामभोगेहिं उवणिमतेहिंति, तए णं से दट्ठपइण्णे दारए तेहिं विउलेहिं अण्णभोगेहिं जाव सयणभोगेहिं णो सज्जिहिइ णो रज्जिहिइ णो गिज्जिहिइ णो मुज्जिहिइ णो अज्जोववज्जिहिइ, से जहाणामए उप्पले इ वा पउमे इ वा कुसुमे इ वा णल्लिणे इ वा सुभगे इ वा सुगंधे इ वा पोंडरीए इ वा महापोंडरीए इ वा सयपत्ते इ वा सहस्सपत्ते इ वा सयसहस्सपत्ते इ वा पंके जाए जले संवुड्डे णोवल्लिप्पइ पंकरएणं णोवल्लिप्पइ जलरएणं, एवमेव दट्ठपइण्णेवि दारए कामेहिं जाए भोगेहिं संवुड्डे णोवल्लिप्पिहिइ कामरएणं णोवल्लिप्पिहिइ भोगरएणं णोवल्लिप्पिहिइ मित्तणाइणियगसयणसंबंधिपरिजणेणं, से णं तहारुत्ताणं थेराणं अंतिए केवलं बोहिं बुज्जिहिइ केवलवोहिं बुज्जित्ता अगाराओ अण्णारियं पव्वइहिइ । से णं भविस्सइ अण्णारे भगवते ईरियासमिए जाव गुत्तवंभयारी । तस्स णं भगवंतस्स एएणं विहा-रेणं विहरमाणस्स अण्णते अणुत्तरे णिव्वाघाए गिरावरणे कस्सिणे पडिपुण्णे केवल-वरणाणदंसणे समुप्पज्जिहिइ । तए णं से दट्ठपइण्णे केवली बहूइं वासाइं केवलपरि-

यागं पाउणिहिइ २ त्ता मासियाए सलेइणाए अप्पाणं सुसित्ता सट्ठिं भत्ताइं अणस-
 णाए छेएत्ता जस्सट्ठाए कीरइ णग्गभावे मुंडभावे अण्हाणाए अदंतवणए केसलोए
 वंभचेवरासे अञ्जलं अणोवाहणं भूमिसेजा फल्लहेसेजा कट्ठसेजा परघरपवेसो
 लद्धवल्द्धं परेहिं हीलणाओ खिसणाओ णिंदणाओ गरहणाओ तालणाओ
 तज्जणाओ परिभवणाओ पव्वहणाओ उच्चवया गामकंटगा बावीसं परीसहोव-
 सग्गा अहियासिज्जंति तमइमाराहिता चरिमेहिं उस्सासणिस्सासेहिं सिज्झिहिइ
 बुज्झिहिइ मुच्चिहिइ परिणिव्वाहिइ सव्वदुक्खाणमंतं करेहिइ १४ ॥ ३९ ॥
 से जे इमे गामागर जाव सणिवेसेसु पव्वइया समणा भवंति, तंजहा-आयरिय-
 पडिणीया उवज्झायपडिणीया कुलपडिणीया गणपडिणीया आयरियउवज्झायाणं
 अयसकारगा अवणकारगा अकित्तिकारगा बहूहिं असम्भावुभावणाहिं मिच्छत्ताभि-
 णिवेसेहि य अप्पाणं च परं च तदुभयं च बुग्गाहेमाणा बुप्पाएमाणा विहरित्ता
 बहूइं वासाइं सामण्णपरियागं पाउणंति २ त्ता तस्स ठाणस्स अणालोइयअपडिक्कंता
 काल्मासे कालं किच्चा उक्कोसेणं लंतए कप्पे देवकिञ्चिसिएसु देवकिञ्चिसियत्ताए
 उववत्तारो भवंति, तहिं तेसिं गई तेरससागरोवमाइं ठिई अणाराहगा सेसं तं
 चेव १५ । से जे इमे सणिपंचिंदियतिरिक्खजोणिया पज्जत्तया भवंति, तंजहा-
 जलयरा खहयरा थलयरा, तेसिं णं अत्थेगइयाणं सुभेणं परिणामेणं पसत्थेहिं
 अज्झवसाणेहिं लेसाहिं विमुज्झमाणाहिं तयावरणिजाणं कम्माणं खओवसमेणं
 ईहावुहममाणगवेसणं करेमाणानं सण्णीपुव्वजाईसरणे समुप्पज्जइ । तए णं ते
 समुप्पण्णजाइसरा समाणा सयमेव पंचाणुव्वयाइं पडिवज्जंति पडिवज्जित्ता बहूहिं
 सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खणपोसहोव्वासेहिं अप्पाणं भावेमाणा बहूइं वासाइं आउयं
 पालैति पालित्ता भत्तं पच्चक्खंति बहूइं भत्ताइं अणसणाए छेयंति २ त्ता आलोइय-
 पडिक्कंता समाहिपत्ता काल्मासे कालं किच्चा उक्कोसेणं सहस्सारे कप्पे देवत्ताए
 उववत्तारो भवंति, तहिं तेसिं गई अट्ठारस सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता, परलोगस्स
 आराहगा, सेसं तं चेव १६ । से जे इमे गामागर जाव सणिवेसेसु आजीविया
 भवंति, तंजहा-दुघरंतरिया तिघरंतरिया सत्तघरंतरिया उप्पलब्धेयिया घरसमुदाणिया
 विज्जुअंतरिया उट्ठिट्यासमणा, तेणं एयारुवेणं विहारेणं विहरमाणा बहूइं वासाइं
 परियायं पाउणित्ता काल्मासे कालं किच्चा उक्कोसेणं अञ्चुए कप्पे देवत्ताए उवव-
 त्तारो भवंति, तहिं तेसिं गई बावीसं सागरोवमाइं ठिई, अणाराहगा, सेसं तं चेव १७ ।
 से जे इमे गामागर जाव सणिवेसेसु पव्वइया समणा भवंति, तंजहा-अत्तुक्कोसिया

परपरिबाइया भूइकम्मिया भुज्जो २ कोउयकारगा, ते णं एयारूवेणं विहारेणं विहर-
 माणा बहूइं वासाइं सामण्णपरियागं पाउणंति पाउणिन्ता तस्स टाणस्स अणालोइय-
 अपडिक्कता काल्मासे कालं किच्चा उक्कोसेणं अच्चुएकप्पे आभिओगिएसु देवेसु देव-
 त्ताए उववत्तारो भवंति, तहिं तेसिं गई वावीसं सागरोवमाइं ठिई परलोगस्स अणारा-
 हगा, सेसं तं चेव १८। से जे इमे गामागर जाव सणिवेसेसु णिण्हमा भवंति, तंजहा-
 बहुरया १ जीवपएसिया २ अव्वत्तिया ३ सामुच्छेइया ४ दोकिरिया ५ तेरासिया
 ६ अबद्धिया ७ इच्छेते सत्त पवयणणिण्हगा केवल(लं)चरियाडिंसामण्णा मिच्छदिद्वी
 बहूहिं असम्भावुम्भावणाहिं मिच्छत्ताभिणिवेसेहिं य अप्पाणं च परं च तदुभयं च
 बुग्गाहेमाणा धुप्पाएमाणा विहरित्ता बहूइं वासाइं सामण्णपरियागं पाउणंति २ त्ता
 काल्मासे कालं किच्चा उक्कोसेणं उवरिमेसु गेवेजेसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति, तहिं
 तेसिं गई एकत्तीसं सागरोवमाइं ठिई, परलोगस्स अणाराहगा, सेसं तं चेव १९।
 से जे इमे गामागर जाव सणिवेसेसु मणुया भवंति, तंजहा--अप्पारंभा अप्पपरिग्गहा
 धम्मिया धम्माणुया धम्मिद्धा धम्मक्खाइं धम्मप्पलोइया धम्मपलज्जा धम्मसमुदायारा
 धम्मेषं चेव वित्तिं कप्पेमाणा सुसीला सुच्चया सुप्पडियाणंदा साहूहिं एगच्चाओ पाणाइ-
 बायाओ पडिविरया जावजीवाए एगच्चाओ अपडिविरया एवं जाव परिग्गहाओ एग-
 च्चाओ कोहाओ माणाओ मायाओ लोहाओ पेज्जाओ दोसाओ कलहाओ अब्भक्खा-
 णाओ पेसुण्णाओ परपरिबायाओ अरइरईओ मायामोसाओ मिच्छदंसणसह्हाओ पडि-
 विरया जावजीवाए एगच्चाओ अपडिविरया, एगच्चाओ आरंभसमारंभाओ पडिवि-
 रया जावजीवाए एगच्चाओ अपडिविरया, एगच्चाओ करणकारावणाओ पडिविरया
 जावजीवाए एगच्चाओ अपडिविरया, एगच्चाओ पयणपयावणाओ पडिविरया जाव-
 जीवाए एगच्चाओ पयणपयावणाओ अपडिविरया, एगच्चाओ कोट्टणपिट्ठतज्जण-
 तालणवह्वंधपरिकिलेसाओ पडिविरया जावजीवाए एगच्चाओ अपडिविरया, एगच्चाओ
 ण्हणमहणवण्णगविलेवणसद्धपरिसरसखरांघमल्लालंकाराओ पडिविरया जावजीवाए
 एगच्चाओ अपडिविरया, जेयावण्णे तहप्पगासा सावज्जो गोवहिया कम्मंता परपाण-
 परियावणकरा कज्जंति तओ जाव एगच्चाओ अपडिविरया तंजहा--समणोवासगा
 भवंति, अभिगयजीवाजीवा उवलद्धपुण्णापावा आसवसंवरणिजरकिरियाअहिगरण-
 बंधमोक्खकुसला अस्सहेज्जाओ देवासुरगामजक्खरक्खसकिण्णरंकिं पुरिसगरुलंगधव्व-
 महोरगाइएहिं देवराणेहिं णिग्गंथाओ पावयणाओ अणइक्कमणिज्जा णिग्गंथे पावयणे

णिस्संकिया णिक्कंखिया णिव्वित्तिगिच्छा लद्धा गहियद्धा पुच्छियद्धा अभिगयद्धा
विणिच्छियद्धा अट्ठिमिज्जेपेम्माणुगारत्ता अयमाउसो ! णिगंथे पावयणे अट्ठे अयं
परमट्ठे सेसे अणट्ठे ऊसियफलिहा अवंगुयदुवारा चियत्ततेउपरपरदारपवेसा
च उट्ठसट्ठमुट्ठिपुण्णमासिणीसु पडिपुण्णं पोसहं सम्मं अणुपालिमाणा समणे णिगंथे
फामुएसणिज्जेण असणपाणखाइमसाइमेणं वत्थपडिग्गहकंवलपायपुट्ठणं ओसह-
भेसजेणं पडिहारएण य पीढफलमसेज्जासंधारएणं पडिलामेमाणा विहरंति २ त्ता
भत्तं पच्चक्खंति ते बहूइं भत्ताइं अणसणाए छेदंति छेदित्ता आलोइयपडिक्कंता
समाहिपत्ता काय्मासे कालं किच्चा उक्कोसेणं अच्चुए कप्पे देवत्ताए उववत्तारो भवंति,
तहें तेमि गई वार्वांसं सागरोवमाइं ठिई आराहया सेसं तदेव २० । से जे इमे
गामागर जाव सणिवेसेमु मणुया भवंति, तंजहा—अणारंभा अपरिग्गहा धम्मिया
जाव कप्पेमाया मुसीअ सुव्वया सुपडियाणंदा साहू सव्वाओ पाणाइवायाओ
पडिविरया जाव सव्वाओ परिग्गहाओ पडिविरया सव्वाओ कोहाओ माणाओ
मायाओ लोभाओ जाव मिच्छादंसणसह्वाओ पडिविरया सव्वाओ आरंभसमारंभाओ
पडिविरया यत्थाओ करणकारावणाओ पडिविरया सव्वाओ पयणपयावणाओ पडि-
विरया सव्वाओ कुट्ठणपिट्ठणतज्जणताल्लणवह्वंधपरिकिलेसाओ पडिविरया सव्वाओ
एण्णमद्वगणगार्वावेवणसदपरिसरसखगंधमल्लालंकाराओ पडिविरया जेयावण्णे तह-
ण्णारा मावजजोगोवहिया कम्मंता परपाणपरियावणकरा कज्जंति तज्जोवि पडिविरया
जावजीवाए से जहाणामए अणमारा भवंति—ईरियासमिया भासासमिया जाव इणमेव
णिगंथं पावयणं पुरओक्काउं विहरंति तेसिंणं भगवंताणं एएणं विहारेणं विहरमाणाणं
अथेगइयाणं अणंतं जाव केवल्लवरणाणदंसणे समुप्पज्जइ, ते बहूइं वासाइं केवल्लपरि-
यागं पाउणंति २ त्ता भत्तं पच्चक्खंति २ त्ता बहूइं भत्ताइं अणसणाए छेदंति २ त्ता
जस्सट्ठाए कीरइ णग्गभावे० अंतं करंति, जेसिंपि य णं एगइयाणं णो केवल्लवरणाण-
दंसणं सनुपज्जइ ते बहूइं वासाइं लउमत्थपरियागं पाउणंति २ त्ता आवाहे उपण्णे
वा अणुयण्णे वा भत्तं पच्चक्खंति, ते बहूइं भत्ताइं अणसणाए छेदंति २ त्ता
जस्सट्ठाए कीरइ णग्गभावे जाव तमट्ठमाराहित्ता चरिमेहिं ऊसासणीसासेहिं
अणंतं अणुत्तरं णिव्वावायं णिरावरणं कसिणं पडिपुण्णं केवल्लवरणाणदंसणं
उप्पादंति, तओ पच्च सिज्जंति जाव अंतं करंति । एगच्चा पुण एगे भयंतारो
पुव्वकम्भावसेवेणं काळमासे कालं किच्चा उक्कोसेणं सव्वदसिद्धे महाविमाणे देवत्ताए

उववत्तारो भवन्ति, तहिं तेसिं गई तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई; आराहगा, सेसं तं
 चेव २१ । से जे इमे गामागर जाव सणिवेसेसु मणुया भवन्ति, तंजहा-सव्वकाम-
 विरिया सव्वरागविरया सव्वसंगातीता सव्वसिणेहाइकंता अंकोहा गिकोहा खीणकोहा
 एवं माणमायालोहा अणुपुव्वेणं अट्ट कम्मपयडीओ खवेत्ता उप्पि लोययपइंझाणा
 इवन्ति २२ ॥४०॥ अणगारे णं भंते ! भाविप्या केवलिसमुत्थाएणं समोहणित्ता
 केवलकप्पं लोयं फुसित्ता णं चिडइ ? हंता चिडइ, से णूणं भंते ! केवलकप्पे लोए
 तेहिं णिजरापोमालेहिं फुडे ? हंता फुडे, छउमत्थे णं भंते ! मणुस्से तेसिं णिजरा-
 पोमालाणं किंचि वण्णेणं वण्णं गंधेणं गंधं रसेणं रसं फासेणं फासं जाणइ पासइ ?
 गोयमा ! णो इणदठे समदठे, से केणदठेणं भंते ! एवं बुच्चइ-छउमत्थे णं मणुस्से
 तेसिं णिजरापोमालाणं णो किंचि वण्णेणं वण्णं जाव जाणइ पासइ ? गोयमा ! अयं
 णं जंबुदीवे २ सव्वदीवसमुद्दाणं सव्वब्भंतरए सव्वसुद्धए वदटे तेहपूयसंठाणसंठिए
 वदटे रइचक्कवालसंठाणसंठिए वदटे पुक्खरकणियासंठाणसंठिए वदटे पडिपुण-
 चंदसंठाणसंठिए एकं जोयणसयसइस्सं आयामविकसंभेणं तिण्णि जोयणसयसइस्साइं
 सोलससइस्साइं दोण्णि य सत्तावीसे जोयणसए तिण्णि य कोसे अट्ठावीसं च धणु-
 सयं तेरस य अंगुलाइं अद्वंगुलियं च किंचि विसेसाहिए परिकस्खेवणं पण्णत्ते, देवे
 णं महिड्डिए महज्जुइए महब्बले महाजसे महासुक्खे महाणुभावे सविलेवणं गंध-
 समुग्गयं णिणइ २ त्ता तं अवंदालेइ २ त्ता जाव इणामेवसिकदट्ठं केवलकप्पं जंबु-
 दीवं दीवं तिहिं अच्छराणिवाएहिं तिसत्तसुत्तो अणुपरियट्ठित्ता णं इव्वमागच्छेज्जा,
 से णूणं गोयमा ! से केवलकप्पे जंबुदीवे २ तेहिं घाणपोमालेहिं फुडे ? हंता फुडे, छउ-
 मत्थे णं गोयमा ! मणुस्से तेसिं घाणपोमालाणं किंचि वण्णेणं वण्णं जाव जाणइ पासइ ?
 भगवं ! णो इणदठे समदठे, से तेणदठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ-छउमत्थे णं मणुस्से
 तेसिं णिजरापोमालाणं णो किंचि वण्णेणं वण्णं जाव जाणइ पासइ, ए सुहुमा णं ते
 पोमाला पण्णत्ता, समणाउसो ! सव्वलोयंप्पि य णं ते फुसित्ता णं चिदंठंति । कम्हा
 णं भंते ! केवली समोहणंति ? कम्हा णं केवली समुग्गायं गच्छंति ?, गोयमा !
 केवलीणं चत्तारि कम्मंसा अपलिकखीणा भवन्ति, तंजहा-वेयणिजं आउयं णामं
 गुत्तं, सव्वबहुए से वेयणिजे कम्मे भवइ, सव्वत्थोवे से आउए-कम्मे भवइ, विसमं
 समं करेइ बंधणेहिं ठिईहिं य, विसमसमकरणयाए बंधणेहिं ठिईहिं य एवं खलु
 केवली समोहणंति, एवं खलु केवली समुग्गायं गच्छंति । सव्वेवि णं भंते ! केवली

समुग्धायं गच्छति ? णो इणदुठे समदुठे, 'अक्किता णं समुग्धायं, अण्णता केवली जिण। जरामरणविप्यमुक्का, सिद्धिं वरगइ गया ॥१॥' कइसमए णं भंते ! आउ-
जीकरणे पण्णत्ते ? गोयमा ! असंखेजसमइए अंतोमुहुत्तिए पण्णत्ते । केवलिसमुग्धाए
णं भंते ! कइसमइए पण्णत्ते ? गोयमा ! अट्टसमइए पण्णत्ते, तंजहा-पट्टमे समए
दंडं करेइ बिहए समए कवाडं करेइ तईए समए मंथं करेइ चउत्थे समए लोयं
पूरेइ पंचमे समए लोयं पडिसाहरइ छुटे समए मंथं पडिसाहरइ सत्तमे समए
कवाडं पडिसाहरइ अट्टमे समए दंडं पडिसाहरइ तओ पच्छा सरीरस्थे भवइ । से णं
भंते ! तहा समुग्धायं गए किं मणजोगं जुंजइ ? वयजोगं जुंजइ ? कायजोगं जुंजइ ?
गोयमा ! णो मणजोगं जुंजइ णो वयजोगं जुंजइ कायजोगं जुंजइ, कायजोगं जुंज-
माणे किं ओरालियसरीरकायजोगं जुंजइ ? ओरालियमिस्ससरीरकायजोगं जुंजइ ?
वेउत्थियसरीरकायजोगं जुंजइ ? वेउत्थियमिस्ससरीरकायजोगं जुंजइ ? आहारग-
सरीरकायजोगं जुंजइ ? आहारगमिस्ससरीरकायजोगं जुंजइ ? कम्मासरीरकायजोगं
जुंजइ ? गोयमा ! ओरालियसरीरकायजोगं जुंजइ, ओरालियमिस्ससरीरका-
यजोगंपि जुंजइ, णो वेउत्थियसरीरकायजोगं जुंजइ णो वेउत्थियमिस्ससरीरकायजोगं
जुंजइ णो आहारगसरीरकायजोगं जुंजइ णो आहारगमिस्ससरीरकायजोगं जुंजइ
कम्मासरीरकायजोगंपि जुंजइ पट्टमट्टमेसु समएसु ओरालियसरीरकायजोगं
जुंजइ विदवइछट्टसत्तमेसु समएसु ओरालियमिस्ससरीरकायजोगं जुंजइ तइयच-
उत्थपंचमेहिं कम्मासरीरकायजोगं जुंजइ । से णं भंते ! तहा समुग्धायगए सिज्झि-
हिइ बुज्झिहिइ मुच्चिहिइ परिणिव्वाहिइ सच्चदुवस्थाणंभंतं करेहिइ ? णो इणदुठे
समदुठे, से णं तओ पडिणियत्तइ तओ पडिणियत्तिता इहमागच्छइ, २ ता तओ
पच्छा मणजोगंपि जुंजइ वयजोगंपि जुंजइ कायजोगंपि जुंजइ, मणजोगं जुंजमाणे
किं सच्चमणजोगं जुंजइ मोसमणजोगं जुंजइ सच्चामोसमणजोगं जुंजइ असच्चामो-
समणजोगं जुंजइ ? गोयमा ! सच्चमणजोगं जुंजइ णो मोसमणजोगं जुंजइ णो सच्चामो-
समणजोगं जुंजइ असच्चामोसमणजोगंपि जुंजइ, वयजोगं जुंजमाणे किं सच्चवइ-
जोयं जुंजइ मोसवइजोगं जुंजइ [किं] सच्चामोसवइजोगं जुंजइ असच्चामोसवइजोगं
जुंजइ ? गोयमा ! सच्चवइजोगं जुंजइ णो मोसवइजोगं जुंजइ णो सच्चामोसवइजोगं
जुंजइ असच्चामोसवइजोगंपि जुंजइ, कायजोगं जुंजमाणे अगच्छेज वा चिदुठेज वा
णिसीएज वा तुयदुठेज वा उल्लंघेज वा पल्लंघेज वा उक्खेवणं वा पक्खेवणं वा

तिरियक्खेवणं वा करेज्जा पाडिहारियं वा पीढफलग्गसेजासंथारणं पच्चप्पिणेज्जा
 ॥ ४१ ॥ से णं भंते ! तथा सजोगी सिज्झहिइ जाव अंतं करेहिइ ? णो इणदुठे
 समदुठे, सेणं पुव्वामेव सण्णस्स पंचिदियस्स पज्जत्तगस्स जहण्णजोगस्स हेट्ठा असंखे-
 ज्जगुणपरिहीणं पढमं मणजोगं णिरुंभइ, तथाणंतरे च णं त्रिदियस्स पज्जत्तगस्स जहण्ण-
 जोगस्स हेट्ठा असंखेज्जगुणपरिहीणं बिइयं वइजोगं णिरुंभइ, तथाणंतरे च णं सुहुमस्स
 पण्णजीवस्स अपज्जत्तगस्स जहण्णजोगस्स हेट्ठा असंखेज्जगुणपरिहीणं तईयं कायजोगं
 णिरुंभइ, से णं एएणं उवाएणं पढमं मणजोगं णिरुंभइ २ ता वयजोगं णिरुंभइ २
 ता कायजोगं णिरुंभइ २ ता जोगणिग्गेहं करेइ २ ता अजोगत्तं पाउणइ २ ता
 ईसिंहस्सपंचक्खरउच्चारणद्वाए असंखेज्जसमइयं अंतोमुहत्तियं सेलेसिं पडिबजइ,
 पुव्वरइयगुणसेदीयं च णं कम्मं तीसे सेलेसिमद्वाए असंखेज्जाहिं गुणसेदीहिं अणंते
 कम्मंसे खवेइ वेयणिजाउयणामगोए, इच्चेए चत्तारि कम्मंसे जुगवं खवेइ २ ता
 ओराखियतेयाकम्माइं सव्वाहिं विप्पजहणाहिं विप्पजइ २ ता उज्जूहेदीपडिदण्णे
 अफुसमाणगई उडुंढं एकस्समएणं अविग्गहेणं वंता सागारोदउत्ते सिज्झइ । ते णं
 तत्थ सिद्धा हवंति सादीया अपज्जवसिया असरीरा जीवघणा दंसणणागोवउत्ता णिट्ठ-
 यट्ठा णिरेयणा णीरया णिम्मला वितिमिरा विसुद्धा सासयमणागयद्धं कालं चिदंतंति ।
 से केणदुठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—ते णं तत्थ सिद्धा भवंति सादीया अपज्जवसिया जाव
 चिदंतंति ? गोयमा ! से जहाणामए बीयाणं अग्निदड्ढाणं पुणरवि अंकुरप्पत्ती ण
 भवइ, एवामेव सिद्धाणं कम्मबीए दड्ढे पुणरवि जम्मुप्पत्ती ण भवइ, से तेणदुठेणं
 गोयमा ! एवं बुच्चइ—ते णं तत्थ सिद्धा भवंति सादीया अपज्जवसिया जाव चिदंतंति ।
 जीवा णं भंते ! सिज्झमाणा कयरंमि संघयणे सिज्झंति ? गोयमा ! वइरोसभणाराय-
 संघयणे सिज्झंति, जीवा णं भंते ! सिज्झमाणा कयरंमि संठाणे सिज्झंति ? गोयमा !
 छण्हं संठाणाणं अण्णयरे संठाणे सिज्झंति, जीवा णं भंते ! सिज्झमाणा कयरंमि
 उच्चत्ते सिज्झंति ? गोयमा ! जहण्णेणं सत्तरयणीओ उक्कोसेणं पंचधणुस्सए
 सिज्झंति, जीवा णं भंते ! सिज्झमाणा कयरंमि आउए सिज्झंति ? गोयमा ! जहण्णेणं
 साइरेगट्ठवासाउए उक्कोसेणं पुव्वकोडियाउए सिज्झंति । अत्थि णं भंते ! इमीसे
 रयणप्पहाए पुढवीए अहे सिद्धा परिवसंति ? णो इणदुठे समदुठे, एवं जाव अहे
 सत्तमाए, अत्थि णं भंते ! सोहम्मस्स कप्पस्स अहे सिद्धा परिवसंति ? णो इणदुठे
 समदुठे, एवं सव्वेसिं पुच्छा, ईसाणस्स सणकुमारस्स जाव अच्चुयस्स गेविज्जविभाणाणं

अणुत्तरविमाण्णं, अन्थि णं भंते ! ईसीपव्वभाराए पुढवीए अहे सिद्धा परिवसंति ?
 णो इण्ठे समट्ठे, से कहिं खाइ णं भंते ! सिद्धा परिवसंति ? गोयमा ! इमीसे
 खण्णपहाए पुढवीए बहुसमरमणिजाओ भूमिभागाओ उड्ढं चदिमसूरियग्गहगणण-
 कत्तताराभवणाओ बहूई जोगणसयाई बहूई जोगणसहस्साई बहूई जोगणसयसहस्साई
 बहूओ जोगणकोडीओ बहूओ जोगणकोडाकोडीओ उड्ढतरं उपइत्ता सोहग्गीसाण-
 सणकुमारमहिंदवंभलंतमहासुक्कसहस्सारआणयपाणयआरणच्चुय तिणिण य अट्टारे
 गेविज्जविमाणवात्ससए वीइवइत्ता विजयवेज्जयंतजयंतअपराजियसव्वट्टसिद्धस्स य
 महाविमाणस्स सव्वउवरिह्हाओ धूमियग्गाओ दुवालसजोगणाई अग्गाहाए एत्थ णं
 ईसीपव्वभारा णाम पुढवा पण्णत्ता पणयालीसं जोगणसयसहस्साई आयामविक्खंभेणं
 एगा जोगणकोडी बायालीसं सयसहस्साई तीसं च सहस्साई दोणिण य अउणापण्णे
 जोगणसए किंचि विसेसाहिए परिणणं, ईसिपव्वभारा य णं पुढवीए बहुमज्झदेसभाए
 अट्ठजोगणिए खेत्ते अट्ठजोगणाई वाहल्लेणं, तयाऽणंतरं च णं मायाए २ परिहायमाणी
 २ सव्वेसु चरिमपेरंतैसु मच्छियपत्ताओ तणुयतरा अंगुलस्स असंखेज्जभागं बाह-
 लेणं पण्णत्ता । ईसीपव्वभाराए णं पुढवीए दुवालस णामवेजा पण्णत्ता, तंजहा-ईसी
 इ वा ईसीपव्वभारा इ वा तणू इ वा तणुतणू इ वा सिद्धी इ वा सिद्धालए इ वा
 मुत्ती इ वा मुत्तालए इ वा लोयग्गे इ वा लोयग्गाथूमिया इ वा लोयग्गपडिबुज्झणा
 इ वा सव्वपाणभूयजीवसत्तसुहावहा इ वा । ईसीपव्वभारा णं पुढवी सेवा संखतलवि-
 मलसोल्लियमुणालदगरयत्तुसारगोवखीरहारवण्णा उत्ताणयत्तसंठाणसंठिया सव्वज्जुण-
 सुवण्णयमई अच्छा सण्हा लण्हा घट्टा मट्टा णीरया णिम्मला णिपंका णिकंक्कडच्छाया
 समरीचियासुण्णभा पासादीया दरिसणिज्जाअभिरूवा पडिरूवा, ईसीपव्वभाराए णं पुढवीए
 सीयाए जोगणमि लोगंते, तस्स जोगणस्स जे से उवरिल्ले गाउए तस्स णं गाउयस्स
 जे से उवरिल्ले छब्भागे तत्थ णं सिद्धा भगवंतो सादीया अपज्जदसिया अणेराजाइज-
 रामरणजोगिवेयणसंसारकलक्कीभावपुणब्भवगब्भवासवसहीपवंचसमइक्कंता सासयम-
 णागयमद चिट्ठंति ॥४२॥ गाहा-कहिं पडिहया सिद्धा ? कहिं सिद्धा पइट्ठिया ?
 कहिं बोदिं चइत्ता णं, कत्थ गंतूण सिज्झई ? ॥१॥ अलोग्गे पडिहया सिद्धा,
 लोयग्गे य पइट्ठिया । इह बोदिं चइत्ता णं, तत्थ गंतूण सिज्झई ॥२॥ जं संठाणं
 तु इहं भवं चयं तस्स चरिमसमयंमि । आसी य एएसघणं तं संठाणं तहिं तस्स
 ॥ ३ ॥ दीहं वा, हस्सं वा, जं चरिमभवे हवेज्ज संठाणं । तत्तो तिभागहीणं,

सिद्धाणोगाहणा भणिया ॥४॥ तिणि सया तेत्तीसा धणुत्तिभागो य होइ बोद्धवा ।
 एसा खलु सिद्धाणं, उक्कोसोगाहणा भणिया ॥ ५ ॥ चत्तारि य रयणीओ रयणित्ति-
 भागणिया य बोद्धवा । एसा खलु सिद्धाणं मज्झिमओगाहणा भणिया ॥ ६ ॥
 एका य होइ रयणी साहीया अंगुलाइं अह भवे । एसा खलु सिद्धाणं जहणणओगा-
 हणा भणिया ॥ ७ ॥ ओगाहणाएँ सिद्धा भवत्तिभागेण होइ परिहीणा । संठाण-
 मणित्थं ज्वरामरणविप्पमुक्काणं ॥ ८ ॥ जत्थ य एगो सिद्धो तत्थ अणंता भव-
 कखयविमुक्का । अण्णोणसमवगाढा पुट्ठा सव्वे य लोगेते ॥ ९ ॥ फुसइ अणंते
 सिद्धे सव्वपएँसेहिं णियमसो सिद्धा । तेवि असंखेज्जगुणा देसपएँसेहिं जे पुट्ठा ॥ १० ॥
 असरीरा जीववणा उवउत्ता दंसणे यणाणे य । सागारमणागारं लक्खणमेयं तु
 सिद्धाणं ॥ ११ ॥ केवलणाणुवउत्ता जाणंति सव्वभावगुणभावे । पासंति सव्वओ
 खलु केवलदिट्ठीअणंताहिं ॥ १२ ॥ णवि अन्धि माणुसाणं तं सोकखं णविय
 सव्वदेवाणं । जं सिद्धाणं सोकखं अवावाहं उवगयाणं ॥ १३ ॥ जं देवाणं सोवखं
 सव्वद्धापिंडियं अणंतगुणं । ण य पावइ सुत्तिसुहं णंताहिं वग्गवग्गहिं ॥ १४ ॥
 सिद्धस्स सुहो रासी सव्वद्धापिंडिओ जइ हवेजा । सोऽणंतवग्गभइओ सव्वागासे ण
 माएज्जा ॥ १५ ॥ जह णाम कोइ मिच्छो णगरगुणे वहुंविहे वियाणंतो । ण चएइ
 परिकहेउं उवमाएँ तहिं असंतीए ॥ १६ ॥ इय सिद्धाणं सोकखं अणोवमं णत्थि
 तस्स ओवम्मं । किंचि विसेसेणेतो ओवम्ममिणं सुणह वोच्छं ॥ १७ ॥ जइ
 सव्वकामगुणियं पुरिसो भोसूण भोयणं कोइ । तण्हानुहाविमुक्को अच्छेज्ज जहा
 अमियतित्तो ॥ १८ ॥ इय सव्वकालत्तिता अतुलं णिव्वाणमुवगया सिद्धा । सासय-
 मवावाहं चिट्ठंति सुही सुहं पत्ता ॥ १९ ॥ सिद्धत्ति य बुद्धत्ति य पारगयत्ति य
 परंपरगयत्ति । उम्मुक्ककम्मकवया अजरा अमरा असंगा य ॥ २० ॥ णिच्छिण-
 सव्वदुक्खा जाइजरामरणवंधणविमुक्का । अवावाहं सुकखं अणुहोति सासयं सिद्धा
 ॥ २१ ॥ अतुलसुहसागरगया अवावाहं अणोवमं पत्ता । सव्वमणागयमद्धं
 चिट्ठंति सुही सुहं पत्ता ॥ २२ ॥ ओववाइयउवंगं समत्तं ॥



रायपसेणइयं

तेणं कालेणं तेणं समएणं आमलकप्पा णामं णयरी होत्था, रिद्धन्थिमियसमिद्धा जाव पासादीया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा ॥१॥ तीसे णं आमलकप्पाए णयरीए बहिया उत्तरपुरन्थिमे दिसीभाए अंबसालवणे णामं चेइए होत्था, रम्मे जाव पडिरूवे ॥२॥ असोयवरपायवपुद्दविसिलावट्टयवत्तव्वया उववाइयगमेणं णेया ॥३॥ सेओ राया धरिणी देवी, सामी समोसडे, परिसा णिग्गया जाव राया पज्जुवासइ ॥४॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं सूरियाभे देवे सोहम्मे कप्पे सूरियाभे विमाणे सभाए सुहम्माए सूरियाभंसि सिंहासणंसि चउहिं सामाणियसाहसीहिं चउहिं अगमहिंसीहिं सपरिवाराहिं तिहिं परिसाहिं सत्तहिं अणिएहिं सत्तहिं अणियाहिंवईहिं सोलसहिं आयरक्खदेवसाहसीहिं अण्णेहिं बहूहिं सूरियाभविमाणवासीहिं वेमाणिएहिं देवेहिं देवीहिं य सद्धिं संपरिखुडे महयाऽऽहयणट्टगीयवाइयतंतीतलताल्लुडियघणमुङ्गपडुप्पवाइयरवेणं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुजमाणे विहरइ, इमं च णं केवलकपं जंजुदीवं दीवं विउलेणं ओहिणा आभोएमाणे २ पासइ । तत्थ समणं भगवं महावीरं जंबूदीवे भारहे वासे आमलकप्पाए णयरीए बहिया अंबसालवणे चेइए अहापडिरूवं उग्गाहं उग्गिण्हत्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणं पासइ पासित्ता हट्टतुट्टचित्तमाणंदिए पीइमणे परमसोमणस्सिए हरिसवसविसप्पमाणहियए विकसियवरकमलणयणे पयलियवरकडगलुडियकेउरमउडकुंडलहारविरायंतरइयधच्छे पालंबपलंबमाणघोलंतभूसणधरे ससंभमं तुरियचवलं सुरवरे सीहासणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता पायपीदाओ पच्चोरुहइ २ त्ता पाउयाओ ओमुयइ २ त्ता एगसाडियं उत्तरासंगं करेइ २ त्ता तित्थयराभिमुहे सत्तछपयाइं अणुगच्छइ २ त्ता वामं जाणुं अंचेइ २ त्ता दाहिणं जाणुं धरणितलंसि णिहट्टु तिक्खुत्तो मुद्धाणं धरणितलंसि णिवेसेइ णिवेसित्ता ईसिं पच्चुण्णमइ २त्ता करयलपरिग्गहियं दसणहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्ठु एवं वयासीं-णमोऽत्थु णं अरिहंताणं भगवंताणं आइगराणं तित्थगराणं सयंसंबुद्धाणं पुरिसुत्तमाणं पुरिससीहाणं पुरिसवरपुंडरीयाणं पुरिसवरगंधहत्थीणं लोसुत्तमाणं लोराणाहाणं लोगहियाणं लोगपईवाणं लोगपजोयगराणं अभयदयाणं चक्खुदयाणं ममादयाणं जीवदयाणं सरणदयाणं बोहिदयाणं धम्मदयाणं धम्मदेसयाणं धम्मणायगाणं

धम्मसारहीणं धम्मवरचाउरंतचक्कवट्ठीणं अप्पडिहयवरणाणंदंसणधराणं वियट्ठ-
 उमार्णं जिणाणं जावयाणं तिष्णाणं तारखाणं बुद्धाणं बोधयाणं मुत्ताणं मोयगाणं सब्बण्णूणं
 सब्बदरिसीणं सिवमयलमरुयमणंतमक्खयमव्वादाहमपुणरावत्तियं सिद्धिगइणामधेयं
 ठाणंसंपत्ताणं, णमोऽन्यु णं समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव संपाविउकामस्स, वंदामि
 णं भगवंतं तत्थगयं इहगए पासउ मे भगवं तत्थ गए इहगयंतिकट्ठ वंदइ णमंसह
 २ त्ता सीहासणवरगए पुब्बामिमुहं सणित्तण्णे ॥५॥ तए णं तस्स सूरियाभस्स इमे
 एयरुवे अंज्झत्थिए चित्तिए पत्थिए मणोगए संकप्पे समुप्पज्जित्था-एवं खलु समणे
 भगवं महावीरे जंबुद्वीवे दीवं भारहे वासे आमलकप्पाए णयरीए बहिया अंबसालवणे
 चेइए अहापडिरुवं उमाहं उमिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ
 तं महाफले खलु तहारूवाणं भगवंताणं णामगोयस्सवि सवणयाए किमंग पुण अमि-
 गमणवंदणमंसणपडिपुच्छणपज्जुवासणयाए ? एगस्सवि आयरियस्स धम्मियस्स
 सुवयणस्स सवणयाए ?, किमंग पुण विउलस्स अट्ठस्स गहणयाए ?, तं गच्छामि णं
 समणं भगवं महावीरं वंदामि णमंसामि सक्कारेमि सम्माणेमि कइण्णं मंगलं देवयं
 चेइयं पज्जुवासामि, एयं मे पेच्चा हियाए सुहाए खमाए णिस्सेयसाए आणुगामिय-
 त्ताए भविस्सइत्तिकट्ठ एवं संपेहेइ एवं संपेहिता आमिओगे देवे सहावेइ २ त्ता
 एवं वयासी-एवं खलु देवाणुणिया ! समणे भगवं महावीरे जंबुद्वीवे दीवे भारहे
 वासे आमलकप्पाए णयरीए बहिया अंबसालवणे चेइए अहापडिरुवं उमाहं
 उमिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणै विहरइ तं गच्छह णं तुमे देवाणु-
 णिया ! जंबुद्वीवं दीवं भारहं वासं आमलकणं णयरिं अंबसालवणं चेइयं समणं
 भगवं महावीरं तिकखुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेह करेत्ता वंदह णमंसह वंदित्ता
 णमंसित्ता साइं साइं णामगोयाइं साहेह साहित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स
 सब्बओ समंता जोयणपरिमंडले जं किंचि तणं वा पत्तं वा कट्ठं वा सक्करं वा
 असुइ अचोक्खं वा पूइअं तुम्भिगंधं तं सव्वं आहुणिय आहुणिय एगंते एडेह
 एडेत्ता णच्चोदगं णाहमट्ठित्तं पविरलपप्पुसियं खयरुणुविणासणं दिव्वं सुरमिगंधो-
 दयवासं वासह वासित्ता णिहयरयं णट्ठरयं भट्ठरयं उवसंतरयं पसंतरयं करेह करित्ता
 जलथलयभासुरण्णभूयंस्स विट्ठहाइस्स दसद्ववण्णस्स कुसुमस्स जाणुस्सेहपमाणमित्तं
 ओहिं वासं वासह वासित्ता कालागुरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्कधूमधमधंतगंधुद्धुयाभिरामं
 सुगंधवरगंधियं गंधवट्ठिभूयं दिव्वं सुरवरामिगमणजोगं करेह कारवेह करित्ता

य कारवेत्ता य खिप्पामेव मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह ॥ ६-७ ॥ तए णं ते आमिओगिया देवा सूरियाभेण देवेण एवं बुत्ता समाणा हट्ठ जाव हियया करयलपरिग्गहियं दसनहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्ठु एवं देवो तहत्ति आणाए विणएणं वयणं पडिसुणंति एवं देवो तहत्ति आणाए विणएणं वयणं पडिसुणंत्ता उत्तरपुरत्थिमं दिसिभागं अवक्कमंति उत्तरपुरत्थिमं दिसिभागं अवक्कमित्ता वेउ-
 व्वियसमुग्घाएणं समोहणंति २ ता संखेज्जाइं जोयणाइं दंडं गिस्सिरन्ति, तंजहा-
 रयणाणं वयराणं वेरुलियाणं लोहियक्खाणं मसारगल्लाणं हंसमग्गभाणं पुल्लाणं सोगंधियाणं जोहरसाणं अंजणाणं अंजणपुल्लाणं रयणाणं जायस्खाणं अंकाणं फलिहाणं रिद्धाणं अहावायरे पुग्गले परिसाहंति २ ता अहामुट्ठमे पुग्गले परियायंति २ ता दोच्चंप्पि वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणंति २ ता उत्तरवेउव्वियाइं स्वाइं विउव्वंति २ ता ताए उक्किट्ठाए पसत्थाए तुरियाए चवलाए चंडाए जयणाए तिग्घाए उदधूयाए दिव्वाए देवगईए तिरियमसंखेज्जाणं दीवसमुद्दाणं मज्झमज्झेण वीईवयमाणा २ जेणेव जंबुदीवे दीवे जेणेव भारहे वासे जेणेव आमलक्कप्पा णयरी जेणेव अंबसालक्खे चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करंति २ ता वंदंति णमंसंति वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी-अग्गे णं भंते ! सूरियाभस्स देवस्स आमिओगा देवा देवाणुप्पियाणं वंदामो णमंसामो सक्कारेसो सम्माणेमो कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासामो ॥ ८ ॥ देवाइ समणे भगवं महावीरे ते देवे एवं वयासी-पोराणमेयं देवा ! जीयमेयं देवा ! किच्चमेयं देवा ! करणिजमेयं देवा ! आहणमेयं देवा ! अब्भणुण्णायमेयं देवा ! जणं भवणवइवाणमंतरजोइसियवेमाणिया देवा अरहंते भगवंते वंदंति णमंसंति वंदित्ता णमंसित्ता तओ साइं साइं णम्मोयाइं सार्धंति तं पोराणमेयं देवा ! जाव अब्भणुण्णायमेयं देवा ! ॥ ९ ॥ तए णं ते आमिओगिया देवा समणेणं भगवया महावीरेणं एवं बुत्ता समाणा हट्ठ जाव हियया समणं भगवं महावीरं वंदंति णमंसंति वंदित्ता णमंसित्ता उत्तरपुरत्थिमं दिसिभागं अवक्कमंति अवक्कमित्ता वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणंति २ ता संखेज्जाइं जोयणाइं दंडं गिस्सिरन्ति, तंजहा-रयणाणं जाव रिद्धाणं अहावायरे पोमाले परिसाहंति २ ता दोच्चंप्पि वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणंति २ ता संवट्ठयवाए विउव्वंति, से जहा-
 नामए भइयदारए सिया तरुणे बल्लवं जुगवं अप्पायंके (थिरसंघयणे) थिरग्गहत्थे

वदपाणिवावपिट्टेतरोरु(संघाय)परिणए षण्णणिवियवलियवट्टवंधे चम्मेडगदुधण-
मुट्टियसमाहयसत्ते उरस्सवलसमण्णागए तलजमल्लजुयल(पल्लिहणिम)बाहू लंघण-
पवणजइणपमदणसमन्थे छेए दक्खे पट्ठे कुसले मेहावी णिउणसिण्णोवगए एगं महं
सलगाहन्थगं वा दंडमंपुच्छणिं वा वेणुसलाइयं वा गहाय रायंगणं वा रायंतेउरं वा
देवकुलं वा समं वा पवं वा आरामं वा उज्जाणं वा अतुरियमच्चवल्लमसंभंते णिरंतरं
सुण्णिउणं सव्वओ समंता संपमज्जेजा, एवामेव तेऽवि सूरियाभस्स देवस्स आभि-
ओगिया देवा भंवइयवाए विउव्वंति २ ता समणस्स भगवओ महावीरस्स सव्वओ
समंता जोयणपरिमण्डलं जं किंचि तणं वा पत्तं वा तहेव सव्वं आहुणिय २ एगंते
एइंति २ ता खिप्पामेव उवसमंति २ ता दोच्चंपि वेउव्वियसमुग्धाएणं समोहणंति
२ ता अम्भवहलए विउव्वंति २ ता से जहाणामए भइगदारए सिया तरुणे जाव
सिण्णोवगए एगं महं दगवारणं वा दगकुंभणं वा दगथालणं वा दगकलसगं वा गहाय
आरामं वा जाव पवं वा अतुरिय जाव सव्वओ समंता आवरिसेजा, एवामेव तेऽवि
सूरियाभस्स देवस्स आभिओगिया देवा अम्भवहलए विउव्वंति २ ता खिप्पामेव
पतणतणायंति २ ता खिप्पामेव विज्जुयायंति २ ता समणस्स भगवओ महावीरस्स
सव्वओ समंता जोयणपरिमण्डलं णच्चोदगं णाइमट्टियं तं पविरलपप्फुसियं रयरुणु-
विणासणं दिव्वं सुरभिगंघोदगं (वामं) वासंति वासेत्ता णिहययं णट्टरयं भट्टरयं
उवसंतरयं पसंतरयं करंति २ ता खिप्पामेव उवसामंति २ ता तच्चंपि वेउव्विय-
समुग्धाएणं समोहणंति २ ता पुप्फवहलए विउव्वंति, से जहाणामए मालागारदारए
सिया तरुणे जाव सिण्णोवगए एगं महं पुप्फलब्धियं वा पुप्फपडलं वा पुप्फचंगेरियं
वा गहाय रायंगणं वा जाव सव्वओ समंता कवगाहगहियकरयलपव्वमट्टविप्पमुक्केणं
दसद्ववण्णेणं कुसुमेणं मुक्कपुप्फपुंजोवयारकलियं करेजा, एवामेव ते सूरियाभस्स
देवस्स आभिओगिया देवा पुप्फवहलए विउव्वंति २ ता खिप्पामेव पतणतणायंति
जाव जोयणपरिमण्डलं जलथलयभासुरप्पभूयस्स विंटट्ठाइस्स दसद्ववण्णकुसुमरस
ज्जणुस्सेहपमाणेत्ति ओहिवासं वासंति वासित्ता कालाशुरपवरकुंदुरक्कतुरक्कधूम-
मधेतगंयुद्धुयाभिरामं सुगंधवरगंधियं गंधवट्टिभूयं दिव्वं सुरवराभिगमणजोगं करंति
कारयंति करेत्ता य कारवेत्ता य खिप्पामेव उवसामंति २ ता जेणेव समणे भगवं
महावीरे तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिदखुत्तो
जाव वंदित्ता णमंसित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ अंबसालवणाओ

चेइयाओ पडिणिक्खमंति पडिणिक्खमिन्ता ताए उक्किट्ठाए जाव वीइवयमाणा २ जेणेव सोहम्मे कप्पे जेणेव सूरियाभे विमाणे जेणेव सभा सुहम्मा जेणेव सूरियाभे देवे तेणेव उवागच्छंति २ ता सूरियाभं देवं करयल्लपरिगहियं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्ठु जएणं विजएणं वद्धवेंति २ ता तमाणात्तियं पच्चप्पिणंति ॥१०॥ तए णं से सूरियाभे देवे तेसिं आमिओगियाणं देवाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठुड जाव हियए पायत्ताणियाहिंवई देवं सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं वयासी- खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! सूरियाभे विमाणे सभाए सुहम्माए मेघोघरसियगंभीर- महुरसद्दं जोयणपरिमंडलं सुसरघंटं तिक्खुत्तो उल्लालेमाणे २ महया २ सद्देणं उग्घोसेमाणे २ एवं वयाहि-आणवेइ णं भो सूरियाभे देवे गच्छइ णं भो सूरियाभे देवे जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे आमलकप्प्याए णयरिए अंबसालवणे चेइए समणं भगवं महावीरं अभिवंदए, तुब्भेऽवि णं भो देवाणुप्पिया ! सत्विड्डीए जाव णाइयरवेणं णियगपरिवालसद्धिं संपरिबुडा साइं २ जाणविमाणाइं दुरुट्ठा समाणा अकालपरिहीणं चेव सूरियाभस्स देवस्स अंतियं पाउब्भवह ॥११॥ तए णं से पायत्ताणियाहिंवई देवे सूरियाभेणं देवेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठुड जाव हियए एवं देवा ! तहत्ति आणाए विणएणं वयणं पडिसुणेइ २ ता जेणेव सूरियाभे विमाणे जेणेव सभा सुहम्मा जेणेव मेघोघरसियगंभीरमहुरसद्दा जोयणपरिमंडला सुस्सरा घंटा तेणेव उवा- गच्छइ २ ता तं मेघोघरसियगंभीरमहुरसद्दं जोयणपरिमंडलं सुस्सर घंटं तिक्खुत्तो उल्लालेइ । तए णं तीसे मेघोघरसियगंभीरमहुरसद्दाए जोयणपरिमंडलाए सुस्सराए घंटाए तिक्खुत्तो उल्लालियाए समाणीए से सूरियाभे विमाणे पासायविमाणणिक्खुडा- बडियसद्दघंटापडिसुयासयसहरूस्संकुले जाए यावि होत्था । तए णं तेसिं सूरियाभ- विमाणवासीणं बहूणं वेमाणिगाणं देवाणं य देवीणं य एगंतरइपसत्तण्णियमत्त- विसयसुहमुच्छियाणं सुस्सरघंटारवविउल्लोलतुरियचवलपडिबोहेण वए समाणे घोसण- कोउहलविण्णकण्णएगग्गचित्तउक्कउत्तमाणसाणं से पायत्ताणीयाहिंवई देवे तंसि घंटार- वंसि णिसंतपसंतंसि महया महया सद्देणं उग्घोसेमाणे उग्घोसेमाणे एवं वयासी- हंत सुणंतु भवंतो सूरियाभविमाणवासिणो बहवे वेमाणिगा देवा य देवीओ य सूरि- याभविमाणवइणो वयणं हियसुहत्थं आणवेइ णं भो ! सूरियाभे देवे गच्छइ णं भो सूरियाभे देवे जंबुद्दीवं २ भारहं वासं आमलकप्पं णयरिं अंबसालवणं चेइयं समणं भगवं महावीरं अभिवंदए, तं तुब्भेऽवि णं देवाणुप्पिया ! सत्विड्डीए अकालपरि-

हीणा चेव सूरियाभस्स देवस्स अंतियं पाउब्भवह ॥१२॥ तए णं ते सूरियाभ-
विमाणवासिणो बहवे वेमाणिया देवा देवीओ य पावत्ताणियाहिवइस्स देवस्स अंतिए
एयमदं सोच्चा णिसम्म हट्ठुड जाव हियया अप्पेगइया वंदणवत्तियाए अप्पेगइया
पूयणवत्तियाए अप्पेगइया सक्कारवत्तियाए एवं संमाणवत्तियाए कोउहलवत्तियाए
अप्पे० अनुयाइं सुणिस्सामो सुयाइं अट्ठाइं हेऊइं पसिणाइं कारणाइं वागरणाइं
पुच्छिस्सामो, अप्पेगइया सूरियाभस्स देवस्स वयणमणुयत्तमाणा अप्पेगइया अण-
मणमणुयत्तमाणा अप्पेगइया जिणमत्तिरागेण अप्पेगइया धम्मोत्ति अप्पेगइया
जीयमेवंतिकट्ठं सव्विड्डीए जाव अकालपरिहीणा चेव सूरियाभस्स देवस्स अंतियं
पाउब्भवति ॥ १३ ॥ तए णं से सूरियाभे देवे ते सूरियाभविमाणवासिणो बहवे
वेमाणिया देवा य देवीओ य अकालपरिहीणा चेव अंतियं पाउब्भवमाणे पासइ
पासिता हट्ठुड जाव हियए आभिओगियं देवं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-
खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! अणेगखंभसयसंणिविट्ठं लीलट्ठियसालभंजियागं ईहा-
मियउसम-तुरगणर-मगरविहगन्वालगक्किणरुरुस्सरभच्चमरवुंजरवणल्यपट्ठमल्यभत्ति-
चित्तं खमुगयवरइरवेइयापरिगयाभिरामं विजाहरजमलजुयलजंतजुत्तपिव अच्ची-
सहस्समालिणीयं ख्वगसहस्सकलियं भिसमाणं भिन्मिसमाणं चरुल्लोयणलेसं सुहफासं
सस्सिरीवरुवं वंटावल्लिचलि उमदुरमणहरसरं सुहं कंतं दरिसणिजं णिउणोदियमिस्ति-
मिस्सित्तमणिरवणवेट्टियाजालपरिक्खित्तं जोगययसहस्सविन्धिणं दिव्वं भमणसजं
सिन्धमणं णाम दिव्वं जाणविमाणं विउव्वहि विउव्वित्ता खिप्पामेव एयमाणत्तियं
पचण्णिणाहि ॥ १४ ॥ तए णं से आभिओगिए देवे सूरियाभेणं देवेणं एवं बुत्ते
समाणे हट्ठे जाव हियए करयलपरिगयाहियं जाव पडिसुणेइ पडिसुणेत्ता उत्तरपुर-
त्थिमं दीसीभागं अवक्कमइ अवक्कमित्ता वेउव्वियसमुत्थाएणं समोहणइ २ त्ता
संखेजाइं जोगणाइं जाव अहायावरे पोम्भले परिसाडेइ २ त्ता अहासुहुमे पोम्भले
परियाइ २ त्ता दोच्चंपि वेउव्वियसमुत्थाएणं समोहणित्ता अणेगखंभसयसंण-
विट्ठं जाव दिव्वं जाणविमाणं विउव्वित्ते पवत्ते यावि होत्था । तए णं से आभि-
ओगिए देवे तस्स दिव्वस्स जाणविमाणस्स तिदिसिं तिसोवाणपडिरुव्वए विउव्वइ,
तंजहा-पुरत्थिमेणं दाहिणेणं उत्तरेणं, तेसिं तिसोवाणपडिरुव्वमाणे इमे एयारुवे
वण्णावासे पण्णत्ते, तंजहा-वइरामया णिम्मा रिद्धामया पइट्ठाणा वेसलियामया
खंभा सुवण्णरूपमया फलभा लोहियक्खमइयाओ सूईओ वयरामया संधी णाणामणि-

मया अवलंबणा अवलंबणवाहाओ य पासादीया जाव पडिरूवा । तेसि णं तिसोवाण-
 पडिरूवणाणं पुरओ पत्तेयं पत्तेयं तोरणं पणत्तं, तेसि णं तोरणाणं इमे एयारूवे
 वण्णावासे प० तं०—तोरणा णाणामणिमया णाणामणिमएसु थंमेसु उवणिविह-
 संणिविहविविहुमुत्तरारूवोवचिया विविहतारारूवोवचिया जाव पडिरूवा ।
 तेसि णं तोरणाणं उण्णि अट्ठमंगलगा पणत्ता, तंजहा—सोत्थियसिरिवच्छणदिया-
 वत्तवद्धमाणगमहासणकलसमच्छदप्पणा जाव पडिरूवा । तेसि च णं तोरणाणं उप्पि
 बहवे किण्हचामरज्झए जाव सुक्खिच्छामरज्झए अच्छे सण्ढे रुप्पपट्टे वइरामय-
 दंडे जलयामल्लांघिए सुरग्गे पासादीए दरिसणिजे अभिरूवे पडिरूवे विउव्वइ ।
 तेसि णं तोरणाणं उण्णि बहवे छत्ताहच्छत्ते पडागाइपडागे घंटाजुयले उप्पलहत्थए
 कुमुयणल्लिणसुभगतोर्गधियपोंडरीयमहापोंडरीयसयपत्तसंहरस्सपत्तहत्थए सव्वरयणाणए
 अच्छे जाव पडिरूवे विउव्वइ । तए णं से आभिओगिए देवे तस्स दिव्वस्स जाण-
 विमाणस्स अंतो बहुसमरमणिजं भूमिमां विउव्वइ । से जहाणामए आलिंगपुक्खरे
 इ वा मुइंगपुक्खरे इ वा सरतले इ वा करतले इ वा चंदमंडले इ वा सूरमंडले इ
 वा आयंसमंडले इ वा उरब्भचग्गे इ वा वसहचग्गे इ वा वराहचग्गे इ वा सीह-
 चग्गे इ वा वषचग्गे इ वा मिगचग्गे इ वा छगलचग्गे इ वा दीवियचग्गे इ वा
 अणेगसंकुकीलगसहस्सवियए णाणाविहपंचवण्णेहिं मणीहिं उवसोमिए आवडपचाव-
 डसेट्ठिपसेट्ठिसोत्थियसोवर्थियपूसमाणगवद्धमाणगमच्छंडगमगरंडगजारमारफुल्लावलि-
 पउमपत्तसागरतरंगवसंतलयपउमलयभत्तिचित्तेहिं सच्छाएहिं सप्पमेहिं समरीइएहिं
 सउजोएहिं णाणाविहपंचवण्णेहिं मणीहिं उवसोमिए तंजहा—किण्हेहिं णीलेहिं लोहि-
 एहिं हाल्लेहिं सुक्खिल्लेहिं, तत्थ णं जे ते किण्हा मणी तेसि णं मणीणं इमे एयारूवे
 वण्णावासे पणत्ते, से जहाणामए जीमूतए इ वा अंजणे इ वा खंजणे इ वा कजले
 इ वा गवले इ वा गवल्लुगुलिया इ वा भमरे इ वा भमरावल्लिया इ वा भमरपतंगसारो
 इ वा जंबूफले इ वा अहारिदुठे इ वा परहुए इ वा गए इ वा गयकलमे इ वा
 किण्हसप्पे इ वा किण्हकेसरे इ वा आगासथिगले इ वा किण्हासोए इ वा किण्ह-
 कणवीरे इ वा किण्हबंधुजीवे इ वा, भवे एयारूवे सिया !, णो इणदुठे समदुठे,
 ओवम्मं समणाउसो ! ते णं किण्हा मणी इत्तो इदतराए चेव कंततराए चेव मणुण-
 तराए चेव मणामताराए चेव वण्णेणं पणत्ता । तत्थ णं जे ते णीला मणी तेसि णं
 मणीणं इमे एयारूवे वण्णावासे पणत्ते, से जहाणामए भिगे इ वा भिगपत्ते इ वा

सुए इ वा सुयपिच्छे इ वा चासे इ वा चासपिच्छे इ वा णीली इ वा णीलीमेए
 इ वा णीलीगुलिया इ वा सप्पा इ वा उच्चंते इ वा वणराई इ वा हलधरवसणे
 इ वा मोरंगीवा इ वा अयसिकुसुमे इ वा बाणकुसुमे इ वा अंजणकेसियाकुसुमे इ वा
 णीलुप्पले इ वा णीलासोगे इ वा णीलवंधुजीवे इ वा णीलकणवीरे इ वा, भवेयारूवे
 सिया ?, णो इणट्ठे समट्ठे, ते णं णीला मणी एत्तो इत्तराए चेव जाव वण्णेणं
 पणत्ता । तत्थ णं जे ते लोहियगा मणी तेसि णं मणीणं इमेयारूवे वण्णावासे
 पणत्ते, से जहाणामए उरब्भरुहारे इ वा ससरुहारे इ वा णरुहारे इ वा धराहरुहारे
 इ वा महिसरुहारे इ वा बालिंदगोवे इ वा बालदिवायरे इ वा संझम्भरागे इ वा
 गुंजद्धरागे इ वा जासुअणकुसुमे इ वा किंसुयकुसुमे इ वा पालियायकुसुमे इ वा
 बाइहिगुलए इ वा सिलपपवाले इ वा पवालअंकुरे इ वा लोहियक्खमणी इ वा
 लक्खारसगे इ वा किमिरागकंबले इ वा चीणपिट्ठरासी इ वा रत्तुप्पले इ वा रत्ता-
 सोगे इ वा रत्तकणवीरे इ वा रत्तवंधुजीवे इ वा, भवेयारूवे सिया ?, णो इणट्ठे
 समट्ठे, ते णं लोहिया मणी इत्तो इत्तराए चेव वण्णेणं प० । तत्थ णं जे ते हालिहा
 मणी तेसि णं मणीणं इमेयारूवे वण्णावासे पणत्ते—से जहाणामए चंपए इ वा
 चंपल्ल्ही इ वा चंपरामेए इ वा हलिहा इ वा हलिहामेए इ वा हलिहगुलिया इ
 वा हरियालिया इ वा हरियालमेए इ वा हरियालगुलिया इ वा चित्तरे इ वा
 चित्तराए इ वा वरकणगे इ वा वरकणगणिघसे इ वा [सुवण्णसिप्पाए इ वा]
 वरपुरिस्वसणे इ वा अल्लईकुसुमे इ वा चंपाकुसुमे इ वा कुहंडियाकुसुमे इ वा
 तडवडाकुसुमे इ वा घोसेडियाकुसुमे इ वा सुवण्णजहियाकुसुमे इ वा सुहिरण्णकुसुमे
 इ वा कोरंटवरमल्लदामे इ वा बीययकुसुमे इ वा पीयासोगे इ वा पीयकणवीरे
 इ वा पीयवंधुजीवे इ वा, भवेयारूवे सिया ?, णो इणट्ठे समट्ठे, ते णं हालिहा मणी
 एत्तो इत्तराए चेव जाव वण्णेणं पणत्ता । तत्थ णं जे ते सुक्खिहा मणी तेसि णं
 मणीणं इमेयारूवे वण्णावासे पणत्ते । से जहाणामए अंके इ वा संखे इ वा चंदे इ
 वा कुमुदोदकदययदहिधणवखीरवखीरपूरे इ वा कौंचावली इ वा हारावली इ वा
 इसावली इ वा बलागावली इ वा चंदावली इ वा सारइयबलाहए इ वा धंतघोय-
 रप्पपट्ठे इ वा सालिपिट्ठरासी इ वा कुंदपुष्परासी इ वा कुमुयरासी इ वा सुक्कच्छि-
 वाडी इ वा पिहुणमिंजिया इ वा भिसे इ वा मुणालिया इ वा गयदंते इ वा लवंग-
 दलए इ वा पोट्टिरियदलए इ वा सेयासोगे इ वा सेयकणवीरे इ वा सेयवंधुजीवे इ

वा, भवेयारुवे सिया ?, णो इण्ढे समद्वे, ते णं मुक्खिञ्जा मणी एत्तो इट्ठराए चेव जाव वण्णेणं पण्णत्ता । तेसि णं मणीणं इमेयारुवे गंधे पण्णत्ते, से जहाणामए कोट्ट-पुडाण वा तगरपुडाण वा एलापुडाण वा चोयपुडाण वा चंपापुडाण वा दमणापुडाण वा कुंकुमपुडाण वा चंदणपुडाण वा उसीरपुडाण वा मरुआपुडाण वा जाइपुडाण वा जूहियापुडाण वा मल्लियापुडाण वा ग्हाणमल्लियापुडाण वा केयइपुडाण वा पाडलिपुडाण वा गोमालियापुडाण वा अगुरुपुडाण वा लवंगपुडाण वा वासपुडाण वा कप्पूरपुडाण वा अणुवायंसि वा ओभिज्जमाणाण वा कुट्टिज्जमाणाण वा भंजिज्जमाणाण वा उक्किरिज्जमाणाण वा विक्किरिज्जमाणाण वा परिभुज्जमाणाण वा परिभा-इज्जमाणाण वा भंडाओ भंडे साहरिज्जमाणाण वा ओराला मणुणा मणहरा घाणमणिवुइकरा सव्वओ समंता गंधा अभिणिस्सवंति, भवेयारुवे सिया ?, णो इण्ढे समद्वे, ते णं मणी एत्तो इट्ठराए चेव भवेणं पण्णत्ता । तेसि णं मणीणं इमेयारुवे फासे पण्णत्ते, से जहाणामए आइणेइ वा रूप इ वा वूरे इ वा णवणीए इ वा हंसगन्धतूलिया इ वा सिरीसकुसुमणिचए इ वा बालकुमुय-पत्तरासी इ वा, भवेयारुवे सिया ?, णो इण्ढे समद्वे, ते णं मणी एत्तो इट्ठ-तराए चेव जाव फासेणं पण्णत्ता । तए णं से आभिओणिए देवे तस्स दिव्वस्स जाणविमाणस्स बहुमज्झदेसभागे एत्थ णं महं पिच्छाघरमंडवं विउव्वइ अणेगखंभ-सयसंणिविट्ठं अभुगायसुकयवरवेइयातोरणवरइयसालभंजियागं सुसिलिट्ठविसि-ट्ठत्ठसंठियपसत्थवेरुलियविमल्लवंभे णाणामणि(कण्णारयण)इद्वियउज्जलवहुसमसु-विभत्तभूमिभागं इहामि पउसभतुरगनरमगरविहगवाल्लगकिण्णररुसरभचमरकुंजरवण-लयपउमलयभत्तिचित्तं खे० कंचणमणिरयणधूमियागं णाणाविहपंचवण्णधंटापडाग-परिमंडियगसिहरं चवलं मरीइकवयं विणिम्भुयंतं लाउल्लोइयमहियं गोसीसरसर-रत्तचंदणदद्वरदिण्णपंचगुलितलं उयवियचंदणकलसं चंदणवइसुकयतोरणपडिद्वार-देसभागं आसत्तोसत्तविउलवट्ठवग्धारियमल्लदामकलावं पंचवण्णसरस्समुरमिमुक्कपुप्फपुजो-वयारकलियं कालागुरुववरकुंदरुक्कतुरुक्कधूवमधमधंतगंधुद्धुयाभिरामं सुगंधधरगंधियं गधवट्ठिभूयं अच्छरगणसंपत्तं विक्किण्णं दिव्वं तुडियसइसंपणाइयं अच्छं जाव पडि-रुवं । तस्स णं पिच्छाघरमंडवस्स अंतो बहुसमरमणिजभूमिभागं विउव्वइ जाव मणीणं फासो । तस्स णं पेच्छाघरमंडवस्स उल्लोयं विउव्वइ पउमलयभत्तिचित्तं जाव पडि-रुवं । तस्स णं बहुसमरमणिजरस्स भूमिभागस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं एगं महं

वहरामयं अक्खाडयं विउव्वइ । तस्स णं अक्खाडयस्स बहुमज्झदेसभागे एत्थ णं महेगं मणिपेढियं विउव्वइ अट्ठ जोयणाइं आयामविक्खेभेणं चत्तारि जोयणाइं बाहलेणं सब्बमणिमयं अच्छं सण्हं जाव पडिरुवं । तीसे णं मणिपेढियाए उवरि एत्थ णं महेगं सीहासणं विउव्वइ, तस्स णं सीहासणस्स इमेयारुवे वण्णावासे पण्णत्ते- तवणिज्जमया चक्खत्ता रययामया सीहा सोवणिगया पाया णाणामणिमयाइं पाय- सीसगाइं जंढूययमयाइं गत्ताइं वहारमया संधी णाणामणिमए वेच्चे, से णं सीहासणे ईहामियउसभनुरगनरमगरविहगवालगकिण्णररुसरमचमरकुंजरवणलय- पउमलयभत्तिचित्तं(मं)सारसारोवचियमणिरयणपायवीढे अत्थरगामिउमसुरगणवतय- कुसंतालभकेसरपच्चथुयाभिरामे आईणगरुयबूरणवणीयतूलफासमउए सुविरइयय- त्ताणे उवचियवोमदुगुलपट्टपडिच्छायणे रत्तंसुयसंतुए सुरम्मे पासाईए ४ । तस्स णं सीहासणस्स उवरि एत्थ णं महेगं विजयदूसं विउव्वइ, संखंक्क(संख)कुंददगरय- अमयमहियफेणपुंजसंणिगासं सब्बरयणामयं अच्छं सण्हं पासादीयं दरिसिज्जं अभिरुवं पडिरुवं । तस्स णं सीहासणस्स उवरिं विजयदूसस्स य बहुमज्झदेसभागे एत्थ णं महं एगं वयरामयं अंकुसं विउव्वइ, तस्सि च णं वयरामयंसि अंकुसंसि कुंभिकं मुत्तादामं विउव्वइ । से णं कुंभिके मुत्तादामे अण्णेहिं चउहिं अट्ठकुंभिकेहिं मुत्तादामेहिं तददधुच्चत्तपमाणेहिं सब्बओ समंता संपरिकिच्छते । ते णं दामा तवणिज्ज- लंबूसा सुवण्णपरयरागंडियग्गा णाणामणिरयणविविहहारद्वहारउवतोभियसमुदाया ईसिं अण्णमण्णमसंपत्ता वाएहिं पुव्वत्तरदाहिणुत्तरागएहिं मंदायं २ एइज्जमाणाणि २ पळ्वमाणाणि २ वदमाणाणि २ उरालेणं मणुण्णेणं मणहरेणं कण्णमण्णिण्वुइकरेणं सदेणं ते पएसे सब्बओ समंता आपूरेमाणा २ सिरीए अईव २ उवसोभेमाणा विदंति । तए णं से आभिओगिए देवे तस्स सीहासणस्स अवरुत्तरेणं उत्तरेणं उत्तरपुरत्थिमे णं एत्थ णं सूरियाभस्स देवस्स चउण्हं सामाणियसाहस्सीणं चत्तारि भद्दासणसाहस्सीओ विउव्वइ, तस्स णं सीहासणस्स पुरत्थिमेणं एत्थ णं सूरियाभस्स देवस्स चउण्हं अम्ममहिसीणं सपरिवाराणं चत्तारि भद्दासणसाहस्सीओ विउव्वइ, तस्स णं सीहासणस्स दाहिणपुरत्थिमेणं एत्थ णं सूरियाभस्स देवस्स अग्निमत्तर- परिसाए अट्ठण्हं देवसाहस्सीणं अट्ठ भद्दासणसाहस्सीओ विउव्वइ, एवं दाहिणेणं मज्झिमपरिसाए दसण्हं देवसाहस्सीणं दस भद्दासणसाहस्सीओ विउव्वइ दाहिण- पच्चत्थिमेणं बाहिरपरिसाए बारसण्हं देवसाहस्सीणं बारस भद्दासणसाहस्सीओ

विउव्वइ, पच्चत्थिमेणं सत्तण्हं अणियाहिबईणं सत्त भद्दासणे विउव्वइ, तस्स णं सीहासणस्स चउदित्ति एत्थ णं सूरियाभस्स देवस्स सोल्लसण्हं आयरक्खदेवसाह-
स्सीणं सोल्ल भद्दासणसाहस्सीओ विउव्वइ, तंजहा-पुरत्थिमेणं चत्तारि साहस्सीओ दाहिणेणं चत्तारि साहस्सीओ पच्चत्थिमेणं चत्तारि साहस्सीओ उत्तरेणं चत्तारि साहस्सीओ । तस्स दिव्वस्स जाणविमाणस्स इमेयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते, से अहाणामए अइरुग्गयस्स वा हेमंतियवालियसूरियस्स वा खयरिगालाण वा रत्ति पज्जलिवाण वा जवाकुसुमवणस्स वा किंसुयवणस्स वा पारियायवणस्स वा सव्वओ समंता संकुसुमियस्स, भवेयारूवे सिया १, णो इण्ढे सम्ढे, तस्स णं दिव्वस्स जाण-
विमाणस्स एत्तो इट्ठतराए चेव जाववण्णेणं पण्णत्ते, गंधो य फासो य जहा मणीणं । तए णं से आमिओगिए देवे दिव्वं जाणविमाणं विउव्वइ २ ता जेणेव सूरियाभे देवे तेणेव उवागच्छइ २त्ता सूरियाभं देवं करयलपरिग्गहियं जाव पच्चप्पिणंति ॥१५॥
तए णं से सूरियाभे देवे आमिओगस्स देवस्स अंतिए एयमद्दं सोच्चा णिसम्म हड्ढाव हियए दिव्वं जिण्णिदाभिगमणजोमं उत्तरवेउव्वियरूवं विउव्वइ विउव्वित्ता चउहिं अग्गमहिंसीहिं सपरिवाराहिं दोहिं अणीएहिं, तंजहा-गंधव्वाणीएण य गट्ठाणीएण य सद्धिं संपरिखुडे तं दिव्वं जाणविमाणं अणुपयाहिणीकरेमाणे पुरत्थि-
मिल्लेणं तिसोमाणपडिरूवएणं दुरूहइ दुरूहित्ता जेणेव सीहासणे तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता सीहासणवरगए पुरत्थाभिमुहे सण्णिसण्णे । तए णं तस्स सूरियाभस्स देवस्स चत्तारि सामाणियसाहस्सीओ तं दिव्वं जाणविमाणं अणुपयाहिणीकरेमाणा उत्तरिल्लेणं तिसोवाणपडिरूवएणं दुरूहंति दुरूहित्ता पत्तेयं पत्तेयं पुव्वणत्थेहिं भद्दा-
सणेहिं णिसीयंति, अवसेसा देवा य देवीओ य तं दिव्वं जाणविमाणं जाव दाहि-
णिल्लेणं तिसोवाणपडिरूवएणं दुरूहंति दुरूहित्ता पत्तेयं पत्तेयं पुव्वणत्थेहिं भद्दासणेहिं णिसीयंति । तए णं तस्स सूरियाभस्स देवस्स तं दिव्वं जाणविमाणं दुरूहस्स समाणस्स अट्ठ मंगलगा पुरओ अहाणुपुव्वीए संपत्थिया, तंजहा-सोत्थियसिरिवच्छ जाव दप्पणा । तयणंतरं च णं पुण्णक्कलसर्म्मिगार दिव्वा य छत्तपडागा सच्चामरा दंसणरइया आलोयदरिसणिजा वाउद्धुयविजयवेजयंतीपडागा ऊसिया गरणतलमणु-
लिहन्ती पुरओ अहाणुपुव्वीए संपत्थिया । तयणंतरं च णं वेरुलियभिसंतविमलदण्हं पलम्बकोरंटमल्लदामोवसोमियं चंदमंडलणिमं समुस्सियं विमलमायवत्तं पवरसीहासणं च मणिरयणभत्तिच्चित्तं सपायपीढं सपाउयाजोयसमाउत्तं बहुक्किंकरांमरपरिग्गहियं

पुरओ अहाणुपुव्वीए संपत्थियं । तयणंतरं च णं वडरामयवट्टलड्डसंठियसुसिलिद्ध-
परिषट्ठमट्टमुपइट्ठिए विसिट्ठे अणेगवरपंचवण्णकुडभीसहस्सुरिए परिमंडियाभिरामे
वाउद्धयविजयवेजयंतीपडामच्छस्ताइच्छस्तकलिए तुंगे गगणतलमणुलिहंतसिहरे जोय-
णसहस्समूसिए महइमहालए महिंदज्झए पुरओ अहाणुपुव्वीए संपत्थिए । तयणंतरं
च णं सुखणेवत्थपरिकच्छिया मुसज्जा सव्वालंकारभूसिया महया भडचडगर-
पहरणं पंच अणोयाहिवड्ढो पुरओ अहाणुपुव्वीए संपत्थिया । (तयणंतरं च णं
ब्रह्मे अभिओगिया देवा देवीओ य सएहिं सएहिं रुवेहिं, सएहिं सएहिं विसेसेहिं,
सएहिं सएहिं विंदेहिं, सएहिं सएहिं णेज्जाएहिं, सएहिं सएहिं णेवन्धेहिं पुरओ
अहाणुपुव्वीए संपत्थिया) तयणंतरं च णं सूरियामविमाणवासिणो ब्रह्मे वेमाणिया
देवा य देवीओ य सव्विड्ढीए जाव रवेणं सूरियामं देवं पुरओ पासओ य मग्गओ
य समगुगच्छति ॥ १६ ॥ तए णं से सूरियामे देवे तेणं पंचाणीयपरिक्खित्तेणं
वडरामयवट्टलड्डसंठिएण जाव जोयणसहस्समूसिएण महइमहालएणं महिंदज्झएणं
पुरओ कइट्ठज्जमाणेणं चंउहिं सामाणियसहस्सेहिं जाव सोलसहिं आयरक्खदेव-
साहस्सीहिं अण्णेहिं य ब्रह्महिं सूरियाभविमाणवासीहिं वेमाणिएहिं देवेहिं देवीहिं य
सद्धिं संपरिवुडे सव्विड्ढीए जाव रवेणं सोहम्मस्स कप्पस्स मज्झमज्जेणं तं दिव्वं
देविड्ढिं दिव्वं देवजुइं दिव्वं देवाणुभावं उवलालेमाणे उवलालेमाणे उवदंसेमाणे उव-
दंसेमाणे पडिजागरेमाणे पडिजागरेमाणे जेणेव सोहम्मस्स कप्पस्स उत्तरिले णिज्जाण-
मग्गे तेणेव उवागच्छइ, २ ता जोयणसयसाहस्सिएहिं विग्गाहेहिं ओवथमाणे वीइव-
यमाणे ताए उक्किट्ठाए जाव तिरियं असंखिज्जाणं दीवसमुद्धानं मज्झमज्जेणं वीइवयमाणे
वीइवयमाणे जेणेव गंदासरवरे दीवे जेणेव दाहिणपुरत्थिमिले रतिकपव्वए तेणेव
उवागच्छइ उवागच्छिता तं दिव्वं देविड्ढिं जाव दिव्वं देवाणुभावं पडिसाहरेमाणे २
पडिसंखेवेमाणे २ जेणेव जम्बूदीवे दीवे जेणेव भारहे वासे जेणेव आमलकप्पा
ण्यरी जेणेव अम्बसालवणे चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरं तेणेव उवाग-
च्छइ उवागच्छिता समणं भगवं महावीरं तेणं दिव्वेणं जाणविमाणेणं तिवखुत्तो
आयाहिणं पयाहिणं करेइ करित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स उत्तरपुरत्थिमे
दिसिमाए तं दिव्वं जाणविमाणं ईसिं चउरंगुल्लमसंपत्तं धराणतलंसि ठवेइ ठवित्ता
चउहिं अग्गमहिसीहिं सपरिवाराहिं दोहिं अणीयाहिं--तंजहा मंधव्वाणिएण य
गट्ठाणिएण य-सद्धिं संपरिवुडे ताओ दिव्वाओ जाणविमाणाओ पुरत्थिमिलेणं

तिसोवाणपडिरूवएणं पच्चोरुहइ । तए णं तस्स सूरियाभस्स देवस्स चत्तारि सामा-
 णियसाहस्सीओ ताओ दिव्वाओ जाणविमाणाओ उत्तरिद्धेण तिसोवाणपडिरूवएणं
 पच्चोरुहंति, अवसेसा देवा य देवीओ य ताओ दिव्वाओ जाणविमाणाओ दाहिणि-
 ल्लेणं तिसोवाणपडिरूवएणं पच्चोरुहंति । तए णं से सूरियाभे देवे चउहिं अगम-
 हिसीहिं जाव सोलसहिं आयरक्खदेवसाहस्सीहिं अण्णेहि य बहूहिं सूरियाभविमाण-
 वासीहिं वेमाणिएहिं देवेहिं देवीहि य सद्धिं संपरिवुडे सव्विड्डीए जाव णाइयरवेणं
 जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं
 तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ करित्ता वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता एवं
 वयासी—‘अहं णं भंते ! सूरियाभे देवे देवाणुण्वियाणं वंदामि णमंसामि जाव पज्जु-
 वासामि’ ॥ १७ ॥ सूरियाभाइ समणे भगवं महावीरे सूरियाभं देवं एवं वयासी—
 ‘पोराणमेयं सूरियाभा ! जीयमेयं सूरियाभा ! किच्चमेयं सूरियाभा ! करणिजमेयं
 सूरियाभा ! आइण्णमेयं सूरियाभा ! अब्भणुण्णायमेयं सूरियाभा ! जं णं भवणवइ-
 वाणमंतरजोइसवेमाणिया देवा अरहंते भगवंते वंदंति णमंसंति वंदित्ता णमंसित्ता
 तओ पच्छ साइं साइं णामगोत्ताइं साहिंति तं पोराणमेयं सूरियाभा ! जाव
 अब्भणुण्णायमेयं सूरियाभा ! । तए णं से सूरियाभे देवे समणेणं भगवया महावीरेणं
 एवं बुत्ते समाणे हइ जाव समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता
 णच्चासण्णे णाइदूरे सुस्ससमाणे णमंसमाणे अमिमुहे विणएणं पंजलिउडे पज्जुवासइ
 ॥ १८-१९ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे सूरियाभस्स देवस्स तीसे य
 महइमहालिथाए परिसाए जाव परिसा जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडि-
 गया ॥ २० ॥ तए णं से सूरियाभे देवे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए
 धम्मं सोच्चा णिसम्म हइतुइ जाव हयहियए उट्ठाए उट्ठेइ उट्ठित्ता समणं भगवं
 महावीरं वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी—अहं णं भंते ! सूरियाभे देवे किं
 भवसिद्धिए अभवसिद्धिए ? सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी ? परित्तसंसारिए अणंतसंसा-
 रिए ? सुलभवोहिए दुल्लभवोहिए ? आराहए विराहए ? चरिमे अचरिमे ? ॥ २१ ॥
 सूरियाभाइ समणे भगवं महावीरे सूरियाभं देवं एवं वयासी—सूरियाभा ! तुमं णं
 भवसिद्धिए णो अभवसिद्धिए जाव चरिमे णो अचरिमे । तए णं से सूरियाभे देवे
 समणेणं भगवया महावीरेणं एवं बुत्ते समाणे हइतुइचित्तमाणंदिए परमसोमणस्सिए
 समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी—तुभे णं भंते !

सर्वं जाणह सर्वं पासह, सर्वओ जाणह सर्वओ पासह, सर्वं कालं जाणह सर्वं
 कालं पासह, सर्वे भावे जाणह सर्वे भावे पासह । जाणंति णं देवाणुप्पिया ! मम
 पुंस्वि वा पच्छा वा मम एयासुं दिव्वं देविड्ढिं दिव्वं देवजुइं दिव्वं देवाणुभावं लद्धं
 पत्तं अभिसमण्णागयंति, तं इच्छामि णं देवाणुप्पियाणं भत्तिपुव्वगं गोयमाइयाणं सम-
 णाणं णिग्गंथाणं दिव्वं देविड्ढिं दिव्वं देवजुइं दिव्वं देवाणुभावं दिव्वं बत्तीसइबद्धं
 गट्ठविहिं उवदंसित्तए ॥२२॥ तए णं समणे भगवं महावीरं सूरियाभेणं देवेणं एवं
 बुत्ते समणे सूरियाभस्स देवस्स एयमदट्ठं णो आढाइ णो परियाणइ तुसिणीए संवि-
 द्दइ । तए णं से सूरियाभे देवे समणं भगवं महावीरं दोच्चं पि तच्चं पि एवं
 क्यासी-नुब्भे णं भंते ! सर्वं जाणह जाव उवदंसित्तएत्तिकट्ठु समणं भगवं महावीरं
 तिक्वुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ करित्ता वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता उत्तर-
 पुत्थिमं दीसीभागं अवक्कमइ अवक्कमित्ता वेउज्वियसमुग्घाएणं समोहणइ समोहणित्ता
 संखिजाइं जोयणाइं दण्डं णिसिरइ २ त्ता अहानायरे० अहासुहुमे० । दोच्चं पि
 वेउज्वियसमुग्घाएणं जाव बहुसमरमणिजं भूमिभागं विउव्वइ । से जहा णामए
 आलिंगपुक्खरे इ वा जाव मणीणं फासो तस्स णं बहुसमरमणिजस्स भूमिभागस्स
 बहुमज्झदेसभागे पिच्छाधरमण्डवं विउव्वइ अणेगल्लभसयसंणिविट्ठं वण्णओ अंतो
 बहुसमरमणिजं भूमिभागं उल्लोयं अक्खल्लं च मणिपेदियं च विउव्वइ । तीसे णं
 मणिपेदियाए उवरि सीहस्सणं सपरिवारं जाव दामा चिट्ठंति । तए णं से सूरियाभे
 देवे समणस्स भगवओ महावीरस्स आलोए ण्णामं करेइ करित्ता 'अणुजाणउ मे
 भगवंतिकट्ठु सीहासणवरगए तित्थयराभिमुहे संणिसण्णे । तए णं से सूरियाभे देवे
 तप्पदमयाए णाणामणिक्खमरयणविमलमहरिहणित्तावियमिसिमिसित्तविरइयमहा-
 भरणकडगतुडियवरभूसणुजलं पीवरं पल्लवं दाहिणं भुयं पसारइ तओ णं सरिसयाणं
 सरित्तयाणं सरिव्वयाणं सरिसलावण्णरूवजोव्वणगुणोव्वेयाणं एगाभरणवसणगहिय-
 णिजोयाणं दुहओ संवेल्लियग्गणियत्थाणं आविद्धतिलयामेलाणं पिणद्धगेविजकंजुयाणं
 उप्पीलियचित्तपट्टपरियरसफेणगावत्तरइयसंगय-पल्लववत्तं चित्तचिहल्लगणियंसण्णाणं
 एगल्लालिक्कट्ठरइयसोभंतवच्छपरिहत्थभूसणाणं अट्ठसयं णट्ठसजाणं देवकुमारणं
 णिग्गच्छइ । तयणंतरं च णं णाणामणि० जाव पीवरं पल्लवं वामं भुयं पसारइ तओ
 णं सरिसयाणं सरित्तयाणं सरिव्वयाणं सरिसलावण्णरूवजोव्वणगुणोव्वेयाणं एगाभरण०
 दुहओ संवेल्लियग्ग० आविद्धतिलयामेलाणं पिणद्धगेविजकंजुइं णाणामणिरयणभूस-

णविराहयंगमंगाणं च्चदाणणाणं च्चदद्धसमणिलाडाणं च्चदाहियसोमदंसणाणं उक्का इव उज्जोवेमाणीणं सिंगारा० हसियभणिय० गहियाउज्जाणं अट्टसयं णट्टसज्जाणं देवकुमारियाणं णिग्गच्छइ । तए णं से सूरियाभे देवे अट्टसयं संखाणं विउज्जइ अट्टसयं संखायाणं विउज्जइ, अ० सिंगाणं वि० अ० सिंगवायाणं वि०, अ० संखियाणं वि० अ० संखियायाणं वि०, अ० खरमुहीणं वि० अ० खरमुहियायाणं वि०, अ० पेयाणं वि० अ० पेयावायगाणं वि०, अ० पिरिपिरियाणं वि० अ० पिरिपिरियावायागाणं वि० एवमाइयाइं एगूणपण्णं आउज्जविहाणाइं विउज्जइ । तए णं ते बहवे देवकुमारा य देवकुमारियाओ य सद्दावेइ । तए णं ते बहवे देवकुमारा य देवकुमारीओ य सूरियाभेणं देवेणं सद्दाविया समणा हट्ट जाव जेणेव सूरियाभे देवे तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवागच्छित्ता सूरियामं देवं करयलपरिग्गहियं जाव वद्धाविता एवं वयासी—‘संदिसंतु णं देवाणुप्पिया ! जं अम्हेहिं कायव्वं’ । तए णं से सूरियाभे देवे ते बहवे देवकुमारि य देवकुमारीओ य एवं वयासी—‘गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! समणं भगवंतं महावीरं तिवसुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेह करित्ता वंदह णमंसह वंदित्ता णमंसित्ता गोयमाइयाणं समणाणं णिग्गंथाणं तं दिव्वं देविइंद दिव्वं देवजुइं दिव्वं देवाणुभावं दिव्वं वत्तीसइवद्धं णट्टविहिं उवदंसेह उवदंसित्ता खिप्पामेव एयमाणत्तियं पच्चण्हिणह । तए णं ते बहवे देवकुमारा देवकुमारीओ य सूरियाभेणं देवेणं एवं बुत्ता समणा हट्ट जाव करयल० जाव पडिसुणंति पडिसुणिच्चा जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं जाव णमंसित्ता जेणेव गोयमाइया समणा णिग्गंथा तेणेव उवागच्छंति । तए णं ते बहवे देवकुमारा देवकुमारीओ य समामेव समोसरणं करंति करित्ता समामेव अवणं मंति अवणमित्ता समामेव उण्णमंति एवं सहियामेव ओणमंति एवं सहियामेव उण्णमंति सहियामेव उण्णमित्ता संगयामेव ओणमंति संगयामेव उण्णमंति उण्णमित्ता थिमियामेव ओणमंति थिमियामेव उण्णमंति समामेव पसरंति पसरित्ता समामेव आउज्जविहाणाइं गेण्हंति समामेव पाएंसु पगाइंसु पणञ्चिसु । किं ते ? उरेणं मंदं सिरिण तारं कंठेण वितारं तिविहं तिसमयरेयगइयं गुंजाऽवककुहरोवगूढं रत्तं तिठाणकरणसुद्धं सकुहुरंजंतवसंतंतीतलताललयगइसुसंपउत्तं महुरं समं सललियं मणोहरं मिउरिभियपयसंचारं सुइसुणइवरचारुत्तं दिव्वं णट्टसज्जं गेयं पगीया वि होत्था किं ते ? उद्धुमंताणं संखाणं सिंगाणं

संखियाणं खरमुहीणं पेयाणं पिरिपरियाणं, आहम्मंताणं पणवाणं पडहाणं, अप्फा-
ल्लिजमाणाणं भंभाणं होरेभाणं, ताल्लिजंताणं भेरीणं झल्लरीणं दुंदुहीणं, आलवंताणं
मुरयाणं मुइंगाणं पंदीमुइंगाणं, उत्तालिजंताणं आलिंगाणं कुंतुंवाणं गोमुहीणं मदलाणं,
मुच्छिजंताणं वीणाणं विपंचीणं वहइईणं, कुट्टिजंताणं महंतीणं कच्छमीणं चित्त-
वीणाणं, सारिजंताणं बद्धीसाणं सुधोसाणं पंदिघोसाणं, फुट्टिजंतीणं भामरीणं
छम्भामरीणं परिवायणीणं, छिप्पंतीणं तूणाणं तुंबवीणाणं, आमोडिजंताणं आमो-
याणं झंझाणं णउलाणं, अच्छिजंतीणं मुमुंदाणं हुहुकीणं विचिकीणं, वाइजंताणं
करडाणं डिंडिमाणं किणियाणं कडम्भाणं, ताडिजंताणं दहरिगाणं दहस्साणं कुंतुंवाणं
कलसियाणं मड्डयाणं, आताडिजंताणं तलाणं तालाणं कंसतालाणं, घट्टिजंताणं रिं-
रिसियाणं लत्तियाणं मगरियाणं सुंसुमारियाणं, फूमिजंताणं वंसाणं वेलूणं वालीणं
परिल्लीणं बद्धसाणं । तए णं से दिव्वे गीए दिव्वे वाइए दिव्वे णट्टे एवं अब्भुए
विंगारे उराले मणुण्णे मणहरे गीए मणहरे णट्टे मणहरे वाइए उप्पिजलभूए कहकह-
भूए दिव्वे देवरमणे पवत्ते यावि होत्था । तए णं ते बहवे देवकुमारा य देवकुमारीओ
य समणस्स भगवओ महावीरस्स सौत्थियसिरिवच्छणं दियावत्तवद्धमाणगमहासणकल-
समच्छदप्पणमंगल्लभत्तिचित्तं णामं दिव्वं णट्टविहिं उवदंसंति १ ॥ २३ ॥ तए णं ते
बहवे देवकुमारा य देवकुमारीओ य समसेव समोसरणं करंति करित्ता तं चेव भाणि-
यव्वं जाव दिव्वे देवरमणे पवत्ते यावि होत्था । तए णं ते बहवे देवकुमारा य देवकुमा-
रीओ य समणस्स भगवओ महावीरस्स आवडपच्चावडसेदिपसेदिसौत्थियसोवत्थिय-
पूसमाणव्वद्धमाणगमच्छण्डमगरं डजारमारफुल्लवलिपउमपत्तसागरतरंगवसंतलयाप-
उमलयभत्तिचित्तं णामं दिव्वं णट्टविहिं उवदंसंति २, एवं च एकिक्रियाए णट्टविहीए
समोसरणाइया एसा वत्तव्वया जाव दिव्वे देवरमणे पवत्ते यावि होत्था । तए णं ते
बहवे देवकुमारा देवकुमारियाओ य समणस्स भगवओ महावीरस्स ईहामियउसभत्तु-
रणरणमगरविहगवालगकिण्णररुसरभच्चमरकुंजरवणल्लयपउमलयभत्ति चित्तं णामं दिव्वं
णट्टविहिं उवदंसंति ३, एगओ वंक्कं दुहओ वंक्कं एगओ खुहं दुहओ खुहं एगओ चक्क-
वालं दुहओ चक्कवालं चक्कदचक्कवालं णामं दिव्वं णट्टविहिं उवदंसंति ४, चंदावलि-
पविभत्तिं च सूरवलिपविभत्तिं च वल्लियावलिपविभत्तिं च हंसावलिप० च एगावलिप०
च तारावलिप० च मुत्तावलिप० च कण्णावलिप० च रयणावलिप० च णामं दिव्वं
णट्टविहिं उवदंसंति ५, चंदुग्गमणप० च सूरुग्गमणप० च उग्गमणुग्गमणप० णामं

दिव्यं णट्ठविहिं उवदंसेति ६, चंदागमणप० च सुरागमणप० च आगमणागमणप०
 णामं...उवदंसेति ७, चंदावरणप० सूरक्षरणप० च आवरणावरणप० णामं...उव-
 दंसेति ८, चंदत्थमणप० च सूरत्थमणप० अत्थमणत्थमणप० णामं...उवदंसेति
 ९, चंदमंडलपविमत्तिं च सूरमंडलप० च णागमंडलप० च जक्खमंडलप० च भूय-
 मंडलप० च (रक्खसमहोरगमणवच्चमंडलप० च) मंडलमंडलप० णामं...उवदंसेति
 १०, उसभमंडलप० च सीहमंडलप० च हयविलंबियं गयवि० हयविलसियं गयवि-
 लसियं मत्तहयविलसियं मत्तगयविलसियं मत्तहयविलंबियं मत्तगयवि० दुयविलम्बियं
 णामं...णट्ठविहिं उवदंसेति ११, सागरपविमत्तिं च णागरप० च सागरणागरप०
 णामं...उवदंसेति १२, णंदाप० च चंषाप० च णंदाचंषाप० णामं...उवदंसेति
 १३, मच्छंडाप० च मयरंडाप० च जारप० च मारप० च मच्छंडमयरंडजारमारप०
 णामं...उवदंसेति १४, 'क' ति ककारप० च 'ख' ति खकारप० च 'ग' ति गका-
 रप० च 'घ' ति घकारप० च 'ङ' ति ङकारप० च ककारखकारगकारघकारङकारप०
 णामं...उवदंसेति १५, एव चकारवग्गो वि १६, टकारवग्गो वि १७, तकारवग्गो
 वि १८, पकारवग्गो वि १९, असोयपल्लवप० च अंवपल्लवप० च जंबूपल्लवप० च
 कोसंबपल्लवप० च पल्लवप० णामं...उवदंसेति २०, पउमल्लयाप० जाव सामल्लयाप०
 च लयाप० णामं...उवदंसेति २१, दुयणामं...उवदंसेति २२, विलंबियं णामं...
 उव० २३, दुयविलंबियं णामं...उव० २४, अंचियं २५, रिमियं २६, अंचियरि-
 मियं २७, आरभंडं २८, भसोलं २९, आरभडभसोलं ३०, उप्पयणिवयपवत्ते संकु-
 चियं पसारियं रयारइयं भंतं संभंतं णामं दिव्यं णट्ठविहिं उवदंसेति ३१, । तए णं ते
 बहवे देवकुमारा य देवकुमारीओ य समामेव समोसरणं करंति जाव दिव्ये देवरमणे
 पवत्ते याविं होत्था । तए णं ते बहवे देवकुमारा य देवकुमारीओ य समणस्स भग-
 वओ महावीरस्स पुब्बभवचरियणिबद्धं च चवणचरियणिबद्धं च संहरणचरियणिबद्धं
 च जम्भणचरियणिबद्धं च अभित्तेयचरियणिबद्धं च बालभावचरियणिबद्धं च जोव्वण-
 चरियणिबद्धं च कामभोगचरियणिबद्धं च निक्खमणचरियणिबद्धं च तवचरणचरि-
 यणिबद्धं च णाणुप्पायचरियणिबद्धं च तित्थपवत्तणचरियपरिणिव्वाणचरियणिबद्धं
 च चरिमचरियणिबद्धं णामं दिव्यं णट्ठविहिं उवदंसेति ३२ । तए णं ते बहवे देवकुमारा
 य देवकुमारीओ य चउव्विहं वाइत्तं वाएंति—तं जहा—तत्तं वितत्तं धणं हूसिरं । तए
 णं ते बहवे देवकुमारा य देवकुमारिवाओ य चउव्विहं गेयं गायंति तंजहा—उविस्सत्तं

पायंतं मंदायं रोइसवसाणं च । तए णं ते बहवे देवकुमारा य देवकुमारियाओ य चउव्विहं णइविहिं उवदंसंति तंजहा—अंविंयं रिभियं आरभइं मसोलं च । तए णं ते बहवे देवकुमारा य देवकुमारियाओ य चउव्विहं अभिणयं अभिणएति तंजहा—दिट्ठंतिथं पाडित्थं सामण्णाविणिवाइयं अंतोमज्झावसाणियं च । तए णं ते बहवे देवकुमारा य देवकुमारियाओ य गोयमाइयाणं समणाणं णिग्गंथाणं दिव्वं देविड्ढिं दिव्वं देवजुइं दिव्वं देवाणुभावं दिव्वं वत्तीसइवद्धं णाइयं उवदंसित्ता समणं भगवंतं महावीरं तिव्वुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेति करित्ता वंदंति णमंसंति वंदित्ता णमंसित्ता जेणव सूरियाभं देवं तेणव उवागच्छंति उवागच्छित्ता सूरियाभं देवं करयलपरिग्राहियं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्ठु जएणं विजएणं वद्धावेंति वद्धावित्ता एवं आणत्तिथं पच्चयिणंति ॥२४॥ तए णं से सूरियाभे देवे तं दिव्वं देविड्ढिं दिव्वं देवजुइं दिव्वं देवाणुभावं पडिसाहरइ पडिसाहरेत्ता खणेणं जाए एगे एगभूए । तए णं से सूरियाभे देवे समणं भगवंतं महावीरं तिव्वुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ रत्ता वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता णियगपरिवालसद्धिं संपरिवुडे तमेव दिव्वं जाणविमाणं दुरुहइ दुरुहित्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए ॥२५॥ (तेणं काटेणं तेणं समएणं समणस्स ३ जेठ्ठे अंतैयासी इंदभूई णामं अणगारे गोयमसगोत्तेणं सत्तुस्सेहे समचउरंससंठाणसंठिए जाव उट्ठाए उट्ठेइ रत्ता जेणव समणे ३ तेणव उवागच्छइ रत्ता समणं ३ तिव्वुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ रत्ता वंदइ णमंसइ रत्ता एवं वयासी) भंते ! त्ति भयवं गोयमे समणं भगवंतं महावीरं वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी—सूरियाभस्स णं भंते ! देवस्स एसा दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवजुइं दिव्वे देवाणुभावे कहिं गए कहिं अणुप्पविट्ठे ? गोयमा ! सरीरं गएसरीरं अणुप्पविट्ठे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ सरीरं गए सरीरं अणुप्पविट्ठे ! गोयमा ! से जहा णामए कूडागारसाला सिया दुहओ छित्ता गुत्ता गुत्तदुवारा णिवाया णिवायगंभीरा, तीसे णं कूडागारसालाए अदूरसामंते एत्थ णं महेगे जणसमूहे चिट्ठइ, तए णं से जणसमूहे एगं महं अब्भवद्दलं वा वासवद्दलं वा महावायं वा एजमाणं पासइ पासित्ता तं कूडागारसाले अंतो अणुप्पविसित्ता णं चिट्ठइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ—‘सरीरं अणुप्पविट्ठे’ ॥२६॥ कहिं णं भंते ! सूरियाभस्स देवस्स सूरियाभे णामं विमाणे पण्णत्ते ? गोयमा ! जंजुहीवे दीवे मंदरस्स पक्कयस्स दाहिणेणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिजाओ भूमिभागाओ उड्ढं

चंदिमसूरियगहगणकत्वततारारूपाणं बहूईं जोयणाईं बहूईं जोयणसयाईं एवं सहस्साईं सयसहस्साईं बहूईंओ जोयणकोडीओ जोयणसयकोडीओ जोयणसहस्सकोडीओ बहूईंओ जोयणसयसहस्सकोडीओ बहूईंओ जोयणकोडाकोडीओ उड्डं दूरं वीईवइत्ता एत्थ णं सोहम्मे णामं कप्पे पण्णत्ते पाईणपडीणायए उदीणदाहिणवित्थिण्णे अद्ध-चंदसंठाणसंठिए अच्चिमालिभासरासिवण्णाभे असंखेजाओ जोयणकोडाकोडीओ आयामविकखंभेणं असंखेजाओ जोयणकोडाकोडीओ परिकखेवेणं एत्थ णं सोहम्माणं देवाणं बत्तीसं विमाणवाससयसहस्साईं भवतीति मक्खायं । ते णं विमाणा सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा । तेसिं णं विमाणाणं बहुमज्झदेसभाए पंच वडिसया पण्णत्ता तंजहा--असोगवडिसए सत्तवण्णवडिसए चंपगवडिसए चूयवडिसए मज्झे सोहम्मवडिसए ते णं वडिसगा सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा । तस्स णं सोहम्मवडिसगास्स महाविमाणस्स पुरत्थिमेणं तिरियं असंखेजाईं जोयणसयसहस्साईं वीईवइत्ता एत्थ णं सूरियाभस्स देवस्स सूरियाभे णामं विमाणे पण्णत्ते अद्धतेरस-जोयणसयसहस्साईं आयामविकखंभेणं अउणयालीसं च सयसहस्साईं बावणं च सहस्साईं अद्ध य अडयालजोयणसए परिकखेवेणं । से णं एगेणं पागारेणं सव्वओ समंता संपरिकिक्खत्ते से णं पागारे तिण्णि जोयणसयाईं उड्डं उच्चत्तेणं, मूले एगं जोयणसयं विकखंभेणं, मज्झे पण्णासं जोयणाईं विवखंभेणं उप्पि पणवीसं जोयणाईं विकखंभेणं । मूले वित्थिण्णे मज्झे संखित्ते उप्पि तण्णुए गोपुच्छसंठाणसंठिए सव्वरयणामए अच्छे जाव पडिरूवे से णं पागारे णाणविहपंचवण्णेहिं कविसीसएहिं उवसोमिए तं जहा--कण्हेहि य णीलेहि य लोहिएहिं हालिदेहिं सुक्किदेहिं कविसीस-एहिं । ते णं कविसीसगा एगं जोयणं आयामेणं अद्धजोयणं विकखंभेणं देसुणं जोयणं उड्डं उच्चत्तेणं सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा । सूरियाभस्स णं विमाणरस एगमेगाए बाहाए दारसहस्सं दारसहस्सं भवतीति मक्खायं, ते णं दारा पंच जोयणसयाईं उड्डं उच्चत्तेणं अड्डाईजाईं जोयणसयाईं विकखंभेणं तावइयं चेव पवेसेणं सेया वरकणगधूमियागा ईहामियउमभतुरगणरमगरविहगवालाक्किणरररसरभच्चमर-कुंजरवणलयपउमलयभत्तिचित्ता खंभुगयवरवयरेवइया परिगयाभिरामा विज्जहरज-मल्लुयलजंतजुत्ता विव अच्चीसहस्समालणीया रुवगसहस्सकलिया भिसमाणा भिभि-समाणा चक्खुलोयणलेसा सुहफासा सत्तिरीयरूवा । वण्णे दाराणं तेसिं होइ तंजहा--बइरामया णिम्मा रिद्धामया पइद्धाणा वेरुलियमया खंभा जायरुवोवचियपदरपंच-

वण्णमणिरयणकोट्टिमतला हंसगम्भमया एलुया गोमेज्जमया इंदकीला लोहियक्ख-
मईओ चेडाओ जोईरसमया उत्तरंगा लोहियक्खमईओ सूईओ वयरामया संधी
णाणामणिमया समुगया वयरामया अगला अगलपासाया रययामयाओ आव-
त्तणपेटियाओ अंकुत्तरपासगा गिरंतरियघणकवाडा भित्तीसु चेव भित्तिगुलिया
छप्पणा तिण्णि हंति गोमाणसिया तत्तिया णाणामणिरयणवालरूवगालीलद्विय-
सालमेजियागा वयरामया कूडा रययामया उस्सेहा सव्वतवणिज्जमया उल्लोया
णाणामणिरयणजालपंजरमणिवंसगलोहियक्खपडिवंसगरययभोमा अंकामया पक्खा
पक्खावाहाओ जोईरसामया वंसा वंसकवेल्लुयाओ रययामईओ पट्टियाओ जाय-
रूमईओ ओहाइणीओ वइरामईओ उवरिपुंछणीओ सव्वसेयरययामए छायेणे
अंकमयकणगद्धतवणिजयूभियागा सेया संखतलविमलणिम्मलदहिघणगोखीरफेण-
रययणिगरप्पगासा तिलारयणद्धचंदचित्ता णाणामणिदामालंकिया अंतो बहिं च
सण्हा तवणिज्जवालुयापत्थडा सुहफासा सस्सिरीयरूवा पासाईया दरिसणिजा
अभिरूवा पडिरूवा ॥ २७ ॥ तेसि णं दाराणं उभओ पासे दुहओ गिसीहियाए
सोलस सोलस चंदणकलसपरिवाडीओ पण्णत्ताओ, ते णं चंदणकलसा वरकमलपइ-
ट्ठाणा सुरभिवरवारिपडिपुण्णा चंदणकयचचागा आविद्धकंठेगुणा पउमुप्पलपिहाणा
सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा महया महया इंदकुंभसमाणा पण्णत्ता समणा-
उसो ! तेसि णं दाराणं उभओ पासे दुहओ गिसीहियाए सोलस सोलस णाग-
दंतपरिवाडीओ पण्णत्ताओ, ते णं णागदंता मुत्ताजालेतरुसियहेमजालगववखजा-
लविंविर्णाघंटाजालपरिक्खत्ता अब्भुगया अभिणिसिद्धा तिरियसुसंपरिगहिया
अहेपण्णगद्धरूवा पण्णगद्धसंठाणसंठिया सव्वदयरामया अच्छा जाव पडिरूवा महया
महया गयदंतसमाणा पण्णत्ता समणाउसो ! तेसु णं णागदंतएसु बहवे किण्हसुत्तबद्धा
वग्गारियमल्लदामकलावा णील० लोहिय० हालिह० सुक्खिहसुत्तबद्धा वग्गारियमल्लदाम-
कलावा, ते णं दामा तवणिज्जलंबूसगा सुवण्णपयरसमंडिया णाणाविहमणिरयणवि-
हहारउवसोभियसमुदया जाव सिरीए अईव अईव उवसोभेमाणा चिट्ठंति । तेसि
णं णागदंताणं उवरिं अण्णाओ सोलस सोलस णागदंतपरिवाडीओ पण्णत्ता ते णं
णागदंता ते चेव जाव गयदंतसमाणा पण्णत्ता समणाउसो ! तेसु णं णागदंतएसु
बहवे रययामया सिक्का पण्णत्ता, तेसु णं रययामएसु सिक्काएसु बहवे वेरुलियामईओ
धूवघडीओ प०ताओ णं धूवघडीओ कालागुरुपवरकुंदुरुकतुरुक्खधूवमधमघंतगंधुद्ध-

यामिरामाओ सुगंधवरमंधियाओ गंधवट्टिभूयाओ ओरालेणं मणुण्णेणं मणहरेणं
 वाणमणणिवुड्ढक्रेणं गंधेणं ते पएसे सव्वओ समंता आपूरेमाणा आपूरेमाणा
 जाव चिट्ठंति । तेसि णं दाराणं उभओ पासे दुहओ गिसीहियाए सोलस सोलस
 सालभंजियापरिवाडीओ पणत्ताओ, ताओ णं सालभंजियाओ लीलट्टियाओ सुपड-
 ट्टियाओ सुअलंकियाओ पाणाविहरागवसणाओ पाणामल्लपिणद्धाओ मुट्ठिगिज्झमुम-
 ज्झाओ आमेलगजमल्लजुयलवट्टियअवमुण्णयपीणरइयसंठियपीवरपओहराओ रत्तावं-
 गाओ असियकेसीओ मिउविसयपसत्थलक्खणसंवेल्लियग्गसिरयाओ ईसि असोगवर-
 पायवसमुट्ठियाओ वामहत्थग्गहियग्गसालाओ ईसि अट्ठक्खिक्कडक्खचिट्ठिएणं लूस-
 मानीओ विव चक्खुल्लोयणलेसेहि य अणमण्णं खिजमानीओ विव पुट्टविपरिणा-
 माओ सासयभावमुवगयाओ चंदाणणाओ चंदविलासिण्णओ चंदद्वसमणिडालाओ
 चंदाहियसोमदंसणाओ उक्का विव उज्जोवेमाणाओ विज्जुवणमिरियसुरदिपंततेय-
 अहिययरसण्णिगासाओ सिंगारागारचारुवेसाओ पासाइयाओ जाव चिट्ठंति । तेसि
 णं दाराणं उभओ पासे दुहओ गिसीहियाए सोलस सोलस जालकडगपरिवाडीओ
 पणत्ता, ते णं जालकडगा सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरुवा । तेसि णं दाराणं
 उभओ पासे दुहओ गिसीहियाए सोलस सोलस घंटापरिवाडीओ पणत्ता, तासि णं
 घंटाणं इमेयारुवे वण्णावासे पणत्ते, तंजहा—जंबूणयामईओ घंटाओ वयरामयाओ
 लालाओ पाणामणिमया घंटापासा तवणिज्जमइयाओ संखलाओ रययामयाओ रज्जुओ ।
 ताओ णं घंटाओ ओहस्सराओ मेहस्सराओ हंसस्सराओ कुंचस्सराओ सीहस्सराओ
 दुंदुहिस्सराओ णंदिस्सराओ णंदिघोसाओ मंजुस्सराओ मंजुघोसाओ सुस्सराओ
 सुस्सरोसाओ उरालेणं मणुण्णेणं मणहरेणं वण्णमणणिवुड्ढक्रेणं सहेणं ते पएसे
 सव्वओ समंता आपूरेमाणाओ आपूरेमाणाओ जाव चिट्ठंति । तेसि णं दाराणं
 उभओ पासे दुहओ गिसीहियाए सोलस सोलस वणमालापरिवाडीओ पणत्ताओ,
 ताओ णं वणमालाओ पाणामणिमयदुमलयकिसलयपल्लवसमाउलाओ छप्पयपरिभुज-
 माणसोहंतसस्सिरयाओ पासाइयाओ ४ । तेसि णं दाराणं उभओ पासे दुहओ गिसी-
 हियाए सोलस सोलस पगंठगा पणत्ता, ते णं पगंठगा अड्ढाइज्जाइं जोयणसयाइं
 आयामविकखंभेणं पणवीसं जोयणसयं ब्राह्मेणं सव्ववयरामया अच्छा जाव पडि-
 रुवा । तेसि णं पगंठगाणं उवरिं पत्तेयं पत्तेयं पासायवडेंसगा पणत्ता, तेणं पासाय-
 वडेंसगा अड्ढाइज्जाइं जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पणवीसं जोयणसयं विकखंभेणं

अन्धुमायमूसियफहसिया विव विविहमणिरयणभत्तिचित्ता वाउद्धुयविजयवेज्यंत-
पडागच्छताइच्छत्तकलिया तुंगा रागणतलमणुलिहंतसिहरा जालंतररयणपंजरुम्मिलिय
व्व मणिकणगयूमियाया वियसियसयवत्तपांडरीयतिलगरयणद्धचंदचित्ता णाणामणि-
दामालंकिवा अंतो वहिं च सण्हा तवणिज्वालयापत्थडा मुहपासा ससिरीयरूवा
पासाईया दरिसणिजा जाव दामा । तेसि णं दाराणं उमओ पासे सोलस सोलस
तोरणा पणत्ता, णाणामणिमया णाणामणिमएसु खंभेसु उवणिविट्ठसणिविट्ठा जाव
पउमहत्थगा । तेसि णं तोरणाणं पत्तेयं पुरओ दो दो सालभंजियाओ पणत्ताओ,
जहा हेट्ठा तंहेव । तेसि णं तोरणाणं पुरओ णागदंता पणत्ता जहा हेट्ठा जाव दामा ।
तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो हयसंघाडा गयसंघाडा णरसंघाडा किण्णरसंघाडा
किपुरिससंघाडा महोरगसंघाडा गंधव्वसंघाडा उसभसंघाडा सव्वरयणामया अच्छा जाव
पडिरूवा, एवं पंतीओ वीही मिहुणाइं । तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो पउमलयाओ
जाव सामलयाओ णिच्चं कुमुमियाओ सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा । तेसि णं
तोरणाणं पुरओ दो दो दिसासोवन्थिया पणत्ता सव्वरयणामया अच्छा जाव पडि-
रूवा । तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो चंदणकलसा पणत्ता, ते णं चंदणकलसा
वरकमलपइट्ठाणा तंहेव । तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो भिंगारा पणत्ता, ते णं
भिंगारा वरकमलपइट्ठाणा जाव महया मत्तगयमुहागिइसमाणा पणत्ता समणाउसो ! ।
तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो आयंसा पणत्ता, तेसि णं आयंसाणं इमेयारूवे वण्णा-
वासे पणत्ते, तंजहा—तवणिज्जमया पसंतगा अंकमया मंडला अणुभसियणिमलाए
छायाए समणुवद्धा चंदमंडलपडिणिकासमहया महया अट्ठकायसमाणा पणत्ता सम-
णाउसो ! । तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो वइरणाभयाला पणत्ता अच्छतिच्छडिय-
मालित्तदुलणहंसदिट्ठपडिपुणा इव चिट्ठंति सव्वजंबूणयमया जाव पडिरूवा महया
महया रहचकवालसमाणा पणत्ता समणाउसो ! । तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो
पाईओ, ताओ णं पाईओ सच्छेदगपरिहत्थाओ णाणाविहस्स फलहरियगरस बहु-
पडिपुणाओ विव चिट्ठंति सव्वरयणामईओ अच्छाओ जाव पडिरूवाओ महया
महया गोकुल्लिजरचकसमाणीओ पणत्ताओ समणाउसो ! । तेसि णं तोरणाणं पुरओ
दो दो सुपइट्ठा पणत्ता णाणाविहभंडविरइया इव चिट्ठंति सव्वरयणामया अच्छा जाव
पडिरूवा । तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो मणोगुलियाओ पणत्ताओ, तसु णं मणो-
गुलियासु बहवे सुवण्णरूपमया फलगा पणत्ता, तेसु णं सुवण्णरूपमएसु फलगेसु

बहवे वयरामया गागदंतया पण्णत्ता, तेसु णं वयरामएसु गागदंतएसु बहवे वयरामया
 सिक्का पण्णत्ता, तेसु णं वयरामएसु सिक्कमेसु किण्हसुत्तसिक्कगवच्छिया णील्लसुत्त-
 सिक्कगवच्छिया लोहियसुत्तसिक्कगवच्छिया हालिहसुत्तसिक्कगवच्छिया सुक्किहसुत्त-
 सिक्कगवच्छिया बहवे वायकरगा पण्णत्ता सव्ववेरुलियमया अच्छा जाव पडिरूवा ।
 तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो चित्ता रयणकरंडगा पण्णत्ता, से जहा गामए रण्णो
 चाउरंतचक्कवट्टिस्स चित्ते रयणकरंडए वेरुलियमणिफलिहपडलपच्चोयडे साए
 पहाए ते पएसे सव्वओ समंता ओभासइ उज्जोवेइ तवइ पभासइ एवमेव ते वि
 चित्ता रयणकरंडगा साए पभाए ते पएसे सव्वओ समंता ओभासंति उज्जोवेंति तवति
 पभासंति । तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो हयकंठा गयकंठा णरकंठा किण्णरकंठा
 किंपुरिसकंठा महोरगकंठा गंधव्वकंठा उसभकंठा सव्वरयणामया अच्छा जाव पडि-
 रूवा । तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो पुप्फचंगेरीओ मल्लचंगेरीओ चुण्णचंगेरीओ
 गंधचंगेरीओ कथचंगेरीओ आमरणचंगेरीओ सिद्धथचंगेरीओ लोमहत्थचंगेरीओ
 पण्णत्ताओ सव्वरयणामयाओ अच्छाओ जाव पडिरूवाओ । तासु णं पुप्फचंगेरियासु
 जाव लोमहत्थचंगेरिसु दो दो पुप्फपडलगाइ जाव लोमहत्थपडलगाइ सव्वरयणा-
 मयाइ अच्छाइ जाव पडिरूवाइ । तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो सीहासणा
 पण्णत्ता । तेसि णं सीहासणाणं वण्णओ जाव दामा । तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो
 रुपमया छत्ता पण्णत्ता, ते णं छत्ता वेरुलियविमलदंडा जंबूणयकणिया वहरसंधी
 मुत्ताजालपरिगया अट्टसहस्सवरकंचणसलागा दहरमलयसुगंधिसव्वोउयसुरमिसीय-
 लच्छाया मंगलभत्तिचित्ता चंदागारोवमा । तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो चाम-
 राओ पण्णत्ताओ, ताओ णं चामराओ चंदप्पभवेरुलियवयरणाणामणिरयणखविय-
 चित्तदण्डाओ सुट्टमरययदीहवालाओ संलंककुंददगरयअभयमहियफेणपुंजसण्णि-
 गासाओ सव्वरयणामयाओ अच्छाओ जाव पडिरूवाओ । तेसि णं तोरणाणं
 पुरओ दो दो तेल्लसमुग्गा कोट्टसमुग्गा पत्तसमुग्गा चोयगसमुग्गा तगरसमुग्गा
 एलासमुग्गा हरियालसमुग्गा हिंगुलयसमुग्गा मणोसिलासमुग्गा अंजणसमुग्गा सव्व-
 रयणामया अच्छा जाव पडिरूवा ॥ २८ ॥ सूरियाभे णं विमाणे एगमेगे दारे
 अट्टसयं चक्कज्झयाणं अट्टसयं मिगज्झयाणं गरुडज्झयाणं रुत्तज्झयाणं पिच्छज्झयाणं
 सउण्णिज्झयाणं सीहज्झयाणं उसभज्झयाणं अट्टसयं सेयाणं चउविताणाणं गागवरके-
 ऊणं एवमेव सपुब्बावरेणं सूरियाभे विमाणे एगमेगे दारे असीयं असीयं केउसहस्सं

भवतीति मक्खायं । तेसि णं दाराणं एगमेगे दारे पण्णिट्ठिं पण्णिट्ठिं भोमा पण्णत्ता,
 तेसि णं भोमाणं भूमिभागा उल्लोया य भाणियव्वा, तेसि णं भोमाणं बहुमज्झ-
 वेसभागे पत्तेयं पत्तेयं सीहासणे, सीहासणवण्णओ सपरिवारो, अवसेसेसु भोमेसु
 पत्तेयं पत्तेयं भद्दासणा पण्णत्ता । तेसि णं दाराणं उत्तमत्तारा सोल्लसविहेहिं रयणेहिं
 उवसोहिया, तंजहा-रयणेहिं जाव रिट्ठेहिं, तेसि णं दाराणं उयि अट्ठट्ठ मंगलगा
 सज्झया जाव छत्ताइछत्ता एवमेव सपुव्वावरेणं सूरियाभे विमाणे चत्तारि दार-
 सहस्सा भवतीति मक्खायं । सूरियाभस्स विमाणस्स चउड्हिसिं पंच जोयणसयाइं
 अवाहाए चत्तारि वणसंदा पण्णत्ता, तंजहा-असोगवणे, सत्तिवणे, चंपगवणे, चूयगवणे
 पुरत्थिमेणं असोगवणे दाहिणेणं सत्तवण्णवणे पच्चत्थिमेणं चंपगवणे उत्तरेणं चूयग-
 वणे । ते णं वणखंडा साइरेगाइं अद्धतेरसजोयणसयसहस्साइं आयामेणं पंच
 जोयणसयाइं विक्खंभेणं पत्तेयं पत्तेयं पगारपरिखित्ता किण्हा किण्होभासा णीला
 णीलोभासा हरिया हरिओ० सीया सीओ० णिद्धा णिद्धो० तिक्वा तिक्वो० किण्हा
 किण्हच्छाया णीला णी० हरिया ह० सीया सी० णिद्धा णि० धणक्कडित्ठियच्छाया
 रम्मा महामेहणिउरंभूया ते णं पायवा मूलमंतो धणखंडवणओ ॥ २९ ॥ तेसि णं
 वणसंडाणं अंतो बहुसमरमणिजा भूमिभागा पण्णत्ता से जहाणामए आलिभपुवखरे इ
 वा जाव णाणाविहपंचवण्णेहिं मणीहि य तणेहि य उवसोहिया, तेसि णं गंधो
 फासो णेयव्वो जहक्कमं । तेसि णं भंते ! तणाण य मणीण य पुव्वावरदाहिणुत्तरा-
 गएहिं वाएहिं मंदायं मंदायं एइयाणं वेइयाणं कंयियाणं चालियाणं पंदियाणं
 पट्टियाणं खोभियाणं उदरियाणं केरिसए सहे भवइ ! गोयमा ! से जहाणामए
 सीयाए वा संदमाणीए वा रहस्स वा सच्छत्तस्स सज्झयस्स सघट्टस्स सपडागस्स
 सतोरणवरस्स सणंदिघोसस्स सखिंखिणिहेमजालपरिखित्तस्स हेमवयचित्तिणिस्सक-
 णमणिज्जुत्तदास्यायस्स सुमंणिद्धच्चकमंडलधुरागस्स कालायससुकयणेमिजंतकम्मस्स
 आइणवरतुरगसुसंपत्तस्स कुसलणरच्छेयसारहिसुसंपरिगाहियस्स सरसयवत्तीसतो-
 णपरिमंडियस्स सकंकडावयंसगस्स सचावसरपहरणआवरणभरियजोहजुज्झसज्जस्स
 रायंगणंसि या रायंतैउरंसि वा रम्मंसि वा मणिकुट्टिमत्तलंसि अभिक्खणं अभिक्खणं
 अभिवट्टिज्जमाणस्स वा णियट्टिज्जमाणस्स वा ओराला मणोण्णा मणोहरा कणमण-
 णिवुइकरा सद्दा सब्बओ समंता अभिणिस्सवंति, भवेयास्सवे सिया ! णो इण्ठे समट्ठे ।
 से जहा णामए वेयालियवीणाए उत्तरमंदामुच्छियाए अंके सुपइड्डियाए कुसलणर-

णारिसुसं परिगहियाए चंदणसारणिम्मियकोणपरिघट्टियाए पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंमि
मंदायं मंदायं वेइयाए पवेइयाए चालियाए घट्टियाए खोभियाए उदीरियाए
ओराला मणुणा मणहरा कणमणविवुइकरा सदा सव्वओ समंतां अभिणिस्सवन्ति,
भवेयारूवे सिया ? णो इण्ठे समंठे । से जहा णामए किण्णराण वा किंपुरिसाण
वा महोरगाण वा गंधव्वाण वा भद्दसालवण्णयाण वा णंदणवण्णयाण वा सोमणस-
वण्णयाण वा पंडगवण्णयाण वा हिमवंतमलयमंदरगिरिगुहसमण्णयाण वा
एगओ सण्णिहियाणं समागयाणं सण्णिसण्णाणं समुवविट्ठाणं पमुइयपक्कीलियाणं गीय-
रहंगंधव्वहसियमणाणं गजं पजं कत्थं गेयं पयवद्धं पायवद्धं उक्खित्तं पायंतं मंदायं
रोइयावसाणं सत्तसरसमण्णागयं छद्दोसत्तिप्पमुक्कं एक्कारसालंकारं अट्ठगुणोववेयं,
गुंजाऽव्वंकुहरोवगूढं रत्तं तिट्ठाणकरणसुद्धं सक्कुहरगुंजतवंसतंतीतलताललयगहसु-
संपउत्तं महुरं समं सललियं मणोहरं मउयरिमियपयसं चारं सुरइं सुणत्तिं वरचारु-
रूवं दिव्वं णट्ठं सज्जं गेयं पगीयाणं, भवेयारूवे ? हंता सिया ॥ ३० ॥
तेसि णं वणसंठाणं तत्थ तत्थ देसे देसे तहिं तहिं बहुइओ खुट्ठाखुट्ठियाओ
वावियाओ पुक्खरिणीओ दोहियाओ गुंजालियाओ सरपंतियाओ सरसरपंतियाओ
विलपंतियाओ अच्छाओ सण्हाओ रययामयक्कलाओ समत्तीराओ वयरामयपासाणाओ
तवण्णजतलाओ सुवण्णसुज्जरययवालुयाओ वेरुलियमणिफालियपडलपच्चोयडाओ
सुहोयासुउत्ताराओ णाणामणित्थसुवद्धाओ चउक्कोणाओ आणुपुल्लसुजायवण्ण-
गंभीरसीयलजलाओ संछण्णपत्तभिसमुणालाओ बहुउपल्लकुमुयणल्लिणसुभगसोगंघिय-
पांडरीयसयवत्तसहस्सपत्तकेसरफुल्लोवचियाओ छप्पयपरिभुजमाणकमलाओ अच्छ-
विमलसलिलपुण्णाओ पडिहत्थभमंतमच्छक्कळभअणेगसउणमिहुणगपविचरियाओ
पसेयं पत्तेयं पउमवरवेइयापरिक्खित्ताओ पत्तेयं पत्तेयं वणसंडपरिक्खित्ताओ अप्पेगइ-
याओ आसवोयगाओ अप्पेगइयाओ वारुणोयगाओ अप्पेगइयाओ खीरोयगाओ
अप्पेगइयाओ घओयगाओ अप्पेगइयाओ खोदोयगाओ अप्पेगइयाओ पगईए
उयगरसेणं पण्णत्ताओ पासाईयाओ दरिसण्णिजाओ अभिरूवाओ पडिरूवाओ । तासि
णं वावीणं जाव विलपंतीणं पत्तेयं पत्तेयं चउट्ठिसिं चत्तारि तिसोवाणपडिरूवगा पण्णत्ता,
तेसि णं तिसोवाणपडिरूवगाणं अयमेयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते तंजहा--वहरामया
णेमा...तोरणाणं शया छत्ताइत्ता य णेयव्वा । तासि णं खुट्ठाखुट्ठियाणं वावीणं जाव
विलपंतियाणं तत्थ तत्थ देसे देसे तहिं तहिं बहवे उप्पायपव्वयगा णियइपव्वयगा

जगईपव्वयगा दारुहज्जपव्वयगा दगमंडवा दगमंचगा दगमालगा दगपासायगा उत्तुङ्गा
 खुडुखुडुगा अंदोत्तागा पक्खंदोलगा सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिस्सा । तेसु णं
 उप्पयपव्वएसु जाव पक्खंदोलएसु बहूई हंसासणाई कोंचासणाई गरुलासणाई उण्ण-
 यासणाई पणयासणाई दीहासणाई भद्दासणाई पवखासणाई मगरासणाई उसभासणाई
 सीहासणाई पउमासणाई दिसासोवत्थियाई सव्वरयणामयाई अच्छाई जाव पडिस्साई ।
 तेसु णं वणसंडेसु तत्थ तत्थ देसे देसे तहिं तहिं बहवे आलियधरगा मालियधरगा
 कयालधरगा लवाधरगा अच्छणधरगा पिच्छणधरगा मज्जणधरगा पसाहणधरगा
 गम्भवरगा मोहणधरगा सालधरगा जालधरगा वुसुमधरगा चित्तधरगा गंधव्वधरगा
 आयेसधरगा सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिस्सा । तेसु णं आलियधरगेसु जाव
 आयेसधरगेसु तहिं तहिं धरएसु बहूई हंसासणाई जाव दिसासोवत्थियासणाई
 सव्वरयणामयाई जाव पडिस्साई । तेसु णं वणसंडेसु तत्थ तत्थ देसे २ तहिं तहिं
 बहवे जाइमंडवगा जूहियामंडवगा महियामंडवगा णवमालियामंडवगा वासंति-
 मंडवगा दहिवसुयमंडवगा सूरिहियमंडवगा तंबोलिमंडवगा मुहियामंडवगा णाय-
 लयामंडवगा अट्ठमुत्तयल्लयामंडवगा अंफोयामंडवगा मालयामंडवगा अच्छा सव्वर-
 यणामया जाव पडिस्सा । तेसु णं जाइमण्डवएसु जाव मालयामंडवएसु बहवे
 पुटविसिलापट्टगा हंसासणसंठिया जाव दिसासोवत्थियासणसंठिया अण्णे य बहवे
 चरसयणासणविसिद्धसंठासंठिया पुटविसिलापट्टगा पणत्ता समणाउसो ! आईण-
 रूयबूरणवणीयतूळफासा सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिस्सा । तत्थ णं बहवे
 वेमाणिया देवा य देवीओ य आसयंति सयंति विट्ठंति णिसीयंति तुयट्ठंति रमंति
 ललंति कालंति किट्ठंति मोहंति पुरा पोराणाणं सुचिण्णाणं सुपरिक्कंताणं सुभाणं
 कडाणं कम्माणं कल्लणाणं कल्लणं फलविवागं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति ॥ ३१ ॥
 तेमि णं वणसंडाणं बहूमज्झदेसभाए पत्तेयं पत्तेयं पासायवडेंसगा पणत्ता, ते णं
 पासायवडेंसगा पंच जोयणसयाई उड्ढं उच्चत्तेणं अड्ढाइजाई जोयणसयाई विक्खंमेणं
 अब्भुग्गयमूसियपहसिया इव तदेव बहुसमरमणिज्भूमिभागो उल्लोओ सीहासणं
 सपरिवारं तत्थ णं चत्तारि देवा महिड्डिया जाव पलिओवमड्डिया परिवसंति,
 तंजहा—अलोए सत्तपण्णे चंपए चूए । सूरियाभस्स णं देवविमाणस्स अंतो बहुसमर-
 मणिजे भूमिभागो पणत्ते, तंजहा—वणसंडविहूणे जाव बहवे वेमाणिया देवा देवीओ
 य आसयंति जाव विहरंति, तस्स णं बहुसमरमणिजस्स भूमिभागस्स बहूमज्झदेसे

एत्थ णं महेगे उव्वारियाल्लयणे पणत्ते, एगं जोयणसयसहस्सं आयामविकव्वमेण तिणिण जोयणसयसहस्साइं सोलस सहस्साइं दोणिण य सत्तावीसं जोयणसए तिणिण य कोसे अट्ठावीसं च धणुसयं तेरस य अंगुलाइं अट्ठंगुलं च किंचिविसेसूणं परिकखे-
वेणं, जोयणं बाहल्लेणं, सव्वजंबूणयामए अच्छे जाव पडिरुवे ॥३२॥ से णं एगाए पउमवरवेइयाए एगेण य वणसंडेण सव्वओ समंतां संपरिकखत्ते, सा णं पउमवर-
वेइया अट्ठजोयणं उट्ठं उच्चत्तेणं पंच धणुसयाइं विकव्वमेणं उव्वारियलेणसमा परिकखेवेणं, तीसे णं पउमवरवेइयाए इमेयारुवे वण्णावासे पणत्ते, तंबहा-
वयरामया णिम्मा रिट्ठामया पइट्ठाणा वेरुल्लियामया खंभा सुवण्णरूपमया फल्लया लोहियकक्कमईओ सूइओ णाणामणिमया कलेवरा णाणामणिमया कलेवरसंधा-
डगा णाणामणिमया रुत्ता णाणामणिमया रुवसंधाडगा अंकामया पक्खवाहाओ जोइरसामया वंसा वंसकवेल्लुआ रइयामईओ पट्टियाओ जायरुवमई ओहाडणी वइरामया उवरिपुञ्छणी सव्वरयणामए अच्छयणे, सा णं पउमवरवेइया एगमेगेणं
हेमजालेणं ए० गवक्खजालेणं ए० खिंखिणीजालेणं ए० धंटाजालेणं ए० मुत्ताजालेणं ए० मणिजालेणं ए० कणमजालेणं ए० रयणजालेणं ए० पउमजालेणं सव्वओ समंतां संपरिकखत्ता, ते णं जाला तवणिजलंबूसगा जाव चिट्ठंति । तीसे णं पउमवर-
वेइयाए तत्थ तत्थ देसे २ तहिं तहिं बहवे हयसंघाडा जाव उसभसंघाडा सव्वरयणा-
मया अच्छा जाव पडिरुवा पासाईया जाव वीहीओ पंतीओ मिहुणाणि लयाओ से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ-पउमवरवेइया २ ? गोयमा ! पउमवरवेइयाए णं तत्थ तत्थ देसे २ तहिं तहिं वेइयासु वेइयात्ताहासु य वेइयफल्लएसु य वेइयपुडंतरेसु य खंमेसु खंभवाहासु खंभसीसेसु खंभपुडंतरेसु सईसु सईमुहेसु सईफल्लएसु सईपुडं-
तरेसु पक्खेसु पक्खवाहासु पक्खपेरंतरेसु पक्खपुडंतरेसु बहुयाइं उण्णलाइं पउमाइं कुमुयाइं णल्लिणाइं सुभगाइं सोगंधियाइं पुंडरीयाइं महापुंडरीयाइं सयवत्ताइं सहस्स-
वत्ताइं सव्वरयणामयाइं अच्छाइं० पडिरुवाइं महया वासिककच्छत्तसमाणाइं पणत्ताइं समणाउसो ! से एएणं अट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ-पउमवरवेइया पउमवरवेइया ।
पउमवरवेइया णं भंते ! किं सासया असासया ? गोयमा ! सिय सासया सिय असासया । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ-सिय सासया सिय असासया ! गोयमा !
दव्वड्डयाए सासया, वण्णपज्जवेहिं गंधपज्जवेहिं रसपज्जवेहिं फांसपज्जवेहिं असासया, से एएणट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ-सिय सासया सिय असासया । पउमवरवेइया

णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ! गोयमा ! ण कयावि णासि ण कयावि णत्थि ण कयावि ण भविस्सइ, भुवि च हवइ य भविस्सइ य, धुवा णियया सासया अक्खया अव्वया अवट्ठिया णिच्चा पउमवरवेइया । सा णं पउमवरवेइया एगेणं वणसंडेणं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ता । से णं वणसंडे देस्साइं दो जोयणाइं चक्खवालविकलं-
मेणं उववारियालेणस्समे परिकखेवेणं वणसंडवण्णओ भाणियव्वो जाव विहरंति । तस्स णं उववारियालेणस्स चउद्दिंसि चत्तारि तिसोवाणपडिरुद्धा पण्णत्ता वण्णओ तोरणा झया छत्ताइच्छत्ता । तस्स णं उववारियालयणस्स उवरिं बहुसमरमणिजे भूमिभागे पण्णत्ते जाव मणीणं फासो ॥३३॥ तस्स णं बहुसमरमणिजस्स भूमि-
भागस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं महगे मूलपासायवडेंसए पण्णत्ते, से णं मूलपासाय-
वडेंसए पंच जोयणसयाइं उड्डं उच्चत्तेणं अड्डाइजाइं जोयणसयाइं विक्खंमेणं अब्भुग्गयमूसिय वण्णओ भूमिभागो उल्लोओ सीहासणं सपरिवारं भाणियव्वं अड्ड
मंगलगा झया छत्ताइच्छत्ता । से णं मूलपासायवडेंसगे अण्णेहिं चउद्दिं पासायवडें-
सएहिं तयद्दुच्चत्तप्पमाणमेत्तेहिं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ता, ते णं पासायवडेंसगा
अड्डाइजाइं जोयणसयाइं उड्डं उच्चत्तेणं पणवीसं जोयणसयं विक्खंमेणं जाव वण्णओ
ते णं पासायवडेंसया अण्णेहिं चउद्दिं पासायवडेंसएहिं तयद्दुच्चत्तप्पमाणमेत्तेहिं
सव्वओ समंता संपरिक्खित्ता, ते णं पासायवडेंसया पणवीसं जोयणसयं उड्डं उच्च-
त्तेणं बासट्ठिं जोयणाइं अद्धजोयणं च विक्खंमेणं अब्भुग्गयमूसिय वण्णओ भूमि-
भागो उल्लोओ सीहासणं सपरिवारं भाणियव्वं अड्ड मंगलगा झया छत्ताइच्छत्ता
ते णं पासायवडेंसगा अण्णेहिं चउद्दिं पासायवडेंसएहिं तयद्दुच्चत्तप्पमाणमेत्तेहिं
सव्वओ समंता संपरिक्खित्ता, ते णं पासायवडेंसगा बासट्ठिं जोयणाइं अद्धजोयणं
च उड्डं उच्चत्तेणं एकतीसं जोयणाइं कोसं च विक्खंमेणं वण्णओ उल्लोओ सीहा-
सणं सपरिवारं पासाय० उवरिं अड्ड मंगलगा झया छत्ताइच्छत्ता ॥३४॥ तस्स णं
मूलपासायवडेंसयस्स उत्तरपुरत्थिमेणं एत्थ णं सभा सुहम्मा पण्णत्ता, एणं जोयण-
सयं आयामेणं पण्णासं जोयणाइं विक्खंमेणं वावत्तरिं जोयणाइं उड्डं उच्चत्तेणं
अणेगल्लंभसयसंणिविद्धा अब्भुग्गयसुकयवयरवेइया तोरणवररइयसालभंजिया जाव
अच्छरगणसंधसंविक्किणा दिव्वतुडियसदसंपणादिया सव्वरयणामया अच्छा
जाव पडिरुवा सभाए णं सुहम्माए तिदिसिं तओ दारा पण्णत्ता, तंजहा-
पुरत्थिमेणं दाहिणेणं उत्तरेणं ते णं दारा सोलस जोयणाइं उड्डं उच्चत्तेणं अद्ध

जोयणाइं विकखंभेणं तावइयं चेव पवेसेणं सेया वरकणगथूमियागा जाव वणमालाओ,
 [तेसि णं दाराणं उवरिं अट्ठमंगलगा झया छत्ताइच्छत्ता] तेसि णं दाराणं पुरओ
 पत्तेयं पत्तेयं मुहमण्डवे पणत्ते, ते णं मुहमण्डवा एगं जोयणसयं आयामेणं पण्णासं
 जोयणाइं विकखंभेणं साइरेगाइं सोलस जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं वण्णओ सभाए
 सरिखो, (तेसि णं मुहमण्डवाणं तिदिसिं तओ दारा पणत्ता, तंजहा—पुरत्थिमेणं
 दाहिणेणं उत्तरेणं, ते णं दारा सोलस जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं अट्ठ जोयणाइं
 विकखंभेणं तावइयं चेव पवेसेणं सेया वरकणगथूमियागा जाव वणमालाओ । तेसि
 णं मुहमण्डवाणं भूमिभागा उल्लोया, तेसि णं मुहमण्डवाणं उवरिं अट्ठमंगलगा
 झया छत्ताइच्छत्ता) तेसि णं मुहमण्डवाणं पुरओ पत्तेयं पत्तेयं पेच्छाघरमंडवे
 पणत्ते, मुहमण्डवत्तव्वया जाव दारा भूमिभागा उल्लोया । तेसि णं बहुसमरमणिज्जाणं
 भूमिभागाणं बहुमज्झदेसभाए पत्तेयं २ वहरामए अक्खाईए पणत्ते, तेसि णं वयरा-
 मयाणं अक्खाइगाणं बहुमज्झदेसभाए पत्तेयं पत्तेयं मणिपेढिया पणत्ता, ताओ णं
 मणिपेढियाओ अट्ठ जोयणाइं आयामविकखंभेणं चत्तारि जोयणाइं बाहल्लेणं सव्व-
 मणिमईओ अच्छाओ जाव पडिरूवाओ, तासि णं मणिपेढियाणं उवरिं पत्तेयं
 पत्तेयं सीहासणे पणत्ते, सीहासणवण्णओ सपरिवारो, तेसि णं पेच्छाघरमंडवाणं
 उवरिं अट्ठमंगलगा झया छत्ताइच्छत्ता, तेसि णं पेच्छाघरमंडवाणं पुरओ पत्तेयं पत्तेयं
 मणिपेढियाओ पणत्ताओ, ताओ णं मणिपेढियाओ सोलस जोयणाइं आयाम-
 विकखंभेणं अट्ठ जोयणाइं बाहल्लेणं सव्वमणिमईओ अच्छाओ जाव पडिरूवाओ,
 तासि णं उवरिं पत्तेयं २ थूमे पणत्ते, ते णं थूमा सोलस जोयणाइं आयामविकखं-
 भेणं, साइरेगाइं सोलस जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं सेया संखंकरुंददगारयअमय-
 महियफेणपुंजसंणिगासा सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा, तेसि णं थूमाणं
 उवरिं अट्ठमंगलगा झया छत्ताइच्छत्ता जाव सहस्सपत्तहत्थया, तेसि णं थूमाणं
 पत्तेयं पत्तेयं चउदिसिं मणिपेढियाओ पणत्ताओ, ताओ णं मणिपेढियाओ अट्ठ
 जोयणाइं आयामविकखंभेणं चत्ताणि जोयणाइं बाहल्लेणं सव्वमणिमईओ अच्छाओ
 जाव पडिरूवाओ, तासिणं मणिपेढियाणं उवरिं चत्तारि जिणपडिमाओ जिणुस्सेह-
 पमाणमेत्ताओ संपलियंकाणिसण्णाओ थूमामिमुहीओ सण्णिविखत्ताओ चिड्ढंति
 तंजहा—उसभा बद्धमाणा चंदाणणा वारिसेणा । तेसि णं थूमाणं पुरओ पत्तेयं पत्तेयं
 मणिपेढियाओ पणत्ताओ, ताओ णं मणिपेढियाओ सोलस जोयणाइं आयामविकखं-

मेषं अद्द जोयणाई बाहलेणं सव्वमणिमईओ जाव पडिस्वाओ तासि णं मणि-
पेढियाणं उवरिं पत्तेयं पत्तेयं चेइयरुवखे पणत्ता, ते णं चेइयरुवखा अद्द जोयणाई
उड्डं उच्चत्तेणं अद्दजोयणं उव्वहेणं दो जोयणाई खंधा अद्दजोयणं विवस्सभेणं
छ जोयणाई चिडिमा बहुमज्झदेसभाए अद्द जोयणाई आयामविवस्सभेणं साइरेगाई
अद्द जोयणाई सव्वग्गेणं पणत्ता, तेसि णं चेइयरुवखाणं इमेयारुवे वण्णावासे
पणत्ते तंजहा—वयरामयमूलरययसुपइद्वियविडिमा रिट्टामयविउलकंदवेरलियरुइल-
खंधा सुमायवरजायरुवपट्टमगविसालसाला गाणामणिमयरयणविविह साहपसाहवेर-
लियपत्तवणिजपत्तविंदा जेवूणयरत्तमउयसुकुमालपवालपल्लवरं कुरधरा विचिस्त-
मणिरयणसुरभि कुसुमफळभरभरियणमियसाला सच्छाया सप्पमा ससिराया सउजोया
अहिंय णयणमगणिबुइकरा अमयरससमरसफळा पासाईया...४ । तेसि णं चेइय-
रुवखाणं उवरिं अद्दुद्द मंगलगा क्षया छत्ताइच्छत्ता । तेसि णं चेइयरुवखाणं पुरओ
पत्तेयं २ मणिपेढियाओ पणत्ताओ । ताओ णं मणिपेढियाओ अद्द जोयणाई आयाम-
विवस्सभेणं चत्ताणि जोयणाई बाहलेणं सव्वमणिमईओ अच्छाओ जाव पडिस्वाओ ।
तासि णं मणिपेढियाणं उवरिं पत्तेयं २ महिंदज्झया पणत्ता ते णं महिंदज्झया सट्ठिं
जोयणाई उड्डं उच्चत्तेणं अद्दकोसं उव्वहेणं अद्दकोसं विवस्सभेणं वइरामय...सिहरा
पासादीया ४ । तेसि णं महिंदज्झयाणं उवरिं अद्दुद्द मंगलगा क्षया छत्ताइच्छत्ता
तेसि णं महिंदज्झयाणं पुरओ पत्तेयं पत्तेयं णंदा पुववरिणीओ पणत्ताओ, ताओ
णं पुववरिणीओ एगं जोयणसयं आयामेणं पण्णासं जोयणाई विवस्सभेणं दस
जोयणाई उव्वहेणं अच्छाओ जाव वण्णओ—एगइयाओ उदगरसेणं पणत्ताओ,
पत्तेयं पत्तेयं पउमवरवेइयापरिखित्ताओ पत्तेयं पत्तेयं वणसंडपरिखित्ताओ तासि णं
णंदाणं पुववरिणीणं तिदिमिं तिसोवाणपडिस्वगा पणत्ता, तिसोवाणपडिस्वगाणं
वण्णओ, तोरणा क्षया छत्ताइच्छत्ता । सभाए णं सुहम्माए अडयालीसं मणोगुलिया-
साहस्सीओ पणत्ताओ, तंजहा—पुरत्थिमेणं सोलससाहस्सीओ पच्चत्थिमेणं सोलस-
साहस्सीओ दाहिणेणं अद्दसाहस्सीओ उत्तरेणं अद्दसाहस्सीओ, तासु णं मणोगुलियासु
बहवे सुवण्णरूपमया फलगा पणत्ता, तेसु णं सुवण्णरूपमएसु फलगेसु बहवे
वइरामया णागदंता पणत्ता, तेसु णं वइरामएसु णागदंतएसु किण्हसुत्तवट्ठवन्वारिय-
महदामकलावा चिद्धंति, सभाए णं सुहम्माए अडयालीसं गोमाणसियासाहस्सीओ
पणत्ताओ, जह मणोगुलिया जाव णागदंतगा, तेसु णं णागदंतएसु बहवे रययमया

सिक्का पणत्ता तेसु णं रययामएसु सिक्कासु बहवे वेरुलियामईओ धूवघडियाओ पणत्ताओ, ताओ णं धूवघडियाओ कालागुरुपवर जाव चिट्ठंति । सभाए णं सुहम्माए अंतो बहुसमरमणिजे भूमिभागे पणत्ते जाव मणीहिं उवसोमिए मणिफासो य उल्लोयो य, तस्स णं बहुसमरमणिजस्स भूमिभागस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं महेगा मणिपेटिया पणत्ता सोऽस जोयणाइं आयामविक्रमेणं अट्ठ जोयणाइं बाहल्लेणं सव्वमणिमई अच्छा जाव पडिरूवा, तीसे णं मणिपेटियाए उवरिं एत्थ णं माणवए चेइयखंमे पणत्ते, सट्ठि जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं जोयणं उव्वेहेणं जोयणं विक्रमेणं अडयालीसं अंसिए अडयालीसइ कोडीए अडयालीसइविग्गाहिए सेसं जहा महिंदज्झयस्स माणवगस्स णं चेइयखंभस्स उवरिं बारस जोयणाइं ओगाहेत्ता हेट्ठा वि बारस जोयणाइं वजेत्ता मज्झे छत्तीसाए जोयणेषु एत्थ णं बहवे सुवण्ण-रूपमया फलगा पणत्ता, तेसु णं सुवण्णरूपमएसु फलएसु बहवे वइरामया णागदंता पणत्ता, तेसु णं वइरामएसु णागदंतेसु बहवे रययामया सिक्का पणत्ता, तेसु णं रययामएसु सिक्कासु बहवे वइरामया गोलवट्टसमुग्गाया पणत्ता तेसु णं वइरामएसु गोलवट्टसमुग्गासु बहवे षिणसकहाओ संणिक्खित्ताओ चिट्ठंति । ताओ णं सूरिया-भस्स देवस्स अण्णेसिं च बहूणं देवाण य देवीण य अच्चणिजाओ जाव पज्जुवास-णिजाओ । माणवगस्स चेइयखंभस्स उवरिं अट्ठ मंगलगा झया छत्ताइच्छत्ता । तस्स माणवगस्स चेइयखंभस्स पुरत्थिमेणं एत्थ णं महेगा मणिपेटिया पणत्ता, अट्ठ जोयणाइं आयामविक्रमेणं चत्तारि जोयणाइं बाहल्लेणं सव्वमणिमई अच्छा जाव पडिरूवा, तीसे णं मणिपेटियाए उवरिं एत्थ णं महेगे सीहासणे पणत्ते सीहा-सणवण्णओ सपरिवारो । तस्स णं माणवगस्स चेइयखंभस्स पच्चत्थिमेणं एत्थ णं महेगा मणिपेटिया पणत्ता अट्ठ जोयणाइं आयामविक्रमेणं चत्तारि जोयणाइं बाहल्लेणं सव्वमणिमया अच्छा जाव पडिरूवा, तीसे णं मणिपेटियाए उवरिं एत्थ णं महेगे देवसयणिजे पणत्ते, तस्स णं देवसयणिजस्स इमेयारूवे वण्णावासे पणत्ते, तंजहा-णाणामणिमया पडिपाया सोवण्णिया पाया णाणामणिमयाइं पायसीसगाइं जंबूणया-मयाइं गत्तगाइं वइरामया संधी णाणामणिमए विच्चे रययामई तूली लोहियदस्समया बिब्बोयणा तवणिजमया गंडोवहाणया से णं सयणिजे सालिगणवट्ठिए उभओ बिब्बोयणं दुहओ उण्णए मज्झे णयगंभीरे गंगापुल्लिगवालुयाउद्दालसालिसए सुवि-रइयरयत्ताणे उवचियसोमदुगुल्लपट्टपडिच्छायणे आईणगरूपबूरणवणीयतूलफासमउए

रत्तमुयसंनुए सुरम्मे पासादीए ४ ॥३५॥ तस्स णं देवसयणिजस्स उत्तरपुरत्थिमेणं
महेगा मणिपेठिया पणत्ता, अट्ट जोयणाइं आयामविक्रमेणं चत्तारि जोयणाइं
बाह्लेणं सव्वमणिमई जाव पडिरूवा, तीसे णं मणिपेठियाए उवरिं एत्थ णं महेगे
खुड्डए महिंदज्झए पणत्ते सट्ठिं जोयणाइं उड्डं उच्चत्तेणं जोयणं विक्रमेणं वड-
रामया वड्डलड्डसंठियसुसिलिड्ड जाव पडिरूवा, उवरिं अट्ट मंगलगा इया छत्ता-
इच्छत्ता, तस्स णं खुड्डागमहिंदज्झयस्स पच्चत्थिमेणं एत्थ णं सूरियाभस्स देवस्स
चोप्पाले णाम पहरणकोत्ते पणत्ते सव्ववड्डरामए अच्छे जाव पडिरूवे तत्थ णं
सूरियाभस्स देवस्स फलिहरयणलमारायाधणुप्पमुहा बहवे पहरणरयणा सणिखित्ता
चिट्ठंति, उज्जला णिसिया मुतिकलधारा पासाईया...। सभाए णं सुहम्माए उवरिं
अट्ट मंगलगा इया छत्ताइच्छत्ता ॥३६॥ सभाए णं सुहम्माए उत्तरपुरत्थिमेणं
एत्थ णं महेगे सिद्धायतणे पणत्ते एगं जोयणसयं आयामेणं पण्णासं जोयणाइं
विक्रमेणं वाचत्तरिं जोयणाइं उड्डं उच्चत्तेणं सभागमएणं जाव गोमाणसियाओ
भूमिमागा उल्लोया तहेव । तस्स णं सिद्धायतणस्स बहुमज्जदेसभाए एत्थ णं
महेगा मणिपेठिया पणत्ता, सोलस जोयणाइं आयामविक्रमेणं अट्ट जोयणाइं
बाह्लेणं तीसे णं मणिपेठियाए उवरिं एत्थ णं महेगे देवच्छंदए पणत्ते सोलस
जोयणाइं आयामविक्रमेणं साइरेगाइं सोलस जोयणाइं उड्डं उच्चत्तेणं सव्वरयणा-
मए जाव पडिरूवे एत्थ णं अट्टसयं जिणपडिमाणं जिणुस्सहप्पमाणमित्ताणं सणि-
खित्तं संचिड्डइ तासि णं जिणपडिमाणं इमेयारूवे वण्णावासे पणत्ते तंजहा—तवणि-
जमया हत्थतल-पायतल अंकामयाइं णक्खाइं अंतोलोहियक्खपडिसेगाइं कणगाम-
ईओ जंघाओ कणगामया जाणू कणगामया उरु कणगामईओ गायलट्ठीओ तवणि-
जमयाओ णामीओ रिट्टामईओ रोमराईओ तवणिजमया जुचुया तवणिजमया
सिरिवच्छा सिलप्पवालमया ओट्टा फालियामया दंता, तवणिजमईओ जीहाओ
तवणिजमया तालुया कणगामईओ णासिगाओ अंतोलोहियक्खपडिसेगाओ अंकाम-
याणि अच्छीणि अंतोलोहियक्खपडिसेगाणि रिट्टामईओ ताराओ रिट्टामयाणि अच्छि-
प्पत्तणि, सिद्धपईओ प्पमुहाओ कणगामया वड्डोला कणगामया सवणा कणगामईओ
णिटालपट्टियाओ वड्डरामईओ सीसघडीओ तवणिजमईओ वेसंतकेसभूमीओ
रिट्टामया उवरिं मुद्धया । तासि णं जिणपडिमाणं पिट्टओ पत्तेयं पत्तेयं छत्त-
धारपडिमाओ पणत्ताओ, ताओ णं छत्त धारपडिमाओ हिमरययकुंदेदुप्पगासाइं

सकोरंमल्लदामधवलाइं आयवत्ताइं सलीलं धारेमाणाओ धारेमाणाओ चिट्ठंति,
तासि णं जिणपडिमाणं उभओ पासे पत्तेयं पत्तेयं चामरधारपडिमाओ पण्णत्ताओ,
ताओ णं चामरधारपडिमाओ चंदप्पहवयरवेइल्लियणाणामणिरयणत्तच्चियचित्तदंडाओ
सुद्धमरययदीहवालाओ संखंक्कुंददगरयअमयमहियफेणपुंजसण्णिगासाओ धवलाओ
चामराओ (गहाओ) सलिलं धारेमाणाओ धारेमाणाओ चिट्ठंति, तासि णं
जिणपडिमाणं पुरओ दो दो णायपडिमाओ जक्खपडिमाओ भूयपडिमाओ
कुंडधारपडिमाओ सव्वरयणामईओ अच्छाओ जाव चिट्ठंति तासि णं जिणपडिमाणं
पुरओ अट्ठसयं घंटाणं अट्ठसयं चंदणकलसाणं अट्ठसयं भिंगाराणं एवं आयंसाणं
यालाणं पाईणं सुपइड्ढाणं मणोगुलियाणं वायकराणं चित्तगराणं रयणकरंढगाणं
हयकंठाणं जाव उत्तमकंठाणं पुप्फचंगेरीणं जाव लोमहत्थचंगेरीणं पुप्फपडलगाणं
तेल्लसमुग्गाणं जाव अंजणसमुग्गाणं अट्ठसयं झयाणं, अट्ठसयं धूवकहुच्छुयाणं
संणिखित्तं चिट्ठइ, सिद्धायतणस्स णं उव्वरिं अट्ठइ मंगलगा झया छत्ताइच्छत्ता ।
तस्स णं सिद्धायतणस्स उत्तरपुरत्थिमे णं एत्थ णं महेगा उववायसभा पण्णत्ता, जहा
सभाए सुहम्माए तहेव जाव मणिपेटिया अट्ठ जोयणाइं देवसयणिजं तहेव सयणिज-
वण्णओ अट्ठइ मंगलगा झया छत्ताइच्छत्ता । तीसे णं उववायसभाए उत्तरपुरत्थि-
मेणं एत्थ णं महेगे हरए पण्णत्ते एणं जोयणसयं आयामेणं पण्णासं जोयणाइं
विक्खमेणं दस जोयणाइं उव्वेहेणं तहेव से णं हरए एसाए पउमवरवेइयाए एगेण
वणसंडेण सव्वओ समंता संपरिक्खत्ते । तस्स णं हरयस्स तिदिसं तिसोवाणपडि-
रूवगा पण्णत्ता । तस्स णं हरयस्स उत्तरपुरत्थिमेणं एत्थ णं महेगा अभिसेगसभा
पण्णत्ता, सुहम्मागमएणं जाव गोमाणसियाओ मणिपेटिया सीहासणं सपरिवारं जाव
दामा चिट्ठंति, तत्थ णं सूरियाभस्स देवस्स सुवहु अभिसेयभंडे संणिखित्ते चिट्ठइ,
अट्ठइ मंगलगा तहेव । तीसे णं अभिसेगसभाए उत्तरपुरत्थिमेणं एत्थ णं अलंकारि-
यसभा पण्णत्ता जहा सभा सुहम्मा, मणिपेटिया अट्ठ जोयणाइं सीहासणं सपरिवारं,
तत्थ णं सूरियाभस्स देवस्स सुवहु अलंकारियभंडे संणिखित्ते चिट्ठइ, सेसं तहेव,
तीसे णं अलंकारियसभाए उत्तरपुरत्थिमेणं एत्थ णं महेगा धवसायसभा पण्णत्ता,
जहा उववायसभा जाव सीहासणं सपरिवारं मणिपेटिया अट्ठइ मंगलगा०, तत्थ णं
सूरियाभस्स देवस्स एत्थ महेगे पोत्थयरयणे सण्णिक्खत्ते चिट्ठइ, तस्स णं पोत्थयर-
यणस्स इमेयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते, तंजहा--रिट्ठामईओ कंबियाओ तवणिजमए

दोरेणाभामणिमए गंठी रयणामयाई पत्तगाई वेरुलियमए लिप्पासणे रिद्धामए छंदणे
तवणिजमई संकला रिद्धामई मसी वइरामई लेहणी रिद्धामयाई अक्खराई धम्मिए
क्कखे । ववसायसभाए ण उवरिं अट्ठड मंगलगा, तीसे ण ववसायसभाए उत्तर-
पुरस्थिमेणं एत्थ ण णंदा पुक्खरिणी पणत्ता हरयसरिसा तीसे ण णंदाए पुक्ख-
रिणीए उत्तरपुरस्थिमेणं महेगे वलिपीढे पणत्ते सध्वरयणामए अच्छे जाव पडि-
रुव ॥३७॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं सूरियाभे देवे अहुणोववण्णमित्तए चेव समाणे
पंचविहाए पज्जतीए पज्जतीभावं गच्छइ, तंजहा—आहारपज्जतीए सरीरपज्जतीए
इंदियपज्जतीए आण्णपज्जतीए भासाभणपज्जतीए, तएणं तस्स सूरियाभस्स देवस्स
पंचविहाए पज्जतीए पज्जतीभावं गयस्स समाणस्स इमेयारुवे अच्छरियिए चिंतिए
परियए मणोगए संकपे समुपज्जित्था किं मे पुत्विं करणिजं ? किं मे पच्छा करणिजं ?
किं मे पुत्विं सेयं ? किं मे पच्छा सेयं ? किं मे पुत्विं पि पच्छा वि हियाए सुहाए
खमाए णिस्सेयसाए आणुगामियत्ताए भविस्सइ ? तए णं तस्स सूरियाभस्स देवस्स
सामाणियपरिसोववण्णगा देवा सूरियाभस्स देवस्स इमेयारुवमज्जरियं जाव
सनुपण्णं समभिजाणिता जेणेव सूरियाभे देवे तेणेव उवागच्छंति, सूरियाभं देवं
करवलपरिग्गहिवं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्ठु जएणं विजएणं वद्धाविति
वद्धावित्ता एवं वयासी—एवं खलु देवाणुप्पियाणं सूरियाभे विमाणे सिद्धायतणंसि
जिणपडिमाणं जिणुस्सेहप्पमाणमित्ताणं अट्ठसयं संणिखित्तं चिट्ठइ, समाए णं सुहम्माए
माणवए चेइए खेमे वइरामएसु गोल्लवट्ठसमुग्गएसु बहूओ जिणसकहाओ संणि-
खित्ताओ चिट्ठंति, ताओ णं देवाणुप्पियाणं अण्णेसिं च बहूणं वेमाणियाणं देवाण
य देवीण य अच्छणिजाओ जाव पज्जुवासणिजाओ, तं एयं णं देवाणुप्पियाणं पुत्विं
करणिजं तं एयं णं देवाणुप्पियाणं पच्छा करणिजं, तं एयं णं देवाणुप्पियाणं पुत्विं
सेयं, तं एयं णं देवाणुप्पियाणं पच्छा सेयं, तं एयं णं देवाणुप्पियाणं पुत्विं पि पच्छा
वि हियाए सुहाए खमाए णिस्सेयसाए आणुगामियत्ताए भविस्सइ । तए णं से सूरि-
याभे देवे तेसिं सामाणियपरिसोववण्णगाणं देवाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म
हट्ठुड जाव हयहियए सयणिजाओ अब्भुट्ठेइ अब्भुट्ठित्ता उववायसभाओ
पुरस्थिमिल्लेणं दारेणं णिग्गच्छइ, जेणेव हरए तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता हरयं
अणुपवाहिणीकरेमाणे २ पुरस्थिमिल्लेणं तोरणेणं अणुपविसइ २ ता पुरस्थिमिल्लेणं
तियोवाणरडिस्सएणं पच्चोरुहइ २ ता जलवगाहं जलमज्जणं करेइ २ ता जलकिट्ठं

करेइ २ ता जलामिसेयं करेइ २ ता आयंते चोक्खे परमसुईभूए हरयाओ पच्चो-
त्तरइ २ ता जेणेव अभिसेयसभा तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता अभिसेय-
सभं अणुपयाहिणीकरेमाणे अणुपयाहिणीकरेमाणे पुरत्थिमिल्लेण दारेण अणुपविसइ
अणुपविसित्ता जेणेव सीहासणे तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता सीहासणवरगए पुर-
त्थामिमुहे सणिसण्णे । तए णं सूरियाभस्स देवस्स सम्माणियपरिसोववण्णा देवा
आभिओगिए देवे सदावेति सदावित्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो ! देवाणुप्पिया !
सूरियाभस्स देवस्स महत्थं महत्थं महरिइं विउलं इंदामिसेयं उवट्ठवेह । तए णं ते
आभिओगिया देवा सामाणियपरिसोववण्णेहिं देवेहिं एवं वुत्ता समाणा हट्ठा जाव
हियया करयलपरिगहियं सिरसावत्तं भत्थए अंजलिं कट्ठु 'एवं देवो ! तह' ति
आणाए विणएणं वयणं पडिसुणंति पडिसुणित्ता उत्तरपुरत्थिमं दिसीभागं अवक्कमंति
उत्तरपुरत्थिमं दिसीभागं अवक्कमित्ता वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणंति समोहणित्ता
संखेजाइं जोयणाइं जाव दोच्चं पि वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणित्ता अट्ठसहस्सं
सोवणियाणं कलसाणं अट्ठसहस्सं रुप्पमयाणं कलसाणं अट्ठसहस्सं मणिमयाणं कलसाणं
अट्ठसहस्सं सुवण्णरुप्पमयाणं कलसाणं अट्ठसहस्सं सुवण्णमणिमयाणं कलसाणं अट्ठ-
सहस्सं रुप्पमणिमयाणं कलसाणं अट्ठसहस्सं सुवण्णरुप्पमणिमयाणं कलसाणं अट्ठसहस्सं
भोमिजाणं कलसाणं एवं भिंगाराणं आयंसाणं थालाणं पाईणं सुपइट्ठाणं वायकराणं
रयणकरंडगाणं पुप्फचंगेरीणं जाव लोमहत्थचंगेरीणं पुप्फपडलगाणं जाव लोमहत्थ-
पडलगाणं सीहासणाणं छत्ताणं चप्पराणं तेह्लसमुग्घाणं जाव अंजणसमुग्घाणं झयाणं
अट्ठसहस्सं धूवकडुच्छुयाणं विउव्वंति विउव्वित्ता ते सामाविए य वेउव्विए य कलसे
य जाव कडुच्छुए य गिण्हंति गिण्हित्ता सूरियाभाओ विमाणाओ पडिगिक्खमंति पडि-
गिक्खमित्ता ताए उक्किट्ठाए चवलाए जाव तिरियमसंखेजाणं जाव वीइवयमाणा वीइ-
वयमाणा जेणेव खीरोदयसमुहे तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता खीरोयगं गिण्हंति ०
जाइं तत्थुप्पलाइं जाव सयसहस्सपत्ताइं ताइं गिण्हंति गिण्हित्ता जेणेव पुवखरोदए
समुहे तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता पुवखरोदयं गेण्हंति गिण्हित्ता जाइं तत्थुप्प-
लाइं जाव सयसहस्सपत्ताइं ताइं गिण्हंति गिण्हित्ता जेणेव समयखेत्ते जेप्पेव भरहेर-
वयाइं वासाइं जेणेव मागहवरदामपभासाइं तित्थाइं तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवा-
गच्छित्ता तित्थोदगं गेण्हंति गेण्हित्ता तित्थमट्ठियं गेण्हंति गेण्हित्ता जेणेव गंगा-
सिंधुरत्तारत्तवईओ महाणईओ तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता सलिलोदगं गेण्हंति

मल्लिओदगं गेण्हित्ता उभओकूलमट्ठियं गेण्हंति मट्ठियं गेण्हित्ता जेणेव चुल्लहिम-
 वंतसिहरीवासहरपव्वया तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवागच्छित्ता दगं गेण्हंति० सव्व-
 त्तूयरे सव्वपुप्फे सव्वगंधे सव्वमल्ले सव्वोसहिसिद्धत्थए गिण्हंति गिण्हित्ता जेणेव
 पउमपुंडरीयदहे तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता दहोदगं गेण्हंति गेण्हित्ता जाइं
 तत्थ उप्पलाइं जाव सयसहस्सपत्ताइं ताइं गेण्हंति गेण्हित्ता जेणेव हेमवयएरघयाइं
 वाताइं जेणेव रोहियरोहियंसासुवण्णकूलरूपकूलाओ महाणईओ तेणेव उवागच्छंति,
 मल्लिओदगं गेण्हंति गेण्हित्ता उभओकूलमट्ठियं गिण्हंति गिण्हित्ता सद्दावइवियडा-
 वइपरियागा वट्टवेयड्डपव्वया तेणेव उवागच्छंति २ ता सव्वतूयरे तहेव जेणेव
 महाहिमवंतरुषिवासहरपव्वया तेणेव उवागच्छंति तहेव जेणेव महापउममहापुंडरी-
 यदहा तेणेव उवागच्छंति २ ता दहोदगं गिण्हंति तहेव जेणेव इरिवासम्मगवासाइं
 जेणेव हरिकंतणारिक्ताओ महाणईओ तेणेव उवागच्छंति तहेव जेणेव गंधावइमाल-
 वंतपरियाया वट्टवेयड्डपव्वया तेणेव तहेव जेणेव णिसट्ठणील्लवंतवासधरपव्वया तहेव
 जेणेव तिगिच्छिकेसरिद्धाओ तेणेव उवागच्छंति २ ता तहेव जेणेव महाविदेहे
 वासे जेणेव सीयासीओयाओ महाणईओ तेणेव तहेव जेणेव सव्वचक्कवट्ठविजया
 जेणेव सव्वमागह्वरदामपभासाइं तिन्थाइं तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवागच्छित्ता
 तिन्थोदगं गेण्हंति गेण्हित्ता सव्वंतरणईओ जेणेव सव्ववक्खारपव्वया तेणेव उवाग-
 च्छंति सव्वतूयरे तहेव जेणेव मंदरे पव्वए जेणेव भइसालवणे तेणेव उवागच्छंति
 सव्वतूयरे सव्वपुप्फे सव्वमल्ले सव्वोसहिसिद्धत्थए य गेण्हंति गेण्हित्ता जेणेव
 णंदणवणे तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता सव्वतूयरे जाव सव्वोसहिसिद्धत्थए य
 सरसगोसीसचंदणं गिण्हंति गिण्हित्ता जेणेव सोमणसवणे तेणेव उवागच्छंति
 सव्वतूयरे जाव सव्वोसहिसिद्धत्थए य सरसगोसीसचंदणं च दिव्वं च सुमणदामं
 गिण्हंति गिण्हित्ता जेणेव पंडगवणे तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता सव्वतूयरे
 जाव सव्वोसहिसिद्धत्थए य सरसं च गोसीसचंदणं दिव्वं च सुमणदामं दहरमल्लय-
 सुगंधियगंधे गिण्हंति गिण्हित्ता एगओ मिलायंति मिलाइत्ता ताए उक्किट्ठाए
 जाव जेणेव सोहम्मे कप्पे जेणेव सूरियामे विमाणे जेणेव अभिसेयसभा जेणेव
 सूरियामे देवे तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता सूरियांमे देवं करयल्लपरिग्गहियं
 सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्ठु जएणं विजएणं वद्धावित्ति वद्धावित्ता तं महत्थं
 महत्थं महरिहं विउलं इंदामिसेयं उवट्ठवेंति । तए णं तं सूरियांमे देवं चत्तारि

सामाणियसाहस्सीओ चत्तारि अग्गमहिसीओ सपरिवाराओ तिण्णि परिसाओ सत्त
 अणियाहिबइणो जाव अण्णेवि बहवे सूरियाभविमाणवासिणो देवा य देवीओ य तेहिं
 सामाविएहि य वेउब्बिएहि य वरकमलपइट्ठाणेहि य सुरभिक्खवारिपडिपुण्णेहि चंदण-
 कयचच्चिएहिं आविद्धकंठेगुणेहिं पउमुप्पलपिहाणेहिं सुकुमालकोमलपरिगाहिएहिं
 अट्ठ सहस्सेगं सोवण्णिगाणं कउत्ताणं जाव अट्ठसहस्सेगं भोमिज्जाणं कलसाणं सव्वो-
 दएहिं सव्वमट्ठियाहिं सव्वतूर्येहिं जाव सव्वोसहिसिद्धत्थएहि य सव्विड्ढिए जाव
 वाइएणं महया महया इंदामिसेएणं अभिसिंचंति । तए णं तस्स सूरियाभस्स देवस्स
 महया महया इंदामिसेए वट्ठमाणे अप्पेगइया, देवा सूरियाभं विमाणं णच्चोययं णाड-
 मट्ठियं पविरलकुसि परेगुविणासणं दिव्वं सुरभिगंधोदगं वासं वासंति, अप्पेगइया
 देवा इयरयं णट्ठरयं भट्ठरयं उवसंतरयं पसंतरयं करंति, अप्पेगइया देवा सूरियाभं
 विमाणं आसियसंमज्जिओवल्लिंसं सुइसंमट्ठरत्थंतरावणवीहिंयं करंति, अप्पेगइया देवा
 सूरियाभं विमाणं मंचाइमंचकलियं करंति, अप्पेगइया देवा सूरियाभं विमाणं णाणा-
 विहरागोसियं झयपडगाइपडगमंडियं करंति, अप्पेगइया देवा सूरियाभं विमाणं
 लाउल्लोइयमहिंयं गोसीससरसरत्तचंदणदइरदिण्णपंचगुलितलं करंति, अप्पेगइया देवा
 सूरियाभं विमाणं उवचियचंदणकलसं चंदणघडसुकयतोरणपडिदुवारदेसभागं करंति,
 अप्पेगइया देवा सूरियाभं विमाणं आसत्तोसत्तविउल्लवट्ठवन्धारियमल्लदामकलावं
 करंति, अप्पेगइया देवा सूरियाभं विमाणं पंचवण्णसुरभिमुक्कपुप्फपुजोवयारकलियं
 करंति, अप्पेगइया देवा सूरियाभं विमाणं कालागुरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्कधूवमधमघंत-
 गंधुद्धुयाभिरामं करंति, अप्पेगइया देवा सूरियाभं विमाणं सुगंधमंधियं गंधवट्ठिभूर्यं
 करंति, अप्पेगइया देवा हिरण्णवासं वासंति, सुवण्णवासं वासंति, रययवासं वासंति,
 बइरवासं० पुप्फवासं० फलवासं० मल्लवासं० गंधवासं० चुण्णवासं० आभरणवासं
 वासंति, अप्पेगइया देवा हिरण्णविहिं भाएंति, एवं सुवण्णविहिं भाएंति, रयणविहिं
 पुप्फविहिं फलविहिं मल्लविहिं चुण्णविहिं कत्थविहिं गंधविहिं०, तत्थ अप्पेगइया
 देवा आभरणविहिं भाएंति, अप्पेगइया चउब्बिहं धाइत्तं वाइंति—तत्तं वितत्तं घणं
 झुसिरं, अप्पेगइया देवा चउब्बिहं गेयं गायंति, तं०—उक्खिक्खत्तायं पायत्तायं मंदायं
 रोइयावसाणं, अप्पेगइया देवा दुयं णट्ठविहिं उवदंसंति अप्पेगइया विलंबियणट्ठविहिं
 उवदंसंति अप्पेगइया देवा दुयविलंबियं णट्ठविहिं उवदंसंति, एवं अप्पेगइया अंचियं
 णट्ठविहिं उवदंसंति, अप्पेगइया देवा आरभडं भसोलं आरभडंभसोलं उप्पायणिवाय-

पयत्तं संकुचियपसौरियं रियारियं भंतमभंतणामं दिव्वं गट्टविहिं उवदंसेति, अप्पेगइया देवा चउव्विहं अभिणयं अभिणयंति, तंजहा—विट्ठेतिथं पाडंतिथं सामंतोवणिवाइयं लोमंतोमज्झावसाणियं, अप्पेगइया देवा बुक्कंरेति, अप्पेगइया देवा पीणैति, अप्पेगइया लामैति, अप्पेगइया हक्कंरेति, अप्पेगइया विण्णंति, तंजैवेति, अप्पेगइया वग्गंति अप्पेगइया अप्पेगइया वग्गंति, अप्पेगइया तिवहं छिंदंति, अप्पेगइया हयहेसियं करंति, अप्पेगइया हन्थिगुल्लगुलाइयं करंति, अप्पेगइया रहधण-पणाइयं करंति, अप्पेगइया हयहेसियहन्थिगुल्लगुलाइयंरहधणपणाइयं करंति, अप्पेगइया उच्छल्लंति, अप्पेगइया पोच्छल्लंति, अप्पेगइया उक्किट्ठियं करंति, अ० उच्छल्लंति पोच्छल्लंति, अप्पेगइया तिण्णि वि, अप्पेगइया उवयंति, अप्पेगइया उपयंति, अप्पेगइया परिवयंति, अप्पेगइया तिण्णिवि, अप्पेगइया सीहणायंति, अप्पेगइया ददरं करंति, अप्पेगइया भूमिचवेदं दलयंति, अप्पेगइया तिण्णि वि, अप्पेगइया गजंति, अप्पेगइया विज्जुयायंति, अप्पेगइया वामं वासंति, अप्पेगइया तिण्णि वि करंति, अप्पेगइया जलंति, अप्पेगइया तवति, अप्पेगइया पतवेंति, अप्पेगइया तिण्णि वि, अप्पेगइया हक्कंरेति, अप्पेगइया थुक्कंरेति, अप्पेगइया थक्कंरेति, अप्पेगइया साइं साइं णामाईं साहंति, अप्पेगइया चत्तारि वि अप्पेगइया देवा देवसण्णियायं करंति, अप्पेगइया देवुज्जोयं करंति, अप्पेगइया देवुकलियं करंति, अप्पेगइया देवाक्कहहगं करंति, अप्पेगइया देवा दुहदुहगं करंति, अप्पेगइया चेलुक्खेयं करंति अप्पेगइया देवसण्णियायं देवुज्जोयं देवुकलियं देवक्कहहगं देवदुहदुहगं चेलुक्खेयं करंति, अप्पेगइया उप्पलहन्थगया जाव सयसहसपत्तहन्थगया, अप्पेगइया कल्लहन्थगया जाव भूवक्कुल्लुयहन्थगया हट्ठुट्ठ जाव हियया सव्वओ समंता आहावति परिधावति । तए णं तं सूरियाभं देवं चत्तारि सामाणिय-साहस्सीओ जाव सोलस आयरक्खदेवसाहस्सीओ अण्णे य बहवे सूरियाभरायहाणि-वत्थव्वा देवा य देवीओ महया महया इंदामिसेगेणं अभिसिंचंति अभिसिंचित्ता पत्तेयं पत्तेयं करयल्लरिग्गाहियं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्ठु एवं वयासी—जय जय णंदा ! जय जय भद्दा ! जय जय णंदा ! महं ते, अजियं जिणाहि, जियं च पालेहि, जियमज्जे वसाहि इंदो इव देवाणं चंदो इव ताराणं चमरो इव असुराणं धरणो इव णामाणं भरहो इव मणुयाणं बहूइं पलिओवमाइं बहूइं सागरोवमाइं बहूइं पलि-ओवमसागरोवमाइं चउण्हं सामाणियसाहस्सीणं जाव आयरक्खदेवसाहस्सीणं सूरिया-

भस्स विमाणस्स अण्णेषिं च बहूणं सूरियाभविमाणवासीणं देवाणं य देवीणं य आहे-
 वच्चं जाव महया महया कारेमाणे पालेमाणे विहराहत्तिकदट्ठं जय जय सद् पठे-
 जंति । तए णं से सूरियाभे देवे महया महया इंदामिसेयेणं अभिसित्ते समणे अभि-
 सेयसभाओ पुरत्थिमिल्लेणं दारेणं णिगाच्छइ णिगाच्छित्ता जेणेव अलंकारियसभा
 तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता अलंकारियसभं अणुपयाहिणीकरेमाणे २ अलं-
 कारियसभं पुरत्थिमिल्लेणं दारेणं अणुपविसइ अणुपविसित्ता जेणेव सीहासणे तेणेव
 उवागच्छइ सीहासणवरगए पुरत्थामिमुहे सण्णिसण्णे । तए णं तस्स सूरियाभस्स
 देवस्स सामाणियपरिसोववण्णगा अलंकारियभंडं उवड्ढवेंति, तए णं से सूरियाभे देवे
 तण्णदमयाए पम्हलसूमाए सुरभीए गंधकासाईए गायार्इ ल्हेइ ल्हित्ता सरसेणं
 गोसीसचंदणेणं गायार्इ अणुलिंपइ अणुलिंपित्ता णासाणीसासवायवोण्णं चक्खुहरं
 वण्णपरिसजुत्तं हयलालापेल्लाइरेणं धवलं कणगखचियंतकम्म आगासफालियसमप्पभं
 विव्वं देवदूसजुयलं गियंसेइ गियंसेत्ता हारं पिण्णद्धेइ पिण्णद्धेत्ता अद्धहारं पिण्णद्धेइ
 २ त्ता एगावलं पिण्णद्धेइ पिण्णद्धित्ता मुत्तावलं पिण्णद्धेइ पिण्णद्धित्ता रयणावलं पिण-
 ण्णद्धेइ पिण्णद्धित्ता एवं अंगयाइ केज्जराइ कडगाइ तुडियाइ कडिसुत्तणं दसमुद्धान्तं
 वच्छसुत्तणं मुरविं कंठमुरविं पालं कुडलाइं चूडामणिं मउडं पिण्णद्धेइ गंधिमवेदिम-
 पूरिमसंघाइमेणं चउव्विहेणं मल्लेणं कण्णरुक्खणं पिव अप्पाणं अलंकियविभूसियं
 करेइ करित्ता दद्धरमलयसुगंधगंधिहिं गायार्इ भुल्लेइ दिव्वं च सुमणदामं पिण्णद्धेइ
 ॥२८॥ तए णं से सूरियाभे देवे केसालंकारेणं मल्लालंकारेणं आभरणालंकारेणं वत्था-
 लंकारेणं चउव्विहेणं अलंकारेणं अलंकियविभूसिए समणे पडिपुण्णलंकारे सीहा-
 सणाओ अब्भुद्धेइ अब्भुद्धित्ता अलंकारियसभाओ पुरत्थिमिल्लेणं दारेणं पडिणिक्ख-
 मइ पडिणिक्खमित्ता जेणेव ववसायसभा तेणेव उवागच्छइ ववसायसभं अणुपया-
 हिणीकरेमाणे अणुपयाहिणीकरेमाणे पुरत्थिमिल्लेणं दारेणं अणुपविसइ, जेणेव
 सीहासणवरगए जाव सण्णिसण्णे । तए णं तस्स सूरियाभस्स देवस्स सामाणियपरि-
 सोववण्णगा देवा पोत्थयरयणं उवर्णेति, तए णं से सूरियाभे देवे पोत्थयरयणं गिण्हइ
 गिण्हित्ता पोत्थयरयणं मुयइ मुइत्ता पोत्थयरयणं विहाडेइ विहाडित्ता पोत्थयरयणं
 वाएइ पोत्थयरयणं वाएत्ता धम्मियं ववसायं (गिण्हइ २ त्ता) ववसइ ववसइत्ता
 पोत्थयरयणं पडिणिक्खमइ सीहासणाओ अब्भुद्धेइ अब्भुद्धित्ता ववसायसभाओ
 पुरत्थिमिल्लेणं दारेणं पडिणिक्खमइ पडिणिक्खमित्ता जेणेव णंदा पुक्खरिणी तेणेव

उवागच्छइ उवागच्छित्ता जंदा पुक्खरिणिं पुरत्थिमिल्लेणं तोरणेणं तिसोवाणपडिरु-
 वणं पच्चोरुहइ पच्चोरुहित्ता हत्थपायं पक्खालेइ पक्खालित्ता आयंतो चोवखे
 परमसूइभूए एगं महं सेयं रययामये विमलं सलिलपुणं मत्तगयमुहागिइकुंभसमाणं
 भिंगारं पणेहइ पणेहिहत्ता जाइं तत्थ उप्पलाइं जाव सयसहस्सपत्ताइं ताइं गेण्हइ
 गेणिहत्ता णंदाओ पुक्खरिणीओ पच्छुत्तरइ पच्छुत्तरित्ता जेणेव सिद्धायतणे तेणेव
 पहारेत्थ गमणाए । तए णं तं सूरियामं देवं चत्तारि य सामाणियसाहस्सीओ जाव
 सोलस आयरक्खदेवसाहस्सीओ अण्णे य बहवे सूरियामविमाणवासिणो जाव देवीओ
 य अप्पेगइया देवा उप्पलहत्थगा जाव सयसहस्सपत्तहत्थगा सूरियामं देवं पिट्ठओ
 रिट्ठओ समणुगच्छंति, तए णं तं सूरियामं देवं बहवे आभिओगिया देवा य
 देवीओ य अप्पेगइया कलसहत्थगा जाव अप्पेगइया धूवकड्डुयहत्थगा
 इट्ठुट्ठ जाव सूरियामं देवं पिट्ठओ समणुगच्छंति । तए णं से सूरियामे देवं
 चउहि सामाणियसाहस्सीहिं जाव अण्णेहि य बहूहि य जाव देवेहि य देवीहि य
 सद्धिं संपरिवुडे सव्विड्डीए जाव णाइयरवेणं जेणेव सिद्धायतणे तेणेव उवागच्छइ
 उवागच्छित्ता सिद्धायतणं पुरत्थिमिल्लेणं दारेणं अणुपविसइ अणुपविसित्ता जेणेव
 देवच्छंदए जेणेव जिणपडिमाओ तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता जिणपडिमाणं
 आलोए पणामं करेइ करित्ता लोमहत्थगं गिण्हइ गिणिहत्ता जिणपडिमाणं लोमहत्थ-
 एणं पमजइ पमजित्ता जिणपडिमाओ सुरभिणा गंधोदएणं ण्हाणेइ ण्हाणित्ता सर-
 सेणं गोसीसच्चंदणेणं गायाइं अणुलिपइ अणुलिपइत्ता सुरभिगंधकासाइएणं गायाइं
 ल्हइ २ त्ता जिणपडिमाणं अहयाइं देवदूसजुयलाइं णियंसेइ २ त्ता पुप्फारुहणं
 मल्लारुहणं गंधारुहणं चुण्णारुहणं वण्णारुहणं वत्थारुहणं आभरणारुहणं करेइ
 करेत्ता आसत्तोसत्तविउल्लवट्ठवम्भारियमल्लदामकलावं करेइ मल्लदामकलावं करेत्ता
 कयमाहगहियकरयलपम्भट्ठविपमुक्केणं दसद्धवण्णेणं कुमुमेणं मुक्कपुप्फपुंजोवयारक्खलियं
 करेइ २ त्ता जिणपडिमाणं पुरओ अच्छेहिं सण्णेहिं रययामएहिं अच्छारसातंदुलेहिं
 अट्ठ मंगले आलिहइ तं जहा—सोत्थिय जाव दप्पणं, तयाणंतरे च णं चंदप्पम-
 वइखेरुलियविमलदंडं कच्चणमणिरयणभत्तिचित्तं कालागुरुप्परकुंदुरुक्कतुरक्कधूव-
 मधमधंतगुत्तमाणुविद्धं च धूववट्ठिं विणिम्भयंतं वेरुलियमयं कड्डुच्छुयं पग्ग-
 हियं पयत्तेणं धूवं दाऊण जिणवरणं अट्ठसयविसुद्धगंधजुत्तेहिं अन्थजुत्तेहिं अपुण-
 स्तेहिं महावित्तेहिं संथुणइ संथुणित्ता सत्तट्ठपयाइं पच्चोसकइ पच्चोसकित्ता

वार्म जाणुं अंचेइ अंचेत्ता दाहिणं जाणु धरणितलंसि णिहट्ठु तिरिक्खुत्तो मुद्धानं
 धरणितलंसि णिवाडेइ णिवाडेत्ता ईसिं पच्चुण्णमइ पच्चुण्णमित्ता करयइ-
 परिग्गहिं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्ठु एवं वयासी-गमोऽन्धुणं अग्नि-
 हंताणं जाव संपत्ताणं वंदइ णमंसइ बंदित्ता णमंसित्ता जेणेव देवच्छंदए जेणेव
 सिद्धायतणस्स बहुमज्झदेसभाए तेणेव उवागच्छइ २ ता लोमहत्थगं परामुसइ
 सिद्धायतणस्स बहुमज्झदेसभागं लोमहत्थेणं पमजइ दिव्वाए दग्गधाराए अब्भुक्खेइ
 सरसेणं गोसीसच्चंदणेणं पंचंगुलितलं मंडलगं आलिहइ रत्ता कयग्गाहगहियं जाव पुंजो-
 वयारकलियं करेइ २ ता धूवं दलयइ जेणेव सिद्धायतणस्स दाहिणिल्ले दारे तेणेव
 उवागच्छइ लोमहत्थगं परामुसइ दारचेडीओ य सालभंजियाओ य वालरूवए य
 लोमहत्थएणं पमजइ दिव्वाए दग्गधाराए अब्भुक्खेइ सरसेणं गोसीसच्चंदणेणं चच्चए
 दलयइ २ ता पुप्फारुहणं मल्लां जाव आभरणारुहणं करेइ २ ता आसत्तोसत्तं
 जाव धूवं दलयइ जेणेव दाहिणिल्ले दारे मुहमंडवे जेणेव दाहिणिल्लस्स मुहमंडवस्स
 बहुमज्झदेसभाए तेणेव उवागच्छइ लोमहत्थगं परामुसइ बहुमज्झदेसभागं लोम-
 हत्थेणं पमजइ दिव्वाए दग्गधाराए अब्भुक्खेइ सरसेणं गोसीसच्चंदणेणं पंचंगुलितलं
 मंडलगं आलिहइ कयग्गाहगहियं जाव धूवं दलयइ जेणेव दाहिणिल्लस्स मुहमंडवस्स
 पच्चत्थिमिल्ले दारे तेणेव उवागच्छइ लोमहत्थगं परामुसइ दारचेडीओ य साल
 भंजियाओ य वालरूवए य लोमहत्थेणं पमजइ दिव्वाए दग्गधाराए ० सरसेणं गोसीस-
 च्चंदणेणं चच्चए दलयइ पुप्फारुहणं जाव आभरणारुहणं करेइ आसत्तोसत्तं कय-
 ग्गाहगहियं ० धूवं दलयइ जेणेव दाहिणिल्लमुहमंडवस्स उत्तरिल्ला खंभपंती तेणेव
 उवागच्छइ लोमहत्थं परामुसइ थंमे य सालभंजियाओ य वालरूवए य लोमहत्थएणं
 पमजइ जहा चेव पच्चत्थिमिल्लस्स दारस्स जाव धूवं दलयइ जेणेव दाहिणिल्लस्स
 मुहमंडवस्स पुरत्थिमिल्ले दारे तेणेव उवागच्छइ लोमहत्थगं परामुसइ दारचेडीओ
 तं चेव सव्वं जेणेव दाहिणिल्लस्स मुहमंडवस्स दाहिणिल्ले दारे तेणेव उवागच्छइ
 दारचेडीओ य तं चेव सव्वं जेणेव दाहिणिल्ले पेच्छाघरमंडवे जेणेव दाहिणिल्लस्स
 पेच्छाघरमंडवस्स बहुमज्झदेसभाए जेणेव वइरामए अवखाडए जेणेव मणिपेडिया
 जेणेव सीहासणे तेणेव उवागच्छइ लोमहत्थगं परामुसइ अवखाडगं च मणिपेडियं
 च सीहासणं च लोमहत्थएणं पमजइ दिव्वाए दग्गधाराए सरसेणं गोसीसच्चंदणेणं
 चच्चए दलयइ पुप्फारुहणं आसत्तोसत्तं जाव धूवं दलयइ जेणेव दाहिणिल्लस्स

पेच्छाघरमंडवस्स पच्चत्थिमिल्ले दारे उत्तरिल्ले दारे तं चेव जं चेव पुरत्थिमिल्ले दारे
तं चेव दाहिणे दारे तं चेव, जेणेव दाहिणिल्ले चेइयथूमे तेणेव उवागच्छइ थूमं
मणिपेटियां च दिव्वाए दगधाराए सरसेण गोसीसच्चंदणेण चच्चए दलेइ पुप्फारु०
आसत्तो० जाव धूवं दलेइ, जेणेव पच्चत्थिमिल्ल्हा मणिपेटिया जेणेव पच्चत्थिमिल्ल्हा
जिणपडिमा तं चेव, जेणेव उत्तरिल्ल्हा जिणपडिमा तं चेव सव्वं जेणेव पुरत्थिमिल्ल्हा
मणिपेटिया जेणेव पुरत्थिमिल्ल्हा जिणपडिमा तेणेव उवागच्छइ तं चेव दाहिणिल्ल्हा
मणिपेटिया दाहिणिल्ल्हा जिणपडिमा तं चेव जेणेव दाहिणिल्ले चेइयरुक्खे तेणेव
उवागच्छइ तं चेव जेणेव महिदज्झाए जेणेव दाहिणिल्ल्हा णंदापुक्खरिणी तेणेव उवा-
गच्छइ लोमहत्थणं परामुसइ तोरणे य तिसोवाणपडिरुवए सालभंजियाओ य वाल-
रुवए य लोमहत्थणं पमज्जइ दिव्वाए दगधाराए सरसेण गोसीसच्चंदणेण पुप्फा-
रुहणं आसत्तोसत्त० धूवं दलयइ सिद्धाययणं अणुपयाहिणोकरेमाणे जेणेव उत्तरिल्ल्हा
णंदापुक्खरिणी तेणेव उवागच्छइ तं चेव, जेणेव उत्तरिल्ले चेइयरुक्खे तेणेव उवा-
गच्छइ जेणेव उत्तरिल्ले चेइयथूमे तहेव, जेणेव पच्चत्थिमिल्ल्हा पेटिया जेणेव पच्चत्थि-
मिल्ल्हा जिणपडिमा तं चेव उत्तरिल्ले पेच्छाघरमंडवे तेणेव उवागच्छइ जा चेव
दाहिणिल्लवत्तव्या सा चेव सव्वा पुरत्थिमिल्ले दारे, दाहिणिल्ल्हा खंभपंती तं चेव
सव्वं, जेणेव उत्तरिल्ले मुहमंडवे जेणेव उत्तरिल्लस्स मुहमंडवस्स बहुमज्झदेसभाए तं
चेव सव्वं पच्चत्थिमिल्ले दारे तेणेव० उत्तरिल्ले दारे दाहिणिल्ल्हा खंभपंती सेसं तं
चेव सव्वं जेणेव सिद्धायतणस्स उत्तरिल्ले दारे तं चेव, जेणेव सिद्धायतणस्स पुरत्थि-
मिल्ले दारे तेणेव उवागच्छइ तं चेव, जेणेव पुरत्थिमिल्ले मुहमंडवे जेणेव पुरत्थि-
मिल्लस्स मुहमंडवस्स बहुमज्झदेसभाए तेणेव उवागच्छइ तं चेव, पुरत्थिमिल्लस्स
मुहमंडवस्स दाहिणिल्ले दारे पच्चत्थिमिल्ल्हा खंभपंती उत्तरिल्ले दारे तं चेव पुरत्थि-
मिल्ले दारे तं चेव, जेणेव पुरत्थिमिल्ले पेच्छाघरमंडवे, एवं थूमे जिणपडिमाओ
चेइयरुक्खा महिदज्झया णंदापुक्खरिणी तं चेव जाव धूवं दलइ जेणेव सभा मुहम्मा
तेणेव उवागच्छइ सभे मुहम्मं पुरत्थिमिल्ले दारेणं अणुपविसइ जेणेव माणवए चेइय-
खंमे जेणेव वइरामए गोलवट्टसमुग्गे तेणेव उवागच्छइ २ ता लोमहत्थणं परामुसइ वइ-
रामए गोलवट्टसमुग्गे लोमहत्थेणं पमज्जइ वइरामए गोलवट्टसमुग्गे विहाडेइ जिण-
सगहाओ लोमहत्थेणं पमज्जइ मुरमिणा गंधोदएणं पक्खालेइ २ ता अगेहिं धरेहिं
गंधेहि य मलेहि य अच्चेइ धूवं दलयइ जिणसकहाओ वइरामएसु गोलवट्टसमुग्गएसु

पडिणिक्खमइ माणवगं चेइयत्थं लोमहत्थएणं पमजइ दिव्वाए दग्गधाराए सरसेणं गोसीसच्चंदणेणं चच्चए दल्लयइ पुप्फारुहणं जाव धूवं दल्लयइ जेणेव सीहासणे तं चेव, जेणेव देवसयणिजे तं चेव जेणेव खुड्डागमहिंदज्झए तं चेव, जेणेव पहरणक्कोसे चोप्पालए तेणेव उवागच्छइ लोमहत्थगं परामुसइ पहरणक्कोसं चोप्पालं लोमहत्थएणं पमजइ दिव्वाए दग्गधाराए सरसेणं गोसीसच्चंदणेणं दलेइ पुप्फारुहणं आसत्तोसत्त० धूवं दल्लयइ, जेणेव सभाए सुहम्माए बहुमज्झदेसभाए जेणेव मणिपेडिया जेणेव देवसयणिजे तेणेव उवागच्छइ लोमहत्थगं परामुसइ देवसयणिजं च मणिपेडियं च लोमहत्थएणं पमजइ जाव धूवं दल्लयइ जेणेव उवायसभाए दाहिणिह्ले दारे तहेव अभिसेयसभा सरिसं जाव पुरत्थिमिल्ल। णंदा पुक्खरिणी जेणेव हरए तेणेव उवागच्छइ तोरणे य तिसोवाणे य सालभंजियाओ य वालरूवए य तहेव, जेणेव अभिसेयसभा तेणेव उवागच्छइ तहेव सीहासणं च मणिपेडियं च सेसं तहेव आययणसरिसं जाव पुरत्थिमिल्ल। णंदा पुक्खरिणी जेणेव अलंकारियसभा तेणेव उवागच्छइ जहा अभिसेयसभा तहेव सत्तं जेणेव ववसायसभा तेणेव उवागच्छइ तहेव लोमहत्थगं परामुसइ पोत्थयरवणं लोमहत्थएणं पमजइ २ ता दिव्वाए दग्गधाराए अग्गेहिं बरेहि य गंधेहिं मलेहि य अच्चेइ मणिपेडियं सीहासणं च सेसं तं चेव पुरत्थिमिल्ल। णंदा पुक्खरिणी जेणेव हरए तेणेव उवागच्छइ तोरणे य तिसोवाणे य सालभंजियाओ य वालरूवए य तहेव । जेणेव बलिपीढं तेणेव उवागच्छइ बलिविसज्जणं करेइ, आभिओगिए देवे सद्धानेइ २ ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया सूरियामे विमाणे सिंघाडएसु तिएसु चउक्केसु चच्चरेसु चउमुहेसु महापहेसु पागारेसु अट्टालएसु चरियासु दारेसु गोपुरेसु तोरणेसु आरामेसु उज्जाणेसु वणेसु वणराईसु काणणेसु वणसंडेसु अच्चणियं करेइ अच्चणियं करेत्ता एवमाणत्तियं खिप्पामेव पच्चप्पिणह, तए णं ते आभिओगिया देवा सूरियामेणं देवेणं एवं वुत्ता समाणा जाव पडिमुणिता सूरियामे विमाणे सिंघाडएसु तिएसु चउक्केसु चच्चरेसु चउमुहेसु महापहेसु पागारेसु अट्टालएसु चरियासु दारेसु गोपुरेसु तोरणेसु आरामेसु उज्जाणेसु वणेसु वणराईसु काणणेसु वणसंडेसु अच्चणियं करेति जेणेव सूरियामे देवे जाव पच्चप्पिणाति, तए णं से सूरियामे देवे जेणेव णंदा पुक्खरिणी तेणेव उवागच्छइ णंदापुक्खरिणिं पुरत्थिमिल्लेणं तिसोवाणपडिस्सएणं पच्चोरुहइ हत्थपाए पक्खालेइ णंदाओ पुक्खरिणीओ पच्चुत्तरेइ जेणेव सभा सुहम्मा तेणेव

पहारेन्ध गमणाए । तए णं से सूरियाभे देवे चउहिं सामाणियसाहस्सीहिं जाव
 मा भमहिं आवरक्खदेवसाहस्सीहिं अण्णेहि य बहूहिं सूरियाभविमाणवासीहिं वेमाणि-
 एहिं देवेहिं देवीहि य सद्धिं संपरिबुडे सच्चिड्डीए जाव णाइयरवेणं जेणेव सभा
 सुहम्मा तेणेव उवागच्छइ समं सुहम्मं पुरत्थिमिल्लेणं दारेणं अणुपविसइ अणुपविसित्ता
 जेणेव सीद्दासणे तेणेव उवागच्छइ सीद्दासणवरसाए पुरत्थामिसुहे सण्णिसण्णे ॥३९॥
 तए णं तस्स सूरियाभस्स देवस्स अवशत्तरेणं उत्तरपुरत्थिमेणं दिसिमाएणं चत्तारि य
 सामाणियसाहस्सीओ चउमु भद्दासणमाहस्सीसु णिसीयंति, तए णं तस्स सूरियाभस्स
 देवस्स पुरत्थिमिल्लेणं चत्तारि अग्गमहिंसीओ चउमु भद्दासणेसु णिसीयंति, तए णं
 तस्स सूरियाभस्स देवस्स दाहिणपुरत्थिमेणं अभिभतरियपरिसाए अट्ठ देवसाहस्सीओ
 अट्ठमु भद्दासणमाहस्सीसु णिसीयंति, तए णं तस्स सूरियाभस्स देवस्स दाहिणेणं
 मज्झिमाए परिसाए दस देवसाहस्सीओ दसमु भद्दासणमाहस्सीसु णिसीयंति,
 तए णं तस्स सूरियाभस्स देवस्स दाहिणपच्चत्थिमेणं बाहिरियाए परिसाए बारस
 देवसाहस्सीओ बारससु भद्दासणसाहस्सीसु णिसीयंति, तए णं तस्स सूरियाभस्स
 देवस्स पच्चत्थिमेणं सत्त अणियाहिंबइओ सत्तहिं भद्दासणेहिं णिसीयंति, तए णं
 तस्स सूरियाभस्स देवस्स चउदिसिं सोलस आयरक्खदेवसाहस्सीओ सोलसहिं
 भद्दासणसाहस्सीहिं णिसीयंति, तंजहा—पुरत्थिमिल्लेणं चत्तारि साहस्सीओ, ते णं
 आयरक्खा सण्णद्वयद्वयम्मियक्खवा उप्पीलियसरासणपट्टिया पिण्डगेविज्जा आवि-
 द्दविमलवरचिंधपट्टा गहियाउहपहरणा तिणयाणि तिसंधियाइं वयरामयकोडीणि
 धणूइं पगिज्ज पडियाइयकंडकलावा णोलपाणिओ पीयपाणिओ रत्तपाणिओ चाव-
 पाणिओ चारुपाणिओ चम्मपाणिओ दंडपाणिओ खम्पाणिओ पासपाणिओ णोलपीय-
 रत्तचावचारुचम्मदंडखणपासधरा आयरक्खा रक्खोवग्गा गुत्ता गुत्तपालिया जुत्ता
 जुत्तपालिया पत्तेयं पत्तेयं समयओ विणयओ किंकरभूया चिट्ठंति ॥ ४० ॥ सूरिया-
 भस्स णं भंते ! देवस्स केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा चत्तारि पलिओवमाइं
 ठिई पण्णत्ता । सूरियाभस्स णं भंते ! देवस्स सामाणियपरिसोववण्णणां देवाणं
 केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता, महिड्डिए
 महज्जुइए महव्वले महायंसे महासोक्खे महाणुभागे सूरियाभे देवे, अहो णं भंते !
 सूरियाभे देवे महिड्डिए जाव महाणुभागे ॥ ४१ ॥ “सूरियाभेणं भंते ! देवेणं सा
 दिव्वा देविड्डी सा दिव्वा देवजुई से दिव्वे देवाणुभावे किण्णा लद्धे किण्णा पत्ते किण्णा

अभिसमण्णागए ? पुव्वभवे के आसी ? किंणामए वा को वा गोत्तेण ? कयरंसि वा
 गामंसि वा जाव संगिवेसंसि वा ? किं वा दच्चा किं वा भोच्चा किं वा किच्चा किं वा
 समायरित्ता, कस्स वा तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा अंतिए एगमवि
 आरियं धम्मियं सुवयणं सोच्चा णिसम्म जं णं सूरियामेणं देवेणं सा दिव्वा देविइदी
 जाव देवाणुभावे लद्धे पत्ते अभिसमण्णागए ?” ॥४२॥ “गोयमा” इ समणे भगवं
 महावीरे भगवं गोयमं आमत्तेत्ता एवं वयासी—“एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं
 समएणं इहेव जम्बुदीवे दीवे भारहे वासे केइयअद्धे णामे जणवए होत्था रिद्धन्थि-
 मियसमिद्धे० । तत्थ णं केइयअद्धे जणवए सेयविया णामं गयरी होत्था रिद्धन्थि-
 मियसमिद्धा जाव पडिरूवा । तीसे णं सेयवियाए गयरीए वहिया उत्तरपुरन्थिसे
 दिसीमाए एत्थ णं मिगवणे णामं उजाणे होत्था रम्मे णंदणवणप्पगासे सव्वोउयपुप्फ-
 फल्लसमिद्धे सुभसुरमिसीयलाए छायाए सव्वओ चेव समणुबद्धे पासाईए जाव
 पडिरूवे । तत्थ णं सेयवियाए गयरीए पएसी णामं रायां होत्था, महया हिमवंत
 जाव विहरइ, अधम्मिए अधम्मिद्धे अधम्मकखाई अधम्माणुए अधम्मपलोई अधम्म-
 पजणणे अधम्मसीलसमुदायारे अधम्मेण चेव वित्तिं कप्पमाणे हणद्धिदमिंदपवत्तए
 पावे कोपे चण्डे रुहे खुदे लोहियपाणी साहसिए उक्कञ्चणवञ्चणमायाणियडिक्कञ्चइ-
 साईसंपओगवहुले णिस्सीले णिव्वए णिग्गुणे णिग्गरे णिग्गवक्कणपोसहोववासे बहूणं
 दुप्पयचउप्पयमियपसुपक्खित्तिरीसिवाणं घायाए दहाए उच्छेयणाए अधम्मकेअ समु-
 द्धिए, गुरुणं णो अब्भुद्धेइ, णो विणयं पउञ्जइ, समणमाहणाणं” णो विणयं पउञ्जइ,
 सयस्स वि य णं जणवयस्स णो सम्मं करभरवित्तिं पयत्तेइ ॥ ४३ ॥ तस्स णं
 पएसिस्स रण्णो सूरियकंता णामं देवी होत्था सुकुमालपाणिपाया (धारिणीवणओ)
 पएसिणा रण्णा सद्धिं अणुरत्ता अविरत्ता इद्धे सद्धे रूवे जाव विहरइ । तस्स णं पएसिस्स
 रण्णो जेद्धे पुत्ते सूरियकंताए देवीए अत्तए सूरियकंते णामं कुमारे होत्था सुकुमाल-
 पाणिपाए जाव पडिरूवे । से णं सूरियकंते कुमारे जुवराया वि होत्था, पएसिस्स
 रण्णो रजं च रद्धं च वलं च वाहणं च कोसं च कोट्ठागारं च पुरं च अंतेउरं च
 जणवयं च सयमेव पच्चुवेक्खमाणे २ विहरइ ॥४४॥ तस्स णं पएसिस्स रण्णो जेद्धे
 भाउयवयंसए वित्ते णामं सारही होत्था अइद्धे जाव बहुजणस्स अपरिभूए सामदंड-
 भेयउवप्पयाणअत्थसत्थईहामइविसारए, उप्पत्तियाए वेणइयाए कम्मियाए पारिणाभि-
 याए चउव्विहाए बुद्धीए उववेए, पएसिस्स रण्णो बहुसु कजेसु य कारणेसु य कुडुम्बेसु

य मंतेसु य गुप्तेसु य रहस्सेसु य गिच्छएसु य बवहारेसु य आपुच्छणिजे पडिपुच्छ-
 णिजे मेढी पनागं आहारे आलम्बणं चक्खू मेदिभूए पमाणभूए आहारभूए आल-
 म्बणभूए चक्खुभूए सव्वङ्गाणसव्वभूमियासु लद्धपन्नए विइण्णवियारे रज्जधुराच्चितए
 यावि होत्था ॥४५॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं कुणाला णामं जणवए होत्था, रिद्धत्थिय-
 मियसमिद्धे ० । तत्थ णं कुणालाए जणवए सावत्थी णामं णयरी होत्था रिद्धत्थियमिय-
 समिद्धा जाव पडिरूवा । तीसे णं सावत्थीए णयरीए बहिया उत्तरपुरत्थियमे दीसीभाए
 काट्टए णामं चेइए होत्था, पोराणे जाव पासाईए ४ । तत्थ णं सावत्थीए णयरीए
 पएसिस्स रण्णो अंतेवासी जियसत्तू णामं राया होत्था, महया हिमयंत जाव विहरइ ।
 तए णं से पएसी राया अण्णया कयाइ महत्थं महत्थं महरिहं विउलं रायारिहं पाहुडं
 सजावेइ २ ता चित्तं सारहिं सदावेइ २ ता एवं वयासी—“गच्छ णं चित्ता ! तुमं
 सावत्थि णयरिं, जियसत्तुस्स रण्णो इमं महत्थं जाव पाहुडं उवणेहि । जाइं तत्थ
 रायकजाणि य रायकिचाणि य रायणीईओ य रायववहारा य ताइं जियसत्तुणा सद्धिं
 सयमेव पच्चुवेक्खमाणे २ विहराहि” त्तिकट्ठु विसज्जिए ॥४६॥ तए णं से चित्ते
 सारही पएसिणा रण्णा एवं वुत्ते समाणे हट्ठ जाव पडिसुणेत्ता तं महत्थं जाव पाहुडं
 गेण्हइ २ ता पएसिस्स रण्णो जाव पडिणिक्खमइ २ ता सेयवियाए णयरीए मज्झं-
 मज्जेणं जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ ता तं महत्थं जाव पाहुडं ठवेइ २
 ता कोडुम्भियपुरिसे सदावेइ २ ता एवं वयासी—“खिप्पामेव भो देवाण्णिया !
 मच्छत्तं जाव चाउग्घंटं आसरहं जुत्तामेव उवट्ठवेह जाव पच्चप्पिण्ह” । तए णं ते
 कोडुम्भियपुरिसा तहेव पडिसुणिता खिप्पामेव मच्छत्तं जाव जुद्धमज्जं चाउग्घंटं
 आसरहं जुत्तामेव उवट्ठवेति, तमाणत्तियं पच्चप्पिण्णति । तए णं से चित्ते सारही
 कोडुम्भियपुरिसाणं अंतिए एयमट्ठं जाव हियए ण्हाए कयबलिकम्मो कयकोउय-
 मंगलायच्छित्ते सण्णद्वयद्वयम्मियकवए उप्पीलियसरासणपट्टिए पिण्हमेवेज-
 विमलवरच्चिधपट्टे गहियाउहपरणे तं महत्थं जाव पाहुडं गेण्हइ २ ता
 जेणेव चाउग्घंटं आसरहे तेणेव उवागच्छइ २ ता चाउग्घंटं आसरहं दुरुहइ
 दुरुहत्ता बहूहिं पुरिसेहिं सण्णद जाव गहियाउहपरणेहिं सद्धिं संपरिबुडे सको-
 रित्तमस्सदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं महया भटचडगरहपहकरविंदपरिक्खत्ते
 भाओ गिहाओ णिग्गच्छइ २ ता सेयवियाए णयरीए मज्झंमज्जेणं णिग्गच्छइ २
 ता सुहेहिं वासेहिं पायरासेहिं णाइविकिट्ठेहिं अंतरावासेहिं वसमाणे २ केइयअद्धस्स

जणवयस्स मज्झमज्झेण जेणेव कुणाला जणवए जेणेव सावत्थी णयरी तेणेव उवा-
गच्छइ २ ता सावत्थीए णयरीए मज्झमज्झेण अणुपविसइ २ ता जेणेव जियसत्तु-
स्स रण्णो गिहे, जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला, तेणेव उवागच्छइ २ ता तुरए
णिमिण्हइ २ ता रहं ठवेइ २ ता रहाओ पच्चोरुहइ २ ता तं महत्थं जाव पाहुडं
गिण्हइ २ ता जेणेव अब्भितरिया उवट्ठाणसाला जेणेव जियसत्तू राया तेणेव उवा-
गच्छइ २ ता जियसत्तु रायं करयलपरिग्गहियं जाव कंदु जएणं विजएणं वद्धावेइ
२ ता तं महत्थं जाव पाहुडं उवणेइ । तए णं से जियसत्तू राया चित्तस्स सारहिस्स
तं महत्थं जाव पाहुडं पडिच्छइ २ ता चित्तं सारहिं सक्कारेइ संमाणेइ स० २ ता
पडिविसजेइ, रायमग्गमोगाढं च से आवासं दलयइ । तए णं से चित्तं सारही
विसजिए समणे जियसत्तुस्स रण्णो अंतियाओ पडिगिदग्गमइ २ ता जेणेव
बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव चाउग्गटे आसरहे तेणेव उवागच्छइ २ ता
चाउग्गटं आसरहं दुरुहइ २ ता सावत्थीए णयरीए मज्झमज्झेण जेणेव रायमग्ग-
मोगाढे आवासे तेणेव उवागच्छइ २ ता तुरए णिमिण्हइ २ ता रहं ठवेइ २ ता
रहाओ पच्चोरुहइ, ण्हाए कयबलिकम्मे कयकोउयमंगलपायच्छित्ते सुद्धप्पावेसाइं
मंगल्लइं वत्थाइं पवरपरिहिए, अप्पमहग्गभाभरणालक्खिसरीरे, जिमियभुत्तुत्तरागए
वि य णं समणे पुब्बावरण्हकालसमयंसि गंधक्वेहि य णाडंएहि य उवणच्चिज्जमाए २
उवगाइज्जमाणे २ उवललिज्जमाणे २ इहे सद्धपरिसरसरूवगंधे पंचविहे माणुरसए
कामभोए पच्चणुभवमाणे विहरइ ॥४७॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं पासावच्चिजे वेसी
णामं कुमारसमणे जाइसंपण्णे कुलसंपण्णे बलसंपण्णे रूबसंपण्णे विणयसंपण्णे णाणसंपण्णे
दंसणसंपण्णे चरित्तसंपण्णे लज्जासंपण्णे लाधवसंपण्णे लज्जालाधवसंपण्णे ओयंसी तेयंसी
वच्चंसी जसंसी जियकोहे जियमाणे जियमाए जियलोहे जियणिहे जिइंदिए जियपरीसहे
जीवियासमरणभयविष्णुमुक्के तवप्पहाणे गुणप्पहाणे करणप्पहाणे चरणप्पहाणे णिमह-
पहाणे णिच्छयप्पहाणे अज्जवप्पहाणे महवप्पहाणे लाधवप्पहाणे खेत्तिप्पहाणे मुत्तिप्पहाणे
विज्जप्पहाणे मंतप्पहाणे वग्गप्पहाणे वेयप्पहाणे णयप्पहाणे णियमप्पहाणे सद्धप्पहाणे
(मोयप्पहाणे) सोयप्पहाणे णाणप्पहाणे दंसणप्पहाणे चरित्तप्पहाणे***चउदसपुत्वी, चउ-
णाणोवगए पञ्चहिं अणगारसएहिं सद्धिं संपरिखुडे पुब्बाणुपुत्तिं चरमाणे रामाणं गामं
दूइज्जमाणे सुहंसुहेणं विहरमाणे जेणेव सावत्थी णयरी जेणेव कोट्टए चेइए तेणेव
उवागच्छइ २ ता सावत्थीए णयरीए बहिया कोट्टए चेइए अहापडिरूवं उगाहं

उमिण्हइ २ ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥४८॥ तए णं सावत्थीए
 णयरीए सिंघाडगतियच्चउक्कच्चच्चरच्चउमुहमहापहेसु महया जणसहे इ वा जणबूहे
 इ वा जणशेले इ वा जणकलकले इ वा जणउम्मी इ वा जणउकलिया इ वा जण-
 मणिवाए इ वा जाव परिसा पज्जुवासइ । तए णं तस्स सारहिंस तं महाजणसहं च
 जणकलकलं च सुणेत्ता य पासित्ता य इमेयास्वे अज्झत्थिए जाव समुप्पजित्था—
 “ किं णं अज सावत्थीए णयरीए इंदमहे इ वा खेदमहे इ वा रुदमहे इ वा मउंद-
 महे इ वा वेसमणमहे इ वा पागमहे इ वा भूयमहे इ वा जक्खमहे इ वा थूम-
 महे इ वा चेइयमहे इ वा रुक्खमहे इ वा गिरिमहे इ वा दरिमहे इ वा अगडमहे इ
 वा णईमहे इ वा सरमहे इ वा सागरमहे इ वा जे णं इमे बहवे उग्गा उग्गपुत्ता भोगा
 राइण्णा इक्खमा खत्तिया णाया कोरव्वा जाव इब्भा इब्भपुत्ता ण्हाया कयवलिकम्मा
 (जहोववाइए जाव) अप्पेगइया हयगया अप्पेगइया गय० जाव पायचारविहारेणं
 महया २ वंदावंदएहिं णिग्गच्छंति ” एवं संपेहेइ २ ता कञ्जुइजपुरिसं सहावेइ
 २ ता एवं वयासी—“ किं णं देवाणुप्पिया ! अज सावत्थीए णयरीए इंदमहे इ
 वा जाव सागरमहे इ वा जेणं इमे बहवे उग्गा भोगा—“णिग्गच्छंति ?” । तए णं से
 कञ्जुइजपुरिसे केसिस्स कुमारसमणस्स आगमणगहियविणिच्छए चित्तं सारहिं
 करयलपरिग्गहियं जाव वद्धावेत्ता एवं वयासी—“ णो खलु देवाणुप्पिया ! अज
 सावत्थीए णयरीए इंदमहे इ वा जाव सागरमहे इ वा जेणं इमे बहवे जाव विंदा-
 विंदएहिं णिग्गच्छंति । ” एवं खलु भो देवाणुप्पिया ! पासावच्चिजे केसी णामं
 कुमारसमणे जाइसंपणे जाव दूइजमाणे इहमागए जाव विहरइ तेणं अज सावत्थीए
 णयरीए बहवे उग्गा जाव इब्भा इब्भपुत्ता अप्पेगइया वंदणवत्तियाए जाव महया
 वंदावंदएहिं णिग्गच्छंति ” ॥४९॥ तए णं से चित्ते सारही कञ्जुइजपुरिसस्स
 अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठुट्ठ जाव हियए कोडुम्भियपुरिसे सहावेइ
 २ ता एवं वयासी—“ खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! चाउग्घंटं आसरहं जुत्तामेव
 उवट्ठवेइ ” जाव सच्छत्तं जाव उवट्ठवेति तए णं से चित्ते सारही ण्हाए
 कयदलिकम्मे कयकोउयमंगलपायच्छित्ते सुद्धप्पावेसाइं मंगहाइं वत्थाइं पवरप-
 रिहिंए अप्पमहन्वाभरणालंक्रियसरीरे जेणेव चाउग्घंटे आसरहे तेणेव उवागच्छइ
 २ ता चाउग्घंटं आसरहं दुरुइइ २ ता सकोरिंटमह्दामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं
 महया भडच्चडगररुहपरिविदपरिक्खित्ते सावत्थीणयरीए मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ

२त्ता जेणेव कोट्टए चेइए जेणेव केसी कुमारसमणे तेणेव उवागच्छइ २त्ता केसिकुमार-
 समणस्स अदूरसामंते तुरए गिणिण्हइ २त्ता रहं ठवेइ २त्ता रहाओ पच्चोरुहइ २त्ता
 जेणेव केसी कुमारसमणे तेणेव उवागच्छइ २त्ता केसि कुमारसमणं तिवखुत्तो आयाहिणं
 पयाहिणं करेइ २त्ता वंदइ णमंसइ वं० २त्ता णच्चासण्णे णाइदूरे सुस्सूसमाणे णमंसमाणे
 भमिमुहे पञ्जलिउडे विणएणं पज्जुवासइ । तए णं से केसी कुमारसमणे चित्तस्स सारहिस्स
 तीसे महइमहालियाए महच्चपरिसाए चाउज्जामं धम्मं परिकहेइ, तं जहा—सव्वाओ
 पाणाइवायाओ वेरमणं, सव्वाओ मुसावायाओ वेरमणं, सव्वाओ अदिण्णादाणाओ
 वेरमणं, सव्वाओ बहिद्धादाणाओ वेरमणं । तए णं सा महइमहालिया महच्चपरिसा
 केसिस्स कुमारसमणस्स अंतिए धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठ जाव हियया वंदित्ता
 णमंसित्ता जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया । तए णं से चित्ते सारही
 केसिस्स कुमारसमणस्स अंतिए धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठ जाव हियए उट्ठाए उट्ठेइ
 २त्ता केसि कुमारसमणं तिवखुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २त्ता वंदइ णमंसइ
 वं० २त्ता एवं वयासी—“सहहामि णं भंते ! णिग्गंथं पावयणं । पत्तियामि णं भंते !
 णिग्गंथं पावयणं । रोएमि णं भंते ! णिग्गंथं पावयणं । अब्भुट्ठेमि णं भंते ! णिग्गंथं
 पावयणं । एवमेयं भंते ! णिग्गंथं पावयणं । तहमेयं भंते ! णिग्गंथं पावयणं । अवि-
 तहमेयं भंते ! णिग्गंथं पावयणं । असंदिद्धमेयं भंते ! णिग्गंथं पावयणं । इच्छिय-
 पडिच्छियमेयं भंते ! सच्चे णं एसमट्ठे जं णं तुब्भे वयह” तिकट्ठ वंदइ णमंसइ
 वं० २त्ता एवं वयासी—“जहा णं देवाणुप्पियाणं अंतिए बहवे उग्गा भोगा जाव
 इब्भा इब्भपुत्ता विच्चा हिरण्णं विच्चा सुवण्णं, एवं धणं धण्णे बलं वाहणं कोसं कोट्ठागारं
 पुरं अंतेउरं, विच्चा विउलं धणकणगरयणमणिमोत्तियसंखसिल्लप्पबालसंतसारसाव-
 एजं विच्छड्डुइत्ता विगोवइत्ता दाणं दाइयाणं परिभाइत्ता मुंडे भवित्ता अगाराओ
 अणगारियं पव्वयंति, णो खलु अहं ता संचाएमि विच्चा हिरण्णं तं चेव जाव पव्वइ-
 त्तए । अहं णं देवाणुप्पियाणं अंतिए पंचाणुव्वइयं सत्तसिक्खावइयं दुवालसविहं
 गिहिधम्मं.....पडिवज्जित्तए” । “अहामुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिवंधं करेहि” ।
 तए णं से चित्ते सारही केसिस्स कुमारसमणस्स अंतिए पंचाणुव्वइयं जाव गिहिधम्मं
 उवसंपज्जित्ताणं विहरइ । तए णं से चित्ते सारही केसि कुमारसमणं वंदइ णमंसइ
 वं० २त्ता जेणेव चाउब्भंटे आसरहे तेणेव पहारेत्थ गमणाए । चाउब्भंटे आसरहं
 दुरुहइ २त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगए ॥५०॥ तए णं से

चित्ते सारही समणोवासए जाए अहिगयजीवाजीवे उवलद्वपुणपावे आसवसंवर-
णिजरकिरियाहिगरणवंधमोक्खकुसले असहिजे देवासुरणासुवणजवत्तरवत्सकिंणर-
किंपुरिसमंरुल्लंअवमहोरगाईहिं देवगणेहिं गियंथाओ पावयणाओ अणइइमणिजे,
णिमंथे पवयणे णिसंकिणं णिकंखिए णिज्वित्तिगिच्छे लद्धे गहिये पुच्छिये
अहिगयहे विणिच्छिये अट्टिमिज्जपम्माणुरागरत्ते अयमाउसो ! गियंथे पावयणे अहे
अयं परमहे सेसे अणहे, उसियफलिहे अवंगुयहुवारे चियत्तंतेउरघरणवेसे चाउ-
हसद्वमुद्धिद्वपुणमासिणीसु पडिपुणं पोसहं सम्मं अणुपालेमाणे समणे गियंथे फासु-
एसणिजेणं अमणपाणवाइमसाइमेणं पीढफलगसेजामंथारेणं वत्थपडिगहकम्बल-
पायपुच्छेणे ओसहमेसजेणं पडिलाभेमाणे २ बहूहिं सीलव्वयगुणवेरमणपच्चवलाण-
पोसहोववासेहिं य अण्णाणं भावेमाणे जाइं तत्थ रायकजाणि य जाव रायववहाराणि
य ताइं जियसत्तुणा रण्णा सद्धिं सयमेव पच्छुवेकस्समाणे २ विहरइ ॥५१॥ तए णं
से जियसत्तुराया अण्णया कयाइ महत्थं जाव पाहुडं सजेइ २ ता चित्तं सारहिं
महावेइ २ ता एवं वयासी—“गच्छाहि णं तुमं चित्ता ! सेयवियं णयरिं । पएसिस्स
रणो इमं महत्थं जाव पाहुडं उवणेहिं, मम पाउमं च णं जहाम्णिंयं अविताहम-
संदिद्धं वयणं विण्णवेहिं” त्तिकदट्ट विसजिए । तए णं से चित्ते सारही जियसत्तुणा
रण्णा विसजिए समाणे तं महत्थं जाव गिण्हइ जाव जियसत्तुस्स रण्णो अंतियाओ
पडिणिकवमइ २ ता सावत्थीणयरिए मज्झिमज्झेणं गिग्गच्छइ २ ता जेणेव रायमग्ग-
मोगाढे आवासे तेणेव उवागच्छइ २ ता तं महत्थं जाव ठवेइ, ण्हाए जाव सरीरे
सकोरेंट” छत्तेणं” पायचारविहारेणं महया पुरिसवभुरापरिविस्सत्ते रायमग्ग-
मोगाढाओ आवासाओ गिग्गच्छइ २ ता सावत्थीणयरिए मज्झिमज्झेणं गिग्गच्छइ
२ ता जेणेव कोट्टए चेइए जेणेव केसीकुमारसमाणे तेणेव उवागच्छइ २ ता केसि-
कुमारसमणस्स अंतिए धम्मं सोच्चा जाव हट्ट” जाव एवं वयासी—“एवं खलु अहं
भंते ! जियसत्तुणा रण्णा पएसिस्स रण्णो इमं महत्थं जाव उवणेहित्तिकदट्ट विस-
जिए । तं गच्छामि णं अहं भंते ! सेयवियं णयरिं । पासदाया णं भंते ! सेयविया
णयरिं । दरिसणिज्जा णं भंते ! सेयविया णयरिं । अभिरूद्धा णं भंते ! सेयविया
णयरिं । पडिरूद्धा णं भंते ! सेयविया णयरिं । समोसरह णं भंते ! तुब्भे सेयवियं
णयरिं” । तए णं से केसी कुमारसमाणे चित्तेणं सारहिणा एवं वुत्ते समाणे चित्तस्स
सारहिस्स एयमट्ठं णो आटाइ णो परिजाणाइ, तुसिणीए संचिद्धइ । तए णं से

चित्ते सारही केसि कुमारसमणं दोच्चं पि तच्चं पि एवं वयासी—“एवं खलु अहं भंते ! जियसत्तुणा रण्णा पएसिस्स रण्णो इमं महत्थं जाव विसजिए तं चेव जाव समोसरह णं भंते ! तुब्भे सेयवियं णयरिं” । तए णं केसी कुमारसमणे चित्तेण सारहिणा दोच्चं पि तच्चं पि एवं कुत्ते समाणे चित्तं सारहिं एवं वयासी—“चित्ता ! से जहाणामए वणसंडे सिया किण्हे किण्होभासे जाव पडिरुवे । से णूणं चित्ता ! से वणसंडे बहूणं दुपयच्चउपयमियपसुपक्खिसिरीसिवाणं अभिगमणिजे ?” हंता अभिगमणिजे” । तंसि च णं चित्ता ! वणसंडेसि बहवे मिलुंगा णाम पावसउणा परिवसंति जे णं तेसिं बहूणं दुपयच्चउपयमियपसुपक्खिसिरीसिवाणं ठियाणं चेव मंसोणिणं आहारंति । से णूणं चित्ता ! से वणसंडे तेसिं णं बहूणं दुपय जाव सिरीसिवाणं अभिगमणिजे ?” “णो” ति । “कम्हा णं ?” “भंते ! सोवसगो ।” “एवामेव चित्ता ! तुब्भं पि सेयवियाए णयरीए पएसी णामं रावा परिवसइ अहमिए जाव णो सम्मं करभरवित्तिं पवत्तेइ । तं कहं णं अहं चित्ता ! सेयवियाए णयरीए समोसरिस्सामि ?” । तए णं से चित्ते सारही केसि कुमारसमणं एवं वयासी—“किं णं भंते ! तुब्भं पएसिणा रण्णा कायव्वं ? अत्थि णं भंते ! सेयवियाए णयरीए अण्णे बहवे ईसरतल्लवर जाव सत्थवाहप्पमिइओ जे णं देवाणुप्पियं वंदिस्संति जाव पञ्जुवासिस्संति, विउल्ल असणं पाणं खाइमं साइमं पडिल्लामेस्संति, पाडिहारिएण पीढफल्लसेजासंथारेणं उवणिमंतिस्संति ।” तए णं से केसी कुमारसमणे चित्तं सारहिं एवं वयासी—“अवि याइ चित्ता ! समोसरिस्सामो” ॥५२॥ तए णं से चित्ते सारही केसि कुमारसमणं बंदइ णमंसइ वं० २ त्ता केसिस्स कुमारसमणस्स अंतियाओ कोट्टयाओ चेइयाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणेव सायथी णयरी जेणेव रायमग्गामोगाडे आवासे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कोट्टुम्वियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—“खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! चाउग्यंठं आसरहं जुत्तामेव उवट्ठवेइ” । जहा सेयवियाए णयरीए णिग्गच्छइ तहेव जाव वसमाणे कुणालाज्जणवयस्स मज्झमज्झेणं जेणेव केइयअट्ठे जणवए जेणेव सेयविया णयरी जेणेव मियवणे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता उज्जाणपालए सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—“जया णं देवाणुप्पिया ! पासावच्चिज्जे केसी णाम कुमारसमणे पुव्वाणुपुब्बि चरमाणे गामाणुगामं दूइजमाणे इहमागच्छिजा, तया णं तुब्भे देवाणुप्पिया ! केसि कुमारसमणं वंदिजाइ णमंसिजाह वं० २ त्ता अहापडिरुवं उग्गहं अणुजाणेजाह

२ ता पाडिहारिएणं पीढफल्हा जाव उवणिमंतेजाह, एयमाणत्तियं खिप्पामेव पच्चप्पिगेजाह” । तए णं ते उज्जाणपालया चित्तेण सारहिणा एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठ जाव हियया करयलपरिमाहियं जाव एवं वयासी—“तह” त्ति आणाए विणएणं जेव वयणं पडिसुणंति ॥ ५३ ॥ तए णं से चित्ते सारही जेणेव सेयविया णयरी तेणेव उवागच्छइ २ ता सेयवियाए णयरीए मज्झंमज्जेणं अणुपविसइ २ ता जेणेव पएसिस्स रण्णो गिहे जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छइ २ ता तुरए णिगिण्हइ २ ता रहं ठवेइ २ ता रहाओ पच्चोरुहइ २ ता तं महत्थं जाव गेण्हइ २ ता जेणेव पएसी राया तेणेव उवागच्छइ २ ता पएसि रायं करयल जाव वद्धावेत्ता तं महत्थं जाव उवणंइ । तए णं से पएसी राया चित्तस्स सारहिस्स तं महत्थं जाव पडिच्छइ २ ता चित्ते सारहिं सक्कारेइ संमाणेइ स० २ ता पडिवि-सजेइ । तए णं से चित्ते सारही पएसिणा रण्णा विसजिए समाणे हट्ठ जाव हियए पएसिस्स रण्णो अंतियाओ पडिणिक्खमइ २ ता जेणेव चाउगंधे आसरहे तेणेव उवागच्छइ २ ता चाउगंधं आसरहं तुरुहइ २ ता सेयवियाए णयरीए मज्झं-मज्जेणं जेणेव सए गेहे तेणेव उवागच्छइ २ ता तुरए णिगिण्हइ २ ता रहं ठवेइ २ ता रहाओ पच्चोरुहइ २ ता ण्हाए जाव उगि पासायधरणए पुट्टमाणेहिं मुइल्लमत्थएहिं वत्तीसइयदएहिं णाडएहिं वरतरुणांसंपउत्तेहिं उवणच्चिजमाणे २ उवगाइजमाणे २ उवगालिजमाणे २ इट्ठे सदफरिस जाव विहरइ ॥५४॥ तए णं केसीकुमारसमणे अण्णया कंयाइं पाडिहारियं पीढफल्हसेजासंधारणं पच्चप्पिणइ २ ता सावत्थीओ णयरीओ कोट्टगाओ चेइयाओ पडिणिक्खमइ २ ता पच्चहिं अण-गारसएहिं जाव विहरमाणे जेणेव केइयअद्धे जणवए जेणेव सेयविया णयरी जेणेव मियवणे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ ता अहापडिरूवं उगहं उगिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥५५॥ तए णं सेयवियाए णयरीए सिंघाडग” महया जणसहे इ वा”परिसा णिग्गच्छइ । तए णं ते उज्जाणपालया इमीसे कहाए लद्धट्ठा समाणा हट्ठतुट्ठ जाव हियया जेणेव केसी कुमारसमणे तेणेव उवागच्छंति २ ता केसि कुमारसमणं धंदंति णमंसंति व० २ ता अहापडिरूवं उगहं अणुजाणंति० पाडिहारिएणं जाव संधारणं उवणिमंतंति० णामं गोयं पुच्छंति० ओधारंति० एगंतं अवकमंति २ ता अण्णमण्णं एवं वयासी—“जस्स णं देवाणुप्पिया ! चित्ते सारही दंसणं कंखइ दंसणं पत्थेइ दंसणं पीहेइ दंसणं अभिलसइ जस्स णं णामगो-

यस्स वि सवणयाए हट्टुट्ठ जाव हियए भयइ से णं एस केसी कुमारसमणे पुब्बाणु-
 पुञ्जि चरमाणे गामाणुगामं वूइजमाणे इहमाणे इह संपत्ते इह समोसडे इहेव
 सेयवियाए णयरीए बहिया मियवणे उज्जाणे अहापडिरूवं जाव विहरइ । तं गच्छामो
 णं देवाणुप्पिया ! चित्तस्स सारहिस्स एयमट्ठं पियं णिवेएमो, पियं से भवउ” ।
 अणमणस्स अंतिए एयमट्ठं पडिसुणंति २ ता जेणेव सेयविया णयरी जेणेव
 चित्तस्स सारहिस्स गिहे जेणेव चित्ते सारही तेणेव उवागच्छंति २ ता चित्तं सारहिं
 करयल जाव वट्ठावेति २ ता एवं वयासी—“जस्स णं देवाणुप्पिया ! दंसणं कंखति
 जाव अभिलसंति, जस्स णं णामगोयस्स वि सवणयाए हट्ट जाव भवइ, से णं अयं
 पासायच्चिजे केसी कुमारसमणे पुब्बाणुपुञ्जि चरमाणे” जाव समोसडे जाव
 विहरइ ॥५६॥ तए णं से चित्ते सारही तेसिं उज्जाणपालमाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा
 णिसम्म हट्टुट्ठ जाव आसणाओ अब्भुट्ठेइ, पायपीढाओ पच्चोरुहइ रत्ता पाउयाओ
 ओमुयइ २ ता एगसाडियं उत्तरासंगं करेइ, अञ्जलिमउलियगाहत्थे केसि कुमारसम-
 णामिमुहे सत्तट्ठ पयाइ अणुगच्छइ २ ता करयलपरिग्राहियं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं
 कट्ठु एवं वयासी—“णमोऽयु णं अरहंताणं जाव संपत्ताणं । णमोऽयु णं केसिस्स कुमा-
 रसमणस्स मम धम्मायरियस्स धम्मोवएसगस्स, वंदामि णं भगवंतं तत्थगयं इह-
 गाए पासउ मे” त्तिकट्ठु वंदइ णमंसइ । ते उज्जाणपालए विउल्लं वरथगंधमह्जाल-
 कारेणं सक्कारेइ संमाणेइ विउल्लं जीवियारिहं पीइदाणं दलयइ रत्ता पडिविसजेइ रत्ता
 कोडुम्बियपुरिसे सद्दावेइ २ ता एवं वयासी—“खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! चाउ-
 धंटे आसरहं जुत्तामेव उवट्ठवेह जाव पच्चप्पिणह” । तए णं ते कोडुम्बियपुरिसा
 जाव खिप्पामेव सच्छत्तं सज्जयं जाव उवट्ठवित्ता तमाणत्तियं पच्चप्पिणंति । तए णं
 से चित्ते सारही कोडुम्बियपुरिसाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्टुट्ठ जाव हियए
 ण्हाए कयवलिकम्मे जाव सरीरे जेणेव चाउधंटे जाव दुरुहिता सक्कोरंट” महया
 भडच्चडगरेणं तं चेव जाव पज्जुवासइ धम्मकहा जाव । तए णं से चित्ते सारही
 केसिस्स कुमारसमणस्स अंतिए धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्टुट्ठ० तहेव एवं वयासी—
 “एवं खलु भंते ! अहं पाएसी राया अबम्मिए जाव सयस्स वि णं जण-
 वयस्स णो सम्मं करभरवित्तिं पवत्तेइ । तं जइ णं देवाणुप्पिया ! पएसिस्स रण्णे
 धम्ममाइक्खेज्जा बहुगुणतरं खलु होज्जा पएसिस्स रण्णे तेसिं च बहूणं दुप्पयचउप्पय-
 मियपसुपक्खिसिरीसिवाणं तेसिं च बहूणं समणमाइणमिक्खुयाणं, तं जइ णं

देवाणुप्पिया !” पएसिस्स बहुगुणतरं होञ्जा सयस्स वि य णं जणवयस्स” ॥५७॥
तए णं केसी कुमारस्समणे चित्तं सारहिं एवं वयासी—“एवं खलु चउहिं ठाणेहिं
चित्ता ! जीवे केवलपण्णत्तं धम्मं णो लभेज्जा सवणयाए । तं जहा—आरामगयं वा
उज्जाणगयं वा समणं वा माहणं वा णो अभिगच्छइ णो वंदइ णो णमंसइ णो सक्करेइ
णो ममाणेइ णो कल्लाणं मंगअं देवयं चेइयं पज्जुवासेइ, णो अट्ठाई हेऊइ पसिणाई
कारणाई वागरणाई पुच्छइ, एएणं ठाणेणं चित्ता ! जीवे केवलपण्णत्तं धम्मं
णो लभइ सवणयाए १ । उवस्सयगयं समणं वा तं चेव जाव एएण वि ठाणेणं
चित्ता ! जीवे केवलपण्णत्तं धम्मं णो लभइ सवणयाए २ । गोयरग्गयं समणं वा
माहणं वा जाव णो पज्जुवासइ, णो विउलेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेइ,
णो अट्ठाई जाव पुच्छइ, एएणं ठाणेणं चित्ता ! जीवे केवलपण्णत्तं धम्मं णो लभइ
सवणयाए ३ । जत्थ वि य णं समणेण वा माहणेण वा सद्धिं अभिसमागच्छइ,
तत्थ वि य णं हत्थेण वा वत्थेण वा छत्तेण वा अप्पाणं आवरित्ता चिट्ठइ, णो अट्ठाई
जाव पुच्छइ, एएण वि ठाणेणं चित्ता ! जीवे केवलपण्णत्तं धम्मं णो लभइ सवण-
याए ४ । एएहिं च णं चित्ता ! चउहिं ठाणेहिं जीवे केवलपण्णत्तं धम्मं णो लभइ
सवणयाए ॥ चउहिं ठाणेहिं चित्ता ! जीवे केवलपण्णत्तं धम्मं लभइ सवणयाए ।
तं जहा—आरामगयं वा उज्जाणगयं वा समणं वा माहणं वा वंदइ णमंसइ जाव
पज्जुवासइ अट्ठाई जाव पुच्छइ, एएण वि जाव लभइ सवणयाए । एवं उवस्सयगयं
गोयरग्गयं समणं वा जाव पज्जुवासइ विउलेणं जाव पडिलाभेइ अट्ठाई जाव पुच्छइ,
एएण वि ठाणेणं जाव सवणयाए । जत्थ वि य णं समणेण वा माहणेण वा अभि-
समागच्छइ तत्थ वि य णं णो हत्थेण वा जाव आवरेत्ताणं चिट्ठइ, एएण वि ठाणेणं
चित्ता ! जीवे केवलपण्णत्तं धम्मं लभइ सवणयाए । तुज्झं च णं चित्ता ! पएसि
राया आरामगयं वा तं चेव सव्वं भाणियव्वं आइल्लएणं गमएणं जाव अप्पाणं आव-
रेत्ता चिट्ठइ । तं कहं णं चित्ता ! पएसिस्स रण्णो धम्ममाइक्खस्सामो ?” । तए
णं से चित्ते सारही केसिं कुमारस्समणं एवं वयासी—“एवं खलु भंते ! अण्णया कयाइ
कम्भोएहिं चत्तारिं आसा उवणवं उवणीया, ते मए पएसिस्स रण्णो अण्णया चेव
उवणीया । तं एएणं खलु भंते ! कारणेणं अहं पएसिं रायं देवाणुप्पियाणं अंतिए
हत्थेणस्सामो, तं मा णं देवाणुप्पिया ! तुब्भे पएसिस्स रण्णो धम्ममाइक्खमाणा
गिलाएजाह । अगिलाए णं भंते ! तुब्भे पएसिस्स रण्णो धम्ममाइक्खेजाह, छंदेणं

भते ! तुम्हे पएसिस्स रण्णो धम्ममाइक्खेज्जाह” । तए णं से केसी कुमारसमणे चित्तं सारहिं एवं वयासी—“अवि याइ चित्ता ! जाणिस्सामो” । तए णं से चित्ते सारही केसिं कुमारसमणं वंदइ णमंसइ वं० २ ता जेणेव चाउखंटे आसरहे तेणेव उवागच्छइ २ ता चाउखंटं आसरहं दुरुहइ, जामेव दिसिं पाउभूए तामेव दिसिं पडिगए ॥५८॥ तए णं से चित्ते सारही कल्ल पाउप्पभायाए रयणीए फुल्लप्पल-कमल्लकमल्लुम्मिलियम्मि अहापंदुरे पभाए कवणियमावस्सए सहस्सरस्सिम्मि दिण-यरे तेयसा जलंते साओ गिहाओ णिग्गच्छइ २ ता जेणेव पएसिस्स रण्णो गिहे जेणेव पएसी राया तेणेव उवागच्छइ २ ता पएसिं राय करयल जाव कददु जएणं विजएणं बद्धवेइ २ ता एवं वयासी—“एवं खलु देवाणुणिययाणं कम्मोएहिं चत्तारि आसा उवणयं उवणीया । ते य मए देवाणुणियाणं अण्णया चेव विणइया । तं एह णं सामी ! ते आसे चिद्वं पासह” । तए णं से पएसी राया चित्तं सारहिं एवं वयासी—“गच्छाहि णं तुमं चित्ता ! तेहिं चेव चउहिं आसेहिं आसरहं जुत्तामेव उवट्ठवेहिं जाव पच्चप्पिणाहि” । तए णं से चित्ते सारही पएसिणा रण्णा एवं जुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठ जाव हियए० उवट्ठवेइ २ ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणइ । तए णं से पएसी राया विसस्स सारहिस्स अंतिए एयमद्वं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठ जाव अप-महग्घाभरणालंक्रियसरीरे साओ गिहाओ णिग्गच्छइ २ ता जेणामेव चाउखंटे आस-रहे तेणामेव उवागच्छइ २ ता चाउखंटं आसरहं दुरुहइ २ ता सेयवियाए णय-रीए मज्झमज्जेणं णिग्गच्छइ । तए णं से चित्ते सारही तं रहं णेगाइं जोयणाइं उब्भामेइ । तए णं से पएसी राया उण्हेण य तण्हाए य रहवाएणं परिकिलंते समाणे चित्तं सारहिं एवं वयासी—“चित्ता ! परिकिलंते मे सरीरे तं परावत्तेहि रहं” । तए णं से चित्ते सारही रहं परावत्तेइ २ ता जेणेव मियवणे उज्जाणे तेणेव उवा-गच्छइ २ ता पएसिं रायं एवं वयासी—“एस णं सामी ! मियवणे उज्जाणे, एत्थ णं आसाणं समं किलामं सम्मं अवणेमो !” तए णं से पएसी राया चित्तं सारहिं एवं वयासी—“एवं होउ चित्ता !” । तए णं से चित्ते सारही जेणेव मियवणे उज्जाणे जेणेव केसिस्स कुमारसमणस्स अदूरसामंते तेणेव उवागच्छइ २ ता तुरए णिगिण्हेइ २ ता रहं ठवेइ २ ता रहाओ पच्चोरुहइ २ ता तुरए मोएइ २ ता पएसिं रायं एवं वयासी—“एह णं सामी ! आसाणं समं किलामं सम्मं अवणेमो !” तए णं से पएसी राया रहाओ पच्चोरुहइ, चित्तेण सारहिणा सद्धिं आसाणं समं किलामं सम्मं

अवणेमाणे पासइ जत्थ केसी कुमारसमणे महइमहालियाए महच्चपरिसाए मज्झगाए
महया २ सदेणं धम्ममाइक्खमाणं पासित्ता इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्प-
जित्था—“जड्ढा खलु भो जइडं पज्जुवासंति, मुण्डा खलु भो मुण्डं पज्जुवासंति, मूढा
खलु भो मूढं पज्जुवासंति, अपण्डिया खलु भो अपण्डियं पज्जुवासंति, णिविण्णाणा
खलु भो णिविण्णाणं पज्जुवासंति । से केस णं एस पुरिसे अइडे मुण्डे मूढे अप-
डिए णिविण्णाणे सिरीए हिरीए उवगए उत्तप्पसरीरे । एस णं पुरिसे किमाहार-
माहारेइ किं परिणामेइ किं खाइ किं पियइ किं दलइ किं पयच्छइ, जे णं
एमहालियाए मणुत्सपरिसाए मज्झगाए महया २ सदेणं बुयाए ?” एवं संपेहेइ २
त्ता चित्तं सारहिं एवं वयासी—“चित्ता ! जड्ढा खलु भो जइडं पज्जुवासंति जाव
बुयाए । साए वि य णं उज्जाणभूमीए णो संच्राएमि सम्मं पक्कमं पवियरित्तए ।”
तए णं से चित्ते सारही पएसीरायं एवं वयासी—“एस णं सामी ! पासवच्चिजे
केसी णामं कुमारसमणे जाइसंपण्णे जाव चउणाणोवगए आहोहिए अण्णजीवी !”
तए णं से पएसी राया चित्तं सारहिं एवं वयासी—“आहोहियं णं वयासि चित्ता !
अण्णजीवियं च णं वयासि चित्ता ?” “हत्ता ! सामी ! आहोहियं णं वयामि अण्ण-
जीवियं च णं वयामि ।” “अभिगमणिजे णं चित्ता ! अहं एस पुरिसे ?” हंता सामी !
अभिगमणिजे ।” अभिगच्छामो णं चित्ता ! अहं एयं पुरिसं ?” “हंता सामी !
अभिगच्छामो” ॥ ५९ ॥ तए णं से पएसी राया चित्तेण सारहिणा सद्धिं जेणेव
केसी कुमारसमणे तेणेव उवगच्छइ २ त्ता केसिस्स कुमारसमणस्स अदूरसामंते
ठिच्चा एवं वयासी—“तुब्भे णं भंते ! आहोहिया अण्णजीविया ?” । तए णं केसी
कुमारसमणे पएसिं रायं एवं वयासी—“पएसी ! से जहाणामए अंकवाणिया इ वा
संखवाणिया इ वा दंतवाणिया इ वा मणिवाणिया इ वा सुकं भंसेउकामा णो सम्मं
पयं पुच्छति एवामेव पएसी ! तु० विणयं भंसेउकामो णो सम्मं पुच्छसि । से णूणं
तव पएसी ! ममं पासित्ता अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पजित्था—“जड्ढा खलु
भो जइडं पज्जुवासंति जाव पवियरित्तए ।” से णूणं पएसी ! एस अट्ठे समट्ठे ?”
“हंता अत्थि” ॥ तए णं से पएसी राया केसिं कुमारसमणं एवं वयासी—“से
के णं भंते ! तुज्जे णाणे वा दंसणे वा जेणं तुज्जे मम एयारूवं अज्झत्थियं जाव
संकपं समुप्पण्णं जाणह पासह ?” तए णं से केसी कुमारसमणे पएसिं रायं एवं
वयासी—“एवं खलु पएसी ! अहं समणाणं णियंथाणं पच्चविहे णाणे प०, तं

जहा—आभिणिशोहियणाणे सुयणाणे ओहिणाणे मणपज्जवणाणे केवलणाणे । से किं तं आभिणिशोहियणाणे ? आभिणिशोहियणाणे चउव्विहे पणत्ते, तं जहा—उग्गहो ईहा अवाए धारणा । से किं तं उग्गहे ? उग्गहे दुविहे पणत्ते जहा णंदीए जाव से सं धारणा, से सं आभिणिशोहियणाणे । से किं तं सुयणाणे ? सुयणाणे दुविहे प० तं जहा—अङ्गपविट्टं च अङ्गवाहिरं च, सव्वं भाणियव्वं जाव दिट्ठिवाओ । ओहिणाणं भवपच्चइयं खओवसमियं जहा णंदीए । मणपज्जवणाणे दुविहे प०, तं जहा—उज्जुनई य विउलमई य । तहेव केवलणाणं सव्वं भाणियव्वं । तत्थ णं जे से आभिणि-बोहियणाणे से णं ममं अत्थि । तत्थ णं जे से सुयणाणे से वि य ममं अत्थि । तत्थ णं जे से ओहिणाणे से वि य ममं अत्थि । तत्थ णं जे से मणपज्जवणाणे से वि य ममं अत्थि । तत्थ णं जे से केवलणाणे से णं ममं अत्थि, से णं अरिहंताणं भगव-ताणं । इच्चेएणं पएसी ! अहं तव चउव्विहेणं छउमत्थेणं णाणेणं इमेयारुखं अत्थ-त्थियं जाव समुत्पणं जाणामि पासामि” ॥ ६० ॥ तए णं से पएसी राया केसिं कुमारसमणं एवं वयासी—“अहं णं भंते ! इहं उवविसामि ?” “पएसी ! एसाए उजाणभूमीए तुमं सि चेव जाणए ।” तए णं से पएसी राया चित्तेणं सारहिणा सद्धिं केसिस्स कुमारसमणस्स अदूरसामंते उवविसइ २०त्ता केसिं कुमारसमणं एवं वयासी—“तुमं णं भंते ! समणाणं णिग्गंथाणं एसा सण्णा एसा पइण्णा एसा दिट्ठी एसा रुई एस हेऊ एस उवएससे एस संकप्पे एसा तुला एस माणे एस पमाणे एस समोसरणे जहा अण्णो जीवो अण्णं सरीरं णो तं जीवो तं सरीरं ?” तए णं केसी कुमारसमणे पएसिं रायं एवं वयासी—“पएसी ! अहं समणाणं णिग्गंथाणं एसा सण्णा जाव एस समोसरणे जहा अण्णो जीवो अण्णं सरीरं णो तं जीवो तं सरीरं ।” तए णं से पएसी राया केसिं कुमारसमणं एवं वयासी—“जइ णं भंते ! तुमं समणाणं णिग्गंथाणं एसा सण्णा जाव समोसरणे जहा अण्णो जीवो अण्णं सरीरं णो तं जीवो तं सरीरं । एवं खलु ममं अजए होत्था, इहेव जम्भुद्दीवे दीवे सेयवियाए णयरीए अधम्मिए जाव सयस्स वि य णं जणवयस्स णो सम्मं करभरवित्तिं पवत्तेइ । से णं तुमं वत्तव्याए सुवहुं पावं कम्मं कलिकलुसं समज्जिणित्ता कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु णरएसु णेरइयत्ताए उववण्णे । तस्स णं अज्जगस्स अहं णसुए होत्था इद्धे कंते पिए मणुण्णे मणामे थेजे वेसासिए संमए बहुमए अणुमए रयणकरण्डग-समाणे जीविउस्सविए हिययणंदिजण्णे उम्भरपुष्पं पिव दुल्लभे सवणयाए, किमंग

पुण पासणयाए ? तं जइ णं से अजए मम आगंतुं वएज्जा—‘एवं खलु गत्तुया ! अहं तव अजए होत्था, इहेव सेयवियाए णयरीए अधम्मिए जाव णो सम्मं करभरवित्तिं पवत्तेमि । तए णं अहं सुवहुं पावं कम्मं कलिकलुसं समजिणित्ता जाव गरएसु उववण्णे । तं मा णं गत्तुया ! तुमं पि भवाहि अधम्मिए जाव णो सम्मं करभरवित्तिं पवत्तेहि । मा णं तुमं पि एवं चेव सुवहुं पावकम्मं जाव उववज्जिहिस्सि ।’ तं जइ णं से अजए मम आगंतुं एवं वएज्जा तो णं अहं सद्वहेज्जा पत्तिएज्जा रोएज्जा जहा अण्णो जीवो अण्णं सररीरं गो तं जीवो तं सररीरं । जम्हा णं से अजए मम आगंतुं गो एवं वयासी तम्हा सुपइट्ठिया मम पइण्णा समणाउसो ! जहा तं जीवो तं सररीरं । तए णं केसी कुमारसमणे पएसिं रायं एवं वयासी—“अत्थि णं पएसी ! तव सूरिय-कंता णामं देवी ?” “हंता अत्थि” । “जइ णं तुमं पएसी ! तं सूरियकंते देविं ण्हायं कयवलिकम्मं कयकोउयमंगलपायच्छित्तं सव्वालंकारविभूसियं केणइ पुरिसेणं ण्हाएणं जाव सव्वालंकारविभूसिएणं सद्धिं इट्ठे सदफरिसरसरुवगंधे पंचविहे माणुस्सए कामभोगे पच्चणुभवमाणं प्रासिज्जस्सि, तस्स णं तुमं पएसी ! पुरिसस्स कं उट्ठं णिव्वत्तेज्जासि ?” “अहं णं भंते ! तं पुरिसं हत्थच्छिण्णं वा पायच्छिण्णं वा सूलाइयं वा गूलमिण्णं वा एगाहच्चं कूडाहच्चं जीवियाओ ववरोवएज्जा” । “अहं णं पएसी ! ते पुरिसे तुमं एवं वएज्जा—‘मा ताव मे सामी ! सुमुहुत्तं हत्थच्छिण्णं वा जाव जीवियाओ ववरोवेहि जाव तावाहं मित्तणाइणियगसयणसंवेधिपरिजणं एवं वयामि—‘एवं खलु देवाणुप्पिया ! पावाइं कम्माइं समायरित्ता इमेयाखं आवइं पाविज्जामि, तं मा णं देवाणुप्पिया ! तुम्हे वि केइ भावाइं कम्माइं समायरउ, मा णं से वि एवं चेव आवइं पाविज्जिहिह जहा णं अहं’ । तस्स णं तुमं पएसी ! पुरिसस्स खणमवि एयमट्ठं पडिमुणेज्जासि ?” “णो इण्ठे समट्ठे” । “कम्हा णं ?” “जम्हा णं भंते ! अवराही णं से पुरिसे” । “एवामेव पएसी ! तव वि अजए होत्था इहेव सेयवियाए णयरीए अधम्मिए जाव णो सम्मं करभरवित्तिं पवत्तेइ । से णं अहं वत्तववाए सुवहुं जाव उववण्णो । तस्स णं अजगस्स तुमं गत्तुए होत्था इट्ठे कंते जाव पासणयाए । से णं इच्छइ माणुसं लोगं हव्वमाणच्छित्तए, णो चेव णं संचाएइ हव्वमाणच्छित्तए । चउहिं ठाणेहिं पएसी ! अहुणोववण्णए गरएसु णेरइए इच्छइ माणुसं लोगं हव्वमाणच्छित्तए, णो चेव णं संचाएइ अहुणोववण्णए गरएसु णेरइए० । से णं तत्थ महब्भूयं वेयणं वेएमाणे इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्व” णो चेव णं संचा-

इह...१। अहुणोववण्णए णरएसु णेरइए णरयपालेहिं भुज्जो २ समहिट्ठिज्जमाणे
इच्छइ माणुसं लोमं हव्वमागच्छित्तए णो चेव णं संचाएइ...२। अहुणोववण्णए
णरएसु णेरइए णिरयवेयणिजंसि कम्मसि अक्खीणंसि अवेइयंसि अणिज्जिणंसि
इच्छइ माणुसं लोमं...३। एवं णेरइए णिरयाउयंसि कम्मसि
अक्खीणंसि अवेइयंसि अणिज्जिणंसि इच्छइ माणुसं लोमं...४। एवं णेरइए
इच्छइ माणुसं लोमं...५। इच्छेएहिं चउहिं ठाणेहिं पएसी ! अहुणोववण्णे णरएसु णेर-
इए इच्छइ माणुसं लोमं...६। एवं णेरइए इच्छइ माणुसं लोमं...७। तं सद्दहाहि णं
पएसी ! जहा अण्णो जीवो अण्णं सरीरं णो तं जीवो तं सरीरं” ॥१॥६॥१॥ तए णं
से पएसी राया केसिं कुमारसमणे एवं वयासी—“अन्थि णं भंते ! एसा पण्णा उवमा,
इमेण पुण कारणेण णो उवागच्छइ एवं खलु भंते ! मम अज्जिया होत्था इहेव
सेयवियाए णयरीए भम्मिया जाव वित्तिं कप्पेमाणी समणोवासिया अभिगयजीवा
जीवा सन्नो वण्णओ जाव अण्णं भावेमाणी विहरइ । सा णं तुज्झं वत्तव्याए
सुबहुं पुण्णोवचयं समज्जिणित्ता कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु देवलोएसु देव-
त्ताए उववण्णा । तीसे णं अज्जियाए अहं णत्तुए होत्था इहे कंते जाव पासणयाए ।
तं जइ णं सा अज्जिया मम आगंतुं एवं वएज्जा—‘एवं खलु णत्तुया ! अहं तव
अज्जिया होत्था इहेव सेयवियाए णयरीए भम्मिया जाव वित्तिं कप्पेमाणी समणो-
वासिया जाव विहरामि । तए णं अहं सुबहुं पुण्णोवचयं समज्जिणित्ता जाव देव-
लोएसु उववण्णा । तं तुमं पि णत्तुया ! भवाहि भम्मिए जाव विहराहि । तए णं
तुमं पि एवं चेव सुबहुं पुण्णोवचयं समज्जिणित्ता जाव उववज्जिहिसि’ । तं जइ णं
सा अज्जिया मम आगंतुं एवं वएज्जा, तो णं अहं सद्देज्जा पत्तिएज्जा रोएज्जा जहा
अण्णो जीवो अण्णं सरीरं णो तं जीवो तं सरीरं । जम्हा सा अज्जिया मम
आगंतुं णो एवं वयासी तम्हा सुपइड्डिया मे पइण्णा जहा तं जीवो तं सरीरं णो
अण्णो जीवो अण्णं सरीरं” ॥ तए णं केसी कुमारसमणे पएसीरायं एवं वयासी—
“जइ णं तुमं पएसी ! ण्हायं कयबलिकम्मं कयकोउयमंगलपायच्छित्त उल्लपड-
साडगं भिज्जारकडुच्छुयहत्थगयं देवकुलमणुपविसमाणं केइ य पुरिसे वच्चरंसि
ठिच्चा एवं वएज्जा—‘एह ताव सामी ! इह मुहुत्तगं आसयह वा सयह वा चिद्धह वा
णिसीयह वा तुयट्ठह वा’ तस्स णं तुमं पएसी ! पुरिसस्स खणमसि एयमहं पडिस्सु-
णिज्जासि ?” “णो” ति० । “कम्हा णं ?” भंते ! असुइ २ सामंतो” । “एवामेव

पएसी ! तव वि अजिया होन्था इहेव संयविवाए णयरए धम्मिया जाव विहरइ । सा णं अमहं वत्तव्याए सुयहुं जाव उववण्णा, तीसे णं अजियाए तुमं णत्तुए होन्था इहे जाव किमङ्ग पुण पासणयाए । सा णं इच्छइ माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए, णो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए । चउहिं ठाणेहिं पएसी ! अहुणोववण्णे देव देवलोएसु इच्छेज्जा माणुसं लोगं... णो चेव णं संचाएइ० । अहुणोववण्णे देव देवलोएसु दिव्वेहिं कामभोगेहिं सुच्छिए गिद्धे गढिए अज्झोववण्णे, से णं माणुसे भोगे णो आढाइ णो पोरजाणाइ, से णं इच्छिज्जा माणुसं... णो चेव णं संचाएइ... १ । अहुणोववण्णए देव देवलोएसु दिव्वेहिं कामभोगेहिं सुच्छिए जाव अज्झोववण्णे, तस्स णं माणुस्से पेम्मे वोच्छिण्णए भवइ, दिव्वे पेम्मे संकंते भवइ, से णं इच्छेज्जा माणुसं... णो चेव णं संचाएइ... २ । अहुणोववण्णे देव दिव्वेहिं कामभोगेहिं सुच्छिए जाव अज्झोववण्णे, तस्स णं एवं भवइ-इयाणि गच्छं मुहुत्तं गच्छं जाव इह अप्पाउया णरा कालधम्मणा संजुत्ता भवन्ति, से णं इच्छेज्जा माणुसं... णो चेव णं संचाएइ... ३ । अहुणोववण्णे देव दिव्वेहिं जाव अज्झोववण्णे तस्स माणुस्सए उराले दुग्गंधे पडिकूले पडिलोमे भवइ, उडुढं पि य णं चत्तारि पत्र जोयणसयाइ असुभे माणुस्सए गंधे अभिसमा-गच्छइ, से णं इच्छेज्जा माणुसं... णो चेव णं संचाएइ... ४ । इच्चेएहिं चउहिं ठाणेहिं पएसी ! अहुणोववण्णे देव देवलोएसु इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए, णो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए । तं सहहाहिं णं तुमं पएसी ! जहा अण्णो जीवो अण्णं सरोरं णो तं जीवो तं सरोरं” ॥ २॥ ६२ ॥ तए णं से पएसी राया केसिं कुमार-तमणं एवं वयासी-“अन्थि णं भंते ! एसा पेण्णा उवमा । इमेणं पुण कारणेणं णो उवागच्छइ । एवं खलु भंते ! अहं अण्णया कयाइ बाहिरियाए उवद्धानसालाए अग्रेगगणणायगदण्डणायगराईसरतलवरमाइंबियकोहुभियइम्मसेट्टिसेणावइसन्धवाह-मंतिमहामंतिगणगदोवारियअमच्चचेडपीढमहणगरणिगमदूयसंधिवालेहिं सद्धिं संपरि-वुडे विहरामि । तए णं मम णगरगुत्तिया ससक्खं सल्लोहं सगेवेज्जं अवओडयबंधण-वद्धं चोरं उवण्णंति । तए णं अहं तं पुरिसं जीवंते चेव अउकुम्भीए पक्खिवावेमि, अउमएणं पिहाणएणं पिहावेमि, अएण य तउएण य आयावेमि, आयपच्चइयएहिं पुरिसेहिं रक्खावेमि । तए णं अहं अण्णया कयाइ जेणामेव सा अउकुम्भी तेणामेव उवागच्छामि २ ता तं अउकुम्भि उगलच्छावेमि २ ता तं पुरिसं सयमेव पासामि । णो चेव णं तीसे अउकुम्भीए केइ छिड्डे इ वा विवरे इ वा अंतरे इ वा राई

वा जओ णं से जीवे अंतोहितो बहिया णिम्माए । जइ णं भंते ! तीसे अउकुम्भीए होजा केइ छिड्डे वा जाव राई वा जओ णं से जीवे अंतोहितो बहिया णिम्माए तो णं अहं सद्देहजा पत्तिएजा रोएजा जहा अण्णो जीवो अण्णं सरीरं णो तं जीवो तं सरीरं, जम्हा णं भंते ! तीसे अउकुम्भीए णत्थि केइ छिड्डे वा जाव णिम्माए तम्हा सुपइट्ठिया मे पइण्णा जहा तं जीवो तं सरीरं णो अण्णो जीवो अण्णं सरीरं ।” तए णं केसी कुमारसमणे पएसिं रायं एवं वयासी—“पएसी ! से जहाणामए कुडा-गारसाला सिया दुहओल्लिता गुत्ता गुत्तदुवारा णिवायगम्भीरा, अहं णं केइ पुरिसे भेरिं च दण्डं च गहाय कूडागारसालाए अंतो २ अणुपविसइ २ ता तीसे कूडागार-सालाए सब्बओ समंता घणणिच्चियणिरसंगणिच्छिड्डाहं दुवारवयणाइं पिहेइ, तीसे कूडागारसालाए बहुमज्झदेसमाए ठिच्चा तं भेरिं दण्डएणं महया २ सहेणं तालेजा । से णूणं पएसी ! से सदे णं अंतोहितो बहिया णिम्माच्छइ ?” “हंता णिम्माच्छइ ।” “अत्थि णं पएसी ! तीसे कूडागारसालाए केइ छिड्डे वा जाव राई वा जओ णं से सदे अंतोहितो बहिया णिम्माए ?” णो इण्डे समद्वे ।” “एवामेव पएसी ! जीवे वि अप्पडिहयगई पुट्ठिं भिच्चा सिलं भिच्चा पव्वयं भिच्चा अंतोहितो बहिया णिम्माच्छइ, तं सद्देहाहिं णं तुमं पएसी ! अण्णो जीवो—“तं चेव” ॥ ३ ॥ ६३ ॥ तए णं पएसी राया केसिं कुमारसमणं एवं वयासी—अत्थि णं भंते ! एसा पण्णा उवमा, इमेण पुण कारणेणं णो उवागच्छइ । एवं खलु भंते ! अहं अण्णया कयाइ बाहिरियाए उवट्ठाणसालाए जावं विहरामि । तए णं ममं णगरगुत्तिया ससक्खं जाव उवणंति । तए णं अहं तं पुरिसं जीवियाओ ववरोवेमि २ ता अओकुम्भीए पक्खि-वावेमि २ ता अउमएणं पिहाणएणं पिहावेमि जाव पच्चइएहिं पुरिसेहिं रक्खावेमि । तए णं अहं अण्णया कयाइ जेणेव सा कुम्भी तेणेव उवागच्छामि रत्ता तं अउकुम्भि उमालच्छावेमि । तं अउकुम्भि किमिकुम्भि पिव पासामि, णो चेव णं तीसे अउकुम्भीए केइ छिड्डे वा जाव राई वा जओ णं ते जीवा बहियाहितो अंतो अणुपविट्ठा । जइ णं तीसे अउकुम्भीए होजा केइ छिड्डे वा जाव अणुपविट्ठा, तो णं अहं सद्देहजा जहा अण्णो जीवो तं चेव । जम्हा णं तीसे अउकुम्भीए णत्थि केइ छिड्डे वा जाव अणुपविट्ठा तम्हा सुपइट्ठिया मे पइण्णा जहा तं जीवो तं सरीरं तं चेव ।” तए णं केसी कुमारसमणे पएसिं रायं एवं वयासी—“अत्थि णं तुमं पएसी ! कयाइ अए धंतपुव्वे वा धमावियपुव्वे वा ?” “हंता अत्थि ।” “से णूणं पएसी ! अए धंते

समाणे सव्वे अगणिपरिणए भवइ ?” “हंता भवइ ।” “अत्थि णं पएसी ! तस्स अयस्स केइ छिड्डे वा० जाव राई वा जेणं से जोई बहियाहिंतो अंतो अणुपविट्ठे ?” “णो इण्ठे समट्ठे ।” “एवामेव पएसी ! जीवो वि अप्पडिहयगई पुट्ठवि भिच्चा सिंलं भिच्चा पव्वयं भिच्चा बहियाहिंतो अंतो अणुपविसइ । तं सदहाहि णं तुमं पएसी !” “तदेव” ॥४॥ ६४ ॥ तए णं पएसी राया केसिं कुमारसमणे एवं वयासी—“अत्थि णं भंते ! एसा पण्णा उवमा । इमेण पुण मे कारणेणं णो उवागच्छइ । भंते ! से जहाणामए केइ पुरिसे तरुणे जाव० सिण्णोवगए पभू पञ्चकण्डगं णिसिरित्तए ?” “हंता पभू ।” “जइ णं भंते ! सो चेव पुरिसे बाले जाव मंदविण्णाणे पभू होजा पञ्चकण्डगं णिसिरित्तए, तो णं अहं सदहेजा जहा अण्णो जीवो तं चेव । जम्हा णं भंते । स चेव से पुरिसे जाव मंदविण्णाणे णो पभू पंचकण्डगं णिसिरित्तए, तम्हा सुपइड्डिया मे पइण्णा जहा तं जीवो तं चेव” ॥ तए णं केसी कुमारसमणे पएसिं रायं एवं वयासी—“से जहाणामए केइ पुरिसे तरुणे जाव० सिण्णोवगए णवएणं धणुणा णवि-याए जीवाए णवएणं उमुणा पभू पंचकण्डगं णिसिरित्तए ?” “हंता पभू” । “सो चेव णं पुरिसे तरुणे जाव णिउणसिण्णोवगए कोरिल्लिएणं धणुणा कोरिल्लियाए जीवाए कोरिल्लिएणं उमुणा पभू पंचकण्डगं णिसिरित्तए ?” “णो इण्ठे समट्ठे” । “कम्हा णं ?” भंते ! तस्स पुरिसस्स अपजत्ताइं उयगरणाइं हवन्ति । “एवामेव पएसी ! सो चेव पुरिसे बाले जाव मंदविण्णाणे अपजत्तोवरणे, णो पभू पंचकण्डगं णिसिरित्तए । तं सदहाहि णं तुमं पएसी ! जहा अण्णो जीवो तं चेव” ॥५॥ ६५ ॥ तए णं पएसी राया केसिं कुमारसमणे एवं वयासी—“अत्थि णं भंते ! एसा पण्णा उवमा, इमेण पुण कारणेणं णो उवागच्छइ । भंते ! से जहाणामए केइ पुरिसे तरुणे जाव० सिण्णोवगए पभू एगं महं अयभारं वा तउयभारं वा सीसगभारं वा परिवहि-त्तए ?” “हंता पभू” । “सो चेव णं भंते ! पुरिसे जुण्णे जराजजरियदेहे सिद्धि-वलिंतयाविण्णुगत्ते दण्डपरिगहियग्गहत्थे पविरलपरिसडियदंतसेट्ठी आउरे किसिए पिवासिए दुब्बले किलंते णो पभू एगं महं अयभारं वा जाव परिवहित्तए । जइ णं भंते ! स चेव पुरिसे जुण्णे जराजजरियदेहे जाव परिकिलंते पभू एगं महं अय-भारं वा जाव परिवहित्तए, तो णं सदहेजा” “तदेव । जम्हा णं भंते ! से चेव पुरिसे जुण्णे जाव किलंते णो पभू एगं महं अयभारं वा जाव परिवहित्तए, तम्हा सुपइड्डिया मे पइण्णा” “तदेव” ॥ तए णं केसी कुमारसमणे पएसिं रायं एवं

वयासी—“से जहाणामए केइ पुरिसे तरुणे जाव ०सिप्पोवगए णवियाए विहंगियाए णवएहिं सिक्कएहिं णवएहिं पत्थियपिडएहिं पडू एगं महं अयभारं जाव परिवहि-
त्तए ?” “हंता पभू” । “पएसी ! से चेव णं पुरिसे तरुणे जाव ०सिप्पोवगए
जुण्णियाए दुब्बलियाए पुण्णक्खइयाए विहंगियाए जुण्णएहिं दुब्बलएहिं पुण्णक्ख-
इएहिं सिद्धिलतयापिण्डएहिं सिक्कएहिं जुण्णएहिं दुब्बलएहिं पुण्णक्खइएहिं पत्थिय-
पिडएहिं पभू एगं महं अयभारं वा जाव परिवहित्तए ?” “णो इण्ठे समट्ठे” ।
“कम्हा णं ?” “भंते ! तस्स पुरिसस्स जुणाइं उवगरणाइं हवंति” । (एवामेव)
“पएसी ! से चेव से पुरिसे जुण्णे जाव किलंते जुण्णोवगरणे णो पभू एगं महं अय-
भारं वा जाव परिवहित्तए । तं सदहाहि णं तुमं पएसी ! जहा अण्णो जीवो अण्णं
सरीरं” ॥६॥६६॥ तए णं से पएसी केसिं कुमारसमणं एवं वयासी—“अत्थि णं
भंते ! जाव णो उवागच्छइ । एवं खलु भंते ! जाव विहरामि । तए णं मम णगर-
गुत्तिया चोरं उवणंति । तए णं अहं तं पुरिस जीवंतगं चेव तुलेमि, तुलेत्ता
छविच्छेयं अकुब्बमाणे जीवियाओ ववरोवेमि २ ता मयं तुलेमि २ सा णो चेव णं
तस्स पुरिसस्स जीवंतस्स वा तुलियस्स मुयस्स वा तुलियस्स केइ अण्णत्ते वा णाणत्ते
वा ओमत्ते वा तुच्छत्ते वा गुरुयत्ते वा लहुयत्ते वा । जइ णं भंते ! तस्स पुरिसस्स
जीवंतस्स वा तुलियस्स मुयस्स वा तुलियस्स होजा केइ अण्णत्ते वा जाव लहुयत्ते
वा तो णं अहं सदहेजा तं चेव । जम्हा णं भंते ! तस्स पुरिसस्स जीवंतस्स वा तुलि-
यस्स मुयस्स वा तुलियस्स णत्थि केइ अण्णत्ते वा” “लहुयत्ते वा तम्हा सुपइड्डिया मे
पइण्णा जहा तं जीवो” “तं चेव” । तए णं केसी कुमारसमणे पएसिं रायं एवं
वयासी—“अत्थि णं पएसी ! तुमे कयाइ वत्थी धंतपुत्वे वा धमावियपुत्वे वा ?” “”
“हंता अत्थि” । “अत्थि णं पएसी ! तस्स वत्थिस्स पुण्णस्स वा तुलियस्स अपुण्णस्स
वा तुलियस्स केइ अण्णत्ते वा जाव लहुयत्ते वा ?” “णो इण्ठे समट्ठे” । “एवामेव
पएसी ! जीवस्स अगुरुलघुयत्ते पडुच्च जीवंतस्स वा तुलियस्स मुयस्स वा तुलियस्स
णत्थि केइ अण्णत्ते वा जाव लहुयत्ते वा । तं सदहाहि णं तुमं पएसी !” “तं चेव”
॥७॥६७॥ तए णं पएसी राया केसिं कुमारसमणं एवं वयासी—“अत्थि णं भंते !
एसा जाव णो उवागच्छइ । एवं खलु भंते ! अहं अण्णया जाव चोरं उवणंति ।
तए णं अहं तं पुरिसं सब्बओ समंता समभिलोएमि । णो चेव णं तत्थ जीवं पासामि ।
तए णं अहं तं पुरिसं दुहाफलियं करेमि २ ता सब्बओ समंता समभिलोएमि । णो

चेव णं तत्थ जीवं पासामि । एवं तिहा चउहा संखेज्जफालियं करेमि, णो चेव णं
तत्थ जीवं पासामि । जइ णं भंते ! अहं तं पुरिसं दुहा वा तिहा वा चउहा वा
संखेज्जहा वा फालियंमि जीवं पासंतो तो णं अहं सदहेजा णो...तं चेव । जग्हा णं
भंते ! अहं तंसि पुरिसंसि दुहा वा तिहा वा चउहा वा संखेज्जहा वा फालियंमि जीवं
ण पासामि तग्हा सुपइड्डिया मे पइण्णा जहा तं जीवो तं सरिरं...तं चेव” ॥ तए
णं केजी कुमारसमाणे पएमि रायं एवं वयासी—“भूटतराए णं तुमं पएसी ! ताओ
तुच्छतराओ” । “के णं भंते ! तुच्छतराए ?” “पएसी ! से जहाणामए केई पुरिसा
वण्ण्णी वणोवर्जवी वण्णवेसणयाए जोइं च जोइभायणं च गहाय कट्ठाणं अडविं
अणुपविट्ठा । तए णं ते पुरिसा तीसे अगानियाए जाव किंचि देसं अणुपत्ता समाणा
एणं पुरिसं एवं वयासी—‘अग्हे णं देवाणुप्पिया ! कट्ठाणं अडविं अणुपविसामो ।
एत्तो णं तुमं जोइभायणाओ जोइं गहाय अग्घं असणं साहेज्जासि । अहं तं जोइभायणे
जोइं विज्झवेजा एत्तो णं तुमं कट्ठाओ जोइं गहाय अग्घं असणं साहेज्जासि’ त्ति
कट्ठु कट्ठाणं अडविं अणुपविट्ठा । तए णं से पुरिसे ताओ मुहुत्तंतरस्स तंसि पुरिसाणं
असणं साहेमित्तिकट्ठु जेणेव जोइभायणे तेणेव उवागच्छइ, जोइभाइणं जोइं
विज्झायमेव पामइ । तए णं से पुरिसे जेणेव से कट्ठे तेणेव उवागच्छइ रत्ता तं कट्ठं
सव्वओ समंता समभिलोएइ, णो चेव णं तत्थ जोइं पासइ । तए णं से पुरिसे
परियरं बंधइ २ त्ता, फरसुं गिण्हइ २ त्ता, तं कट्ठं दुहाफालियं करेइ २ त्ता, सव्वओ
समंता समभिलोएइ, णो चेव णं तत्थ जोइं पासइ । एवं जाव संखेज्जफालियं करेइ,
सव्वओ समंता समभिलोएइ, णो चेव णं तत्थ जोइं पासइ । तए णं से पुरिसे तंसि
कट्ठंसि दुहाफालिए वा जाव संखेज्जफालिए वा जोइं अगासमाणे सते तंते परित्तंते
णित्तिवण्णे समाणे परसुं एगंते एडेइ २ त्ता परियरं सुयइ २ त्ता एवं वयासी—‘अहो
मए तंसि पुरिसाणं असणे णो साहिए’ त्तिकट्ठु ओहयमणसंकप्पे चिंतासोगसागरसं-
विट्ठे करयल्लपल्लहत्थमुहे अट्ठज्जाणोवगए भूमिगयदिट्ठिए झियायइ । तए णं ते पुरिसा
कट्ठाइं छिंदंति २ त्ता जेणेव से पुरिसे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तं पुरिसं ओहय-
मणसंकप्पं जाव झियायमाणं पासंति २ त्ता एवं वयासी—‘किं णं तुमं देवाणुप्पिया !
ओहयमणसंकप्पे जाव झियायसि ?” । तए णं से पुरिसे एवं वयासी—‘तुज्जे णं
देवाणुप्पिया ! कट्ठाणं अडविं अणुपविसमाणा ममं एवं वयासी—‘अग्हे णं देवाणु-
प्पिया ! कट्ठाणं अडविं जाव अणुपविट्ठा । तए णं अहं तत्तो मुहुत्तंतरस्स तुज्जं अमणं

साहेमित्तिकदट्ट जेणेव जोईभायणे जाव झियामि !' तए णं तेसिं पुरिसाणं एगे पुरिसे छेए दक्खे पत्ते जाव उवएसलद्धे, ते पुरिसे एवं वयासी—'गच्छह णं तुज्जे देवाणुप्पिया ! ण्हाया कयवलिकम्मा जाव हव्वमागच्छेह, जा णं अहं तुब्भं असणं साहेमि' त्तिकदट्ट परियरं बंधइ २ ता परसुं गिण्हइ २ तां सरं करेइ २ ता, सरेण अरणिं महेइ २ ता, जोई पाडेइ २ ता जोई संधुक्खेइ २ ता, तेसिं पुरिसाणं असणं साहेइ ! तए णं ते पुरिसा ण्हाया कयवलिकम्मा जाव पायच्छित्ता जेणेव से पुरिसे तेणेव उवागच्छंति । तए णं से पुरिसे तेसिं पुरिसाणं सुहासणवरगयाणं तं विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवणेइ । तए णं ते पुरिसा तं विउलं असणं ४ आसाए-माणा वीसाएमाणा जाव विहरंति, झिमियभुसुत्तरागया वि य णं समाणा आयंता चोक्खा परमसुइभूया तं पुरिसं एवं वयासी—'अहो णं तुमं देवाणुप्पिया ! जइडे मूढे अपण्हिए णिव्विण्णागे अणुवएसलद्धे, जे णं तुमं इच्छसि कट्ठेसि तुहाफालियंसि वा० जाव जोई पासित्तए !' से एएण्हें पएसी ! एवं बुच्चइ मूढतराए णं तुमं पएसी ताओ तुच्छतराओ" ॥८॥६८॥ तए णं पएसी राया केसिं कुमारसमणं एवं वयासी—'जुत्तए णं भंते ! तुब्भं इय छेयाणं दक्ख्वाणं बुद्धाणं कुसलाणं महामइणं विणीयाणं विण्णाणपत्ताणं उवएसलद्धाणं अहं इमीसाए महालियाए महच्चापरिसाए मज्जे उच्चावएहिं आउसेहिं आउसित्तए, उच्चावयाहिं उद्धंसणाहिं उद्धंसित्तए, एवं णिब्भञ्छणाहिं० णिच्छोड-णाहिं० ?' । तए णं केसी कुमारसमणे पएसिं रायं एवं वयासी—'जाणासि णं तुमं पएसी ! कइ परिसाओ पणत्ताओ ?' भंते ! जाणामि, चत्तारि परिसाओ पणत्ताओ ! तं जहा—खत्तियपरिसा गाहावइपरिसा माहणपरिसा इसिपरिसा ?' "जाणासि णं तुमं पएसी राया ! एयासिं चउण्हं परिसाणं कस्स का दण्डणीई पणत्ता ?" "हंता जाणामि । जे णं खत्तियपरिसाए अवरज्झइ से णं हत्थच्छिण्णए वा पायच्छिण्णए वा सीसच्छिण्णए वा सूलाइए वा सूलमिण्णाए वा एगाहच्चे कूडाहच्चे जीवियाओ ववरोविज्जइ । जे णं माहावइपरिसाए अवरज्झइ से णं तएण वा वेडेण वा पलालेण वा वेढित्ता अगणिकाएणं झामिज्जइ ! जे णं माहणपरिसाए अवरज्झइ से णं अणिट्ठाहिं अकंताहिं जाव अमणामाहिं वग्गूहिं उवालम्भित्ता कुण्डियालञ्छणए वा सुणगल्लञ्छणए वा कीरइ, णिव्विसए वा आणविज्जइ । जे णं इसिपरिसाए अवरज्झइ से णं गाहअणिट्ठाहिं जाव गाहअमणामाहिं वग्गूहिं उवालम्भइ ।" " एवं च ताव पएसी ! तुमं जाणासि, तहा वि णं तुमं ममं वामं वामेणं दण्डंदण्डेणं पडिकूलं पडिकूलेणं पडिलोमं

वडिओमेणं विवच्चांमविवच्चासेणं वडिस्सि ।” तए णं पएसी राया केसिं कुमारसमणं एवं वयासी—“एवं खलु अहं देवाणुप्पियएहिं पढमिल्लएणं चेव वागरणेणं सलत्ते । तए णं सम इमेयाकवे अब्भन्थिए जाव संकप्पे सनुप्पजित्था—जहा २ णं एयस्स पुरिसस्स वामं वामेणं जाव विवच्चांमविवच्चासेणं वडिस्सामि, तथा २ णं अहं गाणं च गाणोवल्लम्मे च करणे च करणोवल्लम्मे च दंसणं च दंसणोवल्लम्मे च जीवं च जीवोवल्लम्मे च उवल्लमिस्सामि । तं एएणं अहं कारणेणं देवाणुप्पियाणं वामं वामेणं जाव विवच्चा-मविवच्चासेणं वडिट्ठए ।” तए णं केसी कुमारसमणं पएसीरायं एवं वयासी—“जाणासि णं तुमं पएसी ! कइ ववहारगा पण्णत्ता ?” “हंता जाणामि, चत्तारि ववहारगा पण्णत्ता—देइ णामेगे णो सण्णवेइ, सण्णवेइ णामेगे णो देइ, एगे देइ वि सण्णवेइ वि, एगे णो देइ णो सण्णवेइ ।” “जाणासि णं तुमं पएसी ! एएसिं चउण्हं पुरिसाणं के ववहारी के अववहारी ?” “हंता जाणामि, तत्थ णं जे से पुरिसे देइ णो सण्णवेइ से णं पुरिसे ववहारी, तत्थ णं जे से पुरिसे णो देइ सण्णवेइ से णं पुरिसे ववहारी, तत्थ णं जे से पुरिसे देइ वि सण्णवेइ वि से णं पुरिसे ववहारी, तत्थ णं जे से पुरिसे णो देइ णो सण्णवेइ से णं अववहारी ।” “एवामेव तुमं पि ववहारी णो चेव णं तुमं पएसी ! अववहारी” ॥ ६५ ॥ तए णं पएसी राया केसिं कुमारसमणं एवं वयासी—“तुज्जे णं भंते ! इय छेया दक्खा जाव उवएसलद्धा । समत्था णं भंते ! ममं करयल्लंसे वा आमल्यं जीवं सराराओ अभिणिब्बट्ठित्ताणं उवदंसित्तए ?” तेणं कालेणं तेणं समएणं पएसिस्स रण्णो अदूरस्सामंते वाउकाए संवुत्ते, तण्वणस्सइकाए एयइ वेयइ चलइ फंदइ घट्टइ उदीरइ तं तं भावं परिणमइ । तए णं केसी कुमारसमणे पएसिं रायं एवं वयासी—“पाससि णं तुमं पएसी राया ! एयं तण्वणस्सइ एयंतं जाव तं तं भावं परिणमंतं ?” “हंता पासामि” । “जाणासि णं तुमं पएसी ! एयं तण्वणस्सइकायं किं देवो चालेइ असुरो वा चालेइ णामो वा किण्णरो वा चालेइ किंपुरिसो वा चालेइ महोरगो वा चालेइ गंधव्वो वा चालेइ ?” “हंता जाणामि, णो देवो चालेइ जाव णो गंधव्वो वा चालेइ, वाउकाए चालेइ” । “पाससि णं तुमं पएसी ! एयस्स वाउकायस्स सरुविस्स सकामस्स सरागस्स समोहस्स सवेयस्स मलेसस्स ससरोरस्स रुवं” ? “णो इण्ठे समंठे” । “जइ णं तुमं पएसी राया ! एयस्स वाउकायस्स सरुविस्स जाव ससरोरस्स रुवं ण पाससि, तं कहं णं पएसी ! तव करयल्लंसे वा आमलगं जीवं उवदंसिस्सामि ? एवं खलु पएसी ! दसद्धाणां

छत्तमत्थे मणुस्से सव्वभावेण ण जाणइ ण पासइ । तं जहा--धम्मत्थिकायं १ अधम्म-
त्थिकायं २ आगासत्थिकायं ३ जीवं असरीरवद्धं ४ परमाणुपोगलं ५ सद्धं ६ गंधं
७ वायं ८ अयं जिणे भविस्सइ वा णो भविस्सइ ९ अयं सव्वदुक्खानं अंतं करि-
स्सइ वा णो वा""१० । एयाणि चेव उपपण्णाणधंसणधरे अरहा जिणे केवली सव्व-
भावेण जाणइ पासइ । तं जहा--धम्मत्थिकायं जाव णो वा करिस्सइ ! तं सद्धाहि
णं तुमं पएसी ! जहा अण्णो जीवो""तं चेव" ॥७०॥ तए णं से पएसी राया केमिं
कुमारसमणं एवं वयासी--"से णूणं भंते ! हत्थिस्स य कुंथुस्स य समे चेव जीवे ?"
"हंता पएसी ! हत्थिस्स य कुंथुस्स य समे चेव जीवे" । "से णूणं भंते ! हत्थीउ
कुंथू अप्पकम्मतराए चेव अप्पकिरियतराए चेव अप्पासवतराए चेव, एवं आहार-
णीहारउत्सासणीसासइइदीमहजुईए अप्पतराए चेव, एवं च कुंथुओ हत्थी महाकम्म-
तराए चेव महाकिरिय जाव महाजुइत्तराए ?" "हंता पएसी ! हत्थीओ कुंथू अप्प-
कम्मतराए चेव कुंथुओ वा हत्थी महाकम्मतराए चेव""तं चेव" । "कम्हा णं भंते !
हत्थिस्स य कुंथुस्स य समे चेव जीवे ?" "पएसी से जहाणामए कूडागारसाल्ल
सिया जाव गाभीरा, अह णं केइ पुरिसे जोइ वा दीवं वा गहाय तं कूडागारसाल्ल
अंतो २ अणुपविसइ । तीसे कूडागारसाल्ल सव्वओ समंता षण्णिचियणिंरंतर-
णिच्चिद्धां दुवारखयणां पिदेइ २ त्ता तीसे कूडागारसाल्ल बहुमज्जदेसमाए तं
पईवं पलीवेज्जा, तए णं से पईवे तं कूडागारसाल्ल अंतो २ ओभासइ उजोवेइ तवइ
पभासेइ, णो चेव णं बाहिं । अह णं से पुरिसे तं पईवं इड्डुरएणं पिदेज्जा, तए णं से
पईवे तं इड्डुरयं अंतो २ ओभासेइ०, णो चेव णं इड्डुरगस्स बाहिं णो चेव णं कूडा-
गारसाल्ल णो चेव णं कूडागारसाल्ल बाहिं । एवं गोकिलिंजेणं गण्डमाणियाए पत्थिय-
पिडएणं आदएणं अद्दाएणं पत्थएणं अद्धपत्थएणं कुलवेणं अद्धकुलवेणं चाउब्भाइ-
याए अद्भभाइयाए सोलसियाए बत्तीसियाए चउसट्ठियाए दीवचम्पएणं, तए णं से
पईवे दीवचम्पगस्स अंतो २ ओभासइ ४ णो चेव णं दीवचम्पगस्स बाहिं (णो चेव
णं चउसट्ठियं) णो चेव णं चउसट्ठियाए बाहिं णो चेव णं कूडागारसाल्ल णो चेव णं
कूडागारसाल्ल बाहिं । एवामेव पएसी ! जीवे वि जं जारिसयं पुव्वकम्मणिबद्धं
वोदिं णिवत्तेइ, तं असंखेजेहिं जीवपएसेहिं सवित्तं करेइ खुड्डियं वा महालियं
वा । तं सद्धाहि णं तुमं पएसी ! जहा अण्णो जीवो""तं चेव" ॥७१॥ तए णं
पएसी राया केमिं कुमारसमणं एवं वयासी--"एवं खलु भंते ! मम अज्जगस्स एस

सण्णा जावु समोसरणे जहा तं जीवो तं सररीं णो अण्णो जीवो अण्णं सररीं ।
तयाणंतरे च णं ममं पिउणो वि एसा सण्णा० । तयाणंतरे मम वि एसा सण्णा जाव
- समोसरणे । तं णो खलु अहं बहुपुरिसपरंपरागयं कुलणित्थियं दिट्ठिं छण्डेस्सामि” ।
तए णं केसी कुमारसमणे पएसिं रायं एवं वयासी—“मा णं तुमं पएसी । पच्छाणु-
ताविए भवेज्जासि जहा व से पुरिसे अयहारए” । “के णं मंते ! से अयहारए ?”
“पएमी ! से जहाणामए केइ पुरिसा अत्थत्थिया अत्थगवेसिया अत्थलुद्धया अत्थ-
कंखिया अत्थपिवासिया अत्थगवेसणयाए विउलं पणियभण्डमायाए सुबहुं भत्तपाण-
पत्थयणं गहाय एगं महं अगामियं छिण्णावायं दीहमद्धं अडविं अणुपविट्ठा । तए णं
ते पुरिसा तीसे अगामियाए अडवीए किंचि देसं अणुपत्ता समाणा एगं महं अया-
गरं पासंति अएणं सव्वओ समंता आइणं वित्थिणं सच्छडं उवच्छडं फुडं गाढं
अवगाढं पासंति २ सा इट्ठुडु जाव हियया अण्णमण्णं सहावेत्ति २ सा एवं वयासी—
“एस णं देवाणुप्पिया ! अयभण्डे इट्ठे कंते जाव मणामे । तं सेयं खलु देवाणुप्पिया !
अहं अयभारए बंधित्तए” तिकट्ठु अण्णमण्णस्स एयमद्धं पडिसुणेंति २ सा अय-
भारं बंधंति २ सा अहाणुपुव्वीए संपत्थिया । तए णं ते पुरिसा तीसे अगामियाए
जाव अडवीए किंचि देसं अणुपत्ता समाणा एगं महं तउआगरं पासंति तउएणं
आइणं तं चेव जाव सहावेत्ता एवं वयासी—‘एस णं देवाणुप्पिया ! तउयभण्डे जाव
मणामे । अप्पेणं चेव तउएणं सुबहुं अए लब्भइ । तं सेयं खलु देवाणुप्पिया !
अयभारए छड्डेत्ता तउयभारए बंधित्तए’ तिकट्ठु अण्णमण्णस्स अंतिए एयमद्धं
पडिसुणेंति २ सा अयभारं छड्डेत्ता तउयभारं बंधंति । तत्थ णं एगे पुरिसे
णो संचाएइ अयभारं छड्डित्तए तउयभारं बंधित्तए । तए णं ते पुरिसा तं पुरिसं एवं
वयासी—‘एस णं देवाणुप्पिया ! तउयभण्डे जाव सुबहुं अए लब्भइ । तं छड्डेहि णं
देवाणुप्पिया ! अयभारं, तउयभारं बंधाहि’ । तए णं से पुरिसे एवं वयासी—
‘दूराहडे मे देवाणुप्पिया ! अए; चिराहडे मे देवाणुप्पिया ! अए; अइगाढबंधणवद्धे
मे देवाणुप्पिया ! अए, असिलिद्धबंधणवद्धे मे देवाणुप्पिया ! अए, धणियद्धंधणवद्धे
मे देवाणुप्पिया ! अए, णो संचाएमि अयभारं छड्डेत्ता तउयभारं बंधित्तए ।’ तए
णं ते पुरिसा तं पुरिसं जाहे णो संचाएति बहूहिं आधवणाहि य पणवणाहि य आध-
वित्तए वा पणवित्तए वा, तया अहाणुपुव्वीए संपत्थिया । एवं तम्मागरं रुप्पागरं
सुवण्णागरं रयणागरं वइरागरं । तए णं ते पुरिसा जेणेव सया २ जणवया जेणेव

साइ २ णयराइं तेणेव उवागच्छंति २ ता वहरविकणयं करंति २ ता सुवंहुदासी-
 दासगोमहिसगवेलगं गिण्हंति २ ता अट्टतलभूसियवडिसगे कारावेंति । ण्हाया
 कयवलिकम्मा उप्पि पासायवरगया फुड्डमाणेहिं मुइङ्गमत्थएहिं बत्तीसइवदएहिं
 णाडएहिं वरतरुणीसंपउत्तेहिं उवणच्चिज्जमाणा उवगाइज्जमाणा उवलालिज्जमाणा
 इट्ठे सहफरिस जाव विहरंति । तए णं से पुरिसे अयभारेण जेणेव सए णयरे तेणेव
 उवागच्छइ, अयविकिणयं करेइ २ ता तंसि अम्मोहंसि णिहियंसि झीणपरिव्वए ते
 पुरिसे उंप्पि पासायवरगए जाव विहरमाणे पासइ २ ता एवं वयासी—‘अहो णं अहं
 अधण्णो अपुण्णो अकयत्थो अकयलक्खणो हिरिसिरिपरिव्वजिए हीणपुण्णचाउदसे
 दुरंतपंतलक्खणे । जइ णं अहं मित्ताण मा णाईण वा गियमाण वा वयणं सुणेंतओ,
 तो णं अहं पि एवं चेव उप्पि पासायवरगए जाव विहरंतो ।’ से तेणट्ठेणं पएसी !
 एवं शुब्बइ—मा णं तुमं पएसी ! पच्छाणुताविए भवेज्जासि जहा व से पुरिसे अयहा-
 रए” ॥७२॥ एतथ णं से पएसी राया संबुद्धे केसिं कुमारसमणं वंदइ जाव एवं
 वयासी—“णो खलु भंते ! अहं पच्छाणुताविए भविस्सामि जहा व से पुरिसे अयभारिए
 तं इच्छामि णं देवाणुप्पियाणं अंतिए केवलियणत्तं धम्मं णिसामित्तए ।” “अहासुहं
 देवाणुप्पिया ! मा पडिबंघं करेहि ।” धम्मकहा जहा चित्तस्स, तहेव गिहिधम्मं
 पडिवज्जइ २ ता जेणेव सेयविया णयरी तेणेव पहारेत्थ गमणाए ॥ तए णं केसी
 कुमारसमणे पएसिं रायं एवं वयासी—“जाणासि तुमं पएसी ! कइ आयरिया
 पणत्ता ?” हंता जाणामि, तओ आयरिया पणत्ता । तं जहा—कलायरिए सिप्पाय-
 रिए धम्मोयरिए ।” “जाणासि णं तुमं पएसी ! तेसिं तिण्हं आयरियाणं कस्स का
 विणयपडिवत्ती पउंजियव्वा ?” “हंता जाणामि, कलायरियस्स सिप्पायरियस्स
 उवलेवणं संमज्जणं वा करेज्जा पुरओ पुप्फाणि वा आणवेज्जा मज्जावेज्जा मण्डावेज्जा
 भोयवेज्जा वा, विउलं जीवियारिहं पीडदाणं दलएज्जा, पुत्ताणुपुत्तियं वित्तिं कप्पेज्जा ।
 जत्थेव धम्मायरियं पासिजा तत्थेव वंदेज्जा णमंसेज्जा सक्कारेज्जा संमाणेज्जा कल्लणं
 मङ्गलं देवयं चेइयं पज्जुवासेज्जा, फासुएसणिजेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडि-
 लाभेज्जा, पाडिहारिएणं पीढफलगसेज्जासंथारएणं उवणिमंतेज्जा ।” एवं च ताव
 तुमं पएसी ! एवं जाणासि, तहा वि णं तुमं ममं वामंवाभेणं जाव वट्ठित्ता ममं
 एयमट्ठं अक्खामित्ता जेणेव सेयविया णयरी तेणेव पहारेत्थ गमणाए ।” तए णं से
 पएसी राया केसिं कुमारसमणं एवं वयासी—“एवं खलु भंते ! मम एयारूवे

अङ्गुलिण्णं जाव सन्नुपजित्था—‘एवं खलु अहं देवाणुपिवाणं वामं वामेणं जाव
 वट्टिए, तं सेयं खलु मे कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव तेयसा जल्लंते अंतेउर-
 परियाल्लसद्धिं संपरिवुडस्स देवाणुपिए वंदित्तिए णमंस्सित्तिए, एयमद्धं भुजो २ सम्मं
 विणएणं खामित्तिए” त्तिकद्धु जामेव दिस्सिं पाउव्भूए तामेव दिस्सिं पडिगए ॥३३॥
 तए णं से पएसी राया कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव तेयसा जल्लंते हट्ठतुट्ठ
 जाव हियए जहेव कूणिए तहेव णिग्गच्छइ, अंतेउरपरियाल्लसद्धिं संपरिवुडे पञ्च-
 विहेणं अभिगमेणं वंदइ णमंसइ, एयमद्धं भुजो २ सम्मं विणएणं खामेइ । तए णं
 केसी कुमारसमणे पएस्सिस्स रणो सूरियकंतप्पमुहाणं देवीणं तीसे व महइमहालि-
 याए महच्चपरित्ताए जाव धम्मं परिकहेइ । तए णं पएसी राया धम्मं सोच्चा
 णिलम्म उट्ठाए उट्ठेइ २ त्ता केस्सिं कुमारसमणं वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता जेणेव
 सेयविया णवरं तेणेव पहारेत्थ गमणाए । तए णं केसी कुमारसमणे पएस्सि रायं एवं
 वयासी—“मा णं तुमं पएसी ! पुब्बि रमणिजे भवित्ता पच्छा अरमणिजे भवि-
 जास्सि, जहा से वणसण्डे इ वा णट्ठसाला इ वा इक्खुवाडे इ वा खल्लाडे इ
 वा ।” “कहं णं भंते ?” “जया णं वणसण्डे पत्तिए पुष्पिए फल्लिए हरियगरेरिज्जमाणे
 सिरिए अईव २ उवसोभेमाणे चिट्ठइ, तया णं वणसण्डे रमणिजे भवइ । जया णं
 वणसण्डे णो पत्तिए णो पुष्पिए णो फल्लिए णो हरियगरेरिज्जमाणे णो सिरिए अईव २
 उवसोभेमाणे चिट्ठइ, तया णं जुण्णे झडे परिसडियपण्डुपत्ते सुक्कुरुस्से इव
 मिलायमाणे चिट्ठइ, तया णं वणसण्डे णो रमणिजे भवइ । जया णं णट्ठसाला वि-
 गिज्जइ वाइज्जइ णच्चिज्जइ हसिज्जइ रमिज्जइ, तया णं णट्ठसाला रमणिजा भवइ ।
 जया णं णट्ठसाला णो गिज्जइ जाव णो रमिज्जइ, तया णं णट्ठसाला अरमणिजा
 भवइ । जया णं इक्खुवाडे छिज्जइ भिज्जइ सिज्जइ पिज्जइ दिज्जइ, तया णं इक्खुवाडे
 रमणिजे भवइ । जया णं इक्खुवाडे णो छिज्जइ जाव तया णं इक्खुवाडे अरमणिजे
 भवइ । जया णं खल्लाडे उच्छुव्भइ उट्ठुइज्जइ मल्लइज्जइ मुणिज्जइ खज्जइ पिज्जइ
 दिज्जइ, तया णं खल्लाडे रमणिजे भवइ । जया णं खल्लाडे णो उच्छुव्भइ जाव
 अरमणिजे भवइ । से तेणट्ठेणं पएसी ! एवं बुच्चइ, मा णं तुमं पएसी ! पुब्बि
 रमणिजे भवित्ता पच्छा अरमणिजे भविजास्सि जहा से वणसण्डे इ वा०” तए णं पएसी
 राया केस्सिं कुमारसमणं एवं वयासी—“ णो खलु भंते ! अहं पुब्बि रमणिजे
 भवित्ता पच्छा अरमणिजे भविस्सामि, जहा से वणसण्डे इ वा जाव खल्लाडे इ वा ।

अहं णं सेयविधाणयरीपामोक्खाइं सत्त गामसहस्साइं चत्तारि भागे करिस्सामि । एगं भागं बलवाहणस्स दलइस्सामि, एगं भागं कोट्ठागारे लुभिस्सामि, एगं भागं अंते-
 उरस्स दलइस्सामि, एगेणं भागेणं महइमहालयं कूडागारस्सालं करिस्सामि । तत्थ णं
 बहूहिं पुरिसेहिं दिण्णभइमत्तत्रेयणेहिं विउलं असणं ४ उवक्खवावेत्ता बहूणं समण-
 माहणभिक्खुयाणं पंधियपहियाणं परिभाएमाणे २ बहूहिं सीलव्वयगुणव्वयवेरमण-
 पच्चक्खाणोसहोववासस्स जाव विहरिस्सामि” त्तिकदट्ठ जामेव दिसिं पाउब्भूए
 तामेव दिसिं पड्डिगए ॥ तए णं से पएसी राया कल्लं जाव तेयसा जल्लते सेयविधा-
 पाओक्खाइं सत्त गामसहस्साइं चत्तारि भाए करेइ । एगं भागं बलवाहणस्स दलइ जाव
 कूडागारपाळं करेइ, तत्थ णं बहूहिं पुरिसेहिं जाव उवक्खवावेत्ता बहूणं समण जाव
 परिभाएमाणे विहरइ ॥७४॥ तए णं से पएसी राया समणोवासए जाए अभिगय-
 जीवाजीवे” विहरइ । जप्पमिइं च णं पएसी राया समणोवासए जाए तप्पमिइं च
 णं रज्जं च रट्ठं च बलं च वाहणं च कोसं च कोट्ठागारं च पुरं च अंतेउरं च
 जणवयं च अणाढायमाणे यावि विहरइ । तए णं तीसे सूरियकंताए देवीए इमेया-
 रुवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था—“जप्पमिइं च णं पएसी राया समणोवासए
 जाए तप्पमिइं च णं रज्जं च रट्ठं च जाव अंतेउरं च ममं च जणवयं च अणा-
 ढायमाणे विहरइ । तं सेयं खलु मे पएसिं रायं केण वि सत्थप्पओगेण वा अम्मिप-
 ओगेण वा मंतप्पओगेण वा विसप्पओगेण वा उद्वेत्ता सूरियकंते कुमारं रज्जे ठवित्ता
 सयमेव रजसिरिं करेमाणीए पालेमाणीए विहरित्तए” त्तिकदट्ठ एवं संपेहेइ २ ता
 सूरियकंते कुमारं सद्दावेइ २ ता एवं वयासी—“जप्पमिइं च णं पएसी राया
 समणोवासए जाए तप्पमिइं च णं रज्जं च रट्ठं च जाव अंतेउरं च ममं च जणवयं च
 माणुस्सए य कामभोगे अणाढायमाणे विहरइ । तं सेयं खलु तव पुत्ता ! पएसिं रायं
 केणइ सत्थप्पओगेण वा जाव उद्वेत्ता सयमेव रजसिरिं करेमाणे पालेमाणे विह-
 रित्तए” (त्तिकदट्ठ एवं संपेहेइ २ ता सूरियकंते कुमारं सद्दावेइ २ ता एवं वयासी—
 जप्पमिइं च णं पएसी राया समणोवासए जाए तप्पमिइं च णं रज्जं च रट्ठं च
 जाव अंतेउरं च जणवयं च माणुस्सए कामभोगे य अणाढायमाणे यावि विहरइ ।
 तं सेयं खलु तव पुत्ता ! पएसिं रायं केणइ सत्थप्पओगेण वा जाव उद्वेत्ता सय-
 मेव रजसिरिं करेमाणस्स पालेमाणस्स विहरित्तए) । तए णं सूरियकंते कुमारे
 सूरियकंताए देवीए एवं बुत्ते समाणे सूरियकंताए देवीए एयमड्डं णो आढाइ, णो

परियाणाइ, तुसिणीए संचिइइ । तए णं तीसे सूरियकंताए देवीए इमेयास्वे
 अज्झन्थिए जाव समुप्पज्जित्था—“मा णं सूरियकंते कुमारो पएसिस्स रण्णो इमं
 रहस्सभेयं करिस्सइ” त्तिक्कट्ठ पएसिस्स रण्णो छिद्वाणि य मम्माणि य रहस्साणि य
 विवराणि य अंतराणि य पडिजागरमाणी २ विहरइ । तए णं सूरियकंता देवी
 अणया क्याइ पएसिस्स रण्णो अंतरं जाणइ २ ता असणं जाव साइमं सव्ववत्थ-
 गंधमल्लालंकारं विसप्पओगं पउंजइ । पएसिस्स रण्णो ण्हायस्स जाव पायच्छित्तस्स
 मुहामणवरगयस्स तं विससंजुत्तं असणं ४ कथं जाव अलंकारं णिसिरेइ, धायइ ।
 तए णं तस्स पएसिस्स रण्णो तं विससंजुत्तं असणं ४ आहारेमाणस्स सरारांमि वेयणा
 पाउब्भूया उज्जला विउला पगाढा कक्कसा कड्डया फरुसा णिदुत्ता चण्डा तिब्बा दुवस्सा
 दुग्गा दुरहिवासा, पित्तजरपरिगयसरारे दाहवक्कंते यावि विहरइ ॥७५॥ तए णं
 से पसी राया सूरियकंताए देवीए अत्ताणं संपलद्धं जाणित्ता सूरियकंताए देवीए
 मणसा वि अप्पटुस्समाणे जेणेव पोसहसाला तेणेव उवागच्छइ २ ता पोसहसालं
 पमजइ २ ता उच्चारयासवणभूमिं पडिलेहेइ २ ता दब्भसंधारणं संधरेइ २ ता
 दब्भसंधारणं दुद्धइ २ ता पुरथाभिमुहे संपलियं कणिसण्णे करयलपरिगहिंयं
 सिस्सावत्तं मत्थए अंजलिं कट्ठु एवं वयासी—“णमोऽत्थु णं अरहंताणं जाव संपत्ताणं ।
 णमोऽत्थु णं केसिस्स कुमारसमणस्स मम धम्मायरियस्स धम्मोवएसगस्स । वंदामि णं
 भगवंतं तत्थगयं इहगाए, पासउ मे भगवं तत्थगाए इहगयं” त्तिक्कट्ठ वंदइ णमं-
 सइ, “पुत्तिं पि णं मए केसिस्स कुमारसमणस्स अंतिए थूलपाणाइवाए पच्चवस्त्राए
 जाव परिगाहे । तं इयाणि पि णं तस्सेव भगवओ अंतिए सव्वं पाणाइवायं पच्चवस्त्रामि
 जाव परिगाहं, सव्वं कोहं जाव मिच्छादंसणसहं, अकरणिज्जे जोगं पच्चक्खामि, सव्वं
 असणं चउव्विहं पि आहारं जावजीवाए पच्चक्खामि, जं पि य मे सरारं इहं जाव
 कंसंतुत्ति एयं पि य णं चरिमेहिं उत्तासणिस्सासेहिं बोसिरामि” त्तिक्कट्ठ आलोइय-
 पडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे सूरियाभे विमाणे उववाय-
 मभाए जाव उववण्णे ॥ तए णं से सूरियाभे देवे अहुणोववण्णे चेव समाणे पंच-
 विहाए पज्जतीए पज्जत्तिभायं गच्छइ । तं जहा—आहारपज्जतीए सरोरपज्जतीए
 इंदियपज्जतीए आणपाणपज्जतीए भासामणपज्जतीए । तं एवं खलु भो सूरियाभेणं
 देवेणं सा दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवजुई दिव्वे देवाणुभावं लद्धे पत्ते अभिसमण्णा-
 गाए” ॥७६॥ “सूरियाभस्स णं भेते ! देवस्स केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ?”

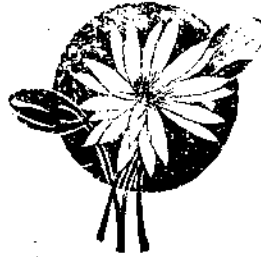
“गोयमा! चत्तारि पल्लिओवमाइं ठिइं पण्णत्ता”। “से णं भंते! सूरियामे देवे ताओ देय-
 लोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं अयंतइं चयं चंइत्ता कहिं गमिहिइ, कहिं
 उववज्जिहिइ?” गोयमा! महाविदेहे वासे जाणि इमाणि कुलाणि भवन्ति, तं जहा—
 अड्ढाइं दित्ताइं विउलाइं विट्थिण्णविपुलभवणस्सयणासणजणवाहणाइं बहुधणबहु-
 जायक्खवरययाइं आओगपओगसंपउत्ताइं विच्छिड्डियपउरभत्तपाणाइं बहुदासीदास-
 गोमहिमगवेलगप्पभूयाइं बहुजणस्स अपरिभूयाइं, तत्थ अण्णयरेसु कुलेसु पुत्तत्ताए
 पच्चायाइस्सइ। तए णं तंस्सि दारगंसि गम्भगयंसि चेव समाणंसि अम्मापिऊणं धम्मे
 ददा पइण्णा भविस्सइ। तए णं तस्स दारगस्स माया णवहं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं
 अद्वड्ढमाण राइंदिधाणं वीइकंताणं सुकुमालंपाणिपायं अहीणपडिपुण्णपंचिदियसुरंरं
 लक्खणवज्जण्णोववेयं माणुम्माणप्माणपडिपुण्णसुजायसुव्वङ्गसुंदरंङ्ग ससिसोमाकारं
 कंतं पियदंसणं सुक्खं दारयं पयाहिस्सि। तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो पट्ठमे
 दिवसे ठिइवडियं करेहिंति। तइयदिवसे चंदसूरदंसणियं करिस्संति। ऋद्धे दिवसे जाग-
 रियं जागरिस्संति। एक्कारसमे दिवसे वीइकंते संपत्तं वारसाहे दिवसे णिव्वित्ते असुइ-
 जायकम्मकरणे चोक्खे संमज्जिओवलित्ते विउलं असणपाण्णवाइमसाइमं उयक्खडा-
 वेस्संति २ त्ता भित्तणाइणियगसयणसबंधिपरियणं आमंतिस्संति आमंतेत्ता तओ
 पच्छा ण्हाया कयवलिकम्मा जाव अलंकिया भोयणमण्डवंसि सुहासणवरगया तेण
 भित्तणाइ जाव परिजणेण सद्धिं विउलं असणं ४ आसाएमाणा विसाएमाणा परिभुं-
 जेमाणा परिभाएमाणा एवं चेव णं विहरिस्संति। जिमियभुत्तरागाया वि य णं समाणा
 आयंता चोक्खा परमसुइभूया तं भित्तणाइ जाव परियणं विउलेणं वत्थगंधमह्हालं-
 कारेणं सक्कारेस्संति संमाणिस्संति स० २ त्ता तस्सेव भित्त जाव परियणस्स पुरओ
 एवं वइस्संति—‘जम्हा णं देवाणुप्पिया! इमंसि दारगंसि गम्भगयंसि चेव समाणंसि
 धम्मे ददा पइण्णा जाया, तं होउ णं अम्हं एयस्स दारयस्स ददपइण्णे णामेणं।
 तए णं तस्स ददपइण्णस्स दारगस्स अम्मापियरो णामधेजं करिस्संति—ददपइण्णो
 य २। तए णं तस्स अम्मापियरो अणुपुव्वेणं ठिइवडियं च चंदसूरियदरिणं च
 धम्मजागरियं च णामवेजकरणं च पजेमणगं च पजंपणगं च पडिवद्धादणगं च
 पंचकम्मणगं च कण्णवेहणं च संवच्छरपडिलेहणगं च चूलोवणयं च अण्णाणि य
 बहूणि गम्भाहाणजम्मणाइयाइं कोउयाइं महया इड्डीसक्कारसमुदएणं करिस्संति
 ॥७७॥ तए णं से ददपइण्णे दारए पञ्चधाईपरिक्खित्ते खीरधाईए मज्जधाईए

मण्डणवाईए अंकभाईए, कीलावणभाईए, अण्णाहि य बहूहि खुज्जाहि चिलाइयाहिं
 वामणियाहिं वडभियाहिं वड्वरीहिं बउसियाहिं जोण्हियाहिं पण्णवियाहिं ईसिणियाहिं
 वारुणियाहिं लासियाहिं लउसियाहिं दमिलीहिं सिहलीहिं आरबीहिं पुल्लिकीहिं पक्कणीहिं
 बहलीहिं मुरंडीहिं सवरीहिं पारसीहिं णाणादेसीविदेसपरिमण्डियाहिं सदेसणेवत्थग-
 हियवेसाहिं इंगियच्चितियपत्थियवियाणाहिं णिउणकुसलाहिं विणीयाहिं चेडियाचक-
 वाउत्तण्णिं दपरियाउपरिवुडे वरिसधरकंचुइमहयरवंदपरिक्खत्ते हत्थाओ हत्थं साह-
 रिजमाणं २ उवणच्चिजमाणं २ अंकाओ अंकं परिभुजमाणं २ उवगिजमाणं २
 उवललिजमाणं २ उवगहूजमाणं २ अवयासिजमाणं २ परियंदिजमाणं २ परि-
 बुविजमाणं २ रम्मेसु मणिकोट्टिमतेलेसु परंगमाणं २ गिरिकंदरमल्लीणे विव
 चम्पगवरपायवे णिवायणिज्वाघायंसि सुहंसुहेणं परिवड्डित्सइ ॥७८॥ तए णं तं
 दट्ठपइणं दारगं अम्मापियरो साइरेगअट्ठवासजायगं जाणिन्ता सोमणंसि तिहिकरण-
 णक्खत्तमुहुत्तंसि ण्हायं कययलिकम्मं कयकोउयमंगलपायच्छित्तं सज्वालंकारविभू-
 सियं करेत्ता महया इड्ढीसक्कारसमुदएणं कलायरियस्त उवणेहिंति । तए णं से
 कलायरिए तं दट्ठपइणं दारगं लेहाइयाओ गणियप्पहाणाओ सउणरुयपज्वसा-
 णाओ बावत्तरिं कलाओ सुत्तओ य अत्थओ य गंथओ य करणओ य पसिक्खा-
 वेहिइ य सेहावेहिइ य । तं जहा—लेहं गणियं रुवं गट्ठं गीयं वाइयं सरगयं पोवखरगयं
 समतालं जूयं जणवायं पासगं अट्ठावयं पोरेचच्चं दगमट्टियं अण्णविहिं पाणविहिं वत्थ-
 विहिं विलेवणविहिं सयणविहिं अज्जं पहेलियं मग्गाहियं णिदाइयं गाहं गीइयं सिलोगं
 हिरणजुत्तिं सुवणजुत्तिं चुणजुत्तिं आभरणज्जिहिं तरुणीपडिकम्मं इत्थिलक्खणं पुरिस-
 लक्खणं हयलक्खणं गयलक्खणं गोणलक्खणं कुकुडलक्खणं छत्तलक्खणं दण्डलक्खणं
 असिलक्खणं मणिलक्खणं कागणिलक्खणं वत्थुविजं णगरमाणं खंधावारं चारं पडिचारं
 वूहं पडिवूहं चकवूहं गरुलवूहं सगडवूहं जुद्धं णिजुद्धं जुद्धाहजुद्धं अट्टिजुद्धं मुट्टिजुद्धं
 शहुजुद्धं लयाजुद्धं ईसत्थं छरुप्पवायं धणुव्वेयं हिरणपागं सुवणपागं मणिपागं धाउपागं
 सुत्तखेइडं वट्ठखेइडं णालियाखेइडं पत्तच्छेज्जं कडगच्छेज्जं सज्जीवं णिज्जीवं सउणरुय-
 मिति । तए णं से कलायरिए तं दट्ठपइणं दारगं लेहाइयाओ गणियप्पहाणाओ सउण-
 रुयपज्वसाणाओ बावत्तरिं कलाओ सुत्तओ य अत्थओ य गंथओ य करणओ य
 सिक्खावेत्ता सेहावेत्ता अम्मापिउणं उवणेहिइ । तए णं तस्स दट्ठपइणस्स दारगस्स
 अम्मापियरो तं कलायरियं विउत्तेणं असणपाणखाइमसाइमेणं वत्थगंधमहालंकारेणं

सकारिस्सन्ति संमाणिस्सन्ति स० २ ता विउलं जीवियारिहं पीइदाणं दलइस्सन्ति २ ता पडिविसजेहिंति ॥ ७९॥ तए णं से ददपइण्णे दारए उम्मुक्कालभावे विण्णायपरि-
 षयमेत्ते जोव्वणमामणुप्पत्ते बावत्तरिकलपण्डिए अट्टारसविहदेसिप्पमारभासाविसारए
 णवज्जमुत्तपडिओहए गीयरई गंधव्वणट्टकुसले सिङ्गारामारचारुवेसे संगयगयइसियभ-
 णियचिद्वियविल्लाससंलघ्णणिउण्णुत्तोमयारकुसले हयजोही गयजोही रहजोही बाहुजोही
 बाहुप्पमदी अलंभोगसमत्थे साहसिए वियालचारो यावि भविस्सइ । तए णं तं दद-
 पइण्णे दारगं अम्मापियरो उम्मुक्कालभावं जाव वियालचारिं च वियाणित्ता विउलेहिं
 अण्णभोगेहिं य पाणभोगेहिं य लेणभोगेहिं य वत्थभोगेहिं य सयणभोगेहिं य उवणि-
 मंतेहिंति तए णं से ददपइण्णे दारए तेहिं विउलेहिं अण्णभोगेहिं जाव सयण-
 भोगेहिं णो सज्जिहिइ णो मिज्जिहिइ णो मुच्छिहिइ णो अज्जोव्वज्जिहिइ । से
 जहाणामए पउमुप्पले इ वा पउमे इ वा जाव सयसहस्सपत्ते इ वा पंके जाए जले
 सनुडडे णोवल्लिप्पइ पंकरएणं णोवल्लिप्पइ जलरएणं, एवामेव ददपइण्णे वि दारए
 कामेहिं जाए भोगेहिं संवड्ढिए णोवल्लिप्पिहिइ कामरएणं णोवल्लिप्पिहिइ भोगरएणं
 णोवल्लिप्पिहिइ मित्तणाइणियगसयणसंबंधिपरिजणेणं । से णं तहारूपाणं थेराणं अंतिए
 केवलं बोहिं बुज्झिहिइ २ ता मुण्डे भवित्ता अगाराओ अग्रमारियं पव्वइस्सइ । से णं
 अणवारो भविस्सइ, ईरियस्समिए जाव सुहुयहुयासणे इव तेयसा जलंते । तस्स णं
 भगवओ अणुत्तरेणं णाणेणं एवं दंसणेणं चरित्तेणं आलएणं विहारेणं अजवेणं मद-
 वेणं लाववेणं खंतीए गुत्तीए मुत्तीए अणुत्तरेणं सव्वसंजमतयमुत्तरियफलणिव्याभ-
 मरणेणं अप्पाणं भावेमाणस्स अणंते अणुत्तरे कस्सिणे पडिपुण्णे गिरावरणे गिवावाइ
 केवलवरणाणदंसणे समुप्पज्जिहिइ । तए णं से भगवं अरहा जिणे केवली भविस्सइ,
 सदेवमणुयासुस्स लोगस्स परियायं जाणिहिइ । तं जहा—आगई गई ठिइं चवणं
 उववायं तक्कं कडं मणोमाणसियं खइयं भुत्तं पडिसेवियं आवीकम्मं रहोकम्मं—अरहा
 अरहस्सभागी, तं तं मणवयकायजोगे वट्टमाणं सव्वलोए सव्वजीवाणं सव्व-
 भावे जाणमाणे पासमाणे विहरिस्सिइ । तए णं ददपइण्णे केवली एयारूवेणं विहारेणं
 विहरमाणे बहूइं वासाइं केवलपरियायं पाउणित्ता अप्पणो आउसेसं आभोएत्ता
 बहूइं भत्ताइं पच्चक्खाइस्सइ २ ता बहूइं भत्ताइं अणसणाए छेइस्सइ २ ता जस्स-
 ट्ठाए कीरइ णगाभावे मुण्डभावे केसलोए बम्भचेरवासे अण्हाणं अदंतवणं अणु-
 वहाणं भूमिसेजाओ फलइसेजाओ परपरपवेसो लद्धावलद्धाइं माणावमाणाइं परेस्ति

हीळणाओ गिंदणाओ विसणाओ तजणाओ ताडणाओ सरहणाओ उच्चावया विरूख-
 रूखा बावीसं परीसहोवसग्गा गामकण्टगा अहियासिजंति तमड्डं आराहेइ २ चा
 चरिमेहिं उस्सासणिस्सासेहिं सिज्झिहिइ बुज्झिहिइ मुच्चिहिइ परिणित्वाहिइ सव्व-
 दुक्खाणमंतं करेहिइ” ॥८०॥ “सेवं भंते ! सेवं भंते !” त्ति भगवं गोयमे समणं
 भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता संजमेणं तवसा अण्णाणं भावेमाणे
 विहरइ ॥८१॥

॥ निक्खेवो ॥ रायपसेणइयं समत्तं ॥



जीवाजीवाभिगमे

पढमा दुविह पडिवत्ती

णमो उसभाइयाणं चउवीसाए तित्थयराणं, इह खलु जिणमयं जिणाणुमयं जिणाणुलोमं जिणप्पणीयं जिणपरुवियं जिणप्पत्तायं जिणाणुचिण्णं जिणपण्णत्तं जिण-
देसियं जिणप्पसत्थं अणुत्वीइय तं सहहमाणा तं पत्तियमाणा तं रोएमाणा थेरा
भगवंतो जीवाजीवाभिगमणाममज्झयणं पण्णवइंसु ॥१॥ से किं तं जीवाजीवाभिगमे ?
जीवाजीवाभिगमे दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—जीवाभिगमे य अजीवाभिगमे य ॥ २ ॥
से किं तं अजीवाभिगमे ? अजीवाभिगमे दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—रुविअजीवाभिगमे
य अरुविअजीवाभिगमे य ॥३॥ से किं तं अरुविअजीवाभिगमे ? अरुविअजीवा-
भिगमे दसविहे प०, तंजहा—धम्मत्थिकाए एवं जहा पण्णवणाए जाव सेत्तं
अरुविअजीवाभिगमे ॥ ४ ॥ से किं तं रुविअजीवाभिगमे ? रुविअजीवाभिगमे
चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा—खंधा खंधदेसा खंधप्पसा परमाणुपोगला, ते समासओ
पंचविहा पण्णत्ता, तंजहा—वण्णपरिणया गंध० रस० फास० संटाणपरिणया, एवं ते
५ जहा पण्णवणाए, सेत्तं रुविअजीवाभिगमे, सेत्तं अजीवाभिगमे ॥५॥ से किं तं
जीवाभिगमे ? जीवाभिगमे दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—संसारसमावण्णगजीवाभिगमे य
असंसारसमावण्णगजीवाभिगमे य ॥६॥ से किं तं असंसारसमावण्णगजीवाभिगमे ?
२ दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—अणंतरसिद्धासंसारसमावण्णगजीवाभिगमे य परंपर-
सिद्धासंसारसमावण्णगजीवाभिगमे य । से किं तं अणंतरसिद्धासंसारसमावण्णग-
जीवाभिगमे ? २ पण्णरसविहे पण्णत्ते, तंजहा—तित्थसिद्धा जाव अणेगसिद्धा, सेत्तं
अणंतरसिद्धा० । से किं तं परंपरसिद्धासंसारसमावण्णगजीवाभिगमे ? २ अणेगविहे
पण्णत्ते, तंजहा—पढमसमयसिद्धा दुसमयसिद्धा जाव अणंतसमयसिद्धा, से तं पर-
परसिद्धासंसारसमावण्णगजीवाभिगमे, सेत्तं असंसारसमावण्णगजीवाभिगमे ॥ ७ ॥
से किं तं संसारसमावण्णगजीवाभिगमे ? संसारसमावण्णएसु णं जीवसु इमाओ णव
पडिवत्तीओ एवमाहिजंति, तं०—एगे एवमाहंसु—दुविहा संसारसमावण्णगा जीवा
प०, एगे एवमाहंसु—तिविहा संसारसमावण्णगा जीवा प०, एगे एवमाहंसु—चउव्विहा
संसारसमावण्णगा जीवा प०, एगे एवमाहंसु—पंचविहा संसारसमावण्णगा जीवा
प०, एएणं अभिलावेणं जाव दसविहा संसारसमावण्णगा जीवा पण्णत्ता ॥ ८ ॥

तत्थ णं जे एवमाहंसु 'दुविहा संसारसमावण्णगा जीवा प०' ते एवमाहंसु-तंजहा-
 तसा चेव थावरा चेव ॥ ९ ॥ से किं तं थावरा ? २ तिविहा पण्णत्ता, तंजहा-
 पुढविकाइया १ आउकाइया २ वणस्सइकाइया ३ ॥ १० ॥ से किं तं पुढविकाइया ?
 २ दुविहा प०, तं०-सुहुमपुढविकाइया य बायरपुढविकाइया य ॥ ११ ॥ से किं तं
 सुहुमपुढविकाइया ? २ दुविहा प०, तं०-पज्जत्ता य अपज्जत्ता य । संगहणिगाहा-
 सरीरोगाहणसंघयणसंठाणकसाय तह य हुंति सण्णाओ । लेसिंदियसमुग्घाओ, सण्णी
 वेए य पज्जत्ती ॥ १ ॥ विट्ठी दंसण्णाणे जोगुवओगे तहा किमाहारे । उवघाय-
 ठिई समुग्घायचवणगाइरागई चेव ॥ २ ॥ १२ ॥ तेसि णं भंते ! जीवाणं कइसरी-
 रगा पण्णत्ता ? गोयमा ! तओ सरीरगा प०, तं०-ओरालिए तेयए कम्मए ॥
 तेसि णं भंते ! जीवाणं केमहालिया सरीरोगाहणा प० ? गो० ! जहण्णेणं अंगुला-
 संखेज्जइभागं उक्कोसेणवि अंगुलासंखेज्जइभागं ॥ तेसि णं भंते ! जीवाणं सरीरा
 किंसंघयणा पण्णत्ता ? गोयमा ! छेवट्ठसंघयणा पण्णत्ता ॥ तेसि णं भंते ! सरीरा
 किंसंठिया प० ? गोयमा ! मसूरचंदसंठिया पण्णत्ता ॥ तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ
 कसाया पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि कसाया पण्णत्ता, तंजहा-कोहकसाए माणकसाए
 मायाकसाए लोहकसाए ॥ तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ सण्णाओ पण्णत्ताओ ?
 गोयमा ! चत्तारि सण्णाओ पण्णत्ताओ, तंजहा-आहारसण्णा जाव परिग्राहसण्णा ॥
 तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ लेसाओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! तिणिण लेस्साओ पण्ण-
 त्ताओ तंजहा-किण्हलेस्सा णीललेस्सा काउलेस्सा ॥ तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ
 इंदियाइं पण्णत्ताइं ? गोयमा ! एगे फासिंदिए पण्णत्ते । तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ
 समुग्घाया पण्णत्ता ? गोयमा ! तओ समुग्घाया पण्णत्ता, तंजहा-वेयणासमुग्घाए
 कसायसमुग्घाए मारणंतियसमुग्घाए ॥ ते णं भंते ! जीवा किं सण्णी असण्णी ?
 गोयमा ! णो सण्णी असण्णी ॥ ते णं भंते ! जीवा किं इत्थिवेया पुरिसवेया
 णपुंसगवेया ? गोयमा ! णो इत्थिवेया णो पुरिसवेया णपुंसगवेया । तेसि णं भंते !
 जीवाणं कइ पज्जत्तीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! चत्तारि पज्जत्तीओ पण्णत्ताओ, तंजहा-
 आहारपज्जत्ती सरीरपज्जत्ती इंदियपज्जत्ती आणपाणुपज्जत्ती । तेसि णं भंते ! जीवाणं
 कइ अपज्जत्तीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! चत्तारि अपज्जत्तीओ पण्णत्ताओ, तंजहा-
 आहारअपज्जत्ती जाव आणापाणुअपज्जत्ती ॥ ते णं भंते ! जीवा किं सम्मदिट्ठी
 मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी ? गोयमा ! णो सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी णो सम्मा-

मिच्छादिद्वी ॥ ते णं भंते ! जीवा किं चक्खुदंसणी अचक्खुदंसणी ओहिदंसणी
 केवलदंसणी ? गोयमा ! णो चक्खुदंसणी अचक्खुदंसणी णो ओहिदंसणी णो केवल-
 दंसणी ॥ ते णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! णो णाणी अण्णाणी,
 णियमा दुअण्णाणी, तंजहा—मइअण्णाणी सुयअण्णाणी य ॥ ते णं भंते ! जीवा किं
 मणज्जो जी वयजोगी कायजोगी ? गोयमा णो मणज्जो जी वयजोगी कायजोगी ॥
 ते णं भंते ! जीवा किं सागारोवउत्ता अणारोवउत्ता ? गोयमा ! सागारोवउत्तावि
 अणारोवउत्तावि ॥ ते णं भंते ! जीवा किमाहारमाहरंति ? गोयमा ! दच्चओ अणंत-
 पएसियाइं खेत्तओ असंखेजपएसोगाढाई कालओ अण्णयरसमयट्ठिइयाइं भावओ
 वण्णमंताइं गंधमंताइं रसमंताइं फासमंताइं ॥ जाइं भावओ वण्णमंताइं आ० ताइं
 किं एगवण्णाइं आ० दुवण्णाइं आ० तिवण्णाइं आ० चउवण्णाइं आ० पंचवण्णाइं
 आ० ? गोयमा ! ठाणमग्गणं पडुच्च एगवण्णाइंपि दुवण्णाइंपि तिवण्णाइंपि चउ-
 वण्णाइंपि पंचवण्णाइंपि आ०, विहाणमग्गणं पडुच्च कालांपि आ० जाव सुक्किहा-
 इंपि आ०, जाइं वण्णओ कालां आ० ताइं किं एगगुणकालां आ० जाव अणंत-
 गुणकालां आ० ? गोयमा ! एगगुणकालांपि आ० जाव अणंतगुणकालांपि आ०
 एवं जाव सुक्किहाइं ॥ जाइं भावओ गंधमंताइं आ० ताइं किं एगगंधां आ०
 दुगंधां आ० ? गोयमा ! ठाणमग्गणं पडुच्च एगगंधांपि आ० दुगंधांपि आ०,
 विहाणमग्गणं पडुच्च सुब्भिगंधांपि आ० दुब्भिगंधांपि आ०, जाइं गंधओ सुब्भि-
 गंधां आ० ताइं किं एगगुणसुब्भिगंधां आ० जाव अणंतगुणसुरभिगंधां आ० ?
 गोयमा ! एगगुणसुब्भिगंधांपि आ० जाव अणंतगुणसुब्भिगंधांपि आ०, एवं
 दुब्भिगंधांपि ॥ रसा जहा वण्णा ॥ जाइं भावओ फासमंताइं आ० ताइं किं एग-
 फासां आ० जाव अट्ठफासां आ० ? गोयमा ! ठाणमग्गणं पडुच्च णो एगफासां
 आ० णो दुफासां आ० णो तिफासां आ० चउफासां आ० पंचफासांपि जाव
 अट्ठफासांपि आ०, विहाणमग्गणं पडुच्च कक्खडांपि आ० जाव लुक्खाइंपि आ०,
 जाइं फासओ कक्खडां आ० ताइं किं एगगुणकक्खडां आ० जाव अणंतगुणकक्ख-
 डां आ० ? गोयमा ! एगगुणकक्खडांपि आ० जाव अणंतगुणकक्खडांपि आ०
 एवं जाव लुक्खा णेयव्वा ॥ ताइं भंते ! किं पुट्ठाइं आ० अपुट्ठाइं आ० ? गोयमा !
 पुट्ठाइं आ० णो अपुट्ठाइं आ०, ताइं भंते ! किं ओगाढां आ० अणोगाढां आ० ?
 गोयमा ! ओगाढां आ० णो अणोगाढां आ०, ताइं भंते ! किमणंतरोगाढां

आ० परंपरोगाढाई आ० ? गोयमा ! अणंतरोगाढाई आ० णो परंपरोगाढाई आ०, ताई भंते ! किं अणूई आ० बायराई आ० ? गोयमा ! अणूईपि आ० बायराईपि आहारैति, ताई भंते ! किं उड्डं आ० अहे आ० तिरियं आहारैति ? गोयमा ! उड्डंपि आ० अहेवि आ० तिरियंपि आ०, ताई भंते ! किं आई आ० मज्झे आ० पज्जवसाणे आहारैति ? गोयमा ! आईपि आ० मज्झेवि आ० पज्जवसाणेवि आ०, ताई भंते ! किं सविसए आ० अविसए आ० ? गोयमा ! सविसए आ० णो अविसए आ०, ताई भंते ! किं आणुपुब्बि आ० अणाणुपुब्बि आहारैति ? गोयमा ! आणुपुब्बि आहारैति णो अणाणुपुब्बि आहारैति, ताई भंते ! किं तिदिसिं आहारैति चउदिसिं आहारैति पंचदिसिं आहारैति छदिसिं आहारैति ? गोयमा ! णिव्वाधाएणं छदिसिं, वाधायं पडुच्च सिय तिदिसिं सिय चउदिसिं सिय पंचदिसिं, उस्सणकारणं पडुच्च वण्णओ काला पीला जाव सुक्खिळाई, गंधओ सुब्भिगंधाई दुब्भिगंधाई, रसओ जाव तित्तमहुराई, फासओ कक्खडमउय जाव णिदुल्लुक्खाई, तेसिं पोराणे वण्णगुणं जाव फासगुणे विपरिणामइत्ता परिपालइत्ता परिसाडइत्ता परिविद्धंसइत्ता अण्णे अपुब्बे वण्णगुणे गंधगुणे जाव फासगुणे उप्पाइत्ता आयसरीरओगाढे पोम्भले सव्वण्णयाए आहारमाहारैति ॥ ते णं भंते ! जीवा कओहिंतो उववज्जंति ? किं णेरइएहिंतो उववज्जंति तिरिक्खजोणिएहिंतो उ० मणुस्सेहिंतो उ०, णो देवेहिंतो उ०, तिरिक्खजोणियपज्जत्तापज्जेहिंतो असंखेज्जवासाउयवजेहिंतो उ०, मणुस्सेहिंतो अकम्मभूमिग-असंखेज्जवासाउयवजेहिंतो उववज्जंति, वक्कंती उववाओ भाणियव्वो ॥ तेसिं णं भंते ! जीवाणं केवइयं कालं ठिई ण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं ॥ ते णं भंते ! जीवा मारणंतियसमुग्धाएणं किं समोहया मरंति असमो-हया मरंति ? गोयमा ! समोहयावि मरंति असमोहयावि मरंति ॥ ते णं भंते ! जीवा अणंतरं उव्वट्ठित्ता कहिं गच्छंति ? कहिं उववज्जंति ?—किं णेरइएसु उववज्जंति तिरिक्खजोणिएसु उ० मणुस्सेसु उ० देवेसु उवव० ?, गोयमा ! णो णेरइएसु उववज्जंति तिरिक्खजोणिएसु उ० मणुस्सेसु उ० णो देवेसु उवव० । जइ तिरिक्खजोणिएसु उववज्जंति किं एगिंदिएसु उववज्जंति जाव पंचिंदिएसु उ० ? गोयमा ! एगिंदिएसु उववज्जंति जाव पंचेदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जंति, असंखेज्जवासाउयवजेसु पज्जत्तापज्जत्ताएसु उववज्जंति, मणुस्सेसु अकम्मभूमगअंतर-

दीवगअमंखेज्जासाउयवज्जेसु पज्जत्तापज्जत्ताएसु उववज्जंति ॥ ते णं भंते ! जीवा कइगइया कइआगइया पणत्ता ? गोयमा ! दुगइया दुआगइया, परित्ता असंखेज्जा पणत्ता समणाउसो ! से तं सुहुमपुढविकाइया ॥ १३ ॥ से किं तं वायरपुढविकाइया ? २ दुविहा पणत्ता, तंजहा—सण्हवायरपुढविकाइया य सखवायरपुढविकाइया य ॥ १४ ॥ से किं तं सण्हवायरपुढविकाइया ? २ सत्तविहा पणत्ता, तंजहा—कण्हमट्टिया, भेओ जहा पणवणाए जाव ते समासओ दुविहा पणत्ता, तंजहा—पजत्तगा य अपजत्तगा य । तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ सरीरगा पणत्ता ? गोयमा ! तओ सरीरगा प०, तंजहा—ओरालिए तेयए कम्मए, तं चेव सव्वं णवरं चत्तारि लेसाओ, अवसेसं जहा सुहुमपुढविकाइयाणं आहारो जाव णियमा छद्दिंसि, उववाओ तिरिक्खजोणियमणुस्सदेवेहिंतो, देवेहिं जाव सोहम्भेसा-णेहिंतो, ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं वावीसं वाससहस्साइं । ते णं भंते ! जीवा मारणंतियसमुत्थाएणं किं समोहया मरंति असमोहया मरंति ? गोयमा ! समोहयावि मरंति असमोहयावि मरंति । ते णं भंते ! जीवा अणंतरं उव्वट्ठित्ता कहिं गच्छंति ? कहिं उववज्जंति ?—किं णेरइएसु उववज्जंति ? ०, पुच्छा, गो० णो णेरइएसु उववज्जंति तिरिक्खजोणिएसु उववज्जंति मणुस्सेसु उव० णो देवेषु उव० तं चेव जाव असंखेज्जासाउयवजेहिंतो उव० । ते णं भंते ! जीवा कइगइया कइ-आगइया पणत्ता ? गोयमा ! दुगइया तिआगइया परित्ता असंखेज्जा प० समणा-उसो ! से तं वायरपुढविकाइया । सेत्तं पुढविकाइया ॥ १५ ॥ से किं तं आउक्का-इया ? २ दुविहा पणत्ता, तंजहा—सुहुमआउक्काइया य वायरआउक्काइया य, सुहुम-आउ० दुविहा पणत्ता, तंजहा—पजत्ता य अपजत्ता य । तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ सरीरया पणत्ता ? गोयमा ! तओ सरीरया पणत्ता, तंजहा—ओरालिए तेयए कम्मए, जहेव सुहुमपुढविकाइयाणं, णवरं थिबुगसंठिया पणत्ता, सेसं तं चेव जाव दुगइया दुआगइया परित्ता असंखेज्जा पणत्ता । से तं सुहुमआउक्काइया ॥ १६ ॥ से किं तं वायरआउक्काइया ? २ अणेगविहा पणत्ता, तंजहा—ओसा हिमे जाव जे यावण्णे तहप्पगारा, ते समासओ दुविहा पणत्ता, तंजहा—पजत्ता य अपजत्ता य, तं चेव सव्वं णवरं थिबुगसंठिया, चत्तारि लेसाओ, आहारो णियमा छद्दिंसि, उववाओ तिरिक्खजोणियमणुस्सदेवेहिंतो, ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्को-सेणं सत्तवाससहस्साइं, सेसं तं चेव जहा वायरपुढविकाइया जाव दुगइया तिआगइया

परित्ता असंखेज्जा पणत्ता समणाउसो !, सेत्तं बायरआऊ, सेत्तं आउक्काइया ॥१७॥
 से किं तं वणस्सइकाइया ? २ दुविहा पणत्ता, तंजहा—सुहुमवणस्सइकाइया य
 बायरवणस्सइकाइया य । से किं तं सुहुमवणस्सइकाइया ? २ दुविहा पणत्ता,
 तंजहा—पजत्तगा य अपजत्तगा य तद्देव णवरं अणित्थं (संठाण) संठिया,
 दुगइया दुआगइया अपरित्ता अणत्ता, अवसेमं जहा पुढविकाइयाणं, से तं सुहुम-
 वणस्सइकाइया ॥ १८ ॥ से किं तं बायरवणस्सइकाइया ? २ दुविहा पणत्ता,
 तंजहा—पत्तेयसरीरबायरवणस्सइकाइया य साहारणसरीरबायरवणस्सइकाइया य
 ॥१९॥ से किं तं पत्तेयसरीरबायरवणस्सइकाइया ? २ दुवालसविहा पणत्ता, तंजहा—
 रुक्खा गुच्छा गुम्मा लया य वल्ली य पज्जगा चेव । तणवल्लयहरियओसहिजलरुह-
 कुहणा य बोद्धवा ॥ १ ॥ से किं तं रुक्खा ? २ दुविहा पणत्ता, तंजहा—एगट्ठिया
 य बहुबीया य । से किं तं एगट्ठिया ? २ अणेगविहा पणत्ता, तंजहा—णिबंबजंजु
 जाव पुण्णागणागरुक्खे सीवणिणं तहा असोणे य, जे यावण्णे तहप्पगारा, एएसि
 णं मूलावि असंखेज्जजीविया, एयं कंदा खंधा तया साला पवाला पत्ता पत्तेयजीवा
 पुप्फाहं अणेगजीवाहं फला एगट्ठिया, सेत्तं एगट्ठिया । से किं तं बहुबीया ? २
 अणेगविहा पणत्ता, तंजहा—अत्थियत्तेदुयउंयरक्खिट्ठे आमलक्कफणसदाडिमण-
 गोहकाउंबरीयतिलयलउयलोद्धे धवे, जे यावण्णे तहप्पगारा, एएसि णं मूलावि
 असंखेज्जजीविया जाव फला बहुबीयगा, सेत्तं बहुबीयगा, सेत्तं रुक्खा, एवं जहा
 पणवणाए तहा भाणियव्वं, जाव जे यावण्णे तहप्पगारा, सेत्तं कुहणा—णाणाविह-
 संठाणा रुक्खाणं एगजीविया पत्ता । खंधेवि एगजीवो तालसरल्लणालिएरीणं ॥ १॥
 ‘जह सगलसरिसवाणं पत्तेयसरीराणं’ गाहा ॥ २ ॥ ‘जह वा तिलसक्कुलिया’ गाहा
 ॥ ३ ॥ सेत्तं पत्तेयसरीरबायरवणस्सइकाइया ॥ २० ॥ से किं तं साहारणसरीरबा-
 यरवणस्सइकाइया ? २ अणेगविहा पणत्ता, तंजहा—आलए मूलए सिंगेवरहिरिलि-
 सिरिलिसिस्सिरिलिकिट्टिया छिरिया छिरियविरालिया कण्हकंदे वज्जकंदे सूरणकंदे
 खल्लूडे किमिरासि भंहे मोत्थापिंडे हलिहा लोहारी णोहू (ठिहु) थिभु अस्सकणी
 सीहकणी सीउंदी मुसंदी जे यावण्णे तहप्पगारा ते समासओ दुविहा पणत्ता,
 तंजहा—पजत्तगा य अपजत्तगा य । तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ सरीरगा पणत्ता ?
 गोयमा ! तओ सरीरगा पणत्ता, तंजहा—ओरालिए तेयए कम्मए, तद्देव जहा
 बायरपुढविकाइयाणं, णवरं सरीरगाहणा जहण्णेणं अंगुल्लस असंखेज्जभागं

उक्कोसेणं साइरेगजोक्कणसहस्सं, सरीरगा अणित्थंत्थसंठिया, ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं दसवाससहस्साइं, जाव दुगइया तिआगइया परित्ता अणंता पणत्ता, सेत्तं वायरवणस्सइकाइया सेत्तं वणस्सइकाइया सेत्तं थावरा ॥ २१ ॥ से किं तं तसा ? २ तिविहा पणत्ता, तंजहा—तेउक्काइया वाउक्काइया ओराला तसा पाणा ॥ २२ ॥ से किं तं तेउक्काइया ? २ दुविहा पणत्ता, तंजहा—सुहुमतेउक्काइया य वायर-तेउक्काइया य ॥ २३ ॥ से किं तं सुहुमतेउक्काइया ? २ जहा सुहुमपुढविक्काइया णवरं सरीरगा सूइकलावसंठिया, एगगइया दुआगइया परित्ता असंखेज्जा पणत्ता, सेसं तं चेव, सेत्तं सुहुमतेउक्काइया ॥ २४ ॥ से किं तं वायरतेउक्काइया ? २ अणेगविहा पणत्ता, तंजहा—इंगाले जाले मुम्पुरे जाव सूरकंतमणिणिसिआ, जे यावण्णे तहप्पगारा, ते समासओ दुविहा पणत्ता, तंजहा—पज्जत्ता य अपज्जत्ता य । तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ सरीरगा पणत्ता ? गोयमा ! तओ सरीरगा पणत्ता, तंजहा—ओरालिए तेयए कम्मए, सेसं तं चेव, सरीरगा सूइकलावसंठिया तिणिण लेस्सा, ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिणिण राइंदियाइं तिरियमणुस्सेहिंतो उववाओ, सेसं तं चेव एगगइया दुआगइया, परित्ता असंखेज्जा पणत्ता सेत्तं तेउक्काइया ॥ २५ ॥ से किं तं वाउक्काइया ? २ दुविहा पणत्ता, तंजहा—सुहुमवाउक्काइया य वायरवाउक्काइया य, सुहुमवाउक्काइया जहा तेउक्काइया णवरं सरीरा पडागसंठिया एगगइया दुआगइया परित्ता असंखिज्जा, सेत्तं सुहुमवाउक्काइया । से किं तं वायरवाउक्काइया ? २ अणेगविहा पणत्ता, तंजहा—पाईणवाए पडीणवाए, एवं जे यावण्णे तहप्पगारा, ते समासओ दुविहा पणत्ता, तंजहा—पज्जत्ता य अपज्जत्ता य । तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ सरीरगा पणत्ता ? गोयमा ! चत्तारि सरीरगा पणत्ता तंजहा—ओरालिए वेउव्विए तेयए कम्मए, सरीरगा पडागसंठिया, चत्तारि समुग्घाया—वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए भारणतियसमुग्घाए वेउव्वियसमुग्घाए, आहारो णिव्वाद्याएणं छद्दिसिं वाघायं पडुच्च सिय तिदिसिं सिय चउदिसिं सिय पंचदिसिं, उववाओ देवमणुयणेरइयसु णत्थि, ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिणिण वाससहस्साइं, सेसं तं चेव एगगइया दुआगइया परित्ता असंखेज्जा पणत्ता समणा-उसो !, सेत्तं वायरवाउक्काइया, सेत्तं वाउक्काइया ॥ २६ ॥ से किं तं ओराला तसा पाणा ? २ चउव्विहा पणत्ता, तंजहा—वेइंदिया तेइंदिया चउरिंदिया पंचेइंदिया ॥ २७ ॥ से किं तं बेइंदिया ? २ अणेगविहा पणत्ता, तंजहा—पुलाकिमिया जाव

समुदल्लिक्त्वा, जे यावण्णे तहप्पगारा, ते समासओ दुविहा पणत्ता, तंजहा—पजत्ता य अपजत्ता य । तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ सरीरगा पणत्ता ? गोयमा ! तओ सरीरगा पणत्ता, तंजहा—ओरालिए तेयए कम्मए । तेसि णं भंते ! जीवाणं केम-
हालिया सरीरओगाहणा पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलासंखेज्जइभाणं उक्कोसेणं
बारसजोयणाई छेवड्डसंघयणा हुंडसंठिया, चत्तारि कसाया, चत्तारि सण्णाओ, तिण्णि
लेसाओ, दो इंदिया, तओ समुग्घाया—वेयणा कसाया मारणंतिया, णोसण्णी असण्णी,
णपुंसगवेयगा, पंच पजत्तीओ, पंच अपजत्तीओ, सम्मदिट्ठीवि मिच्छादिट्ठीवि णो
सम्माभिच्छादिट्ठी, णो चक्खुदंसणी अचक्खुदंसणी णो ओहिंदंसणी णो केवल-
दंसणी । ते णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! णाणीवि अण्णाणीवि,
जे णाणी ते णियमा दुण्णाणी, तंजहा—आमिणिबोहियणाणी सुयणाणी य, जे
अण्णाणी ते णियमा दुअण्णाणी—मइअण्णाणी य सुयअण्णाणी य, णो मणजोगी
वइजोगी कायजोगी, सागारोवउत्तावि अणगारोवउत्तावि, आहारो णियमा छहिसि,
उववाओ तिरियमणुस्सेसु णेरइयदेवअसंखेज्जवासाउयवज्जेसु, ठिई जहण्णेणं अंतो-
मुहुत्तं उक्कोसेणं बारस संवच्छराणि, समोहयावि मरंति असमोहयावि मरंति, कहिं
गच्छंति ? णेरइयदेवअसंखेज्जवासाउयवज्जेसु गच्छंति, दुगइया दुआगइया, परित्ता
असंखेज्जा, सेत्तं बेइंदिया ॥२८॥ से किं तं तेइंदिया ? २ अणेगविहा पणत्ता,
तंजहा—उवइया रोहिणिया जाव हत्थिसोँडा, जे यावण्णे तहप्पगारा, ते समासओ
दुविहा पणत्ता, तंजहा—पजत्ता य अपजत्ता य, तहेव जहा बेइंदियाणं, णवरं
सरीरोगाहणा उक्कोसेणं तिण्णि गाउयाई, तिण्णि इंदिया, ठिई जहण्णेणं अंतो-
मुहुत्तं उक्कोसेणं एगूणपण्णराइंदियाई, सेसं तहेव, दुगइया दुआगइया, परित्ता
असंखेज्जा पणत्ता, से तं तेइंदिया ॥२९॥ से किं तं चउरिंदिया ? २ अणेगविहा
पणत्ता, तंजहा—अंधिया पुत्तिया जाव गोमयकाँडा, जे यावण्णे तहप्पगारा ते
समासओ दुविहा पणत्ता, तंजहा—पजत्ता य अपजत्ता य, तेसि णं भंते ! जीवाणं
कइ सरीरगा पणत्ता ? गोयमा ! तओ सरीरगा पणत्ता तं चेव, णवरं सरीरगा-
हणा उक्कोसेणं चत्तारि गाउयाई, इंदियाई चत्तारि, चक्खुदंसणी अचक्खुदंसणी,
ठिई उक्कोसेणं छम्मासा, सेसं जहा तेइंदियाणं जाव असंखेज्जा पणत्ता, से तं
चउरिंदिया ॥३०॥ से किं तं पंचेइंदिया ? २ चउव्विहा पणत्ता, तंजहा—णेरइया
तिरिक्खजोणिया मणुस्सा देवा ॥३१॥ से किं तं णेरइया ? २ सत्तविहा पणत्ता,

तंजहा-रयणप्पभापुढविणेरइया जाय अहेसत्तमपुढविणेरइया, ते समासओ दुविहा
 पणत्ता, तं०-पज्जत्ता- य अपज्जत्ता य । तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ सरीरगा
 पणत्ता ? गोयमा ! तओ सरीरगा पणत्ता, तंजहा-वेउव्विए तेयए कम्मए ।
 तेसि णं भंते ! जीवाणं केमहालिया सरीरोगाहणा पणत्ता ? गोयमा ! दुविहा
 सरीरोगाहणा पणत्ता, तंजहा-भवधारणिजा य उत्तरवेउव्विया य, तत्थ णं जा सा
 भवधारणिजा सा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं पंचधणुसयाइं, तत्थ
 णं जा सा उत्तरवेउव्विया सा जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं उक्कोसेणं धणु-
 सहस्सं । तेसि णं भंते ! जीवाणं सरीरा किंसंघयणी पणत्ता ? गोयमा ! छण्हं
 संघयणाणं असंघयणी, णेवट्ठी णेव छिरा णेव ण्हारु णेव संघयणमत्थि, जे पोयाला
 अणिट्ठा अकंता अप्पिया असुभा अमणुणा अमणामा ते तेसि संघायत्ताए परिण-
 मंति । तेसि णं भंते ! जीवाणं सरीरा किंसंठिया पणत्ता ? गोयमा ! दुविहा पणत्ता,
 तंजहा-भवधारणिजा य उत्तरवेउव्विया य, तत्थ से जे ते भवधारणिजा ते
 हुंढसंठिया, तत्थ णं जे ते उत्तरवेउव्विया तेवि हुंढसंठिया पणत्ता, चत्तारि
 कसाया चत्तारि सण्णाओ तिणिण लेसाओ पंचेदिया चत्तारि समुग्धाया आइल्ला,
 सण्णावि असण्णावि, णणुसगवेया, छप्पज्जत्तीओ छ अपज्जत्तीओ, तिविहा दिट्ठी,
 तिणिणदंसणा, णाणीवि अण्णाणीवि, जे णाणी ते णियमा तिण्णाणी, तंजहा-आभि-
 णिवोहियणाणी सुयणाणी ओहिणाणी, जे अण्णाणी, ते अत्थेगइया दुअण्णाणी अत्थे-
 गइया तिअण्णाणी, जे य दुअण्णाणी ते णियमा मइअण्णाणी सुयअण्णाणी य, जे
 तिअण्णाणी ते णियमा मइअण्णाणी य सुयअण्णाणी य विमंगणाणी य, तिविहे
 जोगे, दुविहे उवओगे, छइसिं आहारो, ओसणं कारणं पडुच्च वण्णओ कालाईं
 जाव आहारमाहोरंति, उववाओ तिरियमणुस्सेसु, ठिई जहण्णेणं दसवाससहरसाईं
 उक्कोसेणं तेत्तीसं सगरोवमाईं, दुविहा मरंति, उव्वट्ठणा भाणियव्वा जओ आगया,
 णवरि संमुच्छिमेसु पडिसिद्धो, दुगइया दुआगइया परित्ता असंखेज्जा पणत्ता सम-
 णाउसो ! से तं णेरइया ॥ ३२ ॥ से किं तं पंचेदियतिरिक्खजोणिया ? २ दुविहा
 पणत्ता, तंजहा-संमुच्छिमपंचेदियतिरिक्खजोणिया य गम्भवक्कतियपंचेदियतिरि-
 क्खजोणिया य ॥ ३३ ॥ से किं तं संमुच्छिमपंचेदियतिरिक्खजोणिया ? २ तिविहा
 पणत्ता, तंजहा-जलयरा थलयरा खहयरा ॥ ३४ ॥ से किं तं जलयरा ? २ पंचविहा
 पणत्ता, तंजहा-मच्छा कच्छा मगरा गाहा सुसुमारा । से किं तं मच्छा ?

एवं जहा पणवणाए जाव जे यावण्णे तहप्पगारा, ते समासओ दुविहा पणत्ता, तंजहा—पजत्ता य अपजत्ता य । तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ सरीरगा पणत्ता ! गोयमा ! तओ सरीरगा पणत्ता तंजहा—ओरालिए तेयए कम्मए, सरीरोगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जभागं उक्कोसेणं जोयणसहस्सं, छेवट्टसंघयणी, हुंडसंठिया, चत्तारि कसाया, सण्णाओवि ४, लेसाओ तिण्णि, इंदिया पंच, समुग्गयाया तिण्णि णो सण्णी असण्णी, गणुंसगवेया, पजत्तीओ अपजत्तीओ य पंच, दो विट्ठीओ, दो दंसणा, दो णाणा दो अण्णाणा, दुविहे जोगे, दुविहे उवओगे, आहारो छहिसिं, उववाओ तिरियमणुस्सेहिं तो णो देवेहिं तो णो णेरइएहिं तो, तिरिएहिं तो असंखेज्जवासाउयवजेहिं तो, अकम्मभूमगअंतरदीवगअसंखेज्जवासाउयवज्जेसु मणुस्सेसु, ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी, मारणंतियसमुग्गाएणं दुविहावि मरंति, अणंतरं उव्वट्ठित्तं कहिं ? णेरइएसुवि तिरिक्खजोप्पिएसुवि मणुस्सेसुवि देवेसुवि, णेरइएसु रयणप्पहाए, सेसेसु पडिसेहो, तिरिएसु सव्वेसु उव्वज्जंति संखेज्जवासाउएसुवि असंखेज्जवासाउएसुवि चउप्पएसु पक्खीसुवि मणुस्सेसु सव्वेसु कम्मभूमिएसु णो अकम्मभूमिएसु अंतरदीवएसुवि संखिज्जवासाउएसुवि असंखिज्जवासाउएसुवि (पजत्तएसुवि अपजत्तएसुवि) देवेसु जाव वाणमंतरा, चउगइया दुआगइया, परित्ता असंखेज्जा पणत्ता । से तं समुच्छिमज्जलयरपंचं दियतिरिक्खजोणिया ॥ ३५ ॥ से किं तं थलयरसमुच्छिमपंचं दियतिरिक्खजोणिया ? २ दुविहा पणत्ता, तंजहा—चउप्पयथलयरसमुच्छिमपंचं दियतिरिक्खजोणिया परिसप्पसंमु० । से किं तं चउप्पयथलयरसमुच्छिम० ? २ चउव्विहा पणत्ता, तंजहा—एगखुरा दुखुरा गंडीपया सणफ्फया जाव जे यावण्णे तहप्पगारा ते समासओ दुविहा पणत्ता, तंजहा—पजत्ता य अपजत्ता य, तओ सरीरगा ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जभागं उक्कोसेणं गाउयपुहुत्तं ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं चउरासीइवाससहस्साइं, सेसं जहा जलयराणं जाव चउगइया दुआगइया परित्ता असंखेज्जा पणत्ता, सेत्तं चउप्पयथलयरसंमु० । से किं तं थलयरपरिसप्पसंमुच्छिमा ? २ दुविहा पणत्ता, तंजहा—उरपरिसप्पसंमुच्छिमा भुयपरिसप्पसंमुच्छिमा । से किं तं उरपरिसप्पसंमुच्छिमा ? २ चउव्विहा पणत्ता, तंजहा—अही अयगरा आसालिया महोरगा । से किं तं अही ? अही दुविहा पणत्ता, तंजहा—दव्वीकरा मउलिणो य । से किं तं दव्वीकरा ? २ अणेगविहा पणत्ता, तंजहा—आसीविसा जाव से तं दव्वीकरा ।

से किं तं मउलिणो ? २ अणेगविहा पणत्ता, तंजहा—दिक्वा मोणत्ता जाव से तं मउलिणो, सेत्तं अही । से किं तं अयगरा ? २ एगागारा पणत्ता, से तं अयगरा । से किं तं आसालिया ? २ जहा पणवणाए, से तं आसालिया । से किं तं महोरगा ? २ जहा पणवणाए, से तं महोरगा । जे यावण्णे तहप्पगारा ते समासओ दुविहा पणत्ता, तंजहा—पजत्ता य अपजत्ता य तं चेव, पवरि सरीरोगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जं उक्कोसेणं जोयणपुहुत्तं, ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तेवणं वाससहस्साइं, सेसं जहा जलयराणं जाव चउगइया दुआगइया परित्ता असंखेजा, से तं उरपरिस्थ्या । से किं तं भुयपरिस्पसंमुच्छिमथलयरा ? २ अणेगविहा पणत्ता, तंजहा—गोहा णउला जाव जे यावण्णे तहप्पगारा ते समासओ दुविहा पणत्ता, तंजहा—पजत्ता य अपजत्ता य, सरीरोगाहणा जहण्णेणं अंगुलासंखेज्जं उक्कोसेणं धणुपुहुत्तं, ठिई उक्कोसेणं वायालीसं वाससहस्साइं सेसं जहा जलयराणं जाव चउगइया दुआगइया परित्ता असंखेजा पणत्ता, से तं भुयपरिस्पसंमुच्छिमा, से तं थलयरा । से किं तं खहयरा ? २ चउव्विहा पणत्ता, तंजहा—चम्मपक्खी लोमपक्खी समुग्गपक्खी विययपक्खी । से किं तं चम्मपक्खी ? २ अणेगविहा पणत्ता, तंजहा—वग्गुली जाव जे यावण्णे तहप्पगारा, से तं चम्मपक्खी । से किं तं लोमपक्खी ? २ अणेगविहा पणत्ता, तंजहा—टंका कंका जे यावण्णे तहप्पगारा, से तं लोमपक्खी । से किं तं समुग्गपक्खी ? २ एगागारा पणत्ता जहा पणवणाए, एवं विययपक्खी जाव जे यावण्णे तहप्पगारा ते समासओ दुविहा पणत्ता, तंजहा—पजत्ता य अपजत्ता य, णाणत्तं सरीरोगाहणा जहं अंगु० असं० उक्कोसेणं धणुपुहुत्तं ठिई उक्कोसेणं वावत्तरिं वाससहस्साइं सेसं जहा जलयराणं जाव चउगइया दुआगइया परित्ता असंखेजा पणत्ता, से तं खहयसंमुच्छिमतिरिक्खजोणिया, से तं समुच्छिमपंचेदियतिरिक्खजोणिया ॥३६॥ से किं तं गब्बदब्बतियपंचेदियतिरिक्खजोणिया ? २ तिक्विहा पणत्ता, तंजहा—जलयरा थलयरा खहयरा ॥३७॥ से किं तं जलयरा ? जलयरा पंचविहा पणत्ता, तंजहा—मच्छा कच्छभा मगरा गाहा सुंमुमारा, सव्वेसिं भेदो भाणियव्वो तहेव जहा पणवणाए, जाव जे यावण्णे तहप्पगारा ते समासओ दुविहा पणत्ता, तंजहा—पजत्ता य अपजत्ता य, तेसि णं भेते ! जीवाणं कइ सरीरगा पणत्ता ! गोयमा ! चत्तारि सरीरगा पणत्ता, तंजहा—ओगालिए वेउव्विए तेयए कम्मए, सरीरोगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असं-

खेज० उक्कोसेणं जोयणसहस्सं छव्विहसंघयणी पणत्ता, तंजहा--वइरोसभणारायसंघयणी
 उसभणारायसंघयणी नारायसंघयणी अद्धणारायसंघयणी कीलियासंघयणी सेवट्टसंघयणी,
 छव्विहा संठिया पणत्ता, तंजहा--समचउरंसंठिया णम्भोदपरिमंडल० साइ० खुज०
 वामण० हुंड०, कसाया सव्वे सण्णाओ ४ लेसाओ ६ पंच इंदिया पंच समुघाया आइल्ल
 सण्णी णो असण्णी तिविह वेया छप्पज्जत्तीओ छअपज्जत्तीओ दिट्ठी तिविहावि तिण्णि
 दंसणा णाणीवि अण्णाणीवि जे णाणो ते अत्थेगइया दुणाणो अत्थेगइया तिण्णाणी,
 जे दुण्णाणी ते णियमा आभिणिबोहियणाणी य सुयणाणी य, जे तिण्णाणी ते णियमा
 आभिणिबोहियणाणी सुय० ओहिणाणी, एवं अण्णाणीवि, जोमे तिविहे उवओमे
 दुविहे आहारो छइसिं उववाओ णेरइएहिं जाव अहेसत्तमा तिरिक्खजोणिएसु
 सव्वेसु असंखेज्जासाउयवज्जेसु मणुस्सेसु अकम्मभूमराअंतरदीवगाअसंखेज्जासाउ य-
 वज्जेसु देवेसु जाव सहस्सारो, ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी, दुवि-
 हावि मरंति, अणंतरं उव्वट्ठित्ता णेरइएसु जाव अहेसत्तमा तिरिक्खजोणिएसु
 मणुस्सेसु सव्वेसु देवेसु जाव सहस्सारो, चउगइया चउआगइया परित्ता असंखेज्जा
 पणत्ता, से तं जलयरा ॥३८॥ से किं तं थलयरा ? २ दुविहा पणत्ता, तंजहा--
 चउप्पया य परिसप्पा य । से किं तं चउप्पया ? २ चउव्विहा पणत्ता, तंजहा--
 एगलुरा सो चेव भेदो जाव जे यावण्णे तहप्पगारा ते समासओ दुविहा पणत्ता,
 तंजहा--पज्जा य अपज्जा य, चत्तारि सरारा ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असं-
 खेज्ज० उक्कोसेणं छ गाउयाइं, ठिई ज० अं० उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं णवरं
 उव्वट्ठित्ता णेरइएसु चउत्थपुद्विं ताव गच्छंति, सेसं जहा जलयराणं जाव चउ-
 गइया चउआगइया परित्ता असंखेज्जा पणत्ता, से तं चउप्पया । से किं तं परि-
 सप्पा ? २ दुविहा पणत्ता, तंजहा--उरपरिसप्पा य भुयपरिसप्पा य, से किं तं उर-
 परिसप्पा ? २ तहेव आसालियवज्जो भेदो भाणियव्वो, सरारा(तिण्णि)चत्तारि, ओगा-
 हणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखे० उक्कोसेणं जोयणसहस्सं, ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं
 उक्कोसेणं पुव्वकोडी उव्वट्ठित्ता णेरइएसु जाव पंचमं पुद्विं ताव गच्छंति, तिरि-
 क्खमणुस्सेसु सव्वेसु, देवेसु जाव सहस्सारा, सेसं जहा जलयराणं जाव चउगइया
 चउआगइया परित्ता असंखेज्जा से तं उरपरिसप्पा । से किं तं भुयपरिसप्पा ? २
 भेदो तहेव, चत्तारि सरारा ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलसंखे० उक्कोसेणं गाउयपुहुत्तं
 ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी, सेसेसु ठाणेसु जहा उरपरिसप्पा, णवरं

दोच्चं पुटविं गच्छति, से तं भुयपरिसप्ता प० से तं थल्यरा ॥ ३९ ॥ से किं तं खहयरा ?
 २ चउविहा पणत्ता, तंजहा—चम्मपवखी तहेव भेदो, ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स
 अमंखे० उक्कोसेणं धणुपुहुत्तं, ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पलिओवमस्स
 अमंखेज्जभागो, सेसं जहा जलयरानं, णवरं जाव तच्चं पुटविं गच्छति जाव से तं
 खहयराभवक्कतियपंचं दियतिरिक्खज्जोणिया, से तं तिरिक्खज्जोणिया ॥ ४० ॥
 से किं तं मणुस्सा ? २ दुविहा पणत्ता, तंजहा—संमुच्छिममणुस्सा य गम्भवक्कतिय-
 मणुस्सा य ॥ कहि णं भंते ! संमुच्छिममणुस्सा संमुच्छंति ? गोयमा ! अंतो मणु-
 म्मखेत्ते जाव करंति । तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ सरारगा पणत्ता ? गोयमा !
 तिणिण सरारगा पणत्ता, तंजहा—ओरालिए तेयए कम्मए, से तं संमुच्छिममणुस्सा ।
 से किं तं गम्भवक्कतियमणुस्सा ? २ तिविहा पणत्ता, तंजहा—कम्मभूमया अकम्म-
 भूमया अंतरदीवया, एवं माणुस्सभेदो भाणियब्बो जहा पणवणाए तहा णिरवसेसं
 भाणियब्बं जाव छउमत्था य केवली य, ते समासओ दुविहा पणत्ता, तंजहा—
 पजत्ता य अपजत्ता य । तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ सरार प० ? गोयमा ! पंच
 सरारया प०, तंजहा—ओरालिए जाव कम्मए । सरारोगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स
 अमंखेज्ज० उक्कोसेणं तिणिण गाउयाई छच्चेव संवयणा छसंटाणा ! ते णं भंते !
 जीवा किं कोहकसाई जाव लोभकसाई अकसाई ? गोयमा ! सव्वेवि । ते णं भंते !
 जीवा किं आहारसण्णोवउत्ता जाव णोसण्णोवउत्ता ? गोयमा ! सव्वेवि । ते णं भंते !
 जीवा किं कण्हेला जाव अलेसा ? गोयमा ! सव्वेवि । सोइंदियोवउत्ता जाव णोइंदियो-
 वउत्तावि, सव्वे समुत्थाया, तंजहा—वेयणासमुत्थाए जाव केवलिसमुत्थाए, सण्णीवि
 णोसण्णी-असण्णीवि, इत्थिवंयावि जाव अवेयावि, पंच पजत्ती, तिविहावि दिट्ठी,
 चत्तारि दंसणा, णाणीवि अण्णाणीवि, जे णाणी ते अत्थेगइया दुणाणी अत्थेगइया
 तिणाणी अत्थेगइया चउणाणी अत्थेगइया एगणाणी, जे दुण्णाणी ते णियमा
 आभिणिबोहियणाणी सुयणाणी य, जे तिणाणी ते आभिणिबोहियणाणी सुयणाणी
 ओहिणाणी य, अहवा आभिणिबोहियणाणी सुयणाणी मणपज्जवणाणी य, जे चउ-
 णाणी ते णियमा आभिणिबोहियणाणी सुय० ओहि० मणपज्जवणाणी य, जे एग-
 णाणी ते णियमा केवलणाणी, एवं अण्णाणीवि दुअण्णाणी तिअण्णाणी, मणजोगीवि
 वइकायजोगीवि अजोगीवि, दुविहउवओगे आहारो छइहिं उववाओ णेरइएहिं
 अहेसत्तमवजेहिं तिरिक्खज्जोणिएहिंतो, उववाओ अमंखेज्जवासाउयवजेहिं मणुएहिं

अकम्मभूमगअंतरदीवगअसंखेज्जवासाउयवजेहिं, देवेहिं सव्वेहिं, ठिई जहण्णेणं
 अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिणिणं पल्लिओवमाइं, दुविहावि मरंति, उव्वट्ठित्ता, णेरइयाइसु
 जाव अणुत्तरोववाइएसु, अथेगइया सिञ्जंति जाव अंतं करंति । ते णं भंते ! जीवा
 कइगइया कइआगइया पण्णत्ता ? गोयमा ! पंचगइया चउआगइया परित्ता संखिजा
 पण्णत्ता, सेत्तं मणुस्सा ॥४१॥ से किं तं देवा ? देवा चउव्विहा पण्णत्ता, तंजहा—
 भवणवासी वाणमंतरा जोइसिया वेमाणिया । से किं तं भवणवासी ? २ दसविहा
 पण्णत्ता, तंजहा—असुरा जाव थणिया, से तं भवणवासी । से किं तं वाणमंतरा ? २
 देवभेदो सव्वो भाणियव्वो जाव ते समासओ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—पजत्ता य
 अपजत्ता य, तेसि णं तओ सरीरगा—वेउव्विए तेयए कम्मए । ओगाहणा दुविहा—
 भवधारणिजा य उत्तरवेउव्विया य, तथ णं जा सा भवधारणिजा सा जहण्णेणं अंगु-
 लस्स असंखेज्जभागं उक्कोसेणं सत्त रयणीओ, उत्तरवेउव्विया जहण्णेणं अंगुलस्स
 संखेज्ज ० उक्कोतेणं जोयणसयसहस्सं, सरीरगा छ्हं संघयणाणं असंघयणी णेवट्ठी
 णेव छिरा णेव ण्हारु णेव संघयणमत्थि, जे पोमाला इट्ठा कंता जाव ते तेसिं संघा-
 यत्ताए परिणमंति, किंसंठिया ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—भवधारणिजा य
 उत्तरवेउव्विया य, तथ णं जे ते भवधारणिजा तें णं समचउरंससंठिया पण्णत्ता,
 तथ णं जे ते उत्तरवेउव्विया ते णं णाणासंठाणसंठिया पण्णत्ता, चत्तारि कसाया
 चत्तारि सण्णा छ लेस्साओ पंच इंदिया पंच समुग्धाया सण्णीवि असण्णीवि इत्थि-
 वेयावि पुरिसवेयावि णो णपुंसगवेया, पजत्ती अपजत्तीओ पंच, दिट्ठी तिणिणं, तिणिणं
 दंसणा, णाणीवि अण्णाणीवि, जे णाणी ते गियमा तिण्णाणी अण्णाणी भयणाए,
 तिविहे जोगे, दुविहे उवओगे, आहारो गियमा छ्हिसिं, ओसण्णकारणं पडुच्च वण्णओ
 हालिदसुक्किट्ठाइं जाव आहारमाहारंति, उववाओ तिरियमणुस्सेसु, ठिई जहण्णेणं दस
 वाससहस्साइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं, दुविहावि मरंति, उव्वट्ठित्ता णो
 णेरइएसु गच्छंति तिरियमणुस्सेसु जहासंभवं, णो देवेषु गच्छंति, दुगइया दुआगइया
 परित्ता असंखेजा पण्णत्ता, से तं देवा, से तं पंचेदिया, सेत्तं ओराला तसा पाणा
 ॥ ४२ ॥ थावरस्स णं भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं
 अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं ठिई पण्णत्ता । तसस्स णं भंते ! केवइयं
 कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं
 ठिई पण्णत्ता । थावरे णं भंते ! थावरत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा !

जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं अणंतं कालं अणंताओ उस्सप्पिणीओ अवसप्पिणीओ कालओ खेत्तओ अणंता लोया असंखेज्जा पुगलपरियट्ठा, ते णं पुगलपरियट्ठा आर्वलियाए असंखेज्जइभागो । तस्स णं भंते ! तस्सि कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं असंखेज्जाओ उस्सप्पिणीओ अवसप्पिणीओ कालओ खेत्तओ असंखेज्जा लोया । थावरस्स णं भंते ! केवइकालं अंतरं होइ ? गोयमा ! जहा तससंचिट्ठणाए । तसस्स णं भंते ! केवइकालं अंतरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं वणस्सइकालो । एसि णं भंते ! तसाणं थावराणं य कयरे कयरेहिंता अप्पा वा बहुया वा तुट्ठा वा विसंसाहिया वा ? गोयमा ! सब्बथोवा तमा थावरा अणंतगुणा, से तं दुविहा संसारसमावण्णमा जीवा पणत्ता ॥ ४३ ॥ पढमा दुविहपडिवत्ती समत्ता ॥

दोच्चा तिविहा पडिवत्ती

तत्थ जे ते एवमाहंसु तिविहा संसारसमावण्णमा जीवा पणत्ता ते एवमाहंसु, तंजहा—इत्थी पुरिसा णणुसमा ॥ ४४ ॥ से किं तं इत्थीओ ? २ तिविहाओ पणत्ताओ, तंजहा—तिरिक्खज्जोणित्थीओ मणुस्सिक्खीओ देविक्खीओ । से किं तं तिरिक्खज्जोणित्थीओ ? २ तिविहाओ पणत्ताओ तंजहा—जलयरीओ थलयरीओ खहयरीओ । से किं तं जलयरीओ ? २ पंचविहाओ पणत्ताओ, तंजहा—मच्छीओ जाव मुमुमारीओ से तं जलयरीओ । से किं तं थलयरीओ ? २ दुविहाओ पणत्ताओ तंजहा—चउप्पईओ य परिसप्पीओ य । से किं तं चउप्पईओ ? २ चउविहाओ पणत्ताओ तंजहा—एगखुरीओ जाव सणप्पईओ से तं चउप्पयथलयरतिरिक्खज्जोणित्थीओ । से किं तं परिसप्पीओ ? २ दुविहाओ पणत्ताओ, तंजहा—उरपरिसप्पीओ य भुयपरिसप्पीओ य । से किं तं उरपरिसप्पीओ ? २ तिविहाओ पणत्ताओ तंजहा—अहीओ अहिगरीओ महोरगीओ य, सेत्तं उरपरिसप्पीओ । से किं तं भुयपरिसप्पीओ ? २ अणेगविहाओ पणत्ताओ तंजहा—सेरडीओ सेरंघीओ गोहीओ णउलीओ सेंधाओ सरडीओ सिरसेंधीओ भावीओ सोवीओ खाराओ पल्लावाइयाओ चउप्पइयाओ मूसियाओ मुगुसियाओ घरोलियाओ गोहियाओ जोहियाओ बिरचिरालियाओ सेत्तं भुयपरिसप्पीओ । से किं तं खहयरीओ ? २ चउविहाओ पणत्ताओ तंजहा—चम्मपक्खीओ जाव वियय० सेत्तं खहयरीओ, सेत्तं तिरिक्खज्जोणित्थीओ ॥

से किं तं मणुस्सित्थीओ ? २ तिविहाओ पणत्ताओ तंजहा—कम्मभूमियाओ अकम्म-
भूमियाओ अंतरदीवियाओ । से किं तं अंतरदीवियाओ ? २ अट्ठाविंसइविहाओ पण-
त्ताओ, तंजहा—एगूढइयाओ आभासियाओ जाव सुद्धदंतीओ, सेत्ते अंतरदी० ॥ से
किं तं अकम्मभूमियाओ ? २ तीसविहाओ पणत्ताओ तंजहा—पंचसु हेमवएसु पंचसु
एरणवएसु पंचसु हरिवासेसु पंचसु रम्मगदासेसु पंचसु देवकुरासु पंचसु उत्तरकुरासु
सेत्ते अकम्म० । से किं तं कम्मभूमियाओ ? २ पण्णरसविहाओ पणत्ताओ, तंजहा—
पंचसु भरहेसु पंचसु एखएसु पंचसु महाविदेहेसु, सेत्ते कम्मभूमगमणुस्सित्थीओ,
सेत्ते मणुस्सित्थीओ ॥ से किं तं देविन्थियाओ ? २ चउव्विहाओ पणत्ताओ तंजहा—
भवणवासिदेविन्थियाओ वाणमंतरदेविन्थियाओ जोइसियदेविन्थियाओ वेमाणिय-
देविन्थियाओ । से किं तं भवणवासिदेविन्थियाओ ? २ दसविहाओ पणत्ताओ
तंजहा—असुरकुमारभवणवासिदेविन्थियाओ जाव थणियवुमारभवणवासिदेविन्थि-
याओ, से तं भवणवासिदेविन्थियाओ । से किं तं वाणमंतरदेविन्थियाओ ? अट्ठ-
विहाओ पणत्ताओ तंजहा—पिसायवाणमंतरदेविन्थियाओ जाव गंधव्व० से तं
वाणमंतरदेविन्थियाओ । से किं तं जोइसियदेविन्थियाओ ? २ पंचविहाओ
पणत्ताओ तंजहा—चंदविमाणजोइसियदेविन्थियाओ सूर० गह० णक्खत्त० तारा-
विमाणजोइसियदेविन्थियाओ, सेत्ते जोइसियाओ । से किं तं वेमाणियदेविन्थियाओ ?
२ दुविहाओ प० तंजहा—सोहम्मकप्पवेमाणियदेविन्थियाओ ईसाणकप्पवेमाणिय-
देविन्थियाओ, सेत्ते वेमाणित्थीओ ॥४५॥ इत्थीणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पणत्ता ?
गोयमा ! एगेणं आएसेणं जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पणपणं पलिओवमाइं एक्केणं
आएसेणं जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं णव पलिओवमाइं एगेणं आएसेणं जहण्णेणं
अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं सत्त पलिओवमाइं एगेणं आएसेणं जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं
पण्णासं पलिओवमाइं ॥४६॥ तिरिक्खजोणित्थीणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पणत्ता ?
गो० जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं । जलयरतिरिक्खजोणित्थीणं
भंते ! केवइयं कालं ठिई पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतो० उक्को० पुव्वकोडी ।
चउप्पयथलयरतिरिक्खजोणित्थीणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पणत्ता ? गो० जहा
तिरिक्खजोणित्थीओ । उरपरिसप्पथलयरतिरिक्खजोणित्थीणं भंते ! केवइयं कालं
ठिई पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी । एवं भुयपरि-
सप्प० । एवं खहयरतिरिक्खत्थीणं जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्को० पलिओवमस्स
असंखेजइभागो ॥ मणुस्सित्थीणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पणत्ता ? गोयमा !

खत्तं पडुच्च जह० अंतो० उक्को० तिणिण पलिओवमाइं, धम्मचरणं पडुच्च जह०
 अंतो० उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी । कम्मभूमयमणुस्सिस्थीणं भंते ! केवइयं
 कालं ठिई पणत्ता ? गोयमा ! खत्तं पडुच्च जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिणिण
 पलिओवमाइं धम्मचरणं पडुच्च जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी ।
 भरहेरवयकम्मभूमगमणुस्सिस्थीणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पणत्ता ? गोयमा ! खत्तं
 पडुच्च जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिणिण पलिओवमाइं, धम्मचरणं पडुच्च जहण्णेणं
 अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी । पुव्वविदेहअवरविदेहकम्मभूमगमणुस्सि-
 स्थीणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पणत्ता ? गोयमा ! खत्तं पडुच्च जहण्णेणं अंतो०
 उक्कोसेणं पुव्वकोडी, धम्मचरणं पडुच्च जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं देसूणा
 पुव्वकोडी । अकम्मभूमगमणुस्सिस्थीणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पणत्ता ? गोयमा !
 जम्मणं पडुच्च जहण्णेणं देसूणं पलिओवमं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागउणगं
 उक्कोसेणं तिणिण पलिओवमाइं, संहरणं पडुच्च जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं देसूणा
 पुव्वकोडी । हेमवएरण्णवए जम्मणं पडुच्च जहण्णेणं देसूणं पलिओवमं पलिओ-
 वमस्स असंखेज्जइभागोण ऊणगं उक्कोसेणं पलिओवमं संहरणं पडुच्च जहण्णेणं
 अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी । हरिवासरम्मयवासअकम्मभूमगमणुस्सिस्थीणं
 भंते ! केवइयं कालं ठिई पणत्ता ? गोयमा ! जम्मणं पडुच्च जहण्णेणं देसूणाइं
 दो पलिओवमाइं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागोण ऊणवाइं उक्को० दो पलिओ-
 वमाइं, संहरणं पडुच्च जह० अंतो० उक्को० देसूणा पुव्वकोडी । देववुरुत्तर-
 कुरुअकम्मभूमगमणुस्सिस्थीणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पणत्ता ? गोयमा ! जम्मणं
 पडुच्च जहण्णेणं देसूणाइं तिणिण पलिओवमाइं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागोण उण-
 गाइं उक्को० तिणिण पलिओवमाइं, संहरणं पडुच्च जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्को० देसूणा
 पुव्वकोडी । अंतरदावगअकम्मभूमगमणुस्सिस्थीणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पणत्ता ?
 गोयमा ! जम्मणं पडुच्च जहण्णेणं देसूणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पलिओवमस्स
 असंखेज्जइभागोण ऊणयं उक्को० पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं संहरणं पडुच्च जहण्णेणं
 अंतोमु० उक्को० देसूणा पुव्वकोडी ॥ देविस्थीणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पणत्ता ?
 गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्साइं उक्कोसेणं पणपणं पलिओवमाइं । भवणवासि-
 देविस्थीणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्साइं
 उक्कोसेणं अद्धपंचमाइं पलिओवमाइं । एवं असुरकुमारगवणवासिदेविस्थियाए, णाग-

कुमारभणवासिदेविन्धियाएवि जहण्णेणं दसवाससहस्साइं उक्कोसेणं देसूणाइं पलि-
 ओवमाइं, एवं सेसाणवि जाव थणियकुमाराणं । वाणमंतरीणं जहण्णेणं दसवास-
 सहस्साइं उक्कोसेणं अद्धपलिओवमं । जोइसियदेविन्धियं भंते ! केवइयं कालं ठिईं
 पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं पलिओवमं अट्टमं भागं उक्कोसेणं अद्धपलिओवमं
 पण्णासाए वाससहस्सेहिं अब्भहियं, चंदविमाणजोइसियदेविन्धियाए जहण्णेणं
 चउभागपलिओवमं उक्कोसेणं तं चेव, मूरविमाणजोइसियदेविन्धियाए जहण्णेणं
 चउभागपलिओवमं उक्कोसेणं अद्धपलिओवमं पंचहिं वाससएहिमब्भहियं, गहवि-
 माणजोइसियदेविन्धियं जहण्णेणं चउभागपलिओवमं उक्कोसेणं अद्धपलिओवमं,
 णक्खत्तविमाणजोइसियदेविन्धियं जहण्णेणं चउभागपलिओवमं उक्कोसेणं चउभाग-
 पलिओवमं साइरेणं, ताराविमाणजोइसियदेविन्धियाए जहण्णेणं अट्टभागं पलिओवमं
 उक्को० साइरेणं अट्टभागपलिओवमं । वेमाणियदेविन्धियाए जहण्णेणं पलिओवमं
 उक्कोसेणं पणपणं पलिओवमाइं, सोहम्मकण्यवेमाणियदेविन्धियं भंते ! केवइयं कालं
 ठिईं प० ! गोयमा ! जहण्णेणं पलिओवमं उक्कोसेणं सत्त पलिओवमाइं, ईसाण-
 देविन्धियं जहण्णेणं साइरेणं पलिओवमं उक्कोसेणं णव पलिओवमाइं ॥ ४७ ॥
 इन्धियं भंते ! इत्थित्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! एक्केणाएसेणं जहण्णेणं
 एक्कं समयं उक्कोसेणं दसुत्तरं पलिओवमसयं पुव्वकोडिपुहुत्तमब्भहियं । एक्केणाएसेणं
 जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अट्टारस पलिओवमाइं पुव्वकोडीपुहुत्तमब्भहियाइं ।
 एक्केणाएसेणं जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं चउद्दस पलिओवमाइं पुव्वकोडिपुहुत्तम-
 ब्भहियाइं । एक्केणाएसेणं जह० एक्कं समयं उक्को० पलिओवमसयं पुव्वकोडीपुहुत्तम-
 ब्भहियं । एक्केणाएसेणं जह० एक्कं समयं उक्को० पलिओवमपुहुत्तं पुव्वकोडीपुहुत्तम-
 ब्भहियं । तिरिक्खजोणिन्धियं भंते ! तिरिक्खजोणिन्धित्ति कालओ केवच्चिरं होइ ।
 गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं पुव्वकोडी पुहुत्तमब्भ-
 हियाइं, जलयरीए जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडिपुहुत्तं । चउप्पयथलयर-
 तिरिक्खजो० जहा ओहिया तिरिक्ख०, उरपरिसप्पीभुयपरिसप्पिन्धियं भंते जहा
 जलयरीणं, खहयरी० जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्को० पलिओवमस्स असंखेज्झभागं
 पुव्वकोडिपुहुत्तमब्भहियं । मणुस्सिन्धियं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा !
 खेत्तं पडुच्च जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्को० तिण्णि पलिओवमाइं पुव्वकोडिपुहुत्तमब्भहि-
 याइं, धम्मचरणं पडुच्च जह० एक्कं समयं उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी, एवं कम्मभूमि-

यावि भरहेरवयावि, णवरं खेत्तं पडुच्च जह० अंतो० उक्को० तिणिण पलिओवमाइं
 देसूणपुव्वकोडीअब्भहियाइं, धम्मचरणं पडुच्च जह० एकं समयं उक्को० देसूणा
 पुव्वकोडी । पुव्वविदेहअवरविदेहिथी णं खेत्तं पडुच्च जह० अंतो० उक्को० पुव्व-
 कोडीपुहुत्तं, धम्मचरणं पडुच्च जह० एकं समयं उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी ।
 अकम्मभूमियमणुस्सिन्धी णं भंते ! अकम्मभूमि० कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा !
 जम्मणं पडुच्च जह० देसूणं पलिओवमं पलिओवमस्स असंखेज्जभागेणं ऊणं उक्को०
 तिणिण पलिओवमाइं । संहरणं पडुच्च जह० अंतो० उक्कोसेणं तिणिण पलिओवमाइं
 देसूणाए पुव्वकोडीए अब्भहियाइं । हेमवएरणवए अकम्मभूमगमणुस्सिन्धी णं
 भंते ! हेम० कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जम्मणं पडुच्च जह० देसूणं पलि-
 ओवमं पलिओवमस्स असंखेज्जभागेणं ऊणं, उक्को० पलिओवमं । साहरणं पडुच्च
 जह० अंतोमु० उक्को० पलिओवमं देसूणाए पुव्वकोडीए अब्भहियं । हरिवासरम्मय-
 अकम्मभूमगमणुस्सिन्धी णं भंते !, जम्मणं पडुच्च जह० देसूणाइं दो पलिओवमाइं
 पलिओवमस्स असंखेज्जभागेणं ऊणगाइं, उक्को० दो पलिओवमाइं । संहरणं पडुच्च
 जह० अंतोमु० उक्को० दो पलिओवमाइं देसूणपुव्वकोडिमब्भहियाइं । उत्तरकुरुदे-
 वकुरुणं, जम्मणं पडुच्च जहण्णेणं देसूणाइं तिणिण पलिओवमाइं पलिओवमस्स असं-
 खेज्जभागेणं ऊणगाइं उक्को० तिणिण पलिओवमाइं । संहरणं पडुच्च जह० अंतोमु०
 उक्को० तिणिण पलिओवमाइं देसूणाए पुव्वकोडीए अब्भहियाइं । अंतरदीवाकम्मभूम-
 गमणुस्सिन्धी० ? गो० ! जम्मणं पडुच्च जह० देसूणं पलिओवमस्स असंखेज्जभागे
 पलिओवमस्स असंखेज्जभागेणं ऊणं उक्को० पलिओवमस्स असंखेज्जभागे । साहरणं
 पडुच्च जह० अंतोमु० उक्को० पलिओवमस्स असंखेज्जभागे देसूणाए पुव्वकोडीए
 अब्भहियं । देविथी णं भंते ! देविथिस्सि कालं, जच्चेव संचिट्ठणा ॥ ४८ ॥
 इत्थीणं भंते ! केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! जह० अंतोमु० उक्को० अणंतं
 कालं, वणस्सइकालो, एवं सव्वासिं तिरिक्खिन्धीणं । मणुस्सिन्धीए खेत्तं पडुच्च जह०
 अंतो० उक्को० वणस्सइकालो, धम्मचरणं पडुच्च जह० एकं समयं उक्को० अणंतं
 कालं जाव अवड्ढपोमालपरिवट्टं देसूणं, एवं जाव पुव्वविदेहअवरविदेहियाओ,
 अकम्मभूमगमणुस्सिन्धीणं भंते ! केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! जम्मणं पडुच्च
 जहण्णेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, उक्को० वणस्सइकालो, संहरणं पडुच्च
 जह० अंतोमु० उक्को० वणस्सइकालो, एवं जाव अंतरदीवियाओ । देविथियाणं

सव्वासिं जह० अंतो० उक्को० वणस्सइकाले ॥ ४९ ॥ एयासि णं भंते ! तिरिक्खजोणित्थियाणं मणुस्सित्थियाणं देवित्थियाणं कयरा २ हितो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवाओ मणुस्सित्थियाओ तिरिक्खजोणित्थियाओ असंखेज्जगुणाओ देवित्थियाओ असंखेज्जगुणाओ । एयासि णं भंते ! तिरिक्खजोणित्थियाणं जल्यरीणं थल्यरीणं खह्यरीणं य कयरा २ हितो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवाओ खह्यरतिरिक्खजोणित्थियाओ थल्यरतिरिक्खजोणित्थियाओ संखेज्जगुणाओ जल्यरतिरिक्ख० संखेज्जगुणाओ ॥ एयासि णं भंते ! मणुस्सित्थीणं कम्मभूमियाणं अकम्मभूमियाणं अंतरदीवियाणं य कयरा २ हितो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवाओ अंतरदीवग-अकम्मभूमगमणुस्सित्थियाओ देवकुरुत्तरकुरुअकम्मभूमगमणुस्सित्थियाओ दोवि तुल्लाओ संखेज्जगु०, हरिवासरम्मयवासअकम्मभूमगमणुस्सित्थियाओ दोवि तुल्लाओ संखेज्जगु०, हेमवएरणवयअकम्मभूमगमणुस्सित्थियाओ दोवि तुल्लाओ संखेज्जगु०, भरहेरवयकम्मभूमगमणुस्सि० दोवि तुल्लाओ संखेज्जगु०, पुव्वविदेहअवरविदेहकम्मभूमगमणुस्सित्थियाओ दोवि तुल्लाओ संखेज्जगुणाओ ॥ एयासि णं भंते ! देवित्थियाणं भवणवासीणं वाणमंतरीणं जोइसिणीणं वेमाणिणीणं य कयरा २ हितो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवाओ वेमाणियदेवित्थियाओ भवणवासिदेवित्थियाओ असंखेज्जगुणाओ वाणमंतरदेवित्थियाओ असंखेज्जगुणाओ जोइसियदेवित्थियाओ संखेज्जगुणाओ ॥ एयासि णं भंते ! तिरिक्खजोणित्थियाणं जल्यरीणं थल्यरीणं खह्यरीणं मणुस्सित्थियाणं कम्मभूमियाणं अकम्मभूमियाणं अंतरदीवियाणं देवित्थीणं भवणवासिणीणं वाणमंतरीणं जोइसिणीणं वेमाणिणीणं य कयरा २ हितो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसे० ? गोयमा ! सव्वत्थोवाओ अंतरदीवगअकम्मभूमगमणुस्सित्थियाओ देवकुरुत्तरकुरुअकम्मभूमगमणुस्सित्थियाओ दोवि तुल्लाओ संखेज्जगुणाओ, हरिवासरम्मयवासअकम्मभूमगमणुस्सित्थियाओ दोऽवि तुल्लाओ संखेज्जगु०, हेमवएरणवयअकम्मभूमग० दोऽवि तुल्लाओ संखेज्जगु०, भरहेरवयकम्मभूमगमणुस्सित्थीओ दोऽवि तुल्लाओ संखेज्जगु०, पुव्वविदेहअवरविदेहकम्मभूमगमणुस्सि० दोऽवि संखेज्जगु०, वेमाणियदेवित्थियाओ असंखेज्जगु०, भवणवासिदेवित्थियाओ असंखेज्जगु०, खह्यरतिरिक्खजोणित्थियाओ असंखेज्जगु०, थल्यरतिरिक्खजोणित्थियाओ संखेज्जगु०, जल्यरतिरिक्खजोणित्थियाओ संखेज्जगुणाओ, वाणमंतरदेवित्थियाओ संखेज्जगुणाओ जोइसियदेवित्थियाओ संखेज्ज-

गुणाओ॥५०॥ इत्थिवेयस्स णं भंते ! कम्मस्स केवइयं कालं बंधठिई पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स दिवडुदो सत्तभागो पलिओवमस्स असंखेजइभागेण ऊणो उक्को० पण्णरस सागरोवमकोडाकोडीओ, पण्णरस वाससयाइं अवाहा, अवाहूणिया कम्मठिई कम्मणिसेओ ॥ इत्थिवेए णं भंते ! किंपगारे पणत्ते ? गोयमा ! कुंफु-अगिसमाणे पणत्ते, सेत्तं इत्थियाओ ॥५१॥ से किं तं पुरिसा ? पुरिसा तिविहा पणत्ता, तंजहा—तिरिक्खजोणियपुरिसा मणुस्सपुरिसा देवपुरिसा ॥ से किं तं तिरिक्खजोणियपुरिसा ? २ तिविहा पणत्ता, तंजहा—जलयरा थलयरा खहयरा इत्थिभेदो भाणियव्वो जाव खहयरा, सेत्तं खहयरा सेत्तं तिरिक्खजोणियपुरिसा ॥ से किं तं मणुस्सपुरिसा ? २ तिविहा पणत्ता, तंजहा—कम्मभूमगा अकम्मभूमगा अंतरदीवगा, सेत्तं मणुस्सपुरिसा ॥ से किं तं देवपुरिसा ? देवपुरिसा चउब्बिहा पणत्ता, इत्थिभेओ भाणियव्वो जाव सव्वडुसिद्धा ॥५२॥ पुरिसस्स णं भंते ! केवइयं कालं ठिई पणत्ता ? गोयमा ! जह० अंतोमु० उक्को० तेत्तीसं सागरोवमाइं । तिरिक्खजोणियपुरिसाणं मणुस्साणं जा चेव इत्थीणं ठिई सा चेव भाणियव्वा ॥ देवपुरिसाणवि जाव सव्वडुसिद्धाणं ति ताव ठिई जहा पण्णवणाए तहा भाणियव्वा ॥५३॥ पुरिसे णं भंते ! पुरिसेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतो० उक्को० सागरोवमसयपुहुत्तं साइरेगं । तिरिक्खजोणियपुरिसे णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतो० उक्को० तिणि पलिओवमाइं पुव्वकोडिपुहुत्तमम्भहियाइं, एवं तं चेव, संचिद्धणा जहा इत्थीणं जाव खहयर-तिरिक्खजोणियपुरिसस्स संचिद्धणा । मणुस्सपुरिसाणं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! खेत्तं पडुच्च जहण्णेणं अंतो० उक्को० तिणि पलिओवमाइं पुव्वकोडिपुहुत्त-मम्भहियाइं, धम्मचरणं पडुच्च जह० अंतो० उक्को०सेणं देसूणा पुव्वकोडी एवं सव्वरथ जाव पुव्वविदेहअवरविदेह, अकम्मभूमगामणुस्सपुरिसाणं जहा अकम्मभूमगामणुस्सि-त्थीणं जाव अंतरदीवगाणं जच्चेव ठिई सच्चेव संचिद्धणा जाव सव्वडुसिद्धाणं ॥५४॥ पुरिसस्स णं भंते ! केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! जह० एकं समयं उक्को० वणस्सइकालो तिरिक्खजोणियपुरिसाणं जह० अंतोमु० उक्को० वणस्सइकालो एवं जाव खहयरतिरिक्खजोणियपुरिसाणं ॥ मणुस्सपुरिसाणं भंते ! केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! खेत्तं पडुच्च जह० अंतोमु० उक्को० वणस्सइकालो, धम्मचरणं पडुच्च जह० एकं समयं उक्को० अणंतं कालं अणंताओ उस्स० जाव अवडुदोपोगल-

परियट्ठं देख्णं, कम्मभूमगाणं जाव विदेहो जाव धम्मचरणे एक्को समओ सेसं,
जहिस्सीणं जाव अंतरदीवगाणं ॥ देवपुरिसाणं जहं० अंतो० उक्को० वणस्सइकालो
भवणवासिदेवपुरिसाणं ताव जाव सहस्सरो, जहं० अंतो० उक्को० वणस्सइकालो ।
आणयदेवपुरिसाणं भंते ! केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! जहं० वासपुहुत्तं उक्को०
वणस्सइकालो, एवं जाव गेवेज्जदेवपुरिसस्सवि । अणुत्तरोववाइयदेवपुरिसस्स जहं०
वासपुहुत्तं उक्को० संखेज्जाइं सागरोवमाइं साहरेगाइं अणुत्तराणं अंतरे एक्को आलावओ
॥५५॥ अप्पावहुयाणि जहेविस्सीणं जाव एएसि णं भंते ! देवपुरिसाणं भवणवासीणं
वाणमंतराणं जोइसियाणं वेमाणियाणं य कयरे २ हिंतो अप्पा वा बहुया वा तुह्ठा
वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा वेमाणियदेवपुरिसा भवणवइदेवपुरिसा
असंखे० वाणमंतरदेवपुरिसा असंखे० जोइसियदेवपुरिसा संखेज्जगुणा । एएसि णं
भंते ! तिरिक्खजोणियपुरिसाणं जलयराणं थलयराणं खहयराणं मणुस्सपुरिसाणं
कम्मभूमगाणं अकम्मभूमगाणं अंतरदीव० देवपुरिसाणं भवणवासीणं वाणमंतराणं
जोइसियाणं वेमाणियाणं सोहम्माणं जाव सव्वट्ठसिद्धगाणं य कयरे २ हिंतो अप्पा वा
बहुया वा जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा अंतरदीवगमणुस्सपुरिसा देव-
कुलत्तरकुरुअकम्मभूमगमणुस्सपुरिसा दोवि संखेज्ज० हरिवासरम्मगवासअक० दोवि
संखेज्जगुणा हेमवयहेरणवयअकम्म० दोवि संखे० भरहेरवयकम्मभूमगमणु० दोवि
संखे० पुव्वविदेहअवरविदेहकम्मभू० दोवि संखे० अणुत्तरोववाइयदेवपुरिसा असंखे०
उवरिमगेविज्जदेवपुरिसा संखेज्ज० मज्झिमगेविज्जदेवपुरिसा संखेज्ज० हेट्ठिमगेविज्जदेव-
पुरिसा संखेज्ज० अच्चुयकप्पे देवपुरिसा संखे० जाव आणयकप्पे देवपुरिसा संखेज्ज०
सहस्सारे अप्पे देवपुरिसा असंखे० महासुक्के कप्पे देवपुरिसा असंखे० जाव माहिंदे
कप्पे देवपुरिसा असंखे० सणकुमारकप्पे देवपुरिसा असं० ईसाणकप्पे देवपुरिसा
असंखे० सोहम्मे कप्पे देवपुरिसा संखे० भवणवासिदेवपुरिसा असंखे० खहयरति-
रिक्खजोणियपुरिसा असंखे० थलयरतिरिक्खजोणियपुरिसा संखे० जलयरतिरिक्ख-
जोणियपुरिसा असंखे० वाणमंतरदेवपुरिसा संखे० जोइसियदेवपुरिसा संखेज्जगुणा
॥५६॥ पुरिसवेयस्स णं भंते ! कम्मस्स केवइयं कालं बंधड्ढिइं पणत्ता ? गोयमा !
जहं० अट्ठ संवच्छराणि, उक्को० दस सागरोवमकोडाकोडीओ, दसवाससयाइं अवाहा,
अवाहूणिया कम्मठिइं कम्मणिसेओ । पुरिसवेए णं भंते ! किंपगारे पणत्ते ? गोयमा !
वणदवगिज्जालस्समाणे पणत्ते, सेत्तं पुरिसा ॥ ५७ ॥ से किं तं णपुंसगा ? णपुंसगा

तिविहा पणत्ता, तंजहा—गेरइयणपुंसगा तिरिक्खजोणियणपुंसगा मणुस्सणपुंसगा ।
 से किं तं गेरइयणपुंसगा ? गेरइयणपुंसगा सत्तविहा पणत्ता, तंजहा—रयणप्पभापुट-
 विगेरइयणपुंसगा सक्करणभापुटविगेरइयणपुंसगा जाव अहेसत्तमपुटविगेरइयणपुंसगा,
 से तं गेरइयणपुंसगा । से किं तं तिरिक्खजोणियणपुंसगा ? २ पंचविहा प० तंजहा—
 एगिदि० वेइदि० तेइदि० चउ० पंचेदियतिरिक्खजोणियणपुंसगा । से किं तं एगिदि-
 यतिरिक्खजोणियणपुंसगा ? २ पञ्चविहा पणत्ता, तं० पु० आ० ते० वा० व० से
 तं एगिदियतिरिक्खजोणियणपुंसगा । से किं तं वेइदियतिरिक्खजोणियणपुंसगा ? २
 अणंगविहा पणत्ता०, से तं वेइदियतिरिक्खजोणिय०, एवं तेइदियावि, चउरिदियावि ।
 से किं तं पंचेदियतिरिक्खजोणियणपुंसगा ? २ तिविहा पणत्ता, तंजहा—जलयरा
 थलयरा खहयरा । से किं तं जलयरा ? २ सो चेव युवुत्तमेदो आसालियवज्जिओ
 भाणियव्वो, से तं पंचेदियतिरिक्खजोणियणपुंसगा । से किं तं मणुस्सणपुंसगा ? २
 तिविहा पणत्ता, तंजहा—कम्मभूमगा अकम्मभूमगा, अंतरदवगा, भेदो जाव भा०
 ॥ ५८ ॥ णपुंसगस्स णं भंते ! केवइयं कालं ठिई पणत्ता ? गोयमा ! जह० अंतो०
 उक्को० तेत्तीसं सागरोवमाइं । गेरइयणपुंसगस्स णं भंते ! केवइयं कालं ठिई पणत्ता ?
 गोयमा ! जह० दसवाससहस्साइं उक्को० तेत्तीसं सागरोवमाइं, सव्वेसिं ठिई
 भाणियव्वा जाव अहेसत्तमापुटविगेरइया । तिरिक्खजोणियणपुंसगस्स णं भंते !
 केवइयं कालं ठिई प० ? गोयमा ! जह० अंतो० उक्को० पुव्वकोडी । एगिदिय-
 तिरिक्खजोणियणपुंसग० जह० अंतो० उक्को० बावीसं वाससहस्साइं, पुटविकाइय-
 एगिदियतिरिक्खजोणियणपुंसगस्स णं भंते ! केवइयं कालं ठिई पणत्ता ? गोयमा !
 जह० अंतो० उक्को० बावीसं वाससहस्साइं, सव्वेसिं एगिदियणपुंसगाणं ठिई
 भाणियव्वा, वेइदियचत्तेइदियचउरिदियणपुंसगाणं ठिई भाणियव्वा । पंचदियतिरि-
 ऋजोणियणपुंसगस्स णं भंते ! केवइयं कालं ठिई पणत्ता ? गोयमा ! जह० अंतो०
 उक्को० पुव्वकोडी, एवं जलयरतिरिक्खचउप्पयथलयरउरपरिसप्पमुयपरिसप्पहय-
 तिरिक्ख० सव्वेसिं जह० अंतो० उक्को० पुव्वकोडी । मणुस्सणपुंसगस्स णं भंते !
 केवइयं कालं ठिई पणत्ता ? गोयमा ! खेत्तं पडुच्च जह० अंतो० उक्को० पुव्वकोडी,
 धम्मचरणं पडुच्च जह० अंतो० उक्को० देसूणा पुव्वकोडी । कम्मभूमगाभरहेरवय-
 पुव्वविदेहअवरविदेहमणुस्सणपुंसगस्सवि तहेव, अकम्मभूमगाणुस्सणपुंसगस्स णं
 भंते ! केवइयं कालं ठिई पणत्ता ? गोयमा ! जम्मणं पडुच्च जह० अंतो० उक्को०

अंतोमु० साहरणं पडुच्च जह० अंतो० उक्को० देसूणा पुव्वकोडी, एवं जाव अंतरदीव-
गाणं । णपुंसए णं भंते ! णपुंसएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं एकं
समयं उक्को० तरुकालो । णेरइयणपुंसएणं भंते !० ? गोयमा ! जह० दस वाससहस्साइ
उक्को० तेसीसं सागरोवमाइं, एवं पुटवीए ठिई भाणियव्वा । तिरिक्खजोणियणपुंसए
णं भंते ! ति० ? गोयमा ! जह० अंतो० उक्को० वणस्सइकालो, एवं एगिंदियण-
पुंसगस्स णं, वणस्सइकाइयस्सवि एवमेव, सेसाणं जह० अंतो० उक्को० असंखेजं
कालं असंखेजाओ उस्सप्पिणिओस्सप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ असंखेजा लोया ।
वेइंदियतेइंदियच्च उरिंदियणपुंसगाणं य जह० अंतो० उक्को० संखेजं कालं । पंचिंदिय-
तिरिक्खजोणियणपुंसए णं भंते !० ? गोयमा ! जह० अंतो० उक्को० पुव्वकोडिपुहुत्तं ।
एवं जलयरतिरिक्खत्तच्छप्पथलयरउरपरिस्सप्पभुयपरिस्सप्पमहोरगाणवि । मणुस्सण-
पुंसगस्स णं भंते !० ? खेत्तं पडुच्च जह० अंतो० उक्को० पुव्वकोडीपुहुत्तं, धम्मचरणं
पडुच्च जह० एकं समयं उक्को० देसूणा पुव्वकोडी । एवं कम्मभूमगमरहेरवय-
पुव्वविदेहअवरविदेहेसुवि भाणियव्वं । अकम्मभूमगमणुस्सेणपुंसए णं भंते !० ?
गोयमा ! जम्मणं पडुच्च जह० अंतो० उक्को० मुहुत्तपुहुत्तं, साहरणं पडुच्च जह० अंतो०
उक्को० देसूणा पुव्वकोडी । एवं सव्वेसिं जाव अंतरदीवगाणं ॥ णपुंसगस्स णं भंते !
केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! जह० अंतो० उक्को० सागरोवमसयपुहुत्तं
साइरेणं । णेरइयणपुंसगस्स णं भंते ! केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! जह०
अंतो० उक्को० तरुकालो, रयणयभापुटवीणेरइयणपुंसगस्स जह० अंतो० उक्को०
तरुकालो, एवं सव्वेसिं जाव अहिसत्तमा । तिरिक्खजोणियणपुंसगस्स जह० अंतो०
उक्को० सागरोवमसयपुहुत्तं साइरेणं । एगिंदियतिरिक्खजोणियणपुंसगस्स जह० अंतो०
उक्को० दो सागरोवमसहस्साइं संखेजवासमब्बहियाइं, पुटविआउतेउवाउणं जह०
अंतो० उक्को० वणस्सइकालो, वणस्सइकाइयाणं जह० अंतो० उक्को० असंखेजं कालं
जाव असंखेजा लोया, सेसाणं वेइंदियाईणं जाव खहयरणं जह० अंतो० उक्को०
वणस्सइकालो । मणुस्सणपुंसगस्स खेत्तं पडुच्च जह० अंतो० उक्को० वणस्सइकालो,
धम्मचरणं पडुच्च जह० एगं समयं उक्को० अणंतं कालं जाव अवड्ढपोगलपरियट्ठं
देसूणं, एवं कम्मभूमगस्सवि भरहेरवयस्स पुव्वविदेहअवरविदेहगस्सवि । अकम्म-
भूमगमणुस्सणपुंसगस्स णं भंते ! केवइयं कालं ? गो० ! जम्मणं पडुच्च जह० अंतो०
उक्को० वणस्सइकालो, सहरणं पडुच्च जह० अंतो० उक्को० वणस्सइकालो एवं जाव

अंतरदीवगति ॥५९॥ एसि णं भंते ! णेरइयणपुंसगाणं तिरिक्खजोणियणपुंसगाणं
मणुस्सणपुंसगाणं य कयरे कयरेहिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वथोवा
मणुस्सणपुंसगा णेरइयणपुंसगा असंखेज्जगुणा तिरिक्खजोणियणपुंसगा अणंतगुणा ॥
एसि णं भंते ! रयणप्पहापुटविणेइयणपुंसगाणं जाव अहेसत्तमपुटविणेइयणपुंस-
गाणं य कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वथोवा अहेसत्तम-
पुटविणेइयणपुंसगा छट्ठपुटविणेइयणपुंसगा असंखेज्जगुणा जाव दोच्चपुटविणेइय-
णपुंसगा असंखेज्जगुणा इमीसे रयणप्पभाए पुटवीए णेरइयणपुंसगा असंखेज्जगुणा ॥
एसि णं भंते ! तिरिक्खजोणियणपुंसगाणं एगिंदियतिरिक्खजोणियणपुंसगाणं
पुटविकाइय जाव वणस्सइकाइयएगिंदियतिरिक्खजोणियणपुंसगाणं बेइंदियतेइंदिय-
चउरिंदियपंचेइंदियतिरिक्खजोणियणपुंसगाणं जलयराणं थलयराणं खहयराणं य कयरे
२ हिंतो जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वथोवा खहयरतिरिक्खजोणियणपुंसगा,
थलयरतिरिक्खजोणियणपुंसगा संखेज्ज० जलयरतिरिक्खजोणियणपुंसगा संखेज्ज०
चउरिंदियतिरि० विसेसाहिया तेइंदियति० विसेसाहिया बेइंदियति० विसेसा०
तेउकाइयएगिंदियतिरिक्ख० असंखेज्जगुणा पुटविकाइयएगिंदियतिरिक्खजोणिया
विसेसाहिया, एवं आउवाउवणस्सइकाइयएगिंदियतिरिक्खजोणियणपुंसगा अणंत-
गुणा ॥ एसि णं भंते ! मणुस्सणपुंसगाणं कम्मभूमिणपुंसगाणं अकम्मभूमिणपुंसगाणं
अंतरदीवगाणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वथोवा अंतरदीवग-
अकम्मभूमगमणुस्सणपुंसगा देवकुरुउत्तरकुरुअकम्मभूमग० दोवि संखेज्जगुणा एवं
जाव पुव्वविदेहअवरविदेहकम्म० दोवि संखेज्जगुणा ॥ एसि णं भंते ! णेरइय-
णपुंसगाणं रयणप्पहापुटविणेइयणपुंसगाणं जाव अहेसत्तमपुटविणेइयणपुंसगाणं
तिरिक्खजोणियणपुंसगाणं एगिंदियतिरिक्खजोणियणपुंसगाणं पुटविकाइयएगिंदिय-
तिरिक्खजोणियणपुंसगाणं जाव वणस्सइकाइय० बेइंदियतेइंदियचउरिंदियपंचि-
दियतिरिक्खजोणियणपुंसगाणं जलयराणं थलयराणं खहयराणं मणुस्सणपुंसगाणं
कम्मभूमिगाणं अकम्मभूमिगाणं अंतरदीवगाणं य कयरे २ हिंतो अप्पा वा ४ ?
गोयमा ! सव्वथोवा अहेसत्तमपुटविणेइयणपुंसगा छट्ठपुटविणेइयणपुंसगा असंखेज्ज०
जाव दोच्चपुटविणेइयणपुंसगा असंखे० अंतरदीवगमणुस्सणपुंसगा असंखेज्जगुणा, देव-
कुरुउत्तरकुरुअकम्मभूमग० दोवि संखेज्जगुणा जाव पुव्वविदेहअवरविदेहकम्मभूमग-
मणुस्सणपुंसगा दोवि संखेज्जगुणा, रयणप्पहापुटविणेइयणपुंसगा असंखे० खहयर-

पंचेदियतिरिक्खजोणियणपुंसगा असं० थलयर० संखेज० जलयर० संखेजगुणा
चउरिंदियतिरिक्खजोणिय० विसेसाहिया तेइदिय० विसे० वेइदिय० विसे० तेउक्का-
इयएगिंदिय० असं० पुढविकाइयएगिंदिय० विसेसाहिया आउक्काइय० विसे० वाउक्का-
इय० विसेसा० वणस्मइकाइयएगिंदियतिरिक्खजोणियणपुंसगा अणंतगुणा ॥६०॥
णपुंसगवेयस्स णं भंते ! कम्मस्स केवइयं कालं बंधंठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जह०
सागरोवमस्स दोण्णि सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेजइभागेण ऊणगा उक्को० वीमं
सागरोवमकोडाकोडी, दोण्णि य वाससहस्साइं अवाहा, अवाहूणिया कम्मठिई
कम्मणित्सेगो । णपुंसगवेए णं भंते ! किंयगारे पण्णत्ते ? गोयमा ! महाणगरदाह-
समाणे पण्णत्ते समणाउसो !, से तं णपुंसगा ॥ ६१ ॥ एएसि णं भंते ! इत्थीणं
पुरिसाणं णपुंसगाण य कयरे २ हितो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा पुरिसा
इत्थीओ संखे० णपुंसगा अणंत० । एएसि णं भंते ! तिरिक्खजोणित्थीणं तिरि-
क्खजोणियपुरिसाणं तिरिक्खजोणियणपुंसगाण य कयरे २ हितो अप्पा वा ४ ?
गोयमा ! सव्वत्थोवा तिरिक्खजोणियपुरिसा तिरिक्खजोणित्थीओ असंखे० तिरि-
क्खजो० णपुंसगा अणंतगुणा ॥ एएसि णं भंते ! मणुस्सित्थीणं मणुस्सपुरिसाणं
मणुस्सणपुंसगाण य कयरे २ हितो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्व० मणुस्सपुरिसा
मणुस्सित्थीओ संखे० मणुस्सणपुंसगा असंखेजगुणा ॥ एएसि णं भंते ! देवित्थीणं
देवपुरिसाणं णेरइयणपुंसगाण य कयरे २ हितो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा
णेरइयणपुंसगा देवपुरिसा असं० देवित्थीओ संखेजगुणाओ । एएसि णं भंते !
तिरिक्खजोणित्थीणं तिरिक्खजोणियपुरिसाणं तिरिक्खजो० णपुंसगाण मणुस्सित्थीणं
मणुस्सपुरिसाणं मणुस्सणपुंसगाणं देवित्थीणं देवपुरिसाणं णेरइयणपुंसगाण य कयरे
२ हितो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा मणुस्सपुरिसा मणुरिसित्थीओ संखे०
मणुस्सणसपुंगा असं० णेरइयणपुंसगा असं० तिरिक्खजोणियपुरिसा असं० तिरि-
क्खजोणित्थियाओ संखेज० देवपुरिसा असं० देवित्थियाओ संखे० तिरिक्खजोणिय-
णपुंसगा अणंतगुणा । एएसि णं भंते ! तिरिक्खजोणित्थीणं जलयराणं थलयरीणं
खहयरीणं तिरिक्खजोणियपुरिसाणं जलयराणं थलयराणं लहयराणं तिरिक्खजो०
णपुंसगाणं एगिंदियतिरिक्खजोणियपुंसगाणं पुढविकाइयएगिंदियतिरिक्खजो०
णपुंसगाणं जाव वणस्मइकाइय० वेइदियतिरिक्खजोणियणपुंसगाणं तेइदिय० चउरिं-
दिय० पंचेदियतिरिक्खजोणियणपुंसगाणं जलयराणं थलयराणं खहयराणं कयरे २

हिंता जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा स्वहयरतिरिक्खजोणियपुरिसा
 स्वहयरतिरिक्खजोणिथियाओ संखेज्ज० थलयरपंचिदियतिरिक्खजोणियपुरिसा
 संखे० थलयरपंचिदियतिरिक्खजोणिथियाओ संखे० जलयरतिरिक्खजो० पुरिसा
 संखे० जलयरतिरिक्खजोणिथियाओ संखेज्जगु० स्वहयरपंचिदियतिरिक्खजो०
 अणुमगा असंखे० थलयरपंचिदियतिरिक्खजोणियणपुसगा संखे० जलयरपंचिदिय-
 तिरिक्खजोणियणपुसगा संखे० चउरिदियतिरि० विसेसाहिया तेइदियणपुसगा
 विसेसाहिया वेइंदियणपुसगा विसेसा० तेउकाइयएगिदियतिरिक्खजोणियणपुसगा
 असं० पुदवी० अणुपुसगा विसेसाहिया आउ० विसेसाहिया वाउ० विसेसा० वणफइ०
 एगिदियणपुसगा अणतगुणा । एएसि णं भंते ! मणुस्सिन्धीणं कम्मभूमियाणं
 अकम्मभूमियाणं अंतरदीवियाणं मणुस्सपुरिसाणं कम्मभूमणाणं अकम्मभूमणाणं
 अंतरदीवगाणं मणुस्सणपुसगाणं कम्मभूमणाणं अकम्म० अंतरदीवगाणं य कयरे
 २ हिंता अप्पा वा ४ ? गोयमा ! अंतरदीविया मणुस्सिन्धीयाओ मणुस्सपुरिसा य
 एए णं दोवि तुल्ला सव्वत्थोवा देवकुरुउत्तरकुरुअकम्मभूमगमणुस्सिन्धीयाओ मणुस्स-
 पुरिसा एए णं दोणिवि तुल्ला संखे० हरिवासरम्मगवासअकम्मभूमगमणुस्सिन्धीयाओ
 मणुस्सपुरिसा य एए णं दोणिवि तुल्ला संखे० हेमवयहेरणवयअकम्मभूमगमणुस्सि-
 न्धीयाओ मणुस्सपुरिसा य दोवि तुल्ला संखे० भरहेखयकम्मभूमगमणुस्सपुरिसा
 दोवि संखे० भरहेखयकम्मभूमगमणुस्सिन्धीयाओ दोवि संखे० पुव्वविदेहअवरविदेह-
 कम्मभूमगमणुस्सपुरिसा दोवि संखे० पुव्वविदेहअवरविदेहकम्मभूमगमणुस्सिन्धी-
 याओ दोवि संखे० अंतरदीवगमणुस्सणपुसगा असंखे० देवकुरुउत्तरकुरुअकम्मभूम-
 गमणुस्सणपुसगा दोवि संखेज्जगुणा एवंचेव जाव पुव्वविदेहकम्मभूमगमणुस्सण-
 पुसगा दोवि संखेज्जगुणा । एयास्सि णं भंते ! देविन्धीणं भवणवासिणीणं वाणमंत-
 रीणं जोइस्सिणीणं वेमाणिणीणं देवपुरिसाणं भवणवासीणं जाव वेमाणियाणं सोहभ-
 गाणं जाव गेवेज्जाणं अणुत्तरोववाइयाणं णेरइयणपुसगाणं रयणप्यमापुदविणेरइय-
 णपुसगाणं जाव अहेसत्तमापुदविणेरइय० कयरे २ हिंता अप्पा वा ४ ? गोयमा !
 सव्वत्थोवा अणुत्तरोववाइयदेवपुरिसा उववरिग्गेवेज्जदेवपुरिसा संखेज्जगुणा तं चेव
 जाव आणए कप्पे देवपुरिसा संखेज्जगुणा अहेसत्तमाए पुदवीए णेरइयणपुसगा
 असंखेज्जगुणा लुडीए पुदवीए णेरइय० असंखेज्जगुणा सहसारे कप्पे देवपुरिसा
 असंखेज्जगुणा महामुक्के कप्पे देवपुरिसा असंखेज्जगुणा पंचमाए पुदवीए णेरइयणपुसगा
 असंखेज्जगुणा लंतए कप्पे देवपुरिसा असंखेज्जगुणा चउरिदियए पुदवीए णेरइय० असंखे-

जगुणा वंभलोए कप्पे देवपुरिसा असंखेज्जगुणा तच्चाए पुटवीए गेरइय० असंखेज्जगुणा
 माहिंदे कप्पे देवपुरिसा असंखेज्जगुणा सणकुमारकप्पे देवपुरिसा असंखेज्जगुणा
 दोच्चाए पुटवीए गेरइया असंखेज्जगुणा ईसाणे कप्पे देवपुरिसा असंखेज्जगुणा ईसाणे
 कप्पे देविस्थियाओ संखेज्जगुणाओ सोहम्मे कप्पे देवपुरिसां संखेज्ज० सोहम्मे कप्पे
 देविस्थियाओ संखे० भवणवासिदेवपुरिसा असंखेज्जगुणा भवणवासिदेविस्थियाओ
 संखेज्जगुणाओ इमीसे रयणप्पभापुटवीए गेरइया असंखेज्जगुणा वाणमंतरदेवपुरिसा
 असंखेज्जगुणा वाणमंतरदेविस्थियाओ संखेज्जगुणाओ जोइसियदेवपुरिसा संखेज्जगुणा
 जोइसियदेविस्थियाओ संखेज्जगुणा । एयासि णं भंते ! तिरिक्खजोगिन्थीणं जल-
 यरीणं थलयरीणं खहयरीणं तिरिक्खजोगियपुरिसाणं जलयराणं थलयराणं खहयराणं
 तिरिक्खजोगियणपुंसगाणं एगिंदियतिरिक्खजोगियणपुंसगाणं पुटविकाइयएगिंदि-
 यति० जो० णपुंसगाणं आउक्काइयएगिंदियति० जो० णपुंसगाणं जाव वणस्सइक्काइय०
 एगिंदियति० जो० णपुंसगाणं बेइंदियति० जो० णपुंसगाणं तेइंदियति० जो० णपुंसगाणं
 चउरिंदियति० जो० णपुंसगाणं पंचैंदियति० जो० णपुंसगाणं जलयराणं थलयराणं
 खहयराणं मणुस्सिस्थीणं कम्मभूमियाणं अकम्मभूमियाणं अंतरदीवियाणं मणुस्स-
 पुरिसाणं कम्मभूमियाणं अकम्म० अंतरदीवयाणं मणुस्सणपुंसगाणं कम्मभूमगाणं
 अकम्मभूमगाणं अंतरदीवगाणं देविस्थीणं भवणवासिणीणं वाणमंतराणं जोइसिणीणं
 वेमाणिणीणं देवपुरिसाणं भवणवासीणं वाणमंतराणं जोइसियाणं वेमाणियाणं
 सोहम्मगाणं जाव गेवेज्जगाणं अणुत्तरोववाइयाणं गेरइयणपुंसगाणं रयणप्पभापुट-
 विगेरइयणपुंसगाणं जाव अहेसत्तमपुटविगेरइयणपुंसगाणं य कयरे २ हिंता
 अया वा ४ ! गोयसा ! अंतरदीवअकम्मभूमगमणुस्सिस्थीओ मणुस्सपुरिसा य
 एण णं दोवि तुल्ला सव्वत्थोवा, देवकुरुउत्तरकुरुअकम्मभूमगमणुस्सइत्थीओ पुरिसा
 य एण णं दोवि तुल्ला संखे० एवं हरिवासरम्मगसास० एवं हेमवयएरणवय०
 भरहेरवयकम्मभूमगमणुस्सपुरिसा दोवि संखे० भरहेरवयकम्मभूमगमणुस्सिस्थीओ
 संखे० पुव्वविदेहअवरविदेहकम्मभूमगमणुस्सपुरिसा दोवि संखे० पुव्वविदेहअवर-
 विदेहकम्म० मणुस्सिस्थियाओ दोवि संखे० अणुत्तरोववाइयदेवपुरिसा असंखेज्जगुणा
 उवरिमगेवेज्जदेवपुरिसा संखे० जाव आणए कप्पे देवपुरिसा संखे० अहेसत्तमाए
 पुटवीए गेरइयणपुंसगा असंखे० छट्ठीए पुटवीए गेरइयणपुंसगा असं० सहस्सारे
 कप्पे देवपुरिसा असंखे० महासुक्के कप्पे देव० असं० पंचमाए पुटवीए गेरइय-
 णपुंसगा असं० लंतए कप्पे देवपु० असं० चउत्थीए पुटवीए गेरइयणपुंसगा असं०

वंभलोए कप्पे देवपुरिसा असं० तच्चाए पुढवीए णेरइयण० असं० माहिदे कप्पे
 त्रेवपु० असंखे० सणकुमारे कप्पे देवपुरिसा असं० दोच्चाए पुढवीए णेरइयणपुंसगा
 अमं० अंतरदीवगअकम्मभूमगमणुस्सणपुंसगा असंखे० देवकुलउत्तरकुलअकम्मभूमग-
 मणुस्सणपुंसगा दांवि संखे० एवं जाव विदेहत्ति, ईसाणे कप्पे देवपुरिसा असं०
 ईसाणकप्पे देविस्थियाओ संखे० सोहभ्मे कप्पे देवपुरिसा संखे० सोहभ्मे कप्पे
 देविस्थियाओ संखेज्ज० भवणवासिदेवपुरिसा असंखे० भवणवासिदेविस्थियाओ
 संखेज्जगुणाओ इमीसे खणप्पमाए पुढवीए णेरइयणपुंसगा असं० खहयरतिरिक्ख-
 जोणियपुरिसा संखेज्जगुणा खहयरतिरिक्खजोणित्थियाओ संखे० थलयरतिरिक्ख-
 जोणियपुरिसा संखे० थलयरतिरिक्खजोणित्थियाओ संखे० जलयरतिरिक्खपुरिसा
 संखे० जलयरतिरिक्खजोणित्थियाओ संखे० वाणमंतरदेवपुरिसा संखे० वाणमंतर-
 देविस्थियाओ संखे० जोइसियदेवपुरिसा संखे० जोइसियदेविस्थियाओ संखे० खह-
 यरपंचेदियतिरिक्खजोणियणपुंसगा संखे० थलयरणपुंसगा संखे० जलयरणपुंसगा
 संखे० चउरिंदियणपुंसगा विसेसाहिया तेइंदिय० विसेसा० बेइंदिय० विसेसा०
 तेउक्काइयएगिंदियतिरिक्खजोणियणपुंसगा असं० पुढवी० विसेसा०आउ० विसेसा०
 वाउ० विसेसा० वणप्फइकाइयएगिंदियतिरिक्खजो० णपुंसगा अणंतगुणा ॥६२॥
 इत्थीणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पणत्ता ? गोयसा ! एरोणं आएसेणं जहा पुंवि
 भणियं, एवं पुरिसस्सवि णपुंसगस्सवि, संचिट्ठणा पुणरवि तिण्हं पि जहापुंवि भणिया,
 अंतरं पि तिण्हं पि जहापुंवि भणियं तहा णेयव्वं ॥ ६३ ॥ तिरिक्खजोणित्थियाओ
 तिरिक्खजोणियपुरिसेहिं तो तिगुणाओ तिरुवाहियाओ मणुस्सित्थियाओ मणुस्सपुरिसे-
 हिं तो सत्तावीसइगुणाओ सत्तावीसयरुवाहियाओ देविस्थियाओ देवपुरिसेहिं तो बत्ती-
 सइगुणाओ बत्तीसरुवाहियाओ । सेत्तं ति विहा संसारसमावण्णगा जीवा पणत्ता ॥
 ति विहेसु होइ भेओ ठिई य संचिट्ठणंतरऽप्पबहुं । वेयाण य बंधं ठिई वेओ तह
 किंपगारो उ ॥१॥ से त्तं ति विहा संसारसमावण्णगा जीवा पणत्ता ॥ ६४ ॥

॥ दोच्चा ति विहा पडिवत्ती समत्ता ॥

पढमो णेरइय उट्ठेसो

तत्थ जे ते एवमाहुंसु चउव्विहा संसारसमावण्णगा जीवा पणत्ता ते एवमाहुंसु,
 तंजहा-णेरइया तिरिक्खजोणिया मणुस्सा देवा ॥६५॥ से किं तं णेरइया ? २
 सत्तविहा पणत्ता, तंजहा-पढमापुढविणेरइया दोच्चापुढविणेरइया तच्चापुढविणेर०

चउत्थापुटवीणे० पंचमापु० णेरइया छट्ठापु० णेर० सत्तमापु० णेरइया ॥६६॥ पदमा
 णं भंते ! पुटवी किंणामा किंगोत्ता पण्णत्ता ? गोयमा ! णामेणं घम्मा गोत्तेणं
 रयणप्पमा । दोच्चा णं भंते ! पुटवी किंणामा किंगोत्ता पण्णत्ता ? गोयमा ! णामेणं
 वंसा गोत्तेणं सक्करप्पमा, एवं एएणं अभिलावेणं सक्वासिं पुच्छा, णामाणि इमाणि
 सेला तइया अंजणा चउत्थी रिट्ठा पंचमी मथा छट्ठी माधवई सत्तमा जाव तम-
 तमागोत्तेणं पण्णत्ता ॥६७॥ इमा णं भंते ! रयणप्पमापुटवी केवइया बाहल्लेणं
 पण्णत्ता ? गोयमा ! इमा णं रयणप्पमापुटवी असिउत्तरं जोयणसयसहस्सं बाहल्लेणं
 पण्णत्ता, एवं एएणं अभिलावेणं इमा गाहा अणुगंतव्या—आसीयं बत्तीसं अट्ठार्वीयं
 तहेव वीसं च । अट्ठारस सोलसगं अट्ठत्तरमेव हिंढिमिया ॥ १ ॥ ६८ ॥ इमा णं
 भंते ! रयणप्पमापुटवी कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! तिंविहा पण्णत्ता, तंजहा—
 खरकंडे पंकवहुले कंडे आववहुले कंडे ॥ इमीसे णं भंते ! रय० पुट० खरकंडे
 कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! सोलसविहे पण्णत्ते, तंजहा—रयणकंडे १ वइरे २ वेरुल्लिए
 ३ लोहियक्खे ४ मसारगल्ले ५ ईसगब्भे ६ पुल्लए ७ सोगंधिए ८ जोइरसे ९ अंजणं
 १० अंजणपुल्लए ११ रयए १२ जायरुवे १३ अंके १४ फल्लिहे १५ रिट्ठे १६
 कंडे ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्पमापुटवीए रयणकंडे कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा !
 एगागारे पण्णत्ते, एवं जाव रिट्ठे । इमीसे णं भंते ! रयणप्पमापुटवीए पंकवहुले कंडे
 कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! एगागारे पण्णत्ते । एवं आववहुले कंडे कइविहे पण्णत्ते ?
 गोयमा ! एगागारे पण्णत्ते । सक्करप्पमाए णं भंते ! पुटवी कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा !
 एगागारा पण्णत्ता, एवं जाव अहेसत्तमा ॥६९॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्पमाए
 पुटवीए केवइया णिरयावाससयसहस्सा पण्णत्ता ? गोयमा ! तीसं णिरयावाससय-
 सहस्सा पण्णत्ता, एवं एएणं अभिलावेणं सक्वासिं पुच्छा, इमा गाहा अणुगंतव्या—
 तीसा य पण्णवीसा पण्णरस दसेव तिण्णि य हवंति । पंचूणसयसहस्सं पंचेव अणुत्तरा
 णरगा ॥१॥ जाव अहेसत्तमाए पंच अणुत्तरा मइइमहाल्लया महाणरगा पण्णत्ता,
 तंजहा—काले महाकाले रोरुए महारोरुए अपइट्ठाणे ॥७०॥ अत्थि णं भंते ! इमीसे
 रयणप्पमाए पुटवीए अहे घणोदहीइ वा घणवाएइ वा तणुवाएइ वा ओवासंतरेइ वा ?
 हंता अत्थि, एवं जाव अहेसत्तमाए ॥७१॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्पमाए पुटवीए
 खरकंडे केवइयं बाहल्लेणं पण्णत्ते ? गोयमा ! सोलस जोयणसहस्साइ बाहल्लेणं पण्णत्ते ।
 इमीसे णं भंते ! रयणप्पमाए पुटवीए रयणकंडे केवइयं बाहल्लेणं पण्णत्ते ? गोयमा ! एकं

जोयणसहस्सं बाहल्लेणं पण्णत्ते, एवं जाव रिद्धे । इमीसे णं भंते ! रय० पु० पंकवहुले
कंडे केवइयं बाहल्लेणं पण्णत्ते ? गोयमा ! चउरसीइजोयणसहस्साइं बाहल्लेणं पण्णत्ते ।
इमीसे णं भंते ! रय० पु० आववहुले कंडे केवइयं बाहल्लेणं पण्णत्ते ? गोयमा ! असीइ-
जोयणसहस्साइं बाहल्लेणं पण्णत्ते । इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पु० घणोदही केवइयं
बाहल्लेणं पण्णत्ते ? गोयमा ! वीसं जोयणसहस्साइं बाहल्लेणं पण्णत्ते । इमीसे णं भंते !
रय० पु० घणवाए केवइयं बाहल्लेणं पण्णत्ते ? गोयमा ! असंखेजाइं जोयणसहस्साइं
बाहल्लेणं पण्णत्ते, एवं तणुवाएऽवि ओवासंतरेऽवि । सक्करप्प० भंते ! पु० घणोदही केव-
इयं बाहल्लेणं पण्णत्ते ? गोयमा ! वीसं जोयणसहस्साइं बाहल्लेणं पण्णत्ते । सक्करप्प० पु०
वणवाए केवइयं बाहल्लेणं पण्णत्ते ? गोयमा ! असंखे० जोयणसहस्साइं बाहल्लेणं पण्णत्ते,
एवं तणुवाएवि, ओवासंतरेवि जहा सक्करप्प० पु० एवं जाव अहेसत्तमा ॥ ७२ ॥
इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लए खेत्तच्छेएणं
छिज्जमाणीए अत्थि दब्बाइं वण्णओ कालणील्लोहियहालिहसुक्किहाइं गंधओ सुरभि-
गंधाइं दुब्धिगंधाइं रसओ तित्तफड्डयकसायअंबिलमहुराइं फासओ कक्खडमउयगरु-
यल्लहुसीयउसिणणिद्धल्लुक्खाइं संटाणओ परिमंडल्लवट्ठत्तंसचउरंसआययसंटाणपरिणयाइं
अण्णमण्णवद्धाइं अण्णमण्णपुट्ठाइं अण्णमण्णओगाढाइं अण्णमण्णसिण्णहपडिबद्धाइं
अण्णमण्णघडत्ताए चिट्ठंति ? हंता अत्थि । इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पु० खरकंडस्स
सोलसजोयणसहस्सबाहल्लस्स खेत्तच्छेएणं छिज्जमाणस्स अत्थि दब्बाइं वण्णओ काल
जाव परिणयाइं ? हंता अत्थि । इमीसे णं भंते ! रयणप्प० पु० रयणणामगरस
कंडस्स जोयणसहस्सबाहल्लस्स खेत्तच्छेएणं छिज्ज० तं चेव जाव हंता अत्थि, एवं
जाव रिद्धस्स, इमीसे णं भंते ! रयणप्प० पु० पंकवहुलस्स कंडस्स चउरसीइ-
जोयणसहस्सबाहल्लस्स खेत्ते तं चेव, एवं आववहुलस्सवि असीइजोयणसहस्सबाहल्लस्स ।
इमीसे णं भंते ! रयणप्प० पु० घणोदहिस्स वीसं जोयणसहस्सबाहल्लस्स खेत्तच्छेएण
तद्देव । एवं घणवायस्स असंखेजजोयणसहस्सबाहल्लस्स तद्देव, ओवासंतरेस्सवि तं
चेव । सक्करप्पभाए णं भंते ! पु० बत्तीसुत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लस्स खेत्तच्छेएण
छिज्जमाणीए अत्थि दब्बाइं वण्णओ जाव घडत्ताए चिट्ठंति ? हंता अत्थि, एवं
घणोदहिस्स वीसजोयणसहस्सबाहल्लस्स घणवायस्स असंखेजजोयणसहस्सबाहल्लस्स,
एवं जाव ओवासंतरेस्स, जहा सक्करप्पभाए एवं जाव अहेसत्तमाए ॥ ७३ ॥
इमा णं भंते ! रयणप्प० पु० किंसंठिया पण्णत्ता ? गोयमा ! झल्लरिसंठिया पण्णत्ता ।

इमीसे णं भंते ! रयणप्प० पु० खरकंडे किंसंठिए पण्णत्ते ? गोयमा ! झल्लरिसंठिए पण्णत्ते । इमीसे णं भंते ! रयणप्प० पु० रयणकंडे किंसंठिए पण्णत्ते ? गोयमा ! झल्लरि संठिए पण्णत्ते, एवं जाव रिद्धे, एवं पंकवहुलेवि, एवं आववहुलेवि घणोदहीवि घणवाएवि तणुवाएवि ओवासंतरेवि, सव्वे झल्लरिसंठिया पण्णत्ता । सक्करप्पभा णं भंते ! पुढवी किंसंठिया पण्णत्ता ? गोयमा ! झल्लरिसंठिया पण्णत्ता, सक्करप्पभापुढवीए घणोदही किंसंठिए पण्णत्ते ? गोयमा ! झल्लरिसंठिए पण्णत्ते, एवं जाव ओवासंतरे, जहा सक्करप्पभाए वत्तव्वया एवं जाव अहेसत्तमाएवि ॥ ७४ ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्प० पुढवीए पुरत्थिमिल्लाओ चरिमंताओ केवइयं अवाहाए लोयंते पण्णत्ते ? गोयमा ! दुवालसहिं जोयणेहिं अवाहाए लोयंते पण्णत्ते, एवं दाहिणिल्लाओ पच्चरिथमिल्लाओ उत्तरिल्लाओ । सक्करप्प० पु० पुरत्थिमिल्लाओ चरिमंताओ केवइयं अवाहाए लोयंते पण्णत्ते ? गोयमा ! तिभागूणेहिं तेरसहिं जोयणेहिं अवाहाए लोयंते पण्णत्ते, एवं चउद्दिंसिपि । वालुयप्प० पु० पुरत्थिमिल्लाओ पच्छा, गोयमा ! सत्तिभागोहिं तेरसहिं जोयणेहिं अवाहाए लोयंते पण्णत्ते, एवं चउद्दिंसिपि, एवं सव्वासिं चउसुवि दिसासु पुच्छियव्वं । पंकप्प० चोइसहिं जोयणेहिं अवाहाए लोयंते पण्णत्ते । पंचमाए तिभागूणेहिं पण्णरसहिं जोयणेहिं अवाहाए लोयंते पण्णत्ते । छट्ठीए सत्तिभागोहिं पण्णरसहिं जोयणेहिं अवाहाए लोयंते पण्णत्ते । सत्तमीए सोलसहिं जोयणेहिं अवाहाए लोयंते पण्णत्ते, एवं जाव उत्तरिल्लाओ । इमीसे णं भंते ! रयण० पु० पुरत्थिमिल्ले चरिमंते कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! ति विहे पण्णत्ते, तंजहा—घणोदहिवलए घणवायवलए तणुवायवलए । इमीसे णं भंते ! रयणप्प० पु० दाहिणिल्ले चरिमंते कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! ति विहे पण्णत्ते, तंजहा—एवं जाव उत्तरिल्ले, एवं सव्वासिं जाव अहेसत्तमाए उत्तरिल्ले ॥ ७५ ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्प० पुढवीए घणोदहिवलए केवइयं बाहल्लेणं पण्णत्ते ? गोयमा ! छ जोयणाणि बाहल्लेणं पण्णत्ते । सक्करप्प० पु० घणोदहिवलए केवइयं बाहल्लेणं पण्णत्ते ? गोयमा ! सत्तिभागाइं छ जोयणाइं बाहल्लेणं पण्णत्ते । वालुयप्पभाए पुच्छा, गोयमा ! तिभागूणाइं सत्त जोयणाइं बाहल्लेणं प० । एवं एएणं अभिलावेणं पंकप्पभाए सत्त जोयणाइं बाहल्लेणं पण्णत्ते । धूमप्पभाए सत्तिभागाइं सत्त जोयणाइं वा० पण्णत्ते । तमप्पभाए तिभागूणाइं अट्ठ जोयणाइं । तमतमप्पभाए अट्ठ जोयणाइं ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्प० पु० घणवायवलए केवइयं बाहल्लेणं पण्णत्ते ? गोयमा ! अट्ठपंचममाइं जोयणाइं बाहल्लेणं । सक्करप्पभाए पुच्छा, गोयमा ! कोसूणाइं

पंच जोयणाई बाहलेण पणत्ते, एवं एएणं अभिलावेणं बालयधमाए पंच जोयणाई बाहलेण पणत्ते, पंकपमाए सकोसाई पंच जोयणाई बाहलेण पणत्ते । धूमपमाए अद्वपमाई जोयणाई बाहलेण पणत्ते, तमपमाए कोसूणाई छजोयणाई बाहलेण पणत्ते, अहेसत्तमाए छजोयणाई बाहलेण पणत्ते ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप० पु० तणुवायवलए केवइयं बाहलेण पणत्ते ! गोयमा ! छकोसेणं बाहलेण पणत्ते, एवं एएणं अभिलावेणं सकरपमाए सतिभागे छकोसे बाहलेण पणत्ते । बालयपमाए तिभागूणे सत्तकोसे बाहलेण पणत्ते । पंकपमाए पुदवीए सत्तकोसे बाहलेण पणत्ते । धूमपमाए सतिभागे सत्तकोसे । तमपमाए तिभागूणं अद्वकोसे बाहलेण पणत्ते । अहेसत्तमाए पुदवीए अद्वकोसे बाहलेण पणत्ते ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप० पु० घणोदहिवलयस्स छजोयणबाहलस्स खेत्तच्छेएणं छिजमाणस्स अत्थि दव्वाइं वणओ काल जाव हंता अत्थि । सकरपमाए णं भंते ! पु० घणोदहिवलयस्स सत्तिभागछजोयणबाहलस्स खेत्तच्छेएणं छिजमाणस्स जाव हंता अत्थि, एवं जाव अहेसत्तमाए जं जस्स बाहलं । इमीसे णं भंते ! रयणप० पु० घणवायवलयस्स अद्वपंचमजोयणबाहलस्स खेत्तच्छेएणं छि० जाव हंता अत्थि, एवं जाव अहेसत्तमाए जं जस्स बाहलं । एवं तणुवायवलयस्सवि जाव अहेसत्तमा जं जस्स बाहलं ॥ इमीसे णं भंते ! रयणपमाए पुदवीए घणोदहिवलए किंसटिए पणत्ते ? गोयमा ! वट्टे वलयागारसंठाणसंठिए पणत्ते, जे णं इमं रयणपमं पुदविं सव्वओ० संपरिक्खित्ताणं चिट्ठइ, एवं जाव अहेसत्तमाए पु० घणोदहिवलए, णवरं अपणप्यणं पुदवि संपरिक्खित्ताणं चिट्ठइ । इमीसे णं रयणप० पु० घणवायवलए किंसटिए पणत्ते ? गोयमा ! वट्टे वलयागारे तहेव जाव जे णं इमीसे रयणप० पु० घणोदहिवलयं सव्वओ समेता संपरिक्खित्ताणं चिट्ठइ एवं जाव अहेसत्तमाए घणवायवलए । इमीसे णं भंते ! रयणप० पु० तणुवायवलए किंसटिए पणत्ते ? गोयमा ! वट्टे वलयागारसंठाणसंठिए जाव जेणं इमीसे रयणप० पु० घणवायवलयं सव्वओ समेता संपरिक्खित्ताणं चिट्ठइ, एवं जाव अहेसत्तमाए तणुवायवलए ॥ इमा णं भंते ! रयणप० पु० केवइयं आयामविकखंमेणं प० ? गोयमा ! असंखेजाइं जोयणसहस्साइं आयामविकखंमेणं असंखेजाइं जोयणसहस्साइं परिकखेवेणं पणत्ता, एवं जाव अहेसत्तमा ॥ इमा णं भंते ! रयणप० पु० अंते य मज्झे य सव्वत्थ समा बाहलेण पणत्ता ? हंता गोयमा ! इमा णं रयण० पु० अंते य मज्झे य सव्वत्थ समा बाह-

ल्लेणं, एवं जाव अहेसत्तमा ॥७६॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्प० पु० सव्वजीवा उववण्णपुव्वा ? सव्वजीवा उववण्णा ? , गोयमा ! इमीसे णं रय० पु० सव्वजीवा उववण्णपुव्वा णो चेव णं सव्वजीवा उववण्णा, एवं जाव अहेसत्तमाए पुटवीए ॥ इमा णं भंते ! रयण० पु० सव्वजीवेहिं विजटपुव्वा ? सव्वजीवेहिं विजटा ? , गोयमा ! इमा णं रयण० पु० सव्वजीवेहिं विजटपुव्वा णो चेव णं सव्वजीवविजटा, एवं जाव अहेसत्तमा ॥ इमीसे णं भंते ! रयण० पु० सव्वपोमाला पविट्टपुव्वा ? सव्वपोमाला पविट्टा ? , गोयमा ! इमीसे णं रयण० पुटवीए सव्वपोमाला पविट्टपुव्वा णो चेव णं सव्वपोमाला पविट्टा, एवं जाव अहेसत्तमाए पुटवीए ॥ इमा णं भंते ! रयणप्पभा पुटवी सव्वपोमालेहिं विजटपुव्वा ? सव्वपोमा० विजटा ? , गोयमा ! इमा णं रयणप्पभा पु० सव्वपोमालेहिं विजटपुव्वा णो चेव णं सव्वपोमालेहिं विजटा, एवं जाव अहेसत्तमा ॥७७॥ इमा णं भंते ! रयणप्पभा पुटवी किं सासया असासया ? गोयमा ! सिय सासया सिय असासया ॥ से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ-सिय सासया सिय असासया ? गोयमा ! दव्वट्ठयाए सासया, वण्णपज्जेहिं गंधपज्जेहिं रसपज्जेहिं फासपज्जेहिं असासया, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ-तं चेव जाव सिय असासया, एवं जाव अहेसत्तमा ॥ इमा णं भंते ! रयणप्पभा पु० कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! ण क्याइ ण आसि ण क्याइ णरिथि ण क्याइ ण भविस्सइ भुविं च भवइ य भविस्सइ य धुवा णियया सासया अक्खया अव्वया अवट्ठिया णिच्चा एवं जाव अहेसत्तमा ॥७८॥ [इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुटवीए उवरिल्लाओ चरिमंताओ हेट्ठिल्ले चरिमंते एस णं केवइयं अवाहाए अंतरे पण्णत्ते ! गोयमा ! असिउत्तरं जोयणसयसहस्सं अवाहाए अंतरे पण्णत्ते । इमीसे णं भंते ! रयण० पु० उवरिल्लाओ चरिमंताओ खरस्स कण्डस्स हेट्ठिल्ले चरिमंते एस णं केवइयं अवाहाए अंतरे पण्णत्ते ? गोयमा ! सोल्लस जोयणसहस्साइ अवाहाए अंतरे पण्णत्ते] इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुटवीए उवरिल्लाओ चरिमंताओ रयणस्स कण्डस्स हेट्ठिल्ले चरिमंते एस णं केवइयं अवाहाए अंतरे पण्णत्ते ? गोयमा ! एकं जोयणसहस्सं अवाहाए अंतरे पण्णत्ते ॥ इमीसे णं भंते ! रयण० पु० उवरिल्लाओ चरिमंताओ वइरस्स कण्डस्स उवरिल्ले चरिमंते एस णं केवइयं अवाहाए अंतरे पण्णत्ते ? गोयमा ! एकं जोयणसहस्सं अवाहाए अंतरे प० ॥ इमीसे णं भंते ! रयण० पु० उवरिल्लाओ चरिमंताओ वइरस्स कण्डस्स हेट्ठिल्ले

चरिमंते एस णं केवइयं अवाहाए अंतरे प० ? गोयमा ! दो जोयणसहस्साइं, इमीसे णं० अवाहाए अंतरे पणत्ते, एवं जाव रिद्धस्स उवरिल्ले पणत्तस जोयणसहस्साइं, हेट्ठिल्ले चरिमंते सोलस जोयणसहस्साइं ॥ इमीसे णं भंते ! रयण० पु० उवरिल्लाओ चरिमंताओ पंकवहुलस्स कंडस्स उवरिल्ले चरिमंते एस णं अवाहाए केवइयं अंतरे पणत्ते ? गोयमा ! सोलस जोयणसहस्साइं अवाहाए अंतरे पणत्ते । हेट्ठिल्ले चरिमंते एकं जोयणसयसहस्सं आववहुलस्स उवरि एकं जोयणसयसहस्सं हेट्ठिल्ले चरिमंते असीउत्तरं जोयणसयसहस्सं । घणोदहिउवरिल्ले असिउत्तरजोयणसयसहस्सं हेट्ठिल्ले चरिमंते दो जोयणसयसहस्साइं । इमीसे णं भंते ! रयण० पुद० घणवायस्स उवरिल्ले चरिमंते दो जोयणसयसहस्साइं । हेट्ठिल्ले चरिमंते असंखेजाइं जोयणसयसहस्साइं । इमीसे णं भंते ! रयण० पु० तणुवायस्स उवरिल्ले चरिमंते असंखेजाइं जोयणसयसहस्साइं अवाहाए अंतरे हेट्ठिल्लेवि असंखेजाइं जोयणसयसहस्साइं, एवं ओवासंतरेवि ॥ दोच्चाए णं भंते ! पुदवीए उवरिल्लाओ चरिमंताओ हेट्ठिल्ले चरिमंते एस णं केवइयं अवाहाए अंतरे पणत्ते ? गोयमा ! वत्तीमुत्तरं जोयणसयसहस्सं अवाहाए अंतरे पणत्ते । सक्करप्प० पु० उवरि घणोदहिस्स हेट्ठिल्ले चरिमंते बावणुत्तरं जोयणसयसहस्सं अवाहाए । घणवायस्स असंखेजाइं जोयणसयसहस्साइं पणत्ताइं । एवं जाव उवासंतरस्सवि जाव अहेसत्तमाए, णवरं जीसे जं बाहल्लं तेण घणोदही संबंघेयव्वो बुद्धीए । सक्करप्पमाए अणुसारेणं घणोदहिसहियाणं इमं पमाणं ॥ तच्चाए अट्ठ्यालीमुत्तरं जोयणसयसहस्सं । पंकप्पमाए पुदवीए चत्तालीमुत्तरं जोयणसयसहस्सं । धूमप्पमाए पु० अट्ठतीमुत्तरं जोयणसयसहस्सं । तमाए पु० छत्तीमुत्तरं जोयणसयसहस्सं । अहेसत्तमाए पु० अट्ठावीमुत्तरं जोयणसयसहस्सं जाव अहेसत्तमाए णं भंते ! पुदवीए उवरिल्लाओ चरिमंताओ उवासंतरस्स हेट्ठिल्ले चरिमंते केवइयं अवाहाए अंतरे पणत्ते ? गोयमा ! असंखेजाइं जोयणसयसहस्साइं अवाहाए अंतरे पणत्ते ॥ ७९ ॥ इमा णं भंते ! रयणप्पमा पुदवी दोच्चं पुदविं पणिहाय बाहल्लेणं किं तुल्ला विसेसाहिया संखेजगुणा ? वित्थरेणं किं तुल्ला विसेसहीणा संखेजगुणहीणा ?, गोयमा ! इमा णं रयण० पु० दोच्चं पुदविं पणिहाय बाहल्लेणं णो तुल्ला विसेसाहिया णो संखेजगुणा, वित्थरेणं णो तुल्ला विसेसहीणा णो संखेजगुणहीणा । दोच्चा णं भंते ! पुदवी तच्चं पुदविं पणिहाय बाहल्लेणं किं तुल्ला एवं चेव भाणियव्वं । एवं तच्चा चउत्थी पंचमी छट्ठी । छट्ठी णं भंते ! पुदवी सत्तमं पुदविं पणिहाय बाहल्लेणं

किं तुल्ला विसेसाहिया संखेजगुप्पा ? एवं चेव भाणियव्वं । सेवं भंते ! २ ॥ ८० ॥

॥ पढमो णेरइय उहेसो समत्तो ॥

बीओ णेरइय उहेसो

कइ णं भंते ! पुढवीओ पणत्ताओ ? गोयमा ! सत्त पुढवीओ पणत्ताओ, तंजहा—रयणप्पमा जाव अहेसत्तमा ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्प० पु० असीउत्तर-जोयणसयसहस्सवाहल्लाए उवरिं केवइयं ओगाहिता हेट्ठा केवइयं वज्झिन्ता मज्झे केवइए केवइया गिरयावाससयसहस्सा पणत्ता ? गोयमा ! इमीसे णं रयण० पु० असीउत्तरजोयणसयसहस्सवाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहिता हेट्ठावि एगं जोयणसहस्स वज्जेत्ता मज्झे अडसत्तरी जोयणसयसहस्सा, एत्थ णं रयणप्पमाए पु० णेरइयाणं तीसं गिरयावाससयसहस्साइं भवंतित्तिमक्खोया ॥ ते णं णरगा अंतो वट्ठा बाहिं चउरंसा जाव असुभा णरएसु वेयणा, एवं एएणं अभिलावेणं उवजुंजिऊण भाणियव्वं ठाणययाणुसारेणं, जत्थ जं बाहल्ले जत्थ जत्तिया वा णरयावाससयसहस्सा जाव अहेसत्तमाए पुढवीए, अहेसत्तमाए मज्झिमं केवइए कइ अणुत्तरा महइ महालया महाणिरया पणत्ता एवं पुञ्चियव्वं वागरेयव्वंपि तहेव (छट्ठिसत्तमासु काऊ य अगणिवण्णाभा भाणियव्वा) ॥ ८१ ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्पमाए पुढवीए णरगा किंसंठिया पणत्ता ? गोयमा ! दुविहा पणत्ता, तंजहा—आवलियपविट्ठा य आवलियवाहिरा य, तत्थ णं जे ते आवलियपविट्ठा ते तिविहा पणत्ता, तंजहा—वट्ठा तंसा चउरंसा, तत्थ णं जे ते आवलियवाहिरा ते णाणासंठाणसंठिया पणत्ता, तंजहा—अयकोट्ठसंठिया पिट्ठपयणगसंठिया कंठूसंठिया लोहीसंठिया कडाहसंठिया थालीसंठिया पिहडगसंठिया किमियडसंठिया किण्णपडगसंठिया उडवसंठिया मुरव-संठिया मुयंगसंठिया णंदिसुयंगसंठिया आलिंगयसंठिया सुघोससंठिया दइरयसंठिया पणवसंठिया पडहसंठिया मेरिसंठिया झल्लरीसंठिया कुतुंबगसंठिया णालिसंठिया, एवं जाव तमाए ॥ अहेसत्तमाए णं भंते ! पुढवीए णरगा किंसंठिया पणत्ता ? गोयमा ! दुविहा पणत्ता, तंजहा—वट्ठे य तंसा य । इमीसे णं भंते ! रयणप्पमाए पुढवीए णरगा केवइयं बाहल्लेणं पणत्ता ? गोयमा ! तिण्णि जोयणसहस्साइं बाहल्लेणं पणत्ता, तंजहा—हेट्ठा घणा सहस्सं मज्झे झुसिरा सहस्सं उप्पिं संकुइया सहस्सं, एवं जाव अहेसत्तमाए । इमीसे णं भंते ! रयणप्प० पु० णरगा केवइयं आयामंविक्खंभेणं केवइयं परिकखेवेणं पणत्ता ? गोयमा ! दुविहा पणत्ता, तंजहा—संखेजवित्थडा

य असंखेज्वित्थडा य, तत्थ णं जे ते संखेज्वित्थडा ते णं संखेजाइं जोयणसहस्साइं
आयामविकखेमेणं संखेजाइं जोयणसहस्साइं परिकखेवेणं पण्णत्ता तत्थ णं जे ते
असंखेज्वित्थडा ते णं असंखेजाइं जोयणसहस्साइं आयामविकखेमेणं असंखेजाइं
जोयणसहस्साइं परिकखेवेणं पण्णत्ता एवं जाव तमाए, अहेसत्तमाए णं भंते ! पुच्छा,
गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—संखेज्वित्थडे य असंखेज्वित्थडा य, तत्थ णं
जे ते संखेज्वित्थडे से णं एक्कं जोयणसयसहस्सं आयामविकखेमेणं तिण्णि जोयण-
सयसहस्साइं सोलस सहस्साइं दोण्णि य सत्तावीसे जोयणसए तिण्णि कोसे य अट्ठावीसं
च धणुमयं तेरस य अंगुलाइं अद्वंगुलयं च किंचिविसेमाहिए परिकखेवेणं पण्णत्ता,
तत्थ णं जे ते असंखेज्वित्थडा ते णं असंखेजाइं जोयणसयसहस्साइं आयाम-
विकखेमेणं असंखेजाइं जाव परिकखेवेणं पण्णत्ता ॥ ८२ ॥ इमीसे णं भंते ! रयण-
प्पमाए पुटवीए णरया केरिसया वण्णेणं पण्णत्ता ? गोयमा ! काला कालोभासा
गंभीरलोमहरिसा भीमा उत्तासणया परमकिण्हा वण्णेणं पण्णत्ता, एवं जाव अहेसत्त-
माए ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्पमाए पुटवीए णरया केरिसया गंधेणं पण्णत्ता ?
गोयमा ! से जहाणामए अहिमडेइ वा गोमडेइ वा सुणगमडेइ वा मज्जारमडेइ वा
मणुस्समडेइ वा महिसमडेइ वा मूसगमडेइ वा आसमडेइ वा हत्थिमडेइ वा सीहमडेइ
वा वण्णमडेइ वा विगमडेइ वा दीवियमडेइ वा मयकुहियचिरविण्डुकुणिमचावण्ण-
दुभिगंधे असुइविलीणक्कियाबीभत्थदरिसणिजे किमिजालाउलसंसत्ते, भवेयारुवे
सिया ?, णो इण्ठे समट्ठे, गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पमाए पुटवीए णरया एत्तो
अणिट्ठतरगा चेव अकंततरगा चेव जाव अमणामतरगा चेव गंधेणं पण्णत्ता, एवं
जाव अहेसत्तमाए पुटवीए ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्प० पु० णरया केरिसया
फासेणं पण्णत्ता ? गोयमा ! से जहाणामए असिपत्तेइ वा खुरपत्तेइ वा कलंबचीरि-
यापत्तेइ वा सत्तग्गेइ वा कुंतग्गेइ वा तोमरग्गेइ वा णारायग्गेइ वा सूलग्गेइ वा
लउत्तग्गेइ वा मिडिमालग्गेइ वा सूइकलावेइ वा कवियच्छइ वा विंचुयकंटएइ वा
इंगालेइ वा जालेइ वा मुम्पुरेइ वा अच्चीइ वा अलाएइ वा सुद्धागणीइ वा,
भवे एयारुवे सिया ?, णो इण्ठे समट्ठे, गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पमाए पुटवीए
णरया एत्तो अणिट्ठतरगा चेव जाव अमणामतरगा चेव फासेणं पण्णत्ता, एवं जाव
अहेसत्तमाए पुटवीए ॥ ८३ ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्पमाए पुटवीए णरया
केमहालिया पण्णत्ता ? गोयमा ! अयण्णं जंबुदीवे २ सव्वदीवसमुदाणं सव्वधंभंतरए

सव्वखुड्ढाए वट्ठे तेह्मापूवसंठाणसंठिए वट्ठे रहचक्कवालसंठाणसंठिए वट्ठे पुक्खर-
 कणियासंठाणसंठिए वट्ठे पडिपुण्णचंदसंठाणसंठिए एक्कं जोयणसयसहस्सं आयाम-
 भिस्संभेणं जाव किंचि विसेसाहिए परिकखेवेणं, देवे णं महिड्डिए जाव महाणुभागे
 जाव इणामेव इणामेवत्तिकट्ठु इमं केवलकप्पं जंबुदीवं २ तिहिं अच्छाणिवाएहिं
 तिसत्तखुत्तो अणुपरियट्ठित्ताणं हव्वमागच्छेज्जा से णं देवे ताए उक्किट्ठाए तुरियाए
 चवलाए चंडाए सिग्धाए उद्धुयाए जयणाए छेयाए दिव्वाए दिव्वगईए वीइवयमाणे
 २ जहण्णेणं एगाहं वा दुयाहं वा तियाहं वा उक्कोसेणं छम्मासेणं वीइवएज्जा, अत्ये-
 गइए वीइवएज्जा अत्येगइए णो वीइवएज्जा, एमहालया णं गोयमा ! इमीसे णं
 रयणप्पमाए पुटवीए णरगा पण्णत्ता, एवं जाव अहेसत्तमाए, णवरं अहेसत्तमाए
 अत्येगइयं णरगं वीइवएज्जा, अत्येगइए णरगे णो वीइवएज्जा ॥ ८४ ॥ इमीसे णं
 भंते ! रयणप्पमाए पुटवीए णरगा किंमया पण्णत्ता ? गोयमा ! सव्ववइरामया
 पण्णत्ता, तत्थ णं णरएसु बह्वे जीवा य पोमाला य अवक्कमंति विउक्कमंति चयंति
 उववजंति, सासया णं ते णरगा दव्वट्ठयाए वण्णपज्जवेहिं गंधपज्जवेहिं रसपज्जवेहिं
 फासपज्जवेहिं असासया, एवं जाव अहेसत्तमाए ॥ ८५ ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्प-
 माए पुटवीए णेरइया कओहिंतो उववजंति किं असण्णीहिंतो उववजंति सरीसिवे-
 हिंतो उववजंति पक्खीहिंतो उववजंति चउप्पएहिंतो उववजंति उरगेहिंतो उववजंति
 इत्थियाहिंतो उववजंति मच्छमणुएहिंतो उववजंति ? गोयमा ! असण्णीहिंतो उव-
 वजंति जाव मच्छमणुएहिंतोवि उववजंति, असण्णी खलु पटमं दोच्चं च सरीसिवा
 तइय पक्खी । सीहा जंति चउत्थि उरगा पुण पंचमिं जंति ॥ १ ॥ छट्ठिं च
 इत्थियाओ मच्छा मणुया य सत्तमिं जंति । जाव अहेसत्तमाए पुटवीए णेरइया णो
 असण्णीहिंतो उववजंति जाव णो इत्थियाहिंतो उववजंति मच्छमणुस्सेहिंतो उवव-
 जंति ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्प० पु० णेरइया एक्कसमएणं केवइया उववजंति ?
 गोयमा ! जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं संखेजा वा असंखेजा वा
 उववजंति, एवं जाव अहेसत्तमाए ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्प० पुटवीए णेरइया
 समए समए अवहीरमाणा अवहीरमाणा केवइकालेणं अवहिया सिया ? गोयमा ! ते
 णं असंखेजा समए समए अवहीरमाणा अवहीरमाणा असंखेजाहिं उस्सप्पिणीओ-
 सप्पिणीहिं अवहीरंति णो चेव णं अवहिया सिया जाव अहेसत्तमा ॥ इमीसे णं
 भंते ! रयणप्प० पु० णेरइयाणं केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता ? गोयमा !
 दुविहा सरीरोगाहणा पण्णत्ता, तंजहा—भवधारणिज्जा य उत्तरवेउल्लिया य, तत्थ

णं जा सा भवधारणिजा सा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जभागं उक्कोसेणं सत्त धणूहं
 निष्णि य रयणीओ छच्च अंगुलाहं, तत्थ णं जे से उत्तरवेउत्थिए से जहं० अंगुलस्स
 संखेज्जभागं उक्को० पण्णरस धणूहं अड्ढाहजाओ रयणीओ, दोच्चाए भवधारणिजे
 जहण्णओ अंगुलामंखेज्जभागं उक्को० पण्णरस धणूहं अड्ढाहजाओ रयणीओ उत्तर-
 वेउत्थिया जहं० अंगुलस्स संखेज्जभागं उक्को० एकतीसं धणूहं एक्का रयणी, तच्चाए
 भवधारणिजे एकतीसं धणूहं एक्का रयणी, उत्तरवेउत्थिया बासद्धिं धणूहं दोष्णि
 रयणीओ, चउत्थीए भवधारणिजे बासद्धिं धणूहं दोष्णि य रयणीओ, उत्तरवेउत्थिया
 पण्णवीसं धणुसयं, पंचमीए भवधारणिजे पण्णवीसं धणुसयं, उत्तरवे० अड्ढाहजाहं
 धणुमयाहं, छट्ठीए भवधारणिजा अड्ढाहजाहं धणुसयाहं, उत्तरवेउत्थिया पंचधणु-
 मयाहं, सत्तमाए भवधारणिजा पंचधणुसयाहं उत्तरवेउत्थिए धणुसहस्सं ॥ ८६ ॥
 इमीसं णं भंते ! रयण० पु० णेरइयाणं सरीरया किंसंघयणी पण्णत्ता ? गोयमा !
 छण्हं संघयणाणं असंघयणी, णेवट्ठी णेव छिरा णवि ण्हारु, णेव संघयणमग्निथ, जे
 पोयत्ता अणिट्ठा जाव अमणामा ते तेसिं सरीरसंघायत्ताए परिणमंति, एवं जाव
 अहेसत्तमाए ॥ इमीसे णं भंते ! रयण० पु० णेरइयाणं सरीरा किंसंठिया पण्णत्ता ?
 गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता तंजहा—भवधारणिजा य उत्तरवेउत्थिया य, तत्थ णं जे
 ते भवधारणिजा ते हुंडसंठिया पण्णत्ता, तत्थ णं जे ते उत्तरवेउत्थिया तेवि
 हुंडसंठिया पण्णत्ता, एवं जाव अहेसत्तमाए ॥ इमीसे णं भंते ! रयण० पु० णेर-
 इयाणं सरीरया केरिसया वण्णेणं पण्णत्ता ? गोयमा ! काला कालोभासा जाव
 परमकिण्हा वण्णेणं पण्णत्ता, एवं जाव अहेसत्तमाए ॥ इमीसे णं भंते ! रयण० पु०
 णेरइयाणं सरीरया केरिसया गंधेणं पण्णत्ता ? गोयमा ! से जहाणामए अहिमडेइ
 वा तं चेव जाव अहेसत्तमा ॥ इमीसे णं भंते ! रयण० पु० णेरइयाणं सरीरया
 केरिसया फासेणं पण्णत्ता ? गोयमा ! कुडियच्छविविच्छविया खरफरुसझामझुसिरा
 फासेणं पण्णत्ता, एवं जाव अहेसत्तमा ॥ ८७ ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्पमाए
 पुढवीए णेरइयाणं केरिसया पोग्गला ऊत्तासत्ताए परिणमंति ? गोयमा ! जे पोयत्ता
 अणिट्ठा जाव अमणामा ते तेसिं ऊत्तासत्ताए परिणमंति, एवं जाव अहेसत्तमाए,
 एवं आहारस्सवि सत्तसुवि ॥ इमीसे णं भंते ! रयण० पु० णेरइयाणं कइ लेसाओ
 पण्णत्ताओ ? गोयमा ! एक्का काउलेसा पण्णत्ता, एवं सक्कप्पमाएऽवि बालुयप्पमाए
 पुच्छा, गोयमा ! दो लेसाओ पण्णत्ताओ तं०—णीललेसा य काउलेसा य, तत्थ जे

काउलेसा ते बहुतरा जे णीललेस्सा पणत्ता ते थोवा, पंकपभाए पुच्छा, एक्का णीललेसा पणत्ता, धूमपभाए पुच्छा, गोयमा ! दो लेस्साओ पणत्ताओ तंजहा—किण्हलेस्सा य णीललेस्सा य, ते बहुतरगा जे णीललेस्सा, ते थोवतरगा जे किण्हलेसा, तमाए पुच्छा, गोयमा ! एक्का किण्हलेस्सा, अहेसत्तमाए एक्का परमकिण्हलेस्सा ॥ इमीसे णं भंते ! रयण० पु० णेरइया किं सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी ? गोयमा ! सम्मदिट्ठीवि मिच्छादिट्ठीवि सम्मामिच्छादिट्ठीवि, एवं जाव अहेसत्तमाए ॥ इमीसे णं भंते ! रयण० पु० णेरइया किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! णाणीवि अण्णाणीवि, जे णाणी ते णियमा तिणाणी, तंजहा—आभिणिबोहियणाणी सुयणाणी ओहिणाणी, जे अण्णाणी ते अत्येगइया दुअण्णाणी अत्येगइया तिअण्णाणी, जे दुअण्णाणी ते णियमा मइअण्णाणी य सुयअण्णाणी य, जे तिअण्णाणी ते णियमा मइअण्णाणी सुयअण्णाणी विभेगणाणीवि, सेसा णं णाणीवि अण्णाणीवि तिणि जाव अहेसत्तमाए ॥ इमीसे णं भंते ! रयण० पु० किं मणजोगी वइजोगी कायजोगी ? गो० ! तिणिवि, एवं जाव अहेसत्तमाए ॥ इमीसे णं भंते ! रयणपभापु० णेरइया किं सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता ? गोयमा ! सागारोवउत्तावि अणागारोवउत्तावि, एवं जाव अहेसत्तमाए पुटवीए । [इमीसे णं भंते ! रयणप० पु० णेरइया ओहिणा केवइयं खेत्तं जाणंति पासंति ? गोयमा ! जहण्णेणं अद्धुट्ठागाउयाइं उक्कोसेणं चत्तारि गाउयाइं । सक्करपभापु० जह० तिणि गाउयाइं उक्को अद्धुट्ठाइं, एवं अद्धुट्ठागाउयं परिहायइ जाव अहेसत्तमाए जह० अद्धुट्ठागाउयं उक्कोसेणं गाउयं] । इमीसे णं भंते ! रयणपभाए पुटवीए णेरइयाणं कइ समुग्घाया पणत्ता ? गोयमा ! चत्तारि समुग्घाया पणत्ता, तंजहा—वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणेतियसमुग्घाए वेउव्वियसमुग्घाए, एवं जाव अहेसत्तमाए ॥ ८८ ॥ इमीसे णं भंते ! रयणपभा० पु० णेरइया केरिसयं खुहप्पिवासं पच्चणुभवमाणा विहरंति ? गोयमा ! एगमेगस्स णं रयणपभापुटविणेरइयस्स असम्भावपट्टवणाए सव्वोदही वा सव्वपोमाले वा आसगंसि पक्खिवेज्जा णो चेव णं से रयणप० पु० णेरइए तिच्चे वा सिया वितण्हे वा सिया, एरिसया णं गोयमा ! रयणपभाए णेरइया खुहप्पिवासं पच्चणुभवमाणा विहरंति, एवं जाव अहेसत्तमाए ॥ इमीसे णं भंते ! रयणपभाए पु० णेरइया किं एगत्तं पभू विउव्वित्तए पुहुत्तं पि पभू विउव्वित्तए ? गोयमा ! एगत्तं पि पभू पुहुत्तं पि पभू विउव्वित्तए, एगत्तं विउव्वेमाणा एगं

महं मोगरूखं वा एवं मुमुडिकरवत्तसिसत्तीहलगवामुसलचक्रभारायकुंततोमर-
 मूललउडभिडमाली य जाव भिडमालरूखं वा पुहुत्तं विउव्वेमाणा मोमाररूखाणि वा
 जाव भिडमालरूखाणि वा ताई संखेजाई णो असंखेजाई संवद्धाई णो असंवद्धाई
 सरिसाई णो असरिसाई विउव्वंति विउव्वित्ता अण्णमण्णस्स कायं अभिहणमाणा
 अभिहणमाणा वेयणं उदीरंति उज्जलं विउलं पगाहं कक्कसं कडुयं फरुसं णिदुदुरं चंडं
 तिव्वं दुक्खं दुग्गं दुरहियासं, एवं जाव धूमप्पभाए पुढवीए । छट्ठसत्तमासु णं
 पुढवीसु णेरइया बहू महंताई लोहियकुंथूरूवाई वइरामइतुंडाई गोमयकीडसमाणाई
 विउव्वंति विउव्वित्ता अण्णमण्णस्स कायं समतुरंगेमाणा २ खायमाणा खायमाणा
 मयपोरामकिमिया विव चालेमाणा २ अंतो अंतो अणुप्पविसमाणा २ वेयणं उदीरंति
 उज्जलं जाव दुरहियासं ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्प० पु० णेरइया किं सीयवेयणं
 वेदंति उसिणवेयणं वेदंति सीओसिणवेयणं वेदंति ? गोयमा ! णो सीयं वेयणं वेदंति
 उसिणं वेयणं वेदंति णो सीओसिणं, एवं जाव वालुयप्पभाए, पंक्कप्पभाए पुच्छा,
 गोयमा ! सीयंपि वेयणं वेदंति, उसिणंपि वेयणं वेयंति, णो सीओसिणवेयणं वेयंति,
 ते बहुतरगा जे उसिणं वेयणं वेदंति, ते थोवतरगा जे सीयं वेयणं वेदंति ।
 धूमप्पभाए पुच्छा, गोयमा ! सीयंपि वेयणं वेदंति उसिणंपि वेयणं वेदंति णो
 सीओ०, ते बहुतरगा जे सीयवेयणं वेदंति ते थोवतरगा जे उसिणवेयणं वेदंति ।
 तमाए पुच्छा, गोयमा ! सीयं वेयणं वेदंति णो उसिणं वेयणं वेदंति णो सीओसिणं
 वेयणं वेदंति, एवं अहेसत्तमाए णवरं परमसीयं ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्प० पु०
 णेरइया केरिसयं णिरयभवं पच्चणुभवमाणा विहरंति ? गोयमा ! ते णं तत्थ णिच्चं
 भीया णिच्चं तसिया णिच्चं छुहिया णिच्चं उव्विग्गा णिच्चं उपप्पुया णिच्चं वहिया
 णिच्चं परममुसुमउल्लमणुबद्धं णिरयभवं पच्चणुभवमाणा विहरंति, एवं जाव अहे-
 सत्तमाए णं पुढवीए पंच अणुत्तरा महइमहालया महाणरगा पण्णत्ता, तंजहा—काले
 महाकाले रोहए महारोहए अप्पइट्ठाणे, तत्थ इमे पंच महापुरिसा अणुत्तरेहिं दंड-
 समादाणेहिं काल्मासे कालं किच्चा अप्पइट्ठाणे णरए णेरइयत्ताए उववण्णा, तंजहा—
 रामे जमदग्निपुत्ते, दढाऊलच्छइपुत्ते, वसू उववरिचरे, सुभूमे कोरव्वे, बंभदत्ते सुलणि-
 सुए, ते णं तत्थ णेरइया जाया काला कालो० जाव परमकिण्हा वण्णेणं पण्णत्ता,
 तंजहा—ते णं तत्थ वेयणं वेदंति उज्जलं विउलं जाव दुरहियासं ॥ उसिणवेयणिजसु
 णं भंते ! णेरइएसु णेरइया केरिसयं उसिणवेयणं पच्चणुभवमाणा विहरंति ? गोयमा !

से जहाणामए कम्मरदारए सिया तरुणे बलवं जुगवं अण्णायके थिरग्गहत्थं दट्-
पाणिपायपासपिड्ढं तरोरुसंघायपरिणए लंघणपवणजवणवयणपमहणसमंथे तलजमल-
जुयलबहुफलहणिभवाहू वणणिचियवलयवट्ठंवेचम्मेट्टगदुहणमुट्ठियसमाहयणिचिय-
गतगत्ते उरस्सवलसमण्णागए छेए दक्खे पट्टे कुसले णिउणे मेहावी णिउणसिण्णोव-
गए एगं महं अयपिडं उदग्गवारसमाणं गहाय तं ताविय ताविय कोट्ठिय २ उन्मि-
दिय उन्मिदिय चुण्णिय चुण्णिय जाव एगाहं वा दुयाहं वा तियाहं वा उक्कोसेणं
अद्धमांसं संहणेजा, से णं तं सीयं सीईभूयं अओमएणं संदंसएणं गहाय असम्भाव-
पट्टवणाए उसिणवेयणिज्जेसु णरएसु पक्खिवेजा, से णं तं उम्मिसियणिमिसियंतरेणं
पुणरवि पच्चुद्धरिस्सामित्तिक्कट्ठ पविरायमेव पासेजा पविलीणमेव पासेजा पविद्धत्थ-
मेव पासेजा णो चेव णं संचाएइ अविरायं वा अविलीणं वा अविद्धत्थं वा पुणरवि
पच्चुद्धरित्तए ॥ से जहा णामए मत्तमातंगे दुपए कुंजरे सट्ठिहायणे पद्मसरयकाल-
समयंसि वा चरमणिदाधकालसमयंसि वा उण्हाभिहए तण्हाभिहए दवग्गिजालाभिहए
आउरे सुसिए पिवासए दुब्बले किलंते एक्कं महं पुक्खरिणिं पासेजा चाउक्कोणं
समतीरं अणुपुज्जसुजायवप्पगंभीरसीयलजलं संछण्णपत्तमिसमुणालं बहुउप्पलकुमुय-
णल्लिणसुभगसोर्गधियपुंडरीयमहापुंडरीयसयपत्तसहस्सपत्तकेसरपुल्लोवचियं छप्पयपरि-
भुजमाणकमलं अच्छविमलसल्लिलपुण्णं परिहत्थभमंतमच्छकच्छभं अणेगसउण्णण-
मिहुणयविरइयसदुण्णइयमहुरसरणाइयं तं पासइ तं पासित्ता तं ओग्गाहइ ओग्गाहित्ता
से णं तत्थ उण्हंपि पविणेजा तण्हंपि पविणेजा खुहंपि पविणेजा जरेपि पवि०
दाहंपि पवि० णिदाएज वा पयलाएज वा सइ वा रइ वा थिइं वा मइं वा उवलमेजा,
सीए सीयभूए संकसमाणे संकसमाणे सायासोक्खवहुले यावि विहरेजा, एवामेव
गोयमा ! असम्भावपट्टवणाए उसिणवेयणिज्जेहिंतो णरएहिंतो णेरइए उव्वट्ठिए
समाणे जाइं इमाइं मणुस्सलोयंसि भवंति गोलियाल्लिगाणि वा सोंडियाल्लिगाणि वा
भिडियाल्लिगाणि वा अयागराणि वा तंचागराणि वा तउयागरा० सीसाग० रुपागरा०
सुवण्णागराणि वा हिरण्णागरा० कुंभारागणीइ वा मुसागणीइ वा इट्ठयागणीइ वा
कवेल्छयागणीइ वा लोहारंवरिसेइ वा जंतवाडकुल्लीइ वा हंडियलित्थाणि वा गोलिय-
लित्थाणि वा सोंडियलि० णलागणीइ वा तिलागणीइ वा तुसागणीइ वा, तत्ताइं
समजोईभूयाइं फुल्लकंसुयसमाणाइं उक्कासहस्साइं विणिम्मुयममाणाइं जालासहस्साइं
पमुच्चमाणाइं इंगालसहस्साइं पक्खरमाणाइं अंतो २ हुट्ठयमाणाइं चिट्ठंति ताइं

रासइ ताई पासित्ता ताई ओगाहइ ताई ओगाहिता से णं तत्थ उण्हं पि पविणेजा तण्हं पि पविणेजा खुहं पि पविणेजा जरं पि पविणेजा दाहं पि पविणेजा णिद्दाएज वा पयलाएज वा सइ वा रइ वा धिइ वा मइ वा उवलभेजा, सीए सीयभूए संकसमाणे संकसमाणे सायासोक्खहुले यावि विहरेजा, भवेयारूवे सिया ! णो इण्ठे समंठे, गोयमा ! उसिणवेयणिजेसु णरएसु णेरइया एत्तो अणिट्ठतरियं चेव उसिणवेयणं पच्चणुभवमाणा विहरंति ॥ सीयवेयणिजेसु णं भंते ! णरएसु णेरइया केरिसयं सीयवेयणं पच्चणुभवमाणा विहरंति ? गोयमा ! से जहाणामए कम्मारादारए सिया तरुणे जुगवं बळवं जाव सिप्पोवगए एगं महं अयपिंडं दग्गारसमाणं गहाय ताविय ताविय कोट्टिय कोट्टिय जह० एगाहं वा दुयाहं वा तियाहं वा उक्कोसेणं मासं हणेजा से णं तं उसिणं उसिणभूयं अओमएणं संदंसएणं गहाय असम्भावपट्टवणाए सीयवेयणिजेसु णरएसु पक्खिवेजा, से तं उम्मिसियणिमिसियंतरेण पुणरवि पच्छुद्धरिस्सामीतिकदुट्ठ पविरायमेव पासेजा, तं चेव णं जाव णो चेव णं संचाएजा पुणरवि पच्छुद्धरित्तए, से णं से जहाणामए मत्तमायगे तहेव जाव सोक्खहुले यावि विहरेजा एवामेव गोयमा ! असम्भावपट्टवणाए सीयवेयणेहिंतो णरएहिंतो णेरइए उव्वट्टिए ममाणे जाइ इमाइ इहं माणुस्सलोए इवंति, तंजहा--हिमाणि वा हिमपुंजाणि वा हिमपडलणि वा हिमपडलपुंजाणि वा तुसाराणि वा तुसारपुंजाणि वा हिमकुंडाणि वा हिमकुंडपुंजाणि वा सीयाणि वा ताइ पासइ पासित्ता ताइ ओगाहइ ओगाहिता से णं तत्थ सीयं पि पविणेजा तण्हं पि प० खुहं पि प० जरं पि प० दाहं पि प० णिद्दाएज वा पयलाएज वा जाव उसिणे उसिणभूए संकसमाणे संकसमाणे सायासोक्खहुले यावि विहरेजा, गोयमा ! सीयवेयणिजेसु णरएसु णेरइया एत्तो अणिट्ठतरियं चेव सीयवेयणं पच्चणुभवमाणा विहरंति ॥ ८९ ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप० पु० णेरइयाणं केवइयं कालं ठिई पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणवि उक्कोसेणवि ठिई भाणियव्वा जाव अहेसत्तमाए ॥ ९० ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप० पु० णेरइया अणंतरं उव्वट्टिय कहिं गच्छंति ? कहिं उववजंति ? किं णेरइएसु उववजंति ? किं तिरिक्खजोणिएसु उववजंति ? एवं उव्वट्टणा भाणियव्वा जहावक्कंतीए तहा इहवि जाव अहेसत्तमाए ॥ ९१ ॥ इमीसे णं भंते ! रयण० पु० णेरइया केरिसयं पुटविफासं पच्चणुभवमाणा विहरंति ? गोयमा ! अणिट्ठं जाव अमणामं, एवं जाव अहेसत्तमाए, इमीसे णं भंते ! रयण० पु० णेरइया केरिसयं आउफासं पच्चणुभवमाणा विहरंति ? गोयमा ! अणिट्ठं

जाव अमणामं, एवं जाव अहेसत्तमाए, एवं जाव वणप्फइफासं अहेसत्तमाए पुटवीए । इमा णं भंते ! रयणप्पभापुटवी दोच्चं पुटविं पणिहाय सव्वमहंतिया बाहल्लेणं सव्व-
क्खुड्डिया सव्वंतेसु ? हंता गोयमा ! इमा णं रयणप्पभापुटवी दोच्चं पुटविं पणिहाय
जाव सव्वक्खुड्डिया सव्वंतेसु, दोच्चा णं भंते ! पुटवी तच्चं पुटविं पणिहाय सव्वमहं-
तिया बाहल्लेणं पुच्छा, हंता गोयमा ! दोच्चा णं पुटवी जाव सव्वक्खुड्डिया सव्वंतेसु,
एवं एएणं अभिल्लवेणं जाव छट्ठिया पुटवी अहेसत्तमं पुटविं पणिहाय सव्वक्खुड्डिया
सव्वंतेसु ॥ ९२ ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्प० पु० तीसाए णरयावाससयसहरसेसु
इकमिक्कंसि णिरयावाससि सव्वे पाणा सव्वे भूया सव्वे जीवा सव्वे सत्ता पुटवीकाइय-
त्ताए जाव वणप्पसइकाइयत्ताए णेरइयत्ताए उववण्णपुब्बा ? हंता गोयमा ! अमइं अदुवा
अणंतखुत्तो, एवं जाव अहेसत्तमाए पुटवीए णवरं जत्थ जत्तिया णरगा (इमीसे णं
भंते ! रयणप्पभाए पु० णिरयपरिसामंतेसु जे पुटविकाइया जाव वणप्फइकाइया ते
णं भंते ! जीवा महाक्कम्मतरा चेव महाकिरियतरा चेव महाआसवतरा चेव महा-
वेयणतरा चेव ? हंता गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुटवीए णिरयपरिसा-
मंतेसु तं चेव जाव महावेयणतरा चेव, एवं जाव अहेसत्तमाए) ॥ ९३ ॥ पुटविं
ओगाहत्ता, णरगा संठाणमेव बाहल्लं । विक्खंभपरिक्खेवे वण्णो गंधो य फासो य
॥ १ ॥ तेसिं महालयाए उवमा देवेण होइ कायव्वा । जीवा य पोमाला वक्कमंति
तह सासथा णिरया ॥ २ ॥ उववायपरिमाणं अवहारुच्चत्तमेव संघयणं संठाणवण्ण-
गंधा फासा उसासमाहारे ॥ ३ ॥ लेसा दिट्ठी णाणे जोगुवओगे तहा समुग्घाया ।
तत्तो खुहापिवासा विउव्वणा वेयणा य भए ॥ ४ ॥ उववाओ पुरिसाणे ओवग्गं
वेयणाए दुविहाए । उव्वट्ठणपुटवी उ उववाओ सव्वजीवाणं ॥ ५ ॥ एयाओ संग-
हणिगाहाओ ॥ ९४ ॥ बीओ णेरइय उद्देसो समत्तो ॥

तइओ णेरइय उद्देसो

इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुटवीए णेरइया केरिसयं पोमालपरिणामं पक्खणु-
भवमाणा विहरंति ? गोयमा ! अणिट्ठं जाव अमणामं, एवं जाव अहेसत्तमाए एवं
णेयव्वं गाहा-पोमालपरिणामे वेयणा य लेसा य णामगोए य । अरइं भए य सोमे
खुहापिवासा य वाही य ॥ १ ॥ उस्सासे अणुतावे कोहे माप्पे य मायलोमे य ।
चत्तारि य सण्णाओ णेरइयाणं तु परिणामे ॥ २ ॥ एत्थ किर अइवयंती णरवसभा

केसवा जलयरा य । मंडलिया रायाणो जे य महारंभकोहुंवी ॥ ३ ॥ भिण्णमुहुत्तो
 गरएसु होइ तिरियमणुएसु चत्तारि । देवेसु अद्धमासो उक्कोसविउज्जणा भणिया
 ॥ ४ ॥ जे पोमाला अणिद्धा णियमा सो तेसि होई आहारो । संठाणं तु जहणं
 णियमा हुंइ तु णायव्वं ॥ ५ ॥ असुभा विउज्जणा खलु णेरइयाणं तु होइ सव्वेसिं ।
 वेउज्जियं सरीरं असंघयणहुंइसंठाणं ॥ ६ ॥ अस्साओ उववण्णो अस्साओ चेव
 चयइ णिरयभवं । सव्वपुटवीसु जीवो सव्वेसु ठिइविसेसेसु ॥ ७ ॥ उववाएण व सायं
 णेरइओ देवकम्पुणा वावि । अज्जवसाण णिमित्तं अहवा कम्माणुभावेणं ॥ ८ ॥ णेर-
 इयाणुप्पाओ उक्कोसं पंचजोयणसयाइं । दुक्खेणभिद्दुयाणं वेयणसयसंपगादाणं ॥ ९ ॥
 अच्छिणिमीलियमेत्तं गत्थि सुहं दुक्खमेव पडिचद्धं । णरए णेरइयाणं अहोणिसं
 पचमाणाणं ॥ १० ॥ तेयाकम्मसरीरा सुहुमसरीरा य जे अपज्जत्ता । जीवेण मुक्कमेत्ता
 वच्चंति सहस्ससो भेयं ॥ ११ ॥ अइसीयं अइउण्हं अइतण्हा अइभयं वा । णिरए
 णेरइयाणं दुक्खसयाइं अविस्सामं ॥ १२ ॥ एत्थ य भिण्णमुहुत्तो पोमाल असुहा
 य होइ अस्साओ । उववाओ उप्पाओ अच्छि सरीरा उ बोद्धव्वा ॥ १३ ॥
 से तं णेरइया ॥ १५ ॥ तइओ णेरइय उद्देसो समत्तो ॥

पढमो तिरिक्खजोणिय उद्देसो

से किं तं तिरिक्खजोणिया ? तिरिक्खजोणिया पंचविहा पणत्ता, तंजहा-
 एगिंदियतिरिक्खजोणिया बेइंदियतिरिक्खजोणिया तेइंदियतिरिक्खजोणिया चउरिं-
 दियतिरिक्खजोणिया पंचिंदियतिरिक्खजोणिया य । से किं तं एगिंदियतिरिक्ख-
 जोणिया ? २ पंचविहा पणत्ता, तंजहा-पुटविकाइयएगिंदियतिरिक्खजोणिया जाव
 वणस्सइकाइयएगिंदियतिरिक्खजोणिया । से किं तं पुटविकाइयएगिंदियतिरिक्ख-
 जोणिया ? २ दुविहा पणत्ता, तंजहा-सुहुमपुटविकाइयएगिंदियतिरिक्खजोणिया
 वायरपुटविकाइयएगिंदियतिरिक्खजोणिया य । से किं तं सुहुमपुटविकाइयएगिंदिय-
 तिरि० ? २ दुविहा पणत्ता, तंजहा-पज्जत्तसुहुम० अपज्जत्तसुहुम० से तं सुहुम० ।
 से किं तं बायरपुटविकाइय० ? २ दुविहा पणत्ता, तंजहा-पज्जत्तवायरपु० अपज्जत्त-
 वायरपु०, से तं बायरपुटविकाइयएगिंदिय०, से तं पुटवीकाइयएगिंदिय० । से
 किं तं आउक्काइयएगिंदिय० ? २ दुविहा पणत्ता, एवं जहेव पुटविकाइयाणं तहेव,
 आउक्कायभेदो एवं जाव वणस्सइकाइया से तं वणस्सइकाइयएगिंदियतिरिक्ख० । से
 किं तं बेइंदियतिरिक्ख० ? २ दुविहा पणत्ता, तंजहा-पज्जत्तगवेइंदियति० अपज्जत्तग-

वेइदियति०, से तं वेइदियतिरि० एवं जाव चउरिदिया । से किं तं पंचेदियतिरि-
क्खजोणिया ? २ तिविहा पण्णत्ता, तंजहा—जलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया थल-
यरपंचेदियतिरिक्खजो० खहयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया । से किं तं जलयरपंचेदि-
यतिरिक्खजोणिया ? २ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—समुच्छिमजलयरपंचेदियतिरिक्ख-
जोणिया य गम्भवक्कतियजलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया य । से किं तं समुच्छिम-
जलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया ? २ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—पजत्तगंसमुच्छिम०
अपजत्तगंसमुच्छिमजलयर०, से तं समुच्छिम० पंचेदियतिरिक्ख० । से किं तं
गम्भवक्कतियजलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया ? २ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—पजत्तग-
गम्भवक्कतिय० अपजत्तगगम्भ० से तं गम्भवक्कतियजलयर०, से तं जलयरपंचेदिय-
तिरि० । से किं तं थलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया ? २ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—
चउप्पयथलयरपंचेदिय० परिसप्पथलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया । से किं तं चउ-
प्पयथलयरपंचेदिय० ? चउप्पय० दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—समुच्छिमचउप्पयथल-
यरपंचेदिय० गम्भवक्कतियचउप्पयथलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया य, जहेव जल-
यराणं तहेव चउक्कओ भेओ, सेत्तं चउप्पयथलयरपंचेदिय० । से किं तं परिसप्प-
थलयरपंचेदियतिरिक्ख० ? २ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—उरपरिसप्पथलयरपंचेदिय-
तिरिक्खजोणिया भुयपरिसप्पथलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया । से किं तं उरपरि-
सप्पथलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया ? उरपरि० दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—जहेव
जलयराणं तहेव चउक्कओ भेओ, एवं भुयपरिसप्पानवि भाणियच्चं, से तं भुयपरि-
सप्पथलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया, से तं थलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया । से किं
तं खहयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया ? खहयर० दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—समुच्छिम-
खहयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया गम्भवक्कतियखहयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया य ।
से किं तं समुच्छिमखहयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया ? समु० दुविहा पण्णत्ता,
तंजहा—पजत्तगंसमुच्छिमखहयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया अपजत्तगंसमुच्छिमखह-
यरपंचेदियतिरिक्खजोणिया य, एवं गम्भवक्कतियावि जाव पजत्तगगम्भवक्कतियावि
जाव अपजत्तगगम्भवक्कतियावि । खहयरपंचेदियतिरिक्खजोणियाणं भंते ! कइदिहे
जोणिसंगहे पण्णत्ते ? गोयमा ! तिविहे जोणिसंगहे पण्णत्ते, तंजहा—अंडया पोथया
समुच्छिमा, अंडया तिविहा पण्णत्ता, तंजहा—इत्थी पुरिसा णपुंसगा, पोथया
तिविहा पण्णत्ता, तंजहा—इत्थी पुरिसा णपुंसया, तत्थ णं जे ते समुच्छिमा ते

सव्वे णपुंसगा ॥९६॥ एसि णं भंते ! जीवाणं कइ लेसाओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! छलेसाओ पण्णत्ताओ, तंजहा-कण्हलेसा जाव सुक्खलेसा ॥ ते णं भंते ! जीवा किं सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी ? गोयमा ! सम्मदिट्ठीवि मिच्छा-दिट्ठीवि सम्मामिच्छादिट्ठीवि ॥ ते णं भंते ! जीवा किं णाणी अण्णणी ? गोयमा ! णाणीवि अण्णणीवि तिण्णि णाणाइं तिण्णि अण्णणाइं भयणाए ॥ ते णं भंते ! जीवा किं मणजोगी वइजोगी कायजोगी ? गोयमा ! तिविहावि ॥ ते णं भंते ! जीवा किं सागारोवउत्ता अणगारोवउत्ता ? गोयमा ! सागारोवउत्तावि अणगारोवउत्तावि ॥ ते णं भंते ! जीवा कओ उववज्जंति किं णेरइएहिंतो उव० तिरिक्खजोणिएहिंतो उव० ? पुच्छा, गोयमा ! असंखेजवासाउयअकम्मभूमसअंतरदीवगवजेहिंतो उव-वज्जंति ॥ तेसि णं भंते ! जीवाणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पल्लोवमस्स असंखेजइभागं ॥ तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ समुत्थाया पण्णत्ता ? गोयमा ! पंच समुत्थाया पण्णत्ता, तंजहा-वेयणासमुत्थाए जाव तेयासमुत्थाए ॥ ते णं भंते ! जीवा मारणंतियसमुत्थाएणं किं समोहया मरंति असमोहया मरंति ? गोयमा ! समोहयावि म० असमोहयावि मरंति ॥ ते णं भंते ! जीवा अणंतरं उव्वट्ठित्ता कहिं गच्छंति ? कहिं उववज्जंति ?-किं णेरइएसु उव-वज्जंति ? तिरिक्ख० पुच्छा, गोयमा ! एवं उव्वट्ठणा भाणियव्वा जहा वक्कंतीए तहेव ॥ तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ जाईकुल्लोडिजोणीपमुहसयसहस्सा पण्णत्ता ? गोयमा ! बारस जाईकुल्लोडीजोणीपमुहसयसहस्सा प० ॥ भुयपरिसप्पथलयरपंचेदिय-तिरिक्खजोणियाणं भंते ! कइविहे जोणीसंगहे पण्णत्ते ? गोयमा ! तिविहे जोणी-संगहे पण्णत्ते, तंजहा-अंडया पोयया संमुच्छिमा, एवं जहा खहयराणं तहेव, णाणसं जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी, उव्वट्ठित्ता दोच्चं पुट्ठविं गच्छंति, णव जाईकुल्लोडीजोणीपमुहसयसहस्सा भवंतीति मक्खायं, सेसं तहेव ॥ उरपरिसप्पथल-यरपंचेदियतिरिक्खजोणियाणं भंते ! पुच्छा, जहेव भुयपरिसप्पाणं तहेव, णवरं ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी, उव्वट्ठित्ता जाव पंचमिं पुट्ठविं गच्छंति, दस जाईकुल्लोडी० ॥ चउप्पयथलयरपंचेदियतिरिक्ख० पुच्छा, गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते, तंजहा-जराउया (पोयया) य संमुच्छिमा य, से किं तं जराउया (पोयया)? २ तिविहा पण्णत्ता, तंजहा-इत्थी पुरिसा णपुंसगा, तत्थ णं जे ते संमुच्छिमा ते सव्वे णपुंसया ! तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ लेसाओ पण्णत्ताओ ? सेसं जहा

पक्खीणं, णाणत्तं ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं, उव्वट्ठित्ता चउत्थिं पुढविं गच्छंति, दस जाईकुलकोडी० ॥ जलयरपंचेदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा, जहा भुयपरिसप्पाणं णवरं उव्वट्ठित्ता जाव अहेसत्तमं पुढविं अद्धतेरस जाइकुलकोडीजोणीपमुह० ५० ॥ चउरिदियाणं भंते ! कइ जाईकुलकोडीजोणीप-मुहसयसहस्सा पण्णत्ता ? गोयमा ! णव जाईकुलकोडीजोणीपमुहसयसहस्सा सम-क्खाया । तेइंदियाणं पुच्छा, गोयमा ! अद्धजाईकुल जाव मक्खाया । बेइंदियाणं भंते ! कइ जाई० पुच्छा, गोयमा ! सत्त जाईकुलकोडीजोणीपमुह० ॥ ९७ ॥ कइ णं भंते ! गंधा पण्णत्ता ? कइ णं भंते ! गंधसया पण्णत्ता ?, गोयमा ! सत्त गंधा सत्त गंधसया पण्णत्ता । कइ णं भंते ! पुप्फजाईकुलकोडीजोणीपमुहसयसहस्सा पण्णत्ता ? गोयमा ! सोलसपुप्फजाईकुलकोडीजोणीपमुहसयसहस्सा पण्णत्ता, तंजहा—चत्तारि जलयराणं चत्तारि थलयराणं चत्तारि महारुक्खियाणं चत्तारि महामुम्मियाणं । कइ णं भंते ! वल्लीओ कइ वल्लिसया पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि वल्लीओ चत्तारि वल्लीसया पण्णत्ता । कइ णं भंते ! लयाओ कइ लयासया पण्णत्ता ? गोयमा ! अद्ध लयाओ अद्ध लयासया पण्णत्ता । कइ णं भंते ! हरियकाया हरियकायसया पण्णत्ता ? गोयमा ! तओ हरियकाया तओ हरियकायसया पण्णत्ता, फलसहस्सं च बिट्ठवद्धाणं फलसहस्सं च णालवद्धाणं, ते सव्वे वि हरियकायमेव समोयरंति, ते एवं समणुगम्म-माणा २ एवं समणुगाहिज्जमाणा २ एवं समणुपेहिज्जमाणा २ एवं समणुचित्तिज्जमाणा २ एएसु चेव दोसु काएसु समोयरंति, तंजहा—तसकाए चेव थावरकाए चेव, एवा-मेव सपुब्बावरेणं आजीवियविट्ठतेणं चउरासीइ जाइकुलकोडीजोणीपमुहसयसहस्सा भवंतीति मक्खाया ॥ ९८ ॥ अत्थि णं भंते ! विमाणाइं सोत्थियाणि सोत्थियक्खत्ताइं सोत्थियपभाइं सोत्थियकंताइं सोत्थियवण्णाइं सोत्थियलेसाइं सोत्थियज्झयाइं सोत्थियसिंकाराइं सोत्थियकूडाइं सोत्थियसिद्धाइं सोत्थुत्तरवडिंसगाइं ? इंता अत्थि । ते णं भंते ! विमाणा केमहालया ५० ? गोयमा ! जावइए णं सूरिए उदेइ जावइए णं च सूरिए अत्थमइ एवइया तिण्णोवासंतराइं अत्थेगइयस्स देवस्स एगे विक्कमे सिया, से णं देवे ताए उक्किट्ठाए तुरियाए जाव दिव्वाए देवगाइए वीईवथमाणे २ जाव एगाइं वा दुयाइं वा उक्कोसेणं छम्मासा वीईवएज्जा, अत्थेगइया विमाणं वीईवएज्जा अत्थेगइया विमाणं णो वीईवएज्जा, एमहालया णं गोयमा ! तें विमाणा पण्णत्ता, अत्थि णं भंते ! विमाणाइं अच्चीणि अच्चिरावत्ताइं तहेव जाव अच्सुत्तरवडिंसगाइं ?

हंता अन्थि, ते णं भंते ! विमाणा केमहालया पण्णत्ता ? गोयमा ! एवं जहा सोत्थी-
(याई)णि णवरं एवइयाइं पंच उवासंतराइं अत्थेगइयस्स देवस्स एगे विक्कमे सिया
सेसं ते चेव । अन्थि णं भंते ! विमाणाइं कामाइं कामावत्ताइं जाव कामुत्तरवडिस-
याइं ? हंता अन्थि, ते णं भंते ! विमाणा केमहालया पण्णत्ता ? गोयमा ! जहा सोत्थीणि
णवरं सत्त उवासंतराइं विक्कमे सेसं तहेव । अन्थि णं भंते ! विमाणाइं विजयाइं
वेजयंताइं जयंताइं अपराजियाइं ? हंता अन्थि, ते णं भंते ! विमाणा के० ? गोयमा !
जावइए णं सूरिए उदेइ० एवइयाइं णव ओवासंतराइं सेसं तं चेव, णो चेव णं ते
विमाणे वीईवेएजा एमहालया णं विमाणा पण्णत्ता समणाउसो ! ॥ १९ ॥

॥ पढमो तिरिक्खजोणियउद्देसो समत्तो ॥

बीओ तिरिक्खजोणिय उद्देसो

कइविहा णं भंते ! संसारसमावण्णगा जीवा पण्णत्ता ? गोयमा ! छव्विहा
पण्णत्ता, तंजहा—पुढविकाइयां जाव तसकाइया । से किं तं पुढविकाइया ? पुढविकाइया
दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—सुहुमपुढविकाइया बायरपुढविकाइया य । से किं तं सुहुम-
पुढविकाइया ? २ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—पज्जत्ता य अपज्जत्ता य, सेत्तं सुहुम-
पुढविकाइया । से किं तं बायरपुढविकाइया ? २ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—पज्जत्ता
य अपज्जत्ता य, एवं जहा पण्णवणापए, सण्हा सत्तविहा पण्णत्ता, खरा अणेगविहा
पण्णत्ता जाव असखेजा, सेत्तं बायरपुढविकाइया, सेत्तं पुढविकाइया, एवं चेव जहा
पण्णवणापए तहेव गिरवसेसं भाणियव्वं जाव वणप्फइकाइया, एवं जाव अन्थेगो
तत्थ सिय संखेजा सिय असंखेजा सिय अणंता, सेत्तं बायरवणप्फइकाइया, से तं
वणस्सइकाइया । से किं तं तसकाइया ? २ चउत्थिहा पण्णत्ता, तंजहा—बेइंदिया
तेइंदिया चउरिंदिया पंचेंदिया । से किं तं बेइंदिया ? २ अणेगविहा पण्णत्ता, एवं
जं चेव पण्णवणापए तं चेव गिरवसेसं भाणियव्वं जाव सव्वद्वसिद्धगदेवा, से तं
अणुत्तरोक्काइया, से तं देवा, से तं पंचेंदिया, से तं तसकाइया ॥ १०० ॥ कइविहा
णं भंते ! पुढवी पण्णत्ता ? गोयमा ! छव्विहा पुढवी पण्णत्ता, तंजा—सण्हापुढवी
सुद्धपुढवी वाळुयापुढवी मणोसिल्लपु० सक्करापु० खरपुढवी । सण्हापुढवीणं भंते !
केवइयं काले ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जह० अंतोमु० उक्कोसेणं एमं वाससहस्सं ;
सुद्धपुढवीए पुच्छा, गोयमा ! जह० अंतोमु० उक्को० बारस वाससहस्साइं । वाळुया-

पुढवीपुच्छा, गोयमा ! जह० अंतोमु० उक्को० चोदस वाससहस्साइं । मणोसिला-
 पुढवीणं पुच्छा, गोयमा ! जह० अंतोमु० उक्को० सोलस वाससहस्साइं । सकरा-
 पुढवीए पुच्छा, गोयमा ! जह० अंतोमु० उक्को० अट्टारस वाससहस्साइं । खरपुढवि-
 पुच्छा, गोयमा ! जह० अंतोमु० उक्को० बावीस वाससहस्साइं । णेरइयाणं भंते !
 केवइयं कालं ठिईं पणत्ता ? गोयमा ! जह० दस वाससहस्साइं उक्को० तेत्तीसं
 सागरोवमाइं ठिईं, एयं सव्वं भाणियव्वं जाव सव्वट्टसिद्धदेवत्ति ॥ जीवेणं भंते !
 जीवत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! सव्वद्धं, पुढविकाइए णं भंते ! पुढविका-
 इएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! सव्वद्धं, एवं जाव तसकाइए ॥१०१॥
 पडुप्पण्णपुढविकाइया णं भंते ! केवइकालस्स णिल्लेवा सिया ? गोयमा ! जहण्णपए
 असंखेज्जाहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं, उक्कोसपए असंखेज्जाहिं उस्सप्पिणीओसप्पि-
 णीहिं, जहण्णपयाओ उक्कोसपए असंखेज्जगुणा, एवं जाव पडुप्पण्णवाउक्काइया ॥
 पडुप्पण्णवण्णफइकाइया णं भंते ! केवइकालस्स णिल्लेवा सिया ? गोयमा ! पडुप्पण्णवण्ण०
 जहण्णपए अपया उक्कोसपए अपया, पडुप्पण्णवण्णफइकाइयाणं गन्थि णिल्लेवणा ॥
 पडुप्पण्णतसकाइयाणं पुच्छा, जहण्णपए सागरोवमसयपुहुत्तस्स उक्कोसपए सागरोवम-
 सयपुहुत्तस्स, जहण्णपया उक्कोसपए विसेसाहिया ॥१०२॥ अविमुद्धलेस्से णं भंते !
 अणगारे असमोहएणं अप्पाणेणं अविमुद्धलेस्सं देवं देविं अणगारं जाणइ पासइ ?
 गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । अविमुद्धलेस्से णं भंते ! अणगारे असमोहएणं अप्पाणएणं
 विसुद्धलेस्सं देवं देविं अणगारं जाणइ पासइ ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । अविमुद्धलेस्से
 णं भंते ! अणगारे समोहएणं अप्पाणेणं अविमुद्धलेस्सं देवं देविं अणगारं जाणइ पासइ ?
 गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । अविमुद्धलेस्से० अणगारे समोहएणं अप्पाणेणं विसुद्धलेस्सं
 देवं देविं अणगारं जाणइ पासइ ? णो इणट्ठे समट्ठे । अविमुद्धलेस्से णं भंते ! अणगारे
 समोहयासमोहएणं अप्पाणेणं अविमुद्धलेस्सं देवं देविं अणगारं जाणइ पासइ ? णो
 इणट्ठे समट्ठे । अविमुद्धलेस्से० अणगारे समोहयासमोहएणं अप्पाणेणं विसुद्धलेस्सं देवं
 देविं अणगारं जाणइ पासइ ? णो इणट्ठे समट्ठे । विसुद्धलेस्से णं भंते ! अणगारे
 असमोहएणं अप्पाणेणं अविमुद्धलेस्सं देवं देविं अणगारं जाणइ पासइ ? हंता जाणइ
 पासइ जहा अविमुद्धलेस्सेणं छ आलावगा एवं विसुद्धलेस्सेणवि छ आलावगा भाणि-
 यव्वा जाव विसुद्धलेस्से णं भंते ! अणगारे समोहयासमोहएणं अप्पाणेणं विसुद्धलेस्सं
 देवं देविं अणगारं जाणइ पासइ ? हंता जाणइ पासइ ॥१०३॥ अण्णउत्थिया णं

भंते ! एवमाइक्वेति एवं भासंति एवं पण्वेति एवं परुवेति—एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं दो किरियाओ पकरेइ, तंजहा—सम्मत्तकिरियं च मिच्छत्तकिरियं च, जं समयं सम्मत्तकिरियं पकरेइ तं समयं मिच्छत्तकिरियं पकरेइ, जं समयं मिच्छत्तकिरियं पकरेइ तं समयं सम्मत्तकिरियं पकरेइ, सम्मत्तकिरियापकरणयाए मिच्छत्तकिरियं पकरेइ मिच्छत्तकिरियापकरणयाए सम्मत्तकिरियं पकरेइ, एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं दो किरियाओ पकरेइ, तंजहा—सम्मत्तकिरियं च मिच्छत्तकिरियं च, से कहमेयं भंते ! एवं ! गोयमा ! जणं ते अण्णउत्थिया एवमाइक्वेति एवं भासंति एवं पण्वेति एवं परुवेति एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं दो किरियाओ पकरेइ, तहेव जाव सम्मत्तकिरियं च मिच्छत्तकिरियं च, जे ते एवमाइसु तं णं मिच्छा, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्वामि जाव परुवेमि—एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं एगं किरियं पकरेइ, तंजहा—सम्मत्तकिरियं वा मिच्छत्तकिरियं वा, जं समयं सम्मत्तकिरियं पकरेइ णो तं समयं मिच्छत्तकिरियं पकरेइ, तं चेव जं समयं मिच्छत्तकिरियं पकरेइ णो तं समयं सम्मत्तकिरियं पकरेइ, सम्मत्तकिरियापकरणयाए णो मिच्छत्तकिरियं पकरेइ मिच्छत्तकिरियापकरणयाए णो सम्मत्तकिरियं पकरेइ, एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं एगं किरियं पकरेइ, तंजहा—सम्मत्तकिरियं वा मिच्छत्तकिरियं वा ॥ १०४ ॥

॥ बीओ तिरिक्खजोणिय उद्देसो समत्तो ॥

मणुस्स उद्देसो

से किं तं मणुस्सा ! मणुस्सा दुविहा पणत्ता, तंजहा—संमुच्छिममणुस्सा य गन्धवक्कतियमणुस्सा य ॥ १०५ ॥ से किं तं संमुच्छिममणुस्सा ! २ एगागारा पणत्ता ॥ कहि णं भंते ! संमुच्छिममणुस्सा संमुच्छंति ? गोयमा ! अंतोमणुस्सखेत्ते जहा पण्वणाए जाव सेत्ते संमुच्छिममणुस्सा ॥ १०६ ॥ से किं तं गन्धवक्कतियमणुस्सा ! २ तिविहा पणत्ता, तंजहा—कम्मभूमगा अकम्मभूमगा अंतरदीवगा ॥ १०७ ॥ से किं तं अंतरदीवगा ! २ अट्ठावीसइविहा पणत्ता, तंजहा—एगूरुया आभासिया वेसाणिया णंगोलिया हयकण्णा ४ आयंसमुहा ४ आसमुहा ४ आसकण्णा ४ उक्कामुहा ४ धणदंता जाव सुद्धदंता ॥ १०८ ॥ कहि णं भंते ! दाहिणिल्लणं एगोरुयमणुस्साणं एगोरुयदीवे णामं दीवे पणत्ते ? गोयमा ! जंबुदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं सुल्लहिमवंतस्स वासहरपव्वयस्स उत्तरपुरत्थिमिल्लाओ चरिमंताओ लयण-

समुद्रं तिष्ठि ज्योयणसयाइ ओगाहिता एत्थ णं दाहिणिह्माणं एगोरुयमणुस्साणं
 एगूरुयदीवे णामं दीवे पणत्ते तिष्ठि ज्योयणसयाइ आयामविकखेमेणं णव एगूरुपण-
 ज्योयणसए किंवि विसेसेण परिकखेवेणं एगाए पउमवरवेइयाए एगेणं च वणसंडेणं
 सव्वओ समंता संपरिकखित्ते । सा णं पउमवरवेइया अद्द ज्योयणाइ उड्डं उच्चत्तेणं पंच
 वणुसयाइ विकखेमेणं एगूरुयदीवं सव्वओ समंता परिकखेवेणं पणत्ता । तीसे णं
 पउमवरवेइयाए अयमेयारूवे वण्णावासे पणत्ते, तंजहा-वइरामया णिम्मा एवं
 वेइयावण्णओ जहा रायपसेणईए तहा भाणियव्वो ॥१०९॥ सा णं पउमवरवेइया
 एगेणं वणसंडेणं सव्वओ समंता संपरिकखित्ता । से णं वणसंडे देसुणाइ दो ज्योयणाइ
 चक्कवालविकखेमेणं वेइयासमेणं परिकखेवेणं पणत्ते, से णं वणसंडे किण्हे किण्हो-
 भासे, एवं जहा रायपसेणइयवणसंडवण्णओ तहेव णिरवसेसं भाणियव्वं, तणाण य
 वण्णमंथफासो सहो तणाणं वावीओ उप्पायपव्वया पुदविसिल्लापट्टमा य भाणियव्वो
 जाव तत्थ णं बहवे वाणमंतरा देवा य देवीओ य आसयंति जाव विहरंति ॥११०॥
 एगोरुयदीवस्स णं दीवस्स अंतो बहुसमरमणिजे भूमिभागे पणत्ते, से जहाणामए
 आलिंगपुक्खरेइ वा एवं सयणिजे भाणियव्वे जाव पुदविसिल्लापट्टमंति तत्थ णं
 बहवे एगूरुयदीवया मणुस्सा य मणुस्सीओ य आसयंति जाव विहरंति, एगूरुयदीवं
 णं दीवे तत्थ तत्थ देसे २ तर्हि २ बहवे उद्दालया कोद्दालया कयमाला णयमाला
 णट्टमाला सिंगमाला संखमाला दंतमाला सेल्लमाला णाम दुमगणा पणत्ता समणा-
 उसो ! कुसविकुसविसुद्धरुक्खमूला मूलमंतो कंदमंतो जाव बीयमंतो पत्तेहि य पुफाह
 य अच्छण्णपडिच्छणा सिरीए अईव २ उवमोहेमाणा उवसोहेमाणा चिट्ठंति,
 एगूरुयदीवे णं दीवे रुक्खा बहवे हेरुयालवणा मेरुयालवणा मेरुयालवणा सेरुयालवणा
 सालवणा सरलवणा सत्तवण्णवणा पूयफलिवणा खज्जूरिवणा णालिएरिवणा कुसविकु-
 सवि० चिट्ठंति, एगूरुयदीवे णं दीवे तत्थ २ देसे० बहवे तिलया लवया णग्गोहा जाव
 रायरुक्खा णंदिरुक्खा कुसविकुसवि० जाव चिट्ठंति, एगूरुयदीवे णं दीवे तत्थ***बहूओ
 पउमलयाओ जाव सामलयाओ णिच्च कुसुमियाओ एवं लयावण्णओ जहा उववाइए
 जाव पडिरूवाओ, एगोरुयदीवे णं दीवे तत्थ २***बहवे सेरियागुम्मा जाव महाजाइ-
 गुम्मा ते णं गुम्मा दसद्धवणं कुसुमं कुसुमंति विहूयम्मासाहा जेण बायविहूयम्मासाला
 एगोरुयदीवस्स बहुसमरमणिजभूमिभागं मुक्कपुप्फपुंजोवयारकलियं करेति, एगोरुयदीवं
 णं दीवे तत्थ २***बहूओ वणराईओ पणत्ताओ, ताओ णं वणराईओ किण्हाओ

किण्होभासाओ जाव रम्माओ महामेहणिउरुंबभूयाओ जाव महइं संधधणि सुयंतीओ
 पासाईयाओ ४ । एगूरुयदीवे णं दीवे तत्थ २''बहवे मत्तंगा णाम दुमगणा
 पणत्ता समणाउसो ! जहा से चंदप्यभ-मणिसिलागवरसीहुपवरवारुणि-सुजातफल-
 यत्तपुप्फचोयणिजा ससारवहुदत्वजुत्तसंभारवालसंधयारुवा महुमेरगरीढ्वाभदुदजाई-
 यमणमेहलगसयाउ खज्जूसुद्धियासारकाविसायणसुपक्खोयरसवरसुरावणरसगंधपरि-
 मजुत्तबल्वारियपरिणामा मज्जविहित्थवहुप्पगारा तदेवं ते मत्तंगयावि दुमगणा
 अणेगवहुविविहवीससापरिणयाए मज्जविहीए उववेया फलेहिं पुण्णा वीसंदंति
 कुसविकुसविसुद्धरक्खमूला जाव चिद्धंति १ । एगूरुयदीवे० तत्थ २''बहवो
 भिंगया णाम दुमगणा पणत्ता समणाउसो !, जहा से बारगघट्ठकरगक-
 रसककरिपायंकंचणिउदंकवद्धणिसुप (इट्ठक) विट्ठरपारीचसगभिगारकरोडिसरा-
 थरगपत्तीथालणत्थगववलियअवपदगवारयविचित्तवट्ठगमणिवट्ठगसुत्तिचारपिणया-
 कंचणमणिरयणमत्तंचित्ता भायणविहीए बहुप्पगारा तहेव ते भिंगयावि दुमगणा
 अणेगवहुविविहवीससाए परिणयाए भायणविहीए उववेया फलेहिं पुण्णाविष-
 विसदंति कुसविकुस० जाव चिद्धंति २ । एगूरुयदीवे णं दीवे तत्थ २''बहवे
 तुडियंगा णाम दुमगणा पणत्ता समणाउसो !, जहा से आल्लिमसुंगपणवपडह-
 दहरगकरडिडिडिमभंभाहोरंभकणियासखरसुहिमुगुंदसंखियपरिलीवव्वगपरिवाइणिवं-
 सावेणुवीणासुधोसविवंचिमहइक्खमिरगसगातलताल्लसंताल्लसुसंपउत्ता आओज-
 विहीणिउणगंधव्वसमयकुसलेहिं पंदिया तिट्ठाणकरणसुद्धा तहेव ते तुडियंगयावि
 दुमगणा अणेगवहुविविहवीससापरिणामाए ततविततघण्णसिराए चउब्बिहाए
 आओजविहीए उववेया फलेहिं पुण्णा विसदंति कुसविकुसविसुद्धरक्खमूला जाव
 चिद्धंति ३ । एगूरुयदी० तत्थ २''बहवे दीवसिहा णाम दुमगणा पणत्ता
 समणाउसो !, जहा से संज्ञाविरागसमए णवणिहिपइणो दीविया चक्कवालविदे पभूय-
 वटिट्ठपलित्तणेहे धणिउजालियत्तिमिरमहए कणगणिगरकुसुमियपालियातयवणप्पगासो
 कंचणमणिरयणविमल्लमहरिहतवणिज्जुजलविचित्तदंटाहि दीवियाहिं सहसा पज्जलिऊ-
 सवियणिद्धतेयदिपंतविमल्लमहगणसमप्पहाहिं वित्तिमिरकरसूरपरिउल्लोयचिह्लियाहिं
 जावुजलपहसियाभिरामाहिं सोहेमाणा तहेव ते दीवसिहावि दुमगणा अणेगवहुविवि-
 हवीससापरिणामाए उजोयविहीए उववेया फलेहिं पुण्णा विसदंति कुसविकुसवि०
 जाव चिद्धंति ४ । एगूरुयदीवे० तत्थ २''बहवे जोइसिहा णाम दुमगणा पणत्ता

समणाउसो !, जहा से अचिरुभायसरयसूरमंडलपडंतउकासहस्सदिप्यंतविज्जुजाल-
 हुयवहणिदधूमजलियणिद्वंतधोयतत्ततवणिज्जिंसुयासोयजावासुयणकुसुमविमउलियपू-
 जमणिरयणकिरणजच्चहिंगुलुयणिरगरूवाइरेगरूवा तहेव ते जोइसिहावि दुमंगणा
 अणेगबहुविविहवीससापरिणयाए उज्जोयविहीए उववेया सुहलेस्सा मंदलेस्सा मंदाय-
 वलेस्सा कूडाय इव ठाणठिया अण्णमण्णसमोगाढाहिं लेस्साहिं साए पभाए सपएसं
 सव्वओ समंता ओभासंति उज्जोवेंति पमासंति कुसविकुसवि० जाव चिट्ठंति
 ५ । एगूरुयदीवे० तत्थ २'''बहवे चित्तंगा णाम दुमंगणा पणत्ता समणाउसो !,
 जहा से पेच्छाधरे विचित्ते रम्मे वरकुसुमदाममालजले भासंतमुक्कुप्पवृजोवयारकलिए
 विरल्लिवित्तमल्लसिरिदाममल्लसिरिसमुदयप्पगम्मे गंधिमवेदिमपूरिमसंधाइमेण मल्लेण
 छेयसिण्णियं विभागरइएण सव्वओ चेव समणुबद्धे पविरल्लवंतविप्पइट्ठेहिं पंचवणेहिं
 कुसुमदामेहिं सोहमाणेहिं सोहमाणे वणमाल(क)यम्माए चेव दिप्पमाणे तहेव ते चित्तंगा-
 यावि दुमंगणा अणेगबहुविविहवीससापरिणयाए मल्लविहीए उववेया कुसविकुसवि०
 जाव चिट्ठंति ६ । एगूरुयदीवे० तत्थ २'''बहवे चित्तरसा णाम दुमंगणा पणत्ता सम-
 णाउसो !, जहा से सुगंधवरकलमसालिविसिद्धिणिस्वहयदुद्धद्धे सारयघयगुडखंड-
 महुमेलिए इरसे परमण्णे होज उत्तमवण्णगंधमंते रण्णे जहा वा चक्कवट्टिस्स होज
 णिउगेहिं सूरपुरिसेहिं सज्जिएहिं वाउकप्पसेयसित्ते इव ओयणे कलमसालिणिजत्ति-
 एविप(ए)क्के सव्वप्फमिउवसयसगसित्थे अणेगसालण्णसंजुत्ते अहवा पडिपुण्णदब्बुव-
 क्खडेसु सकए वण्णगंधरसफरिसकुत्तबलवीरियपरिणामे इंदियबलपुट्ठिवद्धणे खुप्पि-
 वासमहणे पहाण गुल्लकटियत्तंडमच्छंडियउवणीए पमोयगे सण्हसमियगम्मे हवेज पर-
 मइद्धंगसंजुत्ते तहेव ते चित्तरसावि दुमंगणा अणेगबहुविविहवीससापरिणयाए भोयण-
 विहीए उववेया कुसविकुसवि० जाव चिट्ठंति ७ । एगूरुयदीवे० तत्थ २'''बहवे
 मणिंयंगा णाम दुमंगणा पणत्ता समणाउसो !, जहा से हारद्धहारवट्ठणमउडकुंडलवा-
 मुत्तगहेमजाल्मणिजाल्मणिजाल्ममुत्तगउच्चिइयकडगाखुडियएगावलिक्कटमुत्तमंग
 रिमउरत्थमेवेजसोणिसुत्तगचूलामणिक्कणगतिल्लगफुल्लसिद्धत्थयक्कणवालिससिसूरउस-
 भचक्कगतलभंगतुडियहत्थिमाल्मवलक्खदीणारमालिया चंदसूरमालिया हरिसयक्केज-
 रवल्लयपाल्लव-अंगुलेज्जगक्कीमेहलाकल्लवपयरग(पाडिहारिय)पायजाल्मटिय-ल्लिखि-
 णिरयणोरुजाल्मत्थिगियवरणेउरचलणमालिया कणगणिरमालिया ब्रंन्धमणिरयणभ-
 त्तिचित्ता भूयणविही बहुप्पगारा तहेव ते मणिंयंगावि दुमंगणा अणेगबहुविविहवीससा-

परिणयाए भूषणविहीए उववेया कुसवि० जाव चिट्ठंति ८ । एगूरुयदीवे० तत्थ २००
 बहवेगेहमारा णाम दुमगणा पणत्ता समणाउसो ! जहा से पागारदालगचरियदार गो-
 पुरपासायागासतलमंडवएगसाल्गाबिसाल्गातिसाल्गाचउरंसचउसाल्गाबभ्रमोहणधर-
 वलभिरचित्तसाल्मालवभत्तिधरवट्टंतसचउरंसधदियावत्तठियाययपंडुरतलमुंडमाल-
 हम्मियं अहव णं धवलहरअद्धमागहविभमसेलद्धसेलसंठियकूडागारदुसुविहिकोड्डाअ-
 णंगधरसरणलेणआवणविडंगजालचंदणिज्जूहअपवरकदोवाल्लिचंदसालियरुवविभत्ति-
 कलिया भवणविही बहुविगप्पा तहेव ते गोहामारावि दुमगणा अणेगवहुविहिवीससाप-
 रिणयाए सुहारुहणं सुहोत्ताराए सुहणिकलमणप्पवेसाए दहरसोपाणपतिकलियाए पहरि-
 काए सुहविहाराए मणोऽणकूलाए भवणविहीए उववेया कुसवि० जाव चिट्ठंति ९ । एगो-
 रुयदीवे० तत्थ २०० बहवे अणिगणा णामं दुमगणा पणत्ता समणाउसो ! जहा से
 आईगग्वोमतणुयकंवलदुगुल्लकोसेजकालमिगपट्टचीणंसुयअणहयणिउणणिप्पावियणि-
 द्दगजियवंचवण्णा चरणात्वारवणिगयथुणाभरणचित्तसहिष्णकल्लाभगभिणिमेहणील-
 कजलवहुवण्णरत्तपीवर्णालसुक्किह्लमकलवमिगलोमेहेमप्फरुण्णगअदसरत्तगसिधुओस-
 भदामिलवंगकल्लिगणेलिणंतुमयभत्तिचित्ता वत्थविही बहुप्पगारा हवेज वरपट्टणुभय-
 वण्णरागकलिया तहेव ते अणियणावि दुमगणा अणेगवहुविहिवीससापरिणयाए
 वत्थविहीए उववेया कुसवि० कुसवि० जाव चिट्ठंति १० । एगोरुयदीवे णं भंते ! दीवे
 मणुयाणं केरिसए आगारभावपडोयारे पणत्ते ! गोयमा ! ते णं मणुया अणुवमतरसो-
 मचारुत्वा भोगुत्तमगयलक्खणा भोगसस्मिरीया सुजायसव्वंगसुंदरंगा सुपइद्वियकुम्म-
 चारुचलणा रत्तुप्पलपत्तमउयसुकुमालकोमलतला णगभगरसागरमगरचक्कंकरंकर-
 कल्लंकिचलणा अणुपुव्वसुसाहयंगुलीया उण्णयतणुतंवणिद्वण्हा संठियसुसिलिद्वगू-
 दगुप्फा एणीकुरुविंदावत्तवट्टाणुपुव्वजंथा समुग्गणिममागूदजाणू गयससणसुजायसणि-
 भोरु वरवारणमत्ततुल्लविक्रमविलसियगई सुजायवरतुरगगुज्झदेसा आइण्णहओव
 णिरुवलेवा पमुइयवरतुरयसीहअइरेगवट्टियकडी साहयसोणिदमुसलदप्पणिगरिय-
 वरकणगच्छरुसरिसवरवदरपलियमज्झा उज्जुयसमसहियसुजायजच्चतणुकसिणणिद्ध-
 आदेजलद्धसुकुमालमउयरमणिजरोमराई गंगावत्तपयाहिणवत्ततरंगभंगुररदिवि रण-
 तरुणवोहियअक्रोसायंतपउमगंभीरवियडणाभी झसविहगसुजायपीणकुच्छी इसोयरा
 सुइकरणा पम्हवियडणाभा सण्णयपासा संगयपासा सुंदरपासा सुजायपासा मियमाइय-

पीणरइयपासा अकरुंडुयकणगरुयगणिम्मलमुजायणिरुवहयदेहधारी पसत्थवत्तीस-
लक्खणधरा कणगसिलायलुज्जलपसत्थसमतलोवचियविच्छिण्णपिहुलवच्छा सिरिवच्छ-
कियवच्छा पुरवरफलिहट्टियभुया भुयगीसरविउलभोगआयाणफलिहउच्छूददीहवाहू
ज्यसणिमपीणरइयपीवरपउट्ठसंठियसुसिलिद्धविसिद्धघणथिरसुबद्धसुणिगूढपव्वसंधी
रत्ततलोवइयमउयमंसलपसत्थलक्खणमुजायअच्छिहजालपाणी पीवरवट्टियसुजाय-
कोमलवरंगुलीया तंबतलिणसुइरुइरणिद्धणक्खा चंदपाणिलेहा सूरपाणिलेहा संखपाणि-
लेहा चक्रपाणिलेहा दिसासोत्थियपाणिलेहा चंदसूरसंखचक्रदिसासोत्थियपाणिलेहा
अगेगवरलक्खणुत्तमपसत्थसुइरइयपाणिलेहा वरमंहिसवराहसीहसदूलउसभणागवर-
पडिपुण्णविउलउण्णयमइंदखंधा चउरंगुलसुप्पमाणकंबुवरसरिसगीवा अवट्टियसुवि-
मत्तसुजायचित्तमंसूंसलसंठियपसत्थसदूलविपुलहणुया उवचियसिलप्पवालबिंव-
फलसणिमाहरोद्धा पंडुरससिसगलबिमलणिम्मलसंखगोखीरफेणदगरयमुणालिया
धवलदंतसेदी अवडदंता अफुडियदंता अविरलदंता सुजायदंता एगदंतसेदिव्व
अगेगदंता हुयवहणिद्धंतभोयतत्ततवणिज्जरत्ततलतालुजीहा गरुलाययउज्जुतुंगासा
अवदालियपोंडरीयणयणा कोयासियधवलपत्तलच्छा आणामियचावरुइलकिहपूराइय-
संठियसंगयआययसुजायतणुकसिणणिद्धभुमया अह्दीणंप्पमाणजुत्तसवणा सुत्तसवणा
पीणमंसलक्खोलदेसभागा अचिरुगयवालचंदसंठियपसत्थविच्छिण्णसमणिडाला उडु-
वहपडिपुण्णसोमवयणा छत्तागारुत्तमंगदेसा घणणिचियसुबद्धलक्खणुण्णयकूडागारणिभ-
पिंडियसीसे दाडिमपुष्पगगासतवणिज्जरसिरसणिम्मलसुजायकेसंतकेसभूमी सामलिबोंड-
घणणिचियछोडियमि उविसयपसत्थसुहुमलक्खणसुगंधतुंदरभुयमोयगभिणि-णीलकजल-
पहट्टभमरगणणिद्धणिउरुंरणिचियकुंचियचियपयाहिणावत्तमुद्धसिरया लक्खणवंजणगु-
णोववेया सुजायसुविमत्तसुलुवगा पासाईया दरिसणिजा अभिरुवा पडिरुवा । ते णं मणु-
या ओहस्सरा हंसस्सरा कोंचस्सरा० णंदिघोसा सीहस्सरा सीहघोसा मंजुस्सरा मंजुघोसा
सुस्सरा सुस्सरणिघोसा छायाउजोइयंगमंगा वजरिसहारायसंधयणा समचउरंससंठाण-
संठिया सिणिद्धल्लवि गिरायंका उत्तमपसत्थअइसेसणिरुवमतणू जल्लमलकलंकसेयरय-
दोसबज्जियसरीरा णिरुवेला अणुलोमवाउवेगा कंकगहणी कवोयपरिणामा अउणिव्व
पोसपिद्धंतरोरुपरिणया विगहियउण्णयकुच्छी पउमुप्पलसरिसंगंधणिस्साससुरभिवयणा
अट्ठधणुसयं ऊसिया, तेसिं मणुयाणं चउसट्ठि पिट्टिकरंडगा पण्णत्ता समणाउसो !, ते
णं मणुया पगइभइसा पगइविणीयगा पगइउवसंता पगइपयणुकोहमाणमायालोभा

मिउमद्वसंपणा अह्नीणा भद्गा विणीया अग्निच्छा असंनिहिसंचया अचेडा विडि-
 मंतरपरिवसणा जहिच्छियकामगामिणो य ते मणुयगणा पणत्ता समणाउसो ! ।
 तेसि णं भंते ! मणुयाणं केवइकालस्स आहारहे समुप्पजइ ! गोयमा ! चउत्थमत्तस्स
 आहारहे समुप्पजइ, एगोरुयमणुईणं भंते ! केरिसए आगारभावपडोयारे पणत्ते ?
 गोयमा ! ताओ णं मणुईओ मुजायसत्वंगसुंदरीओ पहाणमहिलाणुणेहिं जुत्ता अच्चंत-
 विसापमाणपउमसूमालकुम्भसंठियविसिद्धचलणा उज्जुमउयपीवरणिरंतरपुट्टसाहियं गु-
 लीया उण्णयरइयणलिणं व सुइणिद्धणक्खा रोमरहियवट्टलट्टसंठियअजहणपसंथलवल्-
 णअकोषजंघजुयला सुणिम्मियसुगूढजाणुमंडलसुवद्धसंधी कयलिवल्हंभाइरेगसंठिय-
 णिव्वणमुकुमालमउयकोमलअविरलसमसहियसुजायवट्टपीवरणिरंतरोरू अट्ठावयवीई-
 पट्टमंठियपस्तथविच्छिण्णपिहुलसोणी वयणायामपमाणदुगुणियविसालमंसलसुवद्धज-
 हणवरधारणीओ वजविराइयपसंथलक्खणणिरोदरा तिवलिवलीयतणुणमियमज्झि-
 याओ उज्जुयसमसहियजत्तणुकसिणणिद्धआदेजलडहसुविभत्तसुजायकंसोहंतसइल-
 रमणिजरोमराई गंगावत्तपयाहिणावत्ततरंगभेगुररविकिरणत्तरुणवोहियअकोसायंतप-
 उमवणगंभीरवियडणाभी अणुब्भडपस्तथपीणकुच्छी सण्णयापासा संगयपासा सुजाय-
 पासा मियमाइयपीणरइयपासा अकरंदुयकणगरुयराणिम्मलसुजायसिस्वहयगायलट्टी
 कंचणकलसमपमाणसमसहियसुजायलट्टचूचुयआमंलगजमलजुयलवट्टियअट्टमुणयर-
 इयसंठियपओहराओ भुवंगणुपुच्चतणुयगोपुच्छवट्टसमसहियणमियआएजललियवा-
 हाओ तंवणहा मंसलग्गहत्था पीवरकोमलवरंगुलीओ गिद्धपाणिहेहा रविसिस्मंलचक्क-
 सोत्थियसुविभत्तसुविरइयपाणिलेहा पीणुणयकक्खवत्थिदेसा पडिपुण्णगलक्खोला
 चउरंगुलमुग्गमाणकंबुवरसरिसगीवा मंसलमंठियपसत्थहणुया दाडिमपुष्पपगास-
 पीवरकुंदियवराधरा सुंदरोत्तरोट्टा दहिदगरयचंदवासंतिमउलअच्छिद्विगलद-
 सणा रत्तुप्पलपत्तमउयसुकुमालतालुजीहा कण्ठयरमुउलअकुडिलअट्टमुग्गयउज्जुतुंगणासा
 मारयणवकमलकुमुयकुवल्यविमुक्कदलणिगरसरिसलक्खणअंकियकंतणयणा पत्तलचव-
 लायंतत्तंवडोयणाओ आणामियचावरुइलकिण्हंभराइसंठियसंगयआययसुजायतणुकसि-
 णणिद्धममुया अह्नीणपमाणजुत्तसवणा(सुसवणा)पीणमट्टरमणिजगंडलेहा चउरंसपसत्थ-
 समणिडाला कोमुइरयणियरविमलपडिपुण्णसोमवयणा छत्तुण्णयउत्तिमंगा कुडिलसुसि-
 णिद्धाहसिरया छत्तज्झयजुगधूमदामिणिकमंडलकलसवाविसोत्थियपडागजयमच्छकु-
 म्भरहवरमगरसुयथालअंकुसअट्ठावयवीइसुपइट्टगमऊरसरिरदामामिसेयतोरभमेइणिउ-

दहिवरभवणगिरिवरआयंसललियगयउसभसीहचमरउत्तमपसत्थवत्तीसलक्खणधराओ
 हंससरिसगईओ कोइलमहुरगिरिसुस्सराओ कंता सव्वस्स अणुणयाओ ववगयवलि-
 पलिया वंसदुब्बणवाहीदोहग्गसोगमुक्काओ उच्चत्तेण य णराण थोवूणमूसियाओ सभा-
 वसिंगारागारचारुवेसा संगयगयहसियभणियचेट्ठियविलाससंलावणिउणजुत्तोवयार-
 कुसला सुंदरथणजहणवयणकरचलणयणमाला वण्णलावणजोव्वणविलासकलिया
 णंदणवणविवरचारिणीउव्व अच्छराओ अच्छेरगपेच्छणिजा पासाईयाओ दरिसणि-
 जाओ अभिरुवाओ पडिरुवाओ । तासि णं भंते ! मणुईणं केवइकालस्स आहारट्ठे
 समुप्पजइ ? गोयमा ! चउत्थभत्तस्स आहारट्ठे समुप्पजइ । ते णं भंते ! मणुया
 किमाहारमाहारैति ? गोयमा ! पुढविपुप्फफलाहारा णं ते मणुयगणा पण्णत्ता समणा-
 उसो ! । तीसे णं भंते ! पुढवीए केरिसए आसाए पण्णत्ते ? गोयमा ! से जहाणामए
 गुलेइ वा खंडेइ वा सक्कराइ वा मच्छंडियाइ वा भित्ठकंदेइ वा पप्पडमोयएइ वा
 पुप्फउत्तराइ वा पउमुत्तराइ वा अकोसियाइ वा विजयाइ वा महाविजयाइ वा
 आयंसोवमाइ या उवमाइ वा अणोवमाइ वा चारुक्के गोखारे चउठाणपरिणए
 गुडखंडमच्छंडिउवणीए मंदग्गिकडीए वण्णेणं उववेए जाव फासेणं, भवेयारुवे
 सिया ?, णो इणट्ठे समट्ठे, तीसे णं पुढवीए एत्तो इट्ठयंराए चेव जाव मणामतराए
 चेव आसाए णं पण्णत्ते, तेसि णं भंते ! पुप्फफलाणं केरिसए आसाए पण्णत्ते ? गोयमा !
 से जहाणामए रण्णो चारुत्तचक्कवटिट्ठस्स कइण्णे पवरमोयणे सयसहस्सणिप्पण्णे
 वण्णेणं उववेए गंधेणं उववेए रसेणं उववेए फासेणं उववेए आसायणिजे वीसायणिजे
 दीवणिजे विह्णिजे दप्पणिजे मयणिजे सज्जिदियगायपत्थायणिजे, भवेयारुवे
 सिया ?, णो इणट्ठे समट्ठे, तेसि णं पुप्फफलाणं एत्तो इट्ठतराए चेव जाव आसाए
 णं पण्णत्ते । ते णं भंते ! मणुया तमाहारमाहारित्ता कहिं वसहिं उव्वेति ? गोयमा !
 रुक्खगेहालया णं ते मणुयगणा पण्णत्ता समणाउसो ! ते णं भंते ! रुक्खा किंसंठिया
 पण्णत्ता ? गोयमा ! कूडगारसंठिया पेच्छाघरसंठिया सत्तागारसंठिया झयसंठिया
 थूभसंठिया तोरणसंठिया गोपुरवेइयचोपायालगसंठिया अट्ठालगसंठिया पासायसंठिया
 हम्मत्तलसंठिया गवक्खसंठिया वालग्गयोत्तियसंठिया वलभीसंठिया अण्णे तत्थ बहवे
 वरभवणसयणासणविसिद्धसंठाणसंठिया सुहसीयलच्छाया णं ते दुमगणा पण्णत्ता
 समणाउसो ! । अत्थि णं भंते ! एगोरुयदीवे दीवे गेहाणि वा गेहावणाणि वा ? णो
 इणट्ठे समट्ठे, रुक्खगेहालया णं ते मणुयगणा पण्णत्ता समणाउसो ! । अत्थि णं भंते !

एगूरुयदीवे दीवे गामाई वा णगराई वा जाव सण्णिवेसाइ वा ? णो इण्ठे समठ्ठे, जहि-
 च्छियकामिगामिणो ते मणुयगणा पण्णत्ता समणाउसो !। अत्थि णं भंते ! एगूरुयदीवे०
 भसीइ वा मसीइ वा कसीइ वा पणीइ वा वणिजाइ वा ? णो इण्ठे समठ्ठे, ववगयअसिम-
 सिकिसिपणियवाणिजा णं ते मणुयगणा पण्णत्ता समणाउसो !। अत्थि णं भंते ! एगूरुय-
 दीवे० हिरण्णेइ वा सुवण्णेइ वा कंसेइ वा दूसेइ वा मणीइ वा मुत्तिएइ वा विउल-
 ष्णकणगरयणमणिमोत्तियसंखसिलप्पवालसंतसारसावएजेइ वा ? हंता अत्थि, णो
 चेव णं तेसिं मणुयाणं तिक्वे ममत्तभावे समुप्पज्जइ । अत्थि णं भंते ! एगूरुयदीवे०
 रायाइ वा भुवरायाइ वा ईसरेइ वा तलवरेइ वा माहंबियाइ वा कोहुंबियाइ वा
 इन्भाइ वा सेट्ठीइ वा सेणावईइ वा सत्थवाहाइ वा ? णो इण्ठे समठ्ठे, ववगयइड्ढी-
 सक्कारा णं ते मणुयगणा पण्णत्ता समणाउसो !। अत्थि णं भंते ! एगूरुयदीवे दीवे
 दासाइ वा पेसाइ वा सिस्साइ वा भयगाइ वा भाइल्लागाइ वा कम्मगरपुरिसाइ वा ?
 णो इण्ठे समठ्ठे, ववगयआभिओगिया णं ते मणुयगणा पण्णत्ता समणाउसो !।
 अत्थि णं भंते ! एगूरुयदीवे दीवे मायाइ वा पियाइ वा भायाइ वा भइणीइ वा
 भजाइ वा पुत्ताइ वा धूयाइ वा मुण्हाइ वा ? हंता अत्थि, णो चेव णं तेसिं णं
 मणुयाणं तिक्वे पेसबंधणे समुप्पज्जइ, पयणुपेजबंधणा णं ते मणुयगणा पण्णत्ता सम-
 णाउसो !। अत्थि णं भंते ! एगूरुयदीवे दीवे अरीइ वा वेरिएइ वा धायगाइ वा
 वहमाइ वा पडिणीयाइ वा पच्चमित्ताइ वा ? णो इण्ठे समठ्ठे, ववगयवेराणुबंधा
 णं ते मणुयगणा पण्णत्ता समणाउसो !। अत्थि णं भंते ! एगूरुयदीवे० मित्ताइ वा
 वयंसाइ वा पडियाइ वा सहीइ वा मुहियाई वा महाभागाइ वा संगइयाइ वा ? णो
 इण्ठे समठ्ठे, ववगयपेम्मा णं ते मणुयगणा पण्णत्ता समणाउसो !। अत्थि णं भंते !
 एगूरुयदीवे० आवाहाइ वा वीवाहाइ वा जण्णाइ वा सद्धाइ वा थालिपाराइ वा चोलो-
 वण्यथाइ वा सीमंतुण्यणाइ वा पिइ (मय)पिंडणिवेयणाइ वा ? णो इण्ठे समठ्ठे, वव-
 गयआवाहविवाहज्जणभद्धथालिपाराचोलोवणतणसीमंतुण्यणपिइपिंडणिवेयणा णं ते
 मणुयगणा पण्णत्ता समणाउसो !। अत्थि णं भंते ! एगूरुयदीवे दीवे इंदमहाइ वा
 खंदमहाइ वा रुद्धमहाइ वा सिवमहाइ वा वेसमणमहाइ वा मरुंदमहाइ वा णागमहाइ
 वा जक्खमहाइ वा भूयमहाइ वा कुयमहाइ वा तलायणइमहाइ वा दहमहाइ वा पव्वयम-
 हाइ वा रुक्खरोवणमहाइ वा चेइयम०थूभमहाइ वा० ? णो इण्ठे समठ्ठे, ववगयमहमहिमा
 णं ते मणुयगणा पण्णत्ता समणाउसो !। अत्थि णं भंते ! एगूरुयदीवे दीवे णडपेच्छाइ

वा णट्टपेच्छाइ वा मल्लपेच्छाइ वा मुट्ठियपेच्छाइ वा विडंबगपेच्छाइ वा कहगपेच्छाइ वा पवगपेच्छाइ वा अक्खायगपेच्छाइ वा लासगपेच्छाइ वा लेखपे० मंगपे० तूणइल्लपे० तुंबवीणपे० कावपे० मागहपे० जल्लपे० ? णो इण्ठे समट्ठे, ववगयकोउहल्ला णं ते मणुयगणा पण्णत्ता समणाउसो ! । अत्थि णं भंते ! एगूरुयदीवे दीवे सगडाइ वा रहाइ वा जाणाइ वा जुग्गाइ वा गिल्लीइ वा थिल्लीइ वा पिपिल्लीइ वा पवहणाणि वा सिवियाइ वा संदमाण्याइ वा ? णो इण्ठे समट्ठे, पायचारविहारिणो णं ते मणुस्सगणा पण्णत्ता समणाउसो ! । अत्थि णं भंते ! एगूरुयदीवे० आसाइ वा हत्थीइ वा उट्ठाइ वा गोणाइ वा महिसाइ वा खराइ वा घोडाइ वा अयाइ वा ह्वाइ वा ? हंता अत्थि, णो चेव णं तेसिं मणुयाणं परिभोगत्ताए हव्वमार्गच्छंति । अत्थि णं भंते ! एगूरुयदीवे दीवे सीहाइ वा कम्भाइ वा विगाइ वा दीवियाइ वा अच्छाइ वा परच्छाइ वा परस्सराइ वा तरच्छाइ वा सियाअइ वा बिडालाइ वा सुणगाइ वा कोलसुणगाइ वा कोकंतियाइ वा ससगाइ वा चित्तलाइ वा चिल्लल्लाइ वा ? हंता अत्थि, णो चेव णं ते अण्णमण्णस्स तेसिं वा मणुयाणं किंचि आवाहं वा पवाहं वा उप्पायंति वा छविच्छेयं वा करेति, पगइभद्दगा णं ते सावयगणा पण्णत्ता समणाउसो ! । अत्थि णं भंते ! एगूरुयदीवे दीवे सालीइ वा वीहीइ वा गोधूमाइ वा जवांइ वा तिलाइ वा इक्खूइ वा ? हंता अत्थि, णो चेव णं तेसिं मणुयाणं परिभोगत्ताए हव्वमार्गच्छंति । अत्थि णं भंते ! एगूरुयदीवे दीवे गत्ताइ वा दरीइ वा घंसाइ वा भिगूइ वा उवाएइ वा विसमेइ वा विज्जलेइ वा धूलीइ वा रेणूइ वा पंकेइ वा चल्लणीइ वा ? णो इण्ठे समट्ठे, एगूरुयदीवे णं दीवे बहुसमरमणिजे भूमिभागे पण्णत्ते समणाउसो ! । अत्थि णं भंते ! एगूरुयदीवे दीवे खानूइ वा कंटएइ वा हीरएइ वा सक्कराइ वा तणकयवराइ वा पत्तकयवराइ वा असुइइ वा पूइयाइ वा दुब्भिगंधाइ वा अचोक्खाइ वा ? णो इण्ठे समट्ठे, ववगयखाणुकंटगहीरसक्करतणकयवरपत्तकयवरअसुइपूइयदुब्भिगंधमचोक्खपरिवज्जिए णं एगूरुयदीवे पण्णत्ते समणाउसो ! । अत्थि णं भंते ! एगूरुयदीवे दीवे दंसाइ वा मसगाइ वा पिसुयाइ वा जूयाइ वा लिक्खाइ वा ढंछुणाइ वा ? णो इण्ठे समट्ठे, ववगयदंसमसगपिसुयजूयलिक्खढंछुणपरिवज्जिए णं एगूरुयदीवे पण्णत्ते समणाउसो ! । अत्थि णं भंते ! एगूरुयदीवे० अहीइ वा अयगराइ वा महोरगाइ वा ? हंता अत्थि, णो चेव णं ते अण्णमण्णस्स तेसिं वा मणुयाणं किंचि आवाहं वा पवाहं वा छविच्छेयं वा करेति, पगइभद्दगा णं ते बालगगणा

पण्ता समणाउसो ! अत्थि णं भंते ! एगूरुयदीवे० गहदंडाई वा गहमुसलाइ
वा गहगजियाई वा गहजुद्धाई वा गहसंधाडगाई वा गहअवसत्त्वाइ वा अम्भाइ
वा अन्नेरुक्त्वाइ वा संज्ञाई वा गंधव्णगराई वा गजियाई वा विज्जुयाइ वा उक्का-
गयाइ वा दिसादाहाइ वा गिम्मायाइ वा पंसुविट्ठीई वा जुवगाई वा जक्खालित्ताइ
वा धूमियाई वा महियाई वा रउम्मायाइ वा चंदोवरागाई वा सूरुवरागाई वा
चंदपरिवेसाई वा सूरपरिवेसाई वा पडिचंदाई वा पडिसूराई वा इंदधणूई वा उदग-
मच्चाई वा अमोहाई वा कविहसियाई वा पाईणवायाइ वा पडीणवायाइ वा जाव
सुद्धवायाइ वा गामदाहाई वा गमरदाहाई वा जाव सण्णिवेसदाहाई वा पाणक्खय-
जणक्खयकुलक्खयधणक्खयवसणभूयमणारियाइ वा ? णो इण्ठे समझे । अत्थि णं
भंते ! एगूरुयदीवे दीवे डिंवाइ वा डमराई वा कलहाई वा बोलाइ वा खाराइ वा
वेराइ वा (महावेराइ वा) विरुद्धरजाइ वा ? णो इण्ठे समझे, ववगयडिंबडमरकलह-
बोलवारवेरविरुद्धरजविवजिया णं ते मणुयगणा पण्ता समणाउसो ! अत्थि णं
भंते ! एगूरुयदीवे दीवे महाजुद्धाई वा महासंगामाई वा महासत्थपडणाई वा महा-
पुरिसपडणाई वा महारुहिरपडणाई वा णागवाणाई वा खेणवाणाई वा तामसवाणाई
वा दुम्भूइयाई वा कुलरोगाई वा गामरोगाई वा गगरोगाई वा मंडलरोगाई वा
सिरोवेयणाई वा अच्छिवेयणाई वा कणवेयणाई वा णक्खेयणाई वा दंतवेयणाई
वा णवेयणाई वा कासाई वा सासाई वा जराई वा दाहाई वा कच्छूई वा खसराई
वा कुद्धाई वा कुडाई वा दग्गाराई वा अरिसाई वा अर्जरागाई वा भगंदराई वा
इंदगहाई वा खंदगहाई वा कुमारगहाई वा णागगहाई वा अक्खगहाई वा
भूयगहाई वा उक्खेयगहाई वा धणुग्गहाई वा एगाहियाई वा बेयाहियाई वा तेया-
हियाई वा चउत्थगाई वा हिययसूलाई वा मत्थगसूलाई वा पाससूलाई वा कुच्छि-
सूलाई वा जोणिसूलाई वा गाममारीई वा जाव सण्णिवेसमारीई वा पाणक्खय जाव
वसणभूयमणारियाइ वा ? णो इण्ठे समझे, ववगयरोगायंका णं ते मणुयगणा
पण्ता समणाउसो ! अत्थि णं भंते ! एगूरुयदीवे दीवे अइवासाइ वा मंदवासाइ
वा सुवुट्ठीई वा मंदवुट्ठीई वा उदगवाहाई वा उदमपवाहाई वा दग्गुब्बेयाई वा दग्गु-
प्पीलाई वा गामवाहाई वा जाव सण्णिवेसवाहाई वा पाणक्खय० जाव वसणभूयम-
णारियाइ वा ? णो इण्ठे समझे, ववगयदग्गोवद्वा णं ते मणुयगणा पण्ता समणा-
उसो ! अत्थि णं भंते ! एगूरुयदीवे दीवे अयागराई वा तम्बागराई वा सीसाग-
राई वा सुवण्णागराई वा रयणागराई वा वहरागराई वा वसुहाराई वा हिरणवासाइ

वा सुवण्णवासाइ वा रयणवासाइ वा वहरवासाइ वा आभरणवासाइ वा पत्तवासाइ वा पुप्फवासाइ वा फलवासाइ वा बीयवासा० मल्लवासा० गंधवासा० वण्णवासा० चुम्भवासा० खीरवुट्ठीइ वा रयणवुट्ठीइ वा हिरणवुट्ठीइ वा सुवण्ण० तहेव जाव चुम्भवुट्ठीइ वा सुकालाइ वा दुकालाइ वा सुमिक्खाइ वा दुमिक्खाइ वा अण्णवाइ वा मग्गवाइ वा कयाइ वा महाविक्कयाइ वा (अणिहाइ वा) सण्णिहीइ वा मण्णिचयाइ वा णिहीइ वा णिहाणाइ वा चिरपोराणाइ वा पहीणसामियाइ वा पहीणसेउयाइ वा पहीण-
 गोत्तागाराइ वा जाइ इमाइ गाम्मागरणगरखेडकब्बडमडंबदोणमुहपट्टणासमसंयाहस-
 णिधेसेसु सिंघाडगतिगचउक्कच्चरचउमुहमहापहपहेसु णगरणिद्धमणगाम्णिद्धमणसु-
 साणगिरिकंदरसंतिसेलोवट्ठणभवणगिहेसु सण्णिक्खित्ताइ चिद्धंति ? णो इणट्ठे समट्ठे ।
 एगूरुयदीवे णं भंते ! दीवे मणुयाणं केवइयं कालं ठिई पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेण
 पलिओवमस्स असंखेज्जभागं असंखेज्जभागेण ऊणं उक्कोसेण पलिओवमस्स
 असंखेज्जभागं । ते णं भंते ! मणुयां काल्मासे कालं किच्चा कहि गच्छंति वहिं
 उववज्जंति ? गोयमा ! ते णं मणुयां लुम्मासावसेसाउया मिहुणयाइं पसवंति अउणा-
 सीइं राइंदियाइं मिहुणाइं सारक्खंति संगोविंति य, सारक्खित्ता संगोवित्ता उत्सासित्ता
 णित्ससित्ता कासित्ता छीइत्ता अक्किट्ठा अव्वहिया अपरियाविद्या [पलिओवमस्स
 असंखिज्जभागं परियाविय] सुहंसुहेणं कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु देवलोएसु
 देवत्ताए उववत्तारो भवंति, देवलोयपरिग्गहा णं ते मणुयसणा पणत्ता समणा-
 उसो ! ॥ कहि णं भंते ! दाहिणिह्हाणं आभासियमणुस्साणं आभासियदीवे णामं
 दीवे पणत्ते ? गोयमा ! जंबुद्वीवे दीवे तुल्लहिमवंतस्स वासहरपव्वयस्स दाहिणपुर-
 च्छिमिल्लाओ चरिमंताओ लवणसमुदं तिण्णि जोयण० सेसं जहा एगूरुयाणं णिरवसेसं
 भाणियव्वं ॥ कहि णं भंते ! दाहिणिह्हाणं णंगोलियमणुस्साणं पुच्छा, गोयमा !
 जंबुद्वीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं तुल्लहिमवंतस्स वासहरपव्वयस्स दाहिण-
 पच्चिथिमिल्लाओ चरिमंताओ लवणसमुदं तिण्णि जोयणसयाइं सेसं जहा एगूरुय-
 मणुस्साणं ॥ कहि णं भंते ! दाहिणिह्हाणं वेसाणियमणुस्साणं पुच्छा, गोयमा !
 जंबुद्वीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं तुल्लहिमवंतस्स वासहरपव्वयस्स उत्तर-
 पच्चिथिमिल्लाओ चरिमंताओ लवणसमुदं तिण्णि जोयण० सेसं जहा एगूरुयाणं ॥ ११॥
 कहि णं भंते ! दाहिणिह्हाणं हयकण्णमणुस्साणं हयकण्णदीवे णामं दीवे पणत्ते ?
 गोयमा ! एगूरुयदीवस्स उत्तरपुरच्छिमिल्लाओ चरिमंताओ लवणसमुदं चत्तारि

जोयणसयाई ओगाहिता एथ णं दाहिणिह्ठाणं हयकण्णमणुस्साणं हयकण्णदीवे
 णामं दीवे पण्णत्ते, चत्तारि जोयणसयाई आयामविकखेमेणं बारस जोयणसया
 पण्णट्ठी किंचिविसेसूणा परिकखेवेणं, से णं एगाए पउमवरवेइवाए अवसेसं जहा
 एगूरुयाणं । कहि णं मेते ! दाहिणिह्ठाणं गयकण्णमणुस्साणं पुच्छा, गोयमा !
 आभासियदीवस्स दाहिणपुरच्छिमिह्ठाओ चरिमंताओ लवणसमुद्दं चत्तारि जोयण-
 सयाई सेसं जहा हयकण्णाणं । एवं गोकण्णमणुस्साणं पुच्छा, वेसाणियदीवस्स
 दाहिणपच्चत्थिमिह्ठाओ चरिमंताओ लवणसमुद्दं चत्तारि जोयणसयाई सेसं जहा
 हयकण्णाणं । सक्कुलिकण्णाणं पुच्छा, गोयमा ! णंगोलियदीवस्स उत्तरपच्चत्थिमिह्ठाओ
 चरिमंताओ लवणसमुद्दं चत्तारि जोयणसयाई सेसं जहा हयकण्णाणं । आयंसमुद्दाणं
 पुच्छा, हयकण्णयदीवस्स उत्तरपुरच्छिमिह्ठाओ चरिमंताओ पंच जोयणसयाई ओगा-
 हिता एथ णं दाहिणिह्ठाणं आयंसमुद्दमणुस्साणं आयंसमुद्ददीवे णामं दीवे पण्णत्ते, पंच
 जोयणसयाई आयामविकखेमेणं, आसमुद्दाईणं छ सया, आसकण्णाईणं सत्त, उक्कामु-
 हाईणं अट्ठ, घणदंताईणं जाव णव जोयणसयाई, **गाहा**-एगूरुयपरिकखेवो णव चेव
 सयाई अउणपण्णाई । बारसपण्णट्ठाई हयकण्णाईणं परिकखेवो ॥१॥ आयंसमुद्दाईणं
 पण्णरसेकासीए जोयणसए किंचिविसेसाहिए परिकखेवेणं, एवं एएणं कमेणं उवउञ्जि-
 ऊण णेयव्वा चत्तारि चत्तारि एगपमाणा, णाणत्त ओगाहे, विकखंमे परिकखेवे पढम-
 बीयतइयचउक्काणं उग्गाहो विकखंभो परिकखेवो भणिओ, चउत्थचउक्के छजोयणस-
 याई आयामविकखंमेणं अट्ठारसत्ताणउए जोयणसए विकखंमेणं । पंचमचउक्के सत्त
 जोयणसयाई आयामविकखंमेणं बावीसं तेरसोत्तरे जोयणसए परिकखेवेणं । छट्ठचउक्के
 अट्ठजोयणसयाई आयामविकखंमेणं पणवीसं गुणतीसजोयणसए परिकखेवेणं ।
 सत्तमचउक्के णवजोयणसयाई आयामविकखंमेणं दो जोयणसहस्साई अट्ठ णयाले
 जोयणसए परिकखेवेणं । अस्स य जो विकखंभो उग्गाहो तस्स तत्तिओ चेव ।
 पढमबीयाण परिरओ ऊणो सेसाण अहिओ उ ॥ १ ॥ सेसा जहा एगूरुयदीवस्स
 जाव सुद्धदंतीदीवे देवलोणपरिग्गहा णं ते मणुयणा पण्णत्ता समणाउसो ! । कहि
 णं मेते ! उत्तरिह्ठाणं एगूरुयमणुस्साणं एगूरुयदीवे णामं दीवे पण्णत्ते ? गोयमा !
 जंबुदीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं सिहरिस्स वासहरपव्वयस्स उत्तरपुरच्छि-
 मिह्ठाओ चरिमंताओ लवणसमुद्दं तिण्णि जोयणसयाई ओगाहिता एवं जहा
 दाहिणिह्ठाण तहा उत्तरिह्ठाण भाणियव्वं, णवरं सिहरिस्स वासहरपव्वयस्स

विदिंसासु, एवं जाव सुद्धदंतदीवेत्ति जाव सेत्ते अंतरदीवगा ॥ ११२ ॥ से किं तं
अकम्मभूमगमणुस्सा ? २ तीसविहा पण्णत्ता, तंजहा-पंचहिं हेमवएहिं, एवं
जहा पण्णवणापए जाव पंचहिं उत्तरकुरुहिं, सेत्ते अकम्मभूमगा । से किं तं कम्म-
भूमगा ? २ पण्णरसविहा पण्णत्ता, तंजहा-पंचहिं भरहेहिं पंचहिं एरवएहिं पंचहिं
महाविदेहेहिं, ते समासओ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-आरिया मिलेच्छा, एवं जहा
पण्णवणापए जाव सेत्ते आरिया, सेत्ते गम्भवकंतिया, सेत्ते मणुस्सा ॥ ११३ ॥

॥ मणुस्सुद्धेसो समत्तो ॥

मंदरोद्देसो

से किं तं देवा ? देवा चउज्जिहा पण्णत्ता, तंजहा-भवणवासी वाणमंतरा
जोइसिया वेमाणिथा ॥ ११४ ॥ से किं तं भवणवासी ? २ दसविहा पण्णत्ता, तंजहा-
असुरकुमारा जहा पण्णवणापए देवाणं भेओ तहा भाणियव्वो जाव अणुत्तरोववाइया
पंचविहा पण्णत्ता, तंजहा-विजयवेजयंत जाव सव्वट्टसिद्धगा, सेत्ते अणुत्तरोववाइया
॥ ११५ ॥ कहि णं भंते ! भवणवासिदेवाणं भवणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते !
भवणवासी देवा परिवसंति ? गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोय-
णसयसहस्सवाहल्लाए, एवं जहा पण्णवणाए जाव भवणवासाइया, त(ए)त्थ णं
भवणवासीणं देवाणं सत्त भवणकोडीओ बावत्तरि भवणवाससयसहस्सा भवति-
त्तिमक्खाया, तत्थ णं बहवे भवणवासी देवा परिवसंति-असुरा णाग सुवण्णा य
जहा पण्णवणाए जाव विहरंति ॥ ११६ ॥ कहि णं भंते ! असुरकुमाराणं देवाणं
भवणा प० ? पुच्छा, एवं जहा पण्णवणाठाणपए जाव विहरंति ॥ कहि णं भंते !
दाहिणिष्ठाणं असुरकुमारदेवाणं भवणा पुच्छा, एवं जहा ठाणपए जाव चमरे तत्थ
असुरकुमारिदे असुरकुमारराया परिवसइ जाव विहरइ ॥ ११७ ॥ चमरस्स णं
भंते ! असुरिदस्स असुररण्णो कइ परिसाओ प० ? गो० ! तओ परिसाओ प०, तं०-
समिया चंडा जाया, अग्भितरिया समिया मज्जे चंडा बाहिं च जाया । चमरस्स
णं भंते ! असुरिदस्स असुररण्णो अग्भितरपरिसाए कइ देवसाहस्सीओ पण्णत्ताओ ?
मज्झिमपरिसाए कइ देवसाहस्सीओ पण्णत्ताओ ? बाहिरियाए परिसाए कइ देवसा-
हस्सीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! चमरस्स णं असुरिदस्स २ अग्भितरपरिसाए
चउवीसं देवसाहस्सीओ पण्णत्ताओ, मज्झिमियाए परिसाए अट्ठावीसं देव०, बाहि-

रियाए परिसाए बत्तीसं देवसा० । चमरस्स णं भंते ! असुरिंदस्स असुररण्णो
अब्भितरियाए प० कइ देविसया पणत्ता ? मज्झिमियाए परिसाए कइ देविसया
पणत्ता ? बाहिरियाए परिसाए कइ देविसया पणत्ता ? गोयमा ! चमरस्स णं
असुरिंदस्स असुररण्णो अब्भितरियाए परिसाए अट्ठाइजा देविसया प० मज्झिमियाए
परिसाए तिण्णि देवि० बाहिरियाए अट्ठाइजा देवि० । चमरस्स णं भंते ! असुरिंदस्स
असुररण्णो अब्भितरियाए परिसाए देवाणं केवइयं कालं टिई पणत्ता ? मज्झिमियाए
परिसाए० बाहिरियाए परिसाए देवाणं केवइयं कालं टिई पणत्ता ? अब्भितरियाए
परि० देवीणं केवइयं कालं टिई पणत्ता ? मज्झिमियाए परि० देवीणं केवइयं०
बाहिरियाए परि० देवीणं के० ? गोयमा ! चमरस्स णं असुरिंदस्स २ अब्भितरियाए
परि० देवाणं अट्ठाइजाई पलिओवमाई टिई प० मज्झिमाए परिसाए देवाणं दो
पलिओवमाई टिई पणत्ता बाहिरियाए परिसाए देवाणं दिवड्ढं पलि० अब्भितरियाए
परिसाए देवीणं दिवड्ढं पलिओवमं टिई पणत्ता मज्झिमियाए परिसाए देवीणं पलि-
ओवमं टिई पणत्ता बाहिरियाए परि० देवीणं अट्ठपलिओवमं टिई पणत्ता । से
केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—चमरस्स असुरिंदस्स तओ परिसाओ पणत्ताओ,
तंजहा—समिया चंडा जाया, अब्भितरिया समिया मज्झिमिया चंडा बाहिरिया
जाया ? गोयमा ! चमरस्स णं असुरिंदस्स असुररण्णो अब्भितरपरिसाए देवा बाहिया
हव्वमागच्छंति णो अव्वाहिया, मज्झिमपरिसाए देवा बाहिया हव्वमागच्छंति
अव्वाहियावि, बाहिरपरिसाए देवा अव्वाहिया हव्वमागच्छंति, अदुत्तरं च णं गोयमा !
चमरे असुरिंदे असुरराया अण्णयरेसु उर्चावएसु कज्जकोडुंबेसु समुपण्णेसु अब्भितरि-
याए परिसाए सद्धि संमइसंपुच्छणावहुले विहरइ मज्झिमपरिसाए सद्धि पयं एवं
पयंचेमाणे २ विहरइ बाहिरियाए परिसाए सद्धि पयंडेमाणे २ विहरइ, से तेणट्ठेणं
गोयमा ! एवं बुच्चइ—चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमारण्णो तओ परिसाओ
पणत्ताओ समिया चंडा जाया, अब्भितरिया समिया मज्झिमिया चंडा बाहिरिया
जाया ॥११८॥ कहि णं भंते ! उत्तरिल्लाणं असुरकुमाराणं भवणा पणत्ता ? जहा
ठाणपए जाव वली, एत्थ वइरोयणिंदे वइरोयणराया परिवसइ जाव विहरइ ॥
वलिस्स णं भंते ! वइरोयणिंदस्स वइरोयणरण्णो कइ परिसाओ पणत्ताओ ? गोयमा !
तिण्णि परिसाओ प०, तंजहा—समिया चंडा जाया, अब्भितरिया समिया मज्झिमिया
चंडा बाहिरिया जाया । वलिस्स णं भंते ! वइरोयणिंदस्स वइरोयणरण्णो अब्भितरियाए

परिसाए कइ देवसहस्सा ? मज्झिमियाए परिसाए कइ देवसहस्सा जाव बाहिरियाए परिसाए कइ देविसया पणत्ता ?, गोयमा ! बलिस्स णं वइरोयणिंदस्स २ अभिमतारियाए परिसाए वीसं देवसहस्सा पणत्ता, मज्झिमियाए परिसाए चउवीसं देवसहस्सा पणत्ता, बाहिरियाए परिसाए अट्ठावीसं देवसहस्सा पणत्ता, अभिमतारियाए परिसाए अद्वपंचमा देविसया पणत्ता, मज्झिमियाए परिसाए चत्तारि देविसया पणत्ता, बाहिरियाए परिसाए अदधुट्ठा देविसया पणत्ता, बलिस्स....ठिईए पुच्छा जाव बाहिरियाए परिसाए देवीणं केवइयं कालं ठिई पणत्ता ?, गोयमा ! बलिस्स णं वइरोयणिंदस्स २ अभिमतारियाए परिसाए देवाणं अदधुट्ठपलिओवमां ठिई पणत्ता, मज्झिमियाए परिसाए तिण्णि पलिओवमां ठिई पणत्ता, बाहिरियाए परिसाए देवाणं अट्ठाइजां पलिओवमां ठिई पणत्ता, अभिमतारियाए परिसाए देवीणं अट्ठाइजां पलिओवमां ठिई पणत्ता, मज्झिमियाए परिसाए देवीणं दो पलिओवमां ठिई पणत्ता, बाहिरियाए परिसाए देवीणं दिवड्ढं पलिओवमं ठिई पणत्ता, सेसं जहा चमरस्स असुरिंदस्स अमुरकुमाररणो ॥११९॥ कहि णं भंते ! णागकुमाराणं देवाणं भवणा पणत्ता ? जहा ठाणपए जाव दाहिणिह्ठाणि पुच्छियव्वा जाव धरणे इत्थ णागकुमारिंदे णागकुमारराया परिवसइ जाव विहरइ ॥ धरणस्स णं भंते ! णागकुमारिंदस्स णागकुमाररणो कइ परिसाओ ५० ? गोयमा ! तिण्णि परिसाओ, ताओ चेव जहा चमरस्स । धरणस्स णं भंते ! णागकुमारिंदस्स णागकुमाररणो अभिमतारियाए परिसाए कइ देवसहस्सा पणत्ता जाव बाहिरियाए परिसाए कइ देविसया पणत्ता ?, गोयमा ! धरणस्स णं णागकुमारिंदस्स णागकुमाररणो अभिमतारियाए परिसाए सट्ठिं देवसहस्सां मज्झिमियाए परिसाए सत्तारि देवसहस्सां बाहिरियाए परिसाए असीइदेवसहस्सां अभिमतारियाए पणत्तारं देविसयं पणत्तं, मज्झिमियाए परिसाए पणत्तं देविसयं पणत्तं, बाहिरियाए परिसाए पणत्तं देविसयं पणत्तं । धरणस्स णं रणो अभिमतारियाए परिसाए देवाणं केवइयं कालं ठिई पणत्ता ? मज्झिमियाए परिसाए देवाणं केवइयं कालं ठिई पणत्ता ? बाहिरियाए परिसाए देवाणं केवइयं कालं ठिई पणत्ता ? अभिमतारियाए परिसाए देवीणं केवइयं कालं ठिई पणत्ता ? मज्झिमियाए परिसाए देवीणं केवइयं कालं ठिई पणत्ता ? बाहिरियाए परिसाए देवीणं केवइयं कालं ठिई पणत्ता ?, गोयमा ! धरणस्स० रणो अभिमतारियाए परिसाए देवाणं साइरेणं अद्वपलिओवमं ठिई पणत्ता,

मज्झिमियाए परिसाए देवाणं अद्धपलिओवमं ठिई पणत्ता, बाहिरियाए परिसाए देवाणं देसूणं अद्धपलिओवमं ठिई पणत्ता, अब्भितरियाए परिसाए देवीणं देसूणं अद्धपलिओवमं ठिई पणत्ता, मज्झिमियाए परिसाए देवीणं साइरेगं चउम्भागपलिओवमं ठिई पणत्ता, बाहिरियाए परिसाए देवीणं देसूणं चउम्भागपलिओवमं ठिई पणत्ता, अट्ठो जहा चमरस्स ॥ कहि णं भंते ! उत्तरिह्छाणं णागकुमाराणं जहा ठाणपए जाव विहरइ ॥ भूयाणंदस्स णं भंते ! णागकुमारिंदस्स णागकुमाररणो अब्भितरियाए परिसाए कइ देवसाहस्सीओ पणत्ताओ ? मज्झिमियाए परिसाए कइ देवसाहस्सीओ पणत्ताओ ? बाहिरियाए परिसाए कइ देवसाहस्सीओ पणत्ताओ ? अब्भितरियाए परिसाए कइ देविसया पणत्ता ? मज्झिमियाए परिसाए कइ देविसया पणत्ता ? बाहिरियाए परिसाए कइ देविसया पणत्ता ?, गोयमा ! भूयाणंदस्स णं णागकुमारिंदस्स णागकुमाररणो अब्भितरियाए परिसाए पण्णासं देवसहस्सा पणत्ता, मज्झिमियाए परिसाए सट्ठिं देवसाहस्सीओ पणत्ताओ, बाहिरियाए परिसाए सत्तरि देवसाहस्सीओ पणत्ताओ, अब्भितरियाए परिसाए दो पणवीसं देविसयाणं पणत्ता, मज्झिमियाए परिसाए दो देविसया पणत्ता, बाहिरियाए परिसाए पणत्तरं देविसयं पणत्तं ! भूयाणंदस्स णं भंते ! णागकुमारिंदस्स णागकुमाररणो अब्भितरियाए परिसाए देवाणं केवइयं कालं ठिई पणत्ता जाव बाहिरियाए परिसाए देवीणं केवइयं कालं ठिई पणत्ता ?, गोयमा ! भूयाणंदस्स णं० अब्भितरियाए परिसाए देवाणं देसूणं पलिओवमं ठिई पणत्ता, मज्झिमियाए परिसाए देवाणं साइरेगं अद्धपलिओवमं ठिई पणत्ता, बाहिरियाए परिसाए देवाणं अद्धपलिओवमं ठिई पणत्ता, अब्भितरियाए परिसाए देवीणं अद्धपलिओवमं ठिई पणत्ता, मज्झिमियाए परिसाए देवीणं देसूणं अद्धपलिओवमं ठिई पणत्ता, बाहिरियाए परिसाए देवीणं साइरेगं चउम्भागपलिओवमं ठिई पणत्ता, अट्ठो जहा चमरस्स, अवसेसाणं वेणुदेवाईणं महाघोसपज्जवसाणाणं ठाणपयवत्तव्वया णिरव्वया भाणियव्वा, परिसाओ जहा धरणभूयाणंदाणं (सेसाणं भवणवईणं) दाहिणिह्छाणं जहा धरणस्स उत्तरिह्छाणं जहा भूयाणंदस्स, परिमाणंपि ठिईवि ॥ १२० ॥ कहि णं भंते ! वाणमंतराणं देवाणं भवणा (भोमेजा णगरा) पणत्ता ? जहा ठाणपए जाव विहरंति ! कहि णं भंते ! पिसायाणं देवाणं भवणा पणत्ता ? जहा ठाणपए जाव विहरंति कालमहाकाला य तत्थ दुवे पिसायकुमाररायाणो परिवसंति जाव विहरंति, कहि णं

भंते ! दाहिणिह्णाणं पिसायकुमारणं जाव विहरंति काले य एत्थ पिसाय-
 कुमारिदे पिसायकुमारया परिवसद्द महड्ढिए जाव विहरंद्द ॥ कालस्स णं भंते !
 पिसायकुमारिदस्स पिसायकुमाररणो कइ परिसाओ पणत्ताओ ? गोयमा !
 तिणिण परिसाओ पणत्ताओ, तंजहा-ईसा तुडिया ददरहा, अब्भितरिया ईसा
 मज्झिमिया तुडिया बाहिरिया ददरहा । कालस्स णं भंते ! पिसायकुमारिदस्स
 पिसायकुमाररणो अब्भितरपरिसाए कइ देवसाहस्सीओ पणत्ताओ जाव बाहि-
 रियाए परिसाए कइ देविसया पणत्ता !, गो० ! कालस्स णं पिसायकुमारिदस्स
 पिसायकुमारयास्स अब्भितरियपरिसाए अद्द देवसाहस्सीओ पणत्ताओ मज्झिम-
 परिसाए दस देवसाहस्सीओ पणत्ताओ बाहिरियपरिसाए बारस देवसाहस्सीओ
 पणत्ताओ अब्भितरियाए परिसाए एगं देविसयं पणत्तं मज्झिमियाए परिसाए
 एगं देविसयं पणत्तं बाहिरियाए परिसाए एगं देविसयं पणत्तं । कालस्स णं भंते !
 पिसायकुमारिदस्स पिसायकुमाररणो अब्भितरियाए परिसाए देवाणं केवइयं कालं
 ठिई पणत्ता ? मज्झिमियाए परिसाए देवाणं केवइयं कालं ठिई पणत्ता ? बाहि-
 रियाए परिसाए देवाणं केवइयं कालं ठिई पणत्ता जाव बाहिरियाए० देवीणं
 केवइयं कालं ठिई पणत्ता ?, गोयमा ! कालस्स णं पिसायकुमारिदस्स पिसायकुमार-
 रणो अब्भितरपरिसाए देवाणं अद्दपलिओवमं ठिई पणत्ता, मज्झिमियाए परि०
 देवाणं देसूणं अद्दपलिओवमं ठिई पणत्ता, बाहिरियाए परि० देवाणं साइरेगं
 चउब्भागपलिओवमं ठिई पणत्ता, अब्भितरपरि० देवीणं साइरेगं चउब्भागपलि-
 ओवमं ठिई पणत्ता, मज्झिमपरि० देवीणं चउब्भागपलिओवमं ठिई पणत्ता,
 बाहिरपरिसाए देवीणं देसूणं चउब्भागपलिओवमं ठिई पणत्ता, अद्दो जो चेव चम-
 रस्स, एवं उत्तरस्सवि, एवं गिरंतरं जाव गीयजसस्स ॥ १२१ ॥ कहि णं भंते !
 जोइसियाणं देवाणं विमाणा पणत्ता ? कहि णं भंते ! जोइसिया देवा परिवसंति ?,
 गोयमा ! उरिपि दीवसमुद्दाणं इमीसे रयणप्पमाए पुढवीए बहुसमरमणिजाओ भूमि-
 भागाओ सत्तणउए जोयणसाए उड्ढं उप्पइत्ता दसुत्तरसया जोयणवाहल्लेणं, तत्थ णं
 जोइसियाणं देवाणं तिरियमसंखेजा जोइसियविमाणावाससयसहस्सा भवन्तीतिम-
 क्खायं, ते णं विमाणा अद्दकविट्ठगसंठाणसंठिया एवं जहा ठाणपए जाव चंदमसूरिया
 य तत्थ णं जोइसिंदा जोइसरायाणो परिवसंति महिड्ढिया जाव विहरंति । सूरस्स णं
 भंते ! जोइसिंदस्स जोइसरणो कइ परिसाओ पणत्ताओ ? गोयमा ! तिणिण परिसाओ

पण्णत्ताओ, तंजहा-तुंया तुडिया पेच्चा अग्निभितरया तुंया मज्झिमिया तुडिया बाहि-
रिया पेच्चा, सेसं जहा कालस्स परिमाणं, ठिईवि ! अट्ठो जहा चमरस्स । चंदस्सवि एवं
चेव ॥१२२॥ कहि णं भंते ! दीवसमुद्दा ? केवइया णं भंते ! दीवसमुद्दा ? केमहालया
णं भंते ! दीवसमुद्दा ? किं संठिया णं भंते ! दीवसमुद्दा ? किमागारभावपडोयारा
णं भंते ! दीवसमुद्दा पण्णत्ता ?, गोयमा ! जंबुदीवाइया दीवा लवणाइया समुद्दा
संठाणओ एगविहविहाणा वित्थारओ अणेगविहविहाणा दुगुणादुगुणे पडुप्पाएमाणा २
पवित्थरमाणा २ ओभासमाणवीईया बहुउप्पलपउमकुमुयणल्लिणसुभगसोगंधियपां-
डरीयमहापांडरीयसयपत्तसहस्सपत्तपप्फुल्लकेसरोवचिया पत्तेयं पत्तेयं पउमवरवेइया-
परिक्खित्ता पत्तेयं पत्तेयं वणसंडपरिक्खित्ता अस्सिं तिरियलोए असंखेजा दीवसमुद्दा
सयंभुरमणपज्जवसाणा पण्णत्ता समणाउसो ! ॥१२३॥ तत्थ णं अयं जंबुदीवे णामं
दीवे दीवसमुद्दाणं अग्निभितरिए सव्वखुड्डाए वट्ठे तेह्हापूयसंठाणसंठिए वट्ठे
रहचक्कवालसंठाणसंठिए वट्ठे पुक्खरक्कणियासंठाणसंठिए वट्ठे पडिपुण्णचंदसंठाण-
संठिए एकं जोयणसयसहस्सं आयामविकल्हेणं तिण्णि जोयणसयसहस्साइं सोलस
य सहस्साइं दोण्णि य सत्तावीसे जोयणसए तिण्णि य कोसे अट्ठावीसं च धणुसयं
तेरस अंगुलाइं अट्ठंगुलयं च किंचिविसेसाहियं परिकल्हेणं पण्णत्ते । से णं एक्काए
जगईए सव्वओ समंता संपरिकल्हत्ते । सा णं जगई अट्ठ जोयणाइं उड्डं उच्चत्तेणं
मूले वारस जोयणाइं विकल्हेणं मज्झे अट्ठ जोयणाइं विकल्हेणं उप्पि चत्तारि
जोयणाइं विकल्हेणं मूले विच्छिण्णा मज्झे संखित्ता उप्पि तणुया गोपुच्छसंठाण-
संठिया सव्ववइरामई अच्छा सण्हा लण्हा घट्ठा मट्ठा णीरया णिम्मला णिप्पंकाणिक्कंड-
च्छाया सप्पमा समिरीया (सस्सिरीया) सउजोया पासाईया दरिसणिज्जा अभिरूवा
पडिरूवा । सा णं जगई एक्केणं जालकडएणं सव्वओ समंता संपरिकल्हत्ता । से णं
जालकडए अट्ठजोयणं उड्डं उच्चत्तेणं पंचधणुसयाइं विकल्हेणं सव्वरयणामए अच्छे
सण्हे लण्हे घट्ठे मट्ठे णीरए णिम्मले णिप्पंके णिक्कंडच्छाए सप्पमे [सस्सिरीए]
समरीए सउजोए पासाईए दरिसणिज्जे अभिरूवे पडिरूवे ॥१२४॥ तीसे णं जगईए
उप्पि बहुमज्झदेसमाए एत्थ णं एगा महई पउमवरवेइया प०, सा णं पउमवर-
वेइया अट्ठजोयणं उड्डं उच्चत्तेणं पंच धणुसयाइं विकल्हेणं सव्वरयणामए जगई-
समिया परिकल्हेणं सव्वरयणामई० ॥ तीसे णं पउमवरवेइयाए अयमेयारूवे
वण्णावासे पण्णत्ते, तंजहा-वइरामया नेमा रिट्ठामया पइट्ठाणा वेरुलियामया खंभा

सुवण्णरूपमया फल्ला वहरामया संधी लोहियक्खमईओ सूर्इओ णाणामणिमया कलेवरा कलेवरसंघाडा णाणामणिमया रुक्खा णाणामणिमया रुक्खसंघाडा अंकामया पक्खा पक्खवाहाओ जोइरसामया वंसा वंसकवेल्लुया य रययामईओ पट्टियाओ जायरुक्खमईओ ओहाडणीओ वहरामईओ उवरि पुच्छणीओ सव्वसेए रययामए छायेणे ॥ सा णं पउमवरवेइया एगमेगेणं हेमजालेणं एगमेगेणं गवक्खजालेणं एगमेगेणं खिंखिणिजालेणं जाव मणिजालेणं (कणयजालेणं रयणजालेणं) एगमेगेणं पउमवरजालेणं सव्वरयणामएणं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ता ॥ ते णं जाला तव-णिजलंबूसगा सुवण्णपयगरामंडिया णाणामणिरयणविनिद्वहारद्वहारउवसोभियसमुदया ईसिं अण्णमण्णमसंपत्ता पुब्बावरदाहिणंउत्तरागएहिं वाएहिं मंदागं २ एजमाणा २ कं पिज्जमाणा २ लंबमाणा २ पल्लमाणा २ सदायमाणा २ तेणं ओरालेणं मणु-ण्णेणं कण्णमणिवुइकरेणं सहेणं सव्वओ समंता आपूरेमाणा सिरीए अईव २ उवसोभेमाणा उव० चिट्ठंति ॥ तीसे णं पउमवरवेइयाए तत्थ तत्थ देसे २ तहिं तहिं बहवे हयसंघाडा गयसंघाडा णरसंघाडा किण्णरसंघाडा किंपुरिससंघाडा महोरगसंघाडा गंधव्वसंघाडा वसहसंघाडा सव्वरयणामया अच्छा सण्हा लण्हा घट्ठा मट्ठा णीरया णिम्मला णिपंका णिकंफडच्छाया सप्पभा समरीया संउज्जोवा पासाईया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा । तीसे णं पउमवरवेइयाए तत्थ तत्थ देसे २ तहिं तहिं बहवे हयपंतीओ तहेव जाव पडिरूवाओ । एवं हयवीहीओ जाव पडिरूवाओ । एवं हयमिहुणाई जाव पडिरूवाइ ॥ तीसे णं पउमवरवेइयाए तत्थ तत्थ देसे २ तहिं तहिं बहवे पउमल्याओ णागल्याओ, एवं असोग० चंपग० चूयवण० वासंति० अइ-मुत्तग० कुंद० सामल्याओ णिच्चं कुसुमियाओ जाव सुविहत्तपिंडमंजरिवडिसग-धरीओ सव्वरयणामईओ अच्छाओ सण्हाओ लण्हाओ घट्ठाओ मट्ठाओ णीरयाओ णिम्मलाओ णिपंकाओ णिकंफडच्छायाओ सप्पभाओ समरीयाओ संउज्जोवाओ पासाईयाओ दरिसणिज्जाओ अभिरूवाओ पडिरूवाओ ॥ (तीसे णं पउमवरवेइयाए तत्थ तत्थ देसे २ तहिं तहिं बहवे अस्खयसोरियया पण्णत्ता सव्वरयणामया अच्छा) ॥ से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ-पउमवरवेइया पउमवरवेइया ? गोयमा ! पउमवरवेइ-याए तत्थ तत्थ देसे २ तहिं तहिं वेइयासु वेइयावाहासु वेइयासीसफल्लसु वेइया-पुडंतरेसु खंभेसु खंभवाहासु खंभसीसेसु खंभपुडंतरेसु सूर्इसु सूर्इमुहेसु सूर्इफल्लसु सूर्इ-पुडंतरेसु पक्खेसु पक्खवाहासु पक्खपेरेतेसु बहूइं उप्पलाइं पउमाई जाव सयसहस्स-

पत्ताईं सव्वरवणाम्याइं अच्छाईं सण्हाईं लण्हाईं धट्ठाईं मट्ठाईं णीरयाईं णिम्मलाईं
 णिप्पकाईं णिक्कडच्छायाईं सप्पमाईं समरीयाईं सउज्जोयाईं पासाइयाईं दरिसणिजाईं
 अभिरुवाईं पडिरुवाईं महया २ वासिक्कच्छत्तसमयाईं पण्णत्ताईं समणाउत्तो !, से
 तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ—पउमवरवेइया २ ॥ पउमवरवेइया णं भंते ! किं
 सासया असासया ? गोयमा ! सिय सासया सिय असासया ॥ से केणट्ठेणं भंते ! एवं
 वुच्चइ—सिय सासया सिय असासया ? गोयमा ! दव्वट्ठयाए सासया वण्णपज्जवेहिं
 गंधपज्जवेहिं रसपज्जवेहिं फासपज्जवेहिं असासया, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ—
 सिय सासया सिय असासया ॥ पउमवरवेइया णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ?
 गोयमा ! ण कयावि णासि ण कयावि णरिय ण कयावि ण भविस्सइ भुविं च भवइ य
 भविस्सइ य धुवा णियया सासया अक्खया अव्वया अव्वट्ठिया णिच्चा पउमवरवेइया
 ॥१२५॥ तीसे णं जगईए उयिं बाहिं पउमवरवेइयाए एत्थ णं एगे महं वणसंडे पण्णत्ते
 देसूणाइं दो जोयणाइं चक्कवालविकलंभेणं जगईसमए परिकखेवेणं, किण्हे किण्हो-
 भासे जाव अणेगसगडरहजाणजुगपरिमोयणे सुरम्मे पासाईए सण्हे लण्हे घट्ठे मट्ठे
 णीरए णिप्पंके णिम्मले णिक्कडच्छाए सप्पमे समीरीए सउज्जोए पासाईए दरिसणिजे
 अभिरुवे पडिरुवे ॥ तस्स णं वणसंडस्स अंतो बहुसमरमणिजे भूमिभागे पण्णत्ते से
 जहाणामए—आलिगपुक्खरेइ वा सुइंगपुक्खरेइ वा सरतलेइ वा करयलेइ वा आयंस-
 मंडलेइ वा चंदमंडलेइ वा सूरमंडलेइ वा उरब्भचम्मेइ वा उसभचम्मेइ वा वराह-
 चम्मेइ वा सीहचम्मेइ वा वग्गचम्मेइ वा विग्गचम्मेइ वा दीवियचम्मेइ वा अणेग-
 संकुकीलगसहस्सवियए आयडपच्चावडसेदीपसेदीसोत्थियसोवत्थियपूसमाणवद्धमाण-
 मच्छंडग-मगरंडग-जारमार-फुल्लावलि-पउमपत्तसागरतरंग-वासंतिलय-पउमलयभत्ति-
 चित्तेहिं सच्छाएहिं समीरीएहिं सउज्जोएहिं णाणाविहपंचवण्णेहिं तणेहिं य मणीहिं य
 उवसोहिं तंजहा—किण्हेहिं जाव सुक्खिलेहिं ॥ तत्थ णं जे ते किण्हा तथा य मणी
 य तेसि णं अवमेयारुवे वण्णावासे पण्णत्ते, से जहाणामए—जंमूएइ वा अंजणेइ
 वा खंजणेइ वा कज्जलेइ वा मसीइ वा गुलियाइ वा गवलेइ वा गवल्लुगुलियाइ वा
 भमरेइ वा भमरावलिआइ वा भमरपत्तगयसारेइ वा जंबुफलेइ वा अदारिट्ठेइ वा
 परपुट्ठएइ वा गएइ वा गयकलभेइ वा कण्हसप्पेइ वा कण्हकेसरेइ वा आगासथि-
 गलेइ वा कण्हासोएइ वा किण्हकणवीरेइ वा कण्हबंधुजीवएइ वा, भवे एयारुवे
 सिया ?, गोयमा ! णो इण्ठे समट्ठे, तेसि णं कण्हानं तणानंमणीण य इत्तो इडतराए

चेव कंततराए चेव पियतराए चेव मणुणतराए चेव मणामतराए चेव वण्णेणं पण्णत्ते । तत्थ णं जे ते णीलगा तणा य मणी य तेसि णं इमेयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते, से जहाणामए-भिगेइ वा भिंगपत्तेइ वा चासेइ वा चासपिच्छेइ वा सुएइ वा सुयपिच्छेइ वा णीलीइ वा णीलीमेएइ वा णीलीगुलियाइ वा सामाएइ वा उच्चत-एइ वा वणराईइ वा हलहरवसणेइ वा मोरग्गीवाइ वा पारेवयगीवाइ वा अयसिक्कु-सुमेइ वा अंजणकेसिगाकुसुमेइ वा णीलुप्पलेइ वा णीलसोएइ वा णीलकणवीरेइ वा णीलबंधुजीवएइ वा, भवे एयारूवे सिया ?, णो इण्ढे सम्ढे, तेसि णं णीलगाणं तणाणं मणीणं य एत्तो इट्ठतराए चेव कंततराए चेव जाव वण्णेणं पण्णत्ते । तत्थ णं जे ते लोहियगा तणा य मणी य तेसि णं अयमेयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते, से जहाणामए-ससगरुहरेइ वा उरम्मरुहरेइ वा णरुहरेइ वा वराहरुहरेइ वा महिसरुहरेइ वा वालिंदगोवएइ वा बालदिवागरेइ वा संक्खमरागेइ वा गुंजद्वराएइ वा जाइहिंगुलएइ वा सिलप्पवालेइ वा पवालंकुरेइ वा लोहियवल्मणीइ वा लव्खारसएइ वा किमिरागेइ वा रत्तकंबलेइ वा चीणपिट्ठरासीइ वा जासुयणकुसुमेइ वा किंसुयकुसुमेइ वा पालियायकुसुमेइ वा रत्तुप्पलेइ वा रत्तासोमेइ वा रत्तकणवीरेइ वा रत्तबंधुजीवेइ वा, भवे एयारूवे सिया ?, णो इण्ढे सम्ढे, तेसि णं लोहियगाणं तणाणं य मणीणं य एत्तो इट्ठतराए चेव जाव वण्णेणं पण्णत्ते । तत्थ णं जे ते हालिद्दगा तणा य मणी य तेसि णं अयमेयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते, से जहाणामए-चंपएइ वा चंपगच्छहीइ वा चंपयमेएइ वा हालिद्दाइ वा हालिद्दमेएइ वा हालिद्दगुलियाइ वा हरियालेइ वा हरियालमेएइ वा हरियालगुलियाइ वा चिउरेइ वा चिउरंगरा-गेइ वा वरकणएइ वा वरकणगणिघसेइ वा सुवण्णसिप्पिएइ वा वरपुरिसवसणेइ वा सल्लइकुसुमेइ वा चंपगकुसुमेइ वा कुहुंडियाकुसुमेइ वा (कोरंटगदामेइ वा) तडउड्डाकु-सुमेइ वा धोसाडियाकुसुमेइ वा सुवण्णजूहियाकुसुमेइ वा सुहरिणयाकुसुमेइ वा (कोरि-टवरमल्लदामेइ वा) बीयगकुसुमेइ वा पीयासोएइ वा पीयकणवीरेइ वा पीयबंधुजीएइ वा, भवे एयारूवे सिया ?, णो इण्ढे सम्ढे, ते णं हालिद्दा तणा य मणी य एत्तो इट्ठतरा चेव जाव वण्णेणं पण्णत्ता । तत्थ णं जे ते सुक्खिद्दगा तणा य मणी य तेसि णं अयमेयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते, से जहाणामए-अंकेइ वा संखेइ वा चंदेइ वा कुंदेइ वा कुसुमे(सुए)इ वा दयरएइ वा (दहिघणेइ वा खीरेइ वा खीरपूरेइ वा) हंसावलीइ वा कौचावलीइ वा हारावलीइ वा बलायावलीइ वा चंदावलीइ वा सारइ-

यबलाहएइ वा धंतधोयरूपपट्टेइ वा सालिपिट्ठरासीइ वा कुंदपुप्फरासीइ वा कुमुय-
 रासीइ वा सुक्कछिवाडीइ वा पेहुणमिंजाइ वा बिसेइ वा मिणालियाइ वा गयदंतेइ
 वा लवंयदलेइ वा पोंडरीयदलेइ वा सिंदुवारमल्लदामेइ वा सेयासोएइ वा सेयकणकीरेइ
 वा सेयबंधुजीएइ वा, भवे एयारुवे सिया ?, गो इण्ठे समठ्ठे, तेसि णं सुक्किल्लणं
 तणाणं मणीणं य एत्तो इट्ठतराए चेव जाव वण्णेणं पण्णत्ते । तेसि णं भंते ! तणाणं
 य मणीणं य केरिसए गंधे पण्णत्ते ? से जहाणामए—कोट्टपुडाणं वा पत्तपुडाणं वा
 चोयपुडाणं वा तगरपुडाणं वा एलापुडाणं वा (किरिमेरिपुडाणं वा) चंदणपुडाणं
 वा कुंकुमपुडाणं वा उसीरपुडाणं वा चंपगपुडाणं वा मरुयगपुडाणं वा दमणगपुडाणं
 वा जाइपुडाणं वा जूहियापुडाणं वा मल्लियपुडाणं वा णोमालियपुडाणं वा वासंति-
 यपुडाणं वा केयइपुडाणं वा कणूरपुडाणं वा (पाडलपुडाणं वा) अणुवायंसि उन्मिज-
 माणाणं वा णिन्मिजमाणाणं वा कुट्टिजमाणाणं वा रुविजमाणाणं वा उकिरिजमा-
 णाणं वा विकिरिजमाणाणं वा परिभुजमाणाणं वा भंडाओ वा भंडे साहरिजमाणाणं
 ओराला मणुण्णा धाणमणणिव्वुइकरा सव्वओ समंता गंधा अभिणित्सवंति, भवे
 एयारुवे सिया ?, गो इण्ठे समठ्ठे, तेसि णं तणाणं मणीणं य एत्तो उ इट्ठतराए
 चेव जाव मणामतराए चेव गंधे पण्णत्ते । तेसि णं भंते ! तणाणं य मणीणं य
 केरिसए फासे पण्णत्ते ? से जहाणामए—आईणेइ वा रुपइ वा बूरेइ वा णवणीएइ
 वा हंसगम्भवूलीइ वा सिरीसकुसुमणिचएइ वा बालकुमुयपत्तरासीइ वा, भवे एयारुवे
 सिया ?, गो इण्ठे समठ्ठे, तेसि णं तणाणं य मणीणं य एत्तो इट्ठतराए चेव
 जाव फासेणं पण्णत्ते । तेसि णं भंते ! तणाणं पुव्वावरदाहिणउत्तरागएहिं वाएहिं
 मंदायं मंदायं एइयाणं वेइयाणं कंप्पियाणं खोभियाणं चालियाणं फंदियाणं घट्टि-
 याणं उदीरियाणं केरिसए सठ्ठे पण्णत्ते ? से जहाणामए—सिवियाए वा संदमाणियाए वा
 रहवरस्स वा सल्लत्तस्स सज्झयस्स सघंटयस्स सतोरणवरस्स सणंविघोसस्स सख्खिणि-
 हेमजालपेरंतपरिखित्तस्स हेमवय(खेत्त)चित्तविचित्तिणिसकणगणिज्जुत्तदाइया-
 गस्स सुपिणिद्वारयमंडलधुरागस्स कालायससुकयणेभिजंतकम्मस्स आइण्वरतुरग-
 सुसंपउत्तस्स कुसलणरख्खेसारहिसुसंपरिगहियस्स सरसयवत्तीसतोरण(परि)मंडियस्स
 सकंकडघडिंसगस्स सचावत्तरपहरणावरणभरियस्स जोहजुदसज्जस्स रायंगणंसि वा
 अंतेउरंसि वा रम्मंसि वा मणिकोट्टिमत्तलंसि अभिक्खणं २ अभिघट्टिज-
 माणस्स वा णियट्टिजमाणस्स वा (परुद्धवरतुरंगस्स चंडवेगाइड्डस्स) ओराला

मणुण्णा कण्णमणिवुइकरा सव्वओ समंता सद्दा अभिणिस्सवंति, भवे एयारूवे सिया !, णो इण्ठे समंठे, से जहाणामए—वेयालियाए वीणाए उत्तरमंदासुच्छियाए अंके सुपइड्डियाए चंदणसारकोणपरिघट्टियाए कुसलणरणारिसंपगहियाए पओस-पच्चूसकालसमयंसि मंदं मंदं एइयाए वेइयाए खोभियाए उदीरियाए ओराला मणुण्णा कण्णमणिवुइकरा सव्वओ समंता सद्दा अभिणिस्सवंति भवे एयारूवे सिया !, णो इण्ठे समंठे, से जहाणामए—किण्णराण वा किंपुरिसाण वा महोरमाण वा गंधव्वाण वा भइसालवणगयाण वा गंदणवणगयाण वा सोमणसवणगयाण वा पंडगवणगयाण वा हिमवंतमलयमंदरगिरिगुहसमण्णागयाण वा एगओ सहियाणं समुहागयाणं समु-विट्ठाणं सणिविट्ठाणं पमुइयपक्कीलियाणं गीयरइगंधव्वहरिसियमण्णाणं गेजं पजं कथं गेयं पयविद्धं पायविद्धं उक्खित्तयं पवत्तयं मंदायं रोइयावसाणं सत्तसरसमण्णागयं अट्टरससुसंपउत्तं छहोसविप्पमुक्कं एकारसगुणालंकारं अट्टगुणोववेयं गुंजंतवंसकुहरोवगूढं रत्ते तिट्ठाणकरणसुद्धं महुरं समं सुल्लियं सकुहरगुंजंतवंसंततीतलताल्लयमाहसु-संपउत्तं मणोहरं मउयरिभियपयसंचारं सुरइं सुणइं वरचादरुवं दिव्वं णट्ठं सज्जं गेयं पणीयाणं, भवे एयारूवे सिया !, हुंता गोयमा ! एवंभूए सिया ॥१२६॥ तस्स णं वण-संडस्स तत्थ २ देसे २ तहिं २ बहवे खुट्ठा खुड्डियाओ वावीओ पुक्खरिणीओ गुंजालि-याओ दीहियाओ(सरसीओ)सरपंतियाओ सरसरपंतीओ बिलपंतीओ अच्छाओ सण्हाओ रययमयकूलाओ वइरामयपासाणाओ तवणिज्जमयतलाओ वेरुलियमणिफा-लियपडलपच्चोयडाओ णवणीयतलाओ सुवण्णसुब्भ(ज्ज)रययमणिवालुयाओ सुहोया-रामुउत्ताराओ णाणामणितित्थसुवद्धाओ चाउ(चउ)क्कोणाओ समतीराओ आणु-पुव्वसुजायवप्पगंभीरसीयलज्जलाओ संछण्णपत्तभिसमुणालाओ बहुउप्पलकुसुयणलिण-सुभगतोर्गधियपोंडरीयसयपत्तसहस्सपत्तफुल्लकेसरोवइयाओ छप्पयपरिभुजमाणकम-लाओ अच्छविमलसलिलपुण्णाओ परिहत्थभमंतमच्छकच्छमअणेगसउणमिहुणपरि-चरियाओ पत्तेयं पत्तेयं पउमवरवेइयापरिक्खित्ताओ पत्तेयं पत्तेयं वणसंडपरिक्खि-त्ताओ अप्पेगइयाओ आसवोदाओ अप्पेगइयाओ वारुणोदाओ अप्पेगइयाओ खीरोदाओ अप्पेगइयाओ घओदाओ अप्पेगइयाओ (इक्खु)खोदोदाओ(अमयरस-समरसोदाओ)अप्पेगइयाओ पगईए उदरा(अमय)रसेणं पणत्ताओ पासाईयाओ ४, तासि णं खुड्डियाणं वावीणं जाव बिलपंतियाणं तत्थ २ देसे २ तहिं २ जाव बहवे तिसोवाणपडिरुवगा पणत्ता ! तेसि णं तिसोवाणपडिरुवगाणं अयमेयारूवे वण्णावासे

पण्णे, तंजहा—वहरामया णेमा रिद्धामया पद्वहाणा वेरुलियामया खंभा सुवण्ण-
रूपामया फलगा वहरामया संधी लोहियक्खमईओ सूईओ णाणामणिमया अवलंबणा
अवलंबणवाहाओ पासाइयाओ ४ । तेसि णं तिसोवाणपडिरुवगाणं पुरओ पत्तेयं २
तोरणा प० ॥ ते णं तोरणा णाणामणिमयखंभेसु उवणिविट्ठसणिविट्ठा विविहमुत्त-
तरोवचिया विविहतारारुवोवचिया ईहामियउसभतुरगणरमगरविहगवालगाकिण्णर-
रुसरभचमरकुंजरवणलयपउमलयभत्तिचित्ता खंभुगायचइरवेइयापरिगयाभिरामा
विजाहरजमलजुयलजंतजुत्ताविव अच्चिसहस्समालणीया रुवगसहस्सकलिया मिस-
माणा मिब्भिसमाणा चक्खुलोयणलेसा मुहफासा सत्तिरीयरूवा पासाईया ४ । तेसि
णं तोरणाणं उप्पि बहवे अट्ठडमंगलगा पण्णत्ता तं०—सोत्थियसिरिवच्छणंदियावत्त-
वट्ठमाणभद्दासणकलसमच्छदप्पणा सव्वरयणामया अच्छा सण्हा जाव पडिरूवा ।
तेसि णं तोरणाणं उप्पि बहवे किण्हचामरज्झया णीलचामरज्झया लोहियचामरज्झया
हालिदचामरज्झया मुक्किल्लचामरज्झया अच्छा सण्हा रूपपट्ठा वइरदंडा जलयामल-
गंधिया मुरुवा पासाईया ४ । तेसि णं तोरणाणं उप्पि बहवे छत्ताइछत्ता पडामाह-
पडामा घंटाजुयला चामरजुयला उप्पलहत्यगा जाव सयसहस्सवत्तहत्यगा सव्वर-
यणामया अच्छा जाव पडिरूवा । तासि णं खुड्ढिडयाणं धावीणं जाव बिलपंतियाणं
तत्थ तत्थ देसे २ तहिं तहिं बहवे उप्पायपव्वया गियइपव्वया जगइपव्वया दारु-
पव्वयास दगमंडवगा दगमंजगा दगमालगा दगपासायगा ऊसडा खुल्ला खडहडगा
अंदोलगा पक्खंदोलगा सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा । तेसु णं उप्पाय-
पव्वएसु जाव पक्खंदोलएसु बहवे हंसासणाइं कौंचासणाइं गरुलसणाइं उण्णया-
सणाइं पणयासणाइं दीहासणाइं भद्दासणाइं पक्खासणाइं मगरासणाइं उसमासणाइं
सीहासणाइं पउमासणाइं दिसासोवत्थियासणाइं सव्वरयणामयाइं अच्छाइं सण्हाइं
लण्हाइं घट्ठाइं मट्ठाइं णीरयाइं णिम्मलाइं णिप्पंकाइं णिक्कडच्छायाइं सप्पमाइं समि-
रीयाइं सउज्जोयाइं पासाइयाइं दरिसणिजाइं अमिरूवाइं पडिरूवाइं । तस्स णं
वणसंडस्स तत्थ तत्थ देसे २ तहिं तहिं बहवे आलिधरा मालिधरा कयलिधरा
ल्याधरा अच्छणधरा पेच्छणधरा मज्जणधरगा पसाहणधरगा गब्भघरगा मोहण-
घरगा सालधरगा जालधरगा कुसुमधरगा चित्तधरगा गंधव्वधरगा आयंसधरगा
सव्वरयणामया अच्छा सण्हा लण्हा घट्ठा मट्ठा णीरया णिम्मला णिप्पंका णिक्कड-
च्छाया सप्पमा समिरीया सउज्जोया पासाईया दरिसणिजा अमिरूवा पडिरूवा ॥

तेसु णं आलिघरएसु जाव आयंसघरएसु बहूइं हंसासणाइं जाव दिसासोवत्थिया-
 सणाइं सव्वरयणामयाइं जाव पडिरूवाइं । तस्स णं वणसंडस्स तत्थ तत्थ देसे २
 तहिं तहिं बहवे जाइमंडवगा जूहियामंडवगा मल्लियामंडवगा पक्खमालियामंडवगा
 वासंतीमंडवगा दधियासुयामंडवगा सूरिल्लिमंडवगा तंबोलीमंडवगा मुद्धियामंडवगा
 णामलयामंडवगा अइमुत्तमंडवगा अप्फोयामंडवगा मालुयामंडवगा सामलयामंडवगा
 (सव्वरयणामया)णिच्चं कुसुमिया णिच्चं जाव पडिरूवा ॥ तेसु णं जाइमंडवएसु जाव
 सामलयामंडवएसु बहवे पुटविसिलापट्टगा पणत्ता, तंजहा-अप्पेगइया हंसासण-
 संठिया अप्पे० कौचासणसंठिया अप्पे० गरुलासणसंठिया अप्पे० उण्णयासणसंठिया
 अप्पे० पणयासणसंठिया अप्पे० दीहासणसंठिया अप्पे० भद्दासणसंठिया अप्पे०
 पक्खासणसंठिया अप्पे० मगरासणसंठिया अप्पे० उसभासणसंठिया अप्पे०
 सीहासणसंठिया अप्पे० पउमासणसंठिया अप्पे० दिसासोवत्थियासणसंठिया० प०
 तत्थ बहवे वरसयणासणविसिद्धसंठाणसंठिया पणत्ता समणाउसो ! आइण्णगरूय-
 बूरणवणीयतूलफासा मउया सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा । तत्थ णं बहवे
 वाणमंतरा देवा देवीओ य आसयंति सयंति चिद्धंति णिसीयंति तुयट्ठंति रमंति
 ललंति किलंति मोहंति पुरापोराणां सुचिण्णाणं सुपरिकंताणं सुभाणं कल्लाणां
 कडाणं कम्माणं कल्लाणं फलवित्तिविसेसं पच्चणुग्भवमाणा विहरंति । तीसे णं जगईए
 उप्पिं अंतो पउमवरवेइयाए एत्थ णं एगे महं वणसंडे पणत्ते देसूणाइं दो जोयणाइं
 विक्खंमेणं वेइयासमएणं परिकखेवेणं किण्हे किण्होभासे वणसंडवण्णओ मणि-
 तणसद्दविहूणो णेयव्वो, तत्थ णं बहवे वाणमंतरा देवा देवीओ य आसयंति सयंति
 चिद्धंति णिसीयंति तुयट्ठंति रमंति ललंति कीडंति मोहंति पुरा पोराणां सुचिण्णाणं
 सुपरिकंताणं सुभाणं कल्लाणाणं कडाणं कम्माणं कल्लाणं फलवित्तिविसेसं पच्चणुग्भव-
 माणा विहरंति ॥ १२७ ॥ जंबुद्दीवस्स णं भंते ! दीवस्स कइ दारा पणत्ता ?
 गोयमा ! चत्तारि दारा पणत्ता, तंजहा-विजए वेजयंते जयंते अपराजिए ॥ १२८ ॥
 कहि णं भंते ! जंबुद्दीवस्स दीवस्स विजए णामं दारे पणत्ते ? गोयमा ! जंबुद्दीवे
 दीवे मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमेणं पणयालीसं जोयणसहस्साइं अथाहाए जंबुद्दीवे
 दीवे पुरच्छिमपेरंते लवणसमुद्दपुरच्छिमस्स पच्चत्थिमेणं सीयाए महाणईए उप्पिं
 एत्थ णं जंबुद्दीवस्स दीवस्स विजए णामं दारे पणत्ते अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं
 चत्तारि जोयणाइं विक्खंमेणं तावइयं चैव पवेसेणं सेए वरकणगधूमियागे ईहामि-

यउसभतुरगणमगरविहगवाल्मकिण्णररुसरमचमरकुंजरवणलयपउमलयभत्तिचित्ते
 खंभुगयववरइरवेइयापरिगयाभिरामे विजाहरजमलजुयलजंतजुत्तेइव अच्चीसहसमा-
 लिणीए रुवगसहसकलिए भिसमाणे भिम्भिसमाणे चक्खुल्लोयणत्तेसे सुहफासे सस्सि-
 रीयरूवे वण्णो दारस्स तस्सिमो होइ तं०—वइरामया णिम्मा रिद्धामया पइद्वाणा
 वेरुलियामया खंभा जायरूवोवचियपवरपंचवण्णमणिरयणकोट्टिमत्तले हंसगव्भमए
 एलुए गोमेजमए इंदक्खीले लोहियक्खमईओ दारचेडीओ जोइरसामए उत्तरंगे
 वेरुलियामया कवाडा वइरामया संधी लोहियक्खमईओ सूईओ णाणामणिमया
 समुगगा वइरामई अगलाओ अगलपासाया वइरामई आवत्तणपेटिया अंकुत्तर-
 पासए णिरंतरियणकवाडे भित्तीसु चेव भित्तीगुलिया छापणा तिण्णि होंति
 गोमाणसी तत्तिया णाणामणिरयणवालरूवगलीलद्वियसालिभेजियगे वइरामए कूडे
 रययामए उस्सेहे सव्वतवणिजमए उल्लोए णाणामणिरयणजालपंजरमणिवंसग-
 लोहियक्खपडिवंसगरययभोम्मे अंकामया पक्खवाहाओ जोइरसामया वंसा वंसक-
 वेल्लुगा य रययामई पट्टिय्याओ जायरूवमई ओहाडणी वइरामई उवरि पुच्छणी
 सव्वसेयरययामए च्छायणे अंकमयकणगकूडतवणिजथूभियाए सेए संवत्तलविमल-
 णिम्मलदहिणणोखीरफेणरययणिरप्पगासे तिलगरयणद्वचंदचित्ते णाणामणिमय-
 दामालंकिए अंतो य वहिं च सण्हे तवणिजइल्लवालुयापत्थडे सुहफासे सस्सि-
 रीयरूवे पासाईए ४ ॥ विजयस्स णं दारस्स उभओ पासिं दुहओ णिसीहियाए
 दो दो चंदणकलसपरिवाडीओ पण्णत्ताओ, ते णं चंदणकलसा वरकमलपइद्वाणा
 सुरभिवरवारिपडिपुण्णा चंदणकयचच्चागा आवद्वकंटेगुणा पउमुण्णलपिहाणा सव्वरय-
 यामया अच्छा सण्हा जाव पडिस्वा महया महया महिंदकुंभसमाणा पण्णत्ता
 समणाउसो ! विजयस्स णं दारस्स उभओ पासिं दुहओ णिसीहियाए दो दो णागदंत-
 परिवाडीओ, ते णं णागदंतगा मुत्ताजालंतरुसियहेमजालावक्खजालखिखिणीघंटा-
 जालपरिक्खित्ता अब्भुगया अभिणिसिद्धा तिरियं सुसंपगहिया अहेपण्णगद्वरूवा
 पण्णगद्वसंठाणसंठिया सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिस्वा महया महया गयदंत-
 समाणा प० समणाउसो ! तेसु णं णागदंतएसु बहवे किण्हसुत्तवद्ववगारियमल्लदाम-
 कलावां जाव सुक्खिस्सुत्तवद्ववगारियमल्लदामकलावा । ते णं दामा तवणिजल्लबूसगा
 सुवण्णपयरगमंडिया णाणामणिरयणविविहहारद्वहार (उवसोभियसमुदया) जाव
 सिरिए अईव अईव उवसोभेमाणा उवसोभेमाणा च्चिद्धंति ॥ तेसि णं णागदंतगाणं

उवरिं अण्णाओ दो दो णागदंतपरिवाडीओ पणत्ताओ, तेसि णं णागदंतगणं
 सुत्ताजालंतरुसिया तेहव जाव समणाउसो ! । तेसु णं णागदंतएसु बहवे रययामया
 सिक्कया पणत्ता, तेसु णं रययामएसु सिक्कएसु व० वेरुलियामईओ धूवघडीओ
 पणत्ताओ, तंजहा—ताओ णं धूवघडीओ कालागुरुपवरकुंदरुक्कुरुक्कधूवमघमधंतगं-
 धुद्धुयामिरामाओ सुगंधवरगंधगंधियाओ गंधवट्टिभूयाओ ओरालेणं मणुण्णेणं घाण-
 मणणिवुइकरेणं गंधेणं तप्पएसे सव्वओ समंता आपूरेमाणीओ आपूरेमाणीओ
 अईव अईव सिरीए जाव चिह्वंति । विजयस्स णं दारस्स उभओ पासिं दुहओ
 णिसीहियाए दो दो सालिभंजियापरिवाडीओ पणत्ताओ, ताओ णं सालभंजियाओ
 लीलट्टियाओ सुपयट्टियाओ सुअलंकियाओ णाणागारवसणाओ णाणामल्लपिण्डाओ
 मुट्ठीमेज्जमज्जाओ आमेल्लाजमल्लजुयल्लवट्टिअन्मुण्णयपीणरइयसंठियपओहराओ
 रत्तावंगाओ असियकेसीओ मिउविसयपसत्थलक्खणसंवेहियमासिरयाओ ईसिं असो-
 गवरपायवसमुट्टियाओ वामहत्थराहियमासालाओ ईसिं अद्धच्छिकडक्खचिट्ठिएहिं
 सूसेमाणीओ इव चक्खुल्लोयणलेसाहिं अणमणं खिज्जमाणीओ इव पुट्टविपिरिणामाओ
 सासयभावमुवगयाओ चंदाणणाओ चंदविलासिणीओ चंदद्वसमणिडालाओ चंदाहि-
 यसोमदंसणाओ उक्का इव उब्बोएमाणीओ विज्जुघणमरीइसूरदिपंतसेयअहिययरसणि-
 गासाओ सिंगारागारचारुवेसाओ पासाइयाओ ४ तेयसा अईव अईव सोभेमाणीओ
 सोभेमाणीओ चिह्वंति ॥ विजयस्स णं दारस्स उभओ पासिं दुहओ णिसीहियाए
 दो दो जाल्कडगा पणत्ता, ते णं जाल्कडगा सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरुवा ॥
 विजयस्स णं दारस्स उभओ पासिं दुहओ णिसीहियाए दो दो घंटापरिवाडीओ
 पणत्ताओ, तासि णं घंटाणं अयमेयारुवे वण्णावासे पणत्ते, तंजहा—जंबूणयमईओ
 घंटाओ वहरामईओ लालाओ णाणामणिमया घंटापासगा तवणिजमईओ संकलाओ
 रययामईओ रज्जूओ ॥ ताओ णं घंटाओ ओहस्सराओ मेहस्सराओ हंसस्सराओ
 कोंचस्सराओ णंदिस्सराओ णंदिघोसाओ सीहस्सराओ सीहघोसाओ मंजुस्सराओ
 मंजुघोसाओ सुस्सराओ सुस्सरणिग्घोसाओ ते पएसे ओरालेणं मणुण्णेणं कणमण-
 णिवुइकरेणं सहेणं जाव चिह्वंति ॥ विजयस्स णं दारस्स उभओ पासिं दुहओ
 णिसीहियाए दो दो वणमालापरिवाडीओ पणत्ताओ, ताओ णं वणमालाओ णाणा-
 दुमलयाकिसलयपल्लवसमाउलाओ छप्पयपरिभुजमाणक्कमल्लोभंतसस्सिरीवाओ
 पासाइयाओ० ते पएसे उरालेणं जाव गंधेणं आपूरेमाणीओ जाव चिह्वंति ॥१२९॥

विजयस्स णं दारस्स उभओ पासिं दुहओ गिसीहियाए दो दो पंगंठा पण्णत्ता, ते णं पंगंठा चत्तारि जोयणाइं आयामविकल्भेणं दो जोयणाइं बाहल्लेणं सक्खवइरामया अच्छा जाव पडिरूवा ॥ तेसि णं पंगंठाणां उवरिं पत्तेयं पत्तेयं पासायवडिंसगा पण्णत्ता, ते णं पासायवडिंसगा चत्तारि जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं दो जोयणाइं आयाम-विकल्भेणं अब्भुमयमूसियपहसियाविव विविहमणिरयणभत्तिचित्ता वाउद्धुयविजय-वेजयंतीपडागच्छत्ताइच्छत्तकलिया तुंगा गगणतल्लमभिल्लमाणा(गुलिहंत)सिहरा जालंतररयणपंजरुम्मिलियव्व मणिकणयधूमियाभा वियसियसयवत्तपोंडरीयतिलयर-यणद्धच्चंदचित्ता णाणामणिमयदामालकिया अंतो य बाहिं च सण्हा तवणिज्जरुहल-वाळुयापयथडा मुहफासा सस्सिरीयरूवा पासाईया ४ ॥ तेसि णं पासायवडिंसगाणं उल्लोया पउमलया जाव सामलयाभत्तिचित्ता सक्खतवणिज्जमया अच्छा जाव पडि-रूवा ॥ तेसि णं पासायवडिंसगाणं पत्तेयं पत्तेयं अंतो बहुसमरमणिजे भूमिभागे पण्णत्ते, से जहाणामए आलिंगपुक्खरेइ वा जाव मणीहिं उवसोमिए, मणोण गंधो वण्णो फासो य गेयव्वो ॥ तेसि णं बहुसमरमणिजाणं भूमिभागाणं बहुमज्झदेसभाए पत्तेयं पत्तेयं मणिपेडियाओ पण्णत्ताओ, ताओ णं मणिपेडियाओ जोयणं आयाम-विकल्भेणं अद्धजोयणं बाहल्लेणं सक्खरयणामईओ जाव पडिरूवाओ, तासि णं मणि-पेडियाणं उवरिं पत्तेयं २ सीहासणे पण्णत्ते, तेसि णं सीहासणाणं अयमेयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते, तज्जहा—तवणिज्जमया चक्खवाला रययामया सीहा सोवणिण्या पाया णाणामणि-मयाइं पायसीसगाइं जेबूणयमयाइं गत्ताइं वइरामया संधी णाणामणिमए वेच्चे, ते णं सीहासणा ईहामियउसभ जाव पउमलयाभत्तिचित्ता ससारसारोवइयविविहमणिरयण-पायपीढा अच्छरगमेउमसूरगणवतयकुसंतलिच्चसीहक्केसरपच्छुथयाभिरामा उवच्चिय-खोमदुगुल्लयपडिच्छायणा सुविरइयरयत्ताणा रत्तेसुयसंबुया मुरम्मा आईणगरूयबूरणव-णीयंतूळमउयफासा मउया पासाईया ४ ॥ तेसि णं सीहासणाणं उप्पि पत्तेयं पत्तेयं विजयदूसे पण्णत्ते, ते णं विजयदूसा सेया सखंक्कुंददगरयअमयमहियफेणपुंजसणि-गासा सक्खरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा ॥ तेसि णं विजयदूसाणं बहुमज्झदेसभाए पत्तेयं २ वइरामया अंकुसा पण्णत्ता, तेसु णं वइरामएसु अंकुसेसु पत्तेयं २ कुंभिका-मुत्तादामा पण्णत्ता, ते णं कुंभिका मुत्तादामा अण्णेहिं चउहिं २ तदद्धुच्चत्तप्पमाण-मेत्तेहिं अद्धकुंभिकेहिं मुत्तादामेहिं सक्खओ समंता संपरिक्खत्ता, ते णं दामा तवणिज-लंबूसगा सुवण्णपयरगमंडिया जाव चिहंति, तेसि णं पासायवडिंसगाणं उप्पि बहवे अद्ध-

मंगलगा पणत्ता सोत्थिय तहेव जाव छत्ता ॥१३०॥ विजयस्स णं दारस्स उभओ पासिं दुहओ णिसीहियाए दो दो तोरणा पणत्ता, ते णं तोरणा णाणामणिमया तहेव जाव अट्ठमंगलगा य छत्ताइछत्ता ॥ तेसिं णं तोरणां पुरओ दो दो सालमंजियाओ पणत्ताओ, जहेव णं हेट्ठा तहेव ॥ तेसिं णं तोरणां पुरओ दो दो णागदंतगा पणत्ता, ते णं णागदंतगा मुत्ताजालंतरुसिया तहेव, तेसुं णं णागदंतएसु बहवे किण्हा मुत्तवट्ठवधारियमल्लदामकलावा जाव चिट्ठंति ॥ तेसिं णं तोरणां पुरओ दो दो हयसंघाडगा जाव उसभसंघाडगा पणत्ता सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा, एवं पंतिओ वीहीओ मिहुणगा, दो दो पउमलयाओ जाव पडिरूवाओ, तेसिं णं तोरणां पुरओ दो दो अक्खयसोक्खियया पणत्ता ते णं अक्खयसोक्खियया सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा, तेसिं णं तोरणां पुरओ दो दो चंदणकलसा पणत्ता, ते णं चंदणकलसा वरकमलपइट्ठाणा तहेव सव्वरयणामया जाव पडिरूवा समणाउसो ! ॥ तेसिं णं तोरणां पुरओ दो दो भिंगारगा पणत्ता वरकमलपइट्ठाणा जाव सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा महया महया मत्तगयमुहागिइसमाणा पणत्ता समणाउसो ! ॥ तेसिं णं तोरणां पुरओ दो दो आयंसगा पणत्ता, तेसिं णं आयंसगां अयमेयारूवे वण्णावासे पणत्ते, तंजहा—तवणिजमया पंगठगा वेरुलियमया छरूहा (थंभया) वइरामया वरंगा णाणामणिमया वलक्खत्ता अंकमया मंडला अणोघसियणिम्मलासाए छायाए सब्बओ चेव समणुबद्धा चंदमंडलपडिणिगासा महया महया अद्धकायसमाणा पणत्ता समणाउसो ! ॥ तेसिं णं तोरणां पुरओ दो दो वइरणाभा थाला पणत्ता, ते णं थाला अच्छतिच्छडियसालितंदुलणहसंदट्ठबहुपडिपुण्णा चेव चिट्ठंति सब्बजंबूणयामया अच्छा जाव पडिरूवा महया महया रहचक्कसमाणा ५० समणाउसो ! ॥ तेसिं णं तोरणां पुरओ दो दो पाईओ पणत्ताओ, ताओ णं पाईओ अच्छोदयपडिहत्थाओ णाणाविहपंचवण्णस्स फलहरियगस्स बहुपडिपुण्णाओ विव चिट्ठंति सव्वरयणामईओ जाव पडिरूवाओ महया महया गोकलिजगचकसमाणाओ पणत्ताओ समणाउसो ! ॥ तेसिं णं तोरणां पुरओ दो दो सुपइट्ठगा पणत्ता, ते णं सुपइट्ठगा णाणविहपंचवण्णपसाहणगभंडविरइया सब्बोसहिपडिपुण्णा सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा ॥ तेसिं णं तोरणां पुरओ दो दो मणोगुलियाओ पणत्ताओ ॥ तासु णं मणोगुलियासु बहवे सुवण्णरूपामया फल्गा पणत्ता, तेसुं णं सुवण्णरूपामएसु फलएसु बहवे वइरामया णागदंतगा मुत्ताजालंत-

रसिया हेम जाझ गयदंतसमाणा पणत्ता, तेसु णं वइरामएसु णागदंतएसु बहवे
 रययामया सिक्रया पणत्ता, तेसु णं रययामएसु सिक्रएसु बहवे वायकरमा पणत्ता ।
 ते णं वायकरमा किण्हसुत्तसिक्कगवत्थिया जाव सुक्खित्तसिक्कगवत्थिया सव्वे
 वेरुलियामया अच्छा जाव पडिस्वा । तेसि णं तोरणं पुरओ दो दो चित्ता
 रयणकरंडगा पणत्ता, से जहाणामए-रणो चाउरंतचक्कवट्टिरस चित्ते रयणकरंडे
 वेरुलियमणिफालियपडलपच्चोयडे साए पभाए ते पएसे सव्वओ समंता ओभासइ
 उज्जोवेइ तावेइ पभासेइ, एवामेव ते चित्तरयणकरंडगा पणत्ता वेरुलियपडलपच्चो-
 यडा साए पभाए ते पएसे सव्वओ समंता ओभासेति (जाव पभासेति) ॥ तेसि
 णं तोरणं पुरओ दो दो ह्यकंठगा जाव दो दो उसमकंठगा पणत्ता सव्वरयणा-
 मया अच्छा जाव पडिस्वा ॥ तेसु णं ह्यकंठएसु जाव उसमकंठएसु दो दो
 पुप्फचंगेरीओ, एवं मल्लगंधवण्णुणवत्थामरणचंगेरीओ सिद्धत्थचंगेरीओ
 लोमहत्थचंगेरीओ सव्वरयणामईओ अच्छाओ जाव पडिस्वाओ ॥ तासु णं
 पुप्फचंगेरीसु जाव लोमहत्थचंगेरीसु दो दो पुप्फपडलाइं जाव लो० सव्वरयणाम-
 याइं जाव पडिस्वाइं ॥ तेसि णं तोरणं पुरओ दो दो सीहासणाइं पणत्ताइं,
 तेसि णं सीहासणाणं अयमेयारुवे दण्णावासे पणत्ते तेहव जाव पासाईया ४ ॥
 तेसि णं तोरणं पुरओ दो दो रूपछदाछत्ता पणत्ता, ते णं छत्ता वेरुलियमिसंत-
 विमलदंडा जंबूण्यकण्णियावइरसंधी मुत्ताजालपरिगाया अट्टसहस्सरकंचणसलागा
 दहरमलयसुगंधी सव्वोउयसुरमिसीयलच्छाया मंगलभत्तिचित्ता चंदारागेवमा वट्ठा ॥
 तेसि णं तोरणं पुरओ दो दो चामराओ पणत्ताओ, ताओ णं चामराओ
 (चंदप्पमवइरवेरुलियणाणामणिरयणखचियदंडा) णाणामणिकण्णगरयणविमलमहरि-
 हतवणिज्जुलवचित्तदंडाओ चिल्लियाओ संलंककुंददगरयअमयमहियफेणपुंजसण्णि-
 गासाओ सुहुमरययदीहवालाओ सव्वरयणामयाओ अच्छाओ जाव पडिस्वाओ ॥
 तेसि णं तोरणं पुरओ दो दो तिहसमुग्गा कोट्टसमुग्गा पत्तसमुग्गा चोयसमुग्गा
 तयरसमुग्गा एलासमुग्गा हरियालसमुग्गा हिंगुलयसमुग्गा मणोसिलासमुग्गा
 अंजणसमुग्गा सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिस्वा ॥ १३१ ॥ विजए णं दारे
 अट्टसयं चक्कज्झयाणं अट्टसयं मिगज्झयाणं अट्टसयं गरुडज्झयाणं अट्टसयं विगज्झ-
 याणं (अट्टसयं रुक्खज्झयाणं) अट्टसयं छत्तज्झयाणं अट्टसयं पिच्छज्झयाणं अट्टसयं
 सउणिज्झयाणं अट्टसयं सीहज्झयाणं अट्टसयं उसमज्झयाणं अट्टसयं सेयाणं

चउविसाणां भागवरकेऊणं एवामेव सपुट्वावरेणं विजयदारे आसीयं केउसहस्सं भवइत्ति मक्खायं ॥ विजए णं दारे णव भोमा पणत्ता, तेसि णं भोमाणं अंतो बहुसमरमणिजा भूमिभागा पणत्ता जाव मणीणं फासो, तेसि णं भोमाणं उयि उल्लोया पउमलया जाव सामलयाभत्तिवित्ता जाव सव्वतवणिजमया अच्छा जाव पडिरूवा, तेसि णं भोमाणं बहुमज्झदेसभाए जे से पंचमे भोम्मे तस्स णं भोमस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं एगे महं सीहासणे पणत्ते, सीहासणवण्णओ विजयदूसे जाव अंकुसे जाव दामा चिट्ठंति, तस्स णं सीहासणस्स अवरुत्तरेणं उत्तरेणं उत्तरपुरत्थिमेणं एत्थ णं विजयस्स देवस्स चउण्हं सामाणियसहस्साणं चत्तारि भद्दासणसाहस्सीओ पणत्ताओ, तस्स णं सीहासणस्स पुरच्छिमेणं एत्थ णं विजयस्स देवस्स चउण्हं अगमहिशीणं सपरिबाराणं चत्तारिं भद्दासणा पणत्ता, तस्स णं सीहासणस्स दाहिणपुरत्थिमेणं एत्थ णं विजयस्स देवस्स अब्भितरियाए परिसाए अट्ठण्हं देवसाहस्सीणं अट्ठ भद्दासणसाहस्सीओ पणत्ताओ, तस्स णं सीहासणस्स दाहिणेणं विजयस्स देवस्स मज्झिमियाए परिसाए दसण्हं देवसाहस्सीणं दस भद्दासणसाहस्सीओ पणत्ताओ, तस्स णं सीहासणस्स दाहिणपच्चत्थिमेणं एत्थ णं विजयस्स देवस्स बाहिरियाए परिसाए बारसण्हं देवसाहस्सीणं बारस भद्दासणसाहस्सीओ पणत्ताओ ॥ तस्स णं सीहासणस्स पच्चत्थिमेणं एत्थ णं विजयस्स देवस्स सत्तण्हं अणियाहिंवईणं सत्त भद्दासणा पणत्ता, तस्स णं सीहासणस्स पुरत्थिमेणं दाहिणेणं पच्चत्थिमेणं उत्तरेणं एत्थ णं विजयस्स देवस्स सोलस आयरक्खदेवसाहस्सीणं सोलस भद्दासणसाहस्सीओ पणत्ताओ, तंजहा—पुरत्थिमेणं चत्तारि साहस्सीओ, एवं चउसुवि जाव उत्तरेणं चत्तारि साहस्सीओ, अबसेसेसु भोमेसु पत्तेयं पत्तेयं भद्दासणा पणत्ता । १३२ । विजयस्स णं दारस्स उवरिमंगारा सोलसविहेहिं रयणेहिं उवसेभिया, तंजहा—रयणेहिं वयरेहिं वेरुलिएहिं जाव रिट्ठेहिं ॥ विजयस्स णं दारस्स उयि बहवे अट्ठट्ठमंगल्ला पणत्ता, तंजहा—सोत्थियसिखिच्छ जाव दप्पणा सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा । विजयस्स णं दारस्स उयि बहवे कण्हचामरज्झया जाव सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा । विजयस्स णं दारस्स उयि बहवे छत्ताइच्छत्ता तहेव ॥ १३३ ॥ से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—विजए दारे २१ गोयमा ! विजए णं दारे विजए णामं देवे महिड्ढिए महज्जुईए जाव महानुभाव्वे पलिओवमट्ठिईए परिवसइ, से णं तत्थ चउण्हं सामाणियसाहस्सीणं चउण्हं अगमहिशीणं सपरि-

वाराणं तिहं परिसाणं सत्तहं अणियाणं सत्तहं अणियाहिवईणं सोलसहं आय-
 रक्खदेवसाहस्सीणं विजयस्स णं दारस्स विजयाए रायहाणीए अण्णसिं च बहूणं
 विजयाए रायहाणीए वत्थव्वगाणं देवाणं देवीण य आहेवच्चं जाव दिव्वाइं भोग-
 भोगाइं भुंजमाणे विहरइ, से तेणद्धेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ-विजए दारे विजय दारे,
 अदुत्तरं च णं गोयमा ! विजयस्स णं दारस्स सासए णामधेजे पण्णत्ते जण्ण कयाइ
 (णासी ण कयाइ) णत्थि ण कयाइ ण भविस्सइ जाव अवट्ठिए णिच्चे विजए दारे
 ॥ १३४ ॥ कहिं णं भंते ! विजयस्स देवस्स विजया णाम रायहाणी पण्णत्ता !
 गोयमा ! विजयस्स णं दारस्स पुरत्थिमेणं तिरियमसंखेजे दीवसमुद्दे वीइवइत्ता
 अण्णमि जंबुद्वीपे दीवे वारस जोयणसहस्साइं ओगाहिता एत्थ णं विजयरस देवरस
 विजया णाम रायहाणी प०, वारस जोयणसहस्साइं आयामविकखंमेणं सत्ततीस-
 जोयणसहस्साइं णव य अड्याले जोयणसए किंचिविसेसाहिए परिकखेवेणं प० ॥ सा
 णं एगेणं पागारेणं सब्बओ समंता संपरिविखत्ता ॥ से णं पागारे सत्ततीसं जोय-
 णाइं अद्धजोयणं च उड्ढं उच्चत्तेणं मूले अद्धतेरसं जोयणाइं विकखंमेणं मज्झेत्थ
 सक्कोसाइं छजोयणाइं विकखंमेणं उग्धिं तिणिणं सद्धकोसाइं जोयणाइं विक्खंमेणं मूले
 विच्छिण्णे मज्झे संखित्ते उग्धिं तणुए बाहिं वट्ठे अंतो चउरंसं गोपुच्छसंठाणसंठिए
 सब्बकण्णगामए अच्छे जाव पडिरुवे ॥ से णं पागारे णाणाविहपंचदण्णेहिं क्विसी-
 सएहिं उवसेमिए, तंजहा-किण्हेहिं जाव मुक्खिलेहिं ॥ ते णं क्विसीसगा अद्धकोसं
 आयामेणं पंचधणुसयाइं विक्खंमेणं देसूणमद्धकोसं उड्ढं उच्चत्तेणं सब्बमणिमया
 अच्छा जाव पडिरुवा ॥ विजयाए णं रायहाणीए एगमेगाए बाहाए पणुवीसं पणुवीसं
 दारसयं भवतीति मक्खायं ॥ ते णं दारा बावट्ठिं जोयणाइं अद्धजोयणं च उड्ढं
 उच्चत्तेणं एकतीसं जोयणाइं कोसं च विक्खंमेणं तावइयं चेव पवेसेणं सेया वरकण्ण-
 भूमियामा ईडामिय० तहेव जहा विजए दारे जाव तवणिजवालयपत्थडा सुहफासा
 सस्सि(म)रीया सुरूवा पासाईया ४ । तेसिं णं दाराणं उभओ पासिं दुहओ णिसी-
 हियाए दो दो चंदणकलसपरिवाडीओ पण्णत्ताओ तहेव भाणियच्चं जाव वणमा-
 लाओ ॥ तेसिं णं दाराणं उभओ पासिं दुहओ णिसीहियाए दो दो पंगंठा पण्णत्ता,
 ते णं पंगंठा एकतीसं जोयणाइं कोसं च आयामविकखंमेणं पण्णरसं जोयणाइं
 अड्ढाइंजे कोसे वाहलेणं पण्णत्ता सब्बवइरामया अच्छा जाव पडिरुवा ॥ तेसिं णं
 पंगंठाणं उग्धिं पत्तेयं २ पासायवडिंसगा पण्णत्ता ॥ ते णं पासायवडिंसगा एव.तीसं

जोयणाई कोसं च उड्डं उच्चतेणं पण्णसस जोयणाई अड्डाईजे य कोसे आयाम-
 विक्खमेणं सेसं तं चेव जाव समुत्ताया णवरं बहुवयणं भाणियव्वं । विजयाए णं
 रायहाणीए एगमेगे दारे अट्टसयं चक्कज्झयाणं जाव अट्टसयं सेवणं चउविसाणाणं
 णागवरकेऊणं, एवामेव सपुव्वावरेणं विजयाए रायहाणीए एगमेगे दारे आसीयं २
 केउसहस्सं भवतीति मक्खवायं । विजयाए णं रायहाणीए एगमेगे दारे (तेसि णं
 दाराणं पुरओ) सत्तरस भोमा पण्णत्ता, तेसि णं भोमाणं (भूमिभागा) उट्टोया
 (य) पउमलया० भत्तिचित्ता ॥ तेसि णं भोमाणं बहुमज्झदेसभाए जे ते णवमणवभा
 भोमा तेसि णं भोमाणं बहुमज्झदेसभाए पत्तेयं पत्तेयं सीहासणा पण्णत्ता, सीहासण-
 वण्णओ जाव दामा जहा हेड्डा, एत्थ णं श्रवसेसेसु भोमेसु पत्तेयं २ महासणा
 पण्णत्ता । तेसि णं दाराणं उत्तिमंगा(उवरेमा)गारा सोलसविहेहिं रयणेहिं उयसोहिया
 तं चेव जाव छत्ताइछत्ता, एवामेव पुव्वावरेण विजयाए रायहाणीए पंच दारसया
 भवतीति मक्खवाया ॥१३५॥ विजयाए णं रायहाणीए चउहिंसिं पंचजोयणसयाई
 अग्राहाए एत्थ णं चत्तारि वणसंडा पण्णत्ता, तंजहा—असोगवणे सत्तवण्णवणे
 चंपगवणे चूयवणे, पुरत्थियेणं असोगवणे दाहिणेणं सत्तवण्णवपो पच्चत्थियेणं
 चंपगवणे उत्तरेणं चूयवणे ॥ ते णं वणसंडा साइरेगाई दुवालस जोयणसहस्साई
 आयामेणं पंच जोयणसयाई विक्खमेणं पण्णत्ता पत्तेयं पत्तेयं पागारपरिक्खत्ता
 किण्हा किण्होभासा वणसंडवण्णओ भाणियव्वो जाव बहवे वाणमंतरा देवा
 य देवीओ य आसयंति सयंति चिद्धंति णिसीयंति तुयदटंति रमंति ललंति
 कीलंति मोहंति पुरापोराणाणं सुचिण्णाणं सुपरिक्कंताणं सुभाणं कम्माणं कडाणं
 कल्लाणं फलवित्तिविसेसं पच्चणुभवमाणा विहरंति ॥ तेसि णं वणसंडाणं बहु-
 मज्झदेसभाए पत्तेयं पत्तेयं पासायवडिसगा पण्णत्ता, ते णं पासायवडिसगा
 वावट्ठिं जोयणाई अट्टजोयणं च उड्डं उच्चतेणं एकतीसं जोयणाईकोसं च आयाम-
 विक्खमेणं अब्भुमायमूसिया तहेव जाव अंतो बहुसमरमणिजा भूमिभागा पण्णत्ता
 उट्टोया पउम० भत्तिचित्ता भाणियव्वा, तेसि णं पासायवडिसगाणं बहुमज्झदेसभाए
 पत्तेयं पत्तेयं सीहासणा पण्णत्ता वण्णावासो सपरिवारा, तेसि णं पासायवडिसगाणं
 उप्पि बहवे अट्टमंगलगा झया छत्ताइछत्ता । तत्थ णं चत्तारि देवा महिड्डिया जाव
 पलिओवमट्ठियया परिवसंति, तंजहा—असोए सत्तवण्णे चंपए चूए ॥ तत्थ णं ते
 साणं साणं वणसंडाणं साणं साणं पासायवडिसयाणं साणं साणं सामाणियाणं साणं

साणं अग्गमहिंसीणं साणं साणं परिसाणं साणं साणं आयरवखदेवाणं आहेवच्चं
जाव विहरंति । विजयाए णं रायहाणीए अंतो बहुसमरमणिजे भूमिभागे पणत्ते
जाव पंचवण्णेहिं मणीहिं उवसोहिए तणसद्विहूणे जाव देवा य देवीओ य आसयंति
जाव विहरंति । तस्स णं बहुसमरमणिजस्स भूमिभागस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं
एगे महं उवयारियालयणे पणत्ते बारस जोयणसथाइं आयामविवक्खंमेणं तिण्णि
जोयणसहस्साइं सत्त य पंचाणउए जोयणसए विंचिविसेसाहिए परिकखेवेणं अद्वकोसं
वाह्लेणं सव्वजंबूणयामएणं अच्छे जाव पडिरूवे । से णं एगाए पउमवरवेइयाए
एगेणं वणसंडेणं सव्वओ समंता संपरिकिखते पउमवरवेइयाए वण्णओ वणसंड-
वण्णओ जाव विहरंति, से णं वणसंडे देसूणाइं दो जोयणाइं चक्खालविकखंमेणं
उवयारियालयणसमपरिकखेवेणं । तस्स णं उवयारियालयणस्स चउट्ठिसिं चत्तारि
तिसोवाणपडिरूवगा पणत्ता, वण्णओ, तेसि णं तिसोवाणपडिरूवगाणं पुरओ पत्तेयं
पत्तेयं तोरणा पणत्ता छत्ताइछत्ता । तस्स णं उवयारियालयणस्स उप्पि बहुसमर-
मणिजे भूमिभागे पणत्ते जाव मणीहिं उवसोमिए मणिवण्णओ, गंधरसफासो, तस्स
णं बहुसमरमणिजस्स भूमिभागस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं एगे महं मूलपासाय-
वडिसए पणत्ते, से णं पासायवडिसए वावट्ठिं जोयणाइं अद्वजोयणं च उट्ठं उच्चत्तेणं
एकतीसं जोयणाइं कोसं च आयामविवक्खंमेणं अब्भुगायमूसियप्पहसिए तहेव, तस्स
णं पासायवडिसगस्स अंतो बहुसमरमणिजे भूमिभागे पणत्ते जाव मणिफासे उल्लोए ।
तस्स णं बहुसमरमणिजस्स भूमिभागस्स बहुमज्झदेसभागे एत्थ णं एगा महं मणि-
पेटिया पणत्ता, सा य एसं जोयणमायामविवक्खंमेणं अद्वजोयणं वाह्लेणं सव्वमणि-
मई अच्छा सण्हा जाव पडिरूवा । तीसे णं मणिपेटियाए उवरिं एगे महं सीहासणे
पणत्ते, एवं सीहासणवण्णओ सपरिवारो, तस्स णं पासायवडिसगस्स उप्पि बहवे
अट्ठमंगलगा श्या छत्ताइछत्ता । से णं पासायवडिसए अण्णेहिं चउट्ठिं तददुच्चत्तप्प-
माणमेत्तेहिं पासायवडिसएहिं सव्वओ समंता संपरिकिखत्ते, ते णं पासायवडिसगा
एकतीसं जोयणाइं कोसं च उट्ठं उच्चत्तेणं अद्वसोलसजोयणाइं अद्वकोसं च आयाम-
विवक्खंमेणं अब्भुगाय० तहेव, तेसि णं पासायवडिसयाणं अंतो बहुसमरमणिजा
भूमिभागा उल्लोया ॥ तेसि णं बहुसमरमणिजाणं भूमिभागाणं बहुमज्झदेसभाए
पत्तेयं पत्तेयं सीहासणं पणत्तं, वण्णओ, तेसिं परिवारभूया बहुमज्झदेसभाए पत्तेयं २
भद्दासणा पणत्ता, तेसि णं अट्ठमंगलगा श्या छत्ताइछत्ता । ते णं पासायवडिसगा

अण्णेहिं चउहिं चउहिं तदद्धुच्चत्तप्पमाणमेत्तेहिं पासायवडेंसएहिं सव्वओ समंता
 संपरिक्खित्ता । ते णं पासायवडेंसगा अद्धसोलसजोयणाइं अद्धकोसं च उड्डं उच्च-
 त्तेणं देसूणाइं अद्ध जोयणाइं आयामविकल्हेमेणं अब्भुगाय० तथेव, तेसि णं पासाय-
 वडेंसगाणं अंतो बहुसमरमणिज्जा भूमिभागा उल्लोया, तेसि णं बहुसमरमणिजाणं
 भूमिभागाणं बहुमज्झदेसभाए पत्तेयं पत्तेयं पउमासणा पण्णत्ता, तेसि णं पासायाणं
 अद्धमंगलगा इया छत्ताइच्छता । ते णं पासायवडेंसगा अण्णेहिं चउहिं तदद्धु-
 च्चत्तप्पमाणमेत्तेहिं पासायवडेंसएहिं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ता । ते णं पासाय-
 वडेंसगा देसूणाइं अद्ध जोयणाइं उड्डं उच्चत्तेणं देसूणाइं चत्तारि जोयणाइं आयाम-
 विकल्हेमेणं अब्भुगाय० भूमिभागा उल्लोया भद्दासणाइं उवरिं मंगलगा इया छत्ताइ-
 छत्ता ॥ १३६ ॥ तस्स णं मूलपासायवडेंसगस्स उत्तरपुरत्थिमेणं एत्थ णं विजयस्स
 देवस्स सभा सुहम्मा पण्णत्ता अद्धतेरसजोयणाइं आयामेणं छ सक्कोसाइं जोयणाइं
 विकल्हेमेणं णव जोयणाइं उड्डं उच्चत्तेणं, अणेगखंभसयसंणिविट्ठा अब्भुगायसुकयवहर-
 वेइया तोरणवरइयसालमंजिया मुसिलिट्ठविसिद्धलट्ठसंठियपसत्थवेरुलियविमल्लंभा
 णाणामणिकणगरयणखइयउज्जल्लहुसममुविभत्तचित्त (णिचिय) रमणिज्जकुट्टिमत्तला
 ईहामियउसमतुरगणरमगरविहगवालाकिण्णररसरभच्चमरकुंजरवणलयपउमलयभत्ति-
 चित्ता थंभुगायवहरवेइयापरिगयामिरामा विजाहरजमल्लजुयलजंतुत्तुत्ताविह अत्तिच्चसह-
 स्समालणीया रुवगसहस्सकलिया भिसमाणी भिम्भिसमाणी चक्खुल्लोयणलेसा सुहफासा
 सस्सिरीयरूवा कंचणमणिरयणथूभियागा णाणाविहपंचवण्णधंटापडारापरिमंडियग्ग-
 सिहरा धवला मिरिइक्कयं विणिम्भुयंती लाउल्लोइयमहिया गोसीससरसत्तचंदण-
 दहरविण्णपंचंगुलितला उवचियचंदणकलसा चंदणघडसुकयतोरणपडिदुवारदेसभागा
 आसत्तोसत्तविउल्लवट्ठवत्थारियमल्लदामकलावा पंचवण्णसरससुरिमसुकपुप्फुजोवयार-
 कलिया कालागुरुपरकुंदुरुक्कतुरुक्कधूवमधमधंतंगंधुधुयाभिरामा सुगंधवरंगंधिया गंध-
 वट्टिभूया अच्छरगणसंधसंविक्किणा दिव्वतुडियमहुरसहसपणाइया सुरम्मा सव्वरयणा-
 मई अच्छा जाव पडिह्वा । तीसे णं सुहम्माए सभाए तिदिसिं तओ दारा पण्णत्ता
 तंजहा पुरत्थिमेणं दाहिणेणं उत्तरेणं । ते णं दारा पत्तेयं पत्तेयं दो दो जोयणाइं
 उड्डं उच्चत्तेणं एगं जोयणं विकल्हेमेणं तावइयं चेव पवेसेणं सेया वरक्कणगथूभियागा
 जाव वणमालादारवण्णओ ॥ तेसि णं दाराणं पुरओ मुहमंडवा पण्णत्ता, ते णं
 मुहमंडवा अद्धतेरसजोयणाइं आयामेणं छजोयणाइं सक्कोसाइं विकल्हेमेणं साइरेगाइं

दो जोयणाई उडुदं उच्चत्तेणं मुहमंडवा अणेगखंभसयसंणिविद्धा जाव उल्लोया भूमि-
भागवणओ ॥ तेसि णं मुहमंडवाणं उवरिं पत्तेयं पत्तेयं अट्ठमंगलगा पणत्ता
सोत्थिय जाव मच्छ० ॥ तेसि णं मुहमंडवाणं पुरओ पत्तेयं पत्तेयं पेच्छाघरमंडवा
पणत्ता, ते णं पेच्छाघरमंडवा अट्ठत्तेसजोयणाई आयामेणं जाव दो जोयणाई
उडुदं उच्चत्तेणं जाव मणिफासो ॥ तेसि णं बहुमज्झदेसभाए पत्तेयं पत्तेयं वइरामय-
अक्खाडगा पणत्ता, तेसि णं वइरामयाणं अक्खाडगाणं बहुमज्झदेसभाए पत्तेयं २
मणिपीढिया पणत्ता, ताओ णं मणिपीढियाओ जोयणमेणं आयामविकखंभेणं
अट्ठजोयणं बाहलेणं सव्वमणिमईओ अच्छाओ जाव पडिरूवाओ ॥ तासि णं मणि-
पीढियाणं उप्पि पत्तेयं पत्तेयं सीहासणा पणत्ता, सीहासणवणओ जाव दामा
परिवारो । तेसि णं पेच्छाघरमंडवाणं उप्पि अट्ठमंगलगा झया छत्ताइछत्ता ॥ तेसि
णं पेच्छाघरमंडवाणं पुरओ तिदिसिं तओ मणिपेढियाओ पणत्ताओ, ताओ णं
मणिपेढियाओ दो जोयणाई आयामविकखंभेणं, जोयणं बाहलेणं, सव्वमणिमईओ,
अच्छाओ जाव पडिरूवाओ ॥ तासि णं मणिपेढियाणं उप्पि पत्तेयं पत्तेयं चेइय-
थूभा पणत्ता, तेणं चेइयथूभा दो जोयणाई आयामविकखंभेणं, साइरेगाई दो
जोयणाई उडुदं उच्चत्तेणं सेया मंखंफुंददगरयामयमहियफेणपुंजसणिकासा, सव्व-
रवणामया अच्छ जाव पडिरूवा ॥ तेसि णं चेइयथूभाणं उप्पि अट्ठमंगलगा
यहुकिण्हचामरज्झया पणत्ता छत्ताइछत्ता ॥ तेसि णं चेइय थूभाणं चउत्तिसिं
पत्तेयं पत्तेयं चत्तारि मणिपेढियाओ प०; ताओ णं मणिपेढियाओ जोयणं आयाम-
विकखंभेणं अट्ठजोयणं बाहलेणं सव्वमणिमईओ ॥ तासि णं मणिपेढियाओ उप्पि
पत्तेयं पत्तेयं चत्तारि जिणपडिमाओ जिणुस्सह पमाणमेत्ताओ पलियंक्कि सणाओ
थूभाभिमूहीओ सण्णिविद्धाओ चिद्धंति, तंजहा—उसमा वट्ठमाणा चंदाणणा वारिसेणा ॥
तेसिणं चेइय थूभाणं पुरओ तिदिसिं पत्तेयं पत्तेयं मणिपेढियाओ पणत्ताओ, ताओ
णं मणिपेढियाओ दो दो जोयणाई आयामविकखंभेणं जोयणं बाहलेणं सव्वमणि-
मईओ अच्छाओ लण्हाओ सण्हाओ घट्ठाओ मट्ठाओ णिपंकाओ णिरयाओ जाव पडि-
रूवाओ ॥ तासि णं मणिपेढियाणं उप्पि पत्तेयं पत्तेयं चेइयरूक्खा पणत्ता; ते णं चेइय-
रूक्खा अट्ठ जोयणाई उडुदं उच्चत्तेणं अट्ठजोयणं उव्वेहेणं दो जोयणाई लंभी अट्ठजो-
यणं विकखंभेणं छजोयणाई विट्ठिमा बहुमज्झदेसभाए अट्ठजोयणाई आयामविकखंभेणं
साइरेगाई अट्ठजोयणाई सव्वग्गेणं पणत्ताइ ॥ तेसि णं चेइयरूक्खाणं अयमेयारूवे

वण्णावासे पणत्ते; तंजहा—यहरामया मूला रययसुपइड्डिया विडिमा रिट्टामय-
विपुल-कंदवेरुलियइइल्लवया, सुजाय स्व-पदमग-विसालसाली, णाणामणि-
रयण-विविह-साहण्णसाहवेरुलिय-पत्ततवणिजपत्तवैटा जंबूणयरत्तमउय-सुकुमाल-
पवाल-पल्लव-सोभंतवरंकुरग्गसिहरा विवित्त-मणिरयण-सुरभिकुसुमफलभरणमियसाला
सच्छाया सप्पमा समिरिया सउज्जोया अमयरससमरसफला अहियं, णयण-
मणणिवुइकरा, पासाईया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा ॥ ते णं चेइय-
रुक्खा अण्णेहिं बहूहिं तिलय-लवय-छत्तोवग-सिरीस-सत्तवण्ण-दहिवण्ण लोद्धध्व-चंदण-
णीवकुडयकयंवपणस-तालतमाल-पियालपिण्णुपारावयरायरुक्खणंदिरुक्खेहिं सव्वओ
समंता संपरिकिक्खात्ता ॥ ते णं तिलया जाव णंदिरुक्खा, मूलखंतो कंदमतो जाव
सुरम्मा ॥ ते णं तिलया जाय णंदिरुक्खा अण्णेहिं बहूहिं पउमलयाहिं जाव सामल-
याहिं सव्वओ समंता संपरिकिक्खात्ता, ताओ णं पउमलयाओ जाव सामलयाओ णिच्चं
कुसुमियाओ जाव पडिरूवाओ । तेसिणं चेइयरुक्खाणं उण्णिं बहवे अट्ठ-
मंगलगा झया छत्ताइछत्ता । तेसि णं चेइयरुक्खाणं पुरओ तिदिसिं तओ मणिपेडियाओ
प०, ताओ णं मणिपेडियाओ जोयणं आयामविकलंमेणं अद्धजोयणं बाहल्लेणं सव्व-
मणिमईओ अच्छाओ जाव पडिरूवाओ ॥ तासि णं मणिपेडियाणं उण्णिं पत्तेयं पत्तेयं
महिंदज्झया अट्ठट्टमाइं जोयणाइं उट्ठं उच्चत्तेणं अद्धकोसं उव्वेहेणं अद्धकोसं विकलं-
मेणं बहरामयवइल्लट्टसंठियसुसिलिद्धपरिघट्टमट्टसुपइड्डिया विसिट्ठा अणेगवरपंचवण्ण-
कुडमीसहस्सपरिमंडियाभिरामा बाउद्धुयविजयवेजयंतीपडागा छत्ताइछत्तकलिया
तुंगा गगणतलमभिल्लवमाणसिहरा पासाईया जाव पडिरूवा ॥ तेसि णं महिंदज्झयाणं
उण्णिं अट्ठट्टमंगलगा झया छत्ताइछत्ता । तेसि णं महिंदज्झयाणं पुरओ तिदिसिं तओ
णंदाओ पुक्खरिणीओ प० ताओ णं पुक्खरिणीओ अद्धतेरसजोयणाइं आयामेणं सक्को-
साइं छ जोयणाइं विकलंमेणं दसजोयणाइं उव्वेहेणं अच्छाओ सण्हाओ पुक्खरिणी-
वण्णओ पत्तेयं पत्तेयं पउमवरवेइयापरिकिक्खात्ताओ पत्तेयं पत्तेयं वणसंडपरिकिक्खात्ताओ
वण्णओ जाव पडिरूवाओ । तेसि णं पुक्खरिणीणं पत्तेयं २ तिदिसिं तिसोवाणपडिरू-
वगा प०, तेसि णं तिसोवाणपडिरूवगाणं वण्णओ, तोरणा भाणियव्वा जावं छत्ता-
इच्छत्ता । सभाए णं सुहम्माए छ मणोगुलियासाहस्सीओ पुण्णत्ताओ, तंजहा—
पुरत्थिमेणं दो साहस्सीओ पच्चत्थिमेणं दो साहस्सीओ दाहिणेणं एगसाहस्सी उच्च-
रेणं एगा साहस्सी, तासु णं मणोगुलियासु बहवे सुवण्णरूपामया फलगा पणत्ता,

तेसु णं सुवण्णरूपमएसु फल्लेसु बहवे वइरामया णागदंतगा पणत्ता, तेसु णं वइ-
रामएसु णागदंतएसु बहवे किण्हसुत्तवट्ठवग्यारियमल्लदामकलावा जाव सुक्खिसुत्त-
वट्ठवग्यारियमल्लदामकलावा, ते णं दामा तवणिजलंबूसगा जाव चिट्ठंति । सभाए
णं सुहम्माए छ गोमाणसीसाहस्सीओ पणत्ताओ तंजहा—पुरत्थिमेणं दो साहस्सीओ,
एवं पच्चत्थिमेणवि दाहिणेणं सहस्सं एवं उत्तरेणवि, तासु णं गोमाणसीसु बहवे सुवण्ण-
रूपमया फल्लगा प० जाव तेसु णं वइरामएसु णागदंतएसु बहवे रययामया सिक्कया
पणत्ता, तेसु णं रययामएसु सिक्कएसु ब० वेरलियामईओ धूवघडियाओ पणत्ताओ,
ताओ णं धूवघडियाओ कालागुरुपवरकुंदुरुक्कतुस्सुक्क जाव धाणमणिविबुद्धरेणं मंधेणं
सव्वओ समंता आपूरेमाणीओ चिट्ठंति । सभाए णं सुहम्माए अंतो बहुसमरमणिज्जे
भूमिभागे पणत्ते जाव मणीणं फासो उल्लोया पउमल्लभत्तिचित्ता जाव सव्वतवणि-
ज्जमए अच्छे जाव पडिरूवे ॥ १३७ ॥ तस्स णं बहुसमरमणिज्जस्स भूमिभागस्स
बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं एसा महं मणिपेडिया प०, सा णं मणिपेडिया दो
जोयणाइं आयामविकल्भेणं जोयणं वाहल्लेणं सव्वमणिमई जाव पडिरूवा ॥
तीसे णं मणिपेडियाए उप्पि एत्थ णं माणवए णामं चेइयत्वे पणत्ते अद्धदुमाइं
जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं अद्धकोसं उव्वेहेणं अद्धकोसं विकल्भेणं छकोडीए छल्लेसे
छविग्गहिए वइरामयवट्ठल्लसंठिए एवं जहा महिंदज्जवस्स वण्णओ जाव पासाईए ॥
तस्स णं माणवकस्स चेइयत्वेमस्स उवरिं छकोसे ओगाहिता हेट्ठा वि छकोसे बजेत्ता
मज्जे अद्धपंचमेसु जोयणेसु एत्थ णं बहवे सुवण्णरूपमया फल्लगा पणत्ता, तेसु णं
सुवण्णरूपमएसु फल्लएसु बहवे वइरामया णागदंता पणत्ता, तेसु णं वइरामएसु
णागदंतएसु बहवे रययामया सिक्कया पणत्ता ॥ तेसु णं रययामयसिक्कएसु बहवे
वइरामया गोलवट्ठसमुग्गका पणत्ता, तेसु णं वइरामएसुगोलवट्ठसमुग्गएसु बहवे
जिणसकहाओ सणिक्खित्ताओ चिट्ठंति, जाओ णं विजयस्स देवस्स अण्णेसिं च
बहूणं वाणमंतराणं देवाण य देवीण य अच्चणिज्जाओ वंदणिज्जाओ धूयणिज्जाओ
सक्कारणिज्जाओ सम्माणणिज्जाओ कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासणिज्जाओ ।
माणवस्स णं चेइयत्वेमस्स उवरिं अद्धमंगलगा झया छत्ताइछत्ता ॥ तस्स णं
माणवकस्स चेइयत्वेमस्स पुरच्छिमेणं एत्थ णं एसा महामणिपेडिया प०, सा णं
मणिपेडिया दो जोयणाइं आयामविकल्भेणं जोयणं वाहल्लेणं सव्वमणिमई जाव
पडिरूवा ॥ तीसे णं मणिपेडियाए उप्पि एत्थ णं एगे महं सीहासणे पणत्ते, सीहा-

सणवण्णओ ॥ तीसे णं विदिस्साए एत्थ णं एगा महं मणिपेदिस्सा प० जोयणं
 आयामविकल्हेमणं अद्दजोयणं वाहल्लेणं सव्वमणिमई अच्छा जाव पडिस्सा ॥ तीसे
 णं मणिपेदिस्साए उप्पि एत्थ णं एगे महं देवसयणिजे पण्णत्ते, तस्स णं देवसय-
 णिजस्स अयमेयाल्ले वण्णावासे पण्णत्ते, तंजहा--णाणामणिमया पडिपाया सोवण्णिवा
 पाया णाणामणिमया पायसीसा जेबूणयमयाइं गत्ताइं वइरामया संधी णाणामणिमए
 चिच्चे स्वयामया तूली लोहिक्खमया विव्वोयणा तवणिजमई गंडोवहाणिया,
 से णं देवसयणिजे उभओ विव्वोयणे दुहओ उण्णए मज्जेणयगंभीरे सालिगण-
 वट्ठिए गंगापुलिणवालुउद्दालसालिस्सा ओयवियक्खोमदुगुल्लपट्टपडिच्छायणे सुविरइ-
 यरयत्ताणे रत्तंसुयसंत्तुए सुरम्मे आईणगरूयबूरणवणीयतूलफासमउए पासाईए ४ ॥
 तस्स णं देवसयणिजस्स उत्तरपुरत्थिमेणं एत्थ णं महई एगा मणिपीदिस्सा पण्णत्ता
 जोयणमेणं आयामविकल्हेमणं अद्दजोयणं वाहल्लेणं सव्वमणिमई अच्छा जाव
 पडिस्सा ॥ तीसे णं मणिपीदिस्साए उप्पि एगे महं खुड्डुए महिंदज्जए पण्णत्ते
 अद्दट्टमाइं जोयणाइं उड्डं उच्चत्तेणं अद्दकोसं उव्वेहेणं अद्दकोसं विकल्हेमणं
 वेरुलियामयवट्टल्लसंठिए तहेव जाव मंगलमा झया छत्ताइछत्ता ॥ तस्स णं खुड्डु-
 महिंदज्जयस्स पच्चत्थिमेणं एत्थ णं विजयस्स देवस्स चुप्पालए णाम पहरण-
 कोसे पण्णत्ते ॥ तत्थ णं विजयस्स देवस्स फलिहरयणपामोवत्ता बह्वे पहरण-
 रयणा संणिक्खित्ता चिट्ठंति, उज्जलसुणिसियसुतिवस्वधारा पासाईया ४ ॥ तीसे
 णं सभाए सुहम्माए उप्पि बह्वे अद्दट्टमंगलमा झया छत्ताइछत्ता ॥ १३८ ॥
 सभाए णं सुहम्माए उत्तरपुरत्थिमेणं एत्थ णं एगे महं सिद्धायतणे पण्णत्ते अद्द-
 तेस्स जोयणाइं आयामेणं छ जोयणाइं सकोसाइं विकल्हेमणं णवजोयणाइं उड्डं
 उच्चत्तेणं जाव गोमाणसिया वत्तव्वया जा चेव सभाए सुहम्माए वत्तव्वया सा चेव
 णिरवत्तेसा भाणियव्वा तहेव दारा मुहमंडवा पेच्छाघरमंडवा झया थूभा चेइयस्वत्ता
 महिंदज्जया णंदाओ पुक्खरिणीओ, तओ य सुहम्माए जहा पमाणं मणसुलियाणं
 गोमाणसिया धूवययडिओ तहेव भूमिभागे उल्लोए य जाव मणिफासे ॥ तस्स णं
 सिद्धायतणस्स बहुमज्जदेसभाए एत्थ णं एगा महं मणिपेदिस्सा पण्णत्ता दो जोय-
 णाइं आयामविकल्हेमणं जोयणं वाहल्लेणं सव्वमणिमई अच्छा०, तीसे णं मणिपेदि-
 स्साए उप्पि एत्थ णं एगे महं देवच्छंदए पण्णत्ते दो जोयणाइं आयामविकल्हेमणं
 साइरेसाइं दो जोयणाइं उड्डं उच्चत्तेणं सव्वरयणामए अच्छे ॥ तत्थ णं देवच्छंदए

अट्टसयं जिणपडिमाणं जिणुस्सेहप्पमाणमेत्ताणं सण्णिक्खित्तं चिट्ठइ ॥ तासि णं जिण-
पडिमाणं अयमेयारूवे वण्णात्तासे पण्णत्ते, तंजहा-तदणिज्जमया हत्थत्थला अंकाम-
याइं णक्खाइं अंतोलोहियक्खपरिसेयाइं कणगामया पादा कणगामया गोष्ठा कण-
गामईओ जंथाओ कणगामया जाणू कणगामया उरू कणगामयाओ गायलट्ठीओ
तवणिज्जमईओ णामीओ रिट्ठामईओ रोमराईओ तवणिज्जमया चुच्चुया तवणिज्ज-
मया सिरिवच्छा कणगमयाओ बाहाओ कणगमईओ पासाओ कणगमईओ गीवाओ
रिट्ठामए मंसु सिलप्पवाल्लमया उट्ठा फल्लिहामया दंता तवणिज्जमईओ जीहाओ
तवणिज्जमया ताळुया कणगमईओ णासाओ, अंतोलोहियक्खपरिसेयाओ अंकाम-
याइं अच्छीणि अंतोलोहियक्खपरिसेयाइं पुलगमईओ दिट्ठीओ रिट्ठामईओ तार-
गाओ रिट्ठामयाइं अच्छिपत्ताइं रिट्ठामईओ भमुहाओ कणगामया कवोला कणगा-
मया सवणा कणगामया णिडाला वट्ठा वइरामईओ सीसधट्ठिओ तवणिज्जमईओ
केसंतकेसभूमीओ रिट्ठामया उवरिमुद्धजा । तासि णं जिणपडिमाणं पिट्ठओ पत्तेयं
पत्तेयं छत्तधारपडिमाओ पण्णत्ताओ, ताओ णं छत्तधारपडिमाओ हिमरययकुंदे-
दुसप्पगासाइं सकोरेटमल्लदामध्वलाइं आतपत्ताइं सलीलं ओहारमाणीओ चिट्ठंति ॥
तासि णं जिणपडिमाणं उभओ पासि पत्तेयं पत्तेयं चामरधारपडिमाओ पण्णत्ताओ,
ताओ णं चामरधारपडिमाओ चंदप्पहवइरवेरुलियणाणामणिक्कणगरयणविमल्लमह-
रिहतवणिज्जुज्जलवित्तिदंदाओ चिल्लियाओ संलंक्कुंददगरयअमयमहितफेणपुंज-
सणिग्गासाओ सुहुमरययदेहवालाओ ध्वलाओ चामराओ सलीलं ओहारमाणीओ
चिट्ठंति ॥ तासि णं जिणपडिमाणं पुरओ दो दो णागपडिमाओ दो दो जक्ख-
पडिमाओ दो दो भूतपडिमाओ दो दो कुंडधारपडिमाओ विणओणयाओ पायव-
डियाओ पंजलिउडाओ सण्णिक्खित्ताओ चिट्ठंति सव्वरयणामईओ अच्छाओ
सण्हाओ लण्हाओ घट्ठाओ मट्ठाओ णीरयाओ णिष्पंकाओ जाव पडिस्वाओ ॥
तासि णं जिणपडिमाणं पुरओ अट्टसयं घंटाणं अट्टसयं चंदणकलसाणं एवं अट्टसयं
भिगारागाणं एवं आर्यसगाणं थालाणं पाईणं सुपइट्ठणं मणगुलियाणं वायकरागाणं
चित्ताणं रयणकरंडगाणं हयकंठगाणं जाव उसभकंठगाणं पुष्पचंघेरीणं जाव लोम-
हत्थचंघेरीणं पुष्पपडलगाणं अट्टसयं तेलसमुग्गाणं जाव धूवक्कुच्चुयाणं सण्णि-
क्खित्तं चिट्ठइ ॥ तस्स णं सिद्धायतणस्स णं उरिं बहवे अट्ठ मंगलगा झया छत्ताइ-
छत्ता उत्तिमार्गारा सोलसविहेहिं रयणेहिं उवसोभिया तं जहा-रयणेहिं जाव

रिद्धेहि ॥ १३९ ॥ तस्स णं सिद्धायतणस्स णं उत्तरपुरत्थिमेणं एत्थ णं एगा महं उववायसभा पण्णत्ता जहा सुहम्मा तहेव जाव गोमाणसीओ उववायसभाए वि दारा मुहमंडवा सव्वं भूमिभागे तहेव जाव मणिफासो (सुहम्मासभावत्तव्वया भाणियव्वा जाव भूमिए फासो) ॥ तस्स णं बहुसममरणिजस्स भूमिभागस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं एगा महं मणिपेटिया पण्णत्ता जोयणं आयामविकल्हेमेणं अद्दजोयणं बाह-
 लेणं सव्वमणिमई अच्छा जाव पडिरूवा, तीसे णं मणिपेटियाए उय्यि एत्थ णं एगे महं देवसयणिजे पण्णत्ते, तस्स णं देवसयणिजस्स वण्णओ, उववायसभाए णं उय्यि अद्दुद्धमंगल्ला झया छत्ताइछत्ता जाव उत्तिमागारा, तीसे णं उववायसभाए उत्तर-
 पुरत्थिमेणं एत्थ णं एगे महं हरए पण्णत्ते, से णं हरए अद्दतेरसजोयणाइं आयामेणं छकोसाइं जोयणाइं विक्खंमेणं दस जोयणाइं उव्वेहेणं अच्छे सण्हे वण्णओ जहेव णंदाणं पुक्खेरिणीणं जाव तोरणवण्णओ, तस्स णं हरयस्स उत्तरपुरत्थिमेणं एत्थ णं एगा महं अभिसेयसभा पण्णत्ता जहा सभा सुहम्मा तं चेव गिरवसेसं जाव गोमाणसीओ भूमिभाए उल्लोए तहेव ॥ तस्स णं बहुसममरणिजस्स भूमिभागस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं एगा महं मणिपेटिया पण्णत्ता जोयणं आयामविकल्हेमेणं अद्दजोयणं बाह-
 लेणं सव्वमणिमया अच्छा ० ॥ तीसे णं मणिपेटियाए उय्यि एत्थ णं एगे महं सीहासणे पण्णत्ते, सीहासणवण्णओ अपरिवारो ॥ तत्थ णं विजयस्स देवस्स सुवहु अभिसेक्के भंडे संणिक्खित्ते चिट्ठइ, अभिसेयसभाए उय्यि अद्दुद्धमंगल्ला जाव उत्ति-
 मागारा सोलसविहेहि रयणेहि (उव्वसोभिया), तीसे णं अभिसेयसभाए उत्तरपुरत्थि-
 मेणं एत्थ णं एगा महं अलंकारियसभा पण्णत्ता अभिसेयसभावत्तव्वया भाणियव्वा जाव गोमाणसीओ मणिपेटियाओ जहा अभिसेयसभाए उय्यि सीहासणं (स) अपरि-
 वारं ॥ तत्थ णं विजयस्स देवस्स सुवहु अलंकारिए भंडे संणिक्खित्ते चिट्ठइ, अलं-
 कारिय ० उय्यि मंगल्ला झया जाव (छत्ताइछत्ता) उत्तिमागारा ॥ तीसे णं अलं-
 कारियसहाए उत्तरपुरत्थिमेणं एत्थ णं एगा महं ववसायसभा पण्णत्ता, अभिसेय-
 सभावत्तव्वया जाव सीहासणं अपरिवारं ॥ त(ए)त्थ णं विजयस्स देवस्स एगे महं पोत्थययणे संणिक्खित्ते चिट्ठइ, तस्स णं पोत्थययणस्स अयमेयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते, तेज्जहा-रिट्ठामईओ कंबियाओ [रययामयाइं पत्तागाइं] तवणिजमए दोरे णाणामणिमए गंठी (अंकमयाइं पत्ताइं) वेरुलियमए लिप्पासणे तन्नणिजमई संकल्ला रिट्ठामए छावणे रिट्ठामया मली वहरामई लेहणी रिट्ठामयाइं अक्खराइं धम्मिए

सथे ववसायसभाए णं उण्णिं अट्ठमंगल्ला इया छत्ताइत्ता उत्तिमागारेइ ।
 तीसे णं ववसायसभाए उत्तरपुरस्थिमेणं एगे महं बलिपेढे पण्णत्ते दो जोयणाइं
 आयामविकसंभेणं जोयणं बाह्लेणं सव्वरययामए अच्छे जाव पडिरूवे ॥ एत्थ
 णं तस्स णं बलिपेढस्स उत्तरपुरस्थिमेणं एगा महं णंदापुक्खरिणी पण्णत्ता जं चेव
 पमाणं हरयस्स तं चेव सव्वं ॥ १४० ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं विजए देवे
 विजयाए रायहाणीए उववायसभाए देवसयणिजंसि देवदूसंतरीए अंगुलस्स
 असंखेज्झभागमेत्तीए बोदीए विजयदेवत्ताए उववण्णे ॥ तए णं से विजए देवे
 अट्ठणोववण्णमेत्ताए चेव समाणे पंचविहाए पज्जत्तीए पज्जत्तीभावं गच्छइ, तंजहा-
 आहारपज्जत्तीए सरीरपज्जत्तीए इंदियपज्जत्तीए आणापाणुपज्जत्तीए भासामणपज्जत्तीए ॥
 तए णं तस्स विजयस्स देवस्स पंचविहाए पज्जत्तीए पज्जत्तीभावं गयस्स इमे एया-
 रूवे अज्झत्थिए चित्तिए पत्थिए मणोगए संकप्पे समुप्पज्जित्था-किं मे पुब्बं सेयं
 किं मे पच्छा सेयं किं मे पुत्वि करणिजं किं मे पच्छा करणिजं किं मे पुत्वि
 वा पच्छा वा हियाए सुहाए खेमाए णिस्सेसयाए अणुगामियत्ताए भविस्सइ तिकद्दु
 एवं संपेहेइ ॥ तएणं तस्स विजयस्स देवस्स सामाणियपरिसोववण्णगा देवा विजयस्स
 देवस्स इमं एयारूवे अज्झत्थियं चित्थियं पत्थियं मणोगयं संकप्पं समुप्पण्णं जाणित्ता
 जेणामेव से विजय देवे तेणामेव उवागच्छंति तेणामेव उवागच्छित्ता विजयं देवं
 करयलपरिगहियं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कद्दु जएणं विजएणं वद्धावैति
 जएणं विजएणं वद्धावेत्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पियाणं विजयाए रायहा-
 णीए सिद्धायतणंसि अट्ठसयं जिणपडिमाणं जिणुस्सेहपमाणमेत्ताणं संणिविस्सत्तं चिट्ठइ
 सभाए य सुहम्माए माणवए चेइयखंमे वइरमएसु गोलवट्ठसमुगाएसु बहूओ जिण-
 सकहाओ सण्णिविस्सत्ताओ चिट्ठंति जाओ णं देवाणुप्पियाणं अण्णेसिं च बहूणं
 विजयरायहाणिवत्थव्वाणं देवाणं देवीणं य अच्चणिजाओ यंदणिजाओ पूयणिजाओ
 सक्कारणिजाओ सम्माणणिजाओ कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासणिजाओ
 एयण्णं देवाणुप्पियाणं पुत्थिपि सेयं एयण्णं देवाणुप्पियाणं पच्छावि सेयं एयण्णं
 देवा० पुत्थि करणिजं पच्छा करणिजं एयण्णं देवा० पुत्थि वा पच्छा वा जाव
 अणुगामियत्ताए भविस्सइ ति कद्दु महया महया जय (जय) सहं पउंजंति ॥
 तएणं से विजए देवे तेसिं सामाणियपरिसोववण्णगाणं देवाणं अंतिए एयमट्ठं
 सोच्चा णिसम्म हट्ठुट्ठ जाव हियाए (तए णं से विजए देवे) देवसयणिजाओ अब्भु-

हेइ २ ता दिव्वं देवदूसजुयलं परिहेइ २ ता देवसयणिजाओ पच्चोरुहइ २ ता उवागसभाओ पुरत्थिमेणं दारेणं णिग्गच्छइ २ ता जेणेव हरए तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता हरयं अणुपयाहिणं करेमाणे करमाणे पुरत्थिमेणं तोरणेणं अणुष्वविसइ २ ता पुरत्थिमिल्लेणं तिसोवाणपडिरूवणं पच्चोरुहइ २ ता हरयं ओगाहइ २ ता जलावगाहणं करेइ २ ता जलमज्जणं करेइ २ ता जलकिड्डं करेइ २ ता आयते चोक्खे परमसुइभूए हरयाओ पच्चुत्तरइ २ ता जेणामेव अभिसेयसभा तेणामेव उवागच्छइ २ ता अभिसेयसमं अणुपयाहिणं करेमाणे पुरत्थिमिल्लेणं दारेणं अणुपविसइ २ ता जेणेव सए सीहासणे तेणेव उवागच्छइ २ ता सीहासणवरगए पुरच्छाभिमुहे सणिसण्णे ॥ ताए णं तस्स विजयस्स देवस्स सामाणियपरिसोववण्णगा देवा आमिओगिए देवे सदावेति २ ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! विजयस्स देवस्स महत्थं महम्मं महरिहं विउलं इंदामिसेयं उवट्ठवेइ ॥ ताए णं ते आमिओगिया देवा सामाणियपरिसोववण्णेहिं एवं वुत्ता समाणा हट्ठुट्ठ जाव हियया करयलपरिग्गहियं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्ठु एवं देवा तहत्ति आणाए विणएणं वयणं पडिसुणंति २ ता उत्तसपुरत्थिमं दिसीभागं अवक्कमंति २ ता वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणंति २ ता संखेजाइं जोयणाइं दंडं गिसरंति तं-रयणाणं जाव रिट्ठणं, अहावायरे पोमाले परिसाडंति २ ता अहासहुमं पोमाले परियायंति २ ता दोच्चपि वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणंति २ ता अट्ठसहस्सं सोवणिण्याणं कलसाणं अट्ठसहस्सं रुप्यामयाणं कलसाणं अट्ठसहस्सं मणिमयाणं अट्ठसहस्सं सुवण्णरुप्यामयाणं अट्ठसहस्सं सुवण्णमणिमयाणं अट्ठसहस्सं रुप्यामणिमयाणं अट्ठसहस्सं भोमेजाणं अट्ठसहस्सं भिंगारणाणं एवं आयसगाणं थालाणं पाईणं सुपइट्ठगाणं चित्ताणं रयणक-रंडगाणं पुप्फचंगेरीणं जाव लोमहत्थचंगेरीणं पुप्फपडलगाणं जाव लोमहत्थपापडलगाणं अट्ठसयं सीहासणाणं छत्ताणं चामराणं अवपडगाणं बट्ठगाणं तवसिप्पाणं खोरगाणं पीण्णाणं तेह्लसमुग्घायाणं अट्ठसयं धूवकडुच्छुयाणं विउव्वंति ते सामाविए विउव्विए य कलसे य जाव धूवकडुच्छए य गेण्हंति गेण्हित्ता विजयाओ रायहाणीओ पडिणिक्खमंति २ ता ताए उक्किट्ठाए जाव उद्धुयाए दिव्वाए देवगईए तिरियम-संखेजाणं दीवसमुद्दाणं मज्झमज्झेणं वीईवयमाणा २ जेणेव खीरोए समुद्दे तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवागच्छित्ता खीरोदगं गिण्हंति गिण्हित्ता जाइं तत्थ उप्पलाइं जाव सयसहस्सपत्ताइं ताइं गिण्हंति २ ता जेणेव पुक्खरोदे समुद्दे तेणेव उवा-

गच्छति २ चा पुक्खरोदगं गेण्हति पुक्खरोदगं गिण्हिता जाइं तत्थ उप्पलाइं जाव सयसहस्सपत्ताइं ताइं गिण्हति २ चा जेणेव समयस्वेत्ते जेणेव भरहेरवयाइं वासाइं जेणेव मागहवरदामपभासाइं तित्थाइं तेणेव उवागच्छति तेणेव उवागच्छिता तित्थोदगं गिण्हति २ चा तित्थमट्ठियं गेण्हति २ चा जेणेव गंगासिंधुरस्तारत-
वईसल्लिा तेणेव उवागच्छति २ चा सरिओदगं गेण्हति २ चा उभओ तडमट्ठियं गेण्हति गेण्हिता जेणेव चुल्लहिमवंतसिहरिवासहरपव्वया तेणेव उवागच्छति तेणेव उवागच्छिता सव्वतुवरे य सव्वपुप्फे य सव्वगंधे य सव्वमल्ले य सव्वोसहिसिद्धत्थए य गिण्हति सव्वोसहिसिद्धत्थए गिण्हिता जेणेव पउमदहपुंडरीयदहा तेणेव उवा-
गच्छति तेणेव उवागच्छिता दहोदगं गेण्हति २ चा जाइं तत्थ उप्पलाइं जाव सयसहस्सपत्ताइं ताइं गेण्हति ताइं गिण्हिता जेणेव हेमवयहेरणवयाइं वासाइं जेणेव रोहिरोहिवंसमुवण्णकूलरूपकूलाओ तेणेव उवागच्छति २ चा सलिलोदगं गेण्हति २ चा उभओ तडमट्ठियं गिण्हति गेण्हिता जेणेव सद्वावाइमालवंतपरियागा वट्टवे-
यड्डपव्वया तेणेव उवागच्छति तेणेव उवागच्छिता सव्वतुवरे य जाव सव्वोसहि-
सिद्धत्थए य गेण्हति सव्वोसहिसिद्धत्थए गेण्हिता जेणेव महाहिमवंतसपिवासहर-
पव्वया तेणेव उवागच्छति तेणेव उवागच्छिता सव्वपुप्फे तं चेव जेणेव महापउमद-
हमहापुंडरीयदहा तेणेव उवागच्छति तेणेव उवागच्छिता जाइं तत्थ उप्पलाइं तं चेव जेणेव हरिवासे रम्मावासेति जेणेव हरकांतहरिकंतणरकंतणारिकंताओ सल्लिाओ तेणेव उवागच्छति तेणेव उवागच्छिता सलिलोदगं गेण्हति सलिलोदगं गेण्हिता जेणेव विउवावइगंधावइवट्टवेयड्डपव्वया तेणेव उवागच्छति २ चा सव्वपुप्फे य तं चेव जेणेव णिसहणीलवंतवासहरपव्वया तेणेव उवागच्छति तेणेव उवागच्छिता सव्वतुवरे य तहेव जेणेव तिगिच्छिदहकेसरिदहा तेणेव उवागच्छति २ चा जाइं तत्थ उप्पलाइं तं चेव जेणेव पुक्खविदेहावरविदेहवासाइं जेणेव सीयासीओयाओ महाणईओ जहा णईओ जेणेव सव्वचक्कवट्ठिविजया जेणेव सव्वमागहवरदामपभासाइं तित्थाइं तहेव जहेव जेणेव सव्वक्खारपव्वया सव्वतुवरे य जेणेव सव्वतरणइओ सलिलोदगं गेण्हति २ चा तं चेव जेणेव मंदरे पव्वए जेणेव भद्दसालवणे तेणेव उवागच्छति सव्वतुवरे य जाव सव्वोसहिसिद्धत्थए य गिण्हति २ चा जेणेव णंदणवणे तेणेव उवागच्छति २ चा सव्वतुवरे जाव सव्वोसहिसिद्धत्थे य सरसं च गोसीसचंदणं गिण्हति २ चा जेणेव सोमणसवणे तेणेव उवागच्छति तेणेव उवागच्छिता सव्वतुवरे

य जाव सव्वोसहिसिद्धत्थए य सरसगोसीसचंदणं दिव्वं च सुमणदामं गेण्हंति
 गेण्हत्ता जेणेव पंडगवणे तेणामेव समुवागच्छंति तेणेव समुवागच्छित्ता सव्वतुवरे
 जाव सव्वोसहिसिद्धत्थए य सरसं च गोसीसचंदणं दिव्वं च सुमणोदामं दहरयमलय-
 सुगंधिए य गंधे गेण्हंति २ ता एगओ मिलंति २ ता जंबुद्वीवस्स पुरत्थिमिल्लेणं
 दारेणं गिग्गच्छंति पुरत्थिमिल्लेणं दारेणं गिग्गच्छित्ता ताए उक्किट्ठाए जाव दिव्वाए
 देवगईए तिरियमसंखेज्जाणं दीवसमुद्दाणं मज्झमज्झेणं वीइवयमाणा २ जेणेव विजया
 रायहाणी तेणेव उवागच्छंति २ ता विजयं रायहाणि अणुप्पयाहिणं करेमाणा २
 जेणेव अभिसेयसभा जेणेव विजए देवे तेणेव उवागच्छंति २ ता करयलपरिग्गहियं
 सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्ठुजएणं विजएणं वद्धवेंति विजयस्स देवस्स तं महत्थं
 महत्थं महरिहं विउलं अभिसेयं उवट्ठवेंति ॥ ताए णं तं विजयदेवं चत्तारि सामा-
 णियसाहस्सीओ चत्तारि अग्गमहिसीओ सपरिवाराओ तिण्णि परिसाओ सत्त अनिया
 सत्त अनियाहिबई सोलस आयरक्खदेवसाहस्सीओ अण्णे य बहवे विजयरायहाणि
 वत्थव्वगा वाणमंतरा देवा य देवीओ य तेहिं सामाविएहिं उत्तरवेउव्विएहि य
 वरकमलपइट्ठणेहिं सुरभिवरवारिपडिपुण्णेहिं चंदणकयचच्चाएहिं आविद्धकंठेणुणेहिं
 पउमुप्पलपिहाणेहिं करयलसुकुमालकोमलपरिग्गहिएहिं अट्ठसहस्साणं सोवणियाणं
 कलसाणं रूपमयाणं जाव अट्ठसहस्साणं भोमेज्जाणं कलसाणं सव्वोदएहिं सव्वमट्ठि-
 याहिं सव्वतुवरेहिं सव्वपुप्फेहिं जाव सव्वोसहिसिद्धत्थएहिं सव्विड्डीए सव्वजुईए
 सव्वबलेणं सव्वसमुदएणं सव्वायरेणं सव्वविभूईए सव्वविभूसाए सव्वसंभमेणं
 सव्वोरोहेणं सव्वणाडएहिं सव्वपुप्फांधमहालंकारविभूसाए सव्वदिव्वतुडियणिणाएणं
 महया इड्डीए महया जुईए महया बलेणं महया समुदएणं महया तुरियजमगसमग-
 पडुप्पवाइयरवेणं संखपण्णवपडहमेरिझल्लरिखसुहिसुरवमुयंगदुंदुहिहुडुक्कणिघोससंणि-
 णाइयरवेणं महया महया इंदामिसेएणं अभिसिंचति ॥ ताए णं तस्स विजयस्स
 देवस्स महया महया इंदामिसेयंसि वट्ठमाणंसि अप्पेगइया देवा णच्चोदगं णाइमिट्ठयं
 पविरलपण्फुसियं दिव्वं सुरभि रयरेणुविणासणं गंधोदगवासं वासंति, अप्पेगइया देवा
 णिहयरयं णट्ठरयं भट्ठरयं पसंतरयं उवसंतरयं करेंति, अप्पेगइया देवा विजयं
 रायहाणि सज्झितस्वाहिरियं आसियसम्मज्जिओवलित्तं सित्तसुइसम्मट्ठरत्थंतरावण-
 वीहियं करेंति, अप्पेगइया देवा विजयं रायहाणि मंचाइमैचकलियं करेंति, अप्पे-
 गइया देवा विजयं रायहाणि णाणाविहरागरंजियऊसियजयविजयवेजयंतीपडागाइ-

पडागमंडियं करैति, अप्पेगइया देवा विजयं रायहाणिं लाउल्लोइयमहियं करैति, अप्पेगइया देवा विजयं रा० गोसीससरसरत्तचंदणदहरदिणपंचं गुलितलं करैति, अप्पेगइया देवा विजयं० उवचियचंदणकलसं चंदणवडसुकयतोरणपडिदुवारदेसभाणं करैति, अप्पेगइया देवा विजयं० आसत्तोसत्तविउलवडवम्भारियमल्लदामकलावं करैति, अप्पेगइया देवा विजयं रायहाणिं पंचवणसरससुरमिमुक्कपुप्फपुंजोवयारकलियं करैति, अप्पेगइया देवा विजयं० कालागुरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्कधूवडज्जंतमघमघेतगंधुदधुयाभिरामं मुगंधवरगंधियं गंधवट्टिभूयं करैति, अप्पेगइया देवा हिरण्णवासं वासंति, अप्पेगइया देवा सुवण्णवासं वासंति, अप्पेगइया देवा एवं रयणवासं वडरवासं पुप्फवासं मल्लवासं गंधवासं चुण्णवासं वत्थवासं आहरणवासं, अप्पेगइया देवा हिरण्णविहिं भाइंति, एवं सुवण्णविहिं रयणविहिं वडरविहिं पुप्फविहिं मल्लविहिं चुण्णविहिं गंधविहिं वत्थविहिं आभरणविहिं भाइंति ॥ अप्पेगइया देवा दुयं णट्टविहिं उवदंसेंति अप्पेगइया देवा विलंबियं णट्टविहिं उवदंसेंति अप्पेगइया देवा दुयविलंबियं णाम णट्टविहिं उवदंसेंति अप्पेगइया देवा अंचियं णट्टविहिं उवदंसेंति अप्पेगइया देवा रिभियं णट्टविहिं उवदंसेंति अ० अंचियरिभियं णाम दिव्वं णट्टविहिं उवदंसेंति अप्पेगइया देवा आरभडं णट्टविहिं उवदंसेंति अप्पेगइया देवा भसोलं णट्टविहिं उवदंसेंति अप्पेगइया देवा आरभडभसोलं णाम दिव्वं णट्टविहिं उवदंसेंति अप्पेगइया देवा उप्पायणिवायपवुत्तं संकुचियपसारियं रियारियं भंतसंभंतं णाम दिव्वं णट्टविहिं उवदंसेंति, अप्पेगइया देवा चउत्विहं वाइयं वार्इति, तंजहा—ततं विततं घणं झुसिरं, अप्पेगइया देवा चउत्विहं गेयं गायंति, तंजहा—उत्तिस्सत्तयं पवत्तयं मंदायं रोइयावसाणं, अप्पेगइया देवा चउत्विहं अभिणयं अभिणयंति, तंजहा—दिट्ठितियं पाडंतियं सामंतोवणिवाइयं लोगमज्झावसाणियं, अप्पेगइया देवा पीणंति, अप्पेगइया देवा बुक्कंरैति, अप्पेगइया देवा तंडवेंति, अप्पे० लासंति, अप्पेगइया देवा पीणंति बुक्कंरैति तंडवेंति लासंति, अप्पेगइया देवा बुक्कंरैति, अप्पेगइया देवा अफ्फोडंति, अप्पेगइया देवा वग्गंति, अप्पेगइया देवा तिवइं छिंदंति, अप्पेगइया देवा अफ्फोडेंति वग्गंति तिवइं छिंदंति, अप्पेगइया देवा हयहेसियं करैति, अप्पेगइया देवा हत्थिगुल्लगुलाइयं करैति, अप्पेगइया देवा रहणवण्णाइयं करैति, अप्पेगइया देवा हयहेसियं करैति हत्थिगुल्लगुलाइयं करैति रहणवण्णाइयं करैति, अप्पेगइया देवा उच्छोलेंति, अप्पेगइया देवा पच्छोलेंति, (अप्पेगइया देवा उक्किट्ठि करैति) अप्पे-

गइया देवा उक्किट्ठीओ करेति, अप्पेगइया देवा उच्छोलैति पच्छोलैति उक्किट्ठीओ करेति, अप्पेगइया देवा सीहणायं करेति, अप्पेगइया देवा पायदइयं करेति, अप्पेगइया देवा भूमिच्चवेडं दलयंति, अप्पेगइया देवा सीहणायं पायदइयं भूमिच्चवेडं दलयंति, अप्पेगइया देवा हक्कारेति, अप्पेगइया देवा पुक्कारेति, अप्पेगइया देवा थक्कारेति, अप्पे० पुक्कारेति, अप्पेगइया देवा णामाइं सार्वेति, अप्पेगइया देवा हक्कारेति पुक्कारेति थक्कारेति पुक्कारेति णामाइं सार्वेति, अप्पेगइया देवा उप्पयंति, अप्पेगइया देवा णिवयंति, अप्पेगइया देवा परिवयंति, अप्पेगइया देवा उप्पयंति, णिवयंति परिवयंति, अप्पेगइया देवा जलैति, अप्पेगइया देवा तवंति, अप्पेगइया देवा पतवंति, अप्पेगइया देवा जलंति तवंति पतवंति, अप्पेगइया देवा गज्जेति, अप्पेगइया देवा विज्जुयायंति, अप्पेगइया देवा वासंति, अप्पेगइया देवा गज्जेति विज्जुयायंति वासंति, अप्पेगइया देवा देवसण्णियायं करेति, अप्पेगइया देवा देवुकलियं करेति, अप्पेगइया देवा देवकहकहं करेति, अप्पेगइया देवा देवहुहदुहं करेति, अप्पेगइया देवा देवसण्णियायं देवउकलियं देवकहकहं देवहुहदुहं करेति, अप्पेगइया देवा देवुज्जोयं करेति, अप्पेगइया देवा विज्जुयारं करेति, अप्पेगइया देवा चेळुवखेवं करेति, अप्पेगइया देवा देवुज्जोयं विज्जुयारं चेळुवखेवं करेति, अप्पेगइया देवा उप्पलहत्थगया जाव सहस्सपत्त० घंटाहत्थगया कलसहत्थगया जाव धूयकहुच्छुहत्थगया हट्टुट्ट जाव हरिसवसविसप्पमाणहियया विजयाए रायहाणीए सव्वओ समेता आधावेति परिधावेति ॥ तए णं तं विजयं देवं चत्तागि सामाणियसाहस्सीओ चत्तागि अग्गमहिस्सीओ सपरिवाराओ जाव सोलसआयरक्खदेवसाहस्सीओ अण्णे य बहवे विजयरायहाणीवत्थवा वाणमंतरा देवा य देवीओ य तेहिं वरकमलपइट्ठाणेहिं जाव अट्ठसएणं सोवणियाणं कलसाणं तं चेव जाव अट्ठसएणं भोमेज्जाणं कलसाणं सव्वोदएहिं सव्वमट्ठियाहिं सव्वतुवरेहिं सव्वपुप्फेहिं जाव सव्वोसहिसिद्धत्थएहिं सव्विड्ढीए जाव णिग्गोसणाइयरवेणं महया २ इंदामिसेएणं अभिसिंचंति २ ता पत्तेयं २ सिरसावत्तं अंजलिं कट्ठु एवं वयासी—जय जय णंदा ! जय जय भट्टा ! जय जय णंद भट्टं ते अजियं जिणेहिं जियं पालयाहिं अजियं जिणेहिं सत्तुपक्खं जिणं पालेहिं मित्तपक्खं जियमज्जे वसाहिं तं देव ! णिरुवसणं इंदो इव देवाणं चंदो इव ताराणं चमरो इव असुराणं धरणो इव णाराणं भरहो इव मणुयाणं बहूणि पलिओवमाइं बहूणि सागरोवमाणि बहूणि पलिओवमसागरोवमाणि चउण्हं सामाणियसाहस्सीणं जाव आय-

रक्खदेवसाहसीणं विजयस्स देवस्स विजयाए रायहाणीए अण्णेसिं च बहूणं विजय-
 रायहाणिकथव्वाणं वायमंतराणं देवाणं देवीणं य आदेवच्चं जाव आणाईसरसेणावच्चं
 करेमाणे पालेमाणे विहराहित्तिकट्टु महया २ सहेणं जयजयसदं पउजेत्ति ॥१४१॥
 तए णं से विजए देवे महया २ इदाभिसेएणं अभिसित्ते समाणे सीहासणाओ अब्भुट्ठेइ
 सीहासणाओ अब्भुट्ठेत्ता अभिसेयसभाओ पुरत्थिमेणं दारेणं पडिणिकखमइ २ ता
 जेणामेव अलंकारियसभा तेणेव उवागच्छइ २ ता अलंकारियसभं अणुप्पयाहिणी
 करेमाणे २ पुरत्थिमेणं दारेणं अणुपविसइ पुरत्थिमेणं दारेणं अणुपविसित्ता जेणेव
 सीहासणे तेणेव उवागच्छइ २ ता सीहासणवरगए पुरत्थाभिमुहे सण्णिसण्णे, तए
 णं तस्स विजयस्स देवस्स सामाणियपरिसोववण्णगा देवा आमिओमिए देवे सदा-
 वंति २ ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! विजयस्स देवस्स अलंकारियं
 भंडं उवणेइ, तए णं ते अलंकारियं भंडं जाव उवड्डवेंति ॥ तए णं से विजए देवे
 तप्पट्टमयाए पम्हलसूमाए दिव्वाए सुरभीए गंधकासाईए गायार्हं लूहेइ गायार्हं
 ऱ्हेत्ता सरसेणं गोसीसचंदणेणं गायार्हं अणुलिंपइ सरसेणं गोसीसचंदणेणं गायार्हं
 अणुलिंपेत्ता तओऽणंतं च णं णासाणीसासवायवोज्झं चवखुहरं वण्णफरिसजुत्तं
 ह्यलालापेलवाइरेणं धवले कणगखइयंतकम्मं आगासफलिहसरिसप्पमं अहयं दिव्वं
 देवदूसजुयलं णिवंसेइ णियंसेत्ता हारं पिण्णिदेइ हारं पिण्णिदेत्ता अद्धहारं पिण्णिदेइ
 अद्ध० एवं एगावलं पिण्णिधेइ एगावलं पिण्णिधेत्ता एवं एएणं अभिलावेणं मुत्तावलं
 कणगावलं रयणावलं कडगाइं तुडियाइं अंगयाइं केऊराइं दसमुद्दिथानंतगं कडि-
 मुत्तगं वेयच्छिमुत्तगं मुरविं कंठमुरविं पालंवे कुंडलाइं चूडामणिं चित्तरयणुकुडं मउडं
 पिण्णिधेइ पिण्णिधित्ता गंठिमवेदिमपूरिमसंघाइमेणं चउव्विहेणं मल्लेणं कप्परुक्खयंपिब
 अप्पाणं अलंकियविभूसियं करेइ कप्परुक्खयंपिब अप्पाणं अलंकियविभूसियं करेत्ता
 दहरमलयसुगंधगंधिहं गंधेहिं गायार्हं सुक्किडइ २ ता दिव्वं च सुमणदामं पिण्णिदइ ॥
 तए णं से विजए देवे केसालंकारेणं वत्थालंकारेणं मल्लालंकारेणं आभरणांकारेणं
 चउव्विहेणं अलंकारेणं अलंकियविभूसिए समाणे पडिपुण्णालंकारे सीहासणाओ
 अब्भुट्ठेइ २ ता अलंकारियसभाओ पुरत्थिमिल्लेणं दारेणं पडिणिकखमइ २ ता
 जेणेव ववसायसभा तेणेव उवागच्छइ २ ता ववसायसभं अणुप्पयाहिणं करेमाणे २
 पुरत्थिमिल्लेणं दारेणं अणुपविसइ २ ता जेणेव सीहासणे तेणेव उवागच्छइ २ ता
 सीहासणवरगए पुरत्थाभिमुहे सण्णिसण्णे । तए णं तस्स विजयस्स देवस्स आमि-

ओगिया देवा पोत्थयरयणं उवणेति ॥ तए णं से विजए देवे पोत्थयरयणं गेण्हइ २
 ता पोत्थयरयणं मुयइ पोत्थयरयणं मुएत्ता पोत्थयरयणं विहाडेइ पोत्थयरयणं विहा-
 डेत्ता पोत्थयरयणं वाएइ पोत्थयरयणं वाएत्ता धम्मियं ववसायं पगेण्हइ धम्मियं
 ववसायं पगेण्हत्ता पोत्थयरयणं पडिणिक्खवेइ २ ता सीहासणाओ अब्भुइ २ ता
 ववसायसमाओ पुरत्थिमिल्लेणं दारेणं पडिणिक्खमइ २ ता जेणेव णंदापुक्खरिणी
 तेणेव उवागच्छइ २ ता णंदं पुक्खरिणिं अणुप्पयाहिणीकरेमाणे पुरत्थिमिल्लेणं
 दारेणं अणुपविसइ २ ता पुरत्थिमिल्लेणं तिसोवाणपडिरूवगएणं पच्चोरुहइ २ ता
 हत्थं पादं पक्खालेइ २ ता एगं महं सेयं रयसामयं विमलसलिलपुण्णं मत्तगय-
 महामुहाकितिसमाणं भिंगारं पणिण्हइ भिंगारं पणिण्हत्ता जाइ तत्थ उपप्लाइं पउ-
 माइ जाव सयसहस्सपत्ताइ ताइ णिण्हइ २ ता णंदाओ पुक्खरिणीओ पच्चुत्तरेइ
 २ ता जेणेव सिद्धायतणे तेणेव पहारेत्थ गमणाए ॥ तएणं तस्स विजयस्स देवस्स
 चत्तारि सामाणियसाहस्सीओ जाव अण्णे य बहवे वाणमंतरा देवा य देवीओ य
 अप्पेगइया उपपलहत्थगया जाव हत्थगया विजयं देवं पिट्ठओ पिट्ठओ अणुगच्छंति ॥
 तएणं तस्स विजयस्स देवस्स बहवे आभिओगिया देवा देवीओ य कलसहत्थगया
 जाव धूवकडुच्चुयहत्थगया विजयं देवं पिट्ठओ २ अणुगच्छंति । तए णं से विजए
 देवे चउहिं सामाणियसाहस्सीहिं जाव अण्णेहि य बहूहिं वाणमंतरेहिं देवेहि य
 देवीहि य सद्धिं संपरिवुडे सज्जिड्डीए सव्वजुत्तीए जाव णिग्घोसणाइयरवेणं जेणेव
 सिद्धाययणे तेणेव उवागच्छइ २ ता सिद्धायतणं अणुप्पयाहिणी करेमाणे २
 पुरत्थिमिल्लेणं दारेणं अणुपविसइ अणुपविसित्ता जेणेव देवच्छंदए तेणेव उवागच्छइ
 २ ता आलोए जिणपडिमाणं पणामं करेइ २ ता लोमहत्थगं गेण्हइ लोमहत्थगं
 गेण्हत्ता जिणपडिमाओ लोमहत्थएणं पमजइ २ ता सुरभिणा गंधोदएणं ण्हाणेइ २
 ता दिव्वाए सुरभिगंधकासाइए गायाइं लूहेइ २ ता सरसेणं गोसीसच्चंदणेणं गायाणि
 अणुलिपइ अणुलिपेत्ता जिणपडिमाणं अहयाइं सेयाइं दिव्वाइं देवदूसजुयलाइं णियं-
 सेइ णियंसेत्ता अग्गेहिं वरेहि य गंधेहि य मल्लेहि य अच्चेइ २ ता पुप्फारुहणं गंधा-
 रुहणं मल्लारुहणं वणारुहणं चुण्णारुहणं आभरणारुहणं करेइ २ ता आसत्तोसत्तविउल-
 वट्टवम्भारियमल्लदामं करेइ २ ता अच्छेहिं सण्हेहिं [सएहिं] रययामएहिं अच्छरसात्तं-
 दुलेहिं जिणपडिमाणं पुरओ अट्ठमंगलए आलिहइ सोत्थियसिखिच्छ जाव दप्पण
 अट्ठमंगलए आलिहइ २ ता कयग्गाहग्गाहियकरतल-पम्भट्ठ-विप्पमुक्केणं दसद्ववणेणं

कुसुमेणं मुक्कपुष्पपुंजोवयारकलियं करेइ २ ता चंदप्पभवइरवेरुलिय विमलदंडं
 कंचणमणिरयणभत्तिचित्तं कालागुरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्कधूवगंधुत्तमाणुविद्धं धूमवट्टिट
 विणिंम्भुयंतं वेरुलियामयं कडुच्छुयं पमाहितु पयत्तेण धूवं दाऊण जिणवराणं अट्ट-
 सय-विसुद्ध-गंधजुत्तेहिं महावित्तेहिं अन्यजुत्तेहिं अपुणरुत्तेहिं संशुणइ २ ता सत्तट्ट-
 पयाइ ओसरइ सतट्टपयाइ ओसरित्ता धामं जाणुं अंचेइ २ ता दाहिणं जाणुं
 धरणितलंसि णिवाडेइ तिक्खुत्तो मुद्दाणं धरणितलंसि णमेइ णमित्ता ईसिं पच्चुण्ण-
 मइ २ ता कडयतुडियधूमियाओ भुयाओ पडिसाहरइ २ ता करयलपरिगाहियं
 सिरसावत्तं मग्गए अंजलि कट्टु एवं वयासी-णमोऽत्थुणं अरिहंताणं भगवंताणं
 जाव सिद्धिगइणामधेयं ठाणं संपत्ताणं तिक्कट्टु वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता
 जेणेव सिद्धायतणस्स बहुमज्झदेसभाए तेणेव उवागच्छइ २ ता दिव्वाए उदगधा-
 राए अब्भुक्खेइ २ ता सरसेणं गोसीसचंदणेणं पंचंगुलितलेणं मंडलं आलिहइ २
 ता चच्चए दलयइ चच्चए दलयित्ता कयग्गाहग्गाहिय करत्तलपब्भट्टविमुक्केणं दसद्ध-
 वण्णेणं कुसुमेणं मुक्कपुष्पपुंजोवयारकलियं करेइ २ ता धूवं दलयइ २ ता जेणेव
 सिद्धायतणस्स दाहिणिल्ले दारे तेणेव उवागच्छइ २ ता लोमहत्थगं गेण्हइ २ ता
 दारचेडीओ य सालभंजियाओ य वालरुवए य लोमहत्थएणं पमजइ २ बहुमज्झ-
 देसभाए सरसेणं गोसीसचंदणेणं पंचंगुलितलेणं अणुलिंपइ २ ता चच्चए दलयइ
 २ ता पुष्कारुहणं जाव आहरणारुहणं करेइ २ आसत्तोसत्तविउल जाव मल्लदामकलवं
 करेइ २ ता कयग्गाहग्गाहिय जाव पुंजोवयारकलियं करेइ २ ता धूवं दलयइ २ ता
 जेणेव मुहमंडवस्स बहुमज्झदेसभाए तेणेव उवागच्छइ २ ता बहुमज्झदेसभाए लोम-
 हत्थेणं पमजइ २ ता दिव्वाए उदगधाराए अब्भुक्खेइ २ सरसेणं गोसीसचंदणेणं
 पंचंगुलितलेणं मंडलं आलिहइ २ चच्चए दलयइ २ कयग्गाह जाव धूवं दलयइ
 २ ता जेणेव मुहमंडवस्स पच्चत्थिमिल्ले दारे तेणेव उवा० लोमहत्थगं गेण्हइ २ दार-
 चेडीओ य सालभंजियाओ य वालरुवए य लोमहत्थएणं पमजइ २ दिव्वाए उद-
 गधाराए अब्भुक्खेइ २ सरसेणं गोसीसचंदणेणं जाव चच्चए दलयइ २ आसत्तो-
 सत्त० कयग्गाह० धूवं दलयइ २ जेणेव मुहमंडवगस्स उत्तरिह्त्ता णं लंभपंती तेणेव
 उवागच्छइ २ लोमहत्थगं परा० सालभंजियाओ दिव्वाए उदगधाराए सरसेणं
 गोसीसचंदणेणं पुष्कारुहणं जाव आसत्तोसत्त० कयग्गाह० धूवं दलयइ जेणेव मुह-
 मंडवस्स पुरत्थिमिल्ले दारे तं चेव सव्वं भाणियव्वं जाव दारस्स अच्चणिया जेणेव

दाहिणिह्ले दारे तं चेव जेणेव पेच्छाघरमंडवस्स बहुमज्झदेसभाए जेणेव वइरामए अक्खाडए जेणेव मणिपेठिया जेणेव सीहासणे तेणेव उवागच्छइ २ लोमहत्थयं गिण्हइ लोमहत्थयं गिण्हित्ता अक्खाडयं च सीहासणं च लोमहत्थयणं पमजइ २ ता दिव्वाए उदगधाराए अब्भुं पुप्फारुहणं जाव धूवं दलयइ जेणेव पेच्छाघरमंडव-पच्चत्थिमिल्ले दारे दारच्चणिया उत्तरिल्ला खंभपंती तहेव पुरत्थिमिल्ले दारे तहेव जेणेव दाहिणिह्ले दारे तहेव जेणेव चेइयथूमे तेणेव उवागच्छइ उवा-गच्छित्ता लोमहत्थयं गेण्हइ २ ता चेइयथूमे लोमहत्थयणं पमजइ पमजित्ता दिव्वाए दगं सरसेणं पुप्फारुहणं आसत्तोसत्त जाव धूवं दलयइ २ ता जेणेव पच्चत्थिमिल्ला मणिपेठिया जेणेव जिणपडिमा तेणेव उवागच्छइ जिणपडिमाए आलोए पणामं करेइ २ ता लोमहत्थयं गेण्हइ २ ता तं चेव सव्वं जं जिणपडि-माणं जाव सिद्धिगइणामयेज्जं ठाणं संपत्ताणं वंदइ णमंसइ, एवं उत्तरिल्लाएवि, एवं पुरत्थिमिल्लाएवि, एवं दाहिणिह्लेएवि, जेणेव चेइयकस्सा दारविही य मणिपेठिया जेणेव महिंदज्झया दारविही, जेणेव दाहिणिह्ले णंदापुक्खरिणी तेणेव उवा० लोम-हत्थयं गेण्हइ चेइयाओ य तिसोवाणपडिरूवए य तोरणे य सालमंजियाओ य वालरूवए य लोमहत्थयणं पमजइ २ ता दिव्वाए उदगधाराए सिंचइ सरसेणं गोसीसचंदरेणं अणुलिंपइ २ ता पुप्फारुहणं जाव धूवं दलयइ २ ता सिद्धायतणं अणुप्पयाहिणं करेमाणे जेणेव उत्तरिल्ला णंदापुक्खरिणी तेणेव उवागच्छइ २ ता तहेव महिंदज्झया चेइयकस्सो चेइयथूमे पच्चत्थिमिल्ला मणिपेठिया जिणपडिमा उत्तरिल्ला पुरत्थिमिल्ला दक्खिणिह्ले पेच्छाघरमंडवस्सवि तहेव जहा दक्खिणिह्लेस्स पच्चत्थिमिल्ले दारे जाव दक्खिणिह्ले णं खंभपंती मुहमंडवस्सवि तिण्हं दाराणं अच्च-णिया भणिऊणं दक्खिणिह्ले णं खंभपंती उत्तरे दारे पुरच्छिमे दारे सेसं तेणेव कमेण जाव पुरत्थिमिल्ला णंदापुक्खरिणी जेणेव सभा सुहम्मा तेणेव पहरेतथ गम-णाए ॥ तए णं तस्स विजयस्स चत्तारि सामाणियसाहस्सीओ एयप्पमिइ जाव सव्विड्ढिइ जाव णाइयवेणं जेणेव सभा सुहम्मा तेणेव उवागच्छंति २ ता तं णं सभं सुहम्मं अणुप्पयाहिणी करेमाणे २ पुरत्थिमिल्लेणं अणुपविसइ २ ता आलोए जिणसकहाणं पणामं करेइ २ जेणेव मणिपेठिया जेणेव माणवयचेइयकस्समे जेणेव वइरामया गोलवट्टसमुग्गका तेणेव उवागच्छइ २ लोमहत्थयं-गेण्हइ २ ता वइ-रामए गोलवट्टसमुग्गाए लोमहत्थयणं पमजइ २ ता वइरामए गोलवट्टसमुग्गाए

विहाडेइ २ ता जिणसकहाओ लोमहत्थएणं पमज्जइ २ ता सुरभिणा गंधोदएणं
 तिसत्तखुतो जिणसकहाओ पक्खालेइ २ सरसेणं गोसीसच्चंदणेणं अणुलिंपइ
 २ ता अग्गेहिं वरेहिं गंधेहिं मल्लेहिं य अच्चिणइ २ ता धूवं दलयइ २ ता चइ-
 रामएसु गोलवट्टसमुग्गएसु पडिणिक्खिवइ २ ता माणवकं चेइयत्थं लोमहत्थएणं
 पमज्जइ २ दिव्वाए उदगधाराए अब्भुक्खेइ २ ता सरसेणं गोसीसच्चंदणेणं
 चच्चए दलयइ २ पुप्फारुहणं जाव आसत्तोसत्त० कयग्गाह० धूवं दलयइ २
 जेणेव सभाए सुहम्माए बहुमज्जादेसभाए तं चेव जेणेव सीहासणे तेणेव जहा दार-
 च्छणिया जेणेव देवसयणिजे तं चेव जेणेव खुड्डागे महिंदज्जाए तं चेव जेणेव पहरण-
 कोसे चोप्पाले तेणेव उवागच्छइ २ पत्तेयं २ पहरणाइ लोमहत्थएणं पमज्जइ
 पमज्जित्ता सरसेणं गोसीसच्चंदणेणं तहेव सव्वं सेसंपि दक्खिणदारं आदिकाउं
 तहेव णेयव्वं जाव पुरच्छिमिह्ठा णंदापुक्खरिणी सव्वाणं सभाणं जहा सुहम्माए
 सभाए तहा अच्चणिया उववायसभाए णवरि देवसयणिजस्स अच्चणिया सेसासु सीहा-
 सणाण अच्चणिया हरयस्स जहा णंदाए पुक्खरिणीए अच्चणिया, ववसाय-
 सभाए पोत्थयरयणं लोम० दिव्वाए उदगधाराए सरसेणं गोसीसच्चंदणेणं अणुलिंपइ
 अग्गेहिं वरेहिं गंधेहिं य मल्लेहिं य अच्चिणइ २ ता [मल्लेहिं] सीहासणे लोमहत्थ-
 एणं पमज्जइ जाव धूवं दलयइ सेसं तं चेव णंदाए जहा हरयस्स तहा जेणेव बलि-
 पीढं तेणेव उवागच्छइ २ ता आभिओगे देवे सहावेइ २ ता एवं ववासी-खिप्पा-
 मेव मो देवाणुप्पिया ! विजयाए रायहाणीए सिंघाडएसु य तिएसु य चउक्केसु य
 चच्चरेसु य चउसुहेसु य महापहपहेसु य पासाएसु य पागारेसु य अट्ठालएसु य
 चरियासु य दारेसु य गोपुरेसु य तोरणेसु य वावीसु य पुक्खरिणीसु य जाव बिल-
 पतिवासु य आरामेसु य उज्जाणेसु य काणणेसु य वणेसु य वणसंडेसु य वणराईसु
 य अच्चणियं करेह करेत्ता भमेयमाणत्तियं खिप्पामेव पच्चप्पिणह तए णं ते आभि-
 ओगिया देवा विजएणं देवेणं एवं बुत्ता समाणा जाव हट्ठुट्ठा विणएणं पडिसुणेंति
 २ ता विजयाए रायहाणीए सिंघाडएसु य जाव अच्चणियं करेत्ता जेणेव विजए
 देवे तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणंति ॥ तए णं
 से विजए देवे तेसि णं आभिओगियाणं देवाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म
 हट्ठुट्ठचित्तमाणंदियं जाव हयहियए जेणेव णंदा पुक्खरिणी तेणेव उवागच्छइ
 उवागच्छित्ता पुरत्थिमिल्लेणं तोरणेणं जाव हत्थपायं पक्खालेइ पक्खालित्ता

आयंते चोक्त्वे परमसुहभूए णंदापुक्खरिणोओ पच्चुत्तरइ पच्चुत्तरित्ता जेणेव
 सभा सुहम्मा तेणेव पहारेत्थ गम्माए । तए णं से विजए देवे चउहिं सामाणिय-
 साहस्सीहिं जाव सोलसहिं आयरक्खदेवसाहस्सीहिं सव्विद्वीए जाव गिम्भोसणाइय-
 रवेण जेणेव सभा सुहम्मा तेणेव उवागच्छइ २ ता समं सुहम्मं पुरत्थिमिल्लेण दारेणं
 अणुपविसइ २ ता जेणेव मण्णिपेडिया तेणेव उवागच्छइ २ ता सीहासणवरगाए
 पुरच्छाभिमुहे सण्णिसण्णे ॥ १४२ ॥ तए णं तस्स विजयस्स देवस्स चत्तारि
 सामाणियसाहस्सीओ अवरुत्तरेणं उत्तरेणं उत्तरपुरच्छिमेणं पत्तेयं २ पुब्बणत्थेसु
 भद्दासणेसु गिसीयंति । तए णं तस्स विजयस्स देवस्स चत्तारि अगमहिंसीओ
 पुरत्थिमेणं पत्तेयं २ पुब्बणत्थेसु भद्दासणेसु गिसीयंति । तए णं तस्स विजयस्स
 देवस्स दाहिणपुरत्थिमेणं अग्निभतरियाए परिसाए अट्ठ देवसाहस्सीओ पत्तेयं २ जाव
 गिसीयंति । एवं दक्खिणेणं मज्झिमियाए परिसाए दस देवसाहस्सीओ जाव
 गिसीयंति । दाहिणपच्चत्थिमेणं बाहिरियाए परिसाए वारस देवसाहस्सीओ पत्तेयं २
 जाव गिसीयंति । तए णं तस्स विजयस्स देवस्स पच्चत्थिमेणं सत्त अनियाहिंवई
 पत्तेयं २ जाव गिसीयंति । तए णं तस्स विजयस्स देवस्स पुरत्थिमेणं दाहिणेणं
 पच्चत्थिमेणं उत्तरेणं सोलस आयरक्खदेवसाहस्सीओ पत्तेयं २ पुब्बणत्थेसु भद्दासणेसु
 गिसीयंति, तंजहा—पुरत्थिमेणं चत्तारि साहस्सीओ जाव उत्तरेणं ४ ॥ ते णं आय-
 रक्खा सण्णद्वयद्वयम्मियक्कया उप्पलियसरासणपट्टिया पिण्ढगेवेज्जविमल्लवर-
 च्छिधपट्ठा गहियाउहप्पहरणा तिणयाइं तिसंधीणि वहरामया कोडीणि धणूइं अभिगिज्झ
 परियाइयकंडकलावा णोलपाणिणो पीयपाणिणो रत्तपाणिणो चावपाणिणो चारु-
 पाणिणो चम्मपाणिणो खग्गापाणिणो दंडपाणिणो पासपाणिणो णोलपीयरत्तचावचारुच-
 म्मखग्गादंडपासवरधरा आयरक्खा रक्खोवगा गुत्ता गुत्तपालिया जुत्ता जुत्तपालिया पत्तेयं
 २ समयओ विणयओ किंकरभूयाविव चिट्ठंति ॥ विजयस्स णं भंते ! देवस्स केवइयं
 कालं ठिई पण्णत्ता ? गो० ! एगं पल्लोवमं ठिई पण्णत्ता, विजयस्स णं भंते !
 देवस्स सामाणियाणं देवाणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! एगं पल्लोवमं
 ठिई पण्णत्ता, एवंमहिड्ढिए एवंमहज्जुइए एवंमहब्बले एवंमहायसे एवंमहासुक्खे
 एवंमहाणुभागे विजए देवे २ ॥ १४३ ॥ कहि णं भंते ! जंबुदीवस्स २ वेजयंते
 णामं दारे पण्णत्ते ? गोयमा ! जंबुदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स दक्खिणेणं पणयालीमं
 जोयणसहस्साइं अवाहाए जंबुदीवदीवदाहिणपेरंते ल्यणसमुद्दाहिणद्वस्स उत्तरेणं
 एत्थ णं जंबुदीवस्स २ वेजयंते णामं दारे पण्णत्ते अट्ठ जोयणाइं उट्ठं उच्चत्तेणं

सच्चेव सत्त्वा वत्तब्बया जाव णिच्चे । कहि णं भंते ! रायहाणी ? दाहिणेणं जाव येज्जयंते देवे २ ॥ कहि णं भंते ! जंबुद्दीवस्स २ जयंते णामं दारे पण्णत्ते ? गोयमा ! जंबुद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स पच्चत्थिमेणं पणयालीसं जोयणसहस्साइं जंबुद्दीवपच्चत्थिमपेरंते लवणसमुद्दपच्चत्थिमद्वस्स पुरच्छिमेणं सीओयाए महाणईए उप्पि एत्थ णं जंबुद्दीवस्स दीवस्स जयंते णामं दारे पण्णत्ते, तं चेव से पमाणं जयंते देवे पच्चत्थिमेणं से रायहाणी जाव महिड्डिहए० ॥ कहि णं भंते ! जंबुद्दीवस्स २ अपराइए णामं दारे पण्णत्ते ? गोयमा ! मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं पणयालीसं जोयणसहस्साइं अवाहाए जंबुद्दीवे २ उत्तरपेरंते लवणसमुद्दस्स उत्तरद्वस्स दाहिणेणं एत्थ णं जंबुद्दीवे २ अपराइए णामं दारे पण्णत्ते तं चेव पमाणं रायहाणी उत्तरेणं जाव अपराइए देवे, चउण्हवि अण्णमि जंबुद्दीवे ॥ १४४ ॥ जंबुद्दीवस्स णं भंते ! दीवस्स दारस्स य दारस्स य एस णं केवइयं अवाहाए अंतरे पण्णत्ते ? गोयमा ! अउणासीइं जोयणसहस्साइं वावण्णं च जोयणाइं देखूणं च अद्धजोयणं दारस्स य २ अवाहाए अंतरे पण्णत्ते ॥ १४५ ॥ जंबुद्दीवस्स णं भंते ! दीवस्स पएसा लवणं समुद्दं पुट्ठा ? हंता पुट्ठा ॥ ते णं भंते ! किं जंबुद्दीवे २ लवणसमुद्दे ? गोयमा ! जंबुद्दीवे दीवे णो खलु ते लवणसमुद्दे ॥ लवणस्स णं भंते ! समुद्दस्स पएसा जंबुद्दीवं दीवं पुट्ठा ? हंता पुट्ठा । ते णं भंते ! किं लवणसमुद्दे जंबुद्दीवे दीवे ? गोयमा ! लवणे णं ते समुद्दे णो खलु ते जंबुद्दीवे दीवे ॥ जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे जीवा उद्दाइत्ता २ लवणसमुद्दे पच्चायंति ? गोयमा ! अत्थेगइया पच्चायंति अत्थेगइया णो पच्चायंति ॥ लवणे णं भंते ! समुद्दे जीवा उद्दाइत्ता २ जंबुद्दीवे २ पच्चायंति ? गोयमा ! अत्थेगइयां पच्चायंति अत्थेगइया णो पच्चायंति ॥ १४६ ॥ से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ--जंबुद्दीवे २ ? गोयमा ! जंबुद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं णीलवंतस्स वासहरपव्वयस्स दाहिणेणं मालवंतस्स वक्खारपव्वयस्स पच्चत्थिमेणं गंधमायणस्स वक्खारपव्वयस्स पुरत्थिमेणं एत्थ णं उत्तरकुरा णाम कुरा पण्णत्ता, पाईणपडीणायया उदीणदाहिणवित्थिणा अद्धचंदसंठाणसंठिया एक्कारस जोयणसहस्साइं अद्ध बायले जोयणसए दोणिण य एगूणवीसइभागे जोयणस्स विकलंमेणं ॥ तीसे जीवा उत्तरओ पाईणपडीणायया तुहुओ वक्खारपव्वयं पुट्ठा, पुरत्थिमिल्लाए कोडीए पुरत्थिमिल्लं वक्खारपव्वयं पुट्ठा, पच्चत्थिमिल्लाए कोडीए पच्चत्थिमिल्लं वक्खारपव्वयं पुट्ठा, तेवणं जोयणसहस्साइं आयामेणं, तीसे धणुपट्ठं दाहिणेणं सट्ठिं जोयणसहस्साइं चत्तारि य अट्ठारसुत्तरे जोयणसए दुवालस

य एगूणवीसइभाए जोयणस्स परिकखेवेणं पण्णत्ते ॥ उत्तरकुराए णं भंते ! कुराए केरिसए आगारभावपडोयारे पण्णत्ते ? गोयमा ! बहुसमरमणिजे भूमिभागे, पण्णत्ते, से जहा णामए आलिगपुक्खरेइ वा जाव एवं एगूरूयदीववत्तव्वया जाव देवलोग-परिगहा णं ते मणुयगणा पण्णत्ता समणाउसो !, णवरि इमं णाणत्तं-उधणुसहस्स-मूसिया दोछण्णणा पिट्ठकरं डगसया अट्टमभत्तस्स आहारट्ठे समुप्पज्जइ तिण्णि पलिओ-वमाइं देख्खणाइं पलिओवमस्सासंखिजइभागेण ऊणगाइं जहण्णेणं, तिण्णि पलिओ-वमाइं उक्कोसेणं, एगूणपण्णराइंदियाइं अणुपालणा, सेसं जहा एगूरूयाणं ॥ उत्तर-कुराए णं कुराए छव्विहा मणुस्सा अणुसज्जंति; तंजहा-पम्हगंधा १ मियगंधा २ अम्ममा ३ सहा ४ तेयालीसा ५ सणिच्चारी ६ ॥ १४७ ॥ कहि णं भंते ! उत्तर-कुराए जमगा णामं दुवे पव्वया पण्णत्ता ? गोयमा ! णील्लवंतस्स वासहरपव्वयस्स दाहिणेणं अट्ठचोत्तीसे जोयणसए चत्तारि य सत्तभागे जोयणस्स अथाहाए सीयाए महाणईए (पुव्वपच्छिमेणं) उभओ कूले, इत्थ णं उत्तरकुराए २ जमगा णामं दुवे पव्वया पण्णत्ता एगमेणं जोयणसहस्सं उड्ढं उच्चत्तेणं अड्ढाइज्जाइं जोयणसयाणि उव्वेहेणं मूले एगमेणं जोयणसहस्सं आयामविकखंमेणं मज्झे अट्ठट्ठमाइं जोयण-सयाइं आयामविकखंमेणं उवरिं पंचजोयणसयाइं आयामविकखंमेणं मूले तिण्णि जोयणसहस्साइं एणं च वावट्ठिं जोयणसयं किंचिविसेसाहियं परिकखेवेणं मज्झे दो जोयणसहस्साइं तिण्णि य वावत्तरे जोयणसए किंचिविसेसाहिए परिकखेवेणं पण्णत्ते उवरिं पण्णरस एक्कासीए जोयणसए किंचिविसेसाहिए परिकखेवेणं पण्णत्ते, मूले विच्छिण्णा मज्झे संखित्ता उय्धि तणुया गोपुच्छसंठाणसंठिया सव्वकणगामया अच्छा सण्हा जाव पडिख्वा पत्तेयं पत्तेयं पउमवरवेइयापरिक्खत्ता पत्तेयं पत्तेयं वणसंडपरिक्खत्ता, वणओ दोण्हवि, तेसि णं जमगपव्वयाणं उय्धि बहुसमरमणिजे भूमिभागे पण्णत्ते वणओ जाव आसयंति० ॥ तेसि णं बहुसमरमणिजाणं भूमि-भागणं बहुमज्झदेसभाए पत्तेयं २ पासायवडैंसगा पण्णत्ता, ते णं पासायवडैंसगा वावट्ठिं जोयणाइं अट्ठजोयणं च उड्ढं उच्चत्तेणं एकतीसं जोयणाइं कोसं च विकखंमेणं अब्भुगयमूसिया वणओ भूमिभागा उल्लोया दो जोयणाइं मणिपेदियाओ वरसीहा-सणा सपरिवारा जाव जमगा चिट्ठंति ॥ से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुरुचइ-जमगा पव्वया २ ? गोयमा ! जमगेसु णं पव्वएसु तत्थ तत्थ देसे २- तहिं तहिं बहुइंओ खुड्डुखुड्ढियाओ बावीओ जाव बिलपंतियाओ, तासु णं खुड्डुखुड्ढियासु जाव बिलपंति-

यासु बहूई उप्पलाई २ जाव सयसहस्सपत्ताई जमगाप्पमाई जमगावण्णाई, जमगा य एत्थ दो देवा महिड्डिया जाव पल्लिओवमट्टिईया परिवसंति, ते णं तत्थ पत्तयं २ चउण्हं सामाणियसाहस्सीणं जाव जमगाणं पव्वयाणं जमगाणं य रायहाणीणं अण्णेसिं च बहूणं वाणमंतराणं देवाणं य देवीणं य आहेवच्च जाव पालेमाणा विह-
रंति, से तेण्णहेणं गोयमा ! एवं० जमगपव्वया २, अट्ठुसरे च णं गोयमा ! जाव णिच्चा ॥ कहि णं भंते ! जमगाणं देवाणं जमगाओ णाम रायहाणीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! जमगाणं पव्वयाणं उत्तरेणं तिरियमसंखेजे दीवसमुदे वीइवइत्ता अण्णंमि जंबुद्वीवे २ बारस जोयणसहस्साई ओगाहित्ता एत्थ णं जमगाणं देवाणं जमगाओ णाम रायहाणीओ पण्णत्ताओ बारसजोयणसहस्स जहा विजयस्स जाव महिड्डिया० जमगा देवा जमगा देवा ॥१४८॥ कहि णं भंते ! उत्तरकुराए २ णीलवंतद्देहं णामं दहे पण्णत्ते ? गोयमा ! जमगपव्वयाणं दाहिणेणं अट्ठुचोत्तीसे जोयणसए चत्तारि सत्तभागा जोयणस्स अवाहाए सीयाए महाणईए बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं उत्तर-
कुराए २ णीलवंतद्देहं णामं दहे पण्णत्ते, उत्तरदक्खिणायए पाईणपडीणविच्छिण्णे एगं जोयणसहस्सं आयामेणं पंच जोयणसयाई विक्खंभेणं दस जोयणाई उव्वेहेणं अच्छे सण्हे रययामयकूले चउक्कोणे समतीरे जाव पडिस्सवे उभओ पासिं दोहिं पउम-
वरवेइयाहिं वणसंडेहिं य सव्वओ समंता संपरिक्खत्ते दोण्हवि वण्णओ ॥ णीलवंत-
दहस्स णं दहस्स तत्थ २-जाव बहवे तिसोवाणपडिस्सवा पण्णत्ता, वण्णओ भाणि-
यव्वो जाव तोरणत्ति ॥ तस्स णं णीलवंतद्देहस्स णं दहस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं एगे महं पउमे पण्णत्ते, जोयणं आयामविक्खंभेणं तं तिगुणं सविसेसं परिक्खेवेणं अट्ठजोयणं बाहलेणं दस जोयणाई उव्वेहेणं दो कोसे ऊसिए जलंताओ साइरेगाई दसद्वजोयणाई सव्वग्गेणं पण्णत्ते ॥ तस्स णं पउमस्स अयमेयास्सवे वण्णावासे पण्णत्ते, तंजहा-वइरामया मूला रिट्ठामए कंदे वेरुलियामए णाले वेरुलियामया बाहिरपत्ता जंबूणयमया अर्द्धिभतरपत्ता तवणिज्जमया केसरा कण्णामई कण्णिया णाणागणिमया पुक्खरिथिमुगा ॥ सा णं कण्णिया अट्ठजोयणं आयामविक्खंभेणं तं तिगुणं सविसेसं परिक्खेवेणं कोसं बाहलेणं सव्वप्पणा कण्णामई अच्छा सण्हा जाव पडिस्सवा ॥ तीसे णं कण्णियाए उवरिं बहुसमरमणिजे देसभाए पण्णत्ते जाव मणीहिं० ॥ तस्स णं बहुसमरमणिजस्स भूमिभागस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं एगे महं भवणे पण्णत्ते, कोसं आयामेणं अट्ठकोसं विक्खंभेणं देसूणं कोसं उड्ढं उच्चत्तेणं अणेग-

खंभसयसंणिविद्धं जाव वण्णओ, तस्स णं भवणस्स तिदिसिं तओ दारा पण्णत्ता पुरत्थिमेणं दाहिणेणं उत्तरेणं, ते णं दारा पंचधणुसयाइं उड्डं उच्चत्तेणं अड्डा-
इजाइं धणुसयाइं विकखंभेणं तावइयं चेव पवेसेणं सेया वरकणगधूमियागा जाव
वण्णमालाउत्ति ॥ तस्स णं भवणस्स अंतो बहुसमरमणिजे भूमिभागे पण्णत्ते से जहा
णामए-आलिगपुक्खरेइ वा जाव मणीणं वण्णओ ॥ तस्स णं बहुसमरमणिजस्स
भूमिभागस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं मणिपेटिया पण्णत्ता, पंचधणुसयाइं आयाम-
विकखंभेणं अड्डाइजाइं धणुसयाइं बाहल्लेणं सव्वमणिमई० ॥ तीसे णं मणिपेटियाए
उवरि एत्थ णं एगे मई देवसयणिजे पण्णत्ते, देवसयणिजस्स वण्णओ ॥ से णं
पउमे अण्णेणं अट्ठसएणं तदद्धुच्चत्तप्पमाणमेत्ताणं पउमाणं सव्वओ समंता
संपरिक्खित्ते ॥ ते णं पउमा अद्धजोयणं आयामविकखंभेणं तं तिगुणं सविसेसं
परिक्खेवेणं कोसं बाहल्लेणं दस जोयणाइं उव्वेहेणं कोसं ऊसिया जलंताओ साहरेगाइं
ते दस जोयणाइं सव्वग्गेणं पण्णत्ताइं ॥ तेसि णं पउमाणं अयमेयारूवे वण्णावासे
पण्णत्ते, तंजहा-यइरामया मूला जाव णाणामणिमया पुक्खरत्थिमुगा ॥ ताओ णं
कण्णियाओ कोसं आयामविकखंभेणं तं तिगुणं स० परि० अद्धकोसं बाहल्लेणं सव्व-
कण्णगामईओ अच्छाओ जाव पडिक्खाओ ॥ तासि णं कण्णियाणं उप्पि बहुसमर-
मणिजा भूमिभागा जाव मणीणं वण्णो गंधो फासो ॥ तस्स णं पउमस्स अवरत्तरेणं
उत्तरेणं उत्तरपुरच्छिमेणं णीलवंतद्दहकुमारस्स देवस्स चउण्हं सामाणियसाहस्सीणं
चत्तारि पउमसाहस्सीओ पण्णत्ताओ, एवं सव्वो परिवारो णवरि पउमाणं भाणि-
यव्वो ॥ से णं पउमे अण्णेहिं तिहिं पउमवरपरिक्खेवेहिं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते,
तंजहा-अब्भितरेणं मज्झिमेणं बाहिरएणं, अब्भितरए णं पउमपरिक्खेवे वत्तीसं
पउमसयसाहस्सीओ प०, मज्झिमए णं पउमपरिक्खेवे चत्तालीसं पउमसयसाह-
स्सीओ प०, बाहिरए णं पउमपरिक्खेवे अड्डयालीसं पउमसयसाहस्सीओ पण्णत्ताओ,
एवामेव सपुव्वावरेणं एमा पउमकोडी वीसं च पउमसयसहस्सा भवंतीति मक्खाया ॥
से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ-णीलवंतद्दहे दहे ? गोयमा ! णीलवंतद्दहे णं दहे
तत्थ तत्थ० जाइं उप्पल्लाइं जाव सयसहस्सपत्ताइं णीलवंतप्पमाइं णीलवंतवण्णा-
भाइं णीलवंतद्दहकुमारे य एत्थ देवे जमगदेवगमो से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव णील-
वंतद्दहे २, णीलवंतस्स णं रायहाणी पुव्वामिलावेणं एत्थ सो चेव गमो जाव णील-
वंते देवे २ ॥ १४९ ॥ णीलवंतद्दहस्स णं० पुरत्थिमपच्चत्थिमेणं दस जोयणाइं अवाहाए

एथ णं दस दस कंचणगपव्वया पणत्ता; ते णं कंचणगपव्वया एगमेगं जोयणसयं उड्डं उच्चत्तेणं पणवीसं २ जोयणाइं उव्वेहेणं मूले एगमेगं जोयणसयं विक्खंभेणं मज्जे पणत्तरिं जोयणाइं आयामं विक्खंभेणं उवरिं पण्णासं जोयणाइं विक्खंभेणं मूले तिण्णि सोले जोयणसए किंचिविसेसाहिए परिकखेवेणं मज्जे दोण्णि सत्ततीसे जोयणसए किंचिविसेसाहिए परिकखेवेणं उवरिं एगं अट्ठावणं जोयणसयं किंचिविसेसाहिए परिकखेवेणं मूले विच्छिण्णा मज्जे संखित्ता उण्णि तणुया गोपुच्छसंठाणसंठिया सव्वकंचणमया अच्छा जाव पडिरूवा पत्तेयं पत्तेयं पउमवरवेइया० पत्तेयं पत्तेयं वणसंडपरिक्खित्ता ॥ तेसि णं कंचणगपव्वयाणं उण्णि बहुसमरमणिजे भूमिभागे जाव आसयंति०, तेसि णं० पत्तेयं २ पासायवडेंसगा सड्ढयावट्ठिं जोयणाइं उड्डं उच्चत्तेणं एकतीसं जोयणाइं कोसं च विक्खंभेणं मणिपेठिया दोजोयणिया सीहासणं सपरिवारं ॥ से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ-कंचणगपव्वया कंचणगपव्वया ? गोयमा ! कंचणगेसु णं पव्वएसु तत्थ तत्थ० वावीसु० उप्पलाइं जाव कंचणगवण्णाभाइं कंचणगा देवा महिड्डिया जाव विहरंति, उत्तरेणं कंचणगाणं कंचणियाओ रायहाणीओ अण्णमि जंबू० तहेव सव्वं भाणियव्वं ॥ कहि णं भंते ! जंबुद्वीवे दीवे उत्तरकुराए कुराए उत्तरकुद्धहे णामं दहे पणत्ते ? गोयमा ! णीलवंतद्दहस्स दाहिणेणं अट्ठकोत्तीसे जोयणसए, एवं सो खेव गमो गेयव्वो जो णीलवंतद्दहस्स सव्वेसिंसरेसगो दहसरिसणामा य देवा, सव्वेसिं पुरत्थिमपच्चत्थिमेणं कंचणगपव्वया दस २ एगपमाणा उत्तरेणं रायहाणीओ अण्णमि जंबुद्वीवे २ । चंददहे एरावणदहे मालवंतदहे एवं एक्केको गेयव्वो ॥१५०॥ कहि णं भंते ! उत्तरकुराए २ जंबूमुदंसणाए जंबुपेठे णामं पेठे पणत्ते ? गोयमा ! जंबुद्वीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरपुरच्छिमेणं णीलवंतस्स वासहरपव्वयस्स दाहिणेणं मालवंतस्स वक्खारपव्वयस्स पच्चत्थिमेणं गंधमायणस्स वक्खारपव्वयस्स पुरत्थिमेणं सीयाए महाणईए पुरत्थिमिल्ले कूले एथ णं उत्तरकुराए कुराए जंबूपेठे णामं पेठे पणत्ते पंचजोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं पण्णरस एक्कासीए जोयणसए किंचिविसेसाहिए परिकखेवेणं बहुमज्झदेसभाए बारस जोयणाइं बाहलेणं तयाणंतरं च णं मायाए २ पएसे परिहाणीए सव्वेसु चरमंतेसु दो कोसे बाहलेणं पणत्ते सव्वजंबूणयामए अच्छे जाव पडिरूवे ॥ से णं एगाए पउमवरवेइयाए एगेण य वणसंडेणं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते वण्णओ दोण्हवि । तस्स णं जंबुपेठस्स चउड्हिसिं चत्तारि तिसोवाणपडिरूवगा पणत्ता तं चेव जाव

तोरणा जाव छत्ता ॥ तस्स णं जंबूपेढस्स उप्पि बहुसमरमणिजे भूमिभागे पण्णत्ते
 से जहाणामए आलिंणपुक्खरेइ वा जाव मणि० ॥ तस्स णं बहुसंभरमणिजस्स भूमि-
 भागस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं एगा महं मणिपेढिया पण्णत्ता अट्ठ जोयणाइं
 आयामविकखंभेणं चत्तारि जोयणाइं बाहलेणं सव्वमणिमई अच्चा सण्हा जाव पडि-
 रुवा ॥ तीसे णं मणिपेढियाए उवरि एत्थ णं महं जंबूसुदंसणा पण्णत्ता अट्ठजोयणाइं
 उड्डं उच्चत्तेणं अट्ठजोयणं उव्वेहेणं दो जोयणाइं खंवे अट्ठ जोयणाइं विकखंभेणं छ जोय-
 णाइं विडिमा बहुमज्झदेसभाए अट्ठ जोयणाइं विवखंभेणं साइरेगाइं अट्ठ जोयणाइं
 सव्वग्गेणं पण्णत्ता, वइरामयमूलास्ययसुपइद्वियविडिमा एवं चेइयरुक्खवण्णओ जाव
 सव्वो रिट्ठमयविउल्लंका वेरुलियरुइरुक्खंवा सुजायवरजायरुवपट्टमगविसालसाला
 गाणामणिरयणविहिंसाहप्पसाहवेरुलियपत्ततवणिजपत्तविंटा जंबूणयरत्तमउयसुकु-
 मालपवालपल्लवंकुरधरा विचित्तमणिरयणसुरहिंकुसुमा फलभारणमियसाला सच्छाया-
 सप्पभा सत्तिरीया सउजोया अहिंयं मणोणिव्वुइकरा पासाईया दरिसणिज्जा अभिरुवा
 पडिरुवा ॥ १५१॥ जंबूए णं सुदंसणाए चउहिंसि चत्तारि साला पण्णत्ता, तंजहा-
 पुरत्थिमेणं दक्खिणेणं पच्चत्थिमेणं उत्तरेणं, तत्थ णं जे से पुरत्थिमिल्ले साले एत्थ
 णं एगे महं भवणे पण्णत्ते एगं कोसं आयामेणं अट्ठकोसं विवखंभेणं देसूणं कोसं
 उड्डं उच्चत्तेणं अणेगाखंभ० वण्णओ जाव भवणस्स दारं तं चेव पमाणं पंचधनु-
 सयाइं उड्डं उच्चत्तेणं अट्ठाइज्जाइं धणुसयाइं विवखंभेणं जाव वणमालाओ भूमि-
 भागा उल्लोया मणिपेढिया पंचधनुसइया देवसयणिज्जं भाणियव्वं ॥ तत्थ णं जे से
 दाहिणिल्ले साले एत्थ णं एगे महं पासायवडेंसए पण्णत्ते, कोसं च उड्डं उच्चत्तेणं
 अट्ठकोसं आयामविकखंभेणं अभ्भुगयमूसिय० अंतो बहुसम० उल्लोया । तस्स णं
 बहुसमरमणिजस्स भूमिभागस्स बहुमज्झदेसभाए सीहासणं सपरिवारं भाणियव्वं ।
 तत्थ णं जे से पच्चत्थिमिल्ले साले एत्थ णं पासायवडेंसए पण्णत्ते तं चेव पमाणं
 सीहासणं सपरिवारं भाणियव्वं, तत्थ णं जे से उत्तरिल्ले साले एत्थ णं एगे महं
 पासायवडेंसए पण्णत्ते तं चेव पमाणं सीहासणं सपरिवारं तत्थ णं जे से उवरिमवि-
 डिमे एत्थ णं एगे महं सिद्धायतणे कोसं आयामेणं अट्ठकोसं विवखंभेणं देसूणं
 कोसं उड्डं उच्चत्तेणं अणेगाखंभसयसणिज्जविट्ठे वण्णओ तिदिसिं तथो दारा पंच-
 धणुसया अट्ठाइज्जधणुसयविकखंभा मणिपेढिया पंचधणुसइया देवच्छंदओ पंचधनु-
 सयविकखंभो साइरेगपंचधणुसयउच्चत्ते । तत्थ णं देवच्छंदए अट्ठसयं जिण-

पडिमाणं जिणुस्सेहपमाणाणं, एवं सव्वा सिद्धायतणवत्तव्वया भाणियव्वा जाव
 धूयकडुच्छुया उत्तिमागास सोलसविहेहिं रयणेहिं उवेए चेव जंबू णं सुदंसणा मूले
 वारसहिं पउमवरवेइयाहिं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ता, ताओ णं पउमवरवेइयाओ
 अद्दजोयणं उड्हं उच्चत्तेणं पंचधणुसयाइं विक्खंभेणं वण्णओ ॥ जंबू णं सुदंसणा
 अण्णेणं अद्दसएणं जंबूणं तयद्धुच्चत्तपमाणमेत्तेणं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ता ।
 ताओ णं जंबूओ चत्तारि जोयणाइं उड्हं उच्चत्तेणं कोसं चोव्वेहेणं जोयणं खेधो
 कोसं विक्खंभेणं तिण्णि जोयणाइं विडिमा बहुमज्झदेसभाए चत्तारि जोयणाइं
 विक्खंभेणं साइरेगाइं चत्तारि जोयणाइं सव्वग्गेणं वइरामयमूला सो चेव चेइय-
 रुत्तवण्णओ ॥ जंबूए णं सुदंसणाए अवरुत्तरेणं उत्तरेणं उत्तरपुरन्धिमेणं एत्थ णं
 अणादियस्स देवस्स चउण्हं सामाणियसाहस्सीणं चत्तारि जंबूसाहस्सीओ, पण्णत्ताओ
 जंबूए णं सुदंसणाए पुरन्धिमेणं एत्थ णं अणादियस्स देवस्स चउण्हं अगमहिंसीणं
 चत्तारि जंबूओ पण्णत्ताओ, एवं परिवासो सव्वो पायव्वो जंबूए जाव आयर-
 क्खणं ॥ जंबू णं सुदंसणा तिहिं जोयणसएहिं वणसंडेहिं सव्वओ समंता संपरि-
 क्खित्ता, तंजहा—पटमेणं दोस्सेणं तच्चेणं । जंबूए णं सुदंसणाए पुरन्धिमेणं
 पटमं वणसंडं पण्णासं जोयणाइं ओगाहित्ता एत्थ णं एगे महं भवणे पण्णत्ते,
 पुरन्धिमिल्ले भवणसरिसे भाणियव्वे जाव सयणिज्जं, एवं दाहिणेणं पच्चत्थिमेणं
 उत्तरेणं ॥ जंबूए णं सुदंसणाए उत्तरपुरन्धिमेणं पटमं वणसंडं पण्णासं जोयणाइं
 ओगाहित्ता चत्तारि णंदापुक्खरिणीओ पण्णत्ताओ, तंजहा—पउमा पउमपमा चेव
 कुमुया कुमुयप्पमा । ताओ णं णंदाओ पुक्खरिणीओ कोसं आयामेणं अद्दकोसं
 विक्खंभेणं पंचधणुसयाइं उव्वेहेणं अच्छाओ सण्हाओ ल्हाओ घट्ठाओ मट्ठाओ
 णिपंकाओ णीरयाओ जाव पडिरूवाओ वण्णओ भाणियव्वो जाव तोरणत्ति छत्ताइ-
 छत्ता ॥ तासि णं णंदापुक्खरिणीणं बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं पासायवडेंसए पण्णत्ते
 कोसपमाणे अद्दकोसं विक्खंभो सो चेव वण्णओ जाव सीहासणं सपरिवारं । एवं
 दक्खिणपुरन्धिमेणवि पण्णासं जोयणा० चत्तारि णंदापुक्खरिणीओ उप्पल्लसुग्गमा
 णलिणा उप्पल्ला उप्पल्लज्जला तं चेव पमाणं तहेव पासायवडेंसगो तप्पमाणो । एवं
 दक्खिणपच्चत्थिमेणवि पण्णासं जोयणाणं णवरं—भिग्गा भिग्गणिभा चेव अंज्जणा वज्ज-
 लप्पमा, सेसं तं चेव । जंबूए णं सुदंसणाए उत्तरपुरन्धिमेणं पटमं वणसंडं पण्णासं
 जोयणाइं ओगाहित्ता एत्थ णं चत्तारि णंदाओ पुक्खरिणीओ पण्णत्ताओ तं०—

सिरिकंता सिरिमहिया सिरिचंदा चेव तह य सिरिणिलया । तं चेव पमाणं तद्देव
पासायवडैंसगस्स दाहिणेणं एत्थ णं एगे महं कूडे पण्णत्ते अट्ठ जोयणाइं उड्ढं
उच्चत्तेणं मूले बारस्स जोयणाइं विकखेमेणं मज्झे अट्ठ जोयणाइं आयामविकखेमेणं
उवरिं चत्तारि जोयणाइं आयामविकखेमेणं मूले साइरेगाइं सत्ततीसं जोयणाइं
परिक्खेवेणं मज्झे साइरेगाइं पणुवीसं जोयणाइं परिक्खेवेणं उवरिं साइरेगाइं बारस्स
जोयणाइं परिक्खेवेणं मूले विच्छिण्णे मज्झे संखित्ते उप्पिं तणुए गोपुच्छसंठाणसंठिए
सव्वजंबूणयामए अच्छे जाव पडिरूवे, से णं एगाए पउमवरवेइवाए एगेणं वणसंडेणं
सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते दोण्हवि वण्णओ ॥ तस्स णं कूडस्स उवरि बहुसमर-
मणिजे भूमिभागे पण्णत्ते जाव आसयंति० ॥ तस्स णं बहुसमरमणिजस्स भूमिभागस्स
बहुमज्झदेसभाए एगं सिद्धाययणं कोसपमाणं सव्वा सिद्धाययणवत्तव्वया । जंबूए णं
सुदंसणाए पुरत्थिमस्स भवणस्स दाहिणेणं दाहिणपुरत्थिमिल्लस्स पासायवडैंसगस्स
उत्तरेणं एत्थ णं एगे महं कूडे पण्णत्ते तं चेव पमाणं सिद्धाययणं च । जंबूए णं
सुदंसणाए दाहिणिल्लस्स भवणस्स पुरत्थिमेणं दाहिणपुरत्थिमस्स पासायवडैंसगस्स
पच्चत्थिमेणं एत्थ णं एगे महं कूडे पण्णत्ते, दाहिणस्स भवणस्स पच्चत्थिमेणं
दाहिणपच्चत्थिमिल्लस्स पासायवडैंसगस्स पुरत्थिमेणं एत्थ णं एगे महं कूडे पण्णत्ते
तं चेव पमाणं सिद्धाययणं च, जंबूओ पच्चत्थिमिल्लस्स भवणस्स दाहिणेणं दाहिण-
पच्चत्थिमिल्लस्स पासायवडैंसगस्स उत्तरेणं एत्थ णं एगे महं कूडे प० तं चेव पमाणं
सिद्धाययणं च, जंबूए० पच्चत्थिमिल्लस्स भवणस्स उत्तरेणं उत्तरपच्चत्थिमिल्लस्स
पासायवडैंसगस्स दाहिणेणं एत्थ णं एगे महं कूडे पण्णत्ते तं चेव पमाणं सिद्धाय-
यणं च । जंबूए० उत्तरस्स भवणस्स पच्चत्थिमेणं उत्तरपच्चत्थिमस्स पासायवडैं-
सगस्स पुरत्थिमेणं एत्थ णं एगे महं कूडे पण्णत्ते, तं चेव० जंबूए० उत्तरभवणस्स
पुरत्थिमेणं उत्तरपुरत्थिमिल्लस्स पासायवडैंसगस्स पच्चत्थिमेणं एत्थ णं एगे महं कूडे
पण्णत्ते, तं चेव पमाणं तद्देव सिद्धाययणं । जंबू णं सुदंसणा अण्णेहिं बहूहिं तिलएहिं
लउएहिं जाव रायस्सखेहिं हिंगुस्सखेहिं जाव सव्वओ समंता संपरिक्खित्त । जंबूए
णं सुदंसणाए उवरिं बह्वे अट्ठमंगलगा पण्णत्ता, तंजहा—सोत्थियसिरिवच्छ०
किण्हा चामरज्झया जाव छत्ताइच्छत्ता ॥ जंबूए णं सुदंसणाए दुवालस्स णामधेज्जा
पण्णत्ता, तंजहा—सुदंसणा अमोहा य, सुप्पबुद्धा जसोघरा । विदेहजंबू सोमणसा,

णियया णिच्चमंडिया ॥१॥ सुमद्वा य विसाला य, सुजाया सुमणीतिया । सुदंसणाए जंबूए, णामधेजा दुवालस ॥२॥ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ—जंबूसुदंसणा २ ? गोयमा ! जंबूए णं सुदंसणाए जंबूदीवाहिबई अणाडिए णामं देवे महिड्ढिए जाव पलिओवमट्ठिए परिवसइ, से णं तत्थ चउण्हं सामाणियसाहसीणं जाव जंबूदीवस्स जंबूए सुदंसणाए अणाडियाए व रायहाणीए जाव विहरंति । कहि णं भंते ! अणाडि-यस्स जाव समत्ता वत्तव्वया रायहाणीए महिड्ढिए । अदुत्तरं च णं गोयमा ! जंबूदीवे २ तत्थ तत्थ देसे २ तहिं २ बहवे जंबूस्स जंबूवणा जंबूवणसंडा णिच्चं कुमुमिया जाव सिराए आईव २ उवसोभेमाणा २ चिट्ठंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ—जंबूदीवे २, अदुत्तरं च णं गोयमा ! जंबूदीवस्स सासए णामधेजे पण्णत्ते, जण्ण कयावि णासि जाव णिच्चे ॥१५२॥ जंबूदीवे णं भंते ! दीवे कइ चंदा पमासिं सु वा पमासेंति वा पमासिस्संति वा ? कइ सूरिया तविंसु वा तवंति वा तविस्संति वा ? कइ णक्खत्ता जोयं जोइंसु वा जोयंति वा जोएस्संति वा ? कइ महग्गहा चारं चरिंसु वा चरिंति वा चरिस्संति वा ? केवइयाओ तारागणकोडाकोडीओ सोहिंसु वा सोहंति वा सोहेस्संति वा ? गोयमा ! जंबूदीवे णं दीवे दो चंदा पमासिंसु वा ३ दो सूरिया तविंसु वा ३ छण्णणं णक्खत्ता जोगं जोइंसु वा ३ छावसरं गहसयं चारं चरिंसु वा ३—एगं च सयसहस्सं तेत्तीसं खलु भवे सहस्साइ । णव य सया पण्णासा तारागणकोडाकोडीणं ॥१॥ सोभिंसु वा सोभंति वा सोभिस्संति वा ॥ १५३ ॥ जंबूदीवं णामं दीवं लवणं णामं समुद्दे वट्ठे वलयागारसंटाणसंठिए सव्वओ समंता संपरिक्खित्ताणं चिट्ठइ ॥ लवणे णं भंते ! समुद्दे किं समचक्कवालसंठिए विसमचक्क-वालसंठिए ? गोयमा ! समचक्कवालसंठिए गो विसमचक्कवालसंठिए ॥ लवणे णं भंते ! समुद्दे केवइयं चक्कवालविकल्हेणं केवइयं परिकखेवेणं पण्णत्ते ? गोयमा ! लवणे णं समुद्दे दो जोयणसयसहस्साइ चक्कवालविकल्हेणं पण्णरस जोयणसयसहस्साइ एगासीइसहस्साइ सयमेगुणचत्तालीसे किंचिविसेसूणं परिकखेवेणं पण्णत्ते । से णं एकाए पउमवरवेइयाए एगेण य वणसंडेणं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते चिट्ठइ, दोण्हवि वण्णओ । सा णं पउमवर० अद्धजोयणं उट्ठं० पंचघणुसयविकल्हेणं लवणसमुद्दसमियपरिकखेवेणं, सेसं तहेव । से णं वणसंडे देसूणाइ दो जोयणाइ जाव विहरइ ॥ लवणस्स णं भंते ! समुद्दस्स कइ दारा पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि दारा पण्णत्ता, तंजहा—विजए वेजयंते जयंते अपराजिए ॥ कहि णं भंते ! लवण-

समुद्दस्स विजए णामं दारे पण्णत्ते ? गोयमा ! लवणसमुद्दस्स पुरत्थिमपेरेंते धायइत्वंडस्स दीवस्स पुरत्थिमद्वस्स पच्चत्थिमेणं सीओयाए महाणईए उप्पि एत्थ णं लवणस्स समुद्दस्स विजए णामं दारे पण्णत्ते अट्ठ जोयणाई उड्ढं उच्चत्तेणं चत्तारि जोयणाई विक्खंमेणं, एवं तं चेव सव्वं जहा जंबुद्वीवस्स विजयसरिसेवि [दारसरि-समेयंणि] रायहाणी पुरत्थिमेणं अण्णमि लवणसमुद्दे ॥ कहि णं भंते ! लवणसमुद्दे वेजयंते णामं दारे पण्णत्ते ? गोयमा ! लवणसमुद्दे दाहिणपेरेंते धायइत्वंडदीवस्स दाहिणद्वस्स उत्तरेणं सेसं तं चेव सव्वं । एवं जयंतेवि, णवरि सीयाए महाणईए उप्पि भाणियव्वे । एवं अपराजिएवि, णवरं दिसीभागो भाणियव्वो ॥ लवणस्स णं भंते ! समुद्दस्स दारस्स य २ एस णं केवइयं अवाहाए अंतरे पण्णत्ते ? गोयमा ! 'तिण्णेव सयसहस्सा पंचाणउइं भये सहस्साइं । दो जोयणसय असिया कोसं दारंतरे लवणे ॥१॥' जाव अवाहाए अंतरे पण्णत्ते । लवणस्स णं पएसो धायइत्वंड दीवं पुट्ठा, तहेव जहा जंबूदीवे धायइत्वंडेवि सो चेव गमो । लवणे णं भंते ! समुद्दे जीवा उट्ठाइत्ता सो चेव विही; एवं धायइत्वंडेवि ॥ से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ-लवणसमुद्दे २? गोयमा ! लवणे णं समुद्दे उदगो आविले रइले लोणे लिंदे खारए कडुए अभ्भेजे बहूणं दुपयच्चउपयमियपसुपक्खिसरीसिवाणं णण्णत्थ तज्जोणियाणं सत्ताणं, सुट्ठिए एत्थ लवणाहिंवई देवे महिड्ढिए पलिओवमट्ठिइए, से णं तत्थ सामाणिय जाव लवणसमुद्दस्स सुट्ठियाए रायहाणीए अण्णेसिं जाव विहरइ, से एएणट्ठेणं गो० ! एवं बुच्चइ लवणे णं समुद्दे २, अदुत्तरं च णं गो० ! लवणसमुद्दे सासए जाव गिच्चे ॥१५४॥ लवणे णं भंते ! समुद्दे कह चंदा पमांसिं सु वा पमांसिति वां पमासिस्संति वा ? एवं पंचण्हवि पुच्छा, गोयमा ! लवणसमुद्दे चत्तारि चंदा पमांसिं सु वा ३ चत्तारि सूरिया तविंसु वा ३ बारसुत्तरं णक्खत्तसयं जोगं जोएसु वा ३ तिणिं वावण्णा महम्महसया चारं चरिंसु वा ३ दुणिं सयसहस्सा सत्तड्ढिं च सहस्सा णव य सया तारागणकोडाकोडीणं सोमं सोमिंसु वा ३ ॥ १५५ ॥ कम्हा णं भंते ! लवणसमुद्दे चाउदसड्ढमुट्ठिपुणिमासिणीसु अइरेगं २ बड्ढइ वा हायइ वा ? गोयमा ! जंबुद्वीवस्स णं दीवस्स चउट्ठिंसिं वाहिरिह्ठाओ वेइयंताओ लवणसमुद्दं पंचाणउइ २ जोयणसह-स्साइं ओगाहिता एत्थ णं चत्तारि महालिंजरसंठाणसंठिया महइमहालया महा-पायाला पण्णत्ता, तंजहा-वल्लयामुद्दे केऊए ज्वे ईसरे, ते णं महापायाला एगमेगं जोयणसयसहस्सं उव्वेहेणं मूले दस जोयणसहस्साइं विक्खंमेणं मज्जे एगपएसियाए

सेदीए एगमेगं जोयणसयसहस्सं विक्खंमेणं उवरिं मुहमूले दस जोयणसहस्साइं विक्खंमेणं ॥ तेसि णं महापायालाणं खुड्डा सव्वत्थ समा दसजोयणसयवाहल्ला पण्णत्ता सव्ववद्दरामया अच्छा जाव पडिरुवा ॥ तत्थ णं बहवे जीवा पोमग्ला य अवक्कमंति विउक्कमंति चयंति उवचयंति सासया णं ते खुड्डा दव्वट्ठयाए वण्णपज्जे वेहिं० असासया ॥ तत्थ णं चत्तारि देवा महिड्डिया जाव पलिओवमट्ठिइया परिचसंति, तंजहा—काले महाकाले वेल्हे पमंजणे ॥ तेसि णं महापायालाणं तओ तिभागा पण्णत्ता, तंजहा—हेट्ठिल्ले तिभागे मज्झिल्ले तिभागे उवरिल्ले तिभागे ॥ ते णं तिभागा तेत्तीसं जोयणसहस्सा तिणिणं य तेत्तीसं जोयणसयं जोयणतिभागं च वाहल्लेणं । तत्थ णं जे से हेट्ठिल्ले तिभागे एत्थ णं वाउकाओ संचिट्ठइ, तत्थ णं जे से मज्झिल्ले तिभागे एत्थ णं वाउकाए य आउकाए य संचिट्ठइ, तत्थ णं जे से उवरिल्ले तिभागे एत्थ णं आउकाए संचिट्ठइ, अदुत्तरं च णं गोयमा ! लवणसमुद्वे तत्थ २ देसे...बहवे खुड्डालिंजरसंठाणसंठिया खुड्डापायालकल्ला पण्णत्ता, ते णं खुड्डा पायाला एगमेगं जोयणसहस्सं उव्वेहेणं मूले एगमेगं जोयणसयं विक्खंमेणं मज्झे एगवएसियाए सेदीए एगमेगं जोयणसहस्सं विक्खंमेणं उप्पिं मुहमूले एगमेगं जोयणसयं विक्खंमेणं ॥ तेसि णं खुड्डागपायालाणं खुड्डा सव्वत्थ समा दस जोयणाइं वाहल्लेणं पण्णत्ता सव्ववद्दरामया अच्छा जाव पडिरुवा । तत्थ णं बहवे जीवा पोमग्ला य जाव असासयावि, पत्तेयं २ अद्धपलिओवमट्ठिइयाहिं देवयाहिं परिगहिया ॥ तेसि णं खुड्डागपायालाणं तओ तिभागा प०, तंजहा—हेट्ठिल्ले तिभागे मज्झिल्ले तिभागे उवरिल्ले तिभागे, ते णं तिभागा तिणिणं तेत्तीसे जोयणसए जोयणतिभागं च वाहल्लेणं पण्णत्ते । तत्थ णं जे से हेट्ठिल्ले तिभागे एत्थ णं वाउकाओ मज्झिल्ले तिभागे वाउकाए आउकाए य उवरिल्ले आउकाए, एवामेव सपुव्वावरेणं लवणसमुद्वे सत्त पायालसहस्सा अद्ध य चुलसीया पायालसया भवतीति मक्खाया ॥ तेसि णं महापायालाणं खुड्डागपायालाणं य हेट्ठिममज्झिल्लेसु तिभागेसु बहवे ओराला वाया संसेयंति संमुच्छिमंति एयंति चलेति कंपंति खुम्भंति घट्टंति पंदंति तं तं भावं परिणमंति तया णं से उदए उण्णामिज्जइ, जया णं तेसिं महापायालाणं खुड्डागपायालाणं य हेट्ठिल्लमज्झिल्लेसु तिभागेसु णो बहवे ओराला जाव तं तं भावं णं परिणमंति तया णं से उदए णो उण्णामिज्जइ अंतरावि य णं ते वायं उदीरोति अंतरावि य णं से उदगे उण्णामिज्जइ अंतरावि य ते वाया णो उदीरंति अंतरावि य णं से उदगे णो उण्णामिज्जइ, एवं खलु गोयमा ! लवणसमुद्वे चाउदसड्डुट्ठिइ-

पुण्णमासिणीसु अइरेगं २ वड्डइ वा हायइ वा ॥ १५६ ॥ लवणे णं भंते ! समुदे तीसाए मुहुत्ताणं कइखुत्तो अइरेगं २ वड्डइ वा हायइ वा ? गोयमा ! लवणे णं समुदे तीसाए मुहुत्ताणं दुक्खुत्तो अइरेगं २ वड्डइ वा हायइ वा ॥ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ—लवणे णं समुदे तीसाए मुहुत्ताणं दुक्खुत्तो अइरेगं २ वड्डइ वा हायइ वा ? गोयमा ! उड्डमंतेसु पायालेसु वड्डइ आपूरिएसु पायालेसु हायइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! लवणे णं समुदे तीसाए मुहुत्ताणं दुक्खुत्तो अइरेगं अइरेगं वड्डइ वा हायइ वा ॥ १५७ ॥ लवणसिहा णं भंते ! केवइयं चकवालविकल्हेमेणं केवइयं अइरेगं २ वड्डइ वा हायइ वा ? गोयमा ! लवणसिहाए णं दस जोयणसहस्साइं चकवाल-विकल्हेमेणं देसूणं अद्दजोयणं अइरेगं २ वड्डइ वा हायइ वा ॥ लवणस्स णं भंते ! समुद्स्स कइ णागसाहस्सीओ अब्भितरियं वेले धारंति ? कइ णागसाहस्सीओ बाहिरियं वेले धरंति ? कइ णागसाहस्सीओ अग्गोदयं धरंति ? गोयमा ! लवणसमुद्स्स बायालीसं णागसाहस्सीओ अब्भितरियं वेले धारंति, नावत्तरिं णागसाहस्सीओ बाहिरियं वेले धरंति, सट्ठिं णागसाहस्सीओ अग्गोदयं धरंति, एवामेव सपुब्बावरेणं एगा णागसयसाहस्सी चोवत्तरिं च णागसहस्सां भवंतीति मक्खाया ॥ १५८ ॥ कइ णं भंते ! वेलेधरा णागराया पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि वेलेधरा णागराया पण्णत्ता, तंजहा—गोथूमे सिवए संखे मणोसिलए ॥ एएसि णं भंते ! चउण्हं वेलेधरणागरायाणं कइ आवासपव्वया पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि आवासपव्वया पण्णत्ता, तंजहा—गोथूमे उदगभासे संखे दगसीमाए ॥ कहि णं भंते ! गोथूमस्स वेलेधरणागरायास्स गोथूमे णागं आवासपव्वए पण्णत्ते ? गोयमा ! जंबूदीवे दीवे मंदरस्स प० पुरत्थिमेणं लवणं समुद्दं बायालीसं जोयणसहस्साइं ओगाहिता एत्थं णं गोथूमस्स वेलेधरणागरायास्स गोथूमे णागं आवासपव्वए पण्णत्ते सत्तस्सएकवीसाइं जोयणसयाइं उड्डं उच्चत्तेणं चत्तारि तीसे जोयणसए कोसं च उव्वेहेणं मूले दसवावीसे जोयणसए आयामविकल्हेमेणं मज्जे सत्ततेवीसे जोयणसए उवरिं चत्तारि चउवीसे जोयणसए आयामविकल्हेमेणं मूले तिण्णि जोयणसहस्साइं दोण्णि य वत्तीसुत्तरे जोयणसए किंचिविसेसूणे परिकखेवेणं मज्जे दो जोयणसहस्साइं दोण्णि य छलसीए जोयणसए किंचिविसेसाहिए परिकखेवेणं उवरि एगं जोयणसहस्सं तिण्णि य ईयाले जोयणसए किंचिविसेसूणे परिकखेवेणं मूले वित्थिण्णे मज्जे सत्थित्ते उप्पि तणुए गोपुच्छसंटाणसंठिए सव्वकणगामए अच्छे जाव पडिरूवे ॥ से णं एगाए पउमवर-

वेइयाए एगेण य वणसंडेण सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते, दोण्हवि वणणओ ॥ गोथूभस्स णं आवासपव्वयस्स उवरिं बहुसमरमणिजे भूमिभागे पण्णत्ते जाव आस-
यंति० ॥ तस्स णं बहुसमरमणिजस्स भूमिभागस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं एगे
महं पासायवडैसए वाचड्डं जोयणद्धं च उड्डं उच्चत्तेणं तं चेव पमाणं अद्धं आयाम-
विक्रमेणं वणणओ जाव सीहासणं सपरिवारं ॥ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-गोथूमे
आवासपव्वए २ ? गोयमा ! गोथूमे णं आवासपव्वए तत्थ २ देसे २ तहिं २ बहूओ
खुड्डाखुड्डियाओ जाव गोथूभवण्णाइं बहूइं उप्पलाइं तहेव जाव गोथूमे तत्थ देवे
महिड्डिणं जाव पल्लिओवमट्ठिइए परिवसइ, से णं तत्थ चउण्हं सामाणियसाहस्सीणं
जाव गोथूभयस्स आवासपव्वयस्स गोथूभाए रायहाणीए जाव विहरइ, से तेणट्ठेणं
जाव णिच्चे ॥ रायहाणि पुच्छा, गोयमा ! गोथूभस्स आवासपव्वयस्स पुरत्थिमेणं
तिरियमसंखेजे दीवसमुद्दे वीइवइत्ता अण्णमि लवणसमुद्दे तं चेव पमाणं तहेव सव्वं ॥
कहि णं भंते ! सिवगस्स वेलेधरणागरायस्स दओभासणामे आवासपव्वए पण्णत्ते ?
गोयमा ! जंबुद्वीवे णं दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दक्खिणेणं लवणसमुद्दे बायालीसं जोयण-
सहस्साइं ओगाहिता एत्थ णं सिवगस्स वेलेधरणागरायस्स दओभासे णामं आवास-
पव्वए पण्णत्ते, तं चेव पमाणं जं गोथूभस्स, णवरि सव्वअंकामए अच्छे जाव पडिरूवे
जाव अट्ठो भाणियव्वो, गोयमा ! दओभासे णं आवासपव्वए लवणसमुद्दे अट्ठजोयणि-
यस्सेत्ते दगं सव्वओ समंता ओभासेइ उज्जोवेइ तवइ पभासेइ सिवए इत्थ देवे महि-
ड्डिणं जाव रायहाणी से दक्खिणेणं सिक्किा दओभासस्स सेसं तं चेव ॥ कहि णं भंते !
संखस्स वेलेधरणागरायस्स संखे णामं आवासपव्वए पण्णत्ते ? गोयमा ! जंबुद्वीवे णं
दीवे मंदरस्स पव्वयस्स पच्चत्थिमेणं लवणसमुद्दं बायालीसं जोयणसहस्साइं ओगाहिता
एत्थ णं संखस्स वेलेधर० संखे णामं आवासपव्वए प० तं चेव पमाणं णवरं सव्वरय-
णामए अच्छे जाव पडिरूवे । से णं एगाए पडमवरवेइयाए एगेण य वणसंडेणं
जाव अट्ठो बहूओ खुड्डाखुड्डियाओ जाव बहूइं उप्पलाइं संखपभाइं संखवण्णाइं
संखवण्णपभाइं संखे एत्थ देवे महिड्डिणं जाव रायहाणीए पच्चत्थिमेणं संखस्स
आवासपव्वयस्स संखा णाम रायहाणी तं चेव पमाणं ॥ कहि णं भंते ! मणो-
सिलगस्स वेलेधरणागरायस्स उदगसीमाए णामं आवासपव्वए पण्णत्ते ? गोयमा !
जंबुद्वीवे २ मंदरस्स प० उत्तरेणं लवणसमुद्दं बायालीसं जोयणसहस्साइं ओगाहिता
एत्थ णं मणोसिलगस्स वेलेधरणागरायस्स उदगसीमाए णामं आवासपव्वए पण्णत्ते

तं चेव पमाणं णवरि सव्वफलिहामए अच्छे जाव पडिरुत्ते अट्ठो, गोयमा ! दगसीमंते णं आवासपव्वए सीयासीयोयगाणं महानईणं तत्थ गओ सोए पडिहम्मइ से तेण्ड्रेणं जाव णिच्चे, मणोसिलए एत्थ देव महिड्डिए जाव से णं तत्थ चउण्हं सामाणियं जाव विहरइ ॥ कहि णं भंते ! मणोसिलगस्स वेलंधरणागरायस्स मणोसिला णाम रायहाणी पण्णत्ता ? गोयमा ! दगसीमस्स आवासपव्वयस्स उत्तरेणं तिरिं अण्णमि लवणे एत्थ णं मणोसिलिया णाम रायहाणी पण्णत्ता तं चेव पमाणं जाव मणोसिलए देवे—कणगंकरययफालियमया य वेलंधराणमावासा । अणुवेलंधरराईण पव्वया होति रयणमया ॥१॥१५९॥ कइ णं भंते ! अणुवेलंधरणागरायाणो पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि अणुवेलंधरणागरायाओ पण्णत्ता, तंजहा—कक्कोडए कइमए केलासे अरुणप्पमे ! एएसि णं भंते ! चउण्हं अणुवेलंधरणागरायाणं कइ आवासपव्वया पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि आवासपव्वया पण्णत्ता, तंजहा—कक्कोडए १ कइमए २ कइलासे ३ अरुणप्पमे ४ ॥ कहि णं भंते ! कक्कोडगस्स अणुवेलंधरणागरायस्स कक्कोडए णाम आवासपव्वए पण्णत्ते ? गोयमा ! जंबुदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरपुरच्छिमेणं लवणसमुद्दं वायालीसं जोयणसहस्साइं ओगाहिता एत्थ णं कक्कोडगस्स णागरायस्स कक्कोडए णाम आवासपव्वए पण्णत्ते सत्तरस एक्कवीसाइं जोयणसयाइं तं चेव पमाणं जं गोयूमस्स णवरि सव्वरयणामए अच्छे जाव णिरवसेसं जाव सीहासणं सपरिवारं अट्ठो से नहूइं उप्पलाइं० कक्कोडप्पभाइं सेसं तं चेव णवरि कक्कोडगपव्वयस्स उत्तरपुरच्छिमेणं, एवं तं चेव सव्वं, कइमस्सवि सो चेव गमओ अपरिसेसिओ, णवरि दाहिणपुरच्छिमेणं आवासो विज्जुप्पमा रायहाणी दाहिणपुरत्थिमेणं, कइलासेवि एवं चेव, णवरि दाहिणपच्चत्थिमेणं कइलासावि रायहाणी ताए चेव दिसाए, अरुणप्पमेवि उत्तरपच्चत्थिमेणं रायहाणीवि ताए चेव दिसाए, चत्तारि विगप्पमाणा सव्वरयणामया य ॥ १६० ॥ कहि णं भंते ! मुट्ठियस्स लवणाहिवइस्स गोयमदीवे णामं दीवे पण्णत्ते ? गोयमा ! जंबुदीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स पच्चत्थिमेणं लवणसमुद्दं बारसजोयणसहस्साइं ओगाहिता एत्थ णं मुट्ठियस्स लवणाहिवइस्स गोयमदीवे० पण्णत्ते, बारसजोयणसहस्साइं आयामविकलंमेणं सत्ततीसं जोयणसहस्साइं णव य अट्ठयाले जोयणसए किंचिविसेसूणे परिकस्सेवेणं जंबुदीवेतेणं अट्ठेरूणणउए जोयणाइं चत्तालीसं पंचणउइमागे जोयणस्स ऊसिए जलंताओ लवणसमुद्दंतेणं दो कोसे ऊसिए जलंताओ ॥ से णं एगाए पउमवरवेइयाए एगेण य वणसंडेणं सव्वओ समंता तहेव

वण्णओ दोण्हवि । गोयमदीवस्स णं दीवस्स अंतो जाव बहुसमरमणिजे भूमिभागे पण्णत्ते, से जहाणामए—आलिं० जाव आसयंति० । तस्स णं बहुसमरमणिजस्स भूमिभागस्स बहुमज्झदेसभागे एत्थ णं सुट्ठियस्स लवणाहिवइस्स एगे महं अइक्कीला-
वासे णामं भोमेज्जविहारे पण्णत्ते वावट्ठिं जोयणाइं अद्धजोयणं उड्डं उच्चत्तेणं एकत्तीसं जोयणाइं कोसे च विक्खंभेणं अणेराखंभसयसणिविट्ठे सव्वो भवणवण्णओ भाणियव्वो ।
अइक्कीलावागस्स णं भोमेज्जविहारस्स अंतो बहुसमरमणिजे भूमिभागे पण्णत्ते जाव मणीणं फामो । तस्स णं बहुसमरमणिजस्स भूमिभागस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थ एगा मणिपेट्ठिया पण्णत्ता । सा णं मणिपेट्ठिया दो जोयणाइं आयामविक्खंभेणं जोयणवाह-
ल्लेणं सव्वमणिमई अच्छा जाव पडिरूवा । तीसे णं मणिपेट्ठियाए उवरि एत्थ णं देवस-
यणिजे पण्णत्ते वण्णओ ॥ से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—गोयमदीवे दीवे २ ? गोयमा !
गोयमदीवे णं दीवे तत्थ २ देसे २ तहिं २ बहूइं उप्पलाइं जाव गोयमप्पमाइं से एएणट्ठेणं
गोयमा ! जाव णिच्चे । कहि णं भंते ! सुट्ठियस्स लवणाहिवइस्स सुट्ठिया णामं रायहाणी
पण्णत्ता ? गोयमा ! गोयमदीवस्स पच्चत्थिमेणं तिरियमसंखेजे जाव अण्णंमि लवणसमुद्धे
वारस जोयणसहस्साइं ओगाहिता, एवं तहेव सव्वं णेयव्वं जाव सुट्ठिए देवे ॥१६१॥
कहि णं भंते ! जंबुदीवगाणं चंदाणं चंददीवा णामं दीवा पण्णत्ता ? गोयमा !
जंबुदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमेणं लवणसमुद्धं वारस जोयणसहस्साइं ओगा-
हिता एत्थ णं जंबुदीवगाणं चंदाणं चंददीवा णामं दीवा पण्णत्ता, जंबुदीवतेणं
अद्धेगूणणउड्जोयणाइं चत्तालीसं पंचाणउड्डं भागे जोयणस्स ऊसिया जलंताओ
लवणसमुद्धंतेणं दो कोसे ऊसिया जलंताओ वारस जोयणसहस्साइं आयामविक्खं-
भेणं, सेसं तं चेव जहा गोयमदीवस्स परिवस्सेवो पउमवरवेइया पत्तेयं २ वणसंडपरि०
दोण्हवि वण्णओ बहुसमरमणिजा भूमिभागा जाव जोइसिया देवा आसयंति० । ते सि
णं बहुसमरमणिजे भूमिभागे पासायवडेंसगा वावट्ठिं जोयणाइं० बहुमज्झ० मणिपेट्ठि-
याओ दो जोयणाइं जाव सीहासणा सपरिवारा भाणियव्वा तहेव अट्ठो, गोयमा !
बहूसु खुड्डसु खुड्डियासु बहूइं उप्पलाइं० चंदवण्णामां चंदा एत्थ देवा महिड्डिया
जाव पलिओवमट्ठिइया परिवसंति, ते णं तत्थ पत्तेयं पत्तेयं चउण्हं सामाणियसाह-
स्सीयं जाव चंददीवाणं चंदाणं य रायहाणीणं अण्णेसिं च बहूणं जोइसियाणं देवाणं
देवीणं य आदेवच्चं जाव विहरंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! चंददीवा जाव णिच्चा ! कहि
णं भंते ! जंबुदीवगाणं चंदाणं चंदाओ णाम रायहाणीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा !
चंददीवाणं पुरत्थिमेणं तिरियं जाव अण्णंमि जंबुदीवे २ वारस जोयणसहस्साइं

ओगाहिता तं चेव पमाणं जाव एमहिड्डिया चंदा देवा २ ॥ कहि णं भंते ! जंबु-
दीवगाणं सूरानं सूरदीवा णामं दीवा पणत्ता ? गोयमा ! जंबुदीवे २ मंदरस्स
पव्वयस्स पच्चत्थिमेणं लवणसमुदं बारस जोयणसहस्साइं ओगाहिता तं चेव उच्चत्तं
आयामविकल्हेणं परिकखेवो वेइया वणसंडा भूमिभागा जाव आसयंति० पासायवेइं-
सगाणं तं चेव पमाणं मणिपेडिया सीहासणा सपरिवारा अट्ठो उप्पलाइं० सूरपमाइं
सूरा एत्थ देवा जाव रायहाणीओ सगाणं दीवाणं पच्चत्थिमेणं अण्णंमि जंबुदीवे
दीवे सेसं तं चेव जाव सूरा देवा २ ॥१६२॥ कहि णं भंते ! अन्निभतरलावणमाणं
चंदाणं चंददीवा णामं दीवा पणत्ता ? गोयमा ! जंबुदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स
पुरत्थिमेणं लवणसमुदं बारस जोयणसहस्साइं ओगाहिता एत्थ णं अन्निभतरलावण-
माणं चंदाणं चंददीवा णामं दीवा पणत्ता, जहा जंबुदीवगा चंदा तहा भाणियव्वा
णवरि रायहाणीओ अण्णंमि लवणे सेसं तं चेव । एवं अन्निभतरलावणमाणं सूरान्वि
लवणसमुदं बारस जोयणसहस्साइं तहेव सव्वं जाव रायहाणंओ ॥ कहि णं भंते !
बाहिरलावणमाणं चंदाणं चंददीवा० पणत्ता ? गोयमा ! लवणस्स समुदस्स पुरत्थि-
मिल्लाओ वेइयंताओ लवणसमुदं पच्चत्थिमेणं बारस जोयणसहस्साइं ओगाहिता एत्थ णं
बाहिरलावणमाणं चंदाणं चंददीवा णामं दीवा पणत्ता धायइसंडदीवतेणं अट्ठेगूणव-
इजोयणाइं चत्तालीसं च पंचणउइभागे जोयणस्स ऊसिया जलंताओ लवणसमुदंतेणं
दो कोसे ऊसिया बारस जोयणसहस्साइं आयामविकल्हेणं पउमवरवेइया वणसंडा
बहुसमरमणिज्जा भूमिभागा मणिपेडिया सीहासणा सपरिवारा सो चेव अट्ठो राय-
हाणीओ सगाणं दीवाणं पुरत्थिमेणं तिरियमसं० अण्णंमि लवणसमुदं तहेव सव्वं ।
कहि णं भंते ! बाहिरलावणमाणं सूरानं सूरदीवा णामं दीवा पणत्ता ? गोयमा !
लवणसमुदं पच्चत्थिमिल्लाओ वेइयंताओ लवणसमुदं पुरत्थिमेणं बारस जोयणसहस्साइं
धायइसंडदीवतेणं अट्ठेगूणउइं जोयणाइं चत्तालीसं च पंचणउइभागे जोयणस्स दो
कोसे ऊसिया सेसं तहेव जाव रायहाणीओ सगाणं दीवाणं पच्चत्थिमेणं तिरियम-
संखेजे लवणे चेव बारस जोयणा तहेव सव्वं भाणियव्वं ॥१६३॥ कहि णं भंते !
धायइसंडदीवमाणं चंदाणं चंददीवा० पणत्ता ? गोयमा ! धायइसंडरस्स दीवस्स
पुरत्थिमिल्लाओ वेइयंताओ कालोयं णं समुदं बारस जोयणसहस्साइं ओगाहिता एत्थ
णं धायइसंडदीवाणं चंदाणं चंददीवा णामं दीवा पणत्ता, सव्वओ समंता दो कोसा
ऊसिया जलंताओ बारस जोयणसहस्साइं तहेव विकखंभपरिक्खेवो भूमा भागो

पासायवडिसयां मणिपेडिया सीहासणा सपरिवारा अहो तहेव रायहाणीओ सगाणं
 दावाणं पुरन्थिमेणं अण्णंमि धायइसंडे दीवे सेसं तं चेव, एवं सूरदीवावि, णवरं
 धायइसंडस्स दीवस्स पच्चन्थिमिल्लाओ वेइयंताओ कालोयं णं समुद्दं बारस जोयणं
 तहेव सव्वं जाव रायहाणीओ सूरणं दीवाणं पच्चन्थिमेणं अण्णंमि धायइसंडे दीवे
 सव्वं तहेव ॥१६४॥ कहि णं भंते ! कालोयगाणं चंदाणं चंददीवा णामं दीवा
 पण्णत्ता ? गोयमा ! कालोयसमुद्दस्स पुरच्छिमिल्लाओ वेइयंताओ कालोयणं समुद्दं पच्च-
 न्थिमेणं बारस जोयणसहस्साइं ओगाहिता एत्थ णं कालोयगचंदाणं चंददीवा० सव्वओ
 समंता दो कोसा ऊसिया जलंताओ सेमं तहेव जाव रायहाणीओ सगाणं दीव० पुर-
 च्छिमेणं अण्णंमि कालोयगसमुद्दे बारस जोयणा तं चेव सव्वं जाव चंदा देवा २ । एवं
 सूरणवि, णवरं कालोयगपच्चन्थिमिल्लाओ वेइयंताओ कालोयसमुद्दपुरच्छिमेणं बारस
 जोयणसहस्साइं ओगाहिता तहेव रायहाणीओ सगाणं दीवाणं पच्चन्थिमेणं अण्णंमि-
 कालोयगसमुद्दे तहेव सव्वं । एवं पुक्खवरगाणं चंदाणं पुक्खवररस्स दीवस्स पुरन्थि-
 मिल्लाओ वेइयंताओ पुक्खरसमुद्दं बारस जोयणसहस्साइं ओगाहिता चंददीवा अण्णंमि
 पुक्खवररे दीवे रायहाणीओ तहेव । एवं सूरणवि दीवा पुक्खवरदीवस्स पच्चन्थि-
 मिल्लाओ वेइयंताओ पुक्खरोदं समुद्दं बारस जोयणसहस्साइं ओगाहिता तहेव सव्वं
 जाव रायहाणीओ दीविल्लगाणं दीवे समुद्दगाणं समुद्दे चेव एगाणं अविमतरपासे
 एगाणं बाहिरपासे रायहाणीओ दीविल्लगाणं दीवेसु समुद्दगाणं समुद्देसु सरिसणामएसु
 ॥१६५॥ इमे णामा अणुगंतत्वा—जंजुदीन्नि लवणे धायइ कालोद पुदखरे वरुणे ।
 खीरं प्रय इक्खु[वरो य]ं दी अरुणवरे कुंडले रुयगे ॥१॥ आभरणयत्थगंधे उप्पल-
 तिलए य पुटवि णिहिरयणे । वासहरदहनईओ विजया वक्खारकप्पिदा ॥२॥ पुर-
 मंदरमात्तासा कूडा णक्खत्तचंदसूरा य । एवं भाणियव्वं ॥१६६॥ कहि णं भंते !
 देवदीवगाणं चंदाणं चंददीवा णामं दीवा पण्णत्ता ? गोयमा ! देवदीवस्स देवोदं
 समुद्दं बारस जोयणसहस्साइं ओगाहिता तेणेव कमेण पुरन्थिमिल्लाओ वेइयंताओ
 जाव रायहाणीओ सगाणं दीवाणं पुरन्थिमेणं देवदीवं समुद्दं असंखेज्जाइं जोयण-
 सहस्साइं ओगाहिता एत्थ णं देवदीवयाणं चंदाणं चंदाओ णामं रायहाणीओ पण्ण-
 ताओ, सेसं तं चेव, देवदीवचंदा दीवा, एवं सूरणवि, णवरं पच्चन्थिमिल्लाओ वेइयं-
 ताओ पच्चन्थिमेणं च भाणियव्वं तंमि चेव समुद्दे ॥ कहि णं भंते ! देवसमुद्दगाणं
 चंदाणं चंददीवा णामं दीवा पण्णत्ता ? गोयमा ! देवोदगस्स समुद्दस्स पुरन्थिमिल्लाओ

वेइयंताओ देवोदगं समुद्दं पच्चत्थिमेणं वारस जोयणसहस्साइं ओगाहिता तेणव
 कमेणं जाव रायहाणीओ सगाणं दीवाणं पच्चत्थिमेणं देवोदगं समुद्दं असंखेजाइं
 जोयणसहस्साइं ओगाहिता एत्थ णं देवोदगाणं चंदाणं चंदाओ णामं रायहाणीओ
 पण्णत्ताओ, तं चेव सव्वं, एवं सूराणवि, णवरि देवोदगास्स पच्चत्थिमिल्लाओ वेइयंताओ
 देवोदगासमुद्दं पुरत्थिमेणं वारस जोयणसहस्साइं ओगाहिता रायहाणीओ सगाणं २
 दीवाणं पुरत्थिमेणं देवोदगं समुद्दं असंखेजाइं जोयणसहस्साइं ॥ एवं णामे जक्खे
 भूएवि चउण्हं दीवसमुद्दाणं । कहि णं भंते ! सयंभूरमणदीवगाणं चंदाणं चंददीवा णामं
 दीवा पण्णत्ता ! गोयमा ! सयंभूरमणस्स दीवस्स पुरत्थिमिल्लाओ वेइयंताओ सयंभूर-
 मणोदगं समुद्दं वारस जोयणसहस्साइं तद्देव रायहाणीओ सगाणं २ दीवाणं पुरत्थि-
 मेणं सयंभूरमणोदगं समुद्दं पुरत्थिमेणं असंखेजाइं जोयण० तं चेव, एवं सूराणवि,
 सयंभूरमणस्स पच्चत्थिमिल्लाओ वेइयंताओ रायहाणीओ सगाणं २ दीवाणं पच्चत्थि-
 मिल्लाणं सयंभूरमणोदं समुद्दं असंखेजा० सेसं तं चेव । कहि णं भंते ! सयंभूरमण-
 समुद्दगाणं चंदाणं० गोयमा ! सयंभूरमणस्स समुद्दस्स पुरत्थिमिल्लाओ वेइयंताओ
 सयंभूरमणं समुद्दं पच्चत्थिमेणं वारस जोयणसहस्साइं ओगाहिता सेसं तं चेव । एवं
 सूराणवि, सयंभूरमणस्स पच्चत्थिमिल्लाओ सयंभूरमणोदं समुद्दं पुरत्थिमेणं वारस
 जोयणसहस्साइं ओगाहिता रायहाणीओ सगाणं दीवाणं पुरत्थिमेणं सयंभूरमणं समुद्दं
 असंखेजाइं जोयणसहस्साइं ओगाहिता, एत्थ णं सयंभूरमणं जाव सूरा देवा २
 ॥१६७॥ अत्थि णं भंते ! लवणसमुद्दे वेलंधराइ वा णागरायाइ वा लण्णाइ वा अग्धाइ
 वा सिंहाइ वा विजाईइ वा हासवट्ठीइ वा ? हुंता अत्थि । जहा णं भंते ! लवणसमुद्दे
 अत्थि वेलंधराइ वा णागराया० अग्धा० सिंहा० विजाईइ वा हासवट्ठीइ वा तथा णं
 बाहिरएसुवि समुद्देसु अत्थि वेलंधराइ वा णागरायाइ वा० अग्धाइ वासीहाइ वा विजाईइ
 वा हासवट्ठीइ वा ? णो इण्ठे समुद्दे ॥ १६८ ॥ लवणे णं भंते ! समुद्दं किं ऊसिओ-
 दगे किं पत्थडोदगे किं खुभियजले किं अक्खुभियजले ! गोयमा ! लवणे णं समुद्दे ऊसि-
 ओदगे णो पत्थडोदगे खुभियजले णो अक्खुभियजले ! जहा णं भंते ! लवणे समुद्दे
 ऊसिओदगे णो पत्थडोदगे खुभियजले णो अक्खुभियजले तथा णं बाहिरगा समुद्दा किं
 ऊसिओदगा पत्थडोदगा खुभियजला अक्खुभियजला ! गोयमा ! बाहिरगा समुद्दा
 णो ऊसिओदगा पत्थडोदगा णो खुभियजला अक्खुभियजला पुण्णा पुण्णप्पमाणा वोल-
 ट्ठमाणा वोसट्ठमाणा समभरघट्ठाए चिह्वंति ॥ अत्थि णं भंते ! लवणसमुद्दे बहवे

ओराला बलाहगा संसेयंति संमुच्छंति वा वासं वासंति वा ? हंता अस्थि । जहा णं भंते !
लवणसमुद्दे यहवे ओराला बलाहगा संसेयंति संमुच्छंति वासं वासंति वा तथा णं
बाहिरएसुवि समुद्देसु बहवे ओराला बलाहगा संसेयंति संमुच्छंति वासं वासंति ? णो
इण्ठे समद्धे, से केण्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ-बाहिरगा णं समुद्धा पुण्णा पुण्णप्यमाणा
बोलट्टमाणा बोलट्टमाणा समभरघट्ताए चिद्धंति ? गोयमा ! बाहिरएसु णं समुद्देसु
यहवे उदगजोणिया जीवा य पोय्गला य उदगत्ताए वक्कमंति विउक्कमंति अयंति
उवचयंति, से तेण्ठेणं एवं बुच्चइ-बाहिरगा समुद्धा पुण्णा पुण्णं जाव समभरघट-
त्ताए चिद्धंति ॥ १६९॥ लवणं णं भंते ! समुद्दे केवइयं उव्वेहपरिवुड्डीए पण्णत्ते ?
गोयमा ! लवणस्स णं समुद्दस्स उभओ पासिं पंचाणउइ २ पएसे गंता पएसं उव्वेह-
परिवुड्डीए पण्णत्ते, पंचाणउइ २ बालग्गाइं गंता बालग्गं उव्वेहपरिवुड्डीए पण्णत्ते,
एवं पं० २ लिक्खाओ गंता लिक्खं उव्वेहपरि० ज्या० जवमज्जे० अंगुल० विहरिथि०
रथणी० कुच्छी० धणु० उव्वेहपरिवुड्डीए पं०, गाउय० जोयण० जोयणसय० जोयण-
सहस्साइं गंता जोयणसहस्सं उव्वेहपरिवुड्डीए पण्णत्ते ॥ लवणे णं भंते ! समुद्दे
केवइयं उस्सेहपरिवुड्डीए पण्णत्ते ? गोयमा ! लवणस्स णं समुद्दस्स उभओ पासिं पंचाण-
उइ पएसे गंता सोलसपएसे उस्सेहपरिवुड्डीए पण्णत्ते, एएणेव कमेणं जाव पंचाण-
उइ २ जोयणसहस्साइं गंता सोलस जोयणसहस्साइं उस्सेहपरिवुड्डीए पण्णत्ते ॥ १७०॥
लवणस्स णं भंते ! समुद्दस्स केमहालए गोतित्थे पण्णत्ते ? गोयमा ! लवणस्स णं समु-
द्दस्स उभओ पासिं पंचाणउइ २ जोयणसहस्साइं गोतित्थं पण्णत्तं ॥ लवणस्स णं भंते !
समुद्दस्स केमहालए गोतित्थविरहिए खेत्ते पण्णत्ते ? गोयमा ! लवणस्स णं समुद्दस्स
दस जोयणसहस्साइं गोतित्थविरहिए खेत्ते पण्णत्ते ॥ लवणस्स णं भंते ! समुद्दस्स
केमहालए उदगमाले पण्णत्ते ? गोयमा ! दस जोयणसहस्साइं उदगमाले पण्णत्ते
॥ १७१॥ लवणे णं भंते ! समुद्दे किंसंठिए पण्णत्ते ? गोयमा ! गोतित्थसंठिए
णावासंठाणसंठिए सिण्णिसंपुडसंठिए आसखंधसंठिए बलमिसंठिए बट्ठे वलयागार-
संठाणसंठिए पण्णत्ते ॥ लवणे णं भंते ! समुद्दे केवइयं चक्कवालविकखेभेणं ? केवइयं
परिकखेवेणं ? केवइयं उव्वेहेणं ? केवइयं उस्सेहेणं ? केवइयं सव्वग्गेणं पण्णत्ते ?
गोयमा ! लवणे णं समुद्दे दो जोयणसयसहस्साइं चक्कवालविकखेभेणं पण्णत्तं
जोयणसयसहस्साइं एकासीइं च सहस्साइं सयं च इगुयालं किंचिविसेसूणे परिवक्खेवेणं
एणं जोयणसहस्सं उव्वेहेणं सोलस जोयणसहस्साइं उस्सेहेणं सत्तरस जोयणसहस्साइं

सव्वग्गेणं पणत्ते ॥ १७२ ॥ जइ णं भंते ! लवणसमुद्दे दो ज्योणसयसहस्साइं चक्रवालविकल्भेणं पण्णरस ज्योणसयसहस्साइं एक्कासीइं स चहस्साइं सयं इगुयालं किंचि विसेसूणे परिकखेवेणं एगं ज्योणसहस्सं उव्वेहेणं सोलस ज्योणसहस्साइं उस्सेहेणं सत्तरस ज्योणसहस्साइं सव्वग्गेणं पणत्ते । कम्हा णं भंते ! लवणसमुद्दे जंबुदीवं २ णो उवीलेइ णो उप्पीलेइ णो चेव णं एक्कोदगं करेइ ? गोयमा ! जंबुदीवे णं दीवे भरहेरवएसु वासेसु अरहंतचक्रवट्टिबलदेवा वासुदेवा चारणा विजाहरा समणा समणीओ सावया सावियाओ मणुया पगइभद्दया पगइविणीया पगइउवसंता पगइपयणुकोहमाणमायालोभा मिउमह्वसंपण्णा अह्दीणा भद्दगा विणीया, तेसि णं पणिहाए लवणे समुद्दे जंबुदीवं दीवं णो उवीलेइ णो उप्पीलेइ णो चेव णं एगोदगं करेइ गंगासिंदुरत्तारत्तवईसु सलिलासु देवयाओ महिड्डियाओ जाव पलिओवमड्डिइयाओ परिवसंति, तासि णं पणिहाए लवणसमुद्दे जाव णो चेव णं एगोदगं करेइ, चुल्लहिमवंतसिहरेसु वासहरपव्वएसु देवा महिड्डिया० तेसि णं पणिहाए० हेमवएरण्णवएसु वासेसु मणुया पगइभद्दगा०, रोहियंससुवण्णकूलरूपकूलासु सलिलासु देवयाओ महिड्डियाओ० तासिं पणि० सदावदवियडावइ वट्टवेयड्डपव्वएसु देवा महिड्डिया जाव पलिओवमड्डिइया परिव०, महाहिमवंतरुप्पिसु वासहरपव्वएसु देवा महिड्डिया जाव पलिओवमड्डिइया०, हरिवासरम्मयवासेसु मणुया पगइभद्दगा०, गंधावइमालवतपरियाएसु वट्टवेयड्डपव्वएसु देवा महिड्डिया०, गिसटणीलवन्तेसु वासहरपव्वएसु देवा महिड्डिया०, सव्वाओ दहदेवयाओ भाणियव्वाओ, पउमहइतिगिच्छिकेसरिदहावसाणेसु देवयाओ महिड्डियाओ० तासिं पणिहाए० पुव्वविदेहावरविदेहेसु वासेसु अरहंतचक्रवट्टिबलदेववासुदेवा चारणा विजाहरा समणा समणीओ सावया सावियाओ मणुया पगइ० तेसिं पणिहाए लवण० सीयासीओयगासु सलिलासु देवयाओ महिड्डिया०, देवकुरुउत्तरकुरुसु मणुया पगइभद्दगा०, मंदरे पव्वए देवयाओ महिड्डिया०, जंबूय य सुदंसणाए जंबूदीवाहिवई अणाटिए णामं देवे महिड्डिए जाव पलिओवमड्डिइए परिवसइ तस्स पणिहाए लवणसमुद्दे० णो उवीलेइ णो उप्पीलेइ णो चेव णं एक्कोदगं करेइ, अटुत्तरं च णं गोयमा ! लोगट्टिई लोगाणुभावे जण्णं लवणसमुद्दे जंबुदीवं दीवं णो उवीलेइ णो उप्पीलेइ णो चेव णमेगोदगं करेइ ॥ १७३ ॥

॥ मंदरोद्देसो समत्तो ॥

दीवसमुद्रा

लवणसमुद्रं धायइसंडे णामं दीवे वट्टे बलयागारसंठाणसंठिए सव्वओ समंता
संपरिक्खित्ताणं चिट्ठइ, धायइसंडे णं भंते ! दीवे किं समचक्कवालसंठिए विसम-
चक्कवालसंठिए ? गोयमा ! समचक्कवालसंठिए णो विसमचक्कवालसंठिए ॥ धायइ-
संडे णं भंते ! दीवे केवइयं चक्कवालविकलंभेणं केवइयं परिक्खेवेणं पण्णत्ते !
गोयमा ! चत्तारि जोजणसयसहस्साइं चक्कवालविकलंभेणं एगयालीसं जोजणसय-
सहस्साइं दसजोजणसयसहस्साइं णवएगट्ठे जोजणसए किंचिविसेसूणे परिक्खेवेणं पण्णत्ते ॥
से णं एगाए पउमवरवेइयाए एगेणं वणसंडेणं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते दोण्हवि
वण्णओ दीवसमिया परिक्खेवेणं ॥ धायइसंडस्स णं भंते ! दीवस्स कइ दारा
पण्णत्ता ! गोयमा ! चत्तारि दारा पण्णत्ता, तं०-विजए वेजयंते जयंते अपराजिए ॥
कहि णं भंते ! धायइसंडस्स दीवस्स विजए णामं दारे पण्णत्ते ! गोयमा ! धायइ-
संडपुरत्थिमपेत्ते कालोयसमुद्रपुरत्थिमदस्स पच्चत्थिमेणं सीयाए महाणईए उप्पि
एत्थ णं धायइ० विजए णामं दारे पण्णत्ते तं चेव पमाणं, रायहाणीओ अण्णमि
धायइसंडे दीवे, दीवस्स वत्तव्वया भाणियव्वा, एवं चत्तारिवि दारा भाणियव्वा ॥
धायइसंडस्स णं भंते ! दीवस्स दारस्स य २ एस णं केवइयं अवाहाए अंतरे
पण्णत्ते ! गोयमा ! दस जोजणसयसहस्साइं सत्तावीसं च जोजणसहस्साइं सत्तपण्णत्तीसे
जोजणसए तिण्णि य कोसे दारस्स य २ अवाहाए अंतरे पण्णत्ते ॥ धायइसंडस्स णं
भंते ! दीवस्स पएसा कालोयगं समुद्रं पुट्ठ ? हंता पुट्ठा ॥ ते णं भंते ! किं धायइ-
संडे दीवे कालोए समुद्रे ? ते धायइसंडे णो खलु ते कालोयसमुद्रे । एवं कालोय-
स्सवि । धायइसंडदीवे णं भंते ! जीवा उदाइत्ता २ कालोए समुद्रे पच्चायंति ! गोयमा !
अथेगइया पच्चायंति अथेगइया णो पच्चायंति । एवं कालोएवि अथे० प० अथे-
गइया णो पच्चायंति ॥ से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ-धायइसंडे दीवे २ ? गोयमा !
धायइसंडे णं दीवे तत्थ २ देसे २ तहिं २ बहवे धायइरुक्खा धायइवण्णा धायइसंडा
णिच्चं कुसुमिया जाव उवसोभेमाणा २ चिट्ठंति, धायइमहाधायइरुक्खेसु सुदंसण-
पियदंसणा दुत्ते देवा महिड्ढिया जाव पलिओवमड्ढिया परिवसंति से एएणट्ठेणं०,
अदुत्तरं च णं गोयमा ! जाव णिच्चे ॥ धायइसंडे णं भंते ! दीवे कइ चंदा पभासिं
वा ३ ? कइ सूरिया तविंसु वा ३ ? कइ महग्गहा चारं चरिंसु वा ३ ? कइ णक्खत्ता

जोगं जोईसु वा ३ ? कइ तारागणकोडिकोडीओ सोमैसु वा ३ ? गोयमा ! बारस चंदा पभासिसु वा ३, एवं—चउवीसं सत्तिरविणो णक्खत्त सया य तिणि छत्तीसा । एणं च गहसहस्सं छप्पणं धायईसंडे ॥१॥ अट्ठेव सयसहस्सा तिणि सहस्साइं सत्त य सयाइं । धायइसंडे दीवे तारागणकोडिकोडीणं ॥२॥ सोमैसु वा ३ ॥१७४॥ धायइसंडं णं दीवं कालोए णामं समुद्दे वट्ठे वलयागारसंठाणसंठिए सव्वओ समंता संपरिक्खित्ताणं चिट्ठइ, कालोए णं समुद्दे किं समच्चक्कवालसंठाणसंठिए विसमं ? गोयमा ! समच्चक्कवालं णो विसमच्चक्कवालसंठिए ॥ कालोए णं भंते ! समुद्दे केवइयं चक्कवालविकखंभेणं केवइयं परिकखेवेणं पण्णत्ते ? गोयमा ! अट्ठ जोयणत्तयसहस्साइं चक्कवालविकखंभेणं एकाणउइजोयणत्तयसहस्साइं सत्तारि सहस्साइं छच्च पंचुत्तारे जोयणत्तए किंचिविसेताहिए परिकखेवेणं पण्णत्ते ॥ से, णं एगाए पउमवरवेइयाए एगेणं वणसंडेणं दोण्हवि वण्णओ ॥ कालोयस्स णं भंते ! समुद्दस्स कइ दारा पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि दारा पण्णत्ता, तंजहा—विजए वेजयंते जयंते अपराजिए ॥ कहि णं भंते ! कालोयस्स समुद्दस्स विजए णामं दारे पण्णत्ते ? गोयमा ! कालोए समुद्दे पुरत्थिमपेरंते पुक्खरवरदीवपुरत्थिमद्वस्स पच्चत्थिमेणं सीओयाए महाणइए उप्पि एत्थ णं कालोयस्स समुद्दस्स विजए णामं दारे पण्णत्ते, अट्ठेव जोयणाइं तं चेव पमाणं जाव रायहाणीओ । कहि णं भंते ! कालोयस्स समुद्दस्स वेजयंते णामं दारे पण्णत्ते ? गोयमा ! कालोयसमुद्दस्स दक्खिणपेरंते पुक्खरवरदीवस्स दक्खिणद्वस्स उत्तरेणं एत्थ णं कालोयसमुद्दस्स वेजयंते णामं दारे पण्णत्ते । कहि णं भंते ! कालोयसमुद्दस्स जयंते णामं दारे पण्णत्ते ? गोयमा ! कालोयसमुद्दस्स पच्चत्थिमपेरंते पुक्खरवरदीवस्स पच्चत्थिमद्वस्स पुरत्थिमेणं सीयाए महाणइए उप्पि जयंते णामं दारे पण्णत्ते । कहि णं भंते ! कालोयसमुद्दस्स अपराजिए णामं दारे पण्णत्ते ? गोयमा ! कालोयसमुद्दस्स उत्तरद्वपेरंते पुक्खरवरदीवोत्तरद्वस्स दाहिणओ एत्थ णं कालोयसमुद्दस्स अपराजिए णामं दारे, सेसं तं चेव ॥ कालोयस्स णं भंते ! समुद्दस्स दारस्स य २ एस णं केवइयं २ अवाहाए अंतरे पण्णत्ते ? गोयमा !—बावीस सयसहस्सा बाणउइ खल्ल भवे सहस्साइं । छच्च सया बायाला दारंतरे तिणि कोसा य ॥१॥ दारस्स य २ अवाहाए अंतरे पण्णत्ते । कालोयस्स णं भंते ! समुद्दस्स पएसा पुक्खरवरदीवं तहेव, एवं पुक्खरवरदीवस्सवि जीवा उदाइत्ता २ तहेव भाणियव्वं ॥ से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—कालोए समुद्दे २ ? गोयमा !

कालोयस्स णं समुद्दस्स उदए आसले मासले पेसले कालए भासरासिवण्णामे पगईए उदभूरसेण पण्णत्ते, कालमहाकाला एत्थ दुवे देवा महिद्धिदया जाव पलिओवमद्धिइया परिवसंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव णिच्चे ॥ कालोए णं भंते ! समुद्दे कइ चंदा पभासिंसु वा ३ ? पुच्छा, गोयमा ! कालोए णं समुद्दे बायालीसं चंदा पभासिंसु वा ३—बायालीसं चंदा बायालीसं च दिणयरा दित्ता ॥ कालोदहिम्मि एए चरंति संव-
द्धलेसागा ॥१॥ णक्खत्ताण सहस्सं एगं छावत्तरं च सयमण्णं । छच्च सया छण्ण-
उया महागहा तिण्णि य सहस्सा ॥२॥ अट्ठावीसं कालोदहिम्मि वारस्स य सयसह-
स्साइ । णव य सया पण्णासा तारागणकोडिकोडीणं ॥३॥ सोभेसु वा ३ ॥१७५॥
कालोयं णं समुद्दं पुक्खवररे णामं दीवे वट्ठे वलयागारसंठाणसंठिए सव्वओ समंता
संपरि० तदेव जाव समचक्कवालसंठाणसंठिए णो विसमचक्कवालसंठाणसंठिए ।
पुक्खवररे णं भंते ! दीवे केवइयं चक्कवालविवस्वमेणं केवइयं परिकखेवेणं पण्णत्ते ?
गोयमा ! सोलस जोयणसयसहस्साइ चक्कवालविवस्वमेणं—एगा जोयणकोडी बाण-
उइं खलु भवे सयसहस्सा । अउणाणउइं अट्ठ सया चउणउया य [परिरओ]
पुक्खवरस्स ॥ १ ॥ से णं एगाए पउमवरदेइयाए एगेण य वणसंडेणं० संपरि०
दोण्हवि वण्णओ ॥ पुक्खवरस्स णं भंते ! दीवस्स कइ दारा पण्णत्ता ? गोयमा !
चत्तारि दारा पण्णत्ता, तंजहा—विजए वेजयंते जयंते अपराजिए ॥ कहि णं भंते !
पुक्खवरस्स दीवस्स विजए णामं दारे पण्णत्ते ? गोयमा ! पुक्खवरदीवपुरच्छिम-
पेरंते पुक्खगोदसमुद्दपुरच्छिमदस्स पच्चन्थिमेणं एत्थ णं पुक्खवरदीवस्स विजए
णामं दारे पण्णत्ते तं चेव सव्वं, एवं चत्तारिवि दारा, सीयासीओया भन्थि भाणि-
यव्वाओ ॥ पुक्खवरस्स णं भंते ! दीवस्स दारस्स य २ एस णं केवइयं अवाहाए
अंतरे पण्णत्ते ? गोयमा !—अट्ठयाल सयसहस्सा बावीसं खलु भवे सहस्साइ ।
अगुणुत्तरा य चउरो दारंतरं पुक्खवरस्स ॥१॥ पएसा दोण्हवि पुट्ठा, जीवा दोसु
भाणियव्वा ॥ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ—पुक्खवरदीवे २ ? गो० ! पुक्खवररे
णं दीवे तत्थ २ देसे २ तहिं २ बहवे पउमरुक्खा पउमवणसंडा णिच्चं कुसुमिया जाव
चिट्ठंति, पउममहापउमरुक्खा एत्थ णं पउमपुंडरीया णामं दुवे देवा महिद्धिदया जाव
पलिओवमद्धिइया परिवसंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ—पुक्खवरदीवे २ जाव
णिच्चे ॥ पुक्खवररे णं भंते ! दीवे केवइया चंदा पभासिंसु वा ३ ? एवं पुच्छा,—
चोयालं चंदसयं चउयालं चेव सूरियाण सयं । पुक्खवरदीवमि चरंति एए पभा-
संता ॥ १ ॥ चत्तारि सहस्साइ बत्तीसं चेव होति णक्खत्ता । छच्च सया वावत्तर

महग्गहा बारह सहस्सा ॥ २ ॥ छण्णउइ सयसहस्सा चत्तालीसं भवे सहस्साइ ।
 चत्तारि सया पुक्खर(वर)तारागणकोडिकोडीणं ॥ ३ ॥ सोभेसु वा ३ ॥ पुक्खर-
 वरदीवस्स णं बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं माणुसुत्तरे णामं पव्वए पण्णत्ते वट्ठे वलया-
 गारसंठाणसंठिए जे णं पुक्खरवरं दीवं दुहा विभयमाणे २ चिट्ठइ, तंजहा-
 अर्धितरपुक्खरद्धं च बाहिरपुक्खरद्धं च ॥ अर्धितरपुक्खरद्धे णं भंते ! केवइयं
 चक्खालेणं परिकखेवेणं पण्णत्ते ? गोयमा ! अट्ठ जोयणसयसहस्साइ चक्खालविकखं-
 मेणं—कोडी वायालीसा तीसं दोण्णि य सया अगुणवण्णा । पुक्खरअद्धपरिरओ
 एवं च मणुस्सखेत्तस्स ॥ १ ॥ से केणद्धेणं भंते ! एवं बुच्चइ—अर्धितरपुक्खरद्धे
 २ ? गोयमा ! अर्धितरपुक्खरद्धे णं माणुसुत्तरेणं पव्वएणं सव्वओ समंता संपरि-
 कित्ते, से एएणद्धेणं गोयमा !० अर्धितरपुक्खरद्धे २, अट्ठत्तरं च णं जाव णित्ते ॥
 अर्धितरपुक्खरद्धे णं भंते ! केवइया चंदा पमासिंसु वा ३ सा चेव पुच्छा जाव
 तारागणकोडिकोडीओ०?, गोयमा !—वावत्तरि च चंदा वावत्तरिमेव दिणयर दित्ता ।
 पुक्खरवरदीवद्धे चरंति एए पमासैत्ता ॥ १ ॥ तिण्णि सया छत्तीसा छच्च सहस्सा
 महग्गहाणं तु । णक्खत्ताणं तु भवे सोळाइ दुवे सहस्साइ ॥ २ ॥ अट्ठयाल सयस-
 हस्सा वाक्कीसं खलु भवे सहस्साइ । दोण्णि सय पुक्खरद्धे तारागणकोडिकोडीणं
 ॥ ३ ॥ सोभेसु वा ३ ॥ १७६ ॥ समयस्सेत्ते णं भंते ! केवइयं आयामविकखंमेणं
 केवइयं परिकखेवेणं पण्णत्ते ? गोयमा ! पणयालीसं जोयणसयसहस्साइ आयामवि-
 कखंमेणं एसा जोयणकोडी जावअर्धितरपुक्खरद्धपरिरओ से भाणियत्तो जाव अउ-
 णपण्णे ॥ से केणद्धेणं भंते ! एवं बुच्चइ—माणुसखेत्ते २ ? गोयमा ! माणुसखेत्ते णं
 तिविहा मणुस्सा परिवसंति, तंजहा—कम्मभूमगा अकम्मभूमगा अंतरदीवगा, से
 तेणद्धेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ—माणुसखेत्ते माणुसखेत्ते ॥ माणुसखेत्ते णं भंते ! कइ
 चंदा पमासिंसु वा ३ ? कइ सूरु तवइंसु वा ३ ?० गोयमा !—वत्तीसं चंदसयं वत्तीसं
 चेव सूरियाण सयं । सयलं मणुस्सलोयं चरंति एए पमासैत्ता ॥ १ ॥ एक्कारस य
 सहस्सा छप्पि य सोळा महग्गहाणं तु । छच्च सया छण्णउया णक्खत्ता-तिण्णि य
 सहस्सा ॥२॥ अट्ठसीह सयसहस्सा चत्तालीस सहस्स मणुयलोगंमि । सत्त य सया
 अणूणा तारागणकोडिकोडीणं ॥ ३ ॥ सोभे सोभेसु वा ३ ॥ एसो तारापिट्ठो
 सव्वसमासेण मणुयलोगंमि । बहिया पुण ताराओ जिणेहिं भणिया-असखेजा ॥१॥
 एवइयं तारगं जं भणियं माणुसंमि लोगंमि । चारं कलंबुयापुप्फसंठियं जोइसं चरइ

॥ २ ॥ रविसंसिगहणकवत्ता एवइया आहिया मणुयलोए । जेसिं णामागोयं ण
पागया पणवेहिंति ॥३॥ छावट्टी पिडगाइं चंदाइच्चाण मणुयलोगमि । दो चंदा दो
सूरा य हांति एक्केए पिडए ॥४॥ छावट्टी पिडगाइं णवत्ताणं तु मणुयलोगमि ।
छप्पणं णवत्ता य हांति एक्केए पिडए ॥५॥ छावट्टी पिडगाइं महागहाणं तु
मणुयलोगमि । छावत्तरं गहसयं च होइ एक्केए पिडए ॥६॥ चत्तारि य पंतीओ
चंदाइच्चाण मणुयलोगमि । छावट्टिय छावट्टिय होइ य एक्केया पंती ॥७॥ छप्पणं
पंतीओ णवत्तायं तु मणुयलोगमि । छावट्टी छावट्टी हवइ य एक्केया पंती ॥८॥
छावत्तरं गहाणं पंतिसयं होइ मणुयलोगमि । छावट्टी छावट्टी य होइ एक्केया पंती
॥९॥ ते मेरु परियडंता पयाहिभावत्तमंडला सव्वे । अणवट्टियजोगेहिं चंदा सूरा गह-
गणा य ॥१०॥ णवत्तत्तारगाणं अवट्टिया मंडला मुण्यव्वा । तेऽविय पयाहिणाव-
त्तमेव मेरुं अणुचरंति ॥११॥ रयणियरदिणयराणं उड्डे व अहे व संकमो णत्थि ।
मंडलसंकमणं पुण अन्धितरदाहिरं तिरिए ॥ १२ ॥ रयणियरदिणयराणं णवत्ताणं
महागहाणं च । चारविसेसेण भवे सुहदुक्खविही मणुस्साणं ॥ १३ ॥ तेसि पवि-
संताणं तावक्खेत्तं तु वड्डए णियमा । तेणव कमेण पुणो परिहायइ णिकखमंताणं
॥१४॥ तेसि कल्लुवापुप्फसंठिया होइ तावक्खेत्तपहा । अंतो य संकुयावाहि विन्थडा
चंदसूरगणा ॥१५॥ केण वड्डइ चंदो परिहाणी केण होइ चंदरस । कालो वा
जोणहो वा केणऽणुभावेण चंदस्स ! ॥१६॥ किंहुं राहुविमाणं णिच्चं चंदेण होइ
अविरहियं । चउरंगुलमपत्ते हिट्ठा चंदस्स तं चरइ ॥१७॥ बावट्ठिं बावट्ठिं दिवसे
दिवसे उ सुक्कपक्खस्स । जं परिबड्डइ चंदो खवेइ तं चेव कालेणं ॥१८॥ पण्णर-
सइभागेण य चंदं पण्णरसमेव तं वरइ । पुण्णरसइभागेण य पुणोवि तं चेव तिक्क-
मइ ॥१९॥ एवं वड्डइ चंदो परिहाणी एव होइ चंदस्स । कालो वा जोणहा वा
तेणुभावेण चंदस्स ॥२०॥ अंतो मणुस्सखेत्ते हवति चारोवणा य उववण्णा ।
पञ्चविहा जोइसिया चंदा सूरा गहगणा य ॥२१॥ तेण परं जे सेसा चंदाइच्चगह-
तारणक्खत्ता । णत्थि गई णवि चारो अवट्टिया ते मुण्यव्वा ॥२२॥ दो चंदा इह
दीवे चत्तारि य सागरे ल्वणतोए । धायइसंडे दीवे बारस चंदा य सूरा य ॥२३॥
दो दो जंबुद्वीवे ससिसूरा दुगुणिया भवे ल्वणे । लावणिगा य तिगुणिया ससिसूरा
धायईसंडे ॥ २४ ॥ धायइसंडप्पभिई उद्दिट्ठतिगुणिया भवे चंदा । आइह्छचंद-
सहिया अणंतराणंतरे खेत्ते ॥ २५ ॥ रिक्खग्गहतारगं दीवसमुद्दे जहिच्छसे णाउं ।
तस्स ससीहिं गुणियं रिक्खग्गहतारगाणं तु ॥२६॥ चंदाओ सूरस्स य सूरा चंदस्स

अंतरं होइ । पण्णास सहस्साइं तु जोयणाणं अणूणाइं ॥ २७ ॥ सूरस्स य सूरस्स
य ससिणो ससिणो य अंतरं होइ । बहियाओ मणुस्सणभास्सं जोयणाणं सयसहस्सं
॥ २८ ॥ सूरंतरिया चंदा चंदंतरिया य दिणयरा दित्ता । चित्तंतरलेसाभा सुहेत्ता
मंदलेत्ता य ॥ २९ ॥ अट्ठासीइं च गहा अट्ठावीसं च होति णक्खत्ता । एगससी-
परिवारो एत्तो ताराण वोच्छामि ॥ ३० ॥ छावट्ठिसहस्साइं णव चेव सयाइं पंच-
सयराइं । एगससीपरिवारो ताराणकोडिकोडीणं ॥ ३१ ॥ बहियाओ माणुसणभास्स
चंदसूराणवट्ठिया जोगा । चंदा अभीइजुत्ता सूरा पुण होति पुस्सेहिं ॥ ३२ ॥ १७७ ॥
माणुसुत्तरे णं भंते ! पव्वए केवइयं उड्डं उच्चत्तेणं ? केवइयं उव्वेहेणं ? केवइयं मूले
विकखंभेणं ? केवइयं मज्जे विकखंभेणं ? केवइयं सिहरे विकखंभेणं ? केवइयं अंतो
गिरिपरिरएणं ? केवइयं बाहिं गिरिपरिरएणं ? केवइयं मज्जे गिरिपरिरएणं ? केवइयं
उवरि गिरिपरिरएणं ? गोयमा । माणुसुत्तरे णं पव्वए सत्तरस एक्कवीसाइं जोयणसयाइं
उड्डं उच्चत्तेणं चत्तारि तीसे जोयणसए कोसं च उव्वेहेणं मूले दसवावीसे जोय-
णसए विकखंभेणं मज्जे सत्तत्तेवीसे जोयणसए विकखंभेणं उवरि चत्तारिचउवीसे
जोयणसए विकखंभेणं अंतो गिरिपरिरएणं—एगा जोयणकोडी बायालीसं च सयस-
हस्साइं । तीसं च सहस्साइं दोण्णि य अउणापण्णे जोयणसए किंचिविसेसाहिए
परिक्खेवेणं, बाहिरिगिरिपरिरएणं एगा जोयणकोडी बायालीसं च सयसहस्साइं
छत्तीसं च सहस्साइं सत्तचोदसोत्तरे जोयणसए परिक्खेवेणं, मज्जे गिरिपरिरएणं
एगा जोयणकोडी बायालीसं च सयसहस्साइं चोत्तीसं च सहस्सा अट्ठत्तेवीसे
जोयणसए परिक्खेवेणं, उवरि गिरिपरिरएणं एगा जोयणकोडी बायालीसं च
सयसहस्साइं वत्तीसं च सहस्साइं णव य वत्तीसे जोयणसए परिक्खेवेणं, मूले
विच्छिण्णे मज्जे संखित्ते उयिं तणुए अंतो सण्हे मज्जे उदग्गे बाहिं दरिसणिजे
ईसिं सण्णिसण्णे सीहणिसाई अवद्धजवरासिसंटाणसंठिए सब्वजंबूणयामए अच्छे
सण्हे जाव पडिरूवे, उमओ पासिं दोहिं पउमवरवेइयाहिं दोहि य वणसंडेहिं
सव्वओ समंता संपरिकखत्ते वण्णओ दोण्हवि ॥ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ—
माणुसुत्तरे पव्वए २ ? गोयमा ! माणुसुत्तरस्स णं पव्वयस्स अंतो मणुया उयिं
सुवण्णा बाहिं देवा अदुत्तरं च णं गोयमा ! माणुसुत्तरपव्वयं मणुया ण कयाइ
वीइवइंसु वा वीइवर्यंत वा वीइवइस्संति वा णण्णत्थ चारणेहिं वा विजाहरेहिं वा
देवकम्मुणा बावि, से तेणट्ठेणं गोयमा !० अदुत्तरं च णं जाव णिच्चेत्ति ॥ जावं

च णं माणुमुत्तरे मव्वए तावं च णं अस्सि लोएत्ति पवुच्चइ, जावं च णं वासाइं वा वासहराइं वा तावं च णं अस्सि लोएत्ति पवुच्चइ, जावं च णं मेहाइ वा मेहावयणाइ वा तीवं च णं अस्सि लोएत्ति पवुच्चइ, जावं च णं गामाइ वा जाव रायहाणीइ वा तावं च णं अस्सि लोएत्ति पवुच्चइ, जावं च णं अरहंता चक्कवट्ठी वल्लदेवा वासुदेवा पडिवासुदेवा चारणा विज्जहरा समणा समणीओ सावया सावि-
याओ मणुया पगइमद्दगा विणीया तावं च णं अस्सि लोएत्ति पवुच्चइ, जावं च णं समयाइ वा आवलियाइ वा आणापाणूइ वा थोवाइ वा ल्हाइ वा मुहुत्ताइ वा दिवसाइ वा अहोरात्ताइ वा पक्खाइ वा मासाइ उट्ठइ वा अयणाइ वा संवत्थराइ वा जुगाइ वा वाससयाइ वा वाससहस्साइ वा वाससयसहस्साइ वा पुव्वंगाइ वा पुव्वाइ वा तुडियंगाइ वा, एवं पृथ्वे तुडिए अड्डे अववे हूहए उप्पले पट्ठमे णल्लिणे अक्खिणिउरे अउए णउए मउए चूलिया जाव सीसपहेलियंगेइ वा सीसपहेलियाइ वा पल्लिओवमेइ वा सगरोवमेइ वा उवसप्पिणीइ वा ओसप्पिणीइ वा तावं च णं अस्सि लोएत्ति पवुच्चइ, जावं च णं बायरे विज्जुयारे बायरे थणियसइ तावं च णं अस्सि०, जावं च णं बहवे ओराल्ल बल्लहगा संसेयंति संमुच्चंति वासं वासंति तावं च णं अस्सि लोए०, जावं च णं बायरे तेउकाए तावं च णं अस्सि लोए०, जावं च णं आगराइ वा णईउइ वा णिहीइ वा तावं च णं अस्सि लोएत्ति पवुच्चइ, जावं च णं अगडाइ णईइ वा तावं च णं अस्सि लोए०, जावं च णं चंदोदरागाइ वा सूरुवरागाइ वा चंदपरिवेसाइ वा सूरपरिवेसाइ वा पडिचंदाइ वा पडिसूराइ वा इंदधणूइ वा उदगमच्छेइ वा कविहसिवाइ वा तावं च णं अस्सि लोएत्ति प०, जावं च णं चंदिमसूरियगहणक्खत्ततारारूवाणं अभिगमणणिग्गमणवुड्ढिणिवुड्ढि-
अणवद्वियसंटाणसंठिई आधविज्जइ तावं च णं अस्सि लोएत्ति पवुच्चइ ॥ १७८ ॥
अंतो णं भंते ! मणुस्सखेत्तस्स जे चंदिमसूरियगहणक्खत्ततारारूवा ते णं भंते ! देवा किं उट्ठोववण्णगा कप्पोववण्णगा विमाणोववण्णगा चारोववण्णगा चारट्ठिइया गइरइया गइसमावण्णगा ? गोयमा ! ते णं देवा णो उट्ठोववण्णगा णो कप्पोववण्णगा विमाणोववण्णगा चारोववण्णगा णो चारट्ठिइया गइरइया गइसमा-
वण्णगा उट्ठमुहकल्लुयपुप्फसंटाणसंठिएहिं जोयणसाहरिसएहिं तादखेत्तेहिं साहरिस-
याहिं बाहिरियाहिं वेउच्चिवाहिं परिसाहिं महया हयणट्ठगीयवाइयतंतीतलताल्लुडिय-
घणमुट्ठंगपट्ठुपवाइयरवेणं दिव्वाइं भोगभोगाईं भुंजमाणा महया २ उक्कट्ठिसीहणायवो-

लकलकलसद्देण विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा अच्छयपव्वयायं पवाहिणावत्तमंड-
लयां मेरुं अणुपरियडंति ॥ जया णं भंते ! तेसिं देवाणं इंदे चयइ से कहमिदाणिं
पकरेंति ? गोयमा ! ताहे चत्तारि पंच सामाणिया तं ठाणं उवसंपजिस्ताणं विहरंति
जाव तत्थ अण्णे इंदे उववण्णे भवइ ॥ इंदद्धाणे णं भंते ! केवइयं कालं विरहिए
उववाएणं पण्णत्ते ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं छम्मासा ॥ बहिया णं
भंते ! मगुस्सखेत्तस्स जे चंदिमसूरियगहणकवत्ततारास्सा ते णं भंते ! देवा किं
उड्ढोववण्णगा कप्पोववण्णगा विमाणोववण्णगा चारोववण्णगा चारट्टिइया गइरइया
गइसमावण्णगा ? गोयमा ! ते णं देवा णो उड्ढोववण्णगा णो कप्पोववण्णगा विमा-
णोववण्णगा णो चारोववण्णगा चारट्टिइया णो गइरइया णो गइसमावण्णगा पकिट्ट-
गसंठाणसंठिएहिं जोयणसयसाहस्सिएहिं तीव्वखेत्तेहिं साहस्सियाहिं य बाहिराहिं
वेउब्बियाहिं परिसाहिं महया हयणइगीयवाइयं० रवेणं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा
जाव सुहलेस्सा सीयलेस्सा मंदलेस्सा मंदायवलेस्सा चित्तेतरलेसागा कूडा इव ठाण-
ट्टिया अण्णोणसमोगाट्टाहिं लेसाहिं ते पएसे सव्वओ समंता ओभासेंति उज्जोवेंति
तवंति पभासेंति ॥ जया णं भंते ! तेसिं देवाणं इंदे चयइ से कहमिदाणिं पकरेंति ?
गोयमा ! जाव चत्तारि पंच सामाणिया तं ठाणं उवसंपजिस्ताणं विहरंति जाव तत्थ
अण्णे इंदे उववण्णे भवइ ॥ इंदद्धाणे णं भंते ! केवइयं कालं विरहिए उववाएणं प० ?
गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं छम्मासा ॥ १७९ ॥ पुक्खरोदसं दोवं
पुक्खरोदे णामं समुद्दे वट्ठे वलयागारसंठाणसंठिए जाव संपरिब्रिखत्ताणं चिट्ठइ ॥
पुक्खरोदे णं भंते ! समुद्दे केवइयं चक्खवालविकल्हेमेणं केवइयं परिकल्हेवेणं पण्णत्ते ?
गोयमा ! संखेजाइं जोयणसयसहस्साइं चक्खवालविकल्हेमेणं संखेजाइं जोयणसयसह-
स्साइं परिकल्हेवेणं पण्णत्ते ॥ पुक्खरोदस्स णं भंते ! समुद्दस्स कह दारा पण्णत्ता ?
गोयमा ! चत्तारि दारा पण्णत्ता तहेव सव्वं पुक्खरोदसमुद्दपुरत्थिमपेरंते वरुणवर-
दीवपुरत्थिमदस्स पच्चत्थिमेणं एत्थ णं पुक्खरोदस्स विजए णामं दारे पण्णत्ते, एवं
सेसाणवि । दारंतरंमिं संखेजाइं जोयणसयसहस्साइं अवाहाए अंतरे पण्णत्ते । पएसा
जीया य तहेव । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुचइ-पुक्खरोदे समुद्दे २ ? गोयमा !
पुक्खरोदस्स णं समुद्दस्स उदगे अच्छे पत्थे जच्चे तणुए फलिहवण्णाभे पगईए
उदगरसेणं सिरिधरसिरिप्पभा य० दो देवा महिड्ढिइया जाव पलिओवमट्टिइया परि-
वसंति, से एएणट्ठेणं जाव णिच्चे । पुक्खरोदे णं भंते ! समुद्दे केवइया चंदा पभासिंसु

वा ३ !० संखेजा चंदा पभासेसु वा ३ जाव तारागणकोडिकोडीओ सोमेसु वा ३ ॥
 पुक्करोदणं समुद्धं वरुणवरे णामं दीवे वट्टे वलयागार जाव चिट्ठइ, तहेव समचक्क-
 वालमटिणं केवइयं चक्कवालविकखंभेणं केवइयं परिवखेवेणं पण्णत्ते ॥ गोयमा ! संखे-
 जाइं जोयणमयमहस्साइं चक्कवालविकखंभेणं संखेजाइं जोयणसयसहस्साइं परिवखे-
 वेणं पण्णत्ते, पउमवरवेइयावणमंडवणओ दारंतरं पएसा जीवा तहेव सव्वं ॥ से
 केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-वरुणवरे दीवे २ ! गोयमा ! वरुणवरे णं दीवे तत्थ २
 देसे २ तहिं २ वहुओ खुड्डाखुड्डियाओ जाव विलपंतियाओ अच्छाओ० पत्तेयं २
 पउमवरवेइयापरि० वण० वारुणोदगपडिहत्थाओ पासाइयाओ ४, तासु णं खुड्डाखु-
 ड्डियासु जाव विलपंतियासु वहुवे उप्पायपव्वया जाव खड्डहड्डा सव्वफलिहामया
 अच्छा तहेव वरुणवरुणप्पमा य एत्थ दो देवा महिड्डिया० परिवसंति, से तेणट्ठेणं
 जाव णिच्चे । जोइसं सव्वं संखेजएणं जाव तारागणकोडिकोडीओ । वरुणवरणं दीवं
 वारुणोदे णामं समुद्धे वट्टे वलया० जाव चिट्ठइ, समचक्क० विसमचक्कवालवि० तहेव
 मत्तं भाणियव्वं, विकखंभपरिवखेवो संखेजाइं जोयणसहस्साइं दारंतरं च पउमवर०
 वणसंटे पएसा जीवा अट्ठो-गोयमा ! वारुणोदस्स णं समुद्धस्स उदए से जहा णामए
 चंदपभाइ वा मणिसिलागाइ वा वरसीहू वरवारुणीइ वा पत्तासवेइ वा पुप्फासवेइ
 वा चोवासवेइ वा फलासवेइ वा महुमेरएइ मा जंबूफलपुट्टवण्णाइ वा जाइप्पसण्णाइं
 वा खज्जूरसारेइ वा मुहियासारेइ वा कापिसायणाइ वा सुपक्कवोयरसेइ वा
 पभूयमंभारसंचिया पोसमासमयभिसयजोगयत्तिया णिरुवहयविसिद्धदिण्णकालोव-
 यारा सुओया उक्कोसमयपत्ता अट्ठपिट्ठिणिट्ठिया [मुखइंतवरकिमदिण्णकहमा कोप-
 सण्णा अच्छा वरवारुणी अतिरसा जंबूफलपुट्टवण्णा सुजाया ईसिउट्ठावलंविणी
 अहियमधुरपेजा ईसासिरत्तणेत्ता कोमलकवोलकरणी जाव आसाइया विसाइया
 अणियुयसंलावकरणहरिसपीइजणणी संतोसततविओक्कहावविब्भमविलासवेह्लहलगम-
 णकरणी विरणमधियसत्तजलणणी य होति संगामदेसकालेकरणसमरपसरकरणी
 कट्टियाणविज्जुपयतिहिययाण मउयकरणी य होति उववेसिया समाणा गइं खलावेइ
 य सव्वलंमिवि सुभासवुण्णालिया समरभगवणोसहयारसुरभिरसदीविया सुगंधा
 आसायणिजा विस्सायणिजा पीणणिजा दप्पणिजा मयणिजा सत्विंदियगायपत्थाय-
 णिजा] आसवा मांसला पेसला(ईसी ओट्ठावलंविणी ईसी तंवच्छिक्करणी ईसी वोच्छेया
 कडुआ) वण्णेणं उववेया गंधेणं उववेया रसेणं उववेया फासेणं उववेया, भवे एया-

रुवे सिया ? गोयमा ! णो इण्ठे समट्ठे, वारुणस्स णं समुद्दस्स उदए एत्तो इड्ठरे जाव आसाएणं पण्णत्ते तत्थ णं वारुणिवारुणकंता दो देवा महिड्ढिया जाव परिवसंति, से एएण्ठेणं जाव णिच्चे, सव्वं जोइसं संखिज्जेण णायव्वं ॥१८०॥ वारुणोदण्णं समुद्दं खीरवरे णामं दीवे वट्ठे जाव चिट्ठइ सव्वं संखेज्जं विकल्हेमं य परिकल्हेवो य जाव अट्ठो० बहूओ खुड्डा० वावीओ जाव बिलपंतियाओ खीरोदगपडिहत्थाओ पासाइयाओ ४, तामु णं० खुड्ढियासु जाव बिलपंतियासु बहवे उप्पायपव्वयगा सव्वरयणामया जाव पडिरूवा, पुंडरीगपुष्पदंता एत्थ दो देवा महिड्ढिया जाव परिवसंति, से एएण्ठेणं जाव णिच्चे जोइसं सव्वं संखेज्जं ॥ खीरवरणं दीवं खीरोए णामं समुद्दे वट्ठे वलयागारसंठाणसंठिए जाव परिकल्हत्ताणं चिट्ठइ, समचक्कवालसंठिए णो विसमचक्कवालसंठिए, संखेज्जाइ जोयणस० विकल्हमपरिकल्हेवो तहेव सव्वं जाव अट्ठो, गोयमा ! खीरोयस्स णं समुद्दस्स उदगं से जहा णामए-सुउ-साहीमारुपणअज्जुणतरुणसरसपत्तकोमलअत्थिमात्तणमापोडगवरुत्तुचरिणीणं तवंगपत्तपुष्पपल्लवककोलरासफलरुक्खवहुगुच्छगुम्भकलियमलट्ठिमहुपउरपिप्पलीफलियव-ल्लिवरविवरचारिणीणं अप्पोदगपिड्ढरइसरसभूमिभोगणिभयसुहोसियाणं सुपोसियसुहायाणं रोगपरिखजियाणं णिरुवहयसरीराणं कालप्पसविणीणं बिइयतइयसामप्पसूयाणं अंजणवरगवलवलयजलधरजच्चजणरिद्धममरपभूयसमप्पमाणं गावीणं कुंडदोहणाणं वद्धथीपत्थुयाणं रूढाणं मधुमासकाले संगहिए होज्जचाउरक्खेव होज्ज तासिं खीरे महुररसविवगच्छबहुदव्वसंपउत्ते पत्तेयं मंदगिसुकट्टिए आउत्ते खंडगुडमच्छंडिओववेए रण्णो चाउरंतचक्कवट्ठिस्स उव्वविए आसायणिजे विस्सायणिजे पीणाणिजे जाव सव्विदियागायपल्हायणिजे वण्णेणं उव्वेए जाव फासेणं उव्वेए, भवे एयारुवे सिया ? णो इण्ठे समट्ठे, खीरोदस्स णं समुद्दस्स उदए एत्तो इड्ढयाए चेव जाव आसाएणं पण्णत्ते, विमलविमलपभा एत्थ दो देवा महिड्ढिया जाव परिवसंति, से तेण्ठेणं० संखेज्जा चंदा जाव तारा ॥१८१॥ खीरोदण्णं समुद्दं धयवरे णामं दीवे वट्ठे वलयागारसंठाणसंठिए जाव परि० चिट्ठइ, समचक्कवाल० णो विसम० संखेज्जविकल्हमपरि० पएसा जाव अट्ठो, गोयमा ! धयवरे णं दीवे तत्थ २०० बहूओ खुड्डाखुड्डीओ वावीओ जाव धयोदगपडिहत्थाओ उप्पायपव्वयगा जाव खंडहड० सव्वक्कचणमया अच्छा जाव पडिरूवा, कणयकणयप्पभा एत्थ दो देवा महिड्ढिया० चंदा संखेज्जा० ॥ धयवरणं दीवं धओदे णामं समुद्दे वट्ठे वलयागारसंठाणसंठिए जाव चिट्ठइ, समचक्क० तहेव दारपएसा जीवा य अट्ठो, गोयमा ! धओदस्स णं

समुद्रस्स उदए से जहा० सेजवग्गपप्फुल्लसल्लइविमुकुल्लकणियारसरसवसुविसुद्ध-
 कोरेंदामपिंडियतरस्स णिद्धगुणतेयदीवियणिरुवहयविसिद्धसुंदरतरस्स सुजायदहिम-
 हियतद्विसगहियणवणीयपडुवणावियमुक्कड्डियउद्दावसज्जीरुदियरसअहियं पीवरसुर-
 हिगंधमणहरमहुरपरिणामदरिसणिजस्स पत्थणिम्मलसुहोवभोगस्स सरयकांत्ति होज
 गोयवरस्स मंडए, भवे एयारूवे सिया ?, गो इणट्ठे समट्ठे, गोयमा ! धओदस्स णं
 समुद्रस्स एत्तो इट्ठयराए जाव आसाएणं प० कंतसुक्कंता एत्थ दो देवा महिड्डिया
 जाव परिवसंति सेसं तं चेव जाव तारागणकोडिकोडीओ ॥ वओदण्णं समुद्दं खोयवरे
 णामं दीवे वट्ठे वलयागार जाव चिद्धइ तहेव जाव अट्ठो, खोयवरे णं दीवे तत्थ २
 देसे २ तहिं २ खुड्डा० वावीओ जाव खोदोदगपडिहत्थाओ० उप्पायपत्थयगा सत्त्व-
 वेकलियामया जाव पडिस्सवा, पुण्णममहप्पमा य एत्थ दो देवा महिड्डिया जाव परि-
 वसंति, से एएण० सव्वं जोइसं तं चेव जाव तारा० ॥ खोयवरणं दीवं खोदोदे
 णामं समुद्दे वट्ठे वलया० जाव संखेजाइं जोयणसयसहस्साइं परिवखेवेणं जाव अट्ठो,
 गोयमा ! खोदोदस्स णं समुद्रस्स उदए से जहा० आसलमासलपत्थवासेतणिद्धसु-
 कुमालभूमिभागे सुच्छिण्णेसुककल्लड्डविसिद्धणिरुवहयाजीयवावीतसुकासजपयत्तणिउण-
 परिकम्मअणुपालियसुवुड्डिड्डुड्डाणं सुजायाणं लवणतणदोसवज्जियाणं णयायपरिवड्डि-
 याणं णिम्मायसुंदराणं रसेणं परिणयमउपीणपोरभेगुरसुजायमहुरसपुप्फविरइयाणं उव-
 हवविज्जियाणं सीयपरिफासियाणं अभिणवभग्गाणं अपालियाणं तिभायणिच्छोडिय-
 वाडियाणं अवणियमूलाणं गंठियपरिसोहियाणं कूसलणरकप्पियाणं उच्छुट्टाणं जाव
 पोडियाणं वल्लवणरजत्तजंतपरिगालियमेत्तणं खोयरसे होजा वत्थपरिपूए चाउ-
 जायगसुवासिए अहियपत्थलहुए वण्णोवघेए तहेव, भवे एयारूवे सिया ?, गो इणट्ठे
 समट्ठे, खोदोदस्स णं समुद्रस्स उदए एत्तो इट्ठयराए चेव जाव आसाएणं प०
 पुण्णमहमाणिभद्दा य (पुण्णपुण्णमह्मा) इत्थं तुवे देवा जाव परिवसंति, सेसं तहेव,
 जोइसं संखेजं चंदा० ॥ १८२ ॥ खोदोदण्णं समुद्दं णंदीसरवरे णामं दीवे वट्ठे
 वलयागारसंठिए तहेव जाव परिकखेवो । पउमवर० वणसंडपरि० दारा दारंतरप्पएसे
 जीवा तहेव । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ-णंदीसरवरदीवे २ ? गोयमा ! णंदीस-
 रवरदीवे २ तत्थ २ देसे २ तहिं २ बहूओ खुड्डा० वावीओ जाव विलपंतियाओ
 खोदोदगपडिहत्थाओ० उप्पायपत्थयगा सत्त्ववइरामया अच्छा जाव पडिस्सवा ॥ अदु-
 त्तरं च णं गोयमा ! णंदीसरवरदीवच्छवालविकखेभवहुमज्झदेसभागे एत्थ णं चउ-

द्विसिं चत्तारि अंजणगपक्खया पणत्ता, ते णं अंजणगपक्खया चउरासीइजोयण-
सहस्साइं उड्डं उच्चत्तेणं एगमेगं जोयणसहस्सं उव्वेहेणं मूले साइरेगाइं दस जोयण-
सहस्साइं धरणियले दस जोयणसहस्साइं आयामविक्खंभेणं तओऽणत्तरं च णं
मायाए २ पएसपरिहाणीए परिहायमाणा २ उवरिं एगमेगं जोयणसहस्सं आयाम-
विक्खंभेणं मूले एकतीसं जोयणसहस्साइं छच्च तेवीसे जोयणसए विं चिविसेसाहिया
परिक्खेवेणं धरणियले एकतीसं जोयणसहस्साइं छच्च तेवीसे जोयणसए देसूणे
परिक्खेवेणं सिहरतले तिण्णि जोयणसहस्साइं एगं च बावट्ठं जोयणसयं विं चिविसे-
साहियं परिक्खेवेणं पणत्ता मूले विच्छिण्णा मज्झे संखित्ता उप्पि तणुया गोपुच्छ-
संठाणसंठिया सव्वंजणामया अच्छा जाव पत्तेयं २ पउमवरवेइयापरि० पत्तेयं २
वणसंडपरिक्खित्ता वण्णओ ॥ तेसिं णं अंजणगपक्खयाणं उवरि पत्तेयं २ बहुस-
मरमणिज्जो भूमिभागो पणत्तो, से जहाणामए--आलिणपुव्वखरेइ वा जाव सयंति ॥
तेसिणं बहुसमरमणिजाणं भूमिभागाणं बहुमज्झदेसभाए पत्तेयं २ सिद्धाययणा, एग-
मेगं जोयणसयं आयामेणं, पण्णासं जोयणाइं विक्खंभेणं, वावत्तरिं जोयणाइं उड्डं
उच्चत्तेणं, अणेगखंभसयसणिविट्ठा वण्णओ ॥ तेसिणं सिद्धाययणाणं पत्तेयं २ चउ-
द्विसिं चत्तारि दारा पणत्ता देवदारे असुरदारे णागदारे सुव्वणदारे, तत्थ णं चत्तारि
देवा महिद्धिदाया, जाव पलिओपमद्धिदाया, परिक्खंसंति तंजहा--देव असुरे णागे सुव्वणे
ते णं दारा सोलस जोयणाइं उड्डं उच्चत्तेणं अट्ठ जोयणाइं विक्खंभेणं तावइयं चेव
पवेसेणं सेया वरक्कणग० वण्णओ जाव वणमाला । तेसिणं दाराणं चउद्विसिं चत्तारि
मुहमंडवा पणत्ता, ते णं मुहमंडवा एगमेगं जोयणसयं आयामेणं पंचास जोयणाइं
विक्खंभेणं साइरेगाणं सोलस जोयणाइं उड्डं उच्चत्तेणं वण्णओ ॥ तेसिणं
मुहमंडवाणं चउद्वि(तिवि)सिं चत्तारि(तिण्णि)दारा सोलस जोयणाइं उड्डं उच्चत्तेणं,
अट्ठ जोयणाइं विक्खंभेणं तावइयं चेव पवेसेणं सेसं तं चेव जाव वणमालाओ ॥
एवं पेच्छावरमण्डवावि तं चेव पमाणं जं मुहमंडवाणं दारा वि तहेव णवरि
बहुमज्झदेसभाए पेच्छावरमंडवाणं अक्खवाडगा मणिपेडियाओ अट्ठजोयणपमा-
णाओ, सीहासणा अपरिवारा जाव दामा थूभाइं चउद्विसिं तहेव णवरि सोलस
जोयणप्पमाणा साइरेगाइं सोलसजोयणाइं उच्चा सेसं तहेव जाव जिणपडिमा ।
चेइयस्सुखा तहेव चउद्विसिं तं चेव पमाणं जहा विजयाए, रायहाणीयाए, णवरि
मणिपेडियाए सोलसजोयणप्पमाणाओ, तेसिणं चेइयस्सुखाणं चउद्विसिं चत्तारि

मणिपेटियाओ अद्भुजोयणविकल्हेमाओ, चउजोयणवाहल्लाओ महिंदज्झया चउ-
सद्धिजोयणुच्चा, जोयणोव्वेच्चा जोयणविकल्हेमा सेसं तं चेव ॥ एवं चउद्दिसिं
चत्तारिं गंदा पुक्खरिणीओ णवरि खोयरसपडिपुण्णाओ जोयणसयं आयामेणं पण्णासं
जोयणाइं विकल्हेमेणं, पण्णासं जोयणाइं उव्वेहेणं सेसं तं चेव, मणुगुलियाणं गोमाण-
सीण य, अड्यालीसं २ सहस्साइं पुरच्छिमेणाव सोलस पच्चत्थिमेणावि सोलस दाहि-
णेणवि, अद्भु उत्तरेणवि अद्भु साहस्सीओ तद्देव सेसं उल्लोथा भूमिभागा जाव
बहुमज्झदेसभाए मणिपेटिया सोलसजोयणा आयामविवल्हेमेणं अद्भु जोयणाइं बाह-
ल्लेणं तारिसं मणिपेटियाणं उण्णि देवच्छंदगा सोलसजोयणाइं आयामविकल्हेमेणं
सादरेगाइं सोलसजोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं सव्वरयण० अद्भुसयं जिणपडिमाणं
सव्वो सो चेव गमो जहेव वेमाणिय सिद्धाययणस्स ॥ तत्थ णं जे से पुरच्छि-
मिहे अंजणगपव्वए तस्स णं चउद्दिसिं चत्तारिं गंदाओ पुक्खरिणीओ
पण्णत्ताओ, तंजहा--णंदुत्तरा य गंदा आणंदा णंदिवड्ढणा । (णंदिसेणा अमोघा
य गोथूमा य सुदंसणा) ताओ णं गंदापुक्खरिणीओ एगमेणं जोयणसय-
सहस्सं आयामविकल्हेमेणं, दसजोयणाइं उव्वेहेणं अच्छाओ सण्हाओ० पत्तेयं पत्तेयं
पउमवरवेइया० पत्तेयं पत्तेयं वणसंडपरिक्खत्ता० तत्थ तत्थ जाव सोवाणपडिरु-
क्का तोरणा ॥ तासिं णं पुक्खरिणीणं बहुमज्झदेसभाए पत्तेयं पत्तेयं दहिमुहपव्वया
चउसद्धि जोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं एगं जोयणसहस्सं उव्वेहेणं सव्वत्थसमा
पहंगसंठाणसंठिया दस जोयणसहस्साइं विकल्हेमेणं एक्कीतीसं जोयणसहस्साइं छच्च
तेवीसे जोयणसए परिक्खेवेणं पण्णत्ता सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरुक्का, तद्दा
पत्तेयं पत्तेयं पउमवरवेइया० वणसंडवण्णाओ बहुसम० जाव आसयंति सयंति० ।
सिद्धाययणस्स तं चेव पमाणं अंजणपव्वएसु सच्चेव वत्तव्वया, णिरव्वेसेसं भाणियव्वं
जाव उण्णि अद्भुमंगल्ला ॥ तत्थ णं जे से दक्खिणिहे अंजणगपव्वए तस्स णं
चउद्दिसिं चत्तारिं गंदाओ पुक्खरिणीओ पण्णत्ताओ, तंजहा--महा य विसाला
य कुमुया पुंडरीगिणी, (णंदुत्तरा य गंदा य आणंदा णंदिवड्ढणा) तं चेव दहि-
मुहा पव्वया तं चेव पमाणं जाव सिद्धाययणा ॥ तत्थ णं जे से पच्चत्थिमिहे अंजणग-
पव्वए तस्स णं चउद्दिसिं चत्तारिं गंदा पुक्खरिणीओ पण्णत्ताओ, तंजहा--णंदिसेणा
अमोघा य गोथूमा य सुदंसणा, (महा य विसाला य कुमुया पुंडरीगिणी) तं चेव
सव्वं भाणियव्वं जाव सिद्धाययणा ॥ तत्थ णं जे से उत्तरिहे अंजणगपव्वए तस्स णं

चउद्दिशिं चत्तारि णंदापुक्खरिणीओ तंजहा—विजया वेजयंती जयंती अपराजिया,
 सेसं तहेव जाव सिद्धाययणा सव्वा ते चिय वण्णणा गायव्वा; तत्थणं बहवे भवण-
 वइ-वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिया देवा, चाउमासियापडिवएसु संवच्छरिएसु, वा
 अण्णेसु बहुसु जिणजम्मणणिकस्वमणणाणुप्पत्तिपरिणिव्याणमाइएसु य, देवकज्जेसु य,
 देवसमुदएसु य, देवसमिइसु य, देवसमवाएसु य देवपओयणेसु य एगंतओ, सहिया
 समवागया समाणा, पमुइयपक्कीलिया, अट्ठाहियारूवाओ महामहिमाओ करेमाणा,
 पालेमाणा सुहंसुहेणं विहरंति । [तहेव दहिमुहगपव्वया तहेव जाव वणखंडा बहुं जाव
 विहरंति । अदुत्तरं च णं गोयमा ! णंदीसरवरस्स णं दीवस्स चक्खवालविवखंभस्स
 बहुमज्झदेसभाए चउसु विदिसासु चत्तारि रइकरगपव्वया प० तं०—उत्तरपुरच्छिमिल्ले
 रइकरगपव्वए दाहिणपुरत्थिमिल्ले रइकरगपव्वए दाहिणपच्चत्थिमिल्ले रइकरगपव्वए
 उत्तरपच्चत्थिमिल्ले रइकरगपव्वए, ते णं रइकरगपव्वया दसजोयणसयाइं उड्हं
 उच्चत्तेणं, दसगाउयसयाइं उव्वेहेणं, सव्वत्थसमा झल्लरिसंटाणसंठिया, दसजोयणस-
 हस्साइं विकखंभेणं, एकतीसं जोयणसहस्साइं छच्चतेवीसे जोयणसए परिवखेवेणं,
 सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा । तत्थ णं जे से उत्तरपुरच्छिमिल्ले रइकरगप-
 व्वए तस्स णं चउद्दिशिमीसाणस्स देविंदस्स देवरणो चउण्हमग्गमहिसीणं जंबुद्दीव-
 प्पमाणमेत्ताओ चत्तारि रायहाणीओ प० तं०—णंदोत्तरा णंदा उत्तरकुरा देवकुरा,
 कण्हाए कण्हराईए कामाए कामरक्खियाए । तत्थ णं जे से दाहिणपुरच्छिमिल्ले रइकर-
 गपव्वए तस्स णं चउद्दिशिं सकस्स देविंदस्स देवरणो चउण्हमग्गमहिसीणं जंबुद्दीव-
 प्पमाणाओ चत्तारि रायहाणीओ प० तं०—सुमणा सोमणसा अच्चिमाली मणोरमा,
 पउमाए सिवाए सईए अज्जए । तत्थ णं जे से दाहिणपच्चत्थिमिल्ले रइकरगपव्वए तस्स
 णं चउद्दिशिं सकस्स देविंदस्स देवरणो चउण्हमग्गमहिसीणं जंबुद्दीवप्पमाणमेत्ताओ
 चत्तारि रायहाणीओ प० तं०—भूया भूयवडिंसा गोथूभा सुदंसणा, अमलाए अच्छराए
 णवमियाए रोहिणीए । तत्थ णं जे से उत्तरपच्चत्थिमिल्ले रइकरगपव्वए तस्स णं चउद्दि-
 सिमीसाणस्स चउण्हमग्गमहिसीणं जंबुद्दीवप्पमाणमेत्ताओ चत्तारि रायहाणीओ प०
 तं०—रयणा रयणोच्चया सव्वरयणा रयणसंचया, वसूए वसुगुत्ताए वसुमित्ताए वसुंध-
 राए ।] कइलसहरिवाहणा य तत्थ दुवे देवा महिड्डिया जाव पल्लिओवमद्विइया परि-
 वसंति, से एएण्ठेणं गोयमा ! जाव णिच्चा जोइसं संखेजं ॥१८३॥ णंदीसरवरणं दीवं
 णंदीसरोदे णामं समुदे वट्टे वलयागारसंटाणसंठिए जाव सव्वं तहेव अट्ठो जो

खोदोदगमस जाव सुमणसोमणसमहा एत्थ दो देवा महिड्डिया जाव परिवसंति सेसं तहेव जाव तारगं ॥१८४॥ णदीसरोदं णं समुदं अरुणे णामं दीवे वट्टे वलयागार जाव संपरिक्विस्ताणं चिट्ठइ । अरुणे णं भंते ! दीवे किं समचक्कवालसंठिए विसमचक्कवालसंठिए ? गोयमा ! समचक्कवालसंठिए णो विसमचक्कवालसंठिए, केवइयं चक्कवालवि० ? गोयमा ! संखेजाइं जोयणसयसहस्साइं चक्कवालविकखंभेणं संखेजाइं जोयणसयसहस्साइं परिकखेवेणं पणत्ते, पउमवर० वणसंडदारा दारंतरा य तहेव संखेजाइं जोयणसयसहस्साइं दारंतरं जाव अट्ठो, वावीओ० खोदोदगपडिहत्थाओ उप्पायपव्वयगा सव्ववइरामया अच्छा जाव पडिरूवा, असोगवीयसोगा य एत्थ दुवे देवा महिड्डिया जाव परिवसंति, से तेण० जाव संखेजं सव्वं ॥ अरुणणं दीवं अरुणेदे णामं समुदे तस्सवि तहेव परिकखेवो अट्ठो खोदोदगे णवरं सुभइसुमणमहा एत्थ दो देवा महिड्डिया सेसं तहेव ॥ अरुणोदगं णं समुदं अरुणवरे णामं दीवे वट्टं वलयागारसंठाण० तहेव संखेजं सव्वं जाव अट्ठो० खोदोदगपडिहत्थाओ उप्पायपव्वयगा सव्ववइरामया अच्छा जाव पडिरूवा, अरुणवरभइअरुणवरमहाभइ एत्थ दो देवा महिड्डिया० । एवं अरुणवरोदेवि समुदे जाव अरुणवरअरुणमहावरा य एत्थ दो देवा सेसं तहेव ॥ अरुणवरोदणं समुदं अरुणवरावभासे णामं दीवे वट्टे जाव अरुणवरावभासमहाअरुणवरावभासमहाभइ एत्थ दो देवा महिड्डिया० । एवं अरुणवरावभासे समुदे णवरि अरुणवरावभासवरारुणवरावभासमहावरा एत्थ दो देवा महिड्डिया० ॥ कुंडले दीवे कुंडलभइकुंडलमहाभइ एत्थ दो देवा महिड्डिया०, कुंडलोदे समुदे चक्खुसुभचक्खुक्ता एत्थ दो देवा म० । कुंडलवरे दीवे कुंडलवरभइकुंडलवरमहाभइ एत्थ दो देवा महिड्डिया०, कुंडलवरोदे समुदे कुंडलवर[वर]कुंडलवरमहावरा एत्थ दो देवा म० ॥ कुंडलवरावभासे दीवे कुंडलवरावभासमइकुंडलवरावभासमहाभइ एत्थ दो देवा ॥ कुंडलवरोभासोदे समुदे कुंडलवरोभासवरकुंडलवरोभासमहावरा एत्थ दो देवा म० जाव पलिओवमड्डिइया परिवसंति० ॥ कुंडलवरोभासोदं णं समुदं रुयगे णामं दीवे वट्टे वलया० जाव चिट्ठइ, किं समचक्क० विसमचक्कवाल० ? गोयमा ! समचक्कवाल० णो विसमचक्कवालसंठिए, केवइयं चक्कवाल० पणत्ते ? सव्वट्ठमणोरमा एत्थ दो देवा सेसं तहेव । रुयगोदे णामं समुदे जहा खोदोदे समुदे संखेजाइं जोयणसयसहस्साइं चक्कवालवि० संखेजाइं जोयणसयसहस्साइं परिकखेवेणं दारा दारंतरंपि संखेजाइं जोइसंपि सव्वं संखेजं भाणियव्वं, अट्ठोवि जहेव खोदोदस्स णवरि सुमणसोमणसा एत्थ दो देवा महिड्डिया

तद्देव रुयगाओ आढत्तं असंखेज्जं विक्खंभो परिकखेवो दारा दारंतरं च जोइसं च
 सव्वं असंखेज्जं भाणियव्वं । रुयमोदण्णं समुद्दं रुयगवरो णं दीवे वट्ठे० रुयगवरभद्दरुय-
 गवरमहाभद्दा एत्थ दो देवा० रुयगवरोदे स० रुयगवररुयगवरमहावरा एत्थ दो देवा
 महिड्डिया० । रुयगवरावभासे दीवे रुयगवरावभासभद्दरुयगवरावभासमहाभद्दा एत्थ
 दो देवा महिड्डिया० । रुयगवरावभासे समुद्दे रुयगवरावभासवररुयगवरावभासमहा-
 वरा एत्थ० ॥ हारद्वोवे हारभद्दहारमहाभद्दा एत्थ० । हारसमुद्दे हारवरहारवरमहावरा
 एत्थ दो देवा महिड्डिया० । हारवरोदे दीवे हारवरभद्दहारवरमहाभद्दा एत्थ दो देवा
 महिड्डिया० । हारवरोदे समुद्दे हारवरहारवरमहावरा एत्थ० । हारवरावभासे दीवे हार-
 वरावभासभद्दहारवरावभासमहाभद्दा एत्थ० । हारवरावभासोदे समुद्दे हारवरावभास-
 वरहारवरावभासमहावरा एत्थ० । एवं सव्वेवि तिपट्ठोयारा णेयव्वा जाव सूरवरा-
 भासोदे समुद्दे, दीवेसु भट्ठणामा वरणाभा होंति उदहीसु, जाव पच्चिमभावं
 लोयवराईसु सयंभूरमणपज्जेतेसु वावीओ० खोदोदगपट्ठिहत्थाओ पव्वयमा य सव्व-
 वहरामया० । देवदीवे दीवे देवभद्ददेवमहाभद्दा एत्थ दो देवा महिड्डिया०, देवोदे
 समुद्दे देववरदेवमहावरा एत्थ० जाव सयंभूरमणे दीवे सयंभूरमणभद्दसयंभूरमहा-
 भद्दा एत्थ दो देवा महिड्डिया० । सयंभूरमण्णं दीवं सयंभूरमणोदे णामं समुद्दे
 वट्ठे बलया० जाव असंखेज्जाइं जोयणसयसहस्साइं परिकखेवेणं जाव अट्ठो,
 गोयमा ! सयंभूरमणोदए उदए अच्छे पत्थे जच्चे तणुए फलिहवण्णामे पगईए
 उदगरसेणं पण्णत्ते, सयंभूरमणवरसयंभूरमणमहावरा एत्थ दो देवा महिड्डिया सेसं
 तद्देव जाव असंखेज्जाओ तारागणकोडिकोडीओ सोमैसु वा ३ ॥१८५॥ केवइया
 णं भंते ! जंबुदीवा दीवा णामधेजेहिं पण्णत्ता ? गोयमा ! असंखेज्जा जंबुदीवा २
 णामधेजेहिं पण्णत्ता, केवइया णं भंते ! लवणसमुद्दा० पण्णत्ता ? गोयमा ! असंखेज्जा
 लवणसमुद्दा णामधेजेहिं पण्णत्ता, एवं धायइसंडावि, एवं जाव असंखेज्जा सूरदीवा
 णामधेजेहिं० । एगे देवे दीवे पण्णत्ते एगे देवोदे समुद्दे पण्णत्ते, एवं णागे जवस्से
 भूए जाव एगे सयंभूरमणे दीवे एगे सयंभूरमणसमुद्दे णामधेजेणं पण्णत्ते ॥१८६॥
 लवणस्स णं भंते ! समुद्दस्स उदए केरिसए आसाएणं पण्णत्ते ? गोयमा ! लवणस्स०
 उदए आइले रइले लिंदे लवणे कडुए अपेजे बहूणं दुपयचउप्पयमिगपसुपत्तिस्स-
 सरीसिवाणं णण्णत्थ तज्जोणियाणं सत्ताणं ॥ कालोयस्स णं भंते ! समुद्दस्स उदए
 केरिसए आसाएणं पण्णत्ते ? गोयमा ! आसले पेसले मासले कालएभासरासिवाणामे
 पगईए उदगरसेणं पण्णत्ते ॥ पुक्खरोदस्स णं भंते ! समुद्दस्स उदए केरिसए आ०

पण्णत्ते ! गोयमा ! अच्छे जच्चे तणुए फालियवण्णामे पगईए उदगरसेणं पण्णत्ते ॥
 वरुणोदस्स णं भंते !० गोयमा ! से जहा णामए--पत्तासवेइ वा चोयासवेइ वा
 खज्जरसारेइ वा मुद्धियासारेइ वा सुपक्खोयरसेइ वा मेरएइ वा काविसायणेइ वा
 चंदपमाइ वा मणसिलाइ वा वरसीहूइ वा पवरवारुणीइ वा अट्ठपिट्ठपरिणिट्ठियाइ
 वा जंबूफलकालियाइ वा वरप्पसण्णा उक्कोसमयप्पत्ता ईसिउट्ठावलंबिणी ईसितं-
 वच्छिकरणी ईसिवोच्छेयकरणी आसला मांसला पेसला वण्णेणं उववेया जाव भवे
 एयारूवे सिया ! णो इण्ठे समट्ठे, गोयमा ! वारुणोदए० इत्तो इट्ठतराए चेव जाव आसा-
 एणं प० । खीरोदस्स णं भंते !० उदए केरिमए आसाएणं पण्णत्ते ! गोयमा ! से
 जहा णामए--रणो चाउरंतचक्कवट्टिस्स चाउरक्के गोखीरे पयसमंदम्मिसुकुडिए
 आउत्तरखंडमच्छंडिओववेए वण्णेणं उववेए जाव फासेणं उववेए, भवे एयारूवे
 सिया !, णो इण्ठे समट्ठे, गोयमा ! खीरेयस्स० एतो इट्ठ जाव आसाएणं पण्णत्ते ।
 घओदस्स णं० से जहा णामए-सारइयस्स गोघयवरस्स मंडे सहइक्कणिथारणुफ-
 वण्णामे सुकड्ढियउदारसज्जवीसंदिए वण्णेणं उववेए जाव फासेणं उववेए, भवे
 एयारूवे सिया !, णो इण्ठे समट्ठे, इत्तो इट्ठयरा०, खोदोदस्स० से जहा णामए-
 उच्छ्रूणं जच्चपुट्ठगाणं हरियालपिंडराणं मेरुडछणाण वा कालपोराणं तिभागिण्ठवा-
 डियवाडगाणं वल्लगणरजंतपरिगालियमित्तणं जे य रसे होजा वत्थपरिपुए चाउ-
 जायगमुवासिए अहियपत्थे लहुए वण्णेणं उववेए जाव भवेयारूवे सिया !, णो
 इण्ठे समट्ठे, एत्तो इट्ठयरा०, एवं सेसगाणवि- समुद्दाणं भेदो जाव सयंभूरमणस्स,
 णवरि अच्छे जच्चे पत्थे जहा पुक्खरोदस्स ॥ कइ णं भंते ! समुद्दा पत्तेगरसा
 पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि समुद्दा पत्तेगरसा पण्णत्ता, तंजहा-लवणे वरुणोदे
 खीरोदे घओदे ॥ कइ णं भंते ! समुद्दा पगईए उदगरसेणं पण्णत्ता ? गोयमा !
 तओ समुद्दा पगईए उदगरसेणं पण्णत्ता, तंजहा-कालोए पुक्खरोए सयंभूरमणे,
 अवसेसा समुद्दा उस्सणं खोयरसा प० समणाउसो ! ॥ १८७ ॥ कइ णं भंते !
 समुद्दा बहुमच्छकच्छभाइण्णा पण्णत्ता ? गोयमा ! तओ समुद्दा बहुमच्छकच्छभाइण्णा
 पण्णत्ता, तंजहा-लवणे कालोदे सयंभूरमणे, अवसेसा समुद्दा अप्पमच्छकच्छभाइण्णा
 पण्णत्ता समणाउसो ! ॥ लवणे णं भंते ! समुद्दे कइ मच्छजाइवुलकोडिजोणीपमुह-
 सयसहस्सा पण्णत्ता ? गोयमा ! सत्त मच्छजाइकुलकोडीजोणीपमुहसयसहस्सा
 पण्णत्ता ॥ कालोए णं भंते ! समुद्दे कइ मच्छजाइ० पण्णत्ता ? गोयमा ! णव मच्छ-

जाइकुलकोडीजोणी॥ सयंभूरमणे णं भंते ! समुद्दे० ? गो० ! अद्धतेरस मच्छजाइकुल-
कोडीजोणीपमुहसयसहस्ता पणत्ता ॥ लवणे णं भंते ! समुद्दे मच्छणं केमहालिया
सरीरोगाहणा पणत्ता ? गो० ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जभाणं उक्कोसेणं पंच-
जोयणसयाइं ॥ एवं कालोए उ० सत्त जोयणसयाइं ॥ सयंभूरमणे जहण्णेणं अंगुलस्स
असंखेज्ज० उक्कोसेणं दस जोयणसयाइं ॥ १८८ ॥ केवइया णं भंते ! दीवसमुद्दा
णामधेजेहिं पणत्ता ? गोयमा ! जावइया लोगे सुभा णामा सुभा वण्णा जाव सुभा
फासा एवइया दीवसमुद्दा णामधेजेहिं पणत्ता ॥ केवइया णं भंते ! दीवसमुद्दा
उद्धारसमएणं पणत्ता ? गोयमा ! जावइया अद्धाइजाणं सागरोवमाणं उद्धारसमया
एवइया दीवसमुद्दा उद्धारसमएणं पणत्ता ॥ १८९ ॥ दीवसमुद्दा णं भंते ! किं पुटवि-
परिणामा आउपरिणामा जीवपरिणामा पुग्गलपरिणामा ? गोयमा ! पुटविपरिणामावि
आउपरिणामावि जीवपरिणामावि पुग्गलपरिणामावि ॥ दीवसमुद्देसु णं भंते ! सव्व-
पाणा सव्वभूया सव्वजीवा सव्वसत्ता पुटविकाइयत्ताए जाव तसकाइयत्ताए उववण-
पुव्वा ! हंता गोयमा ! असइं अदुवा अणंतखुत्तो ॥ १९० ॥

॥ इइ दीवसमुद्दा समत्ता ॥

जोइसुद्देसओ

कइविहे णं भंते ! इंदियविसए पोग्गलपरिणामे पणत्ते ? गोयमा ! पंचविहे
इंदियविसए पोग्गलपरिणामे पणत्ते, तंजहा—सोइंदियविसए जाव फासिंदियविसए ।
सोइंदियविसए णं भंते ! पोग्गलपरिणामे कइविहे पणत्ते ? गोयमा ! दुविहे पणत्ते,
तंजहा—सुब्भिसदपरिणामे य दुब्भिसदपरिणामे य, एवं चक्खिंदियविसयाइएहिंवि
सुरूवपरिणामे य दुरूवपरिणामे य, एवं सुरमिगंधपरिणामे य दुरमिगंधपरिणामे य,
एवं सुरसपरिणामे य दुरसपरिणामे य, एवं सुफासपरिणामे य दुफासपरिणामे य ॥
से णूणं भंते ! उच्चावएसु सदपरिणामेसु उच्चावएसु रूवपरिणामेसु एवं गंधपरिणामेसु
रसपरिणामेसु फासपरिणामेसु परिणममाणा पोग्गला परिणमंतीति वत्तव्वं सिया ? हंता
गोयमा ! उच्चावएसु सदपरिणामेसु जाव परिणममाणा पोग्गला परिणमंतिंति वत्तव्वं
सिया, से णूणं भंते ! सुब्भिसदा पोग्गला दुब्भिसदत्ताए परिणमंतिंति दुब्भिसदा पोग्गला
सुब्भिसदत्ताए परिणमंतिंति ? हंता गोयमा ! सुब्भिसदा पो० दुब्भिसदत्ताए परिणमंतिंति
दुब्भिसदा पो० सुब्भिसदत्ताए परिणमंतिंति, से णूणं भंते ! सुरूवा पुग्गला दुरूवत्ताए

परिणमंति दुरुवा पुगला सुरुवत्ताए० ? हंता गोयमा !०, एवं सुभिभंग्धा पोगला दुब्भिभंग्धत्ताए परिणमंति दुब्भिभंग्धा पोगला सुब्भिभंग्धत्ताए परिणमंति ? हंता गोयमा !०, एवं सुफासा दुफासत्ताए ? सुरसा दुरसत्ताए० ? हंता गोयमा !० ॥ १९१ ॥ देवे णं भंते ! महिड्ढिए जाव महाणुभागे पुव्वामेव पोगलं खवित्ता पभू तमेव अणुपरियट्ठित्ताणं गिण्हित्तए ? हंता पभू, से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—देवे णं महिड्ढिए जाव गिण्हित्तए ? गोयमा ! पोगले खित्ते समाणे पुव्वामेव सिग्धगई भवित्ता तओ पच्छा मंदगई भवइ, देवे णं महिड्ढिए जाव महाणुभागे पुव्वं पि पच्छावि सीहे सीहगई तुरिए तुरियगई चेव से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ जाव अणुपरियट्ठित्ताणं गेण्हित्तए ॥ देवे णं भंते ! महिड्ढिए० बाहिरए पोगले अपरियाइत्ता पुव्वामेव बालं अच्छित्ता अभेत्ता पभू गंठित्तए ? णो इणट्ठे समट्ठे १, देवे णं भंते ! महिड्ढिए० बाहिरए पुगले अपरियाइत्ता पुव्वामेव बालं छित्ता भित्ता पभू गंठित्तए ? णो इणट्ठे समट्ठे २, देवे णं भंते ! महिड्ढिए० बाहिरए पुगले परियाइत्ता पुव्वामेव बालं अच्छित्ता अस्मित्ता पभू गंठित्तए ? णो इणट्ठे समट्ठे ३, देवे णं भंते ! महिड्ढिए जाव महाणुभागे बाहिरए पोगले परियाइत्ता पुव्वामेव बालं छेत्ता भेत्ता पभू गंठित्तए ? हंता पभू ४, तं चेव णं गंठिं छउमत्थे ण जाणइ ण पासइ एवमुद्धुमं च णं गढिया ३, देवे णं भंते ! महिड्ढिए० पुव्वामेव बालं अच्छेत्ता अभेत्ता पभू दीहीकरित्तए वा हस्सीकरित्तए वा ? णो इणट्ठे समट्ठे ४, एवं चत्तारिवि गमा, पटमविइयभंगेसु अपरियाइत्ता एगंतरियगा अच्छेत्ता अभेत्ता, सेसं तहेव, तं चेव सिद्धिं छउमत्थे ण जाणइ ण पासइ एवमुद्धुमं च णं दीहीकरेज वा हस्सीकरेज वा ॥ १९२ ॥ अत्थि णं भंते ! चंदिमसूरियाणं हिट्ठिपि ताराखा अणुपि तुल्लावि समपि ताराखा अणुपि तुल्लावि उप्पिपि ताराखा अणुपि तुल्लावि ? हंता अत्थि, से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—अत्थि णं चंदिमसूरियाणं जाव उप्पिपि ताराखा अणुपि तुल्लावि ? गोयमा ! जहा जहा णं तेसिं देवाणं तवणियमद्वंभचेरयासाइं [उक्कडाइं] उरिसयाइं भवंति तहा तहा णं तेसिं देवाणं एयं पण्णायइ अणुत्ते वा तुल्लत्ते वा, से एएणट्ठेणं गोयमा !० अत्थि णं चंदिमसूरियाणं० उप्पिपि ताराखा अणुपि तुल्लावि ॥ १९३ ॥ एगमेगस्स णं भंते ! चंदिमसूरियस्स केवइओ णक्खत्तपरिवारो पण्णत्तो केवइओ महग्गहपरिवारो पण्णत्तो केवइओ तारागणकोडाकोडीओ परिवारो प० ? गोयमा ! एगमेगस्स णं चंदिमसूरियस्स—अट्ठासीइं च गहा अट्ठावीसं च

होइ णक्खत्ता । एगससीपरिवारो एत्तो ताराण वोच्छामि ॥१॥ छावट्टिसहस्साइं णव
 चेव सयाइं पंचसयराइं । एगससीपरिवारो ताराणकोडिकोडीणं ॥ २ ॥ १९४ ॥
 जंबूदीवे णं भंते ! दीवे मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमिल्लाओ चरिमंताओ केवइयं
 अवाहाए जोइसं चारं चरइ ? गोयमा ! एक्कारसहिं एक्कीसेहिं जोयणसएहिं अवाहाए
 जोइसं चारं चरइ, एवं दक्खिणिमिल्लाओ पच्चत्थिमिल्लाओ उत्तरिण्णओ एक्कारसहिं
 एक्कीसेहिं जोयणं जाव चारं चरइ ॥ लोगंताओ भंते ! केवइयं अवाहाए जोइसे
 पण्णत्ते ? गोयमा ! एक्कारसहिं एक्कारेहिं जोयणसएहिं अवाहाए जोइसे पण्णत्ते ॥
 इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुट्ठीए बहुसमरमणिजाओ भूमिभागाओ केवइयं
 अवाहाए सव्वहेट्ठिल्ले तारारूवे चारं चरइ ? केवइयं अवाहाए सूरविमाणे चारं चरइ ?
 केवइयं अवाहाए चंदविमाणे चारं चरइ ? केवइयं अवाहाए सव्वउवरिल्ले तारारूवे
 चारं चरइ ? गोयमा ! इमीसे णं रयणप्पभाए पुट्ठीए बहुसमरमणिं सत्तिं णउ-
 एहिं जोयणसएहिं अवाहाए जोइसं सव्वहेट्ठिल्ले तारारूवे चारं चरइ, अट्ठहिं
 जोयणसएहिं अवाहाए सूरविमाणे चारं चरइ, अट्ठहिं असीएहिं जोयणसएहिं अवा-
 हाए चंदविमाणे चारं चरइ, णवहिं जोयणसएहिं अवाहाए सव्वउवरिल्ले तारारूवे
 चारं चरइ ॥ सव्वहेट्ठिमिल्लाओ णं भंते ! तारारूवाओ केवइयं अवाहाए सूरविमाणे
 चारं चरइ ? केवइयं अवाहाए चंदविमाणे चारं चरइ ? केवइयं अवाहाए सव्वउवरिल्ले
 तारारूवे चारं चरइ ? गोयमा ! सव्वहेट्ठिल्लाओ णं दसहिं जोयणेहिं सूरविमाणे
 चारं चरइ णउईए जोयणेहिं अवाहाए चंदविमाणे चारं चरइ दसुत्तरे जोयणसए
 अवाहाए सव्वउवरिल्ले तारारूवे चारं चरइ ॥ सूरविमाणाओ णं भंते ! केवइयं अवा-
 हाए चंदविमाणे चारं चरइ ? केवइयं सव्वउवरिल्ले तारारूवे चारं चरइ ? गोयमा !
 सूरविमाणाओ णं असीए जोयणेहिं चंदविमाणे चारं चरइ, जोयणसयअवाहाए
 सव्वउवरिल्ले तारारूवे चारं चरइ ॥ चंदविमाणाओ णं भंते ! केवइयं अवाहाए
 सव्वउवरिल्ले तारारूवे चारं चरइ ? गोयमा ! चंदविमाणाओ णं वीसाए जोयणेहिं
 अवाहाए सव्वउवरिल्ले तारारूवे चारं चरइ, एवामेव सपुप्पावारेणं दसुत्तसयजोयण-
 वाहल्ले तिरियमसंखेजे जोइसविसए पण्णत्ते ॥१९५॥ जंबूदीवे णं भंते ! दीवे कयरे
 णक्खत्ते सव्वब्भितरिल्लं चारं चरइ ? कयरे णक्खत्ते सव्ववाहिरिल्लं चारं चरइ ? कयरे
 णक्खत्ते सव्वउवरिल्लं चारं चरइ ? कयरे णक्खत्ते सव्वहिट्ठिल्लं चारं चरइ ? गोयमा !
 जंबूदीवे णं दीवे अभीइणक्खत्ते सव्वब्भितरिल्लं चारं चरइ मूले णक्खत्ते सव्ववाहि-

रिहं चारं चरइ साई णक्खत्ते सव्वोरिहं चारं चरइ भरणी णक्खत्ते सव्वहेट्ठिहं चारं
 चरइ ॥ १९६ ॥ चंदविमाणे णं भंते ! किंसंठिए पण्णत्ते ? गोयमा ! अद्धकविट्ठग-
 संठाणेमठिए सव्वफालियामए अब्भुग्गयमूसियपहसिए वण्णओ, एवं सूरविमाणेवि
 णक्खत्तविमाणेवि ताराविमाणेवि अद्धकविट्ठसंठाणमठिए ॥ चंदविमाणे णं भंते !
 केवइयं आयामविकखंभेणं ? केवइयं परिकखेवेणं ? केवइयं वाहल्लेणं पण्णत्ते ?, गोयमा !
 छप्पण्णे एगसट्ठिभागे जोयणस्स आयामविकखंभेणं तं तिगुणं सविसेसं परिकखेवेणं
 अट्ठावीसं एगसट्ठिभागे जोयणस्स वाहल्लेणं पण्णत्ते ॥ सूरविमाणस्सवि सच्चेव पुच्छा,
 गोयमा ! अट्ठयालीसं एगसट्ठिभागे जोयणस्स आयामविकखंभेणं तं तिगुणं सविसेसं
 परिकखेवेणं चउवीसं एगसट्ठिभागे जोयणस्स वाहल्लेणं पण्णत्ते ॥ एवं गहविमाणेवि
 अद्धजोयणं आयामविकखंभेणं सविसेसं परि० कोसं वाहल्लेणं प० ॥ णक्खत्तविमाणे णं
 कोसं आयामविकखंभेणं तं तिगुणं सविसेसं परि० अद्धकोसं वाहल्लेणं प०, ताराविमाणे णं
 अद्धकोसं आयामविकखंभेणं तं तिगुणं सविसेसं परि० पंचधणुसयाई वाहल्लेणं पण्णत्ते
 ॥ १९७ ॥ चंदविमाणे णं भंते ! कइ देवसाहस्सीओ परिवहंति ? गोयमा ! चंद-
 विमाणस्स णं पुरच्छिमेणं सेयाणं सुभगाणं सुप्पभाणं संखत्तलविमलणिम्मलदहिघण-
 गोखीरफेणरययणियरप्पगासाणं (महुगुलियपिंगलक्खाणं) थिरलट्ठ [पउट्ठ] वट्ठपी-
 वरसुसिल्लिविसिद्धतिकखदादाविट्ठेवियमुहाणं रत्तुप्पलपत्तमउयसुकुमालतालुर्जाहाणं
 [पमत्थसत्थवेरुलियमिसंतककट्ठणहाणं] विसालपीवरोरुपडिपुण्णविउल्लेखेधाणं मिउवि-
 सयपसत्थसुहुमलक्खणविच्छिण्णकेसरसडोवसोभियाणं चंकमियल्लियपुलियधवलम-
 व्वियगईणं उस्सियसुणिम्मियसुजायअप्फोडियणंगूलाणं वट्ठरामयणक्खाणं वट्ठरामय-
 दंताणं वट्ठरामयदाढाणं तवणिज्जजीहाणं तवणिज्जतालयाणं तवणिज्जजोत्तगमुजोद-
 याणं कामगमाणं पीडगमाणं मणोरमाणं मणोरमाणं मणोरमाणं मणोरमाणं अमियगईणं अमिय-
 वलवीरियपुरिसक्कारपरक्कमाणं महया अप्फोडियसीहणाइयबोलक्कल्लयल्लेखेणं महुरेणं
 मणहरेण य पूरित्ता अंवरं दिसाओ य सोभयंता चत्तारि देवसाहस्सीओ सीहल्ल-
 धारीणं देवाणं पुरच्छिमिल्ले वाहं परिवहंति । चंदविमाणस्स णं दक्खिणेणं सेयाणं
 सुभगाणं सुप्पभाणं संखत्तलविमलणिम्मलदहिघणगोखीरफेणरययणियरप्पगासाणं
 वट्ठरामयकुंभजुयल्लुट्ठियपीवरवरवट्ठरसोडवट्ठिट्ठयदित्तसुरत्तपउमप्पगासाणं अब्भुण्णय-
 गुणा(मुहा)णं तवणिज्जविसालचंचलचल्लंतचवलक्कणविमलुज्जलाणं मधुवण्णमिसंत-
 णिद्धपिंगलपत्तलतिवण्णमणिरयणलोयणाणं अब्भुग्गयमउल्लमहिियाणं धवलसरिससंठि-

यणिञ्चणददकसिणफालियामयसुजायदंतमुसलोवसोभियाणं कंचणकोसीपविट्टदंतम्भ-
विमलमणिरयणरुइलपेरंतचित्तरूवगविराइयाणं तवणिज्जविसालतिलगपमुहपरिमंडि-
याणं णाणामणिरयणमुलियरोवेज्जवद्वगलपवरभूसणाणं वेरुलियविचित्तदण्डणिम्मल-
वालंगडाणं वइरामयतिकवल्लद्वअंकुसकुंभजुयलंतरोदियाणं तवणिजसुबद्धकच्छदप्पिय-
वल्लद्वराणं जंबूणयविमलघणमंडलवइरामयलीलालियतालणाणामणिरयणवण्टपास-
गरययामयरज्जवद्वलंबियधंटाजुयलमहुरसरमणहराणं अह्दीणपमाणजुत्तवट्टियसुजाय-
लम्भवणपसत्तवणिजवालमत्तपरिपुच्छणाणं उवचियपडिपुण्णकुम्मचलणलहुविक्रमाणं
अंक्रामयणक्खाणं तवणिजतालुयाणं तवणिजजीहाणं तवणिज्जोत्तगसुजोइयाणं
कामगमाणं पीइगमाणं मणोगमाणं मणोरमाणं मणोहराणं अमियगईणं अमियवल-
वीरियपुरिसकारपरक्कमाणं महया गंभीरगुल्लुइयरवेणं महुरेणं मणहरेणं पूरेंता
अंवरें दिसाओ य सोभयंता चत्तारि देवसाहस्सीओ गयरूवधारीणं देवाणं दक्खिणिहं
बाहं परिवहंति । चंदविमाणस्स णं पच्चत्थिमेणं सेयाणं सुभगाणं सुप्पभाणं चंक-
मियललियपुलियचलचवल्लककुदसालीणं सण्णयपासाणं संगयपासाणं सुजायपासाणं
मियमाइयपीणरइयपासाणं इस्सविहगसुजायकुच्छीणं पसत्थणिद्धमधुगुलियभिसंतप्पिग-
लक्खाणं विसालपीवरोरुपडिपुण्णविउल्लंघाणं वट्टपडिपुण्णविउल्लक्खणपासाणं घणणि-
चियसुबद्धलक्खणुण्णयईसिआणयवसभोद्धाणं चंकमियललियपुलियचक्कवालचवल-
गज्वियगईणं पीवरोरुवट्टियसुसंठियकडीणं ओलंबपल्लवल्लक्खणपमाणजुत्तपसत्थरम-
णिज्जवालंगडाणं समखुरवालधाराणं समलिहियतिकव्वमसिंमाणं तणुसुहुमसुजायणिद्ध-
लोमच्छविधराणं उवचियमंसलविसालपडिपुण्णखुहपमुहसंदराणं (खंधपएससंदराणं)
वेरुलियभिसंतकडक्खसुणिरिक्खणाणं जुत्तप्पमाणप्पहाणलक्खणपसत्थरमणिज्जगम्भर-
गलसोभियाणं घग्घरगसुबद्धकण्टपरिमंडियाणं णाणामणिक्कणगरयणवण्टवेयच्छगसुक्क-
यरइयमालियाणं वरधंटागल्लालियसोभंतसत्तिसरीयाणं पउमुप्पलभसलसुरभिमाला-
विभूसियाणं वइरखुराणं विविहविखुराणं फालियामयदंताणं तवणिज्जजीहाणं तव-
णिज्जतालुयाणं तवणिज्जोत्तगसुजोत्तियाणं कामगमाणं पीइगमाणं मणोगमाणं मणो-
रमाणं मणोहराणं अमियगईणं अमियवलवीरियपुरिसकारपरक्कमाणं महया गंभीर-
गज्वियरवेणं महुरेणं मणहरेणं य पूरेंता अंवरें दिसाओ य सोभयंता चत्तारि देव-
साहस्सीओ वसभरुवधारीणं देवाणं पच्चत्थिमेहं बाहं परिवहंति । चंदविमाणस्स णं
उत्तरेणं सेयाणं सुभगाणं सुप्पभाणं जच्चाणं वरमलिहायणाणं हरिमेलामहुल्लमल्लियच्छाणं
घणणिचियसुबद्धलक्खणुण्णया-चंकमि(चंचुच्चि)यललियपुलियचलचवल्ल-चंचल-

गईणं लंघणवमणधावणधारणतिवइज्जइणसिक्खियगईणं संगयपासाणं संगयपासाणं
 मुजायपासाणं मियमाइयपीणरइयपासाणं झसविहगमुजायकुच्छीणं पी०पीवरवट्टिय-
 सुमंठियकडीणं ओलंबपलंबलक्खणपमाणजुत्तपसत्थरमणिज्जवालंगडाणं तणुसुहुमसु-
 जायणिद्वलोमच्छविधराणं मिउविसयपसत्थसुहुमलक्खणविकिण्णकेसखालिधराणं
 ललियलासगगइ(ललंतथासगल)लाडवरभूसणाणं मुहमंडगोचूलचमरथासगपरिमंडिय-
 कडीणं तवणिज्जबुराणं तवणिज्जजीहाणं तवणिज्जतालुयाणं तवणिज्जजोत्तगसुजोइयाणं
 कामगमाणं पीइयमाणं मणोरमाणं मणोरमाणं मणोहराणं अमियगईणं अमिय-
 वल्लरियपुरिसकारपरक्कमाणं महया हयहेसियकिलकिलइयरवेणं महुरेणं मणहरेण
 य पूरंता अंवरं दिसाओ य सोभयंता चत्तारि देवसाहस्सीओ हयस्वधारीणं उत्त-
 रिहं वाहं परिवहंति ॥ एवं सूरविमाणस्सवि पुच्छा, गोयमा ! सोलस देवसाहस्सीओ
 परिवहंति पुव्वकमेणं ॥ एवं गहविमाणस्सवि पुच्छा, गोयमा ! अट्ठ देवसाहस्सीओ
 परिवहंति पुव्वकमेणं, दो देवाणं साहस्सीओ पुरत्थिमिहं वाहं परिवहंति दो देवाणं
 साहस्सीओ दक्खिणिहं दो देवाणं साहस्सीओ पच्चत्थिमं दो देवसाहस्सीओ हय-
 स्वधारीणं उत्तरिहं वाहं परिवहंति ॥ एवं णक्खत्तविमाणस्सवि पुच्छा, गोयमा !
 चत्तारि देवसाहस्सीओ परिवहंति, तंजहा—सीहरूवधारीणं देवाणं एगा देवसाहस्सी
 पुरत्थिमिहं वाहं परिवहइ, एवं चउट्टिसिंपि, एवं तारागाण्वि णवरं दो देव-
 साहस्सीओ परिवहंति, तंजहा—सीहरूवधारीणं देवाणं पंचदेवसया पुरत्थिमिहं
 वाहं परिवहंति, एवं चउट्टिसिंपि ॥ १९८ ॥ एएसिणं भंते ! चंदिमसूरियगह-
 गणणक्खत्ततारारूवाणं कयरे कयरेहिंतो सिम्भगई वा मंदगई वा ? गोयमा ! चंदे-
 हिंतो सूर सिम्भगई सूरैहिंतो गहा सिम्भगई गहेहिंतो णक्खत्ता सिम्भगई णक्खत्ते-
 हिंतो तारा सिम्भगई, सव्वप्पगई चंदा सव्वसिम्भगईओ तारारूवा ॥ १९९ ॥ एएसिणं
 भंते ! चंदिम जाव तारारूवाणं कयरे २ हिंतो अप्पिड्डिया वा महिड्डिया वा ? गोयमा !
 तारारूवेहिंतो णक्खत्ता महिड्डिया णक्खत्तेहिंतो गहा महिड्डिया गहेहिंतो सूर महि-
 ड्डिया सूरैहिंतो चंदा महिड्डिया, सव्वप्पड्डिया तारारूवा सव्वमहिड्डिया चंदा
 ॥ २०० ॥ जंबूदीवे णं भंते ! दीवे तारारूवस्स २ य एस णं केवइयं अवाहाए अंतरे
 पणत्ते ? गोयमा ! दुविहे अंतरे पणत्ते, तंजहा—वाघाइमे य णिव्वाघाइमे य, तत्थ
 णं जे से वाघाइमे से जहण्णेणं दोण्णि य छावट्ठे जोयणसए उक्कोसेणं वारस जोयणसह-
 स्साइं दोण्णि य बायाले जोयणसए तारारूवस्स २ य अवाहाए अंतरे पणत्ते !

तथ णं जे से णिआवाइमे से जहण्णेणं पंचधणुसयाइं उक्कोसेणं दो गाउयाइं
 तारारुज जाव अंतरे पण्णत्ते ॥ २०१ ॥ चंदस्स णं भंते ! जोइसिंदस्स जोइसरण्णो
 कइ अग्गमहिंसीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! चत्तारि अग्गमहिंसीओ पण्णत्ताओ,
 तंजहा—चंदप्पमा दोसिणाभा अच्चिमाली पमंकरा, एत्थ णं एगमेगाए देवीए
 चत्तारि चत्तारि देवसाहस्सीओ परिवारे य, पभू णं तओ एगमेगा देवी अण्णाइं
 चत्तारि २ देविसहस्साइं परिवारं विउव्वित्तए, एवामेव सपुव्वावरेणं सोलस देवसा-
 हस्सीओ पण्णत्ताओ, से तं तुडिए ॥ २०२ ॥ पभू णं भंते ! चंदे जोइसिंदे जोइ-
 सराया चंदवडिंसए विमाणे सभाए सुहम्माए चंदसि सीहासणंसि तुडिएण सद्धिं
 दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरित्तए । णो इण्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भंते !
 एवं बुच्चइ णो पभू चंदे जोइसराया चंदवडिंसए विमाणे सभाए सुहम्माए चंदसि
 सीहासणंसि तुडिएण सद्धिं दिवाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरित्तए । गोयमा !
 चंदस्स जोइसिंदस्स जोइसरण्णो चंदवडिंसए विमाणे सभाए सुहम्माए माणवगंसि
 चेइयलंभंसि वइरामएसु गोलवट्टसमुमाएसु बहुयाओ जिणसकहाओ सण्णिकित्ताओ
 चिट्ठंति, जाओ णं चंदस्स जोइसिंदस्स जोइसरण्णो अण्णंसि च बहूणं जोइसियाणं
 देवाण य देवीण य अच्चणिजाओ जाव पज्जवासणिजाओ, तासि पणिहाए णो
 पभू चंदे जोइसरया चंदवडिंसं जाव चंदसि सीहासणंसि जाव भुंजमाणे विहरित्तए,
 से एएणट्ठेणं गोयमा ! णो पभू चंदे जोइसरया चंदवडिंसए विमाणे सभाए
 सुहम्माए चंदसि सीहासणंसि तुडिएण सद्धिं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरित्तए,
 अदुत्तरं च णं गोयमा ! पभू चंदे जोइसिंदे जोइसरया चंदवडिंसए विमाणे सभाए
 सुहम्माए चंदसि सीहासणंसि चउहिं सामाणियसाहस्सीहिं जाव सोलसहिं आयर-
 कवदेवाण साहस्सीहिं अण्णेहिं बहूहिं जोइसिएहिं देवेहिं देवीहि य सद्धिं संपरिवुडे
 महया हयणट्टसीइवाइयतंतीतलतालतुडियघणमुइंगपडुप्पवाइयरवेणं दिव्वाइं भोग-
 भोगाइं भुंजमाणे विहरित्तए, केवलं परियास्तुडिएण सद्धिं भोगभोगाइं बुद्धीए णो
 चेव णं मेहुणवत्तियं ॥ २०३ ॥ सूरस्स णं भंते ! जोइसिंदस्स जोइसरण्णो कइ
 अग्गमहिंसीओ पण्णत्ताओ ! गोयमा ! चत्तारि अग्गमहिंसीओ पण्णत्ताओ, तंजहा—
 सूरप्पमा आयवाभा अच्चिमाली पमंकरा, एवं अवसेसं जहा चंदस्सं णवरिं सूरव-
 डिंसए विमाणे सूरंसि सीहासणंसि, तहेव सव्वेसिं पि गहाइं चत्तारि अग्गमहिं-
 सीओ० तंजहा—विजया वेजयंती जयंती अपराजिया तेसिं पि तहेव ॥ २०४ ॥

चंदविमाणे णं भंते ! देवाणं केवइयं कालं ठिई पणत्ता ? एवं जहा ठिईपए तहा भाणियव्वा जाव ताराणं ॥ २०५ ॥ एएसि णं भंते ! चंदिमसूरियगहणक्खत्ततारा-
ख्वाणं कयरे २ हितो अप्पा वा बहुवा वा तुह्हा वा विसेसाहिया वा ? गोयमा !
चंदिमसूरिया एए णं दोण्णिवि तुह्हा सक्खथोवा, संखेज्जगुणा णव्वत्ता, संखेज्जगुणा
गहा, संखेज्जगुणाओ तारगाओ ॥ २०६ ॥ जोइसुहेसओ समत्तो ॥

पढमो वेमाणिय उहेसो

कहि णं भंते ! वेमाणियाणं देवाणं विमाणा पणत्ता ? कहि णं भंते ! वेमा-
णिया देवा परिवसंति ? जहा ठाणपए तहा सक्खं भाणियव्वं णवरं परिसाओ भाणि-
यव्वाओ जाव सक्के० अण्णेसिं च बहूणं सोहम्मकप्पवासीणं देवाणं य देवीणं य जाव
विहरंति ॥ २०७ ॥ सक्कस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरण्णो कइ परिसाओ पणत्ताओ ?
गोयमा ! तओ परिसाओ पणत्ताओ, तंजहा—समिया चंडा जाया, अब्भितरिया
समिया मज्झिमिया चंडा बाहिरिया जाया ॥ सक्कस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरण्णो
अब्भितरियाए परिसाए कइ देवसाहस्सीओ पणत्ताओ ? मज्झिमियाए परि० तहेव
बाहिरियाए पुच्छा, गोयमा ! सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो अब्भितरियाए परिसाए
वारस देवसाहस्सीओ पणत्ताओ मज्झिमियाए परिसाए चउदस देवसाहस्सीओ
पणत्ताओ बाहिरियाए परिसाए सोलस देवसाहस्सीओ पणत्ताओ, तहा अब्भित-
रियाए परिसाए सत्त देवीसयाणि मज्झिमियाए० छच्च देवीसयाणि बाहिरियाए० पंच
देवीसयाणि पणत्ताणि ॥ सक्कस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरण्णो अब्भितरियाए परिसाए
देवाणं केवइयं कालं ठिई पणत्ता ? एवं मज्झिमियाए बाहिरियाएवि, गोयमा !
सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो अब्भितरियाए परिसाए देवाणं पंच पलिओवमाइं ठिई
पणत्ता, मज्झिमियाए परिसाए० चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पणत्ता, बाहिरियाए
परिसाए देवाणं तिण्णि पलिओवमाइं ठिई पणत्ता, देवीणं टिई—अब्भितरियाए
परिसाए देवीणं तिण्णि पलिओवमाइं ठिई पणत्ता, मज्झिमियाए० दुण्णि पलिओवमाइं
ठिई पणत्ता, बाहिरियाए परिसाए० एणं पलिओवमं ठिई पणत्ता, अट्ठो सो चेव जहा
भवणवासीणं ॥ कहि णं भंते ! ईसाणवाणं देवाणं विमाणा पणत्ता ? तहेव सक्खं
जाव ईसाणे एत्थ देविंदे देव० जाव विहरइ । ईसाणस्स णं भंते ! देविंदस्स
देवरण्णो कइ परिसाओ पणत्ताओ ? गोयमा ! तओ परिसाओ पणत्ताओ, तंजहा—

समिथा चंडा जाया, तहेव सव्वं णवरं अन्धितरियाए परिसाए दस देवसाहस्सीओ पण्णत्ताओ, मज्झिमियाए परिसाए बारस देवसाहस्सीओ, बाहिरियाए० चउदस देवसाहस्सीओ, देवीणं पुच्छा, अन्धितरियाए० णव देवीसया पण्णत्ता मज्झिमियाए परिसाए अट्ठ देवीसया पण्णत्ता बाहिरियाए परिसाए सत्त देवीसया पण्णत्ता, देवाणं ठिईपुच्छा, अन्धितरियाए परिसाए देवाणं सत्त पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता मज्झिमियाए० छ पलिओवमाइं० बाहिरियाए० पंच पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता । देवीणं पुच्छा, अन्धितरियाए० साइरेगाइं पंचपलिओवमाइं०, मज्झिमियाए परिसाए चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता, बाहिरियाए परिसाए तिण्णि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता, अट्ठो तहेव भाणियव्वो ॥ सणंकुमारणं तुच्छा तहेव ठाणपयगमेणं जाव सणंकुमारस्स तओ परिसाओ समियाइं तहेव, णवरं अन्धितरियाए परिसाए अट्ठ देवसाहस्सीओ पण्णत्ताओ, मज्झिमियाए परिसाए दस देवसाहस्सीओ पण्णत्ताओ, बाहिरियाए परिसाए बारस देवसाहस्सीओ पण्णत्ताओ, अन्धितरियाए परिसाए देवाणं अट्ठपंचमाइं सागरोवमाइं पंच पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता, मज्झिमियाए परिसाए० अट्ठपंचमाइं सागरोवमाइं चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता, बाहिरियाए परिसाए० अट्ठपंचमाइं सागरोवमाइं तिण्णि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता, अट्ठो सो चेव ॥ एवं माहिंदस्सवि तहेव तओ परिसाओ णवरं अन्धितरियाए परिसाए छदेवसाहस्सीओ पण्णत्ताओ, मज्झिमियाए परिसाए अट्ठ देवसाहस्सीओ पण्णत्ताओ, बाहिरियाए० दस देवसाहस्सीओ पण्णत्ताओ, ठिई देवाणं—अन्धितरियाए परिसाए अट्ठपंचमाइं सागरोवमाइं सत्त य पलिओ० ठिई पण्णत्ता, मज्झिमियाए परिसाए अट्ठपंचमाइं सागरोवमाइं छच्च पलिओवमाइं०, बाहिरियाए परिसाए अट्ठपंचमाइं सागरोवमाइं पंच य पलिओवमाइं ठिई प०, तहेव सव्वेसिं इंदाणं ठाणपयगमेणं विमाणा णेयव्वा तओ पच्छा परिसाओ पत्तेयं २ वुच्चंति ॥ वंभस्सवि तओ परिसाओ पण्णत्ताओ० अन्धितरियाए चत्तारि देवसाहस्सीओ मज्झिमियाए छ देवसाहस्सीओ बाहिरियाए अट्ठ देवसाहस्सीओ, देवाणं ठिई—अन्धितरियाए परिसाए अट्ठणवमाइं सागरोवमाइं पंच य पलिओवमाइं, मज्झिमियाए परिसाए अट्ठणवमाइं चत्तारि पलिओवमाइं, बाहिरियाए० अट्ठणवमाइं सागरोवमाइं तिण्णि य पलिओवमाइं अट्ठो सो चेव ॥ लंतगास्सवि जाव तओ परिसाओ जाव अन्धितरियाए परिसाए दो देवसाहस्सीओ० मज्झिमियाए० चत्तारि देवसाहस्सीओ पण्णत्ताओ बाहिरियाए० छदेव-

साहस्सीओ पण्णत्ताओ, ठिई भाणियव्वा-अब्भितरियाए परिसाए बारस सागरोव-
माइं सत्त पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता, मज्झिमियाए परिसाए बारस सागरोवमाइं
छच्च पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता, बाहिरियाए परिसाए बारस सागरोवमाइं पंच
पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता अट्ठो सो चेव ॥ महासुक्कस्वि जाव तओ परिसाओ जाव
अब्भितरियाए एगं देवसाहस्सं मज्झिमियाए दो देवसाहस्सीओ पण्णत्ताओ बाहिरियाए
चत्तारि देवसाहस्सीओ, अब्भितरियाए परिसाए अट्ठसोलस सागरोवमाइं पंच पलि-
ओवमाइं, मज्झिमियाए अट्ठसोलस सागरोवमाइं चत्तारि पलिओवमाइं, बाहिरियाए
अट्ठसोलस सागरोवमाइं तिण्णि पलिओवमाइं, अट्ठो सो चेव ॥ सहस्सारे पुच्छा
जाव अब्भितरियाए परिसाए पंच देवसया, मज्झिमियाए परि० एगा देवसाहस्सी,
बाहिरियाए० दो देवसाहस्सीओ पण्णत्ता, ठिई-अब्भितरियाए अट्ठद्वारस सागरोवमाइं
सत्त पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता एवं मज्झिमियाए अट्ठद्वारस छप्पलिओवमाइं बाहि-
रियाए अट्ठद्वारस सागरोवमाइं पंच पलिओवमाइं अट्ठो सो चेव ॥ आणयपाणयस्सवि
पुच्छा जाव तओ परिसाओ णवरि अब्भितरियाए अट्ठदाइजा देवसया मज्झिमियाए
पंच देवसया बाहिरियाए एगा देवसाहस्सी, ठिई-अब्भितरियाए० एगूणवीस सागरोव-
माइं पंच य पलिओवमाइं एवं मज्झि० एगूणवीस सागरोवमाइं चत्तारि य पलिओ-
वमाइं बाहिरियाए परिसाए एगूणवीस सागरोवमाइं तिण्णि य पलिओवमाइं ठिई
अट्ठो सो चेव ॥ कहि णं भंते ! आरणअच्चुयाणं देवाणं तहेव अच्चुए सपरिवारे जाव
विहरइ, अच्चुयस्स णं देविदस्स तओ परिसाओ पण्णत्ताओ अब्भितरपरि० देवाणं
पणवीसं सयं मज्झिम० अट्ठदाइजा सया बाहिरिय० पंचसया, अब्भितरियाए एकवीसं
सागरोवमा सत्त य पलिओवमाइं मज्झि० एकवीससागरो० छप्पलि० बाहिरि० एगवीसं
सागरो० पंच य पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता ॥ कहि णं भंते ! हेट्ठिमगेवेज्जाणं
देवाणं विमाणा पण्णत्ता ! कहि णं भंते ! हेट्ठिमगेवेज्जा देवा परिवसंति !, जहेव
ठाणए तहेव, एवं मज्झिमगेवेज्जा उवरिमगेविज्जा अणुत्तरा य जाव अहमिंदा णामं
ते देवा पण्णत्ता समणाउसो ॥ १२०८ ॥ पढमो वेमाणिय उद्देसो समत्तो ॥

बीओ वेमाणिय उद्देसो

सोहम्मीसाणेषु णं भंते ! कप्पेषु विमाणपुटवी किंपइड्डिया पण्णत्ता ! गोयमा !
अणोदहिपइड्डिया प० । सणकुमारमाहिदेसु० कप्पेषु विमाणपुटवी किंपइड्डिया पण्णत्ता !

गोयमा ! घणवायपइद्विया पणत्ता । बंभलोए णं भंते ! कप्पे विमाणपुढवीणं पुच्छा,
 गो० ! घणवायपइद्विया पणत्ता । लंतए णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! तदुभयपइद्विया० ।
 महासुक्कसहस्सारेसु तदुभयपइद्विया । आणय जाव अच्चुएसु णं भंते ! कप्पेसु पुच्छा,
 गो० ! ओवासंतरपइद्विया० । गेविज्जविमाणपुढवीणं पुच्छा, गोयमा ! ओवासंतरपइ-
 द्विया० । अणुत्तरोववाइयपुच्छा, ओवासंतरपइद्विया ॥ २०९ ॥ सोहम्मीसाणकप्पेसु०
 विमाणपुढवी केवइयं बाहलेणं पणत्ता ? गोयमा ! सत्तावीसं जोयणसयाइं बाहलेणं
 पणत्ता, एवं पुच्छा, सणकुमारमाहिंदेसु छवीसं जोयणसयाइं । बंभलंतए पंचवीसं ।
 महासुक्कसहस्सारेसु चउवीसं । आणयपाणयारणाच्चुएसु तेवीसं सयाइं । गेविज्जवि-
 माणपुढवी बावीसं । अणुत्तरविमाणपुढवी एकवीसं जोयणसयाइं बाहलेणं प० ॥ २१० ॥
 सोहम्मीसाणेसु णं भंते ! कप्पेसु विमाणा केवइयं उड्डं उच्चत्तेणं० ? गोयमा ! पंच
 जोयणसयाइं उड्डं उच्चत्तेणं प० । सणकुमारमाहिंदेसु छजोयणसयाइं बंभलंतएसु सत्त,
 महासुक्कसहस्सारेसु अड्ड, आणयपाणएसु ४, जव गेवेज्जविमाणा णं भंते ! केवइयं उड्डं
 उ० ? गो० ! दस जोयणसयाइं, अणुत्तरविमाणा णं० एकारस जोयणसयाइं उड्डं उच्चत्तेणं
 प० ॥ २११ ॥ सोहम्मीसाणेसु णं भंते ! कप्पेसु विमाणा किंसंठिया पणत्ता ! गोयमा !
 दुविहा पणत्ता, तंजहा—आवलियपविट्ठा य आवलियवाहिरा य, तत्थ णं जे ते
 आवलियपविट्ठा ते ति विहा पणत्ता, तंजहा—वट्ठा तंसा चउरंसा, तत्थ णं जे ते
 आवलियवाहिरा ते णं गाणासंठाणसंठिया पणत्ता, एवं जाव गेविज्जविमाणा, अणु-
 त्तरोववाइयविमाणा दुविहा पणत्ता, तंजहा—वट्ठे य तंसा य ॥ २१२ ॥ सोहम्मीसा-
 णेसु णं भंते ! कप्पेसु विमाणा केवइयं आयामविकखेभेणं केवइयं परिकखेवेणं पणत्ता ?
 गोयमा ! दुविहा पणत्ता, तंजहा—संखेज्जवित्थडा य असंखेज्जवित्थडा य, जहा
 णरगा तहा जाव अणुत्तरोववाइया संखेज्जवित्थडे य असंखेज्जवित्थडा य, तत्थ णं
 जे से संखेज्जवित्थडे से जंबुदीवप्पमाणे असंखेज्जवित्थडा असंखेजाइं जोयणसयाइं
 जाव परिकखेवेणं पणत्ता ॥ सोहम्मीसाणेसु णं भंते । कप्पेसु विमाणा कइवण्णा
 पणत्ता ? गोयमा ! पंचवण्णा पणत्ता, तंजहा—किण्हा णीला लोहिया हालिद्दा सुक्किल्ला,
 सणकुमारमाहिंदेसु चउवण्णा णीला जाव सुक्किल्ला, बंभलोगलंतएसु तिवण्णा लोहिया
 जाव सुक्किल्ला, महासुक्कसहस्सारेसु दुवण्णा—हालिद्दा य सुक्किल्ला य, आणयपाणयार-
 णच्चुएसु सुक्किल्ला, गेविज्जविमाणा सुक्किल्ला, अणुत्तरोववाइयविमाणा परमसुक्किल्ला
 वण्णेणं पणत्ता ॥ सोहम्मीसाणेसु णं भंते ! कप्पेसु विमाणा केरिसया पभाए पणत्ता ?

गोयमा ! णिच्चाळोया णिच्छुजोया सयं पमाए पणत्ता जाव अणुत्तरोववाइयविमाणा
 णिच्चाळोया णिच्छुजोया सयं पमाए पणत्ता ॥ सोहम्मीसाणेसु णं भंते ! कप्पेसु
 विमाणा केरिसया गंधेणं पणत्ता ? गोयमा ! से जहा णामए-कोट्टपुट्ठाण वा एवं
 जाव एत्तो इट्ठतराणा चेव जाव गंधेणं पणत्ता, जाव अणुत्तरविमाणा ॥ सोहम्मी-
 साणेसु० विमाणा केरिसया फासेणं पणत्ता ? गोयमा ! से जहा णामए-आइणेइ वा
 रुएइ वा सब्बो फासो भाणियव्वो जाव अणुत्तरोववाइयविमाणा ॥ सोहम्मीसाणेसु
 णं भंते ! कप्पेसु विमाणा केमहालया पणत्ता ? गोयमा ! अयणं जंबुद्वीवे २ सव-
 दावसमुद्दाणं सो चेव गमो जाव छम्मासे वीइवएजा जाव अत्येगइया विमाणावासा वीइ-
 वएजा अत्येगइया विमाणावासा णो वीइवएजा जाव अणुत्तरोववाइयविमाणा अत्येगइयं
 विमाणं वीइवएजा अत्येगइए० णो वीइवएजा ॥ सोहम्मीसाणेसु णं भंते !० विमाणा
 किंमया पणत्ता ? गोयमा ! सव्वरयणाभया पणत्ता, तत्थ णं बहवे जीवा य पोमाला
 य वक्कमंति विउक्कमंति चर्यंति उवचर्यंति, सासया णं ते विमाणा दव्वट्ठयाए जाव
 फासपज्जवहिं असासया जाव अणुत्तरोववाइया विमाणा ॥ सोहम्मीसाणेसु णं० देवा
 कओहिंतो उववज्जंति ? उववाओ णयव्वो जहा वक्कंतीए तिरियमणुएसु पंचेदिएसु
 संमुच्छिमवजिएसु, उववाओ वक्कंतीगमेणं जाव अणुत्तरो० ॥ सोहम्मीसाणेसु० देवा
 एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिणि वा
 उक्कोसेणं संखेजा वा असंखेजा वा उववज्जंति, एवं जाव सहस्सारे, आणयाई
 रोवेजा अणुत्तरा य एक्को वा दो वा तिणि वा उक्कोसेणं संखेजा वा उववज्जंति ॥
 सोहम्मीसाणेसु णं भंते !० देवा समए २ अवहीरमाणा २ केवइएणं कालेणं अव-
 हिया सिया ? गोयमा ! ते णं असंखेजा समए २ अवहीरमाणा २ असंखेजाहिं
 ओसप्पिणीहिं उस्सप्पिणीहिं अवहीरंति णो चेव णं अवहिया सिया जाव सहस्सरो,
 आणयाइएसु चउसुवि, रोवेजेसु अणुत्तरेसु य समए २ जाव केवइयकालेणं अवहिया
 सिया ? गोयमा ! ते णं असंखेजा समए २ अवहीरमाणा २ पल्लिओवमस्स असं-
 खेजइभागमेत्तेणं अवहीरंति, णो चेव णं अवहिया सिया ॥ सोहम्मीसाणेसु णं भंते !
 कप्पेसु देवाणं केमहालया सरारोगाहणा पणत्ता ? गोयमा ! दुविहा सरारा पणत्ता,
 तंजहा-भवधारणिजा य उत्तरवेउत्तिया य, तत्थ णं जे से भवधारणिजे से जहण्णेणं
 अंगुलस्स असंखेजइभागो उक्कोसेणं सत्तरयणीओ, तत्थ णं जे से उत्तरवेउत्तिए से
 जहण्णेणं अंगुलस्स संखेजइभागो उक्कोसेणं जोयणसयसहस्सं, एवं एक्केका ओसारेत्ताणं

जाव अणुत्तराणं एक्का रयणी, गेविज्जणुत्तराणं एगे भवधारणिजे सररीरे उत्तरवेउव्विया णत्थि ॥२१३॥ सोहम्मीसाणेसु णं देवाणं सररीरगा किंसंघयणी पणत्ता ? गोयमा ! छण्हं संघयणाणं असंघयणी पणत्ता, णेवट्ठी णेव छिरा णवि ण्ढारू णेव संघयण-मत्थि, जे पोगला इट्ठा कंता जाव ते तेसिं संघायत्ताए परिणमंति जाव अणुत्तरो-ववाइया ॥ सोहम्मीसाणेसु देवाणं सररीरगा किंसंठिया पणत्ता ? गोयमा ! दुविद्दा सररीरा प० तं०—भवधारणिजा य उत्तरवेउव्विया य, तत्थ णं जे ते भवधारणिजा ते समच्चउरंससंठाणसंठिया पणत्ता, तत्थ णं जे ते उत्तरवेउव्विया ते णाणासंठाण-संठिया पणत्ता जाव अच्चुओ, अवेउव्विया गेविज्जणुत्तरा, भवधारणिजा समच्चउ-रंससंठाणसंठिया उत्तरवेउव्विया णत्थि ॥२१४॥ सोहम्मीसाणेसु देवा केरिसया वण्णेणं पणत्ता ? गोयमा ! कणगत्तयरसाभा वण्णेणं पणत्ता । सणंकुमारमाहिंदेसु णं पउमपम्हगोरा वण्णेणं पणत्ता । बंभलोमे णं भंते !० गोयमा ! अल्लमधुसवण्णाभा वण्णेणं पणत्ता, एवं जाव गेवेजा, अणुत्तरोववाइया परमसुक्किट्ठा वण्णेणं पणत्ता ॥ सोहम्मीसाणेसु णं भंते ! कप्पेसु देवाणं सररीरगा केरिसया गंधेणं पणत्ता ? गोयमा ! से जहा णामए—कोट्टपुडाण धा तहेव सव्वं जाव मणामतरगा चेव गंधेणं पणत्ता जाव अणुत्तरोववाइया ॥ सोहम्मीसाणेसु देवाणं सररीरगा केरिसया फासेणं पणत्ता ? गोयमा ! थिरमउयणिद्धसुकुमालच्छविफासेणं पणत्ता, एवं जाव अणुत्तरोववाइया ॥ सोहम्मीसाणदेवाणं केरिसया पुग्गला उस्सासत्ताए परिणमंति ? गोयमा ! जे पोगला इट्ठा कंता जाव ते तेसिं उस्सासत्ताए परिणमंति जाव अणुत्तरोववाइया, एवं आहारत्ताएवि जाव अणुत्तरोववाइया ॥ सोहम्मीसाणदेवाणं कइ लेस्साओ पण-त्ताओ ! गोयमा ! एगा तेउलेस्सा पणत्ता । सणंकुमारमाहिंदेसु एगा पम्हलेस्सा, एवं बंभलोमेवि पम्हा, सेसेसु एक्का सुक्कलेस्सा, अणुत्तरोववाइयाणं एक्का परमसुक्क-लेस्सा ॥ सोहम्मीसाणदेवां किं सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी ? गोयमा ! तिण्णिवि, जाव अंतिमगेवेजा देवा सम्मदिट्ठीवि मिच्छादिट्ठीवि सम्मामिच्छा-दिट्ठीवि, अणुत्तरोववाइया सम्मदिट्ठी णो मिच्छादिट्ठी णोसम्मामिच्छादिट्ठी ॥ सोह-म्मीसाणां किं णाणी अण्णाणी ? गोयमा ! दोवि, तिण्णि णाणा तिण्णि अण्णाणा णियमा जाव गेवेजा, अणुत्तरोववाइया णाणी णो अण्णाणी तिण्णि णाणा णियमा । तिविहे जोगे दुविहे उवओगे सव्वेसिं जाव अणुत्तरोववाइया ॥ २१५ ॥ सोहम्मी-साणदेवां ओहिणा केवइयं खेत्तं जाणंति पासंति ? गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स

असंखेजइभागं उक्कोसेण ओही जाव रयणप्पभा पुदवी उड्डं जाव साहं विमाणाहं
तिरियं जाव असंखेजा दीयसमुद्धा एवं-सक्कीसाणा पदमं दोच्चं च सण्णुमारमा-
हिंदा । तच्चं च बंभलंताग सुक्कसहस्सारा चउत्थी ॥ १ ॥ आणयपाणयकप्पे
देवा पासंति पंचमिं पुदविं । तं चेव आरणच्चुय ओहीणाणेण पासंति ॥ २ ॥
छड्ढिं हेड्डिममज्झिमगेवेजा सत्तमिं च उवरिह्हा । संभिण्णल्लेगणालिं पासंति अणुत्तरा
देवा ॥ ३ ॥ २१६ ॥ सोहम्मीसाणेसु णं भंते ! देवाणं कइ समुग्धाया पण्णत्ता ?
गोयमा ! पंच समुग्धाया पण्णत्ता, तंजहा-वेयणासमुग्धाए कसाय० मारणंतिय०
वेउव्विय० तेयासमुग्धाए०, एवं जाव अच्चुए । गेवेज्जअणुत्तराणं आह्हा तिणिण
समुग्धाया पण्णत्ता ॥ सोहम्मीसाणदेवा० केरिसयं खुहाण्यिवासं पच्चणुब्भवमाणा विह-
रंति ? गोयमा ! गत्थि खुहापिवासं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति जाव अणुत्तरोववाइया ॥
सोहम्मीसाणेसु णं भंते ! कप्पेसु देवा एगत्तं पभू विउव्वित्तए पुहुत्तं पभू विउव्वित्तए ?
हंता पभू, एगत्तं विउव्वेमाणा एगिंदियरूवं वा जाव पंचिंदियरूवं वा पुहुत्तं विउव्वे-
माणा एगिंदियरूवाणि वा जाव पंचिंदियरूवाणि वा, ताहं संखेजाइंपि असंखेजाइंपि
सरिसाइंपि असरिसाइंपि संबद्धाइंपि असंबद्धाइंपि रूवाइं विउव्वंति विउव्वित्ता
अण्णणा जहिच्छियाइं कजाइं करंति जाव अच्चुओ, गेवेज्जणुत्तरोववाइया० देवा किं
एगत्तं पभू विउव्वित्तए पुहुत्तं पभू विउव्वित्तए ? गोयमा ! एगत्तंपि पुहुत्तंपि, णो
चेव णं संपत्तीए विउव्विसु वा विउव्वंति वा विउव्विस्संति वा ॥ सोहम्मीसाणदेवा०
केरिसयं सायासोक्खं पच्चणुब्भवमाणा विहरंति ? गोयमा ! मणुण्णा सदा जाव मणुण्णा
फासा जाव गेविजा, अणुत्तरोववाइया अणुत्तरा सदा जाव फासा ॥ सोहम्मीसाणेसु०
देवाणं केरिसगा इड्ढी पण्णत्ता ? गोयमा ! महिड्ढिया महज्जुइया जाव महाणुभागा
इड्ढीए प० जाव अच्चुओ, गेवेज्जणुत्तरा य सव्वे महिड्ढिया जाव सव्वे महाणुभागा
अण्णिदा जाव अहमिंदा णामं ते देवगणा पण्णत्ता समणाउसो ! ॥ २१७ ॥
सोहम्मीसाणा० देवा केरिसया विभूसाए पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता,
तंजहा-वेउव्वियसरीरा य अवेउव्वियसरीरा य, तत्थ णं जे ते वेउव्वियसरीरा
ते हारविराइयवच्छा जाव दस दिसाओ उज्जोवेमाणा पभासेमाणा जाव पडिरूवा,
तत्थ णं जे ते अवेउव्वियसरीरा ते णं आभरणवसणरहिया पगइत्था विभूसाए
पण्णत्ता ॥ सोहम्मीसाणेसु णं भंते ! कप्पेसु देवीओ केरिसियाओ विभूसाए पण-
त्ताओ ? गोयमा ! दुविहाओ पण्णत्ताओ, तंजहा-वेउव्वियसरीराओ य अवेउव्विय-

सरीराओ य, तत्थ णं जाओ वेउव्वियसरीराओ ताओ सुवण्णसद्दालाओ सुवण्ण-
सद्दालाई वत्थाई पवरपरिहियाओ चंदाणणाओ चंदविलासिणीओ चंदद्धसग्णिहा-
लाओ सिंगारागारचारुवेसाओ संगय जाव पासाइयाओ जाव पडिस्सुवाओ, तत्थ णं
जाओ अवेउध्वियसरीराओ ताओ णं आभरणवसणरहियाओ पगइत्थाओ विभूसाए
पण्णत्ताओ, सेसेसु देवा देवीओ णत्थि जाव अच्चुओ, गेवेज्जगदेवा० केरिसया विभू-
साए० ? गोयमा ! आभरणवसणरहिया, एवं देवी णत्थि भाणियव्वं, पगइत्था
विभूसाए पण्णत्ता, एवं अणुत्तरावि ॥ २१८ ॥ सोहम्मीसाणेसु० देवा केरिसए
कामभोगे पच्चणुम्भवमाणा विहरंति ? गोयमा ! इट्ठा सद्दा इट्ठा स्सुवा जाव फासा, एवं
जाव गेवेज्जा, अणुत्तरोववाइयाणं अणुत्तरा सद्दा जाव अणुत्तरा फासा ॥ २१९ ॥
ठिईं सव्वेसिं भाणियव्वा, देवित्ताएवि, अणंतरे चयंति चइत्ता जे जहिं गच्छंति तं
भाणियव्वं ॥ २२० ॥ सोहम्मीसाणेसु णं भंते ! कप्पेसु सव्वपाणा सव्वभूया जाव
सत्ता पुट्ठविकाइयत्ताए जाव वणस्सइकाइयत्ताए देवत्ताए देवित्ताए आसणसयण जाव
भंडोवगरणत्ताए उववण्णपुव्वा ? हंता गोयमा ! असइं अदुवा अणंतखुत्तो, सेसेसु
कप्पेसु एवं चेव, णवरि णो चेव णं देवित्ताए जाव गेवेज्जगा, अणुत्तरोववाइएसुवि एवं,
णो चेव णं देवत्ताए वा देवित्ताए वा । सेसं देवा ॥ २२१ ॥ णेरइयाणं भंते ! केवइयं
कालं ठिईं पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं दस वाससहस्साइं उक्कोसेणं तेत्तीसं साग-
रोवमाइं, एवं सव्वेसिं पुच्छ, तिरिक्खजोणियाणं जहण्णेणं अंतोमु० उक्कोसेणं तिण्णि
पलिओवमाइं, एवं मणुस्साणविं, देवाणं जहा णेरइयाणं ॥ देवणेरइयाणं जा चेव
ठिईं सच्चेव संचिट्ठणा, तिरिक्खजोणियस्स जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं वणस्सइ-
कालो, मणुस्से णं भंते ! मणुस्सेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं
अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं पुव्वकोडिपुहुत्तमम्भहियाइं । णेरइयमणुस्स-
देवाणं अंतरं जहण्णेणं अंतोमु० उक्कोसेणं वणस्सइकालो । तिरिक्खजोणियस्स अंतरं
जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं सागरोवमसयपुहुत्तं साइरेणं ॥ २२२ ॥ एसि णं भंते !
णेरइयाणं जाव देवाणं य कथरे० ? गोयमा ! सव्वथोवा मणुस्सा णेरइया असं० देवा
असं० तिरिया अणंतगुणा, से तं चउव्विहा संसारसभावण्णजा जीवा पण्णत्ता ॥ २२३ ॥

॥ बीओ वे० देवुद्देसो समत्तो ॥

॥ तच्चा चउव्विहपडिवत्तो समत्ता ॥

चउत्था पंचविहा पडिवत्ती

तत्थ णं जे ते एवमाहंसु—पंचविहा संसारसमावण्णगा जीवा पणत्ता ते एवमाहंसु,
तं०—एगिंदिया बेइंदिया तेइंदिया चउरिंदिया पंचिंदिया । से किं तं एगिंदिया ? २
दुविहा पणत्ता, तंजहा—पजत्तगा य अपजत्तगा य, एवं जाव पंचिंदिया दुविहा प०,
तं०—पजत्तगा य अपजत्तगा य । एगिंदियस्स णं भंते ! केवइयं कालं ठिई पणत्ता !
गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं, बेइंदिय० जहण्णेणं
अंतोमु० उक्कोसेणं बारस संवच्छराणि, एवं तेइंदियस्स एगूणपण्णं राइंदियाणं,
चउरिंदियस्स छम्मासा, पंचेदियस्स जह० अंतोमु० उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं,
आज्जत्तएगिंदियस्स णं० केवइयं कालं ठिई पणत्ता ! गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमु०
उक्कोसेणावि अंतो० एवं सव्वेसिं पि अपजत्तगाणं जाव पंचेदियाणं, पज्जेगिंदियाणं जाव
पंचिंदियाणं पुच्छा, गो० ! जहण्णेणं अंतो० उक्को० बावीसं वाससहस्साइं अंतो-
मुहुत्तुणाइं, एवं उक्कोसियावि ठिई अंतोमुहुत्तुणा सव्वेसिं पजत्ताणं कायव्वा ॥ एगिं-
दि ए णं भंते ! एगिंदिएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमु०
उक्को० वणस्सइकालो । बेइंदिए णं भंते ! बेइंदिएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ?
गोयमा ! जह० अंतोमु० उक्कोसेणं संखेजं कालं जाव चउरिंदिए संखेजं कालं,
पंचेदिए णं भंते ! पंचिंदिएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जह० अंतोमु०
उक्को० सागरोवमसहस्सं साइरेणं ॥ अपजत्तएगिंदिए णं भंते !० कालओ केवच्चिरं
होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमु० उक्कोसेणावि अंतोमुहुत्तं जाव पंचिंदियअपजत्तए ।
पजत्तएगिंदिए णं भंते !० कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतो-
मुहुत्तं उक्कोसेणं संखिजाइं वाससहस्साइं । एवं बेइंदिएवि, णवरं संखेजाइं वासाइं ।
तेइंदिए णं भंते !० संखेजा राइंदिया । चउरिंदिए णं० संखेजा मासा । पजत्त-
पंचिंदिए० सागरोवमसयपुहुत्तं साइरेणं ॥ एगिंदियस्स णं भंते ! केवइयं कालं अंतरं
होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं दो सागरोवमसहस्साइं संखेजवास-
मव्वमहियाइं । बेइंदियस्स णं० अंतरं कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा !
जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं वणस्सइकालो, एवं तेइंदियस्स चउरिंदियस्स
पंचेदियस्स, अपजत्तगाणं एवं चेव, पजत्तगाणावि एवं चेव ॥ २२४ ॥ एएसि
णं भंते ! एगिंदि० बेइं० तेइं० चउ० पंचिंदियाणं कयरे कयरे हितो अप्पा वा
बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा पंचेदिया चउरिंदिया

विसेसाहिया तेइंदिया विसेसाहिया बेइंदिया विसेसाहिया एगिंदिया अणंतगुणा । एवं अपज्जत्तगां सव्वत्थोवा पंचेदिया अपज्जत्तगा चउरिंदिया अपज्जत्तगा विसेसाहिया तेइंदिया अपज्जत्तगा विसेसाहिया बेइंदिया अपज्जत्तगा विसेसाहिया एगिंदिया अपज्जत्तगा अणंतगुणा सइंदिया अप० वि० ॥ सव्वत्थोवा चउरिंदिया पज्जत्तगा पंचेदिया पज्जत्तगा विसेसाहिया बेइंदियपज्जत्तगा विसेसाहिया तेइंदियपज्जत्तगा विसेसाहिया एगिंदियपज्जत्तगा अणंतगुणा सइंदिया पज्जत्तगा विसेसाहिया ॥ एएसि णं भंते ! सइंदियाणं पज्जत्तगाअपज्जत्तगाणं कयरे २ हितो० ? गोयमा ! सव्वत्थोवा सइंदिया अपज्जत्तगा सइंदिया पज्जत्तगा संखेज्जगुणा । एवं एगिंदियावि ॥ एएसि णं भंते ! बेइंदियाणं पज्जत्तापज्जत्तगाणं कयरे २ हितो अप्पा वा बहुया वा दुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा बेइंदिया पज्जत्तगा अपज्जत्तगा असंखेज्जगुणा, एवं तेंदियचउरिंदियपंचेदियावि ॥ एएसि णं भंते ! एगिंदियाणं बेइंदि० तेइंदि० चउरिंदि० पंचेदियाणं पज्जत्तगाणं अपज्जत्तगाणं य कयरे २... ? गोयमा ! सव्वत्थोवा चउरिंदिया पज्जत्तगा पंचेदिया पज्जत्तगा विसेसाहिया बेइंदिया पज्जत्तगा विसेसाहिया तेइंदिया पज्जत्तगा विसेसाहिया पंचेदिया अपज्जत्तगा असंखेज्जगुणा चउरिंदिया अपज्जत्तगा विसेसाहिया तेइंदियअपज्जत्ता विसेसाहिया बेइंदिया अपज्जत्ता विसेसाहिया एगिंदियअपज्जत्ता अणंतगुणा सइंदिया अपज्जत्ता विसेसाहिया एगिंदियपज्जत्ता संखेज्जगुणा सइंदियपज्जत्ता विसेसाहिया सइंदिया विसेसाहिया । सेत्तं पंचविहा संसारसमावण्णगा जीवा प० ॥२२५॥ चउत्था पंचविहा पडिवत्तो समत्ता ॥

पंचमा छव्विहा पडिवत्ती

तत्थ णं जे ते एवमाहंसु—छव्विहा संसारसमावण्णगा जीवा प० ते एवमाहंसु, तंजहा—पुटविकाइया आउकाइया तेउ० वाउ० वणस्सइकाइया तसकाइया ॥ से किं तं पुटवि० ? पुटवि० दुविहा पण्णत्ता, तं०—सुहुमपुटविकाइया वायरपुटविकाइया, सुहुमपुटविकाइया दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य, एवं वायरपुटविकाइयावि, एवं चउक्कएणं भेएणं आउतेउवाउवणस्सकाइया णेयवा । से किं तं तसकाइया ? २ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य ॥२२६॥ पुटविकाइयस्स णं भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ! गोयमा ! जह-

ण्णेण अंतोमुहुत्तं उक्कोसेण जावीसं वाससहस्साइं, एवं सव्वेसिं ठिई णेयव्वा, तसकाइयस्स जहण्णेण अंतोमुहुत्तं उक्कोसेण तेत्तीसं सागरोवमाइं, अपज्जत्तगाणं सव्वेसिं जहण्णेणवि उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, पज्जत्तगाणं सव्वेसिं उक्कोसिया ठिई अंतोमुहुत्तणा कायव्वा ॥ २२७ ॥ पुढविकाइए णं भंते ! पुढविकाइएसि कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेण अंतोमुहुत्तं उक्कोसेण असंखेज्जं कालं जाव असंखेज्जा लेया । एवं जाव आउ० तेउ० वाउकाइयाणं वणस्सइकाइयाणं अणंतं कालं जाव आवलियाए असंखेज्जइभागो ॥ तसकाइए णं भंते ! जहण्णेण अंतोमुहुत्तं उक्कोसेण दो सागरोवमसहस्साइं संखेज्जवासमब्भहियाइं । अपज्जत्तगाणं जहण्वि जहण्णेणवि उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, पज्जत्तगाणं—‘वाससहस्सा संखा पुढविदगाणिलतरुण पज्जता । तेउ राइदिसंखा तससागरसयपुहुत्ताइं ॥ १ ॥’ पज्जत्तगाणवि सव्वेसिं एवं ॥ पुढविकाइयस्स णं भंते ! केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेण अंतोमुहुत्तं उक्कोसेण वणस्सइकालो, एवं आउतेउवाउकाइयाणं वणस्सइकालो, तसकाइयाणवि, वणस्सइकाइयस्स पुढविकालो, एवं अपज्जत्तगाणवि वणस्सइकालो, वणस्सइणं पुढविकालो, पज्जत्तगाणवि एवं चेव वणस्सइकालो, पज्जत्तवणस्सइणं पुढविकालो ॥ २२८ ॥ अप्पावहुयं—सव्वत्थोवा तसकाइया तेउकाइया असंखेज्जगुणा पुढविकाइया विसेसाहिया आउकाइया विसेसाहिया वाउकाइया विसेसाहिया वणस्सइकाइया अणंतगुणा एवं अपज्जत्तगावि पज्जत्तगावि ॥ एएसि णं भंते ! पुढविकाइयाणं पज्जत्तगाणं अपज्जत्तगाणं य कयरे २ हितो अप्पा वा एवं जाव विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा पुढविकाइया अपज्जत्तगा पुढविकाइया पज्जत्तगा संखेज्जगुणा, एएसि णं भंते ! आ० सव्वत्थोवा आउकाइया अपज्जत्तगा पज्जत्तगा संखेज्जगुणा जाव वणस्सइकाइया० सव्वत्थोवा तसकाइया पज्जत्तगा तसकाइया अपज्जत्तगा असंखेज्जगुणा ॥ एएसि णं भंते ! पुढविकाइयाणं जाव तसकाइयाणं पज्जत्तगापज्जत्तगाणं य कयरे २ हितो अप्पा वा ४ ? गो० ! सव्वत्थोवा तसकाइया पज्जत्तगा, तसकाइया अपज्जत्तगा असंखेज्जगुणा, तेउकाइया अपज्जत्ता असंखेज्जगुणा, पुढविकाइया आउकाइया वाउकाइया अपज्जत्तगा विसेसाहिया, तेउकाइया पज्जत्तगा संखेज्जगुणा, पुढविआउवाउपज्जत्तगा विसेसाहिया, वणस्सइकाइया अपज्जत्तगा अणंतगुणा, सकाइया अपज्जत्तगा विसेसाहिया, वणस्सइकाइया पज्जत्तगा संखेज्जगुणा, सकाइया पज्जत्तगा विसेसाहिया ॥ २२९ ॥ सुहुमस्स णं भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं

अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं एवं जाव सुहुमणिओयस्स, एवं अपज्जत्तगाणवि पज्जत्तगाणवि जहण्णेणवि उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं ॥ २३० ॥ सुहुमे णं भंते ! सुहुमेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं असंखेज्जकालं जाव असंखेज्जा लोया, सव्वेसिं पुदविकालो जाव सुहुमणिओयस्स पुदविकालो, अपज्जत्तगाणं सव्वेसिं जहण्णेणवि उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, एवं पज्जत्तगाणवि सव्वेसिं जहण्णेणवि उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं ॥ २३१ ॥ सुहुमस्स णं भंते ! केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्को० असंखेज्जं कालं कालओ असंखेज्जाओ उस्सप्पिणीओसप्पिणीओ खेत्तओ अंगुलस्स असंखेज्जइभागो, एवं सुहुमवणस्सइकाइयस्सवि सुहुमणिओयस्सवि जाव असंखेज्जलोया असंखेज्जइभागो । पुदविकाइयाईणं वणस्सइकालो । एवं अपज्जत्तगाणं पज्जत्तगाणवि ॥ २३२ ॥ एवं अप्पावहुयं, सव्वथोवा सुहुमतेउकाइया सुहुमपुदविकाइया विसेसाहिया सुहुमआउवाउ विसेसाहिया सुहुमणिओया असंखेज्जगुणा सुहुमवणस्सइकाइया अणंतगुणा सुहुमा विसेसाहिया, एवं अपज्जत्तगाणं, पज्जत्तगाणवि एवं चेव ॥ एसि णं भंते ! सुहुमाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे० ? गोयमा ! सव्वथोवा सुहुमा अपज्जत्तगा सुहुमा पज्जत्तगा संखेज्जगुणा, एवं जाव सुहुमणिओया ॥ एसि णं भंते ! सुहुमाणं सुहुमपुदविकाइयाणं जाव सुहुमणिओयाणं पज्जत्तापज्जत्ता० कयरे २ हिंतो० ? गोयमा ! सव्वथोवा सुहुमतेउकाइया अपज्जत्तगा सुहुमपुदविकाइया अपज्जत्तगा विसेसाहिया सुहुमआउअपज्जत्ता विसेसाहिया सुहुमवाउअपज्जत्ता विसेसाहिया सुहुमतेउकाइया पज्जत्तगा संखेज्जगुणा सुहुमपुदविआउवाउअपज्जत्तगा विसेसाहिया सुहुमणिओया अपज्जत्तगा असंखेज्जगुणा सुहुमणिओया पज्जत्तगा संखेज्जगुणा सुहुमवणस्सइकाइया अपज्जत्तगा अणंतगुणा सुहुमअपज्जत्ता विसेसाहिया सुहुमवणस्सइपज्जत्तगा संखेज्जगुणा सुहुमा पज्जत्ता विसेसाहिया ॥ २३३ ॥ बायरस्स णं भंते ! केवइयं कालं ठिई पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्को० तेत्तीसं सागरोवमाईं ठिई पणत्ता, एवं बायरतसकाइयस्सवि, बायरपुदविकाइयस्स बावीसवाससहस्साई, बायरआउस्स सत्तवाससहस्सं, बायरतेउस्स तिण्णि राइंदिया, बायरखाउस्स तिण्णि वाससहस्साई, बायरवण० दसवाससहस्साई, एवं पत्तेयसरीखायरस्सवि, णिओयस्स जहण्णेणवि उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, एवं बायरणिओयस्सवि, अपज्जत्तगाणं सव्वेसिं अंतोमुहुत्तं, पज्जत्तगाणं उक्कोसिया ठिई अंतोमुहुत्तूणा कायव्वा सव्वेसिं ॥ २३४ ॥ बायरे णं भंते ! बायरेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जह० अंतो० उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं

असंखेज्जाओ उस्सप्पिणीओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अंगुलस्स असंखेज्जभागो;
 बायरपुटविकाइयआउतेउवाउ० पत्तेयसरीरवायरवणस्सइकाइयस्स बायरणिओयस्स
 एएसिं जहण्णेणं अंतोमु० उक्कोसेणं सत्तारि सागरोवमकोडाकोडीओ-संखाईयाओ
 ममाओ अंगुलभागो तद्वा असंखेज्जा । ओहे य बायरतरुअणुबंधो सेसओ बोच्छं
 ॥१॥ उस्सप्पिणि २ स्स अट्टाईयपोग्गलाण परियट्ठा । वेउयहिसहस्सा लल्लु साहिया
 हेंति तयकाए ॥२॥ अंतोमुहुत्तकालो होइ अपज्जत्तगाण सव्वेसिं ॥ पज्जत्तबायरस्स
 य बायरतसकाइयस्सावि ॥३॥ एएसिं ठिई सागरोवमसयपृहुत्तं साइरेणं । तेउस्स
 संख राई[दिया] दुविहणिओए मुहुत्तमदं तु । सेसाणं संखेज्जा वाससइहस्सा य सव्वेसिं
 ॥ ४ ॥ २३५ ॥ अंतरं बायरस्स बायरवणस्सइस्स णिओयस्स बायरणिओयस्स
 एएसिं चउण्हवि पुटविकालो जाव असंखेज्जा लोया, सेसाणं वणस्सइकालो । एवं
 पज्जत्तगाणं अपज्जत्तगाणवि अंतरं, ओहे य बायरतरु ओयणिओए य बायरणिओए
 य । कालमसंखेज्जंतरं सेसाण वणस्सइकालो ॥ १ ॥ २३६ ॥ अण्णा० सव्वत्थोवा
 बायरतसकाइया बायरतेउकाइया असंखेज्जगुणा पत्तेयसरीरवायरवणस्सइ० असं-
 खेज्जगुणा बायरणिओया असंखे० बायरपुटवि० असंखे० आउवाउ० असंखेज्जगुणा
 बायरवणस्सइकाइया अणंतगुणा बायरा विसेसाहिया १ । एवं अपज्जत्तगाणवि
 २ । पज्जत्तगाणं सव्वत्थोवा बायरतेउकाइया बायरतसकाइया असंखेज्जगुणा
 पत्तेयसरीरवायरा असंखेज्जगुणा सेसा तहेव जाव बायरा विसेसाहिया ३ । एएसिं णं
 भंते ! बायराणं पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे २ हितो०! गो०! सव्वत्थोवा बायरा पज्जत्ता
 बायरा अपज्जत्ता असंखेज्जगुणा, एवं सव्वे जहा बायरतसकाइया ४ । एएसिं णं
 भंते ! बायराणं बायरपुटविकाइयाणं जाव बायरतसकाइयाणं य पज्जत्तापज्जत्ताणं
 कयरे २ हितो०! गोयमा ! सव्वत्थोवा बायरतेउकाइया पज्जत्तगा बायरतसकाइया
 पज्जत्तगा असंखेज्जगुणा बायरतसकाइया अपज्जत्तगा असंखेज्जगुणा पत्तेयसरीर-
 बायरवणस्सइकाइया पज्जत्तगा असंखेज्जगुणा बायरणिओया पज्जत्तगा असंखेज्ज०
 पुटविआउवाउपज्जत्तगा असंखेज्जगुणा बायरतेउअपज्जत्तगा असंखेज्जगुणा पत्तेयसरीर-
 बायरवणस्सइ० अप० असंखे० बायरणिओया अपज्जत्तगा असंखे० बायरपुटवि-
 आउवाउअपज्जत्तगा असंखेज्जगुणा बायरवणस्सइ० पज्जत्तगा अणंतगुणा बायर-
 पज्जत्तगा विसेसाहिया बायरवणस्सइ० अपज्जत्ता असंखेज्जगुणा बायरा अपज्जत्तगा
 विसेसाहिया बायरा प० विसेसाहिया ५ । एएसिं णं भंते ! सुहुमाणं सुहुमपुटविकाइ-

याणं जाव सुहुमणिओयाणं बायराणं बायरपुट्टिकाइयाणं जाव बायरतसकाइयाणं य
 कयरे २ हितो०! गोयमा ! सव्वथोवा बायरतसकाइया बायरतेउकाइया असंखेज-
 गुणा पत्तेयसरीरबायरवण० असंखे० तहेव जाव बायरवाउकाइया असंखेज्जगुणा
 सुहुमतेउकाइया असंखे० सुहुमपुट्टवि० विसेसाहिया सुहुमआउ० वि० सुहुमवाउ०
 विसेसा० सुहुमणिओया असंखेज्जगुणा बायरवणस्सइकाइया अणंतगुणा बायरा विसे-
 साहिया सुहुमवणस्सइकाइया असंखे० सुहुमा विसेसा०, एवं अपज्जत्तावि पज्जत्ता-
 गावि, णवरि सव्वथोवा बायरतेउकाइया पज्जत्ता बायरतसकाइया पज्जत्ता असंखे-
 ज्जगुणा पत्तेयसरीर० सेसं तहेव जाव सुहुमपज्जत्ता विसेसाहिया । एएसि णं भंते !
 सुहुमाणं बायराणं य पज्जत्ताणं अपज्जत्ताणं य कयरे २...! गोयमा ! सव्वथोवा
 बायरा पज्जत्ता बायरा अपज्जत्ता असंखेज्जगुणा सुहुमा अपज्जत्ता असंखेज्जगुणा सुहुम-
 पज्जत्ता संखेज्जगुणा, एवं सुहुमपुट्टविबायरपुट्टि जाव सुहुमणिओया बायरणिओया
 णवरं पत्तेयसरीरबायरवण० सव्वथोवा पज्जत्ता अपज्जत्ता असंखेज्जगुणा, एवं बायर-
 तसकाइयावि ॥ सव्वेसिं भंते ! पज्जत्तापज्जत्तागाणं कयरे २ हितो अप्पा वा बहुया वा
 तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वथोवा बायरतेउकाइया पज्जत्ता बायरतस-
 काइया पज्जत्ता असंखेज्जगुणा ते चेव अपज्जत्ता असंखेज्जगुणा पत्तेयसरीरबायर-
 वणस्सइअपज्जत्ता असंखे० बायरणिओया पज्जत्ता असंखे० बायरपुट्टवि० पज्जत्ता
 असं० आउवाउपज्जत्ता असंखे० बायरतेउकाइयअपज्जत्ता असंखे० पत्तेय० अपज्जत्ता
 असंखे० बायरणिओयअपज्जत्ता असं० बायरपुट्टवि० आउवाउकाइ० अपज्जत्तागा
 असंखेज्जगुणा सुहुमतेउकाइया अपज्जत्तागा असं० सुहुमपुट्टविआउवाउअपज्जत्ता
 विसेसा० सुहुमतेउकाइयपज्जत्तागा संखेज्जगुणा सुहुमपुट्टविआउवाउपज्जत्तागा विसे-
 साहिया सुहुमणिओया अपज्जत्तागा असंखेज्जगुणा सुहुमणिओया पज्जत्तागा संखेज्ज-
 गुणा बायरवणस्सइकाइया पज्जत्तागा अणंतगुणा बायरा पज्जत्तागा विसेसाहिया बायर-
 वणस्सइ० अपज्जत्ता असंखे० बायरा अपज्जत्ता विसे० बायरा विसेसाहिया सुहुम-
 वणस्सइकाइया अपज्जत्तागा असंखेज्जगुणा सुहुमा अपज्जत्ता विसेसाहिया सुहुमवण-
 स्सइकाइया पज्जत्ता संखेज्जगुणा सुहुमा पज्जत्तागा विसेसाहिया सुहुमा विसेसाहिया
 ॥ २३७ ॥ कइविहा णं भंते ! णिओया पणत्ता ? गोयमा ! दुविहा णिओया
 पणत्ता, तंजहा-णिओया य णिओयजीवा य ॥ णिओया णं भंते ! कइविहा
 पणत्ता ? गोयमा ! दुविहा प० तंजहा-सुहुमणिओया य बायरणिओया य ॥

सुहुमणिओया णं भंते ! कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-
पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य ॥ बायरणिओयावि दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-पज्जत्तगा
य अपज्जत्तगा य ॥ णिओयजीवा णं भंते ! कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा
पण्णत्ता, तंजहा-सुहुमणिओयजीवा य बायरणिओयजीवा य । सुहुमणिओयजीवा
दुविहा प०, तं०-पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य । बायरणिओयजीवा दुविहा
पण्णत्ता, तं०-पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य ॥ २३८ ॥ णिओया णं भंते ! दब्बट्ठ-
याए किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता ? गोयमा ! णो संखेज्जा असंखेज्जा णो
अणंता, एवं पज्जत्तगावि अपज्जत्तगावि ॥ सुहुमणिओया णं भंते ! दब्बट्ठयाए किं
संखेज्जा असंखेज्जा अणंता ? गो० ! णो संखेज्जा असंखेज्जा णो अणंता, एवं
पज्जत्तगावि अपज्जत्तगावि, एवं बायरावि पज्जत्तगावि अपज्जत्तगावि णो संखेज्जा
असंखेज्जा णो अणंता ॥ णिओयजीवा णं भंते ! दब्बट्ठयाए किं संखेज्जा असंखेज्जा
अणंता ? गोयमा ! णो संखेज्जा णो असंखेज्जा अणंता, एवं पज्जत्तावि अपज्जत्तावि
एवं सुहुमणिओयजीवावि पज्जत्तगावि अपज्जत्तगावि, बायरणिओयजीवावि पज्जत्तगावि
अपज्जत्तगावि ॥ णिओया णं भंते ! पएसट्ठयाए किं संखेज्जा० पुच्छा, गोयमा !
णो संखेज्जा णो असंखेज्जा अणंता, एवं पज्जत्तगावि अपज्जत्तगावि । एवं सुहुमणि-
ओयावि पज्जत्तगावि अपज्जत्तगावि, पएसट्ठयाए सव्वे अणंता, एवं बायरणिओयावि
पज्जत्तयावि अपज्जत्तयावि, पएसट्ठयाए सव्वे अणंता, एवं णिओयजीवा णवविहावि
पएसट्ठयाए सव्वे अणंता ॥ एएसि णं भंते ! णिओयाणं सुहुमाणं बायराणं पज्जत्त-
गाणं अपज्जत्तगाणं दब्बट्ठयाए पएसट्ठयाए दब्बट्ठपएसट्ठयाए कयरे २ हितो अप्पा
वा बहुया वा० ? गोयमा ! सव्वथोवा बायरणिओयपज्जत्तगा दब्बट्ठयाए बायर-
णिओया अपज्जत्तगा दब्बट्ठयाए असंखेज्जगुणा सुहुमणिओया अपज्जत्तगा दब्बट्ठयाए
असंखेज्जगुणा सुहुमणिओया पज्जत्तगा दब्बट्ठयाए संखेज्जगुणा, एवं पएसट्ठयाएवि ॥
दब्बट्ठपएसट्ठयाए सव्वथोवा बायरणिओया य पज्जत्ता दब्बट्ठयाए जाव सुहुमणि-
ओया पज्जत्ता य दब्बट्ठयाए संखेज्जगुणा, सुहुमणिओएहितो पज्जत्तएहितो दब्बट्ठयाए
बायरणिओया पज्जत्ता पएसट्ठयाए अणंतगुणा, बायरणिओया अपज्जत्ता पएसट्ठयाए
असंखे० जाव सुहुमणिओया पज्जत्ता पएसट्ठयाए संखेज्जगुणा । एवं णिओयजीवावि,
णवरि संकमए जाव सुहुमणिओयजीवेहितो पज्जत्तएहितो दब्बट्ठयाए बायरणिओयजीवा
पज्ज० पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, सेसं तहेव जाव सुहुमणिओयजीवा पज्जत्ता पएस-

सद्वयाए संखेज्जगुणा ॥ एसि णं मंते ! णिओयाणं सुहुमाणं वायराणं पज्जत्ताणं
 अपज्जत्ताणं णिओयजीवाणं सुहुमाणं वायराणं पज्जत्ताणं अपज्जत्ताणं दव्वट्ठयाए
 पएसद्वयाए दव्वट्ठपएसद्वयाए कयरे २ हितो ० ? गो ० ! सव्वथोवा वायरणिओया
 पज्जत्ता दव्वट्ठयाए वायरणिओया अपज्जत्ता दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा सुहुमणि-
 ओया अप ० दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा सुहुमणिओया पज्ज ० दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा
 सुहुमणिओएहितो दव्वट्ठयाए वायरणिओयजीवा पज्जत्ता दव्वट्ठयाए अणंतगुणा वायर-
 णिओयजीवा अपज्जत्ता दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा सुहुमणिओयजीवा अपज्जत्ता दव्वट्ठ-
 याए असंखेज्जगुणा सुहुमणिओयजीवा पज्जत्ता दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा, पएसद्वयाए
 सव्वथोवा वायरणिओयजीवा पज्जत्ता पएसद्वयाए वायरणिओया अपज्जत्ता पएसद्व-
 याए असंखे ०, सुहुमणिओयजीवा अपज्जत्ता पएसद्वयाए असंखेज्जगुणा सुहुमणिओय-
 जीवा पज्जत्ता पएसद्वयाए संखेज्जगुणा सुहुमणिओयजीवेहितो पएसद्वयाए वायरणि-
 ओया पज्जत्ता पएसद्वयाए अणंतगुणा वायरणिओया अपज्जत्ता पएस ० असंखेज्ज-
 गुणा जाव सुहुमणिओया पज्जत्ता पएसद्वयाए संखेज्जगुणा, दव्वट्ठपएस ० सव्वथोवा
 वायरणिओया पज्जत्ता दव्वट्ठयाए वायरणिओया अपज्जत्ता दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा
 जाव सुहुमणिओया पज्जत्ता दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा सुहुमणिओयाहितो दव्वट्ठयाए वायर-
 णिओयजीवा पज्जत्ता दव्वट्ठयाए अणंतगुणा सेसा तद्देव जाव सुहुमणिओयजीवा पज्ज-
 त्ता दव्वट्ठयाए संखेज्जगुणा सुहुमणिओयजीवेहितो पज्जत्ता हितो दव्वट्ठयाए वायरणि-
 ओयजीवा पज्जत्ता पएसद्वयाए असंखेज्जगुणा सेसा तद्देव जाव सुहुमणिओया पज्जत्ता
 पएसद्वयाए संखेज्जगुणा ॥ सेत्तं छव्विहा संसारसभावणगा जीवा प ० ॥ २३९ ॥

॥ पंचमा छव्विहा पडिवत्ती समत्ता ॥

छट्ठी सत्तविहा पडिवत्ती

तत्थ णं ते ते एवमाहंसु—सत्तविहा संसारसभावणगा जीवा प ० ते एवमाहंसु,
 तंजहा—गेरइया तिरिक्खजोणिया तिरिक्खजोणियाओ मणुस्सा मणुस्सीओ देवा
 देवीओ ॥ गेरइयस्स ठिई जहण्णेणं दसवाससहस्साइ उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइ,
 तिरिक्खजोणियस्स ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिण्णि पल्लिओवमाइ, एवं
 तिरिक्खजोणियाएवि, मणुस्साणवि मणुस्सीणवि, देवाणं ठिई जहा गेरइयाणं, देवीणं ०
 जहण्णेणं दसवाससहस्साइ उक्कोसेणं पणपणपल्लिओवमाइ ॥ गेरइयदेवदेवीणं जच्चेव

ठिई सच्चेव संचिद्धणा । तिरिक्खजोणिए णं भंते ! तिरिक्खजोणिएत्ति कालओ केव-
च्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं वणस्सइकालो, तिरिक्खजोणि-
णाणं जहण्णेणं अंतोमु० उक्को० तिणिण पलिओवमाइं पुक्खकोडिपुहुत्तमम्भहियाइं । एवं
मणुस्सस्स मणुस्सीएवि ॥ गेरइयस्स अंतरं जह० अंतोमु० उक्कोसेणं वणस्सइकालो ।
एवं सव्वाणं तिरिक्खजोणियवज्जाणं, तिरिक्खजोणियाणं जहण्णेणं अंतोमु० उक्को०
सागरोवमसयपुहुत्तं साइरेगं ॥ अप्पावहुयं-सव्वत्थोवाओ मणुस्सीओ मणुस्सा असं-
खेज्जगुणा गेरइया असंखेज्जगुणा तिरिक्खजोणिणीओ असंखेज्जगुणाओ देवा असंखे-
ज्जगुणा देवीओ संखेज्जगुणाओ तिरिक्खजोणिया अणंतगुणा । सेत्तं सत्तविहा
संसारसमावण्णगा जीवा प०॥२४०॥ छट्ठी सत्तविहा पडिवत्ती समत्ता ॥

सत्तमा अट्ठविहपडिवत्ती

तत्थ णं जे ते एवमाहंसु-अट्ठविहा संसारसमावण्णगा जीवा प० ते एवमाहंसु,
तं-पढमसमयगेरइया अपढमसमयगेरइया पढमसमयतिरिक्खजोणिया अपढमसम-
यतिरिक्खजोणिया पढमसमयमणुस्सा अपढमसमयमणुस्सा पढमसमयदेवा अपढम-
समयदेवा ॥ पढमसमयगेरइयस्स णं भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा !
पढमसमयगेरइयस्स जह० एकं समयं उक्को० एकं समयं, अपढमसमयगेरइयस्स
जह० दसवाससहस्साइं समऊणाइं उक्कोसेणं तेत्तीस सागरोवमाइं समऊणाइं ।
पढमसमयतिरिक्खजोणियस्स जह० एकं समयं उक्को० एकं समयं, अपढमसमयति-
रिक्खजोणियस्स जह० खुड्डागं भवग्गहणं समऊणं उक्को० तिणिण पलिओवमाइं
समऊणाइं, एवं मणुस्साणवि जहा तिरिक्खजोणियाणं, देवाणं जहा गेरइयाणं ठिई ॥
गेरइयदेवाणं जच्चेव ठिई सच्चेव संचिद्धणा दुविहाणवि । पढमसमयतिरिक्खजोणिए
णं भंते ! पढ० कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जह० एकं समयं उक्को० एकं
समयं, अपढम० तिरिक्खजोणियस्स जह० खुड्डागं भवग्गहणं समऊणं उक्कोसेणं
वणस्सइकालो । पढमसमयमणुस्साणं जह० उ० एकं समयं, अपढम० मणुस्साणं जह०
खुड्डागं भवग्गहणं समऊणं उक्को० तिणिण पलिओवमाइं पुक्खकोडिपुहुत्तमम्भहियाइं ॥
अंतरं पढमसमयगेरइयस्स जह० दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमम्भहियाइं उक्को०
वणस्सइकालो, अपढमसमय० जह० अंतोमु० उक्को० वणस्सइकालो । पढमसमय-
तिरिक्खजोणियस्स जह० दो खुड्डागभवग्गहणाइं समऊणाइं उक्को० वणस्सइकालो,

अपटमसमयतिरिक्खजोणियस्स जह० खुड्डागं भवगाहणं समयाहियं उक्को० सागरोव-
मसयपुहुत्तं साहरेणं । पटमसमयमणुस्सस्स जह० दो खुड्डाहं भवंगाहणाइं समज्जणाइं
उक्को० वणस्सइकालो, अपटमसमयमणुस्सस्स जह० खुड्डागं भवगाहणं समयाहियं
उक्को० वणस्सइकालो । देवाणं जहा गेरइयाणं जह० दसवाससहस्ताइं अंतोमुहुत्त-
मभहियाइं उक्को० वणस्सइकालो, अपटमसमय० जह० अंतो० उक्को० वणस्सइ-
कालो ॥ अप्पावहु० एसि णं भंते ! पटमसमयणेरइयाणं जाव पटमसमयदेवाण य
कयरे २ हितो० ? गोयमा ! सव्वथोवा पटमसमयमणुस्सा पटमसमयणेरइया
असंखेज्जगुणा पटमसमयदेवा असंखेज्जगुणा पटमसमयतिरिक्खजोणिया असंखेज्ज-
गुणा ॥ अपटमसमयणेरइयाणं जाव अपटमसमयदेवाणं एवं चेव अप्पावहु० णवरि
अपटमसमयतिरिक्खजोणिया अणंतगुणा ॥ एसि णं भंते ! पटमसमयणेरइयाणं
अपटम० गेरइयाणं कयरे २***? गोयमा ! सव्वथोवा पटमसमयणेरइया अपटम-
समयणेरइया असंखेज्जगुणा, एवं सव्वे (णवरि अपटमसमयतिरिक्खजोणिया
अणंतगुणा) ॥ एसि णं भंते ! पटमसमयणेरइयाणं जाव अपटमसमयदेवाण य
कयरे २***? गोयमा ! सव्वथोवा पटमसमयमणुस्सा अपटमसमयमणुस्सा असंखे-
ज्जगुणा पटमसमयणेरइया असंखेज्जगुणा पटमसमयदेवा असंखेज्जगुणा पटमसमय-
तिरिक्खजोणिया असंखेज्जगुणा अपटमसमयणेरइया असंखेज्जगुणा अपटमसमय-
देवा असंखेज्जगुणा अपटमसमयतिरिक्खजोणिया अणंतगुणा । सेत्तं अट्ठविहा संसार-
समावण्णगा जीवा पण्णत्ता ॥२४१॥ सत्तमा अट्ठविहपडिबत्ती समत्ता ॥

अट्ठमा णवविहपडिबत्ती

तत्थ णं जे ते एवमाहंसु—णवविहा संसारसमावण्णगा जीवा प० ते एवमाहंसु,
तं०—पुटविकाइया आउकाइया तेउकाइया वाउकाइया वणस्सइकाइया बेइंदिया
तेइंदिया चउरिंदिया पंचेंदिया ॥ ठिई सव्वेसिं भाणियव्वा ॥ पुटविकाइयाणं संचिट्ठणा
पुटविकालो जाव वाउकाइयाणं, वणस्सइणं वणस्सइकालो, बेइंदिया तेइंदिया चउ-
रिंदिया संखेज्जं कालं, पंचेंदियाणं सागरोवमसहस्सं साहरेणं ॥ अंतरं सव्वेसिं अणंतं
कालं, वणस्सइकाइयाणं असंखेज्जं कालं ॥ अप्पावहुयं, सव्वथोवा पंचिंदिया चउरि-
दिया विसेसाहिया तेइंदिया विसेसाहिया बेइंदिया विसेसाहिया तेउकाइया असंखे०
पुटविका० आउ० वाउ० विसेसाहिया वणस्सइकाइया अणंतगुणा । सेत्तं णवविहा

संसारसमावण्णगा जीवा पणत्ता ॥२४२॥ अट्टमा णवविहपडि० समत्ता ॥

णवमा दसविहा पडिवत्ती

तत्थ णं जे ते एवमाहंसु—दसविहा संसारसमावण्णगा जीवा प० ते एवमाहंसु, तंजहा—पटमसमयएगिंदिया अपटमसमयएगिंदिया पटमसमयबेइंदिया अपटमसमय-बेइंदिया जाव पटमसमयपंचिंदिया अपटमसमयपंचिंदिया, पटमसमयएगिंदियस्स णं भंते ! केवइयं कालं ठिई पणत्ता ! गोयमा ! जहण्णेणं एकं समयं उक्को० एकं०, अपटम-समयएगिंदियस्स जहण्णेणं खुड्डागं भवगाहणं समऊणं उक्को० धावीसं वाससहसाइं समऊणाइं, एवं सव्वेसिं पटमसमइयकालं जहण्णेणं एको समओ उक्कोसेणं एको समओ, अपटम० जहण्णेणं खुड्डागं भवगाहणं समऊणं उक्कोसेणं जा जस्स ठिई सा समऊणा जाव पंचिंदियाणं तेत्तीसं सागरोवमाइं समऊणाइं ॥ संचिट्ठणा पटमसमइ-यस्स जहण्णेणं एकं समयं उक्कोसेणं एकं समयं, अपटमसमयगाणं जहण्णेणं खुड्डागं भवगाहणं समऊणं उक्कोसेणं एगिंदियाणं वणस्सइकालो, बेइंदियतेइंदियचउरिंदियाणं संखेज्जं कालं पंचिंदियाणं सागरोवमसहस्सं साइरेणं ॥ पटमसमयएगिंदियाणं भंते ! कालओ केवइयं अंतरं होइ ! गोयमा ! जहण्णेणं दो खुड्डागभवगाहणाइं समऊणाइं उक्को० वणस्सइकालो, अपटम० एगिंदिय० अंतरं जहण्णेणं खुड्डागं भवगाहणं समया-हियं उक्को० दो सागरोवमसहस्साइं संखेज्जवासमम्महियाइं, सेसाणं सव्वेसिं पटम-समइयाणं अंतरं जह० दो खुड्डाइं भवगाहणाइं समऊणाइं उक्को० वणस्सइकालो, अपटमसमइयाणं सेसाणं जहण्णेणं खुड्डागं भवगाहणं समयाहियं उक्को० वणस्सइ-कालो ॥ पटमसमइयाणं सव्वेसिं सव्वत्थोवा पटमसमयपंचिंदिया पटम० चउरिंदिया विसेसाहिया पटम० तेइंदिया विसेसाहिया प० बेइंदिया विसेसाहिया प० एगिंदिया विसेसाहिया ॥ एवं अपटमसमइयावि णवरि अपटमसमयएगिंदिया अणंतगुणा । दोहं अपवहू, सव्वत्थोवा पटमसमयएगिंदिया अपटमसमयएगिंदिया अणंतगुणा सेसाणं सव्वत्थोवा पटमसमइया अपटम० असंखेज्जगुणा ॥ एसिं णं भंते ! पटमसमय-एगिंदियाणं अपटमसमयएगिंदियाणं जाव अपटमसमयपंचिंदियाणं य कयरे २....? गोयमा ! सव्वत्थोवा पटमसमयपंचिंदिया पटमसमयचउरिंदिया विसेसाहिया पटम-समयतेइंदिया विसेसाहिया एवं हेट्ठामुहा जाव पटमसमयएगिंदिया विसेसाहिया अपटमसमयपंचिंदिया असंखेज्जगुणा अपटमसमयचउरिंदिया विसेसाहिया जाव अपटमसमयएगिंदिया अणंतगुणा ॥२४३॥ सेत्तं दसविहा संसारसमावण्णगा जीवा

पण्णत्ता, सेत्तं संसारसमावण्णगजीवाभिगमे ॥

॥ णवमा दसविहा पडिवत्ती समत्ता ॥

णवमा सव्वजीवदसविहपडिवत्ती

से किं तं सव्वजीवाभिगमे ? सव्वजीवेसु णं इमाओ णव पडिवत्तीओ एवमाहि-
जंति एगे एवमाहंसु—दुविहा सव्वजीवा पण्णत्ता जाव दसविहा सव्वजीवा पण्णत्ता ॥
तत्थ णं जे ते एवमाहंसु—दुविहा सव्वजीवा पण्णत्ता ते एवमाहंसु, तंजहा—सिद्धा
चेव असिद्धा चेव इति ॥ सिद्धे णं भंते ! सिद्धेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा !
साइए अपज्जवसिए ॥ असिद्धे णं भंते ! असिद्धेत्ति० ? गोयमा ! असिद्धे दुविहे
पण्णत्ते, तंजहा—अणाइए वा अपज्जवसिए अणाइए वा सपज्जवसिए ॥ सिद्धस्स णं
भंते ! केवइकालं अंतरं होइ ? गोयमा ! साइयस्स अपज्जवसियस्स णत्थि अंतरं ॥
असिद्धस्स णं भंते ! केवइयं अंतरं होइ ? गोयमा ! अणाइयस्स अपज्जवसियस्स
णत्थि अंतरं, अणाइयस्स सपज्जवसियस्स णत्थि अंतरं ॥ एएसि णं भंते ! सिद्धाणं
असिद्धाणं य कयरे २***? गोयमा ! सव्वथोवा सिद्धा असिद्धा अणंतगुणा ॥२४४॥
अहवा दुविहा सव्वजीवा पण्णत्ता, तंजहा—सइंदिया चेव अणिंदिया चेव । सइंदिए
णं भंते !० कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! सइंदिए दुविहे पण्णत्ते, तं०—अणा-
इए वा अपज्जवसिए अणाइए वा सपज्जवसिए, अणिंदिए साइए वा अपज्जवसिए,
दोण्हवि अंतरं णत्थि । सव्वथोवा अणिंदिया सइंदिया अणंतगुणा । अहवा दुविहा
सव्वजीवा पण्णत्ता, तंजहा—सकाइया चेव अकाइया चेव एवं चेव, एवं सजोगी चेव
अजोगी चेव तहेव, [एवं सलेस्सा चेव अलेस्सा चेव, ससरीरा चेव असरीरा चेव]
संजिद्धाणं अंतरं अप्पावहुयं जहा सइंदियाणं ॥ अहवा दुविहा सव्वजीवा पण्णत्ता,
तंजहा—सवेयगा चेव अवेयगा चेव ॥ सवेयए णं भंते ! सवे० ? गोयमा ! सवेयए
तिविहे पण्णत्ते, तंजहा—अणाइए वा अपज्जवसिए, अणाइए वा सपज्जवसिए, साइए
सपज्जवसिए, तत्थ णं जे से साइए सपज्जवसिए से जह० अंतो० उक्को० अणंतं
कालं जाव खेत्तओ अवइद्धं पोगलपरियदटं देसुणं ॥ अवेयए णं भंते ! अवेयएत्ति
कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! अवेयए दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—साइए वा अप-
ज्जवसिए साइए वा सपज्जवसिए, तत्थ णं जे से साइए सपज्जवसिए से जहण्णेणं एकं

समयं उक्को० अंतोमुहुत्तं ॥ सवेयगस्स णं भंते ! केवइकालं अंतरं होइ ? गोयमा !
 अणाइयस्स अपज्जवसियस्स णत्थि अंतरं, अणाइयस्स सपज्जवसियस्स णत्थि अंतरं,
 साइयस्स सपज्जवसियस्स जहण्णेणं एकं समयं उक्को० अंतोमुहुत्तं ॥ अवेयगस्स णं
 भंते ! केवइयं कालं अंतरं होइ ? गोयमा ! साइयस्स अपज्जवसियस्स णत्थि अंतरं,
 साइयस्स सपज्जवसियस्स जह० अंतोमु० उक्कोसेणं अणंतं कालं जाव अवइट्ठं पोमगल-
 परियट्ठं देसूणं । अप्पावहुयं, सव्वत्थोवा अवेयगा सवेयगा अणंतगुणा । एवं सक-
 साई चेव अकसाई चेव २ जहा सवेयगे तहेव भाणियव्वे ॥ अहवा दुविहा सव्वजीवा
 प०, तं०—सलेसा य अलेसा य जहा असिद्धा सिद्धा, सव्वत्थोवा अलेसा सलेसा
 अणंतगुणा ॥२४५॥ अहवा० णाणी चेव अण्णाणी चेव ॥ णाणी णं भंते ! णाणित्ति
 कालओ०! गोयमा ! णाणी दुविहे पण्णत्ते, तं०—साइए वा अपज्जवसिए साइए वा
 सपज्जवसिए, तत्थ णं जे से साइए सपज्जवसिए से जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं
 छावट्ठिसागरोवमाइं साइरेमाइं अण्णाणी जहा सवेयगा ॥ णाणिस्स अंतरं जहण्णेणं
 अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं अणंतं कालं अवइट्ठं पोमगलपरियट्ठं देसूणं । अण्णाणिस्स दोहवि
 आइत्थाणं णत्थि अंतरं, साइयस्स सपज्जवसियस्स जहण्णेणं अंतोमु० उक्कोसेणं छावट्ठिं
 सागरोवमाइं साइरेमाइं । अप्पावहुयं—सव्वत्थोवा णाणी अण्णाणी अणंतगुणा ॥ अहवा
 दुविहा सव्वजीवा पण्णत्ता, तं०—सागरोवउत्ता य अणागरोवउत्ता य, संचिट्ठणा अंतरं
 च जहण्णेणं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं, अप्पावहु० सागरो० सखे० ॥ २४६ ॥
 अहवा दुविहा सव्वजीवा पण्णत्ता, तंजहा—आहारगा चेव अणाहारगा चेव ॥
 आहारए णं भंते ! जाव केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! आहारए दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—
 छउमत्थआहारए य केवलिआहारए य, छउमत्थआहारए णं जाव केवच्चिरं होइ ?
 गोयमा ! जहण्णेणं खुड्डाणं भवग्गहणं दुसमऊणं उक्को० असंखेज्जं कालं जाव कालओ,
 खेत्तओ अंगुलस्स असंखेज्जइभागं । केवलिआहारए णं जाव केवच्चिरं होइ ? गोयमा !
 जह० अंतोमु० उक्को० देसूणा पुव्वकोडी ॥ अणाहारए णं भंते ! कइविहे०! गोयमा !
 अणाहारए दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—छउमत्थअणाहारए य केवलिअणाहारए य,
 छउमत्थअणाहारए णं जाव केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं एकं समयं उक्को-
 सेणं दो समया । केवलिअणाहारए दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—सिद्धकेवलिअणाहारए य
 भवत्थकेवलिअणाहारए य ॥ सिद्धकेवलिअणाहारए णं भंते ! कालओ केवच्चिरं
 होइ ? गो०! साइए अपज्जवसिए ॥ भवत्थकेवलिअणाहारए णं भंते ! कइविहे
 पण्णत्ते ? गो०! भवत्थकेवलि०दुविहे पण्णत्ते, तं०—सजोगिभवत्थकेवलिअणाहारए य

अजोगिभवत्थकेवलिअणाहारए य । सजोगिभवत्थकेवलिअणाहारए णं भंते ! कालओ केवच्चिरं० ? गो० ! अजहणमणुक्कोसेणं तिणिणं समया । अजोगिभवत्थकेवलि० जह० अंतो० उक्को० अंतोमुहुत्तं ॥ छउमत्थआहारगस्स० केवइयं कालं अंतरं० ? गोयमा ! जहण्णेणं एकं समयं उक्को० दो समया । केवलिआहारगस्स अंतरं अजहणमणुक्कोसेणं तिणिणं समया ॥ छउमत्थअणाहारगस्स अंतरं जहण्णेणं खुड्ढागभवग्गहणं दुसमज्जणं उक्को० असंखेजं कालं जाव अंगुलस्स असंखेजभागं । सिद्धकेवलिअणाहारगस्स साइयस्स अपज्जवसियस्स णत्थि अंतरं ॥ सजोगिभवत्थकेवलिअणाहारगस्स जह० अंतो० उक्कोसेणवि, अजोगिभवत्थकेवलिअणाहारगस्स णत्थि अंतरं ॥ एएसि णं भंते ! आहारगणं अणाहारगणा य कयरे २ हितो अप्पा वा बहु० ? गोयमा ! सव्वत्थोवा अणाहारगा आहारगा असंखेज० ॥ २४७ ॥ अहवा दुविहा सव्वजीवा पणत्ता, तंजहा—सभासगा य अभासगा य ॥ सभासए णं भंते ! सभासएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं एकं समयं उक्को० अंतोमुहुत्तं ॥ अभासए णं भंते० ? गोयमा ! अभासए दुविहे पणत्ते, तं०—साइए वा अपज्जवसिए साइए वा सपज्जवसिए, तत्थ णं जे से साइए सपज्जवसिए से जह० अंतो० उक्को० अणंतं कालं अणंताओ उस्सप्पिणीओसप्पिणीओ वणस्सइकालो ॥ भासगस्स णं भंते ! केवइकालं अंतरं होइ ? गोयमा ! जह० अंतो० उक्को० अणंतं कालं वणस्सइकालो । अभासग० साइयस्स अपज्जवसियस्स णत्थि अंतरं, साइयसपज्जवसियस्स जहण्णेणं एकं समयं उक्को० अंतो० । अप्पावहु० सव्वत्थोवा भासगा अभासगा अणंतगुणा ॥ अहवा दुविहा सव्वजीवा प०, तं०—ससरीरी य असरीरी य० असरीरी जहा सिद्धा, सव्वत्थोवा असरीरी ससरीरी अणंतगुणा ॥ २४८ ॥ अहवा दुविहा सव्वजीवा पणत्ता, तंजहा—चरिमा चेव अचरिमा चेव ॥ चरिमे णं भंते ! चरिमेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! चरिमे अणाइए सपज्जवसिए, अचरिमे दुविहे प०, तं०—अणाइए वा अपज्जवसिए साइए वा अपज्जवसिए, दोण्हं पि णत्थि अंतरं, अप्पावहुयं—सव्वत्थोवा अचरिमा चरिमा अणंतगुणा ॥ अहवा दुविहा सव्वजीवा प०, तं०—सागारोवउत्ता य अणागारोवउत्ता य, दोण्हं पि संचिट्ठणावि अंतरं पि जह० अंतो० उ० अंतो०, अप्पावहु० सव्वत्थोवा अणागारोवउत्ता सागायेवउत्ता असंखेजगुणा]सेत्तं दुविहा सव्वजीवा पणत्ता ॥ २४९ ॥ तत्थ णं जे ते एवमाहुंसु तिविहा सव्वजीवा पणत्ता ते एवमाहुंसु, तंजहा—सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मा-मिच्छादिट्ठी ॥ सम्मदिट्ठी णं भंते !० कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! सम्मदिट्ठी

દુવિદ્ધે પળ્લન્તે, તંજહા--સાહ્યે વા અપજ્જવસિણે સાહ્યે વા સપજ્જવસિણે, તત્થ
 જે તે સાહ્યે સપજ્જવસિણે સે જહ૦ અંતો૦ ઉક્કો૦ છાવઢિં સાગરોવમાહં સાહ્યે-
 ગાહં મિચ્છાદિટ્ઠી તિવિદ્ધે અણાહ્યે વા અપજ્જવસિણે અણાહ્યે વા સપજ્જવસિણે સાહ્યે
 વા સપજ્જવસિણે, તત્થ જે તે સાહ્યે સપજ્જવસિણે સે જહ૦ અંતો૦ ઉક્કો૦ અણંતં
 કાલં જાવ અવહુદં પોગ્ગલપરિયદ્દં દેસૂણં સમ્મામિચ્છાદિટ્ઠી જહ૦ અંતો૦ ઉક્કો૦
 અંતોમુહુત્તં ॥ સમ્મદિટ્ઠિસ્સ અંતરં સાહ્યસ્સ અપજ્જવસિયસ્સ ણથિ અંતરં, સાહ-
 યસ્સ સપજ્જવસિયસ્સ જહ૦ અંતો૦ ઉક્કો૦ અણંતં કાલં જાવ અવહુદં પોગ્ગલપરિયદ્દં
 દેસૂણં, મિચ્છાદિટ્ઠિસ્સ અણાહ્યસ્સ અપજ્જવસિયસ્સ ણથિ અંતરં, અણાહ્યસ્સ સપ-
 જ્જવસિયસ્સ ણથિ અંતરં, સાહ્યસ્સ સપજ્જવસિયસ્સ જહ૦ અંતો૦ ઉક્કો૦ છાવઢિં
 સાગરોવમાહં સાહ્યેગાહં, સમ્મામિચ્છાદિટ્ઠિસ્સ જહ૦ અંતો૦ ઉક્કો૦ અણંતં કાલં
 જાવ અવહુદં પોગ્ગલપરિયદ્દં દેસૂણં । અપ્પાવહુ૦ સવ્વથોવા સમ્મામિચ્છાદિટ્ઠી સમ્મ-
 દિટ્ઠી અણંતગુણા મિચ્છાદિટ્ઠી અણંતગુણા ॥ ૨૫૦ ॥ અહવા તિવિદ્ધા સવ્વજીવા
 પળ્લન્તા, તં--પરિત્તા અપરિત્તા ગોપરિત્તાણોઅપરિત્તા । પરિત્તે ણં મંતે !૦ કાલઓ
 કેવચ્ચિરં હોહ ? ગોયમા ! પરિત્તે દુવિદ્ધે પળ્લન્તે, તં--કાયપરિત્તે ય સંસારપરિત્તે ય ।
 કાયપરિત્તે ણં મંતે !૦ ? ગોયમા ! જહ૦ અંતોમુ૦ ઉક્કો૦ અસંખેજં કાલં જાવ અસંખેજા
 લોગા । સંસારપરિત્તે ણં મંતે ! સંસારપરિત્તેત્તિ કાલઓ કેવચ્ચિરં હોહ ? ગો૦ ! જહ૦
 અંતો૦ ઉક્કો૦ અણંતં કાલં જાવ અવહુદં પોગ્ગલપરિયદ્દં દેસૂણં । અપરિત્તે ણં મંતે !૦ ?
 ગો૦ ! અપરિત્તે દુવિદ્ધે પળ્લન્તે, તં--કાયઅપરિત્તે ય સંસારઅપરિત્તે ય કાયઅપરિત્તે ણં
 જહ૦ અંતો૦ ઉક્કો૦ અણંતં કાલં, વળસ્સહકાલો, સંસારાપરિત્તે દુવિદ્ધે પળ્લન્તે, તંજહા--
 અણાહ્યે વા અપજ્જવસિણે અણાહ્યે વા સપજ્જવસિણે, ગોપરિત્તેણોઅપરિત્તે સાહ્યે અપ-
 જ્જવસિણે । કાયપરિત્તસ્સ અંતરં જહ૦ અંતો૦ ઉક્કો૦ વળસ્સહકાલો, સંસારપરિત્તસ્સ
 ણથિ અંતરં, કાયાપરિત્તસ્સ જહ૦ અંતો૦ ઉક્કો૦ અસંખેજં કાલં પુદવિકાલો ।
 સંસારાપરિત્તસ્સ અણાહ્યસ્સ અપજ્જવસિયસ્સ ણથિ અંતરં, અણાહ્યસ્સ સપજ્જવ-
 સિયસ્સ ણથિ અંતરં, ગોપરિત્તણોઅપરિત્તસ્સવિ ણથિ અંતરં । અપ્પાવહુ૦ સવ્વ-
 થોવા પરિત્તા ગોપરિત્તાણોઅપરિત્તા અણંતગુણા અપરિત્તા અણંતગુણા ॥ ૨૫૧ ॥
 અહવા તિવિદ્ધા સવ્વજીવા પ૦, તં--પજ્જત્તગા અપજ્જત્તગા ગોપજ્જત્તગાણોઅપજ્જત્તગા,
 પજ્જત્તગે ણં મંતે !૦ ? ગોયમા ! જહ૦ અંતો૦ ઉક્કો૦ સાગરોવમસયપુહુત્તં સાહ્યેગં ।
 અપજ્જત્તગે ણં મંતે !૦ ? ગોયમા ! જહ૦ અંતો૦ ઉક્કો૦ અંતો૦, ગોપજ્જત્તગોઅપજ્જત્તગ

साइए अपज्जवसिए । पज्जत्तगस्स अंतरं जहं अंतो उक्को अंतो, अपज्जत्तगस्स जहं अंतो उक्को सागरोवमसयपुट्टं साइरेगं, तइयस्स णत्थि अंतरं । अप्पाबहुं सव्वत्थोवा णोपज्जत्तगोअपज्जत्तगा अपज्जत्तगा अणंतगुणा पज्जत्तगा संखेज्जगुणा ॥ २५२ ॥ अहवा तिविहा सव्वजीवा पं, तं—सुहुमा वायरा णोसुहुमणोवायरा, सुहुमे णं भंते ! सुहुमेत्ति कालओ केवच्चिरं ? गो ! जहण्णेण अंतोसुहुत्तं उक्कोसेण असंखेज्जं कालं पुट्टविकालो, वायरा जहं अंतो उक्को असंखेज्जं कालं असंखेजाओ उस्सण्णिणीओसण्णिणीओ कालओ, खेत्तओ अंगुलस्स असंखेज्जभागो, णोसुहुमणोवायरे साइए अपज्जवसिए, सुहुमस्स अंतरं वायरकालो, वायरस्स अंतरं सुहुमकालो, तइयस्स णोसुहुमणोवायरस्स अंतरं णत्थि । अप्पाबहुं सव्वत्थोवा णोसुहुमणोवायरा वायरा अणंतगुणा सुहुमा असंखेज्जगुणा ॥ २५३ ॥ अहवा तिविहा सव्वजीवा पणत्ता, तंजहा—सण्णी असण्णी णोसण्णीणोअसण्णी, सण्णी णं भंते ! कालओ ? गो ! जहं अंतो उक्को सागरोवमसयपुट्टं साइरेगं, असण्णी जहं अंतो उक्को वणस्सइकालो, णोसण्णीणोअसण्णी साइए अपज्जवसिए । सण्णिस्स अंतरं जहं अंतो उक्को वणस्सइकालो, असण्णिस्स अंतरं जहं अंतो उक्को सागरोवमसयपुट्टं साइरेगं, तइयस्स णत्थि अंतरं । अप्पाबहुं सव्वत्थोवा सण्णी णोसण्णीणोअसण्णी अणंतगुणा असण्णी अणंतगुणा ॥ २५४ ॥ अहवा तिविहा सव्वजीवा पणत्ता, तंजहा—भवसिद्धिया अभवसिद्धिया णोभवसिद्धियाणोअभवसिद्धिया, अणाइया सपज्जवसिया भवसिद्धिया, अणाइया अपज्जवसिया अभवसिद्धिया, साइया अपज्जवसिया णोभवसिद्धियाणोअभवसिद्धिया । तिण्हं पि णत्थि अंतरं । अप्पाबहुं सव्वत्थोवा अभवसिद्धिया णोभवसिद्धियाणोअभवसिद्धिया अणंतगुणा भवसिद्धिया अणंतगुणा ॥ २५५ ॥ अहवा तिविहा सव्वं पं, तंजहा—तसा थावरा णोतसाणोथावरा, तसस्स णं भंते कालओ ! गोयमा ! जहं अंतो उक्को दो सागरोवमसहस्साइं साइरेगाइं, थावरस्स संविट्ठणा वणस्सइकालो, णोतसाणोथावरा साइया अपज्जवसिया । तसस्स अंतरं वणस्सइकालो, थावरस्स अंतरं दो सागरोवमसहस्साइं साइरेगाइं, णोतसाणोथावरस्स णत्थि अंतरं । अप्पाबहुं सव्वत्थोवा तसा णोतसाणोथावरा अणंतगुणा थावरा अणंतगुणा । से तं तिविहा सव्वजीवा पणत्ता ॥ २५६ ॥ तत्थ णं जे ते एवमाहंसु—चउव्विहा सव्वजीवा पणत्ता ते एवमाहंसु, तं—मणजोगी वइजोगी कायजोगी

अजोगी । मणजोगी णं भंते !०! गोयमा ! जह० एकं समयं उक्को० अंतो०, एवं
वहजोगीवि, कायजोगी जह० अंतो० उक्को० वणस्सइकालो, अजोगी साइए अपज-
वसिए । मणजोगिस्स अंतरं जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्को० वणस्सइकालो, एवं वह-
जोगिस्सवि, कायजोगिस्स जह० एकं समयं उक्को० अंतो०, अजोगिस्स णत्थि
अंतरं । अप्पावहु० सव्वत्थोवा मणजोगी वहजोगी असंखेज्जगुणा अजोगी अणंत-
गुणा कायजोगी अणंतगुणा ॥२५७॥ अहवा चउव्विहा सव्वजीवा पण्णत्ता तंजहा-
इत्थिवेयगा पुरिसवेयगा णपुंसगवेयगा अवेयगा, इत्थिवेयए णं भंते ! इत्थिवेय-
एत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ! गोयमा ! (एणेण आएसेण०) पलियसयं दसुत्तरं
अट्ठास्स चोदस्स पलियपुहुत्तं, समओ जहण्णे, पुरिसवेयस्स जह० अंतो० उक्को०
सागरोवमसयपुहुत्तं साइरेणं, णपुंसगवेयस्स जह० एकं समयं उक्को० अणंतं कालं
वणस्सइकालो । अवेयए दुविहे प०, तं०-साइए वा अपज्जवसिए साइए वा
सपज्जवसिए से जह० एकं स० उक्को० अंतोमु० । इत्थिवेयस्स अंतरं जह०
अंतो० उक्को० वणस्सइकालो, पुरिसवेयस्स० जह० एणं समयं उक्को० वणस्सइ-
कालो, णपुंसगवेयस्स जह० अंतो० उक्को० सागरोवमसयपुहुत्तं साइरेणं, अवेयगो
जहा हेट्ठा । अप्पावहु० सव्वत्थोवा पुरिसवेयगा इत्थिवेयगा संखेज्जगुणा अवेयगा
अणंतगुणा णपुंसगवेयगा अणंतगुणा ॥२५८॥ अहवा चउव्विहा सव्वजीवा पण्णत्ता,
तंजहा-चक्खुदंसणी अचक्खुदंसणी ओहिदंसणी केवलदंसणी ॥ चक्खुदंसणी णं
भंते !०! गोयमा ! जह० अंतो० उक्को० सागरोवमसहस्सं साइरेणं, अचक्खु-
दंसणी दुविहे पण्णत्ते, तंजहा-अणाइए वा अपज्जवसिए अणाइए वा सपज्ज-
वसिए । ओहिदंसणिस्स जह० एकं समयं उक्को० दो छावट्ठी सागरोवमाणं साइरे-
गाओ, केवलदंसणी साइए अपज्जवसिए ॥ चक्खुदंसणिस्स अंतरं जह० अंतोमु०
उक्को० वणस्सइकालो । अचक्खुदंसणिस्स दुविहस्स णत्थि अंतरं । ओहिदंसणिस्स
जह० अंतोमु० उक्कोसेणं वणस्सइकालो । केवलदंसणिस्स णत्थि अंतरं । अप्पावहुयं-
सव्वत्थोवा ओहिदंसणी चक्खुदंसणी असंखेज्जगुणा केवलदंसणी अणंतगुणा
अचक्खुदंसणी अणंतगुणा ॥२५९॥ अहवा चउव्विहा सव्वजीवा पण्णत्ता, तंजहा-
संजया असंजया संजयासंजया णोसंजयाणोअसंजयाणोसंजयासंजया । संजए णं
भंते !०! गोयमा ! जह० एकं समयं उक्को० देसूणा पुव्वकोडी, असंजया जहा
अण्णाणी संजयासंजए जह० अंतोमु० उक्को० देसूणा पुव्वकोडी, णोसंजयाणोअसंजय-

णोसंजयासंजए साइए अपज्जवसिए, संजयस्स संजयासंजयस्स दोण्हवि अंतरं जहं
अंतोमु० उक्को० अवड्ढं पोयलपरियट्ठं देसूणं, असंजयस्स आइदुवे णत्थि अंतरं,
साइयस्स सपज्जवसियस्स जहं एकं स० उक्को० देसूणा पुव्वकोडी, चउत्थगम्म
णत्थि अंतरं ॥ अप्पावहु० सव्वथोवा संजया संजयासंजया असंखेज्जगुणा णोसंजय-
णोअसंजयणोसंजयासंजया अणंतगुणा असंजया अणंतगुणा ॥ सेत्तं चउत्विहा सव्व-
जीवा पण्णत्ता ॥ २६० ॥ **तच्छा सव्वजीवच० पडिवत्तो समत्ता ॥**

तत्थ णं जे ते एवमाहंसु-पंचविहा सव्वजीवा पण्णत्ता ते एवमाहंसु, तंजहा-
कोहकसाई माणकसाई मायाकसाई लोहकसाई अकसाई ॥ कोहकसाईमाणकसाई-
मायाकसाई णं जहं अंतो० उक्को० अंतोमु०, लोहकसाइस्स जहं एकं स० उक्को०
अंतो०, अकसाई दुविहे जहा हेडा ॥ कोहकसाईमाणकसाईमायाकसाई अंतरं
जहं एकं स० उक्को० अंतो०, लोहकसाइस्स अंतरं जहं अंतो० उक्को० अंतो०,
अकसाई तहा जहा हेडा ॥ अप्पावहुयं-अकसाइणो सव्वथोवा माणकसाई तहा
अणंतगुणा । कोहे मायालोहे विससमहिया मूण्यव्वा ॥ १ ॥ २६१ ॥ अहवा
पंचविहा सव्वजीवा पण्णत्ता, तंजहा-णेरइया तिरिक्खजोणिया मणुस्सा देवा सिद्धा ।
सचिट्ठणंतराणि जह हेडा भाणियाणि । अप्पावहु० सव्वथोवा मणुस्सा णेरइया
असंखेज्जगुणा देवा असंखेज्जगुणा सिद्धा अणंतगुणा तिरिया अणंतगुणा । सेत्तं पंच-
विहा सव्वजीवा पण्णत्ता ॥ २६२ ॥ **चउत्था स० प० समत्ता ॥**

तत्थ णं जे ते एवमाहंसु-छव्विहा सव्वजीवा पण्णत्ता ते एवमाहंसु, तंजहा-
आमिणिबोहियणाणी सुयणाणी ओहिणाणी मणपज्जवणाणी केवलणाणी अण्णाणी,
आमिणिबोहियणाणी णं भंते ! आमिणिबोहियणाणित्ति कालो केवच्चिरं होइ ?
गोयमा ! जहं अंतोमुहुत्तं उक्को० छावट्ठिं सागरोवमाइं साइरेगाइं, एवं सुयणाणीवि,
ओहिणाणी णं भंते ! ० ? गोयमा ! जहं एकं समयं उक्को० छावट्ठिं सागरोवमाइं
साइरेगाइं, मणपज्जवणाणी णं भंते ! ० ? गो० ! जहं एकं समयं उक्को० देसूणा पुव्व-
कोडी, केवलणाणी णं भंते ! ० ? गो० ! साइए अपज्जवसिए, अण्णाणिणो ति विहा य०,
तं०-अणाइए वा अपज्जवसिए अणाइए वा सपज्जवसिए साइए वा सपज्जवसिए,
तत्थ० साइए सपज्जवसिए से जहं अंतो० उक्को० अणंतं कालं अबड्ढं पुयलपरियट्ठं
देसूणं । अंतरं आमिणिबोहियणाणिस्स जहं अंतो० उक्को० अणंतं कालं अवड्ढं पुग-

लतरियट्टं देसूणं, एवं सुय० अंतरं० मणपज्जव०, केवलणाणिणो णत्थि अंतरं,
अण्णाणि० साइयसपज्जवसियस्स जह० अंतो० उक्को० छावट्ठिं सागरोवमाइं साइरेगाइं ।
अप्पा० सव्वत्थोवा मण० ओहि० असंखे० आभि० सुय० विसेसा० सट्ठाणे दोवि तुह्हा
केवल० अणंत० अण्णाणो अणंतगुणा ॥ अहवा छव्विहा सव्वजीवा पण्णत्ता, तंजहा—
एगिंदिया बैदिया तेंदिया चउरिंदिया पंचेंदिया अणिंदिया । संचिद्धणंतरा जहा
हेट्ठा । अप्पावहुयं—सव्वत्थोवा पंचेंदिया चउरिंदिया विसेसा० तेइंदिया विसेसा०
बैदिया विसेसा० अणिंदिया अणंतगुणा एगिंदिया अणंतगुणा ॥ २६३ ॥ अहवा
छव्विहा सव्वजीवा पण्णत्ता, तंजहा—ओरालियसरीरां वेउव्वियसरीरां आहारगसरीरां
तेयगसरीरां कम्मगसरीरां असरीरां ॥ ओरालियसरीरां णं भंते ! कालओ केवच्चिरं
होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं खुड्डाणं भवग्गहणं दुसमऊणं, उक्कोसेणं असंखेजे काले
जाव अंगुलस्स असंखेज्जभागं, वेउव्वियसरीरां जह० एकं समयं उक्कोसेणं तेत्तीसं
सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमम्महियाइं, आहारगसरीरां जह० अंतो० उक्को० अंतो०,
तेयगसरीरां दुविहे प०, तं०—अणाइए वा अपज्जवसिए अणाइए वा सपज्जवसिए, एवं
कम्मगसरीरां वि, असरीरां साइए अपज्जवसिए ॥ अंतरं ओरालियसरीरांस्स जह०
एकं समयं उक्को० तेत्तीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमम्महियाइं, वेउव्वियसरीरांस्स
जह० अंतो० उक्को० अणंतं कालं वणस्सइकालो, आहारगसरीरांस्स जह० अंतो०
उक्को० अणंतं कालं जाव अवट्ठं पोग्गळपरियट्टं देसूणं, तेय० कम्मगसरीरांस्स य
दुण्हवि णत्थि अंतरं ॥ अप्पावहु० सव्वत्थोवा आहारगसरीरां वेउव्वियसरीरां
असंखेज्जगुणा ओरालियसरीरां असंखेज्जगुणा असरीरां अणंतगुणा तेयाकम्मगसरीरां
दोवि तुह्हा अणंतगुणा ॥ सेत्तं छव्विहा सव्वजीवा पण्णत्ता ॥ २६४ ॥ ० ॥
तत्थ णं जे ते एवमाइंसु—सत्तविहा सव्वजीवा प० ते एवमाइंसु, तंजहा—पुट्टवि-
काइया आउकाइया तेउकाइया वाउकाइया वणस्सइकाइया तसकाइया अकाइया ।
संचिद्धणंतरा जहा हेट्ठा । अप्पावहु० सव्वत्थोवा तसकाइया तेउकाइया असंखेज्ज-
गुणा पुट्टविकाइया विसे० आउ० विसे० वाउ० विसेसा० सिद्धा अणंतगुणा वण-
स्सइकाइया अणंतगुणा ॥ २६५ ॥ अहवा सत्तविहा सव्वजीवा पण्णत्ता, तंजहा—
कण्हलेस्सा णीललेस्सा काउलेस्सा तेउलेस्सा पण्हलेस्सा सुक्कलेस्सा अलेस्सा ॥ कण्ह-
लेसे णं भंते ! कण्हलेसेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! ज० अंतो० उक्को०
तेत्तीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमम्महियाइं, णीललेस्से णं० जह० अंतो० उक्को० दस

सागरोवमाइं पलिओवमस्स असंखेज्झभागमब्भहियाइं, काउलेस्से णं भंते !०? गो० ! जह० अंतो० उक्को० तिण्णि सागरोवमाइं पलिओवमस्स असंखेज्झभागमब्भहियाइं, तेउलेस्से णं भंते !०? गोयमा ! जह० अं० उक्को० दोण्णि सागरोवमाइं पलिओवमस्स असंखेज्झभागमब्भहियाइं, पम्हलेसे णं भंते !०? गोयमा ! जह० अंतो० उक्को० दस सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, सुक्कलेसे णं भंते !०? गो० ! जहण्णेणं अंतो० उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, अलेस्से णं भंते !० साइए अपज्जवसिए ॥ कण्हलेस्स णं भंते ! अंतरं कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जह० अंतो० उक्को० तेत्तीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तम०, एवं णील्लेस्सवि, काउलेस्सवि, तेउलेस्स णं भंते ! अंतरं का० ? गोयमा ! जह० अंतो० उक्को० वणस्सइकालो, एवं पम्हलेस्सवि सुक्कलेस्सवि दोण्हवि, एवमंतरं, अलेस्स णं भंते ! अंतरं कालओ ? गोयमा ! साइयस्स अपज्जवसियस्स णत्थि अंतरं ॥ एसि णं भंते ! जीवाणं कण्हलेसाणं णील्लेसाणं काउले० तेउ० पम्ह० सुक्क० अलेसाणं य कयरे २००? गोयमा ! मव्वत्थोवा सुक्कलेस्सा पम्हलेस्सा संखेज्जगुणा तेउलेस्सा संखेज्जगुणा अलेस्सा अणंतगुणा काउलेस्सा अणंतगुणा णील्लेस्सा विसेसाहिया कण्हलेस्सा विसेसाहिया । सेत्तं सत्तविहा मव्वजीवा पण्णत्ता ॥ २६६ ॥ ० ॥ तत्थ णं जे ते एवमाहंसु—अट्ठविहा मव्वजीवा पण्णत्ता ते एवमाहंसु, तंजहा—आभिणिबोहियणाणी सुय० ओहि० मण० केवल० मइअण्णाणी सुयअण्णाणी विभंगणाणी ॥ आभिणिबोहियणाणी णं भंते ! आभिणिबोहियणाणित्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जह० अंतो० उक्को० छावट्ठिसागरोवमाइं साइरेगाइं, एवं सुयणाणीवि । ओहिणाणी णं भंते !०? गोयमा ! जह० एकं समयं उक्को० छावट्ठिसागरोवमाइं साइरेगाइं, मणपज्जवणाणी णं भंते !०? गोयमा ! जह० एकं स० उक्को० देसूणा पुव्वकोडी, केवलणाणी णं भंते !०? गोयमा ! साइए अपज्जवसिए, मइअण्णाणी णं भंते !०? गोयमा ! मइअण्णाणी तिविहे पण्णत्ते, तं०—अणाइए वा अपज्जवसिए अणाइए वा सपज्जवसिए साइए वा सपज्जवसिए, तत्थ णं जे से साइए सपज्जवसिए से जह० अंतो० उक्को० अणंतं कालं जाव अवड्डं पोगलपरियट्ठं देसूणं, सुयअण्णाणी एवं चेव, विभंगणाणी णं भंते ! विभंग०? गोयमा ! जह० एकं समयं उ० तेत्तीसं सागरोवमाइं देसूणाए पुव्वकोडीए अब्भहियाइं ॥ आभिणिबोहियणाणिस्स णं भंते ! अंतरं कालओ ? गोयमा ! जह० अंतो० उक्को० अणंतं कालं जाव अवड्डं

पोगलपरियट्टं देसूणं, एवं सुयणाणिस्सवि, ओहिणाणिस्सवि, मणपज्जवणाणिस्सवि,
 केवलणाणिस्स णं भंते ! अंतरं० ? गोयमा ! साइयस्स अपज्जवसियस्स णत्थि
 अंतरं० । मइअण्णाणिस्स णं भंते ! अंतरं० ? गोयमा ! अणाइयस्स अपज्जवसियस्स
 णत्थि अंतरं, अणाइयस्स सपज्जवसियस्स णत्थि अंतरं, साइयस्स सपज्जवसियस्स
 जह० अंतो० उक्को० छावट्ठिं सागरोवमाइं साहरेगाइं, एवं सुयअण्णाणिस्सवि,
 विभंगणाणिस्स णं भंते ! अंतरं० ? गोयमा ! जह० अंतो० उक्को० वणस्सइकालो ॥
 एसि णं भंते ! आभिणिबोहियणाणीणं सुयणाणीणं ओहि० मण० केवल० मइ-
 अण्णाणीणं सुयअण्णाणीणं विभंगणाणीणं य कयरे० ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा
 मणपज्जवणाणी, ओहिणाणी असंखेज्जगुणा, आभिणिबोहियणाणी सुयणाणी एए
 दोवि तुल्ला विसेसाहिया, विभंगणाणी असंखेज्जगुणा, केवलणाणी अणंतगुणा, मइ-
 अण्णाणी सुयअण्णाणी य दोवि तुल्ला अणंतगुणा ॥२६७॥ अहवा अट्ठविहा सव्व-
 जीवा पण्णत्ता, तंजहा-णेरइया तिरिक्खजोणिया तिरिक्खजोणिणीओ मणुस्सा
 मणुस्सीओ देवा देवीओ सिद्धा ॥ णेरइए णं भंते ! णेरइएत्ति कालओ केवच्चिरं
 होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं दस वाससहस्साइं उ० तेत्तीसं सागरोवमाइं, तिरिक्ख-
 जोणिए णं भंते !० ? गोयमा ! जह० अंतोमु० उक्को० वणस्सइकालो, तिरिक्ख-
 जोणिणी णं भंते !० ? गोयमा ! जह० अंतो० उक्को० तिण्णि पलिओवमाइं पुव्व-
 कोडिपुहुत्तमम्भहियाइं, एवं मणूसे मणूसी, देवे जहा णेरइए, देवी णं भंते !० ?
 गो० ! जह० दस वाससहस्साइं उ० पणपणं पलिओवमाइं, सिद्धे णं भंते !
 सिद्धेत्ति० ! गोयमा ! साइए अपज्जवसिए । णेरइयस्स णं भंते ! अंतरं कालओ
 केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जह० अंतो० उक्को० वणस्सइकालो, तिरिक्खजोणियस्स
 णं भंते ! अंतरं कालओ० ? गोयमा ! जह० अंतो० उक्को० सागरोवमसयपुहुत्तं
 साहरेणं, तिरिक्खजोणिणी णं भंते ! अंतरं कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा !
 जह० अंतोमुहुत्तं उक्को० वणस्सइकालो, एवं मणुस्सस्सवि मणुस्सीएवि, देवस्सवि
 देवीएवि, सिद्धस्स णं भंते ! अंतरं० साइयस्स अपज्जवसियस्स णत्थि अंतरं ॥ एसि
 णं भंते ! णेरइयाणं तिरिक्खजोणियाणं तिरिक्खजोणिणीणं मणूसाणं मणूसीणं देवाणं
 देवीणं सिद्धाणं य कयरे० ? गोयमा ! सव्वत्थोवा मणुस्सीओ मणुस्सा असंखेज्जगुणा
 णेरइया असंखेज्जगुणा तिरिक्खजोणिणीओ असंखेज्जगुणाओ देवा असंखेज्जगुणा
 देवीओ संखेज्जगुणाओ सिद्धा अणंतगुणा तिरिक्खजोणिया अणंतगुणा । सेत्तं अट्ठविहा

सव्वजीवा पणत्ता ॥२६८॥०॥ तत्थ णं जे ते एवमाहंसु—णवविहा सव्वज्जीवा ५०
 ते एवमाहंसु, तंजहा—एगिंदिया वैदिया तैदिया चउरिंदिया णेरइया पंचैदियतिरि-
 क्खजोणिया मणूसा देवा सिद्धा ॥ एगिंदिए णं भंते ! एगिंदिएत्ति कालओ केवच्चिरं
 होइ ? गोयमा ! जह० अंतोमु० उक्को० वणस्स० वैदिए णं भंते !०? गोयमा !
 जह० अंतो० उक्को० संखेज्जं कालं, एवं तेइंदिएवि, चउ०, णेरइया णं भंते !०?
 गो०! जह० दस वाससहस्साइ उक्को० तेत्तीसं सागरोवमाइं, पंचैदियतिरिक्ख-
 जोणिए णं भंते !०? गोयमा ! जह० अंतो० उक्को० तिण्णि पलिओवमाइं पुव्वंकोडि-
 पुहुत्तमम्भहियाइं, एवं मणूसेवि, देवा जहा णेरइया, सिद्धे णं भंते !०? गो०! साइए
 अपज्जवसिए ॥ एगिंदियस्स णं भंते ! अंतरं कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा !
 जह० अंतो० उक्को० दो सागरोवमसहस्साइं संखेज्जवासमम्भहियाइं, वैदियस्स णं
 भंते ! अंतरं कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जह० अंतो० उक्को० वणस्सइकालो,
 एवं तैदियस्सवि चउरिंदियस्सवि णेरइयस्सवि पंचैदियतिरिक्खजोणियस्सवि मणू-
 सवि देवस्सवि सव्वेसिमेवं अंतरं भाणियव्वं, सिद्धस्स णं भंते ! अंतरं कालओ०?
 गो०! साइयस्स अपज्जवसियस्स णत्थि अंतरं ॥ एएसि णं भंते ! एगिंदियाणं बेइदि०
 तेइदि० चउरिंदियाणं णेरइयाणं पंचैदियतिरिक्खजोणियाणं मणूसाणं देवाणं सिद्धा
 य कयरे २०००? गोयमा । सव्वत्थोवा मणुस्सा णेरइया असंखेज्जगुणा देवा असंखेज्ज-
 गुणा पंचैदियतिरिक्खजोणिया असंखेज्जगुणा चउरिंदिया विसेसाहिया तेइंदिया
 विसेसाहिया बेइंदिया विसे० सिद्धा अणंतगुणा एगिंदिया अणंतगुणा ॥२६९॥
 अहवा णवविहा सव्वजीवा पणत्ता, तंजहा—पढमसमयणेरइया अपढमसमयणेर-
 इया पढमसमयतिरिक्खजोणिया अपढमसमयतिरिक्खजोणिया पढमसमयमणूसा
 अपढमसमयणूसा पढमसमयदेवा अपढमसमयदेवा सिद्धा य ॥ पढमसमयणेरइया-
 णं भंते !०? गोयमा ! एकं समयं, अपढमसमयणेरइयस्स णं भंते !०? गो० !
 जहण्णेणं दस वाससहस्साइं समऊणाइं उक्को० तेत्तीसं सागरोवमाइं समऊणाइं, पढम-
 समयतिरिक्खजोणियस्स णं भंते !०? गो०! एकं समयं, अपढमसमयतिरिक्खजोणि-
 यस्स णं भंते !० ? गो० ! जह० खुड्ढाणं भवग्गहणं समऊणं उक्को० वणस्सइकालो,
 पढमसमयमणूसे णं भंते !०? गो०! एकं समयं, अपढमसमयमणुस्से णं भंते !०? गो०!
 जह० खुड्ढाणं भवग्गहणं समऊणं उक्को० तिण्णि पलिओवमाइं पुव्वंकोडिपुहुत्तमम्भहि-
 याइं, देवे जहा णेरइए, सिद्धे णं भंते ! सिद्धेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा !

साइए अपजवसिए ॥ पढमसमयणेरइयस्स णं भंते ! अंतरं कालओ० ? गोयमा ! जह०
दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमभहियाइं उक्कोसेणं वणस्सइकालो, अपढमसमयणेरइ-
यस्स णं भंते ! अंतरं० ? गोयमा ! जह० अंतो० उक्को० वणस्सइकालो, पढमसमय-
तिरिक्खजोणियस्स णं भंते ! अंतरं कालओ० ? गोयमा । जह० दो खुड्डागाइं भवग्ग-
हणाइं समज्झाइं उक्को० वण०, अपढमसमयतिरिक्खजोणियस्स णं भंते ! अंतरं
कालओ० ? गो० ! जह० खुड्डागं भवग्गहणं समयाहियं उ० सागरोदमसयपुहुत्तं
माइरेगं, पढमसमयमणूसस्स जहा पढमसमयतिरिक्खजोणियस्स, अपढमसमयमणू-
स्स णं भंते ! अंतरं कालओ० ? गो० ! ज० खुड्डागं भवग्गहणं समयाहियं उ०
वण०, पढमसमयदेवस्स जहा पढमसमयणेरइयस्स अपढमसमयदेवस्स जहा अपढम-
समयणेरइयस्स, सिद्धस्स णं भंते !० ? गो० ! साइयस्स अपजवसियस्स णत्थि अंतरं ॥
एएसि णं भंते ! पढमसमयणेरइयाणं पढमसमयतिरिक्खजोणियाणं पढमसमयमणू-
साणं पढमसमयदेवाणं य कयरे० ? गोयमा ! सव्वथोवा पढमसमयमणूसा पढम-
समयणेरइया असंखेजगुणा पढमसमयदेवा असं० पढमसमयतिरिक्खजो० असं० ।
एएसि णं भंते ! अपढमसमयणेरइयाणं अपढमसमयतिरिक्खजोणि० अपढमसमय-
मणूसाणं अपढमसमयदेवाणं य कयरे० ? गोयमा ! सव्वथोवा अपढमसमयमणूसा
अपढमसमयणेरइया असं० अपढमसमयदेवा असं० अपढमसमयतिरि० अणंतगुणा ।
एएसि णं भंते ! पढमस०णेरइयाणं अपढमसमयणेरइयाणं य कयरे २... ? गोयमा !
सव्वथोवा पढमसमयणेरइया अपढमसमयणेरइया असंखेजगुणा, एएसि णं भंते !
पढमसमयतिरिक्खजो० अपढमसमयतिरिक्खजोणि० कयरे० ? गोयमा ! सव्व०
पढमसमयतिरि० अपढमसमयतिरिक्खजोणिया अणंत०, मणुयदेवअप्पावहुयं जहा
णेरइयाणं । एएसि णं भंते ! पढमसमयणेरइ० पढमस०तिरिक्खजो० पढमस०मणूसाणं
पढमसमयदेवाणं अपढमसमयणेरइ० अपढमसमयतिरिक्खजोणि० अपढमसमयम-
णूसाणं अपढमसमयदेवाणं सिद्धाणं य कयरे० ? गोयमा ! सव्व० पढमस० मणूसा
अपढमसय० मणु० असं० पढमसमयणेरइया असं० पढमसमयदेवा असंखे० पढमस-
मयतिरिक्खजो० असं० अपढमसमयणेर० असं० अपढमस० देवा असंखे० सिद्धा
अणं० अपढमस०तिरि० अणंतगुणा । सेत्तं णयविहा सव्वजीवा णणत्ता ॥२७०॥०॥
तत्थ णं जे ते एवमाहंसु-दसविहा सव्वजीवा णणत्ता ते एवमाहंसु, तंजहा-पुढवि-
काइया आउकाइया ते उकाइया वाउकाइया वणस्सइकाइया बेहंदिया तेहंदिया चउरिं०

पंचे० अणिदिया ॥ पुढविकाइए णं भंते ! पुढविकाइएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जह० अंतो० उक्को० असंखेजं कालं असंखेजाओ उस्सप्पिणीओसप्पिणीओ कालओ, खेतओ असंखेजा लोया, एवं आउतेउवाउकाइए, वणस्सइकाइए णं भंते !०? गोयमा ! जह० अंतो० उक्को० वणस्सइकालो, बेंदिए णं भंते !०? गो० ! जह० अंतो० उक्को० संखेजं कालं, एवं तेइंदिएवि चउरिंदिएवि, पंचिंदिए णं भंते !०? गोयमा ! जह० अंतो० उक्को० सागरोवमसहस्सं साइरेणं, अणिंदिए णं भंते !०? गो० ! साइए अपजवसिए ॥ पुढविकाइयस्स णं भंते ! अंतरं कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जह० अंतो० उक्को० वणस्सइकालो, एवं आउकाइयस्स तेउ० वाउ०, वणस्सइकाइयस्स णं भंते ! अंतरं कालओ०? जा चेव पुढविकाइयस्स संविट्ठणा, वियतिय-चउरिंदियपंचेंदियाणं एसिं चउण्हंमि अंतरं जह० अंतो० उक्को० वणस्सइकालो, अणिंदियस्स णं भंते ! अंतरं कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! साइयस्स अपजव-मियस्स णरिय अंतरं ॥ एसिं णं भंते ! पुढविकाइयाणं आउ० तेउ० वाउ० वण० बेंदियाणं तेइंदियाणं चउरिं० पंचेंदियाणं अणिंदियाणं य कयरे २०००? गोयमा ! सव्वथोवा पंचेंदिया चउरिंदिया विसेसाहिया तेइंदिया विसे० बेंदिया विसे० तेउ० काइया असंखेजगुणा पुढविकाइया वि० आउ० वि० वाउ० वि० अणिंदिया अणंत-गुणा वणस्सइकाइया अणंतगुणा ॥ २७१ ॥ अहवा दसविहा सव्वजीवा पणत्ता, तंजहा—पढमसमयणेरइया अपढमसमयणेरइया पढमसमयतिरिक्खजोणिया अपढम-समयतिरिक्खजोणिया पढमसमयमणूसा अपढमसमयमणूसा पढमसमयदेवा अपढम-समयदेवा पढमसमयसिद्धा अपढमसमयसिद्धा ॥ पढमसमयणेरइए णं भंते ! पढम-समयणेरइएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! एकं समयं, अपढमसमयणेरइए णं भंते !०? गोयमा ! जहण्णेणं दस वाससहस्साइं समऊणाइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरो-वमाइं समऊणाइं, पढमसमयतिरिक्खजोणिए णं भंते !०? गोयमा ! एकं समयं, अप-ढमसमयतिरिक्ख० जह० खुड्डाणं भवगाहणं समऊणं उक्को० वणस्सइकालो, पढमस-मयमणूसे णं भंते !०? गोयमा ! एकं समयं, अपढमस०मणूसे णं भंते !०? गोयमा ! जह० खुड्डाणं भवगाहणं समऊणं उक्को० तिणिं पलिओवमाइं पुव्वकोडिपुहुत्तमग्ग-हियाइं, देवे जहा णेरइए, पढमसमयसिद्धे णं भंते !०? गोयमा ! एकं समयं, अप-ढमसमयसिद्धे णं भंते !०? गोयमा ! साइए अपजवसिए । पढमसमयणेर० भंते ! अंतरं कालओ० ? गोयमा ! ज० दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमग्गहियाइं उक्को०

वण०, अपदमसमयणेर० अंतरं कालओ केव० ? गोयमा ! जह० अंतो० उ० वण०,
 पदमसमयतिरिक्खजोणियस्स० अंतरं० केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जह० दो खुड्ढाग-
 भवग्गहाइं समऊणाइं उक्को० वण०, अपदमसमयतिरिक्खजोणियस्स णं भंते !० ?
 गोयमा ! जह० खुड्ढागभवग्गहाणं समयाहियं उक्को० सागरोवमसयपुहुत्तं साइरेणं,
 पदमसमयमणूसस्स णं भंते ! अंतरं कालओ० ? गो० ! जह० दो खुड्ढागभवग्गहाणं
 समऊणाइं उक्को० वण०, अपदमसमयमणूसस्स णं भंते ! अंतरं० ? गो० ! जह०
 खुड्ढागं भव० समयाहियं उक्को० वणस्सइ०, देवस्स अंतरं जहा णेरइयस्स, पदम-
 समयसिद्धस्स णं भंते ! अंतरं० ? गो० ! णत्थि, अपदमसमयसिद्धस्स णं भंते ! अंतरं
 कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! साइयस्स अपज्जवसियस्स णत्थि अंतरं ॥ एएसि
 णं भंते ! पदमस० णेर० पदमस० तिरिक्खजोणियाणं पदमसमयमणूसाणं पदमसमय-
 देवाणं पदमसमयसिद्धाणं य कयरे २''' ? गोयमा ! सव्वत्थोवा पदमसमयसिद्धा
 पदमसमयमणूसा असंखे० पदमस० णेरइया असंखेज्जगुणा पदमस० देवा असं० पद-
 मस० तिरि० असं० । एएसि णं भंते ! अपदमसमयणेरइयाणं जाव अपदमसमयसि-
 द्धाणं य कयरे० ? गोयमा ! सव्वत्थोवा अपदमस० मणूसा अपदमस० णेरइया
 असंखे० अपदमस० देवा असंखे० अपदमस० सिद्धा अणंतगुणा अपदमस० तिरि-
 क्खजो० अणंतगुणा । एएसि णं भंते ! पदमस० णेरइयाणं अपदमस० णेरइयाण
 य कयरे २''' ? गोयमा ! सव्वत्थोवा पदमस० णेरइया अपदमस० णेरइया असंखे०,
 एएसि णं भंते ! पदमस० तिरिक्खजोणियाणं अपदमस० तिरिक्खजोणियाणं य
 कयरे २''' ? गोयमा ! सव्वत्थोवा पदमसमयतिरिक्खजो० अपदमस० तिरिक्ख-
 जोणिया अणंतगुणा, एएसि णं भंते ! पदमस० मणूसाणं अपदमसमयमणूसाणं य
 कयरे २''' ? गोयमा ! सव्वत्थोवा पदमसमयमणूसा अपदमस० मणूसा असंखे०,
 जहा मणूसा तहा देवावि, एएसि णं भंते ! पदमसमयसिद्धाणं अपदमसमयसिद्धाण
 य कयरे २ हिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा
 पदमसमयसिद्धा अपदमसमयसिद्धा अणंतगुणा । एएसि णं भंते ! पदमसमय-
 णेरइयाणं अपदमसमयणेरइयाणं पदमस० तिरिक्खजोणि० अपदमस० तिरिक्ख-
 जो० प० समयमणू० अपदमस० मणू० पदमस० देवाणं अप० समय देवाणं पदम-
 समयसिद्धाणं अपदमसमयसिद्धाणं य कयरे २ हिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा
 विसे० ? गोयमा ! सव्वत्थोवा पदमस० सिद्धा पदमस० मणूसा असं० अप० समय-

मणूसा असंखे० पढमसमयणेरइया असं० पढमस०देवा असं० पढमस०तिरि०
 असं० अपढमस०णेर० असंखे० अपढमस०देवा असं० अपढमस०सिद्धा अणंत०
 अपढमस०तिरि० अणंतगुणा । सेत्तं दसविहा सव्वजीवा पणत्ता ॥ सेत्तं सव्व-
 जीवाभिगमे ॥२७२॥ णवमा सव्वजीवदसविहपडिवत्ती समत्ता ॥

॥ जीवाजीवाभिगमसुत्तं समत्तं ॥



पणवणासुत्तं

पढमं पणवणा पयं

ववगयजरमरणभए सिद्धे अभिवंदिऊण तिविहेण । वंदामि जिणवरिंदं तेल्लेक्क-
गुहं महावीरं ॥ १ ॥ सुयरयणणिहाणं जिणवरेण भवियज्जणिञ्चुइकरेण । उवदंसिया
भगवया पणवणा सव्वभावाणं ॥ २ ॥ (वायगवरवंसाओ तेवीसइमेण धीरपुरिसेण ।
दुद्धरधरेण सुणिणा पुव्वसुयसमिद्धबुद्धीण ॥ ३ ॥ सुयसागरा विणेऊण जेण सुयर-
यणमुत्तमं दिण्णं । सीसगणस्स भगवओ तस्स णमो अजसामस्स) ॥ ४ ॥ अज्जयण-
मिणं चित्तं सुयरयणं दिट्ठिवायणीसंदं । जह वणिणयं भगवया अहमवि तह वण्णइ-
स्सामि ॥ ५ ॥ पणवणा ठाणाई बहुवत्तव्वं ठिई विसेसाय । वक्कंती ऊसासो सण्णा
जोणी य चरिमाई ॥ ६ ॥ भासा सरिर परिणाम कसाय इंदिए पओगे य । लेसा
कायठिईया सम्मत्ते अंतकिरिया य ॥ ७ ॥ ओगाहणसंठाणे किरिया कम्मे इयावरे ।
(कम्मस्स) वंधए (कम्मस्स) वेद(ए)वेदस्स वंधए वेयवेयए ॥ ८ ॥ आहारे
उवओगे पासण्या सणि संजमे चेव । ओही पवियारण वेयणा य तत्तो समुत्थाए
॥ ९ ॥ से किं तं पणवणा ? पणवणा दुविहा पणत्ता । तंजहा—जीवपणवणा
य अजीवपणवणा य ॥ १ ॥ से किं तं अजीवपणवणा ? अजीवपणवणा दुविहा
पणत्ता । तंजहा—रुविअजीवपणवणा य अरुविअजीवपणवणा य ॥ २ ॥ से किं तं
अरुविअजीवपणवणा ? अरुविअजीवपणवणा दसविहा पणत्ता । तंजहा—धम्मत्थि-
काए, धम्मत्थिकायस्स देसे, धम्मत्थिकायस्स पएसा, अधम्मत्थिकाए, अधम्मत्थि-
कायस्स देसे, अधम्मत्थिकास्स पएसा, आगासत्थिकाए, आगासत्थिकायस्स देसे,
आगासत्थिकायस्स पएसा, अद्दासमए । सेत्तं अरुविअजीवपणवणा ॥ ३ ॥ से किं
तं रुविअजीवपणवणा ? रुविअजीवपणवणा चउव्विहा पणत्ता । तंजहा—१ खंधा,
२ खंधेसा, ३ खंधप्पएसा, ४ परमाणुपोगला । ते समासओ पंचविहा पणत्ता ।
तंजहा—१ वण्णपरिणया, २ गंधपरिणया, ३ रसपरिणया, ४ फासपरिणया, ५
संठाणपरिणया ॥ ४ ॥ जे वण्णपरिणया ते पंचविहा पणत्ता । तंजहा—१ काल-
वण्णपरिणया, २ णीलवण्णपरिणया, ३ लोहियवण्णपरिणया, ४ हालिहवण्णपरिणया,
५ सुक्किलवण्णपरिणया । जे गंधपरिणया ते दुविहा पणत्ता । तंजहा—सुब्भिगंध-

परिणया य दुग्धिगंधपरिणया य । जे रसपरिणया ते पंचविहा पणत्ता । तंजहा—
 १ तित्तरसपरिणया, २ कडुयरसपरिणया, ३ कसायरसपरिणया, ४ अंबिलरस-
 परिणया, ५ मधुररसपरिणया । जे फासपरिणया ते अट्टविहा पणत्ता । तंजहा—
 १ कक्खडफासपरिणया, २ मउयफासपरिणया, ३ गरुयफासपरिणया, ४ लहुय-
 फासपरिणया, ५ सीयफासपरिणया, ६ उसिणफासपरिणया, ७ णिद्धफासपरिणया,
 ८ लुक्खफासपरिणया । जे संटाणपरिणया ते पंचविहा पणत्ता । तंजहा—१ परिमण्डल-
 संटाणपरिणया, २ वट्टसंटाण०, ३ तंसंटाण०, ४ चउरंसंटाण०, ५ आयय-
 संटाण०, ॥ ५ ॥ जे वण्णओ कालवण्णपरिणया ते गंधओ सुग्धिगंधपरिणया वि,
 दुग्धिगंधपरिणया वि । रसओ तित्तरसपरिणया वि, कडुयरसपरिणया वि, कसाय-
 रसपरिणया वि, अम्बिलरसपरिणया वि, मधुररसपरिणया वि । फासओ कक्खड-
 फासपरिणया वि, मउयफासपरिणया वि, गरुयफासपरिणया वि, लहुयफासपरिणया-
 वि, सीयफासपरिणया वि, उसिणफासपरिणया वि, णिद्धफासपरिणया वि, लुक्ख-
 फासपरिणया वि । संटाणओ परिमण्डलसंटाणपरिणया वि, वट्टसंटाणपरिणया वि,
 तंसंटाणपरिणया वि, चउरंसंटाणपरिणया वि, आययसंटाणपरिणया वि २० ।
 जे वण्णओ णोलवण्णपरिणया ते गंधओ सुग्धिगंधपरिणया वि, दुग्धिगंधपरिणया
 वि । रसओ तित्तरसपरिणया वि, कडुयरसपरिणया वि, कसायरसपरिणया वि,
 अम्बिलरसपरिणया वि, मधुररसपरिणया वि । फासओ कक्खडफासपरिणया वि,
 मउयफासपरिणया वि, गरुयफासपरिणया वि, लहुयफासपरिणया वि, सीयफासपरि-
 णया वि, उसिणफासपरिणया वि, णिद्धफासपरिणया वि, लुक्खफासपरिणया वि ।
 संटाणओ परिमण्डलसंटाणपरिणया वि, वट्टसंटाणपरिणया वि, तंसंटाणपरिणया
 वि, चउरंसंटाणपरिणया वि, आययसंटाणपरिणया वि २० । जे वण्णओ लोहिय-
 वण्णपरिणया ते गंधओ सुग्धिगंधपरिणया वि, दुग्धिगंधपरिणया वि । रसओ
 तित्तरसपरिणया वि, कडुयरसपरिणया वि, कसायरसपरिणया वि, अम्बिलरसपरि-
 णया वि, मधुररसपरिणया वि । फासओ कक्खडफासपरिणया वि, मउयफासपरिणया
 वि, गरुयफासपरिणया वि, लहुयफासपरिणया वि, सीयफासपरिणया वि, उसिण-
 फासपरिणया वि, णिद्धफासपरिणया वि, लुक्खफासपरिणया वि । संटाणओ परिमण्डल-
 संटाणपरिणया वि, वट्टसंटाणपरिणया वि, तंसंटाणपरिणया वि, चउरंसंटाण-
 परिणया वि, आययसंटाणपरिणया वि, २० । जे वण्णओ हालिहवण्णपरिणया

[illegible]

[illegible]

वट्संठाणपरिणया वि, तंसंठाणपरिणया वि, चउरंसंठाणपरिणया वि, आयय-
 संठाणपरिणया वि २० । जे रसओ महुररसपरिणया ते वण्णओ कालवण्णपरिणया
 वि, णीलवण्णपरिणया वि, लोहियवण्णपरिणया वि, हालिद्ववण्णपरिणया वि,
 सुक्किल्लवण्णपरिणया वि । गंधओ सुब्भिगंधपरिणया वि दुब्भिगंधपरिणया वि ।
 फासओ कक्खडफासपरिणया वि, मउयफासपरिणया वि, गरुयफासपरिणया वि,
 लहुयफासपरिणया वि, सीयफासपरिणया वि, उसिणफासपरिणया वि, णिद्धफास-
 परिणया वि, लुक्खफासपरिणया वि । संठाणओ परिमण्डलसंठाणपरिणया वि, वट्ठ-
 संठाणपरिणया वि, तंसंठाणपरिणया वि, चउरंसंठाणपरिणया वि, आययसंठाण-
 परिणया वि २०, १०० । जे फासओ कक्खडफासपरिणया ते वण्णओ कालवण्ण-
 परिणया वि, णीलवण्णपरिणया वि, लोहियवण्णपरिणया वि, हालिद्ववण्णपरिणया वि,
 सुक्किल्लवण्णपरिणया वि । गंधओ सुब्भिगंधपरिणया वि, दुब्भिगंधपरिणया वि ।
 रसओ तित्तरसपरिणया वि, कडुयरसपरिणया वि, कसायरसपरिणया वि, अम्बिलरस-
 परिणया वि, महुररसपरिणया वि । फासओ गरुयफासपरिणया वि, लहुयफासपरिणया
 वि, सीयफासपरिणया वि, उसिणफासपरिणया वि, णिद्धफासपरिणया वि, लुक्ख-
 फासपरिणया वि । संठाणओ परिमण्डलसंठाणपरिणया वि, वट्ठसंठाणपरिणया वि,
 तंसंठाणपरिणया वि, चउरंसंठाणपरिणया वि, आययसंठाणपरिणया वि, २३ ।
 जे फासओ मउयफासपरिणया ते वण्णओ कालवण्णपरिणया वि, णीलवण्णपरिणया
 वि, लोहियवण्णपरिणया वि, हालिद्ववण्णपरिणया वि, सुक्किल्लवण्णपरिणया वि ।
 गंधओ सुब्भिगंधपरिणया वि, दुब्भिगंधपरिणया वि । रसओ तित्तरसपरिणया
 वि, कडुयरसपरिणया वि, कसायरसपरिणया वि, अम्बिलरसपरिणया वि, महुररस-
 परिणया वि । फासओ गरुयफासपरिणया वि, लहुयफासपरिणया वि, सीयफास-
 परिणया वि, उसिणफासपरिणया वि, णिद्धफासपरिणया वि, लुक्खफासपरिणया वि ।
 संठाणओ परिमण्डलसंठाणपरिणयावि, वट्ठसंठाणपरिणया वि, तंसंठाणपरिणया वि,
 चउरंसंठाणपरिणया वि, आययसंठाणपरिणया वि २३ । जे फासओ गरुयफास-
 परिणया ते वण्णओ कालवण्णपरिणया वि, णीलवण्णपरिणया वि, लोहियवण्ण-
 परिणया वि, हालिद्ववण्णपरिणया वि, सुक्किल्लवण्णपरिणया वि, । गंधओ सुब्भिगंध-
 परिणया वि, दुब्भिगंधपरिणया वि । रसओ तित्तरसपरिणया वि, कडुयरस-
 परिणया वि, कसायरसपरिणया वि, अम्बिलरसपरिणया वि, महुररसपरिणया

वि । फासओ कक्खड्ढासपरिणया वि, मउयफासपरिणया वि, सीयफासपरिणया वि, उसिणफासपरिणया वि, णिद्धफासपरिणया वि, लुक्खफासपरिणया वि, संटाणओ परिमण्डलसंटाणपरिणया वि, वट्टसंटाणपरिणया वि, तंससंटाणपरिणया वि, चउरंस-
संटाणपरिणया वि, आययसंटाणपरिणया वि २३ । जे फासओ लहुयफासपरिणया ते वण्णओ कालवण्णपरिणया वि, णीलवण्णपरिणया वि, लोहियवण्णपरिणया वि, हालिद्वण्णपरिणया वि, सुक्खिल्लवण्णपरिणया वि । गंधओ सुब्भिगंधपरिणया वि, दुब्भिगंधपरिणया वि । रसओ तित्तरसपरिणया वि, कडुयरसपरिणया वि, कसाय-
रसपरिणया वि, अभिलरसपरिणया वि, महुररसपरिणया वि । फासओ कक्खड्ढा-
फासपरिणया वि, मउयफासपरिणया वि, सीयफासपरिणया वि, उसिणफासपरिणया वि, णिद्धफासपरिणया वि, लुक्खफासपरिणया वि । संटाणओ परिमण्डलसंटाणपरि-
णया वि, वट्टसंटाणपरिणया वि, तंससंटाणपरिणया वि, चउरंससंटाणपरिणया वि, आययसंटाणपरिणया वि, २३ । जे फासओ सीयफासपरिणया ते वण्णओ कालव-
ण्णपरिणया वि, णीलवण्णपरिणया वि, लोहियवण्णपरिणया वि, हालिद्वण्णपरिणया वि, सुक्खिल्लवण्णपरिणया वि । गंधओ सुब्भिगंधपरिणया वि, दुब्भिगंधपरिणया वि । रसओ तित्तरसपरिणया वि, कडुयरसपरिणया वि, कसायरसपरिणया वि, अभिलरस-
परिणया वि, महुररसपरिणया वि । फासओ कक्खड्ढाफासपरिणया वि, मउयफास-
परिणया वि, गउयफासपरिणया वि, लहुयफासपरिणया वि, णिद्धफासपरिणया वि, लुक्खफासपरिणया वि । संटाणओ परिमण्डलसंटाणपरिणया वि, वट्टसंटाणपरिणया वि, तंससंटाणपरिणया वि, चउरंससंटाणपरिणया वि, आययसंटाणपरिणया वि २३ । जे फासओ णिद्धफासपरिणया ते वण्णओ कालवण्णपरिणया वि, णीलव-

परिणया वि २० । जे संटाणओ तंसंस्टाणपरिणया ते वण्णओ कालवण्णपरिणया वि, णीलवण्णपरिणया वि, लोहियवण्णपरिणया वि, हालिद्ववण्णपरिणया वि, सुक्खिलवण्णपरिणया वि । गंधओ सुग्ग्मिगंधपरिणया वि, दुग्ग्मिगंधपरिणया वि । रसओ तित्तरसपरिणया वि, कडुवरसपरिणया वि, कसायरसपरिणया वि, अम्बिलरसपरिणया वि, महुररसपरिणया वि । फासओ कक्खडफासपरिणया वि, मउयफासपरिणया वि, गरुयफासपरिणया वि, लहुयफासपरिणया वि, सीयफासपरिणया वि, उसिणफासपरिणया वि, णिद्धफासपरिणया वि, लुक्खफासपरिणया वि २० । जे संटाणओ चउरंसंस्टाणपरिणया ते वण्णओ कालवण्णपरिणया वि, णीलवण्णपरिणया वि, लोहियवण्णपरिणया वि, हालिद्ववण्णपरिणया वि, सुक्खिलवण्णपरिणया वि । गंधओ सुग्ग्मिगंधपरिणया वि, दुग्ग्मिगंधपरिणया वि । रसओ तित्तरसपरिणया वि, कडुवरसपरिणया वि, कसायरसपरिणया वि, अम्बिलरसपरिणया वि, महुररसपरिणया वि । फासओ कक्खडफासपरिणया वि, मउयफासपरिणया वि, गरुयफासपरिणया वि, लहुयफासपरिणया वि, सीयफासपरिणया वि, उसिणफासपरिणया वि, णिद्धफासपरिणया वि, लुक्खफासपरिणया वि २० । जे संटाणओ आययसंस्टाणपरिणया ते वण्णओ कालवण्णपरिणया वि, णीलवण्णपरिणया वि, लोहियवण्णपरिणया वि, हालिद्ववण्णपरिणया वि, सुक्खिलवण्णपरिणया वि । गंधओ सुग्ग्मिगंधपरिणया वि, दुग्ग्मिगंधपरिणया वि । रसओ तित्तरसपरिणया वि, कडुवरसपरिणया वि, कसायरसपरिणया वि, अम्बिलरसपरिणया वि, महुररसपरिणया वि । फासओ कक्खडफासपरिणया वि, मउयफासपरिणया वि, गरुयफासपरिणया वि, लहुयफासपरिणया वि, सीयफासपरिणया वि, उसिणफासपरिणया वि, णिद्धफासपरिणया वि, लुक्खफासपरिणया वि २०, १०० । सेत्तं रुविअजीवपण्णवणा । सेत्तं अजीवपण्णवणा । ६ ।

से किं तं जीवपण्णवणा ? जीवपण्णवणा दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—संसारसमावण्णजीवपण्णवणा य असंसारसमावण्णजीवपण्णवणा य ॥७॥ से किं तं असंसारसमावण्णजीवपण्णवणा ? असंसारसमावण्णजीवपण्णवणा दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—अणंतरसिद्धअसंसारसमावण्णजीवपण्णवणा य परम्परसिद्धअसंसारसमावण्णजीवपण्णवणा य ॥८॥ से किं तं अणंतरसिद्धअसंसारसमावण्णजीवपण्णवणा ? अणंतरसिद्धअसंसारसमावण्णजीवपण्णवणा पण्णरसविहा पण्णत्ता । तंजहा—१ तित्थसिद्धा, २ अतित्थसिद्धा, ३ तित्थगरसिद्धा, ४ अतित्थगरसिद्धा, ५ सयंबुद्धसिद्धा, ६ पत्तेयबुद्धसिद्धा,

७ बुद्धबोहियसिद्धा, ८ इन्धीलिंगसिद्धा, ९ पुरिसलिंगसिद्धा, १० णपुंसगलिंग-
सिद्धा, ११ सलिंगसिद्धा, १२ अण्णलिंगसिद्धा, १३ गिहिलिंगसिद्धा, १४ एगसिद्धा,
१५ अणेगसिद्धा । से सं अणंतरसिद्धं ॥९॥ से किं तं परम्परसिद्धअसंसारसमा-
वण्णजीवपण्णवणा ? २ अणेगविहा पण्णत्ता, तंजहा—अपढमसमयसिद्धा, दुसमयसिद्धा,
तिसमयसिद्धा, चउसमयसिद्धा जाव संखिजसमयसिद्धा, असंखिजसमयसिद्धा, अणंत-
समयसिद्धा । से सं परम्परसिद्धअसंसारसमावण्णजीवपण्णवणा । से सं असंसारसमा-
वण्णजीवपण्णवणा ॥१०॥ से किं तं संसारसमावण्णजीवपण्णवणा ? संसारसमावण्ण-
जीवपण्णवणा पंचविहा पण्णत्ता । तंजहा—१ एगेंदियसंसारसमावण्णजीवपण्णवणा,
२ वेइंदियसंसारसमावण्णजीवपण्णवणा, ३ तेइंदियसंसारसमावण्णजीवपण्णवणा,
४ चउरिंदियसंसारसमावण्णजीवपण्णवणा, ५ पंचिंदियसंसारसमावण्णजीवपण्णवणा
॥११॥ से किं तं एगेंदियसंसारसमावण्णजीवपण्णवणा ? एगेंदियसंसारसमा-
वण्णजीवपण्णवणा पंचविहा पण्णत्ता । तंजहा—पुढविकाइया, आउकाइया, तेउ-
काइया, वाउकाइया, वणस्सइकाइया ॥१२॥ से किं तं पुढविकाइया ? पुढविका-
इया दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—सुहुमपुढविकाइया य बायरपुढविकाइया य ॥१३॥
से किं तं सुहुमपुढविकाइया ? सुहुमपुढविकाइया दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—पज्जत्त-
सुहुमपुढविकाइया य अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइया य । से सं सुहुमपुढविकाइया ॥१४॥
से किं तं बायरपुढविकाइया ? बायरपुढविकाइया दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—सण्हबायर-
पुढविकाइया य खरबायरपुढविकाइया य ॥१५॥ से किं तं सण्हबायरपुढविकाइया ?
सण्हबायरपुढविकाइया सत्तविहा पण्णत्ता । तंजहा—१ किण्हमत्तिया, २ णीलम-
त्तिया, ३ लोहियमत्तिया, ४ हालिहमत्तिया, ५ सुक्खिमत्तिया, ६ पाण्डुमत्तिया, ७
पणगमत्तिया । से सं सण्हबायरपुढविकाइया ॥१६॥ से किं तं खरबायरपुढविकाइया ?
खरबायरपुढविकाइया अणेगविहा पण्णत्ता । तंजहा—१ पुढवी य २ सकरा ३ वालुया
य ४ उवले ५ सिला य ६—७ लोणूसे । ८ अय ९ तंव १० तउय ११ सीसय
१२ रुप १३ सुवण्णे य १४ वइरे य ॥१॥१५ हरियाले १६ हिंगुलए १७ मणो-
सिला १८—२० सासगंजणपवाले । २१—२२ अब्भपडलब्भवालय बायरकाए मणि-
विहाणा ॥२॥ २३ गोमेज्जए य २४ रुयए २५ अंके २६ फलिहे य २७ लोहियक्खे
य । २८ मरगय २९ मसारगळे ३० भुयमोयग ३१ इंदणीले व ॥३॥ ३२ चंदण
३३ गेरुय ३४ हंसगम्भ ३५ पुलए ३६ सोगंधिए य बोद्धव्वे । ३७ चंदप्पम ३८

वेरुल्लिए ३९ जलकंते ४० सूकंते य ॥४॥ जेयावण्णे तहप्पगारा । ते समासओ दुविहा पणत्ता । तंजहा—पजत्तगा य अपजत्तगा य । तत्थ णं जे ते अपजत्तगा ते णं असंपत्ता । तत्थ णं जे ते पजत्तगा एएसिं वण्णादेसेणं, गंधादेसेणं, रसादेसेणं, फासादेसेणं सहस्सग्गसो विहाणाइं, संखेज्जाइं जोण्णिप्पमुहसयसहस्साइं । पजत्तगणिस्साए अपजत्तगा वक्कमंति, जत्थ एगो तत्थ णियमा असंखेज्जा । सेत्तं वायरपुढविकाइया । सेत्तं पुढविकाइया ॥१७॥ से किं तं आउक्काइया ? आउक्काइया दुविहा पणत्ता । तंजहा—सुहुमआउक्काइया य वायरआउक्काइया य ॥१८॥ से किं तं सुहुमआउक्काइया ? सुहुमाउक्काइया दुविहा पणत्ता । तंजहा—पजत्तसुहुमआउक्काइया य अपजत्तसुहुमआउक्काइया य । सेत्तं सुहुमआउक्काइया ॥१९॥ से किं तं वायरआउक्काइया ? वायरआउक्काइया अणेगविहा पणत्ता । तंजहा—उस्सा, हिमए, महिया, करए, हरतणुए, सुद्धोदए, सीओदए, उस्सिणोदए, खारोदए, खट्टोदए, अम्बिलोदए, लवणोदए, वारुणोदए, खीरोदए, वओदए, खोओदए, रसोदए, जे यावण्णे तहप्पगारा । ते समासओ दुविहा पणत्ता । तंजहा—पजत्तगा य अपजत्तगा य । तत्थ णं जे ते अपजत्तगा ते णं असंपत्ता । तत्थ णं जे ते पजत्तगा एएसिं वण्णादेसेणं गंधादेसेणं रसादेसेणं फासादेसेणं सहस्सग्गसो विहाणाइं, संखेज्जाइं जोण्णिप्पमुहसयसहस्साइं, पजत्तगणिस्साए अपजत्तगा वक्कमंति, जत्थ एगो तत्थ णियमा असंखेज्जा । सेत्तं वायरआउक्काइया । सेत्तं आउक्काइया ॥२०॥ से किं तं तेउक्काइया ? तेउक्काइया दुविहा पणत्ता । तंजहा—सुहुमतेउक्काइया य वायरतेउक्काइया य ॥२१॥ से किं तं सुहुमतेउक्काइया ? सुहुमतेउक्काइया दुविहा पणत्ता । तंजहा—पजत्तगा य अपजत्तगा य । सेत्तं सुहुमतेउक्काइया ॥२२॥ से किं तं वायरतेउक्काइया ? वायरतेउक्काइया अणेगविहा पणत्ता । तंजहा—इंगाले, जाला, मुम्मुरे, अच्ची, अल्लए, सुद्धागणी, उक्का, विज्जू, असणी, णिग्घाए, संघरिससमुद्धिए, सूकंतमणिणिस्सिए, जेयावण्णे तहप्पगारा । ते समासओ दुविहा पणत्ता । तंजहा—पजत्तगा य अपजत्तगा य । तत्थ णं जे ते अपजत्तगा ते णं असंपत्ता । तत्थ णं जे ते पजत्तगा एएसिं णं वण्णादेसेणं, गंधादेसेणं, रसादेसेणं, फासादेसेणं सहस्सग्गसो विहाणाइं, संखेज्जाइं जोण्णिप्पमुहसयसहस्साइं । पजत्तगणिस्साए अपजत्तगा वक्कमंति, जत्थ एगो तत्थ णियमा असंखेज्जा, सेत्तं वायरतेउक्काइया । सेत्तं तेउक्काइया ॥२३॥ से किं तं वाउक्काइया ? वाउक्काइया दुविहा पणत्ता । तंजहा—सुहुमवाउक्काइया य

वायरवाउकाइया य ॥२४॥ से किं तं सुहुमवाउकाइया ? सुहुमवाउकाइया दुविहा पणत्ता । तंजहा—पजत्तगसुहुमवाउकाइया य अपजत्तगसुहुमवाउकाइया य । सेत्तं सुहुमवाउकाइया ॥२५॥ से किं तं वायरवाउकाइया ? वायरवाउकाइया अणेगविहा पणत्ता । तंजहा—पार्इणवाए, पर्डीणवाए, दाहिणवाए, उदीणवाए, उड्ढवाए, अहो-वाए, तिरियवाए, विदिसिवाए, वाउब्भामे, वाउक्कलिया, वायमंडलिया, उक्कलिया-वाए, मंडलियावाए, गुंजावाए, झंझावाए, संवट्टवाए, घणवाए, तणुवाए, मुद्धवाए, जेयावण्णे तहप्पगारा । ते समासओ दुविहा पणत्ता । तंजहा—पजत्तगा य अपजत्तगा य । तत्थ णं जे ते अपजत्तगा ते णं असंपत्ता । तत्थ णं जे ते पजत्तगा एएसि णं वण्णादेसेणं, गंधादेसेणं, रसादेसेणं, फामादेसेणं सहस्सगसो विहाणाइं, संखेजाइं जोणिप्पमुहसयसहस्साइं । पजत्तगणिस्साए अपजत्तगा वृक्कमंति, जत्थ एगो तत्थ णियमा असंखेजा । सेत्तं वायरवाउकाइया । सेत्तं वाउकाइया ॥२६॥ से किं तं वणस्सइकाइया ? वणस्सइकाइया दुविहा पणत्ता । तंजहा—सुहुमवणस्सइकाइया य वायरवणस्सइकाइया य ॥२७॥ से किं तं सुहुमवणस्सइकाइया ? सुहुमवणस्सइकाइया दुविहा पणत्ता । तंजहा—पजत्तगसुहुमवणस्सइकाइया य अपजत्तगसुहुमवणस्सइकाइया य । सेत्तं सुहुमवणस्सइकाइया ॥२८॥ से किं तं वायरवणस्सइकाइया ? वायरवणस्सइकाइया दुविहा पणत्ता । तंजहा—पत्तेयसरीरवायरवणस्सइकाइया य साहारणसरीरवायरवणस्सइकाइया य ॥२९॥ से किं तं पत्तेयसरीरवायरवणस्सइकाइया ? २ दुवालसविहा पणत्ता । तंजहा—१ रुक्खा २ सुच्छा ३ गुम्मा ४ लया य ५ वह्नी य ६ पव्वगा चेव । ७ तण ८ बलय ९ हरिय १० ओसहि ११ जलरुह १२ कुहणा य बोद्धवा ॥३०॥ से किं तं रुक्खा ? रुक्खा दुविहा पणत्ता । तंजहा—एगट्ठिया य बहुबीयगा य ॥३१॥ से किं तं एगट्ठिया ? एगट्ठिया अणेगविहा पणत्ता । तंजहा—णिबंध-जंबु-कोसंब-सालअंजुल-पीलु सेल्लु य । सल्लइमोयइमा-लुयवउल-पलासे करंजे य ॥३२॥ पुत्तंजीवयउरिट्ठे बिहेलए हरिडए य भिल्लाए । उंबे-भरियाखीरिणि बोद्धवे धायइपियाले ॥३३॥ पूईयणिबंधंजे सण्हा तह सीसवा य असणे य । पुण्णाग-णागरुक्खे सीवणि तहा असोणे य ॥३४॥ जेयावण्णे तहप्पगारा । एएसि णं मूला वि, असंखेजजीविया, कंदा वि, खंधा वि, तया वि, साला वि, पवाला वि । पत्ता पत्तेयजीविया, पुप्फा अणेगजीविया, फला एगट्ठिया । सेत्तं एगट्ठिया ॥३२॥ से किं तं बहुबीयगा ? बहुबीयगा अणेगविहा पणत्ता । तंजहा—अत्थिय-तेंदु-

कविट्टे अंवाडाग-माउलिंग बिले य । आमलगफणिसदाडिमआसोड्डे उंबर वडे य ॥१॥
गमोहणंदिरुक्खे पिप्परी सयरी पिलुक्खरुक्खे य । काउंवरि कुत्थुंभरि बोद्धव्वा देव-
दाली य ॥२॥ तिलए लउए लत्ताहसिरासे सत्तवण्णदहिवण्णे । लोद्धव्वचंदणज्जुण-
णीमे कुडए कयंबे य ॥३॥ जेयावण्णे तहप्पगारा । एएसि णं मूला वि असंखेज-
जीविया, कंदा वि, खंभा वि, तथा वि, साला वि, पवाला वि । पत्ता पत्तेयजीविया ।
पुप्फा अणेगजीविया । फळा बहुवीयगा । सेत्तं बहुवीयगा । सेत्तं रुक्खा ॥३॥ से किं
तं गुच्छा ? गुच्छा अणेगविहा पणत्ता । तंजहा—वाइंगणिसल्लइधुण्डई य तह कच्छुरी
य जामुमणा । रुवी आटइ णीली तुलसी तह माउलिंगी य ॥१॥ कच्छुंभरि पिप्प-
लिया अयसी वल्ली य कायमाईया । चुच्चू पडोलकंदलि विउव्वा वत्थुले बयरे ॥२॥
पत्तउर सीयउरए हवइ तहा जवसए य बोद्धव्वे । णिगुंडिय कत्तुंवरि अत्थई चेव
तलउडा ॥३॥ सणपाणकासमुद्गाअम्पाडागसामसिंदुवारे य । करमइअदरुसगकरीर-
एरावणमहित्थे ॥४॥ जाउलगमालपरिलीगयमत्तरिणिकुव्वकारिया मंडी । जावइ
केयइ तह गंज पाडल दासि-अंकोहे ॥५॥ जेयावण्णे तहप्पगारा । सेत्तं गुच्छा
॥३४॥ से किं तं गुम्मा ? गुम्मा अणेगविहा पणत्ता । तंजहा—तेरियए गोमालिय-
कोरंटयवंधुजीवगमणेजे । पिइयपाणकणयरकुज्य तह सिंदुवारे य ॥१॥ जाई
मोगार तह जूहिया य तह मल्लिया य वासंती । वत्थुल कत्थुल सेवाल गंठि मग-
दंतिया चेव ॥२॥ चंपाजई णवणीइया य कुंदो तहा महाजाई । एवमणेगारा
हवंति गुम्मा मुणेव्वा ॥३॥ सेत्तं गुम्मा ॥३५॥ से किं तं लयाओ ? लयाओ अणेग-
विहाओ पणत्ताओ । तंजहा—पउमलया णंगालयअसोगचंपगालया य चूवलया । वण-
लयावासंतिलया अइमुत्तयकुंदसामलया ॥ जेयावण्णे तहप्पगारा । सेत्तं लयाओ ॥३६॥
से किं तं वल्लीओ ? वल्लीओ अणेगविहाओ पणत्ताओ । तंजहा—पूसफली कालिंगी
तुंबी तउसी य एलवालुंकी । घोसाडई पंडोला पंचंगुलिया य णीली य ॥ १ ॥
कंहुया कट्टुइया ककोडई कारियल्लई मुभगा । कुयधाय वागुलीया पाववल्ली तह देव-
दाली य ॥ २ ॥ अप्पोया अइमुत्तगणागलया कण्हसूरवल्ली य । संधट्टमुमणसा वि
य जामुवणकुविंदवल्ली य ॥३॥ मुहिय अंवावल्ली छीरविराली जयंति गोवाली ।
पाणीमासावल्ली गुंजवल्ली य वच्छाणी ॥४॥ ससविंदुगोत्तफुसिया गिरिकण्ह मालुया
य अंजणई । दहिफोल्लइ कापाणि मोगली य तह अकवोदी य ॥५॥ जेयावण्णे तह-
प्पगारा । सेत्तं वल्लीओ ॥३७॥ से किं तं पव्वगा ? पव्वगा अणेगविहा पणत्ता ।

तंजहा—इक्खू य इक्खुवाडी वीरण तह एकडे भमासे य । मुठे सरे य वेत्ते तिमिरे सयपोरणले य ॥१॥ वंसे वेलू कणए कंकावंसे य चाववंसे य । उदए कुडए विमए कंठावेलू य कल्लाणे ॥२॥ जेयावण्णे तहप्पगारा । सेत्तं पव्वगा ॥३८॥ से किं तं तणा ? तणा अणेगविहा पणत्ता । तंजहा—सेडियमंतियहंतियदम्भकुसे पव्वए य पोड-इला । अज्जुण असाटए रोहियंसे सुयवेयखीरभुसे ॥१॥ एरंडे कुरुविंदे करकर मुट्टे तहा विभंगू य । महुस्तण-धुरय-सिप्पिय बोद्धव्वे सुंकलितणे य ॥२॥ जेयावण्णे तहप्पगारा । सेत्तं तणा ॥३९॥ से किं तं वलया ? वलया अणेगविहा पणत्ता । तंजहा—तालतमाले तकलि तोयलि साली य सारकल्लाणे । सरले जावइ केयइ कयली तह धम्मरुक्खे य ॥१॥ भुयुरुक्खहिं गुरुक्खे लवंगरुक्खे य होइ बोद्धव्वे । पूयफली खज्जरी बोद्धव्वा णालिहरी य ॥२॥ जेयावण्णे तहप्पगारा । सेत्तं वलया ॥४०॥ से किं तं हरिया ? हरिया अणेगविहा पणत्ता । तंजहा—अंजोरुहवोडाणे हरियग तह तंदुलेजगतणे य । वत्थुलपोरग मजारयाइ विट्ठी य पालक्का ॥१॥ दगपिप्पली य दव्वा सोत्थियसाए तहेव मंडुक्की । मूलगसरिसव अंबिलसाए य जियंतए चेव ॥ २ ॥ तुलसी कण्ह उराले फणिजए अज्जए य भूयणए । चोरगदमणगमकयग सयपुण्णिदीवरे य तहा ॥३॥ जेयावण्णे तहप्पगारा । सेत्तं हरिया ॥४१॥ से किं तं ओसहीओ ? ओसहीओ अणेगविहाओ पणत्ताओ । तंजहा—सालीवाहीगोहूमजवजवजवकलमसूर-तिलमुगमासणिप्फावकुल्लथआलिसंदसतीणपलिमंथगअयसीकुसुंभकोद्वकंगूरालगव-रा(रट्ट)सामकोदूसणसरिसवमूलगबीया । जेयावण्णे तहप्पगारा । सेत्तं ओसहीओ ॥४२॥ से किं तं जलरुहा ? जलरुहा अणेगविहा पणत्ता । तंजहा—उदए, अवए, पणए सेवाले, कलंबुया, हडे, कसेरुया, कच्छ, भाणी, उप्पले, पउमे, कुमुए णल्लिणे, सुभए, सोगंधिए, पोण्डरीयए, महापोण्डरीयए, सयपत्ते, सहस्सपत्ते, कलहारे, कोकण्दे, अरविंदे, तामरसे, भिसे, भिसमुणाले, पोक्खले, पोक्खल्लथलए, जेयावण्णे तहप्प-गारा । से तं जलरुहा ॥४३-१॥ से किं तं कुहणा ? कुहणा अणेगविहा पणत्ता । तंजहा—आए, काए, कुहणे, कुण्णे, दव्वहलिया, सप्फाए, सज्जाए, छत्तोए, वंसी, णहिया, कुरए । जेयावण्णे तहप्पगारा । सेत्तं कुहणा । णाणाविहसंठाणा रुक्खाणं एगजीविया पत्ता । खंधा वि एगजीवा तालसरलणालिहरीणं ॥१॥ जह सगलसरि-सवाणं सिलेसमिस्साण वट्ठिया वट्ठी । पत्तेयसरीराणं तह हंतिये सरीरसंघाया ॥२॥ जह वा तिलपण्णडिया बहुएहिं तिलेहिं संघया संती । पत्तेयसरीराणं तह हंतिये

गंरसंघाया ॥ ३ ॥ सेत्त पत्तेयसरीरवायवणस्सइकाइया ॥ ४३-२ ॥ से किं तं
 माहारणसरीरवायवणस्सइकाइया ? साहारणसरीरवायवणस्सइकाइया अणेगविहा
 पणत्ता । तज्जहा-अवए पणए सेवाले लोहिणी थिहू थिभगा । अस्सकणी सीह-
 ण्णी सिउंढि तत्तो मुमुंदी य ॥ १ ॥ रु-कुण्डरिया जीरू छीरविराली तहेव किट्ठी
 य । हालिहा भिगवेरे य आलगा मूलए इय ॥ २ ॥ कंबूया कण्णूकड महुपोवलई तहेव
 महुसिंगी । णीरूहा सप्पसुयंघा छिण्णरूहा चेव बीयरूहा ॥ ३ ॥ पाटा मियवालुंकी
 महुरस्ता चेव रायवल्ली य । पउमा य माढरी दंती चंडी किट्ठित्ति यावरा ॥ ४ ॥
 नासपणिण सुग्गपणी जीवियरसहे य रेणुया चेव । काओली खीरकाओली तहा भंगी
 ण्ही इय ॥ ५ ॥ किमिरासि भद्दमुत्था णंगलई पेलुगा इय । किण्हे पउले य हडे हर-
 त्णुया चेव लोयाणी ॥ ६ ॥ कण्हकंदे वज्जे सूरणकंदे तहेव खल्लूखे । एए अणंतजीवा
 जेयावण्णे तहाविहा ॥ ७ ॥ तणमूलकंदमूले वंसीमूलेत्ति यावरे । सखिजमसंखिजा
 वंशधच्चाऽणंतजीवा य ॥ ८ ॥ सिंघाडगस्स गुच्छो अणेगजीवो उ होइ णाय्वो । पत्ता
 पत्तेयजीवा दोण्णि य जीवा फले भणिवा ॥ ९ ॥ जस्स मूलस्स भग्गस्स समो भंगो
 पदीसइ । अणंतजीवे उ से मूले जेयावण्णे तहाविहा ॥ १० ॥ जस्स कंदस्स भग्गस्स
 समो भंगो पदीसइ । अणंतजीवे उ से कंदे जेयावण्णे तहाविहा ॥ ११ ॥ जस्स खंधस्स
 भग्गस्स समो भंगो पदीसइ । अणंतजीवे उ से खंधे जेयावण्णे तहाविहा ॥ १२ ॥
 जीसे तयाए भग्गाए समो भंगो पदीसए । अणंतजीवा तया सा उ जेयावण्णा तहाविहा
 ॥ १३ ॥ जस्स सालस्स भग्गस्स समो भंगो पदीसए । अणंतजीवे व से साले
 जेयावण्णे तहाविहा ॥ १४ ॥ जस्स पवालस्स भग्गस्स समो भंगो पदीसए । अणंत-
 जीवे पवाले से जेयावण्णे तहाविहा ॥ १५ ॥ जस्स पत्तस्स भग्गस्स समो भंगो पदी-
 सए । अणंतजीवे उ से पत्ते जेयावण्णे तहाविहा ॥ १६ ॥ जस्स पुप्फस्स भग्गस्स
 समो भंगो पदीसए । अणंतजीवे उ से पुप्फे जेयावण्णे तहाविहा ॥ १७ ॥ जस्स
 फलस्स भग्गस्स समो भंगो पदीसए । अणंतजीवे फले से उ जेयावण्णे तहाविहा
 ॥ १८ ॥ जस्स बीयस्स भग्गस्स समो भंगो पदीसए । अणंतजीवे उ से बीए जेया-
 वण्णे तहाविहा । १९ ॥ जस्स मूलस्स भग्गस्स हीरो भंगो पदीसए । परित्तजीवे उ
 से मूले जेयावण्णे तहाविहा ॥ २० ॥ जस्स कंदस्स भग्गस्स हीरो भंगो पदीसए ।
 परित्तजीवे उ से कंदे जेयावण्णे तहाविहा ॥ २१ ॥ जस्स खंधस्स भग्गस्स हीरो
 भंगो पदीसए । परित्तजीवे उ से खंधे जेयावण्णे तहाविहा ॥ २२ ॥ जीसे तयाए भग्गाए

हीरो भंगो पदीसए । परित्तजीवा तया सा उ जेयावण्णा तहाविहा ॥ २३ ॥ जस्स
 सालस्स भग्गस्स हीरो भंगो पदीसए । परित्तजीवे उ से साले जेयावण्णे तहाविहा
 ॥ २४ ॥ जस्स पवालस्स भग्गस्स हीरो भंगो पदीसए । परित्तजीवे पवाले उ से जेयावण्णा
 तहाविहा ॥ २५ ॥ जस्स पत्तस्स भग्गस्स हीरो भंगो पदीसए । परित्तजीवे उ से पत्ते
 जेयावण्णे तहाविहा ॥ २६ ॥ जस्स पुप्फस्स भग्गस्स हीरो भंगो पदीसए । परित्तजीवे
 उ से पुप्फे जेयावण्णे तहाविहा ॥ २७ ॥ जस्स फलस्स भग्गस्स हीरो भंगो पदीसए ।
 परित्तजीवे फले से उ जेयावण्णे तहाविहा ॥ २८ ॥ जस्स बीयस्स भग्गस्स हीरो भंगो
 पदीसए । परित्तजीवे उ से बीए जेयावण्णे तहाविहा ॥ २९ ॥ जस्स मूलस्स कट्ठाओ
 छल्ली बहलयरी भवे । अणंतजीवा उ सा छल्ली जेयावण्णा तहाविहा ॥ ३० ॥ जस्स
 कंदस्स कट्ठाओ छल्ली बहलयरी भवे । अणंतजीवा उ सा छल्ली जेयावण्णा तहाविहा
 ॥ ३१ ॥ जस्स खंभस्स कट्ठाओ छल्ली बहलयरी भवे । अणंतजीवा उ सा छल्ली
 जेयावण्णा तहाविहा ॥ ३२ ॥ जीसे सालाए कट्ठाओ छल्ली बहलयरी भवे । अणंतजीवा
 उ सा छल्ली जेयावण्णा तहाविहा ॥ ३३ ॥ जस्स मूलस्स कट्ठाओ छल्ली तणुयरी भवे ।
 परित्तजीवा उ सा छल्ली जेयावण्णा तहाविहा ॥ ३४ ॥ जस्स कंदस्स कट्ठाओ छल्ली
 तणुयरी भवे । परित्तजीवा उ सा छल्ली जेयावण्णा तहाविहा ॥ ३५ ॥ जस्स खंभस्स
 कट्ठाओ छल्ली तणुयरी भवे । परित्तजीवा उ सा छल्ली जेयावण्णा तहाविहा ॥ ३६ ॥
 जीसे सालाए कट्ठाओ छल्ली तणुयरी भवे । परित्तजीवा उ सा छल्ली जेयावण्णा तहा-
 विहा ॥ ३७ ॥ चक्कागं भजमाणस्स गंठा चुण्णघणो भवे । पुट्टविसरित्तेएण अणंत-
 जीवे वियाणाहि ॥ ३८ ॥ गूढछिरागं पत्तं सच्छीरं जं च होइ गिच्छीरं । जं पि य
 पणद्धसंधिं अणंतजीवं वियाणाहि ॥ ३९ ॥ पुप्फा जलया थलया य विट्ठवद्धा य
 णालवद्धा य । संखिज्जमसंखिजा बोद्धव्वाऽणंतजीवा य ॥ ४० ॥ जे केइ णालिया-
 वद्धा पुप्फा संखिज्जजीविया भणिया । गिहुया अणंतजीवा जेयावण्णे तहाविहा ॥ ४१ ॥
 पउमुण्णलिणीकंदे अंतरकंदे तहेव शिल्ली य । एए अणंतजीवा एगो जीवो विसमुणाले
 ॥ ४२ ॥ फलंइ ल्हसुणकंदे य कंदली य कुटुंबए । एए परित्तजीवा जेयावण्णे तहाविहा
 ॥ ४३ ॥ पउमुण्णलिणीकंदे सुभगतो गधियाण य । अरविंदकोकणाणं सयवत्तसह-
 स्सपत्ताणं ॥ ४४ ॥ विट्ठं बाहिरपत्ता य कणिया चेव एगजीवस्स । अभिंतरागं पत्ता
 पत्तेयं केसरं मिजा ॥ ४५ ॥ वेणु-णल-इक्खुवाडिय-समासइवसू य इक्कडे रंडे । करकर
 मुंठि विहंगू तणाण तह पव्वगाणं च ॥ ४६ ॥ अरिंछि पव्वं पलिमोडओ य एगस्स
 हांति जीवस्स । पत्तेयं पत्ताइं पुप्फाइं अणेगजीवाइं ॥ ४७ ॥ पुस्सफले कालिगं तुवं

तउमेव्वालुवालुके । ओसाडयं पंडालं तित्थं चेव तेंदूम ॥४८॥ विटसमंस-वंडाहं
 एवाहं हवति एगजीवस्स । पत्तेयं पत्ताहं सकेसरमकेसरं मिजा ॥ ४९ ॥ सप्पाए
 नज्जाए उव्वेहत्तिवा य कुहणकुंदुके । एए अणंतजीवा कुंदुके होइ भयणा उ ॥५०॥
 बीए जोणिभूए जीवो वक्कमइ सो व अण्णो वा । जोऽवि य मूले जीवो सोऽवि य
 पत्ते पटमयाए ॥५१॥ सव्वोऽवि किसलओ खलु उगममाणो अणंतओ भणिओ ।
 सो चेव विवडुदंतो होइ परित्तो अणंतो वा ॥ ५२ ॥ समयं वक्कताणं समयं तेसिं
 सरारणिव्वत्ती । समयं आणुग्गहणं समयं ऊसासणीसासो ॥ ५३ ॥ इक्कस्स उ जं
 गहणं बहूणं साहारणाणं तं चेव । जं बहुयाणं गहणं समासओ तं पि इक्कस्स ॥५४॥
 साहारणमाहारो साहारणमाणुपाणगहणं च । साहारणजीवाणं साहारणलवखणं
 एयं ॥ ५५ ॥ जह अयगोलो धंतो जाओ तत्ततवणिज्जसंकासो । सव्वो अगणिपरि-
 णओ गिओयजीवे तहा जाण ॥ ५६ ॥ एगस्स दोण्ह तिण्ह व सखिजाण व ण
 पासिउं सका । दीसंति सराराहं गिओवजीवाणऽणंतो ॥ ५७ ॥ लोगागासपएसे
 गिओयजीवं ठवेहि इक्किं । एवं मविज्जमाणा हवति लोया अणंता उ ॥ ५८ ॥
 लोगागासपएसे परित्तजीवं ठवेहि इक्किं । एवं मविज्जमाणा हवति लोया अरुखिजा
 ॥ ५९ ॥ पत्तेया पज्जत्ता पयरस्स असंखभागमित्ता उ । लोगाऽसंखा पज्जत्तायाण
 साहारणमणंता ॥ ६० ॥ एएहिं सरारेहिं पच्चवत्थं ते परव्विया जीवा । सुहुमा
 आणागिज्जा चक्खुप्फासं ण ते हंति ॥ ६१ ॥ जेयावण्णे तहप्पमारा । ते समा-
 सओ दुविहा पणत्ता । तंजहा-पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य । तत्थ णं जे ते अपज्ज-
 त्ता ते णं असंपत्ता । तत्थ णं जे ते पज्जत्तगा तेसि णं वण्णादेसेणं गंधादेसेणं
 रसादेसेणं फासादेसेणं सहस्सग्गसो विहाणाहं, सखिजाहं जोणिप्पमुहसयसहस्साहं ।
 पज्जत्तगणिस्ताए अपज्जत्तगा वक्कमंति । जत्थ एगो तत्थ सिय सखिजा, सिय असं-
 खिजा, सिय अणंता । एएसि णं इमाओ गाहाओ अणुगंतव्वाओ तंजहा-वंडा य
 वंदमूला य, रुक्खमूला इयावरे । गुच्छा य गुम्मा वल्ली य, वेणुयाणि तणाणि य
 ॥ १ ॥ पठमुप्पल संघाडे हडे य सेवाल किण्हए पणए । अवए य कच्छ भाणी
 कुंदुकेगूणवीसइमे ॥ २ ॥ तयल्लहीपवालेसु पत्तपुप्फफलेसु य । मूलगामज्झबीएसु
 जोणी केस्सइ कित्तिया ॥ ३ ॥ सेत्तं साहारणसरीरवायरवणस्सइकाइया । सेत्तं वायर-
 वणस्सइकाइया । सेत्तं वणस्सइकाइया । सेत्तं एगिदिया ॥४३-३॥ से किं तं बेइदिया ?
 बेइदिया अणेगविहा पणत्ता । तंजहा-पुलाकिमिया, कुच्छिमिया, गंडूयलगा,

गोओमा, णउरा, सोमंगलगा, वंसीमुहा, सूइमुहा, गोजलोया, जलोया, जालाउया, संखा, संवणमा, घुल्ला, खुल्ला, गुल्या, खंथा, बराडा, सोत्तिया, मुत्तिया, वलुया-
वासा, एगओवत्ता, दुहओवत्ता, णंदियावत्ता, संबुक्का, माइवाहा, सिप्पिसंपुडा, चंदणा, समुदल्लिक्खा, जेयावण्णे तहप्पगारा । सव्वे ते संमुच्छिमा णपुंसगा । ते
समासओ दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—पजत्तगा य अपजत्तगा य । एसि णं एवमाइ-
याणं बेइंदियाणं पजत्तापजत्ताणं सत्त जाइकुल्लोडिजोणीप्पमुहसयसहस्सा भवंतीति मक्खायं । सेत्तं बेइंदियसंसारसमावण्णजीवपण्णवणा ॥ ४४ ॥ से किं तं तेइंदियसं-
सारसमावण्णजीवपण्णवणा ? तेइंदियसंसारसमावण्णजीवपण्णवणा अणेगविहा पण्णत्ता ।
तंजहा—ओवइया, रोहिणिया, कुंथू, पिपीलिया, उहंसगा, उदेइया, उक्कलिया,
उप्पाया, उप्पाडा, तण्णाहारा, कट्ठाहारा, मालुया, पत्ताहारा, तणवैटिया, पत्तवै-
टिया, पुप्फवैटिया, फलवैटिया, बीयवैटिया, तेबुरणमिजिया, तओसिमिजिया,
कप्पासत्थिमिजिया, हिल्लिया, झिल्लिया, झिंगिरा, किमिरिडा, बाहुया, लहुया,
सुभगा, सोवत्थिया, सुयवैट्या, इंदकाइया, इंदगोवया, तुरुत्तंवागा, कुच्छल्लाहगा,
जूरा, हालाहला, पिसुया, सयवाइया, गोम्भी; हत्थिसोंडा, जेयावण्णे तहप्पगारा ।
सव्वे ते संमुच्छिमा णपुंसगा । ते समासओ दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—पजत्तगा य
अपजत्तगा य । एसि णं एवमाइयाणं तेइंदियाणं पजत्तापजत्ताणं अट्ठ जाइकुल्लो-
डिजोणीप्पमुहसयसहस्सा भवंतीति मक्खायं । सेत्तं तेइंदियसंसारसमावण्णजीवपण्ण-
वणा ॥ ४५ ॥ से किं तं चउरिंदियसंसारसमावण्णजीवपण्णवणा ? २ अणेगविहा
पण्णत्ता । तंजहा—अंधिय-पत्तिय-मच्छियमसगा कीडे तहा पयंगे य । टंकुण कुकड-
कुक्कुहणंदावत्ते य सिमिरडे ॥ किण्हपत्ता णोल्लपत्ता लोहियपत्ता हालिहपत्ता मुक्किल्ल-
पत्ता, चित्तपक्खा, विचित्तपक्खा, ओहंजलिया, जलच्चरिया, गंभीरा, णीणिया,
तंतवा अच्छिरोडा अच्छिवेहा सारंगा णेउरा दोला भमरा भरिली जरुला तोइं
विंछुया, पत्तविंछुया, लाणविंछुया, जलविंछुया, पियंगाला, कणगा, गोमदकीडा,
जेयावण्णे तहप्पगारा । सव्वे ते संमुच्छिमा णपुंसगा । ते समासओ दुविहा पण्णत्ता ।
तंजहा—पजत्तगा य अपजत्तगा य । एसि णं एवमाइयाणं चउरिंदियाणं पजत्ताप-
जत्ताणं णव जाइकुल्लोडिजोणीप्पमुहसयसहस्साइं भवंतीति मक्खायं । सेत्तं चउरि-
दियसंसारसमावण्णजीवपण्णवणा ॥ ४६ ॥ से किं तं पंचेदियसंसारसमावण्णजीवपण्ण-
वणा ? २ चउव्विहा पण्णत्ता । तंजहा—णेरइयपंचिंदियसंसारसमावण्णजीवपण्णवणा,

तिरिक्खजोणिपंचिदियसंसारसमावण्णजीवपणवणा, मणुस्सपंचिदियसंसारसमावण्ण-
 जीवपणवणा, देवपंचिदियसंसारसमावण्णजीवपणवणा ॥४७॥ से किं तं णेरइया ?
 णेरइया सत्तविहा पणत्ता । तंजहा—१ रयणप्पभापुटविणेरइया, २ सक्करप्पभापुटवि-
 णेरइया, ३ वालुयप्पभापुटविणेरइया, ४ पंक्कप्पभापुटविणेरइया, ५ धूमप्पभापुटवि-
 णेरइया, ६ तमप्पभापुटविणेरइया, ७ तमतमप्पभापुटविणेरइया । ते समासओ
 दुविहा पणत्ता । तंजहा—पज्जत्ता य अपज्जत्ता य । सेत्तं णेरइया ॥४८॥ से किं
 तं पंचेदियतिरिक्खजोणिया ? पंचिदियतिरिक्खजोणिया तिविहा पणत्ता । तंजहा—
 १ जलयरपंचिदियतिरिक्खजोणिया य, २ थलयरपंचिदियतिरिक्खजोणिया य,
 ३ खहरपंचिदियतिरिक्खजोणिया य ॥४९॥ से किं तं जलयरपंचिदियतिरिक्ख-
 जोणिया ? जलयरपंचिदियतिरिक्खजोणिया पंचविहा पणत्ता । तंजहा—१ मच्छा,
 २ कच्छभा, ३ गाहा, ४ मगरा, ५ सुंमुमारा । से किं तं मच्छा ? मच्छा अणेश-
 विहा पणत्ता । तंजहा—सण्हमच्छा, खवल्लमच्छा, जुंगमच्छा, विज्जडियमच्छा, इलि-
 मच्छा, मगरिमच्छा, रोहियमच्छा, हल्लीसागरा, गाभरा, वडा, वडगरा, गब्भया,
 उसगारा, तिमी, तिभिगिला, णका, तंदुलमच्छा, कणिकामच्छा, साली, सत्थिया-
 मच्छा, लंभणमच्छा, पडागा, पडागाइपडागा, जेयावण्णे तहप्पगारा । सेत्तं मच्छा ।
 से किं तं कच्छभा ? कच्छभा दुविहा पणत्ता । तंजहा—अट्टिकच्छभा य मंसकच्छभा
 य । सेत्तं कच्छभा । से किं तं गाहा ? गाहा पंचविहा पणत्ता । तंजहा—१ दिली,
 २ वेढगा, ३ मुद्रया, ४ पुलया, ५ सीमागारा । सेत्तं गाहा । से किं तं मगरा ?
 मगरा दुविहा पणत्ता । तंजहा—१ सोडमगरा य, २ मट्टमगरा य । सेत्तं मगरा । से
 किं तं सुंमुमारा ? सुंमुमारा एगागारा पणत्ता । सेत्तं सुंमुमारा । जेयावण्णे तहप्पगारा ।
 ते समासओ दुविहा पणत्ता । तंजहा—संमुच्छिमा य गब्भवक्कंतिया य । तत्थ णं
 जे ते संमुच्छिमा ते सध्वे णपुंसगा । तत्थ णं जे ते गब्भवक्कंतिया ते तिविहा
 पणत्ता । तंजहा—इत्थी, पुरिसा, णपुंसगा । एसि णं एवमाइयाणं जलयरपंचिदिय-
 तिरिक्खजोणियाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं अद्धतेरसजाइकुलकोडिजोणिप्पमुहसयसहरसा
 भवंतीति मक्खायं । सेत्तं जलयरपंचिदियतिरिक्खजोणिया ॥५०॥ से किं तं थल-
 यरपंचिदियतिरिक्खजोणिया ? थलयरपंचिदियतिरिक्खजोणिया दुविहा पणत्ता ।
 तंजहा—चउप्पयथलयरपंचिदियतिरिक्खजोणिया य परिसप्पयथलयरपंचिदियतिरि-
 क्खजोणिया य । से किं तं चउप्पयथलयरपंचिदियतिरिक्खजोणिया ? चउप्पयथल-

यरपंचिदियतिरिक्खजोणिवा चउत्विहा पण्णत्ता । तंजहा—एगखुरा, दुखुरा, गंडीपया, सणप्फया । से किं तं एगखुरा ? एगखुरा अणेगविहा पण्णत्ता । तंजहा—अस्सा, अस्स-तरा, वोडगा, गहभा, गोरक्खरा, कंदलगा, सिरिकंदलगा, आवत्तगा, जेयावण्णे तहप्पगारा । सेत्तं एगखुरा । से किं तं दुखुरा ? दुखुरा अणेगविहा पण्णत्ता । तंजहा—उट्ठा, गोणा, गवया, रोज्झा, पसया, महिमा, मिथा, संबरा, वराहा, अया, एल्ला-रुक्क-सरभ-चमर-कुरंग-गोक्कणमाई, जेयावण्णे तहप्पगारा । सेत्तं दुखुरा । से किं तं गंडीपया ? गंडीपया अणेगविहा पण्णत्ता । तंजहा—हत्थी, हत्थीपूयणया, मंकुणहत्थी, खगा[ग्गा], गंडा, जेयावण्णे तहप्पगारा । सेत्तं गंडीपया । से किं तं सणप्फया ? सणप्फया अणेगविहा पण्णत्ता । तंजहा—सीहा, वग्वा, दीविया, अच्छा, तरच्छा, परस्सरा, सियाला बिडाला, सुगगा, कोलसुगगा, कोकंतिया, ससगा, चित्तगा, चिल्ललगा, जेयावण्णे तहप्पगारा । सेत्तं सणप्फया । ते समासओ दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—संमुच्छिमा य गम्भवक्कंतिया य । तत्थ णं जे ते संमुच्छिमा ते सव्वे णपुंसगा । तत्थ णं जे ते गम्भवक्कंतिया ते तिविहा पण्णत्ता । तंजहा—इत्थी, पुरिसा, णपुंसगा । एएसि णं एवमाइयाणं थल-यरपंचिदियतिरिक्खजोणियाणं पजत्तापजत्ताणं दस जाइकुलकोडिजोणिप्पमुहसय-सहस्सा भवन्तीति मक्खायं । सेत्तं चउत्पयथलयरपंचिदियतिरिक्खजोणिया ॥ ५१॥ से किं तं परिसप्पथलयरपंचिदियतिरिक्खजोणिवा ? परिसप्पथलयरपंचिदियतिरिक्खजोणिवा दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—उरपरिसप्पथलयरपंचिदियतिरिक्खजोणिवा य भुयपरिसप्पथलयरपंचिदियतिरिक्खजोणिवा य ॥ ५२॥ से किं तं उरपरिसप्पथलयरपंचिदियतिरिक्खजोणिवा ? उरपरिसप्पथलयरपंचिदियतिरिक्खजोणिवा चउ-त्विहा पण्णत्ता । तंजहा—अही, अयगरा, आसालिया, महोरगा । से किं तं अही ? अही दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—दक्कीकरा य मउल्लिणो य । से किं तं दक्कीकरा ? दक्कीकरा अणेगविहा पण्णत्ता । तंजहा—आसीविसा, दिट्ठीविसा, उग्गविसा, भोग-विसा, तयाविसा, लालाविसा, उस्सासविसा, णीसासविसा, कण्हसप्पा, सेयसप्पा, काओदरा, दज्जपुप्फा, कोलाहा, मेलिमिदा, सेसिंदा, जेयावण्णे तहप्पगारा । सेत्तं दक्कीकरा । से किं तं मउल्लिणो ? मउल्लिणो अणेगविहा पण्णत्ता । तंजहा—दिव्यागा, गोगसा, कसाहीया, वइउला, चित्तल्लिणो, मंडल्लिणो, माल्लिणो, अही, अहिसलागा, वासपट्टागा, जेयावण्णे तहप्पगारा । सेत्तं मउल्लिणो । सेत्तं अही । से किं तं अयगरा ? अयगरा एगागारा पण्णत्ता । सेत्तं अयगरा ॥ ५३ ॥ से किं तं आसालिया ? कहि णं

मते ! आसालिया संमुच्छइ !, गोयमा ! अंतो मणुस्सखेत्ते अड्डाइजेसु दीवेसु, णिवा-
 वाएण पणरससु कम्मभूसीसु, वाधायं पडुच्च पंचसु महाविदेहेसु, चक्खट्टिखंधावारेसु,
 वामुदेवखंधावारेसु, बलदेवखंधावारेसु, मंदलियखंधावारेसु, महामंदलियखंधावारेसु,
 गामणिवेसेसु, णगरणिवेसेसु, णिगमणिवेसेसु, खेडणिवेसेसु, कब्बडणिवेसेसु, मडंबणि-
 वेसेसु, दोणमुहणिवेसेसु, पट्टणिवेसेसु, आगरणिवेसेसु, आसमणिवेसेसु, संवाहणिवे-
 सेसु, रायहाणीणिवेसेसु, एएसि णं चेव विणासेसु एत्थ णं आसालिया संमुच्छइ ।
 जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागमित्ताए ओगाहणाए, उक्कोसेणं वारसजोयणाइं तय-
 गुरुत्वं च णं विक्खंभवाहलेणं भूमिं दालित्ता णं समुद्धेइ, असण्णी मिच्छदिट्ठी अण्णाणी
 अंतोमुहुत्तऽद्धाउया चेव कालं करेइ । सेत्ते आसालिया ॥५४॥ से किं तं महोरगा ?
 महोरगा अणेगविहा पण्णत्ता । तंजहा—अन्थेगइया अंगुलं पि, अंगुलपुहुत्तिया वि,
 वियत्थि पि, वियत्थिपुहुत्तिया वि, रयणि पि, रयणिपुहुत्तिया वि, कुच्छि पि, कुच्छि-
 पुहुत्तिया वि, धणुं पि, धणुपुहुत्तिया वि, गाउयं पि, गाउयपुहुत्तिया वि, जोयणं
 पि, जोयणपुहुत्तिया वि, जोयणसयं पि, जोयणसयपुहुत्तिया वि, जोयणसहस्सं पि ।
 ते णं थले जाया, जलेऽवि चरंति थलेऽवि चरंति, ते णत्थि इहं, बाहिरएसु दीवेसु
 समुद्दएसु हवंति, जेयावणे तहप्पगारा । सेत्ते महोरगा । ते समासओ दुविहा पण्णत्ता ।
 तंजहा—संमुच्छिमा य गम्भवक्कंतिया य । तत्थ णं जे ते संमुच्छिमा ते सत्वे णपुं-
 सगा । तत्थ णं जे ते गम्भवक्कंतिया ते ति विहा पण्णत्ता । तंजहा—इत्थी, पुरिसा,
 णपुंसगा । एएसि णं एवमाइयाणं पजत्तापजत्ताणं उरपरिसप्पाणं दसजाइकुलकोडि-
 जोणिप्पमुहसयसहस्सा भवंतीति मक्खायं । 'सेत्ते उरपरिसप्पा ॥ ५५ ॥ से किं तं
 भुयपरिसप्पा ? भुयपरिसप्पा अणेगविहा पण्णत्ता । तंजहा—णल्ला, सेहा, सरडा, सल्ला,
 सरंठा, सारा, खोरा, धरोइला, विस्संभरा, मूसा, मंगुसा, पयलाइया, झीरविरालिया,
 जोहा, चउप्पाइया, जेयावणे तहप्पगारा । ते समासओ दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—
 संमुच्छिमा य गम्भवक्कंतिया य । तत्थ णं जे ते संमुच्छिमा ते सत्वे णपुंसगा ।
 तत्थ णं जे ते गम्भवक्कंतिया ते ति विहा पण्णत्ता । तंजहा—इत्थी, पुरिसा, णपुंसगा ।
 एएसि णं एवमाइयाणं पजत्तापजत्ताणं भुयपरिसप्पाणं णव जाइकुलकोडिजोणिप्पमुह-
 सयसहस्सा भवंतीति मक्खायं । सेत्ते भुयपरिसप्पथलयरपंचिदियतिरिक्खजोणिया ।
 सेत्ते परोसप्पथलयरपंचिदियतिरिक्खजोणिया ॥ ५६ ॥ से किं तं खहयरपंचिदिय-
 तिरिक्खजोणिया ? खहयरपंचिदियतिरिक्खजोणिया चउज्झिहा पण्णत्ता । तंजहा—
 चम्मपक्खी, लोमपक्खी, समुग्गपक्खी, विययपक्खी । से किं तं चम्मपक्खी ? चम्म-

पक्खी अणेगविहा पणत्ता । तंजहा—वग्गुली, जलोया, अडिह्ठा, भारंइपक्खी, जीवं-
जीवं, समुद्वायसा, कणत्तिवा, पक्खिविरालिया, जेयावण्णे तहपगारा । सेत्तं चम्म-
पक्खी । से किं तं लोमपक्खी ? लोमपक्खी अणेगविहा पणत्ता । तंजहा—टंका, कंका,
कुरला, वायसा, चक्कागा, हंसा, कलहंसा, रायहंसा, पायहंसा, आडा, सेंडी, यगा,
वज्जगा, पारिप्पवा, कोंचा, सारसा, मेसरा, मसूरा, मऊरा, सत्तहत्था, गहरा,
पोंडरिया, कागा, कामिजुया, वंजुलया, तित्तिरा, वट्टगा, लायगा, कवोया, कविंजला,
पारेवया, चिडगा, चासा, कुक्कुडा, सुगा, बरहिणा मयणसलागा, कोइला, सेहा,
वरिल्लगमाई । सेत्तं लोमपक्खी । से किं तं समुग्गपक्खी ? समुग्गपक्खी एगागारा
पणत्ता । ते णं णत्थि इहं, बाहिरएसु दीवसमुद्देसु भवंति । सेत्तं समुग्गपक्खी ।
से किं तं विययपक्खी ? विययपक्खी एगागारा पणत्ता । ते णं णत्थि इहं, बाहिरएसु
दीवसमुद्देसु भवंति । सेत्तं विययपक्खी । ते समासओ दुविहा पणत्ता । तंजहा—
संमुच्छिमा य गम्भवक्कंतिया य । तत्थ णं जे ते संमुच्छिमा ते सत्त्वे णपुंसगा ।
तत्थ णं जे ते गम्भवक्कंतिया ते तिविहा पणत्ता । तंजहा—इत्थी, पुरिसा, णपुंसगा ।
एएसि णं एयमाइयाणं खहयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पज्जत्तापज्जताणं बारस
जाइकुलकोडिजोणियमसयसहस्सा भवंतीति मक्खायं । सत्तट्ठाजाइकुलकोडिलवव
णव अद्धतेरसाइं च । दस दस य होति णवगा तह बारस चेव बोद्धवा । सेत्तं
खहयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिया । सेत्तं पंचिंदियतिरिक्खजोणिया ॥ ५७ ॥ से किं
तं मणुस्सा ? मणुस्सा दुविहा पणत्ता । तंजहा—संमुच्छिममणुस्सा य गम्भवक्कंतिय-
मणुस्सा य ॥ ५८ ॥ से किं तं संमुच्छिममणुस्सा ? कहि णं मंते ! संमुच्छिममणुस्सा
संमुच्छति ?, गोयमा ! अंतो मणुस्सखेत्ते पणयालीसाए जोयणसयसहस्सेसु, अट्ठाइ-
जेंसु दीवसमुद्देसु, पण्णरससु कम्मभूमीसु, तीसाए अकम्मभूमीसु, छप्पणाए अंतरदी-
वएसु गम्भवक्कंतियमणुस्साणं चेव उच्चारसु वा, पासवणेसु वा, खेलेसु वा, सिंघाणएसु
वा, वंतेसु वा, पिंतेसु वा, पूएसु वा, सोणिएसु वा, सुक्केसु वा, सुक्कपुगालपरिसाडंसु
वा, विगयजीवकलेवरेसु वा, थीपुरिससंजोएसु वा, णगरणिद्धमणेसु वा, सत्त्वेसु चेव
अमुइड्ढाणेसु, एत्थ णं संमुच्छिममणुस्सा संमुच्छति अंगुलस्स असंखेजइभागमेत्ताए
ओगाहणाए । असण्णी मिच्छदिट्ठी अण्णाणी सत्त्वाहिं पज्जत्तीहिं अपज्जत्ता अंतोमुह-
त्ताउया चेव कालं करेति । सेत्तं संमुच्छिममणुस्सा ॥ ५९ ॥ से किं तं गम्भवक्कंतिय-
मणुस्सा ? गम्भवक्कंतियमणुस्सा तिविहा पणत्ता । तंजहा—कम्मभूमा, अकम्म-

भूमगा, अंतरदीवगा ॥ ६० ॥ से किं तं अंतरदीवगा ? अंतरदीवगा अन्धार्वा-
विद्वा पणत्ता । तंजहा—१ एगोरुया, २ आभासिया, ३ वेसाणिया, ४ णंगोलिया,
५ ह्यकण्णा, ६ गयकण्णा, ७ गोकण्णा, ८ सक्कुलिकण्णा, ९ आयंसमुहा १० मेंदमुहा,
११ अयोमुहा, १२ गोमुहा, १३ आसमुहा, १४ हथिमुहा १५ सीहमुहा,
१६ वण्णमुहा, १७ आसकण्णा, १८ हरिकण्णा, १९ अकण्णा, २० कण्णपाउरणा,
२१ उक्कामुहा, २२ मेहमुहा, २३ विज्जुमुहा, २४ विज्जुदंता, २५ घणदंता,
२६ लद्धदंता, २७ गूददंता, २८ सुद्धदंता । सेत्तं अंतरदीवगा ॥ ६१ ॥ से किं तं
अकम्मभूमगा ? अकम्मभूमगा तीसविहा पणत्ता । तंजहा—पंचहिं हेमवएहिं, पंचहिं
हेरणवएहिं, पंचहिं हरिवासिंहिं, पंचहिं रम्मगवासिंहिं, पंचहिं देवकुरुहिं, पंचहिं उत्तर-
कुरुहिं । सेत्तं अकम्मभूमगा ॥ ६२ ॥ से किं तं कम्मभूमगा ? कम्मभूमगा पण्णरसविहा
पणत्ता । तंजहा—पंचहिं भरहेहिं, पंचहिं एखएहिं, पंचहिं महाविदेहेहिं । ते समासओ
दुविहा पणत्ता । तंजहा—आरिया य मिलक्खू य ॥ ६३ ॥ से किं तं मिलक्खू ?
मिलक्खू अणेगविहा पणत्ता । तंजहा—सगा जवणा चिलाय-सबर-वव्वर कायमुद्धोड-
भडग-णिण्णग-पक्कणिया कुलक्ख-गोंड-सिंहल-पारस-गोधा-कोंच-अंबडइदमिलच्छिल्ल-
पुलिंद-हारोस-दोव-चोक्काण-गंधाहारग-पहलिय-अज्झल-रोमपास-पउसा-मलयाय-बंधु-
याय-सूयलिकुंकुणग-मेयपल्लव-मालव-मग्गर-आभासियाणक्क-चीणल्लहसिय-खसा-वासिय-
णहरमोंद-डोबिलग-लओस-पओस-क्केय-अक्खाग-हूण-रोमग-भरुमरुय-चिलाय-विस-
ववासी य एवमाई । सेत्तं मिलक्खू ॥ ६४ ॥ से किं तं आरिया ? आरिया दुविहा पणत्ता ।
तंजहा—इड्ढिपत्तारिया य अणिड्ढिपत्तारिया य । से किं तं इड्ढिपत्तारिया ? इड्ढि-
पत्तारिया छविहा पणत्ता ॥ तंजहा—१ अरहंता, २ चक्कवट्ठी, ३ बलदेवा, ४ वासुदेवा,
५ चारणा, ६ विजाहरा । सेत्तं इड्ढिपत्तारिया । से किं तं अणिड्ढिपत्तारिया ?
अणिड्ढिपत्तारिया णवविहा पणत्ता । तंजहा—खेत्तारिया, जाइआरिया, कुल्लारिया,
कम्मारिया, सिप्पारिया, भासारिया, णाणारिया, दंसणारिया, चरित्तारिया ॥ ६५ ॥
से किं तं खेत्तारिया ? खेत्तारिया अद्धल्लवीसइविहाणा पणत्ता । तंजहा—रायगिह-
मगह-चंपा, अंगा तह तामलित्ति वंगा य । कंचणपुरं कलिंगा, वाणारसी चैवकासी
य ॥ ११ ॥ साएय कोसला गयपुरं च कुरु सोरियं कुसुड्डा य । कंपिल्लं पंचाला, अहिच्छत्ता
जंगला चैव ॥ २२ ॥ बारखई सोरड्डा, मिहिल विदेहा य वच्छ कोसंबी । णदिपुरं संबिड्डा,
भदिलपुरमेव मलया य ॥ ३१ ॥ वइराड वच्छ वरणा, अच्छा तह मत्तियावइ दसण्णा ।

सोत्तिववई य चेदो, वीयभयं सिंधुसोवारा ॥४॥ महुरा य सूरसेणा, पाया भंभी य
 माम पुरिवट्ठा । सावथी य कुणाला, कोडीवरिसं च लट्ठा य ॥५॥ सेयविद्या वि
 य णवरी, केयइअद्धं च आरियं भणियं । इत्थुप्पत्ती जिणाणं, चक्रीणं रामकण्ठाणं
 ॥६॥ सेत्तं खेत्तारिया ॥६६॥ से किं तं जाइआरिया ? जाइआरिया छव्विहा
 पणत्ता । तंजहा—अंवट्ठा य कलिंदा विदेहा वेदगा इ य । हरिया तुंचुणा चेव छ
 एया इम्मजाइओ ॥ सेत्तं जाइआरिया ॥६७॥ से किं तं कुलारिया ? कुलारिया
 छव्विहा पणत्ता । तंजहा—उग्गा, भोगा, राइणा, इक्खागा, णाया, कोरव्वा । सेत्तं
 कुलारिया ॥६८॥ से किं तं कम्मारिया ? कम्मारिया अणेगविहा पणत्ता । तंजहा—
 दोसिया, सोत्तिया, कप्पासिया, सुत्तवेयालिया, भंडवेयालिया, कोलालिया णरवाह-
 णिया ॥ जेयावण्णे तहप्पगारा । सेत्तं कम्मारिया ॥६९॥ से किं तं सिप्पारिया ?
 सिप्पारिया अणेगविहा पणत्ता । तंजहा—तुण्णागा, तंतुवारा, पट्टागारा देयडा, वरुट्ठा,
 छव्विया, कट्टपाउयारा, मुंजपाउयारा, छत्तारा, वज्झारा पोन्धारा, लेप्पारा, चित्तारा,
 संखारा, दंतारा, भंडारा, जिज्झगारा, सेह्वारा, कोडिगारा, जेयावण्णे तहप्पगारा ।
 सेत्तं सिप्पारिया ॥७०॥ से किं तं भासारिया ? भासारिया जे णं अद्धमागहाए
 भासाए भासेत्ति, जत्थइवि य णं वंभी लिक्की पवत्तइ । वंभीए णं लिक्कीए अट्टारसविहं
 लेक्कविविहाणे पणत्ते । तंजहा—१ वंभी, २ जवणाणिया, ३ दोसापुरिया, ४ सरोदट्ठा
 ५ पुक्खरसारिया, ६ भोगवइया, ७ पहराइया, ८ अंतकखरिया, ९ अक्खरपुट्टिया,
 १० वेणइया, ११ णिण्हइया, १२ अंकलिक्की, १३ गणियलिक्की, १४ गंधक्कलिक्की,
 १५ आयंसलिक्की, १६ माहेसरी, १७ दोमिलिक्की, १८ पोलिंदी । सेत्तं भासारिया
 ॥७१॥ से किं तं णाणारिया ? णाणारिया पंचविहा पणत्ता । तंजहा—आभिणिबोहिय-
 णारिया, सुयणाणारिया, ओहिणाणारिया, मणपज्जवणाणारिया, केवलणाणारिया ।
 सेत्तं णाणारिया ॥७२॥ से किं तं दंसणारिया ? दंसणारिया दुविहा पणत्ता । तंजहा—
 सरागदंसणारिया य वीयरगदंसणारिया य ॥७३॥ से किं तं सरागदंसणारिया ? सरा-
 गदंसणारिया दसविहा पणत्ता । तंजहा—णिसग्गुवएसरुई आणारुई सुत्तकीयरुइमेव ।
 अभिगमवित्थारुई किरियासंखेवधम्मरुई ॥१॥ भूयत्थेणाहिगया जीवाजीवे य पण-
 पावं च । सहसंसुइयाऽऽसवसंवरे य रोएइ उ णिस्सग्गो ॥२॥ जो जिणविट्ठे भावे
 चउव्विहे सट्ठाइ सयमेव । एमेव णण्हत्ति य णिस्सगरुहत्ति णायव्वो ॥३॥ एए
 चेव उ भावे उवविट्ठे जो परेण सट्ठाइ । छउमत्थेण जिणेण व उवएसइत्ति

णायव्वो ॥४॥ जो हेउमयाणंतो आणाए रोयए पवयणं तु । एमेव णणहत्ति य एसो आणारुई णाम ॥५॥ जो सुत्तमहिज्जंतो सुएण ओगाहई उ सम्मत्तं । अणेण बाहिरेण व सो सुत्तरुइत्ति णायव्वो ॥ ६ ॥ एगपएअणेगाइ पयाइ जो पसरई उ सम्मत्तं । उदए व्व तेहविदू सो बीयरुइत्ति णायव्वो ॥ ७ ॥ सो होइ अभिगमरुई सुवणाणं जस्स अत्थओ दिट्ठं । इक्कारस अंगाइ पइणगा दिट्ठिवाओ य ॥ ८ ॥ दव्वाण सव्वभावा सव्वपमाणेहि जस्स उवल्लदा । सव्वाहि णयविहीहि विट्ठाररुइत्ति णायव्वो ॥ ९ ॥ दंसणणाणचरित्ते तवविणए सव्वसमिइगुत्तीसु । जो किरियाभावरुई सो खलु किरियारुई णाम ॥१०॥ अणमिग्गहियकुट्ठिदी रुस्सेयरुइत्ति होइ णायव्वो । अविसारओ पवयणे अणमिग्गहिओ य सेसेसु ॥ ११ ॥ जो अत्थिकायधम्मं सुयधम्मं खलु चरित्तधम्मं च । सहइइ जिणाभिहियं सो धम्मरुइत्ति णायव्वो ॥ १२ ॥ परमत्थसंथवो वा सुदिट्ठपरमत्थसेवणा वावि । वावण्णकुदंसणवज्जणा व सम्मत्तसइहणा ॥ १३ ॥ णिस्सकिय णिकंखिय णिव्वितिणिच्छा अमूददिट्ठि य । उववूहथिरारकरणे वच्छइपभावणे अट्ठ ॥ १४ ॥ सेत्ते सरागदंसणारिया ॥७४॥ से किं तं वीयरायदंसणारिया ? वीयरायदंसणारिया दुविहा पणत्ता । तंजहा—उवसंतकसायवीयरायदंसणारिया य खीणकसायवीयरायदंसणारिया य । से किं तं उवसंतकसायवीयरायदंसणारिया ? उवसंतकसायवीयरायदंसणारिया दुविहा पणत्ता । तंजहा—पदमसमयउवसंतकसायवीयरायदंसणारिया य अपदमसमयउवसंतकसायवीयरायदंसणारिया य । अहवा चरिमसमयउवसंतकसायवीयरायदंसणारिया य अचरिमसमयउवसंतकसायवीयरायदंसणारिया य । सेत्ते उवसंतकसायवीयरायदंसणारिया । से किं तं खीणकसायवीयरायदंसणारिया ? खीणकसायवीयरायदंसणारिया दुविहा पणत्ता । तंजहा—छउमत्थखीणकसायवीयरायदंसणारिया य केवल्लिखीणकसायवीयरायदंसणारिया य । से किं तं छउमत्थखीणकसायवीयरायदंसणारिया ? छउमत्थखीणकसायवीयरायदंसणारिया दुविहा पणत्ता । तंजहा—सयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरायदंसणारिया य बुद्धयोहियछउमत्थखीणकसायवीयरायदंसणारिया य । से किं तं सयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरायदंसणारिया ? सयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरायदंसणारिया दुविहा पणत्ता । तंजहा—पदमसमयसयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरायदंसणारिया य अपदमसमयसयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरायदंसणारिया य । अहवा चरिमसमयसयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरायदंसणारिया य

अचरिमसमयसंबुद्धछउमत्थस्त्रीणकसायवीयरायदंसणारिया य । सेत्तं सयंबुद्धछउ-
मत्थस्त्रीणकसायवीयरायदंसणारिया । से किं तं बुद्धबोहियछउमत्थस्त्रीणकसायवीय-
रायदंसणारिया ? बुद्धबोहियछउमत्थस्त्रीणकसायवीयरायदंसणारिया दुविहा पण्णत्ता ।
तं जहा—पढमसमयबुद्धबोहियस्त्रीणकसायवीयरायदंसणारिया य अपढमसमयबुद्धबोहि-
यछउमत्थस्त्रीणकसायवीयरायदंसणारिया य । अहवा चरिमसमयबुद्धबोहियछउमत्थ-
स्त्रीणकसायवीयरायदंसणारिया य अचरिमसमयबुद्धबोहियछउमत्थस्त्रीणकसायवीय-
रायदंसणारिया य । सेत्तं बुद्धबोहियछउमत्थस्त्रीणकसायवीयरायदंसणारिया । सेत्तं
छउमत्थस्त्रीणकसायवीयरायदंसणारिया । से किं तं केवलस्त्रीणकसायवीयरायदंसणा-
रिया ? केवलस्त्रीणकसायवीयरायदंसणारिया दुविहा पण्णत्ता । तं जहा—सजोगि-
केवलस्त्रीणकसायवीयरायदंसणारिया य अजोगिकेवलस्त्रीणकसायवीयरायदंसणा-
रिया य । से किं तं सजोगिकेवलस्त्रीणकसायवीयरायदंसणारिया ? सजोगिकेवलि-
स्त्रीणकसायवीयरायदंसणारिया दुविहा पण्णत्ता । तं जहा—पढमसमयसजोगिकेवलि-
स्त्रीणकसायवीयरायदंसणारिया य अपढमसमयसजोगिकेवलस्त्रीणकसायवीयराय-
दंसणारिया य । अहवा चरिमसमयसजोगिकेवलस्त्रीणकसायवीयरायदंसणारिया य
अचरिमसमयसजोगिकेवलस्त्रीणकसायवीयरायदंसणारिया य । सेत्तं सजोगिकेवलि-
स्त्रीणकसायवीयरायदंसणारिया । से किं तं अजोगिकेवलस्त्रीणकसायवीयरायदंसणा-
रिया ? अजोगिकेवलस्त्रीणकसायवीयरायदंसणारिया दुविहा पण्णत्ता । तं जहा—पढमस-
मयअजोगिकेवलस्त्रीणकसायवीयरायदंसणारिया य अपढमसमयअजोगिकेवलस्त्रीण-
कसायवीयरायदंसणारिया य । अहवा चरिमसमयअजोगिकेवलस्त्रीणकसायवीयराय-
दंसणारिया य अचरिमसमयअजोगिकेवलस्त्रीणकसायवीयरायदंसणारिया य । सेत्तं
अजोगिकेवलस्त्रीणकसायवीयरायदंसणारिया । सेत्तं केवलस्त्रीणकसायवीयरायदंसणा-
रिया । सेत्तं स्त्रीणकसायवीयरायदंसणारिया । सेत्तं दंसणारिया ॥ ७५ ॥ से किं तं
चरित्तारिया ? चरित्तारिया दुविहा पण्णत्ता । तं जहा—सरागचरित्तारिया य दीयरान-
चरित्तारिया य । से किं तं सरागचरित्तारिया ? सरागचरित्तारिया दुविहा पण्णत्ता ।
तं जहा—सुहुमसंपरायसरागचरित्तारिया य बायरसंपरायसरागचरित्तारिया य । से
किं तं सुहुमसंपरायसरागचरित्तारिया ? सुहुमसंपरायसरागचरित्तारिया दुविहा
पण्णत्ता । तं जहा—पढमसमयसुहुमसंपरायसरागचरित्तारिया य अपढमसमयसुहुम-
संपरायसरागचरित्तारिया य । अहवा चरिमसमयसुहुमसंपरायसरागचरित्तारिया य

यवीयरायचरित्तारिया य । सेत्तं बुद्धबोहियच्छउमत्थखीणकसायवीयरायचरित्तारिया ।
 सेत्तं छउमत्थखीणकसायवीयरायचरित्तारिया । से किं तं केवल्लिखीणकसायवीयरा-
 यचरित्तारिया ? केवल्लिखीणकसायवीयरायचरित्तारिया दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—
 सजोगिकेवल्लिखीणकसायवीयरायचरित्तारिया य अजोगिकेवल्लिखीणकसायवीयरायच-
 रित्तारिया य । से किं तं सजोगिकेवल्लिखीणकसायवीयरायचरित्तारिया । सजोगिकेव-
 लिखीणकसायवीयरायचरित्तारिया दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—पटमसमयसजोगिकेव-
 लिखीणकसायवीयरायचरित्तारिया य अपटमसमयसजोगिकेवल्लिखीणकसायवीयराय-
 चरित्तारिया य । अहवा चरिमसमयसजोगिकेवल्लिखीणकसायवीयरायचरित्तारिया य
 अचरिमसमयसजोगिकेवल्लिखीणकसायवीयरायचरित्तारिया य । सेत्तं सजोगिकेवल-
 लिखीणकसायवीयरायचरित्तारिया । से किं तं अजोगिकेवल्लिखीणकसायवीयरायचरि-
 त्तारिया ? अजोगिकेवल्लिखीणकसायवीयरायचरित्तारिया दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—
 पटमसमयअजोगिकेवल्लिखीणकसायवीयरायचरित्तारिया य अपटमसमयअजोगिकेव-
 लिखीणकसायवीयरायचरित्तारिया य । अहवा चरिमसमयअजोगिकेवल्लिखीणकसाय-
 वीयरायचरित्तारिया य अचरिमसमयअजोगिकेवल्लिखीणकसायवीयरायचरित्तारिया य
 सेत्तं अजोगिकेवल्लिखीणकसायवीयरायचरित्तारिया । सेत्तं केवल्लिखीणकसायवीयरायच-
 रित्तारिया । सेत्तं खीणकसायवीयरायचरित्तारिया । सेत्तं वीयरायचरित्तारिया । अहवा
 चरित्तारिया पंचविहा पण्णत्ता । तंजहा—सामाइयचरित्तारिया, छेदोवट्ठावणियचरित्ता-
 रिया, परिहारविसुद्धियचरित्तारिया, सुहुमसंपरायचरित्तारिया, अहक्खायचरित्तारिया
 य । से किं तं सामाइयचरित्तारिया ? सामाइयचरित्तारिया दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—
 इत्तरियसामाइयचरित्तारिया य आवकहियसामाइयचरित्तारिया य । सेत्तं सामाइयच-
 रित्तारिया । से किं तं छेदोवट्ठावणियचरित्तारिया ? छेदोवट्ठावणियचरित्तारिया दुविहा
 पण्णत्ता । तंजहा—साइयारछेदोवट्ठावणियचरित्तारिया य गिरिइयारछेदोवट्ठावणियच-
 रित्तारिया य । सेत्तं छेदोवट्ठावणियचरित्तारिया । से किं तं परिहारविसुद्धियचरित्ता-
 रिया ? परिहारविसुद्धियचरित्तारिया दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—णिविस्समाणपरिहारवि-
 सुद्धियचरित्तारिया य णिविट्ठकाइयपरिहारविसुद्धियचरित्तारिया य । सेत्तं परिहारविमु-
 द्धियचरित्तारिया । से किं तं सुहुमसंपरायचरित्तारिया ? सुहुमसंपरायचरित्तारिया
 दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—संकिट्ठिस्समाणसुहुमसंपरायचरित्तारिया य विमुच्चमाणसु-
 हुमसंपरायचरित्तारिया य । से तं सुहुमसंपरायचरित्तारिया । से किं तं अहक्खायच-

रित्तरिया ? अहक्खायचरित्तरिया दुविहा पणत्ता । तंजहा—छउमत्थअहक्खाय-
चरित्तरिया य केवलअहक्खायचरित्तरिया य । सेत्तं अहक्खायचरित्तरिया । सेत्तं
चरित्तरिया । सेत्तं अणिद्धिपत्तारिया । सेत्तं कम्मभूमगा । सेत्तं गम्भवक्कंतिता । सेत्तं
मणुस्सा ॥ ७७ ॥ से किं तं देवा ? देवा चउव्विहा पणत्ता । तंजहा—भवणवासी,
वाणमंतरा, जोइसिया, वेमाणिया । से किं तं भवणवासी ? भवणवासी दसविहा
पणत्ता । तंजहा—असुरकुमारा, णागकुमारा, सुवणकुमारा, विज्जुकुमारा, अग्गिकु-
मारा, दीवकुमारा, उदहिकुमारा, दिसाकुमारा, वाउकुमारा, थणियकुमारा । ते समा-
सओ दुविहा पणत्ता । तंजहा—पजत्तगा य अपजत्तगा य । सेत्तं भवणवासी । से किं
तं वाणमंतरा ? वाणमंतरा अट्टविहा पणत्ता । तंजहा—किण्णरा, किंपुरिसा, महोरगा,
गंधव्वा, जक्खा, रक्खसा, भूया, पिसाया । ते समासओ दुविहा पणत्ता ।
तंजहा—पजत्तगा य अपजत्तगा य । सेत्तं वाणमंतरा । से किं तं जोइसिया ?
जोइसिया पंचविहा पणत्ता । तंजहा—चंदा, सूरा, गहा, णक्खत्ता, तारा । ते
समासओ दुविहा पणत्ता । तंजहा—पजत्तगा य अपजत्तगा य । सेत्तं जोइसिया ॥
से किं तं वेमाणिया ? वेमाणिया दुविहा पणत्ता । तंजहा—कप्पोवगा य कप्पाईया
य । से किं तं कप्पोवगा ? कप्पोवगा बारसविहा पणत्ता । तंजहा—सोहम्मा,
ईसाणा, सणकुमारा, माहिंदा, बंभलोया, छंतया, महासुक्का, सहस्सारा, आणया,
पाणया, आरणा, अच्चुया । ते समासओ दुविहा पणत्ता, तंजहा—पजत्तगा य
अपजत्तगा य । सेत्तं कप्पोवगा । से किं तं कप्पाईया ? कप्पाईया दुविहा पणत्ता ।
तंजहा—गेविजगा य अणुत्तरोववाइया य । से किं तं गेविजगा ? गेविजगा णवविहा
पणत्ता । तंजहा—हिट्ठिमहिट्ठिमगेविजगा, हिट्ठिममज्झिमगेविजगा, हेट्ठिमउवरि-
मगेविजगा, मज्झिमहेट्ठिमगेविजगा, मज्झिममज्झिमगेविजगा, मज्झिमउवरिमगे-
विजगा, उवरिमहेट्ठिमगेविजगा, उवरिममज्झिमगेविजगा, उवरिमउवरिमगेविजगा ।
ते समासओ दुविहा पणत्ता । तंजहा—पजत्तगा य अपजत्तगा य । सेत्तं गेविजगा ।
से किं तं अणुत्तरोववाइया ? अणुत्तरोववाइया पंचविहा पणत्ता । तंजहा—विजया,
वेजयंता, जयंता, अपराजिया, सव्वट्ठसिद्धा । ते समासओ दुविहा पणत्ता । तंजहा—
पजत्तगा य अपजत्तगा य । सेत्तं अणुत्तरोववाइया । सेत्तं कप्पाईया । सेत्तं वेमाणिया ।
सेत्तं देवा । सेत्तं पंचिंदिया । सेत्तं संसारसमावण्णजीवपण्णवणा । सेत्तं जीवपण्णवणा ।
सेत्तं पणवणा ॥ ७८ ॥ पणवणाए भगवईए पढमं पणवणापयं समत्तं

बीयं ठाणपयं

कहि णं भंते ! बायरपुदविकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! सट्ठा-
 णेणं अट्ठसु पुदवीसु, तंजहा--रयणप्पभाए, सक्करप्पभाए, वालुवप्पभाए, पंक्कप्पभाए,
 धूमप्पभाए, तमप्पभाए, तमतमप्पभाए, ईसिप्पम्भाराए, अहोलोए पायालेसु, भव-
 णं, भवणपत्थडेसु, गिरएसु, गिरयावलियासु, गिरयपत्थडेसु; उड्डल्लोए कप्पेसु,
 विमाणेसु, विमाणावलियासु, विमाणपत्थडेसु; तिरियलोए टंकेसु, कूडेसु, सेलेसु,
 सिहरीसु, पम्भारेसु, विजएसु, वक्खारेसु, धासेसु, वासहरपव्वएसु, वेलासु, वेइयासु,
 दारेसु, तोरणेसु, दीवेसु, समुद्देसु, एत्थ णं बायरपुदविकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा
 पण्णत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्धाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे,
 सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे ॥ ७९ ॥ कहि णं भंते ! बायरपुदविकाइयाणं
 अपज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! जत्थेव बायरपुदविकाइयाणं पज्जत्तगाणं
 ठाणा पण्णत्ता तत्थेव बायरपुदविकाइयाणं अपज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता । उववाएणं
 सव्वलोए, समुग्धाएणं सव्वलोए, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे ॥ ८० ॥ कहि
 णं भंते ! सुहुमपुदविकाइयाणं पज्जत्तगाणं अपज्जत्तगाणं यं ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा !
 सुहुमपुदविकाइया जे पज्जत्तगा जे यं अपज्जत्तगा ते सव्वे एगविहा अविसेसा अणा-
 णत्ता सव्वलोयपरियावण्णगा पण्णत्ता समणउत्तो ! ॥ ८१ ॥ कहि णं भंते ! बायर-
 आउकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! सट्ठाणेणं सत्तसु घणोदहीसु,
 सत्तसु घणोदहिबलएसु, अहोलोए पायालेसु, भवणेसु, भवणपत्थडेसु, उड्डल्लोए कप्पेसु,
 विमाणेसु, विमाणावलियासु, विमाणपत्थडेसु, तिरियलोए अगडेसु, तलाएसु, गईसु,
 दहेसु, बावीसु, पुक्खरिणीसु, दीहियासु, गुंजालियासु, सरेसु, सरपंतियासु, सरसर-
 पंतियासु, बिलेसु, बिलपंतियासु, उज्झरेसु, गिज्झरेसु, चिह्ललएसु, पल्ललएसु,
 वण्णिणेसु, दीवेसु, समुद्देसु, सव्वेसु चेव जलासएसु जलट्ठाणेसु, एत्थ णं बायरआउ-
 काइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्धाएणं
 लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे । कहि णं भंते ! बायर-
 आउकाइयाणं अपज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! जत्थेव बायरआउकाइया-
 पज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता तत्थेव बायरआउकाइयाणं अपज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता ।
 उववाएणं सव्वलोए, समुग्धाएणं सव्वलोए, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे । कहि

णं भंते ! सुहुमआउकाइयाणं पज्जत्तगाणं अपज्जत्तगाणं यं ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! सुहुमआउकाइया जे पज्जत्तगा जे य अपज्जत्तगा ते सव्वे एगविहा अविसेसा अणाणत्ता सव्वलोयपरियावण्णगा पण्णत्ता समणाउसो ! ॥ ८२ ॥ कहि णं भंते ! बायरतेउकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! सट्ठाणेणं अंतोमणुस्सखेत्ते अट्ठाइजेसु दीवसमुद्देसु, णिव्वाघाएणं पण्णरससु कम्मभूर्मीसु वाधायं पडुच्च पंचसु महाविदेहेसु, एत्थ णं बायरतेउकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्धाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे ॥ ८३ ॥ कहि णं भंते ! बायरतेउकाइयाणं अपज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! जत्थेव बायरतेउकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा प० तत्थेव बायरतेउकाइयाणं अपज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता । उववाएणं लोयस्स दोसु उड्ढकवाडेसु तिरियलोयत्तट्ठेय, समुग्धाएणं सव्वलोए, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे ॥ ८४ ॥ कहि णं भंते ! सुहुमतेउकाइयाणं पज्जत्तगाणं य अपज्जत्तगाणं यं ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! सुहुमतेउकाइया जे पज्जत्तगा जे य अपज्जत्तगा ते सव्वे एगविहा अविसेसा अणाणत्ता सव्वलोयपरियावण्णगा पण्णत्ता समणाउसो ! ॥ ८५ ॥ कहि णं भंते ! बायरवाउकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! सट्ठाणेणं सत्तसु घणवाएसु, सत्तसु घणवायवलएसु, सत्तसु तणुवाएसु, सत्तसु तणुवायवलएसु, अहोलोए पायालेसु, भवणेसु, भवणपत्थडेसु, भवणछिद्देसु, भवणणिवखुडेसु, गिरएसु, गिरयावलियासु, गिरयपत्थडेसु, गिरयछिद्देसु, गिरयणिवखुडेसु, उड्ढलोए कप्पेसु, विमाणेसु, विमाणावलियासु, विमाणपत्थडेसु, विमाणछिद्देसु, विमाणणिवखुडेसु, तिरियलोए पाईणपडीणदाहिणउदीय—सव्वेसु चेव लोगागासछिद्देसु, लोगाणिवखुडेसु य, एत्थ णं बायरवाउकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेजेसु भागेसु, समुग्धाएणं लोयस्स असंखेजेसु भागेसु, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेजेसु भागेसु ॥ ८६ ॥ कहि णं भंते ! अपज्जत्तबायरवाउकाइयाणं ठाणा पण्णत्ता ! गोयमा ! जत्थेव बायरवाउकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा प० तत्थेव बायरवाउकाइयाणं अपज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता । उववाएणं सव्वलोए, समुग्धाएणं सव्वलोए, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेजेसु भागेसु ॥ ८७ ॥ कहि णं भंते ! सुहुमवाउकाइयाणं पज्जत्तगाणं अपज्जत्तगाणं यं ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! सुहुमवाउकाइया जे पज्जत्तगा जे य अपज्जत्तगा ते सव्वे एगविहा अविसेसा अणाणत्ता सव्वलोयपरियावण्णगा पण्णत्ता समणाउसो ! ॥ ८८ ॥

कहि णं भंते ! बायरवणस्सइकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! सट्ठाणेणं सत्तसु घणोदहीसु, सत्तसु घणोदहिवलएसु, अहोलोए पायालेसु, भवणेसु, भवण-पन्थडेसु, उड्ढलोए कपेसु, विमाणेसु, विमाणावलियासु, विमाणपन्थडेसु, तिरियलोए अगडेसु, तडागेसु, णईसु, दहेसु, वावीसु, पुक्खरिणीसु, दीहियासु, गुंजालियासु, सरेसु, सरपंतियासु, सरसरपंतियासु, बिलेसु, बिलपंतियासु, उज्झरेसु, णिज्झरेसु, चिल्लेसु, पल्लेसु, बण्णिगेसु, दीवेसु, समुद्देसु, सव्वेसु, चेव जलासएसु जलठाणेसु, एत्थ णं बायरवणस्सइकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता ! उववाएणं सव्वलोए, समु-ग्धाएणं सव्वलोए, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जभागे ॥८९॥ कहि णं भंते ! बायर-वणस्सइकाइयाणं अपज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! जत्थेव बायरवणस्सइकाइ-याणं पज्जत्तगाणं ठाणा प० तत्थेव बायरवणस्सइकाइयाणं अपज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता । उववाएणं सव्वलोए, समुग्धाएणं सव्वलोए, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जभागे ॥ ९०॥ कहि णं भंते ! सुद्धमवणस्सइकाइयाणं पज्जत्तगाणं अपज्जत्तगाणं य ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! सुद्धमवणस्सइकाइया जे पज्जत्तगा जे य अपज्जत्तगा ते सव्वे एगविहा अविसेसा अणाणत्ता सव्वलोयपरियावण्णगा पण्णत्ता समणाउसो ! ॥९१॥ कहि णं भंते ! बेइंदियाणं पज्जत्तापज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! उड्ढलोए तदेक्कदेसभागे, अहोलोए तदेक्कदेसभागे, तिरियलोए अगडेसु, तलाएसु, णईसु, दहेसु, वावीसु, पुक्खरिणीसु, दीहियासु, गुंजालियासु, सरेसु, सरपंतियासु, सरसरपंतियासु, बिलेसु, बिलपंतियासु, उज्झरेसु, णिज्झरेसु, चिल्लेसु, पल्लेसु, बण्णिगेसु, दीवेसु, समुद्देसु, सव्वेसु, चेव जलासएसु, जलठाणेसु, एत्थ णं बेइंदियाणं पज्जत्तापज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जभागे, समुग्धाएणं लोयस्स असंखेज्जभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जभागे ॥ ९२ ॥ कहि णं भंते ! तेइंदियाणं पज्जत्ता-पज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! उड्ढलोए तदेक्कदेसभाए, अहोलोए तदेक्कदेस-भाए, तिरियलोए अगडेसु, तलाएसु, णईसु, दहेसु, वावीसु, पुक्खरिणीसु, दीहि-यासु, गुंजालियासु, सरेसु, सरपंतियासु, सरसरपंतियासु, बिलेसु, बिलपंतियासु, उज्झरेसु, णिज्झरेसु, चिल्लेसु, पल्लेसु, बण्णिगेसु, दीवेसु, समुद्देसु, सव्वेसु, चेव जलासएसु, जलठाणेसु, एत्थ णं तेइंदियाणं पज्जत्तापज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जभागे, समुग्धाएणं लोयस्स असंखेज्जभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जभागे ॥ ९३ ॥ कहि णं भंते ! चउरिंदियाणं पज्जत्तापज्जत्तगाणं

ठाणा पणत्ता ? गोयमा ! उड्डलोए तदेकदेसभागे, अहोलोए तदेकदेसभागे, तिरिय-
लोए अगडेसु, तलाएसु, णईसु, दहेसु, वावीसु, पुक्खरिणीसु, दीहियासु, गुंजा-
लियासु, सरेसु, सरपंतियासु, सरसरपंतियासु, बिलेसु, बिलपंतियासु, उज्झरेसु,
णिज्झरेसु, चिल्लेसु, पल्लेसु, वण्णिणेसु, दीवेसु, समुद्देसु सव्वेसु, चेव जलासएसु,
जलठाणेसु, एत्थ णं चउरिंदियाणं पजत्तापजत्ताणं ठाणा पणत्ता । उववाएणं
लोयस्स असंखेजइभागे, समुग्धाएणं लोयस्स असंखेजइभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स
असंखेजइभागे ॥ ९४ ॥ कहि णं भंते ! पंचिंदियाणं पजत्तापजत्ताणं ठाणा
पणत्ता ? गोयमा ! उड्डलोए तदेकदेसभाए, अहोलोए तदेकदेसभाए, तिरियलोए
अगडेसु, तलाएसु, णईसु, दहेसु, वावीसु, पुक्खरिणीसु, दीहियासु, गुंजालियासु,
सरेसु, सरपंतियासु, सरसरपंतियासु, बिलेसु, बिलपंतियासु, उज्झरेसु, णिज्झरेसु,
चिल्लेसु, पल्लेसु, वण्णिणेसु, दीवेसु, समुद्देसु, सव्वेसु, चेव जलासएसु, जलठाणेसु,
एत्थ णं पंचिंदियाणं पजत्तापजत्ताणं ठाणा पणत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखे-
जइभागे, समुग्धाएणं लोयस्स असंखेजइभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेजइभागे
॥ ९५ ॥ कहि णं भंते ! णेरइयाणं पजत्तापजत्ताणं ठाणा पणत्ता ? व हि णं भंते !
णेरइया परिवसंति ? गोयमा ! सट्ठाणेणं सत्तसु, पुटवीसु, तंज्हा-रयणप्पभाए,
सक्करप्पभाए, वालुयप्पभाए, पंकप्पभाए, धूमप्पभाए, तमप्पभाए, तमत्तमप्पभाए,
एत्थ णं णेरइयाणं चउरासीइणिरयावाससयसहस्सा भवंतीति मवखायं । ते णं णरगा
अंतो वट्ठा, बाहिं चउरंसा, अहे खुरप्पसंठाणसंठिया, णिच्चं धयारतमसा, ववगयगह-
चंदसूरणक्खत्तजोइसियप्पहा, मेदवसापूयपडलरुहिर-मंसचिबिक्खल्लित्ताणुलेवणसला,
असुई(वीसा) परमदुग्गिभंगंघा काउअगणिवण्णाभा कक्खडफासा दुरहियासा असुभा
णरगा, असुभा णरगेसु, वेयणाओ, एत्थ णं णेरइयाणं पजत्तापजत्ताणं ठाणा
पणत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेजइभागे, समुग्धाएणं लोयस्स असंखेजइभागे,
सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेजइभागे, एत्थ णं बहवे णेरइया परिवसंति । काला, कालो-
भासा, गंभीरलोमहरिसा, भीमा, उत्तासणगा, परमकिण्हा वण्णेणं पणत्ता समणा-
उसो ! ? ते णं तत्थ णिच्चं भीया, णिच्चं तत्था, णिच्चं तसिया, णिच्चं उव्विग्गा,
णिच्चं परममसुहसंबद्धं णरगभयं पच्चणुभवमाणा विहरंति ॥ ९६ ॥ कहि णं
भंते ! रयणप्पभापुटवीणेरइयाणं पजत्तापजत्ताणं ठाणा पणत्ता ? कहि णं भंते !
रयणप्पभापुटवीणेरइया परिवसंति ? गोयमा ! इसीसे रयणप्पभाए पु० असीउत्तर-

जोयणसयसहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्समोगाहिता. हेट्ठा चेगं जोयण-
सहस्सं वज्जित्ता मज्झे अट्ठुत्तरे जोयणसयसहस्से एत्थ णं रयणप्पभापुट्ठीणेइयाणं
तीसं गिरयावाससयसहस्सा भवतीति मक्खायं । ते णं णरगा अंतो वट्ठा, बाहिं चउरंसा,
अहे खुरप्पसंठाणसंठिया, णिच्चं धयारतमसा, ववगय-गहचंदसूर-णक्खत्तजोइसप्पहा,
मेद-वसा-पूयपडल-रुहिर-मंसच्चिक्खिल्लित्ताणुलेवणतला, असुई[वीसा], परमदुग्धि-
गंधा, काउअगाणिवण्णाभा, कक्खडफासा, दुरहियासा, असुभा णरगा, असुभा णरगेसु
वेयणाओ, एत्थ णं रयणप्पभापुट्ठीणेइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता,
उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्राएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्ठाणं
लोयस्स असंखेज्जइभागे । तत्थ णं बह्वे रयणप्पभापुट्ठीणेइया परिवसंति । काला,
कालोभासा, गंभीरलोमहरिसा, भीमा, उत्तासणगा, परमकिण्हा वण्णेणं पणत्ता
समणाउसो ! । ते णं तत्थ णिच्चं भीया, णिच्चं तत्था, णिच्चं तसिया, णिच्चं
उव्विग्गा, णिच्चं परममसुहसंबद्धं णरगभयं पच्चणुभवमाणा विहरंति ॥ ९७ ॥ कहि
णं भंते ! सक्करप्पभापुट्ठीणेइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता ? कहि णं
भंते ! सक्करप्पभापुट्ठीणेइया परिवसंति ? गोयमा ! सक्करप्पभापुट्ठीए वत्तीसुत्तर-
जोयणसयसहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहिता हेट्ठा चेगं जोयण-
सहस्सं वज्जित्ता मज्झे तीसुत्तरे जोयणसयसहस्से एत्थ णं सक्करप्पभापुट्ठीणेइयाणं
पणवीसं गिरयावाससयसहस्सा भवतीति मक्खायं । ते णं णरगा अंतो वट्ठा, बाहिं
चउरंसा, अहे खुरप्पसंठाणसंठिया, णिच्चं धयारतमसा, ववगय-गहचंदसूर-णक्खत्त-
जोइसियप्पहा, मेदवसा-पूयपडल-रुहिर-मंसच्चिक्खिल्लित्ताणुलेवणतला, असुई[वीसा],
परमदुग्धिगंधा, काउअगाणिवण्णाभा, कक्खडफासा, दुरहियासा, असुभा णरगा,
असुभा णरगेसु वेयणाओ, एत्थ णं सक्करप्पभापुट्ठीणेइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं
ठाणा पणत्ता । उववाएणं०, समुग्राएणं० सट्ठाणं लोयस्स असंखेज्जइभागे ।
तत्थ णं बह्वे सक्करप्पभापुट्ठीणेइया परिवसंति । काला, कालोभासा, गंभीरलोम-
हरिसा, भीमा, उत्तासणगा, परमकिण्हा वण्णेणं पणत्ता समणाउसो ! । ते णं तत्थ
णिच्चं भीया, णिच्चं तत्था, णिच्चं तसिया, णिच्चं उव्विग्गा, णिच्चं परममसुह-
संबद्धं णरगभयं पच्चणुभवमाणा विहरंति ॥ ९८ ॥ कहि णं भंते ! वालुयप्पभा-
पुट्ठीणेइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता ? कहि णं भंते ! वालुयप्पभापुट्ठी-
णेइया परिवसंति ? गोयमा ! वालुयप्पभापुट्ठीए अट्ठावीसुत्तरंजोयणसयसहस्स-

बाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहिता हेट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जिता मज्झे लब्बीमुत्तरजोयणसयसहस्से एत्थ णं बालुयप्पभापुदवीणेरइयाणं पण्णरसणरया-
वाससयसहस्सा भवंतीति मक्खायं । ते णं णरगा अंतो वट्ठा, बाहिं चउरंसा, अहे
खुरप्पसंठाणसंठिया, णिच्चं धयारतमसा, ववगयगह-चंद-सूर-णक्खत्तजोइसियप्पहा,
मेदवसा-पूयपडल-रुहिरमंसचिक्खिल्ललित्ताणुलेवणतला, असुई[वीसा], परमदुब्भि-
गंधा, काउअगणिवण्णाभा, कक्खडफासा, दुरहियासा, असुभा णरगा, असुभा णर-
गेसु वेयणाओ । एत्थ णं बालुयप्पभापुदवीणेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ।
उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्ठाणेणं
लोयस्स असंखेज्जइभागे । तत्थ णं बह्वे बालुयप्पभापुदवीणेरइया परिवसंति ।
काला, कालोभासा, गंभीरलोमहरिसा, भीमा, उत्तासणगा, परमकिण्हा वण्णेणं पण्णत्ता
समणाउसो ! । ते णं तत्थ णिच्चं भीया, णिच्चं तत्था, णिच्चं तसिया, णिच्चं
उज्जिग्गा, णिच्चं परममसुहसंबद्धं णरगभयं पच्चणुभवमाणा विहरंति । १९१ कहिं णं भंते !
पंकप्पभापुदवीणेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? कहिं णं भंते ! पंकप्पभा-
पुदवीणेरइया परिवसंति ? गोयमा ! पंकप्पभापुदवीए वीसुत्तरजोयणसयसहस्स-
बाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहिता हिट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जिता
मज्झे अट्ठारसुत्ते जोयणसयसहस्से एत्थ णं पंकप्पभापुदवीणेरइयाणं दस णिरया-
वाससयसहस्सा भवंतीति मक्खायं । ते णं णरगा अंतो वट्ठा, बाहिं चउरंसा, अहे
खुरप्पसंठाणसंठिया, णिच्चं धयारतमसा, ववगयगह-चंद-सूर-णक्खत्तजोइसियप्पहा,
मेदवसापूयपडलरुहिर-मंसचिक्खिल्ललित्ताणुलेवणतला, असुई[वीसा], परमदुब्भिगंधा,
काउअगणिवण्णाभा, कक्खडफासा, दुरहियासा, असुभा णरगा, असुभा णरगेसु वेय-
णाओ, एत्थ णं पंकप्पभापुदवीणेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता । उववाएणं
लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स
असंखेज्जइभागे । तत्थ णं बह्वे पंकप्पभापुदवीणेरइया परिवसंति । काला कालो-
भासा गंभीरलोमहरिसा भीमा उत्तासणगा परमकिण्हा वण्णेणं पण्णत्ता समणाउसो ! ।
ते णं तत्थ णिच्चं भीया, णिच्चं तत्था, णिच्चं तसिया, णिच्चं उज्जिग्गा, णिच्चं
परममसुहसंबद्धं णरगभयं पच्चणुभवमाणा विहरंति ॥ १०० ॥ कहिं णं भंते ! धूमप्प-
भापुदवीणेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? कहिं णं भंते ! धूमप्पभापुदवी-
णेरइया परिवसंति ? गोयमा ! धूमप्पभापुदवीए अट्ठारसुत्तरजोयणसयसहस्सबाह-

ह्याए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहिता हिट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जिता मज्झे सोलमुत्तरे जोयणसयसहस्से एत्थ णं धूमप्पभापुदवीणेरइयाणं तिणिण्णि शिरयावास-
 सयसहस्सा भवन्तीति मक्खायं । ते णं णरगा अंतो वट्ठा, वाहिं चउरंसा, अहे खुरप्पसंठाणसंठिया, णिच्चंधयारतमसा, ववगयगहचंदसूरणवखत्तजोइसियप्पहा,
 मेदवसा-पूयपडल-रुहिर-मंसचिक्खिल्लित्ताणुलेवणतला, असुई[वीसा], परमदुन्निभ-
 गंधा, काउअगणिवण्णाभा, कक्खडफासा, दुरहियासा, असुभा णरगा, असुभा णरगेसु,
 वेयणाओ, एत्थ णं धूमप्पभापुदवीणेरइयाणं पजत्तापजत्ताणं ठाणा पण्णत्ता । उववा-
 एणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स
 असंखेज्जइभागे । तत्थ णं बह्वे धूमप्पभापुदवीणेरइया परिवसंति । काला कालो-
 भासा गंभीरलोमहरिसा भीमा उत्तासण्णा परमक्किण्हा वण्णेणं पण्णत्ता समणाउसो ! ।
 ते णं तत्थ णिच्चं भीया, णिच्चं तत्था, णिच्चं तसिया, णिच्चं उट्ठिग्गा, णिच्चं
 परममसुहसंबद्धं णरगभयं पच्चणुभवमाणा विहरंति ॥ १०१ ॥ कहि णं भंते ! तमा-
 पुदवीणेरइयाणं पजत्तापजत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! तमापुदवीणेरइया
 परिवसंति ? गोयमा ! तमाए पुदवीए सोलमुत्तरजोयणसयसहस्सवाहहाए उवरि
 एगं जोयणसहस्सं ओगाहिता हिट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जिता मज्झे चउदमुत्तरे
 जोयणसयसहस्से एत्थ णं तमप्पभापुदवीणेरइयाणं एगे पंचूपे णरगावाससयसहस्से
 भवन्तीति मक्खायं । ते णं णरगा अंतो वट्ठा, वाहिं चउरंसा, अहे खुरप्पसंठाण-
 संठिया, णिच्चंधयारतमसा ववगयगहचंदसूरणवखत्तजोइसियप्पहा, मेदवसापूयपडल-
 रुहिर-मंसचिक्खिल्लित्ताणुलेवणतला, असुई[वीसा], परमदुन्निभगंधा, कक्खडफासा,
 दुरहियासा, असुभा णरगा, असुभा णरगेसु वेयणाओ, एत्थ णं तमापुदवीणेरइयाणं
 पजत्तापजत्ताणं ठाणा पण्णत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे समुग्घाएणं
 लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे । तत्थ णं बह्वे तमप्पभा-
 पुदवीणेरइया परिवसंति । काला कालोभासा गंभीरलोमहरिसा भीमा उत्तासण्णा
 परमक्किण्हा वण्णेणं पण्णत्ता समणाउसो ! । ते णं तत्थ णिच्चं भीया, णिच्चं तत्था,
 णिच्चं तसिया, णिच्चं उट्ठिग्गा, णिच्चं परममसुहसंबद्धं णरगभयं पच्चणुभवमाणा
 विहरंति ॥ १०२ ॥ कहि णं भंते ! तमतमापुदवीणेरइयाणं पजत्तापजत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ?
 कहि णं भंते ! तमतमापुदवीणेरइया परिवसंति ? गोयमा ! तमतमाए पुदवीए अट्ठोत्तर-
 जोयणसयसहस्सवाहहाए उवरिं अट्ठोत्तरजोयणसहस्सां ओगाहिता हिट्ठा वि

अद्वतेवणं जोयणसहस्साइं वज्जित्ता मज्झे तीसु जोयणसहस्सेसु एत्थ णं तमतमा पुदवीणेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं पंचदिसि पंच अणुत्तरा महइमहालया महाणिरया पणत्ता । तंजहा—काले महाकाले रोए महारोए अपइट्ठाणे । ते णं गरगा अंतो वट्ठा, बाहिं चउरंता, अहे खुरप्पसंठाणसंठिया, णिच्चंधयारतमसा, ववगयगहचंद-
खुरक्कवत्तजोइसियप्पहा, मेदवसा-पूयपडल-रुहिरमसचिविखल्लित्ताणुलेवणतला, असुई[वीसा], परमदुग्भिगंधा, कक्खडफासा, दुरहियासा, असुभा गरगा, असुभा गरगेसु वेयणाओ, एत्थ णं तमतमापुदवीणेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता ।
उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे । तथ णं ब्रह्मे तमतमापुदवीणेरइया परिवसंति । काला कालेभासा गंभीरलोमहरिसा भीमा उत्तासणया परमकिण्हा वण्णेणं पणत्ता समणा-
उतो ! ते णं तथ णिच्चं भीया, णिच्चं तत्था, णिच्चं तसिया, णिच्चं उब्बिग्गा, णिच्चं परममसुहंसवज्जं गरगभयं पच्चणुभवमाणा विहरंति । आसीयं वत्तीसं अट्ठावीसं च हुंति वीसं च । अट्ठारससोलसगं अट्ठुत्तरमेव हिट्ठिमिया ॥१॥ अट्ठुत्तरं च तीसं छज्जीसं चेव सयसहस्सं तु । अट्ठारस सोलसगं चउहसमहियं तु छज्जीए ॥ २ ॥
अद्वतिवणसहस्सा उवरिमहे वज्जिऊण तो भणियं । मज्झे तिसहस्सेसु होति उ गरगा तमतमाए ॥ ३ ॥ तीसा य पणवीसा पणरस दसेव सयसहस्साइं । तिण्णि य पंचूगेणं पंचेव अणुत्तरा णरगा ॥४॥ १०३ ॥ कहि णं भंते ! पंचिदियतिरिक्ख-
जोणियाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता ? गोयमा ! उट्ठलोए तदेकदेसभाए, अहोलोए तदेकदेसभाए, तिरियलोए अगडेसु, तलाएसु, णईसु, दहेसु, वावीसु, पुक्खरिणीसु दीहियासु, गुंजालियासु, सरेसु, सरपंतियासु, सरसरपंतियासु, विलेसु, बिलपंतियासु, उज्जरेसु, णिज्जरेसु, चिल्लेसु, पल्लेसु, वण्णिणेसु, दीवेसु, समुदेसु, सव्वेसु चेव जलासएसु, जलठाणेसु, एत्थ णं पंचिदियतिरिक्खजोणियाणं पज्जत्ता-
पज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं सव्वलोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्ठाणेणं सव्वलोयस्स असंखेज्जइभागे ॥ १०४॥ कहि णं भंते ! मणुस्साणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता ? गोयमा ! अंतो मणुस्सखेत्ते पणयालीसाए जोयणसयसहस्सेसु, अट्ठाइजेसु, दीवसमुदेसु, पणरससु कम्मभूमीसु, तीसाए अकम्मभूमीसु, छप्पणाए अंतरदीवेसु, एत्थ णं मणुस्साणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं सव्वलोए, सट्ठाणेणं

लोयस्स असंखेज्जभागे ॥ १०५ ॥ कहि णं भंते ! भवणवासीणं देवाणं पज्जत्ता-
 पज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! भवणवासी देवा परिवसन्ति ? गोयमा !
 इमीसे रयणपभाए पुटवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्सबाह्हाए उवर्णि एगं जोयण-
 सहस्सं ओगाहिच्चा हेट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जित्ता मज्जे अट्ठहुत्तरे जोयण-
 सयसहस्से एत्थ णं भवणवासीणं देवाणं सत्त भवणकोडीओ बावत्तरि भवणावास-
 सयसहस्सा भवंतीति मक्खवायं । ते णं भवणा बाहिं वट्ठा, अंतो चउरंसा, अहे
 पुक्खरक्खणिपासंठाणसंठिया, उक्किण्णंतरविउल्लगंभीरस्वायपलिहा, पागारट्टालयक्खवाट-
 तोरणपडिदुवारदेसभागा, जंत-सयग्धि-मुसल-मुसंदि-परियारिया, अउज्झा, सयाजया,
 सयागुत्ता, अडयालकोट्टगरइया, अडयालक्कयवणमाला, खेमा, सिवा, किंकरामरदंडो-
 वरक्खिया, लाउल्लोइयमहिया, गोसीससरसरत्तचंदणदहरदिण्णपंचंगुलितला, उवचिय-
 चंदणकलसा, चंदणप्रहसुकयतोरणपडिदुवारदेसभागा, आसत्तोसत्तविउल्लवट्ठवघारि-
 यमल्लदामकलावा, पंचवण्णसरसरसुरभिमुक्कपुप्फपुंजोवयारक्कलिया, कालागरपवरकुंदु-
 रुक्कतुक्कधूवनघमघंतगंधुद्धुयाभिरामा, सुगंधवरगंधिया, गंधवट्ठिभूया, अच्छरगण-
 संघसंविगिण्णा, दिव्वतुडियसद्दसंपणइया, सव्वरयणामया, अच्छा, सण्हा, लण्हा, घट्ठा,
 मट्ठा, णीरया, गिम्मला, गिप्पका, गिक्ककडच्छाया, सप्पहा, सस्सिरीया, समरीइया,
 सउज्जोया, पासाईया, दरिसणिजा, अभिरूवा, पडिरूवा । एत्थ णं भवणवासिदेवाणं
 पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जभागे, समुधाएणं
 लोयस्स असंखेज्जभागे, सट्ठाणं लोयस्स असंखेज्जभागे । तत्थ णं बहवे भवण-
 वासी देवा परिवसन्ति । तंजहा—असुरा णाग सुवण्णा विज्जू, अग्गी य दीव उदही य ।
 दिस्सिपवणथणियणामा दसहा एए भवणवासी ॥ चूडामणिमउडरयणाभूसणणागफड-
 गरुल्लवरपुण्णकलसंकिउफेसा, सीह-इयवर-गयंकमगरवरवट्ठमाणिज्जुत्तचित्तिचिंध-
 गया, सुल्ला, महिड्ढिया, महज्जुइया, महव्वला, महायसा, महाणुभावा, महासोक्खा,
 हारविंसाइयक्खल, कडगतुडियथंमियभुया, अंगद-कुंडल-मट्ठगंडतलक्कणपीटधारी,
 विचित्तहत्थाभरणा, विचित्तमाला-मउलिमउडा, कल्लाणगपवरवत्थपरिहिया, कल्लाण-
 गपवरमल्लाणुलेवणधरा, भासुरखोदी, पल्लवणमालधरा, दिव्वेणं वण्णेणं दिव्वेणं गंधेणं
 दिव्वेणं फासेणं दिव्वेणं संघयणेणं दिव्वेणं संठाणेणं दिव्वाए इड्ढीए दिव्वाए जुईए
 दिव्वाए पभाए दिव्वाए छायाए दिव्वाए अच्छीए दिव्वेणं तेएणं दिव्वाए लेसाए दस
 दिसाओ उज्जोवेमाणा पभासेमाणा, ते णं तत्थ साणं साणं भवणावाससयसहस्साणं,

साणं साणं सामाणियसाहस्सीणं, साणं साणं सायत्तीसाणं, साणं साणं लोसपाळाणं,
 साणं साणं अगमहिस्सीणं, साणं साणं परिसाणं, साणं साणं अनियाणं, साणं साणं
 अनियाहिवईणं, साणं साणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं, अण्णेसिं च दहूणं भवणवासीणं
 देवाणं य देवीणं य आहेवच्चं पोरेवच्चं सामित्तं भट्टित्तं महत्तराणं आणाईसरसे-
 णावच्चं कारेमाणा, पालेमाणा, महया हयणट्ट-गीय-वाइयतंति-सलताल्लुडिय-घणमुङ्ग-
 पडुप्पवाइयरवेणं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुज्जमाणा विहरंति ॥ १०६ ॥ कहि णं भंते !
 असुरकुमाराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता ! कहि णं भंते ! असुरकुमारा
 देवा परिवसंति ! गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्स-
 याहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहिता हेट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जित्ता
 मज्जे अट्ठहत्तरे जोयणसयसहस्से एत्थ णं असुरकुमाराणं देवाणं चउसट्ठिं भवणा-
 वाससयसहस्सा भवन्तीति मक्खायं । ते णं भवणा बाहिं वट्ठा, अंतो चउरंसा, अहे
 पुक्खरकणियासंठाणसंठिया, उक्किण्णंतरविउल्लंगंभीरखायफलिहा, पागारट्टालय-
 कवाड-तोरणपडिदुवारदेसभागा, जंतसयग्धि-मुसल-मुसंदिपरियारिया, अउज्झा, सया-
 जया, सयागुत्ता, अडयाल्लकोट्टगरइया, अडयाल्लकयवणमाला, खेमा, सिवा, किकरा-
 मरंदडोवरक्खिया, लाउल्लोहयमहिया, गोसीस-सरसरत्त-चंदणदहरदिण्णपंचरुलितला,
 उवचियचंदणकल्ला, चंदणधडमुकयतोरणपडिदुवारदेसभागा, आसत्तोत्तविउल-
 वट्टवग्धारियमल्लदामकल्लावा, पंचवणसरससुरमिमुक्कपुप्फपुंजोवयारकलिया, काला-
 गरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्कट्टंजतधूवमधमघंतगंधुद्धुयाभिरामा, सुगंधवरगंधिया, गंधवट्टि-
 भूया, अच्छरगणसंघसंविणिण्णा, दिव्वतुडियसहसंपणइया, सध्वरयणामया, अच्छा,
 सण्हा, लण्हा, धट्ठा, मट्ठा, णीरया, णिम्मला, णिप्पंका, णिक्कंङ्कळया, सप्पभा,
 सस्सिरीया, समरीइया, सउजोया, पासाईया, दरिसणिजा, अमिरुवा, पडिरुवा;
 एत्थ णं असुरकुमाराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता । उववाएणं लोयस्स
 असंखेज्जभागे, समुग्धाएणं लोयस्स असंखेज्जभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्ज-
 भागे, तथ णं बहवे असुरकुमारा देवा परिवसंति । काला, लोहियक्खविंवोट्ठा, धवल-
 पुप्फदंता, असियकेसा, वामेयकुंडलधरा, अहचंदणाणुलितगत्ता, ईसीसिलिघपुप्फ-
 ण्णासाइं असंक्किलिट्ठाइं सुहुमाइं वत्थाइं पधरपरिहिया, धयं च पढमं समहक्कंता-
 विइयं च वयं असंपत्ता, भदे जोव्वणे वट्टमाणा, तलभंगय-तुडियपवरभूषण-णिम्मल,
 मणिरयणमंडियभुया, दसमुहामंडियग्गाहत्था, चूडामणिवित्तित्तिंघया, सुरूवा,

महिड्डिया, महज्जुइया, महायसा, महब्बला, महाणुभागा, महासोक्खा, हारविराइय-
वच्छा, कडय-तुडियथंभियमुया, अंगय-कुंडलमद्दगंडयलक्कण, पीढधारी, विचित्तहत्था-
भरणा, विचित्तमालामउलिमउडा, कल्लाणगपवरवत्थपरिहिया, कल्लाणगपवरमल्लाण-
लेवणधरा भासुरबोदी पल्लवणमालधरा दिव्वेणं वण्णेणं दिव्वेणं गधेणं दिव्वेणं फासेणं
दिव्वेणं संघयणेणं दिव्वेणं संठाणेणं दिव्वाए इड्ढीए दिव्वाए जुईए दिव्वाए पभाए
दिव्वाए छायाए दिव्वाए अच्चीए दिव्वेणं तेएणं दिव्वाए लेसाए दस दिसाओ उज्जोवे-
माणा पभासेमाणा, ते णं तत्थ साणं २ भवणावाससयसहस्साणं साणं साणं सामानिय-
साहस्सीणं साणं साणं तायत्तीसाणं साणं साणं लोमपालाणं साणं साणं अगमहिसीणं
साणं साणं परिसाणं साणं साणं अनियाणं साणं साणं अनियाहिवईणं साणं साणं
आयरक्खदेवसाहस्सीणं अण्णेसिं च बहूणं भवणवासीणं देवाणं य देवीणं य आहे-
वच्चं पोरेवच्चं सामित्तं भट्टित्तं महत्तरगत्तं आणाईसरसेणावच्चं कारेमाणा, पाले-
माणा, महया ह्यणङ्गीय-वाइयतंती-तलतालतुडियधण-सुईगपडुप्पवाइयरवेणं दिव्वाइं
भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरंति । चमखलिणो इत्थं दुवे असुरकुमारिंदो असुरकुमार-
रायाणो परिवसंति । काला, मद्दणीलसरिसा, णीलमुलियगवलअयसि कुलुमपगासा,
वियसियसयवत्तणिम्मलईसि सियरत्ततं वणयणा, गरुलायंय उज्जुतुंगणासा, उवचियसिल-
प्पवालविंबफलसंणिभाहरोद्धा, पंडुरससिसमलविमल-णिम्मलद हिधण-संखगोक्खीरकुंद-
दगरयमुणालिया धवलदंतसेदी, हुयवहणिद्वंतधोयतत्तवणिज्जरत्ततलालुर्ज हा, अज्ज-
घणकसिणगरुयगरमणिज्जणिद्वकेसा वामेयकुंडलधरा अहचंदणाणुलिच्चगत्ता ईसीसि-
लिंधपुप्फापगासाइं असंकिलिद्धाइं सुहुमाइं वत्थाइं पवरपरिहिया, वयं च पटमं
समइकंता, बिइयं च असंपत्ता, भदे जोव्वणे वट्टमाणा, तलभंगय-तुडिय-पवरभूसण-
णिम्मलमणि-रयणमंडियमुया, दसमुद्दामंडियगहत्था, चूडामणिचित्तिचंगया, सुखा,
महिड्डिया, महज्जुइया, महायसा, महाब्बला, महाणुभागा, महासोक्खा, हारविरा-
इयवच्छा, कडयतुडियथंभियमुया, अंगद-कुंडल-मद्दगंडतलक्कणपीढधारी, विचित्त-
हत्थाभरणा, विचित्तमालामउलिमउडा, कल्लाणगपवरवत्थपरिहिया, कल्लाणगपवरम-
ल्लाणलेवणधरा, भासुरबोदी, पल्लवणमालधरा, दिव्वेणं वण्णेणं, दिव्वेणं गधेणं,
दिव्वेणं फासेणं, दिव्वेणं संघयणेणं, दिव्वेणं संठाणेणं, दिव्वाए इड्ढीए, दिव्वाए
जुईए, दिव्वाए पभाए, दिव्वाए छायाए, दिव्वाए अच्चीए, दिव्वेणं तेएणं,
दिव्वाए लेसाए दस दिसाओ उज्जोवेमाणा, पभासेमाणा, ते णं तत्थ साणं साणं

भवणावाससयसहस्साणं, साणं साणं सामाणियसाहस्सीणं, साणं साणं तायत्तीसाणं,
 साणं साणं लोगपालाणं, साणं साणं अग्गमहिंसीणं, साणं साणं परिसाणं, साणं साणं
 अणियाणं, साणं साणं अणियाहिंवीणं, साणं साणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं, अण्णेसिं
 च बहूणं भवणवासीणं देवाणं य देवीणं य आहेवच्चं पोरेवच्चं सामितं भट्टित्तं महत्त-
 रगतं आणाईसरसेणाक्खं कारेमाणा, पालेमाणा, महया ह्यणह्मीयवाइयत्तंतीतलताल-
 तुडियवणमुइंगपहुप्पवाइयरवेणं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुजमाणा विहरंति ॥ १०७ ॥
 कहि णं भंते ! दाहिणिह्हाणं असुरकुमाराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता ?
 कहि णं भंते ! दाहिणिह्हा असुरकुमारा देवा परिवसंति ?, गोयमा ! जंबुद्वीवे दीवे
 मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं इमीसे रयणप्पभाए पुदवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्स-
 वाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहिता हिट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जित्ता मज्जे
 अट्ठहुत्तरे जोयणसयसहस्से एत्थ णं दाहिणिह्हाणं असुरकुमाराणं देवाणं चउत्तीसं
 भवणावाससयसहस्सा भवंतीति मक्खायं । ते णं भवणा बाहिं वट्ठा, अंतो चउरंसा
 सो चेव वण्णओ जाव पडिक्खा । एत्थ णं दाहिणिह्हाणं असुरकुमाराणं देवाणं पज्ज-
 त्तापज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता । तीसुवि लोगस्स असंखेज्जइभागे । तत्थ णं बहवे दाहि-
 णिह्हा असुरकुमारा देवा देवीओ य परिवसंति । काला, लोहियवखा तहेव जाव
 भुजमाणा विहरंति । एएसि णं तहेव तायत्तीसगलोगपाला भवंति । एवं सव्वन्थ
 माणियव्वं । भवणवासी णं जमरे इत्थ असुरकुमारिदे असुरकुमाराया परिवसइ
 काले महणीलसरिसे जाव पभासेमाणे । से णं तत्थ चउत्तीसाए भवणावाससयसह-
 स्साणं, चउसद्वीए सामाणियसाहस्सीणं, तायत्तीसाए तायत्तीसगाणं, चउण्हं लोग-
 पालाणं, पंचण्हं अग्गमहिंसीणं, संपरिवाराणं, तिण्हं परिसाणं, सत्तण्हं अणियाणं,
 सत्तण्हं अणियाहिंवीणं, चउण्हं य चउसद्वीणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं, अण्णेसिं
 च बहूणं दाहिणिह्हाणं देवाणं देवीणं य आहेवच्चं पोरेवच्चं जाव विहरइ
 ॥ १०८ ॥ कहि णं भंते ! उत्तरिह्हाणं असुरकुमाराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा
 पणत्ता ? कहि णं भंते ! उत्तरिह्हा असुरकुमारा देवा परिवसंति ?, गोयमा ! जंबु-
 द्वीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं इमीसे रयणप्पभाए पुदवीए असीउत्तरजोयण-
 सयसहस्सवाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहिता हिट्ठा चेगं जोयणसहस्सं
 वज्जित्ता मज्जे अट्ठहुत्तरे जोयणसयसहस्से एत्थ णं उत्तरिह्हाणं असुरकुमाराणं देवाणं
 तीसं भवणावाससयसहस्सा भवंतीति मक्खायं । ते णं भवणा बाहिं वट्ठा, अंतो

चउरंसा, सेसं जहा दाहिणिह्लाणं जाव विहरंति । वली एत्थ वइरोयणिंदे वइरोयण-
 राया परिवसइ, काले महाणीलसरिसे जाव पभासेमाणे । से णं तत्थ तीसाए
 भवणावाससयसहस्साणं, सट्ठीए सामाणियसाहस्सीणं, तायत्तीसाए तायत्तीसगाणं,
 चउण्हं लोगपालाणं, पंचण्हं अग्गमहिसीणं सपरिवाराणं, तिण्हं परिसाणं, सत्तण्हं
 अणियाणं, सत्तण्हं अणियाहिवईणं, चउण्हं य सट्ठीणं आयस्सवदेवसाहस्सीणं,
 अण्णेसिं च बहूणं उत्तररिह्लाणं असुरकुमाराणं देवाणं य देवीणं य आहिवच्चं पोरेवच्चं
 कुब्बमाणे विहरइ ॥ १०९ ॥ कहि णं भंते ! णागकुमाराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं
 ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! णागकुमारा देवा परिवसंति ?, गोयमा ! इमीसे
 रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्सवाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं
 ओगाहिता हिट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जिता मज्झे अट्ठहुत्तरे जोयणसयसहस्से एत्थ
 णं णागकुमाराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं जुलसीइभवणावाससयसहस्सा भवंतीति
 मक्खायं । ते णं भवणा वाहिं वट्ठा, अंतो चउरंसा जाव पडिरूवा । तत्थ णं
 णागकुमाराणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता । तीसु वि लोगस्स असंखेज्जइभागे ।
 तत्थ णं बहवे णागकुमारा देवा परिवसंति, महिड्डिया, महज्जुइया, सेसं जहा
 ओहियाणं जाव विहरंति । धरणभूयाणंदा एत्थ णं दुवे णागकुमारिंदा णागकुमा-
 रायाणो परिवसंति महिड्डिया सेसं जहा ओहियाणं जाव विहरंति ॥ ११० ॥ कहि
 णं भंते ! दाहिणिह्लाणं णागकुमाराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? कहि
 णं भंते ! दाहिणिह्ला णागकुमारा देवा परिवसंति ?, गोयमा ! जंजुदीवे दीवे मंदरस्स
 पव्वयस्स दाहिणेणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्सवाहल्लाए
 उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहिता हिट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जिता मज्झे
 अट्ठहुत्तरे जोयणसयसहस्से एत्थ णं दाहिणिह्लाणं णागकुमाराणं देवाणं चउयालीसं
 भवणावाससयसहस्सा भवंतीति मक्खायं । ते णं भवणा वाहिं वट्ठा जाव पडिरूवा ।
 एत्थ णं दाहिणिह्लाणं णागकुमाराणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता, तीसु वि
 लोयस्स असंखेज्जइभागे, एत्थ णं दाहिणिह्ला णागकुमारा देवा परिवसंति,
 महिड्डिया जाव विहरंति । धरणे इत्थ णागकुमारिंदे णागकुमारराया परिवसइ,
 महिड्डिए जाव पभासेमाणे । से णं तत्थ चउयालीसाए भवणावाससयसहस्साणं,
 छण्हं सामाणियसाहस्सीणं, तायत्तीसाए तायत्तीसगाणं, चउण्हं लोगपालाणं, छण्हं
 अग्गमहिसीणं सपरिवाराणं, तिण्हं परिसाणं, सत्तण्हं अणियाणं, सत्तण्हं अणियाहि-

वईणं, चउव्वीसाए आयरक्खदेवसाहस्सीणं, अण्णेसिं च बहूणं दाहिणिल्लाणं णाग-
कुमाराणं देवाणं य देवीणं य आद्देवच्चं पोरेवच्चं कुव्वमाणे विहरइ ॥ १११ ॥
कहि णं भंते ! उत्तरिल्लाणं णागकुमाराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? कहि
णं भंते ! उत्तरिल्ला णागकुमारा देवा परिवसंति ?, गोयमा ! जम्बुद्वीपे दीपे मंदरस्स
पव्वयस्स उत्तरेणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्सवाहल्लाए
उवर्णि एगं जोयणसहस्सं ओगाहिता हेट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जित्ता मज्जे
अट्ठहुत्तरे जोयणसयसहस्से, एत्थ णं उत्तरिल्लाणं णागकुमाराणं देवाणं चत्तालीसं
भवणावाससयसहस्सा भवंतीति मक्खायं । ते णं भवणा बाहिं वट्ठा सेसं जहा
दाहिणिल्लाणं जाव विहरंति । भूयाणंदे एत्थ णागकुमारिदे णागकुमारराया परिवसइ,
महिड्ढिदए जाव पभासेमाणे । से णं तत्थ चत्तालीसाए भवणावाससयसहस्साणं
आद्देवच्चं जाव विहरइ ॥ ११२ ॥ कहि णं भंते ! सुवण्णकुमाराणं देवाणं पज्जत्ता-
पज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! सुवण्णकुमारा देवा परिवसंति ?, गोयमा !
इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए जाव एत्थ णं सुवण्णकुमाराणं देवाणं वावत्तरिं भवणा-
वाससयसहस्सा भवंतीति मक्खायं । ते णं भवणा बाहिं वट्ठा जाव पडिरुवा ।
तत्थ णं सुवण्णकुमाराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता, जाव तिसु वि लोयस्स
असंखेज्जइभागे । तत्थ णं बहवे सुवण्णकुमारा देवा परिवसंति महिड्ढिदया सेसं जहा
ओहियाणं जाव विहरंति । वेणुदेवे वेणुदाली य इत्थ दुवे सुवण्णकुमारिंदा सुवण्ण-
कुमाररायाणो परिवसंति, महिड्ढिदया जाव विहरंति ॥ ११३ ॥ कहि णं भंते !
दाहिणिल्लाणं सुवण्णकुमाराणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! दाहि-
णिल्ला सुवण्णकुमारा देवा परिवसंति ?, गोयमा ! इमीसे जाव मज्जे अट्ठहुत्तरे
जोयणसयसहस्से एत्थ णं दाहिणिल्लाणं सुवण्णकुमाराणं अट्ठत्तीसं भवणावाससय-
सहस्सा भवंतीति मक्खायं । ते णं भवणा बाहिं वट्ठा जाव पडिरुवा । एत्थ णं
दाहिणिल्लाणं सुवण्णकुमाराणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता । तिसु वि लोयस्स
असंखेज्जइभागे । एत्थ णं बहवे सुवण्णकुमारा देवा परिवसंति । वेणुदेवे य इत्थ
सुवण्णकुमारिंदे सुवण्णकुमारराया परिवसइ, सेसं जहा णागकुमाराणं ॥ ११४ ॥
कहि णं भंते ! उत्तरिल्लाणं सुवण्णकुमाराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ?
कहि णं भंते ! उत्तरिल्ला सुवण्णकुमारा देवा परिवसंति ?, गोयमा ! इमीसे रयणप्प-
भाए जाव एत्थ णं उत्तरिल्लाणं सुवण्णकुमाराणं चउत्तीसं भवणावाससयसहस्सा भवं-

तीति मक्खायं । ते ण भवणा जाव एत्थ ण बहवे उत्तरिह्ता सुवण्णकुमारा देवा परिवसन्ति, महिद्धिदा जाव विहरन्ति । वेणुदाली इत्थ सुवण्णकुमारिदे सुवण्णकुमाराराया परिवसइ, महिद्धिदा सेसं जहा णागकुमाराणं । एवं जहा सुवण्णकुमाराणं वत्तव्वया भणिया तथा सेसाण वि चउदसण्हं इंदणं भाणियव्वा । णवरं भवणणाणत्तं इंदणाणत्तं वण्णणाणत्तं परिहाणाणत्तं च इमाहिं गाहाहिं अनुगंतव्वं—चउसद्धिं असुराणं चुलसीयं चेव होंति णागाणं । वायत्तरिं सुवण्णे वाउकुमाराण छण्णउई ॥ १ ॥ दीवदिसाउदहीणं विज्जुमारिंदथणियमगीणं । छण्हं पि जुअलयाणं छावत्तरिमो सयसहस्सा ॥ २ ॥ चउतीसा चउयाला अट्ठत्तीसं च सयसहस्साइ । पण्णा चत्तालीसा दाहिणओ हुंति भवणाइ ॥ ३ ॥ तीसा चत्तालीसा चउतीसं चेव सयसहस्साइ । छायाला छत्तीसा उत्तरओ हुंति भवणाइ ॥ ४ ॥ चउसट्ठी सट्ठी खलु छच्च सहस्साइ असुरवजाणं । सामाणिया उ एए चउगुणा आयरक्खा उ ॥ ५ ॥ चमरे धरणे तह वेणुदेवे हरिकंतअग्गिसीहे य । पुण्णे जलकंते य अमिय-विलम्बे य घोसे य ॥ ६ ॥ बलि-भूयाणंदे वेणुदालि-हरिस्सहे अग्गिमाणवविसिद्धे । जलपह तहअमि-ववाहणे पभंजणे य महाघोसे ॥ ७ ॥ उत्तरिह्ताणं जाव विहरन्ति । काला असुरकुमारा णागा उदही य पंडुरा दो वि । वरक्खणणिहसगोरा हुंति सुवण्णा दिसा थणिया ॥ ८ ॥ उत्तत्तकणगवण्णा विज्जू अग्गी य होंति दीवा य । सामा पियंगुवण्णा वाउकुमारा मुणेयव्वा ॥ ९ ॥ असुरेसु हुंति रत्ता सिलिंधपुप्फपभा य णागुदही । आसासगवसणधरा हीति सुवण्णा दिसा थणिया ॥ १० ॥ णीलाणुरा-गवसणा विज्जू अग्गी य हुंति दीवा य । संज्ञाणुरागवसणा वाउकुमारा मुणेयव्वा ॥ ११ ॥ ११५ ॥ कहि णं भंते ! वाणमंतराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता ! कहि णं भंते ! वाणमंतरा देवा परिवसन्ति ? गोयमा ! इमीसे रयणप्पमाए पुट्ठवीए रयणामयस्स कंडस्स जोयणसहस्सवाहल्लस्स उवरिं एगं जोयणसयं ओगा-हित्ता हिद्धा वि एगं जोयणसयं वजित्ता मज्झे अट्ठसु जोयणसएसु एत्थ णं वाण-मंतराणं देवाणं तिरियमसंखेजा भोमेज्जणयरावाससयसहस्सा भवंतीति मक्खायं । ते णं भोमेजा णयरा बाहिं वट्ठा, अंतो चउरंसा, अहे पुक्खरकणियासंठाणसंठिया, उक्किणंतरविउल्लगंभीरखायफलिहा, पागारट्टालयकवाडतोरणपडिदुवारदेसभागा, जंत-सयधियमुसल-मुसंढिपरिवारिया, अउज्झा, सयाजया, सयागुत्ता, अडयालकोट्टगरइया, अडयालकयवणमाला, खेमा, सिवा, किंकरामरदंडोवरक्खिया, लाउल्लोइयमहिया,

गोसीसरसरत्तचंदेणदहरदिणपंचंगुलितला, उवचियचंदणकलसा, चंदणघडसुकय-
 तोरणपडिदुवारदेसभागा, आसत्तोसत्तविउलवट्टवग्वारियमल्लदामकलावा, पंचवण-
 सरसुरहिमुक्कपुप्फपुंजोवयारकलिया, कालागरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्कधूवमधमघंतगंधुधु-
 याभिरामा, सुगंधवरगंधिया, गंधवट्टभूया, अच्छरगणसंधसविकिण्णा, दिव्वतुडिय-
 सहसपणइया, पडाममालाउलाभिरामा, सव्वस्यणामया, अच्छा, सण्हा, लण्हा,
 घट्ठा, मट्ठा, णीरया, णिम्मला, णिप्पंका, णिक्कंडच्छाया, सप्पहा, सस्सिरीया,
 समरीइया, सउज्जोया, पासाईया, दरिसणिज्जा, अभिरूवा, पडिरूवा । एत्थ णं
 वाणमंतराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता । तिसु वि लोयस्स असंखेजइ-
 भागे । तत्थ णं बह्वे वाणमंतरा देवा परिवसंति । तंजहा-पिसाया, भूया, जक्खला,
 रक्खसा, किंणरा, किंपुरिसा, भुयगवइणो महाकाया, गंधव्वगणा य णिउणगंधव्व-
 गीयरइणो, अणवणिय-पणवणिय-इसिवाइय-भूयवाइय-कंदिय-महाकंदिया य कुहंड-
 पयंगदेवा चंचलचलचवलचित्तकालणदवप्पिया गहिरहसियगीयणच्चणरई वणमाला-
 मेलमउडकुंडल-सच्छंदविउव्वियाभरणचारुभूसणधरा सव्वोउयसुरभिकुसुमसुरइय-
 पलंबसोहंतकंतविहसंतचित्तवणमालरइयवच्छा, कामगमा [कामकामा], कामरूवदेह-
 धारी णाणाविहवणरागवरवत्थविचित्तचिल्लगणियंसणा, विविहदेसिणेवत्थगहिय-
 वेसा पमुइयकंदप्प-कलह-केलि-कोलाहलप्पिया हासबोलबहुला असिसुमार-सत्तिकुंत-
 हत्था, अणेगमणिरयणविकिहणिज्जुत्तविचित्तचिंघगया, महिडिट्टया, महज्जुइया,
 महायसा, महावला, महाणुभागा, महासुक्खा, हारविराइयवच्छा, कडयतुडिय-
 थंमियभुया, अंगय-कुंडल-मट्टगंडयलकण्णपीढधारी, विचित्तहत्थाभरणा, विचित्तमाला-
 मउलिमउडा, कल्लानगपवरवत्थपरिहिया, कल्लानगपवरमल्लानुलेवणधरा, भासुरबोदी,
 पलंशवणमालधरा, दिव्वेणं वण्णेणं, दिव्वेणं गंधेणं, दिव्वेणं फासेणं, दिव्वेणं संधय-
 णेणं, दिव्वेणं संठाणेणं, दिव्वाए इड्डीए, दिव्वाए जुईए, दिव्वाए पभाए, दिव्वाए
 छायाए, दिव्वाए अच्छीए, दिव्वेणं तेएणं; दिव्वाए लेस्साए दस दिसाओ उज्जोवे-
 माणा, पभासेमाणा, ते णं तत्थ साणं साणं असंखेजभोमेज्जणयरवाससयसहसाणं,
 साणं साणं सामाणियसाहस्सीणं, साणं साणं अगमहिस्सीणं, साणं साणं परिसाणं,
 साणं साणं अणीयाणं; साणं साणं अणीयाहिवईणं, साणं साणं आयरक्खदेवसा-
 हस्सीणं, अण्णेसिं च बहूणं वाणमंतराणं देवाणं य देवीणं य आहेवच्चं पोरेवच्चं
 समित्तं भट्टित्तं महत्तराणं आणाईसरसेणावच्चं कारेमाणा, पालेमाणा, महया हय-

णट्ठगीय-वाइयतंतीसलतालुडिय-घणमुङ्गपट्टप्पवाइयरवेणं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुज-
 माणा विहरंति ॥११६॥ कहि णं भंते ! पिसायाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा
 पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! पिसाया देवा परिवसंति ? गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए
 पुटवीए रयणामयस्स कंडस्स जोयणसहस्सबाहल्लस्स उवरिं एगं जोयणसयं ओगा-
 हित्ता हेट्ठा चेगं जोयणसयं वज्जित्ता मज्जे अट्टमु जोयणसएमु एत्थ णं पिसायाणं
 देवाणं तिरियमसंखेजा भोमेज्जणयरावाससयसहस्सा भवंतीति मक्खायं । ते णं
 भोमेज्जणयरा वाहिं यट्ठा जहा ओहिओ भवणवण्णओ तहा भाणियव्वो जाव पडि-
 रूवा । एत्थ णं पिसायाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता । तिसु वि लोगस्स
 असंखेज्जइभागे । तत्थ बहवे पिसाया-देवा परिवसंति, महिड्डिया जहा ओहिया जाव
 विहरंति । कालमहाकाला इत्थ तुवे पिसाइंदा पिसायरायाणो परिवसंति, महिड्डिया
 महज्जुइया जाव विहरंति ॥११७॥ कहि णं भंते ! दाहिणिल्लाणं पिसायाणं देवाणं
 ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! दाहिणिल्ला पिसाया देवा परिवसंति ? गोयमा !
 जंबुदीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं इमीसे रयणप्पभाए पुटवीए रयणा-
 मयस्स कंडस्स जोयणसहस्सबाहल्लस्स उवरिं एगं जोयणसयं ओगाहित्ता हेट्ठा चेगं
 जोयणसयं वज्जित्ता मज्जे अट्टमु जोयणसएमु एत्थ णं दाहिणिल्लाणं पिसायाणं
 देवाणं तिरियमसंखेजा भोमेज्जणयरावाससयसहस्सा भवंतीति मक्खायं । ते णं
 भवणा जहा ओहिओ भवणवण्णओ तहा भाणियव्वो जाव पडिरूवा । एत्थ णं
 दाहिणिल्लाणं पिसायाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता । तिसु वि लोगस्स
 असंखेज्जइभागे । तत्थ णं बहवे दाहिणिल्ला पिसाया देवा परिवसंति, महिड्डिया
 जहा ओहिया जाव विहरंति । काले एत्थ पिसाइंदे पिसायराया परिवसइ, महिड्डि
 जाव पभासेमाणे । से णं तत्थ तिरियमसंखेजाणं भोमेज्जणयरावाससयसहस्साणं,
 चउण्हं सामाणियसाहस्सीणं, चउण्हं य अग्गमहिसीणं सपरिवाराणं, तिण्हं परिसाणं,
 सत्तण्हं अणियाणं, सत्तण्हं अणियाहिवईणं, सोलसण्हं आयरक्खदेवसाहस्सीणं,
 अण्णेसिं च बहूणं दाहिणिल्लाणं वाणमंतराणं देवाणं य देवीणं य आहेवच्चं जाव
 विहरइ । उत्तरिल्लाणं पुच्छा ! गोयमा ! जहेव दाहिणिल्लाणं वत्तव्वया तहेव उत्तरि-
 ल्लाणं पि । णवरं मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं । महाकाले एत्थ पिसाइंदे पिसाय-
 राया परिवसइ जाव विहरइ । एवं जहा पिसायाणं तहा भूयाणं पि जाव गंधव्वाणं ।
 णवरं इंदेसु णाणत्तं भाणियव्वं इमेण विहिण्ठा-भूयाणं सुरवपडिरूवा, जक्खाणं

पुणभदमाणिभद्दा, रक्खसाणं भीममहाभीमा, किण्णराणं किण्णरकिंपुरिसा, किंपुरि-
साणं सप्पुरिसमहापुरिसा, महोरगाणं अइकायमहाकाया, गंधव्वाणं गीयरइगीय-
जसा जाव विहरइ । काले य महाकाले सुरूवपडिरूवपुणभदे य । तह चेव माणि-
भदे भीमे य तहा महाभीमे ॥ १ ॥ किण्णरकिंपुरिसे खलु सप्पुरिसे खलु तहा महा-
पुरिसे । अइकायमहाकाए गीयरई चेव गीयजसे ॥ २ ॥ ११८ ॥ कहि णं भंते !
अणवणियाणं देवाणं ठाणा पणत्ता ? कहि णं भंते ! अणवणिया देवा परिवसंति ?
गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए रयणामयस्स कंडस्स जोयणसहस्सवाहलस्स
उवरिं हेट्ठा य एगं जोयणसयं सयं वजेत्ता मज्झे अड्डसु जोयणसएसु एत्थ णं अण-
वणियाणं देवाणं तिरियमसंखेजा णयरावाससयसहस्सा भवंतीति मक्खायं । ते णं
जाव पडिरूवा । एत्थ णं अणवणियाणं देवाणं ठाणा पणत्ता । उववाएणं लोयस्स
असंखेजइभागे, समुप्पाएणं लोयस्स असंखेजइभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेजइ-
भागे । तत्थ णं ब्रह्मे अणवणिया देवा परिवसंति । महिड्डिया जहा पिसाया जाव
विहरंति । सण्हियसामाणा इत्थ दुवे अणवणिंदा अणवणियरायाणो परिवसंति ।
महिड्डिया, एवं जहा कालमहाकालाणं दोण्हं पि दाहिणिट्ठाणं उत्तरिट्ठाणं य भणिया
तहा सण्हियसामाणाणं पि भाणियत्वा । संगहणीसाहा—अणवणिय-पणवणियइसि-
वाइव-भूयवाइया चेव । कंदिय महाकंदिय कोहंड पयंगए चेव ॥ १ ॥ इमे इंदा—संणिहिया
सामाणा धायविधाए इसी य इसिवाले । ईसरमहेसरे विय हवइ सुवच्छे विसाले य
॥ २ ॥ हासे हासरई चेव सेए तहा भवे महासेए । पयए पयगवई विय णेयत्वा
आणुपुव्वीए ॥ ३ ॥ ११९ ॥ कहि णं भंते ! जोइसियाणं देवाणं पजत्तापजत्ताणं
ठाणा पणत्ता ? कहि णं भंते ! जोइसिया देवा परिवसंति ? गोयमा ! इमीसे रयण-
प्पभाए पुढवीए बहुसभरमणिजाओ भूमिभागाओ सत्तणउए जोयणसए उड्डं
उप्पत्ता दसुत्तरजोयणसयवाहले तिरियमसंखेजे जोइसविसए । एत्थ णं जोइसियाणं
देवाणं तिरियमसंखेजा जोइसियविमाणावाससयसहस्सा भवंतीति मक्खायं । ते णं
विमाणा अद्धकविट्ठगसंटाणसंठिया, सव्वफालिहमया, अवुभुगयमूसियपहसिया इव
विविहमणिकणगरयणभत्तिचित्ता, वाउद्धुयविजयवेजयंतीपडागाछत्ताइछत्तकलिया,
तुंगा, गंगणतलमहिल्लधमाणिहारा, जालंतररयण-पंजलुम्मिलियव्व मणिकणगधूमि-
यागा, वियसियसयवत्तपुंडरीया, तिलयरयणड्डच्छंदवित्ता, णाणामणिमयदामालंकिया,
अंतो वहिं च सण्हा, तवणिजरुइलवालुयापत्थडा, सुहफासा, सस्सिरीया, सुल्ला,

पासाईया, दरिसणिजा, अमिरूवा, पडिरूवा । एत्थ णं जोइसियाणं देवाणं पज्जत्ता-
 पज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता । तिसु वि लोगस्स असंखेज्जभागे । तत्थ णं बहवे जोइसिया
 देवा परिवसंति । तंजहा-बहस्सई, चंदा, सूरा, सुक्का, सणिच्छरा, राहू, धूमकेऊ,
 बुहा, अंगारगा, तत्तत्तवणिज्जकणगवण्णा जे य गहा जोइस्सिम्म चारं चरंति केऊ य
 गइरइया अट्ठावीसइविहा णक्खत्तदेवयगणा, णाणासंठाणंसंठियाओ पंचवण्णाओ तार-
 याओ ठियलेसाचारिणो, अविस्साममंडल्लगई, पत्तेयणामंक्कपागडियविचमउडा महि-
 डिदया जाव पभासेमाणा । ते णं तत्थ साणं साणं विमाणावाससयसहस्साणं, साणं
 साणं सामाणियसाहस्सीणं साणं साणं अगमहिंसीणं सपरिवाराणं, साणं साणं परि-
 साणं, साणं साणं अणियाणं, साणं साणं अणियाहिवईणं, साणं साणं आयरक्खदेव-
 साहस्सीणं, अण्णेसिं च बहूणं जोइसियाणं देवाणं देवीणं य आहेवच्चं जाव विहरंति ।
 चंदिमसूरिया इत्थ दुवे जोइसिंदा जोइसियरावाणो परिवसंति, महिडिदया जाव पभा-
 सेमाणा । ते णं तत्थ साणं साणं जोइसियविमाणावाससयसहस्साणं, चउण्हं सामाणिय-
 साहस्सीणं, चउण्हं अगमहिंसीणं सपरिवाराणं, तिण्हं परिसाणं, सत्तण्हं अणीयाणं,
 सत्तण्हं अणीयाहिवईणं, सोलसण्हं आयरक्खदेवसाहस्सीणं, अण्णेसिं च बहूणं
 जोइसियाणं देवाणं देवीणं य आहेवच्चं जाव विहरंति ॥ १२० ॥ कहि णं भंते !
 वेमाणियाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता ? कहि णं भंते ! वेमाणिया देवा
 परिवसंति ?, गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिजाओ भूमिभागाओ
 उड्ढं चंदिमसूरियगहणक्खत्तताराखाणं बहूइं जोयणसयाइं बहूइं जोयणसहस्साइं
 बहूइं जोयणसयसहस्साइं बहुगाओ जोयणकोडीओ बहुगाओ जोयणकोडाकोडीओ
 उड्ढं दूरं उण्णइत्ता एत्थ णं सोहम्मीसाणसणकुमार-माहिंदबंभ्लोयलंतग-महासुक्कसह-
 स्सारआणयपाणयआरणच्चुयगेवेज्जणुत्तरेसु एत्थ णं वेमाणियाणं देवाणं चउरासीइवि-
 माणावाससयसहस्सा सत्ताणउइं च सहस्सा तेवीसं च विमाणा भवंतीति मक्खायं ।
 ते णं विमाणा सव्वरयणामया, अच्छा, सण्हा, लण्हा, घट्ठा, मट्ठा, पीरया, भिम्मटा,
 णिण्णका, णिक्कडच्छाया, सप्पभा, सत्तिरीया, सउज्जोया, पासाईया, दरिसणिजा,
 अमिरूवा, पडिरूवा । एत्थ णं वेमाणियाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता । तिसु
 वि लोयस्स असंखेज्जभागे । तत्थ णं बहवे वेमाणिया देवा परिवसंति । तंजहा-
 सोहम्मीसाण-सणकुमार-माहिंदबंभ्लोग-लंतगमहासुक्क-सहस्सार-आणयपाणयआरण-
 च्चुयगेवेज्जणुत्तरोववाइया देवा, ते णं भिग-महिस-वराह-सीह-ल्लगल-ददुदुरहय-गयवह-

भुयगखगउसभविद्विम-पागडियच्चिधमउडा, पसिदिलवरमउडकिरीडधारिणो, वरकुंड-
 लुजोइयाण्णा, मउडदित्तसिरया, रत्ताभा, पउमपग्गहोरा, सेया, सुहवण्णगंधकासा,
 उत्तमवेउच्चिणो, पवरवत्थगंधमल्लाणुलेवणधरा, महिड्डिया, महज्जुइया, महायसा,
 महावला, महानुभागा, महासोक्खा, हारविराइयवच्छा, कडयतुडियथंभियभुया,
 अंगदकुंडलमट्ठगंडतलक्कणपीढधारी, विचित्तहत्थाभरणा, विचित्तमालामउलिमउडा,
 कल्लाणगपवरवत्थपरिहिया, कल्लाणमपवरमल्लाणुलेवणा, भासुरादी, पल्लवणमालधरा,
 दिव्वेणं वण्णेणं, दिव्वेणं मंघेणं, दिव्वेणं फासेणं, दिव्वेणं संघयणेणं, दिव्वेणं संटा-
 णेणं दिव्वाए इड्ढीए, दिव्वाए जुईए, दिव्वाए पभाए, दिव्वाए छायाए, दिव्वाए
 अच्छीए, दिव्वेणं तेएणं, दिव्वाए लेसाए दस दिसाओ उज्जोवेमाणा, पभासेमाणा,
 ते णं तत्थ साणं साणं विमाणावाससयसहस्साणं, साणं साणं सामाणियसाहस्सीणं,
 साणं साणं तायत्तीसगाणं, साणं साणं लोमपालाणं, साणं साणं अग्गमहिस्सीणं
 सपरिवाराणं, साणं साणं परिसाणं, साणं साणं अणिययाणं, साणं साणं अणियाहि-
 वईणं, साणं साणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं, अण्णेसिं च बहूणं वेमाणियाणं देवाण य
 देवीण य आहेवच्चं पोरेवच्चं जाव दिव्वाइ भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरंति ॥१२१॥
 कहि णं भंते ! सोहम्मगदेवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते !
 सोहम्मगदेवा परियसंति ? सोयमा ! जंबुद्वीवे दीवे मंदरस्स पक्खयस्स दाहिणेणं
 इमीसे रयणपभाए पुढवीए बहुसमरमणिजाओ भूमिभागाओ जाव उड्ढं दूरं उप्प-
 त्ता एत्थ णं सोहम्मे णामं कप्पे पण्णत्ते । पाईणफडीणायए, उदाणदाहिणविस्थिण्णे,
 अद्धचंदसंटाणसंठिए, अच्छिमालिभासरासिवण्णामे, असंखेजाओ जोयणकोडीओ
 असंखेजाओ जोयणकोडाकोडीओ आयामविकलमेणं, असंखेजाओ जोयणकोडा-
 कोडीओ परिकखेवेणं, सव्वरयणामए, अच्छे जाव पडिरूवे । तत्थ णं सोहम्मग-
 देवाणं बत्तीसविमाणावाससयसहस्सा भवंतीति मक्खायं । ते णं विमाणा सव्वरयणा-
 मया अच्छा जाव पडिरूवा । तेसि णं विमाणाणं बहुमज्झदेसभागे पंच वडिसया
 पण्णत्ता, तंजहा—असोगवडिसए, सत्तवण्णवडिसए, चंपगवडिसए, चूयवडिसए,
 मज्झे इत्थ सोहम्मवडिसए । ते णं वडिसया सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा ।
 एत्थ णं सोहम्मगदेवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता । तिसु वि लोमस्स असंखे-
 जइभागे । तत्थ णं बहवे सोहम्मगदेवा परियसंति महिड्डिया जाव पभासेमाणा ।
 ते णं तत्थ साणं साणं विमाणावाससयसहस्साणं, साणं साणं सामाणियसाहस्सीणं,

एवं जहेव ओहियाणं तहेव एएसिं पि भाणियव्वं जाव आयरक्खदेवसाहस्सीणं, अण्णेसिं च बहूणं सोहम्मकप्पवासीणं वेमाणियाणं देवाणं य देवीणं य आहेवक्कं जाव विहरंति । सक्के इत्थं देविंदे देवराथा परिवसइ, वज्रपाणी, पुरंदरे, सयक्कज, सहस्सयस्से, मधवं, पागसासणे, दाहिणड्ढलोगाहिवई, बत्तीसविमाणावाससयसहस्सा-हिवई, एरावणवाहणे, सुरिंदे, अरयंवरवत्थधरे, आलइयंमाल्मउडे, णवहेमचारु-चित्तचंचलकुंडलविलिहिज्जमाणगंडे, महिड्डिए जाव पभासेमाणे । से णं तत्थ बत्तीसाए विमाणावाससयसहस्साणं, चउरासीए सामाणियसाहस्सीणं, तायत्तीसाए तायत्तीसगणं, चउण्हं लोगपालाणं, अट्ठण्हं अग्गमहिंसीणं सपरिवाराणं, तिण्हं परिसाणं, सत्तण्हं अणीयाणं, सत्तण्हं अणीयाहिवईणं, चउण्हं चउरासीणं आयरक्ख-देवसाहस्सीणं, अण्णेसिं च बहूणं सोहम्मकप्पवासीणं वेमाणियाणं देवाणं य देवीणं य आहेवक्कं पोरेवक्कं कुव्वमाणे जाव विहरइ ॥१२२॥ कहिं णं भंते ! ईसाणणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ! कहिं णं भंते ! ईसाणगदेवा परिवसंति ? गोयमा ! जंबुदीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं इमीसे रयणप्पमाए पुटवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ उड्डं चंदिमसूरियगहणक्खत्तताराव्वाणं बहूइ जोयणसयाइं बहूइ जोयणसहस्साइं जाव उड्डं उप्पइत्ता एत्थ णं ईसाणे णामं कप्पे पण्णत्ते । पाईणपडीणायए, उदीणदाहिणवित्थिण्णे, एवं जहा सोहम्मे जाव पडिरुवे । तत्थ णं ईसाणगदेवाणं अट्ठावीसं विमाणावाससयसहस्सा भवंतीति मक्ख्वायं । ते णं विमाणा सव्वरयणामया जाव पडिरुवा । तेसिं णं बहुमज्झदेस-भागे पंच वडिसया पण्णत्ता । तंजहा—अंकवडिसए, फलिहवडिसए, रयणवडिसए, जायरुववडिसए, मज्झे इत्थं ईसाणवडिसए । ते णं वडिसया सव्वरयणामया जाव पडिरुवा । एत्थ णं ईसाणगदेवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता । तिसु वि लोगस्स असंखेज्जभागे । सेसं जहा सोहम्मगदेवाणं जाव विहरंति । ईसाणे इत्थं देविंदे देवराथा परिवसइ, मूलपाणी, वसहवाहणे, उत्तरड्ढलोगाहिवई, अट्ठावीसविमाणा-वाससयसहस्साहिवई, अरयंवरवत्थधरे, सेसं जहा सक्कस्स जाव पभासेमाणे । से णं तत्थ अट्ठावीसाए विमाणावाससयसहस्साणं, असीईए सामाणियसाहस्सीणं, ताय-त्तीसाए तायत्तीसगणं, चउण्हं लोगपालाणं, अट्ठण्हं अग्गमहिंसीणं सपरिवाराणं, तिण्हं परिसाणं, सत्तण्हं अणियाणं, सत्तण्हं अणियाहिवईणं, चउण्हं असीईणं आय-रक्खदेवसाहस्सीणं, अण्णेसिं च बहूणं ईसाणकप्पवासीणं वेमाणियाणं देवाणं य

देवीण य आहिवच्चं जाव विहरइ ॥१२३॥ कहि णं भंते ! सणकुमारदेवाणं पज्जत्ता-
पज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! सणकुमारा देवा परिवसंति ? गोयमा !
सोहम्मस्स कप्पस्स उप्पि सपक्खि सपडिदिसिं बहूइं जोयणाइं बहूइं जोयणसयाइं
बहूइं जोयणसहस्साइं बहूइं जोयणसयसहस्साइं बहुगाओ जोयणकोडीओ बहुगाओ
जोयणकोडाकोडीओ उड्ढं दूरं उप्पइत्ता एत्थ णं सणकुमारे णामं कप्पे पण्णत्ते ।
पाईणपडीणायए, उदीणदाहिणवित्थिण्णे जहा सोहम्मे जाव पडिरूवे । तत्थ णं
सणकुमाराणं देवाणं बारस विमाणावाससयसहस्सा भवंतीति मक्खायं । ते णं
विमाणा सव्वरयणामया जाव पडिरूवा । तेषि णं विमाणाणं बहुमज्झदेसभागे
पंच वडिसया पण्णत्ता । तंजहा—असोगवडिसए, सत्तवण्णवडिसए, चपगवडिसए,
चूयवडिसए, मज्झे एत्थ सणकुमारवडिसए । ते णं वडिसया सव्वरयणामया
अच्छा जाव पडिरूवा । एत्थ णं सणकुमारदेवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ।
तिसु वि लोगस्स असंखेजइभागे । तत्थ णं बहवे सणकुमारदेवा परिवसंति, महिड्डिया
जाव पमासेमाणा विहरंति । णवरं अग्गमहिंसीओ णत्थि । सणकुमारे इत्थ देविदे
देवराया परिवसइ । अरयंवरक्खधरे, सेमं जहा सक्कस्स । से णं तत्थ बारसण्हं
विमाणावाससयसहस्साणं, बावत्तरीए सामाणियसाहस्सीणं सेसं जहा सक्कस्स अग्गम-
हिंसीवज्जं । णवरं च उण्हं बावत्तरीणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं जाव विहरइ ॥ १२४ ॥
कहि णं भंते ! माहिंददेवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते !
माहिंदगदेवा परिवसंति ?, गोयमा ! ईसाणस्स कप्पस्स उप्पि सपक्खि सपडिदिसिं
बहूइं जोयणाइं जाव बहुयाओ जोयणकोडाकोडीओ उड्ढं दूरं उप्पइत्ता एत्थ णं
माहिंदे णामं कप्पे पण्णत्ते पाईणपडीणायए जाव एवं जहेव सणकुमारे । णवरं अट्ठ
विमाणावाससयसहस्सा । वडिसया जहा ईसाणे । णवरं मज्झे इत्थ माहिंदवडिसए,
एवं जहा सणकुमाराणं देवाणं जाव विहरंति । माहिंदे इत्थ देविदे देवराया परि-
वसइ, अरयंवरक्खधरे, एवं जहा सणकुमारे जाव विहरइ । णवरं अट्ठण्हं विमाणा-
वाससयसहस्साणं, सत्तरीए सामाणियसाहस्सीणं, च उण्हं सत्तरीणं आयरक्खदेव-
साहस्सीणं जाव विहरइ ॥ १२५ ॥ कहि णं भंते ! वंमलोगदेवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं
ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! वंमलोगदेवा परिवसंति ?, गोयमा ! सणकुमारमाहिं-
दाणं कप्पाणं उप्पि सपक्खि सपडिदिसिं बहूइं जोयणाइं जाव उप्पइत्ता एत्थ णं
वंमलोए णामं कप्पे पण्णत्ते, पाईणपडीणायए, उदीणदाहिणवित्थिण्णे, पडिपुण्णचंद-
संठाणसठिए, अच्चिमालीभासरासिप्पमे, अवसेसं जहा सणकुमाराणं । णवरं चत्तारि

विमाणावाससयसहस्सा, वडिसया जहा सोहम्मवडिसया, णवरं मज्झे इत्थ वंभ-
 लोयवडिसए । एत्थ णं वंभलोगदेवाणं पज्जापज्जाणं ठाणा पण्णत्ता सेसं तहेव
 जाव विहरंति । वंभे इत्थ देविंदे देवराया परिवसइ, अरयंवरवत्थधरे, एवं जहा
 सणकुमारे जाव विहरइ । णवरं चउण्हं विमाणावाससयसहस्साणं, सट्ठीए सामा-
 णियसाहस्सीणं, चउण्हं सट्ठीए आयरक्खदेवसाहस्सीणं, अण्णेसिं च बहूणं जाव
 विहरइ ॥ १२६ ॥ कहि णं भंते ! लंतगदेवाणं पज्जापज्जाणं ठाणा पण्णत्ता ?
 कहि णं भंते ! लंतगदेवा परिवसंति ? गोयमा ! वंभलोगस्स कप्पस्स उप्पिं सपक्खि
 सपडिदिसिं बहूइं जोयणाइं जाव बहुगाओ जोयणकोडाकोडीओ उड्ढं दूरं उप्पइत्ता
 एत्थ णं लंतए णामं कप्पे पण्णत्ते पाईणपडीणायए, जहा वंभलोए । णवरं पण्णासं
 विमाणावाससहस्सा भवंतीति मक्खायं । वडिसगा जहा ईसाणवडिसगा, णवरं
 मज्झे इत्थ लंतगवडिसए, देवा तहेव जाव विहरंति । लंतए एत्थ देविंदे देवराया
 परिवसइ, जहा सणकुमारे । णवरं पण्णासाए विमाणावाससहस्साणं, पण्णासाए
 सामाणियसाहस्सीणं, चउण्ह य पण्णासाणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं, अण्णेसिं च
 बहूणं जाव विहरइ ॥ १२७ ॥ कहि णं भंते ! महासुक्कां देवाणं पज्जापज्जाणं
 ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! महासुक्का देवा परिवसंति ? गोयमा ! लंतगस्स
 कप्पस्स उप्पिं सपक्खि सपडिदिसिं जाव उप्पइत्ता एत्थ णं महासुक्के णामं कप्पे
 पण्णत्त पाईणपडीणायए, उदीणदाहिणविस्थिण्णे, जहा वंभलोए । णवरं चत्तालीसं
 विमाणावाससहस्सा भवंतीति मक्खायं । वडिसगा जहा सोहम्मवडिसए जाव
 विहरंति । महासुक्के इत्थ देविंदे देवराया जहा सणकुमारे । णवरं चत्तालीसाए
 विमाणावाससहस्साणं, चत्तालीसाए सामाणियसाहस्सीणं, चउण्ह य चत्तालीसाणं
 आयरक्खदेवसाहस्सीणं जाव विहरइ ॥ १२८ ॥ कहि णं भंते ! सहस्सारदेवाणं
 पज्जापज्जाणं ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! सहस्सारदेवा परिवसंति ? गोयमा !
 महासुक्कस्स कप्पस्स उप्पिं सपक्खि सपडिदिसिं जाव उप्पइत्ता एत्थ णं सहस्सारे
 णामं कप्पे पण्णत्ते । पाईणपडीणायए जहा वंभलोए, णवरं छव्विमाणावाससहस्सा
 भवंतीति मक्खायं । देवा तहेव जाव वडिसगा जहा ईसाणस्स वडिसगा । णवरं
 मज्झे इत्थ सहस्सारवडिसए जाव विहरंति । सहस्सारे इत्थ देविंदे देवराया परिवसइ
 जहा सणकुमारे । णवरं छण्हं विमाणावाससहस्साणं, तीसाए सम्माणियसाहस्सीणं,
 चउण्ह य तीसाए आयरक्खदेवसाहस्सीणं जाव आहेवच्चं कारेमाणे विहरइ ॥ १२९ ॥

कहि णं भंते ! आणय-पाणयाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ! कहि णं भंते ! आणय-पाणया देवा परिवसंति ? गोयमा ! सहस्सारस्स कप्पस्स उप्पि सपक्खि सपडिदिसि जाव उप्पइत्ता एत्थ णं आणयपाणयणामा दुवे कप्पा पण्णत्ता । पाईण-पडीणायया उदीणदाहिणवित्थिण्णा, अद्धच्चंदसंठाणसंठिया, अच्चिमालीभासरसि-प्पभा, सेसं जहा सणकुमारे जाव पडिरूवा । तत्थ णं आणयपाणयदेवाणं चत्तारि विमाणावाससया भवंतीति मक्खायं जाव पडिरूवा । वडिसगा जहा सोहग्गे कप्पे । णवरं मज्झे इत्थ पाणयवडिसए । ते णं वडिसगा सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा । एत्थ णं आणयपाणयदेवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता । तिसु वि लोगस्स असंखेज्जभागे । तत्थ णं बहवे आणयपाणयदेवा परिवसंति महिड्डिया जाव पभासेमाणा । ते णं तत्थ साणं साणं विमाणावाससयाणं जाव विहरंति । पाणए इत्थ देविदे देवराया परिवसइ जहा सणकुमारे । णवरं चउण्हं विमाणावाससयाणं, वीसाए सामाणियसाहस्सीणं, असीईए आयरवखदेवसाहस्सीणं, अण्णेसिं च बहूणं जाव विहरइ ॥१३०॥ कहि णं भंते ! आरणच्चुयाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ! कहि णं भंते ! आरणच्चुया देवा परिवसंति ? गोयमा ! आणयपाणयाणं कप्पाणं उप्पि सपक्खि सपडिदिसि एत्थ णं आरणच्चुया णामं दुवे कप्पा पण्णत्ता । पाईणपडीणायया, उदीणदाहिणवित्थिण्णा, अद्धच्चंदसंठाणसंठिया, अच्चिमालीभासरसिवण्णाभा, असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ आयामविवखेमेणं, असंखेजाओ जोयणकोडाकोडीओ परिवखेवेणं, सव्वरयणामया, अच्छा, सण्हा, लण्हा, घट्ठा, मट्ठा, णीरया, णिम्मला, णिप्पंका, णिक्कंढच्छाया, सप्पभा, सत्तिरीया, सउज्जोया, पासाईया, दरिसणिजा, अभिरूवा, पडिरूवा । एत्थ णं आरणच्चुयाणं देवाणं तिणिण विमाणावाससया भवंतीति मक्खायं । ते णं विमाणा सव्वरयणामया, अच्छा, सण्हा, लण्हा, घट्ठा, मट्ठा, णीरया, णिम्मला, णिप्पंका, णिक्कंढच्छाया, सप्पभा, सत्तिरीया, सउज्जोया, पासाईया, दरिसणिजा अभिरूवा, पडिरूवा । तेसि णं विमाणाणं कप्पाणं बहुमज्झदेसभाए पंच वडिसया पण्णत्ता । तंजहा—अंकवडिसए, फलिहवडिसए, रयणवडिसए, जायरूववडिसए मज्झे एत्थ अच्छुयवडिसए । ते णं वडिसयां सव्वरयणामया जाव पडिरूवा । एत्थ णं आरणच्चुयाणं देवाणं पज्जत्ता-पज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता । तिसु वि लोगस्स असंखेज्जभागे । तत्थ णं बहवे आरण-च्चुया देवा परिवसंति । अच्छुए इत्थ देविदे देवराया परिवसइ, जहा पाणए जाव

विहरइ । णवरं तिण्हं विमाणावाससयाणं, दसण्हं सामाणियसाहस्सीणं, चत्तालीसाए आयरक्खदेवसाहस्सीणं आदेवच्च कुव्वमाणे जाव विहरइ । बत्तीस अट्ठवीसा वारस अट्ठ चउरो(य) सयसहस्सा । पण्णा चत्तालीसा छच्च सहस्सा सहसारे ॥१॥ आणय-
पाणयकप्पे चत्तारे सयाऽऽरणच्चुए तिण्णि । सत्त विमाणसयां चउसु वि एएसु कप्पेसु ॥२॥ सामाणियसंगहणीगाहा-चउरासीइ असीई ब्रावत्तरि सत्तरी य सट्ठी य । पण्णा चत्तालीसा तीसा वीसा दस सहस्सा ॥१॥ एए चेव आयरक्खा चउग्गुणा । १३१ ।
कहि णं भंते ! हेट्ठिमगेविज्जगाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते !
हेट्ठिमगेविज्जगा देवा परिवसंति ? गोयमा ! आरणच्चुयाणं कप्पाणं उप्पि जाव उड्ढं
दूरं उप्पइत्ता एत्थ णं हेट्ठिमगेविज्जगाणं देवाणं तओ गेविज्जगविमाणपत्थडा पण्णत्ता ।
पाईणपडीणायया, उदीणदाहिणवित्थिण्णा, पडिपुण्णचंदसंठाणसंठिया, अच्चिमाळी-
भासरासिवण्णामा, सेसं जहा वंभलोगे जाव पडिरूखा । तत्थ णं हेट्ठिमगेविज्ज-
गाणं देवाणं एक्कारमुत्तरे विमाणावाससए भवंतीति मक्खायं । ते णं विमाणा सव्व-
रयणामया जाव पडिरूखा । एत्थ णं हेट्ठिमगेविज्जगाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा
पण्णत्ता । तिसु वि लोगस्स असंखेज्जइभागे । तत्थ णं बहवे हेट्ठिमगेविज्जगा देवा
परिवसंति । सव्वे समिद्धिदया, सव्वे समज्जुइया, सव्वे समजसा, सव्वे समबला,
सव्वे समानुभावा, महासुक्खा, अणिंदा, अपेस्सा, अपुरोहिया, अहमिंदा णामं ते
देवगणा पण्णत्ता समणाउसो ! ॥ १३२ ॥ कहि णं भंते ! मज्झिमगाणं गेविज्जगाणं
देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! मज्झिमगेविज्जगा देवा
परिवसंति ? गोयमा ! हेट्ठिमगेविज्जगाणं उप्पि सपक्खिं सपडिदिसिं जाव उप्पइत्ता
एत्थ णं मज्झिमगेविज्जगादेवाणं तओ गेविज्जगविमाणपत्थडा पण्णत्ता । पाईणपडी-
णायया जहा हेट्ठिमगेविज्जगाणं । णवरं सत्तुत्तरे विमाणावाससए भवंतीति मक्खायं ।
ते णं विमाणा जाव पडिरूखा । एत्थ णं मज्झिमगेविज्जगाणं जाव तिसु वि
लोगस्स असंखेज्जइभागे । तत्थ णं बहवे मज्झिमगेविज्जगा देवा परिवसंति जाव
अहमिंदा णामं ते देवगणा पण्णत्ता समणाउसो ! ॥ १३३ ॥ कहि णं भंते ! उवरिम-
गेविज्जगाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! उवरिम-
गेविज्जगा देवा परिवसंति ? गोयमा ! मज्झिमगेविज्जगाणं उप्पि जाव उप्पइत्ता
एत्थ णं उवरिमगेविज्जगाणं तओ गेविज्जगविमाणपत्थडा पण्णत्ता । पाईणपडीणायया,
सेसं जहा हेट्ठिमगेविज्जगाणं । णवरं एगे विमाणावाससए भवंतीति मक्खायं, सेसं

तद्देव भाणियव्वं जाव अहमिंदा णामं ते देवगणा पण्णत्ता समणाउसो ! । एक्कार-
मुत्तरं हेट्ठिमेसु सत्तुत्तरं च मज्झिमए । सयमेगं उवरिमए पंचेव अणुत्तरविमाणा
॥ १३४ ॥ कहि णं भंते ! अणुत्तरोववाइयाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा
पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! अणुत्तरोववाइया देवां परिवसंति ? गोमया ! इमीसे रयण-
पभाए पुढवीए बहुसमरमणिजाओ भूमिभागाओ उड्ढं चंदिमसूरियगहगणणवत्त-
तारारूवाणं बहूइं जोयणसयाइं, बहूइं जोयणसहस्साइं, बहूइं जोयणसयसहस्साइं,
बहुगाओ जोयणकोडीओ, बहुगाओ जोयणकोडाकोडीओ, उड्ढं दूरं उपपइत्ता
सोहम्मीसायणसंक्रुमार जाव आरणच्चुयकप्पा तिण्णि अट्ठारमुत्तरे गेविजगविमाणा-
वाससए वीईवइत्ता तेण परं दूरं गया णीरया, णिम्मला, वित्तिमिरा, विमुद्धा,
पंचदिमिं पंच अणुत्तरा महइमहालया महाविमाणा पण्णत्ता । तंजहा-विजए,
वेजयंते, जयंते, अपराजिए, सव्वट्ठसिद्धे । ते णं विमाणा सव्वरयणामया, अच्छा,
सण्हा, लण्हा, धट्ठा, मट्ठा, णीरया, णिम्मला, णिण्णका, णिक्कडच्छाया, सप्पभा,
ससिसीया, सउज्जोया, पात्ताईया, दरिसणिजा, अमिरूवा, पडिरूवा । एत्थ णं
अणुत्तरोववाइयाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता । तिसु वि लोगस्स असंखे-
जइभागे । तत्थ णं बहवे अणुत्तरोववाइया देवा परिवसंति । सव्वे समिद्धिदया...सव्वे
समवला, सव्वे समाणुभावा, महामुक्खा, अणिंदा, अपेस्सा, अपुरोहिया, अह-
मिंदा णामं ते देवगणा पण्णत्ता समणाउसो ! ॥ १३५ ॥ कहि णं भंते ! सिद्धाणं
ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! सिद्धा परिवसंति ?, गोमया ! सव्वट्ठसिद्धस्स महा-
विमाणस्स उवरिल्लाओ थूमियगाओ दुक्कालस जोयणे उड्ढं अवाहाए एत्थ णं ईसी-
पम्भारा णामं पुढवी पण्णत्ता । पणयालीसं जोयणसयसहस्साइं आयामविकखेमेणं,
एगा जोयणकोडी बायालीसं च सयसहस्साइं तीसं च सहस्साइं दोण्णि य
अउणापण्णे जोयणसए किंचि विसेसाहिए परिकखेवेणं पण्णत्ता । ईसीपम्भाराए णं
पुढवीए बहुमज्झदेसमाए अट्ठजोयणिए खेत्ते अट्ठ जोयणाइं बाहल्लेणं पण्णत्ते । तओ
अणंतरं च णं मायाए मायाए पएसपरिहाणीए परिहायमाणी परिहायमाणी सव्वेसु
चरमंतेसु मच्छियपत्ताओ तणुययरी, अंगुलस्स असंखेजइभासं बाहल्लेणं पण्णत्ता ।
ईसीपम्भाराए णं पुढवीए दुक्कालस णामधिजा पण्णत्ता । तंजहा-ईसी इ वा, ईसी-
पम्भारा इ वा, तणू इ वा, तणुतणू इ वा, सिद्धि इ वा, सिद्धालए इ वा, मुत्तिस्ति
वा, मुत्तालए इ वा, लोयग्गेस्ति वा, लोयग्गथूमिया इ वा, लोयग्गपडिजुज्झणा इ वा

सव्वपाणभूयजीवसत्तमुहावहा । इ वा । ईसीपन्भारा णं पुटवी सेया संखदलविमल-
 सोत्थिय-मुणालदगारय-तुसार-गोवखीरहारवण्णा उत्ताणयच्छत्तसंठाणसंठिया सव्वज्जुण-
 सुवण्णमई, अच्छा, सण्हा, लण्हा, धट्ठा, मट्ठा, णीरया, णिम्मला, णिप्पका, णिक्क-
 डच्छाया सण्णमा, सत्सरिया, सउज्जोया, पासाईया, दरिसणिजा, अभिरुवा, पडिरुवा ।
 ईसीपन्भाराए णं पुटवीए सीआए जोजणम्मि लोगंतो, तस्स जोजणस्स जे से उवरिल्ले
 गाउए, तस्स णं गाउयस्स जे से उवरिल्ले छम्भागे, एत्थ णं सिद्धा भगवंतो साइया
 अपज्जवसिया अणेगजाइ-जरामरण-ओणिसंसारकलंकलीभाव-पुण्णभवगम्भवासवसही-
 पवंचसमइक्कंता सासयमणागयद्धं कालं चिद्धंति । तत्थ वि य ते अवैया अवैयाणा
 णिम्ममा असंगा य । संसारविप्पमुक्का पुएसणिव्वत्तसंठाणा ॥ १ ॥ कहिं पडिहया
 सिद्धा कहिं सिद्धा पइट्ठिया ? कहिं बोदिं चइत्ता णं कत्थ गंतूण सिद्धइ ?
 ॥ २ ॥ अलोए पडिहया सिद्धा लोयग्गे य पइट्ठिया । इहं बोदिं चइत्ता णं तत्थ
 गंतूण सिद्धइ ॥ ३ ॥ दीहं वा हस्सं वा जं चरिमभवे ह्विज संठाणं । तत्तो
 तिभागाहीणा सिद्धाणोगाहणा भणिया ॥ ४ ॥ जं संठाणं तु इहं भवं चयंतस्स
 चरिमसमयंमि । आसी य पएसघणं तं संठाणं तहिं तस्स ॥ ५ ॥ तिणि सया
 तितीसा धणुत्तिभागो य होइ बोधव्वा । एसा खलु सिद्धाणं उक्कोसोगाहणा भणिया
 ॥ ६ ॥ चत्तारि य रयणीओ रयणी तिभागूणिया य बोधव्वा । एसा खलु सिद्धाणं
 मज्झिमओगाहणा भणिया ॥ ७ ॥ एसा य होइ रयणी अट्ठेव य अंगुलाई साहिया ।
 एसा खलु सिद्धाणं जहण्णओगाहणा भणिया ॥ ८ ॥ ओगाहणाए सिद्धा भवत्तिभागेण
 होति परिहीणा । संठाणमणित्थं जरामरणविप्पमुक्काणं ॥ ९ ॥ जत्थ य एगो सिद्धो
 तत्थ अणंता भवक्खयविमुक्का । अण्णोऽण्णसमोमादा पुट्ठा सव्वे वि लोगंते ॥ १० ॥
 फुसइ अणंते सिद्धे सव्वपएसेहिं णियमसो सिद्धा । तेऽवि य असंखिजगुणा देसपए-
 सेहिं जे पुट्ठा ॥ ११ ॥ असरीरा जीवघणा उयउत्ता दंसणे य णाणे य । सासारमण-
 गारं लक्खणमेयं तु सिद्धाणं ॥ १२ ॥ केवलणाणुवउत्ता जाणंता सव्वभावगुणभावे ।
 पासंता सव्वओ खलु केवलविट्ठीहिऽणंताहिं ॥ १३ ॥ णवि अत्थि माणुसाणं तं
 सुक्खं णवि य सव्वदेवाणं । जं सिद्धाणं सुक्खं अव्वावाहं उवगयाणं ॥ १४ ॥
 सुराणणुहं समत्तं सव्वद्धापिंडिय अणंतगुणं । णवि पावइ मुत्तिमुहं गंताहिं वग्ग-
 वग्गूहिं ॥ १५ ॥ सिद्धस्स सुहोरासी सव्वद्धापिंडिओ जइ हवेज्ज । सोऽणंतवग्ग-
 भइओ सव्वागासे ण माइजा ॥ १६ ॥ जह णाम कोइ मिच्छो णगरगुणे बहुविहे

वियाणंतो ! ण चएइ परिकहेउं उवमाए तहिं असंतीए ॥१७॥ इय सिद्धाणं सोक्खं
अणोक्खं णत्थि तस्स ओवम्मं । किंचि विसेसेणित्तो सारिक्खमिणं सुणह वोच्छं
॥ १८॥ जह सव्वकामगुणियं पुरिसो भोत्तूण भोयणं कोइ ! तण्हाल्लुहाविमुक्को
अच्छिज्ज जहा अमियतित्तो ॥ १९ ॥ इय सव्वकालतित्ता अउलं णिव्वाणसुवगया
सिद्धा । सासयमव्वावाहं चिट्ठंति सुही सुहं पत्ता ॥ २० ॥ सिद्धत्ति य बुद्धत्ति य
पारायत्ति व परंपरायत्ति । उम्मुक्कम्मकवया अजरा अमरा असंशा य ॥ २१॥
णित्थिण्णसव्वदुक्खा जाइजरामरणबंधणविमुक्का । अव्वावाहं सोक्खं अणुहुंती सासयं
सिद्धा ॥२२॥१३६॥ पण्णवणाए भगवईए बीयं ठाणपयं समत्तं ॥

तइयं बहुवत्तव्वपयं

दिसि-गइ इंदिय-काए जोए वेए कसाय-लेसा य । सम्मत्त-णाण-दंसण-संजय-उवओग-
आहारे ॥१॥ भासग-परित्त-पज्जत्त-सुहुम-सण्णी भवउत्थिए चरिमे । जीवे य खित्तबंधे
पुगल्लमहदंडए चैव ॥ २ ॥ दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा जीवा पच्छिमेणं, पुरच्छिमेणं
विसेसाहिया, दाहिणेणं विसेसाहिया, उत्तरेणं विसेसाहिया ॥१३७॥ दिसाणुवाएणं
सव्वत्थोवा पुढविकाइया दाहिणेणं, उत्तरेणं विसेसाहिया, पुरच्छिमेणं विसेसाहिया,
पच्छिमेणं विसेसाहिया । दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा आउक्काइया पच्छिमेणं, पुरच्छिमेणं
विसेसाहिया, दाहिणेणं विसेसाहिया, उत्तरेणं विसेसाहिया । दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा
तेउक्काइया दाहिणुत्तरेणं, पुरच्छिमेणं संखेजगुणा, पच्छिमेणं विसेसाहिया । दिसाणु-
वाएणं सव्वत्थोवा वाउक्काइया पुरच्छिमेणं, पच्छिमेणं विसेसाहिया, उत्तरेणं विसेसा-
हिया, दाहिणेणं विसेसाहिया । दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा वणस्सइकाइया पच्छिमेणं,
पुरच्छिमेणं विसेसाहिया, दाहिणेणं विसेसाहिया, उत्तरेणं विसेसाहिया ॥ १३८ ॥
दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा बेइंदिया पच्छिमेणं, पुरच्छिमेणं विसेसाहिया, दक्खिणेणं
विसेसाहिया, उत्तरेणं विसेसाहिया । दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा तेइंदिया पच्चत्थिमेणं,
पुरच्छिमेणं विसेसाहिया, दाहिणेणं विसेसाहिया, उत्तरेणं विसेसाहिया । दिसाणु-
वाएणं सव्वत्थोवा चउरिंदिया पच्चत्थिमेणं, पुरच्छिमेणं विसेसाहिया, दाहिणेणं
विसेसाहिया, उत्तरेणं विसेसाहिया ॥ १३९ ॥ दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा णेरइया
पुरच्छिमपच्चत्थिमउत्तरेणं, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा । दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा
रयणप्पभापुढवीणेइया पुरच्छिमपच्चत्थिमउत्तरेणं, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा ।

उत्तरेण असंखेजगुणा, दाहिणेणं विसेसाहिया । दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा देवा सणकुमारे कप्पे पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं, उत्तरेणं असंखेजगुणा, दाहिणेणं विसेसाहिया । दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा देवा माहिदे कप्पे पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं उत्तरेणं असंखेजगुणा, दाहिणेणं विसेसाहिया । दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा देवा वंभलोए कप्पे पुरच्छिमपच्चत्थिमउत्तरेणं, दाहिणेणं असंखेजगुणा । दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा देवा लंतए कप्पे पुरच्छिमपच्चत्थिमउत्तरेणं दाहिणेणं असंखेजगुणा । दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा देवा महासुक्के कप्पे पुरच्छिमपच्चत्थिमउत्तरेणं, दाहिणेणं असंखेजगुणा । दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा देवा सहसारे कप्पे पुरच्छिमपच्चत्थिमउत्तरेणं, दाहिणेणं असंखेजगुणा । तेण परं बहुसमोववण्णसा समणाउसो ! ॥ १४३ ॥ दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा सिद्धा दाहिणउत्तरेणं, पुरच्छिमेणं संखेजगुणा, पच्चत्थिमेणं विसेसाहिया ॥ १ दारं ॥ १४४ ॥ एएसि णं भंते ! णेरइयाणं तिरिक्खजोणियाणं मणुस्साणं देवाणं सिद्धाणं य पंचगइसमासेणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा मणुस्सा, णेरइया असंखेजगुणा, देवा असंखेजगुणा, सिद्धा अणंतगुणा, तिरिक्खजोणिया अणंतगुणा ॥ १४५ ॥ एएसि णं भंते ! णेरइयाणं तिरिक्खजोणियाणं तिरिक्खजोणियाणं मणुस्साणं मणुस्साणं देवाणं देवीणं सिद्धाणं य अट्ठगइसमासेणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवाओ मणुस्साओ, मणुस्सा असंखेजगुणा, णेरइया असंखेजगुणा, तिरिक्खजोणियाओ असंखेजगुणाओ, देवा असंखेजगुणा, देवीओ संखेजगुणाओ, सिद्धा अणंतगुणा, तिरिक्खजोणिया अणंतगुणा ॥ २ दारं ॥ १४६ ॥ एएसि णं भंते ! सइंदियाणं एगिंदियाणं वेइंदियाणं तेइंदियाणं चउरिंदियाणं पंचिंदियाणं अणिंदियाणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा पंचिंदिया, चउरिंदिया विसेसाहिया, तेइंदिया विसेसाहिया, वेइंदिया विसेसाहिया, अणिंदिया अणंतगुणा, एगिंदिया अणंतगुणा, सइंदिया विसेसाहिया ॥ १४७ ॥ एएसि णं भंते ! सइंदियाणं एगिंदियाणं वेइंदियाणं तेइंदियाणं चउरिंदियाणं पंचिंदियाणं अपज्जत्तगाणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा पंचिंदिया अपज्जत्तगा, चउरिंदिया अपज्जत्तगा विसेसाहिया, तेइंदिया अपज्जत्तगा विसेसाहिया, वेइंदिया अपज्जत्तगा विसेसाहिया, एगिंदिया अपज्जत्तगा अणंतगुणा, सइंदिया अपज्जत्तगा

पञ्जत्ताणं कयरे कयरेहितो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा !
 सव्वत्थोवा वणस्सइकाइया अपज्जत्तागा, वणस्सइकाइया पज्जत्तागा संखेज्जगुणा ॥ एएसि
 णं भंते ! तसकाइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहितो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला
 वा विसेसाहिया वा ? गो० ! सव्वत्थोवा तसकाइया पज्जत्तागा, तसकाइया अपज्जत्तागा
 असंखेज्जगुणा ॥ १५५ ॥ एएसि णं भंते ! सकाइयाणं पुढविकाइयाणं आउकाइयाणं
 तेउकाइयाणं वाउकाइयाणं वणस्सइकाइयाणं तसकाइयाणं य पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे
 कयरेहितो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा
 तसकाइया पज्जत्तागा, तसकाइया अपज्जत्तागा संखेज्जगुणा, तेउकाइया अपज्जत्तागा
 असंखेज्जगुणा, पुढविकाइया अपज्जत्तागा विसेसाहिया, आउकाइया अपज्जत्तागा विसे-
 साहिया, वाउकाइया अपज्जत्तागा विसेसाहिया, तेउकाइया पज्जत्तागा संखेज्जगुणा,
 पुढविकाइया पज्जत्तागा विसेसाहिया आउकाइया पज्जत्तागा विसेसाहिया, वाउकाइया
 पज्जत्तागा विसेसाहिया वणस्सइकाइया अपज्जत्तागा अणंतगुणा, सकाइया अपज्जत्तागा
 विसेसाहिया वणस्सइकाइया पज्जत्तागा संखेज्जगुणा, सकाइया पज्जत्तागा विसेसाहिया,
 सकाइया विसेसाहिया ॥ १५६ ॥ एएसि णं भंते ! सुहुमाणं सुहुमपुढविकाइयाणं सुहुम-
 आउकाइयाणं सुहुमतेउकाइयाणं सुहुमवाउकाइयाणं सुहुमवणस्सइकाइयाणं सुहुम-
 णिओयाणं य कयरे कयरेहितो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ?
 गोयमा ! सव्वत्थोवा सुहुमतेउकाइया, सुहुमपुढविकाइया विसेसाहिया, सुहुमआउ-
 काइया विसेसाहिया, सुहुमवाउकाइया विसेसाहिया, सुहुमणिओया असंखेज्जगुणा,
 सुहुमवणस्सइकाइया अणंतगुणा, सुहुमा विसेसाहिया ॥ १५७ ॥ एएसि णं भंते !
 सुहुमअपज्जत्तागाणं सुहुमपुढविकाइयअपज्जत्तागाणं सुहुमआउकाइयअपज्जत्तागाणं
 सुहुमतेउकाइयअपज्जत्तागाणं सुहुमवाउकाइयअपज्जत्तागाणं सुहुमवणस्सइकाइयअप-
 ज्जत्तागाणं सुहुमणिओयअपज्जत्तागाणं य कयरे कयरेहितो अप्पा वा ४ ? गोयमा !
 सव्वत्थोवा सुहुमतेउकाइया अपज्जत्तागा, सुहुमपुढविकाइया अपज्जत्तागा विसेसाहिया
 सुहुमआउकाइया अपज्जत्तागा विसेसाहिया, सुहुमवाउकाइया अपज्जत्तागा विसेसा-
 हिया, सुहुमणिओया अपज्जत्तागा असंखेज्जगुणा, सुहुमवणस्सइकाइया अपज्जत्तागा
 अणंतगुणा, सुहुमा अपज्जत्तागा विसेसाहिया ॥ १५८ ॥ एएसि णं भंते ! सुहुमपज्जत्त-
 गाणं सुहुमपुढविकाइयपज्जत्तागाणं सुहुमआउकाइयपज्जत्तागाणं सुहुमतेउकाइयपज्जत्त-
 गाणं सुहुमवाउकाइयपज्जत्तागाणं सुहुमवणस्सइकाइयपज्जत्तागाणं सुहुमणिओयपज्जत्त-

सुद्धमपज्जत्तया विसेसाहिया, सुद्धमा विसेसाहिया ॥ १६१ ॥ एएसि णं भंते !
 बायरानं बायरपुट्टविकाइयाणं बायरआउकाइयाणं बायरतेउकाइयाणं बायरवाउ-
 काइयाणं बायरवणस्सइकाइयाणं पत्तेयसरीरबायरवणस्सइकाइयाणं बायरणिओयाणं
 बायरतसकाइयाणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा बायर-
 तसकाइया, बायरतेउकाइया असंखेज्जगुणा, पत्तेयसरीरबायरवणस्सइकाइया असं-
 खेज्जगुणा, बायरणिओया असंखेज्जगुणा, बायरपुट्टविकाइया असंखेज्जगुणा, बायर-
 आउकाइया असंखेज्जगुणा, बायरवाउकाइया असंखेज्जगुणा, बायरवणस्सइकाइया
 अणंतगुणा बायरा विसेसाहिया ॥ १६२ ॥ एएसि णं भंते ! बायरअपज्जत्तगाणं बायर-
 पुट्टविकाइयअपज्जत्तगाणं बायरआउकाइयअपज्जत्तगाणं बायरतेउकाइयअपज्जत्तगाणं
 बायरवाउकाइयअपज्जत्तगाणं बायरवणस्सइकाइयअपज्जत्तगाणं पत्तेयसरीरबायरव-
 णस्सइकाइयअपज्जत्तगाणं बायरणिओयअपज्जत्तगाणं बायरतसकाइयअपज्जत्तगाणं
 य कयरेकयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा बायरतसकाइया अपज्जत्तगा,
 बायरतेउकाइया अपज्जत्तगा असंखेज्जगुणा, पत्तेयसरीरबायरवणस्सइकाइया अपज्ज-
 तगा असंखेज्जगुणा, बायरणिओया अपज्जत्तगा असंखेज्जगुणा, बायरपुट्टविकाइया
 अपज्जत्तगा असंखेज्जगुणा, बायरआउकाइया अपज्जत्तगा असंखेज्जगुणा, बायरवाउ-
 काइया अपज्जत्तगा असंखेज्जगुणा, बायरवणस्सइकाइया अपज्जत्तगा अणंतगुणा,
 बायरअपज्जत्तगा विसेसाहिया ॥ १६१ ॥ एएसि णं भंते ! बायरपज्जत्तयाणं बायर-
 पुट्टवीकाइयपज्जत्तयाणं बायरआउकाइयपज्जत्तयाणं बायरतेउकाइयपज्जत्तयाणं बायर-
 वाउकाइयपज्जत्तयाणं पत्तेयसरीरबायरवणस्सइकाइयपज्जत्तयाणं बायरणिओयपज्जत्त-
 याणं बायरतसकाइयपज्जत्तयाणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्व-
 त्थोवा बायरतेउकाइया पज्जत्तया, बायरतसकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, पत्तेय-
 सरीरबायरवणस्सइकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, बायरणिओया पज्जत्तया असंखे-
 ज्जगुणा, बायरपुट्टवीकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, बायरआउकाइया पज्जत्तया
 असंखेज्जगुणा, बायरवाउकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, बायरवणस्सइकाइया पज्ज-
 त्तया अणंतगुणा बायरपज्जत्तया विसेसाहिया ॥ १६४ ॥ एएसि णं भंते ! बायरानं
 पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा बायरपज्ज-
 त्तया, बायरअपज्जत्तया असंखेज्जगुणा । एएसि णं भंते ! बायरपुट्टवीकाइयाणं
 पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा बायरपुट्टवी-

[illegible]

वायरपज्जत्ता विसेसाहिया वायरवणस्सइकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, वायरअप-
ज्जत्तया विसेसाहिया, वायरा विसेसाहिया ॥१६६॥ एएसि णं भंते ! सुहुमाणं सुहुमपुट-
वीकाइयाणं सुहुमआउकाइयाणं सुहुमतेउकाइयाणं सुहुमवाउकाइयाणं सुहुमवणस्सइका-
इयाणं सुहुमणिओयाणं वायरणं वायरपुटवीकाइयाणं वायरआउकाइयाणं वायरतेउका-
इयाणं वायरवाउकाइयाणं वायरवणस्सइकाइयाणं पत्तेयसरीरवायरवणस्सइकाइयाणं
वायरणिओयाणं तसकाइयाणं य कयरे कयरेहितो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा
वायरतसकाइया, वायरतेउकाइया असंखेज्जगुणा, पत्तेयसरीरवायरवणस्सइकाइया
असंखेज्जगुणा, वायरणिओया असंखेज्जगुणा, वायरपुटवीकाइया असंखेज्जगुणा,
वायरआउकाइया असंखेज्जगुणा, वायरवाउकाइया असंखेज्जगुणा, सुहुमतेउकाइया
असंखेज्जगुणा, सुहुमपुटवीकाइया विसेसाहिया, सुहुमआउकाइया विसेसाहिया,
सुहुमवाउकाइया विसेसाहिया, सुहुमणिओया असंखेज्जगुणा, वायरवणस्सइकाइया
अणतगुणा, वायरा विसेसाहिया, सुहुमवणस्सइकाइया असंखेज्जगुणा, सुहुमा विसेसा-
हिया ॥१६७॥ एएसि णं भंते ! सुहुमअपज्जत्तयाणं सुहुमपुटवीकाइयाणं अपज्जत्त-
याणं सुहुमआउकाइयाणं अपज्जत्तयाणं सुहुमतेउकाइयाणं अपज्जत्तयाणं सुहुमवाउ-
काइयाणं अपज्जत्तयाणं सुहुमवणस्सइकाइयाणं अपज्जत्तयाणं सुहुमणिओयाणं अप-
ज्जत्तयाणं वायरअपज्जत्तयाणं वायरपुटवीकाइयाणं अपज्जत्तयाणं वायरआउकाइयाणं
अपज्जत्तयाणं वायरतेउकाइयाणं अपज्जत्तयाणं वायरवाउकाइयाणं अपज्जत्तयाणं
वायरवणस्सइकाइयाणं अपज्जत्तयाणं पत्तेयसरीरवायरवणस्सइकाइयाणं अपज्जत्तयाणं
वायरणिओयाणं अपज्जत्तयाणं वायरतसकाइयाणं अपज्जत्तयाणं कयरे कयरेहितो
अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा वायरतसकाइया अपज्जत्तया, वायरतेउकाइया
अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, पत्तेयसरीरवायरवणस्सइकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा
वायरणिओया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, वायरपुटवीकाइया अपज्जत्तया असंखेज्ज-
गुणा, वायरआउकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, वायरवाउकाइया अपज्जत्तया
असंखेज्जगुणा, सुहुमतेउकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, सुहुमपुटवीकाइया अप-
ज्जत्तया विसेसाहिया, सुहुमआउकाइया अपज्जत्तया विसेसाहिया, सुहुमवाउकाइया
अपज्जत्तया विसेसाहिया, सुहुमणिओया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, वायरवणस्सइ-
काइया अपज्जत्तया अणतगुणा, वायरा अपज्जत्तया विसेसाहिया, सुहुमवणस्सइकाइया
अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, सुहुमा अपज्जत्तया विसेसाहिया ॥१६८॥ एएसि णं

मंते ! सुहुमपज्जत्तयाणं सुहुमपुढविकाइयपज्जत्तयाणं सुहुमआउकाइयपज्जत्तयाणं सुहुमते-
उकाइयपज्जत्तयाणं सुहुमवाउकाइयपज्जत्तयाणं सुहुमवणस्सइकाइयपज्जत्तयाणं सुहु-
मणिओयपज्जत्तयाणं वायरपज्जत्तयाणं वायरपुढविकाइयपज्जत्तयाणं वायरआउकाइ-
यपज्जत्तयाणं वायरतेउकाइयपज्जत्तयाणं वायरवाउकाइयपज्जत्तयाणं वायरवणस्सइ-
काइयपज्जत्तयाणं पत्तेयसरीरवायरवणस्सइकाइयपज्जत्तयाणं वायरणिओयपज्जत्तयाणं
वायरतसकाइयपज्जत्तयाणं य कयरे कयरेहिंते अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा
वायरतेउकाइया पज्जत्तया, वायरतसकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, पत्तेयसरीर-
वायरवणस्सइकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, वायरणिओया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा,
वायरपुढविकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, वायरआउकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा,
वायरवाउकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, सुहुमतेउकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा,
सुहुमपुढविकाइया पज्जत्तया विसेसाहिया, सुहुमआउकाइया पज्जत्तया विसेसाहिया,
सुहुमवाउकाइया पज्जत्तया विसेसाहिया, सुहुमणिओया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा,
वायरवणस्सइकाइया पज्जत्तया अणंतगुणा, वायरपज्जत्तया विसेसाहिया, सुहुम-
वणस्सइकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, सुहुमपज्जत्तया विसेसाहिया ॥ १६९ ॥
एएसि णं मंते ! सुहुमाणं वायराणं य पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंते अप्पा वा
४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा वायरा पज्जत्तया, वायरा अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, सुहुम-
अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, सुहुमपज्जत्तया संखेज्जगुणा ॥ एएसि णं मंते ! सुहुम-
पुढविकाइयाणं वायरपुढविकाइयाणं य पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंते अप्पा
वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा वायरपुढविकाइया पज्जत्तया, वायरपुढविकाइया
अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, सुहुमपुढविकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, सुहुम-
पुढविकाइया पज्जत्तया संखेज्जगुणा ॥ एएसि णं मंते ! सुहुमआउकाइयाणं वायर-
आउकाइयाणं य पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंते अप्पा वा ४ ? गोयमा !
सव्वत्थोवा वायरआउकाइया पज्जत्तया, वायरआउकाइया अपज्जत्तया असंखेज्ज-
गुणा, सुहुमआउकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, सुहुमआउकाइया पज्जत्तया
संखेज्जगुणा ॥ एएसि णं मंते ! सुहुमतेउकाइयाणं वायरतेउकाइयाणं य पज्जत्ता-
पज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंते अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा वायरतेउकाइया
पज्जत्तया, वायरतेउकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, सुहुमतेउकाइया अपज्जत्तया
असंखेज्जगुणा, सुहुमतेउकाइया पज्जत्तया संखेज्जगुणा ॥ एएसि णं मंते ! सुहुमवाउ-

काइयाणं वायरवाउकाइयाण य पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वथोवा वायरवाउकाइया पज्जत्तया, वायरवाउकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, सुहुमा वाउकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, सुहुमवाउकाइया पज्जत्तया संखेज्जगुणा ॥ एसि णं भंते ! सुहुमवणस्सइकाइयाणं वायरवणस्सइ- काइयाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वथोवा वायर वणस्सइकाइया पज्जत्तया, वायरवणस्सइकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, सुहुम- वणस्सइकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, सुहुमवणस्सइकाइया पज्जत्तया संखे- ज्जगुणा ॥ एसि णं भंते ! सुहुमणिओयाणं वायरणिओयाण य पज्जत्तापज्ज- त्तानं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वथोवा वायरणिओया पज्जत्तया, वायरणिओया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, सुहुमणिओया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, सुहुमणिओया पज्जत्तया संखेज्जगुणा ॥ १७० ॥ एसि णं भंते ! सुहुमाणं सुहुमपुढवीकाइयाणं सुहुमआउकाइयाणं सुहुमतैउकाइयाणं सुहुमवाउकाइ- याणं सुहुमवणस्सइकाइयाणं सुहुमणिओयाणं वायरणं वायरपुढविकाइयाणं वायर- आउकाइयाणं वायरतैउकाइयाणं वायरवाउकाइयाणं वायरवणस्सइकाइयाणं पत्तेय सरीरवायरवणस्सइकाइयाणं वायरणिओयाणं वायरतसंकाइयाणं य पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वथोवा वायरतैउकाइया पज्जत्तया, वायरतसंकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, वायरतसंकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, पत्तेयसरीरवायरवणस्सइकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, वायरणिओया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, वायरपुढविकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, वायरआउकाइया पज्ज- त्तया असंखेज्जगुणा, वायरवाउकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, वायरतैउकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, पत्तेयसरीरवायरवणस्सइकाइया अपज्जत्तया असंखेज्ज- गुणा, वायरणिओया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, वायरपुढवीकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, वायरआउकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, वायरवाउकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, सुहुमतैउकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, सुहुमपुढवी- काइया अपज्जत्तया विसेसाहिया, सुहुमआउकाइया अपज्जत्तया विसेसाहिया, सुहुम- वाउकाइया अपज्जत्तया विसेसाहिया, सुहुमतैउकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, सुहुमपुढवीकाइया पज्जत्तया विसेसाहिया, सुहुमआउकाइया पज्जत्तया विसेसाहिया, सुहुमवाउकाइया पज्जत्तया विसेसाहिया, सुहुमणिओया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा,

सुहुमणिओया पज्जत्तया संखेज्जगुणा, बायरवणस्सइकाइया पज्जत्तया अणंतगुणा,
 बायरपज्जत्तया विसेसाहिया, बायरवणस्सइकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, बायर-
 अपज्जत्तया विसेसाहिया, बायरा विसेसाहिया, सुहुमवणस्सइकाइया अपज्जत्तया
 असंखेज्जगुणा, सुहुमपज्जत्तया विसेसाहिया, सुहुमवणस्सइकाइया पज्जत्तया संखेज-
 गुणा, सुहुमपज्जत्तया विसेसाहिया, सुहुमा विसेसाहिया ॥ ४ दारं ॥ १७१ ॥ एएसि
 णं भंते ! जीवाणं सज्जोगीणं मणजोगीणं वइजोगीणं कायजोगीणं अजोगीणं य कयरे
 कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा
 जीवा मणजोगी, वइजोगी असंखेज्जगुणा, अजोगी अणंतगुणा, कायजोगी अणंतगुणा,
 सजोगी विसेसाहिया ॥ ५ दारं ॥ १७२ ॥ एएसि णं भंते ! जीवाणं सवेयगाणं
 इत्थीवेयगाणं पुरिसवेयगाणं णपुंसवेयगाणं अवेयगाणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पा
 वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा पुरिसवेयगा,
 इत्थीवेयगा संखेज्जगुणा, अवेयगा अणंतगुणा, णपुंसवेयगा अणंतगुणा, सवेयगा
 विसेसाहिया ॥ ६ दारं ॥ १७३ ॥ एएसि णं भंते ! सकसाईणं कोहकसाईणं माण-
 कसाईणं मायाकसाईणं लोहकसाईणं अकसाईणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया
 वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा अकसाई, माणकसाई
 अणंतगुणा, कोहकसाई विसेसाहिया, मायाकसाई विसेसाहिया, लोहकसाई विसेसा-
 हिया, सकसाई विसेसाहिय ॥ ७ दारं ॥ १७४ ॥ एएसि णं भंते ! जीवाणं सलेस्साणं
 क्खिण्हेस्साणं णीललेस्साणं काउलेस्साणं तेउलेस्साणं पम्हलेस्साणं सुक्खलेस्साणं
 अलेस्साणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ?
 गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा सुक्खलेस्सा, पम्हलेस्सा संखेज्जगुणा, तेउलेस्सा संखेज्ज-
 गुणा, अलेस्सा अणंतगुणा, काउलेस्सा अणंतगुणा, णीललेस्सा विसेसाहिया, कण्हे-
 लेस्सा विसेसाहिया, सलेस्सा विसेसाहिया ॥ ८ दारं ॥ १७५ ॥ एएसि णं भंते !
 जीवाणं सम्महिट्ठीणं मिच्छादिट्ठीणं सम्मामिच्छादिट्ठीणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पा
 वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा सम्मामिच्छ-
 दिट्ठी, सम्मदिट्ठी अणंतगुणा, मिच्छादिट्ठी अणंतगुणा ॥ ९ दारं ॥ १७६ ॥ एएसि
 णं भंते ! जीवाणं आभिणिद्रोहियणार्णीणं सुयणाणीणं ओहिण्णीणं मणपज्जवणाणीणं
 केवलणाणीणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ?
 गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा मणपज्जवणाणी, ओहिणाणी असंखेज्जगुणा, आभि-

णिवोहियणाणी सुयणाणी दोवि तुल्ला विसेसाहिया, केवलणाणी अणंतगुणा ॥ १७७ ॥
 एसि णं भंते ! जीवाणं मइअण्णाणीणं सुयअण्णाणीणं विभंगणाणीणं य कयरे
 कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा
 जीवा विभंगणाणी, मइअण्णाणी सुयअण्णाणी दोवि तुल्ला अणंतगुणा ॥ १७८ ॥
 एसि णं भंते ! जीवाणं आभिणिवोहियणाणीणं सुयणाणीणं ओहिणाणीणं मण-
 पज्जवण्णाणीणं केवलणाणीणं मइअण्णाणीणं सुयअण्णाणीणं विभंगणाणीणं य कयरे
 कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा
 जीवा मणपज्जवण्णाणी, ओहिणाणी असंखेज्जगुणा, आभिणिवोहियणाणी सुयणाणी
 दोवि तुल्ला विसेसाहिया, विभंगणाणी असंखेज्जगुणा, केवलणाणी अणंतगुणा, मइ-
 अण्णाणी सुयअण्णाणी य दोवि तुल्ला अणंतगुणा ॥ १० दारं ॥ १७९ ॥ एसि
 णं भंते ! जीवाणं चक्खुदंसणीणं अचक्खुदंसणीणं ओहिदंसणीणं केवलदंसणीणं
 य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा !
 सव्वत्थोवा जीवा ओहिदंसणी, चक्खुदंसणी असंखेज्जगुणा, केवलदंसणी अणंतगुणा,
 अचक्खुदंसणी अणंतगुणा ॥ ११ दारं ॥ १८० ॥ एसि णं भंते ! जीवाणं
 संजयाणं असंजयाणं संजयासंजयाणं णोसंजयणोअसंजयणोसंजयासंजयाणं य कयरे
 कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा
 जीवा संजया, संजयासंजया असंखेज्जगुणा, णोसंजयणोअसंजयणोसंजयासंजया
 अणंतगुणा, असंजया अणंतगुणा ॥ १२ दारं ॥ १८१ ॥ एसि णं भंते !
 जीवाणं सागारोवउत्ताणं अणागारोवउत्ताणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया
 वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा अणागारोवउत्ता,
 सागारोवउत्ता संखेज्जगुणा ॥ १३ दारं ॥ १८२ ॥ एसि णं भंते ! जीवाणं
 आहारगाणं अणाहारगाणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसे-
 साहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा अणाहारगा, आहारगा असंखेज्जगुणा
 ॥ १४ दारं ॥ १८३ ॥ एसि णं भंते ! जीवाणं भासगाणं अभासगाणं य कयरे
 कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा
 जीवा भासगा, अभासगा अणंतगुणा ॥ १५ दारं ॥ १८४ ॥ एसि णं भंते !
 जीवाणं परिस्ताणं अपरिस्ताणं णोपरिस्ताणोअपरिस्ताणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा
 बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा परिस्ता, णोपरिस्त-

गोअपरित्ता अणंतगुणा, अपरित्ता अणंतगुणा ॥ १६ दारं ॥ १८५ ॥ एसि णं
 भंते ! जीवाणं पज्जत्ताणं अपज्जत्ताणं गोपज्जत्ताणोअपज्जत्ताणं य कयरे कयरेहितो
 अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा गोपज्ज-
 त्ताणोअज्जत्ता, अपज्जत्ता अणंतगुणा, पज्जत्ता संखेज्जगुणा ॥ १७ दारं ॥
 ॥ १८६ ॥ एसि णं भंते ! जीवाणं सुहुमाणं वायराणं गोसुहुमणोवायराणं य कयरे
 कयरेहितो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा
 जीवा गोसुहुमणोवायरा, वायरा अणंतगुणा, सुहुमा असंखेज्जगुणा ॥ १८ दारं ॥
 ॥ १८७ ॥ एसि णं भंते ! जीवाणं सण्णीणं असण्णीणं गोसण्णीणोअसण्णीणं य कयरे
 कयरेहितो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा
 जीवा सण्णी, गोसण्णीगोसण्णी अणंतगुणा, असण्णी अणंतगुणा ॥ १९ दारं ॥
 ॥ १८८ ॥ एसि णं भंते ! जीवाणं भवसिद्धियाणं अभवसिद्धियाणं गोभव-
 सिद्धियाणोअभवसिद्धियाणं य कयरे कयरेहितो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा
 विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा अभवसिद्धिया, गोभवसिद्धियाणो-
 अभवसिद्धिया अणंतगुणा, भवसिद्धिया अणंतगुणा ॥ २० दारं ॥ १८९ ॥ एसि
 णं भंते ! धम्मत्थिकाय-अधम्मत्थिकाय-आगासत्थिकाय-जीवत्थिकाय-पोगलत्थिकाय-
 अद्दासमयाणं दव्वट्ठयाए कयरे कयरेहितो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसा-
 हिया वा ? गोयमा ! धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए आगासत्थिकाए एए णं तिणिवि
 तुल्ला दव्वट्ठयाए सव्वत्थोवा, जीवत्थिकाए दव्वट्ठयाए अणंतगुणे, पोगलत्थिकाए
 दव्वट्ठयाए अणंतगुणे, अद्दासमए दव्वट्ठयाए अणंतगुणे ॥ १९० ॥ एसि णं भंते !
 धम्मत्थिकाय-अधम्मत्थिकाय-आगासत्थिकाय-जीवत्थिकाय-पोगलत्थिकाय-अद्दास-
 मयाणं पएसड्डयाए कयरे कयरेहितो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ?
 गोयमा ! धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए एए णं दोवि तुल्ला पएसड्डयाए सव्वत्थोवा,
 जीवत्थिकाए पएसड्डयाए अणंतगुणे, पोगलत्थिकाए पएसड्डयाए अणंतगुणे, अद्दास-
 मए पएसड्डयाए अणंतगुणे, आगासत्थिकाए पएसड्डयाए अणंतगुणे ॥ १९१ ॥ एयस्स
 णं भंते ! धम्मत्थिकायस्स दव्वट्ठपएसड्डयाए कयरे कयरेहितो अप्पा वा बहुया वा
 तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवे एगे धम्मत्थिकाए दव्वट्ठयाए, से
 चेव पएसड्डयाए असंखेज्जगुणे । एयस्स णं भंते ! अधम्मत्थिकायस्स दव्वट्ठपएसड्ड-
 याए कयरे कयरेहितो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा !

सव्वत्थोवे एगे अधम्मत्थिकाए दव्वट्ठयाए, से चेव पएसड्ठयाए असंखेज्जगुणे ।
 एयस्स णं भंते ! आगासत्थिकायस्स दव्वट्ठपएसड्ठयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा
 बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवे एगे आगासत्थिकाए
 दव्वट्ठयाए, से चेव पएसड्ठयाए अणंतगुणे । एयस्स णं भंते ! जीवत्थिकायस्स
 दव्वट्ठपएसड्ठयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ?
 गोयमा ! सव्वत्थोवे जीवत्थिकाए दव्वट्ठयाए, से चेव पएसड्ठयाए असंखेज्जगुणे ।
 एयस्स णं भंते ! पोमालत्थिकायस्स दव्वट्ठपएसड्ठयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा
 बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवे पोमालत्थिकाए दव्वट्ठयाए,
 से चेव पएसड्ठयाए असंखेज्जगुणे । अद्दासमए ण पुच्छिज्जइ, पएसभावा ॥१९२॥
 एएसि णं भंते ! धम्मत्थिकाय-अधम्मत्थिकाय-आगासत्थिकाय-जीवत्थिकाय-पोमाल-
 त्थिकाय-अद्दासमयाणं दव्वट्ठपएसड्ठयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला
 वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए आगासत्थिकाए एए
 तिणिं वि तुल्ला दव्वट्ठयाए सव्वत्थोवा, धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए य एएसि णं
 दोणिं वि तुल्ला पएसड्ठयाए असंखेज्जगुणा, जीवत्थिकाए दव्वट्ठयाए अणंतगुणे, से
 चेव पएसड्ठयाए असंखेज्जगुणे, पोमालत्थिकाए दव्वट्ठयाए अणंतगुणे, से चेव पएसड्ठ-
 याए असंखेज्जगुणे, अद्दासमए दव्वट्ठपएसड्ठयाए अणंतगुणे, आगासत्थिकाए पएसड्ठ-
 याए अणंतगुणे ॥२१ दारं ॥ १९३॥ एएसि णं भंते ! जीवाणं चरिमाणं अचरि-
 माणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा !
 सव्वत्थोवा जीवा अचरिमा, चरिमा अणंतगुणा ॥ २२ दारं ॥१९४॥ एएसि णं
 भंते ! जीवाणं पोमालाणं अद्दासमयाणं सव्वदव्वाणं सव्वपएसाणं सव्वपज्जवाणं य
 कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा
 जीवा, पोमाला अणंतगुणा अद्दासमया अणंतगुणा, सव्वदव्वा विसेसाहिया, सव्व-
 पएस अणंतगुणा, सव्वपज्जवा अणंतगुणा ॥ २३ दारं ॥ १९५ ॥ खेत्ताणुवाएणं
 सव्वत्थोवा जीवा उड्ढलोयतिरियलोए, अहोलोयतिरियलोए विसेसाहिया, तिरियलोए
 असंखेज्जगुणा, तेलोक्के असंखेज्जगुणा, उड्ढलोए असंखेज्जगुणा, अहोलोए विसेसाहिया
 ॥१९६॥ खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवा णेरइया तेलोक्के, अहोलोयतिरियलोए असं-
 खेज्जगुणा, अहोलोए असंखेज्जगुणा ॥१९७॥ खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवा तिरिक्ख-
 जोणिया उड्ढलोयतिरियलोए, अहोलोयतिरियलोए विसेसाहिया, तिरियलोए असं-

[illegible]

[illegible]

[illegible]

लोए असंखेज्जगुणा । खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवा तसकाइया पज्जत्तया तेलोक्के उड्डल्लोय-
तिरियलोय असंखेज्जगुणा, अहोलोयतिरियलोए संखेज्जगुणा, उड्डल्लोए संखेज्जगुणा,
अहोलोए संखेज्जगुणा, तिरियलोय असंखेज्जगुणा ॥ २४ दारं ॥ २१० ॥ एएसि णं
भंते ! जीवाणं आउयस्स कम्मस्स बंधगाणं अवंधगाणं पज्जत्ताणं अपज्जत्ताणं
मुत्ताणं जागराणं समोहयाणं असमोहयाणं सायावेयगाणं असायावेयगाणं इंदिओवउ-
त्ताणं णोइंदिओवउत्ताणं सागारोवउत्ताणं अणागारोवउत्ताणं य कयरे कयरेहिंतो
अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा आउ-
यस्स कम्मस्स बंधगा १, अपज्जत्तया संखेज्जगुणा २, सुत्ता संखेज्जगुणा ३, समो-
हया संखेज्जगुणा ४, सायावेयगा संखेज्जगुणा ५, इंदिओवउत्ता संखेज्जगुणा ६,
अणागारोवउत्ता संखेज्जगुणा ७, सागारोवउत्ता संखेज्जगुणा ८, णोइंदिओवउत्ता विसे-
साहिया ९, असायावेयगा विसेसाहिया १०, असमोहया विसेसाहिया ११, जागरा
विसेसाहिया १२, पज्जत्तया विसेसाहिया १३, आउयस्स कम्मस्स अवंधगा विसेसा-
हिया १४ ॥ २५ दारं ॥ २११ ॥ खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवा पुगला तेलोक्के, उड्डल्लोय-
तिरियलोए अणंतगुणा, अहोलोयतिरियलोए विसेसाहिया, तिरियलोए असंखेज्जगुणा,
उड्डल्लोए असंखेज्जगुणा, अहोलोए विसेसाहिया । दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा पुगला
उड्डदिसाए, अहोदिसाए विसेसाहिया, उत्तरपुरच्छिमेणं दाहिणपच्चत्थिमेण उ दोवि
तुल्ला असंखेज्जगुणा, दाहिणपुरच्छिमेणं उत्तरपच्चत्थिमेण य दोवि विसेसाहिया,
पुरच्छिमेणं असंखेज्जगुणा, पच्चत्थिमेणं विसेसाहिया, दाहिणेणं विसेसाहिया, उत्तरेणं
विसेसाहिया । खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवाइं दव्वाइं तेलोक्के, उड्डल्लोयतिरियलोए
अणंतगुणाइं, अहोलोयतिरियलोए विसेसाहियाइं, उड्डल्लोए असंखेज्जगुणाइं, अहोलोए
अणंतगुणाइं, तिरियलोए संखेज्जगुणाइं । दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवाइं दव्वाइं अहोदि-
साए, उड्डदिसाए अणंतगुणाइं, उत्तरपुरच्छिमेणं दाहिणपच्चत्थिमेण य दोवि तुल्लाइं
असंखेज्जगुणाइं, दाहिणपुरच्छिमेणं उत्तरपच्चत्थिमेण य दोवि तुल्लाइं विसेसाहियाइं
पुरच्छिमेणं असंखेज्जगुणाइं, पच्चत्थिमेणं विसेसाहियाइं दाहिणेणं विसेसाहियाइं,
उत्तरेणं विसेसाहियाइं ॥ २१२ ॥ एएसि णं भंते ! परमाणुपोगलाणं संखेज्जपएसि-
याणं असंखेज्जपएसियाणं अणंतपएसियाणं य खेधाणं दव्वड्डयाए पएसड्डयाए दव्वड्ड-
पएसड्डयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ?
गोयमा ! सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा दव्वड्डयाए, परमाणुपोगला दव्वड्डयाए

अणंतगुणा, संखेज्जपएसिया खंधा दव्वट्टयाए संखेज्जगुणा, असंखपएसिया खंधा दव्वट्टयाए असंखेज्जगुणा। पएसट्टयाए—सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा पएसट्टयाए, परमाणुपोगाला अपएसट्टयाए अणंतगुणा, संखेज्जपएसिया खंधा पएसट्टयाए संखेज्जगुणा, असंखपएसिया खंधा पएसट्टयाए असंखेज्जगुणा। दव्वट्टपएसट्टयाए—सव्वत्थोवा अणंतपएसिया खंधा दव्वट्टयाए, ते चेव पएसट्टयाए अणंतगुणा, परमाणुपोगाला दव्वट्टपएसट्टयाए अणंतगुणा, संखेज्जपएसिया खंधा दव्वट्टयाए संखेज्जगुणा, ते चेव पएसट्टयाए संखेज्जगुणा, असंखपएसिया खंधा दव्वट्टयाए असंखेज्जगुणा, ते चेव पएसट्टयाए असंखेज्जगुणा ॥ २१३ ॥ एसि णं भंते ! एगपएसोगाढाणं संखेज्जपएसोभाढाणं असंखेज्जपएसोभाढाणं य पोगालाणं दव्वट्टयाए पएसट्टयाए दव्वट्टपएसट्टयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा एगपएसोगाढा पोगाला दव्वट्टयाए, संखेज्जपएसोभाढा पोगाला दव्वट्टयाए संखेज्जगुणा, असंखेज्जपएसोभाढा पोगाला दव्वट्टयाए असंखेज्जगुणा, पएसट्टयाए—सव्वत्थोवा एगपएसोभाढा पोगाला पएसट्टयाए, संखेज्जपएसोभाढा पोगाला पएसट्टयाए संखेज्जगुणा, असंखेज्जपएसोभाढा पोगाला पएसट्टयाए असंखेज्जगुणा । दव्वट्टपएसट्टयाए—सव्वत्थोवा एगपएसोभाढा पुग्गला दव्वट्टपएसट्टयाए, संखिज्जपएसोभाढा पुग्गला दव्वट्टयाए संखिज्जगुणा, ते चेव पएसट्टयाए संखिज्जगुणा, असंखिज्जपएसोभाढा पुग्गला दव्वट्टयाए असंखिज्जगुणा, ते चेव पएसट्टयाए असंखिज्जगुणा ॥ २१४ ॥ एसि णं भंते ! एगसमयठिइयाणं संखिज्जसमयठिइयाणं असंखिज्जसमयठिइयाणं पुग्गलाणं दव्वट्टयाए पएसट्टयाए दव्वट्टपएसट्टयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा एगसमयठिइया पुग्गला दव्वट्टयाए, संखिज्जसमयठिइया पुग्गला दव्वट्टयाए संखिज्जगुणा, असंखिज्जसमयठिइया पुग्गला दव्वट्टयाए असंखिज्जगुणा । पएसट्टयाए—सव्वत्थोवा एगसमयठिइया पुग्गला पएसट्टयाए, संखेज्जसमयठिइया पुग्गला पएसट्टयाए संखेज्जगुणा, असंखेज्जसमयठिइया पुग्गला पएसट्टयाए असंखेज्जगुणा । दव्वट्टपएसट्टयाए—सव्वत्थोवा एगसमयठिइया पुग्गला दव्वट्टपएसट्टयाए, संखिज्जसमयठिइया पुग्गला दव्वट्टयाए संखिज्जगुणा, ते चेव पएसट्टयाए संखिज्जगुणा । असंखिज्जसमयठिइया पुग्गला दव्वट्टयाए असंखिज्जगुणा, ते चेव पएसट्टयाए असंखिज्जगुणा ॥ २१५ ॥ एसि णं भंते ! एगगुणकालाणं संखिज्जगुणकालाणं असंखिज्जगुणकालाणं अणंतगुणकाल-

गाण य पुग्गलाणं दव्वद्वयाए पएसद्वयाए दव्वद्वपएसद्वयाए य कयरे कयरेहिंतो
अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! जहा पुग्गला तहा
भाणियव्वा, एवं संखिज्जगुणकालगाण वि । एवं सेसावि वण्णा गंधा रसा फासा
भाणियव्वा । फासाणं कक्खदमउयगरुयलहुयाणं जहा एगपएसोगाढाणं भाणियं
तहा भाणियव्वं । अवसेसा फासा जहा वण्णा तहा भाणियव्वा ॥ २६ दारं ॥ २१६ ॥
अह भंते ! सव्वजीवप्पयहुं महादण्डयं वण्णइस्सामि—सव्वत्थोवा गम्भवक्कंतिया
मणुस्सा १, मणुस्सीओ संखिज्जगुणाओ २, बायरतेउकाइया पज्जत्तया असंखिज्ज-
गुणा ३, अणुत्तरोववाइया देवा असंखिज्जगुणा ४, उवरिमगेविज्जगा देवा संखिज्ज-
गुणा ५, मज्झिमगेविज्जगा देवा संखिज्जगुणा ६, हिट्ठिमगेविज्जगा देवा संखिज्ज-
गुणा ७, अच्चुए कप्पे देवा संखिज्जगुणा ८, आरणे कप्पे देवा संखिज्जगुणा ९,
पाणए कप्पे देवा संखिज्जगुणा १०, आणए कप्पे देवा संखिज्जगुणा ११, अहे-
सत्तमाए पुढवीए णेरइया असंखिज्जगुणा १२, छट्ठीए तमाए पुढवीए णेरइया
असंखिज्जगुणा १३, सहस्सारे कप्पे देवा असंखिज्जगुणा १४, महासुक्के कप्पे देवा
असंखिज्जगुणा १५, पंचमाए धूमप्पमाए पुढवीए णेरइया असंखिज्जगुणा १६,
लंतए कप्पे देवा असंखिज्जगुणा १७, चउत्थीए पंकप्पमाए पुढवीए णेरइया
असंखिज्जगुणा १८, बंभलोए कप्पे देवा असंखिज्जगुणा १९, तच्चाए बालुयप्पमाए
पुढवीए णेरइया असंखिज्जगुणा २०, माहिंदे कप्पे देवा असंखिज्जगुणा २१,
सणकुमारे कप्पे देवा असंखिज्जगुणा २२, दोच्चाए सक्करप्पमाए पुढवीए णेरइया
असंखिज्जगुणा २३, संमुच्छिमा मणुस्सा, असंखिज्जगुणा २४, ईसाणे कप्पे देवा
असंखिज्जगुणा २५, ईसाणे कप्पे देवीओ संखिज्जगुणाओ २६, सोहम्मे कप्पे देवा
संखिज्जगुणा २७, सोहम्मे कप्पे देवीओ संखिज्जगुणाओ २८, भवणवासी देवा
असंखिज्जगुणा २९, भवणवासिणीओ देवीओ संखिज्जगुणाओ ३०, इमीसे रयणप्प-
माए पुढवीए णेरइया असंखिज्जगुणा ३१, खहयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिया पुरिसा
असंखिज्जगुणा ३२, खहयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिणीओ संखिज्जगुणाओ ३३,
थलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिया पुरिसा संखिज्जगुणा ३४, थलयरपंचिंदियतिरि-
क्खजोणिणीओ संखिज्जगुणाओ ३५, जलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिया पुरिसा
संखिज्जगुणा ३६, जलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिणीओ संखिज्जगुणाओ ३७,
वाणमंतरा देवा संखिज्जगुणा ३८, वाणमंतरीओ देवीओ संखिज्जगुणाओ ३९,

जोइसिया देवा संखिज्जगुणा ४०, जोइसिणीओ देवीओ संखिज्जगुणाओ ४१, खहयरपंचिदियतिरिक्खजोणिया णपुंसगा संखिज्जगुणा ४२, थलयरपंचिदियतिरिक्खजोणिया णपुंसगा संखिज्जगुणा ४३, जलयरपंचिदियतिरिक्खजोणिया णपुंसगा संखिज्जगुणा ४४, चउरिंदिया पज्जत्तया संखिज्जगुणा ४५, पंचिंदिया पज्जत्तया विसेसाहिया ४६, वेइंदिया पज्जत्तया विसेसाहिया ४७, तेइंदिया पज्जत्तया विसेसाहिया ४८, पंचिंदिया अपज्जत्तया असंखिज्जगुणा ४९, चउरिंदिया अपज्जत्तया विसेसाहिया ५०, तेइंदिया अपज्जत्तया विसेसाहिया ५१, वेइंदिया अपज्जत्तया विसेसाहिया ५२, पत्तेयसरीरवायरवणस्सइकाइया पज्जत्तया असंखिज्जगुणा ५३, बायरणिओया पज्जत्तया असंखिज्जगुणा ५४, बायरपुढवीकाइया पज्जत्तया असंखिज्जगुणा ५५, बायरआउकाइया पज्जत्तया असंखिज्जगुणा ५६, बायरवाउकाइया पज्जत्तया असंखिज्जगुणा ५७, बायरतेउकाइया अपज्जत्तया असंखिज्जगुणा ५८, पत्तेयसरीरवायरवणस्सइकाइया अपज्जत्तया असंखिज्जगुणा ५९, बायरणिओया अपज्जत्तया असंखिज्जगुणा ६०, बायरपुढवीकाइया अपज्जत्तया असंखिज्जगुणा ६१, बायरआउकाइया अपज्जत्तया असंखिज्जगुणा ६२, बायरवाउकाइया अपज्जत्तया असंखिज्जगुणा ६३, सुहुमतेउकाइया अपज्जत्तया असंखिज्जगुणा ६४, सुहुमपुढवीकाइया अपज्जत्तया विसेसाहिया ६५, सुहुमआउकाइया अपज्जत्तया विसेसाहिया ६६, सुहुमवाउकाइया अपज्जत्तया विसेसाहिया ६७, सुहुमतेउकाइया पज्जत्तया संखिज्जगुणा ६८, सुहुमपुढवीकाइया पज्जत्तया विसेसाहिया ६९, सुहुमआउकाइया पज्जत्तया विसेसाहिया ७०, सुहुमवाउकाइया पज्जत्तया विसेसाहिया ७१, सुहुमणिओया अपज्जत्तया असंखिज्जगुणा ७२, सुहुमणिओया पज्जत्तया संखिज्जगुणा ७३, अभवसिद्धिया अणंतगुणा ७४, परिवडियसम्महिद्धी अणंतगुणा ७५, सिद्धा अणंतगुणा ७६, बायरवणस्सइकाइया पज्जत्तया अणंतगुणा ७७, बायरपज्जत्तया विसेसाहिया ७८, बायरवणस्सइकाइया अपज्जत्तया असंखिज्जगुणा ७९, बायरअपज्जत्तया विसेसाहिया ८०, बायरा विसेसाहिया ८१, सुहुमवणस्सइकाइया अपज्जत्तया असंखिज्जगुणा ८२, सुहुमअपज्जत्तया विसेसाहिया ८३, सुहुमवणस्सइकाइया पज्जत्तया संखिज्जगुणा ८४, सुहुमपज्जत्तया विसेसाहिया ८५, सुहुमा विसेसाहिया ८६, भवसिद्धिया विसेसाहिया ८७, णिओयजीवा विसेसाहिया ८८, वणस्सइजीवा विसेसाहिया ८९, एगिंदिया विसेसाहिया ९०, तिरिक्खजोणिया विसेसाहिया ९१,

मिच्छादिद्वी विसेसमहिंया ९२, अविरया विसेसाहिंया ९३, सकसाई विसेसाहिंया ९४
छउमत्था विसेसाहिंया ९५, सजोगी विसेसाहिंया ९६, संसारत्था विसेसाहिंया ९७,
सव्वर्जावाविसेसाहिंया ९८ ॥ २७ दारं ॥ २१७ ॥ पण्णवणाए भगवईए
तइयं अप्पाबहुयपयं समत्तं ॥

चउत्थं ठिइपयं

णेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्साई,
उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाई । अपज्जत्तगणेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ?
गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तगणेरइयाणं भंते !
केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्साई अंतोमुहुत्तूणाई,
उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाई अंतोमुहुत्तूणाई ॥ २१८ ॥ रयणप्पभापुदविणेरइयाणं
भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्साई, उक्कोसेणं
सागरोवमं । अपज्जत्तरयणप्पभापुदविणेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ?
गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तरयणप्पभापुदविणेरइ-
याणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं दस वाससहस्साई
अंतोमुहुत्तूणाई, उक्कोसेणं सागरोवमं अंतोमुहुत्तूणं । सक्करप्पभापुदविणेरइयाणं भंते !
केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एसं सागरोवमं, उक्कोसेणं तिण्णि
सागरोवमाई । अपज्जत्तरयसक्करप्पभापुदविणेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ?
गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तरयसक्करप्पभापुदवि-
णेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमं अंतो-
मुहुत्तूणं, उक्कोसेणं तिण्णि सागरोवमाई अंतोमुहुत्तूणाई । वालुयप्पभापुदविणेरइयाणं
भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं तिण्णि सागरोवमाई, उक्कोसेणं
सत्त सागरोवमाई । अपज्जत्तरयवालुयप्पभापुदविणेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई
पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तरयवालुयप्प-
भापुदविणेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं तिण्णि
सागरोवमाई अंतोमुहुत्तूणाई, उक्कोसेणं सत्त सागरोवमाई अंतोमुहुत्तूणाई । पक्कप्पभा-
पुदविणेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं सत्त साग-

[illegible]

कालं ठिई पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं दस वाससहस्साइं, उक्कोसेणं देसूणं पलिओवमं । अपज्जत्तियाणं भंते ! णागकुमारीणं देवीणं केवइयं कालं ठिई पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेण वि अंतोमुहुत्तं उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तियाणं भंते ! णागकुमारीणं देवीणं केवइयं कालं ठिई पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं उक्कोसेणं देसूणं पलिओवमं अंतोमुहुत्तूणं ॥ २२३ ॥ सुवण्णकुमाराणं भंते ! देवाणं केवइयं कालं ठिई पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं दस वाससहस्साइं उक्कोसेणं दो पलिओवमाइं देसूणाइं । अपज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेण वि अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं, उक्कोसेणं दो पलिओवमाइं देसूणाइं अंतोमुहुत्तूणाइं । सुवण्णकुमारीणं देवीणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं दस वाससहस्साइं, उक्कोसेणं देसूणं पलिओवमं । अपज्जत्तियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेण वि अंतोमुहुत्तं उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं, उक्कोसेणं देसूणं पलिओवमं अंतोमुहुत्तूणं । एवं एएणं अभिजावेणं ओहियपज्जत्तयपज्जत्तयसुत्तत्तयं देवाणं य देवीणं य णेयव्वं जावथणियकुमाराणं जहा णागकुमाराणं ॥ २२४ ॥ पुटविकाइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं । अपज्जत्तयपुटविकाइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयपुटविकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं । सुट्टमपुटविकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । अपज्जत्तयसुट्टमपुटविकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयसुट्टमपुटविकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । बायरपुटविकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं । अपज्जत्तयबायरपुटविकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयबायरपुटविकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं ॥ २२५ ॥ आउकाइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सत्तं वाससहस्साइं । अपज्जत्तयआउकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेण वि अंतोमुहुत्तं उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं ।

[illegible]

[illegible]

गोयमा ! जहण्णेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पजत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं ॥२३७॥ वाण-
मंतराणं भंते ! देवाणं केवइयं कालं ठिई पणत्ता ! गोयमा ! जहण्णेणं दस वास-
सहस्साइं, उक्कोसेणं पलिओवमं । अपजत्तयवाणमंतराणं देवाणं पुच्छा । गोयमा !
जहण्णेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पजत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं दस
वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं, उक्कोसेणं पलिओवमं अंतोमुहुत्तूणं । वाणमंतराणं
देवीणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं दस वाससहस्साइं, उक्कोसेणं अद्धपलिओवमं ।
अपजत्तियाणं देवीणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं ।
पजत्तियाणं वाणमंतराणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तू-
णाइं, उक्कोसेणं अद्धपलिओवमं अंतोमुहुत्तूणं ॥२३८॥ जोइसियाणं देवाणं पुच्छा ।
गोयमा ! जहण्णेणं पलिओवमद्वभागो, उक्कोसेणं पलिओवमं वाससयसहस्समम्भहियं ।
अपजत्तयजोइसियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं ।
पजत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं पलिओवमद्वभागो अंतोमुहुत्तूणो, उक्कोसेणं
पलिओवमं वाससयसहस्समम्भहियं अंतोमुहुत्तूणं । जोइसिणीणं देवीणं पुच्छा ।
गोयमा ! जहण्णेणं पलिओवमद्वभागो, उक्कोसेणं अद्धपलिओवमं पण्णासवाससहस्स-
मम्भहियं । अपजत्तयजोइसियदेवीणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेण वि उक्कोसेण
वि अंतोमुहुत्तं । पजत्तियजोइसियदेवीणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं पलिओवमद्व-
भागो अंतोमुहुत्तूणो, उक्कोसेणं अद्धपलिओवमं पण्णासवाससहस्समम्भहियं अंतो-
मुहुत्तूणं । चंदविमाणे णं भंते ! देवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं चउभागपलि-
ओवमं, उक्कोसेणं पलिओवमं वाससयसहस्समम्भहियं । अपजत्तयाणं चंददेवाणं
पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पजत्तयाणं पुच्छा ।
गोयमा ! जहण्णेणं चउभागपलिओवमं अंतोमुहुत्तूणं, उक्कोसेणं पलिओवमं वास-
सयसहस्समम्भहियं अंतोमुहुत्तूणं । चंदविमाणे णं देवीणं पुच्छा । गोयमा !
जहण्णेणं चउभागपलिओवमं, उक्कोसेणं अद्धपलिओवमं पण्णासवाससहस्समम्भ-
हियं । अपजत्तियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं ।
पजत्तियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं चउभागपलिओवमं अंतोमुहुत्तूणं, उक्कोसेणं
अद्धपलिओवमं पण्णासवाससहस्समम्भहियं अंतोमुहुत्तूणं । सूरविमाणे णं भंते !
देवाणं केवइयं कालं ठिई पणत्ता ! गोयमा ! जहण्णेणं चउभागपलिओवमं उक्कोसेणं

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

चूणाई, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाई अंतोमुहुत्तूणाई ॥ सव्वट्टसिद्धगदेवाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पणत्ता ? गोयमा ! अजहणमणुक्कोसं तेत्तीसं सागरोवमाई ठिई पणत्ता । सव्वट्टसिद्धगदेवाणं अपजत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । सव्वट्टसिद्धगदेवाणं० पजत्तयाणं केवइयं कालं ठिई पणत्ता ? गोयमा ! अजहणमणुक्कोसं तेत्तीसं सागरोवमाई अंतोमुहुत्तूणाई ठिई पणत्ता ॥२४५॥

॥ पणवणाए भगवईए चउत्थं ठिइपयं समत्तं ॥

पंचमं विसेसपयं

कइविहा णं भंते ! पजवा पणत्ता ? गोयमा ! दुविहा पजवा पणत्ता । तंजहा—जीवपज्जवा य अजीवपज्जवा य ॥ २४६ ॥ जीवपज्जवा णं भंते ! किं संखिजा असंखिजा, अणंता ? गोयमा ! णो संखिजा, णो असंखिजा, अणंता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘जीवपज्जवा णो संखिजा, णो असंखिजा, अणंता’ ? गोयमा ! असंखिजा णेरइया, असंखिजा असुरकुमारा, असंखिजा णागकुमारा, असंखिजा मुवणकुमारा, असंखिजा विज्जुकुमारा, असंखिजा अगणिक्कुमारा, असंखिजा दीवकुमारा, असंखिजा उदहिकुमारा, असंखिजा दिसीकुमारा, असंखिजा वाउकुमारा, असंखिजा थणियकुमारा, असंखिजा पुदविकाइया, असंखिजा आउकाइया, असंखिजा तेउकाइया, असंखिजा बाउकाइया, अणंता वणफइकाइया, असंखिजा बेइंदिया, असंखिजा तेइंदिया, असंखिजा चउरिंदिया, असंखिजा पंचिदियतिरिक्खजोणिया, असंखिजा मणुस्सा, असंखिजा धाणमंतरा असंखिजा जोइसिया, असंखिजा वेमाणिया, अणंता सिद्धा, से एणट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ—ते णं णो संखिजा, णो असंखिजा, अणंता ॥२४७॥ णेरइयाणं भंते ! केवइया पजवा पणत्ता ? गोयमा ! अणंता पजवा पणत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘णेरइयाणं अणंता पजवा पणत्ता’ ? गोयमा ! णेरइए णेरइयस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसइयाए तुल्ले, ओगाहणइयाए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए । जइ हीणे असंखिजइभागहीणे वा संखिजइभागहीणे वा संखिजगुणहीणे वा असंखिजगुणहीणे वा । अह अब्भहिए असंखिजइभागमब्भहिए वा संखिजइभागमब्भहिए वा संखिजगुणमब्भहिए वा असंखिजगुणमब्भहिए वा । ठिईए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए । जइ हीणे असंखिजइभागहीणे वा संखिजइभागहीणे वा संखिजगुणहीणे वा असं-

खिज्जगुणहीणे वा । अह् अम्भहि ए असंखिज्जभागमम्भहि ए वा संखिज्जभागमम्भहि ए वा संखिज्जगुणमम्भहि ए वा असंखिज्जगुणमम्भहि ए वा । कालवण्णपज्जवेहिं सिय हीणे सिय तुल्ले सिय मम्भहि ए । जइ हीणे अणंतभागहीणे वा असंखेज्जभागहीणे वा संखेज्जभागहीणे वा संखेज्जगुणहीणे वा असंखेज्जगुणहीणे वा अणंतगुणहीणे वा । अह् अम्भहि ए अणंतभागमम्भहि ए वा असंखेज्जभागमम्भहि ए संखेज्जभागमम्भहि ए वा संखेज्जगुणमम्भहि ए वा असंखेज्जगुणमम्भहि ए वा अणंतगुणमम्भहि ए वा णीलवण्णपज्जवेहिं लोहियवण्णपज्जवेहिं हालिद्ववण्णपज्जवेहिं सुक्किलवण्णपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए । सुब्भिगंधपज्जवेहिं दुब्भिगंधपज्जवेहिं य छट्ठाणवडिए । तित्तरसपज्जवेहिं कडुयरसपज्जवेहिं कसायरसपज्जवेहिं अबिलरसपज्जवेहिं मधुररसपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए । कक्खडफासपज्जवेहिं मउयफासपज्जवेहिं गरुयफासपज्जवेहिं लहुयफासपज्जवेहिं सीयफासपज्जवेहिं उसिणफासपज्जवेहिं णिद्धफासपज्जवेहिं लुक्खफासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए । आमिणिओहियणाणपज्जवेहिं सुयणाणपज्जवेहिं ओहिणाणपज्जवेहिं मइअण्णाणपज्जवेहिं सुयअण्णाणपज्जवेहिं विभेगणाणपज्जवेहिं चक्खुदंसणपज्जवेहिं अचक्खुदंसणपज्जवेहिं ओहिदंसणपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, से तेणद्वेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ-‘णेरइयाणं णो संखेज्जा, णो असंखेजा, अणंता पज्जवा पणत्ता’ ॥ २४८ ॥ असुरकुमाराणं भंते ! केवइया पज्जवा पणत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा पणत्ता । से केणद्वेणं भंते ! एवं बुच्चइ-‘असुरकुमाराणं अणंता पज्जवा पणत्ता’ ? गोयमा ! असुरकुमारे असुरकुमारस्स दव्वड्डयाए तुल्ले, पएसड्डयाए तुल्ले, ओगाहणड्डयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, कालवण्णपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, एवं णीलवण्णपज्जवेहिं लोहियवण्णपज्जवेहिं हालिद्ववण्णपज्जवेहिं सुक्किलवण्णपज्जवेहिं, सुब्भिगंधपज्जवेहिं, दुब्भिगंधपज्जवेहिं, तित्तरसपज्जवेहिं कडुयरसपज्जवेहिं कसायरसपज्जवेहिं अबिलरसपज्जवेहिं मधुररसपज्जवेहिं, कक्खडफासपज्जवेहिं मउयफासपज्जवेहिं गरुयफासपज्जवेहिं लहुयफासपज्जवेहिं सीयफासपज्जवेहिं उसिणफासपज्जवेहिं णिद्धफासपज्जवेहिं लुक्खफासपज्जवेहिं आभिणिओहियणाणपज्जवेहिं सुयणाणपज्जवेहिं ओहिणाणपज्जवेहिं मइअण्णाणपज्जवेहिं सुयअण्णाणपज्जवेहिं विभेगणाणपज्जवेहिं चक्खुदंसणपज्जवेहिं अचक्खुदंसणपज्जवेहिं ओहिदंसणपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, से एएद्वेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ-असुरकुमाराणं अणंता पज्जवा पणत्ता’ । एवं जहा णेरइया, जहा असुरकुमारा तहा णागकुमारा विजाव थणियकुमारा ॥ २४९ ॥ पुट्टविकाइयाणं भंते ! केवइया पज्जवा पणत्ता ?

गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘पुटविकाइयाणं अणंता पज्जवा पण्णत्ता’ ? गोयमा ! पुटविकाइए पुटविकाइयस्स दब्बट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए । जइ हीणे असंखिजइभागहीणे वा संखिजइभागहीणे वा संखिजइगुणहीणे वा असंखिजइगुणहीणे वा । अह अब्भहिए असंखिजइभागअब्भहिए वा संखिजइभागअब्भहिए वा संखिजगुणअब्भहिए वा असंखिजगुणअब्भहिए वा । ठिईए तिट्ठाणवडिए, सिय हीणे सिय तुल्ले, सिय अब्भहिए । जइ हीणे असंखिजभागहीणे वा संखिजभागहीणे वा संखिजगुणहीणे वा । अह अब्भहिए असंखिजइभागअब्भहिए वा संखिजइभागअब्भहिए वा संखिजगुणअब्भहिए वा । वण्णेहिं गंवेहिं रसेहिं फासेहिं मइअण्णाणपज्जवेहिं सुयअण्णाणपज्जवेहिं अचक्खुदंसणपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए ॥ २५० ॥ आउकाइयाणं भंते ! केवइया पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘आउकाइयाणं अणंता पज्जवा पण्णत्ता’ ? गोयमा ! आउकाइए आउकाइयस्स दब्बट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए तिट्ठाणवडिए, वण्णगंधरसफासमइअण्णाणसुयअण्णाणअचक्खुदंसणपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए ॥ २५१ ॥ तेउकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘तेउकाइयाणं अणंता पज्जवा पण्णत्ता’ ? गोयमा ! तेउकाइए तेउकाइयस्स दब्बट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए तिट्ठाणवडिए, वण्णगंधरसफासमइअण्णाणसुयअण्णाणअचक्खुदंसणपज्जवेहिं य छट्ठाणवडिए ॥ २५२ ॥ वाउकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! वाउकाइयाणं अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘वाउकाइयाणं अणंता पज्जवा पण्णत्ता’ ? गोयमा ! वाउकाइए वाउकाइयस्स दब्बट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए तिट्ठाणवडिए, वण्णगंधरसफासमइअण्णाणसुयअण्णाणअचक्खुदंसणपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए ॥ २५३ ॥ वणस्सइकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘वणस्सइकाइयाणं अणंता पज्जवा पण्णत्ता’ ? गोयमा ! वणस्सइकाइए वणस्सइकाइयस्स दब्बट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए तिट्ठाणवडिए, वण्णगंधरसफासमइअण्णाणसुयअण्णाणअचक्खुदंसणपज्जवेहिं य छट्ठाणवडिए, से एएणट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ—‘वणस्सइकाइयाणं अणंता पज्जवा पण्णत्ता’

॥२५४॥ बेइदियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं
 बुच्चइ—‘बेइदियाणं अणंता पज्जवा पण्णत्ता’ ? गोयमा ! बेइदिए बेइदियस्स दव्वट्ठयाए
 तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए । जइ हीणे
 असंखिजइभागहीणे वा संखिजइभागहीणे वा संखिजइगुणहीणे वा असंखिजइगुण-
 हीणे वा । अह अब्भहिए असंखिजभागअब्भहिए वा संखिजइभागअब्भहिए वा
 संखिजगुणमब्भहिए वा असंखिजइगुणमब्भहिए वा । ठिईए तिट्ठाणवडिए, वण्ण-
 गंधरसफासआभिणिबोहियणाणसुयणाणमइअण्णाणसुयअण्णाण अचक्खुदंसणपज्जवेहि
 य छट्ठाणवडिए । एवं तेइदिया वि । एवं चउरिंदिया वि, णवरं दो दंसणा, चक्खुदंसणं
 अचक्खुदंसणं । पंचिंदियतिरिस्सजोणिवाणं पज्जवा जहा णेरइयाणं तथा भाणियव्वा
 ॥२५५॥ मणुस्साणं भंते ! केवइया पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा
 पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘मणुस्साणं अणंता पज्जवा पण्णत्ता’ ?
 गोयमा ! मणुस्से मणुस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाण-
 वडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वण्णगंधरसफासआभिणिबोहियणाणसुयणाणओहिणाण-
 मणपज्जवणाणपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, केवलणाणपज्जवेहिं तुल्ले, तिहिं अण्णाणेहिं तिहिं
 दंसणेहिं छट्ठाणवडिए, केवलदंसणपज्जवेहिं तुल्ले । वाणमंतरा ओगाहणट्ठयाए ठिईए
 चउट्ठाणवडिया, वण्णाईहिं छट्ठाणवडिया । जोइसिया येमाणिया वि एवं चेव, णवरं
 ठिईए तिट्ठाणवडिया ॥२५६॥ जहण्णोगाहणगाणं भंते ! णेरइयाणं केवइया पज्जवा
 पण्णत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ० ? गोयमा !
 जहण्णोगाहणए णेरइए जहण्णोगाहणस्स णेरइयस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले,
 ओगाहणट्ठयाए तुल्ले, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वण्णगंधरसफासपज्जवेहिं तिहिं णाणेहिं
 तिहिं अण्णाणेहिं तिहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए । उक्कोसोगाहणगाणं भंते ! णेरइयाणं
 केवइया पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं
 बुच्चइ—‘उक्कोसोगाहणगाणं णेरइयाणं अणंता पज्जवा पण्णत्ता’ ? गोयमा ! उक्कोसोगा-
 हणए णेरइए उक्कोसोगाहणस्स णेरइयस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगा-
 हणट्ठयाए तुल्ले । ठिईए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए । जइ हीणे असंखिज-
 भागहीणे वा संखिजभागहीणे वा, अह अब्भहिए असंखिजभागअब्भहिए वा
 संखिजभागअब्भहिए वा । वण्णगंधरसफासपज्जवेहिं तिहिं णाणेहिं तिहिं अण्णाणेहिं
 तिहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए । अजहण्णमणुक्कोसोगाहणाणं भंते ! णेरइयाणं केवइया

पज्जवा पणत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा पणत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ—
 ‘अजहणमणुक्कोसोगाहणाणं अणंता पज्जवा पणत्ता’ ? गोयमा ! अजहणमणुक्कोसो-
 गाहणए णेरइए अजहणमणुक्कोसोगाहणस्स णेरइयस्स दब्बट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए
 तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए । जइ हीणे असंखिजभाग-
 हीणे वा संखिजभागहीणे वा संखिजगुणहीणे वा असंखिजगुणहीणे वा । अह अब्भ-
 हिए असंखिजभागअब्भहिए वा संखिजभागअब्भहिए वा संखिजगुणअब्भहिए वा
 असंखिजगुणअब्भहिए वा । टिईए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए । जइ हीणे
 असंखिजभागहीणे वा संखिजभागहीणे वा संखिजगुणहीणे वा असंखिजगुणहीणे
 वा । अह अब्भहिए असंखिजभागअब्भहिए वा संखिजभागअब्भहिए वा संखिज-
 गुणअब्भहिए वा असंखिजगुणअब्भहिए वा । वण्णगंधरसफासपज्जवेहिं तिहिं णाणेहिं
 तिहिं अण्णाणेहिं तिहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए, से एएणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ—
 ‘अजहणमणुक्कोसोगाहणाणं णेरइयाणं अणंता पज्जवा पणत्ता’ ॥ २५७ ॥ जहण-
 ट्ठियाणं भंते ! णेरइयाणं केवइया पज्जवा पणत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा
 पणत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ—‘जहणणट्ठियाणं णेरइयाणं अणंता पज्जवा
 पणत्ता’ ? गोयमा ! जहणणट्ठिए णेरइए जहणणट्ठियस्स णेरइयस्स दब्बट्ठयाए तुल्ले,
 पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, टिईए तुल्ले, वण्णगंधरसफासपज्ज-
 वेहिं तिहिं णाणेहिं तिहिं अण्णाणेहिं तिहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए । एवं उक्कोसटिइए
 वि । अजहणमणुक्कोसटिईए वि एवं चेव, गवरं सट्ठाणे चउट्ठाणवडिए ॥ २५८ ॥
 जहणगुणकालगाणं भंते ! णेरइयाणं केवइया पज्जवा पणत्ता ? गोयमा ! अणंता
 पज्जवा पणत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ—‘जहणगुणकालगाणं णेरइयाणं अणंता
 पज्जवा पणत्ता’ ? गोयमा ! जहणगुणकालए णेरइए जहणगुणकालास्स णेरइयस्स
 दब्बट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, टिईए चउट्ठाण-
 वडिए, कालवण्णपज्जवेहिं तुल्ले, अवसेसेहिं वण्णगंधरसफासपज्जवेहिं तिहिं णाणेहिं तिहिं
 अण्णाणेहिं तिहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए, से एएणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ—‘जहण-
 गुणकालगाणं णेरइयाणं अणंता पज्जवा पणत्ता’ । एवं उक्कोसगुणकालए वि । अज-
 हणमणुक्कोसगुणकालए वि एवं चेव, गवरं कालवण्णपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए । एवं अव-
 सेसा चत्तारि वण्णा दो गंधा पंच रसा अट्ठ फासा भाणियव्वा ॥ २५९ ॥ जहण्णा-
 भिण्णोहियणाणाणं भंते ! णेरइयाणं केवइया पज्जवा पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णा-

मिणिवोहियणाणीं णेरइयाणं अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं
 बुच्चइ—‘जहण्णामिणिवोहियणाणीं णेरइयाणं अणंता पज्जवा पण्णत्ता’ ? गोयमा !
 जहण्णामिणिवोहियणाणीं णेरइए जहण्णामिणिवोहियणाणिस्स णेरइयस्स दव्वट्ठयाए
 तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए,
 वण्णगंधरसफासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, आमिणिवोहियणाणपज्जवेहिं तुल्ले, सुयणाण-
 पज्जवेहिं ओहिणाणपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, तिहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए । एवं उक्को-
 सामिणिवोहियणाणीं वि । अजहण्णमणुक्कोसामिणिवोहियणाणीं वि एवं चेव, णवरं
 आमिणिवोहियणाणपज्जवेहिं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए । एवं सुयणाणीं ओहिणाणीं वि,
 णवरं जस्स णाणा तस्स अण्णाणा णत्थि । जहा णाणा तथा अण्णाणा वि भाणियव्वा,
 णवरं जस्स अण्णाणा तस्स णाणा ण भवंति । जहण्णचक्खुदंसणीं भंते ! णेरइयाणं
 केवइया पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं
 बुच्चइ—‘जहण्णचक्खुदंसणीं णेरइयाणं अणंता पज्जवा पण्णत्ता’ ? गोयमा ! जहण्ण-
 चक्खुदंसणीं णं णेरइए जहण्णचक्खुदंसणीस्स णेरइयस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए
 तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वण्णगंधरसफासपज्जवेहिं
 तिहिं णाणेहिं तिहिं अण्णाणेहिं छट्ठाणवडिए, चक्खुदंसणपज्जवेहिं तुल्ले, अचक्खु-
 दंसणपज्जवेहिं ओहिदंसणपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए । एवं उक्कोसचक्खुदंसणीं वि । अज-
 हण्णमणुक्कोसचक्खुदंसणीं वि एवं चेव, णवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए । एवं अचक्खु-
 दंसणीं वि ओहिदंसणीं वि ॥२६०॥ जहण्णोगाहणाणं भंते ! असुरकुमाराणं केवइया
 पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—
 ‘जहण्णोगाहणाणं असुरकुमाराणं अणंता पज्जवा पण्णत्ता’ ? गोयमा ! जहण्णोगाहणाए
 असुरकुमारे जहण्णोगाहणस्स असुरकुमारस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले,
 ओगाहणट्ठयाए तुल्ले, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वण्णाईहिं छट्ठाणवडिए, आमिणिवोहिय-
 णाणपज्जवेहिं सुयणाणपज्जवेहिं ओहिणाणपज्जवेहिं तिहिं अण्णाणेहिं तिहिं दंसणेहिं य
 छट्ठाणवडिए । एवं उक्कोसोगाहणाए वि । एवं अजहण्णमणुक्कोसोगाहणाए वि णवरं
 उक्कोसोगाहणाए वि असुरकुमारे ठिईए चउट्ठाणवडिए, एवं जाव थणियकुमारा ॥२६१॥
 जहण्णोगाहणाणं भंते ! पुटविकाइयाणं केवइया पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! अणंता
 पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘जहण्णोगाहणाणं पुटविकाइयाणं
 अणंता पज्जवा पण्णत्ता’ ? गोयमा ! जहण्णोगाहणाए पुटविकाइए, जहण्णोगाहणस्स

पुढविकाइयस्स दब्बट्टयाए तुल्ले, पएसट्टयाए तुल्ले, ओगाहणट्टयाए तुल्ले, ठिईए तिट्ठाण-
वडिए, वण्णगंधरसफासपजवेहिं दोहिं अण्णाणेहिं अचक्खुदंसणपजवेहिं य छट्ठाण-
वडिए । एवं उक्कोसोगाहणए वि । अजहण्णमणुक्कोसोगाहणए वि एवं चेव, णवरं
सट्ठाणे चउट्ठाणवडिए । जहण्णठिइयाणं पुढविकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता
पज्जा पणत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘जहण्णठिइयाणं पुढविकाइयाणं
अणंता पज्जा पणत्ता’ ! गोयमा ! जहण्णठिइए पुढविकाइए जहण्णठिइयस्स
पुढविकाइयस्स दब्बट्टयाए तुल्ले, पएसट्टयाए तुल्ले, ओगाहणट्टयाए चउट्ठाणवडिए,
ठिईए तुल्ले, वण्णगंधरसफासपजवेहिं मइअण्णाणपजवेहिं सुयअण्णाणपजवेहिं अच-
क्खुदंसणपजवेहिं छट्ठाणवडिए । एवं उक्कोसठिइए वि । अजहण्णमणुक्कोसठिइए वि
एवं चेव, णवरं सट्ठाणे तिट्ठाणवडिए । जहण्णगुणकालयाणं भंते ! पुढविकाइयाणं
पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जा पणत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘जहण्ण-
गुणकालयाणं पुढविकाइयाणं अणंता पज्जा पणत्ता ?’ गोयमा ! जहण्णगुणकालए
पुढविकाइए जहण्णगुणकालयस्स पुढविकाइयस्स दब्बट्टयाए तुल्ले, पएसट्टयाए तुल्ले,
ओगाहणट्टयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए तिट्ठाणवडिए, कालवणपजवेहिं तुल्ले, अवसे-
सेहिं वण्णगंधरसफासपजवेहिं छट्ठाणवडिए, दोहिं अण्णाणेहिं अचक्खुदंसणपजवेहिं य
छट्ठाणवडिए । एवं उक्कोसगुणकालए वि । अजहण्णमणुक्कोसगुणकालए वि एवं चेव,
णवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए । एवं पंच वण्णा दो गंधा पंच रसा अट्ठ फासा भाणियच्चा ।
जहण्णमइअण्णाणीणं भंते ! पुढविकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जा पणत्ता ।
से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘जहण्णमइअण्णाणीणं पुढविकाइयाणं अणंता पज्जा
पणत्ता’ ! गोयमा ! जहण्णमइअण्णाणी पुढविकाइए जहण्णमइअण्णाणस्स पुढवि-
काइयस्स दब्बट्टयाए तुल्ले, पएसट्टयाए तुल्ले, ओगाहणट्टयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए
तिट्ठाणवडिए, वण्णगंधरसफासपजवेहिं छट्ठाणवडिए, मइअण्णाणपजवेहिं तुल्ले सुय-
अण्णाणपजवेहिं अचक्खुदंसणपजवेहिं छट्ठाणवडिए । एवं उक्कोसमइअण्णाणी वि ।
अजहण्णमणुक्कोसमइअण्णाणी वि एवं चेव, णवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए । एवं सुब-
अण्णाणी वि अचक्खुदंसणी वि एवं चेव जाव वणफइकाइया ॥२६२॥ जहण्णोगाहण-
गाणं भंते ! बेइदियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जा पणत्ता । से केणट्ठेणं भंते !
एवं बुच्चइ—‘जहण्णोगाहणगाणं बेइदियाणं अणंता पज्जा पणत्ता’ ? गोयमा ! जहण्णो-
गाहणए बेइदिए जहण्णोगाहणस्स बेइदियस्स दब्बट्टयाए तुल्ले, पएसट्टयाए तुल्ले, ओगा-

हण्डयाए तुल्ले, ठिईए तिट्ठाणवडिए, वण्णगंधरसफासपज्जवेहिं दोहिं णाणेहिं दोहिं
अण्णाणेहिं अचक्खुदंसणपज्जवेहिं य छट्ठाणवडिए । एवं उक्कोसोगाहणए वि, णवरं
गाणा णत्थि । अजहण्णमणुक्कोसोगाहणए जहा जहण्णोगाहणए, णवरं सट्ठाणे ओगाह-
णाए चउट्ठाणवडिए । जहण्णठिइयाणं भंते ! बेइदियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता
पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘जहण्णठिइयाणं बेइदियाणं अणंता पज्जवा
पण्णत्ता’? गोयमा ! जहण्णठिइए बेइदिए जहण्णठिइयस्स बेइदियस्स दव्वड्डयाए तुल्ले,
पएसड्डयाए तुल्ले, ओगाहण्डयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए तुल्ले, वण्णगंधरसफासपज्ज-
वेहिं दोहिं अण्णाणेहिं अचक्खुदंसणपज्जवेहिं य छट्ठाणवडिए । एवं उक्कोसटिइए वि,
णवरं दो गाणा अब्भहिया । अजहण्णमणुक्कोसटिइए जहा उक्कोसटिइए, णवरं
ठिईए तिट्ठाणवडिए । जहण्णगुणकाल्माणं बेइदियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता
पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘जहण्णगुणकाल्माणं बेइदियाणं अणंता
पज्जवा पण्णत्ता’? गोयमा ! जहण्णगुणकालए बेइदिए जहण्णगुणकालस्स बेइदियस्स
दव्वड्डयाए तुल्ले, पएसड्डयाए तुल्ले, ओगाहण्डयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए तिट्ठाणवडिए,
कालवण्णपज्जवेहिं तुल्ले, अवसेसेहिं वण्णगंधरसफासपज्जवेहिं दोहिं णाणेहिं दोहिं अण्णा-
णेहिं अचक्खुदंसणपज्जवेहिं य छट्ठाणवडिए । एवं उक्कोसगुणकालए वि । अजहण्ण-
मणुक्कोसगुणकालए वि एवं चेव । णवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए । एवं पंच वण्णा दो गंधा
पंच रसा अट्ठ फासा भाणियव्वा । जहण्णाभिणिबोहियणाणीणं भंते ! बेइदियाणं केव-
इया पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं
बुच्चइ—‘जहण्णाभिणिबोहियणाणीणं बेइदियाणं अणंता पज्जवा पण्णत्ता’? गोयमा ! जह-
ण्णाभिणिबोहियणाणी बेइदिए जहण्णाभिण्योहियणाणिस्स बेइदियस्स दव्वड्डयाए तुल्ले,
पएसड्डयाए तुल्ले, ओगाहण्डयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए तिट्ठाणवडिए, वण्णगंधरस-
फासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, आभिणिबोहियणाणपज्जवेहिं तुल्ले, सुयणाणपज्जवेहिं छट्ठा-
णवडिए, अचक्खुदंसणपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए । एवं उक्कोसाभिणिबोहियणाणी वि ।
अजहण्णमणुक्कोसाभिणिबोहियणाणी वि एवं चेव, णवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए । एवं
सुयणाणी वि सुयअण्णाणी वि अचक्खुदंसणी वि, णवरं जत्थ णाणा तत्थ अण्णाणा
णत्थि, जत्थ अण्णाणा तत्थ णाणा णत्थि, जत्थ दंसणं तत्थ णाणा वि अण्णाणा वि । एवं
तेइदियाण वि । चउरिंदियाण वि एवं चेव, णवरं चक्खुदंसणं अब्भहियं ॥२६॥
जहण्णोगाहणमाणं भंते ! पंचिदियतिरिक्खजोणियाणं केवइया पज्जवा पण्णत्ता ?

गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘जहण्णोगाहणगाणे पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं अणंता पज्जवा पण्णत्ता’ ? गोयमा ! जहण्णोगाहणए पंचिंदियतिरिक्खजोणिए जहण्णोगाहणयस्स पंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए तुल्ले, ठिईए तिट्ठाणवडिए, वण्णगंधरसफास-पज्जवेहिं दोहिं णाणेहिं दोहिं अण्णाणेहिं दोहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए । उक्कोसोगाह-णए वि एवं चेव, णवरं तिहिं णाणेहिं तिहिं अण्णाणेहिं तिहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए । जहा उक्कोसोगाहणए तहा अजहण्णमणुक्कोसोगाहणए वि, णवरं ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए । जहण्णट्ठियाणं भंते ! पंचिंदियतिरिक्खजोणि-याणं केवइया पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘जहण्णट्ठियाणं पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं अणंता पज्जवा पण्णत्ता’ ? गोयमा ! जहण्णट्ठिए पंचिंदियतिरिक्खजोणिए जहण्णट्ठियस्स पंचिंदियतिरिक्ख-जोणियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए तुल्ले, वण्णगंधरसफासपज्जवेहिं दोहिं अण्णाणेहिं दोहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए । उक्कोसट्ठिए वि एवं चेव, णवरं दो णाणा दो अण्णाणा दो दंसणा । अजहण्णमणु-क्कोसट्ठिए वि एवं चेव, णवरं ठिईए चउट्ठाणवडिए । तिण्णि णाणा तिण्णि अण्णाणा तिण्णि दंसणा । जहण्णगुणकालगाणं भंते ! पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ० ? गोयमा ! जहण्णगुणकालए पंचिंदियतिरिक्खजोणिए जहण्णगुणकालगस्स पंचिंदियतिरिक्ख-जोणियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, कालवण्णपज्जवेहिं तुल्ले, अवसेसेहिं वण्णगंधरसफासपज्जवेहिं तिहिं णाणेहिं तिहिं अण्णाणेहिं तिहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए । एवं उक्कोसगुणकालए वि । अजहण्णमणुक्कोसगुणकालए वि एवं चेव, णवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए । एवं पंच वण्णा दो गंधा पंच रसा अट्ठ फासा । जहण्णाभिणिवोहियणाणीणं भंते ! पंचि-दियतिरिक्खजोणियाणं केवइया पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ० ? गोयमा ! जहण्णाभिणिवोहियणाणी पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिए जहण्णाभिणिवोहियणाणस्स पंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए वण्णगंधरसफासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, आभिणिवोहियणाणपज्जवेहिं तुल्ले, सुयणाण-

पञ्जवेहिं छट्ठाणवडिए, चक्खुदंसणपञ्जवेहिं छट्ठाणवडिए, अचक्खुदंसणपञ्जवेहिं छट्ठाणवडिए । एवं उक्कोसामिणिवोहियणाणी वि, णवरं ठिईए तिट्ठाणवडिए, तिण्णिणाणा, तिण्णि दंसणा, सट्ठाणे तुल्ले, सेसेसु छट्ठाणवडिए । अजहण्णमणुक्कोसामिणिवोहियणाणी जहा उक्कोसामिणिवोहियणाणी, णवरं ठिईए चउट्ठाणवडिए । सट्ठाणे छट्ठाणवडिए । एवं सुयणाणी वि । जहण्णोहिणाणीणं भंते ! पंचिदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पजवा पणत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ० ? गोयमा ! जहण्णोहिणाणी पंचिदियतिरिक्खजोणिए जहण्णोहिणाणस्स पंचिदियतिरिक्खजोणियस्स दब्बइयाए तुल्ले, पएसइयाए तुल्ले, ओगाहणइयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए तिट्ठाणवडिए, वण्णगंधरसफासपञ्जवेहिं आमिणिवोहियणाणसुयणाणपञ्जवेहिं छट्ठाणवडिए, ओहिणाणपञ्जवेहिं तुल्ले । अण्णाणा णत्थि । चक्खुदंसणपञ्जवेहिं अचक्खुदंसणपञ्जवेहिं ओहिदंसणपञ्जवेहिं य छट्ठाणवडिए । एवं उक्कोसोहिणाणी वि । अजहण्णुक्कोसोहिणाणी वि एवं चेव, णवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए । जहा आमिणिवोहियणाणी तहा मइअण्णाणी सुयअण्णाणी य, जहा ओहिणाणी तहा विभेराणाणी वि, चक्खुदंसणी अचक्खुदंसणी य जहा आमिणिवोहियणाणी, ओहिदंसणी जहा ओहिणाणी, जत्थ णाणा तत्थ अण्णाणा णत्थि, जत्थ अण्णाणा तत्थ णाणा णत्थि, जत्थ दंसणा तत्थ णाणा वि अण्णाणा वि अत्थित्ति भाणियव्वं ॥ २६४ ॥ जहण्णोगाहणगणं भंते ! मणुस्साणं केवइया पजवा पणत्ता ? गोयमा ! अणंता पजवा पणत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘जहण्णोगाहणगणं मणुस्साणं अणंता पजवा पणत्ता’ ? गोयमा ! जहण्णोगाहण मणूसे जहण्णोगाहणस्स मणूस्स दब्बइयाए तुल्ले, पएसइयाए तुल्ले, ओगाहणइयाए तुल्ले, ठिईए तिट्ठाणवडिए, वण्णगंधरसफासपञ्जवेहिं तिहिं णाणेहिं दोहिं अण्णाणेहिं तिहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए । उक्कोसोगाहणए वि एवं चेव, णवरं ठिईए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए । जइ हीणे असंखिजइभागहीणे, अह अब्भहिए असंखिजइभागअब्भहिए । दो णाणा दो अण्णाणा दो दंसणा । अजहण्णमणुक्कोसोगाहणए वि एवं चेव, णवरं ओगाहणइयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, आइल्लेहिं चउहिं णाणेहिं छट्ठाणवडिए, केवलणाणपञ्जवेहिं तुल्ले, तिहिं अण्णाणेहिं तिहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए, केवलदंसणपञ्जवेहिं तुल्ले । जहण्णठिइयाणं भंते ! मणुस्साणं केवइया पजवा पणत्ता ? गोयमा ! अणंता पजवा पणत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ० ? गोयमा ! जहण्णठिइए

मणुस्से जहण्णठिइयस्स मणुस्स दब्बट्ठयाए तुल्ले, पएसड्ठयाए तुल्ले, ओगाहण्डयाए
चउट्ठाणवडिए, ठिईए तुल्ले, वण्णगंधरसफासपज्जवेहिं दोहिं अण्णाणेहिं दोहिं दंसणेहिं
छट्ठाणवडिए । एवं उक्कोसठिइए वि, णवरं दो णाणा दो अण्णाणा दो दंसणा ।
अजहण्णमणुक्कोसठिइए वि एवं चेव, णवरं ठिईए चउट्ठाणवडिए, ओगाहण्डयाए
चउट्ठाणवडिए, आइल्लेहिं चउहिं णाणेहिं छट्ठाणवडिए, केवलणाणपज्जवेहिं तुल्ले, तिहिं
अण्णाणेहिं तिहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए, केवलदंसणपज्जवेहिं तुल्ले । जहण्णगुणकालयाणं
भंते ! मणुस्साणं केवइया पज्जवा पणत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा पणत्ता । से
केणट्ठेणं भंते ! एवं वुचइ० ? गोयमा ! जहण्णगुणकालए मणुस्से जहण्णगुणकालयस्स
मणुस्सस्स दब्बट्ठयाए तुल्ले, पएसड्ठयाए तुल्ले, ओगाहण्डयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए
चउट्ठाणवडिए, कालवणपज्जवेहिं तुल्ले, अवसेसेहिं वण्णगंधरसफासपज्जवेहिं छट्ठाण-
वडिए, चउहिं णाणेहिं छट्ठाणवडिए, केवलणाणपज्जवेहिं तुल्ले, तिहिं अण्णाणेहिं
तिहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए केवलदंसणपज्जवेहिं तुल्ले । एवं उक्कोसगुणकालए वि ।
अजहण्णमणुक्कोसगुणकालए वि एवं चेव, णवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए । एवं पंच वण्णा
दो गंधा पंच रसा अट्ठ फामा भाणिंयज्जा । जहण्णाभिणिबोहियणाणीणं भंते ! मणुस्साणं
केवइया पज्जवा पणत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा पणत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं
वुचइ० ? गोयमा ! जहण्णाभिणिबोहियणाणी मणुस्से जहण्णाभिणिबोहियणाणिस्स मणु-
स्सस्स दब्बट्ठयाए तुल्ले, पएसड्ठयाए तुल्ले, ओगाहण्डयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए
चउट्ठाणवडिए, वण्णगंधरसफासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, आभिणिबोहियणाणपज्जवेहिं
तुल्ले, सुयणाणपज्जवेहिं दोहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए, एवं उक्कोसभिणिबोहियणाणी वि,
णवरं आभिणिबोहियणाणपज्जवेहिं तुल्ले, ठिईए तिट्ठाणवडिए, तिहिं णाणेहिं तिहिं
दंसणेहिं छट्ठाणवडिए । अजहण्णमणुक्कोसभिणिबोहियणाणी जहा उक्कोसभिणिबो-
हियणाणी, णवरं ठिईए चउट्ठाणवडिए, सट्ठाणे छट्ठाणवडिए । एवं सुयणाणी वि ।
जहण्णोहिणाणीणं भंते ! मणुस्साणं केवइया पज्जवा पणत्ता ? गोयमा ! अणंता
पज्जवा पणत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुचइ० ? गोयमा ! जहण्णोहिणाणी मणुस्से
जहण्णोहिणाणीस्स मणुस्सस्स दब्बट्ठयाए तुल्ले, पएसड्ठयाए तुल्ले, ओगाहण्डयाए तिट्ठाण-
वडिए, ठिईए तिट्ठाणवडिए, वण्णगंधरसफासपज्जवेहिं दोहिं णाणेहिं छट्ठाणवडिए, ओहि-
णाणपज्जवेहिं तुल्ले मणपज्जवाणपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, तिहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए ।
एवं उक्कोसोहिणाणी वि । अजहण्णमणुक्कोसोहिणाणी वि एवं चेव, णवरं ओगाहण्डयाए

चउट्ठाणवडिए, सट्ठाणे छट्ठाणवडिए । जहा ओहिणाणी तहा मणपजवणाणी वि भाणियव्वे, णवरं ओगाहणद्वयाए तिट्ठाणवडिए । जहा आभिणिबोहियणाणी तहा मइअण्णाणी सुयअण्णाणी वि भाणियव्वे । जहा ओहिणाणी तहा विभंगणाणी वि भाणियव्वे, चक्खुदंसणी अचक्खुदंसणी य जहा आभिणिबोहियणाणी, ओहिदंसणी जहा ओहिणाणी । जत्थ णाणा तत्थ अण्णाणा पत्थि, जत्थ अण्णाणा तत्थ णाणा पत्थि, जत्थ दंसणा तत्थ णाणा वि अण्णाणा वि । केवलणाणीणं भंते ! मणुस्साणं केवइया पज्जा पणत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जा पणत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘केवलणाणीणं मणुस्साणं अणंता पज्जा पणत्ता’ ? गोयमा ! केवलणाणी मणूसे केवलणाणीस्स मणूस्स दब्बद्वयाए तुल्ले, पएसद्वयाए तुल्ले, ओगाहणद्वयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए तिट्ठाणवडिए, वण्णगंधरसफासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, केवलणाणपज्जवेहिं केवलदंसणपज्जवेहिं य तुल्ले । एवं केवलदंसणी वि मणूसे भाणियव्वे । वाणभंतरा जहा असुरकुमारा । एवं जोइसियवेमाणिया, णवरं सट्ठाणे ठिईए तिट्ठाणवडिए भाणियव्वे । सेसं जीवपज्जा ॥२६५॥ अजीवपज्जा णं भंते ! कइविहा पणत्ता ? गोयमा ! दुविहा वणत्ता । तंजहा—रुविअजीवपज्जा य अरुविअजीवपज्जा य ॥२६६॥ अरुविअजीवपज्जा णं भंते ! कइविहा पणत्ता ? गोयमा ! दसविहा पणत्ता । तंजहा—धम्मत्थिकाए, धम्मत्थिकायस्स देसे, धम्मत्थिकायस्स पएस, अहम्मत्थिकाए, अहम्मत्थिकायस्स देसे, अहम्मत्थिकायस्स पएस, आगासत्थिकाए आगासत्थिकायस्स देसे, आगासत्थिकायस्स पएस, अद्दासमए ॥ २६७ ॥ रुविअजीवपज्जा णं भंते ! कइविहा पणत्ता ? गोयमा ! चउत्विहा पणत्ता । तंजहा—खंधा, खंधेसा, खंधपएस, परमाणुपुग्गला । ते णं भंते ! किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता ? गोयमा ! णो संखेज्जा णो असंखेज्जा, अणंता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘णो संखेज्जा, णो असंखेज्जा, अणंता’ ? गोयमा ! अणंता परमाणुपुग्गला, अणंता दुपएसिया खंधा जाव अणंता दसपएसिया खंधा, अणंता संखेज्जपएसिया खंधा, अणंता असंखेज्जपएसिया खंधा, अणंता अणंतपएसिया खंधा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ—‘ते णं णो संखेज्जा, णो असंखेज्जा, अणंता’ ॥२६८॥ परमाणुपोग्गलाणं भंते ! केवइया पज्जा पणत्ता ? गोयमा ! परमाणुपोग्गलाणं अणंता पज्जा पणत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘परमाणुपुग्गलाणं अणंता पज्जा पणत्ता’ ? गोयमा ! परमाणुपुग्गले परमाणुपोग्गलस्स दब्बद्वयाए तुल्ले, पए-

सङ्घयाए तुल्ले, ओगाहणङ्घयाए तुल्ले, ठिईए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए । जइ हीणे असंखिजइभागहीणे वा संखिजइभागहीणे वा संखिजइगुणहीणे वा असंखिजइगुणहीणे वा । अह अब्भहिए असंखिजइभागअब्भहिए वा संखिजइभागअब्भहिए वा संखिजगुणअब्भहिए वा असंखिजगुणअब्भहिए वा । कालवणपजवेहिं सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए । जइ हीणे अणंतभागहीणे वा असंखिजइभागहीणे वा संखिजइभागहीणे वा संखिजगुणहीणे वा असंखिजगुणहीणे वा अणंतगुणहीणे वा । अह अब्भहिए अणंतभागअब्भहिए वा असंखिजइभागअब्भहिए वा संखिजभागअब्भहिए वा संखिजगुणअब्भहिए वा असंखिजगुणअब्भहिए वा अणंतगुणअब्भहिए वा । एवं अवसेसवण्णधरसफासपजवेहिं छट्ठाणवडिए । फासाणं सीयउसिणणिद्वलुक्खेहिं छट्ठाणवडिए, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ—‘परमाणुपोग्गलाणं अणंता पज्जवा पणत्ता’ । दुपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पणत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ० ? गोयमा ! दुपएसिए दुपएसियस्स दव्वड्याए तुल्ले, पएसड्याए तुल्ले, ओगाहणङ्घयाए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए । जइ हीणे पएसहीणे, अह अब्भहिए पएसमब्भहिए । ठिईए चउट्ठाणवडिए, वण्णाइहिं उवरिल्लेहिं चउफासेहिं य छट्ठाणवडिए । एवं तिपएसिए वि, णवरं ओगाहणङ्घयाए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए । जइ हीणे पएसहीणे वा दुपएसहीणे वा, अह अब्भहिए पएसमब्भहिए वा दुपएसमब्भहिए वा । एवं जाव दसपएसिए, णवरं ओगाहणाए पएसपरिवुद्धीं कायव्वा जाव दसपएसिए, णवरं णवपएसहीणत्ति । संखेजपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पणत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ० ? गोयमा ! संखेजपएसिए संखेजपएसियस्स दव्वड्याए तुल्ले, पएसड्याए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए । जइ हीणे संखेजभागहीणे वा संखेजगुणहीणे वा, अह अब्भहिए एवं चेव । ओगाहणङ्घयाए वि दुट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वण्णाइउवरिल्लचउफासपजवेहिं य छट्ठाणवडिए । असंखिजपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पणत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ० ? गोयमा ! असंखिजपएसिए खंवे असंखिजपएसियस्स खंभस्स दव्वड्याए तुल्ले, पएसड्याए चउट्ठाणवडिए, ओगाहणङ्घयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वण्णाइउवरिल्लचउफासेहिं य छट्ठाणवडिए । अणंतपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पणत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ० ? गोयमा ! अणंतपएसिए खंवे अणंत-

पएसिस्स खंखस्स दब्बट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए छट्ठाणवडिए, ओगाहण्डयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वण्णगंधरसफासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए । २६९ । एगपएसोगाढाणं पोमलाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ० ? गोयमा ! एगपएसोगाढे पोमले एगपएसोगाढस्स पोमलस्स दब्बट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए छट्ठाणवडिए, ओगाहण्डयाए तुल्ले, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वण्णाइउवरिल्लचउफासेहिं छट्ठाणवडिए । एवं दुपएसोगाढे वि जाव दसपएसोगाढे वि । संखिज्जपएसोगाढाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ० ? गोयमा ! संखिज्जपएसोगाढे पोमले संखिज्जपएसोगाढस्स पोमलस्स दब्बट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए छट्ठाणवडिए, ओगाहण्डयाए दुट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वण्णाइउवरिल्लचउफासेहिं य छट्ठाणवडिए । असंखेज्जपएसोगाढाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ० ? गोयमा ! असंखेज्जपएसोगाढे पोमले असंखेज्जपएसोगाढस्स पोमलस्स दब्बट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए छट्ठाणवडिए, ओगाहण्डयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वण्णाइअट्टफासेहिं छट्ठाणवडिए ॥ २७० ॥ एगसमयटिइयाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ० ? गोयमा ! एगसमयटिइए पोमले एगसमयटिइयस्स पोमलस्स दब्बट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए छट्ठाणवडिए, ओगाहण्डयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए तुल्ले, वण्णाइअट्टफासेहिं छट्ठाणवडिए । एवं जाव दससमयटिइए । संखेज्जसमयटिइयाणं एवं चेव, णवरं ठिईए दुट्ठाणवडिए । असंखेज्जसमयटिइयाणं एवं चेव, णवरं ठिईए चउट्ठाणवडिए ॥ २७१ ॥ एगगुणकालाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ० ? गोयमा ! एगगुणकालए पोमले एगगुणकालस्स पोमलस्स दब्बट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए छट्ठाणवडिए, ओगाहण्डयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, कालवण्णपज्जवेहिं तुल्ले, अवसेसेहिं वण्णगंधरसफासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, अट्टहिं फासेहिं छट्ठाणवडिए । एवं जाव दसगुणकालए । संखेज्जगुणकालए वि एवं चेव, णवरं सट्ठाणे दुट्ठाणवडिए । एवं असंखेज्जगुणकालए वि, णवरं सट्ठाणे चउट्ठाणवडिए । एवं अणंतगुणकालए वि, णवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए । एवं जहा कालवण्णस्स वत्तव्वया भाणिया तहा सेसाण वि वण्णगंधरसफासाणं वत्तव्वया भाणियव्वा जाव अणंतगुणलुक्खे ॥ २७२ ॥ जहण्णोगाहणगाणं भंते ! दुपएसियाणं

पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ० ? गोयमा ! जहण्णोगाहणए दुपएसिए खंधे जहण्णोगाहणस्स दुपएसियस्स खंधस्स दव्वड्डयाए तुल्ले, पएसड्डयाए तुल्ले, ओगाहणड्डयाए तुल्ले, ठिईए चउट्टाणवडिए, कालवणपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, सेसवण्णगंधरसपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, सीयउसिणणिदल्लवत्तपासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ—‘जहण्णोगाहणगाणं दुपएसियाणं पोमालाणं अणंता पज्जवा पण्णत्ता’ । उक्कोसोगाहणए वि एवं चेव । अजहण्णमणुक्कोसोगाहणओ गन्थि । जहण्णोगाहणयाणं भंते ! तिपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ० ? गोयमा ! जहा दुपएसिए जहण्णोगाहणए, उक्कोसोगाहणए वि एवं चेव, एवं अजहण्णमणुक्कोसोगाहणए वि । जहण्णोगाहणयाणं भंते ! चउपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहा जहण्णोगाहणए दुपएसिए तहा जहण्णोगाहणए चउप्पएसिए, एवं जहा उक्कोसोगाहणए दुपएसिए तहा उक्कोसोगाहणए चउप्पएसिए वि । एवं अजहण्णमणुक्कोसोगाहणए वि चउप्पएसिए, णवरं ओगाहणड्डयाए सिय हीणे सिय तुल्ले, सिय अब्भहिए । जइ हीणे पएसहीणे, अह अब्भहिए पएसअब्भहिए । एवं जाव दसपएसिए णेयव्वं, णवरं अजहण्णुक्कोसोगाहणए पएसपरिवुट्ठी कायव्वा जाव दसपएसियस्स सत्त पएसो परिवव्विज्जंति । जहण्णोगाहणगाणं भंते ! संखेजपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ० ? गोयमा ! जहण्णोगाहणए संखेजपएसिए जहण्णोगाहणगस्स संखेजपएसियस्स दव्वड्डयाए तुल्ले, पएसड्डयाए तुट्ठाणवडिए, ओगाहणड्डयाए तुल्ले, ठिईए चउट्टाणवडिए, वण्णाइचउत्तासपज्जवेहिं य छट्ठाणवडिए । एवं उक्कोसोगाहणए वि । अजहण्णमणुक्कोसोगाहणए वि एवं चेव, णवरं सट्ठाणे तुट्ठाणवडिए । जहण्णोगाहणगाणं भंते ! असंखिजपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ० ? गोयमा ! जहण्णोगाहणए असंखिजपएसिए खंधे जहण्णोगाहणगस्स असंखिजपएसियस्स खंधस्स दव्वड्डयाए तुल्ले, पएसड्डयाए चउट्टाणवडिए, ओगाहणड्डयाए तुल्ले, ठिईए चउट्टाणवडिए, वण्णाइउवरिहत्तपासेहिं य छट्ठाणवडिए । एवं उक्कोसोगाहणए वि । अजहण्णमणुक्कोसोगाहणए वि एवं चेव, णवरं सट्ठाणे चउट्टाणवडिए । जहण्णोगाहणगाणं भंते ! अणंतपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ० ? गोयमा ! जहण्णोगाहणए अणंतपएसिए खंधे जहण्णोगाहणगस्स अणंतपएसियस्स खंधस्स दव्वड्डयाए तुल्ले, पएसड्डयाए

छट्ठाणवडिए, ओगाहणद्वयाए तुल्ले, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वण्णाइउवरिल्लचउ-
 फासेहि छट्ठाणवडिए । उक्कोसोगाहणए वि एवं चेव, णवरं ठिईए वि तुल्ले । अजहण-
 मणुक्कोसोगाहणगणं भंते ! अणंतपएसियाणं पुच्छा ! गोयमा ! अणंता पज्जा पणत्ता ।
 से केणद्वेणं भंते ! एवं बुच्चइ० ! गोयमा ! अजहणमणुक्कोसोगाहणए अणंतपएसिए
 खंवे अजहणमणुक्कोसोगाहणगस्स अणंतपएसियस्स खंभस्स दव्वद्वयाए तुल्ले पएसद्व-
 याए छट्ठाणवडिए, ओगाहणद्वयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वण्णाइ-
 अट्ठाफासेहि छट्ठाणवडिए ॥ २७३ ॥ जहण्णट्ठिययाणं भंते ! परमाणुपुमालाणं पुच्छा ।
 गोयमा ! अणंता पज्जा पणत्ता । से केणद्वेणं भंते ! एवं बुच्चइ० ! गोयमा ! जहण-
 ट्ठिए परमाणुपोगले जहण्णट्ठियस्स परमाणुपोगलस्स दव्वद्वयाए तुल्ले, पएसद्वयाए
 तुल्ले, ओगाहणद्वयाए तुल्ले, ठिईए तुल्ले, वण्णाइदुफासेहि य छट्ठाणवडिए । एवं
 उक्कोसट्ठिए वि । अजहणमणुक्कोसट्ठिए वि एवं चेव, णवरं ठिईए चउट्ठाण-
 वडिए । जहण्णट्ठिययाणं दुपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जा पणत्ता ।
 से केणद्वेणं भंते ! एवं बुच्चइ० ! गोयमा ! जहण्णट्ठिए दुपएसिए जहण्णट्ठियस्स
 दुपएसियस्स दव्वद्वयाए तुल्ले, पएसद्वयाए तुल्ले, ओगाहणद्वयाए सिय हीणे सिय
 तुल्ले सिय अम्महिए । जइ हीणे पएसहीणे, अह अम्महिए पएसअम्महिए । ठिईए
 तुल्ले, वण्णाइचउफासेहि य छट्ठाणवडिए । एवं उक्कोसट्ठिए वि । अजहणमणु-
 क्कोसट्ठिए वि एवं चेव, णवरं ठिईए चउट्ठाणवडिए । एवं जाव दसपएसिए, णवरं
 पएसपरिवुड्डी कायव्वा । ओगाहणद्वयाए तिसु वि गमएसु जाव दसपएसिए, एवं
 पएस परिवह्मिजंति । जहण्णट्ठिययाणं भंते ! संखिजपएसियाणं पुच्छा । गोयमा !
 अणंता पज्जा पणत्ता । से केणद्वेणं भंते ! एवं बुच्चइ० ! गोयमा ! जहण्णट्ठिए
 संखिजपएसिए खंवे जहण्णट्ठियस्स संखिजपएसियस्स खंभस्स दव्वद्वयाए तुल्ले,
 पएसद्वयाए दुट्ठाणवडिए, ओगाहणद्वयाए दुट्ठाणवडिए, ठिईए तुल्ले, वण्णाइचउ-
 फासेहि य छट्ठाणवडिए । एवं उक्कोसट्ठिए वि । अजहणमणुक्कोसट्ठिए वि एवं
 चेव, णवरं ठिईए चउट्ठाणवडिए । जहण्णट्ठिययाणं असंखिजपएसियाणं पुच्छा ।
 गोयमा ! अणंता पज्जा पणत्ता । से केणद्वेणं भंते ! एवं बुच्चइ० ! गोयमा ! जहण-
 ट्ठिए असंखिजपएसिए जहण्णट्ठियस्स असंखिजपएसियस्स दव्वद्वयाए तुल्ले, पएस-
 द्वयाए चउट्ठाणवडिए, ओगाहणद्वयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए तुल्ले, वण्णाइउवरिल्ल-
 चउफासेहि य छट्ठाणवडिए । एवं उक्कोसट्ठिए वि । अजहणमणुक्कोसट्ठिए वि

एवं चेव, णवरं ठिईए चउट्ठाणवडिए । जहण्णटिइयाणं अणंतपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पजवा पणत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ० ? गोयमा ! जहण्ण-
 टिइए अणंतपएसिए जहण्णटिइयस्स अणंतपएसियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए
 छट्ठाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए तुल्ले, वण्णाइउवरिल्लचउफासेहि य छट्ठाण-
 वडिए । एवं उक्कोसठिइए वि । अजहण्णमणुक्कोसठिइए वि एवं चेव, णवरं ठिईए
 चउट्ठाणवडिए ॥ २७४॥ जहण्णगुणकालयाणं परमाणुपुगालाणं पुच्छा । गोयमा !
 अणंता पजवा पणत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ० ? गोयमा ! जहण्णगुणकालए
 परमाणुपुगाले जहण्णगुणकालयस्स परमाणुपुगालस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले,
 ओगाहणट्ठयाए तुल्ले, ठिईए चउट्ठाणवडिए, कालवण्णपजवेहिं तुल्ले, अवसेसा वण्णा
 णरिथ । गंधरसदुफासपजवेहिं य छट्ठाणवडिए । एवं उक्कोसगुणकालए वि । एवम-
 जहण्णमणुक्कोसगुणकालए वि, णवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए । जहण्णगुणकालयाणं भंते !
 दुपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पजवा पणत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं
 बुच्चइ० ? गोयमा ! जहण्णगुणकालए दुपएसिए जहण्णगुणकालयस्स दुपएसियस्स
 दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अन्भ-
 हिए । जइ हीणे पएसहीणे, अह अन्भहिए पएसअन्भहिए । ठिईए चउट्ठाणवडिए,
 कालवण्णपजवेहिं तुल्ले, अवसेसवण्णाइउवरिल्लचउफासेहि य छट्ठाणवडिए । एवं
 उक्कोसगुणकालए वि । अजहण्णमणुक्कोसगुणकालए वि एवं चेव, णवरं सट्ठाणे छट्ठाण-
 वडिए । एवं जाव दसपएसिए, णवरं पएसपरिवुद्धी ओगाहणाए तद्देव । जहण्णगुण-
 कालयाणं भंते ! संखिजपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पजवा पणत्ता । से
 केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ० ? गोयमा ! जहण्णगुणकालए संखिजपएसिए जहण्णगुण-
 कालयस्स संखिजपएसियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए दुट्ठाणवडिए, ओगाहणट्ठ-
 याए दुट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, कालवण्णपजवेहिं तुल्ले, अवसेसेहिं वण्णाइ-
 उवरिल्लचउफासेहि य छट्ठाणवडिए एवं उक्कोसगुणकालए वि । एवं अजहण्णमणुक्कोस-
 गुणकालए वि, णवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए । जहण्णगुणकालयाणं भंते ! असंखिजपए-
 सियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पजवा पणत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ० ?
 गोयमा ! जहण्णगुणकालए असंखिजपएसिए जहण्णगुणकालयस्स असंखिजपएसियस्स
 दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, कालवण्णपज-
 वेहिं तुल्ले, अवसेसेहिं वण्णाइउवरिल्लचउफासेहि य छट्ठाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए

चउट्टाणवडिए । एवं उक्कोसगुणकालए वि । अजहणमणुक्कोसगुणकालए वि एवं चेव, णवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए । जहणगुणकालयाणं भंते ! अणंतपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जा पणत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ० ? गोयमा ! जहणगुणकालए अणंतपएसिए जहणगुणकालयस्स अणंतपएसियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए छट्ठाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए चउट्टाणवडिए, टिईए चउट्टाणवडिए, कालवणपज्जवेहिं तुल्ले, अवसेसेहिं वण्णाइअट्ठफासेहिं य छट्ठाणवडिए । एवं उक्कोसगुणकालए वि । अजहणमणुक्कोसगुणकालए वि एवं चेव, णवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए । एवं णील्लोहियहालिदुसुक्किल्लसुब्भिमंगधुविमंगधतित्तकहुयकसायअंबिल्लमहुररसपज्जवेहिं य वत्तव्वया भाणियव्वा, णवरं परमाणुपोगालस्स सुब्भिमंगधस्स दुब्भिमंगधो ण भण्णइ, दुब्भिमंगधस्स सुब्भिमंगधो ण भण्णइ, तित्तस्स अवसेसं ण भण्णइ, एवं कहुयाईण वि, अवसेसं तं चेव । जहणगुणकक्खडणं अणंतपएसियाणं खेषाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जा पणत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ० ? गोयमा ! जहणगुणकक्खडे अणंतपएसिए जहणगुणकक्खडस्स अणंतपएसियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए छट्ठाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए चउट्टाणवडिए, टिईए चउट्टाणवडिए, वण्णमंगधरसेहिं छट्ठाणवडिए, कक्खडफासपज्जवेहिं तुल्ले, अवसेसेहिं सत्तफासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए । एवं उक्कोसगुणकक्खडे वि । अजहणमणुक्कोसगुणकक्खडे वि एवं चेव, णवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए । एवं मउयगुरुयलहुए वि भाणियव्वे । जहणगुणसीयाणं भंते ! परमाणुपोगालाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जा पणत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ० ? गोयमा ! जहणगुणसीए परमाणुपोगाले जहणगुणसीयस्स परमाणुपुगालस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए तुल्ले, टिईए चउट्टाणवडिए, वण्णमंगधरसेहिं छट्ठाणवडिए, सीयफासपज्जवेहिं य तुल्ले, उसिणफासो ण भण्णइ, णिदल्लक्खफासपज्जवेहिं य छट्ठाणवडिए । एवं उक्कोसगुणसीए वि । अजहणमणुक्कोसगुणसीए वि एवं चेव, णवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए । जहणगुणसीयाणं दुपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जा पणत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ० ? गोयमा ! जहणगुणसीए दुपएसिए जहणगुणसीयस्स दुपएसियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिं । जइ हीणे पएसहीणे, अह अब्भहिं पएसअब्भहिं । टिईए चउट्टाणवडिए, वण्णमंगधरसपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, सीयफासपज्जवेहिं तुल्ले, उसिणणिदल्लक्खफासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए । एवं उक्कोसगुणसीए वि । अजहणमणुक्कोसगुणसीए वि एवं

चेव, णवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए । एवं जाव दसपएसिए, णवरं ओगाहणट्ठयाए पएसपरिवुट्ठी कायत्वा जाव दसपएसियस्स णव पएसो बुद्धिज्जति । जहण्णगुणसीयाणं संखिजपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ० ? गोयमा ! जहण्णगुणसीए संखिजपएसिए जहण्णगुणसीयस्स संखिजपएसि-यस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुट्ठाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए तुट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वण्णाईहिं छट्ठाणवडिए, सीयफासपज्जवेहिं तुल्ले, उसिणणिद्वलुवस्सेहिं छट्ठाणवडिए । एवं उक्कोसगुणसीए वि । अजहण्णमणुक्कोसगुणसीए वि एवं चेव, णवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए । जहण्णगुणसीयाणं असंखिजपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ० ? गोयमा ! जहण्णगुणसीए असंखिजपएसिए जहण्णगुणसीयस्स असंखिजपएसियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वण्णाई-पज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, सीयफासपज्जवेहिं तुल्ले उसिणणिद्वलुवस्सफासपज्जवेहिं छट्ठाण-वडिए । एवं उक्कोसगुणसीए वि । अजहण्णमणुक्कोसगुणसीए वि एवं चेव, णवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए । जहण्णगुणसीयाणं अणंतपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ० ? गोयमा ! जहण्णगुणसीए अणंत-पएसिए जहण्णगुणसीयस्स अणंतपएसियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए छट्ठाण-वडिए, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वण्णाईपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, सीयफासपज्जवेहिं तुल्ले, अवसेसेहिं सत्तफासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए । एवं उक्कोसगुणसीए वि । अजहण्णमणुक्कोसगुणसीए वि एवं चेव, णवरं सट्ठाणे छट्ठाण-वडिए । एवं उसिणणिद्वलुवस्से जहा सीए । परमाणुपोगलस्स तदेव पडिवक्खो मव्वेसिं ण मण्णइ ति भाणियव्वं ॥२७५॥ जहण्णपएसियाणं भंते ! खंधाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ० ? गोयमा ! जहण्णपएसिए खंधे जहण्णपएसियस्स खंधस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए । जइ हीणे पएसहीणे, अह अब्भहिए पएसअब्भहिए । ठिईए चउट्ठाणवडिए । वण्णगंधरसउवरिहलचउफास-पज्जवेहिं छट्ठाणवडिए । उक्कोसपएसियाणं भंते ! खंधाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ० ? गोयमा ! उक्कोसपएसिए खंधे उक्कोसपएसियस्स खंधस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए

चउट्टाणवडिए, वण्णाइअट्टफासपज्जवेहि य छट्टाणवडिए । अजहणमणुक्कोसपए-
 सियाणं भंते ! खंधाणं केवइया पज्जवा पणत्ता ! गोयमा ! अणंता० । से केणट्ठेणं० ?
 गोयमा ! अजहणमणुक्कोसपएसिए खंधे अजहणमणुक्कोसपएसियस्स खंधस्सं दव्वट्ठ-
 याए तुल्ले, पएसट्ठयाए छट्टाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए चउट्टाणवडिए, ठिईए चउ-
 ट्टाणवडिए, वण्णाइअट्टफासपज्जवेहि य छट्टाणवडिए ॥ २७६ ॥ जहण्णोगाहणगाणं
 भंते ! पोमल्लाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता० । से केणट्ठेणं० ? गोयमा ! जहण्णो-
 गाहणए पोमले जहण्णोगाहणगस्स पोमलस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए छट्टाण-
 वडिए, ओगाहणट्ठयाए तुल्ले, ठिईए चउट्टाणवडिए, वण्णाइउवरिल्लाफासेहि य
 छट्टाणवडिए । उक्कोसोगाहणए वि एवं नेव, णवरं ठिईए तुल्ले । अजहणमणुक्कोसो-
 गाहणगाणं भंते ! पोमल्लाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता० । से केणट्ठेणं० ? गोयमा !
 अजहणमणुक्कोसोगाहणए पोमले अजहणमणुक्कोसोगाहणगस्स पोमलस्स दव्वट्ठ-
 याए तुल्ले, पएसट्ठयाए छट्टाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए चउट्टाणवडिए, ठिईए चउ-
 ट्टाणवडिए, वण्णाइअट्टफासपज्जवेहि य छट्टाणवडिए ॥ २७७ ॥ जहण्णटिइयाणं भंते !
 पोमल्लाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता० । से केणट्ठेणं० ? गोयमा ! जहण्णटिइए
 पोमले जहण्णटिइयस्स पोमलस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए छट्टाणवडिए, ओगा-
 हणट्ठयाए चउट्टाणवडिए, ठिईए तुल्ले, वण्णाइअट्टफासपज्जवेहि य छट्टाणवडिए ।
 एवं उक्कोसटिइए वि । अजहणमणुक्कोसटिइए वि एवं चेव, णवरं ठिईए वि चउ-
 ट्टाणवडिए ॥ २७८ ॥ जहण्णगुणकालयाणं भंते ! पोमल्लाणं केवइया पज्जवा पणत्ता ?
 गोयमा ! अणंता० । से केणट्ठेणं० ? गोयमा ! जहण्णगुणकालए पोमले जहण्ण-
 गुणकालयस्स पोमलस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए छट्टाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए
 चउट्टाणवडिए, ठिईए चउट्टाणवडिए, कालवण्णपज्जवेहि तुल्ले, अवसेसेहि वण्ण-
 गंधरसफासपज्जवेहि य छट्टाणवडिए, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ—‘जहण्णगुण-
 कालयाणं पोमल्लाणं अणंता पज्जवा पणत्ता’ । एवं उक्कोसगुणकालए वि ! अजहण-
 मणुक्कोसगुणकालए वि एवं चेव, णवरं सट्ठाणे छट्टाणवडिए । एवं जहा कालवण्ण-
 पज्जवाणं वत्तव्वया भणिया तहा सेसाण वि वण्णगंधरसफासाणं वत्तव्वया भाणियव्वा
 जाव अजहणमणुक्कोसलुक्खे सट्ठाणे छट्टाणवडिए । सेत्तं रुविअजीवपज्जवा । सेत्तं
 अजीवपज्जवा ॥ २७९ ॥ पण्णवणाए भगवईए पंचमं विसेसपयं समत्तं ।

छट्ठं वक्कन्तीपयं

वारस च उवीसाइं सअंतरं एगसमयं कत्तो य । उव्वट्ठण परमवियाउयं च अट्ठेव
 आगरिमा ॥१॥ गिरियगई णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उववाएणं पण्णत्ता ?
 गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं वारस मुहुत्ता । तिरियगई णं भंते ! केवइयं
 कालं विरहिया उववाएणं पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं वारस
 मुहुत्ता । मणुयगई णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उववाएणं पण्णत्ता ? गोयमा !
 जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं वारस मुहुत्ता । देवगई णं भंते ! केवइयं कालं
 विरहिया उववाएणं पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं वारस मुहुत्ता ।
 सिद्धिगई णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया सिज्झणाए पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं
 एगं समयं, उक्कोसेणं छम्मासा ॥२८०॥ गिरियगई णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया
 उव्वट्ठणाए पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं वारस मुहुत्ता ।
 तिरियगई णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उव्वट्ठणाए पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं
 एगं समयं, उक्कोसेणं वारस मुहुत्ता । मणुयगई णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया
 उव्वट्ठणाए पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं वारस मुहुत्ता । देवगई
 णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उव्वट्ठणाए पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं,
 उक्कोसेणं वारस मुहुत्ता ॥१ दारं ॥२८१॥ रयणप्पभापुदविणेरइया णं भंते ! केवइयं
 कालं विरहिया उववाएणं पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं चउ-
 व्वीसं मुहुत्ता । सक्करप्पभापुदविणेरइया णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उववाएणं
 पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं सत्तराइंदियाणि । वालुयप्पभा-
 पुदविणेरइया णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उववाएणं पण्णत्ता ? गोयमा !
 जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं अद्धमासं । पंकप्पभापुदविणेरइया णं भंते ! केवइयं
 कालं विरहिया उववाएणं पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं मासं ।
 भूमप्पभापुदविणेरइया णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उववाएणं पण्णत्ता ? गोयमा !
 जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं दो मासा । तमापुदविणेरइया णं भंते ! केवइयं कालं
 विरहिया उववाएणं पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं चत्तारि मासा ।
 अहेसत्तमापुदविणेरइया णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उववाएणं पण्णत्ता ? गोयमा !
 जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं छम्मासा ॥२८२॥ असुरकुमारा णं भंते ! केवइयं कालं
 विरहिया उववाएणं पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं चउव्वीसं

मुहुत्ता । णागकुमारा णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उववाएणं पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं चउव्वीसं मुहुत्ता । एवं सुवण्णकुमाराणं विज्जुकुमाराणं अगिगकुमाराणं दीवकुमाराणं दिसिकुमाराणं उदहिकुमाराणं वाउकुमाराणं थणिय-कुमाराणं य पत्तयं जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं चउव्वीसं मुहुत्ता ॥२८३॥ पुदवि-काइया णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उववाएणं पणत्ता ? गोयमा ! अणुसमय-मविरहियं उववाएणं पणत्ता । एवं आउकाइयाणं वि तेउकाइयाणं वि वाउकाइयाणं वि वणस्सइकाइयाणं वि अणुसमयं अविरहिया उववाएणं पणत्ता ॥२८४॥ वेइदिया णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उववाएणं पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्ता । एवं तेइदियचउरिदिया ॥२८५॥ संमुच्छिमपंचिदियतिरिक्ख-जोणिया णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उववाएणं पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्ता । गम्भवक्कंतियपंचिदियतिरिक्खजोणिया णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उववाएणं पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं वारस मुहुत्ता ॥२८६॥ संमुच्छिममणुस्सा णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उववाएणं पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं चउव्वीसं मुहुत्ता । गम्भवक्कंतिय-मणुस्सा णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उववाएणं पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं वारस मुहुत्ता ॥२८७॥ वाणमंतराणं पुच्छा । गोयमा ! जह-ण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं चउव्वीसं मुहुत्ता । जोइसियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं चउव्वीसं मुहुत्ता । सोहग्गे कप्पे देवा णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उववाएणं पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं चउव्वीसं मुहुत्ता । ईसाणं कप्पे देवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं चउव्वीसं मुहुत्ता । सणकुमारे कप्पे देवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं णव राइदियाइं वीसाइं मुहुत्ताइं । माहिदे कप्पे देवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं वारस राइदियाइं दस मुहुत्ताइं । वंभलोए देवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं अद्धतेवीसं राइदियाइं । लंतगदेवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं पणयालीसं राइदियाइं । महामुक्कदेवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं असीइं राइदियाइं । महम्मारे देवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं राइदियसयं । आणयदेवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं संखेज्जा मासा ।

राभयदेवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं संखेज्जा मासा ।
 आरणदेवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं संखेज्जा वासा ।
 अच्चुयदेवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं संखेज्जा वासा ।
 हिट्ठिमगेविज्जाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं वास-
 सयाइं । मज्झिमगेविज्जाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं संखि-
 ज्जाइं वाससहस्साइं । उवरिमगेविज्जाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं,
 उक्कोसेणं संखिज्जाइं वाससयसहस्साइं । विजयवेज्जयंतजयंतअपराजियदेवाणं पुच्छा ।
 गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं । सव्वट्ठसिद्धगदेवा णं भंते !
 केवइयं कालं विरहिया उक्वाएणं पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं
 पल्लिओवमस्स संखिज्जइभागं ॥२८८॥ सिद्धा णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया
 सिद्धाए पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं छम्मासा ॥२८९॥
 रयणप्पभापुदविणेरइया णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उव्वट्ठणाए पणत्ता ?
 गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं चउर्व्वसं सुहुत्ता । एवं सिद्धवज्जा उव्वट्ठणा
 वि भाणियज्जा जाव अणुत्तरोववाइयत्ति, णवरं जोइसियवेमाणिएसु 'चयणं'ति
 अहिल्लोवो कायव्वो ॥२ दारं ॥२९०॥ णेरइया णं भंते ! किं संतरं उव्वज्जंति,
 गिरंतरं उव्वज्जंति ? गोयमा ! संतरं पि उव्वज्जंति, गिरंतरं पि उव्वज्जंति । तिरि-
 क्खज्जोणिया णं भंते ! किं संतरं उव्वज्जंति, गिरंतरं उव्वज्जंति ? गोयमा ! संतरं पि
 उव्वज्जंति, गिरंतरं पि उव्वज्जंति । मणुस्सा णं भंते ! किं संतरं उव्वज्जंति, गिरंतरं
 उव्वज्जंति ? गोयमा ! संतरं पि उव्वज्जंति, गिरंतरं पि उव्वज्जंति । देवा णं भंते !
 किं संतरं उव्वज्जंति, गिरंतरं उव्वज्जंति ? गोयमा ! संतरं पि उव्वज्जंति, गिरंतरं पि
 उव्वज्जंति ॥२९१॥ रयणप्पभापुदविणेरइया णं भंते ! किं संतरं उव्वज्जंति, गिरंतरं
 उव्वज्जंति ? गोयमा ! संतरं पि उव्वज्जंति, गिरंतरं पि उव्वज्जंति । एवं जाव अहे-
 सत्तमाए संतरं पि उव्वज्जंति, गिरंतरं पि उव्वज्जंति ॥२९२॥ असुरकुमारा णं देवा
 णं भंते ! किं संतरं उव्वज्जंति, गिरंतरं उव्वज्जंति ? गोयमा ! संतरं पि उव्वज्जंति,
 गिरंतरं पि उव्वज्जंति । एवं जाव थणियकुमारा संतरं पि उव्वज्जंति, गिरंतरं पि
 उव्वज्जंति ॥२९३॥ पुदविकाइया णं भंते ! किं संतरं उव्वज्जंति, गिरंतरं उव-
 वज्जंति ? गोयमा ! णो संतरं उव्वज्जंति, गिरंतरं उव्वज्जंति । एवं जाव वणस्सइ-
 काइया णो संतरं उव्वज्जंति, गिरंतरं उव्वज्जंति । बेइदिया णं भंते ! किं संतरं उव-

वज्जति, गिरंतरं उववज्जति ? गोयमा ! संतरं पि उववज्जति, गिरंतरं पि उववज्जति । एवं जाव पंचिदियतिरिक्खजोणिया ॥२९४॥ मणुस्सा णं भंते ! किं संतरं उव-
 वज्जति, गिरंतरं उववज्जति ? गोयमा ! संतरं पि उववज्जति, गिरंतरं पि उववज्जति ।
 एवं बाणमंतरा जोइसिया सोहम्मीसाणसणकुमारमाहिंदबंभलोयलंतगमहासुक्कसहस्सार-
 आणयपाणयआरणच्चुयहिट्ठिमगेविज्जममज्झिमगेविज्जगउयारिमगेविज्जग-विज्जयवेज-
 यंतजयंतअपराजियसव्वट्ठसिद्धदेवा य संतरं पि उववज्जति गिरंतरं पि उववज्जति
 ॥२९५॥ सिद्धा णं भंते ! किं संतरं सिज्जति, गिरंतरं सिज्जति ? गोयमा ! संतरं
 पि सिज्जति, गिरंतरं पि सिज्जति ॥२९६॥ गेरइया णं भंते ! किं संतरं उव्वट्ठति,
 गिरंतरं उव्वट्ठति ? गोयमा ! संतरं पि उव्वट्ठति, गिरंतरं पि उव्वट्ठति । एवं
 जहा उववाओ भणियो तहा उव्वट्ठणा वि सिद्धवज्जा भाणियव्वा जाव वेमाणिया,
 णवरं जोइसियवेमाणिएसु 'चयणं'ति अहिल्लावा कायव्वो ॥ ३ दारं ॥ २९७ ॥
 गेरइया णं भंते ! एससमएणं केवइया उववज्जति ? गोयमा ! जहण्णेणं एको वा दो
 वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जति, एवं जाव अहेमस-
 माए ॥ २९८ ॥ असुरकुमारा णं भंते ! एससमएणं केवइया उववज्जति ? गोयमा !
 जहण्णेणं एको वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा । एवं
 णागकुमारा जाव थणियकुमारा वि भाणियव्वा ॥ २९९ ॥ पुट्टिकाइया णं भंते !
 एससमएणं केवइया उववज्जति ? गोयमा ! अणुसमयं अविरहियं असंखेज्जा उव-
 वज्जति, एवं जाव वाउकाइया । वणस्सइकाइया णं भंते ! एससमएणं केवइया उव-
 वज्जति ? गोयमा ! सट्ठाणुववायं पडुच्च अणुसमयं अविरहिया अणंता उववज्जति,
 परट्ठाणुववायं पडुच्च अणुसमयं अविरहिया असंखेज्जा उववज्जति । वेइंदिया णं भंते !
 एससमएणं केवइया उववज्जति ? गोयमा ! जहण्णेणं एगो वा दो वा तिण्णि वा,
 उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा । एवं तेइंदिया चउगिंदिया । संमुच्छिमपंचि-
 दिय तिरिक्खजोणिया गम्भवककतियपंचिदियतिरिक्खजोणिया संमुच्छिममणुस्सा
 बाणमंतर-जोइसिय-सोहम्मीसाणसणकुमारमाहिंदबंभलोयलंतगमहासुक्कसहस्सारव-
 देवा एए जहा गेरइया । गम्भवककतियमणूसआणयपाणयआरणच्चुयरोवेज्जगअणुसरो-
 ववाइया य एए जहण्णेणं एको वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जति,
 ण असंखेज्जा उववज्जति ॥३००॥ सिद्धा णं भंते ! एससमएणं केवइया सिज्जति ?
 गोयमा ! जहण्णेणं एको वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं अट्ठसयं ॥३०१॥ गेरइया

णं भंते ! एगसमएणं केवइया उव्वट्ठंति ? गोयमा ! जहण्णेणं एको वा दो वा तिणिण
वा, उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उव्वट्ठंति, एवं जहा उववाओ भणिओ तद्वा
उव्वट्ठंति किं मिद्धवजा भाणियव्वा जाव अणुत्तराववाइया, णवरं जोइसियवेमाणियाणं
चयणेणं अहिलावो कायवो ॥ ४ दारं ॥ ३०२ ॥ णेरइया णं भंते ! कओहिंतो
उववज्जंति किं णेरइएहिंतो उववज्जंति, तिरिक्खज्जोणिएहिंतो उववज्जंति, मणुस्से-
हिंतो उववज्जंति, देवहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! णो णेरइएहिंतो उववज्जंति, तिरि-
क्खज्जोणिएहिंतो उववज्जंति, मणुस्सेहिंतो उववज्जंति, णो देवहिंतो उववज्जंति । जइ
तिरिक्खज्जोणिएहिंतो उववज्जंति किं एगिंदियतिरिक्खज्जोणिएहिंतो उववज्जंति, बेइंदिय-
तिरिक्खज्जोणिएहिंतो उववज्जंति, तेइंदियतिरिक्खज्जोणिएहिंतो उववज्जंति, चउरिंदिय-
तिरिक्खज्जोणिएहिंतो उववज्जंति पंचिंदियतिरिक्खज्जोणिएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा !
णो एगिंदिय०, णो बेइंदिय०, णो तेइंदिय०, णो चउरिंदियतिरिक्खज्जोणिएहिंतो
उववज्जंति, पंचिंदियतिरिक्खज्जोणिएहिंतो उववज्जंति । जइ पंचिंदियतिरिक्खज्जोणिए-
हिंतो उववज्जंति किं जलयरपंचिंदियतिरिक्खज्जोणिएहिंतो उववज्जंति, थलयरपंचिंदिय-
तिरिक्खज्जोणिएहिंतो उववज्जंति, खहयरपंचिंदियतिरिक्खज्जोणिएहिंतो उववज्जंति ?
गोयमा ! जलयरपंचिंदियतिरिक्खज्जोणिएहिंतो उववज्जंति, थलयरपंचिंदियतिरिक्ख-
ज्जोणिएहिंतो उववज्जंति, खहयरपंचिंदियतिरिक्खज्जोणिएहिंतो उववज्जंति ॥ ३०३ ॥
जइ जलयरपंचिंदियतिरिक्खज्जोणिएहिंतो उववज्जंति किं संमुच्छिमजलयरपंचिंदिय-
तिरिक्खज्जोणिएहिंतो उववज्जंति, गम्भवक्कतियजलयरपंचिंदियतिरिक्खज्जोणिएहिंतो
उववज्जंति ? गोयमा ! संमुच्छिमजलयरपंचिंदियतिरिक्खज्जोणिएहिंतो उववज्जंति,
गम्भवक्कतियजलयरपंचिंदियतिरिक्खज्जोणिएहिंतो उववज्जंति । जइ संमुच्छिमजल-
यरपंचिंदियतिरिक्खज्जोणिएहिंतो उववज्जंति किं पजत्तयसंमुच्छिमजलयरपंचिंदिय-
तिरिक्खज्जोणिएहिंतो उववज्जंति, अपजत्तयसंमुच्छिमजलयरपंचिंदियतिरिक्खज्जोणि-
एहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! पजत्तयसंमुच्छिमजलयरपंचिंदियतिरिक्खज्जोणिएहिंतो
उववज्जंति, णो अपजत्तयसंमुच्छिमजलयरपंचिंदियतिरिक्खज्जोणिएहिंतो उववज्जंति ।
जइ गम्भवक्कतियजलयरपंचिंदियतिरिक्खज्जोणिएहिंतो उववज्जंति किं पजत्तयगम्भ-
वक्कतियजलयरपंचिंदियतिरिक्खज्जोणिएहिंतो उववज्जंति, अपजत्तयगम्भवक्कतियजल-
यरपंचिंदियतिरिक्खज्जोणिएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! पजत्तयगम्भवक्कतियजलयर-
पंचिंदियतिरिक्खज्जोणिएहिंतो उववज्जंति, णो अपजत्तयगम्भवक्कतियजलयरपंचिंदिय-

भूमिगगम्भवक्कतियमणुस्सेहितो उववज्जति, अकम्मभूमिगगम्भवक्कतियमणुस्सेहितो उववज्जति, अंतरदीवगगम्भवक्कतियमणुस्सेहितो उववज्जति ? गोयमा ! कम्मभूमिगगम्भवक्कतियमणुस्सेहितो उववज्जति, णो अकम्मभूमिगगम्भवक्कतियमणुस्सेहितो उववज्जति, णो अंतरदीवगगम्भवक्कतियमणुस्सेहितो उववज्जति ! जइ कम्मभूमिगगम्भवक्कतियमणुस्सेहितो उववज्जति किं संखेज्जवासाउएहितो उववज्जति, असंखेज्जवासाउएहितो उववज्जति ? गोयमा ! संखेज्जवासाउयकम्मभूमिगगम्भवक्कतियमणुस्सेहितो उववज्जति, णो असंखेज्जवासाउयकम्मभूमिगगम्भवक्कतियमणुस्सेहितो उववज्जति । जइ संखेज्जवासाउयकम्मभूमिगगम्भवक्कतियमणुस्सेहितो उववज्जति किं पज्जत्तेहितो उववज्जति, अपज्जत्तेहितो उववज्जति ? गोयमा ! पज्जत्तेहितो उववज्जति, णो अपज्जत्तेहितो उववज्जति । एवं जहा ओहिया उववाइया तहा रयण-
 पभापुदविणेइया वि उववाएयव्वा ॥ ३०७ ॥ सक्करप्पभापुदविणेइयाणं पुच्छा । गोयमा ! एए वि जहा ओहिया तहेवोववाएयव्वा, णवरं संमुच्छिमेहितो पडिसेहो कायव्वो । वालुयप्पभापुदविणेइया णं भंते ! कओहितो उववज्जति० ! गोयमा ! जहा सक्करप्पभापुदविणेइया, णवरं भुयपरिस्पेहितो पडिसेहो कायव्वो । पंकप्पभापुदविणेइयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहा वालुयप्पभापुदविणेइया, णवरं खहयरेहितो वि पडिसेहो कायव्वो । धूमप्पभापुदविणेइयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहा पंकप्पभापुदविणेइया, णवरं चउप्पएहितो वि पडिसेहो कायव्वो । तमापुदविणेइया णं भंते ! कओहितो उववज्जति० ! गोयमा ! जहा धूमप्पभापुदविणेइया, णवरं थलयरेहितो वि पडिसेहो कायव्वो । इमेणं अभिलावेणं जइ पंचिदियतिरिक्ख-
 जोणिएहितो उववज्जति, किं जलयरपंचिदिएहितो उववज्जति, थलयरपंचिदिए-
 हितो उववज्जति, खहयरपंचिदिएहितो उववज्जति ! गोयमा ! जलयरपंचिदिएहितो उववज्जति, थलयरेहितो०, णो खहयरहितो उववज्जति ॥ ३०८ ॥ जइ मणुस्सेहितो उववज्जति किं कम्मभूमिएहितो उववज्जति, अकम्मभूमिएहितो उववज्जति, अंतरदीवएहितो उववज्जति ? गोयमा ! कम्मभूमिएहितो उववज्जति, णो अकम्मभूमिएहितो उववज्जति, णो अंतरदीवएहितो उववज्जति । जइ कम्मभूमिएहितो उववज्जति किं संखेज्जवासाउएहितो उववज्जति, असंखेज्जवासाउएहितो उववज्जति ? गोयमा ! संखेज्जवासाउएहितो उववज्जति, णो असंखेज्जवासाउएहितो उववज्जति । जइ संखेज्जवासाउएहितो उववज्जति किं पज्जत्तेहितो उववज्जति, अपज्जत्तेहितो

उववज्जति ? गोयमा ! पज्जत्तएहिंतो उववज्जति, णो अपज्जत्तएहिंतो उववज्जति । जइ पज्जत्तयसंखेज्जासाउयकम्मभूमिएहिंतो उववज्जति किं इत्थीहिंतो उववज्जति, पुरिसेहिंतो उववज्जति, णपुंसएहिंतो उववज्जति ? गोयमा ! इत्थीहिंतो उववज्जति, पुरिसेहिंतो उववज्जति, णपुंसएहिंतो वि उववज्जति । अहेसत्तमापुदविणेरइया ण भंते ! कओहिंतो उववज्जति • ? गोयमा ! एवं चेव, णवरं इत्थीहिंतो पडिसेहो कायव्वो । “अस्सणी खल्ल पदमं दोच्चं पि सिरीसया तइय पदखा । सीहा जंति चउत्थि उरगा पुण पंचमिं पुदविं । छट्ठिं च इत्थियाओ मच्छा मणुया य सत्तमिं पुदविं । एसो परमोवाओ बोद्धव्वो णरगपुदवीणं” ॥३०९॥ असुरकुमारा ण भंते ! कओहिंतो उववज्जति • ? गोयमा ! णो णेरइएहिंतो उववज्जति, तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जति, मणुस्सेहिंतो उववज्जति, णो देवेहिंतो उववज्जति । एवं जेहिंतां णेरइयाणं उववाओ तेहिंतो असुरकुमाराण वि भाणियव्वो, णवरं असंखेज्जासाउय-अकम्मभूमगअंतरदीवगमणुस्सतिरिक्खजोणिएहिंतो वि उववज्जति, सेसं तं चेव । एवं जाव थणियकुमारा भाणियव्वा ॥ ३१० ॥ पुदविकाइया ण भंते ! कओहिंतो उववज्जति किं णेरइएहिंतो उ० जाव देवेहिंतो उववज्जति ? गोयमा ! णो णेरइएहिंतो उववज्जति, तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जति मणुस्सेहिंतो उववज्जति, देवेहिंतो वि उववज्जति । जइ तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जति किं एगिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जति जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जति ? गोयमा ! एगिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो वि उ० जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो वि उववज्जति । जइ एगिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जति किं पुदविकाइएहिंतो उ० जाव वणस्सइकाइएहिंतो उववज्जति ? गोयमा ! पुदविकाइएहिंतो वि उ० जाव वणस्सइकाइएहिंतो वि उववज्जति । जइ पुदविकाइएहिंतो उववज्जति किं सुहुमपुदविकाइएहिंतो उववज्जति, वायरपुदविकाइएहिंतो उववज्जति ? गोयमा ! दोहिंतो वि उववज्जति । जइ सुहुमपुदविकाइएहिंतो उववज्जति किं पज्जत्तसुहुमपुदविकाइएहिंतो उववज्जति, अपज्जत्तसुहुमपुदविकाइएहिंतो उववज्जति ? गोयमा ! दोहिंतो वि उववज्जति । जइ वायरपुदविकाइएहिंतो उववज्जति किं पज्जत्तएहिंतो उववज्जति, अपज्जत्तएहिंतो उववज्जति ? गोयमा ! दोहिंतो वि उववज्जति, एवं जाव वणस्सइकाइया चउक्कएणं भेएणं उववाएयव्वा ॥ ३११ ॥ जइ बेइंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जति किं पज्जत्तबेइंदिएहिंतो उववज्जति, अपज्जत्तबेइं-

दिहंहितो उववज्जंति ? गोयमा ! दोहंहितो वि उववज्जंति । एवं तेइदियच्चउरिदिह-
 हितो वि उववज्जंति । जइ पंचिन्दियतिरिक्खजोणिहंहितो उववज्जंति किं जलयर-
 पंचिन्दियतिरिक्खजोणिहंहितो उववज्जंति, एवं जेहंहितो णेरइयाणं उववाओ भणिओ
 तेहंहितो एएसिं पि भाणियव्वो, णवरं पजत्तगअपज्जसगेहंहितो वि उववज्जंति, सेसं
 तं चेव ॥ ३१२ ॥ जइ मणुस्सेहंहितो उववज्जंति किं संमुच्छिममणुस्सेहंहितो उव-
 ज्जंति, गम्भवक्कंतियमणुस्सेहंहितो उववज्जंति ? गोयमा ! दोहंहितो वि उववज्जंति ।
 जइ गम्भवक्कंतियमणुस्सेहंहितो उववज्जंति किं कम्मभूमगगम्भवक्कंतियमणुस्सेहंहितो
 उववज्जंति, अकम्मभूमगगम्भवक्कंतियमणुस्सेहंहितो उववज्जंति ? सेसं जहा णेरइ-
 याणं णवरं अपजत्तएहंहितो वि उववज्जंति ॥ ३१३ ॥ जइ देवेहंहितो उववज्जंति
 किं भवणवासि० वागमंतर० जोइस० वेमाणिएहंहितो उववज्जंति ? गोयमा !
 भवणवासिदेवेहंहितो वि उववज्जंति जाव वेमाणियदेवेहंहितो वि उववज्जंति । जइ
 भवणवासिदेवेहंहितो उववज्जंति किं असुरकुमारदेवेहंहितो उ० जाव थणियकुमारदेवे-
 हंहितो उववज्जंति ? गोयमा ! असुरकुमारदेवेहंहितो वि उववज्जंति जाव थणियकुमार-
 देवेहंहितो वि उववज्जंति । जइ वाणमंतरदेवेहंहितो उववज्जंति किं पिसाएहंहितो उ०
 जाव गंधवेहंहितो उववज्जंति ? गोयमा ! पिसाएहंहितो वि उ० जाव गंधवेहंहितो
 वि उववज्जंति । जइ जोइसियदेवेहंहितो उववज्जंति किं चंदविमाणेहंहितो उववज्जंति
 जाव ताराविमाणेहंहितो उववज्जंति ? गोयमा ! चंदविमाणजोइसियदेवेहंहितो वि
 उ० जाव ताराविमाणजोइसियदेवेहंहितो वि उववज्जंति । जइ वेमाणियदेवेहंहितो
 उववज्जंति किं कप्पोवगवेमाणियदेवेहंहितो उववज्जंति, कप्पातीतवेमाणियदेवेहंहितो
 उववज्जंति ? गोयमा ! कप्पोवगवेमाणियदेवेहंहितो उववज्जंति, णो कप्पातीतवेमाणिय-
 देवेहंहितो उववज्जंति । जइ कप्पोवगवेमाणियदेवेहंहितो उववज्जंति किं सोहम्मेहंहितो
 उ० जाव अच्चुएहंहितो उववज्जंति ? गोयमा ! सोहम्मीसाणेहंहितो उववज्जंति, णो
 सणकुमार जाव अच्चुएहंहितो उववज्जंति । एवं आउकाइया वि । एवं तेउवाउकाइया
 वि, णवरं देवज्जेहंहितो उववज्जंति । वणस्सइकाइया जहा पुढविकाइया । बेइदिया
 तेइदिया चउरिदिया एए जहा तेउवाऊ देवज्जेहंहितो भाणियव्वा ॥ ३१४ ॥ पंचि-
 दियतिरिक्खजोणिया णं भंते ! कओहंहितो उववज्जंति किं णेरइहंहितो उववज्जंति
 जाव देवेहंहितो उववज्जंति ? गोयमा ! णेरइहंहितो वि०, तिरिक्खजोणिहंहितो वि०,
 मणुस्सेहंहितो वि०, देवेहंहितो वि उववज्जंति । जइ णेरइहंहितो उववज्जंति किं रयण-

भ्यापुदविणेरइएहिंतो उ० जाव अहेसत्तमापुदविणेरइएहिंतो उववज्जति ! गोयमा !
 रयणप्यभापुदविणेरइएहिंतो वि उववज्जति जाव अहेसत्तमापुदविणेरइएहिंतो वि उव-
 वज्जति । जइ तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जति किं एगिंदिएहिंतो उववज्जति जाव
 पंचिंदिएहिंतो उववज्जति ! गोयमा ! एगिंदिएहिंतो वि उववज्जति जाव पंचिंदिए-
 हिंतो वि उववज्जति । जइ एगिंदिएहिंतो उववज्जति किं पुदविकाइएहिंतो उववज्जति-
 एवं जहा पुदविकाइयाणं उववाओ भणिओ तहेव एएसिं पि भाणियव्वो, णवरं
 देवेहिंतो जाव सहस्सारकप्पोबगवेमाणियदेवेहिंतो वि उववज्जति, णो आणयकप्पो-
 वगवेमाणियदेवेहिंतो जाव अञ्जुएहिंतो उववज्जति ॥ ३२५ ॥ मणुस्सा णं भंते !
 कओहिंतो उववज्जति किं णेरइएहिंतो उववज्जति जाव देवेहिंतो उववज्जति !
 गोयमा ! णेरइएहिंतो वि उववज्जति जाव देवेहिंतो वि उववज्जति । जइ णेरइए-
 हिंतो उववज्जति किं रयणप्यभापुदविणेरइएहिंतो उववज्जति, सक्करप्यभापुदविणेर-
 इएहिंतो उववज्जति, वालुयप्पभापुदविणेरइएहिंतो०, पंकप्पभा० णेरइएहिंतो०,
 यूमप्पभा० णेरइएहिंतो०, तमप्पभा० णेरइएहिंतो०, अहेसत्तमापुदविणेरइएहिंतो
 उववज्जति ! गोयमा ! रयणप्यभापुदविणेरइएहिंतो वि उ० जाव तमापुदविणेर-
 इएहिंतो वि उववज्जति, णो अहेसत्तमापुदविणेरइएहिंतो उववज्जति । जइ
 तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जति किं एगिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जति-
 एवं जेहिंतो पंचिन्दि यतिरिक्खजोणियाणं उववाओ भणिओ तेहिंतो मणुस्साण वि
 णिरवसेसो भाणियव्वो, णवरं अहेसत्तमापुदविणेरइएहिंतो तेउवाउकाइएहिंतो ण
 उववज्जति । सव्वदेवेहिंतो य उववाओ कायव्वो जाव कप्पात्तीतवेमाणियसव्वद्व-
 सिद्धदेवेहिंतो वि उववजावेयव्वा ॥ ३१६ ॥ वाणमंतरदेवा णं भंते ! कओहिंतो
 उववज्जति किं णेरइएहिंतो०, तिरिक्खजोणिएहिंतो०, मणुस्सेहिंतो०, देवेहिंतो
 उववज्जति ! गोयमा ! जेहिंतो असुरकुमारा उववज्जन्ति तेहिंतो वाणमंतरा उव-
 वजावेयव्वा ॥ ३१७ ॥ जोइसिया देवा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जन्ति० ! गोयमा !
 एवं चेव, णवरं समुच्छिमअसंखेज्जवासाउयखहयरपंचिन्दि यतिरिक्खजोणियवजेहिंतो
 अंतरदीवमणुस्सवजेहिंतो उववजावेयव्वा ॥ ३१८ ॥ वेमाणिया णं भंते ! कओहिंतो
 उववज्जति किं णेरइएहिंतो०, तिरिक्खजोणिएहिंतो०, मणुस्सेहिंतो०, देवेहिंतो
 उववज्जति ! गोयमा ! णो णेरइएहिंतो उववज्जन्ति, पंचिन्दि यतिरिक्खजोणिएहिंतो
 उववज्जति, मणुस्सेहिंतो उववज्जति, णो देवेहिंतो उववज्जति । एवं सोहम्मी-

साणगदेवा वि भाणियत्वा । एवं सणकुमारदेवा वि भाणियत्वा, णवरं असंखेज्ज-
 वासाउयअकम्मभूमगवज्जेहिन्तो उववज्जंति । एवं जाव सहस्साकप्पोवगवेमाणिय-
 देवा भाणियन्ता । आणयदेवा णं भंते ! कओहिन्तो उववज्जंति किं णेरइएहिन्तो०,
 पचिन्दिचतिरिक्खजोणिएहिन्तो०, मणुस्सेहिन्तो०, देवेहिन्तो उववज्जंति ? गोयमा !
 णो णेरइएहिन्तो उववज्जंति, णो तिरिक्खजोणिएहिन्तो उववज्जंति, मणुस्सेहिन्तो
 उववज्जंति, णो देवेहिन्तो उववज्जंति । जइ मणुस्सेहिन्तो उववज्जंति किं संम-
 च्छिममणुस्सेहिन्तो०, गम्भवक्कतियमणुस्सेहिन्तो उववज्जंति ? गोयमा ! गम्भवक्क-
 तियमणुस्सेहिन्तो०, णो संमच्छिममणुस्सेहिन्तो उववज्जंति । जइ गम्भवक्कतिय-
 मणुस्सेहिन्तो उववज्जंति किं कम्मभूमिगेहिन्तो० अकम्मभूमिगेहिन्तो०, अंतरदीवगे-
 हिन्तो उववज्जंति ? गोयमा ! णो अकम्मभूमिगेहिन्तो०, णो अंतरदीवगेहिन्तां
 उववज्जंति, कम्मभूमिगगम्भवक्कतियमणुस्सेहिन्तो उववज्जंति । जइ कम्मभूमगगम्-
 भक्कतियमणुस्सेहिन्तो उववज्जंति किं संखेज्जवासाउएहिन्तो०, असंखेज्जवासाउएहिन्तो
 उववज्जंति ? गोयमा ! संखेज्जवासाउएहिन्तो०, णो असंखेज्जवासाउएहिन्तो उववज्जंति ।
 जइ संखेज्जवासाउयकम्मभूमगगम्भवक्कतियमणुस्सेहिन्तो उववज्जंति किं पजत्तएहिन्तो
 उववज्जंति, अपजत्तएहिन्तो उववज्जंति ? गोयमा ! पजत्तएहिन्तो उववज्जंति, णो
 अपजत्तएहिन्तो उववज्जंति । जइ पजत्तसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगम्भवक्कतिय-
 मणुस्सेहिन्तो उववज्जंति किं सम्महिट्ठीपजत्तगसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगेहिन्तो उव-
 वज्जंति, मिच्छहिट्ठीपजत्तगेहिन्तो उववज्जंति, सम्मामिच्छहिट्ठिपजत्तगेहिन्तो उव-
 वज्जंति ? गोयमा ! सम्महिट्ठीपजत्तगसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगम्भवक्कतियमणुस्से-
 हिन्तो उववज्जंति, मिच्छहिट्ठीपजत्तगेहिन्तो उववज्जंति, णो सम्मामिच्छहिट्ठिपज-
 त्तएहिन्तो उववज्जंति । जइ सम्महिट्ठीपजत्तगसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगम्भवक्कतिय-
 मणुस्सेहिन्तो उववज्जंति किं संजयसम्महिट्ठीहिन्तो०, असंजयसम्महिट्ठीपजत्तएहिन्तो०,
 संजयासंजयसम्महिट्ठीपजत्तसंखेज्जवासाउएहिन्तो उववज्जंति ? गोयमा ! तं हिन्तो वि
 उववज्जंति । एवं जाव अच्चुओ कप्पो । एवं चेव गेविज्जगदेवा वि, णवरं असंजय-
 संजयासंजया एए पडिसेहेयत्वा । एवं जहेव गेविज्जगदेवा तहेव अणुत्तरोववाइया
 वि, णवरं इमं णाणत्तं संजया चेव । जइ सम्महिट्ठीसंजयपजत्तसंखेज्जवासाउयकम्म-
 भूमगगम्भवक्कतियमणुस्सेहिन्तो उववज्जंति किं पमत्तसंजयसम्महिट्ठीपजत्तएहिन्तो०,
 अपमत्तसंजयसम्महिट्ठीपजत्तएहिन्तो उववज्जंति ? गोयमा ! अपमत्तसंजयपजत्तए-

हिन्तो उववज्जति, णो पमत्तसंजयपज्जत्तएहिन्तो उववज्जति । जइ अपमत्तसंजएहिन्तो उववज्जति किं इड्ढिपत्तअपमत्तसंजएहिन्तो०, अणिइड्ढिपत्तअपमत्तसंजएहिन्तो० ! गोयमा ! दोहिन्तो वि उववज्जति ॥५ दारं ॥३१९॥ णेरइया णं भंते ! अणंतरं उव्वट्ठित्ता कहिं गच्छति, कहिं उववज्जति ? किं णेरइएसु उववज्जति, तिरिक्खजोणिएसु उववज्जति, मणुस्सेसु उववज्जति, देवेषु उववज्जति ? गोयमा ! णो णेरइएसु उववज्जति, तिरिक्खजोणिएसु उववज्जति, मणुस्सेसु उववज्जति, णो देवेषु उववज्जति । जइ तिरिक्खजोणिएसु उववज्जति किं एगिंदिएसु उववज्जति जाव पंचिन्दियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जति ? गोयमा ! णो एगिंदिएसु उ० जाव णो चउरिंदिएसु उववज्जति, एवं जेहिन्तो उववाओ भणियो तेसु उव्वट्ठणा वि भाणियव्वा, णवरं समुच्छिमेसु ण उववज्जति । एवं सव्वपुट्ठासु भाणियव्वं, णवरं अहे-
सत्तमाओ मणुस्सेसु ण उववज्जति ॥ ३२० ॥ असुरकुमारा णं भंते ! अणंतरं उव्वट्ठित्ता कहिं गच्छति, कहिं उववज्जति ? किं णेरइएसु उ० जाव देवेषु उव-
वज्जति ? गोयमा ! णो णेरइएसु उववज्जति, तिरिक्खजोणिएसु उववज्जति, मणुस्सेसु उववज्जति, णो देवेषु उववज्जति । जइ तिरिक्खजोणिएसु उववज्जति, किं एगिंदिएसु उववज्जति जाव पंचिन्दियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जति ? गोयमा ! एगिन्दियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जति, णो बेइंदिएसु उ० जाव णो चउरिंदिएसु उववज्जति, पंचिन्दियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जति । जइ एगिंदिएसु उववज्जति किं पुट्ठविकाइयएगिंदिएसु उ० जाव वणस्सइकाइयएगिंदिएसु उववज्जति ? गोयमा ! पुट्ठविकाइयएगिंदिएसु वि०, आउकाइयएगिंदिएसु वि उववज्जति, णो तेउकाइएसु०, णो वाउकाइएसु उववज्जति, वणस्सइकाइएसु उववज्जति । जइ पुट्ठविकाइएसु उववज्जति किं सुहुमपुट्ठविकाइएसु उववज्जति, बायरपुट्ठविकाइएसु उववज्जति ? गोयमा ! बायरपुट्ठविकाइएसु उववज्जति, णो सुहुमपुट्ठविकाइएसु उववज्जति । जइ बायरपुट्ठविकाइएसु उववज्जति किं पज्जत्तगवायरपुट्ठविकाइएसु उववज्जति, अपज्जत्तगवायरपुट्ठविकाइएसु उववज्जति ? गोयमा ! पज्जत्तएसु उववज्जति णो अपज्जत्तएसु उववज्जति । एवं आउवणस्सइसु वि भाणियव्वं । पंचिन्दियतिरिक्ख-
जोणियमणुस्सेसु य जहा णेरइयाणं उव्वट्ठणा समुच्छिमवजा तहा भाणियव्वा । एवं जाव धणियकुमारा ॥३२१॥ पुट्ठविकाइया णं भंते ! अणंतरं उव्वट्ठित्ता कहिं गच्छति, कहिं उववज्जति ? किं णेरइएसु उ० जाव देवेषु० ? गोयमा ! णो णेरइ-

एसु०, तिरिक्खजोणियमणूसेसु उववज्जंति, णो देवेसु उववज्जंति, एवं जहा एएस्सिं
 चेव उववाओ तहा उव्वट्ठणा वि देववजा भाणियव्वा । एवं आउवणस्सइवेइदिय-
 तेइदियचउरिन्दिया वि । एवं तेउ० वाउ०, णवरं मणुस्सवज्जेसु उववज्जंति । पंचि-
 दियतिरिक्खजोणिया णं भंते ! अणंतरं उव्वट्ठिता कहिं गच्छंति, कहिं उववज्जंति ?
 गोयमा ! णेरइएसु उ० जाय देवेसु उववज्जंति । जइ णेरइएसु उववज्जंति किं रयण-
 प्पभापुदविणेरइएसु उववज्जंति जाव अहेसत्तमापुदविणेरइएसु उववज्जंति ? गोयमा !
 रयणप्पभापुदविणेरइएसु उववज्जंति जाव अहेसत्तमापुदविणेरइएसु उववज्जंति ;
 जइ तिरिक्खजोणिएसु उववज्जंति किं एगिंदिएसु उ० जाव पंचिंदिएसु उववज्जंति ?
 गोयमा ! एगिंदिएसु उ० जाव पंचिंदिएसु उववज्जंति । एवं जहा एएस्सिं चेव
 उववाओ उव्वट्ठणा वि तहेव भाणियव्वा, णवरं असंखेज्जासाउएसु वि एए उव-
 वज्जंति । जइ मणुस्सेसु उववज्जंति किं संमुच्छिममणुस्सेसु उववज्जंति, गम्भवक्कं-
 तियमणूसेसु उववज्जंति ? गोयमा ! दोसु वि । एवं जहा उववाओ तहेव उव्वट्ठणा
 वि भाणियव्वा, णवरं अकम्मभूमगअंतरदीवगगम्भवक्कंतियमणूसेसु असंखेज्जासाउ-
 एसु वि एए उववज्जंतीति भाणियव्वं । जइ देवेसु उववज्जंति किं भवणवईसु
 उववज्जंति जाव किं वेमाणिएसु उववज्जंति ? गोयमा ! सव्वेसु चेव उववज्जंति । जइ
 भवणवईसु० किं असुरकुमारेसु उववज्जंति जाव थणियकुमारेसु उववज्जंति ?
 गोयमा ! सव्वेसु चेव उववज्जंति । एवं वाणमंतरजोइसियवेमाणिएसु णिरंतरं उव-
 वज्जंति जाव सहस्सारो कप्पोत्ति ॥३२२॥ मणुस्सा णं भंते ! अणंतरं उव्वट्ठिता
 कहिं गच्छंति, कहिं उववज्जंति ? किं णेरइएसु उववज्जंति जाव देवेसु उववज्जंति ?
 गोयमा ! णेरइएसु वि उववज्जंति जाव देवेसु वि उववज्जंति । एवं णिरंतरं सव्वेसु
 ठाणेसु पुच्छा । गोयमा ! सव्वेसु ठाणेसु उववज्जंति, ण कहिं च पडिसेहो कायव्वां
 जाव सव्वट्ठसिद्धदेवेसु वि उववज्जंति, अत्थेगइया सिज्झंति, बुज्झंति, मुच्चंति, परि-
 णिव्वायंति, सव्वदुक्खाणं अंतं करंति । वाणमंतरजोइसियवेमाणियसोहग्गीसाणा य
 जहा असुरकुमारा, णवरं जोइसियाण य वेमाणियाण य चयंतीति अभिलावो कायवो ।
 सणकुमारदेवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहा असुरकुमारा, णवरं एगिंदिएसु ण उव-
 वज्जंति । एवं जाव सहस्सारगदेवा । आणय जाव अणुत्तरोववाइया देवा एवं चेव,
 णवरं णो तिरिक्खजोणिएसु उववज्जंति, मणुस्सेसु पज्जत्तसंखेज्जासाउयकम्मभूमग-
 गम्भवक्कंतियमणूसेसु उववज्जंति ॥६ दारं ॥३२३॥ णेरइया णं भंते ! कइभागाव-

सेसाउया परमवियाउयं पकरेंति ? गोयमा ! णियमा छम्मासावसेसाउया परमविया-
उयं० । एवं असुरकुमारा वि, एवं जाव थणियकुमारा । पुढविकाइया णं भंते !
कइभागावसेसाउया परमवियाउयं पकरेंति ? गोवमा ! पुढविकाइया दुविहा पणत्ता ।
तंजहा—सोवक्कमाउया य णिरुक्कमाउया य । तत्थ णं जे ते णिरुक्कमाउया ते
णियमा तिभागावसेसाउया परमवियाउयं पकरेंति । तत्थ णं जे ते सोवक्कमाउया
ते सिय तिभागावसेसाउया परमवियाउयं पकरेंति, सिय तिभागतिभागावसेसाउया
परमवियाउयं पकरेंति, सिय तिभागतिभागतिभागावसेसाउया परमवियाउयं
पकरेंति । आउतेउवाउवणप्फइकाइयाणं बेइदियतेइदियच्चउरिदियाण वि एवं चेव
॥३२४॥ पंचिदियतिरिक्खजोणिया णं भंते ! कइभागावसेसाउया परमवियाउयं
पकरेंति ! गोयमा ! पंचिदियतिरिक्खजोणिया दुविहा पणत्ता । तंजहा—संखेज-
वासाउया य असंखेजवासाउया य । तत्थ णं जे ते असंखेजवासाउया ते णियमा
छम्मासावसेसाउया परमवियाउयं पकरेंति । तत्थ णं जे ते संखेजवासाउया ते
दुविहा पणत्ता । तंजहा—सोवक्कमाउया य णिरुक्कमाउया य । तत्थ णं जे ते
णिरुक्कमाउया ते णियमा तिभागावसेसाउया परमवियाउयं पकरेंति । तत्थ णं
जे ते सोवक्कमाउया ते णं सिय तिभागे परमवियाउयं पकरेंति, सिय तिभाग-
तिभागे परमवियाउयं पकरेंति, सिय तिभागतिभागतिभागावसेसाउया परमविया-
उयं पकरेंति । एवं मणूसा वि । वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा णेरइया
॥ ७ दारं ॥ ३२५ ॥ कइविहे णं भंते ! आउयवंधे पणत्ते ? गोयमा ! छव्विहे
आउयवंधे पणत्ते । तंजहा—१ जाइणामणिहत्ताउए, २ गइणामणिहत्ताउए, ३ ठिई-
णामणिहत्ताउए, ४ ओगाहणणामणिहत्ताउए, ५ पएसणामणिहत्ताउए, ६ अणु-
भावणामणिहत्ताउए । णेरइयाणं भंते ! कइविहे आउयवंधे पणत्ते ? गोयमा !
छव्विहे आउयवंधे पणत्ते । तंजहा—जाइणामणिहत्ताउए, गइणामणिहत्ताउए, ठिई-
णामणिहत्ताउए, ओगाहणणामणिहत्ताउए, पएसणामणिहत्ताउए, अणुभावणाम-
णिहत्ताउए, एवं जाव वेमाणियाणं ॥३२६॥ जीवा णं भंते ! जाइणामणिहत्ताउयं
कइहिं आगरिसेहिं पगरेंति ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा उक्को-
सेणं अट्ठहिं । णेरइया णं भंते ! जाइणामणिहत्ताउयं कइहिं आगरिसेहिं पगरेंति ?
गोयमा ! जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा, उक्कोसेणं अट्ठहिं । एवं जाव
वेमाणिया । एवं गइणामणिहत्ताउए वि, ठिईणामणिहत्ताउए वि, ओगाहणणाम-

णिहत्ताउए वि, पएसणामणिहत्ताउए वि, अणुभायणामणिहत्ताउए वि ॥ ३२७ ॥
 एसि णं भंते ! जीवाणं जाइणामणिहत्ताउयं जहण्णेणं एकेण वा दोहिं वा तीहिं
 वा उक्कोसेणं अट्ठहिं आगरिसेहिं पकरेमाणाणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया
 वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सञ्चयोवा जीवा जाइणामणिहत्ताउयं
 अट्ठहिं आगरिसेहिं पकरेमाणा, सत्तहिं आगरिसेहिं पकरेमाणा संखिज्जगुणा, छहिं
 आगरिसेहिं पकरेमाणा संखिज्जगुणा, एवं पंचहिं संखिज्जगुणा, चउहिं संखिज्जगुणा,
 तीहिं संखिज्जगुणा, दोहिं संखिज्जगुणा, एगेणं आगरिसेणं पकरेमाणा संखिज्जगुणा ।
 एवं एएणं अमिलावेणं जाव अणुभायणामणिहत्ताउयं, एवं एए छप्पिय अप्पाबहु-
 दंडगा जीवाइया भाणियच्चा ॥ ८ दारं ॥ ३२८ ॥ पण्णयणाए भगवईए
 छट्ठं ववकंतीपयं समत्तं ॥

सत्तमं ऊसासपयं

णेरइया णं भंते ! केवइकालस्स आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीस-
 संति वा ? गोयमा ! सययं संतयामेव आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीस-
 संति वा ॥ ३२९ ॥ असुरकुमारा णं भंते ! केवइकालस्स आणमंति वा पाणमंति वा
 ऊससंति वा णीससंति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं सत्तण्हं थोवाणं, उक्कोसेणं साइ-
 रेगस्स पक्खस्स आणमंति वा जाव णीससंति वा ॥ णागकुमारा णं भंते ! केवइ-
 कालस्स आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं
 सत्तण्हं थोवाणं, उक्कोसेणं मुहुत्तपुहुत्तस्स, एवं जाव थणियकुमाराणं ॥ ३३० ॥ पुढवि-
 काइया णं भंते ! केवइकालस्स आणमंति वा जाव णीससंति वा ? गोयमा ! वेमा-
 याए आणमंति वा जाव णीससंति वा । एवं जाव मणूसा । वाणमेतरा जहा णाग-
 कुमारा ॥ ३३१ ॥ जोइसिया णं भंते ! केवइकालस्स आणमंति वा जाव णीससंति
 वा ? गोयमा ! जहण्णेणं मुहुत्तपुहुत्तस्स, उक्कोसेणं वि मुहुत्तपुहुत्तस्स जाव णीससंति वा
 ॥ ३३२ ॥ वेमाणिया णं भंते ! केवइकालस्स आणमंति वा जाव णीससंति वा ?
 गोयमा ! जहण्णेणं मुहुत्तपुहुत्तस्स, उक्कोसेणं तेत्तीसाए पक्खाणं जाव णीससंति वा
 ॥ ३३३ ॥ सोहम्मदेवा णं भंते ! केवइकालस्स आणमंति वा जाव णीससंति वा ?
 गोयमा ! जहण्णेणं मुहुत्तपुहुत्तस्स, उक्कोसेणं दोण्हं पक्खाणं जाव णीससंति वा ।

संति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं पणवीसाए पक्खाणं, उक्कोसेणं छत्तीसाए पक्खाणं जाव णीससंति वा । मज्झिममज्झिमगेविजगदेवा णं भंते ! केवइकालस्स जाव णीस-
 संति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं छत्तीसाए पक्खाणं, उक्कोसेणं सत्तावीसाए पक्खाणं जाव णीससंति वा । मज्झिमउवरिमगेविजगदेवा णं भंते ! केवइकालस्स जाव णीस-
 संति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं सत्तावीसाए पक्खाणं, उक्कोसेणं अट्ठावीसाए पक्खाणं जाव णीससंति वा । उवरिमहेट्ठिमगेविजगदेवा णं भंते ! केवइकालस्स जाव णीस-
 संति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं अट्ठावीसाए पक्खाणं, उक्कोसेणं एरण्णीतीसाए पक्खाणं जाव णीससंति वा । उवरिममज्झिमगेविजगदेवा णं भंते ! केवइकालस्स जाव णीस-
 संति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं एरण्णीतीसाए पक्खाणं, उक्कोसेणं तीसाए पक्खाणं जाव णीससंति वा । उवरिमउवरिमगेविजगदेवा णं भंते ! केवइकालस्स जाव णीससंति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं तीसाए पक्खाणं, उक्कोसेणं एकतीसाए पक्खाणं जाव णीससंति वा ॥३३५॥ विजयवेज्जयंतजयंतअपराजियविमाणेसु णं देवा णं भंते ! केवइकालस्स जाव णीससंति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं एकतीसाए पक्खाणं, उक्कोसेणं तेत्तीसाए पक्खाणं जाव णीससंति वा । सव्वट्ठसिद्धगदेवा णं भंते ! केवइ-
 कालस्स जाव णीससंति वा ? गोयमा ! अजहण्णमणुक्कोसेणं तेत्तीसाए पक्खाणं जाव णीससंति वा ॥३३६॥ पण्णवणाए भगवईए सत्तमं ऊसासपयं समत्तं ॥

अट्ठमं सण्णापयं

कइ णं भंते ! सण्णाओ पणत्ताओ ? गोयमा ! दस सण्णाओ पणत्ताओ । तंजहा—आहारसण्णा, भयसण्णा, मेहुणसण्णा, परिमाहसण्णा, कोहसण्णा, माणसण्णा, मायासण्णा, लोहसण्णा, लोयसण्णा, ओघसण्णा ॥३३७॥ णेरइयाणं भंते ! कइ सण्णाओ पणत्ताओ ? गोयमा ! दस सण्णाओ पणत्ताओ । तंजहा—आहारसण्णा जाव ओघसण्णा । असुरकुमारणं भंते ! कइ सण्णाओ पणत्ताओ ? गोयमा ! दस सण्णाओ पणत्ताओ तंजहा—आहारसण्णा जाव ओघसण्णा, एवं जाव थणिसकुमारणं ; एवं पुटविकाइयाणं जाव वेमाणियवसाणाणं णेयव्वं ॥ ३३८ ॥ णेरइया णं भंते ! किं आहारसण्णोवउत्ता, भयसण्णोवउत्ता, मेहुणसण्णोवउत्ता, परिमाहसण्णोवउत्ता ? गोयमा ! ओसण्णं कारणं पडुच्च भयसण्णोवउत्ता, संतइभावं पडुच्च आहार-

मण्णोवउत्ता वि जाव परिग्गहसण्णोवउत्ता वि । एएसि णं भंते ! णेरइयाणं आहार-
सण्णोवउत्ताणं भयसण्णोवउत्ताणं मेहुणसण्णोवउत्ताणं परिग्गहसण्णोवउत्ताणं य कयरे
कयरेहितो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा
णेरइया मेहुणसण्णोवउत्ता, आहारसण्णोवउत्ता, संखिज्जगुणा, परिग्गहसण्णोवउत्ता
संखिज्जगुणा, भयसण्णोवउत्ता संखिज्जगुणा ॥ ३३९ ॥ तिरिक्खज्जोणिया णं भंते !
किं आहारसण्णोवउत्ता जाव परिग्गहसण्णोवउत्ता ? गोयमा ! ओसणं कारणं पडुच्च
आहारसण्णोवउत्ता, संतइभावं पडुच्च आहारसण्णोवउत्ता वि जाव परिग्गह-
सण्णोवउत्ता वि । एएसि णं भंते ! तिरिक्खज्जोणियाणं आहारसण्णोवउत्ताणं
जाव परिग्गहसण्णोवउत्ताणं य कयरे कयरेहितो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा
विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा तिरिक्खज्जोणिया परिग्गहसण्णोवउत्ता,
मेहुणसण्णोवउत्ता संखिज्जगुणा, भयसण्णोवउत्ता संखिज्जगुणा, आहारसण्णोवउत्ता
संखिज्जगुणा ॥ ३४० ॥ मणुस्सा णं भंते ! किं आहारसण्णोवउत्ता जाव परिग्गहसण्णो-
वउत्ता ? गोयमा ! ओसणं कारणं पडुच्च मेहुणसण्णोवउत्ता, संतइभावं पडुच्च
आहारसण्णोवउत्ता वि जाव परिग्गहसण्णोवउत्ता वि । एएसि णं भंते ! मणुस्साणं
आहारसण्णोवउत्ताणं जाव परिग्गहसण्णोवउत्ताणं य कयरे कयरेहितो अप्पा वा
बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा मणुस्सा भयसण्णो-
वउत्ता, आहारसण्णोवउत्ता संखिज्जगुणा, परिग्गहसण्णोवउत्ता संखिज्जगुणा, मेहुण-
सण्णोवउत्ता संखिज्जगुणा ॥ ३४१ ॥ देवा णं भंते ! किं आहारसण्णोवउत्ता जाव
परिग्गहसण्णोवउत्ता ? गोयमा ! ओसणं कारणं पडुच्च परिग्गहसण्णोवउत्ता, संतइ-
भावं पडुच्च आहारसण्णोवउत्ता वि जाव परिग्गहसण्णोवउत्ता वि । एएसि णं भंते !
देवाणं आहारसण्णोवउत्ताणं जाव परिग्गहसण्णोवउत्ताणं य कयरे कयरेहितो अप्पा वा
बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा देवा आहारसण्णोवउत्ता,
भयसण्णोवउत्ता संखिज्जगुणा, मेहुणसण्णोवउत्ता संखिज्जगुणा, परिग्गहसण्णोवउत्ता
संखिज्जगुणा ॥ ३४२ ॥

॥ पणवणाए भगवईए अट्ठमं सण्णापयं समत्तं ॥



णवमं जोणीपथं

कइविहा णं भंते ! जोणी पणत्ता ? गोयमा ! तिविहा जोणी पणत्ता । तंजहा—
सीया जोणी, उसिणा जोणी, सीओसिणा जोणी ॥ ३४३ ॥ णेरइयाणं भंते ! किं
सीया जोणी, उसिणा जोणी, सीओसिणा जोणी ? गोयमा ! सीया वि जोणी, उसिणा
वि जोणी, णो सीओसिणा जोणी । अमुरकुमाराणं भंते ! किं सीया जोणी, उसिणा
जोणी, सीओसिणा जोणी ? गोयमा ! णो सीया जोणी, णो उसिणा जोणी, सीओ-
सिया जोणी, एवं जाव थणियकुमाराणं । पुढविकाइयाणं भंते ! किं सीया जोणी,
उसिणा जोणी, सीओसिणा जोणी ? गोयमा ! सीया वि जोणी, उसिणा वि जोणी,
सीओसिणा वि जोणी । एवं आउवाउवणस्सइवेइदियतेइंदियच्चउरिंदियाण वि पत्तेव
भाणियव्वं । तेउकाइयाणं णो सीया, उसिणा, णो सीओसिणा । पंचिंदियतिरिक्ख-
जोणियाणं भंते ! किं सीया जोणी, उसिणा जोणी, सीओसिणा जोणी ? गोयमा !
सीया वि जोणी, उसिणा वि जोणी, सीओसिणा वि जोणी । समुच्छिमपंचिंदिय-
तिरिक्खजोणियाण वि एवं चेव । गम्भवक्कंतियपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं भंते !
किं सीया जोणी, उसिणा जोणी, सीओसिणा जोणी ? गोयमा ! णो सीया जोणी,
णो उसिणा जोणी, सीओसिणा जोणी । मणुस्साणं भंते ! किं सीया जोणी, उसिणा
जोणी, सीओसिणा जोणी ? गोयमा ! सीया वि जोणी, उसिणा वि जोणी, सीओ-
सिणा वि जोणी । समुच्छिममणुस्साणं भंते ! किं सीया जोणी, उसिणा जोणी,
सीओसिणा जोणी ? गोयमा ! तिविहा जोणी । गम्भवक्कंतियमणुस्साणं भंते ! किं
सीया जोणी उसिणा जोणी, सीओसिया जोणी ? गोयमा ! णो सीया, णो उसिणा,
सीओसिणा जोणी । वाणमंतरदेवाणं भंते ! किं सीया जोणी, उसिणा जोणी, सीओ-
सिणा जोणी ? गोयमा ! णो सीया, णो उसिणा, सीओसिणा जोणी । जोइसिय-
वेमाणियाण वि एवं चेव ॥ ३४४ ॥ एएसिणं भंते ! सीयजोणियाणं उसिणजोणियाणं
सीओसिणजोणियाणं अजोणियाणं य कयरे २ हिंतो अप्पा वा, बहूया वा, तुह्हा वा,
विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीव्हा सीओसियजोणिया, उसिणजोणिया
असंखेजगुणा, अजोणिया अणंतगुणा, सीयजोणिया अणंतगुणा ॥ ३४५ ॥ कइविहा
णं भंते ! जोणी पणत्ता ? गोयमा ! तिविहा जोणी पणत्ता । तंजहा—सच्चित्ता,
अचित्ता, मीसिया ॥ ३४६ ॥ णेरइयाणं भंते ! किं सच्चित्ता जोणी, अचित्ता जोणी,

मीसिया जोणी ? गोयमा ! णो सच्चित्ता जोणी, अच्चित्ता जोणी, णो मीसिया जोणी ।
 असुरकुमाराणं भंते ! किं सच्चित्ता जोणी, अच्चित्ता जोणी, मीसिया जोणी ? गोयमा !
 णो सच्चित्ता जोणी, अच्चित्ता जोणी, णो मीसिया जोणी, एवं जाव थणियकुमाराणं ।
 पुटविकाइयाणं भंते ! किं सच्चित्ता जोणी, अच्चित्ता जोणी, मीसिया जोणी ? गोयमा !
 सच्चित्ता जोणी, अच्चित्ता जोणी, मीसिया वि जोणी, एवं जाव चउरिंदियाणं । संमु-
 च्छिमपंचिदियतिरिक्खजोणियाणं संमुच्छिममणुस्साण य एवं चेव । गम्भवक्कंति-
 यपंचिदियतिरिक्खजोणियाणं गम्भवक्कंतिमणुस्साण य णो सच्चित्ता, णो अच्चित्ता,
 मीसिया जोणी । वाणमंतरजोइसियवेमाणियाणं जहा असुरकुमाराणं ॥ ३४७ ॥
 एसि णं भंते ! जीवाणं सच्चित्तजोणीणं अचित्तजोणीणं मीसजोणीणं अजोणीणं य
 कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा
 जीवा मीसजोणिया, अचित्तजोणिया असंखेज्जगुणा, अजोणिया अणंतगुणा, सच्चित्त-
 जोणिया अणंतगुणा ॥ ३४८ ॥ कहविहा णं भंते ! जोणी पणत्ता ? गोयमा !
 तिविहा जोणी पणत्ता । तंजहा—संबुडा जोणी, वियडा जोणी, संबुडवियडा जोणी
 ॥ ३४९ ॥ णेरइयाणं भंते ! किं संबुडा जोणी, वियडा जोणी, संबुडवियडा जोणी ?
 गोयमा ! संबुडजोणी, णो वियडजोणी, णो संबुडवियडजोणी । एवं जाव वणस्सइ-
 काइयाणं । बेइंदियाणं पुच्छ । गोयमा ! णो संबुडजोणी, वियडजोणी, णो संबुड-
 वियडजोणी । एवं जाव चउरिंदियाणं । संमुच्छिमपंचिदियतिरिक्खजोणियाणं संमु-
 च्छिममणुस्साण य एवं चेव । गम्भवक्कंतिपंचिदियतिरिक्खजोणियाणं गम्भवक्कंति-
 मणुस्साण य णो संबुडा जोणी, णो वियडा जोणी, संबुडवियडा जोणी । वाणमंतर-
 जोइसियवेमाणियाणं जहा णेरइयाणं ॥ ३५० ॥ एसि णं भंते ! जीवाणं संबुड-
 जोणियाणं वियडजोणीयाणं संबुडवियडजोणियाणं अजोणियाणं य कयरे कयरेहिंतो
 अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा संबुड-
 वियडजोणिया, वियडजोणिया असंखेज्जगुणा, अजोणिया अणंतगुणा, संबुडजोणिया
 अणंतगुणा ॥ ३५१ ॥ कहविहा णं भंते ! जोणी पणत्ता ? गोयमा ! तिविहा जोणी
 पणत्ता । तंजहा—कुम्मुणया, संखावत्ता, वंसीपत्ता । कुम्मुणया णं जोणी उत्तम-
 पुरिसमाऊणं । कुम्मुणयाए णं जोणीए उत्तमपुरिसा गम्भे वक्कमंति, तंजहा—
 अरहंता, चक्कवट्ठी, बलदेवा, वासुदेवा । संखावत्ता णं जोणी इत्थीरयणस्स, संखा-
 वत्ताए जोणीए बहवे जीवा य पोगाला य वक्कमंति विउक्कमंति चयंति उवचयंति णो

चेव णं पिप्फज्जंति । वंसीपत्ता णं जोणी पिट्टजणस्स, वंसीपत्ताए णं जोणीए पिट्टजणं
गन्धे वक्कमंति ॥३५२॥

॥ पण्णवणाए भगवद्दिए णवमं जोणीपयं समत्तं ॥

दसमं चरमपयं

कइ णं भंते ! पुटवीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! अट्ट पुटवीओ पण्णत्ताओ ।
तंजहा-रयणप्पभा, सक्करप्पभा, वालुयप्पभा, पंक्कप्पभा, धूमप्पभा, तमप्पभा, तम-
तमप्पभा, ईसिप्पम्भारा ॥ ३५३ ॥ इमी णं भंते ! रयणप्पभा पुटवी किं चरमा,
अचरमा, चरमाइं, अचरमाइं, चरमंतपएसा, अचरमंतपएसा ? गोयमा ! इमा
णं रयणप्पभा पुटवी णो चरमा, णो अचरमा, णो चरमाइं, णो अचरमाइं, णो
चरमंतपएसा, णो अचरमंतपएसा, णियमाऽचरमं चरमाणि य, चरमंतपएसा य
अचरमंतपएसा य, एवं जाव अहेसत्तमा पुटवी, सोहम्ममाइं जाव अणुत्तरविमाणाणं
एवं चेव, ईसिप्पम्भारा वि एवं चेव, लोणे वि एवं चेव, एवं अलोणे वि
॥३५४॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुटवीए अंचरमस्स य चरमाण य चर-
मंतपएसाण य अचरमंतपएसाण य दव्वट्टयाए पएसट्टयाए दव्वट्टपएसट्टयाए कयरे
कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवे इमीसे
रयणप्पभाए पुटवीए दव्वट्टयाए एगे अचरमे, चरमाइं असंखेज्जगुणाइं, अचरमं
च चरमाणि य दो वि विसेसाहिया, पएसट्टयाए सव्वत्थोवा इमीसे रयणप्पभाए
पुटवीए चरमंतपएसा, अचरमंतपएसा असंखेज्जगुणा, चरमंतपएसा य अचरमंत-
पएसा य दो वि विसेसाहिया, दव्वट्टपएसट्टयाए सव्वत्थोवे इमीसे रयणप्पभाए
पुटवीए दव्वट्टयाए एगे अचरमे, चरमाइं असंखेज्जगुणाइं, अचरमं चरमाणि य
दो वि विसेसाहियाइं, पएसट्टयाए चरमंतपएसा असंखेज्जगुणा, अचरमंतपएसा
असंखेज्जगुणा, चरमंतपएसा य अचरमंतपएसा य दो वि विसेसाहिया । एवं
जाव अहेसत्तमाए, सोहम्मस्स जाव लोगस्स एवं चेव ॥ ३५५ ॥ अलोगस्स
णं भंते ! अचरमस्स य चरमाण य चरमंतपएसाण य अचरमंतपएसाण य दव्वट्ट-
याए पएसट्टयाए दव्वट्टपएसट्टयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा
विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवे अलोगस्स दव्वट्टयाए एगे अचरमे, चर-

माइ असंखेज्जगुणाइ, अचरमं चरमाणि य दो वि विसेसाहियाइ; पएसद्वयाए सव्वथोवा
 अलोगस्स चरमंतपएसा, अचरमंतपएसा अणंतगुणा, चरमंतपएसा य अचरमंतपएसा
 य दो वि विसेसाहिया; दव्वट्ठपएसद्वयाए सव्वथोवे अलोगस्स एगे अचरमे, चर-
 माइ असंखेज्जगुणाइ, अचरमं च चरमाणि य दो वि विसेसाहियाइ, चरमंतपएसा
 असंखेज्जगुणा, अचरमंतपएसा अणंतगुणा, चरमंतपएसा य अचरमंतपएसा य दो
 वि विसेसाहिया ॥ ३५६ ॥ लोगालोगस्स णं मंते ! अचरमस्स य चरमाण य चर-
 मंतपएसाण य अचरमंतपएसाण य दव्वट्ठयाए पएसद्वयाए दव्वट्ठपएसद्वयाए कयरे
 कयरेहिंते अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ! गोयमा ! सव्वथोवे
 लोगालोगस्स दव्वट्ठयाए एगमेगे अचरमे, लोगस्स चरमाइ असंखेज्जगुणाइ, अलो-
 गस्स चरमाइ विसेसाहियाइ, लोगस्स य अलोगस्स य अचरमं चरमाणि य दो
 वि विसेसाहियाइ, पएसद्वयाए सव्वथोवा लोगस्स चरमंतपएसा, अलोगस्स चर-
 मंतपएसा विसेसाहिया, लोगस्स अचरमंतपएसा असंखेज्जगुणा, अलोगस्स अचर-
 मंतपएसा अणंतगुणा, लोगस्स य अलोगस्स य चरमंतपएसा य अचरमंतपएसा य
 दो वि विसेसाहिया । दव्वट्ठपएसद्वयाए सव्वथोवे लोगालोगस्स दव्वट्ठयाए एगमेगे
 अचरमे, लोगस्स चरमाइ असंखेज्जगुणाइ, अलोगस्स चरमाइ विसेसाहियाइ,
 लोगस्स य अलोगस्स य अचरमं चरमाणि य दो वि विसेसाहियाइ, लोगस्स चर-
 मंतपएसा असंखेज्जगुणा, अलोगस्स य चरमंतपएसा विसेसाहिया, लोगस्स अचर-
 मंतपएसा असंखेज्जगुणा, अलोगस्स अचरमंतपएसा अणंतगुणा, लोगस्स य अलो-
 गस्स य चरमंतपएसा य अचरमंतपएसा य दो वि विसेसाहिया, सव्वदव्वा विसेसा-
 हिया, सव्वपएसा अणंतगुणा, सव्वपज्जवा अणंतगुणा ॥ ३५७ ॥ परमाणुपोगाले णं
 मंते ! किं चरमे १, अचरमे २, अवत्तव्वए ३, चरमाइ ४ अचरमाइ ५, अव-
 त्तव्वयाइ ६, उदाहु चरमे य अचरमे य ७, उदाहु चरमे य अचरमाइ ८, उदाहु-
 चरमाइ अचरमे य ९, उदाहु चरमाइ च अचरमाइ च १०, पढमा चउमंगी ।
 उदाहु चरमे य अवत्तव्वए य ११, उदाहु चरमे य अवत्तव्वयाइ च १२, उदाहु
 चरमाइ च अवत्तव्वए य १३, उदाहु चरमाइ च अवत्तव्वयाइ च १४, बीया
 चउमंगी । उदाहु अचरमे य अवत्तव्वए य १५, उदाहु अचरमे य अवत्तव्वयाइ
 च १६, उदाहु अचरमाइ च अवत्तव्वए य १७, उदाहु अचरमाइ च अवत्तव्व-
 याइ च १८, तइया चउमंगी । उदाहु चरमे य अचरमे य अवत्तव्वए य १९,

उदाहु चरमे य अचरमे य अवत्तव्याइं च २०, उदाहु चरमे य अचरमाइं च अवत्तव्वए य २१, उदाहु चरमे य अचरमाइं च अवत्तव्वयाइं च २२, उदाहु चरमाइं च अचरमे य अवत्तव्वए य २३, उदाहु चरमाइं च अचरमे य अवत्तव्वयाइं च २४, उदाहु चरमाइं च अचरमाइं च अवत्तव्वए य २५, उदाहु चरमाइं च अचरमाइं च अवत्तव्वयाइं च २६ । एए छव्वीसं भंगा । गोयमा ! परमाणुयोग्गले णो चरमे, णो अचरमे, णियमा अवत्तव्वए, सेसा भंगा पडिसेहेयव्वा ॥३५८॥ दुपएसिए णं भंते ! खंधे पुच्छा । गोयमा ! दुपएसिए खंधे सिय चरमे, णो अचरमे, सिय अवत्तव्वए । सेसा भंगा पडिसेहेयव्वा ॥३५९॥ तिपएसिए णं भंते ! खंधे पुच्छा । गोयमा ! तिपएसिए खंधे सिय चरमे १, णो अचरमे २, सिय अवत्तव्वए ३, णो चरमाइं ४, णो अचरमाइं ५, णो अवत्तव्वयाइं ६, णो चरमे य अचरमे य ७, णो चरमे य अचरमाइं ८, सिय चरमाइं च अचरमे य ९, णो चरमाइं च अचरमाइं च १०, सिय चरमे य अवत्तव्वए य ११, सेसा भंगा पडिसेहेयव्वा ॥३६०॥ चउपएसिए णं भंते ! खंधे पुच्छा । गोयमा ! चउपएसिए णं खंधे सिय चरमे १, णो अचरमे २, सिय अवत्तव्वए ३, णो चरमाइं ४, णो अचरमाइं ५, णो अवत्तव्वयाइं ६, णो चरमे य अचरमे य ७, णो चरमे य अचरमाइं च ८, सिय चरमाइं अचरमे य ९, सिय चरमाइं च अचरमाइं च १०, सिय चरमे य अवत्तव्वए य ११, सिय चरमे य अवत्तव्वयाइं च १२, णो चरमाइं च अवत्तव्वए य १३, णो चरमाइं च अवत्तव्वयाइं च १४, णो अचरमे य अवत्तव्वए य १५, णो अचरमे य अवत्तव्वयाइं च १६, णो अचरमाइं च अवत्तव्वए य १७, णो अचरमाइं च अवत्तव्वयाइं च १८, णो चरमे य अचरमे य अवत्तव्वए य १९, णो चरमे य अचरमे य अवत्तव्वयाइं च २०, णो चरमे य अचरमाइं च अवत्तव्वए य २१, णो चरमे य अचरमाइं च अवत्तव्वयाइं च २२, सिय चरमाइं च अचरमे य अवत्तव्वए य २३ । सेसा भंगा पडिसेहेयव्वा ॥३६१॥ पंचपएसिए णं भंते ! खंधे पुच्छा । गोयमा ! पंचपएसिए खंधे सिय चरमे १, णो अचरमे २, सिय अवत्तव्वए ३, णो चरमाइं ४, णो अचरमाइं ५, अवत्तव्वयाइं ६, सिय चरमे य अचरमे य ७, णो चरमे य अचरमाइं च ८, सिय चरमाइं च अचरमे य ९, सिय चरमाइं च अचरमाइं च १०, सिय चरमे य अवत्तव्वए य ११, सिय चरमे य अवत्तव्वयाइं च १२, सिय

य अवत्तव्वए य १९, सिय चरमे य अचरमे य अवत्तव्वयाइं च २०, सिय चरमे य अचरमाइं च अवत्तव्वए य २१, गो चरमे य अचरमाइं च अवत्तव्वयाइं च २२, सिय चरमाइं च अचरमे य अवत्तव्वए य २३, सिय चरमाइं च अचरमे य अवत्तव्वयाइं च २४, सिय चरमाइं च अचरमाइं च अवत्तव्वए य २५, सिय चरमाइं च अचरमाइं च अवत्तव्वयाइं च २६ ॥३६४॥ अट्टपएसिए णं भंते ! खंवे पुच्छा । गोयमा ! अट्टपएसिए खंवे सिय चरमे १, गो अचरमे २, सिय अवत्तव्वए ३, गो चरमाइं ४ गो अचरमाइं ५, गो अवत्तव्वयाइं ६, सिय चरमे य अचरमे य ७, सिय चरमे य अचरमाइं च ८, सिय चरमाइं च अचरमे य ९, सिय चरमाइं च अचरमाइं च १०, सिय चरमे य अवत्तव्वए य ११, सिय चरमे य अवत्तव्वयाइं च १२, सिय चरमाइं च अवत्तव्वए य १३, सिय चरमाइं च अवत्तव्वयाइं च १४, गो अचरमे य अवत्तव्वए य १५, गो अचरमे य अवत्तव्वयाइं च १६, गो अचरमाइं च अवत्तव्वए य १७, गो अचरमाइं च अवत्तव्वयाइं च १८ सिय चरमे य अचरमे य अवत्तव्वए य १९, सिय चरमे य अचरमे अवत्तव्वयाइं च २०, सिय चरमे य अचरमाइं च अवत्तव्वए य २१, सिय चरमे य अचरमाइं च अवत्तव्वयाइं च २२, सिय चरमाइं च अचरमे य अवत्तव्वए य २३, सिय चरमाइं च अचरमे य अवत्तव्वयाइं च २४, सिय चरमाइं च अचरमाइं च अवत्तव्वए य २५, सिय चरमाइं च अचरमाइं च अवत्तव्वयाइं च २६, संखेजपएसिए असंखेजपएसिए अणेतपएसिए खंवे जहेव अट्टपएसिए तहेव पत्तेयं भाणियव्वं । परमाणुम्मि य तइओ पढमो तइओ य होति दुपएसे । पढमो तइओ णवमो एक्कारसमो य तिपएसे ॥ १ ॥ पढमो तइओ णवमो दसमो एक्कारसो य बारसमो । भंगा चउप्पएसे तेवीसइमो य बोद्धव्वो ॥ २ ॥ पढमो तइओ सत्तमणवदसइक्कारवारतेरसमो । तेवीसचउव्वीसो पणवीसइमो य पंचमए ॥ ३ ॥ बिचउत्थपंचछट्ठं पणारस सोलं च सत्तरट्ठारं । वीसेक्खीसथावीसगं च वजेज छट्ठमि ॥ ४ ॥ बिचउत्थपंचछट्ठं पणार सोलं च सत्तरट्ठारं । बावीसइमविहूणा सत्तपएसमि खंधमि ॥ ५ ॥ बिचउत्थपंचछट्ठं पणार सोलं च सत्तरट्ठारं । एए वज्जिय भंगा सेसा सेसेसु खंवेसु ॥ ६ ॥ ३६५ ॥ कइ णं भंते ! संठाणा पणत्ता ? गोयमा ! पंच संठाणा पणत्ता । तंजहा—परिमंडले, वट्टे, तंसे, चउरंसे, आयए य ॥ ३६६ ॥ परिमंडला णं भंते ! संठाणा किं संखेजा,

असंखेजा, अणंता ! गोयमा ! णो संखेजा, णो असंखेजा, अणंता । एवं जाव आयया । परिमंडले णं भंते ! संठाणे किं संखेजपएसिए, असंखेजपएसिए, अणंतपएसिए ! गोयमा ! सिय संखेजपएसिए, सिय असंखेजपएसिए, सिय अणंतपएसिए । एवं जाव आयए । परिमंडले णं भंते ! संठाणे संखेजपएसिए किं संखेजपएसोगाडे, असंखेजपएसोगाडे, अणंतपएसोगाडे ! गोयमा ! संखेजपएसोगाडे, णो असंखेजपएसोगाडे, णो अणंतपएसोगाडे । एवं जाव आयए । परिमंडले णं भंते ! संठाणे असंखेजपएसिए किं संखेजपएसोगाडे, असंखेजपएसोगाडे, अणंतपएसोगाडे ! गोयमा ! सिय संखेजपएसोगाडे, सिय असंखेजपएसोगाडे, णो अणंतपएसोगाडे । एवं जाव आयए । परिमंडले णं भंते ! संठाणे अणंतपएसिए किं संखेजपएसोगाडे, असंखेजपएसोगाडे, अणंतपएसोगाडे ! गोयमा ! सिय संखेजपएसोगाडे, सिय असंखेजपएसोगाडे, णो अणंतपएसोगाडे । एवं जाव आयए । परिमंडले णं भंते ! संठाणे संखेजपएसिए संखेजपएसोगाडे किं चरमे, अचरमे, चरमाइं, अचरमाइं, चरमंतपएसो, अचरमंतपएसो ! गोयमा ! परिमंडले णं संठाणे संखेजपएसिए संखेजपएसोगाडे णो चरमे, णो अचरमे, णो चरमाइं, णो अचरमाइं, णो चरमंतपएसो, णो अचरमंतपएसो, णियमं अचरमं चरमाणि य चरमंतपएसो य अचरमंतपएसो य ! एवं जाव आयए । परिमंडले णं भंते ! संठाणे असंखेजपएसिए संखेजपएसोगाडे किं चरमे० पुच्छ । गोयमा ! असंखेजपएसिए संखेजपएसोगाडे जहा संखेजपएसिए । एवं जाव आयए । परिमंडले णं भंते ! संठाणे असंखेजपएसिए असंखेजपएसोगाडे किं चरमे० पुच्छ । गोयमा ! असंखेजपएसिए असंखेजपएसोगाडे णो चरमे, जहा संखेजपएसोगाडे, एवं जाव आयए । परिमंडले णं भंते ! संठाणे अणंतपएसिए संखेजपएसोगाडे किं चरमे० पुच्छ । गोयमा ! तहेव जाव आयए । अणंतपएसिए असंखेजपएसोगाडे जहा संखेजपएसोगाडे, एवं जाव आयए ॥ ३६७ ॥ परिमंडलस्स णं भंते ! संठाणस्स संखेजपएसियस्स संखेजपएसोगादस्स अचरमस्स य चरमाण य चरमंतपएसोण य अचरमंतपएसोण य दव्वड्डयाए पएसड्डयाए दव्वड्डपएसड्डयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुह्हा वा विसेसाहिथा वा ! गोयमा ! सव्वत्थोवे परिमंडलस्स संठाणस्स संखेजपएसियस्स संखेजपएसोगादस्स दव्वड्डयाए एगे अचरमे, चरमाइं संखेजगुणाइं, अचरमं चरमाणि य दोऽवि विसेसाहिथाइं, पएसड्डयाए सव्वत्थोवा परिमंडलस्स संठाणस्स

संखेजपएसियस्स संखेजपएसोगाढस्स चरमंतपएसा, अचरमंतपएसा संखेजगुणा, चरमंतपएसा य अचरमंतपएसा य दोऽवि विसेसाहिया, दब्बट्टपएसड्डयाए सव्व-
 थोवे परिमंडलस्स संठाणस्स संखेजपएसियस्स संखेजपएसोगाढस्स दब्बट्टयाए एगे अचरमे, चरमाइं संखेजगुणाइं, अचरमं च चरमाणि य दोऽवि विसेसाहियाइं,
 चरमंतपएसा संखेजगुणा, अचरमंतपएसा संखेजगुणां, चरमंतपएसा य अचरमंत-
 पएसा य दोऽवि विसेसाहिया । एवं वड्ढंतं च उरंसायएसु वि जोएयव्वं ॥३६८॥
 परिमंडलस्स णं भंते ! संठाणस्स असंखेजपएसियस्स संखेजपएसोगाढस्स अचर-
 मस्स चरमाण य चरमंतपएसाण य अचरमंतपएसाण य दब्बट्टयाए पएसड्डयाए
 दब्बट्टपएसड्डयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वथोवे परिमंडलस्स
 संठाणस्स असंखेजपएसियस्स संखेजपएसोगाढस्स दब्बट्टयाए एगे अचरमे चर-
 माइं संखेजगुणाइं, अचरमं च चरमाणि य दोऽवि विसेसाहियाइं, पएसड्डयाए
 सव्वथोवा परिमंडलसंठाणस्स असंखेजपएसियस्स संखेजपएसोगाढस्स चरमंतपएसा,
 अचरमंतपएसा संखेजगुणा, चरमंतपएसा य अचरमंतपएसा य दोऽवि विसेसा-
 हिया, दब्बट्टपएसड्डयाए—सव्वथोवे परिमंडलस्स संठाणस्स असंखेजपएसियस्स
 संखेजपएसोगाढस्स दब्बट्टयाए एगे अचरमे, चरमाइं संखेजगुणाइं, अचरमं च
 चरमाणि य दोऽवि विसेसाहियाइं, चरमंतपएसा संखेजगुणा, अचरमंतपएसा
 संखेजगुणा, चरमंतपएसा य अचरमंतपएसा य दोऽवि विसेसाहिया । एवं जाव
 आयए । परिमंडलस्स णं भंते ! संठाणस्स असंखेजपएसियस्स असंखेजपएसोगाढस्स
 अचरमस्स य चरमाण य चरमंतपएसाण य अचरमंतपएसाण य दब्बट्टयाए
 पएसड्डयाए दब्बट्टपएसड्डयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! जहा रयण-
 प्पभाए अप्पावहुयं तहेव निरवसेसं भाणियव्वं, एवं जाव आयए ॥३६९॥ परिमंड-
 लस्स णं भंते ! संठाणस्स अणंतपएसियस्स संखेजपएसोगाढस्स अचरमस्स य
 चरमाण य चरमंतपएसाण य अचरमंतपएसाण य दब्बट्टयाए पएसड्डयाए दब्बट्ट-
 पएसड्डयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! जहा संखेजपएसियस्स
 संखेजपएसोगाढस्स, णवरं संकमेणं अणंतगुणा, एवं जाव आयए । परिमंडलस्स
 णं भंते ! संठाणस्स अणंतपएसियस्स असंखेजपएसोगाढस्स अचरमस्स य ४ जहा
 रयणप्पभाए, णवरं संकमे अणंतगुणा, एवं जाव आयए ॥३७०॥ जीवे णं भंते !
 गइचरमेणं किं चरमे अचरमे ? गोयमा ! सिय चरमे, सिय अचरमे । णेरइए

[illegible]

चरमेणं किं चरमा अचरमा ! गोयमा ! चरमा वि अचरमा वि । एवं निरंतरं जाव वेमाणिया । णेरइए णं भंते ! फासचरमेणं किं चरमे अचरमे ! गोयमा ! सिय चरमे, सिय अचरमे । एवं निरंतरं जाव वेमाणिए । णेरइया णं भंते ! फासचरमेणं किं चरमा अचरमा ! गोयमा ! चरमा वि अचरमा वि । एवं निरंतरं जाव वेमाणिया । संगहणीगाहा—“गइठिइभवे य भासा आणापाणुचरमे य बोद्ध्वा । आहारभावचरमे वण्णरसे गंधफासे य” ॥३७१॥ पण्णवणाए भगवईए दसमं चरमपयं समत्तं ॥

एककारसमं भासापयं

से णूणं भंते ! मण्णामीति ओहारिणी भासा, चित्तेमीति ओहारिणी भासा, अह मण्णामीति ओहारिणी भासा, अह चित्तेमीति ओहारिणी भासा, तह मण्णामीति ओहारिणी भासा, तह चित्तेमीति ओहारिणी भासा ! हंता गोयमा ! मण्णामीति ओहारिणी भासा, चित्तेमीति ओहारिणी भासा, अह मण्णामीति ओहारिणी भासा, अह चित्तेमीति ओहारिणी भासा, तह मण्णामीति ओहारिणी भासा, तह चित्तेमीति ओहारिणी भासा ॥३७२॥ ओहारिणी णं भंते ! भासा किं सच्चा मोसा, सच्चा मोसा असच्चा मोसा ! गोयमा ! सिय सच्चा, सिय मोसा, सिय सच्चा मोसा, सिय असच्चा मोसा । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘ओहारिणी णं भासा सिय सच्चा, सिय मोसा, सिय सच्चा मोसा, सिय असच्चा मोसा’ ! गोयमा ! आराहिणी सच्चा, विराहिणी मोसा, आराहणविराहिणी सच्चा मोसा, जा णेव आराहणी णेव विराहिणी णेव आराहणविराहिणी सा असच्चा मोसा णामं चउत्थी भासा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ—‘ओहारिणी णं भासा सिय सच्चा, सिय मोसा, सिय सच्चा मोसा, सिय असच्चा मोसा’ ॥३७३॥ अह भंते ! गाओ मिया पस्स पक्खी पण्णवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा ! हंता गोयमा ! जा य गाओ मीया पस्स पक्खी पण्णवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा ॥३७४॥ अह भंते ! जा य इत्थीवऊ, जा य पुमवऊ, जा य णपुंसगवऊ पण्णवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा ! हंता गोयमा ! जा य इत्थीवऊ, जा य पुमवऊ, जा य णपुंसगवऊ पण्णवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा ॥३७५॥ अह भंते ! जा य इत्थिआणवणी, जा

य पुमआणवणी, जा-य णपुंसगआणवणी पणवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा ? हंता गोयमा ! जा य इत्थिआणवणी, जा य पुमआणवणी, जा य णपुंसग-
आणवणी पणवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा ॥३७६॥ अह भंते ! जा
य इत्थिपणवणी, जा य पुमपणवणी, जा य णपुंसगपणवणी पणवणी णं एसा
भासा, ण एसा भासा मोसा ! हंता गोयमा ! जा य इत्थिपणवणी, जा य पुमपण-
वणी, जा य णपुंसगपणवणी पणवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा ॥३७७॥
अह भंते ! जा जाईइ इत्थिवऊ, जाईइ पुमवऊ, जाईइ णपुंसगऊ पणवणी णं एसा
भासा, ण एसा भासा मोसा ! हंता गोयमा ! जाईइ इत्थिवऊ, जाईइ पुमवऊ,
जाईइ णपुंसगवऊ पणवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा ॥ ३७८ ॥ अह
भंते ! जा जाईइ इत्थिआणवणी, जाईइ पुमआणवणी, जाईइ णपुंसगआणवणी पण-
वणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा ? हंता गोयमा ! जाईइ इत्थिआणवणी,
जाईइ पुमआणवणी, जाईइ णपुंसगआणवणी पणवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा
मोसा ॥ ३७९ ॥ अह भंते ! जाईइ इत्थिपणवणी, जाईइ पुमपणवणी, जाईइ
णपुंसगपणवणी पणवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा ? हंता गोयमा !
जाईइ इत्थिपणवणी, जाईइ पुमपणवणी, जाईइ णपुंसगपणवणी पणवणी णं
एसा भासा, ण एसा भासा मोसा ॥३८०॥ अह भंते ! मंदकुमारए वा मंदकुमारिया
वा जाणइ बुयमाणे-अहमेसे बुयामीति ? गोयमा ! णो इण्ठे समझे, णणत्थ सण्णिणो ।
अह भंते ! मंदकुमारए वा मंदकुमारिया वा जाणइ आहारं आहारेमाणे-अहमेसे
आहारमाहारेमिस्ति ? गोयमा ! णो इण्ठे समझे, णणत्थ सण्णिणो । अह भंते !
मंदकुमारए वा मंदकुमारिया वा जाणइ-अयं मे अम्मापियरो ? गोयमा ! णो
इण्ठे समझे, णणत्थ सण्णिणो । अह भंते ! मंदकुमारए वा मंदकुमारिया वा
जाणइ-अयं मे अहराउले, अयं मे अहराउलेस्ति ? गोयमा ! णो इण्ठे समझे,
णणत्थ सण्णिणो । अह भंते ! मंदकुमारए वा मंदकुमारिया वा जाणइ-अयं मे
भट्टिदारए, अयं मे भट्टिदारएस्ति ? गोयमा ! णो इण्ठे समझे, णणत्थ सण्णिणो
॥३८१॥ अह भंते ! उट्ठे गोणे खरे घोडए अए एलए जाणइ बुयमाणे-अहमेसे
बुयामि ? गोयमा ! णो इण्ठे समझे, णणत्थ सण्णिणो । अह भंते ! उट्ठे जाव एलए
जाणइ आहारं आहारेमाणे-अहमेसे आहारेमि ? गोयमा ! णो इण्ठे समझे,
णणत्थ सण्णिणो । अह भंते ! उट्ठे गोणे खरे घोडए अए एलए जाणइ-अयं मे

अम्मापियरो ? गोयमा ! णो इण्ठे समद्धे, ण्णात्थ सण्णिणो । अहं भंते ! उट्ठे जाव एलए जाणइ-अयं मे अइराउल्लेत्ति ? गोयमा ! णो इण्ठे समद्धे, जाव ण्णात्थ सण्णिणो । अहं भंते ! उट्ठे जाव एलए जाणइ-अयं मे भट्टिदारए भट्टिदारए ! गोयमा ! णो इण्ठे समद्धे, जाव ण्णात्थ सण्णिणो ॥३८२॥ अहं भंते ! मणुस्से महिसे आसे हत्थि सीहे वग्गे विगे दीविए अच्छे तरच्छे परस्सरे सियाले विराले सुणए कोलसुणए कोकत्तिए ससए चित्तए चिल्ललए जेयावण्णे तहप्पगारा सव्वा सा एगवज्ज ! हंता गोयमा ! मणुस्से जाव चिल्ललए जेयावण्णे तहप्पगारा सव्वा सा एगवज्ज । अहं भंते ! मणुस्सा जाव चिल्ललगा जेयावण्णे तहप्पगारा सव्वा सा बहुवज्ज ! हंता गोयमा ! मणुस्सा जाव चिल्ललगा सव्वा सा बहुवज्ज ॥ ३८३ ॥ अहं भंते ! मणुस्सी महिसी बलवा इत्थिणिया सीही वग्गी विगी दीविया अच्छी तरच्छी परस्सरा रासभी सियाली विराली सुणिया कोलसुणिया कोकत्तिया ससिया चित्तिया चिल्ललिया जेयावण्णे तहप्पगारा सव्वा सा इत्थिवज्ज ! हंता गोयमा ! मणुस्सी जाव चिल्ललिया जेयावण्णे तहप्पगारा सव्वा सा इत्थिवज्ज । अहं भंते ! मणुस्से जाव चिल्ललए जेयावण्णे तहप्पगारा सव्वा सा पुमवज्ज ! हंता गोयमा ! मणुस्से महिसे जाव चिल्ललए जेयावण्णे तहप्पगारा सव्वा सा पुमवज्ज । अहं भंते ! कंसं कंसोयं परिमंडलं सेलं धूमं जालं थालं तारं रुवं अच्छिपक्वं धुंदं पउमं दुदं दहिं णवणीयं असणं सयणं भवणं विमाणं छत्तं चामरं भिगारं अंगणं गिरंगणं आमरणं रयणं जेयावण्णे तहप्पगारा सव्वं तं णपुंसगवज्ज ! हंता गोयमा ! कंसं जाव रयणं जेयावण्णे तहप्पगारा सव्वं तं णपुंसगवज्ज ॥३८४॥ अहं भंते ! पुढवी इत्थिवज्ज आउत्ति पुमवज्ज धण्णेत्ति णपुंसगवज्ज पण्णवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा ! हंता गोयमा ! पुढवित्ति इत्थिवज्ज आउत्ति पुमवज्ज धण्णेत्ति णपुंसगवज्ज पण्णवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा । अहं भंते ! पुढवित्ति इत्थिआणवणी, आउत्ति पुमआणवणी, धण्णेत्ति णपुंसगवज्ज पण्णवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा ! हंता गोयमा ! पुढवित्ति इत्थिआणवणी, आउत्ति पुमआणवणी, धण्णेत्ति णपुंसगवज्ज पण्णवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा । अहं भंते ! पुढवीत्ति इत्थिपण्णवणी, आउत्ति पुमपण्णवणी, धण्णेत्ति णपुंसगवज्ज पण्णवणी आराहणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा ! हंता गोयमा ! पुढवीत्ति इत्थिपण्णवणी, आउत्ति पुमपण्णवणी, धण्णेत्ति णपुंसगवज्ज पण्णवणी आराहणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा । इच्चेवं भंते ! इत्थिवयणं वा पुमवयणं वा णपुंसगवयणं वा वयमाणे पण्ण-

वणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा ? हंता गोयमा ! इत्थिवयणं वा पुमवयणं वा णपुंसगवयणं वा वयमाणे पण्णवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा ॥ ३८५ ॥ भासा णं भंते ! किमाइया, किंपवहा, किसंठिया, किंपज्जवतिया ! गोयमा ! भासा णं जीवाइया, सरीरप्पहवा, वज्जसंठिया, लोगंतपज्जदसिया पण्णत्ता । भासा कओ य पभवइ ! कइहि व समएहि भासई भासं ? भासा कइप्पगारा ? कइ वा भासा अणुमया उ ? ॥ सरीरप्पहवा भासा, दोहि य समएहिं भासई भासं । भासा चउप्पगारा, दोण्णि य भासा अणुमया उ ॥ ३८६ ॥ कइविहा णं भंते ! भासा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा भासा पण्णत्ता । तंजहा-पज्जत्तिया य अपज्जत्तिया य । पज्जत्तिया णं भंते ! भासा कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तंजहा-सच्चा मोसा य ॥ ३८७ ॥ सच्चा णं भंते ! भासा पज्जत्तिया कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! दसविहा पण्णत्ता । तंजहा-जणवयसच्चा १, सम्मयसच्चा २, उवणसच्चा ३, णामसच्चा ४, रुवसच्चा ५, पडुच्चसच्चा ६, ववहारसच्चा ७, भावसच्चा ८, जोगसच्चा ९, ओवम्मसच्चा १० । “जणवय १ संमय २ उवणा ३ णामे ४ रुवे ५ पडुच्चसच्चे ६ य । ववहार ७ भाव ८ जोगे ९ दसमे ओवम्मसच्चे य १०” ॥ ३८८ ॥ मोसा णं भंते ! भासा पज्जत्तिया कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! दसविहा पण्णत्ता । तंजहा-कोहणिसिया १, माणणिसिया २, मायाणिसिया ३, लोहणिसिया ४, पेज्जणिसिया ५, दोसणिसिया ६, हासणिसिया ७, भयणिसिया ८, अक्खाइयाणिसिया ९, उवघाइयणिसिया १० । “कोहे माणे माया लोमे पेजे तदेव दोसे य । हास भए अक्खाइयउवघाइयणिसिया दसमा” ॥ ३८९ ॥ अपज्जत्तिया णं भंते ! कइविहा भासा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तंजहा-सच्चा मोसा असच्चा मोसा य । सच्चा मोसा णं भंते ! भासा अपज्जत्तिया कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! दसविहा पण्णत्ता । तंजहा-उप्पण्णमिसिया १, विगयमिसिया २, उप्पण्णविगयमिसिया ३, जीवमिसिया ४, अजीवमिसिया ५, जीवाजीवमिसिया ६, अणंतमिसिया ७, परित्तमिसिया ८, अद्दामिसिया ९, अद्ददामिसिया १० ॥ ३९० ॥ असच्चा मोसा णं भंते ! भासा अपज्जत्तिया कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुवालसविहा पण्णत्ता । तंजहा-आमंतणि १, आणमणी २, जायणि ३, तह पुच्छणी य ४, पण्णवणी ५ । पच्चक्खाणी भासा ६, भासा इच्छाणुलोमा ७ य ॥ अणमिगाहिया भासा ८, भासा यं अमिगाहंमि बोद्धव्वा ९ । संसयकरणी भासा १०, वोयड ११,

अञ्चोयडा चेव १२” ॥ ३९१ ॥ जीवा णं भंते ! किं भासगा, अभासगा ? गोयमा ! जीवा भासगा वि, अभासगा वि । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘जीवा भासगा वि, अभासगा वि’ ? गोयमा ! जीवा दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—संसारसमावण्णगा य असंसारसमावण्णगा य । तत्थ णं जे ते असंसारसमावण्णगा ते णं सिद्धा, सिद्धा णं अभासगा । तत्थ णं जे ते संसारसमावण्णगा ते दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—सेलेसीपडिवण्णगा य असेलेसीपडिवण्णगा य । तत्थ णं जे ते सेलेसीपडिवण्णगा ते णं अभासगा । तत्थ णं जे ते असेलेसीपडिवण्णगा ते दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—एग्गिंदिया य अणेग्गिंदिया य । तत्थ णं जे ते एग्गिंदिया ते णं अभासगा । तत्थ णं जे ते अणेग्गिंदिया ते दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—पज्जत्ता य अपज्जत्ता य । तत्थ णं जे ते अपज्जत्ता ते णं अभासगा, तत्थ णं जे ते पज्जत्ता ते णं भासगा, से एएणट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ—‘जीवा भासगा वि अभासगा वि’ ॥ ३९२ ॥ णेरइया णं भंते ! किं भासगा, अभासगा ? गोयमा ! णेरइया भासगा वि, अभासगा वि । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘णेरइया भासगा वि, अभासगा वि’ ? गोयमा ! णेरइया दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—पज्जत्ता य अपज्जत्ता य । तत्थ णं जे ते अपज्जत्ता ते णं अभासगा, तत्थ णं जे ते पज्जत्ता ते णं भासगा, से एएणट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ—‘णेरइया भासगा वि, अभासगा वि’ । एवं एग्गिंदियवज्जाणं णिरंतरं भाणियव्वं ॥ ३९३ ॥ कइ णं भंते ! भासजाया पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि भासजाया पण्णत्ता । तंजहा—सच्चमेणं भासजायं, बिइयं मोसं, तइयं सच्चामोसं, चउत्थं असच्चामोसं । जीवा णं भंते ! किं सच्चं भासं भासंति, मोसं भासं भासंति, सच्चामोसं भासं भासंति, असच्चामोसं भासं भासंति ? गोयमा ! जीवा सच्चं पि भासं भासंति, मोसं पि भासं भासंति, सच्चामोसं पि भासं भासंति, असच्चामोसं पि भासं भासंति । णेरइया णं भंते ! किं सच्चं भासं भासंति जाव असच्चामोसं भासं भासंति ? गोयमा ! णेरइया णं सच्चं पि भासं भासंति जाव असच्चामोसं पि भासं भासंति । एवं असुरकुमारा जाव थणियकुमारा । बेइंदिय-तेइंदिय-चउरिंदिया य णो सच्चं०, णो मोसं०, णो सच्चामोसं भासं भासंति, असच्चामोसं भासं भासंति । पंचिंदियतिरिक्खजोणिया णं भंते ! किं सच्चं भासं भासंति जाव असच्चामोसं भासं भासंति ? गोयमा ! पंचिंदियतिरिक्खजोणिया णो सच्चं भासं भासंति, णो मोसं भासं भासंति, णो सच्चामोसं भासं भासंति, एणं असच्चामोसं

भासं भासंति, णण्णं सिक्खापुव्वं उत्तरगुणलद्धिं वा पडुच्च सच्चं पि भासं
 भासंति, मोमं पि०, सच्चामोसं पि०, असच्चामोसं पि भासं भासंति । मणुस्सा
 जाव वेमाणिया एए जहा जीवा तहा भाणियव्वा ॥३९४॥ जीवे णं भंते ! जाइं
 दव्वाइं भासत्ताए गिण्हइ ताइं किं ठियाइं गिण्हइ, अठियाइं गिण्हइ ? गोयमा !
 ठियाइं गिण्हइ, णो अठियाइं गिण्हइ । जाइं भंते ! ठियाइं गिण्हइ ताइं किं दव्वओ
 गिण्हइ, खेत्तओ गिण्हइ, कालओ गिण्हइ, भावओ गिण्हइ ? गोयमा ! दव्वओ
 वि गिण्हइ, खेत्तओ वि०, कालओ वि०, भावओ वि गिण्हइ । जाइं भंते ! दव्वओ
 गिण्हइ ताइं किं एगपएसियाइं गिण्हइ, दुपएसियाइं जाव अणंतपएसियाइं गिण्हइ ?
 गोयमा ! णो एगपएसियाइं गिण्हइ जाव णो असंखेजपएसियाइं गिण्हइ, अणंत-
 पएसियाइं गिण्हइ । जाइं खेत्तओ गेण्हइ ताइं किं एगपएसोगाढाइं गेण्हइ, दुप-
 सोगाढाइं गेण्हइ जाव असंखेजपएसोगाढाइं गेण्हइ ? गोयमा ! णो एगपएसोगाढाइं
 गेण्हइ जाव णो संखेजपएसोगाढाइं गेण्हइ, असंखेजपएसोगाढाइं गेण्हइ । जाइं
 कालओ गेण्हइ ताइं किं एगसमयठिइयाइं गेण्हइ, दुसमयठिइयाइं गेण्हइ जाव
 असंखेजसमयठिइयाइं गेण्हइ ? गोयमा ! एगसमयठिइयाइं पि गेण्हइ, दुसमयठि-
 याइं पि गेण्हइ जाव असंखेजसमयठिइयाइं पि गेण्हइ । जाइं भावओ गेण्हइ ताइं
 किं वण्णमंताइं गेण्हइ, गंधमंताइं०, रसमंताइं०, फासमंताइं गेण्हइ ? गोयमा !
 वण्णमंताइं पि गो० जाव फासमंताइं पि गेण्हइ । जाइं भावओ वण्णमंताइं गेण्हइ
 ताइं किं एगवण्णाइं गेण्हइ जाव पंचवण्णाइं गेण्हइ ? गोयमा ! गहणदव्वाइं पडुच्च
 एगवण्णाइं पि गेण्हइ जाव पंचवण्णाइं पि गेण्हइ सव्वगहणं पडुच्च गियमा पंच-
 वण्णाइं गेण्हइ, तंजहा—कालाइं णालाइं लोहियाइं हालिदाइं सुक्खिडाइं । जाइं वण्णओ
 कालाइं गेण्हइ ताइं किं एगगुणकालाइं गेण्हइ जाव अणंतगुणकालाइं गेण्हइ ?
 गोयमा ! एगगुणकालाइं पि गेण्हइ जाव अणंतगुणकालाइं पि गेण्हइ । एवं जाव
 सुक्खिडाइं पि । जाइं भावओ गंधमंताइं गिण्हइ ताइं किं एगगंधाइं गिण्हइ, दुगंधाइं
 गिण्हइ ? गोयमा ! गहणदव्वाइं पडुच्च एगगंधाइं पि० दुगंधाइं पि गिण्हइ, सव्वग-
 हणं पडुच्च गियमा दुगंधाइं गिण्हइ । जाइं गंधओ सुद्धिमगंधाइं गिण्हइ ताइं किं
 एगगुणसुद्धिमगंधाइं गेण्हइ जाव अणंतगुणसुद्धिमगंधाइं गेण्हइ ? गोयमा ! एगगुण-
 सुद्धिमगंधाइं पि मि० जाव अणंतगुणसुद्धिमगंधाइं पि गिण्हइ । एवं दुद्धिमगंधाइं पि
 गेण्हइ । जाइं भावओ रसमंताइं गेण्हइ ताइं किं एगरसाइं गेण्हइ जाव किं पंचरसाइं
 गेण्हइ ? गोयमा ! गहणदव्वाइं पडुच्च एगरसाइं पि गेण्हइ जाव पंचरसाइं पि

गिण्हइ, सव्वग्गइणं पडुच्च गियमा पंचरसाइं गेण्हइ । जाइं रसओ तित्तरसाइं
 गेण्हइ ताइं किं एगगुणतित्तरसाइं गिण्हइ जाव अणंतगुणतित्तरसाइं गिण्हइ ?
 गोयमा ! एगगुणतित्ताइं पि गिण्हइ जाव अणंतगुणतित्ताइं पि गिण्हइ, एवं जाव
 महुररसो । जाइं भावओ फासमंताइं गेण्हइ ताइं किं एगफासाइं गेण्हइ जाव अट्ट-
 फासाइं गेण्हइ ? गोयमा ! गहणदव्वाइं पडुच्च णो एगफासाइं गेण्हइ, दुफासाइं
 गेण्हइ जाव चउफासाइं गेण्हइ, णो पंचफासाइं गेण्हइ जाव णो अट्टफासाइं गेण्हइ
 सव्वग्गइणं पडुच्च गियमा चउफासाइं गेण्हइ, तंजहा—सीयफासाइं गेण्हइ, उस्सिण-
 फासाइं०, णिद्धफासाइं०, लुक्खफासाइं गेण्हइ । जाइं फासओ सीयाइं गेण्हइ ताइं
 किं एगगुणसीयाइं गेण्हइ जाव अणंतगुणसीयाइं गेण्हइ ? गोयमा ! एगगुणसीयाइं
 पि गेण्हइ जाव अणंतगुणसीयाइं पि गेण्हइ, एवं उस्सिणणिद्धलुक्खसाइं जाव अणंत-
 गुणाइं पि गेण्हइ ॥३९५॥ जाइं भंते ! जाव अणंतगुणलुक्खाइं गेण्हइ ताइं किं
 पुट्ठाइं गेण्हइ, अपुट्ठाइं गेण्हइ ? गोयमा ! पुट्ठाइं गेण्हइ, णो अपुट्ठाइं गेण्हइ ।
 जाइं भंते ! पुट्ठाइं गेण्हइ ताइं किं ओगाटाइं गेण्हइ, अणोगाटाइं गेण्हइ ? गोयमा !
 ओगाटाइं गेण्हइ, णो अणोगाटाइं गेण्हइ । जाइं भंते ! ओगाटाइं गेण्हइ ताइं किं
 अणंतरोगाटाइं गेण्हइ, परंपरोगाटाइं गेण्हइ ? गोयमा ! अणंतरोगाटाइं गेण्हइ, णो
 परंपरोगाटाइं गेण्हइ । जाइं भंते ! अणंतरोगाटाइं गेण्हइ ताइं किं अणूइं गेण्हइ,
 बायराइं गेण्हइ ? गोयमा ! अणूइं पि गेण्हइ बायराइं पि गेण्हइ । जाइं भंते !
 अणूइं पि गेण्हइ बायराइं पि गेण्हइ ताइं किं उच्चं गेण्हइ, अहे गेण्हइ, तिरियं
 गेण्हइ ? गोयमा ! उच्चं पि गेण्हइ, अहे वि गेण्हइ, तिरियं पि गेण्हइ । जाइं
 भंते ! उच्चं पि गेण्हइ, अहे वि गेण्हइ, तिरियं पि गेण्हइ ताइं किं आइं गेण्हइ,
 मज्झे गेण्हइ, पज्जवसाणे गेण्हइ ? गोयमा ! आइं पि गेण्हइ, मज्झे वि गेण्हइ,
 पज्जवसाणे वि गेण्हइ । जाइं भंते ! आइं पि गेण्हइ, मज्झे वि गेण्हइ, पज्जवसाणे
 वि गेण्हइ ताइं किं सविसए गेण्हइ, अविसए गेण्हइ ? गोयमा ! सविसए गेण्हइ,
 णो अविसए गेण्हइ । जाइं भंते ! सविसए गेण्हइ ताइं किं आणुपुत्विं
 गेण्हइ, अणणुपुत्विं गेण्हइ ? गोयमा ! आणुपुत्विं गेण्हइ, णो अणणुपुत्विं
 गेण्हइ । जाइं भंते ! आणुपुत्विं गेण्हइ ताइं किं तिविसिं गेण्हइ जाव छद्दिसिं
 गेण्हइ ? गोयमा ! गियमा छद्दिसिं गेण्हइ । “पुट्ठोगाढअणंतर अणू य तह
 बायरे य उच्चमहे । आहविसयाणुपुत्विं गियमा तह छद्दिसिं चेव” ॥ ३९६ ॥
 जीवे ण भंते ! जाइं दव्वाइं भासत्ताए गेण्हइ ताइं किं संतरं गेण्हइ गिरंतरं गेण्हइ ?

गोयमा ! संतरं पि गेण्हइ, गिरंतरं पि गेण्हइ । संतरं गेण्हमाणे जहण्णेणं एणं समयं,
उक्कासेणं असंखेजसमए अंतरं कट्टु गेण्हइ, गिरंतरं गेण्हमाणे जहण्णेणं दो समए,
उक्कासेणं असंखेजसमए अणुसमयं अविरहियं गिरंतरं गेण्हइ । जीवे णं भंते ! जाइं
दव्वाइं भासत्ताए गहियाइं गिसिरइ ताइं किं संतरं गिसिरइ, गिरंतरं गिसिरइ !
गोयमा ! संतरं गिसिरइ, णो गिरंतरं गिसिरइ । संतरं गिस्सिरमाणे घणेणं समएणं
गेण्हइ, एणेणं समएणं गिसिरइ, एएणं गहणगिसिरणोवाएणं जहण्णेणं दुसमइयं, उक्का-
सेणं असंखेजसमइयं अंतोमुहुत्तियं गहणगिसिरणोवायं करेइ ॥३९७॥ जीवे णं भंते !
जाइं दव्वाइं भासत्ताए गहियाइं गिसिरइ ताइं किं मिण्णाइं गिसिरइ, अमिण्णाइं
गिसिरइ ! गोयमा ! मिण्णाइं पि गिस्सिरइ, अमिण्णाइं पि गिस्सिरइ । जाइं मिण्णाइं
गिसिरइ ताइं अणंतगुणपरिवुद्धीए णं परिवुद्धमाण्णाइं लोयंतं पुसंति, जाइं अमिण्णाइं
गिसिरइ ताइं असंखेजाओ ओगाहणवग्गणाओ गंता मेयमावजंति, संखेजाइं जोय-
णाइं गंता विद्धसमागच्छंति ॥३९८॥ तेसि णं भंते ! दव्वाणं कइविहे मेए पणत्ते !
गोयमा ! पंचविहे मेए पणत्ते । तंजहा—खंडाभेए, पयराभेए, चुण्णियाभेए, अणु-
तडियाभेए, उक्करियाभेए । से किं तं खंडाभेए ? १ जण्णं अवखंडाण वा तउखंडाण
वा तंखंडाण वा सीसगखंडाण वा रययखंडाण वा जायरूवखंडाण वा खंडएणं मेए
भवइ, से तं खंडाभेए १ । से किं तं पयराभेए ? २ जण्णं वंसाण वा वेत्ताण वा
प्लाण वा कयलीयंभाण वा अम्भपडलाण वा पयरेणं मेए भवइ, से तं पयराभेए २ ।
से किं तं चुण्णियाभेए ? २ जण्णं तिल्लुण्णाण वा मुग्गुण्णाण वा मासुण्णाण वा
पिप्पलीचुण्णाण वा मिरीयुण्णाण वा सिंगवेरुण्णाण वा चुण्णियाए मेए भवइ, से तं
चुण्णियाभेए ३ । से किं तं अणुतडियाभेए ? २ जण्णं अगडाण वा तडागाण वा
दहाण वा णईण वा वावीण वा पुक्खरिणीण वा दीहियाण वा गुंजालियाण वा
मराण वा सरसराण वा सरपंतियाण वा सरसरपंतियाण वा अणुतडियाभेए भवइ,
से तं अणुतडियाभेए ४ । से किं तं उक्करियाभेए ? २ जण्णं मूसण वा मंडूसण
वा तिल्लिसिगाण वा मुग्गसिगाण वा माससिगाण वा एरंडबीयाण वा फुट्टिया उक्करि-
याए मेए भवइ, से तं उक्करियाभेए ५ ॥३९९॥ एएसि णं भंते ! दव्वाणं खंडा-
भेएणं पयराभेएणं चुण्णियाभेएणं अणुतडियाभेएणं उक्करियाभेएणं य मिजमाण्णं
कयरे कयरेहितो अप्पा वा बहुया वा तुह्हा वा विसेसाहिया वा ! गोयमा ! स्ववधो-
वाइं दव्वाइं उक्करियाभेएणं मिजमाण्णाइं, अणुतडियाभेएणं मिजमाण्णाइं अणंतगुणाइं,

चुण्णिपामेएणं भिज्जमाणाइं अणंतगुणाइं, पयराभेएणं भिज्जमाणाइं अणंतगुणाइं,
 खंडाभेएणं भिज्जमाणाइं अणंतगुणाइं ॥ ४०० ॥ णेरइएणं भंते ! जाइं दव्वाइं
 भासत्ताए गेण्हइ ताइं किं ठियाइं गेण्हइ, अठियाइं गेण्हइ ? गोयमा ! एवं
 चेव, जहा जीवे वत्तव्वया भणिया तहा णेरइयस्स वि जाव अप्पावहुयं । एवं
 एगिंदियवज्जो दंडओ जाव वेमाणिया । जीवा णं भंते ! जाइं दव्वाइं भास-
 त्ताए गेण्हति ताइं किं ठियाइं गेण्हति, अठियाइं गेण्हति ? गोयमा ! एवं चेव,
 पुहुत्तेण वि णेयव्वं जाव वेमाणिया । जीवे णं भंते ! जाइं दव्वाइं सच्चभासत्ताए
 गेण्हइ ताइं किं ठियाइं गेण्हइ, अठियाइं गेण्हइ ? गोयमा ! जहा ओहियदंडओ
 तहा एसोऽवि, णवरं विगल्लिदिया ण पुच्छिजंति । एवं मोसभासाए वि, सच्चाभोस-
 भासाए वि असच्चाभोसभासाए वि एवं चेव, णवरं असच्चाभोसभासाए विगलि-
 दिया पुच्छिजंति इमेणं अभिलावेणं—विगल्लिदिए णं भंते ! जाइं दव्वाइं असच्चा-
 भोसभासत्ताए गेण्हइ ताइं किं ठियाइं गेण्हइ, अठियाइं गेण्हइ ? गोयमा ! जहा
 ओहियदंडओ, एवं एए एगत्तपुहुत्तेणं दस दंडगा भाणियव्वा ॥ ४०१ ॥ जीवे णं
 भंते ! जाइं दव्वाइं सच्चभासत्ताए गिण्हइ ताइं किं सच्चभासत्ताए णिसिरइ, मोस-
 भासत्ताए णिसिरइ, सच्चाभोसभासत्ताए णिसिरइ, असच्चाभोसभासत्ताए णिसिरइ ?
 गोयमा ! सच्चभासत्ताए णिसिरइ, णो मोसभासत्ताए णिसिरइ, णो सच्चाभोसभासत्ताए
 णिसिरइ, णो असच्चाभोसभासत्ताए णिसिरइ । एवं एगिंदियविगल्लिदियवज्जो दंडओ
 जाव वेमाणिया । एवं पुहुत्तेण वि । जीवे णं भंते ! जाइं दव्वाइं मोसभासत्ताए गिण्हइ
 ताइं किं सच्चभासत्ताए णिसिरइ, मोसभासत्ताए०, सच्चाभोसभासत्ताए०, असच्चा-
 भोसभासत्ताए णिसिरइ ? गोयमा ! णो सच्चभासत्ताए णिसिरइ, मोसभासत्ताए णिसिरइ,
 णो सच्चाभोसभासत्ताए०, णो असच्चाभोसभासत्ताए णिसिरइ । एवं सच्चाभोसभास-
 त्ताए वि, असच्चाभोसभासत्ताए वि एवं चेव, णवरं असच्चाभोसभासत्ताए विगलि-
 दिया तदेव पुच्छिजंति, जाए चेव गिण्हइ ताए चेव णिसिरइ । एवं एए एगत्तपुहु-
 त्तिया अट्ट दंडगा भाणियव्वा ॥ ४०२ ॥ यइविहे णं भंते ! वयणे पण्णत्ते ? गोयमा !
 सोल्लसविहे वयणे पण्णत्ते । तंजहा—एगवयणे, दुवयणे, बहुवयणे, इत्थिवयणे, पुम-
 वयणे, णपुंसगवयणे, अज्झत्थवयणे, उवणीयवयणे, अवणीयवयणे, उवणीयावणीय-
 वयणे, अवणीयउवणीयवयणे, तीतवयणे, पडुण्णवयणे, अणारायवयणे, पच्चक्क-
 वयणे, परोक्खवयणे । इच्चेइयं भंते ! एगदयणं वा जाव परोक्खदयणं वा दयमाणं

पण्णवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा ? हंता गोयमा ! इच्चेइयं एगवयणं वा जाव परोक्खवयणं वा वयमाणे पण्णवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा ॥४०३॥ कइ णं भंते ! भासज्जाया पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि भासज्जाया पण्णत्ता । तंजहा—सच्चमेगं भासज्जायं विइयं भोसंभासज्जायं, तइयं सच्चामोसं भासज्जायं, चउत्थं असच्चामोसं भासज्जायं । इच्चेयाइं भंते ! चत्तारि भासज्जायाइं भासमाणे किं आराहए विराहए ? गोयमा ! इच्चेयाइं चत्तारि भासज्जायाइं आउत्तं भासमाणे आराहए, णो विराहए ! तेण परं अस्संजययाऽविरयाऽपडिहयाऽपच्चक्खायपावकम्मे सच्चं वा भासं भासंतो भोसं वा सच्चामोसं वा असच्चामोसं वा भासं भासमाणे णो आराहए, विराहए ! एसि णं भंते ! जीवाणं सच्चभासगाणं मोसभासगाणं सच्चामोसभासगाणं असच्चामोसभासगाणं अभासगाणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पावा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वंथोवा जीवा सच्चभासगा, सच्चामोसभासगा असंखेजगुणा, मोसभासगा असंखेजगुणा, असच्चामोसभासगा असंखेजगुणा, अभासगा अणंतगुणा ॥४०४॥

॥ पण्णवणाए भगवईए एक्कारसमं भासापयं समत्तं ॥

बारसमं सरीरपयं

कइ णं भंते ! सरीरा पण्णत्ता ? गोयमा ! पंच सरीरा पण्णत्ता । तंजहा—ओरालिए, वेउज्विए, आहारए, तेयए, कम्मए । णेरइयाणं भंते ! कइ सरीरया पण्णत्ता ? गोयमा ! तओ सरीरया पण्णत्ता । तंजहा—वेउज्विए, तेयए, कम्मए । एवं असुरकुमाराणं वि जाव थणियकुमाराणं । पुढविकाइयाणं भंते ! कइ सरीरया पण्णत्ता ? गोयमा ! तओ सरीरया पण्णत्ता । तंजहा—ओरालिए, तेयए, कम्मए । एवं वाउकाइयवज्जं जाव चउरिंदियाणं । वाउकाइयाणं भंते ! कइ सरीरया पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि सरीरया पण्णत्ता । तंजहा—ओरालिए, वेउज्विए, तेयए, कम्मए । एवं पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं वि । मणुस्साणं भंते ! कइ सरीरया पण्णत्ता ? गोयमा ! पंच सरीरया पण्णत्ता । तंजहा—ओरालिए, वेउज्विए, आहारए, तेयए, कम्मए । वाणमंतरजोइसियवेमाणियाणं जहा णारगाणं ॥ ४०५ ६ ॥ केवइया णं भंते ! ओरालियसरीरया पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—वड्ढेल्लया य मुक्केल्लया य । तत्थ णं जे ते वड्ढेल्लया ते णं असंखेजा, असंखेजाहिं उस्सप्पिणि-

ओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ असंखेज्जा लोगा । तत्थ णं जे ते मुक्केल्लया ते णं अणंता, अणंताहिं उस्सप्पिणिओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ अणंता लोगा, अभयसिद्धिएहिंतो अणंतगुणा सिद्धानंतभागो । केवइया णं भंते ! वेउव्वियसरीरया पण्णत्ता ! गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—बढेल्लया य मुक्केल्लया य । तत्थ णं जे ते बढेल्लया ते णं असंखेज्जा, असंखेज्जाहिं उस्सप्पिणिओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ असंखेज्जाओ सेदीओ पयरस्स असंखेज्जभागो । तत्थ णं जे ते मुक्केल्लया ते णं अणंता, अणंताहिं उस्सप्पिणिओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, जहा ओरालियस्स मुक्केल्लया तहेव वेउव्वियस्स वि भाणियव्वा । केवइया णं भंते ! आहारगसरीरया पण्णत्ता ! गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—बढेल्लया य मुक्केल्लया य । तत्थ णं जे ते बढेल्लया ते णं सिय अत्थि, सिय णत्थि । जइ अत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं सहस्सपुट्ठत्तं । तत्थ णं जे ते मुक्केल्लया ते णं अणंता, जहा ओरालियस्स मुक्केल्लया तहेव भाणियव्वा । केवइया णं भंते ! तेयगसरीरया पण्णत्ता ! गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—बढेल्लया य मुक्केल्लया य । तत्थ णं जे ते बढेल्लया ते णं अणंता, अणंताहिं उस्सप्पिणिओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ अणंता लोगा, दव्वओ सिद्धेहिंतो अणंतगुणा सव्वजीवाणंतभागूणा । तत्थ णं जे ते मुक्केल्लया ते णं अणंता, अणंताहिं उस्सप्पिणिओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ अणंता लोगा, दव्वओ सव्वजीवेहिंतो अणंतगुणा जीववग्गस्सानंतभागो । एवं कम्मगसरीराणि वि भाणियव्वाणि ॥४०७॥ णेरइयाणं भंते ! केवइया ओरालियसरीरा पण्णत्ता ! गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—बढेल्लया य मुक्केल्लया य । तत्थ णं जे ते बढेल्लया ते णं णत्थि । तत्थ णं जे ते मुक्केल्लया ते णं अणंता जहा ओरालियमुक्केल्लया तहा भाणियव्वा । णेरइयाणं भंते ! केवइया वेउव्वियसरीरा पण्णत्ता ! गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—बढेल्लया य मुक्केल्लया य । तत्थ णं जे ते बढेल्लया ते णं असंखेज्जा, असंखेज्जाहिं उस्सप्पिणिओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ असंखेज्जाओ सेदीओ पयरस्स असंखेज्जभागो, तासि णं सेदीणं विक्खंभसूई अंगुलपटमवग्गमूलं विइयवग्गमूलपटुप्पणं, अहव णं अंगुलविइयवग्गमूलघणप्पमाणमेत्ताओ सेदीओ । तत्थ णं जे ते मुक्केल्लया ते णं जहा ओरालियस्स मुक्केल्लया तहा भाणियव्वा । णेरइयाणं भंते ! केवइया आहारगसरीरा पण्णत्ता ! गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—बढेल्लया य

मुक्केल्लागा य, एवं जहा ओरालिए बद्धेल्लागा मुक्केल्लागा य भाणिया तहेव आहारगा वि भाणियव्वा । तेयाकम्मगाइं जहा एएसिं चेव वेउच्चियाइं ॥४०८॥ असुरकुमारणं भंते ! केवइया ओरालियसरीरा पणत्ता ! गोयमा ! जहा णेरइयाणं ओरालियसरीरा भाणिया तहेव एएसिं भाणियव्वा । असुरकुमारणं भंते ! केवइया वेउच्चियसरीरा पणत्ता ! गोयमा ! दुविहा पणत्ता ! तंजहा—बद्धेल्लागा य मुक्केल्लागा य । तत्थ णं जे ते बद्धेल्लागा ते णं असंखेजा, असंखेजाहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ असंखेजाओ सेढीओ पयरस्स असंखेजइभागो, तासि णं सेढीणं विकत्तेभस्सई अंगुत्तपदमवग्गमूलस्स संखेजइभागो । तत्थ णं जे ते मुक्केल्लागा ते णं जहा ओरालियस्स मुक्केल्लागा तहा भाणियव्वा । आहारगसरीरागा जहा एएसिं चेव ओरालिया तहेव दुविहा भाणियव्वा, तेयाकम्मगसरीरा दुविहा वि जहा एएसिं चेव वेउच्चिया, एवं जाव थणियकुमारा ॥ ४०९ ॥ पुटविकाइयाणं भंते ! केवइया ओरालियसरीरागा पणत्ता ! गोयमा ! दुविहा पणत्ता । तंजहा—बद्धेल्लागा य मुक्केल्लागा य । तत्थ णं जे ते बद्धेल्लागा ते णं असंखेजा, असंखेजाहिं उस्सप्पिणिओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ असंखेजा लोगा । तत्थ णं जे ते मुक्केल्लागा ते णं अणंता, अणंताहिं उस्सप्पिणिओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ अणंता लोगा, अभवसिद्धिएहितो अणंतगुणा सिद्धाणं अणंतभागो । पुटविकाइयाणं भंते ! केवइया वेउच्चियसरीराया पणत्ता ! गोयमा ! दुविहा पणत्ता । तंजहा—बद्धेल्लागा य मुक्केल्लागा य । तत्थ णं जे ते बद्धेल्लागा ते णं णत्थि । तत्थ णं जे ते मुक्केल्लागा ते णं जहा एएसिं चेव ओरालिया तहेव भाणियव्वा । एवं आहारगसरीरा वि । तेयाकम्मगा जहा एएसिं चेव ओरालिया । एवं आउकाइयतेउकाइया वि ॥४१०॥ वाउकाइयाणं भंते ! केवइया ओरालियसरीरा पणत्ता ! गोयमा ! दुविहा पणत्ता । तंजहा—बद्धेल्लागा य मुक्केल्लागा य । दुविहा वि जहा पुटविकाइयाणं ओरालिया । वेउच्चियाणं पुच्छा । गोयमा ! दुविहा पणत्ता । तंजहा—बद्धेल्लागा य मुक्केल्लागा य । तत्थ णं जे ते बद्धेल्लागा ते णं असंखेजा, समए समए अवहीरमाणा २ पलिओवमस्स असंखेजइभागमेत्तेणं कालेणं अवहीरंति, णो चेव णं अवहिया सिया । मुक्केल्लागा जहा पुटविकाइयाणं । आहारयतेयाकम्मा जहा पुटविकाइयाणं, वणप्पइकाइयाणं जहा पुटविकाइयाणं, णवरं तेयाकम्मगा जहा ओहिया तेयाकम्मगा ॥४११॥

वेइदियाणं भंते ! केवइया ओरालिया सरीरगा पणत्ता ! गोयमा ! दुविहा पणत्ता । तंजहा-बदेह्लगा य मुक्केह्लगा य, तत्थ णं जे ते बदेह्लगा ते णं असंखेजा, असंखेजाहिं उस्सप्पिणिओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ असंखेजाओ सेदीओ पयरस्स असंखेजइभागो, तासि णं सेदीणं विक्खंभसूई असंखेजाओ जोयणकोडा-कोडीओ असंखेजाइं सेदिवग्गमूलाइं । वेइदियाण ओरालियसरीरेहिं बदेह्लगेहिं पयरो अवहीरइ, असंखेजाहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं कालओ, खेत्तओ अंगुलपयरस्स आवलियाए य असंखेजइभागपलिभागेणं । तत्थ णं जे ते मुक्केह्लगा ते जहा ओहिया ओरालियमुक्केह्लगा । वेउव्विया आहारगा य बदेह्लगा णत्थि । मुक्केह्लगा जहा ओहिया ओरालियमुक्केह्लगा । तेयाकम्मगा जहा एएसिं चेव ओहिया ओरालिया, एवं जाव चउरिंदिया । पंचिदियतिरिक्खजोणियाणं एवं चेव, णवरं वेउव्वियसरीरएसु इमो विसेसो-पंचिदियतिरिक्खजोणियाणं भंते ! केवइया वेउव्वियसरीरया पणत्ता ! गोयमा ! दुविहा पणत्ता । तंजहा-बदेह्लगा य मुक्केह्लगा य । तत्थ णं जे ते बदेह्लगा ते णं असंखेजा, जहा अमुरकुमारणं, णवरं तासि णं सेदीणं विक्खंभसूई अंगुलपटमवग्गमूलस्स असंखेजइभागो । मुक्केह्लगा तहेव ॥ ४१२ ॥ मणुस्साणं भंते ! केवइया ओरालियसरीरगा पणत्ता ! गोयमा ! दुविहा पणत्ता । तंजहा-बदेह्लगा य मुक्केह्लगा य, तत्थ णं जे ते बदेह्लगा ते णं सिय संखेजा, सिय असंखेजा, जहणपए संखेजा, संखेजाओ कोडाकोडीओ, तिजमलपयस्स उवरिं चउजमलपयस्स हिट्ठा, अहव णं पंचमवग्गपडुप्पणो छट्ठो वग्गो, अहव णं छण्ण-उईछेयणगदाइरासी, उक्कोसपए असंखेजा, असंखेजाहिं उस्सप्पिणिओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ रूपपक्खित्तेहिं मणुस्सेहिं सेदी अवहीरइ, तीसे सेदीए आगासखेत्तेहिं अवहारो मग्गिजइ-असंखेजा, असंखेजाहिं उस्सप्पिणिओसप्पिणीहिं कालओ, खेत्तओ अंगुलपटमवग्गमूलं तइयवग्गमूलपडुप्पणं । तत्थ णं जे ते मुक्केह्लगा ते जहा ओरालिया ओहिया मुक्केह्लगा । वेउव्वियाणं भंते ! पुञ्छ । गोयमा ! दुविहा पणत्ता । तंजहा-बदेह्लगा य मुक्केह्लगा य, तत्थ णं जे ते बदेह्लगा ते णं संखेजा, समए २ अवहीरमाणा २ संखेजेणं कालेणं अवहीरंति, णो चेव णं अवहीरिया सिया । तत्थ णं जे ते मुक्केह्लगा ते णं जहा ओरालिया ओहिया । आहारग-सरीरा जहा ओहिया । तेयाकम्मगा जहा एएसिं चेव ओरालिया वाणमंतराणं जहा णेरइयाणं ओरालिया आहारगा य । वेउव्वियसरीरगा जहा णेरइयाणं, णवरं तासि णं सेदीणं विक्खंभसूई, संखेजजोयणसयवग्गपलिभागो पयरस्स । मुक्केह्लगा

जहा ओरालिया, आहारगसरीरा जहा असुरकुमारणं, तेयाकम्भया जहा एएसि णं
चेव वेउव्विया । जोइसियाणं एवं चेव, णवरं तासि णं सेदीणं विक्खंभसूई, विछ-
प्पणंगुलसयवमापलिभागो पयरस्स । वेमाणियाणं एवं चेव, णवरं तासि णं सेदीणं
विक्खंभसूई, अंगुलविइयवगमूलं तइयवगमूलपडुप्पणं, अहव णं अंगुलतइयवग-
मूलपणपमाणमेत्ताओ सेदीओ, सेसं तं चेव ॥४१३॥ पणवणाए भगवईए
वारसमं सरीरपयं समत्तं ॥

तेरसमं परिणामपयं

कइविहे णं भंते ! परिणामे पणन्ते ? गोयमा ! दुविहे परिणामे पणन्ते ! तंजहा-
जीवपरिणामे य अजीवपरिणामे य । जीवपरिणामे णं भंते ! कइविहे पणन्ते ?
गोयमा ! दसविहे पणन्ते । तंजहा—गइपरिणामे १, इंदियपरिणामे २, कसायपरि-
णामे ३, लेसापरिणामे ४, जोगपरिणामे ५, उवओगपरिणामे ६, णाणपरिणामे ७,
दंसणपरिणामे ८, चरित्तपरिणामे ९, वेयपरिणामे १० ॥ ४१४ ॥ गइपरिणामे णं
भंते ! कइविहे पणन्ते ? गोयमा ! चउव्विहे पणन्ते । तंजहा—णरयगइपरिणामे,
तिरियगइपरिणामे, मणुयगइपरिणामे, देवगइपरिणामे १ । इंदियपरिणामे णं भंते !
कइविहे पणन्ते ? गोयमा ! पंचविहे पणन्ते । तंजहा—सोइंदियपरिणामे, चक्खि-
दियपरिणामे घाणिदियपरिणामे, जिब्भंदियपरिणामे, फासिंदियपरिणामे २ । कसाय
परिणामे णं भंते ! कइविहे पणन्ते ? गोयमा ! चउव्विहे पणन्ते । तंजहा—कोहकसाय-
परिणामे, माणकसायपरिणामे, मायाकसायपरिणामे, लोभकसायपरिणामे ३ । लेस्सा-
परिणामे णं भंते ! कइविहे पणन्ते ? गोयमा ! छव्विहे पणन्ते । तंजहा—कण्हलेसा-
परिणामे, णीललेसापरिणामे, काउलेसापरिणामे, तेउलेसापरिणामे, पण्हलेसापरिणामे,
सुकलेसापरिणामे ४ । जोगपरिणामे णं भंते ! कइविहे पणन्ते ? गोयमा ! तिविहे
पणन्ते । तंजहा—मणजोगपरिणामे, वइजोगपरिणामे, कायजोगपरिणामे ५ । उव-
ओगपरिणामे णं भंते ! कइविहे पणन्ते ? गोयमा ! दुविहे पणन्ते । तंजहा—सागारो-
वओसपरिणामे, अणागारोवओगपरिणामे य ६ । णाणपरिणामे णं भंते ! कइविहे
पणन्ते ? गोयमा ! पंचविहे पणन्ते । तंजहा—आमिणिओहियणाणपरिणामे, सुयणाण-
परिणामे, ओहिणाणपरिणामे, मणपज्जवणाणपरिणामे, केवल्लणाणपरिणामे । अण्णाण-
परिणामे णं भंते ! कइविहे पणन्ते ? गोयमा ! तिविहे पणन्ते । तंजहा—मइअण्णाण-

परिणामे, सुयअण्णाणपरिणामे, विभंगणाणपरिणामे ७ । दंसणपरिणामे णं भंते ! कइ-
विहे पण्णत्ते ! गोयमा ! तिविहे पण्णत्ते । तंजहा—सम्मदंसणपरिणामे, मिच्छादंसण-
परिणामे, सम्मामिच्छादंसणपरिणामे ८ । चरित्तपरिणामे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते !
गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते । तंजहा—सामाइयचरित्तपरिणामे, छेदोवट्ठावणियचरित्त-
परिणामे, परिहारविमुद्धियचरित्तपरिणामे, सुहुमसंपरायचरित्तपरिणामे, अहवत्ताय-
चरित्तपरिणामे ९ । वेयपरिणामे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ! गोयमा ! तिविहे
पण्णत्ते । तंजहा—इत्थिवेयपरिणामे, पुरिसवेयपरिणामे, वपुंसगवेयपरिणामे १०
॥४१५॥ णेरइया गइपरिणामेणं णिरयगइया, इंदियपरिणामे णं पंचिदिया, वसाय-
परिणामेणं कोहकसाई वि जाव लोभकसाई वि, लेसापरिणामेणं कण्हलेसा वि णाल-
लेसा वि काउलेसा वि, जोगपरिणामेणं मणजोगी वि वइजोगी वि कायजोगी वि,
उवओगपरिणामेणं सामारोवउत्ता वि अणारोवउत्ता वि, णाणपरिणामेणं आभि-
णिबोहियणाणी वि, सुयणाणी वि ओहिणाणी वि, अण्णाणपरिणामेणं मइअण्णाणी
वि सुयअण्णाणी वि विभंगणाणी वि, दंसणपरिणामेणं सम्मदिट्ठी वि मिच्छादिट्ठी वि
सम्मामिच्छादिट्ठी वि, चरित्तपरिणामेणं णो चरित्ती, णो चरित्ताचरित्ती, अचरित्ती,
वेयपरिणामेणं णो इत्थिवेयगा, णो पुरिसवेयगा, वपुंसगवेयगा । असुरकुमारा वि एवं
चेव, णवरं देवगइया, कण्हलेसा वि जाव तेउलेसा वि, वेयपरिणामेणं इत्थिवेयगा वि,
पुरिसवेयगा वि, णो वपुंसगवेयगा, सेसं तं चेव । एवं जाव थणियकुमारा । पुट्ठि-
काइया गइपरिणामेणं तिरियगइया, इंदियपरिणामेणं एरिदिया, सेसं जहा णेरइ-
याणं, णवरं लेसापरिणामेणं तेउलेसा वि, जोगपरिणामेणं कायजोगी, णाणपरिणामो
णत्थि, अण्णाणपरिणामेणं मइअण्णाणी, सुयअण्णाणी, दंसणपरिणामेणं मिच्छादिट्ठी, सेसं
तं चेव । एवं आउवणस्सइकाइया वि । तेउवाऊ एवं चेव, णवरं लेसापरिणामेणं
जहा णेरइया । बेइंदिया गइपरिणामेणं तिरियगइया, इंदियपरिणामेणं बेइंदिया,
सेसं जहा णेरइयाणं । णवरं जोगपरिणामेणं वइजोगी, कायजोगी, णाणपरिणामेणं
आभिणिबोहियणाणी वि, सुयणाणी वि, अण्णाणपरिणामेणं मइअण्णाणी वि, सुय-
अण्णाणी वि, णो विभंगणाणी, दंसणपरिणामेणं सम्मदिट्ठी वि, मिच्छादिट्ठी वि,
णो सम्मामिच्छादिट्ठी, सेसं तं चेव । एवं जाव चउरिंदिया, णवरं इंदियपरिउड्डी
कायव्वा । पंचिदियतिरिक्खजोगिया गइपरिणामेणं तिरियगइया, सेसं जहा णेरइ-
याणं, णवरं लेसापरिणामेणं जाव मुक्कलेसा वि । चरित्तपरिणामेणं णो चरित्ती,

अचरिती वि, चरित्ताचरिती वि, वेयपरिणामेण इत्थिवेयगा वि, पुरिसवेयगा वि, णपुंसगवेयगा वि । मणुस्सा गइपरिणामेण मणुस्सगइया, इंदियपरिणामेण पंचि-
दिया, अण्णिदिया वि, कमायपरिणामेण कोहकसाई वि जाव अकसाई वि, लेसा-
परिणामेण कण्हलेसा वि जाव अलेसा वि, जोगपरिणामेण मणजोगी वि जाव
अजोगी वि, उवओगपरिणामेण जहा णेरइया, णाणपरिणामेण आमिणिबोहियणाणी
वि जाव केवलणाणी वि, अण्णाणपरिणामेण तिण्णि वि अण्णाणा, दंसणपरिणामेण
तिण्णि वि दंसणा, चरित्तपरिणामेण चरिती वि अचरिती वि चरित्ताचरिती वि,
वेयपरिणामेण इत्थिवेयगा वि पुरिसवेयगा वि णपुंसगवेयगा वि अवेयगा वि । बाण-
मंतरा गइपरिणामेण देवगइया, जहा असुरकुमारा एवं जोइसिया वि, णवरं लेसा-
परिणामेण तेउलेस्सा । वेमाणिया वि एवं चेव णवरं लेसापरिणामेण तेउलेसा वि
पण्हलेसा वि मुक्कलेसा वि, सेत्तं जीवपरिणामे ॥४१६॥ अजीवपरिणामे णं भंते !
कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दसविहे पण्णत्ते । तंजहा-बंधणपरिणामे १, गइपरि-
णामे २, संठाणपरिणामे ३, भेयपरिणामे ४, वण्णपरिणामे ५, गंधपरिणामे ६,
रसपरिणामे ७, फासपरिणामे ८, अगारुयल्लहुयपरिणामे ९, सहपरिणामे १० ॥४१७॥
बंधणपरिणामे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते । तंजहा-
णिद्धबंधणपरिणामे, लुक्खबंधणपरिणामे य । समणिद्धयाए बंधो ण होइ, समलुक्ख-
याए वि ण होइ । वेमायणिद्धलुक्खत्तणेण बंधो उ खंधाणं ॥ १ ॥ णिद्धस्स णिद्धेण
दुयाहिए णं लुक्खस्स लुक्खेण दुयाहिए णं । णिद्धस्स लुक्खेण उवेइ बंधो जहण्ण-
वज्जो विसमो समो वा ॥२॥ गइपरिणामे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा !
दुविहे पण्णत्ते । तंजहा-फुसमाणगइपरिणामे य अफुसमाणगइपरिणामे य अहवा
दीहगइपरिणामे य हसगइपरिणामे य २ । संठाणपरिणामे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ?
गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते । तंजहा-परिमंडलसंठाणपरिणामे जाव आयसंठाण-
परिणामे ३ । भेयपरिणामे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते ।
तंजहा-खंडाभेयपरिणामे जाव उक्करियाभेयपरिणामे ४ । वण्णपरिणामे णं भंते !
कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते । तंजहा-कालवण्णपरिणामे जाव
मुक्किल्लवण्णपरिणामे ५ । गंधपरिणामे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे
पण्णत्ते । तंजहा-मुग्गिमगंधपरिणामे य दुग्गिमगंधपरिणामे य ६ । रसपरिणामे णं
भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते । तंजा-तित्तरसपरिणामे जाव

महुरसपरिणामे ७ । फासपरिणामे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ! गोयमा ! अट्ठविहे पण्णत्ते । तंजहा—कक्खडफासपरिणामे य जाव लुक्खफासपरिणामे य ८ । अगस्य-ल्लहुयपरिणामे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ! गोयमा ! एगांगारे पण्णत्ते ९ । सद्-परिणामे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ! गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते । तंजहा—सुब्भिसद्-परिणामे य दुब्भिसद्परिणामे य १० । सेत्तं अजीवपरिणामे ॥ ४१८ ॥

॥ पण्णवणाए भगवईए तेरसमं परिणामपयं समत्तं ॥

चोहसमं कसायपयं

कइ णं भंते ! कसाया पण्णत्ता ! गोयमा ! चत्तारि कसाया पण्णत्ता । तंजहा—कोहकसाए, माणकसाए, मायाकसाए, लोभकसाए । णेरइयाणं भंते ! कइ कसाया पण्णत्ता ! गोयमा ! चत्तारि कसाया पण्णत्ता । तंजहा—कोहकसाए जाव लोभकसाए । इवं जाव वेमाणियाणं ॥४१९॥ कइपइट्ठिए णं भंते ! कोहे पण्णत्ते ! गोयमा ! चउ-पइट्ठिए कोहे पण्णत्ते । तंजहा—आयपइट्ठिए, परपइट्ठिए, तदुभयपइट्ठिए, अप्पइ-ट्ठिए । एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं दंडओ । एवं माणेणं दंडओ, मायाए दंडओ, लोभेणं दंडओ ॥४२०॥ कइहिं णं भंते ! ठाणेहिं कोहुप्पत्ती भवइ ! गोयमा ! चउहिं ठाणेहिं कोहुप्पत्ती भवइ, तंजहा—खेत्तं पडुच्च, वत्थुं पडुच्च, सरीरं पडुच्च, उवहिं पडुच्च । एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं । एवं माणेण वि मायाए वि लोभेण वि, एवं एए वि चत्तारि दंडगा ॥४२१॥ कइविहे णं भंते ! कोहे पण्णत्ते ! गोयमा ! चउव्विहे कोहे पण्णत्ते । तंजहा—अणंताणुवंधी कोहे, अपच्चवत्ताणे कोहे, पच्चवत्ताणा-वरणे कोहे, संजलणे कोहे । एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं । एवं माणेणं मायाए लोभेणं, एए वि चत्तारि दंडगा ॥४२२॥ कइविहे णं भंते ! कोहे पण्णत्ते ! गोयमा ! चउव्विहे कोहे पण्णत्ते । तंजहा—आभोगणिव्वत्तिए, अणाभोगणिव्वत्तिए, उदसंते, अणुवसंते । एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं । एवं माणेण वि, मायाए वि, लोभेण वि चत्तारि दंडगा ॥४२३॥ जीवा णं भंते ! कइहिं ठाणेहिं अट्ठ कम्मपगडीओ चिणिसु ! गोयमा ! चउहिं ठाणेहिं अट्ठ कम्मपगडीओ चिणिसु, तंजहा—कोहेणं, माणेणं, मायाए, लोभेणं । एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं । जीवा णं भंते ! कइहिं ठाणेहिं अट्ठ कम्मपगडीओ चिणंति ! गोयमा ! चउहिं ठाणेहिं, तंजहा—कोहेणं, माणेणं, मायाए, लोभेणं । एवं णेरइया जाव वेमाणिया । जीवा णं भंते ! कइहिं

ठाणेहिं अट्ट कम्मपगडीओ चिणिस्संति ? गोयमा ! चउहिं ठाणेहिं अट्ट कम्मपग-
डीओ चिणिस्संति, तंजहा—कोहेणं, माणेणं, मायाए, लोभेणं । एवं णेरइया जाव
वेमाणिया । जीवा णं भंते ! कइहिं ठाणेहिं अट्ट कम्मपगडीओ उवचिणिंसु ? गोयमा !
चउहिं ठाणेहिं अट्ट कम्मपगडीओ उवचिणिंसु, तंजहा—कोहेणं, माणेणं, मायाए,
लोभेणं । एवं णेरइया जाव वेमाणिया । जीवा णं भंते ! पुच्छा । गोयमा ! चउहिं
ठाणेहिं उवचिणिंति कोहेणं जाव लोभेणं, एवं णेरइया जाव वेमाणिया । एवं उवचिणि-
स्संति । जीवा णं भंते ! कइहिं ठाणेहिं अट्ट कम्मपगडीओ बंधिसु ? गोयमा ! चउहिं
ठाणेहिं अट्ट कम्मपगडीओ बंधिसु, तंजहा—कोहेणं, माणेणं जाव लोभेणं, एवं णेरइया
जाव वेमाणिया, बंधिसु, बंधंति, बंधिस्संति, उदीरिंसु, उदीरंति, उदीरिस्संति, वेदिंसु,
वेदंति, वेदइस्संति, णिजरिंसु, णिजरंति, णिजरिस्संति, एवं एए जीवाइया वेमा-
णियपज्जवसाणा अट्टारस दंडगा जाव वेमाणिया णिजरिंसु णिजरंति णिजरिस्संति ।
आयपइद्विय स्वेत्तं पडुच्चऽणंताणुबंधि आभोगे । चिण उवचिण बंध उदीर वेय तह
णिजरा चेव ॥१॥४२४॥ पण्णवणाए भगवईए चोइसमं कसायपयं
समत्तं ॥

पण्णरसमं इंदियपयं—पढमो उद्देशो

संठाणं बाहल्लं पोहत्तं कइपएस ओगाढे । अप्पावहु पुट्ट पविट्ट विसय अणगार
आहारे ॥१॥ अहाय असी य मणी दुद्ध पाणे तेल्ल फाणिय वसा य । कंवल
थूणा थिगल सीवोदहि लोमऽलोमे य ॥२॥ कइ णं भंते ! इंदिया पण्णत्ता ? गोयमा !
पंच इंदिया पण्णत्ता । तंजहा—सोइदिए, चक्खिदिए, घाणिंदिए, जिब्भिंदिए,
फासिंदिए ॥४२५॥ सोइदिए णं भंते ! किं संठिए पण्णत्ते ? गोयमा ! कल्लबुवा-
पुप्फसंठाणसंठिए पण्णत्ते । चक्खिदिए णं भंते ! किं संठिए पण्णत्ते ? गोयमा !
मसूरचंदसंठाणसंठिए पण्णत्ते । घाणिंदिए णं भंते ! पुच्छा । गोयमा ! अइमुत्तागचंद-
संठाणसंठिए पण्णत्ते । जिब्भिंदिए णं पुच्छा । गोयमा ! खुरप्पसंठाणसंठिए पण्णत्ते ।
फासिंदिए णं पुच्छा । गोयमा ! णाणासंठाणसंठिए पण्णत्ते १ ॥४२६॥ सोइदिए णं
भंते ! केवइयं बाहल्लेणं पण्णत्ते ? गोयमा ! अंगुलस्स असंखेज्जमार्गं बाहल्लेणं पण्णत्ते ।
एवं जाव फासिंदिए २ । सोइदिए णं भंते ! केवइयं पोहत्तेणं पण्णत्ते ? गोयमा !

अंगुलस्स असंखेज्जभाणं पोहत्तेणं पणत्ते । एवं चक्खिदि ए वि घाणिदि ए वि । जिम्भिदि ए णं पुच्छा । गोयमा ! अंगुलपुट्टं पोहत्तेणं पणत्ते । फासिदि ए णं पुच्छा । गोयमा ! सरीरप्पमाणमेत्ते पोहत्तेणं पणत्ते ३ ॥४२७॥ सोइदि ए णं भंते ! कइपए-सिए पणत्ते ? गोयमा ! अणंतपएसिए पणत्ते । एवं जाव फासिदि ए ४ ॥४२८॥ सोइदि ए णं भंते ! कइपएसोगाढे पणत्ते ? गोयमा ! असंखेज्जपएसोगाढे पणत्ते । एवं जाव फासिदि ए ५ ॥४२९॥ एएसि णं भंते ! सोइदियचक्खिदियघाणिदिय-जिम्भिदियफासिदियाणं ओगाहणट्ठयाए पएसट्ठयाए ओगाहणपएसट्ठयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवे चक्खिदि ए ओगाहणट्ठयाए, सोइदि ए ओगाहणट्ठयाए संखेज्जगुणे, घाणिदि ए ओगाहणट्ठयाए संखेज्जगुणे, जिम्भिदि ए ओगाहणट्ठयाए असंखेज्जगुणे, फासिदि ए ओगाहणट्ठयाए संखेज्जगुणे, पएसट्ठयाए-सव्वत्थोवे चक्खिदि ए पएसट्ठयाए, सोइदि ए पएसट्ठयाए संखेज्जगुणे, घाणिदि ए पएसट्ठयाए संखेज्जगुणे, जिम्भिदि ए पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणे, फासिदि ए पएसट्ठयाए संखेज्जगुणे, ओगाहणपएसट्ठयाए-सव्वत्थोवे चक्खिदि ए ओगाहणट्ठयाए, सोइदि ए ओगाहणट्ठयाए संखेज्जगुणे, घाणिदि ए ओगाहणट्ठयाए संखेज्जगुणे, जिम्भिदि ए ओगाहणट्ठयाए असंखेज्जगुणे, फासिदि ए ओगाहणट्ठयाए संखेज्जगुणे, फासिदियस्स ओगाहणट्ठयाएहिंतो चक्खिदि ए पएसट्ठयाए अणंतगुणे, सोइदि ए पएसट्ठयाए संखेज्जगुणे, घाणिदि ए पएसट्ठयाए संखेज्जगुणे, जिम्भिदि ए पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणे, फासिदि ए पएसट्ठयाए संखेज्जगुणे ॥४३०॥ सोइदियस्स णं भंते ! केवइया कक्खडगरुयगुणा पणत्ता ? गोयमा ! अणंता कक्खडगरुयगुणा पणत्ता, एवं जाव फासिदियस्स । सोइदियस्स णं भंते ! केवइया मउयलहुयगुणा पणत्ता ? गोयमा ! अणंता मउयलहुयगुणा पणत्ता, एवं जाव फासिदियस्स ॥ ४३१ ॥ एएसि णं भंते ! सोइदियचक्खिदियघाणिदियजिम्भिदियफासिदियाणं कक्खडगरुयगुणाणं मउयलहुयगुणाणं कक्खडगरुयगुणमउयलहुयगुणाणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा चक्खिदियस्स कक्खडगरुयगुणा, सोइदियस्स कक्खडगरुयगुणा अणंतगुणा, घाणिदियस्स कक्खडगरुयगुणा अणंतगुणा, जिम्भिदियस्स कक्खडगरुयगुणा अणंतगुणा, फासिदियस्स कक्खडगरुयगुणा अणंतगुणा । मउयलहुयगुणाणं-सव्वत्थोवा फासिदियस्स मउयलहुयगुणा, जिम्भिदियस्स मउयलहुयगुणा अणंतगुणा, घाणिदियस्स मउयलहुयगुणा अणंतगुणा, सोइदियस्स मउयलहुयगुणा अणंतगुणा,

चर्क्खिदियस्स मउयलहुयगुणा अणंतगुणा । कक्खडगस्यगुणाणं मउयलहुयगुणाण
य-सव्वत्थोवा चर्क्खिदियस्स कक्खडगस्यगुणा, सोइंदियस्स कक्खडगस्यगुणा अणंत-
गुणा, धाणिंदियस्स कक्खडगस्यगुणा अणंतगुणा, जिम्भिदियस्स कक्खडगस्यगुणा
अणंतगुणा, फासिंदियस्स कक्खडगस्यगुणा अणंतगुणा, फासिंदियस्स कक्खडगस्य-
गुणेहिंतो तस्स चेव मउयलहुयगुणा अणंतगुणा, जिम्भिदियस्स मउयलहुयगुणा
अणंतगुणा, धाणिंदियस्स मउयलहुयगुणा अणंतगुणा, सोइंदियस्स मउयलहुयगुणा
अणंतगुणा, चर्क्खिदियस्स मउयलहुयगुणा अणंतगुणा ॥ ४३२ ॥ णेरइयाणं भंते !
कइ इंदिया पणत्ता ! गोयमा ! पंच०, तंजहा-सोइंदिए जाव फासिंदिए । णेरइ-
याणं भंते ! सोइंदिए किं संठिए पणत्ते ! गोयमा ! कलंबुयासंठाणसंठिए पणत्ते ।
एवं जहेव ओहियाणं वत्तव्वया भणिया तहेव णेरइयाणं पि जाव अप्पावहुयाणि
दोण्णि वि । णवरं णेरइयाणं भंते ! फासिंदिए किं संठिए पणत्ते ! गोयमा ! दुविहे
पणत्ते । तंजहा-भवधारणिजे य उत्तरवेउव्विए य । तत्थ णं जे से भवधारणिजे से
णं हुंडसंठाणसंठिए पणत्ते, तत्थ णं जे से उत्तरवेउव्विए से वि तहेव, सेसं तं चेव
॥ ४३३ ॥ असुरकुमाराणं भंते ! कइ इंदिया पणत्ता ! गोयमा ! पंच०, एवं जहा
ओहियाणि जाव अप्पावहुयाणि दोण्णि वि । णवरं फासिंदिए दुविहे पणत्ते । तंजहा-
भवधारणिजे य उत्तरवेउव्विए य । तत्थ णं जे से भवधारणिजे से णं समचउरंस-
संठाणसंठिए पणत्ते, तत्थ णं जे से उत्तरवेउव्विए से णं णाणासंठाणसंठिए, सेसं
तं चेव । एवं जाव थणियकुमाराणं ॥ ४३४ ॥ पुढविकाइयाणं भंते ! कइ इंदिया
पणत्ता ! गोयमा ! एमे फासिंदिए पणत्ते । पुढविकाइयाणं भंते ! फासिंदिए
किंसंठाणसंठिए पणत्ते ! गोयमा ! मसूरचंदसंठाणसंठिए पणत्ते । पुढविकाइयाणं
भंते ! फासिंदिए केवइयं बाहल्लेणं पणत्ते ! गोयमा ! अंगुलस्स असंखेज्झमां
बाहल्लेणं पणत्ते । पुढविकाइयाणं भंते ! फासिंदिए केवइयं पोहत्तेणं पणत्ते ! गोयमा !
सरीरप्पमाणमेत्ते पोहत्तेणं प० । पुढविकाइयाणं भंते ! फासिंदिए कइएएसिए पणत्ते !
गोयमा ! अणंतपएसिए पणत्ते । पुढविकाइयाणं भंते ! फासिंदिए कइएसोमाढे
पणत्ते ! गोयमा ! असंखेज्झएसोमाढे पणत्ते । एसि णं भंते ! पुढविकाइयाणं
फासिंदियस्स ओगाहणट्ठयाए पएसट्ठयाए ओगाहणपएसट्ठयाए कयरे कयरेहिंतो
अप्पा वा ४ ! गोयमा ! सव्वत्थोवे पुढविकाइयाणं फासिंदिए ओगाहणट्ठयाए, से
चेव पएसट्ठयाए अणंतगुणे । पुढविकाइयाणं भंते ! फासिंदियस्स केवइया कक्खड-

गरुयगुणा पणत्ता ! गोयमा ! अणंता, एवं मउयलहुयगुणा वि । एएसि णं भंते ! पुदविकाइयाणं फासिदियस्स कक्खडगरुयगुणाणं मउयलहुयगुणाणं य कयरे कयरे-
 हितो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा पुदविकाइयाणं फासिदियस्स कक्खड-
 गरुयगुणा, तस्स चेव मउयलहुयगुणा अणंतगुणा । एवं आउकाइयाणं वि जाव
 वणप्फइकाइयाणं, णवरं संठाणे इमो विसेतो दट्ठब्बो—आउकाइयाणं थिबुगविंदुसंठाण-
 संठिए पणत्ते । तेउकाइयाणं सूइकलावसंठाणसंठिए पणत्ते । वाउकाइयाणं
 पडागासंठाणसंठिए पणत्ते । वणप्फइकाइयाणं णाणासंठाणसंठिए पणत्ते ॥ ४३५ ॥
 बेइंदियाणं भंते ! कइ इंदिया पणत्ता ! गोयमा ! दो इंदिया पणत्ता । तंजहा—
 जिब्भिमिए य फासिदिए य । दोण्हं पि इंदियाणं संठाणं बाहल्लं पोहत्तं पएसा ओगा-
 हणा य जहा ओहियाणं भणिया तंहा भाणियव्वा, णवरं फासिदिए हुंडसंठाणसंठिए
 पणत्तेत्ति इमो विसेतो । एएसि णं भंते ! बेइंदियाणं जिब्भिमियफासिदियाणं
 ओगाहणद्वयाए पएसद्वयाए ओगाहणपएसद्वयाए कयरे कयरेहितो अप्पा वा ४ ?
 गोयमा ! सव्वत्थोवे बेइंदियाणं जिब्भिमिए ओगाहणद्वयाए, फासिदिए ओगाहणद्वयाए
 संखेजगुणे । पएसद्वयाए—सव्वत्थोवे बेइंदियाणं जिब्भिमिए पएसद्वयाए, फासिदिए
 संखेजगुणे । ओगाहणपएसद्वयाए—सव्वत्थोवे बेइंदियस्स जिब्भिमिए ओगाहणद्वयाए,
 फासिदिए ओगाहणद्वयाए संखेजगुणे, फासिदियस्स ओगाहणद्वयाएहितो जिब्भिमिए
 पएसद्वयाए अणंतगुणे, फासिदिए पएसद्वयाए संखेजगुणे । बेइंदियाणं भंते !
 जिब्भिमियस्स केवइया कक्खडगरुयगुणा पणत्ता ! गोयमा ! अणंता । एवं फासि-
 दियस्स वि, एवं मउयलहुयगुणा वि । एएसि णं भंते ! बेइंदियाणं जिब्भिमिय-
 फासिदियाणं कक्खडगरुयगुणाणं, मउयलहुयगुणाणं, कक्खडगरुयगुणाणं, मउयलहुय-
 गुणाणं य कयरे कयरेहितो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा बेइंदियाणं जिब्भि-
 दियस्स कक्खडगरुयगुणा, फासिदियस्स कक्खडगरुयगुणा अणंतगुणा, फासिदियस्स
 कक्खडगरुयगुणेहितो तस्स चेव मउयलहुयगुणा अणंतगुणा, जिब्भिमियस्स मउय-
 लहुयगुणा अणंतगुणा । एवं जाव चउरिंदियत्ति, णवरं इंदियपरिबुद्धी कायव्वा ।
 तेइंदियाणं धाणिदिए थोवे, चउरिंदियाणं चक्खिदिए थोवे, सेसं तं चेव । पंचि-
 दियतिरिक्खजोणियाणं मणूसाणं य जहा णेरइयाणं, णवरं फासिदिए छव्विहसंठाण-
 संठिए पणत्ते । तंजहा—समचउरंसे णिगोहपरिमंडले साई खुजे वामणे हुंडे ।
 वाणमंतरजोइसियवेमाणियाणं जहा असुरकुमाराणं ॥ ४३६ ॥ पुट्ठाइं भंते ! सदाइं

सुणेइ, अपुट्ठाइं सदाइं सुणेइ ! गोयमा ! पुट्ठाइं सदाइं सुणेइ, णो अपुट्ठाइं सदाइं सुणेइ । पुट्ठाइं भते ! रुवाइं पासइ, अपुट्ठाइं० पासइ ! गोयमा ! णो पुट्ठाइं रुवाइं पासइ, अपुट्ठाइं रुवाइं पासइ । पुट्ठाइं भंते ! गंधाइं अग्घाइ, अपुट्ठाइं गंधाइं अग्घाइ ! गोयमा ! पुट्ठाइं गंधाइं अग्घाइ, णो अपुट्ठाइं० अग्घाइ । एवं रसाण वि फासाण वि, णवरं रसाइं अस्साएइ, फासाइं पडिसंवेदेइ ति अभिलावो कायव्वो । पविट्ठाइं भंते ! सदाइं सुणेइ, अपविट्ठाइं सदाइं सुणेइ ! गोयमा ! पविट्ठाइं सदाइं सुणेइ, णो अपविट्ठाइं सदाइं सुणेइ, एवं जहा पुट्ठाणि तथा पविट्ठाणि वि ॥४३७॥ सोईंदियस्स णं भंते ! केवइए विसए पण्णत्ते ! गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जभागो, उक्कोसेणं बारसहिं जोयणेहिंतो अच्छिण्णे पोमाले पुट्ठे पविट्ठाइं सदाइं सुणेइ । चर्क्खिंदियस्स णं भंते ! केवइए विसए पण्णत्ते ! गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जभागो, उक्कोसेणं साहरेगाओ जोयणसथसहसाओ । अच्छिण्णे पोमाले अपुट्ठे अपविट्ठाइं रुवाइं पासइ । घाणिंदियस्स पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलअसंखेज्जभागो, उक्कोसेणं णवहिं जोयणेहिंतो अच्छिण्णे पोमाले पुट्ठे पविट्ठाइं गंधाइं अग्घाइ, एवं जिम्भिंदियस्स वि फासिंदियस्स वि ॥ ४३८ ॥ अणगारस्स णं भंते ! भावियप्पणो मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स जे चरमा णिजरापोमाला, सुहुमा णं ते पोमाला पण्णत्ता समणाउसो !, सव्वं लोगं पि य णं ते ओगाहिता णं चिट्ठंति ! हंता गोयमा ! अणगारस्स भावियप्पणो मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स जे चरमा णिजरापोमाला, सुहुमा णं ते पोमाला पण्णत्ता समणाउसो !, सव्वं लोगं पि य णं ओगाहिता णं चिट्ठंति । छउमत्थे णं भंते ! मणूसे तेसिं णिजरापोमालाणं किं आणत्तं वा णाणत्तं वा ओमत्तं वा तुच्छत्तं वा गरुयत्तं वा लहुयत्तं वा जाणइ पासइ ! गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—छउमत्थे णं मणूसे तेसिं णिजरापोमालाणं णो किंचि आणत्तं वा णाणत्तं वा ओमत्तं वा तुच्छत्तं वा गरुयत्तं वा लहुयत्तं वा जाणइ पासइ ? गोयमा ! देवे वि य णं अत्येगइए जे णं तेसिं णिजरापोमालाणं णो किंचि आणत्तं वा णाणत्तं वा ओमत्तं वा तुच्छत्तं वा गरुयत्तं वा लहुयत्तं वा जाणइ पासइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ—छउमत्थे णं मणूसे तेसिं णिजरापोमालाणं णो किंचि आणत्तं वा जाव जाणइ पासइ, एवं सुहुमा णं ते पोमाला पण्णत्ता समणाउसो !, सव्वलोगं पि य णं ते ओगाहिता णं चिट्ठंति ॥४३९॥ णेरइया णं भंते ! ते णिजरापोमाले किं जाणंति पासंति आहारंति, उदाहु

ण जाणंति ण पासंति आहारंति ! गोयमा ! णेरइया णिजरापोगले ण जाणंति ण पासंति आहारंति, एवं जाव पंचिदियतिरिक्खजोणियाणं ॥४४०॥ मणूसा णं भंते ! ते णिजरापोगले किं जाणंति पासंति आहारंति, उदाहु ण जाणंति ण पासंति आहारंति ! गोयमा ! अत्येगइया जाणंति पासंति आहारंति, अत्येगइया ण जाणंति ण पासंति आहारंति । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘अत्येगइया जाणंति पासंति आहारंति, अत्येगइया ण जाणंति ण पासंति आहारंति’ ? गोयमा ! मणूसा दुविहा पणत्ता । तंजहा—सण्णिभूया य असण्णिभूया य । तत्थ णं जे ते असण्णिभूया ते णं ण जाणंति ण पासंति आहारंति । तत्थ णं जे ते सण्णिभूया ते दुविहा पणत्ता । तंजहा—उवउत्ता य अणुवउत्ता य । तत्थ णं जे ते अणुवउत्ता ते णं ण जाणंति ण पासंति आहारंति । तत्थ णं जे ते उवउत्ता ते णं जाणंति पासंति आहारंति, से एएणट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ—‘अत्येगइया ण जाणंति ण पासंति आहारंति, अत्येगइया जाणंति पासंति आहारंति’ । वाणमंतरजोइसिया जहा णेरइया ॥४४१॥ वेमाणिया णं भंते ! ते णिजरापोगले किं जाणंति पासंति आहारंति ? जहा मणूसा । णवरं वेमाणिया दुविहा पणत्ता । तंजहा—माइमिच्छद्दिट्ठीउववण्णगा य अमाइसम्मद्दिट्ठीउववण्णगा य । तत्थ णं जे ते माइमिच्छद्दिट्ठी उववण्णगा ते णं ण जाणंति ण पासंति आहारंति, तत्थ णं जे ते अमाइसम्मद्दिट्ठीउववण्णगा ते दुविहा पणत्ता । तंजहा—अणंतरोववण्णगा य परंपरोववण्णगा य । तत्थ णं जे ते अणंतरोववण्णगा ते णं ण जाणंति ण पासंति आहारंति । तत्थ णं जे ते परंपरोववण्णगा ते दुविहा पणत्ता । तंजहा—पज्जत्ता य अपज्जत्ता य । तत्थ णं जे ते अपज्जत्ता ते णं ण जाणंति ण पासंति आहारंति । तत्थ णं जे ते पज्जत्ता ते दुविहा पणत्ता । तंजहा—उवउत्ता य अणुवउत्ता य । तत्थ णं जे ते अणुवउत्ता ते णं ण जाणंति ण पासंति आहारंति, तत्थ णं जे ते उवउत्ता ते णं जाणंति पासंति आहारंति, से एएणट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ—‘अत्येगइया जाणंति जाव अत्येगइया आहारंति ॥४४२॥ अदायं भंते ! पेहमाणे मणूसे अदायं पेहइ, अत्ताणं पेहइ, पलिभाणं पेहइ ? गोयमा ! अदायं पेहइ, णो अत्ताणं पेहइ, पलिभाणं पेहइ । एवं एएणं अमिल्लवेणं अस्मिं मणिं दुद्धं पाणं तेल्लं फाणियं वसं ॥४४३॥ कंबलसाडणं णं भंते ! आवेदियपरिवेदिणं समाणे जावइयं उवासंतरं फुसित्ता णं चिट्ठइ विरड्धिणं वि समाणे तावइयं चेव उवासंतरं फुसित्ता णं चिट्ठइ ? हंता गोयमा ! कंबलसाडणं आवेदियपरिवेदिणं समाणे जावइयं तं चेव । शूणा णं भंते ! उद्धं ऊसिया समाणी जावइयं खेत्तं

ओगाहिता णं चिद्धइ, तिरिबं पि य णं आयया समाणी तावइयं चेव खेत्त ओगा-
हिता णं चिद्धइ ? हंता गोयमा ! थूणा णं उद्धं ऊसिया तं चेव जाव चिद्धइ ॥४४४॥
आगासथिगले णं भंते ! किंणा फुडे ? कइहिं वा काएहिं फुडे ? किं धम्मत्थिकाएणं
फुडे, धम्मत्थिकायस्स देसेणं फुडे, धम्मत्थिकायस्स पएसेहिं फुडे ? एवं अधम्मत्थि-
काएणं, आगासत्थिकाएणं एएणं मेएणं जाव पुढविकाएणं फुडे जाव तसकाएणं,
अद्दासमएणं फुडे ?, गोयमा ! धम्मत्थिकाएणं फुडे, णो धम्मत्थिकायस्स देसेणं
फुडे, धम्मत्थिकायस्स पएसेहिं फुडे, एवं अधम्मत्थिकाएणं वि, णो आगासत्थि-
काएणं फुडे, आगासत्थिकायस्स देसेणं फुडे, आगासत्थिकायस्स पएसेहिं फुडे जाव
वणस्सइकाएणं फुडे, तसकाएणं सिय फुडे, सिय णो फुडे, अद्दासमएणं देसे फुडे,
देसे णो फुडे । जंबुदीवे णं भंते ! दीवे किंणा फुडे ? कइहिं वा काएहिं फुडे ? किं
धम्मत्थिकाएणं जाव आगासत्थिकाएणं फुडे०?, गोयमा ! णो धम्मत्थिकाएणं फुडे,
धम्मत्थिकायस्स देसेणं फुडे, धम्मत्थिकायस्स पएसेहिं फुडे, एवं अधम्मत्थिकायस्स
वि आगासत्थिकायस्स वि, पुढविकाएणं फुडे जाव वणस्सइकाएणं फुडे, तसकाएणं
सिय फुडे सिय णो फुडे, अद्दासमएणं फुडे । एवं लवणसमुद्दे, धायइसंडे दीवे,
कालोए समुद्दे, अम्भितरपुक्खरुद्धे । बाहिरपुक्खरुद्धे एवं चेव, णवरं अद्दासमएणं
णो फुडे । एवं जाव सयंभूरमणसमुद्दे । एसा परिवाडी इमाहिं गाहाहिं अणुगंतव्वा,
तंजहा-“जंबुदीवे लवणे धायइ कालोए पुक्खरे वरुणे । खीर-धय खोय णंदि य
अरुणखरे कुण्डले रुयए ॥१॥ आभरणवत्थमंथे उप्पलत्तिलए य पउमणिहिरयणे ।
वासहरदहणईओ विजया वक्खारक्खिंदा ॥२॥ कुरु मंदर आवासा कूडा णक्खत्त-
चंदसूरा य । देवे णाणे जक्खे भूए य सयंभूरमणे य ॥ ३ ॥ एवं जहा बाहिर-
पुक्खरुद्धे भणिए तहा जाव सयंभूरमणसमुद्दे जाव अद्दासमएणं णो फुडे ॥४४५॥
लोणे णं भंते ! किंणा फुडे ? कइहिं वा काएहिं० ? जहा आगासथिगले । अलोए
णं भंते ! किंणा फुडे, कइहिं वा काएहिं पुच्छा । गोयमा ! णो धम्मत्थिकाएणं
फुडे जाव णो आगासत्थिकाएणं फुडे, आगासत्थिकायस्स देसेणं फुडे, आगासत्थि-
कायस्स पएसेहिं फुडे णो पुढविकाएणं फुडे जाव णो अद्दासमएणं फुडे । एगे
अजीवदव्वदेसे अगुरुलहुए अणंतेहिं अगुरुलहुयगुणेहिं संजुत्ते सव्वागासअणंत-
भागूणे ॥४४६॥ पणवणाए भगवईए पणरसमस्स इंदियपयस्स

पढमो उद्देसो समत्तो ॥

बीओ उद्देसो

इंदियउवचय १ णिव्वत्तणा २ य समयो भवे असंखेजा ३ । लद्धी ४ उवओ-
गद्ध ५ अप्पावहुए विसेसाहिया ६ ॥ ओगाहणा ७ अवाए ८ ईहा ९ तह वंजणो-
भाहे १० चेव । दब्बिदिय ११ भाविदिय १२ तीया वद्धा पुरस्खडिया ॥ कइविहे
णं भंते ! इंदियउवचए पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे इंदियउवचए पण्णत्ते । तंजहा-
सोइंदियउवचए, चर्खिंदियउवचए घाणिंदियउवचए, जिब्भिंदियउवचए, फासि-
दियउवचए । णेरइयाणं भंते ! कइविहे इंदिओवचए पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे
इंदिओवचए पण्णत्ते । तंजहा-सोइंदियउवचए जाव फासिंदियउवचए, एवं जाव
वेमाणियाणं । जस्स जइ इंदिया तस्स सइविहो चेव इंदियउवचओ भाणियव्वा
१ । कइविहा णं भंते ! इंदियणिव्वत्तणा पण्णत्ता ? गोयमा ! पंचविहा इंदियणिव्व-
त्तणा पण्णत्ता । तंजहा-सोइंदियणिव्वत्तणा जाव फासिंदियणिव्वत्तणा । एवं णेरइ-
याणं जाव वेमाणियाणं, णवरं जस्स जइ इंदिया अत्थि ० ३ । सोइंदियणिव्वत्तणा
णं भंते ! कइसमइया पण्णत्ता ? गोयमा ! असंखिजइसमइया अंतोमुहुत्तिया पण्णत्ता,
एवं जाव फासिंदियणिव्वत्तणा । एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं ३ । कइविहा णं
भंते ! इंदियलद्धी पण्णत्ता ? गोयमा ! पंचविहा इंदियलद्धी पण्णत्ता । तंजहा-सोइ-
दियलद्धी जाव फासिंदियलद्धी । एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, णवरं जस्स
जइ इंदिया अत्थि तस्स तावइया भाणियव्वा ४ । कइविहा णं भंते ! इंदियउव-
ओगद्धा पण्णत्ता ? गोयमा ! पंचविहा इंदियउवओगद्धा पण्णत्ता । तंजहा-सोइंदिय-
उवओगद्धा जाव फासिंदियउवओगद्धा । एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं णवरं
जस्स जइ इंदिया अत्थि ० ५ ॥ ४४७ ॥ एएसि णं भंते ! सोइंदियचर्खिंदियघाणि-
दियजिब्भिंदियफासिंदियाणं जहणियाए उवओगद्धाए उक्कोसियाए उवओगद्धाए
जहण्णुक्कोसियाए उवओगद्धाए कयरे कयरेहितो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वथोवा
चर्खिंदियस्स जहणिया उवओगद्धा, सोइंदियस्स जहणिया उवओगद्धा विसेसा-
हिया, घाणिंदियस्स जहणिया उवओगद्धा विसेसाहिया, जिब्भिंदियस्स जहणिया
उवओगद्धा विसेसाहिया, फासिंदियस्स जहणिया उवओगद्धा विसेसाहिया, उक्को-
सियाए उवओगद्धाए-सव्वथोवा चर्खिंदियस्स उक्कोसिया उवओगद्धा, सोइं-
दियस्स उक्कोसिया उवओगद्धा विसेसाहिया, घाणिंदियस्स उक्कोसिया उवओगद्धा
विसेसाहिया, जिब्भिंदियस्स उक्कोसिया उवओगद्धा विसेसाहिया, फासिंदियस्स

उक्कोसिया उवओगद्धा विसेसाहिया, जहण्णउक्कोसियाए उवओगद्धाए-सव्वत्थोवा चक्खिदियस्स जहण्णिया उवओगद्धा, सोइंदियस्स जहण्णिया उवओगद्धा विसेसाहिया, घाणिंदियस्स जहण्णिया उवओगद्धा विसेसाहिया, जिब्भिंदियस्स जहण्णिया उवओगद्धा विसेसाहिया, फासिंदियस्स जहण्णिया उवओगद्धा विसेसाहिया, फासिंदियस्स जहण्णियाहिंतो उवओगद्धाहिंतो चक्खिदियस्स उक्कोसिया उवओगद्धा विसेसाहिया, सोइंदियस्स उक्कोसिया उवओगद्धा विसेसाहिया, घाणिंदियस्स उक्कोसिया उवओगद्धा विसेसाहिया, जिब्भिंदियस्स उक्कोसिया उवओगद्धा विसेसाहिया, फासिंदियस्स उक्कोसिया उवओगद्धा विसेसाहिया ॥४४८॥ कइविहा णं भंते ! इंदियओगाहणा पणत्ता ? गोयमा ! पंचविहा इंदियओगाहणा पणत्ता । तंजहा-सोइंदियओगाहणा जाव फासिंदियओगाहणा, एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, णवरं जस्स जइ इंदिया अत्थि० ६ ॥४४९॥ कइविहे णं भंते ! इंदियअवाए पणत्ते ? गोयमा ! पंचविहे इंदियअवाए पणत्ते । तंजहा-सोइंदियअवाए जाव फासिंदियअवाए । एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, णवरं जस्स जइ इंदिया अत्थि० ७ । कइविहा णं भंते ! ईहा पणत्ता ? गोयमा ! पंचविहा ईहा पणत्ता । तंजहा-सोइंदियईहा जाव फासिंदियईहा । एवं जाव वेमाणियाणं, णवरं जस्स जइ इंदिया० ८ । कइविहे णं भंते ! उग्गहे पणत्ते ? गोयमा ! दुविहे उग्गहे पणत्ते । तंजहा-अत्थोग्गहे य वंजणोग्गहे य । वंजणोग्गहे णं भंते ! कइविहे पणत्ते ? गोयमा ! चउत्विहे पणत्ते । तंजहा-सोइंदियवंजणोग्गहे, घाणिंदियवंजणोग्गहे, जिब्भिंदियवंजणोग्गहे, फासिंदियवंजणोग्गहे । अत्थोग्गहे णं भंते ! कइविहे पणत्ते ? गोयमा ! छुत्विहे पणत्ते । तंजहा-सोइंदियअत्थोग्गहे, चक्खिदियअत्थोग्गहे, घाणिंदियअत्थोग्गहे, जिब्भिंदियअत्थोग्गहे, फासिंदियअत्थोग्गहे, णोइंदियअत्थोग्गहे ॥४५०॥ णेरइयाणं भंते ! कइविहे उग्गहे पणत्ते ? गोयमा ! दुविहे उग्गहे पणत्ते । तंजहा-अत्थोग्गहे य वंजणोग्गहे य । एवं असुरकुमाराणं जाव थणियकुमाराणं । पुटविकाइयाणं भंते ! कइविहे उग्गहे पणत्ते ? गोयमा ! दुविहे उग्गहे पणत्ते । तं--अत्थोग्गहे य वंजणोग्गहे य । पुटविकाइयाणं भंते ! वंजणोग्गहे कइविहे पणत्ते ? गोयमा ! एगे फासिंदियवंजणोग्गहे पणत्ते । पुटविकाइयाणं भंते ! कइविहे अत्थोग्गहे पणत्ते ? गोयमा ! एगे फासिंदियअत्थोग्गहे पणत्ते । एवं जाव वणस्सइकाइयाणं । एवं बेइंदियाणं वि, णवरं बेइंदियाणं वंजणोग्गहे दुविहे पणत्ते, अत्थोग्गहे दुविहे पणत्ते, एवं तेइंदिय-चउत्तिंदियाणं वि, णवरं इंदियपरिवुद्धी कायत्वा । चउत्तिंदियाणं वंजणोग्गहे ति विहे

पण्णत्ते, अत्थोग्गहे चउव्विहे पण्णत्ते, सेसाणं जहा णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं
 ९-१० ॥४५१॥ कइविहा णं भंते ! इंदिया पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता ।
 तंजहा-दव्विदिया य भाविंदिया य ! कइ णं भंते ! दव्विदिया पण्णत्ता ? गोयमा !
 अट्ठ दव्विदिया पण्णत्ता । तंजहा-दो सोत्ता, दो णेत्ता, दो घाणा, जीहा, फासे ।
 णेरइयाणं भंते ! कइ दव्विदिया पण्णत्ता ? गोयमा ! अट्ठ एए चेव, एवं असुरकुमा-
 राणं जाव थणियकुमाराणं वि । पुट्टविकाइयाणं भंते ! कइ दव्विदिया पण्णत्ता ?
 गोयमा ! एगे फासिंदिए पण्णत्ते । एवं जाव वणस्सइकाइयाणं । बेइदियाणं भंते !
 कइ दव्विदिया पण्णत्ता ? गोयमा ! दो दव्विदिया पण्णत्ता । तंजहा-फासिंदिए य
 जिन्निमदिए य । तेइदियाणं पुच्छा । गोयमा ! चत्तारि दव्विदिया पण्णत्ता । तंजहा-
 दो घाणा, जीहा, फासे । चउरिंदियाणं पुच्छा । गोयमा ! छ दव्विदिया पण्णत्ता ।
 तंजहा-दो णेत्ता, दो घाणा, जीहा, फासे । सेसाणं जहा णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं
 ॥४५२॥ एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स केवइया दव्विदिया अतीता ? गोयमा !
 अणंता । केवइया बद्धेल्ला ? गोयमा ! अट्ठ । केवइया पुरेक्खडा ? गोयमा ! अट्ठ
 वा सोलस वा सत्तरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा । एगमेगस्स णं भंते !
 असुरकुमारस्स केवइया दव्विदिया अतीता ? गोयमा ! अणंता । केवइया बद्धेल्ला ?
 गो० ! अट्ठ । केवइया पुरेक्खडा ? गो० ! अट्ठ वा णव वा सत्तरस वा संखेज्जा वा असं-
 खेज्जा वा अणंता वा । एवं जाव थणियकुमाराणं ताव भाणियत्वं । एवं पुट्टविकाइया
 आउकाइया वणस्सइकाइया वि, णवरं केवइया बद्धेल्लागत्ति पुच्छाए उत्तरं एक्के
 फासिंदियदव्विदिए प० । एवं तेउकाइयवाउकाइयस्स वि, णवरं पुरेक्खडा णव वा दस
 वा । एवं बेइदियाणं वि, णवरं बद्धेल्लागपुच्छाए दोण्णि । एवं तेइंदियस्स वि, णवरं
 बद्धेल्लाग चत्तारि । एवं चउरिंदियस्स वि, णवरं बद्धेल्लाग छ । पंचिंदियतिरिक्ख-
 जोणियनणूमवाणमंतर-जोइसिय सोहम्मीसाणगदेवस्स जहा असुरकुमारस्स, णवरं मणू-
 सस्स पुरेक्खडा कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सअत्थि अट्ठ वा णव वा संखेज्जा वा
 असंखेज्जा वा अणंता वा । सणकुमारमाहिंदव्वंभलंतगसुक्कसहस्सारआणयपाणयआरण-
 अच्चुयगेवेज्जागदेवस्स य जहा णेरइयस्स । एगमेगस्स णं भंते ! विजयवेज्जयंतजयंत-
 अपराजियदेवस्स केवइया दव्विदिया अतीता ? गोयमा ! अणंता, केवइया बद्धेल्ला ?
 गो० ! अट्ठ, केवइया पुरेक्खडा ? गो० ! अट्ठ वा सोलस वा चउवीसा वा संखेज्जा
 वा । सव्वट्ठसिद्धगदेवस्स अतीता अणंता, बद्धेल्ला अट्ठ, पुरेक्खडा अट्ठ । णेरइयाणं

भंते ! केवइया दव्विदिया अतीता ? गोयमा ! अणंता, केवइया बढेह्मगा ? गोयमा !
 असंखेजा, केवइया पुरेक्खडा ? गोयमा ! अणंता । एवं जाव गेवेज्जगदेवाणं, णवरं
 मणूसणं बढेह्मगा सिय संखेजा, सिय असंखेजा । विजयवेज्जयंतजयंतअपराजिय-
 देवाणं पुच्छ । गोयमा ! अतीता अणंता, बढेह्मगा असंखेजा, पुरेक्खडा असंखेजा ।
 सव्वट्ठसिद्धगदेवाणं पुच्छ । गोयमा ! अतीता अणंता, बढेह्मगा संखेजा, पुरेक्खडा
 संखेजा ॥ ४५३ ॥ एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स णेरइयत्तं केवइया दव्विदिया
 अतीता ? गोयमा ! अणंता, केवइया बढेह्मगा ? गोयमा ! अट्ठ, केवइया पुरेक्खडा ?
 गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सऽत्थि अट्ठ वा सोलस वा चउवीसा
 वा संखेजा वा असंखेजा वा अणंता वा । एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स असुर-
 कुमारस्ते केवइया दव्विदिया अतीता ? गोयमा ! अणंता, केवइया बढेह्मगा ?
 गोयमा ! णत्थि, केवइया पुरेक्खडा ? गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि,
 जस्सऽत्थि अट्ठ वा सोलस वा चउवीसा वा संखेजा वा असंखेजा वा अणंता वा ।
 एवं जाव थणियकुमारत्ति । एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स पुट्टविकाइयस्ते केवइया
 दव्विदिया अतीता ? गोयमा ! अणंता, केवइया बढेह्मगा ? गोयमा ! णत्थि,
 केवइया पुरेक्खडा ? गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सऽत्थि एको वा दो
 वा तिण्णि वा संखेजा वा असंखेजा वा अणंता वा, एवं जाव वणस्सइयाइयस्ते ।
 एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स वेइंदियस्ते केवइया दव्विदिया अतीता ? गोयमा !
 अणंता, केवइया बढेह्मगा ? गोयमा ! णत्थि, केवइया पुरेक्खडा ? गोयमा !
 कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सऽत्थि दो वा चत्तारि वा संखेजा वा असंखेजा वा
 अणंता वा । एवं तेइंदियस्ते वि, णवरं पुरेक्खडा चत्तारि वा अट्ठ वा बारस वा
 संखेजा वा असंखेजा वा अणंता वा । एवं चउरिंदियस्ते वि, णवरं पुरेक्खडा छ वा
 बारस वा अट्ठारस वा संखेजा वा असंखेजा वा अणंता वा । पंचिंदियतिरिक्ख-
 जोणियस्ते जहा असुरकुमारस्ते । मणूसस्ते वि एवं चेव, णवरं केवइया पुरेक्खडा ?
 गो० ! अट्ठ वा सोलस वा चउवीसा वा संखेजा वा असंखेजा वा अणंता वा । सव्वेसिं
 मणूसवजाणं पुरेक्खडा ! मणूसस्ते कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि एवं ण वुच्चइ । वाण-
 मंतरजोइसियसोहम्मगा जाव गेवेज्जगदेवस्ते अतीता अणंता, बढेह्मगा णत्थि, पुरे-
 क्खडा कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्स अत्थि अट्ठ वा सोलस वा चउवीसा वा
 संखेजा वा असंखेजा वा अणंता वा । एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स विजयवेज्जयंत-

जयंतअपराजियदेवत्ते केवइया दव्विदिया अतीता ? गो० ! णत्थि, केवइया पुरे-
 क्खडा ? गो० ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्स अत्थि अट्ठ वा सोलस वा,
 सव्वट्ठसिद्धगदेवत्ते अतीता णत्थि, बद्धेल्लगा णत्थि, पुरेक्खडा कस्सइ अत्थि कस्सइ
 णत्थि, जस्स अत्थि अट्ठ । एवं जहा णेरइयदंडओ णीओ तहा । असुरकुमारेण वि
 णेयव्वो जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणिएणं, णवरं जस्स सट्ठाणे जइ बद्धेल्लगा तस्स तइ
 भाणियव्वा ॥४५४॥ एगमेगस्स णं भंते ! मणूसस्स णेरइयत्ते केवइया दव्विदिया
 अतीता ? गोयमा ! अणंता, केवइया बद्धेल्लगा ? गो० ! णत्थि, केवइया पुरेक्खडा ?
 गो० ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सत्थि अट्ठ वा सोलस वा चउवीसा वा
 संखेजा वा असंखेजा वा अणंता वा । एवं जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियत्ते, णवरं
 एगिंदियविगल्लिदिएसु जस्स जत्तिया पुरेक्खडा तस्स तत्तिया भाणियव्वा । एगमेगस्स
 णं भंते ! मणूसस्स मणूसत्ते केवइया दव्विदिया अतीता ? गोयमा ! अणंता,
 केवइया बद्धेल्लगा ? गोयमा ! अट्ठ, केवइया पुरेक्खडा ? गो० ! कस्सइ अत्थि
 कस्सइ णत्थि, जस्सत्थि अट्ठ वा सोलस वा चउवीसा वा संखेजा वा असंखेजा वा
 अणंता वा । वाणमंतरजोइसिय जाव गेवेजगदेवत्ते जहा णेरइयत्ते । एगमेगस्स
 णं भंते ! मणूसस्स विजयवेजयंतजयंतअपराजियदेवत्ते केवइया दव्विदिया अतीता ?
 गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्स अत्थि अट्ठ वा सोलस वा । केवइया
 बद्धेल्लगा ? गो० ! णत्थि, केवइया पुरेक्खडा ? गो० ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि,
 जस्सत्थि अट्ठ वा सोलस वा । एगमेगस्स णं भंते ! मणूसस्स सव्वट्ठसिद्धगदेवत्ते
 केवइया दव्विदिया अतीता ? गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सत्थि
 अट्ठ, केवइया बद्धेल्लगा ? गो० ! णत्थि, केवइया पुरेक्खडा ? गो० ! कस्सइ अत्थि
 कस्सइ णत्थि, जस्स अत्थि अट्ठ । वाणमंतरजोइसिए जहा णेरइए । सोहम्मगदेवे
 वि जहा णेरइए, णवरं सोहम्मगदेवस्स विजयवेजयंतजयंतापराजियत्ते केवइया दव्वि-
 दिया अतीता ? गो० ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्स अत्थि अट्ठ, केवइया बद्धे-
 ल्लगा ? गो० ! णत्थि, केवइया पुरेक्खडा ? गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि,
 जस्स अत्थि अट्ठ वा सोलस वा । सव्वट्ठसिद्धगदेवत्ते जहा णेरइयस्स, एवं जाव
 गेवेजगदेवस्स सव्वट्ठसिद्धगदेवत्ते ताव णेयव्वं ॥४५५॥ एगमेगस्स णं भंते ! विजय-
 वेजयंतजयंतापराजियदेवस्स णेरइयत्ते केवइया दव्विदिया अतीता ? गोयमा !
 अणंता, केवइया बद्धेल्लगा ? गो० ! णत्थि, केवइया पुरेक्खडा ? गो० ! णत्थि ।

एवं जाव पंचिदितिरिक्खजोणियत्ते । मणूसत्ते अतीता अणंता, बद्धेहगा णत्थि,
पुरेक्खडा अट्ठ वा सोलस वा चउवीसा वा संखेजा वा । वाणमंतरजोइसियत्ते
जहा णेरइयत्ते । सोहम्मगदेवत्तेऽतीता अणंता, बद्धेहगा णत्थि, पुरेक्खडा कस्सइ
अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्स अत्थि अट्ठ वा सोलस वा चउवीसा वा संखेजा वा ।
एवं जाव गोवेज्जगदेवत्ते । विजयवेज्जयंतजयंतअपराजियदेवत्ते अतीता कस्सइ अत्थि
कस्सइ णत्थि, जस्स अत्थि अट्ठ, केवइया बद्धेहगा ? गोयमा ! अट्ठ, केवइया
पुरेक्खडा ? गो० ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्स अत्थि अट्ठ । एगमेगस्स
णं भंते ! विजयवेज्जयंतजयंतअपराजियदेवस्स सव्वट्ठसिद्धगदेवत्ते केवइया दब्बिदिया
अतीता ? गोयमा ! णत्थि, केवइया बद्धेहगा ? गो० ! णत्थि, केवइया पुरेक्खडा ?
गो० ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्स अत्थि अट्ठ । एगमेगस्स णं भंते !
सव्वट्ठसिद्धगदेवस्स णेरइयत्ते केवइया दब्बिदिया अतीता ? गोयमा ! अणंता,
केवइया बद्धेहगा ? गो० ! णत्थि, केवइया पुरेक्खडा ? गो० ! णत्थि । एव मणूसवज्जं
जाव गोवेज्जगदेवत्ते, णवरं मणूसत्ते अतीता अणंता, केवइया बद्धेहगा ? गो० !
णत्थि, केवइया पुरेक्खडा ? गो० ! अट्ठ । विजयवेज्जयंतजयंतअपराजियदेवत्ते अतीता
कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्स अत्थि अट्ठ, केवइया बद्धेहगा ? गो० ! णत्थि,
केवइया पुरेक्खडा ? गो० ! णत्थि । एगमेगस्स णं भंते ! सव्वट्ठसिद्धगदेवस्स
सव्वट्ठसिद्धगदेवत्ते केवइया दब्बिदिया अतीता ? गोयमा ! णत्थि, केवइया बद्धे-
हगा ? गो० ! अट्ठ, केवइया पुरेक्खडा ? गो० ! णत्थि ॥४५६॥ णेरइयाणं भंते !
णेरइयत्ते केवइया दब्बिदिया अतीता ? गोयमा ! अणंता, केवइया बद्धेहगा ?
गो० ! असंखेजा, केवइया पुरेक्खडा ? गो० ! अणंता । णेरइयाणं भंते ! असुर-
कुमारत्ते केवइया दब्बिदिया अतीता ? गोयमा ! अणंता, केवइया बद्धेहगा ?
गो० ! णत्थि, केवइया पुरेक्खडा ? गो० ! अणंता, एवं जाव गोवेज्जगदेवत्ते । णेर-
इयाणं भंते ! विजयवेज्जयंतजयंतअपराजियदेवत्ते केवइया दब्बिदिया अतीता ?
णत्थि, केवइया बद्धेहगा ? गो० ! णत्थि, केवइया पुरेक्खडा ? गो० असंखेजा, एवं सव्वट्ठ-
सिद्धगदेवत्ते वि, एवं जाव पंचिदियतिरिक्खजोणिया सव्वट्ठसिद्धगदेवत्ते भाणियव्वं,
णवरं वणस्सइकाइयाणं विजयवेज्जयंतजयंतअपराजियदेवत्ते सव्वट्ठसिद्धगदेवत्ते य
पुरेक्खडा अणंता, सव्वेसिं मणूसव्वट्ठसिद्धगवजाणं सट्ठाणे बद्धेहगा असंखेजा,
परट्ठाणे बद्धेहगा णत्थि । वणस्सइकाइयाणं बद्धेहगा अणंता । मणूसानं णेरइयत्ते

अतीता अणंता, बद्धेह्मगा णत्थि, पुरेक्खवा अणंता । एवं जाव मेवेज्जगदेवत्ते, णवरं सट्ठाणे अतीता अणंता, बद्धेह्मगा सिय संखेजा सिय असंखेजा, पुरेक्खवा अणंता । मणूसणं भंते ! विजयवेज्जयंतजयंतअपराजियदेवत्ते केवइया दव्विदिया अतीता ?० संखेजा, केवइया बद्धेह्मगा !० णत्थि, केवइया पुरेक्खवा ?० सिय संखेजा सिय असंखेजा । एवं सव्वट्ठसिद्धगदेवत्ते अतीता णत्थि, बद्धेह्मगा णत्थि, पुरेक्खवा असंखेजा, एवं जाव मेवेज्जगदेवाणं । विजयवेज्जयंतजयंतअपराजियदेवाणं भंते ! णेरइयत्ते केवइया दव्विदिया अतीता ? गोयमा ! अणंता, केवइया बद्धेह्मगा ?० णत्थि, केवइया पुरेक्खवा ?० णत्थि । एवं जाव जोइसियत्ते वि, णवरं मणूसत्ते अतीता अणंता, केवइया बद्धेह्मगा ?० णत्थि, पुरेक्खवा असंखेजा । एवं जाव मेवेज्जगदेवत्ते सट्ठाणे अतीता असंखेजा, केवइया बद्धेह्मगा ?० असंखेजा, केवइया पुरेक्खवा ?० असंखेजा । सव्वट्ठसिद्धगदेवत्ते अतीता णत्थि, बद्धेह्मगा णत्थि, पुरेक्खवा असंखेजा । सव्वट्ठसिद्धगदेवाणं भंते ! णेरइयत्ते केवइया दव्विदिया अतीता ? गोयमा ! अणंता, केवइया बद्धेह्मगा ?० णत्थि, केवइया पुरेक्खवा ?० णत्थि । एवं मणूसवजं जाव मेवेज्जगदेवत्ते । मणूसत्ते अतीता अणंता, बद्धेह्मगा णत्थि, पुरेक्खवा संखेजा । विजयवेज्जयंतजयंतअपराजियदेवत्ते केवइया दव्विदिया अतीता ?० संखेजा, केवइया बद्धेह्मगा ?० णत्थि, केवइया पुरेक्खवा ?० णत्थि । सव्वट्ठसिद्धगदेवाणं भंते ! सव्वट्ठसिद्धगदेवत्ते केवइया दव्विदिया अतीता !० णत्थि, केवइया बद्धेह्मगा ?० संखेजा, केवइया पुरेक्खवा ? गो० ! णत्थि ११ ॥४५॥

कइ णं भंते ! भाविंदिया पणत्ता ? गोयमा ! पंच भाविंदिया पणत्ता ! तंजहा-सोइंदिए जाव फासिंदिए । णेरइयाणं भंते ! कइ भाविंदिया पणत्ता ? गोयमा ! पंच भाविंदिया पणत्ता । तंजहा-सोइंदिए जाव फासिंदिए । एवं जस्स जइ इंदिया तस्स तइ भाणियव्वा जाव वेमाणियाणं । एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स केवइया भाविंदिया अतीता ? गोयमा ! अणंता, केवइया बद्धेह्मगा ? पंच, केवइया पुरेक्खवा ?० पंच वा दस वा एक्कारस वा संखेजा वा असंखेजा वा अणंता वा । एवं असुरकुमारस्स वि, णवरं पुरेक्खवा पंच वा छ वा संखेजा वा असंखेजा वा अणंता वा । एवं जाव थणियकुमारस्स वि । एवं पुटविकाइयआउकाइयवणस्सइकाइयस्स वि, बेइदियतेइंदियचउरिंदियस्स वि । तेउकाइयवाउकाइयस्स वि एवं चेव, णवरं पुरेक्खवा छ वा सत्त वा संखेजा वा असंखेजा वा अणंता वा । पंचिंदियतिरिद्व-

जोषियस्स जाव ईसाणस्स जहा असुरकुमारस्स, णवरं मणूसस्स पुरेक्खवा कस्सइ
अत्थि कस्सइ णत्थि अत्थि भाणियव्वं । सणकुमार जाव गेवेज्जगस्स जहा णेरइयस्स ।
विजयंवेजयंतजयंतअप्रराजियदेवस्स अत्तीता अणंता, बद्धेह्मगा पंच, पुरेक्खवा पंच
वा दस वा पण्णरस वा संखेजा वा । सव्वट्ठसिद्धगदेवस्स अत्तीता अणंता, बद्धेह्मगा
पंच, केवइया पुरेक्खवा १० पंच । णेरइयाणं भंते ! केवइया भाविदिया अत्तीता !
गोयमा ! अणंता, केवइया बद्धेह्मगा १० असंखेजा, केवइया पुरेक्खवा १० अणंता ।
एवं जहा दव्विदिएसु पोहत्तेणं दंडओ भणिओ तहा भाविदिएसु वि पोहत्तेणं दंडओ
भाणियव्वो, णवरं वणस्सइकाइयाणं बद्धेह्मगा अणंता ॥ ४५८ ॥ एगमेगस्स णं
भंते ! णेरइयस्स णेरइयत्ते केवइया भाविदिया अत्तीता ! गोयमा ! अणंता, के०
बद्धेह्मगा १० पंच, पुरेक्खवा कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्स अत्थि पंच वा दस
वा पण्णरस वा संखेजा वा असंखेजा वा अणंता वा । एवं असुरकुमाराणं जाव
थणियकुमाराणं, णवरं बद्धेह्मगा णत्थि । पुटविकाइयत्ते जाव वेइदियत्ते जहा दव्वि-
दिया । तेइदियत्ते तहेव, णवरं पुरेक्खवा तिण्णि वा छ वा णव वा संखेजा वा
असंखेजा वा अणंता वा । एवं चउरिंदियत्ते वि, णवरं पुरेक्खवा चत्तारि वा अट्ठ वा
चारस वा संखेजा वा असंखेजा वा अणंता वा । एवं एए चेव गमा चत्तारि जाणे-
यव्वा जे चेव दव्विदिएसु, णवरं तइयगमे जाणियव्वा जस्स जइ इंदिया ते पुरेक्ख-
डेसु मुण्यव्वा । चउत्थेगमे जहेव दव्विदिया जाव सव्वट्ठसिद्धगदेयाणं सव्वट्ठसिद्धग-
देवत्ते केवइया भाविदिया अत्तीता १० णत्थि, के० बद्धेह्मगा १० संखेजा, के०
पुरेक्खवा १० णत्थि ॥ ४५९ ॥ बीओ उद्देसो समत्तो ॥ पण्णवणाए
भगवईए पण्णरसमं इंदियपयं समत्तं ॥

सोलसमं पओगपयं

कइविहे णं भंते ! पओगे पण्णत्ते ! गोयमा ! पण्णरसविहे पओगे पण्णत्ते ।
तंजहा-सच्चमणपओगे १, असच्चमणपओगे २, सच्चामोसमणपओगे ३, असच्चा-
मोसमणपओगे ४, एवं वइप्पओगे वि चउहा ८, ओरालियसरीरकायपओगे ९,
ओरालियमीससरीरकायपओगे १०, वेउव्वियसरीरकायपओगे ११, वेउव्विय-
मीससरीरकायपओगे १२, आहारगसरीरकायपओगे १३, आहारगमीससरीर-

कायप्पओगे १४, कम्मासरीरकायप्पओगे १५ ॥ ४६० ॥ जीवाणं भंते ! कइविहे पओगे पण्णत्ते ? गोयमा ! पण्णरसविहे प० पण्णत्ते । तंजहा—सच्चमणप्पओगे जाव कम्मासरीरकायप्पओगे । णेरइयाणं भंते ! कइविहे पओगे पण्णत्ते ? गोयमा ! एकारसविहे पओगे पण्णत्ते । तंजहा—सच्चमणप्पओगे जाव असच्चा मोसवइप्पओगे वेउव्वियसरीरकायप्पओगे, वेउव्वियमीससरीरकायप्पओगे, कम्मासरीरकायप्पओगे । एवं अत्तुरकुमाराणं वि जाव थणियकुमाराणं । पुट्टविकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! तिविहे पओगे पण्णत्ते । तंजहा—ओरालियसरीरकायप्पओगे, ओरालियमीससरीरकायप्पओगे, कम्मासरीरकायप्पओगे य । एवं जाव वणस्सइकाइयाणं, णवरं वाउकाइयाणं पंचविहे पओगे पण्णत्ते । तंजहा—ओरालियसरीरकायप्पओगे, ओरालियमीससरीरकायप्पओगे, वेउव्विए दुविहे, कम्मासरीरकायप्पओगे य । बेइदियाणं पुच्छा । गोयमा ! चउव्विहे पओगे पण्णत्ते । तंजहा—असच्चा मोसवइप्पओगे, ओरालियसरीरकायप्पओगे, ओरालियमीससरीरकायप्पओगे, कम्मासरीरकायप्पओगे । एवं जाव चउरिदियाणं । पंचिदियतिरिक्खओणियाणं पुच्छा । गोयमा ! तेरसविहे पओगे पण्णत्ते । तंजहा—सच्चमणप्पओगे, मोसमणप्पओगे, सच्चा मोसमणप्पओगे, असच्चा मोसमणप्पओगे, एवं वइप्पओगे वि, ओरालियसरीरकायप्पओगे, ओरालियमीससरीरकायप्पओगे, वेउव्वियसरीरकायप्पओगे, वेउव्वियमीससरीरकायप्पओगे, कम्मासरीरकायप्पओगे । मणूसाणं पुच्छा । गोयमा ! पण्णरसविहे पओगे पण्णत्ते । तंजहा—सच्चमणप्पओगे जाव कम्मासरीरकायप्पओगे । वाणमंतरजोइसियवेमाणियाणं जहा णेरइयाणं ॥ ४६१ ॥ जीवा णं भंते ! किं सच्चमणप्पओगी जाव किं कम्मासरीरकायप्पओगी ? गोयमा ! जीवा सव्वे वि ताव होज सच्चमणप्पओगी वि जाव वेउव्वियमीससरीरकायप्पओगी वि कम्मासरीरकायप्पओगी वि १३ । अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगी य १, अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य २, अहवेगे य आहारगमीससरीरकायप्पओगी य ३, अहवेगे य आहारगमीससरीरकायप्पओगिणो य ४ चउमंगो । अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगी य आहारगमीससरीरकायप्पओगी य १, अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगी य आहारगमीससरीरकायप्पओगिणो य २, अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीससरीरकायप्पओगी य ३, अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीससरीरकायप्पओगिणो य ४, एए जीवाणं अट्ठ मंगा १ ॥ ४६२ ॥

णेइया णं भंते ! किं सच्चमणप्पओगी जाव किं कम्मासरीरकायप्पओगी ११ ? गोयमा !
 णेरइया सव्वे वि ताव होजा सच्चमणप्पओगी वि जाव वेउव्वियमीसासरीरकायप्प-
 ओगी वि, अहवेगे य कम्मासरीरकायप्पओगी य १, अहवेगे य कम्मासरीरकाय-
 प्पओगिणो य २, एवं असुरकुमारा वि जाव धणियकुमारणं । पुटविकाइया णं
 भंते ! किं ओरालियसरीरकायप्पओगी ओरालियमीसासरीरकायप्पओगी कम्मा-
 सरीरकायप्पओगी ! गोयमा ! पुटविकाइया ओरालियसरीरकायप्पओगी वि ओरा-
 लियमीसरीरकायप्पओगी वि कम्मासरीरकायप्पओगी वि, एवं जाव वणप्पइकाइ-
 याणं । णवरं वाउक्काइया वेउव्वियसरीरकायप्पओगी वि वेउव्वियमीसासरीरकायप्प-
 ओगी वि । बेइदिया णं भंते ! किं ओरालियसरीरकायप्पओगी जाव कम्मासरीर-
 कायप्पओगी ! गोयमा ! बेइदिया सव्वे वि ताव होजा असच्चाप्पमोसवइप्पओगी वि
 ओरालियसरीरकायप्पओगी वि ओरालियमीससरीरकायप्पओगी वि, अहवेगे य
 कम्मासरीरकायप्पओगी य अहवेगे य कम्मासरीरकायप्पओगिणो य, एवं जाव
 चउरिंदिया वि । पंचिंदियतिरिक्खजोणिया जहा णेरइया, णवरं ओरालियसरीर-
 कायप्पओगी वि, ओरालियमीसासरीरकायप्पओगी वि, अहवेगे य कम्मासरीरकाय-
 प्पओगी य, अहवेगे य कम्मासरीरकायप्पओगिणो य ॥४६३॥ मणूसा णं भंते ! किं
 सच्चमणप्पओगी जाव किं कम्मासरीरकायप्पओगी ? गोयमा ! मणूसा सव्वे वि ताव
 होजा सच्चमणप्पओगी वि जाव ओरालियसरीरकायप्पओगी वि, वेउव्वियसरीर-
 कायप्पओगी वि, वेउव्वियमीससरीरकायप्पओगी वि, अहवेगे य ओरालियमीसा-
 सरीरकायप्पओगी य, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य २, अहवेगे
 य आहारगसरीरकायप्पओगी य, अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य २,
 अहवेगे य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य, अहवेगे य आहारगमीसासरीरकाय-
 प्पओगिणो य २, अहवेगे य कम्मगसरीरकायप्पओगी य, अहवेगे य कम्मगसरीर-
 कायप्पओगिणो य २, एए अट्ठ भंगा पत्तेयं । अहवेगे य ओरालियमीससरीर-
 कायप्पओगी य आहारगसरीरकायप्पओगी य १, अहवेगे य ओरालियमीसासरीर-
 कायप्पओगी य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य २, अहवेगे य ओरालियमीसासरीर-
 कायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य ३, अहवेगे य ओरालिय-
 मीसासरीरकायप्पओगिणो य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य ४ एवं एए चत्तारि
 भंगा, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगी य आहारगमीसासरीरकायप्प-

[illegible]

[illegible]

प्यओगी य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य कम्मासरीरकायप्पओगिणो य २,
 अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगी य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य
 कम्मगसरीरकायप्पओगी य ३ अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगी य आहारग-
 मीसासरीरकायप्पओगिणो य कम्मासरीरकायप्पओगिणो य ४, अहवेगे य आहा-
 रगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य कम्मासरीरकायप्प-
 ओगी य ५, अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकाय-
 प्यओगी य कम्मगसरीरकायप्पओगिणो य ६, अहवेगे य आहारगसरीरकायप्प-
 ओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य कम्मासरीरकायप्पओगी य ७,
 अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य
 कम्मासरीरकायप्पओगिणो य ८ । एवं एए तियसंजोएणं चत्तारि अट्ठ भंगा, सत्त्वे
 वि मिलिया वत्तीसं भंगा जाणियत्वा ३२ । अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकाय-
 प्यओगी य आहारगसरीरकायप्पओगी य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य कम्मा-
 सरीरकायप्पओगी य १, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगी य आहारग-
 सरीरकायप्पओगी य आहारगमीसासरीरकायप्पओगि य कम्मासरीरकायप्पओगिणो
 य २, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगी य आहारगसरीरकायप्पओगी
 य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य कम्मासरीरकायप्पओगी य ३, अहवेगे य
 ओरालियमीसासरीरकायप्पओगी य आहारगसरीरकायप्पओगी य आहारगमीसा-
 सरीरकायप्पओगिणो य कम्मासरीरकायप्पओगिणो य ४, अहवेगे य ओरालिय-
 मीसासरीरकायप्पओगी य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीर-
 कायप्पओगी य कम्मासरीरकायप्पओगी य ५, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकाय-
 प्यओगी य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य
 कम्मासरीरकायप्पओगिणो य ६, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगी य
 आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य कम्मासरीर-
 कायप्पओगी य ७, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगी य आहारगसरीर-
 कायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य कम्मासरीरकायप्पओगिणो
 य ८, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य आहारगसरीरकायप्पओगी
 य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य कम्मासरीरकायप्पओगी य ९, अहवेगे य
 ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य आहारगसरीरकायप्पओगी य आहारगमीसा-

सरीरकायप्पओगी य कम्मासरीरकायप्पओगिणो य १०, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य आहारगसरीरकायप्पओगी य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य कम्मासरीरकायप्पओगी य ११, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य आहारगसरीरकायप्पओगी य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य कम्मासरीरकायप्पओगिणो य १२, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य कम्मासरीरकायप्पओगिणो य १३, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य कम्मासरीरकायप्पओगिणो य १४, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य कम्मासरीरकायप्पओगी य १५, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य कम्मासरीरकायप्पओगिणो य १६ एवं एए चउसंजोएणं सोलस भेगा भवन्ति, सव्वेऽवि य णं संपिडिया असीइ भेगा भवन्ति । वाणमंतरजोइसवेमाणिया जहा असुरकुमारा ॥४६४॥ कइविहे णं भंते ! गइप्पवाए पणत्ते ! गोयमा ! पंचविहे गइप्पवाए पणत्ते । तंजहा—पओगगई १, ततगई २, बंधणछेयणगई ३, उववायगई ४, विहायगई ५ । से किं तं पओगगई ! पओगगई पणरसविहा पणत्ता । तंजहा—सच्चमणप्पओगगई, एवं जहा पओगो भणियो तहा एसा वि भाणियव्वा जाव कम्मगसरीरकायप्पओगगई । जीवाणं भंते ! कइविहा पओगगई पणत्ता ! गोयमा ! पणरसविहा पणत्ता । तंजहा—सच्चमणप्पओगगई जाव कम्मगसरीरकायप्पओगगई । णेरइयाणं भंते ! कइविहा पओगगई पणत्ता ! गोयमा ! एकारसविहा पणत्ता । तंजहा—सच्चमणप्पओगगई, एवं उवउजिऊण जस्स जइविहा तस्स तइविहा भाणियव्वा जाव वेमाणियाणं । जीवा णं भंते ! सच्चमणप्पओगगई जाव कम्मगसरीरकायप्पओगगई ! गोयमा ! जीवा सव्वे वि ताव होजा सच्चमणप्पओगगई वि, एवं तं चेव पुव्ववणिगं भाणियव्वं, भेगा तहेव जाव वेमाणियाणं, से तं पओगगई १ ॥४६५॥ से किं तं ततगई ! ततगई जे णं जं गामं वा जाव सण्णिवेसं वा संपट्टिए असंपत्ते अंतरापहे वट्ठइ, सेत्तं ततगई २ ॥४६६॥ से किं तं बंधणछेयणगई ! बंधणछेयणगई जीवो वा सरीराओ सरीरं वा जीवाओ, सेत्तं बंधणछेयणगई ३ ॥ ४६७ ॥ से

किं तं उववायगई ! उववायगई ति विहा पणत्ता । तंजहा—खेत्तोववायगई, भवोव-
वायगई, गोभवोववायगई । से किं तं खेत्तोववायगई ? खेत्तोववायगई पंचविहा
पणत्ता । तंजहा—गेरइयखेत्तोववायगई १, तिरिक्खजोणियखेत्तोववायगई २,
मणूसखेत्तोववायगई ३, देवखेत्तोववायगई ४, सिद्धखेत्तोववायगई ५ । से किं तं
गेरइयखेत्तोववायगई ? गेरइयखेत्तोववायगई सत्तविहा पणत्ता । तंजहा—रयणप्यभा-
पुदविगेरइयखेत्तोववायगई जाव अहेसत्तमापुदविगेरइयखेत्तोववायगई । से तं गेर-
इयखेत्तोववायगई १ ! से किं तं तिरिक्खजोणियखेत्तोववायगई ? तिरिक्खजोणिय-
खेत्तोववायगई पंचविहा पणत्ता । तंजहा—एमिंदियतिरिक्खजोणियखेत्तोववायगई
जाव पंमिंदियतिरिक्खजोणियखेत्तोववायगई । सेत्तं तिरिक्खजोणियखेत्तोववायगई
२ । से किं तं मणूसखेत्तोववायगई ? मणूसखेत्तोववायगई दुविहा पणत्ता, तंजहा—
संमुच्छिममणूसखेत्तोववायगई, गम्भवक्कंतियमणूसखेत्तोववायगई । सेत्तं मणूसखेत्तो-
ववायगई ३ । से किं तं देवखेत्तोववायगई ? देवखेत्तोववायगई चउत्तिहा पणत्ता ।
तंजहा—भवणवई० जाव वेमाणियदेवखेत्तोववायगई । सेत्तं देवखेत्तोववायगई ४
॥४६८॥ से किं तं सिद्धखेत्तोववायगई । सिद्धखेत्तोववायगई अणेगविहा पणत्ता ।
तंजहा—जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवयवासे सपक्खिं सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववायगई,
जंबुद्दीवे दीवे चुल्लहिमवंतसिहरिवासहरपव्वयसपक्खिं सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववाय-
गई, जंबुद्दीवे दीवे हेमवयहेरण्णवाससपक्खिं सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववायगई, जंबुद्दीवे
दीवे सदावइवियडावइवट्टवेयड्डसपक्खिं सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववायगई, जंबुद्दीवे
दीवे महाहिमवंतरुप्पिवासहरपव्वयसपक्खिं सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववायगई, जंबुद्दीवे
दीवे हरिवासरम्मगवाससपक्खिं सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववायगई, जंबुद्दीवे दीवे
गंधावाइमाल्लवंतपव्वयवट्टवेयड्डसपक्खिं सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववायगई, जंबुद्दीवे
दीवे णिसहणील्लवंतवासहरपव्वयसपक्खिं सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववायगई, जंबुद्दीवे
दीवे पुव्वविदेहावरविदेहसपक्खिं सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववायगई, जंबुद्दीवे दीवे
देवकु, रुउत्तरकु, रुसपक्खिं सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववायगई, जंबुद्दीवे दीवे मंदरपव्व-
यस्स सपक्खिं सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववायगई, लवणे समुदे सपक्खिं सपडिदिसिं
सिद्धखेत्तोववायगई, धायइसंडे दीवे पुरिमद्धपक्कत्थिमद्धमंदरपव्वयसपक्खिं सपडि-
दिसिं सिद्धखेत्तोववायगई, कालोयसमुदे सपक्खिं सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववायगई,
पुक्खरवरदीवद्धपुरिथिमद्धभरहेरवयवाससपक्खिं सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववायगई, एवं

जाव पुक्खरवरदीवदपच्छिमदमंदरपव्वयसपक्खि सपडिदि सिं सिद्धस्वेत्तोववायगई,
 से तं सिद्धस्वेत्तोववायगई ५ ॥ ४६९ ॥ से किं तं भवोववायगई ? भवोववायगई
 च उव्विहा पणत्ता । तंजहा—णेरइयभवोववायगई जाव देवभवोववायगई । से किं
 तं णेरइयभवोववायगई ? णेरइयभवोववायगई सत्तविहा पणत्ता । तंजहा—एवं
 सिद्धवज्जो भेदो भाणियव्वो जो चेव स्वेत्तोववायगई ए सो चेव, से तं देवभवोववाय-
 गई । से तं भवोववायगई ॥ ४७० ॥ से किं तं णोभवोववायगई ? णोभवोव-
 वायगई दुविहा पणत्ता । तंजहा—पोगलणोभवोववायगई, सिद्धणोभवोव-
 वायगई । से किं तं पोगलणोभवोववायगई ? पोगलणोभवोववायगई जणं परमाणु-
 पोगले लोगस्स पुरत्थिमिल्लाओ चरमंताओ पच्चत्थिमिल्लं चरमंतं एगसमएणं गच्छइ,
 पच्चत्थिमिल्लाओ वा चरमंताओ पुरत्थिमिल्लं चरमंतं एगसमएणं गच्छइ, दाहिणि-
 ल्लाओ वा चरमंताओ उत्तरिल्लं चरमंतं एगसमएणं गच्छइ, एवं उत्तरिल्लाओ
 दाहिणिल्लं, उवरिल्लाओ हेट्ठिल्लं, हिट्ठिल्लाओ उवरिल्लं, से तं पोगलणोभवोववायगई
 ॥ ४७१ ॥ से किं तं सिद्धणोभवोववायगई ? सिद्धणोभवोववायगई दुविहा पणत्ता ।
 तंजहा—अणंतरसिद्धणोभवोववायगई परंपरसिद्धणोभवोववायगई य । से किं तं
 अणंतरसिद्धणोभवोववायगई ? २ पण्णरसविहा पणत्ता । तंजहा—तित्थिसिद्धअणंतर-
 सिद्धणोभवोववायगई य जाव अणेगसिद्धं णोभवोववायगई य । से किं तं परंपर-
 सिद्धणोभवोववायगई ? २ अणेगविहा पणत्ता । तंजहा—अपदमसमयसिद्धणोभवो-
 ववायगई, एवं दुसमयसिद्धणोभवोववायगई जाव अणंतसमयसिद्धणोभवोववायगई,
 सेत्तं सिद्धणोभवोववायगई, से तं णोभवोववायगई, से तं उव्ववायगई ४ ॥ ४७२ ॥
 से किं तं विहायगई ? विहायगई सत्तरसविहा पणत्ता । तंजहा—फुसमाणगई १,
 अफुसमाणगई २, उवसंपज्जमाणगई ३, अणुवसंपज्जमाणगई ४, पोंगलगई ५, मंडूय-
 गई ६, णावागई ७, णयगई ८, छायागई ९, छायाणुवायगई १०, लेसागई ११,
 लेसाणुवायगई १२, उद्दिस्सपविभत्तगई १३, चउपुरिसपविभत्तगई १४, वंफगई १५,
 पंफगई १६, बंधणविमोयणगई १७ ॥ ४७३ ॥ से किं तं फुसमाणगई ? फुसमाणगई
 जणं परमाणुपोगले(ल)दुपएसिय जाव अणंतपएसियाणं खंधाणं अण्णमाणं फुसित्ता
 णं गई पवत्तइ, सेत्तं फुसमाणगई १ । से किं तं अफुसमाणगई ? अफुसमाणगई
 जणं एएसिं चेव अफुसित्ता णं गई पवत्तइ, से तं अफुसमाणगई २ । से किं तं
 उवसंपज्जमाणगई ? २ जणं रायं वा जुवरायं वा ईसरं वा तलवरं वा माईवियं वा

कोडुवियं वा इभं वा सेट्ठिं वा सेणावई वा सत्थवाहं वा उवसंपज्जिता णं गच्छइ, से तं उवसंपज्जमाणगई ३ । से किं तं अणुवसंपज्जमाणगई ? २ जणं एएसिं येव अणमणं अणुवसंपज्जिता णं गच्छइ, से तं अणुवसंपज्जमाणगई ४ । से किं तं पोयगलगई ? २ जं णं परमाणुपोयगलां जाव अणंतपएसियाणं बंधाणं गई पवत्तइ, से तं पोयगलगई ५ । से किं तं मंडूयगई ? २ जणं मंडूओ फिडित्ता गच्छइ, से तं मंडूयगई ६ । से किं तं णावागई ? जणं णावा पुव्वेयालीओ दाहिणवेयालिं बलपहेणं गच्छइ, दाहिणवेयालीओ वा अवरवेयालिं जलपहेणं गच्छइ, से तं णावागई ७ । से किं तं णयगई ? २ जणं णेमम-संगहववहार-उज्जुसुयसद्-समभिरुदएवं-भूयाणं णयाणं जा गई, अहवा सव्वण्णं वि जं इच्छंति, से तं णयगई ८ । से किं तं छायागई ? २ जं णं इयछायं वा गयछायं वा णरछायं वा किण्णरछायं वा महो-रगच्छायं वा गंधवच्छायं वा उसहछायं वा रहछायं वा छत्तछायं वा उवसंपज्जिताणं गच्छइ, से तं छायागई ९ । से किं तं छायाणुवायगई ? २ जेणं पुरिसं छाया अणु-गच्छइ, णो पुरिसे छायां अणुगच्छइ, से तं छायाणुवायगई १० । से किं तं लेस्मा-गई ? २ जणं किण्हलेसा णीउलेसं पथ तारुवत्ताए तावण्णत्ताए तागंधत्ताए तास्-त्ताए ताफासत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमइ, एवं णीललेसा काउलेसं पथ तारुवत्ताए जात्र ताफासत्ताए परिणमइ, एवं काउलेसा वि तेउलेसं तेउलेसा वि पम्हलेसं पम्हलेसा वि सुकलेसं पथ तारुवत्ताए जाव परिणमइ, से तं लेस्मागई ११ । से किं तं लेसाणुवायगई ? २ जल्लेसाइं दव्वाइं परियाइत्ता कालं करेइ तल्लेसेसु उव-वज्जइ, तंजहा-किण्हलेसेसु वा जाव सुकलेसेसु वा, से तं लेसाणुवायगई १२ । से किं तं उद्दिस्सपविभत्तगई ? २ जणं आयरियं वा उवज्झायं वा थेरं वा पवत्तिं वा गणिं वा गणहरं वा गणावच्छेयं वा उद्दिसियं २ गच्छइ, से तं उद्दिसियपविभत्त-गई १३ । से किं तं चउपुरिसपविभत्तगई ? से जहाणामए चत्तारि पुरिसा समगं पज्जवट्ठिया समगं पट्ठिया १, समगं पज्जवट्ठिया विसमं पट्ठिया २, विसमं पज्जवट्ठिया विसमं पट्ठिया ३, विसमं पज्जवट्ठिया समगं पट्ठिया ४, से तं चउपुरिसपविभत्त-गई १४ । से किं तं वंकगई ? २ चउव्विहा पण्णत्ता । तंजहा-धट्ठणया, बंधणया, लेसणया, पवडणया, से तं वंकगई १५ । से किं तं पंकगई ? २ से जहाणामए केइ पुरिसे पंकसि वा उदयंसि वा कायं उव्विहिया २ गच्छइ, से तं पंकगई १६ । से किं तं बंधणविमोयणगई ? २ जणं अंबाण वा अंबाडगाण वा माउलुंगाण वा बिट्ठाण वा कविट्ठाण वा भक्खाण वा फणसाण वा दालिमाण वा पारेवयाण वा अक्खोलाण वा

चाराण वा बोरण वा तिंदुयाण वा पक्काणं परियागयाणं बंधणाओ विप्पमुक्काणं
 णिव्वावाएणं अहे वीससाए गई पवत्तई, से तं बंधणविमोयणगई १७। से तं
 विहायोगई ५ ॥४७४॥ पणवणाए भगवईए सोलसमं पओगपयं
 समत्तं ॥

सत्तरसमं लेस्सापयं—पढमो उद्देसओ

आहार समसरीरा उस्सासे कम्मवणलेसासु । समवेयण समकिरिया समाउया
 चेव बोद्धवा ॥१॥ णेरइया णं भंते ! सव्वे समाहारा, सव्वे समसरीरा, सव्वे
 समुत्सासणिस्सासा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—
 ‘णेरइया णो सव्वे समाहारा जाव णो सव्वे समुत्सासणिस्सासा’ ? गोयमा ! णेरइया
 दुविहा पणत्ता । तंजहा—महासरीरा य अप्पसरीरा य । तत्थ णं जे ते महासरीरा ते
 णं बहुतराए पोगले आहारैति, बहुतराए पोगले परिणामैति, बहुतराए पोगले
 उत्तसंति, बहुतराए पोगले णीससंति, अभिक्खणं आहारैति, अभिक्खणं परिणा-
 मैति, अभिक्खणं ऊत्तसंति, अभिक्खणं णीससंति । तत्थ णं जे ते अप्पसरीरा ते
 णं अप्पतराए पोगले आहारैति, अप्पतराए पोगले परिणामैति, अप्पतराए पोगले
 ऊत्तसंति, अप्पतराए पोगले णीससंति, आहच्च आहारैति, आहच्च परिणामैति,
 आहच्च ऊत्तसंति, आहच्च णीससंति, से एएणट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ—‘णेरइया णो
 सव्वे समाहारा, णो सव्वे समसरीरा, णो सव्वे समुत्सारुणिस्सासा’ ॥ ४७५ ॥
 णेरइया णं भंते ! सव्वे समकम्मा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भंते !
 एवं बुच्चइ—‘णेरइया णो सव्वे समकम्मा’ ? गोयमा ! णेरइया दुविहा पणत्ता ।
 तंजहा—पुब्बोववण्णगा य पच्छोववण्णगा य । तत्थ णं जे ते पुब्बोववण्णगा ते णं
 अप्पकम्मतरागा, तत्थ णं जे ते पच्छोववण्णगा ते णं महाकम्मतरागा, से तेणट्ठेणं
 गोयमा ! एवं बुच्चइ—‘णेरइया णो सव्वे समकम्मा’ ॥४७६॥ णेरइया णं भंते ! सव्वे
 समवण्णा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘णेरइया णो
 सव्वे समवण्णा’ ? गोयमा ! णेरइया दुविहा पणत्ता । तंजहा—पुब्बोववण्णगा य
 पच्छोववण्णगा य । तत्थ णं जे ते पुब्बोववण्णगा ते णं विसुद्धवण्णतरागा, तत्थ णं जे ते
 पच्छोववण्णगा ते णं अविमुद्धवण्णतरागा, से एएणट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ—‘णेरइया

णो सव्वे समवण्णा' । एवं जहेव वण्णेण भणिया तहेव लेसासु विसुद्धलेसतरागा
 अविसुद्धलेसतरागा य भाणियव्वा ॥४७७॥ णेरइया णं भंते ! सव्वे समवेयणा !
 गोयमा ! णो इण्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ--'णेरइया णो सव्वे सम-
 वेयणा' ? गोयमा ! णेरइया दुविहा पणत्ता । तंजहा--सण्णिभूया य असण्णिभूया
 य । तत्थ णं जे ते सण्णिभूया ते णं महावेयणतरागा, तत्थ णं जे ते असण्णिभूया
 ते णं अप्पवेयणतरागा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ--'णेरइया णो सव्वे सम-
 वेयणा' ॥४७८॥ णेरइया णं भंते ! सव्वे समकिरिया ? गोयमा ! णो इण्ठे समट्ठे ।
 से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ--'णेरइया णो सव्वे समकिरिया' ? गोयमा ! णेरइया
 तिविहा पणत्ता । तंजहा--सम्महिट्ठी, मिच्छहिट्ठी, सम्मामिच्छहिट्ठी । तत्थ णं जे
 ते सम्महिट्ठी तेसि णं चत्तारि किरियाओ कज्जंति, तंजहा--आरंभिया, परिग्गहिया,
 मायावत्तिया, अपच्चक्खाणकिरिया । तत्थ णं जे ते मिच्छहिट्ठी जे सम्मामिच्छहिट्ठी
 तेसि णं णियइयाओ पंच किरियाओ कज्जंति, तंजहा--आरंभिया, परिग्गहिया, माया-
 वत्तिया, अपच्चक्खाणकिरिया, मिच्छादसणवत्तिया, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ--
 'णेरइया णो सव्वे समकिरिया' ॥४७९॥ णेरइया णं भंते ! सव्वे समाउया, सव्वे
 समोववण्णा ? गोयमा ! णो इण्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ० ?
 गोयमा ! णेरइया चउव्विहा पणत्ता । तंजहा--अत्येगइया समाउया समोववण्णा,
 अत्येगइया समाउया विसमोववण्णा, अत्येगइया विसमाउया समोववण्णा, अत्ये-
 गइया विसमाउया विसमोववण्णा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ--'णेरइया णो
 सव्वे समाउया, णो सव्वे समोववण्णा' ॥४८०॥ असुरकुमारा णं भंते ! सव्वे समा-
 हारा ! एवं सव्वे वि पुच्छा । गोयमा ! णो इण्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं
 बुच्चइ० ? जहा णेरइया । असुरकुमारा णं भंते ! सव्वे समकम्मा ? गोयमा ! णो
 इण्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ० ? गोयमा ! असुरकुमारा दुविहा
 पणत्ता । तंजहा--पुब्बोववण्णा य पच्छोववण्णा य । तत्थ णं जे ते पुब्बोववण्णा
 ते णं महाकम्मतरा, तत्थ णं जे ते पच्छोववण्णा ते णं अप्पकम्मतरा, से तेणट्ठेणं
 गोयमा ! एवं बुच्चइ--'असुरकुमारा णो सव्वे समकम्मा' । एवं वण्णलेस्साए पुच्छा ।
 तत्थ णं जे ते पुब्बोववण्णा ते णं अविसुद्धवण्णतरागा, तत्थ णं जे ते पच्छोव-
 वण्णा ते णं विसुद्धवण्णतरागा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ--'असुरकुमारा
 णं सव्वे णो समवण्णा' । एवं लेस्साए वि, वेयणाए जहा णेरइया, अवसेसं जहा

णेरइयाणं । एवं जाव थणियकुमारा ॥४८१॥ पुढविकाइया आहारकम्मवण्णलेस्साहिं
जहा णेरइया । पुढविकाइया णं भंते ! सव्वे समवेयणा पण्णत्ता ? हंता गोयमा ! सव्वे
समवेयणा । से केणट्ठेणं० ? गोयमा ! पुढविकाइया सव्वे असण्णी असण्णिभूयं अणिययं
वेयणं वेयंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! पुढविकाइया सव्वे समवेयणा । पुढविकाइया
णं भंते ! सव्वे समकिरिया ? हंता गोयमा ! पुढविकाइया सव्वे समकिरिया । से
केणट्ठेणं० ? गोयमा ! पुढविकाइया सव्वे माइमिच्छादिट्ठी, तेसिं णियइयाओ पंच
किरियाओ कज्जंति, तंजहा—आरंभिया, परिग्गहिया, मायावत्तिया, अप्पच्चक्खाण-
किरिया, मिच्छादंसणवत्तिया य, से तेणट्ठेणं गोयमा !० । एवं जाव चउरिंदिया ।
पंचेदियतिरिक्खजोणिया जहा णेरइया, णवरं किरियाहिं सम्महिट्ठी मिच्छदिट्ठी
सम्मामिच्छदिट्ठी । तत्थ णं जे ते सम्महिट्ठी ते दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—असंजया
य संजयासंजया य । तत्थ णं जे ते संजयासंजया तेसिं णं तिण्णि किरियाओ कज्जंति,
तंजहा—आरंभिया, परिग्गहिया, मायावत्तिया । तत्थ णं जे असंजया तेसिं णं चत्तारि
किरियाओ कज्जंति, तंजहा—आरंभिया, परिग्गहिया, मायावत्तिया, अप्पच्चक्खाण-
किरिया । तत्थ णं जे ते मिच्छादिट्ठी जे य सम्मामिच्छदिट्ठी तेसिं णं णियइयाओ
पंच किरियाओ कज्जंति, तंजहा—आरंभिया, परिग्गहिया, मायावत्तिया, अप्पच्च-
क्खाणकिरिया, मिच्छादंसणवत्तिया, सेसं ते चेव ॥४८२॥ मणुस्सा णं भंते ! सव्वे
समाहारा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं० ? गोयमा ! मणुस्सा दुविहा
पण्णत्ता । तंजहा—महासरीरा य अप्पसरीरा य । तत्थ णं जे ते महासरीरा ते णं
बहुतराए पोमले आहारंति जाव बहुतराए पोमले णीससंति, आहच्च आहारंति,
जाव आहच्च णीससंति । तत्थ णं जे ते अप्पसरीरा ते णं अप्पतराए पोमले
आहारंति जाव अप्पतराए पोमले णीससंति, अभिक्खणं आहारंति जाव अभिक्खणं
णीससंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ—‘मणुस्सा सव्वे णो समाहारा’ । सेसं
जहा णेरइयाणं, णवरं किरियाहिं मणूसा तिविहा पण्णत्ता । तंजहा—सम्महिट्ठी,
मिच्छादिट्ठी, सम्मामिच्छदिट्ठी । तत्थ णं जे ते सम्महिट्ठी ते तिविहा पण्णत्ता ।
तंजहा—संजया, असंजया, संजयासंजया । तत्थ णं जे ते संजया ते दुविहा पण्णत्ता ।
तंजहा—सरागसंजया य वीयरगसंजया य । तत्थ णं जे ते वीयरगसंजया ते णं
अकिरिया, तत्थ णं जे ते सरागसंजया ते दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—पमत्तसंजया य
अपमत्तसंजया य । तत्थ णं जे ते अपमत्तसंजया तेसिं एगा मायावत्तिया किरिया

कज्जइ । तत्थ णं जे ते पमत्तसंजया तेसिं दो किरियाओ कज्जंति—आरंभिया माया-
वत्तिया य । तत्थ णं जे ते संजयासंजया तेसिं तिण्णि किरियाओ कज्जंति, तंजहा—
आरंभिया परिगहिया मायावत्तिया । तत्थ णं जे ते असंजया तेसिं चत्तारि किरि-
याओ कज्जंति, तंजहा—आरंभिया परिगहिया मायावत्तिया अपच्चक्खाणकिरिया ।
तत्थ णं जे ते मिच्छादिट्ठी जे सम्मामिच्छदिट्ठी तेसिं गियइयाओ पंच किरियाओ
कज्जंति, तंजहा—आरंभिया परिगहिया मायावत्तिया अपच्चक्खाणकिरिया मिच्छा-
दंसणवत्तिया, सेसं जहा णेरइयाणं ॥४८३॥ वाणमंतराणं जहा असुरकुमाराणं ।
एवं जोइसियवेमाणियाण वि, णवरं ते वेयणाए दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—माइ-
मिच्छदिट्ठीउववण्णगा य अमाइसम्मदिट्ठीउववण्णगा य । तत्थ णं जे ते माइमिच्छ-
दिट्ठीउववण्णगा ते णं अप्पवेयणतरागा, तत्थ णं जे ते अमाइसम्मदिट्ठीउववण्णगा
ते णं महावेयणतरागा, से तेण्डेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ० । सेसं तहेव ॥४८४॥
सलेसा णं भंते ! णेरइया सव्वे समाहारा, समसरीरा, समुस्सासणिस्सासा—सव्वे वि
पुच्छा । गोयमा ! एवं जहा ओहिओ गमओ तहा सलेसागमओ वि णिरवसेसो
भाणियव्वो जाव वेमाणिया । कण्हलेसा णं भंते ! णेरइया सव्वे समाहारा—पुच्छा ।
गोयमा ! जहा ओहिया, णवरं णेरइया वेयणाए माइमिच्छदिट्ठीउववण्णगा य
अमाइसम्मदिट्ठीउववण्णगा य भाणियव्वा, सेसं तहेव जहां ओहियाणं । असुरकुमारा
जाव वाणमंतरा एए जहा ओहिया, णवरं मणुस्साणं किरियाहिं विसेसो—जाव तत्थ
णं जे ते सम्मदिट्ठी ते तिविहा पण्णत्ता । तंजहा—संजया असंजया संजयासंजया य,
जहा ओहियाणं । जोइसियवेमाणिया आइल्लियासु तिसु लेसासु ण पुच्छिज्जंति ।
एवं जहा कण्हलेसा विचारिया तहा णील्लेसा वि विचारेयव्वा । काउलेसा णेर-
इएहिं तो आरम्भ जाव वाणमंतरा, णवरं काउलेसा णेरइया वेयणाए जहा ओहिया ।
तेउलेसाणं भंते ! असुरकुमाराणं ताओ चेव पुच्छाओ । गोयमा ! जहेव ओहिया
तहेव, णवरं वेयणाए जहा जोइसिया । पुढविआउवणस्सइपच्चैदियतिरिक्खमणुस्सा
जहा ओहिया तहेव भाणियव्वा, णवरं मणुसा किरियाहिं जे संजया ते पमत्ता य
अपमत्ता य भाणियव्वा, सरागा वीयरागा णत्थि । वाणमंतरा तेउलेसाए जहा
असुरकुमारा, एवं जोइसियवेमाणिया वि, सेसं तं चेव । एवं पण्हलेसा वि भाणि-
यव्वा, णवरं जेसिं अत्थि । सुक्कलेस्सा वि तहेव जेसिं अत्थि, सव्वं तहेव जहा
ओहियाणं गमओ, णवरं पण्हलेस्ससुक्कलेस्साओ पच्चैदियतिरिक्खजोणियमणुसवेमा-

णियाणं चेव, ण सेसाणं ति ॥४८५॥ पण्णवणाए भगवईए सत्तरसमे
लेस्सापए पढमो उद्देसओ समत्तो ॥

बीओ उद्देसओ

कइ णं भंते ! लेसाओ पण्णत्ताओ ! गोयमा ! छल्लेसाओ पण्णत्ताओ । तंजहा-
कण्हलेसा, णील्लेसा, काउलेसा, तेउलेसा, पम्हलेसा, सुक्कलेसा ॥४८६॥ णेरइयाणं
भंते ! कइ लेसाओ पण्णत्ताओ ! गोयमा ! तिण्णि० तंजहा-किण्हलेसा, णील्लेसा,
काउलेसा । तिरिक्खजोणियाणं भंते ! कइ लेस्साओ पण्णत्ताओ ! गोयमा !
छल्लेसाओ पण्णत्ताओ । तंजहा-कण्हलेसा जाव सुक्कलेसा । एगिदियाणं भंते ! कइ
लेसाओ पण्णत्ताओ ! गोयमा ! चत्तारि लेसाओ पण्णत्ताओ । तंजहा-कण्हलेसा जाव
तेउलेसा । पुढविकाइयाणं भंते ! कइ लेसाओ पण्णत्ताओ ! गोयमा ! एवं चेव ।
आउवणस्सइकाइयाणं वि, एवं चेव । तेउवाउचेइदियतेइदियचउरिदियाणं जहा
णेरइयाणं । पंचेदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छ । गोयमा ! छल्लेसा-कण्हलेसा जाव
सुक्कलेसा । संमुच्छिमपंचेदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छ । गोयमा ! जहा णेरइयाणं ।
गम्भवक्कतियपंचेदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छ । गोयमा ! छल्लेसा-कण्हलेसा जाव
सुक्कलेसा । तिरिक्खजोणियाणं पुच्छ । गोयमा ! छल्लेसा एयाओ चेव । मणुसाणं
पुच्छ । गोयमा ! छल्लेसा एयाओ चेव । संमुच्छिममणुस्साणं पुच्छ । गोयमा ! जहा
णेरइयाणं । गम्भवक्कतियमणुस्साणं पुच्छ । गोयमा ! छल्लेसाओ० तंजहा-कण्हलेसा
जाव सुक्कलेसा । मणुस्सीणं पुच्छ । गोयमा ! एवं चेव । देवाणं पुच्छ । गोयमा !
छ एयाओ केव । देवीणं पुच्छ । गोयमा ! चत्तारि-कण्हलेसा जाव तेउलेसा ।
भवणवासीणं भंते ! देवाणं पुच्छ । गोयमा ! एवं चेव, एवं भवणवासिणीणं वि ।
वाणमंतरदेवाणं पुच्छ । गोयमा ! एवं चेव, एवं वाणमंतरीणं वि । जोइसियाणं
पुच्छ । गोयमा ! एगा तेउलेसा, एवं जोइसिणीणं वि । वेमाणियाणं पुच्छ ।
गोयमा ! तिण्णि० तंजहा-तेउलेसा, पम्हलेसा, सुक्कलेसा । वेमाणियाणं पुच्छ ।
गोयमा ! एगा तेउलेसा ॥४८७॥ एएसि णं भंते ! जीवाणं सलेस्साणं कण्हलेस्साणं
जाव सुक्कलेस्साणं अलेस्साणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा
विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वथोवा जीवा सुक्कलेसा, पम्हलेसा संखेजगुणा,

तेउलेस्सा संखेजगुणा, अलेस्सा अणंतगुणा, काउलेस्सा अणंतगुणा, णीललेस्सा विसेसाहिया, कण्हलेस्सा विसेसाहिया, सलेस्सा विसेसाहिया ॥ ४८८ ॥ एएसि णं भंते ! णेरइयाणं कण्हलेस्साणं णीललेस्साणं काउलेस्साणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा णेरइया कण्हलेस्सा, णीललेस्सा असंखेजगुणा, काउलेस्सा असंखेजगुणा । एएसि णं भंते ! तिरिक्खजोणियाणं कण्हलेस्साणं जाव सुक्कलेस्साणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा तिरिक्खजोणिया सुक्कलेस्सा, एवं जहा ओहिया णवरं अलेसवज्जा । एएसि णं भंते ! एगिंदियाणं कण्हलेस्साणं णीललेस्साणं काउलेस्साणं तेउलेस्साणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा एगिंदिया तेउलेस्सा, काउलेस्सा अणंतगुणा, णीललेस्सा विसेसाहिया, कण्हलेस्सा विसेसाहिया । एएसि णं भंते ! पुदविकाइयाणं कण्हलेस्साणं जाव तेउलेस्साणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! जहा ओहिया एगिंदिया, णवरं काउलेस्सा असंखेजगुणा । एवं आउकाइयाणं वि । एएसि णं भंते ! तेउकाइयाणं कण्हलेस्साणं णीललेस्साणं काउलेस्साणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा तेउकाइया काउलेस्सा, णीललेस्सा विसेसाहिया, कण्हलेस्सा विसेसाहिया, एवं वाउकाइयाणं वि । एएसि णं भंते ! वगस्सइकाइयाणं कण्हलेस्साणं जाव तेउलेस्साणं य जहा एगिंदियओहियाणं । बेइंदियाणं तेइंदियाणं चउरिंदियाणं जहा तेउकाइयाणं ॥ ४८९ ॥ एएसि णं भंते ! पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं कण्हलेस्साणं एवं जाव सुक्कलेस्साणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! जहा ओहियाणं तिरिक्खजोणियाणं, णवरं काउलेस्सा असंखेजगुणा । संमुच्छिमपंचेदियतिरिक्खजोणियाणं जहा तेउकाइयाणं । गम्भवक्कंतियपंचेदियतिरिक्खजोणियाणं जहा ओहियाणं तिरिक्खजोणियाणं, णवरं काउलेस्सा संखेजगुणा, एवं तिरिक्खजोणियाणं वि । एएसि णं भंते ! संमुच्छिमपंचेदियतिरिक्खजोणियाणं गम्भवक्कंतियपंचेदियतिरिक्खजोणियाणं य कण्हलेस्साणं जाव सुक्कलेस्साणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा गम्भवक्कंतियपंचेदियतिरिक्खजोणिया सुक्कलेस्सा, पण्हलेस्सा संखेजगुणा, तेउलेस्सा संखेजगुणा, काउलेस्सा संखेजगुणा, णीललेस्सा विसेसाहिया, कण्हलेस्सा विसेसाहिया, काउलेस्सा संमुच्छिमपंचेदियतिरिक्खजोणिया असंखेजगुणा, णीललेस्सा विसेसाहिया, कण्हलेस्सा विसेसाहिया । एएसि णं भंते ! संमुच्छिमपंचेदियतिरिक्खजोणियाणं तिरिक्खजोणियाणं य कण्हलेस्साणं जाव सुक्कलेस्साणं य कयरे कयरेहिंतो

अप्पा वा ४ ! गोयमा ! जहेव पंचमं तहा इमं छट्ठं भाणियव्वं । एएसि णं भंते !
 गम्भवक्कंतियपंचेंदियतिरिक्खजोणियाणं तिरिक्खजोणिणीणं य कण्हलेसाणं जाव
 सुकलेसाणं य कयरे कयरेहितो अप्पा वा ४ ! गोयमा ! सव्वथोवा गम्भवक्कंतिय-
 पंचेंदियतिरिक्खजोणिया सुकलेसा, सुकलेसाओ तिरिक्खजोणिणीओ संखेजगुणाओ,
 पण्हलेसा गम्भवक्कंतियपंचेंदियतिरिक्खजोणिया संखेजगुणा, पण्हलेसाओ तिरिक्ख-
 जोणिणीओ संखेजगुणाओ, तेउलेसा तिरिक्खजोणिया संखेजगुणा, तेउलेसाओ तिरिक्ख-
 जोणिणीओ संखेजगुणाओ, काउलेसा संखेजगुणा, णीललेसा विसेसाहिया,
 कण्हलेसा विसेसाहिया, काउलेसाओ संखेजगुणाओ णीललेसाओ विसेसाहियाओ,
 कण्हलेसाओ विसेसाहियाओ । एएसि णं भंते ! समुच्छिमपंचेंदियतिरिक्खजोणियाणं
 गम्भवक्कंतियपंचेंदियतिरिक्खजोणियाणं तिरिक्खजोणिणीणं य कण्हलेसाणं जाव
 सुकलेसाणं य कयरे कयरेहितो अप्पा वा ४ ! गोयमा ! सव्वथोवा गम्भवक्कंतिया
 तिरिक्खजोणिया सुकलेसा, सुकलेसाओ तिरि० संखेजगुणाओ, पण्हलेसा गम्भ-
 वक्कंतिया तिरिक्खजोणिया-संखेजगुणा, पण्हलेसाओ तिरिक्खजोणिणीओ संखेज-
 गुणाओ, तेउलेसा गम्भवक्कंतिया तिरिक्खजोणिया संखेजगुणा, तेउलेसाओ तिरि-
 क्खजोणिणीओ संखेजगुणाओ, काउलेसाओ संखेजगुणाओ, णीललेसा विसेसाहिया,
 कण्हलेसा विसेसाहिया, काउलेसा संखेजगुणा, णीललेसा विसेसाहिया, कण्हलेसाओ
 विसेसाहियाओ, काउलेसा, समुच्छिमपंचेंदियतिरिक्खजोणिया असंखेजगुणा, णील-
 लेसा विसेसाहिया, कण्हलेसा विसेसाहिया । एएसि णं भंते ! पंचेंदियतिरिक्खजोणि-
 याणं तिरिक्खजोणिणीणं य कण्हलेसाणं जाव सुकलेसाणं कयरे कयरेहितो अप्पा
 वा ४ ! गोयमा ! सव्वथोवा पंचेंदियतिरिक्खजोणिया सुकलेसा, सुकलेसाओ
 संखेजगुणाओ, पण्हलेसा संखेजगुणा, पण्हलेसाओ संखेजगुणाओ, तेउलेसा संखेज-
 गुणा, तेउलेसाओ संखेजगुणाओ, काउलेसा संखेजगुणा, णीललेसाओ विसेसा-
 हियाओ, कण्हलेसा विसेसाहिया, काउलेसा असंखेजगुणा, णीललेसा विसेसाहिया,
 कण्हलेसाओ विसेसाहियाओ । एएसि णं भंते ! तिरिक्खजोणियाणं तिरिक्खजोणि-
 णीणं य कण्हलेसाणं जाव सुकलेसाणं य कयरे कयरेहितो अप्पा वा ४ ! गोयमा !
 जहेव णवमं अप्पावहुणं तहा इमं पि, णवरं काउलेसा तिरिक्खजोणिया अणंतगुणा ।
 एवं एए दस अप्पावहुणा तिरिक्खजोणियाणं एवं मणुस्साणवि अप्पावहुया भाणि-
 यव्वा, णवरं पच्छिमसं अप्पावहुणं णत्थि ॥४९०॥ एएसि णं भंते ! देवाणं कण्ह-
 लेसाणं जाव सुकलेसाणं य कयरे कयरेहितो अप्पा वा ४ ! गोयमा ! सव्वथोवा

देवा मुक्कलेसा, पम्हलेसा असंखेजगुणा, काउलेसा असंखेजगुणा, णील्लेसा विसेसा-
हिया, कण्हलेसा विसेसाहिया, तेउलेसा संखेजगुणा । एएसि णं भंते ! देवीणं
कण्हलेसाणं जाव तेउलेसाणं य कयरे कयरेहितो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थो-
वाओ देवीओ काउलेसाओ, णील्लेसाओ विसेसाहियाओ, कण्हलेसाओ विसेसा-
हियाओ, तेउलेसाओ संखेजगुणाओ । एएसि णं भंते ! देवाणं देवीणं य कण्ह-
लेसाणं जाव मुक्कलेसाणं य कयरे कयरेहितो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा
देवा मुक्कलेसा, पम्हलेसा असंखेजगुणा, काउलेसा असंखेजगुणा, णील्लेसा विसेसा-
हिया, कण्हलेसा विसेसाहिया, काउलेसाओ देवीओ संखेजगुणाओ, णील्लेसाओ
विसेसाहियाओ, कण्हलेसाओ विसेसाहियाओ, तेउलेसा देवा संखेजगुणा, तेउ-
लेसाओ देवीओ संखेजगुणाओ ॥४९१॥ एएसि णं भंते ! भवणवासीणं देवाणं
कण्हलेसाणं जाव तेउलेसाणं य कयरे कयरेहितो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्व-
त्थोवा भवणवासी देवा तेउलेसा, काउलेसा असंखेजगुणा, णील्लेसा विसेसाहिया,
कण्हलेसा विसेसाहिया । एएसि णं भंते ! भवणवासिणीणं देवीणं कण्हलेसाणं जाव
तेउलेसाणं य कयरे कयरेहितो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! एवं चेव । एएसि णं
भंते ! भवणवासीणं देवाणं देवीणं य कण्हलेसाणं जाव तेउलेसाणं य कयरे कयरे-
हितो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा भवणवासी देवा तेउलेसा, भवणवा-
सिणीओ तेउलेसाओ संखेजगुणाओ, काउलेसा भवणवासी देवा असंखेजगुणा,
णील्लेसा विसेसाहिया, कण्हलेसा विसेसाहिया, काउलेसाओ भवणवासिणीओ देवीओ
संखेजगुणाओ, णील्लेसाओ विसेसाहियाओ, कण्हलेसाओ विसेसाहियाओ, एवं
वाणमंतराणं, तिण्णव अप्पावहुया जहेव भवणवासीणं तहेव भाणियव्वा ॥ ४९२ ॥
एएसि णं भंते ! जोइसियाणं देवाणं देवीणं य तेउलेसाणं य कयरे कयरेहितो
अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जोइसिया देवा तेउलेसा, जोइसिणीओ
देवीओ तेउलेसाओ संखेजगुणाओ ॥४९३॥ एएसि णं भंते ! वेमाणियाणं देवाणं
तेउलेसाणं पम्हलेसाणं मुक्कलेसाणं य कयरे कयरेहितो अप्पा वा ४ ? गोयमा !
सव्वत्थोवा वेमाणिया देवा मुक्कलेसा, पम्हलेसा असंखेजगुणा, तेउलेसा असंखेजगुणा ।
एएसि णं भंते ! वेमाणियाणं देवाणं देवीणं य तेउलेसाणं पम्हलेसाणं मुक्कलेसाणं
य कयरे कयरेहितो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा वेमाणिया देवा मुक्कलेसा,
पम्हलेसा असंखेजगुणा, तेउलेसा असंखेजगुणा, तेउलेसाओ वेमाणियाओ देवीओ

संखेजगुणाओ ॥४९४॥ एएसि णं भंते ! भवणवासीदेवाणं वाणमंतराणं जोइसियाणं वेमाणियाणं य देवाणं य कण्हलेसाणं जाव सुक्कलेसाणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वथोवा वेमाणिया देवा सुक्कलेसा, पण्हलेसा असंखेजगुणा, तेउलेसा असंखेजगुणा, तेउलेसा भवणवासी देवा असंखेजगुणा, काउलेसा असंखेजगुणा, णीललेसा विसेसाहिया, कण्हलेसा विसेसाहिया, तेउलेसा वाणमंतरा देवा असंखेजगुणा, काउलेसा असंखेजगुणा, णीललेसा विसेसाहिया, कण्हलेसा विसेसाहिया, तेउलेसा जोइसिया देवा संखेजगुणा । एएसि णं भंते ! भवणवासिणीणं वाणमंतरीणं जोइसिणीणं वेमाणिणीणं य कण्हलेसाणं जाव तेउलेसाणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वथोवाओ देवीओ वेमाणिणीओ तेउलेसाओ, भवणवासिणीओ तेउलेसाओ असंखेजगुणाओ, काउलेसाओ असंखेजगुणाओ, णीललेसाओ विसेसाहियाओ, कण्हलेसाओ विसेसाहियाओ, तेउलेसाओ वाणमंतरीओ देवीओ असंखेजगुणाओ, काउलेसाओ असंखेजगुणाओ, णीललेसाओ विसेसाहियाओ, कण्हलेसाओ विसेसाहियाओ, तेउलेसाओ जोइसिणीओ देवीओ संखेजगुणाओ ॥४९५॥ एएसि णं भंते ! भवणवासीणं जाव वेमाणियाणं देवाणं य देवीणं य कण्हलेसाणं जाव सुक्कलेसाणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वथोवा वेमाणिया देवा सुक्कलेसा, पण्हलेसा असंखेजगुणा, तेउलेसा असंखेजगुणा, तेउलेसाओ वेमाणियदेवीओ संखेजगुणाओ, तेउलेसा भवणवासी देवा असंखेजगुणा, तेउलेसाओ भवणवासिणीओ देवीओ संखेजगुणाओ, काउलेसा भवणवासी० असंखेजगुणा, णीललेसा विसेसाहिया, कण्हलेसा विसेसाहिया, काउलेसाओ भवणवासिणीओ० संखेजगुणाओ, णीललेसाओ विसेसाहियाओ, कण्हलेसाओ विसेसाहियाओ, तेउलेसा वाणमंतरा० संखेजगुणा, तेउलेसाओ वाणमंतरीओ० संखेजगुणाओ, काउलेसा वाणमंतरा० असंखेजगुणा, णीललेसा विसेसाहिया, कण्हलेसा विसेसाहिया, काउलेसाओ वाणमंतरीओ० संखेजगुणाओ, णीललेसाओ विसेसाहियाओ, कण्हलेसाओ विसेसाहियाओ, तेउलेसा जोइसिया० संखेजगुणा, तेउलेसाओ जोइसिणीओ० संखेजगुणाओ ॥४९६॥ एएसि णं भंते ! जीवाणं कण्हलेसाणं जाव सुक्कलेसाणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पट्ठिया वा महट्ठिया वा ? गोयमा ! कण्हलेसेहिंतो णीललेसा महट्ठिया, णीललेसेहिंतो काउलेसा महट्ठिया, एवं काउलेसेहिंतो तेउलेसा महट्ठिया, तेउलेसेहिंतो पण्हलेसा महट्ठिया, पण्हलेसेहिंतो सुक्कलेसा महट्ठिया, सव्वप्पट्ठिया

जीवा कण्हलेसा, सव्वमहद्धिया सुकलेसा ॥४९७॥ एएसि णं भंते ! णेरइयाणं कण्ह-
 लेसाणं णील्लेसाणं काउलेसाणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पद्धिया वा महद्धिया वा !
 गोयमा ! कण्हलेसेहिंतो णील्लेसा महद्धिया, णील्लेसेहिंतो काउलेसा महद्धिया,
 सव्वप्पद्धिया णेरइया कण्हलेसा, सव्वमहद्धिया णेरइया काउलेसा ॥४९८॥ एएसि
 णं भंते ! तिरिक्खजोणियाणं कण्हलेसाणं जाव सुकलेसाणं य कयरे कयरेहिंतो
 अप्पद्धिया वा महद्धिया वा ! गोयमा ! जहा जीवाणं । एएसि णं भंते ! एग्गिदिय-
 तिरिक्खजोणियाणं कण्हलेसाणं जाव तेउलेसाणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पद्धिया वा
 महद्धिया वा ! गोयमा ! कण्हलेसेहिंतो एग्गिदियतिरिक्खजोणिहंतो णील्लेसा
 महद्धिया, णील्लेसेहिंतो तिरिक्खजोणिहंतो काउलेसा महद्धिया, काउलेसेहिंतो
 तेउलेसा महद्धिया, सव्वप्पद्धिया एग्गिदियतिरिक्खजोणिया कण्हलेसा, सव्वमहद्धिया
 तेउलेसा । एवं पुट्टविकाइयाणं वि । एवं एएणं अमिल्लवेणं जहेव लेस्साओ भावि-
 याओ तहेव णेयव्वं जाव चउरिंदिया । पंचेदियतिरिक्खजोणियाणं तिरिक्खजोणि-
 णीणं संमुच्छिमाणं गम्भवक्कंतियाणं य सव्वेसिं भाणियव्वं जाव अप्पद्धिया वेमाणिया
 देवा तेउलेसा, सव्वमहद्धिया वेमाणिया सुकलेसा । केई भणंति—चउवीसं दंडएणं
 इट्ठी भाणियव्वा ॥४९९॥ पण्णवणाए भगवईए सत्तरसमे लेस्सापए
 बीओ उहेसओ समत्तो ॥

लेस्सापए तइओ उहेसओ

णेरइए णं भंते ! णेरइएसु उववजइ, अणेरइए णेरइएसु उववजइ ! गोयमा !
 णेरइए णेरइएसु उववजइ, णो अणेरइए णेरइएसु उववजइ, एवं जाव वेमाणियाणं ।
 णेरइए णं भंते ! णेरइएहिंतो उववजइ, अणेरइए णेरइएहिंतो उववजइ ! गोयमा !
 अणेरइए णेरइएहिंतो उववजइ, णो णेरइए णेरइएहिंतो उववजइ । एवं जाव वेमा-
 णिए, णवरं जोइसियवेमाणिएसु ‘चयणं’ति अमिल्लवो कायव्वो ॥५००॥ से णूणं
 भंते ! कण्हलेसे णेरइए कण्हलेसेसु णेरइएसु उववजइ, कण्हलेसे उववजइ, जल्लेसे
 उववजइ तल्लेसे उववजइ ! इंता गोयमा ! कण्हलेसे णेरइए कण्हलेसेसु णेरइएसु
 उववजइ, कण्हलेसे उववजइ, जल्लेसे उववजइ तल्लेसे उववजइ, एवं णील्लेसे वि,
 एवं काउलेसे वि । एवं अमुरकुमाराणं वि जाव थणियकुमारा, णवरं तेउलेसा अब्भ-

हिया । से गूणं भंते ! कण्हलेसे पुढविकाइए कण्हलेसेसु पुढविकाइएसु उववज्जइ, कण्ह-
लेसे उववज्जइ, जल्लेसे उववज्जइ तल्लेसे उववज्जइ ! इंता गोयमा ! कण्हलेसे पुढविकाइए
कण्हलेसेसु पुढविकाइएसु उववज्जइ, सिय कण्हलेसे उववज्जइ, सिय णीललेसे उववज्जइ,
सिय काउलेसे उववज्जइ, सिय जल्लेसे उववज्जइ तल्लेसे उववज्जइ । एवं णीलकाउलेसासु
वि । से गूणं भंते ! तेउलेसे पुढविकाइए तेउलेसेसु पुढविकाइएसु उववज्जइ पुच्छा ।
इंता गोयमा ! तेउलेसे पुढविकाइए तेउलेसेसु पुढविकाइएसु उववज्जइ, सिय कण्ह-
लेसे उववज्जइ, सिय णीललेसे उववज्जइ, सिय काउलेसे उववज्जइ, तेउलेसे उववज्जइ,
णो चेव णं तेउलेसे उववज्जइ । एवं आउकाइया वणस्सइकाइया वि । तेउ वाऊ एवं
चेव, णवरं एएसिं तेउलेसा णत्थि । वितियचउरिंदिया एवं चेव तिसु लेसासु । पच्चै-
दियतिरिक्खजोणिया मणुस्सा य जहा पुढविकाइया आइल्लिया तिसु लेसासु भणिया
तहा छसु वि लेसासु भाणियव्वा, णवरं छण्यि लेसाओ चारेयव्वाओ । वाणमंतरा जहा
असुरकुमारा । से गूणं भंते ! तेउलेसेसु जोइसिए तेउलेसेसु जोइसिएसु उववज्जइ !
जहेव असुरकुमारा । एवं वेमाणिया वि, णवरं दोहं पि चयंतीति अभिलावो ॥५०१॥
से गूणं भंते ! कण्हलेसे णीललेसे काउलेसे णेरइए कण्हलेसेसु णीललेसेसु काउ-
लेसेसु णेरइएसु उववज्जइ, कण्हलेसे णीललेसे काउलेसे उववज्जइ, जल्लेसे उववज्जइ
तल्लेसे उववज्जइ ! इंता गोयमा ! कण्हणीलकाउलेसे उववज्जइ, जल्लेसे उववज्जइ तल्लेसे
उववज्जइ । से गूणं भंते ! कण्हलेसे जाव तेउलेसे असुरकुमारे कण्हलेसेसु जाव तेउ-
लेसेसु असुरकुमारेसु उववज्जइ ! एवं जहेव णेरइए तहा असुरकुमारा वि जाव
थणियकुमारा वि । से गूणं भंते ! कण्हलेसे जाव तेउलेसे पुढविकाइए कण्हलेसेसु
जाव तेउलेसेसु पुढविकाइएसु उववज्जइ ! एवं पुच्छा जहा असुरकुमाराणं । इंता
गोयमा ! कण्हलेसे जाव तेउलेसे पुढविकाइए कण्हलेसेसु जाव तेउलेसेसु पुढविकाइ-
एसु उववज्जइ, सिय कण्हलेसे उववज्जइ, सिय णीललेसे, सिय काउलेसे उववज्जइ,
सिय जल्लेसे उववज्जइ तल्लेसे उववज्जइ, तेउलेसे उववज्जइ, णो चेव णं तेउलेसे उव-
वज्जइ । एवं आउकाइया वणस्सइकाइया वि भाणियव्वा । से गूणं भंते ! कण्हलेसे
णीललेसे काउलेसे तेउकाइए कण्हलेसेसु णीललेसेसु काउलेसेसु तेउकाइएसु उव-
वज्जइ, कण्हलेसे णीललेसे काउलेसे उववज्जइ, जल्लेसु उववज्जइ तल्लेसे उववज्जइ !
इंता गोयमा ! कण्हलेसे णीललेसे काउलेसे तेउकाइए कण्हलेसेसु णीललेसेसु काउ-
लेसेसु तेउकाइएसु उववज्जइ, सिय कण्हलेसे उववज्जइ, सिय णीललेसे उववज्जइ,
सिय काउलेसे उववज्जइ, सिय जल्लेसे उववज्जइ तल्लेसे उववज्जइ । एवं वाउकाइय-

वेइदियतेइदियचउरिदिया वि भाणियव्वा । से णूणं भंते ! कण्हलेसे जाव सुक्कलेसे पंचेदियतिरिक्खजोणिए कण्हलेसेसु जाव सुक्कलेसेसु पंचेदियतिरिक्खजोणिएसु उव-
वज्जइ पुच्छा । हंता गोयमा ! कण्हलेसे जाव सुक्कलेसे पंचेदियतिरिक्खजोणिए कण्ह-
लेसेसु जाव सुक्कलेसेसु पंचेदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जइ, सिय कण्हलेसे उववज्जइ
जाव सिय सुक्कलेसे उववज्जइ, सिय जल्लेसे उववज्जइ तल्लेसे उववज्जइ । एवं मणूसे
वि । वाणमंतरा जहा असुरकुमारा ! जोइसियवेमाणिया वि एवं चेव, णवरं जस्स
जल्लेसा । दोण्ह वि 'चयणं'ति भाणियव्वं ॥५०२॥ कण्हलेसे णं भंते ! णेरइए कण्ह-
लेसं णेरइयं पणिहाए ओहिणा सव्वओ समंता समभिलोएमाणे २ केवइयं खेत्तं
जाणइ, केवइयं खेत्तं पासइ ! गोयमा ! णो बहुयं खेत्तं जाणइ, णो बहुयं खेत्तं
पासइ, णो दूरं खेत्तं जाणइ, णो दूरं खेत्तं पासइ, इत्तरियमेव खेत्तं जाणइ, इत्त-
रियमेव खेत्तं पासइ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ—'कण्हलेसे णं णेरइए तं चेव
जाव इत्तरियमेव खेत्तं पासइ' ! गोयमा ! से जहाणामए केइ पुरिसे बहुसमरम-
णिजंसि भूमिभागंसि ठिच्चा सव्वओ समंता समभिलोएजा, तए णं से पुरिसे धरणि-
तल्लायं पुरिसं पणिहाए सव्वओ समंता समभिलोएमाणे २ णो बहुयं खेत्तं जाव
पासइ जाव इत्तरियमेव खेत्तं पासइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ—'कण्हलेसे णं
णेरइए जाव इत्तरियमेव खेत्तं पासइ' । णील्लेसे णं भंते ! णेरइए कण्हलेसं णेरइयं
पणिहाय ओहिणा सव्वओ समंता समभिलोएमाणे २ केवइयं खेत्तं जाणइ, केवइयं
खेत्तं पासइ ! गोयमा ! बहुतरागं खेत्तं जाणइ, बहुतरागं खेत्तं पासइ, दूरतरं खेत्तं
जाणइ, दूरतरं खेत्तं पासइ, वितिमिरतरागं खेत्तं जाणइ, वितिमिरतरागं खेत्तं
पासइ, विसुद्धतरागं खेत्तं जाणइ, विसुद्धतरागं खेत्तं पासइ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं
वुच्चइ—'णील्लेसे णं णेरइए कण्हलेसं णेरइयं पणिहाय जाव विसुद्धतरागं खेत्तं जाणइ,
विसुद्धतरागं खेत्तं पासइ' ! गोयमा ! से जहाणामए केइ पुरिसे बहुसमरमणिजाओ
भूमिभागाओ पव्वयं दुरुहइ दुरुहित्ता सव्वओ समंता समभिलोएजा, तए णं से
पुरिसे धरणितल्लायं पुरिसं पणिहाय सव्वओ समंता समभिलोएमाणे २ बहुतरागं खेत्तं
जाणइ जाव विसुद्धतरागं खेत्तं पासइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ—'णील्लेसे
णेरइए कण्हलेसं जाव विसुद्धतरागं खेत्तं पासइ' । काउलेस्से णं भंते ! णेरइए णील-
लेसं णेरइयं पणिहाय ओहिणा सव्वओ समंता समभिलोएमाणे २ केवइयं खेत्तं
जाणइ० पासइ ! गोयमा ! बहुतरागं खेत्तं जाणइ० पासइ जाव विसुद्धतरागं खेत्तं

पासइ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘काउलेस्से णं णेरइए जाव विमुद्धतरागं खेत्तं पासइ’ ? गोयमा ! से जहाणामए केइ पुरिसे बहुसमरमणिजाओ भूमिभागाओ पव्वयं दुरुइइ दुरुहित्ता दो वि पाए उच्चाविया (वइत्ता) सच्चओ समंता सममिलोएजा, तए णं से पुरिसे पव्वयगयं धरणितलगयं च पुरिसं पणिहाय सच्चओ समंता सममिलोएमाणे २ बहुतरागं खेत्तं जाणइ, बहुतरागं खेत्तं पासइ जाव वितिमिरतरागं खेत्तं पासइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ—काउलेस्से णं णेरइए णीललेस्सं णेरइयं पणिहाय तं चेव जाव वितिमिरतरागं खेत्तं पासइ’ ॥५०३॥ कण्हलेस्से णं भंते ! जीवे कइसु णाणेसु होजा ! गोयमा ! दोसु वा तिसु वा चउसु वा णाणेसु होजा, दोसु होमाणे आभिणिबोहियसुयणाणे होजा, तिसु होमाणे आभिणिबोहियसुयणाओहिणाणेसु होजा, अहवा तिसु होमाणे आभिणिबोहियसुयणाणमणपज्जवणाणेसु होजा, चउसु होमाणे आभिणिबोहियसुयओहिमणपज्जवणाणेसु होजा, एवं जाव पण्हलेस्से । सुकलेस्से णं भंते ! जीवे कइसु णाणेसु होजा ! गोयमा ! दोसु वा तिसु वा चउसु वा होजा, दोसु होमाणे आभिणिबोहियणाण एवं जहेव कण्हलेमाणं तहेव भाणियच्चं जाव चउहिं । एगंमि णाणे होमाणे एगंमि केवलणाणे होजा ॥५०४॥ पणवणाए भगवईए सत्तरसमे लेस्सापए तइओ उद्देसओ समत्तो ॥

लेस्सापए चउत्थो उद्देसओ

परिणामवणसरसंगंधसुद्धअपसत्थसंकिंलिदट्ठण्हा । गइपरिणामपएसोमादवगण-
टाणाणमप्यबहुं ॥१॥ कइ णं भंते ! लेसाओ पणत्ताओ ? गोयमा ! छल्लेसाओ पणत्ताओ । तंजहा—कण्हलेसा जाव सुकलेसा । से णूणं भंते ! कण्हलेस्सा णीललेस्सं पण्य तारुवत्ताए तावणत्ताए तारगंधत्ताए तारसत्ताए ताफासत्ताए भुज्जो २ परिणमइ ? हंता गोयमा ! कण्हलेस्सा णीललेस्सं पण्य तारुवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमइ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘कण्हलेस्सा णीललेस्सं पण्य तारुवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमइ’ ? गोयमा ! से जहा णामए खारे दूसिं पण्य सुद्धे वा वत्थे रागं पण्य तारुवत्ताए जाव ताफासत्ताए भुज्जो २ परिणमइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ—‘कण्हलेस्सा णीललेस्सं पण्य तारुवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमइ’ । एवं एएणं अभिलावेणं णीललेसा काउलेस्सं पण्य, काउलेसा तेउलेस्सं पण्य, तेउलेसा पण्हलेस्सं

पप्य, पम्हलेसा सुकलेसं पप्य जाव भुजो २ परिणमइ ॥५०५॥ से गूणं भंते ! कण्ह-
लेसा णीललेसं काउलेसं तेउलेसं पम्हलेसं सुकलेसं पप्य तारुवत्ताए तावणत्ताए
तागंधत्ताए तारसत्ताए ताफासत्ताए भुजो २ परिणमइ ! इंता गोयमा ! कण्हलेसा णील-
लेसं पप्य जाव सुकलेसं पप्य तारुवत्ताए तावणत्ताए तागंधत्ताए तारपत्ताए ताफासत्ताए
भुजो २ परिणमइ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘कण्हलेसा णीललेसं जाव सुक-
लेसं पप्य तारुवत्ताए जाव भुजो २ परिणमइ’ ? गोयमा ! से जहाणामए वेरुलिय-
मणी सिया कण्हसुत्तए वा णीलसुत्तए वा लोहियसुत्तए वा हालिइसुत्तए वा सुक्किह-
सुत्तए वा आइए समाणे तारुवत्ताए जाव भुजो २ परिणमइ, से तेणट्ठेणं गोयमा !
एवं बुच्चइ—‘कण्हलेसा णीललेसं जाव सुकलेसं पप्य तारुवत्ताए जाव भुजो २ परिण-
मइ ॥५०६॥ से गूणं भंते ! णीललेसा किण्हलेसं जाव सुकलेसं पप्य तारुवत्ताए जाव
भुजो २ परिणमइ ! इंता गोयमा ! एवं चेव, काउलेसा किण्हलेसं णीललेसं तेउलेसं
पम्हलेसं सुकलेसं, एवं तेउलेसा किण्हलेसं णीललेसं काउलेसं पम्हलेसं सुकलेसं, एवं
पम्हलेसा किण्हलेसं णीललेसं काउलेसं तेउलेसं सुकलेसं पप्य जाव भुजो २ परिण-
मइ ! इंता गोयमा ! तं चेव । से गूणं भंते ! सुकलेसा किण्हलेसं णीललेसं काउलेसं
तेउलेसं पम्हलेसं पप्य जाव भुजो २ परिणमइ ! इंता गोयमा ! तं चेव ॥५०७॥ कण्ह-
लेस्सा णं भंते ! वण्णेणं केरिसिया पण्णत्ता ? गोयमा ! से जहाणामए जीमूए इ वा
अंजणे इ वा खंजणे इ वा कजले इ वा गवले इ वा गवल्ललए इ वा जंबूफले इ वा
अदारिद्रुपुप्फे इ वा परपुट्टे इ वा भमरे इ वा भमरावली इ वा गयकलभे इ वा
किण्हकेसरे इ वा आगासथिगले इ वा किण्हासोए इ वा कण्हकणवीरए इ वा
कण्हवंधुजीवए इ वा, भवे एयारुवे ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, कण्हलेसा णं इतो
अणिद्धतरिया चेव अकंततरिया चेव अप्पियतरिया चेव अमणुणतरिया चेव अम-
णामतरिया चेव वण्णेणं पण्णत्ता ॥५०८॥ णीललेस्सा णं भंते ! केरिसिया वण्णेणं
पण्णत्ता ? गोयमा ! से जहाणामए भिंगए इ वा भिंगपत्ते इ वा चासे इ वा चाम-
पिच्छए इ वा सुए इ वा सुयपिच्छे इ वा सामा इ वा वणराई इ वा उच्चत्तए इ वा
पारेवयसीवा इ वा मोरगीवा इ वा हलहरवसणे इ वा अयसिकुसुमे इ वा वणकुसुमे
इ वा अंजणकेसियाकुसुमे इ वा णीलुप्पले इ वा णीलासोए इ वा णीलकणवीरए इ
वा णीलवंधुजीवे इ वा, भवेयारुवे ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे० एत्तो जाव अम-
णामयरिया चेव वण्णेणं पण्णत्ता ॥५०९॥ काउलेस्सा णं भंते ! केरिसिया वण्णेणं

पण्णत्ता ! गोयमा ! से जहाणामए खहरसारए इ वा कहरसारए इ वा घमाससारे इ वा तंवे इ वा तंवकरोडे इ वा तंवच्छिवाडियाए इ वा वाइंगणिकुसुमे इ वा कोइल-
च्छंदकुसुमे इ वा जवासाकुसुमे इ वा, भवेयारूवे ! गोयमा ! णो इण्ठे समट्ठे । काउलेस्सा णं एत्तो अणिद्वयरिया जाव अमणामयरिया चेव वण्णेणं पण्णत्ता ॥५१०॥
तेउलेस्सा णं भंते ! केरिसिया वण्णेणं पण्णत्ता ! गोयमा ! से जहाणामए ससरुहिरे इ वा उरम्भरुहिरे इ वा बराहरुहिरे इ वा संवरुहिरे इ वा मणुस्सरुहिरे इ वा इंदगोवे इ वा बालेंदगोवे इ वा बालदिवायेरे इ वा संझारामे इ वा गुंजद्वारामे इ वा जाइहिंणुले इ वा पवालंकुरे इ वा लक्खारसे इ वा लोहियक्खमणी इ वा किमिराग-
क्खले इ वा गयतालुए इ वा चीणिपिठ्ठरासी इ वा पारिजायकुसुमे इ वा ज्ञासुमण-
कुसुमे इ वा किंसुयपुष्करासी इ वा रत्तुप्पले इ वा रत्तासोगे इ वा रत्तकणवीरे इ वा रत्तबंधुजीवए इ वा, भवेयारूवा ! गोयमा ! णो इण्ठे समट्ठे । तेउलेस्सा णं एत्तो इट्ठतरिया चेव जाव मणामतरिया चेव वण्णेणं पण्णत्ता ॥ ५११ ॥ पम्हलेस्सा णं भंते ! केरिसिया वण्णेणं पण्णत्ता ! गोयमा ! से जहाणामए चंपे इ वा चंपयच्छल्ली इ वा चंपयमेए इ वा हालिहा इ वा हालिइगुलिया इ वा हालिइमेए इ वा हरि-
याले इ वा हरियाल्लुगुलिया इ वा हरियाल्लमेए इ वा चिउरे इ वा चिउरारामे इ वा सुवण्णसिप्पी इ वा वरकणगणिहसे इ वा वरपुरिसवसणे इ वा अल्लइकुसुमे इ वा चंपयकुसुमे इ वा कण्णिगारकुसुमे इ वा कुहंडयकुसुमे इ वा सुवण्णजूहिया इ वा सुहिरण्णिगुलियाकुसुमे इ वा कोरिंटमल्लदामे इ वा पीयासोगे इ वा पीयकणवीरे इ वा पीयबंधुजीवए इ वा, भवेयारूवे ! गोयमा ! णो इण्ठे समट्ठे । पम्हलेस्सा णं एत्तो इट्ठतरिया चेव जाव मणामतरिया चेव वण्णेणं पण्णत्ता ॥५१२॥ सुक्खलेस्सा णं भंते ! केरिसिया वण्णेणं पण्णत्ता ! गोयमा ! से जहाणामए अंके इ वा संखे इ वा चंदे इ वा कुंदे इ वा दगे इ वा दगरए इ वा दही इ वा दहिघणे इ वा खीरे इ वा खीरपूरए इ वा सुक्खच्छिवाडिया इ वा पेहुणमिजिया इ वा धंतधोयरुप्पट्ठे इ वा सारयल्लहए इ वा कुमुयदले इ वा पोंडरीयदले इ वा सालिपिठ्ठरासी इ वा कुडगपुष्करासी इ वा सिंदुवारमल्लदामे इ वा सेयासोए इ वा सेयकणवीरे इ वा सेयबंधुजीवए इ वा, भवेयारूवे ! गोयमा ! णो इण्ठे समट्ठे । सुक्खलेस्सा णं एत्तो इट्ठतरिया चेव जाव मणामतरिया चेव वण्णेणं पण्णत्ता ॥५१३॥ एयाओ णं भंते ! छलेस्साओ कइसु वण्णेसु साहिजंति ! गोयमा ! पंचसु वण्णेसु साहिजंति, तंजहा-

कण्हेस्सा कालएणं वण्णेणं साहिज्जइ, णीललेस्सा णीलएणं वण्णेणं साहिज्जइ, काउ-
लेस्सा काललोहिएणं वण्णेणं साहिज्जइ, तेउलेस्सा लोहिएणं वण्णेणं साहिज्जइ, पम्हलेस्सा
इल्लिएणं वण्णेणं साहिज्जइ, सुक्कलेस्सा सुक्किएणं वण्णेणं साहिज्जइ ॥ ५१४ ॥
कण्हेस्सा णं भंते ! केरिसिया आसाएणं पणत्ता ! गोयमा ! से जहाणामए णिबि
इ वा णिवसारे इ वा णिवछल्ली इ वा णिवफाणिए इ वा कुडए इ वा कुडगफलए
इ वा कुडगछल्ली इ वा कुडगफाणिए इ वा कडुगतुंबी इ वा कडुगतुंबिफले इ वा
खारतउसी इ वा खारतउसीफले इ वा देवदाली इ वा देवदालीपुण्फे इ वा मिय-
वालुंकी इ वा मियवालुंकीफले इ वा घोसाडए इ वा घोसाडईफले इ वा कण्हकंदए
इ वा वज्जकंदए इ वा, भवेयारुवे ! गोयमा ! णो इण्हे समद्धे, कण्हेस्सा णं एत्तो
अणिद्धतरिया चेव जाव अमणामतरिया चेव आसाएणं पणत्ता ॥ ५१५ ॥ णीललेस्साए
पुच्छा । गोयमा ! से जहाणामए भंगी इ वा भंगीरए इ वा पाटा इ वा चविवा इ
वा चित्तामूलए इ वा पिप्पली इ वा पिप्पलीमूलए इ वा पिप्पलीचुण्णे इ वा मिरिए
इ वा मिरियचुण्णए इ वा सिंगबेरे इ वा सिंगबेरचुण्णे इ वा, भवेयारुवे ! गोयमा !
णो इण्हे समद्धे, णीललेस्सा णं एत्तो जाव अमणामतरिया चेव आसाएणं पणत्ता
॥ ५१६ ॥ काउलेस्साए पुच्छा । गोयमा ! से जहाणामए अंबाण वा अंबाडगाण वा
माउलुंगाण वा विल्लाण वा कविट्ठाण वा भज्जाण वा फण्त्ताण वा दाडिमाण वा पारेवयाण
वा अक्खोडयाण वा चोराण वा योराण वा तिंदुयाण वा अपक्काणं अपरिवामाणं वण्णेणं
अणुववेयाणं गंधेणं अणुववेयाणं फासेणं अणुववेयाणं, भवेयारुवे ! गोयमा ! णो
इण्हे समद्धे जाव एत्तो अमणामतरिया चेव काउलेस्सा अस्साएणं पणत्ता ॥ ५१७ ॥
तेउलेस्सा णं भंते ! पुच्छा । गोयमा ! से जहाणामए अंबाण वा जाव पक्काणं परिया-
वणाणं वण्णेणं उववेयाणं पसत्थेणं जाव फासेणं जाव एत्तो मणामयतरिया चेव तेउ-
लेस्सा आसाएणं पणत्ता ॥ ५१८ ॥ पम्हलेस्साए पुच्छा । गोयमा ! से जहाणामए
चंदप्पभा इ वा मणसिला इ वा वरसीधू इ वा वरसारीणी इ वा पत्तासवे इ वा पुप्फासवे
इ वा फलसवे इ वा चोयासवे इ वा आसवे इ वा मडू इ वा मेरए इ वा कवि-
साणए इ वा खज्जरसारए इ वा मुहियासारए इ वा सुप्फलोयसे इ वा अट्ठपिट्ठ-
पिट्ठिया इ वा जंबुफलकालिया इ वा वरप्पसण्णा इ वा (आसला)भंसला पसला ईसिं
ओट्ठवलविणी ईसिं वोच्छेयकहुई ईसिं तंवच्छि करणी उक्कोसमयपत्ता वण्णेणं उववेया
जाव फासेणं आसायणिज्जा वीसायणिज्जा पीणणिज्जा विहणिज्जा दीवणिज्जा दप्पणिज्जा

मयणिजा, सच्चिदियगायपल्हायणिजा, भवेयारूवा ? गोयमा ! णो इण्हे समहे
 पम्हलेस्सा णं एत्तो इट्ठतरिया चेव जावमणामतरिया चेव आसाएणं पणत्ता ॥५१९॥
 सुक्कलेस्सा णं भंते ! केरिसिया अस्साएणं पणत्ता ? गोयमा ! से जहाणामए गुले
 इ वा खंडे इ वा सक्करा इ वा मच्छंडिया इ वा पण्डमोयए इ वा भिसकंदए इ
 वा पुप्फुत्तरा इ वा पउमुत्तरा इ वा आयंसिया इ वा सिद्धत्थिया इ वा आगास-
 फालिओवमा इ वा उवमा इ वा अणोवमा इ वा, भवेयारूवे ? गोयमा ! णो इण्हे समहे,
 सुक्कलेस्सा णं एत्तो इट्ठतरिया चेव० पियतरिया चेव० मणामयरिया चेव आसाएणं
 पणत्ता ॥५२०॥ कइ णं भंते ! लेस्साओ दुब्भिमंगंघाओ पणत्ताओ ? गोयमा !
 तओ लेस्साओ दुब्भिमंगंघाओ पणत्ताओ । तंजहा—कण्हलेस्सा, णीललेस्सा, काउ-
 लेस्सा । कइ णं भंते ! लेस्साओ सुब्भिमंगंघाओ पणत्ताओ ? गोयमा ! तओ लेस्साओ
 सुब्भिमंगंघाओ पणत्ताओ । तंजहा—तेउलेस्सा, पम्हलेस्सा, सुक्कलेस्सा, एवं तओ
 अविमुद्धाओ, तओ विमुद्धाओ, तओ अप्पसत्थाओ, तओ पसत्थाओ, तओ संक्कि-
 लिद्धाओ, तओ असंक्किलिद्धाओ, तओ सीयलुक्खाओ, तओ गिद्धुण्हाओ, तओ
 दुग्गइगामियाओ, तओ सुगईगामियाओ ॥५२१॥ कण्हलेस्सा णं भंते ! कइविहं
 परिणामं परिणमइ ? गोयमा ! तिविहं वा णवविहं वा सत्तावीसविहं वा
 एकासीइविहं वा बेतेयालीसतविहं वा बहुयं वा बहुविहं वा परिणामं परिणमइ, एवं
 जाव सुक्कलेस्सा ॥५२२॥ कण्हलेस्सा णं भंते ! कइपएसिया पणत्ता ? गोयमा !
 अणंतपएसिया पणत्ता, एवं जाव सुक्कलेस्सा । कण्हलेस्सा णं भंते ! कइपएसोगाढा
 पणत्ता ! गोयमा ! असंखेजपएसोगाढा पणत्ता, एवं जाव सुक्कलेस्सा । कण्हलेस्साए
 णं भंते ! केवइयाओ वग्गणाओ पणत्ताओ ? गोयमा ! अणंताओ वग्गणाओ०,
 एवं जाव सुक्कलेस्साए ॥ ५२३ ॥ केवइया णं भंते ! कण्हलेस्साठाणा पणत्ता ?
 गोयमा ! असंखेज्जा कण्हलेस्साठाणा पणत्ता । एवं जाव सुक्कलेस्सा ॥५२४॥ एसि
 णं भंते ! कण्हलेस्साठाणां जाव सुक्कलेस्साठाणाण य जहण्णगाणं दव्वट्ठयाए पए-
 सट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा
 जहण्णगा काउलेस्साठाणा दव्वट्ठयाए, जहण्णगा णीललेस्साठाणा दव्वट्ठयाए असं-
 खेज्जगुणा, जहण्णगा कण्हलेस्साठाणा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, जहण्णगा तेउलेस्सा-
 ठाणा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, जहण्णगा पम्हलेस्साठाणा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा,
 जहण्णगा सुक्कलेस्साठाणा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, पएसट्ठयाए—सव्वत्थोवा जहण्णगा

काउलेस्साठाणा पएसड्डयाए, जहण्णगा णीललेस्साठाणा पएसड्डयाए असंखेज्जगुणा,
जहण्णगा कण्हलेस्साठाणा पएसड्डयाए असंखेज्जगुणा, जहण्णगा तेउलेस्साए ठाणा
पएसड्डयाए असंखेज्जगुणा, जहण्णगा पम्हलेस्साठाणा पएसड्डयाए असंखेज्जगुणा,
जहण्णगा सुक्कलेस्साठाणा पएसड्डयाए असंखेज्जगुणा, दव्वड्डपएसड्डयाए—सव्वन्थोवा
जहण्णगा काउलेस्साठाणा दव्वड्डयाए, जहण्णगा णीललेस्साठाणा दव्वड्डयाए असं-
खेज्जगुणा, एवं कण्हलेस्सा, तेउलेस्सा, पम्हलेस्सा, जहण्णगा सुक्कलेस्साठाणा दव्वड्ड-
याए असंखेज्जगुणा, जहण्णएहिंती सुक्कलेस्साठाणेहिंती दव्वड्डयाए जहण्णकाउलेस्सा-
ठाणा पएसड्डयाए असंखेज्जगुणा, जहण्णगा णीललेस्साठाणा पएसड्डयाए असंखेज्जगुणा,
एवं जाव सुक्कलेस्साठाणा ॥५२५॥ एससि णं भंते ! कण्हलेस्साठाणां जाव सुक्क-
लेस्साठाणां य उक्कोसगाणं दव्वड्डयाए पएसड्डयाए दव्वड्डपएसड्डयाए कयरे कयरे-
हिंती अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वन्थोवा उक्कोसगा काउलेस्साठाणा दव्वड्डयाए,
उक्कोसगा णीललेस्साठाणा दव्वड्डयाए असंखेज्जगुणा, एवं जहेव जहण्णगा तहेव
उक्कोसगा वि, णवरं उक्कोससि अभिलावो ॥५२६॥ एससि णं भंते ! कण्हलेस्साठाणां
जाव सुक्कलेस्साठाणां य जहण्णउक्कोसगाणं दव्वड्डयाए पएसड्डयाए दव्वड्डपएसड्डयाए
कयरे कयरेहिंती अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वन्थोवा जहण्णगा काउलेस्साठाणा
दव्वड्डयाए, जहण्णगा णीललेस्साठाणा दव्वड्डयाए असंखेज्जगुणा, एवं कण्हतेउपम्ह-
लेस्साठाणा, जहण्णगा सुक्कलेस्साठाणा दव्वड्डयाए असंखेज्जगुणा, जहण्णएहिंती सुक्कलेस्-
साठाणेहिंती दव्वड्डयाए उक्कोसा काउलेस्साठाणा दव्वड्डयाए असंखेज्जगुणा, उक्कोसा
णीललेस्साठाणा दव्वड्डयाए असंखेज्जगुणा, एवं कण्हतेउपम्हलेस्साठाणा, उक्कोसा सुक्क-
लेस्साठाणा दव्वड्डयाए असंखेज्जगुणा । पएसड्डयाए—सव्वन्थोवा जहण्णगा काउलेस्-
साठाणा पएसड्डयाए, जहण्णगा णीललेस्साठाणा पएसड्डयाए असंखेज्जगुणा, एवं जहेव
दव्वड्डयाए तहेव पएसड्डयाए वि भाणियव्वं, णवरं पएसड्डयाएत्ति अभिलावविसेसो ।
दव्वड्डपएसड्डयाए—सव्वन्थोवा जहण्णगा काउलेस्साठाणा दव्वड्डयाए, जहण्णगा णील-
लेस्साठाणा दव्वड्डयाए असंखेज्जगुणा, एवं कण्हतेउपम्हलेस्साठाणा, जहण्णगा सुक्कलेस्-
साठाणा दव्वड्डयाए असंखेज्जगुणा, जहण्णएहिंती सुक्कलेस्साठाणेहिंती दव्वड्डयाए उक्कोसा
काउलेस्साठाणा दव्वड्डयाए असंखेज्जगुणा, उक्कोसा णीललेस्साठाणा दव्वड्डयाए असंखेज्ज-
गुणा, एवं कण्हतेउपम्हलेस्साठाणा, उक्कोसगा सुक्कलेस्साठाणा दव्वड्डयाए असंखेज्जगुणा,
उक्कोसएहिंती सुक्कलेस्साठाणेहिंती दव्वड्डयाए जहण्णगा काउलेस्साठाणा पएसड्डयाए

अणंतगुणा, जहणगुणा णील्लेसठाणा पएसइयाए असंखेजगुणा, एवं कण्हतेउपग्हे-
लेसट्ठाणा, जहणगुणा सुकलेसठाणा पएसइयाए असंखेजगुणा, जहणएहिंतो सुक-
लेसट्ठाणेहिंतो पएसइयाए उक्कोसा काउलेसठाणा पएसइयाए असंखेजगुणा, उक्को-
सया णील्लेसठाणा पएसइयाए असंखेजगुणा, एवं कण्हतेउपग्हेलेसट्ठाणा, उक्कोसया
सुकलेसठाणा पएसइयाए असंखेजगुणा ॥ ५२७ ॥ पणवणाए भगवईए

सत्तरसमस्स लेस्सापयस्स चउत्था उद्देसओ समत्तो ॥

लेस्सापए पंचमो उद्देसओ

कइ णं भंते ! लेसाओ पणत्ताओ ? गोयमा ! ल्लेसाओ पणत्ताओ । तंजहा-
कण्हलेसा जाव सुकलेसा । से णूणं भंते ! कण्हलेसा णील्लेसं पप्प तारुवत्ताए
तावणत्ताए तागंधत्ताए तारसत्ताए ताफासत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमइ ! इत्तो आदत्तं
जहा चउत्थओ उद्देसओ तहा भाणियव्वं जाव वेसलियमणिदिट्ठतोत्ति ॥ ५२८ ॥ से
णूणं भंते ! कण्हलेसा णील्लेसं पप्प णो तारुवत्ताए जाव णो ताफासत्ताए भुज्जो २
परिणमइ ! इंता गोयमा ! कण्हलेसा णील्लेसं पप्प णो तारुवत्ताए, णो तारसत्ताए,
णो तागंधत्ताए, णो तारसत्ताए, णो ताफासत्ताए भुज्जो २ परिणमइ । से केणट्ठेणं
भंते ! एवं बुच्चइ० ! गोयमा ! आगारभावमायाए वा से सिया, पलिभागभावमायाए
वा से सिया । कण्हलेसा णं सा, णो खलु सा णील्लेसा, तत्थगया ओसकइ उस्सकइ
वा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ-‘कण्हलेसा णील्लेसं पप्प णो तारुवत्ताए जाव
भुज्जो २ परिणमइ’ । से णूणं भंते ! णील्लेसा काउलेसं पप्प णो तारुवत्ताए जाव
भुज्जो २ परिणमइ ! इंता गोयमा ! णील्लेसा काउलेसं पप्प णो तारुवत्ताए जाव
भुज्जो २ परिणमइ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ-‘णील्लेसा काउलेसं पप्प णो
तारुवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमइ’ ! गोयमा ! आगारभावमायाए वा सिया,
पलिभागभावमायाए वा सिया । णील्लेसा णं सा, णो खलु सा काउलेसा, तत्थगया
ओसकइ उस्सकइ वा, से एएणट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ-‘णील्लेसा काउलेसं पप्प
णो तारुवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमइ’ । एवं काउलेसा तेउलेसं पप्प, तेउलेसा
पम्हलेसं पप्प, पम्हलेसा सुकलेसं पप्प । से णूणं भंते ! सुकलेसा पम्हलेसं पप्प णो
तारुवत्ताए जाव परिणमइ ! इंता गोयमा ! सुकलेसा तं चेव । से केणट्ठेणं भंते !
एवं बुच्चइ-‘सुकलेसा जाव णो परिणमइ’ ! गोयमा ! आगारभावमायाए वा जाव

सुकलेसा णं सा, णो खलु सा पम्हलेसा, तत्थ गया ओसकइ, से तेणट्ठेणं गोयमा !
 एवं बुच्चइ-‘जाव णो परिणमइ’ ॥५२९॥ पण्णवणाए भगवईए सत्तर-
 समे लेस्सापए पंचमो उद्देसओ समत्तो ॥

लेस्सापए छट्ठो उद्देसओ

कइ णं भंते ! लेसा पण्णत्ता ? गोयमा ! छ लेसा पण्णत्ता ; तंजहा-कण्हलेसा
 जाव सुक्कलेसा । मणुस्साणं भंते ! कइ लेसाओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! छ लेसाओ
 पण्णत्ताओ । तंजहा-कण्हलेसा जाव सुक्कलेसा । मणुस्सीणं भंते ! पुच्छा । गोयमा !
 छल्लेस्साओ पण्णत्ताओ । तंजहा-कण्ह जाव सुक्का । कम्मभूमयमणुस्साणं भंते !
 कइ लेसाओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! छ लेसाओ पण्णत्ताओ । तंजहा-कण्ह जाव
 सुक्का । एवं कम्मभूमयमणुस्सीण वि । भरहेरवयमणुस्साणं भंते ! कइ लेसाओ
 पण्णत्ताओ ? गोयमा ! छल्लेसाओ पण्णत्ताओ । तंजहा-कण्ह जाव सुक्का । एवं
 मणुस्सीण वि । पुव्वविदेहे अवरविदेहे कम्मभूमयमणुस्साणं कइ लेस्साओ० ? गो० !
 छल्लेस्साओ० । तंजहा-कण्ह जाव सुक्का । एवं मणुस्सीण वि । अकम्मभूमयमणु-
 स्साणं पुच्छा । गोयमा ! चत्तारि लेसाओ पण्णत्ताओ । तंजहा-कण्ह० जाव तेउलेसा,
 एवं अकम्मभूमयमणुस्सीण वि, एवं अंतरदीवगमणुस्साणं, मणुस्सीण वि । एवं
 हेमवयएरणवयअकम्मभूमयमणुस्साणं मणुस्सीण य कइ लेसाओ पण्णत्ताओ ?
 गोयमा ! चत्तारि, तंजहा-कण्हलेसा जाव तेउलेसा । हरिवासरम्मयअकम्मभूमय-
 मणुस्साणं मणुस्सीण य पुच्छा । गोयमा ! चत्तारि, तंजहा-कण्ह० जाव तेउलेसा ।
 देवकुलउत्तरकुरुअकम्मभूमयमणुस्सा एवं चेव, एएसिं चेव मणुस्सीणं एवं चेव,
 धायइसंडुरिमद्वे वि एवं चेव, पच्छिमद्वे वि, एवं पुस्सरदीवे वि भाणियव्वं ॥५३०॥
 कण्हलेसे णं भंते ! मणुस्से कण्हलेसें गम्भं जणेज्जा ? हंता गोयमा ! जणेज्जा । कण्ह-
 लेसे० मणुस्से णील्लेसें गम्भं जणेज्जा ? हंता गोयमा ! जणेज्जा जाव सुक्कलेसें गम्भं
 जणेज्जा । णील्लेसे० मणुस्से कण्हलेसें गम्भं जणेज्जा ? हंता गोयमा ! जणेज्जा, एवं
 णील्लेसे मणुस्से जाव सुक्कलेसें गम्भं जणेज्जा, एवं काउलेसेणं छयि आलावगां
 भाणियव्वा । तेउलेसाण वि पम्हलेसाण वि सुक्कलेसाण वि, एवं छत्तीसं आलावगां
 भाणियव्वा । कण्हलेसा० इत्थिथा कण्हलेसें गम्भं जणेज्जा ? हंता गोयमा ! जणेज्जा ।

एवं एए वि छत्तीसं आलावगा भाणियव्वा । कण्हलेसे णं भंते ! मणुस्से कण्हलेसाए इत्थियाए कण्हलेसं गब्भं जणेजा ! हुंता गोयमा ! जणेजा, एवं एए छत्तीसं आलावगा । कम्मभूमयकण्हलेसे णं भंते ! मणुस्से कण्हलेसाए इत्थियाए कण्हलेसं गब्भं जणेजा ! हुंता गोयमा ! जणेजा, एवं एए छत्तीसं आलावगा । अकम्मभूमयकण्हलेसे० मणुस्से अकम्मभूमयकण्हलेसाए इत्थियाए अकम्मभूमयकण्हलेसं गब्भं जणेजा ! हुंता गोयमा ! जणेजा, णवरं चउसु लेसासु सोल्ल आलावगा, एवं अंतरदीवगाण वि ॥५३१॥ छट्ठो उद्देसओ समत्तो ॥ पणवणाए भगवईए सत्तरसमं लेस्सापमं समत्तं ॥

अट्टारसमं कायट्टिइपयं

जीव गइंदिय काए जोए वेए कसायलेसा य । सम्मत्तणाणंदसण सेजय उवओण आहारे ॥१॥ भासगपरित्त पज्जत्त सुहुम सण्णी भवइत्थि चरिमे य । एएसि तु पयाणं कायट्टिई होइ णायव्वा ॥२॥ जीवे णं भंते ! जीवेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ! गोयमा ! सव्वदं ॥ दारं १ ॥५३२॥ णेरइए णं भंते ! णेरइएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ! गोयमा ! जहण्णेणं दस वाससहस्साइ, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइ । तिरिक्खजोणिए णं भंते ! तिरिक्खजोणिएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ! गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अणंतं कालं, अणंताओ उस्सप्पिणिओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अणंता ओगा, असंखेज्जा पोगालपरियट्ठा, ते णं पुगालपरियट्ठा आवलियाए असंखेज्जभागे । तिरिक्खजोणिणी णं भंते ! तिरिक्खजोणिणित्ति कालओ केवच्चिरं होइ ! गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तिणि पलिओवमाइ पुव्वकोडिपुहुत्तमब्भहियाइ । एवं मणुस्से वि, मणुस्सी वि एवं चेव । देवे णं भंते ! देवेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ! गोयमा ! जहेव णेरइए । देवी णं भंते ! देवित्ति कालओ केवच्चिरं होइ ! गोयमा ! जहण्णेणं दस वाससहस्साइ, उक्कोसेणं पणपणं पलिओवमाइ । सिद्धे णं भंते ! सिद्धेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ! गोयमा ! साइए अपज्जसिए । णेरइयअपज्जत्तए णं भंते ! णेरइयअपज्जत्तएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ! गोयमा ! जहण्णेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं, एवं जाव देवी अपज्जत्तिया । णेरइयपज्जत्तए णं भंते ! णेरइयपज्जत्तएत्ति कालओ केव-

चिचरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं दस वाससहस्साइ अंतोमुहुत्तुणाइ, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइ अंतोमुहुत्तुणाइ । तिरिक्खजोणियपजत्तए णं भंते ! तिरिक्खजोणियपजत्तएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइ अंतोमुहुत्तुणाइ । एवं तिरिक्खजोणियपजत्तिया वि, एवं मणुस्से वि, मणुस्सी वि एवं चेव । देवपजत्तए जहा णेरइयपजत्तए । देवीपजत्तिया णं भंते ! देवीपजत्तियत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं दस वाससहस्साइ अंतोमुहुत्तुणाइ, उक्कोसेणं पणपणं पलिओवमाइ अंतोमुहुत्तुणाइ ॥ दारं २ ॥ ५३३ ॥ सइदिए णं भंते ! सइदिएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! सइदिए दुविहे पण्णत्ते । तंजहा—अणाइए वा अपज्जवसिए, अणाइए वा सपज्जवसिए । एगिदिए णं भंते ! एगिदिएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अणंतं कालं वणस्सइकालो । बेइदिए णं भंते ! बेइदिएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेजं कालं । एवं तेइदियचउरिदिए वि । पंचिदिए णं भंते ! पंचिदिएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सागरोवमसहस्सं साइरेणं । एगिदिए णं पुच्छा । गोयमा ! साइए अपज्जवसिए । सइदियअपज्जत्तए णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं वि उक्कोसेणं वि अंतोमुहुत्तं । एवं जाव पंचिदियअपज्जत्तए । सइदियपजत्तए णं भंते ! सइदियपजत्तएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सागरोवमसयपुहुत्तं साइरेणं । एगिदियपजत्तए णं भंते ! पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेजाइ वाससहस्साइ । बेइदियपजत्तए णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेजाइ राइ दियाइ । चउरिदियपजत्तए णं भंते ! पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेजा मासा । पंचिदियपजत्तए णं भंते ! पंचिदियपजत्तएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सागरोवमसयपुहुत्तं ॥ दारं ३ ॥ ५३४ ॥ सकाइए णं भंते ! सकाइएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! सकाइए दुविहे पण्णत्ते । तंजहा—अणाइए वा अपज्जवसिए, अणाइए वा सपज्जवसिए । पुट्टविकाइए णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं अमंखेजं कालं, असंखेजाओ उस्सण्णिओसण्णिपीओ कालओ, खेत्तओ असंखेजा लोगा ।

एवं आउते उवाउकाइवा वि । वणफइकाइया णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतो-
मुहुत्तं, उक्कोसेणं अणंतं कालं, अणंताओ उस्सप्पिणिओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ
अणंता लोगा, असंखेजा पोमालपरियट्ठा, ते णं पोमालपरियट्ठा आवलियाए असं-
खेजइभागो । तसकाइए णं भंते ! तसकाइएत्ति पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतो-
मुहुत्तं, उक्कोसेणं दो सागरोवमसहस्साइं संखेजवासमब्भइयाइं । अकाइए णं भंते !
पुच्छा । गोयमा ! अकाइए साइए अपज्जवसिए । सकाइयअपज्जत्तए णं पुच्छा ।
गोयमा ! जहण्णेणं वि उक्कोसेणं वि अंतोमुहुत्तं, एवं जाव तसकाइयअपज्जत्तए ।
सकाइयपज्जत्तएणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सागरोवमसय-
पुहुत्तं साइरेणं । पुढविकाइए पज्जत्तएणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं,
उक्कोसेणं संखेजाइं वाससहस्साइं, एवं आऊं वि । तेउकाइए पज्जत्तए पुच्छा ।
गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेजाइं राइदियाइं । वाउकाइय-
पज्जत्तए णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेजाइं
वाससहस्साइं । वणसइकाइयपज्जत्तए पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतो-
मुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेजाइं वाससहस्साइं । तसकाइयपज्जत्तए पुच्छा । गोयमा ! जह-
ण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सागरोवमसयपुहुत्तं साइरेणं ॥ ५३५ ॥ सुहुमे णं भंते !
सुहुमेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं असं-
खेजं कालं, असंखेजाओ उस्सप्पिणिओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ असंखेजा
लोगा । सुहुमपुढविकाइए, सुहुमआउकाइए, सुहुमतेउकाइए सुहुमवाउकाइए, सुहुम-
वणफइकाइए सुहुमणिगोदे वि जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं असंखेजं कालं,
असंखेजाओ उस्सप्पिणिओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ असंखेजा लोगा । सुहुमे
णं भंते ! अपज्जत्तएत्ति पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं वि अंतो-
मुहुत्तं । पुढविकाइयआउकाइयतेउकाइयवाउकाइयवणफइकाइयाणं य एवं चेव,
पज्जत्तयाणं वि एवं चेव । वायरे णं भंते ! वायरेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ?
गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं असंखेजं कालं, असंखेजाओ उस्सप्पिणी-
ओमप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अंगुलस्स असंखेजइभागं । वायरपुढविकाइए णं
भंते ! पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सत्तरि सागरोवमकोडा-
कोडीओ । एवं वायरआउकाइए वि वायरतेउकाइए वि, वायरवाउकाइए वि ।
वायरवणफइकाइए णं वायर० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं

असंखेजं कालं जाव खेत्तओ अंगुलस्त असंखेजइभागं । पत्तेयसरीरवायरवणप्फइ-
 काइए णं भंते ! पुच्छ । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सत्तरि सागरो-
 वमकोडाकोडीओ । णिगोए णं भंते ! णिगोएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा !
 जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अणंतं कालं, अणंताओ उस्सप्पिणिओसप्पिणीओ
 कालओ, खेत्तओ अट्ठाइजा पोगालपरियट्ठा । बादरणिगोदे णं भंते ! बादर-
 णिगोदेत्ति पुच्छ । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सत्तरि सागरो-
 वमकोडाकोडीओ । वायरतसकाइए णं भंते ! वायरतसकाइएत्ति कालओ केवच्चिरं
 होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं दो सागरोवमसहस्साइं संखेजवास-
 मम्महियाइं । एएप्पिं चेव अपज्जत्तगा सव्वे वि, जहण्णेणं वि उक्कोसेणं वि अंतो-
 मुहुत्तं । वायरपज्जत्तए णं भंते ! वायरपज्जत्तएत्ति पुच्छ । गोयमा ! जहण्णेणं अंतो-
 मुहुत्तं, उक्कोसेणं सागरोवमसयपुहुत्तं साइरेणं । वायरपुदविकाइयपज्जत्तए णं भंते !
 वायर० पुच्छ । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेजाइं वाससहस्साइं ।
 एवं आउकाइए वि । तेउकाइयपज्जत्तए णं भंते ! तेउकाइयपज्जत्तएत्ति पुच्छ ।
 गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेजाइं राइंदियाइं । वाउकाइयवणस्सइ-
 काइयपत्तेयसरीरवायरवणप्फइकाइए पुच्छ । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्को-
 सेणं संखेजाइं वाससहस्साइं । णिओयपज्जत्तए वायरणिओयपज्जत्तए पुच्छ । गोयमा !
 दोण्ह वि जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं । वायरतसकाइयपज्जत्तए णं
 भंते ! वायरतसकाइयपज्जत्तएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं
 अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सागरोवमसयपुहुत्तं साइरेणं । दारं ४ ॥ ५३६ ॥ सजोगी णं
 भंते ! सजोगिन्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! सजोगी दुविहे पण्णसे ।
 तंजहा—अणाइए वा अपज्जवसिए, अणाइए वा सपज्जवसिए । मणजोगी णं भंते !
 मणजोगिन्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं एकं समयं, उक्कोसेणं
 अंतोमुहुत्तं । एवं वडजोगी वि । कायजोगी णं भंते ! कायजोगि० ? गोयमा !
 जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं वणप्फइकालो । अजोगी णं भंते ! अजोगिन्ति कालओ
 केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! साइए अपज्जवसिए ॥ दारं ५ ॥ ५३७ ॥ सवेदए णं
 भंते ! सवेदएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! सवेदए तिविहे पण्णसे ।
 तंजहा—अणाइए वा अपज्जवसिए, अणाइए वा सपज्जवसिए, साइए वा सपज्जवसिए ।
 तस्य णं जे से साइए सपज्जवसिए से जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अणंतं कालं,

अंगताओ उस्सप्पिणीओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अवहं पोगलपरियट्ठं देसूणं ।
 इत्थिवेदए णं भंते ! इत्थिवेदएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ! गोयमा ! एगेण
 आएसेणं जहण्णेणं एकं समयं, उक्कोसेणं दसुत्तरं पलिओवमसयं पुव्वकोडिपुहुत्त-
 मन्महियं १, एगेणं आएसेणं जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं अट्टारसपलिओवमाइं
 पुव्वकोडिपुहुत्तमन्महियाइं २, एगेणं आएसेणं जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं चउ-
 दस पलिओवमाइं पुव्वकोडिपुहुत्तमन्महियाइं ३, एगेणं आएसेणं जहण्णेणं एगं
 समयं, उक्कोसेणं पलिओवमसयं पुव्वकोडिपुहुत्तमन्महियं ४, एगेणं आएसेणं जहण्णेणं
 एगं समयं, उक्कोसेणं पलिओवमपुहुत्तं पुव्वकोडिपुहुत्तमन्महियं ५ । पुरिसवेदए णं
 भंते ! पुरिसवेदएत्ति० ! गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सागरोवमसय-
 पुहुत्तं साइरेणं । णपुंसगवेदए णं भंते ! णपुंसगवेदएत्ति पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं
 एगं समयं, उक्कोसेणं वणस्सइकालो । अवेयए णं भंते ! अवेयएत्ति पुच्छा । गोयमा !
 अवेयए दुविहे पण्णत्ते । तंजहा—साइए वा अपज्जवसिए, साइए वा सपज्जवसिए ।
 तत्थ णं जे से साइए सपज्जवसिए से जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं ॥
 दारं ६ ॥५३८॥ सकसाई णं भंते ! सकसाइत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा !
 सकसाई ति विहे पण्णत्ते । तंजहा—अणाइए वा अपज्जवसिए, अणाइए वा सपज्जवसिए,
 साइए वा सपज्जवसिए जाव अवहं पोगलपरियट्ठं देसूणं । कोहकसाई णं भंते !
 पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं वि उक्कोसेणं वि अंतोमुहुत्तं, एवं जाव माणमायाकसाई ।
 लोभकसाई णं भंते ! लोभकसाइत्ति पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एकं समयं, उक्कोसेणं
 अंतोमुहुत्तं । अकसाई णं भंते ! अकसाइत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा !
 अकसाई दुविहे पण्णत्ते । तंजहा—साइए वा अपज्जवसिए, साइए वा सपज्जवसिए ।
 तत्थ णं जे से साइए सपज्जवसिए से जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं ॥
 दारं ७ ॥५३९॥ सलेसे णं भंते ! सलेसेत्ति पुच्छा । गोयमा ! सलेसे दुविहे
 पण्णत्ते । तंजहा—अणाइए वा अपज्जवसिए, अणाइए वा सपज्जवसिए । कण्हलेसे णं
 भंते ! कण्हलेसेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ! गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्को-
 सेणं तेसींसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमन्महियाइं । णीललेसे णं भंते ! णीललेसेत्ति
 पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं दस सागरोवमाइं पलिओवमा-
 सखिजइभागमन्महियाइं । फाउलेसे णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं,
 उक्कोसेणं तिणिणं सागरोवमाइं पलिओवमासखिजइभागमन्महियाइं । तेउलेसे णं

पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं दो सागरोवमाइं पलिओवमासिखि-
जइभागमब्भहियाइं । पम्हलेसे णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं
दम सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं । सुक्कलेसे णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं
अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं । अलेसे णं पुच्छा ।
गोयमा ! साइए अपज्जवसिए ॥ दारं ८ ॥ ५४० ॥ सम्महिट्ठी णं भंते ! सम्महि-
ट्ठित्ति कालओ केवच्चिरं होइ ! गोयमा ! सम्महिट्ठी दुविहे पण्णत्ते । तंजहा—साइए
वा अपज्जवसिए, साइए वा सपज्जवसिए । तत्थ णं जे से साइए सपज्जवसिए से
जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं साइरेगाइं । मिच्छादिट्ठी णं
भंते ! पुच्छा । गोयमा ! मिच्छादिट्ठी तिविहे पण्णत्ते । तंजहा—अणाइए वा अपज्ज-
वसिए, अणाइए वा सपज्जवसिए, साइए वा सपज्जवसिए । तत्थ णं जे से साइए
सपज्जवसिए से जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अणंतं कालं, अणंताओ उस्सप्पिणि-
ओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अवट्ठं पोग्गलपरियट्ठं देसूणं । सम्मामिच्छादिट्ठी णं
पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं ॥ दारं ९ ॥ ५४१ ॥ णाणी
णं भंते ! णाणित्ति कालओ केवच्चिरं होइ ! गोयमा ! णाणी दुविहे पण्णत्ते । तंजहा—
साइए वा अपज्जवसिए, साइए वा सपज्जवसिए । तत्थ णं जे से साइए सपज्जवसिए
से जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं साइरेगाइं । आभिणिबोहिय-
णाणी णं पुच्छा । गोयमा ! एवं चेव, एवं सुयणाणी वि, ओहिणाणी वि एवं चेव,
णवरं जहण्णेणं एगं समयं । मणपज्जवणाणी णं भंते ! मणपज्जवणाणित्ति कालओ
केवच्चिरं होइ ! गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी ।
केवलणाणी णं पुच्छा । गोयमा ! साइए अपज्जवसिए । अण्णाणी मइअण्णाणी
सुयअण्णाणी पुच्छा । गोयमा ! अण्णाणी, मइअण्णाणी, सुयअण्णाणी तिविहे पण्णत्ते ।
तंजहा—अणाइए वा अपज्जवसिए, अणाइए वा सपज्जवसिए, साइए वा सपज्जवसिए ।
तत्थ णं जे से साइए सपज्जवसिए से जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अणंतं कालं,
अणंताओ उस्सप्पिणिओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अवट्ठं पोग्गलपरियट्ठं देसूणं ।
विभंगणाणी णं भंते ! पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं तेत्तीसं
सागरोवमाइं देसूणाए पुव्वकोडीए अब्भहियाइं ॥ दारं १० ॥ ५४२ ॥ चक्खुदंसणी
णं भंते ! पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सागरोवमसहसं साइ-
रेगं । अचक्खुदंसणी णं भंते ! अचक्खुदंसणित्ति कालओ ? गोयमा ! अचक्खु-

दंसणीं दुविहे पणत्ते । तंजहा—अणाइए वा अपज्वसिए, अणाइए वा सपज्वसिए । ओहिदंसणी णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं दो छावट्ठीओ सारोवमाणं साइरेगाओ । केवलदंसणी णं पुच्छा । गोयमा ! साइए अपज्वसिए ॥ दारं ११ ॥ ५४३ ॥ संजए णं भंते ! संजएत्ति पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं देसूणं पुव्वकोटिं । असंजए णं भंते ! असंजएत्ति पुच्छा । गोयमा ! असंजए तिविहे पणत्ते । तंजहा—अणाइए वा अपज्वसिए, अणाइए वा सपज्वसिए, साइए वा सपज्वसिए । तत्थ णं जे से साइए सपज्वसिए से जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अणंतं कालं, अणंताओ उस्सप्पिणिओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अवट्ठं योगालपरियट्ठं देसूणं । संजयासंजए णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं देसूणं पुव्वकोटिं । णोसंजए-णोअसंजए णं संजयासंजए णं पुच्छा । गोयमा ! साइए अपज्वसिए ॥ दारं १२ ॥ ५४४ ॥ सगारोवओगोवउत्ते णं भंते ! पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं वि उक्कोसेणं वि अंतोमुहुत्तं । अणागारोवउत्ते वि एवं चेव ॥ दारं १३ ॥ ५४५ ॥ आहारए णं भंते ! पुच्छा । गोयमा ! आहारए दुविहे पणत्ते । तंजहा—छउमत्थआहारए य केवलिआहारए य । छउमत्थाहारए णं भंते ! छउमत्थाहारएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं खुड्ढागभवगाहणं दुसमयऊणं, उक्कोसेणं असखेज कालं, असंखेजाओ उस्सप्पिणिओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अंगुलस्स असंखेजइमाणं । केवलिआहारए णं भंते ! केवलिआहारएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं देसूणं पुव्वकोटिं । अणाहारए णं भंते ! अणाहारएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! अणाहारए दुविहे पणत्ते । तंजहा—छउमत्थअणाहारए य केवलिअणाहारए य । छउमत्थअणाहारए णं भंते ! पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं दो समया । केवलिअणाहारए णं भंते ! केवलि० ? गोयमा ! केवलिअणाहारए दुविहे पणत्ते । तंजहा—सिद्धकेवलिअणाहारए य भवत्थकेवलिअणाहारए य । सिद्धकेवलिअणाहारए णं पुच्छा । गोयमा ! साइए अपज्वसिए । भवत्थकेवलिअणाहारए णं भंते ! पुच्छा । गोयमा ! भवत्थकेवलिअणाहारए दुविहे पणत्ते । तंजहा—सजोगिभवत्थकेवलिअणाहारए य अजोगिभवत्थकेवलिअणाहारए य । सजोगिभवत्थकेवलिअणाहारए णं भंते ! पुच्छा । गोयमा ! अजहण्णमणुक्कोसेणं तिण्णि समया । अजोगिभवत्थकेवलिअणाहारए णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं वि उक्कोसेणं वि अंतोमुहुत्तं ॥ दारं १४ ॥ ५४६ ॥ भासए णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं

समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं । अभासए णं पुच्छा । गोयमा ! अभासए तिविहे पण्णत्ते । तंजहा—अणाइए वा अपज्जवसिए, अणाइए वा सपज्जवसिए, साइए वा सपज्जवसिए । तत्थ णं जे से साइए वा सपज्जवसिए से जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं वणस्सइकालो ॥ दारं १५ ॥ ५४७ ॥ परिस्ते णं पुच्छा । गोयमा ! परिस्ते दुविहे पण्णत्ते । तंजहा—कायपरिस्ते य संसारपरिस्ते य । कायपरिस्ते णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुढविकालो, असंखेज्जाओ उस्सप्पिणिओसप्पिणीओ । संसारपरिस्ते णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अणंतं कालं जाव अवहं पोमगलपरियट्ठं देसुणं । अपरिस्ते णं पुच्छा । गोयमा ! अपरिस्ते दुविहे पण्णत्ते । तंजहा—कायअपरिस्ते य संसारअपरिस्ते य । कायअपरिस्ते णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं वणस्सइकालो ॥ संसारअपरिस्ते णं पुच्छा । गोयमा ! संसारअपरिस्ते दुविहे पण्णत्ते । तंजहा—अणाइए वा अपज्जवसिए, अणाइए वा सपज्जवसिए । गोपरिस्ते—गोअपरिस्ते णं पुच्छा । गोयमा ! साइए अपज्जवसिए ॥ दारं १६ ॥ ५४८ ॥ पज्जत्तए णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सागरोवमसयपुहुत्तं साइरेणं । अपज्जत्तए णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं वि उक्कोसेणं वि अंतोमुहुत्तं । गोपज्जत्तए—गोअपज्जत्तए णं पुच्छा । गोयमा ! साइए अपज्जवसिए ॥ दारं १७ ॥ ५४९ ॥ सुट्ठमे णं भंते ! सुट्ठमेत्ति पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुढविकालो । नायरे णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं असंखेज्ज कालं जाव खेत्तओ अंगुलस्स असंखेज्जइभागं । गोसुहुमणोवायरे णं पुच्छा । गोयमा ! साइए अपज्जवसिए ॥ दारं १८ ॥ ५५० ॥ सण्णी णं भंते ! पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सागरोवमसयपुहुत्तं साइरेणं । असण्णी णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं वणस्सइकालो । गोसण्णीगोअसण्णी णं पुच्छा । गोयमा ! साइए अपज्जवसिए ॥ दारं १९ ॥ ५५१ ॥ भवसिद्धिए णं पुच्छा । गोयमा ! अणाइए सपज्जवसिए । अभवसिद्धिए णं पुच्छा । गोयमा ! अणाइए अपज्जवसिए । गोभवसिद्धिए—गोअभवसिद्धिए णं पुच्छा । गोयमा ! साइए अपज्जवसिए ॥ दारं २० ॥ ५५२ ॥ धम्मस्थिकाए णं पुच्छा । गोयमा ! सव्वद्धं, एवं जाव अद्धासमए ॥ दारं २१ ॥ ५५३ ॥ चरिमे णं पुच्छा । गोयमा ! अणाइए सपज्जवसिए । अचरिमे णं पुच्छा । गोयमा ! अचरिमे दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—अणाइए वा अपज्जवसिए, साइए वा अपज्जवसिए ॥ दारं २२ ॥ ५५४ ॥

॥ पणवणाए भगवईए अट्टारसमं कायट्ठिइपयं समत्तं ॥

एगूणवीसइमं सम्मत्तपयं

जीवा णं भंते ! किं सम्मदिट्ठी, मिच्छादिट्ठी, सम्मामिच्छादिट्ठी ! गोयमा ! जीवा सम्मदिट्ठी वि, मिच्छादिट्ठी वि, सम्मामिच्छादिट्ठी वि । एवं णेरइया वि ! असुरकुमारा वि एवं चेव जाव थणियकुमारा ! पुटवीकाइया णं पुच्छा । गोयमा ! पुटवीकाइया णो सम्मदिट्ठी, मिच्छादिट्ठी, णो सम्मामिच्छादिट्ठी, एवं जाव वणस्सइकाइया । चेइंदिया णं पुच्छा । गोयमा ! चेइंदिया सम्मदिट्ठी, मिच्छादिट्ठी, णो सम्मामिच्छादिट्ठी । एवं जाव चउरिंदिया । पंचिंदियतिरिक्खजोणिया मणुस्सा वाणमंतरजोइसियवेमाणिया य सम्मदिट्ठी वि मिच्छादिट्ठी वि सम्मामिच्छादिट्ठी वि । सिद्धा णं पुच्छा । गोयमा ! सिद्धा सम्मदिट्ठी, णो मिच्छादिट्ठी, णो सम्मामिच्छादिट्ठी ॥५५५॥ **पण्णवणाए भगवईए एगूणवीसइमं सम्मत्तपयं समत्तं ॥**

वीसइमं अंतकिरियापयं

णेरइय अंतकिरिया अणंतरं एगसमय उज्जहा । तिस्थगरचक्खिल्लवासुदेव-मंडलियरयणा य ॥ दारगाहा ॥ जीवे णं भंते ! अंतकिरियं करेजा ? गोयमा ! अत्थेगइए करेजा, अत्थेगइए णो करेजा । एवं णेरइए जाव वेमाणिए । णेरइए णं भंते ! णेरइएसु अंतकिरियं करेजा ! गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । णेरइए णं भंते ! असुरकुमारेसु अंतकिरियं करेजा ! गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । एवं जाव वेमाणिएसु । जवरं मणूसेसु अंतकिरियं करेजस्ति पुच्छा । गोयमा ! अत्थेगइए करेजा, अत्थेगइए णो करेजा । एवं असुरकुमारा जाव वेमाणिए । एवमेव चउवीसं २ दण्डगा भवंति ॥५५६॥ णेरइया णं भंते ! किं अणंतरागया अंतकिरियं पकरेंति, परंपरागया अंतकिरियं पकरेंति ? गोयमा ! अणंतरागया वि अंतकिरियं पकरेंति, परंपरागया वि अंतकिरियं पकरेंति । एवं रयणप्पमापुटविणेरइया वि जाव पक्कप्पभापुटवीणेरइया । धूमप्पभापुटवीणेरइया णं पुच्छा । गोयमा ! णो अणंतरागया अंतकिरियं पकरेंति, परंपरागया अंतकिरियं पकरेंति, एवं जाव अहेसत्तमापुटवीणेरइया । असुरकुमारा जाव थणियकुमारा पुटवी-आउ-वणस्सइकाइया य अणंतरागया वि अंतकिरियं पकरेंति परंपरागया वि अंतकिरियं पकरेंति । तेउवाउवेइंदियतेइंदिय-

चउरिंदिया णो अणंतरागया अंतकिरियं पक्खेति, परंपरागया अंतकिरियं पक्खेति ।
 सेसा अणंतरागया वि अंतकिरियं पक्खेति, परंपरागया वि अंतकिरियं पक्खेति
 ॥५५७॥ अणंतरागया० णेरइया एगसमए केवइया अंतकिरियं पक्खेति ? गोयमा !
 जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं दस । रयणप्पभापुट्ठीणेरइया
 वि एवं चेव जाव वालुयप्पभापुट्ठीणेरइया । अणंतरागया णं भंते ! पक्कप्पभापुट्ठी-
 णेरइया एगसमएणं केवइया अंतकिरियं पक्खेति ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्को वा दो
 वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं चत्तारि । अणंतरागया णं भंते ! असुरकुमारा एगसमए
 केवइया अंतकिरियं पक्खेति ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्का-
 सेणं दस । अणंतरागयाओ णं भंते ! असुरकुमारीओ एगसमए केवइया अंतकिरियं
 पक्खेति ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं पंच । एवं जहा
 असुरकुमारा सदेवीया तथा जाव थणियकुमारा । अणंतरागया णं भंते ! पुट्ठिकाइया
 एगसमएणं केवइया अंतकिरियं पक्खेति ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि
 वा, उक्कोसेणं चत्तारि । एवं आउकाइया वि चत्तारि, वणस्सइकाइया छच्च, पंचिंदिय-
 तिरिक्खजोणिया दस, तिरिक्खजोणिणीओ दस, मणुस्सा दस, मणुस्सीओ वीसं,
 वाणमंतरा दस, वाणमंतरीओ पंच, जोइसिया दस, जोइसिणीओ वीसं, वेमाणिया
 अट्ठसयं, वेमाणिणीओ वीसं ॥५५८॥ णेरइए णं भंते ! णेरइएहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता
 णेरइएसु उव्वज्जेजा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । णेरइए णं भंते ! णेरइएहिंतो
 अणंतरं उव्वट्ठित्ता असुरकुमारेसु उव्वज्जेजा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । एवं णिरं-
 तरं जाव चउरिंदिएसु पुच्छा । गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । णेरइए णं भंते ! णेरइ-
 एहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उव्वज्जेजा ? गोयमा ! अत्ये-
 गइए उव्वज्जेजा, अत्येगइए णो उव्वज्जेजा । जे णं भंते ! णेरइएहिंतो अणंतरं उ०
 पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उव्वज्जेजा से णं भंते ! केवलपण्णत्तं धम्मं लभेजा
 सवणयाए ? गोयमा ! अत्येगइए लभेजा, अत्येगइए णो लभेजा । जे णं भंते !
 केवलपण्णत्तं धम्मं लभेजा सवणयाए से णं केवलं बोहिं बुज्जेजा ? गोयमा ! अत्ये-
 गइए बुज्जेजा, अत्येगइए णो बुज्जेजा । जे णं भंते ! केवलं बोहिं बुज्जेजा, से-णं
 सद्वहेजा पत्तिएजा रोएजा ? गोयमा ! सद्वहेजा, पत्तिएजा, रोएजा । जे णं भंते !
 सद्वहेजा पत्तिएजा रोएजा से णं आभिणिबोहियणाणसुयणाणाइं उप्पाडेजा । हंता
 गोयमा ! उप्पाडेजा । जे णं भंते ! आभिणिबोहियणाणसुयणाणाइं उप्पाडेजा से णं

संचाएजा सीलं वा वयं वा गुणं वा वेरमणं वा पच्चक्खाणं वा पोसहोववासं वा पडि-
वज्जित्तए ! गोयमा ! अत्येगइए संचाएजा, अत्येगइए णो संचाएजा । जे णं भंते !
संचाएजा सीलं वा जाव पोसहोववासं वा पडिवज्जित्तए से णं ओहिणाणं उप्पाडेजा !
गोयमा ! अत्येगइए उप्पाडेजा, अत्येगइए णो उप्पाडेजा । जे णं भंते ! ओहिणाणं
उप्पाडेजा से णं संचाएजा मुण्डे भवित्ता अगाराओ अणमारियं पव्वइत्तए !
गोयमा ! णो इण्डे समट्ठे ॥५५९॥ णेरइए णं भंते ! णेरइएहितो अणंतरं उव्वट्ठित्ता
मणुस्सेसु उववजेजा ? गोयमा ! अत्येगइए उववजेजा, अत्येगइए णो उववजेजा ।
जे णं भंते ! उववजेजा से णं केवलपण्णत्तं धम्मं लभेजा सवणयाए ! गोयमा !
जहा पंच्चिदियतिरिक्खजोणिएसु जाव जे णं भंते ! ओहिणाणं उप्पाडेजा से णं
संचाएजा मुण्डे भवित्ता अगाराओ अणमारियं पव्वइत्तए ! गोयमा ! अत्येगइए
संचाएजा, अत्येगइए णो संचाएजा । जे णं भंते ! संचाएजा मुण्डे भवित्ता अगा-
राओ अणमारियं पव्वइत्तए से णं मणपजवणाणं उप्पाडेजा ! गोयमा ! अत्येगइए
उप्पाडेजा, अत्येगइए णो उप्पाडेजा । जे णं भंते ! मणपजवणाणं उप्पाडेजा से
णं केवलणाणं उप्पाडेजा ! गोयमा ! अत्येगइए उप्पाडेजा, अत्येगइए णो उप्पा-
डेजा । जे णं भंते ! केवलणाणं उप्पाडेजा से णं सिज्जेजा बुव्वेजा मुच्चेजा सव्व-
दुक्खाणं अंतं करेजा ! गोयमा ! सिज्जेजा जाव सव्वदुक्खाणमंतं करेजा । णेरइए
णं भंते ! णेरइएहितो अणंतरं उव्वट्ठित्ता वाणमंतरजोइसियवेमाणिएसु उववजेजा ?
गोयमा ! णो इण्डे समट्ठे ॥५६०॥ असुरकुमारे णं भंते ! असुरकुमारेहितो अणंतरं
उव्वट्ठित्ता णेरइएसु उववजेजा ? गोयमा ! णो इण्डे समट्ठे । असुरकुमारे णं भंते !
असुरकुमारेहितो अणंतरं उव्वट्ठित्ता असुरकुमारेसु उववजेजा ? गोयमा ! णो इण्डे
समट्ठे । एवं जाव थणियकुमारेसु । असुरकुमारे णं भंते ! असुरकुमारेहितो अणंतरं
उव्वट्ठित्ता पुट्टवीकाइएसु उववजेजा ! इता गोयमा ! अत्येगइए उववजेजा, अत्ये-
गइए णो उववजेजा । जे णं भंते ! उववजेजा से णं केवलपण्णत्तं धम्मं लभेजा
सवणयाए ! गोयमा ! णो इण्डे समट्ठे । एवं आउवणस्सइसु वि । असुरकुमारे णं
भंते ! असुरकुमारेहितो अणंतरं उव्वट्ठित्ता तेउवाउवेइदियतेइदियचउरिंदिएसु
उववजेजा ? गोयमा ! णो इण्डे समट्ठे । अवसेसेसु पंचसु पंचिदियतिरिक्खजोणि-
याइसु असुरकुमारेसु जहा णेरइओ, एवं जाव थणियकुमारा ॥५६१॥ पुट्टवीकाइए
णं भंते ! पुट्टवीकाइएहितो अणंतरं उव्वट्ठित्ता णेरइएसु उववजेजा ? गोयमा ! णो

इण्ठे समट्ठे । एवं असुरकुमारेसु वि जाव थणियकुमारेसु वि । पुटवीकाइए णं भंते ! पुटवीकाइएहिंते अणंतरं उव्वट्ठित्ता पुटवीकाइएसु उववजेजा ! गोयमा ! अत्येगइए उववजेजा, अत्येगइए णो उववजेजा । जे णं भंते ! उववजेजा से णं केवल्लिपण्णत्तं धम्मं लभेजा सवणयाए ! गोयमा ! णो इण्ठे समट्ठे । एवं आउकाइयाइसु णिरंतरं भाणियव्वं जाव चउरिंदिएसु । पंचिंदियतिरिक्खजोणियमणुस्सेसु जहा णेरइए । वाणमंतरजोइसियवेमाणिएसु पडिसेहो । एवं जहा पुटवीकाइओ भणिओ तहेव आउकाइओ वि जाव वणस्सइकाइओ वि भाणियव्वो ॥५६२॥ तेउकाइए णं भंते ! तेउकाइएहिंते अणंतरं उव्वट्ठित्ता णेरइएसु उववजेजा ! गोयमा ! णो इण्ठे समट्ठे । एवं असुरकुमारेसु वि जाव थणियकुमारेसु वि । पुटवीकाइयाउतेउवाउवणस्सइवेइंदियतेइंदियचउरिंदिएसु अत्येगइए उववजेजा, अत्येगइए णो उववजेजा । जे णं भंते ! उववजेजा से णं केवल्लिपण्णत्तं धम्मं लभेजा सवणयाए ! गोयमा ! णो इण्ठे समट्ठे । तेउकाइए णं भंते ! तेउकाइएहिंते अणंतरं उव्वट्ठित्ता पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववजेजा ! गोयमा ! अत्येगइए उववजेजा, अत्येगइए णो उववजेजा । जे'''से णं केवल्लिपण्णत्तं धम्मं लभेजा सवणयाए ! गोयमा ! अत्येगइए लभेजा, अत्येगइए णो लभेजा । जे णं भंते ! केवल्लिपण्णत्तं धम्मं लभेजा सवणयाए से णं केवल्लि बोहिं बुज्जेजा ! गोयमा ! णो इण्ठे समट्ठे । मणुस्स-वाणमंतरजोइसियवेमाणिएसु पुच्छा । गोयमा ! णो इण्ठे समट्ठे । एवं जहेव तेउकाइए णिरंतरं एवं वाउकाइए वि ॥५६३॥ बेइंदिए णं भंते ! बेइंदिएहिंते अणंतरं उव्वट्ठित्ता णेरइएसु उववजेजा ! गोयमा ! जहा पुटवीकाइया, णवरं मणुस्सेसु जाव मणपजवणाणं उप्पाडेजा । एवं तेइंदिया चउरिंदिया वि जाव मणपजवणाणं उप्पाडेजा । जे णं भंते ! मणपजवणाणं उप्पाडेजा से णं केवल्लिपण्णत्तं धम्मं लभेजा ! गोयमा ! णो इण्ठे समट्ठे । पंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंते अणंतरं उव्वट्ठित्ता णेरइएसु उववजेजा ! गोयमा ! अत्येगइए उववजेजा, अत्येगइए णो उववजेजा । जे'''से णं केवल्लिपण्णत्तं धम्मं लभेजा सवणयाए ! गोयमा ! अत्येगइए लभेजा, अत्येगइए णो लभेजा । जे णं केवल्लिपण्णत्तं धम्मं लभेजा सवणयाए से णं केवल्लि बोहिं बुज्जेजा ! गोयमा ! अत्येगइए बुज्जेजा, अत्येगइए णो बुज्जेजा । जे णं भंते ! केवल्लि बोहिं बुज्जेजा से णं सट्ठेजा पत्तिएजा रोएजा ! हंता गोयमा ! जाव रोएजा । जे णं भंते ! सट्ठेजा ३ से णं आभिणिबोहियणाण सुयणाण ओहि-

णाणां उप्पाडेज्जा ? इता गोयमा ! जाव उप्पाडेज्जा । जे णं भंते ! आभिणिबोहिय-
 णाणसुयणाणओहिणाणां उप्पाडेज्जा से णं संचाएज्जा सीलं वा जाव पडिबज्जित्तए !
 गोयमा ! णो इण्ठे समङ्गे । एवं असुरकुमारेसु वि जाव थणियकुमारेसु । एगिदिय-
 विगल्लिंदिएसु जहा पुढवीकाइए । पंचिदियतिरिक्खजोणिएसु मणुस्सेसु य जहा
 णेरइए । वाणमंतरजोइसियवेमाणिएसु जहा णेरइएसु उववजेज्जा पुच्छा भणिया, एवं
 मणुस्से वि । वाणमंतरजोइसियवेमाणिए जहा असुरकुमारे ॥ ५६४ ॥ रयणप्पभा-
 पुढवीणेरइए णं भंते ! रयणप्पभापुढवीणेरइएहितो अणंतरं उव्वट्ठित्ता तित्थगरत्तं
 लभेज्जा ? गोयमा ! अत्थेगइए लभेज्जा, अत्थेगइए णो लभेज्जा । से केण्ठेणं भंते !
 एवं बुच्चइ—‘अत्थेगइए लभेज्जा, अत्थेगइए णो लभेज्जा’ ? गोयमा ! जस्स णं रयण-
 प्पभापुढवीणेरइयस्स तित्थगराणमगोयाइं कम्माइं बद्धाइं पुट्ठाइं णिधत्ताइं कडाइं
 पट्ठवियाइं णिविट्ठाइं अभिणिविट्ठाइं अभिसमणागयाइं उदिण्णाइं, णो उवसंताइं
 हवंति, से णं रयणप्पभापुढवीणेरइए रयणप्पभापुढवीणेरइएहितो अणंतरं उव्वट्ठित्ता
 तित्थगरत्तं लभेज्जा, जस्स णं रयणप्पभापुढवीणेरइयस्स तित्थगराणमगोयाइं० णो
 बद्धाइं जाव णो उदिण्णाइं, उवसंताइं हवंति, से णं रयणप्पभापुढवीणेरइए रयणप्प-
 भापुढवीणेरइएहितो अणंतरं उव्वट्ठित्ता तित्थगरत्तं णो लभेज्जा, से तेण्ठेणं गोयमा !
 एवं बुच्चइ—‘अत्थेगइए लभेज्जा, अत्थेगइए णो लभेज्जा’ । एवं सक्करप्पभा जाव बालुय-
 प्पभापुढवीणेरइएहितो तित्थगरत्तं लभेज्जा । पंकप्पभापुढवीणेरइए णं भंते ! पंकप्प-
 भा०णेरइएहितो अणंतरं उव्वट्ठित्ता तित्थगरत्तं लभेज्जा ? गोयमा ! णो इण्ठे समङ्गे,
 अंतकिरियं पुण करेज्जा । धूमप्पभापुढवीणेरइए पुच्छा । गोयमा ! णो इण्ठे समङ्गे,
 सव्वविरइं पुण लभेज्जा । तमप्पभापुढवी—पुच्छा । गोयमा ! णो ‘‘‘विरयाविरइं पुण
 लभेज्जा । अहेसत्तमपुढवी—पुच्छा । गोयमा ! णो इण्ठे समङ्गे, सम्भत्तं पुण लभेज्जा ।
 असुरकुमारस्स पुच्छा । गोयमा ! णो इण्ठे समङ्गे, अंतकिरियं पुण करेज्जा । एवं
 णिरंतरं जाव आउकाइए । तेउकाइए णं भंते ! तेउकाइएहितो अणंतरं उव्वट्ठित्ता
 तित्थगरत्तं लभेज्जा ! गोयमा ! णो इण्ठे समङ्गे, केवल्लिपणत्तं धम्मं लभेज्जा सवण-
 याए । एवं वाउकाइए वि । वणस्सइकाइए णं पुच्छा । गोयमा ! णो इण्ठे समङ्गे,
 अंतकिरियं पुण करेज्जा । बेइंदियतेइंदियच्चउरिंदिए णं पुच्छा । गोयमा ! णो इण्ठे
 समङ्गे, मणपज्जवणाणं उप्पाडेज्जा । पंचिंदियतिरिक्खजोणियमणूसवाणमंतरजोइसिए
 णं पुच्छा । गोयमा ! णो इण्ठे समङ्गे, अंतकिरियं पुण करेज्जा । सोइम्मग्गदेवे णं

भंते ! अणंतरं चयं चइत्ता तित्थगरत्तं लभेज्जा ! गोयमा ! अत्थेगइए लभेज्जा, अत्थेगइए णो लभेज्जा, एवं जहा रयणप्पभापुटविणेरइए, एवं जाव संव्वइसिद्धगदेवे ॥५६५॥ रयणप्पभापुटविणेरइए णं भंते ! अणंतरं उव्वट्ठित्ता चक्खवट्ठित्तं लभेज्जा ! गोयमा ! अत्थेगइए लभेज्जा, अत्थेगइए णो लभेज्जा । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ० ! गोयमा ! जहा रयणप्पभापुटविणेरइयस्स तित्थगरत्तं । सक्करप्पभा० णेरइए० अणंतरं उव्वट्ठित्ता चक्खवट्ठित्तं लभेज्जा ! गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । एवं जाव अहेसत्तमापुटविणेरइए । तिरियमणुएहिंतो पुच्छा । गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । भवणवइवाणमंतरजोइसियवेमाणिएहिंतो पुच्छा । गोयमा ! अत्थेगइए लभेज्जा, अत्थेगइए णो लभेज्जा । एवं बल्लदेवत्तं पि, णवरं सक्करप्पभापुटविणेरइए वि लभेज्जा । एवं वामुदेवत्तं दोहिंतो पुटवीहिंतो वेमाणिएहिंतो य अणुत्तरोववाइयवजेहिंतो, सेसेसु णो इणट्ठे समट्ठे । मंडलियत्तं अहेसत्तमातेउवाउवजेहिंतो । सेणावइरयणत्तं गाहावइरयणत्तं वड्ढइरयणत्तं पुरोहियरयणत्तं इत्थिरयणत्तं च एवं चेव, णवरं अणुत्तरोववाइयवजेहिंतो । आसरयणत्तं इत्थिरयणत्तं रयणप्पभाओ णिरंतरं जाव सहस्सारी अत्थेगइए लभेज्जा, अत्थेगइए णो लभेज्जा । चक्करयणत्तं छत्तरयणत्तं चम्मरयणत्तं दंडरयणत्तं असिरयणत्तं मणिरयणत्तं काणिणिरयणत्तं एएसि णं असुरकुमारोहिंतो आरद्ध णिरंतरं जाव ईमाणाओ उववाओ, सेसेहिंतो णो इणट्ठे समट्ठे ॥ ५६६ ॥ अह भंते ! असंजयभवियदव्वदेवाणं, अविराहियसंजमाणं, विराहियसंजमाणं, अविराहियसंजमासंजमाणं, विराहियसंजमासंजमाणं, असण्णीणं, तावसाणं, कंदप्पियाणं, चरगपरिक्वायगाणं, किब्बिसियाणं, तिरिच्छियाणं, आर्जावियाणं, आमिओगियाणं, सल्लिगीणं दंसणवावण्णमाणं देवलोरेसु उववजमाणं कस्स कहिं उववाओ पणत्तो ! गोयमा ! असंजयभवियदव्वदेवाणं जहण्णेणं भवणवासीसु, उक्कोसेणं उवरिमगेवेज्जएसु; अविराहियसंजमाणं जहण्णेणं सोहम्मे कप्पे, उक्कोसेणं सव्वइसिद्धे; विराहियसंजमाणं जहण्णेणं भवणवासीसु, उक्कोसेणं सोहम्मे कप्पे; अविराहियसंजमासंजमाणं जहण्णेणं सोहम्मे कप्पे, उक्कोसेणं अच्चुए कप्पे; विराहियसंजमासंजमाणं जहण्णेणं भवणवासीसु, उक्कोसेणं जोइसिएसु; असण्णीणं जहण्णेणं भवणवासीसु, उक्कोसेणं वाणमंतरेसु; तावसाणं जहण्णेणं भवणवासीसु, उक्कोसेणं जोइसिएसु; कंदप्पियाणं जहण्णेणं भवणवासीसु, उक्कोसेणं सोहम्मे कप्पे; चरगपरिक्वायगाणं जहण्णेणं भवणवासीसु, उक्कोसेणं बंभलोए कप्पे; किब्बिसियाणं जहण्णेणं सोहम्मे कप्पे, उक्कोसेणं छंतए

कप्पे; तिरिच्छियाणं जहण्णेणं भवणवासीसु, उक्कोसेणं सहस्सारे कप्पे; आजीवियाणं जहण्णेणं भवणवासीसु, उक्कोसेणं अचुए कप्पे; एवं आमिओगाण वि सल्लिगीणं दंसणवावण्णगाणं जहण्णेणं भवणवासीसु, उक्कोसेणं उवरिमगेवेज्जएसु ॥५६७॥ कइ-
विहे णं भंते ! असण्णिआउए पण्णत्ते ! गोयमा ! चउच्चिहे असण्णिआउए पण्णत्ते ।
तंजहा—णेरइयअसण्णिआउए जाव देवअसण्णिआउए । असण्णी णं भंते ! जीवे
किं णेरइयाउयं पकरेइ जाव देवाउयं पकरेइ ? गोयमा ! णेरइयाउयं पकरेइ जाव
देवाउयं पकरेइ । णेरइयाउं पकरेमाणे जहण्णेणं दस वाससइस्साइं, उक्कोसेणं
पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पकरेइ । तिरिक्खजोणियाउयं पकरेमाणे जहण्णेणं
अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पकरेइ । एवं मणुस्साउयं पि ।
देवाउयं जहा णेरइयाउयं । एयस्स णं भंते ! णेरइयअसण्णिआउयस्स जाव देव-
असण्णिआउयस्स कयरे कयरेहितो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सच्चोवे देवअस-
ण्णिआउए, मणूमअसण्णिआउए असंखेज्जगुणं, तिरिक्खजोणियअसण्णिआउए
अमंखेज्जगुणे, णेरइयअसण्णिआउए असंखेज्जगुणे ॥५६८॥ **पणवणाए भग-
वईए वीसइमं अंतकिरियापयं समत्तं ॥**

एगवीसइमं ओगाहणासंठाणपयं

विहिसंठाणपमाणे पोर्गलच्चिण्णा सरीरसंजोगो । दव्वपएसऽप्यबहुं सरीरोगा-
हणऽप्यबहुं ॥ कइ णं भंते ! सरीरया पण्णत्ता ! गोयमा ! पंच सरीरया पण्णत्ता ।
तंजहा—ओरालिए १, वेउच्चिए २, आहारए ३, तेयए ४, कम्मए ५ । ओरालिय-
सरीरे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ! गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते । तंजहा—एगिंदियओरा-
लियसरीरे जाव पंचिंदियओरालियसरीरे । एगिंदियओरालियसरीरे णं भंते ! कइ-
विहे पण्णत्ते ! गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते । तंजहा—पुदविकाइयएगिंदियओरालिय-
सरीरे जाव वणप्फइकाइयएगिंदियओरालियसरीरे । पुदविकाइयएगिंदियओरालिय-
सरीरे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ! गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते । तंजहा—सुहुमपुदवि-
काइयएगिंदियओरालियसरीरे य नायरपुदविकाइयएगिंदियओरालियसरीरे य ।
सुहुमपुदविकाइयएगिंदियओरालियसरीरे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ! गोयमा !
दुविहे पण्णत्ते । तंजहा—पजत्तगसुहुमपुदविकाइयएगिंदियओरालियसरीरे य अपज-

त्तगमुद्धमुद्विक्काइयएग्गिदियओरालियसरीरे य । बायरपुद्धविक्काइया वि एवं चेव,
 एवं जाव वणस्सइक्काइयएग्गिदियओरालियसरीरेत्ति । वेइदियओरालियसरीरे णं
 भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते । तंजहा—पज्जत्तावेइदियओरा-
 लियसरीरे य अपज्जत्तावेइदियओरालियसरीरे य । एवं तेइदिया चउरिदिया वि ।
 पंचिदियओरालियसरीरे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते ।
 तंजहा—तिरिक्खजोणियपंचिदियओरालियसरीरे य मणुस्सपंचिदियओरालियसरीरे
 य । तिरिक्खजोणियपंचिदियओरालियसरीरे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा !
 तिविहे पण्णत्ते । तंजहा—जलयरतिरिक्खजोणियपंचिदियओरालियसरीरे य थलयर-
 तिरिक्खजोणियपंचिदियओरालियसरीरे य० खहयरतिरिक्खजोणियपंचिदियओरा-
 लियसरीरे य । जलयरतिरिक्खजोणियपंचिदियओरालियसरीरे णं भंते ! कइविहे
 पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते । तंजहा—संमुच्छिमजलयरतिरिक्खजोणियपंचि-
 दियओरालियसरीरे य गम्भवक्कंतियजलयरतिरिक्खजोणियपंचिदियओरालियसरीरे
 य । संमुच्छिमजलयरतिरिक्खजोणियपंचिदियओरालियसरीरे णं भंते ! कइविहे
 पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते । तंजहा—पज्जत्तासंमुच्छिमतिरिक्खजोणियपंचि-
 दियओरालियसरीरे य अपज्जत्तासंमुच्छिमतिरिक्खजोणियपंचिदियओरालियसरीरे
 य, एवं गम्भवक्कंति ए वि । थलयरतिरिक्खजोणियपंचिदियओरालियसरीरे णं भंते !
 कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते । तंजहा—चउप्पयथलयरतिरिक्खजोणिय-
 पंचिदियओरालियसरीरे य परिसप्पथलयरतिरिक्खजोणियपंचिदियओरालियसरीरे
 य । चउप्पयथलयरतिरिक्खजोणियपंचिदियओरालियसरीरे णं भंते ! कइविहे
 पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते । तंजहा—संमुच्छिमचउप्पयथलयरतिरिक्खजोणिय-
 पंचिदियओरालियसरीरे य गम्भवक्कंतियचउप्पयथलयरतिरिक्खजोणियपंचिदिय-
 ओरालियसरीरे य । संमुच्छिमचउप्पय० तिरिक्खजोणियपंचिदियओरालियसरीरे०
 कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते । तंजहा—पज्जत्तासंमुच्छिमचउप्पयथलयर-
 तिरिक्खजोणियपंचिदियओरालियसरीरे य अपज्जत्तासंमुच्छिमचउप्पयथलयरतिरि-
 क्खजोणियपंचिदियओरालियसरीरे य । एवं गम्भवक्कंति ए वि । परिसप्पथलयर-
 तिरिक्खजोणियपंचिदियओरालियसरीरे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा !
 दुविहे पण्णत्ते । तंजहा—उरपरिसप्पथलयरतिरिक्खजोणियपंचिदियओरालियसरीरे
 य भुयपरिसप्पथलयरतिरिक्खजोणियपंचिदियओरालियसरीरे य । उरपरिसप्पथल-

यरतिरिक्खजोगियपंचिदियओरालियसरीरे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ! गोयमा !
 दुविहे पण्णत्ते । तंजहा-संमुच्छिमउरपरिसप्पथलयरतिरिक्खजोगियपंचिदियओरा-
 लियसरीरे य गम्भवक्कंतियउरपरिसप्पथलयरतिरिक्खजोगियपंचिदियओरालिय-
 सरीरे य । संमुच्छिमे दुविहे पण्णत्ते । तंजहा-अपज्जत्तसंमुच्छिमउरपरिसप्पथलयर-
 तिरिक्खजोगियपंचिदियओरालियसरीरे य पज्जत्तसंमुच्छिमउरपरिसप्पथलयरतिरि-
 क्खजोगियपंचिदियओरालियसरीरे य, एवं गम्भवक्कंतियउरपरिसप्पे चउक्कओ
 भेओ । एवं भुयपरिसप्पा वि संमुच्छिमगम्भवक्कंतिया पज्जत्ता अपज्जत्ता य । खहयरा
 दुविहा पण्णत्ता । तंजहा-संमुच्छिमा य गम्भवक्कंतिया य । संमुच्छिमा दुविहा
 पण्णत्ता-पज्जत्ता अपज्जत्ता य । गम्भवक्कंतिया वि पज्जत्ता अपज्जत्ता य । मणूसंपंचि-
 दिय ओरालियसरीरे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ! गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते । तंजहा-
 संमुच्छिममणूसंपंचिदियओरालियसरीरे य गम्भवक्कंतियमणूसंपंचिदियओरालिय-
 सरीरे य । गम्भवक्कंतियमणूसंपंचिदियओरालियसरीरे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते !
 गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते । तंजहा-पज्जत्तागम्भवक्कंतियमणूसंपंचिदियओरालिय-
 सरीरे य अपज्जत्तागम्भवक्कंतियमणूसंपंचिदियओरालियसरीरे य ॥५६९॥ ओरा-
 लियसरीरे णं भंते ! किंसंठिए पण्णत्ते ! गोयमा ! णाणासंठाणसंठिए पण्णत्ते ।
 एगिंदियओरालियसरीरे० किंसंठिए पण्णत्ते ! गोयमा ! णाणासंठाणसंठिए पण्णत्ते ।
 पुढविकाइयएगिंदियओरालियसरीरे० किंसंठिए पण्णत्ते ! गोयमा ! मसूरचंदसंठाण-
 संठिए पण्णत्ते । एवं सुहुमपुढविकाइयाण वि बायराण वि एवं चेव, पज्जत्तापज्जत्ताण
 वि एवं चेव, आउक्काइयएगिंदियओरालियसरीरे णं भंते ! विंसंठिए पण्णत्ते !
 गोयमा ! थिबुयविंदुसंठाणसंठिए पण्णत्ते । एवं सुहुमबायरपज्जत्तापज्जत्ताण वि ।
 तेउक्काइयएगिंदियओरालियसरीरे णं भंते ! किंसंठिए पण्णत्ते ! गोयमा ! सूईकलाव-
 संठाणसंठिए पण्णत्ते । एवं सुहुमबायरपज्जत्तापज्जत्ताण वि । वाउक्काइयाण वि
 पडागासंठाणसंठिए, एवं सुहुमबायरपज्जत्तापज्जत्ताण वि । वणप्फइकाइयाण णाणा-
 संठाणसंठिए पण्णत्ते, एवं सुहुमबायरपज्जत्तापज्जत्ताण वि । बेइंदियओरालियसरीरे
 णं भंते ! किंसंठाणसंठिए पण्णत्ते ! गोयमा ! हुंडसंठाणसंठिए पण्णत्ते, एवं पज्जत्ता-
 पज्जत्ताण वि, एवं तेइंदियचउरिंदियाण वि । तिरिक्खजोगियपंचिदियओरालिय-
 सरीरे णं भंते ! किंसंठाणसंठिए पण्णत्ते ! गोयमा ! छत्विइसंठाणसंठिए पण्णत्ते ।
 तंजहा-समचउरंसंठाणसंठिए चाव हुंडसंठाणसंठिए वि, एवं पज्जत्तापज्जत्ताण

वि ३ । संमुच्छिमतिरिक्खजोणियपंचिदियओरालियसरीरे णं भंते ! किंसंठाणसंठिए पण्णत्ते ! गोयमा ! हुंडसंठाणसंठिए पण्णत्ते, एवं पजत्तापजत्ताण वि । गम्भवककतिय-
तिरिक्खजोणियपंचिदियओरालियसरीरे णं भंते ! किंसंठाणसंठिए पण्णत्ते ! गोयमा !
छव्विहसंठाणसंठिए पण्णत्ते । तंजहा—समच्चउरंसे जाव हुंडे, एवं पजत्ता-
पजत्ताण वि ३ । एवमेए तिरिक्खजोणियाणं ओहियाणं णव आलावगा ।
जलयरतिरिक्खजोणियपंचिदियओरालियसरीरे णं भंते ! किंसंठाणसंठिए पण्णत्ते ?
गोयमा ! छव्विहसंठाणसंठिए पण्णत्ते । तंजहा—समच्चउरंसे जाव हुंडे, एवं पजत्ता-
पजत्ताण वि । संमुच्छिमजलयरा हुंडसंठाणसंठिया, एएसिं चेव पजत्ता अपजत्तागा
वि एवं चेव । गम्भवककतियजलयरा छव्विहसंठाणसंठिया, एवं पजत्तापजत्ताण वि ।
एवं थलयराण वि णव सुत्ताणि, एवं चउण्यथलयराण वि उरपरिमण्यथलयराण
वि भुयपरिमण्यथलयराण वि । एवं खहयराण वि णव सुत्ताणि, णवरं सव्वन्थ संमुच्छिमा
हुंडसंठाणसंठिया भाणियव्वा, इयरे छसु वि । मणूसपंचिदियओरालियसरीरे णं भंते !
किंसंठाणसंठिए पण्णत्ते ? गोयमा ! छव्विहसंठाणसंठिए पण्णत्ते । तंजहा—समच्चउरंसे
जाव हुंडे, पजत्तापजत्ताण वि एवं चेव, गम्भवककतियाणं वि एवं चेव, पजत्तापज-
त्ताण वि एवं चेव । संमुच्छिमाणं पुच्छा । गोयमा ! हुंडसंठाणसंठिया पण्णत्ता ॥५७०॥
ओरालियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता ! गोयमा ! जहण्णेणं
अंगुलस्स असंखेज्जभागं, उक्कोसेणं साइरेणं जोयणसहस्सं । एगिंदियओरालियस्स
वि एवं चेव जहा ओहियस्स । पुढविकाइयएगिंदियओरालियसरीरस्स णं भंते !
केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता ! गोयमा ! जहण्णेण वि उक्कोसेण वि अंगुलस्स
असंखेज्जभागं, एवं अपजत्तयाण वि पजत्तयाण वि । एवं सुहुमाणं पजत्तापजत्ताणं,
बायराणं पजत्तापजत्ताण वि । एवं एसो णवओ भेओ जहा पुढविकाइयाणं तहा
आउक्काइयाण वि तेउक्काइयाण वि वाउक्काइयाण वि । वणस्सइकाइयओरालिय-
सरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता ! गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स
असंखेज्जभागं, उक्कोसेणं साइरेणं जोयणसहस्सं । अपजत्तयाणं जहण्णेण वि उक्कोसेण
वि अंगुलस्स असंखेज्जभागं, पजत्तयाणं जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जभागं, उक्को-
सेणं साइरेणं जोयणसहस्सं । बायराणं जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जभागं, उक्को-
सेणं साइरेणं जोयणसहस्सं, पजत्ताण वि एवं चेव । अपजत्ताणं जहण्णेणं वि उक्कोसेण वि
अंगुलस्स असंखेज्जभागं । सुहुमाणं पजत्तापजत्ताण य तिण्ह वि जहण्णेण वि उक्को-

सेण वि अंगुलस्स असंखेज्जभागं । वेहंदियओरालियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया
सरीरोगाहणा पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जभागं, उक्कोसेणं
चारम जोयणाइं । एवं सत्त्वस्थ वि अपजत्तयाणं अंगुलस्स असंखेज्जभागं जहण्णेण
वि उक्कोसेण वि । पजत्तयाणं जहेव ओरालियस्स ओहियस्स । एवं तेहंदियाणं
तिणिण गाउयाइं, च उरंदियाणं चत्तारि गाउयाइं, पंचिदियतिरिक्खजोणियाणं उक्को-
सेणं जोयणसहस्सं ३, एवं संमुच्छिमाणं ३, गम्भवक्कंतियाणं वि ३, एवं चेव णवओ
भेओ भाणि यव्वो । एवं जलयराणं वि जोयणसहस्सं णवओ भेओ, थलयराणं वि
णव भेया ९, उक्कोसेणं छ गाउयाइं, पजत्तगाणं वि एवं चेव, संमुच्छिमाणं पजत्त-
गाणं य उक्कोसेणं गाउयपुहुत्तं ३, गम्भवक्कंतियाणं उक्कोसेणं छ गाउयाइं पजत्ताण
य २, ओहियचउपयपजत्तगाणगम्भवक्कंतियपजत्तयाणं वि उक्कोसेणं छ गाउयाइं ।
संमुच्छिमाणं पजत्ताणं य गाउयपुहुत्तं उक्कोसेणं, एवं उरपरिसप्पाणं वि । ओहिय-
गम्भवक्कंतियपजत्तगाणं जोयणसहस्सं, संमुच्छिमाणं पजत्ताणं य जोयणपुहुत्तं, भुय-
परिसप्पाणं ओहियगम्भवक्कंतियाणं य उक्कोसेणं गाउयपुहुत्तं संमुच्छिमाणं धणुपुहुत्तं,
खह्यराणं ओहियगम्भवक्कंतियाणं संमुच्छिमाणं य तिण्ह वि उक्कोसेणं धणुपुहुत्तं ।
इमाओ संगहणिगाहाओ—जोयणसहस्सं छमाउयाइं तत्तोय जोयणसहस्सं । गाउय-
पुहुत्तं भुयए धणुपुहुत्तं च पक्खीसु ॥१॥ जोयणसहस्सं गाउयपुहुत्तं तत्तोय जोयण-
पुहुत्तं । दोण्हं तु धणुपुहुत्तं समुच्छिमे होइ उच्चत्तं ॥२॥ मणूसोरालियसरीरस्स णं
भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्ज-
भागं, उक्कोसेणं तिणिण गाउयाइं । एवं अपजत्ताणं जहण्णेणं वि उक्कोसेणं वि अंगु-
लस्स असंखेज्जभागं । संमुच्छिमाणं जहण्णेणं वि उक्कोसेणं वि अंगुलस्स असंखे-
ज्जभागं, गम्भवक्कंतियाणं पजत्ताणं य जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जभागं, उक्कोसेणं
तिणिण गाउयाइं ॥ ५७१ ॥ वेउव्वियसरीरे णं भंते ! कद्विहे पण्णत्ते ? गोयमा !
दुविहे पण्णत्ते । तज्जहा—एगिंदियवेउव्वियसरीरे य पंचिदियवेउव्वियसरीरे य ।
जइ एगिंदियवेउव्वियसरीरे किं वाउक्काइयएगिंदियवेउव्वियसरीरे, अवाउक्काइय-
एगिंदियवेउव्वियसरीरे ? गोयमा ! वाउक्काइयएगिंदियवेउव्वियसरीरे, णो अवाउ-
क्काइयएगिंदियवेउव्वियसरीरे । जइ वाउक्काइयएगिंदियवेउव्वियसरीरे किं सुहुम-
वाउक्काइयएगिंदियवेउव्वियसरीरे, बायरवाउक्काइयएगिंदियवेउव्वियसरीरे !
गोयमा ! णो सुहुमवाउक्काइयएगिंदियवेउव्वियसरीरे, बायरवाउक्काइयएगिंदियवेउ-
व्वियसरीरे । जइ बायरवाउक्काइयएगिंदियवेउव्वियसरीरे किं पजत्तबायरवाउक्काइय-

एगिंदियवेउल्वियसरीरे, अपजत्तवायरवाउक्काइयएगिंदियवेउल्वियसरीरे ? गोयमा !
 पजत्तवायरवाउक्काइयएगिंदियवेउल्वियसरीरे, गो अपजत्तवायरवाउक्काइयएगिंदिय-
 वेउल्वियसरीरे । जइ पंचिदियवेउल्वियसरीरे किं णेरइयपंचिदियवेउल्वियसरीरे जाव
 किं देवपंचिदियवेउल्वियसरीरे ? गोयमा ! णेरइयपंचिदियवेउल्वियसरीरे वि जाव
 देवपंचिदियवेउल्वियसरीरे वि । जइ णेरइयपंचिदियवेउल्वियसरीरे किं रयणप्पभा
 पुढविणेरइयपंचिदियवेउल्वियसरीरे जाव किं अहेसत्तमापुढविणेरइयपंचिदियवेउ-
 ल्वियसरीरे ? गोयमा ! रयणप्पभापुढविणेरइयपंचिदियवेउल्वियसरीरे वि जाव अहे-
 सत्तमापुढविणेरइयपंचिदियवेउल्वियसरीरे वि । जइ रयणप्पभापुढविणेरइयपंचि-
 दियवेउल्वियसरीरे किं पजत्तगरयणप्पभापुढविणेरइयपंचिदियवेउल्वियसरीरे,
 अपजत्तगरयणप्पभापुढविणेरइयपंचिदियवेउल्वियसरीरे ? गोयमा ! पजत्तगरयण-
 प्पभापुढविणेरइयपंचिदियवेउल्वियसरीरे, अपजत्तगरयणप्पभापुढविणेरइयपंचिदिय-
 वेउल्वियसरीरे, एवं जाव अहेसत्तमाए दुगओ मेओ भाणियव्वो । जइ तिरिक्ख-
 जोणियपंचिदियवेउल्वियसरीरे किं समुच्छिमतिरिक्खजोणियपंचिदियवेउल्विय-
 सरीरे, गम्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचिदियवेउल्वियसरीरे ? गोयमा ! गो समु-
 च्छिमतिरिक्खजोणियपंचिदियवेउल्वियसरीरे, गम्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचि-
 दियवेउल्वियसरीरे । जइ गम्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचिदियवेउल्वियसरीरे किं
 संखेजवासाउयगम्भवक्कंतिय० पंचिदियवेउल्वियसरीरे, असंखेजवासाउयगम्भवक्कंतिय-
 तिरिक्खजोणियपंचिदियवेउल्वियसरीरे ? गोयमा ! संखेजवासाउयगम्भवक्कंतिय-
 तिरिक्खजोणियपंचिदियवेउल्वियसरीरे, गो असंखेजवासाउयगम्भवक्कंतियतिरिक्ख-
 जोणियपंचिदियवेउल्वियसरीरे । जइ संखेजवासाउयगम्भवक्कंतियतिरिक्खजोणिय-
 पंचिदियवेउल्वियसरीरे किं पजत्तगसंखेजवासाउयगम्भवक्कंतियतिरिक्खजोणिय-
 पंचिदियवेउल्वियसरीरे, अपजत्तगसंखेजवासाउयगम्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचि-
 दियवेउल्वियसरीरे ? गोयमा ! पजत्तगसंखेजवासाउयगम्भवक्कंतियतिरिक्खजोणिय-
 पंचिदियवेउल्वियसरीरे, गो अपजत्तगसंखेजवासाउयगम्भवक्कंतियतिरिक्खजोणिय-
 पंचिदियवेउल्वियसरीरे । जइ संखेजवासाउयगम्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचिदिय-
 वेउल्वियसरीरे, किं जलयरसंखेजवासाउयगम्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचिदिय-
 वेउल्वियसरीरे, थलयरसंखेजवासाउयगम्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचिदियवेउ-
 ल्वियसरीरे, खहयरसंखेजवासाउयगम्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचिदियवेउल्विय-

सरीरे ! गोयमा ! जलयरसंखेजवासाउयगग्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचिदियवेउ-
 व्वियसरीरे वि, थलयरसंखेजवासाउयगग्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचिदियवेउ-
 व्वियसरीरे वि, खहयरसंखेजवासाउयगग्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचिदियवेउ-
 व्वियसरीरे वि । जइ जलयरसंखेजवासाउयगग्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचिदिय-
 वेउव्वियसरीरे किं पजत्तगजलयरसंखेजवासाउयगग्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचि-
 दियवेउव्वियसरीरे, अपजत्तगजलयरसंखेजवासाउयगग्भवक्कंतियतिरिक्खजोणिय-
 पंचिदियवेउव्वियसरीरे ? गोयमा ! पजत्तगजलयरसंखेजवासाउयगग्भवक्कंतिय-
 तिरिक्खजोणियपंचिदियवेउव्वियसरीरे, णो अपजत्तगजलयरसंखेजवासाउयगग्भ-
 वक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचिदियवेउव्वियसरीरे । जइ थलयरतिरिक्खजोणियपंचि-
 दिय जाव सरीरे किं चउप्पय जाव सरीरे, परिसप्प जाव सरीरे ? गोयमा ! चउप्पय
 जाव सरीरे वि, परिसप्प जाव सरीरे वि । एवं सव्वेसिं णयव्वं जाव खहयराणं
 पजत्ताणं, णो अपजत्ताणं । जइ मणूसपंचिदियवेउव्वियसरीरे किं समुच्छिममणूस-
 पंचिदियवेउव्वियसरीरे, गग्भवक्कंतियमणूसपंचिदियवेउव्वियसरीरे ? गोयमा ! णो
 समुच्छिममणूसपंचिदियवेउव्वियसरीरे, गग्भवक्कंतियमणूसपंचिदियवेउव्वियसरीरे ।
 जइ गग्भवक्कंतियमणूसपंचिदियवेउव्वियसरीरे किं कम्मभूमगगग्भवक्कंतियमणूसपंचि-
 दियवेउव्वियसरीरे, अकम्मभूमगगग्भवक्कंतियमणूसपंचिदियवेउव्वियसरीरे, अंतर-
 दीवगगग्भवक्कंतियमणूसपंचिदियवेउव्वियसरीरे ? गोयमा ! कम्मभूमगगग्भवक्कंतिय-
 मणूसपंचिदियवेउव्वियसरीरे, णो अकम्मभूमगगग्भवक्कंतियमणूसपंचिदियवेउव्विय-
 सरीरे, णो अंतरदीवगगग्भवक्कंतियमणूसपंचिदियवेउव्वियसरीरे । जइ कम्मभूमग-
 गग्भवक्कंतियमणूसपंचिदियवेउव्वियसरीरे किं संखेजवासाउयकम्मभूमगगग्भवक्क-
 तियमणूसपंचिदियवेउव्वियसरीरे, असंखेजवासाउयकम्मभूमगगग्भवक्कंतियमणूस-
 पंचिदियवेउव्वियसरीरे ? गोयमा ! संखेजवासाउयकम्मभूमगगग्भवक्कंतियमणूस-
 पंचिदियवेउव्वियसरीरे, णो असंखेजवासाउयकम्मभूमगगग्भवक्कंतियमणूसपंचि-
 दियवेउव्वियसरीरे । जइ संखेजवासाउयकम्मभूमगगग्भवक्कंतियमणूसपंचिदिय-
 वेउव्वियसरीरे किं पजत्तयसंखेजवासाउयकम्मभूमगगग्भवक्कंतियमणूसपंचिदियवेउव्वियसरीरे,
 अपजत्तयसंखेजवासाउयकम्मभूमगगग्भवक्कंतियमणूसपंचिदियवेउव्वियसरीरे ?
 गोयमा ! पजत्तयसंखेजवासाउयकम्मभूमगगग्भवक्कंतियमणूसपंचिदियवेउव्विय-
 सरीरे, णो अपजत्तयसंखेजवासाउयकम्मभूमगगग्भवक्कंतियमणूसपंचिदियवेउव्विय-

सरीरे । जइ देवपंचिदियवेउळ्वियसरीरे किं भवणवासिदेवपंचिदियवेउळ्वियसरीरे जाव वेमाणियदेवपंचिदियवेउळ्वियसरीरे ! गोयमा ! भवणवासिदेवपंचिदियवेउळ्वियसरीरे वि जाव वेमाणियदेवपंचिदियवेउळ्वियसरीरे वि । जइ भवणवासिदेवपंचिदियवेउळ्वियसरीरे किं असुरकुमारभवणवासिदेवपंचिदियवेउळ्वियसरीरे जाव थणियकुमारभवणवासिदेवपंचिदियवेउळ्वियसरीरे ! गोयमा ! असुरकुमार० जाव थणियकुमारभवणवासिदेवपंचिदियवेउळ्वियसरीरे वि । जइ असुरकुमारभवणवासिदेवपंचिदियवेउळ्वियसरीरे किं पजत्तगअसुरकुमारभवणवासिदेवपंचिदियवेउळ्वियसरीरे, अजत्तगअसुरकुमारभवणवासिदेवपंचिदियवेउळ्वियसरीरे ! गोयमा ! पजत्तगअसुरकुमारभवणवासिदेवपंचिदियवेउळ्वियसरीरे वि, अजत्तगअसुरकुमारभवणवासिदेवपंचिदियवेउळ्वियसरीरे वि, एवं जाव थणियकुमाराणं दुगओ मेओ । एवं वाणमंतराणं अट्टविहाणं, जोइसियाणं पंचविहाणं । वेमाणियां दुविहा--कप्पोवगा कप्पातीता य । कप्पोवगा वारसविहा, तेसिं पि एवं चेव दुहओ मेओ । कप्पातीता दुविहा--गेवेजगा य अणुत्तरोववाइया य, गेवेजगा णवविहा, अणुत्तरोववाइया पंचविहा, एएमिं पजत्ताअजत्ताभिलावेणं दुगओ मेओ भाणियव्वो ॥९७२॥ वेउळ्वियसरीरे णं भंते ! किंसंठिए पण्णत्ते ! गोयमा ! णाणासंठाणसंठिए पण्णत्ते । नाउक्काइयएगिदियवेउळ्वियसरीरे णं भंते ! किंसंठिए पण्णत्ते ! गोयमा ! पडागासंठाणसंठिए पण्णत्ते । णेरइयपंचिदियवेउळ्वियसरीरे णं भंते ! किंसंठाणसंठिए पण्णत्ते ! गोयमा ! णेरइयपंचिदियवेउळ्वियसरीरे दुविहे पण्णत्ते । तंजहा--भवधारणिजे य उत्तरवेउळ्विए य । तत्थ णं जे से भवधारणिजे से णं हुंडसंठाणसंठिए पण्णत्ते । तत्थ णं जे से उत्तरवेउळ्विए से वि हुंडसंठाणसंठिए पण्णत्ते । रयणप्पभापुदविणेइयपंचिदियवेउळ्वियसरीरे णं भंते ! किंसंठाणसंठिए पण्णत्ते ! गोयमा ! रयणप्पभापुदविणेइयाणं दुविहे सरीरे पण्णत्ते । तंजहा--भवधारणिजे य उत्तरवेउळ्विए य । तत्थ णं जे से भवधारणिजे से णं हुंडे, • जे से उत्तरवेउळ्विए से वि हुंडे । एवं जाव अहेसत्तमापुदविणेइयवेउळ्वियसरीरे । तिरिक्खजोणियपंचिदियवेउळ्वियसरीरे णं भंते ! किंसंठाणसंठिए पण्णत्ते ! गोयमा ! णाणासंठाणसंठिए पण्णत्ते । एवं जाव जलयरथलयरखइयराण वि ! थलयराण वि चउप्पयपरिसप्पाण वि, परिसप्पाण वि उरपरिसप्पभुयपरिसप्पाण वि । एवं मणुस्सपंचिदियवेउळ्वियसरीरे वि । असुरकुमारभवणवासिदेवपंचिदियवेउळ्वियसरीरे णं भंते ! किंसंठाणसंठिए पण्णत्ते ! गोयमा ! असुरकुमाराणं देवाणं दुविहे सरीरे पण्णत्ते । तंजहा--भवधारणिजे य उत्तरवेउळ्विए

व । तत्थ णं जे से भवधारणिजे से णं समच्चउरंससंठाणसंठिए पणत्ते, तत्थ णं जे से उत्तरवेउव्विए से णं णाणासंठाणसंठिए पणत्ते, एवं जाव थणियकुमारदेवपांचि-
दियवेउव्वियसरीरे, एवं वाणमंतराण वि, णवरं ओहिया वाणमंतरा पुच्छिजंति,
एवं सोइसियाण वि ओहियाणं, एवं सोहम्मे जाव अच्चुयदेवसरीरे । गेवेज्जगप्पा-
तीतवेमाणियदेवपांचिदियवेउव्वियसरीरे णं भंते ! किंसठिए पणत्ते ! गोयमा !
गेवेज्जगदेवाणं एगे भवधारणिजे सरीरे, से णं समच्चउरंससंठाणसंठिए पणत्ते, एवं
अणुत्तरोववाइयाण वि ॥५७३॥ वेउव्वियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरो-
गाहणा पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जभागं, उक्कोसेणं साइरेणं
ओयणसयसहस्सं । वाउक्काइयएणिदियवेउव्वियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरो-
गाहणा पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जभागं, उक्कोसेणं वि अंगु-
लस्स असंखेज्जभागं । णेरइयपांचिदियवेउव्वियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया
सरीरोगाहणा पणत्ता ? गोयमा ! दुविहा पणत्ता । तंजहा-भवधारणिजा य उत्तर-
वेउव्विया य । तत्थ णं जा सा भवधारणिजा सा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्ज-
भागं, उक्कोसेणं पंचधणुसयाइं । तत्थ णं जा सा उत्तरवेउव्विया सा जहण्णेणं
अंगुलस्स संखेज्जभागं, उक्कोसेणं धणुसहस्सं । रयणप्पभाएटविणरइयाणं भंते !
केमहालिया सरीरोगाहणा पणत्ता ? गोयमा ! दुविहा पणत्ता । तंजहा-भवधार-
णिजा य उत्तरवेउव्विया य । तत्थ णं जा सा भवधारणिजा सा जहण्णेणं अंगुलस्स
असंखेज्जभागं, उक्कोसेणं सत्त धणूइं तिणिण रयणीओ छच्च अंगुलाइं । तत्थ णं
जा सा उत्तरवेउव्विया सा जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जभागं, उक्कोसेणं पण्णरस
धणूइं अट्ठाइजाओ रयणीओ । सक्करप्पभाए पुच्छा । गोयमा ! जाव तत्थ णं जा
सा भवधारणिजा सा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जभागं, उक्कोसेणं पण्णरस धणूइं
अट्ठाइजाओ रयणीओ । तत्थ णं जा सा उत्तरवेउव्विया सा जहण्णेणं अंगुलस्स
संखेज्जभागं, उक्कोसेणं एकतीसं धणूइं एक्का य रयणी । वालुयप्पभाए भवधारणिजा
एकतीसं धणूइं एक्का रयणी, उत्तरवेउव्विया बावट्ठिं धणूइं दो रयणीओ । पक्कप्प-
भाए भवधारणिजा बावट्ठिं धणूइं दो रयणीओ, उत्तरवेउव्विया पक्कवीसं धणुसयं ।
धूमप्पभाए भवधारणिजा पक्कवीसं धणुसयं, उत्तरवेउव्विया अट्ठाइजाइं धणुसयाइं ।
तभाए भवधारणिजा अट्ठाइजाइं धणुसयाइं, उत्तरवेउव्विया पंच धणुसयाइं ।
अहेसत्तभाए भवधारणिजा पंच धणुसयाइं, उत्तरवेउव्विया धणुसहस्सं, एवं उक्को-

सेणं । जहण्णेणं भवधारणिजा अंगुलस्स असंखेज्जभागं, उत्तरवेउव्विया अंगुलस्स संखेज्जभागं । तिरिक्खज्जेणियपंचिदियवेउव्वियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जभागं, उक्कोसेणं जोयणसयसहुत्तं । मणुस्सपंचिदियवेउव्वियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जभागं, उक्कोसेणं साइरेगं जोयणसयसहस्सं । अमुरकुमारभवणवासिदेवपंचिदियवेउव्वियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पणत्ता ? गोयमा ! असुरकुमाराणं देवाणं दुविहा सरीरोगाहणा पणत्ता । तंजहा—भवधारणिजा य उत्तरवेउव्विया य । तत्थ णं जा सा भवधारणिजा सा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जभागं, उक्कोसेणं सत्त रयणीओ । तत्थ णं जा सा उत्तरवेउव्विया सा जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जभागं, उक्कोसेणं जोयणसयसहस्सं । एवं जाव थणियकुमाराणं, एवं ओहियाणं वाणमंतराणं एवं जोइ-सियाणं वि, सोहम्मसीसाणगदेवाणं एवं चेव, उत्तरवेउव्विया जाव अच्चुओ कण्णो, णवरं सणकुमारे भवधारणिजा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जभागं, उक्कोसेणं छ रयणीओ । एवं माहिंदे वि, वंभलोयलंतगेसु पंच रयणीओ, महासुक्कसहस्सारेसु चत्तारि रयणीओ, आणय-पाणय-आरणच्चुएसु तिण्णि रयणीओ । गेविज्जगक्कप्पातीत-वेमाणियदेवपंचिदियवेउव्वियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पणत्ता ? गोयमा ! गेवेज्जगदेवाणं एगा भवधारणिजा सरीरोगाहणा पणत्ता । सा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जभागं, उक्कोसेणं दो रयणी । एवं अणुत्तरोववाइयदेवाणं वि, णवरं एक्का रयणी ॥५७४॥ आहारगसरीरे णं भंते ! कइविहे पणत्ते ? गोयमा ! एगागारे पणत्ते । जइ एगागारे पणत्ते किं मणूसआहारगसरीरे, अमणूसआहारगसरीरे ? गोयमा ! मणूसआहारगसरीरे, णो अमणूसआहारगसरीरे । जइ मणूसआहारगसरीरे किं संमुच्छिममणूसआहारगसरीरे, गब्भवक्कतियमणूसआहारगसरीरे ? गोयमा ! णो संमुच्छिममणूसआहारगसरीरे, गब्भवक्कतियमणूसआहारगसरीरे । जइ गब्भवक्कतियमणूसआहारगसरीरे किं कम्मभूमगगब्भवक्कतियमणूसआहारगसरीरे, अकम्मभूमगगब्भवक्कतियमणूसआहारगसरीरे, अंतरदीयगगब्भवक्कतियमणूसआहारगसरीरे ? गोयमा ! कम्मभूमगगब्भवक्कतिय०, णो अकम्मभूमगगब्भवक्कतिय०, णो अंतरदीयगगब्भवक्कतियमणूसआहारगसरीरे । जइ कम्मभूमगगब्भवक्कतियमणूसआहारगसरीरे किं संखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कतियमणूसआहारगसरीरे, असंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कतियमणूसआहारगसरीरे ? गोयमा ! संखेज्जवासा-

सरीरे णो अणिद्धिपत्तयमत्तसंजयसम्मदिही•संखेज्वासाउयकम्मभूमगगम्भवकतिय-
मणूसाआहारगसरीरे । आहारगसरीरे णं भंते ! किंसंठिए पण्णत्ते ! गोयमा ! सम-
चउरंसंठाणसंठिए पण्णत्ते । आहारगसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा
पण्णत्ता ! गोयमा ! जहण्णेणं देसूणा स्यणी, उक्कोसेणं पडिपुणा स्यणी ॥५७५॥
तेयगसरीरे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ! गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते । तंजहा-एणि-
दियतेयगसरीरे जाव पंचिदियतेयगसरीरे । एणिदियतेयगसरीरे णं भंते ! कइविहे
पण्णत्ते ! गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते । तंजहा-पुटविकाइय• जाव वणस्सइकाइय-
एणिदियतेयगसरीरे । एवं जहा ओरालियसरीरस्स भेओ भणिओ तहा तेयगस्स वि-
जाव चउरिंदियाणं । पंचिदियतेयगसरीरे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ! गोयमा !
चउविहे पण्णत्ते । तंजहा-णेरइयतेयगसरीरे जाव देवतेयगसरीरे, णेरइयाणं
हुगओ भेओ भाणियव्वो जहा वेउव्वियसरीरे । पंचिदियतिरिक्खजोणियाणं मणू-
साण य जहा ओरालियसरीरे भेओ भणिओ तहा भाणियव्वो । देवाणं जहा वेउ-
व्वियसरीरभेओ भणिओ तहा भाणियव्वो जाव सव्वट्ठसिद्धदेवत्ति । तेयगसरीरे णं
भंते ! किंसंठिए पण्णत्ते ! गोयमा ! णाणासंठाणसंठिए पण्णत्ते । एणिदियतेयगसरीरे
णं भंते ! किंसंठिए पण्णत्ते ! गोयमा ! णाणासंठाणसंठिए पण्णत्ते । पुटविकइय-
एणिदियतेयगसरीरे णं भंते ! किंसंठिए पण्णत्ते ! गोयमा ! मसूरचंदसंठाणसंठिए
पण्णत्ते, एवं ओरालियसंठाणागुसारेण भाणियव्वं जाव चउरिंदियाणं वि । णेरइयाणं
भंते ! तेयगसरीरे किंसंठिए पण्णत्ते ! गोयमा ! जहा वेउव्वियसरीरे । पंचिदियतिरि-
क्खजोणियाणं मणूसाणं जहा एएसिं चैव ओरालियत्ति । देवाणं भंते ! तेयगसरीरे
किंसंठिए पण्णत्ते ! गोयमा ! जहा वेउव्वियस्स जाव अणुत्तरोववाइयत्ति ॥५७६॥
जीवस्स णं भंते ! मारणंतियसमुग्धाएणं समोइयस्स तेयासरीरस्स केमहालिया सरीरो-
गाहणा पण्णत्ता ! गोयमा ! सरीरप्पमाणमेत्ता विकखंभवाइल्लेणं, आयासेणं जहण्णेणं
अंगुलस्स असंखेज्जभागं, उक्कोसेणं लोगंताओ लोगते । एणिदियस्स णं भंते !
मारणंतियसमुग्धाएणं समोइयस्स तेयासरीरस्स केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता !
गोयमा ! एवं चैव, जाव पुटवि• आउ० तेउ० वाउ० वणप्फइकाइयस्स । बेइ-
दियस्स णं भंते ! मारणंतियसमुग्धाएणं समोइयस्स तेयासरीरस्स केमहालिया सरीरो-
गाहणा पण्णत्ता ! गोयमा ! सरीरप्पमाणमेत्ता विकखंभवाइल्लेणं, आयासेणं जहण्णेणं
अंगुलस्स असंखेज्जभागं, उक्कोसेणं तिरियलोगाओ लोगते । एवं जाव चउरिंदि-

यस्स । णेरइयस्स णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स तेयासरीरस्स केम-
हालिया सरीरोगाहणा प० ! गोयमा ! सरीरप्पमाणमेत्ता विक्खंभवाहल्लेणं, आयामेणं
जहण्णेणं सादरेणं जोयणमइस्सं, उक्कोसेणं अहे जाव अहेसत्तमा पुढवी, तिरियं जाव
सयंभुरमणे समुदे, उद्धं जाव पंडमवणे पुक्खरिणीओ । पंचिदियतिरिक्खजोणियस्स
णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स तेयासरीरस्स केमहालिया सरीरोगाहणा० !
गोयमा ! जहा वेइंदियसरीरस्स । मणुस्सस्स णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोह-
यस्स तेयासरीरस्स केमहालिया सरीरोगाहणा० ! गोयमा ! समयखेत्ताओ लोगंतो ।
अमुरकुमारस्स णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स तेयासरीरस्स केमहालिया
सरीरोगाहणा० ! गोयमा ! सरीरप्पमाणमेत्ता विक्खंभवाहल्लेणं, आयामेणं जहण्णेणं
अंगुलस्स असंखेजइभागं, उक्कोसेणं अहे जाव तच्चाइ पुढवीए हिट्ठिल्ले चरमेते,
तिरियं जाव सयंभुरमणसमुदस्स बाहिरिल्ले वेइयंते, उद्धं जाव ईसिप्फभारा पुढवी,
एवं जाव थणियकुमारतेयगसरीरस्स । बाणमंतरजोइसियसोहमीसाजगा य एवं
चेव । सणंकुमारदेवस्स णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स तेयासरीरस्स
केमहालिया सरीरोगाहणा० ! गोयमा ! सरीरप्पमाणमेत्ता विक्खंभवाहल्लेणं, आयामेणं
जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेजइभागं, उक्कोसेणं अहे जाव महापायालाणं दोच्चे तिभागे,
तिरियं जाव सयंभुरमणे समुदे, उद्धं जाव अच्चुओ कप्पो । एवं जाव सहस्सार-
देवस्स । आणयदेवस्स णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स तेयासरीरस्स केमहा-
लिया सरीरोगाहणा० ! गोयमा ! सरीरप्पमाणमेत्ता विक्खंभवाहल्लेणं, आयामेणं
जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेजइभागं, उक्कोसेणं जाव अहोलोइयगामा, तिरियं जाव
मणूमखेत्तं, उद्धं जाव अच्चुओ कप्पो, एवं जाव आरणदेवस्स । अच्चुयदेवस्स एवं
चेव, णवरं उद्धं जाव सगाइं विमाणाइं । गेविज्जगदेवस्स णं भंते ! मारणंतिय-
समुग्घाएणं समोहयस्स तेयगसरीरस्स केमहालिया सरीरोगाहणा० ! गोयमा ! सरीर-
प्पमाणमेत्ता विक्खंभवाहल्लेणं, आयामेणं जहण्णेणं विज्जाहरसेदीओ, उक्कोसेणं जाव
अहोलोइयगामा, तिरियं जाव मणूमखेत्ते, उद्धं जाव सगाइं विमाणाइं, अणुत्तरोव-
वाइयस्स वि एवं चेव । कम्मगसरीरे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ! गोयमा ! पंच-
विहे पण्णत्ते । तंजहा—एगिंदियकम्मगसरीरे जाव पंचिदियकम्मगसरीरे य । एवं
जहेव तेयगसरीरस्स मेओ संठाणं ओगाहणा य भणिया तेहव णिरवसेसं भाणियव्वं
जाव अणुत्तरोववाइयत्ति ॥५७७॥ ओरालियसरीरस्स णं भंते ! कइदिसि पोगाला

विजंति ? गोयमा ! णिव्वाधाएण छद्दिस्सिं, कापायं पडुच्च सिय तिदिस्सिं, सिय चउ-
 द्विस्सिं, सिय पंचदिस्सिं । वेउव्वियसरीरस्स णं भंते ! कइदिस्सिं पोंगला विजंति ?
 गोयमा ! णियमा छद्दिस्सिं । एवं आहारगसरीरस्स वि, तेयाकम्मगाणं जहा ओरा-
 लियसरीरस्स । ओरालियसरीरस्स णं भंते ! कइदिस्सिं पोंगला उवविजंति ?
 गोयमा ! एवं चेव, जाव कम्मगसरीरस्स एवं उवविजंति, अवविजंति ॥ ५७८ ॥
 जस्स णं भंते ! ओरालियसरीरं तस्स वेउव्वियसरीरं, जस्स वेउव्वियसरीरं तस्स
 ओरालियसरीरं ? गोयमा ! जस्स ओरालियसरीरं तस्स वेउव्वियसरीरं सिय अत्थि
 सिय णत्थि, जस्स वेउव्वियसरीरं तस्स ओरालियसरीरं सिय अत्थि सिय णत्थि ।
 जस्स णं भंते ! ओरालियसरीरं तस्स आहारगसरीरं, जस्स आहारगसरीरं तस्स
 ओरालियसरीरं ? गोयमा ! जस्स ओरालियसरीरं तस्स आहारगसरीरं सिय अत्थि
 सिय णत्थि, जस्स पुण आहारगसरीरं तस्स ओरालियसरीरं णियमा अत्थि । जस्स
 णं भंते ! ओरालियसरीरं तस्स तेयगसरीरं, जस्स तेयगसरीरं तस्स ओरालियसरीरं ?
 गोयमा ! जस्स ओरालियसरीरं तस्स तेयगसरीरं णियमा अत्थि, जस्स पुण तेयग-
 सरीरं तस्स ओरालियसरीरं सिय अत्थि सिय णत्थि, एवं कम्मगसरीरं पि । जस्स
 णं भंते ! वेउव्वियसरीरं तस्स आहारगसरीरं जस्स आहारगसरीरं तस्स वेउव्विय-
 सरीरं ? गोयमा ! जस्स वेउव्वियसरीरं तस्स आहारगसरीरं णत्थि, जस्स वि
 आहारगसरीरं तस्स वि वेउव्वियसरीरं णत्थि । तेयाकम्माइं जहा ओरालिएण समं
 तहेव आहारगसरीरेण वि समं तेयाकम्मगाइं चारेयव्वाणि । जस्स णं भंते ! तेयग-
 सरीरं तस्स कम्मगसरीरं, जस्स कम्मगसरीरं तस्स तेयगसरीरं ? गोयमा ! जस्स
 तेयगसरीरं तस्स कम्मगसरीरं णियमा अत्थि, जस्स वि कम्मगसरीरं तस्स वि
 तेयगसरीरं णियमा अत्थि ॥ ५७९ ॥ एसि णं भंते ! ओरालियवेउव्वियआहारग-
 तेयगकम्मगसरीराणं दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए कदरे कयरेहितो
 अप्पा वा ४ ! गोयमा ! सव्वत्थोवा आहारगसरीरा दव्वट्ठयाए, वेउव्वियसरीरा
 दव्वट्ठयाए असंखेजगुणा, ओरालियसरीरा दव्वट्ठयाए असंखेजगुणा, तेयाकम्मग-
 सरीरा दोवि तुल्ला दव्वट्ठयाए अणंतगुणा । पएसट्ठयाए—सव्वत्थोवा आहारगसरीरा
 पएसट्ठयाए, वेउव्वियसरीरा पएसट्ठयाए असंखेजगुणा, ओरालियसरीरा पएसट्ठयाए
 असंखेजगुणा, तेयगसरीरा पएसट्ठयाए अणंतगुणा, कम्मगसरीरा पएसट्ठयाए अणंत-
 गुणा । दव्वट्ठपएसट्ठयाए—सव्वत्थोवा आहारगसरीरा दव्वट्ठयाए, वेउव्वियसरीरा

दव्वट्ठयाए अस्खेज्जगुणा, ओरालियसरीरा दव्वट्ठयाए अस्खेज्जगुणा, ओरालियसरीरे-
 हितो दव्वट्ठयाए हितो आहारगसरीरा पएसट्ठयाए अणंतगुणा, वेउव्वियसरीरा पएसट्ठ-
 याए अस्खेज्जगुणा, ओरालियसरीरा पएसट्ठयाए अस्खेज्जगुणा, तेयाकम्मो दोवि तुल्ला
 दव्वट्ठयाए अणंतगुणा, तेयसरीरा पएसट्ठयाए अणंतगुणा, कम्मगसरीरा पएसट्ठयाए
 अणंतगुणा ॥५८०॥ एएसि णं भंते ! ओरालियवेउव्वियआहारगतेयगकम्मग-
 सरीराणं जहणियाए ओगाहणाए उक्कोसियाए ओगाहणाए जहण्णुक्कोसियाए ओभा-
 हणाए कयरे कयरे हितो अप्पा या ४ ! गोयमा ! सव्वथोवा ओरालियसरीरस्स
 जहणिया ओगाहणा, तेयाकम्मगाणं दोण्ह वि तुल्ला जहणिया ओगाहणा विसेसा-
 हिया, वेउव्वियसरीरस्स जहणिया ओगाहणा अस्खेज्जगुणा, आहारगसरीरस्स
 जहणिया ओगाहणा अस्खेज्जगुणा । उक्कोसियाए ओगाहणाए-सव्वथोवा आहा-
 रगसरीरस्स उक्कोसिया ओगाहणा, ओरालियसरीरस्स उक्कोसिया ओगाहणा संखेज्ज-
 गुणा, वेउव्वियसरीरस्स उक्कोसिया ओगाहणा संखेज्जगुणा, तेयाकम्मगाणं दोण्ह वि
 तुल्ला उक्कोसिया ओगाहणा अस्खेज्जगुणा । जहण्णुक्कोसियाए ओगाहणाए-सव्वथोवा
 ओरालियसरीरस्स जहणिया ओगाहणा, तेयाकम्मगाणं दोण्ह वि तुल्ला जहणिया
 ओगाहणा विसेसाहिया, वेउव्वियसरीरस्स जहणिया ओगाहणा अस्खेज्जगुणा,
 आहारगसरीरस्स जहणिया ओगाहणा अस्खेज्जगुणा, आहारगसरीरस्स जहणिया-
 हितो ओगाहणा हितो तस्स चैव उक्कोसिया ओगाहणा विसेसाहिया, ओरालियसरीरस्स
 उक्कोसिया ओगाहणा संखेज्जगुणा, वेउव्वियसरीरस्स उक्कोसिया ओगाहणा संखेज्ज-
 गुणा, तेयाकम्मगाणं दोण्ह वि तुल्ला उक्कोसिया ओगाहणा अस्खेज्जगुणा ॥५८१॥

पणवणाए भगवईए एगवीसइमं ओगाहणासंठाणपयं समत्तं

बावीसइमं किरियापयं

कइ णं भंते ! किरियाओ पणत्ताओ ! गोयमा ! पंच किरियाओ पणत्ताओ ।
 तंजहा—काइया १, अहिगरणिया २, पाओसिया ३, परिवावणिया ४, पाणाइवाय-
 किरिया ५ । काइया णं भंते ! किरिया कइविहा पणत्ता ! गोयमा ! दुविहा पणत्ता ।
 तंजहा—अणुवरयकाइया य दुप्पउत्तकाइया य । अहिगरणिया णं भंते ! किरिया
 कइविहा पणत्ता ! गोयमा ! दुविहा पणत्ता । तजहा—संजोयणाहिगरणिया य

णिव्वत्तणाहिगरणिया य । पाओसिया णं भंते ! किरिया कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा !
 तिविहा पण्णत्ता । तंजहा—जेणं अप्पणो वा परस्स वा तदुभयस्स वां असुभं मणं
 संयधारेइ, से त्तं पाओसिया किरिया । पारियावणिया णं भंते ! किरिया कइविहा
 पण्णत्ता ? गोयमा ! तिविहा पण्णत्ता । तंजहा—जेणं अप्पणो वा परस्स वा तदुभयस्स
 वा अस्तायं वेयणं उदीरेइ, से त्तं पारियावणिया किरिया । पाणाइवायकिरिया णं
 भंते ! कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! तिविहा पण्णत्ता । तंजहा—जेणं अप्पणं वा परं
 वा तदुभयं वा जीवियाओ ववरोवेइ, से त्तं पाणाइवायकिरिया ॥ ५८२ ॥ जीवा णं
 भंते ! किं सकिरिया अकिरिया ? गोयमा ! जीवा सकिरिया वि अकिरिया वि ।
 से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘जीवा सकिरिया वि अकिरिया वि’ ? गोयमा ! जीवा
 दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—संसारसमावण्णगा य असंसारसमावण्णगा य । तत्थ णं जे
 ते असंसारसमावण्णगा ते णं सिद्धा, सिद्धा णं अकिरिया । तत्थ णं जे ते संसार-
 समावण्णगा ते दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—सेलेसिपडिवण्णगा य असेलेसिपडिवण्णगा
 य । तत्थ णं जे ते सेलेसिपडिवण्णगा ते णं अकिरिया, तत्थ णं जे ते असेलेसिपडि-
 वण्णगा ते णं सकिरिया, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ—‘जीवा सकिरिया वि
 अकिरिया वि’ ॥ ५८३ ॥ अत्थि णं भंते ! जीवाणं पाणाइवाएणं किरिया कज्जइ ?
 हंता गोयमा ! अत्थि । कम्हि णं भंते ! जीवाणं पाणाइवाएणं किरिया कज्जइ ?
 गोयमा ! ऋजु जीवणिकाएसु । अत्थि णं भंते ! णेरइयाणं पाणाइवाएणं किरिया
 कज्जइ ? गोयमा ! एवं चेव । एवं णिरंतंरं जाव वेमाणियाणं । अत्थि णं भंते !
 जीवाणं मुआवाएणं किरिया कज्जइ ? हंता ! अत्थि । कम्हि णं भंते ! जीवाणं
 मुसावाएणं किरिया कज्जइ ? गोयमा ! सव्वदव्वेसु, एवं णिरंतंरं णेरइयाणं जाव
 वेमाणियाणं । अत्थि णं भंते ! जीवाणं अदिण्णादाणेणं किरिया कज्जइ ? हंता !
 अत्थि । कम्हि णं भंते ! जीवाणं अदिण्णादाणेणं किरिया कज्जइ ? गोयमा ! गहण-
 धारणिज्जेसु दव्वेसु, एवं णेरइयाणं णिरंतंरं जाव वेमाणियाणं । अत्थि णं भंते !
 जीवाणं मेहुणेणं किरिया कज्जइ ? हंता ! अत्थि । कम्हि णं भंते ! जीवाणं मेहुणेणं
 किरिया कज्जइ ? गोयमा ! रूवेसु वा रूवसहगएसु वा दव्वेसु, एवं णेरइयाणं णिरं-
 तंरं जाव वेमाणियाणं । अत्थि णं भंते ! जीवाणं परिग्गहेणं किरिया कज्जइ ? हंता !
 अत्थि । कम्हि णं भंते ! जीवाणं परिग्गहेणं किरिया कज्जइ ? गोयमा ! सव्वदव्वेसु
 एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं । एवं कोहेणं माणेणं मायाए लोभेणं पेजेणं दोसेणं

कलहेणं अन्मस्त्राणेणं पेसुण्णेणं परपरिवाएणं अरइरईए मायामोसेणं मिच्छादंसण-
सल्लेणं । सव्वेसु जीवणेरइयमेएणं भाणियव्वा णिरंतरं जाव वेमाणियाणं ति, एवं
अट्ठारस एए दंडगा १८ ॥५८४॥ जीवे णं भंते ! पाणाइवाएणं कइ कम्मपगडीओ
बंधइ ? गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा । एवं णेरइए जाव णिरंतरं
वेमाणिए । जीवा णं भंते ! पाणाइवाएणं कइ कम्मपगडीओ बंधंति ? गोयमा !
सत्तविहबंधगा वि अट्ठविहबंधगा वि । णेरइया णं भंते ! पाणाइवाएणं कइ कम्म-
पगडीओ बंधंति ? गोयमा ! सव्वे वि ताव होजा सत्तविहबंधगा, अहवा सत्तविह-
बंधगा यं अट्ठविहबंधए य, अहवा सत्तविहबंधगा य अट्ठविहबंधगा य । एवं असुर-
कुमारा वि जाव थणियकुमारा । पुटविआउतेउवाउवणफइकाइया य एए सव्वे वि
जहा ओहिया जीवा, अवसेसा जहा णेरइया । एवं ते जीवेणिंदियवज्जा तिणिण तिणिण
भेगा सव्वरथ भाणियव्वत्ति जाव मिच्छादंसणसल्ले, एवं एगत्तपोहत्तिया छत्तीसं
दंडगा हंति ॥५८५॥ जीवे णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं बंधमाणे कइकिरिए ?
गोयमा ! सिय तिकिरिए, सिय चउकिरिए, सिय पंचकिरिए, एवं णेरइए जाव
वेमाणिए । जीवा णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं बंधमाणा कइकिरिया ? गोयमा !
सिय तिकिरिया, सिय चउकिरिया, सिय पंचकिरिया वि, एवं णेरइया णिरंतरं
जाव वेमाणिया । एवं दरिसणावरणिज्जं वेयणिज्जं मोहणिज्जं आउयं णामं गोत्त अंतरा-
इयं च अट्ठविहकम्मपगडीओ भाणियव्वाओ, एगत्तपोहत्तिया सोलस दंडगा भवंति
॥५८६॥ जीवे णं भंते ! जीवाओ कइकिरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए, सिय
चउकिरिए, सिय पंचकिरिए, सिय अकिरिए । जीवे णं भंते ! णेरइयाओ कइ-
किरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए, सिय चउकिरिए, सिय अकिरिए, एवं जाव
थणियकुमाराओ । पुटविकाइयाओ आउकाइयाओ तेउकाइयाओ वाउकाइयवणफइ-
काइयवेइंदियतेइंदियचउरिंदियपंचिंदियतिरिक्खजोणियमणुस्साओ जहा जीवाओ,
वाणमंतरजोइसियवेमाणियाओ जहा णेरइयाओ । जीवे णं भंते ! जीवेहितो कइ-
किरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए, सिय चउकिरिए, सिय पंचकिरिए, सिय
अकिरिए । जीवे णं भंते ! णेरइएहितो कइकिरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए,
सिय चउकिरिए, सिय अकिरिए, एवं जहेच पढमो दंडओ तहा एसो बिइओ
भाणियव्वो । जीवा णं भंते ! जीवाओ कइकिरिया ? गोयमा ! सिय तिकिरिया वि,
सिय चउकिरिया वि, सिय पंचकिरिया वि, सिय अकिरिया वि । जीवा णं भंते !

णेरइयाओ कइकिरिया ? गोयमा ! जहेव आइल्लदंडओ तहेव भाणियव्वा जाव
 वेमाणियत्ति । जीवा णं भंते ! जीवेहिंतो कइकिरिया ? गोयमा ! तिकिरिया वि,
 चउकिरिया वि, पंचकिरिया वि, अकिरिया वि । जीवा णं भंते ! णेरइएहिंतो
 कइकिरिया ? गोयमा ! तिकिरिया वि, चउकिरिया वि, अकिरिया वि । असुरकुमारे-
 हिंतो वि एवं चेव जाव वेमाणिएहिंतो, ओरालियसरीरेहिंतो जहा जीवेहिंतो । णेर-
 इए णं भंते ! जीवाओ कइकिरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए, सिय चउकिरिए,
 सिय पंचकिरिए । णेरइए णं भंते ! णेरइयाओ कइकिरिए ? गोयमा ! सिय तिक्-
 रिए, सिय चउकिरिए (एवं जाव वेमाणियाओ । णवरं ओरालिय सरीराओ जहा
 जीवाओ । णेरइए णं भंते ! जीवेहिंतो कइकिरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए
 सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए । णेरइए णं भंते ! णेरइएहिंतो कइकिरिए ?
 गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए । एवं जहेव पदमो दंडओ तथा एसो
 वि बिइओ भाणियव्वा ।) एवं जाव वेमाणिएहिंतो, णवरं णेरइवस्स णेरइएहिंतो देवे-
 हिंतो य पंचमा किरिया णत्थि । णेरइया णं भंते ! जीवाओ कइकिरिया ? गोयमा !
 सिय तिकिरिया, सिय चउकिरिया, सिय पंचकिरिया, एवं जाव वेमाणियाओ,
 णवरं णेरइयाओ देवाओ य पंचमा किरिया णत्थि । णेरइया णं भंते ! जीवे-
 हिंतो कइकिरिया ? गोयमा ! तिकिरिया वि, चउकिरिया वि, पंचकिरिया वि ।
 णेरइया णं भंते ! णेरइएहिंतो कइकिरिया ? गोयमा ! तिकिरिया वि चउकिरिया
 वि । एवं जाव वेमाणिएहिंतो, णवरं ओरालियसरीरेहिंतो जहा जीवेहिंतो । असुर-
 कुमारे णं भंते ! जीवाओ कइकिरिए ? गोयमा ! जहेव णेरइए चत्तारि दंडगा तहेव
 असुरकुमारे वि चत्तारि दंडगा भाणियव्वा, एवं च उवउज्जिउणं भावेयव्वं ति ।
 जीवे मणूसे य अकिरिए बुच्चइ, सेसा अकिरिया ण बुच्चंति । सव्वजीवा ओरालिय-
 सरीरेहिंतो पंचकिरिया । णेरइयदेवेहिंतो पंचकिरिया ण बुच्चंति । एवं एक्केजीव-
 पए चत्तारि चत्तारि दंडगा भाणियव्वा एवं एयं दंडगसयं सव्वे वि य जीवाइया
 दंडगा ॥५८७॥ कइ णं भंते ! किरियाओ पणत्ताओ ? गोयमा ! पंच किरियाओ
 पणत्ताओ । तंजहा-काइया जाव पाणाइवायकिरिया । णेरइयाणं भंते ! कइ किरि-
 याओ पणत्ताओ ? गोयमा ! पंच किरियाओ पणत्ताओ । तंजहा-काइया जाव
 पाणाइवायकिरिया, एवं जाव वेमाणियाणं । जस्स णं भंते ! जीवस्स काइया किरिया
 कज्जइ तस्स अहिगरणिया किरिया कज्जइ, जस्स अहिगरणिया किरिया कज्जइ तस्स

काइया किरिया कज्जइ ! गोयमा ! जस्स णं जीवस्स काइया विरिया कज्जइ तस्स अहिगरणिया किरिया णियमा कज्जइ, जस्स अहिगरणिया किरिया कज्जइ तस्स विं काइया किरिया णियमा कज्जइ । जस्स णं भंते ! जीवस्स काइया किरिया कज्जइ तस्स पाओसिया किरिया कज्जइ, जस्स पाओसिया किरिया कज्जइ तस्स काइया किरिया कज्जइ ? गोयमा ! एवं चेव । जस्स णं भंते ! जीवस्स काइया किरिया कज्जइ तस्स पारियावणिया किरिया कज्जइ, जस्स पारियावणिया किरिया कज्जइ तस्स काइया किरिया कज्जइ ? गोयमा ! जस्स णं जीवस्स काइया किरिया कज्जइ तस्स पारियावणिया० सिय कज्जइ, सिय णो कज्जइ, जस्स पुण पारियावणिया किरिया कज्जइ तस्स काइया० णियमा कज्जइ, एवं पाणाइवायकिरिया वि । एवं आइह्ठाओ परोपपरं णियमां तिण्णि कज्जति । जस्स आइह्ठाओ तिण्णि कज्जति तस्स उवरिह्ठाओ दोण्णि सिय कज्जति, सिय णो कज्जति, जस्स उवरिह्ठाओ दोण्णि कज्जति तस्स आइह्ठाओ णियमा तिण्णि कज्जति । जस्स णं भंते ! जीवस्स पारियावणिया किरिया कज्जइ तस्स पाणाइवायकिरिया कज्जइ, जस्स पाणाइवायकिरिया कज्जइ तस्स पारियावणिया किरिया कज्जइ ! गोयमा ! जस्स णं जीवस्स पारियावणिया किरिया कज्जइ तस्स पाणाइवायकिरिया सिय कज्जइ, सिय णो कज्जइ, जस्स पुण पाणाइवायकिरिया कज्जइ तस्स पारियावणिया किरिया णियमा कज्जइ । जस्स णं भंते ! णेरइयस्स काइया किरिया कज्जइ तस्स अहिगरणिया किरिया कज्जइ ! गोयमा ! जहेव जीवस्स तहेव णेरइयस्स वि, एवं णिरंतरं जाव वेमाणियस्स ॥५८८॥ जं समयं णं भंते ! जीवस्स काइया किरिया कज्जइ तं समयं अहिगरणिया किरिया कज्जइ, जं समयं अहिगरणिया० कज्जइ तं समयं काइया किरिया कज्जइ ? एवं जहेव आइह्ठाओ दंडओ तहेव भाणियव्वो जाव वेमाणियस्स । जं देसं णं भंते ! जीवस्स काइया किरिया तं देसं णं अहिगरणिया किरिया तहेव जाव वेमाणियस्स । जं पएसं णं भंते ! जीवस्स काइया किरिया तं पएसं णं अहिगरणिया किरिया एवं तहेव जाव वेमाणियस्स । एवं एए जस्स जं समयं जं देसं जं पएसं णं चत्तारि दंडगा होति ॥५८९॥ कइ णं भंते ! आओजियाओ किरियाओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! पंच आओजियाओ किरियाओ पण्णत्ताओ । तंजहा-काइया जाव पाणाइवायकिरिया, एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं । जस्स णं भंते ! जीवस्स काइया आओजिया किरिया अत्थि तस्स अहिगरणिया आओजिया किरिया अत्थि, जस्स अहिगरणिया आओजिया किरिया अत्थि तस्स काइया आओजिया किरिया अत्थि ! एवं एएणं

अमिलावेणं ते चेव चत्तारि दंडया भाणियत्वा, जस्स जं समयं जं देसं जं पएसं जाव वेमाणियाणं ॥५९०॥ जीवे णं भंते ! जं समयं काइयाए अहिगरणियाए पाओसियाए किरियाए पुट्ठे तं समयं पारियावणियाए पुट्ठे, पाणाइवायकिरियाए पुट्ठे ! गोयमा ! अत्थेगइए जीवे एगइयाओ जीवाओ जं समयं काइयाए अहिगरणियाए पाओसियाए किरियाए पुट्ठे तं समयं पारियावणियाए किरियाए पुट्ठे, पाणाइवायकिरियाए पुट्ठे १, अत्थेगइए जीवे एगइयाओ जीवाओ जं समयं काइयाए अहिगरणियाए पाओसियाए किरियाए पुट्ठे तं समयं पारियावणियाए किरियाए पुट्ठे, पाणाइवायकिरियाए अपुट्ठे २, अत्थेगइए जीवे एगइयाओ जीवाओ जं समयं काइयाए अहिगरणियाए पाओसियाए पुट्ठे तं समयं पारियावणियाए किरियाए अपुट्ठे, पाणाइवायकिरियाए अपुट्ठे ३ ॥५९१॥ कइ णं भंते ! किरियाओ पणत्ताओ ! गोयमा ! पंच किरियाओ पणत्ताओ । तंजहा—आरंभिया, परिग्गहिया, मायावत्तिया, अपच्चक्खाणकिरिया, मिच्छादंसणवत्तिया । आरंभिया णं भंते ! किरिया कस्स कज्जइ ! गोयमा ! अण्णयरस्स वि पमत्तसंजयस्स । परिग्गहिया णं भंते ! किरिया कस्स कज्जइ ! गोयमा ! अण्णयरस्स वि संजयासंजयस्स । मायावत्तिया णं भंते ! किरिया कस्स कज्जइ ! गोयमा ! अण्णयरस्स वि अरमत्तसंजयस्स । अपच्चक्खाणकिरिया णं भंते ! कस्स कज्जइ ! गोयमा ! अण्णयरस्स वि अपच्चक्खाणिस्स । मिच्छादंसणवत्तिया णं भंते ! किरिया कस्स कज्जइ ! गोयमा ! अण्णयरस्स वि मिच्छादंसणिस्स ॥५९२॥ णेरइयाणं भंते ! कइ किरियाओ पणत्ताओ ! गोयमा ! पंच किरियाओ पणत्ताओ । तंजहा—आरंभिया जाव मिच्छादंसणवत्तिया । एवं जाव वेमाणियाणं । जस्स णं भंते ! जीवस्स आरंभिया किरिया कज्जइ तस्स परिग्गहिया० कज्जइ, जस्स परिग्गहिया किरिया कज्जइ तस्स आरंभिया किरिया कज्जइ ! गोयमा ! जस्स णं जीवस्स आरंभिया किरिया कज्जइ तस्स परिग्गहिया० सिय कज्जइ, सिय णो कज्जइ, जस्स पुण परिग्गहिया किरिया कज्जइ तस्स आरंभिया किरिया णियमा कज्जइ । जस्स णं भंते ! जीवस्स आरंभिया किरिया कज्जइ तस्स मायावत्तिया किरिया कज्जइ पुच्छ । गोयमा ! जस्स णं जीवस्स आरंभिया किरिया कज्जइ तस्स मायावत्तिया किरिया णियमा कज्जइ, जस्स पुण मायावत्तिया किरिया कज्जइ तस्स आरंभिया किरिया सिय कज्जइ, सिय णो कज्जइ । जस्स णं भंते ! जीवस्स आरंभिया किरिया कज्जइ तस्स अपच्चक्खाणकिरिया० पुच्छ । गोयमा ! जस्स णं जीवस्स आरंभिया किरिया कज्जइ तस्स अपच्चक्खाणकिरिया सिय कज्जइ, सिय णो कज्जइ, जस्स पुण

अपच्चक्खाणकिरिया कज्जइ तस्स आरंभिया किरिया गियमा कज्जइ । एवं मिच्छा-
दंसणवत्तियाए वि समं । एवं परिग्गहिया वि तिहिं उवरिह्ठाहिं समं संचारेयव्वा ।
जस्स मायावत्तिया किरिया कज्जइ तस्स उवरिह्ठाओ दो वि सिय कज्जंति, सिय
णो कज्जंति, जस्स उवरिह्ठाओ दो कज्जंति तस्स मायावत्तिया० गियमा कज्जइ । जस्स
अपच्चक्खाणकिरिया कज्जइ तस्स मिच्छादंसणवत्तिया किरिया सिय कज्जइ, सिय
णो कज्जइ, जस्स पुण मिच्छादंसणवत्तिया किरिया० तस्स अपच्चक्खाणकिरिया
गियमा कज्जइ । णेरइयस्स आइहियाओ चत्तारि परोप्परं गियमा कज्जंति, जस्स
एयाओ चत्तारि कज्जंति तस्स मिच्छादंसणवत्तिया किरिया भइज्जइ, जस्स पुण
मिच्छादंसणवत्तिया किरिया कज्जइ तस्स एयाओ चत्तारि गियमा कज्जंति, एवं जाव
थणियकुमारस्स । पुदवीकाइयस्स जाव चउरिंदियस्स पंच वि परोप्परं गियमा
कज्जंति । पंचिंदियतिरिक्खज्जोणियस्स आइहियाओ तिणिण वि परोप्परं गियमा
कज्जंति, जस्स एयाओ कज्जंति तस्स उवरिह्ठिया दोणिण भइज्जंति, जस्स उवरिह्ठाओ
दोणिण कज्जंति तस्स एयाओ तिणिण वि गियमा कज्जंति । जस्स अपच्चक्खाण-
किरिया० तस्स मिच्छादंसणवत्तिया० सिय कज्जइ, सिय णो कज्जइ, जस्स पुण
मिच्छादंसणवत्तिया किरिया कज्जइ तस्स अपच्चक्खाणकिरिया गियमा कज्जइ,
मणूसस्स जहा जीवस्स, वाणमंतर-ओइसिय वेमाणियस्स जहा णेरइयस्स । जं सम-
यणं भंते ! जीवस्स आरंभिया किरिया कज्जइ तं समयं परिग्गहिया किरिया कज्जइ !
एवं एए जस्स जं समयं जं देसं जं पएसेणं य चत्तारि दंडया णेयव्वा, जहा णेरइ-
याणं तहा सव्वदेवाणं णेयव्वं जाव वेमाणियाणं ॥५९३॥ अत्थि णं भंते ! जीवाणं
पाणाइवायवेरमणं वज्जइ ? हंता ! अत्थि । वग्धि णं भंते ! जीवाणं पाणाइवाय-
वेरमणं कज्जइ ? गोयमा ! छसु जीवणिकाएसु । अत्थि णं भंते ! णेरइयाणं पाणाइ-
वायवेरमणं कज्जइ ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । एवं जाव वेमाणियाणं, णवरं
मणूसणं जहा जीवाणं । एवं सुसाधाएणं जाव मायामोसेणं जीवस्स य मणूसस्स य,
सेसाणं णो इणट्ठे समट्ठे । णवरं अदिण्णादाणे गहणधारणिजेसु दव्वेसु, मेहुणे रुवेसु
वा रुवसहगाएसु वा दव्वेसु, सेसाणं सव्वेसु दव्वेसु । अत्थि णं भंते ! जीवाणं
मिच्छादंसणसहवेरमणं कज्जइ ? हंता ! अत्थि । कग्धि णं भंते ! जीवाणं मिच्छा-
दंसणसहवेरमणं कज्जइ ? गोयमा ! सव्वदव्वेसु, एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं,
णवरं एग्गिंदियविगलेंदियाणं णो इणट्ठे समट्ठे ॥५९४॥ पाणाइवायविरहं णं भंते !

[illegible]

बंधगा य अबंधगा य ८, एवं एए अट्ट भंगा, सत्त्वे वि मिल्लिया सत्तावीसं भंगा भवन्ति । एवं मणूसाण वि एए चेव सत्तावीसं भंगा भाणियव्वा, एवं मुसावायविरयस्स जाव मायामोसविरयस्स जीवस्स य मणूसस्स य । मिच्छादंसणसहविरए णं भंते ! जीवे कइ कम्मपगडीओ बंधइ ! गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्टविहबंधए वा छव्विहबंधए वा एगविहबंधए वा अबंधए वा । मिच्छादंसणसहविरए णं भंते ! णेरइए कइ कम्मपगडीओ बंधइ ! गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्टविहबंधए वा जाव पच्चिदियतिरिक्खजोणिए । मणूसे जहा जीवे । वाणमंतरजोइसियवेमाणिए जहा णेरइए । मिच्छादंसणसहविरया णं भंते ! जीवा कइ कम्मपगडीओ बंधन्ति ! गोयमा ! ते चेव सत्तावीसं भंगा भाणियव्वा । मिच्छादंसणसहविरया णं भंते ! णेरइया कइ कम्मपगडीओ बंधन्ति ! गोयमा ! सत्त्वे वि ताव होज सत्तविहबंधगा, अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधए य, अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य एवं जाव वेमाणिया, णवरं मणूसाणं जहा जीवाणं ॥५९५॥ पाणाइवायविरयस्स णं भंते ! जीवस्स किं आरंभिया किरिया कज्जइ जाव मिच्छादंसणवत्तिया किरिया कज्जइ ! गोयमा ! पाणाइवायविरयस्स णं जीवस्स आरंभिया किरिया सिय कज्जइ, सिय णो कज्जइ । पाणाइवायविरयस्स णं भंते ! जीवस्स परिगहिया किरिया कज्जइ ! गोयमा ! णो इण्ठे समंठे । पाणाइवायविरयस्स णं भंते ! जीवस्स मायावत्तिया किरिया कज्जइ ! गोयमा ! सिय कज्जइ, सिय णो कज्जइ । पाणाइवायविरयस्स णं भंते ! जीवस्स अपच्चक्खाणवत्तिया किरिया कज्जइ ! गोयमा ! णो इण्ठे समंठे । मिच्छादंसणवत्तियाए पुच्छा । गोयमा ! णो इण्ठे समंठे । एवं पाणाइवायविरयस्स मणूसस्स वि, एवं जाव मायामोसविरयस्स जीवस्स मणूसस्स य । मिच्छादंसणसहविरयस्स णं भंते ! जीवस्स किं आरंभिया किरिया कज्जइ जाव मिच्छादंसणवत्तिया किरिया कज्जइ ! गोयमा ! मिच्छादंसणसहविरयस्स जीवस्स आरंभिया किरिया सिय कज्जइ, सिय णो कज्जइ, एवं जाव अपच्चक्खाणकिरिया । मिच्छादंसणवत्तिया किरिया णं कज्जइ । मिच्छादंसणसहविरयस्स णं भंते ! णेरइयस्स किं आरंभिया किरिया कज्जइ जाव मिच्छादंसणवत्तिया किरिया कज्जइ ! गोयमा ! आरंभिया किरिया कज्जइ जाव अपच्चक्खाणकिरिया वि कज्जइ, मिच्छादंसणवत्तिया किरिया णो कज्जइ । एवं जाव थणियकुमारस्स । मिच्छादंसणसहविरयस्स णं भंते ! पच्चिदियतिरिक्खजोणियस्स एवमेव पुच्छा । गोयमा ! आरंभिया किरिया कज्जइ जाव

मायावत्तिया किरिया कज्जइ, अपच्चक्खणकिरिया सिय कज्जइ, सिय णो कज्जइ, मिच्छा-
दंसणवत्तिया किरिया णो कज्जइ । मणूमस्स जहा जीवस्स । वाणमंतरजोइसियवेमा-
णियाणं जहा णेरइयस्स ॥५९६॥ एयासि णं भंते ! आरंभियाणं जाव मिच्छादंसण-
वत्तियाणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ! गोयमा ! सत्त्वस्थोवाओ मिच्छा-
दंसणवत्तियाओ किरियाओ, अपच्चक्खणकिरियाओ विसेसाहियाओ, परिग्गहियाओ०
विसेसाहियाओ, आरंभियाओ किरियाओ विसेसाहियाओ, मायावत्तियाओ० विसे-
साहियाओ ॥५९७॥ पण्णवणाए भगवईए बावीसइमं किरियापयं
समत्तं ॥

तेवीसइमं कम्मपगडिपयं-पढमो उद्देसओ

कइ पगडी कइ बंधइ कहि वि ठाणेहिं बंधए जीवो । कइ वेएइ य पयडी
अणुभावो कइविहो कस्स ॥ कइ णं भंते ! कम्मपगडीओ पण्णत्ताओ ! गोयमा !
अट्ठ कम्मपगडीओ पण्णत्ताओ । तंजहा-णाणावरणिजं १, दंसणावरणिजं २, वेय-
णिजं ३, मोहणिजं ४, आउयं ५, णामं ६, गोयं ७, अंतरादयं ८ । णेरइयाणं
भंते ! कइ कम्मपगडीओ पण्णत्ताओ ! गोयमा ! एवं चेव, एवं जाव वेमाणियाणं १
॥५९८॥ कहं णं भंते ! जीवे अट्ठ कम्मपगडीओ बंधइ ! गोयमा ! णाणावरणिजस्स
कम्मस्स उदएणं दरिस्सणावरणिजं कम्मं णियच्छइ, दंसणावरणिजस्स कम्मस्स उद-
एणं दंसणमोहणिजं कम्मं णियच्छइ, दंसणमोहणिजस्स कम्मस्स उदएणं मिच्छत्तं
णियच्छइ, मिच्छत्तेणं उदिएणं गोयमा ! एवं खलु जीवो अट्ठ कम्मपगडीओ बंधइ ।
कइ णं भंते ! णेरइए अट्ठ कम्मपगडीओ बंधइ ! गोयमा ! एवं चेव, एवं जाव
वेमाणिए । कहणं भंते ! जीवा अट्ठ कम्मपगडीओ बंधंति ! गोयमा ! एवं चेव,
एवं जाव वेमाणिया ॥५९९॥ जीवे णं भंते ! णाणावरणिजं कम्मं कइहिं ठाणेहिं
बंधइ ! गोयमा ! दोहिं ठाणेहिं, तंजहा-रागेण य दोसेण य । रागे दुविहे पण्णत्ते ।
तंजहा-माया य लोभे य । दोसे दुविहे पण्णत्ते । तंजहा-क्रोहे य माणे य, इच्चे-
एहिं चउहिं ठाणेहिं विरओवगाहिंएहिं एवं खलु जीवे णाणावरणिजं कम्मं बंधइ,
एवं णेरइए जाव वेमाणिए । जीवा णं भंते ! णाणावरणिजं कम्मं कइहिं ठाणेहिं
बंधंति ! गोयमा ! दोहिं ठाणेहिं एवं चेव, एवं णेरइया जाव वेमाणिया । एवं

दंसणावरणिज्जं जाव अंतराइयं, एवं एए एगत्तपोहत्तिया सोल्लस दंडगा ॥६००॥
जीवे णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं वेएइ ! गोयमा ! अत्थेगइए वेएइ, अत्थेगइए
णो वेएइ । णेरइए णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं वेएइ ! गोयमा ! णियमा वेएइ,
एवं जाव वेमाणिए, णवरं मणूसे जहा जीवे । जीवा णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं
वेदंति ? गोयमा ! एवं चेव, एवं जाव वेमाणिया । एवं जहा णाणावरणिज्जं तहा
दंसणावरणिज्जं मोहणिज्जं अंतराइयं च, वेयणिज्जाउणामगोथाइं एवं चेव, णवरं
मणूसे वि णियमा वेएइ, एवं एए एगत्तपोहत्तिया सोल्लस दंडगा ॥६०१॥ णाणा-
वरणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स पुट्ठस्स बद्धफासपुट्ठस्स संचियस्स
चियस्स उवचियस्स आवागपत्तस्स विवागपत्तस्स फलपत्तस्स उदयपत्तस्स जीवेणं
कडस्स जीवेणं णिज्जत्तियस्स जीवेणं परिणामियस्स सयं वा उदिण्णस्स परेण वा
उदीरियस्स तदुभएण वा उदीरिज्जमाणस्स गइं पप्प ठिइं पप्प भवं पप्प पोगल-
परिणामं पप्प कइविहे अणुभावे पण्णत्ते ? गोयमा ! णाणावरणिज्जस्स णं कम्मस्स
जीवेणं बद्धस्स जाव पोगलपरिणामं पप्प दसविहे अणुभावे पण्णत्ते । तंजहा—सोया-
वरणे, सोयविण्णाणावरणे, णेत्तावरणे, णत्तविण्णाणावरणे, धाणावरणे, धाणविण्णाणा-
वरणे, रसावरणे, रसविण्णाणावरणे, फासावरणे, फासविण्णाणावरणे, जं वेएइ पोगलं
वा पोगले वा पोगलवरिणामं वा वीससा वा पोगलणं परिणामं, तेसि वा उदएणं
आणियव्वं ण जाणइ, जाणिउकामे वि ण जाणइ, जाणित्ता वि ण जाणइ, उच्छण्ण-
णाणी यावि भवइ णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं, एस णं गोयमा ! णाणावरणिजे
कम्मे, एस णं गोयमा ! णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव पोगलपरि-
णामं पप्प दसविहे अणुभावे पण्णत्ते ॥६०२॥ दरिसणावरणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स
जीवेणं बद्धस्स जाव पोगलपरिणामं पप्प कइविहे अणुभावे पण्णत्ते ? गोयमा !
दरिसणावरणिज्जस्स णं कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव पोगलपरिणामं पप्प णवविहे
अणुभावे पण्णत्ते । तंजहा—णिहा, णिहाणिहा, पयला, पयलापयला, थीणद्धी, चक्खु-
दंसणावरणे, अचक्खुदंसणावरणे, ओहिंदंसणावरणे, केवलदंसणावरणे, जं वेएइ
पोगलं वा पोगले वा पोगलपरिणामं वा वीससा वा पोगलणं परिणामं तेसि वा
उदएणं पासियव्वं ण पासइ, पासिउकामे वि ण पासइ, पासित्ता वि ण पासइ,
उच्छण्णदंसणी यावि भवइ दरिसणावरणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं, एस णं गोयमा !
दरिसणावरणिजे कम्मे, एस णं गोयमा ! दरिसणावरणिज्जस्स कम्मस्स जीवेणं

बद्धस्स जाव पोम्मलपरिणामं पप्प णवविहे अणुभावे पण्णत्ते ॥ ६०३ ॥ सायावेय-
णिजस्स णं भंते ! कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव पोम्मलपरिणामं पप्प कइविहे अणु-
भावे पण्णत्ते ? गोयमा ! सायावेयणिजस्स णं कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव अट्ठविहे
अणुभावे पण्णत्ते । तंजहा—मणुण्णा सहा १, मणुण्णा रुवा २, मणुण्णा गंधा ३,
मणुण्णा रसा ४, मणुण्णा फासा ५, मणोसुहया ६, बयसुहया ७, कायसुहया ८,
जं वेएइ पोम्मलं वा पोम्मले वा पोम्मलपरिणामं वा वीससा वा पोम्मलानं परिणामं
तेसिं वा उदएणं सायावेयणिजं कम्मं वेएइ, एस णं गोयमा ! सायावेयणिजे कम्मे,
एस णं गोयमा ! सायावेयणिजस्स जाव अट्ठविहे अणुभावे पण्णत्ते । असायावेय-
णिजस्स णं भंते ! कम्मस्स जीवेणं तदेव पुच्छा उत्तरं च, णवरं अमणुण्णा सहा
जाव कायसुहया, एस णं गोयमा ! असायावेयणिजे कम्मे, एस णं गोयमा ! असाया-
वेयणिजस्स जाव अट्ठविहे अणुभावे पण्णत्ते ॥ ६०४ ॥ मोहणिजस्स णं भंते ! कम्मस्स
जीवेणं बद्धस्स जाव कइविहे अणुभावे पण्णत्ते ? गोयमा ! मोहणिजस्स णं कम्मस्स
जीवेणं बद्धस्स जाव पंचविहे अणुभावे पण्णत्ते । तंजहा—सम्मत्तवेयणिजे, मिच्छत्त-
वेयणिजे, सम्मामिच्छत्तवेयणिजे, कसायवेयणिजे, णोकसायवेयणिजे । जं वेएइ पोम्मलं
वा पोम्मले वा पोम्मलपरिणामं वा वीससा वा पोम्मलानं परिणामं तेसिं वा उदएणं मोह-
णिजं कम्मं वेएइ, एस णं गो० ! मोहणिजे कम्मे ! एस णं गो० ! मोहणिजस्स कम्मस्स
जाव पंचविहे अणुभावे पण्णत्ते ॥ ६०५ ॥ आउयस्स णं भंते ! कम्मस्स जीवेणं तदेव
पुच्छा । गो० ! आउयस्स णं कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव चउत्विहे अणुभावे पण्णत्ते ।
तंजहा—णेइयाउए, तिरियाउए, मणुयाउए, देवाउए, जं वेएइ पोम्मलं वा पोम्मले
वा पोम्मलपरिणामं वा वीससा वा पोम्मलानं परिणामं तेसिं वा उदएणं आउयं कम्मं
वेएइ, एस णं गोयमा ! आउए कम्मे, एस णं गोयमा ! आउयकम्मस्स जाव
चउत्विहे अणुभावे पण्णत्ते ॥ ६०६ ॥ सुहणामस्स णं भंते ! कम्मस्स जीवेणं पुच्छा ।
गोयमा ! सुहणामस्स णं कम्मस्स जीवेणं चउत्सविहे अणुभावे पण्णत्ते । तंजहा—
इट्ठा सहा १, इट्ठा रुवा २, इट्ठा गंधा ३, इट्ठा रसा ४, इट्ठा फासा ५, इट्ठा गई
६, इट्ठा ठिई ७, इट्ठे लावण्णे ८, इट्ठा नसोकित्ती ९, इट्ठे उट्ठाणकम्मबलवीरिय-
पुरिसक्कारपरकमे १०, इट्ठस्सरया ११, कंतस्सरया १२, पियस्सरया १३, मणुण्णस्स-
रया १४, जं वेएइ पोम्मलं वा पोम्मले वा पोम्मलपरिणामं वा वीससा वा पोम्मलानं
परिणामं तेसिं वा उदएणं सुहणामं कम्मं वेएइ, एस णं गोयमा ! सुहणामकम्मे,

एस णं गोयमा ! सुहणामस्स कम्मस्स जाव चउद्दसविहे अणुभावे पणत्ते । बुह-
णामस्स णं भंते ! पुच्छ । गोयमा ! एवं चेव, णवरं अणिद्धा सदा जाव हीणस्सरया,
दीणस्सरया, अकंतस्सरया, जं वेएइ सेसं तं चेव जाव चउद्दसविहे अणुभावे पणत्ते
॥६०७॥ उच्चागोयस्स णं भंते ! कम्मस्स जीवेणं पुच्छ । गोयमा ! उच्चागोयस्स
णं कम्मस्स जीवेणं वद्धस्स जाव अट्ठविहे अणुभावे पणत्ते । तंजहा—जाइविसिद्धया १,
कुलविसिद्धया २, बलविसिद्धया ३, रूवविसिद्धया ४, तवविसिद्धया ५, सुयविसि-
द्धया ६, लाभविसिद्धया ७, इस्सरियविसिद्धया ८, जं वेएइ पोग्गलं वा पोग्गले वा
पोग्गलपरिणामं वा वीससा वा पोग्गलणं परिणामं तेसिं वा उदएणं जाव अट्ठविहे
अणुभावे पणत्ते । णीयागोयस्स णं भंते ! पुच्छ । गोयमा ! एवं चेव, णवरं जाइ-
विहीणया जाव इस्सरियविहीणया, जं वेएइ पुगलं वा पोग्गले वा पोग्गलपरिणामं
वा वीससा वा पोग्गलणं परिणामं तेसिं वा उदएणं जाव अट्ठविहे अणुभावे पणत्ते
॥६०८॥ अंतराइयस्स णं भंते ! कम्मस्स जीवेणं पुच्छ । गोयमा ! अंतराइयस्स
णं कम्मस्स जीवेणं वद्धस्स जाव पंचविहे अणुभावे पणत्ते । तंजहा—दाणंतराए
लाभंतराए भोगंतराए उच्चभोगंतराए वीरियंतराए, जं वेएइ पोग्गलं वा जाव वीससा
वा पोग्गलणं परिणामं वा तेसिं वा उदएणं अंतराइयं कम्मं वेएइ, एस णं गोयमा !
अंतराइए कम्मे, एस णं गोयमा ! जाव पंचविहे अणुभावे पणत्ते ॥६०९॥

॥ पणवणाए भयवईए तेवीसहमस्स पयस्स पढमो उद्देसओ
समत्तो ॥

बीओ उद्देसओ

कइ णं भंते ! कम्मपगडीओ पणत्ताओ ? गोयमा ! अट्ठ कम्मपगडीओ
पणत्ताओ । तंजहा—णाणावरणिजं जाव अंतराइयं । णाणावरणिजे णं भंते ! कम्मे
कइविहे पणत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पणत्ते । तंजहा—आभिणिवोहियणाणावरणिजे
जाव केवलणाणावरणिजे ॥६१०॥ दंसणावरणिजे णं भंते ! कम्मे कइविहे पणत्ते ?
गोयमा ! दुविहे पणत्ते । तंजहा—णिदापंचए य दंसणचउक्कए य । णिदापंचए णं
भंते ! कइविहे पणत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पणत्ते । तंजहा—णिदा जाव थीणद्धी ।
दंसणचउक्कए णं पुच्छ । गोयमा ! चउज्विहे पणत्ते । तंजहा—चक्खुदंसणावरणिजे
जाव केवलदंसणावरणिजे ॥६११॥ वेयणिजे णं भंते ! कम्मे कइविहे पणत्ते ?

गोयमा ! दुविहे पणन्ते । तंजहा—सायावेयणिजे य असायावेयणिजे य । साया-
 वेयणिजे णं भंते ! कम्मे पुच्छा । गोयमा ! अट्टविहे पणन्ते । तंजहा—मणुण्णा
 सहा जाव कायसुहया । असायावेयणिजे णं भंते ! कम्मे कइविहे पणन्ते ? गोयमा !
 अट्टविहे पणन्ते । तंजहा—अमणुण्णा सहा जाव कायदुहया ॥६१२॥ मोहणिजे णं
 भंते ! कम्मे कइविहे पणन्ते ? गोयमा ! दुविहे पणन्ते । तंजहा—दंसणमोहणिजे
 य चरित्तमोहणिजे य । दंसणमोहणिजे णं भंते ! कम्मे कइविहे पणन्ते ? गोयमा !
 तिविहे पणन्ते । तंजहा—सम्मत्तवेयणिजे, मिच्छत्तवेयणिजे, सम्मामिच्छत्तवेयणिजे ।
 चरित्तमोहणिजे णं भंते ! कम्मे कइविहे पणन्ते ? गोयमा ! दुविहे पणन्ते । तंजहा—
 कसायवेयणिजे य, णोकसायवेयणिजे य । कसायवेयणिजे णं भंते ! कम्मे कइविहे
 पणन्ते ? गोयमा ! सोलसविहे पणन्ते । तंजहा—अणंताणुबंधी कोहे, अणंताणुबंधी
 माणे, अणंताणुबंधी माया, अणंताणुबंधी लोभे, अपच्चक्खाणे कोहे, एवं माणे, माया,
 लोभे, पच्चक्खाणावरणे कोहे, एवं माणे, माया, लोभे, संजलणकोहे, एवं माणे,
 माया, लोभे । णोकसायवेयणिजे णं भंते ! कम्मे कइविहे पणन्ते ? गोयमा ! णव-
 विहे पणन्ते । तंजहा—इत्थीवेयवेयणिजे, पुरिसवेयवेयणिजे, णपुंसगवेयवेयणिजे,
 हासे, रई, अरई, भए, सोभे, दुगुंछा ॥६१३॥ आउए णं भंते ! कम्मे कइविहे
 पणन्ते ? गोयमा ! चउन्विहे पणन्ते । तंजहा—णेरइयाउए जाव देवाउए ॥६१४॥
 णामे णं भंते ! कम्मे कइविहे पणन्ते ? गोयमा ! बायालीसइविहे पणन्ते । तंजहा—
 गइणामे १, जाइणामे २, सरीरणामे ३, सरीरोवंगणामे ४, सरीरवंघणामे ५,
 सरीरसंधायणामे ६, संघयणामे ७, संठाणणामे ८, वण्णणामे ९, गंधणामे १०,
 रसणामे ११, फासणामे १२, अगुल्लहुयणामे १३, उवघायणामे १४, पराघायणामे
 १५, आणुपुब्बिणामे १६, उस्सासणामे १७, आयवणामे १८, उज्जोयणामे १९,
 विहायगइणामे २०, तसणामे २१, धावरणामे २२, सुहुमणामे २३, बायरणामे २४,
 पज्जत्तणामे २५, अपज्जत्तणामे २६, साहारणसरीरणामे २७, पत्तेयसरीरणामे २८,
 धिरणामे २९, अधिरणामे ३०, सुभणामे ३१, असुभणामे ३२, सुभगणामे ३३,
 दुभगणामे ३४, सूसरणामे ३५, दूसरणामे ३६, आदेज्जणामे ३७, अणादेज्जणामे
 ३८, जसोकित्तिणामे ३९, अजसोकित्तिणामे ४०, णिम्माणणामे ४१, तिरिथगर-
 णामे ४२ । गइणामे णं भंते ! कम्मे कइविहे पणन्ते ? गोयमा ! ज्वउन्विहे
 पणन्ते । तंजहा—णिरयगइणामे, तिरियगइणामे, मणुयगइणामे, देवगइणामे । ज्ञाह-

णामे णं भंते ! कम्मे पुच्छा । गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते । तंजहा—एगिंदियजाइ-
णामे जाव पंचिंदियजाइणामे । सरीरणामे णं भंते ! कम्मे कइविहे पण्णत्ते !
गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते । तंजहा—ओरालियसरीरणामे जाव कम्मगसरीरणामे ।
सरीरोवंगणामे णं भंते !० कइविहे पण्णत्ते ! गोयमा ! तिविहे पण्णत्ते । तंजहा—
ओरालियसरीरोवंगणामे, वेउळ्वियसरीरोवंगणामे, आहारगसरीरोवंगणामे । सरीर-
बंधणणामे णं भंते !० कइविहे पण्णत्ते ! गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते । तंजहा—
ओरालियसरीरबंधणणामे जाव कम्मगसरीरबंधणणामे । सरीरसंधायणामे णं
भंते !० कइविहे पण्णत्ते ! गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते । तंजहा—ओरालिय-
सरीरसंधायणामे जाव कम्मगसरीरसंधायणामे । संधयणणामे णं भंते !०
कइविहे पण्णत्ते ! गोयमा ! छविहे पण्णत्ते । तंजहा—वइरोसभणारायसंधयणणामे,
उसइणारायसंधयणणामे, नारायसंधयणणामे, अद्धणारायसंधयणणामे, कीलियासंधयण-
णामे, छेवट्टसंधयणणामे । संठाणणामे णं भंते !० कइविहे पण्णत्ते ! गोयमा !
छविहे पण्णत्ते । तंजहा—समच्चउरंससंठाणणामे, णिग्गोइपरिमंडळसंठाणणामे, साइ-
संठाणणामे, वामणसंठाणणामे, खुजसंठाणणामे, हुंडसंठाणणामे । वण्णणामे णं भंते !
कम्मे कइविहे पण्णत्ते ! गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते । तंजहा—कालवण्णणामे जाव
सुकिल्लवण्णणामे । गंधणामे णं भंते ! कम्मे पुच्छा । गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते ।
तंजहा—सुरभिगंधणामे, दुरभिगंधणामे । रसणामे णं पुच्छा । गोयमा ! पंचविहे
पण्णत्ते । तंजहा—तित्तरसणामे जाव महुररसणामे । फासणामे णं पुच्छा । गोयमा !
अट्टविहे पण्णत्ते । तंजहा—कक्खडफासणामे जाव लुक्खफासणामे । अगुरुलहुयणामे
एगागारे पण्णत्ते । उवघायणामे एगागारे पण्णत्ते । पराघायणामे एगागारे पण्णत्ते ।
आणपुळ्ळीणामे चउळ्विहे पण्णत्ते । तंजहा—णेरइयआणपुळ्ळीणामे जाव देवाणपुळ्ळी-
णामे । उस्सासणामे एगागारे पण्णत्ते, सेसाणि सव्वाणि एगागाराइं पण्णत्ताइं जाव
तिथ्यगरणामे । णवरं विहायगइणामे दुविहे पण्णत्ते । तंजहा—पसत्थविहायगइणामे य,
अपसत्थविहायगइणामे य ॥६१५॥ गोए णं भंते ! कम्मे कइविहे पण्णत्ते ! गोयमा !
दुविहे पण्णत्ते । तंजहा—उच्चागोए य णीयागोए य । उच्चागोए णं भंते !० कइविहे
पण्णत्ते ! गोयमा ! अट्टविहे पण्णत्ते । तंजहा—जाइविसिद्धया जाव इस्सरियविसिद्धया,
एव णीयागोए वि, णवरं जाइविहीणया जाव इस्सरियविहीणया ॥६१६॥ अंतरा-
इए णं भंते ! कम्मे कइविहे पण्णत्ते ! गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते । तंजहा—दाणंत-

राइए जाव वीरियंतराइए ॥६१७॥ णाणावरणिजस्स णं भंते ! कम्मस्स केवइयं कालं ठिई पणत्ता ! गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तीसं सागरोवम-
 कोडाकोडीओ, तिण्णि य वाससइस्साइं अवाहा, अवाहूणि या कम्मठिई कम्मणिसेगो
 ॥६१८॥ णिहापंचगस्स णं भंते ! कम्मस्स केवइयं कालं ठिई पणत्ता ! गोयमा !
 जहण्णेणं सागरोवमस्स तिण्णि सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेजइभागेणं ऊणया,
 उक्कोसेणं तीसं सागरोवमकोडाकोडीओ, तिण्णि य वाससइस्साइं अवाहा, अवाहू-
 णिया कम्मठिई कम्मणिसेगो । दसणचउक्कस्स णं भंते ! कम्मस्स केवइयं कालं
 ठिई पणत्ता ! गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तीसं सागरोवमकोडा-
 कोडीओ, तिण्णि य वाससइस्साइं अवाहा० ॥६१९॥ सायावेयणिजस्स इरियावहियं
 बंधणं पडुच्च अजहण्णमणुक्कोसेणं दो समयां, संपराइयबंधणं पडुच्च जहण्णेणं बारस
 मुहुत्ता, उक्कोसेणं पण्णरस सागरोवमकोडाकोडीओ, पण्णरसवाससयाइं अवाहा० ।
 असायावेयणिजस्स जहण्णेणं सागरोवमस्स तिण्णि सत्तभागा पलिओवमस्स असंखे-
 जइभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं तीसं सागरोवमकोडाकोडीओ, तिण्णि य वाससइस्साइं
 अवाहा० ॥६२०॥ सम्मत्तवेयणिजस्स पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्को-
 सेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं साइरेगाइं । मिच्छत्तवेयणिजस्स जहण्णेणं सागरोवमं
 पलिओवमस्स असंखेजइभागेणं ऊणयं, उक्कोसेणं सत्तरिं कोडाकोडीओ, सत्त य
 वाससइस्साइं अवाहा, अवाहूणि या० । सम्मामिच्छत्तवेयणिजस्स जहण्णेणं अंतो-
 मुहुत्तं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं । कसायंवारसगस्स जहण्णेणं सागरोवमस्स चत्तारि
 सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेजइभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं चत्तालीसं सागरोवम-
 कोडाकोडीओ, चत्तालीसं वाससयाइं अवाहा जाव णिसेगो । कोहसंजलणं पुच्छा ।
 गोयमा ! जहण्णेणं दो मासा, उक्कोसेणं चत्तालीसं सागरोवमकोडाकोडीओ, चत्ता-
 लीसं वाससयाइं अवाहा जाव णिसेगो । माणमंजलणाए पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं
 मासं, उक्कोसेणं जहा कोहस्स । मायासंजलणाए पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अट्ठ
 मासं, उक्कोसेणं जहा कोहस्स । लोहसंजलणाए पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतो-
 मुहुत्तं, उक्कोसेणं जहा कोहस्स । इत्थिवेयस्स णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरो-
 वमस्स दिवडुं सत्तभागं पलिओवमस्स असंखेजइभागेणं ऊणयं, उक्कोसेणं पण्णरस
 सागरोवमकोडाकोडीओ, पण्णरसवाससयाइं अवाहा० । पुरिसवेयस्स णं पुच्छा ।
 गोयमा ! जहण्णेणं अट्ठ संवच्छराइं, उक्कोसेणं दस सागरोवमकोडाकोडीओ, दस

वाससयाइं अवाहा जाव णिसेगो । णपुंसगवेयस्स णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं
सागरोवमस्स दोण्णि सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं
वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ, वीसइं वाससयाइं अवाहा० हासरइंणं पुच्छा !
गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स एकं सत्तभागं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं
ऊणं उक्कोसेणं दस सागरोवमकोडाकोडीओ, दस वाससयाइं अवाहा० अरइभय-
सांगदुगुंछाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स दोण्णि सत्तभागा पलिओ-
वमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ, वीसं
वाससयाइं अवाहा०॥६२१॥ णेरइयाउयस्स णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं दस
वाससइस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीतिभागा-
मब्भहियाइं । तिरिस्वजोणियाउयस्स पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्को-
सेणं तिण्णि पलिओवमाइं पुव्वकोडितिभागमब्भहियाइं, एवं मणूसाउयस्स वि ।
देवाउयस्स जहा णेरइयाउयस्स ठिइत्ति ॥ ६२२ ॥ णिरयगइणामए णं पुच्छा ।
गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमसइस्सस्स दो सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइ-
भागेणं ऊणया, उक्कोसेणं वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ, वीसं वाससयाइं अवाहा० ।
तिरियगइणामए जहा णपुंसगवेयस्स । मणुयगइणामए पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं
सागरोवमस्स दिवइं सत्तभागं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणयं, उक्कोसेणं
पण्णरस सागरोवमकोडाकोडीओ, पण्णरसवाससयाइं अवाहा० । देवगइणामए णं
पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमसइस्सस्स एगं सत्तभागं पलिओवमस्स असंखे-
ज्जइभागेणं ऊणयं, उक्कोसेणं जहा पुरिसवेयस्स । एगिदियजाइणामए णं पुच्छा ।
गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स दोण्णि सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं
ऊणया, उक्कोसेणं वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ, वीसइवाससयाइं अवाहा० । बेइं-
दियजाइणामए णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स णव पण्णीसइभागा
पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं अट्टारस सागरोवमकोडाकोडीओ,
अट्टारस य वाससयाइं अवाहा० । तेइंदियजाइणामए णं जहण्णेणं एवं चैव, उक्कोसेणं
अट्टारस सागरोवमकोडाकोडीओ, अट्टारस वाससयाइं अवाहा० । चउरिंदियजाइ-
णामए णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स णव पण्णीसइभागा पलिओवमस्स
असंखेज्जइभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं अट्टारस सागरोवमकोडाकोडीओ, अट्टारस वास-
सयाइं अवाहा० । पंचिंदियजाइणामए णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स
दोण्णि सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं वीसं सागरो-

वमकोडाकोडीओ, वीस य वाससयाइं अवाहा० । ओरालियसरीरणामाए वि एवं चेव । वेउवियसरीरणामाए णं भंते । पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमसहस्मस्स दो सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेज्जभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ, वीसइ वाससयाइं अवाहा० । आहारगसरीरणामाए जहण्णेणं अंतोसागरोवमकोडाकोडीओ, उक्कोसेणं अंतोसागरोवमकोडाकोडीओ । तेयाकम्मसरीरणामाए जहण्णेणं दोण्णि सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेज्जभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ, वीस य वाससयाइं अवाहा० । ओरालियवेउवियआहारगसरीरोवंगणामाए तिण्णि वि एवं चेव, सरीरबंधणामाए वि पंचण्ह वि एवं चेव, सरीरसंपायणामाए पंचण्ह वि जंहा सरीरणामाए कम्मस्स ठिहत्ति, वइरोरभणारायसंधयणामाए जहा रइणामाए । उसभणारायसंधयणामाए पुच्छा । गोयमा ! ज० सागरोवमस्स छ पणतीसइभागा पलिओवमस्स असंखेज्जभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं बारस सागरोवमकोडाकोडीओ, बारस वाससयाइं अवाहा० । णारायसंधयणामस्स जहण्णेणं सागरोवमस्स सत्त पणतीसइभागा पलिओवमस्स असंखेज्जभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं चोदस सागरोवमकोडाकोडीओ चउदस वाससयाइं अवाहा । अद्दणारायसंधयणामस्स जहण्णेणं सागरोवमस्स अट्ठ पणतीसइभागा पलिओवमस्स असंखेज्जभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं सोलस सागरोवमकोडाकोडीओ, सोउस वाससयाइं अवाहा० । खीलियासंधयणे णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स णवपणतीसइभागा पलिओवमस्स असंखेज्जभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं अट्ठारम सागरोवमकोडाकोडीओ, अट्ठारस वाससयाइं अवाहा० । छेवट्ठसंधयणामस्स पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स दोण्णि सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेज्जभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ, वीस य वाससयाइं अवाहा०, एवं जहा संधयणामाए छब्भिया एवं संठाणा वि छब्भणियव्वा । मुक्खिणवणणामाए पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स एयं सत्तभागं पलिओवमस्स असंखेज्जभागेणं ऊणयं, उक्कोसेणं दस सागरोवमकोडाकोडीओ, दस वाससयाइं अवाहा० । हालिदवणणामाए णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स पंच अट्ठावीसइभागा पलिओवमस्स असंखेज्जभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं अट्ठतेरससागरोवमकोडाकोडी, अट्ठतेरस वाससयाइं अवाहा० । लोहियवणणामाए णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स छ अट्ठावीसइभागा पलिओ-

वमस्स असंखेज्जइभागेहिं ऊणया, उक्कोसेणं पण्णरस सागरोवमकोडाकोडीओ, पण्ण-
रस वाससयाइं अवाहा० नीलवण्णणामाए पुच्छ। गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स
सत्तं अट्ठावीसइभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं अट्ठहारस
सागरोवमकोडाकोडीओ, अट्ठहारस वाससयाइं अवाहा० कालवण्णणामाए जहा
छेवट्ठसंघयणणामस्स । सुन्निगंधणामाए पुच्छ। गोयमा ! जह सुक्खिलवण्णणामस्स,
दुन्निगंधणामाए जहा छेवट्ठसंघयणस्स, रसाणं महुराईणं जहा बाणोणं पणियं तद्देव
परिवाडीए भाणियव्वं, फासा जे अपसत्था तेसिं जहा छेवट्ठस्स, जे पसत्था तेसिं
जहा सुक्खिलवण्णणामस्स, अगुरुलहुणामाए जहा छेवट्ठस्स, एवं उदधायणामाए वि,
पराधायणामाए वि एवं चेव । गिरयाणुपुव्वीणामाए पुच्छ। गोयमा ! जहण्णेणं
सागरोवमसहस्सस्स दो सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं
वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ, वीसं वाससयाइं अवाहा० । तिरियाणुपुव्वीए पुच्छ।
गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स दो सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं
ऊणया, उक्कोसेणं वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ, वीसइ वाससयाइं अवाहा० मणु-
याणुपुव्वीणामाए णं पुच्छ। गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स दिक्खं सत्तभागं
पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणयं, उक्कोसेणं पण्णरस सागरोवमकोडाकोडीओ,
पण्णरस वाससयाइं अवाहा० । देवाणुपुव्वीणामाए पुच्छ। गोयमा ! जहण्णेणं
सागरोवमसहस्सस्स एणं सत्तभागं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणयं, उक्कोसेणं
दस सागरोवमकोडाकोडीओ, दस य वाससयाइं अवाहा० । उमासणामाए पुच्छ।
गोयमा ! जहा तिरियाणुपुव्वीए, आश्ववणामाए वि एवं चेव । उज्जयणामाए वि
पसत्थविहायोगइणामाए वि पुच्छ। गोयमा ! जहण्णेणं एणं सागरोवमस्स सत्तभागं,
उक्कोसेणं दस सागरोवमकोडाकोडीओ, दस वाससयाइं अवाहा० । अपसत्थविहा-
योगइणामस्स पुच्छ। गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स दोण्णि सत्तभागा पलिओ-
वमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ, वीस य
वाससयाइं अवाहा० । तसणामाए थावरणामाए य एवं चेव । सुहुमणामाए पुच्छ।
गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स णव पण्णीसइभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं
ऊणया, उक्कोसेणं अट्ठारस सागरोवमकोडाकोडीओ, अट्ठारस य वाससयाइं अवाहा० ।
बायरणामाए जहा अपसत्थविहायोगइणामस्स । एवं पज्जत्तणामाए वि, अपज्जत्त-
णामाए जहा सुहुमणामस्स । पत्तेयसरीरणामाए वि दो सत्तभागा, साहारणसरीर-

णामाए जहा सुहुमस्स, थिरणामाए एगं सत्तभागं, अधिरणामाए दो, सुभणामाए एगो, अनुभणामाए दो, सुभणामाए एगो, दूभणामाए दो, सूसरणामाए एगो, दूसरणामाए दो, आइज्जणामाए एगो, अणाइज्जणामाए दो, असोकित्तिणामाए जहण्णेणं अट्ठ मुहुत्ता, उक्कोसेणं दस सागरोवमकोडाकोडीओ, दस वाससयाइं अवाहा । अजसोकित्तिणामाए पुच्छा । गोयमा ! जहा अपसत्थविहायोगइणामस्स, एवं निम्माणामाए वि । तित्थगरणामाए णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतो-सागरोवमकोडाकोडीओ, उक्कोसेण वि अंतोसागरोवमकोडाकोडीओ । एवं जत्थ एगो सत्तभागो तत्थ उक्कोसेणं दस सागरोवमकोडाकोडीओ, दस वाससयाइं अवाहा, जत्थ दो सत्तभागा तत्थ उक्कोसेणं वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ वीस य वाससयाइं अवाहा ॥६२३॥ उच्चगोयस्स णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अट्ठ मुहुत्ता, उक्को-सेणं दस सागरोवमकोडाकोडीओ, दस य वाससयाइं अवाहा । णीयागोयस्स पुच्छा । गोयमा ! जहा अपसत्थविहायोगइणामस्स ॥६२४॥ अंतराइए णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुट्ठं, उक्कोसेणं तीसं सागरोवमकोडाकोडीओ, तिण्णि य वाससहस्साइं अवाहा, अवाहूणिया कम्मट्ठिइं कम्मणिसेगो ॥६२५॥ एगिंदिया णं भंते ! जीवा णाणावरणिजस्स कम्मस्स किं बंधंति ? गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स तिण्णि सत्त-भागा पलिओवमस्स असंखेज्जभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं ते चेव पडिपुण्णे बंधंति । एवं णिहापंचगस्स वि, दंसणचउक्कस्स वि । एगिंदिया णं भंते ! सायावेयणिजस्स कम्मस्स किं बंधंति ? गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स दिवहुं सत्तभागं पलिओ-वमस्स असंखेज्जभागेणं ऊणयं, उक्कोसेणं तं चेव पडिपुण्णं बंधंति । असायावेय-णिजस्स जहा णाणावरणिजस्स । एगिंदिया णं भंते ! जीवा सम्मत्तवेयणिजस्स किं बंधंति ? गोयमा ! णत्थि किंचि बंधंति । एगिंदिया णं भंते ! जीवा मिच्छत्तवेय-णिजस्स कम्मस्स किं बंधंति ? गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमं पलिओवमस्स असंखे-ज्जभागेणं ऊणयं, उक्कोसेणं तं चेव पडिपुण्णं बंधंति । एगिंदिया णं भंते ! जीवा सम्मामिच्छत्तवेयणिजस्स० किं बंधंति ? गोयमा ! णत्थि किंचि बंधंति । एगिंदिया णं भंते ! जीवा कसायवारसगस्स किं बंधंति ? गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स चत्तारि सत्तभागे पलिओवमस्स असंखेज्जभागेणं ऊणय, उक्कोसेणं ते चेव पडि-पुण्णे बंधंति, एवं जाव कोहसंजलणाए वि जाव लोभसंजलणाए वि । इत्थिवेयस्स जहा सायावेयणिजस्स । एगिंदिया पुरिसवेयस्स कम्मस्स जहण्णेणं सागरोवमस्स

एगं सत्तभागे पल्लिओवमस्स असंखेज्जभागेणं ऊणयं, उक्कोसेणं तं चेव पडिपुण्णं
 बंधंति । एगिंदिया णपुंसगवेयस्स कम्मस्स जहण्णेणं सागरोवमस्स दो सत्तभागे
 पल्लिओवमस्स असंखेज्जभागेणं ऊणए, उक्कोसेणं ते चेव पडिपुण्णे बंधंति । हास-
 रईए जहा पुरिसवेयस्स, अरइभयसोगदुगुंछाए जहा णपुंसगवेयस्स । णेरइयाउय-
 देवाउयणिरयगइणाम-धेवगइणामवेउव्वियसरीरणाम-आहारगसरीरणाम-णेरइयाणु-
 पुव्विणामदेवाणुपुव्विणामतित्थगरणाम-एयाणि णव पयाणि ण बंधंति । तिरिक्ख-
 जोणियाउयस्स जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी सत्तहिं वाससहस्सेहिं वास-
 सहस्सइभागेण य अहियं बंधंति । एवं मणुस्माउयस्स वि । तिरियगइणामाए जहा
 णपुंसगवेयस्स । मणुयगइणामाए जहा सायावेयणिजस्स । एगिंदियजाइणामाए पंचि-
 दियजाइणामाए य जहा णपुंसगवेयस्स । वेइंदियत्तेइंदियजाइणामाए पुच्छा १०
 जहण्णेणं सागरोवमस्स णव पण्णीसइभागे पल्लिओवमस्स असंखेज्जभागेणं ऊणए,
 उक्कोसेणं ते चेव पडिपुण्णे बंधंति । चउरिंदियणामाए वि जहण्णेणं सागरोवमस्स
 णव पण्णीसइभागे पल्लिओवमस्स असंखेज्जभागेणं ऊणए, उक्कोसेणं ते चेव पडि-
 पुण्णे बंधंति । एवं जत्थ जहण्णगं दो सत्तभागा तिण्णि वा चत्तारि वा सत्तभागा
 अट्ठावीसइभागा भवन्ति, तत्थ णं जहण्णेणं ते चेव पल्लिओवमस्स असंखेज्जभागेणं
 ऊणगा भाणियव्वा, उक्कोसेणं ते चेव पडिपुण्णं बंधंति । जत्थ णं जहण्णेणं एगो वा
 दिवद्धो वा सत्तभागे तत्थ जहण्णेणं तं चेव भाणियव्वं उक्कोसेणं तं चेव पडिपुण्णं
 बंधंति । जसोकिस्तिउच्चांगोयाणं जहण्णेणं सागरोवमस्स एगं सत्तभागं पल्लिओवमस्स
 असंखेज्जभागेणं ऊणयं, उक्कोसेणं तं चेव पडिपुण्णं बंधंति । अंतराइयस्स णं भंते !
 पुच्छा । गोयमा ! जहा णाणावरणिजस्स जाव उक्कोसेणं ते चेव पडिपुण्णे बंधंति
 ॥६२६॥ वेइंदिया णं भंते ! जीवा णाणावरणिजस्स कम्मस्स किं बंधंति ? गोयमा !
 जहण्णेणं सागरोवमपण्णीसाए तिण्णि सत्तभागा पल्लिओवमस्स असंखेज्जभागेणं
 ऊणया, उक्कोसेणं ते चेव पडिपुण्णे बंधंति, एवं णिइापंचगस्स वि । एवं जहा एगिंदियाणं
 भणियं तहा वेइंदियाणं वि भाणियव्वं, णवरं सागरोवमपण्णीसाए सह भाणियव्वा
 पल्लिओवमस्स असंखेज्जभागेणं ऊणा, सेसं तं चेव पडिपुण्णं बंधंति । जत्थ एगिं-
 दिया णं बंधंति तत्थ एए वि णं बंधंति । वेइंदिया णं भंते ! जीवा मिच्छत्तवेय-
 णिजस्स० किं बंधंति ? गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमपण्णीसं पल्लिओवमस्स असंखे-
 ज्जभागेणं ऊणयं, उक्कोसेणं तं चेव पडिपुण्णं बंधंति । तिरिक्खजोणियाउयस्स

जहण्णेण अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेण पुव्वकोटिं चउहिं वासेहिं अहियं वंधंति । एवं मणुयाउयस्स वि, सेसं जहा एमिंदियाणं जाव अंतराइयस्स ॥६२७॥ तेइंदियाणं भंते ! जीवा णाणावरणिजस्स० किं वंधंति ? गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमपण्णासाए तिण्णि सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेजइभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं ते चेव पडिपुण्णे वंधंति, एवं जस्स जइ भागा ते तस्स सागरोवमपण्णासाए सह भाणियव्वा । तेइंदियाणं भंते !० मिच्छत्तवेयणिजस्स कम्मस्स किं वंधंति ? गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमपण्णासं पलिओवमस्सासंखेजइभागेणं ऊणयं, उक्कोसेणं तं चेव पडिपुण्णं वंधंति । तिरिक्खजोणियाउयस्स जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोटिं सोलसेहिं राइंदियाहिं राइंदियतिभागेण य अहियं वंधंति, एवं मणुस्साउयस्स वि, सेसं जहा बेइंदियाणं जाव अंतराइयस्स ॥६२८॥ चउरिंदियाणं भंते ! जीवा णाणावरणिजस्स० किं वंधंति ? गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमसयस्स तिण्णि सत्तभागे पलिओवमस्स असंखेजइभागेणं ऊणए, उक्कोसेणं ते चेव पडिपुण्णं वंधंति, एवं जस्स जइ भागा तस्स सागरोवमसएण सह भाणियव्वा । तिरिक्खजोणियाउयस्स कम्मस्स जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोटिं दोहिं मासेहिं अहियं । एवं मणुस्साउयस्स वि, सेसं जहा बेइंदियाणं, णवरं मिच्छत्तवेयणिजस्स जहण्णेणं सागरोवमसयं पलिओवमस्स असंखेजइभागेणं ऊणयं, उक्कोसेणं तं चेव पडिपुण्णं वंधंति, सेसं जहा बेइंदियाणं जाव अंतराइयस्स ॥६२९॥ असण्णीणं भंते ! जीवा पंचिंदिया णाणावरणिजस्स कम्मस्स किं वंधंति ? गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमसहस्सस्स तिण्णि सत्तभागे पलिओवमस्सासंखेजइभागेणं ऊणए, उक्कोसेणं ते चेव पडिपुण्णे वंधंति, एवं सो चेव गमो जहा बेइंदियाणं णवरं सागरोवमसहस्सेणं समं भाणियव्वं जस्स जइ भागस्ति । मिच्छत्तवेयणिजस्स जहण्णेणं सागरोवमसहस्सं पलिओवमस्सासंखेजइभागेणं ऊणयं, उक्कोसेणं तं चेव पडिपुण्णं । णेरइयाउयस्स जहण्णेणं दस वामसहस्साइं अंतोमुहुत्तमन्महियाइं, उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेजइभागां पुव्वकोटिं तिभागमहियं वंधंति । एवं तिरिक्खजोणियाउयस्स वि, णवरं जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, एवं मणुयाउयस्स वि, देवाउयस्स जहा णेरइयाउयस्स । असण्णीणं भंते ! जीवा पंचिंदिया णिरयगइणामाए कम्मस्स किं वंधंति ? गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमसहस्सस्स दो सत्तभागे पलिओवमस्स असंखेजइभागेणं ऊणए, उक्कोसेणं ते चेव पडिपुण्णे०, एवं तिरियगइणामाए वि । मणुयगइणामाए वि एवं चेव, णदरं जहण्णेणं

सागरोवमसहस्सस्स दिवङ्गं सत्तभागं पलिओवमस्सासंखेज्जभागोणं ऊणयं, उक्कोसेणं तं चेव पडिपुण्णं बंधंति । एवं वेवगइणामाए वि, णवरं जहण्णेणं सागरोवमसहस्सस्स एणं सत्तभागं पलिओवमस्सासंखेज्जभागोणं ऊणयं, उक्कोसेणं तं चेव पडिपुण्णं बंधंति । वेउव्वियसरीरणामाए पुच्छ । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमसहस्सस्स दो सत्तभागो पलिओवमस्सासंखेज्जभागोणं ऊणए, उक्कोसेणं दो पडिपुण्णं बंधंति । सम्मत्त-
सम्मामिच्छत्तआहारगसरीरणामाए तित्थगरणामाए ण किञ्चि वि बंधंति । अब-
सिट्ठं जहा वेइंदियाणं, णवरं जस्स जत्तिया भागा तस्स ते सागरोवमसहस्सेण सह
भाणियव्वा सव्वेसिं आणुपुव्वीए जाव अंतराइयस्स ॥६३०॥ सण्णी णं भंते ! जीवा
पंचिंदिया णाणावरणिजस्स कम्मस्स किं बंधंति ! गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं,
उक्कोसेणं तीसं सागरोवमकोडाकोडीओ, तिण्णि य वाससहस्साइं अवाहा । सण्णी णं
भंते !० पंचिंदिया णिहापंचगस्स किं बंधंति ! गोयमा ! जहण्णेणं अंतोसागरोवम-
कोडाकोडीओ, उक्कोसेणं तीसं सागरोवमकोडाकोडीओ, तिण्णि य वाससहस्साइं
अवाहा । दंसणचउकस्स जहा णाणावरणिजस्स । सायावेयणिजस्स जहा ओहिया
ठिई भणिया तहेव भाणियव्वा, इरियावहियबंधयं पडुच्च संपराइयबंधयं च । असा-
यावेयणिजस्स जहा णिहापंचगस्स । सम्मत्तवेयणिजस्स सम्मामिच्छत्तवेयणिजस्स
जा ओहिया ठिई भणिया, तं बंधंति । मिच्छत्तवेयणिजस्स जहण्णेणं अंतोसागरो-
वमकोडाकोडीओ, उक्कोसेणं सत्तरि सागरोवमकोडाकोडीओ, सत्तरि य वाससहस्साइं
अवाहा । कसायवारसगस्स जहण्णेणं एवं चेव, उक्कोसेणं चत्तालीसं सागरोवमकोडा-
कोडीओ. चत्तालीस य वाससयाइं अवाहा । कोहमाणमायालोभसंजलणाए य दो
मासा, मासो, अद्धमासो, अंतोमुहुत्तो, एवं जहण्णं; उक्कोसं पुण जहा कसाय-
वारसगस्स । चउण्ह वि आउयाणं जा ओहिया ठिई भणिया तं बंधंति । आहारग-
सरीरस्स तित्थगरणामाए य जहण्णेणं अंतोसागरोवमकोडाकोडीओ, उक्कोसेणं अंतो-
सागरोवमकोडाकोडीओ । पुरिसवेयणिजस्स जहण्णेणं अद्ध संबच्छराइं, उक्कोसेणं
दस सागरोवमकोडाकोडीओ, दस य वाससयाइं अवाहा ! जसोकित्तिणामाए उच्चा-
गोयस्स एवं चेव, णवरं जहण्णेणं अद्ध मुहुत्ता । अंतराइयस्स जहा णाणावरणि-
जस्स, सेसएमु सव्वेसु टाणेसु संघयणेसु संटाणेसु वण्णेसु गंधेसु य जहण्णेणं अंतो-
सागरोवमकोडाकोडीओ, उक्कोसेणं जा जस्स ओहिया ठिई भणिया तं बंधंति, णवरं
इमं णाणत्तं-अवाहा अवाहूणिया ण बुच्चइ । एवं आणुपुव्वीए सव्वेसि जाव अंत-

रायस्स ताव भाणियव्वं ॥६३१॥ गाणावरणिजस्स णं भंते ! कम्मस्स जहण्णठिई-
 वंधए के ! गोयमा ! अण्णयरे सुहमसंपराए उवसामए वा खवगए वा, एसं णं
 गोयमा ! गाणावरणिजस्स कम्मस्स जहण्णठिईबंधए, तव्वहरित्ते अजहण्णे, एवं
 एएणं अभिलवेणं मोहाउयवजाणं सेसकम्माणं भाणियव्वं । मोहणिजस्स णं भंते !
 कम्मस्स जहण्णठिईबंधए के ! गोयमा ! अण्णयरे वायरसंपराए उवसामए वा खव
 वा, एसं णं गोयमा ! मोहणिजस्स कम्मस्स जहण्णठिईबंधए, तव्वहरित्ते अजहण्णे ।
 आउयस्स णं भंते ! कम्मस्स जहण्णठिईबंधए के ! गोयमा ! जे णं जीवे असंखेप-
 द्दापविट्ठे, सव्वणिरुद्धे से आउए, सेसे सव्वमहंतीए आउयबंधद्दाए तीसे णं आउय-
 बंधद्दाए चरिमकालसमयंसि सव्वजहणियं ठिइं पज्जत्तापज्जत्तियं णिव्वत्तेइ, एसं णं
 गोयमा ! आउयकम्मस्स जहण्णठिईबंधए, तव्वहरित्ते अजहण्णे ॥६३२॥ उक्कोस-
 कालद्धिइयं णं भंते ! गाणावरणिजं० किं णेरइओ बंधइ, तिरिक्खजोणिओ बंधइ,
 तिरिक्खजोणिणी बंधइ, मणुस्सो बंधइ, मणुस्सिणी बंधइ, देवो बंधइ, देवी बंधइ !
 गोयमा ! णेरइओ वि बंधइ जाव देवी वि बंधइ । केरिसए णं भंते ! णेरइए उक्कोस-
 कालद्धिइयं गाणावरणिजं कम्मं बंधइ ? गोयमा ! सण्णी पंचिदिए सव्वाहिं पज्जत्तीहिं
 पज्जत्ते सागारे जागरे सुत्तो(ओ)वउत्ते मिच्छादिट्ठी कण्हलेसे य उक्कोससंकिलिट्ठपरि-
 णामे ईसिमज्झिमपरिणामे वा, एरिसए णं गोयमा ! णेरइए उक्कोसकालद्धिइयं गाणा-
 वरणिजं कम्मं बंधइ । केरिसए णं भंते ! तिरिक्खजोणि उक्कोसकालद्धिइयं गाणा-
 वरणिजं कम्मं बंधइ ? गोयमा ! कम्मभूमए वा कम्मभूमगपलिभागी वा सण्णी
 पंचिदिए सव्वाहिं पज्जत्तीहिं पज्जत्तए, सेमं तं चेय जहा णेरइयस्स । एवं तिरिक्ख-
 जोणिणी वि मणूसे वि मणूसी वि, देवदेवी जहा णेरइए, एवं आउयवजाणं सत्तण्हं
 कम्माणं । उक्कोसकालद्धिइयं णं भंते ! आउयं कम्मं किं णेरइओ बंधइ जाव देवी
 बंधइ ? गोयमा ! णो णेरइओ बंधइ, तिरिक्खजोणिओ बंधइ, णो तिरिक्खजोणिणी
 बंधइ, मणुस्से वि बंधइ, मणुस्सी वि बंधइ, णो देवो बंधइ, णो देवी बंधइ । केरिसए
 णं भंते ! तिरिक्खजोणि उक्कोसकालद्धिइयं आउयं कम्मं बंधइ ? गोयमा ! कम्म-
 भूमए वा कम्मभूमगपलिभागी वा सण्णी पंचिदिए सव्वाहिं पज्जत्तीहिं पज्जत्तए सागारे
 जागरे सुत्तोवउत्ते मिच्छादिट्ठी परमकण्हलेसे उक्कोससंकिलिट्ठपरिणामे, एरिसए णं
 गोयमा ! तिरिक्खजोणि उक्कोसकालद्धिइयं आउयं कम्मं बंधइ । केरिसए णं भंते !
 मणूसे उक्कोसकालद्धिइयं आउयं कम्मं बंधइ ? गोयमा ! कम्मभूमए वा कम्मभूमग-
 पलिभागी वा जाव सुत्तो(ओ)वउत्ते सम्मदिट्ठी वा मिच्छादिट्ठी वा कण्हलेसे वा सुक-

लेसे वा णाणी वा अण्णाणी वा उक्कोससंकिलिद्धपरिणामे वा असंकिलिद्धपरिणामे वा तप्पाउग्गविमुज्झमाणपरिणामे वा, एरिसए णं गोयमा ! मणूसे उक्कोसकालद्धियं आउयं कम्मं बंधइ । केरिसिया णं भंते ! मणुस्सी उक्कोसकालद्धियं आउयं कम्मं बंधइ ! गोयमा ! कम्मभूमिया वा कम्मभूमगपलिभागी वा जाव सुत्तोवउत्ता सम्म-दिट्ठी सुक्कलेसा तप्पाउग्गविमुज्झमाणपरिणामा, एरिसिया णं गोयमा ! मणूसी उक्कोसकालद्धियं आउयं कम्मं बंधइ, अंतराइयं जहा णाणावरणिजं ॥६३३॥

॥ पण्णवणाए भगवईए तेवीसइमं कम्मपगडीपयं समत्तं ॥

चउवीसइमं कम्मबंधपयं

कइ णं भंते ! कम्मपगडीओ पण्णत्ताओ ! गोयमा ! अट्ठ कम्मपगडीओ पण्ण-त्ताओ । तेजहा—णाणावरणिजं जाव अंतराइयं । एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं । जीवे णं भंते ! णाणावरणिजं कम्मं बंधमाणे कइ कम्मपगडीओ बंधइ ! गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा छव्विहबंधए वा । णेरइए णं भंते ! णाणावर-णिजं कम्मं बंधमाणे कइ कम्मपगडीओ बंधइ ! गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्ठ-विहबंधए वा, एवं जाव वेमाणिए, णवरं मणुस्से जहा जीवे । जीवा णं भंते ! णाणा-वरणिजं कम्मं बंधमाणा कइ कम्मपगडीओ बंधंति ! गोयमा ! सव्वे वि ताव होजा सत्तविहबंधगा य अट्ठविहबंधगा य, अहवा, सत्तविहबंधगा य अट्ठविहबंधगा य छव्विहबंधए य, अहवा सत्तविहबंधगा य अट्ठविहबंधगा य छव्विहबंधगा य । णेर-इया णं भंते ! णाणावरणिजं कम्मं बंधमाणा कइ कम्मपगडीओ बंधंति ! गोयमा ! सव्वे वि ताव होजा सत्तविहबंधगा, अहवा सत्तविहबंधगा य अट्ठविहबंधए य, अहवा सत्तविहबंधगा य अट्ठविहबंधगा य तिण्णि भंगा, एवं जाव थणियकुमारा । पुट्टविकाइया णं पुच्छ । गोयमा ! सत्तविहबंधगा वि अट्ठविहबंधगा वि, एवं जाव वणस्सइकाइया । विगलानं पंच्चिदियतिरिक्खजोणियाणं तियभंगो—सव्वे वि ताव होजा सत्तविहबंधगा, अहवा सत्तविहबंधगा य अट्ठविहबंधए य, अहवा सत्तविह-बंधगा य अट्ठविहबंधगा य । मणूसा णं भंते ! णाणावरणिजस्स पुच्छ । गोयमा ! सव्वे वि ताव होजा सत्तविहबंधगा १, अहवा सत्तविहबंधगा य अट्ठविहबंधए य २, अहवा सत्तविहबंधगा य अट्ठविहबंधगा य ३, अहवा सत्तविहबंधगा य छव्विह-बंधए य ४, अहवा सत्तविहबंधगा य छव्विहबंधगा य ५, अहवा सत्तविहबंधगा य

अट्टविह्वंधपा य छत्विह्वंधपा य ६, अहवा सत्तविह्वंधपा य अट्टविह्वंधपा य
 छत्विह्वंधपा य ७, अहवा सत्तविह्वंधपा य अट्टविह्वंधपा य छत्विह्वंधपा य ८;
 अहवा सत्तविह्वंधपा य अट्टविह्वंधपा य छत्विह्वंधपा य ९, एवं एए णव भंगा ।
 सेसा वाणमंतरादया जाव वेमाणिया जहा णेरइया सत्तविह्वंधपा भणिया तहा
 भाणियव्वा । एवं जहा णाणावरणं बंधमाणा जहिं भणिया दंसणावरणं पि बंधमाणा
 तहिं जीवाइया एगत्तपाहत्तएहिं भाणियव्वा ॥६३४॥ वेयणिज्जं० बंधमाणे जीवे कइ
 कम्मपगडीओ बंधइ ? गोयमा ! सत्तविह्वंधपा वा अट्टविह्वंधपा वा छत्विह्वंधपा वा
 एगविह्वंधपा वा, एवं मणूसे वि । सेसा णारगाइया सत्तविह्वंधपा वा अट्टविह्वंधपा
 वा जाव वेमाणिए । जीवा णं भंते ! वेयणिज्जं कम्मं पुच्छा । गोयमा ! सत्ते वि ताव
 होजा सत्तविह्वंधपा य अट्टविह्वंधपा य एगविह्वंधपा य छत्विह्वंधपा य, अहवा
 सत्तविह्वंधपा य अट्टविह्वंधपा य एगविह्वंधपा य छत्विह्वंधपा य, अवसेसा
 णारगाइया जाव वेमाणिया जाओ णाणावरणं बंधमाणा बंधंति तहिं भाणियव्वा ।
 णवरं मणूसा णं भंते ! वेयणिज्जं कम्मं बंधमाणा कइ कम्मपगडीओ बंधंति ! गोयमा !
 सत्ते वि ताव होजा सत्तविह्वंधपा य एगविह्वंधपा य १, अहवा सत्तविह्वंधपा
 य एगविह्वंधपा य अट्टविह्वंधपा य २, अहवा सत्तविह्वंधपा य एगविह्वंधपा
 य अट्टविह्वंधपा य ३, अहवा सत्तविह्वंधपा य एगविह्वंधपा य छत्विह्वंधपा य ४,
 अहवा सत्तविह्वंधपा य एगविह्वंधपा य छत्विह्वंधपा य ५, अहवा सत्तविह्वंधपा
 य एगविह्वंधपा य अट्टविह्वंधपा य छत्विह्वंधपा य ६, अहवा सत्तविह्वंधपा य
 एगविह्वंधपा य अट्टविह्वंधपा य छत्विह्वंधपा य ७, अहवा सत्तविह्वंधपा य
 एगविह्वंधपा य अट्टविह्वंधपा य छत्विह्वंधपा य ८, अहवा सत्तविह्वंधपा य
 एगविह्वंधपा य अट्टविह्वंधपा य छत्विह्वंधपा य ९, एवं एए णव भंगा भाणि-
 यव्वा ॥६३५॥ मोहणिज्जं० बंधमाणे जीवे कइ कम्मपगडीओ बंधइ ? गोयमा !
 जीवेगिंदियवजो तियभंगो । जीवेगिंदिया सत्तविह्वंधपा वि अट्टविह्वंधपा वि ।
 जीवे णं भंते ! आउयं कम्मं बंधमाणे कइ कम्मपगडीओ बंधइ ? गोयमा ! णियमा
 अट्ट, एवं णेरइए जाव वेमाणिए, एवं पुहुत्तेण वि । णामगोयंतराइयं० बंधमाणे
 जीवे कइ कम्मपगडीओ बंधइ ? गोयमा ! जाओ णाणावरणिज्जं कम्मं बंधमाणे
 बंधइ तहिं भाणियव्वा, एवं णेरइए वि जाव वेमाणिए, एवं पुहुत्तेण वि भाणियव्वं
 ॥६३६॥ पण्णवणाए भगवईए चउवीसइमं कम्मबंधपयं समत्तं ॥

पणवीसइमं कम्मबंधवेयपयं

कइ णं भंते ! कम्मपगडीओ पणत्ताओ ! गोयमा ! अट्ट कम्मपगडीओ पणत्ताओ । तंजहा-णाणावरणिजं जाव अंतराहयं, एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं । जीवे णं भंते ! णाणावरणिजं कम्मं बंधमाणे कइ कम्मपगडीओ वेएइ ? गोयमा ! णियमा अट्ट कम्मपगडीओ वेएइ । एवं णेरइए जाव वेमाणिए, एवं पुहुत्तेण वि । एवं वेयणिजवजं जाव अंतराहयं । जीवे णं भंते ! वेयणिजं कम्मं बंधमाणे कइ कम्मपगडीओ वेएइ ? गोयमा ! सत्तविहवेयए वा अट्टविहवेयए वा चउत्विहवेयए वा, एवं मणूसे वि । सेसा णेरइयाई एगत्तेण पुहुत्तेण वि णियमा अट्ट कम्मपगडीओ वेदंति जाव वेमाणिया । जीवा णं भंते ! वेयणिजं कम्मं बंधमाणा कइ कम्मपगडीओ वेदंति ? गोयमा ! सव्वे वि ताव होजा अट्टविहवेदगा य चउत्विहवेदगा य १, अहवा अट्टविहवेदगा य चउत्विहवेदगा य सत्तविहवेदए य २, अहवा अट्टविहवेदगा य चउत्विहवेदगा य सत्तविहवेदगा य ३, एवं मणूसा वि भाणियव्वा ॥६३७॥

॥ पणवणाए भंगवईए पणवीसइमं कम्मबंधवेयपयं समत्तं ॥

छठवीसइमं कम्मवेयबंधपयं

कइ णं भंते ! कम्मपगडीओ पणत्ताओ ! गोयमा ! अट्ट कम्मपगडीओ पणत्ताओ । तंजहा-णाणावरणिजं जाव अंतराहयं । एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं । जीवे णं भंते ! णाणावरणिजं कम्मं वेयमाणे कइ कम्मपगडीओ बंधइ ? गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्टविहबंधए वा छत्विहबंधए वा एगविहबंधए वा । णेरइए णं भंते ! णाणावरणिजं कम्मं वेयमाणे कइ कम्मपगडीओ बंधइ ? गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्टविहबंधए वा, एवं जाव वेमाणिए, एवं मणूसे जहा जीवे । जीवा णं भंते ! णाणावरणिजं कम्मं वेएमाणा कइ कम्मपगडीओ बंधंति ! गोयमा ! सव्वे वि ताव होजा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य १, अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य छत्विहबंधए य २, अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य छत्विहबंधगा य ३, अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य एगविहबंधए य ४, अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य एगविहबंधगा य ५, अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य छत्विहबंधए य ६ अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविह-

बंधगा य छत्विहबंधगा य एगविहबंधगा य ७, अहवा सत्तविहबंधगा य अट्ठविह-
 बंधगा य छत्विहबंधगा य एगविहबंधगा य ८, अहवा सत्तविहबंधगा य अट्ठविह-
 बंधगा य छत्विहबंधगा य एगविहबंधगा य ९, एवं एए णव भंगा । अवसेमाणं
 एगिदियमणूसवजाणं तियभंगो जाव वेमाणियाणं । एगिदिया णं सत्तविहबंधगा य
 अट्ठविहबंधगा य । मणूसार्णं पुच्छ । गोयमा ! सत्त्वे वि ताव होजा सत्तविहबंधगा
 १, अहवा सत्तविहबंधगा य अट्ठविहबंधगा य २, अहवा सत्तविहबंधगा य अट्ठविह-
 बंधगा य ३, अहवा सत्तविहबंधगा य छत्विहबंधगा य ४, एवं छत्विहबंधगा वि
 समं दो भंगा ५, एगविहबंधगा वि समं दो भंगा ६-७, अहवा सत्तविहबंधगा
 य अट्ठविहबंधगा य छत्विहबंधगा य चउभंगो १, अहवा सत्तविहबंधगा य अट्ठविह-
 बंधगा य एगविहबंधगा य चउभंगो २, अहवा सत्तविहबंधगा य छत्विहबंधगा य
 एगविहबंधगा य चउभंगो ३, अहवा सत्तविहबंधगा य अट्ठविहबंधगा य छत्विह-
 बंधगा य एगविहबंधगा य भंगा अट्ठ, एवं एए सत्तावीसं भंगा । एवं जहा णाणा-
 वरणिजं तहा दंसणावरणिजं पि अंतराइयं पि ॥६३८॥ जीवे णं भंते ! वेयणिजं
 कम्मं वेएमाणे कइ कम्मपगडीओ बंधइ ! गोयमा ! सत्तविहबंधगा वा अट्ठविह-
 बंधगा वा छत्विहबंधगा वा एगविहबंधगा वा अवंधगा वा, एवं मणूसे वि । अवसेसा
 णारयाइया सत्तविहबंधगा अट्ठविहबंधगा य, एवं जाव वेमाणिया । जीवा णं भंते !
 वेयणिजं कम्मं वेएमाणा कइ कम्मपगडीओ बंधंति ! गोयमा ! सत्त्वे वि ताव
 होजा सत्तविहबंधगा य अट्ठविहबंधगा य एगविहबंधगा य १, अहवा सत्तविहबंधगा
 य अट्ठविहबंधगा य एगविहबंधगा य छत्विहबंधगा य २, अहवा सत्तविहबंधगा य
 अट्ठविहबंधगा य एगविहबंधगा य छत्विहबंधगा य ३, अवंधगेण वि समं दो भंगा
 भाणियव्वा ५, अहवा सत्तविहबंधगा य अट्ठविहबंधगा य एगविहबंधगा य छत्विह-
 बंधगा य अवंधगा य चउभंगो, एवं एए णव भंगा । एगिदियाणं अभंगयं, णारयाइणं
 तियभंगा जाव वेमाणियाणं । णवरं मणूसार्णं पुच्छ । सत्त्वे वि ताव होजा सत्तविह-
 बंधगा य एगविहबंधगा य, अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य छत्विहबंधगा
 य अट्ठविहबंधगा य अवंधगा य, एवं एए सत्तावीसं भंगा भाणियव्वा, एवं जहा
 वेयणिजं तहा आउयं णामं गोयं च भाणियव्वं । मोहणिजं वेएमाणे जहा बंधे णाणा-
 वरणिजं तहा भाणियव्वं ॥६३९॥ पणवणाए भगवईए छत्तीसइमं

कम्मवेयबंधपयं समत्तं ॥

सत्तावीसइमं कम्मवेयवेयगपयं

कइ णं भंते ! कम्मपगडीओ पणत्ताओ ? गोयमा ! अट्ट कम्मपगडीओ पणत्ताओ । तंजहा—णाणावरणिजं जाव अंतराइयं, एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं । जीवे णं भंते ! णाणावरणिजं कम्मं वेएमाणे कइ कम्मपगडीओ वेएइ ! गोयमा ! सत्तविह्वेयए वा अट्टविह्वेयए वा, एवं मणूसे वि । अवसेसा एगत्तेण वि पुहुत्तेण वि णियमा अट्ट कम्मपगडीओ वेदेति जाव वेमाणिया । जीवा णं भंते ! णाणावरणिजं वेएमाणा कइ कम्मपगडीओ वेएति ! गोयमा ! सव्वे वि ताव होजा अट्टविह्वेयगा १, अहवा अट्टविह्वेयगा य सत्तविह्वेयए य २, अहवा अट्टविह्वेयगा य सत्तविह्वेयगा य ३, एवं मणूसा वि । दरिसणावरणिजं अंतराइयं च एवं चेव भाणियव्वं । वेयणिजं आउयणामगोत्ताइं वेएमाणे कइ कम्मपगडीओ वेएइ ! गोयमा ! जहा बंधवेयगस्स वेयणिजं तहा भाणियव्वाणि । जीवे णं भंते ! मोहणिजं कम्मं वेएमाणे कइ कम्मपगडीओ वेएइ ! गोयमा ! णियमा अट्ट कम्मपगडीओ वेएइ, एवं णेरइए जाव वेमाणिए, एवं पुहुत्तेण वि ॥ ६४० ॥ पणवणाए भगवईए सत्तावीसइमं कम्मवेयवेयगपयं समत्तं ॥

अट्ठावीसइमं आहारपयं—पढमो उद्देसो

सच्चित्ताहारद्वी केवइ किं वावि सव्वओ चेव । कइभागं सव्वे खल्ल परिणामे चेव ओद्धव्वे ॥१॥ एगिंदियसरीराईं लेम्माहारो तहेव मणभक्खी । एएसिं तु पयाणं विभावणा होइ कायव्वा ॥२॥ णेरइया णं भंते ! किं सच्चित्ताहारा, अचित्ताहारा, मीसाहारा ! गोयमा ! णो सच्चित्ताहारा, अचित्ताहारा, णो मीसाहारा, एवं असुरकुमारा जाव वेमाणिया । ओरालियसरीरा जाव मणूसा सच्चित्ताहारा वि अचित्ताहारा वि मीसाहारा वि । णेरइया णं भंते ! आहारद्वी ! हंता ! आहारद्वी । णेरइया णं भंते ! केवइकालस्स आहारद्वे समुप्पजइ ? गोयमा ! णेरइयाणं दुविहे आहारे पणत्ते । तंजहा—आभोगणिव्वत्तिए य अणभोगणिव्वत्तिए य । तत्थ णं जे से अणभोगणिव्वत्तिए से णं अणुसमयचिरहिए आहारद्वे समुप्पजइ । तत्थ णं जे से आभोगणिव्वत्तिए से णं असंखिजसमइए अंतोमुहुत्तिए आहारद्वे समुप्पजइ ॥६४१॥ णेरइया णं भंते ! किमाहारमाहारैति ! गोयमा ! दव्वओ अणंतपएसियाइं, खेत्तओ

असंखेजपमोगाटाइ, कालओ अण्णयरद्विइयाइ, भावओ वण्णमेताइ गंधमेताइ रसमेताइ फासमेताइ । जाइ भंते ! भावओ वण्णमेताइ आहारेंति ताइ कि एगवण्णाइ आहारेंति जाव पंचवण्णाइ आहारेंति ! गोयमा ! टाणमग्गणं पडुच्च एगवण्णाइ पि आहारेंति जाव पंचवण्णाइ पि आहारेंति, विहाणमग्गणं पडुच्च कालवण्णाइ पि आहारेंति जाव सुक्खिइ पि आहारेंति । जाइ० वण्णओ कालवण्णाइ आहारेंति ताइ कि एगगुणकालाइ आहारेंति जाव दसगुणकालाइ आहारेंति, संखिजगुणकालाइ, असंखिजगुणकालाइ, अणंतगुणकालाइ आहारेंति ! गोयमा ! एगगुणकालाइ पि आहारेंति जाव अणंतगुणकालाइ पि आहारेंति, एवं जाव सुक्खिइ पि, एवं गंधओ वि रसओ वि । जाइ भावओ फासमेताइ आहारेंति ताइ णो एगफासाइ आहारेंति, णो दुफासाइ आहारेंति, णो तिफासाइ आहारेंति, चउफासाइ पि आहारेंति जाव षड्फासाइ पि आहारेंति, विहाणमग्गणं पडुच्च कक्खडाइ पि आहारेंति जाव लुक्खाइ । जाइ० फासओ कक्खडाइ आहारेंति ताइ कि एगगुणकक्खडाइ आहारेंति जाव अणंतगुणकक्खडाइ आहारेंति ! गोयमा ! एगगुणकक्खडाइ पि आहारेंति जाव अणंतगुणकक्खडाइ पि आहारेंति, एवं अट्ठ वि फासा भाणियत्वा जाव अणंतगुणलुक्खाइ पि आहारेंति । जाइ भंते ! अणंतगुणलुक्खाइ, आहारेंति ताइ कि पुट्ठाइ आहारेंति अपुट्ठाइ आहारेंति ! गोयमा ! पुट्ठाइ आहारेंति, णो अपुट्ठाइ आहारेंति, जहा मासुहेसए जाव णियमा छद्दिस्सि आहारेंति, ओमण्णं कारणं पडुच्च वण्णओ कालणीलाइ, गंधओ दुब्बिमग्धाइ, रसओ तित्तकडुयाइ, फासओ कक्खड-गरुसीयलुक्खाइ, तेस्सि पोराणं वण्णगुणे गंधगुणे रसगुणे फासगुणे विपरिणामइत्ता परिणीलइत्ता परिणाडइत्ता परिविद्धंसइत्ता अण्णे अपुव्वे वण्णगुणे गंधगुणे रसगुणे फासगुणे उप्पाइत्ता आवसरीरखेतोगाढे पोग्गले सव्वप्पणयाए आहारं आहारेंति । णेरइया णं भंते ! सव्वओ आहारेंति सव्वओ परिणामेंति, सव्वओ ऊससंति, सव्वओ णीससंति, अभिक्खणं आहारेंति अभिक्खणं परिणामेंति, अभिक्खणं ऊससंति, अभिक्खणं णीससंति, आहच्च आहारेंति, आहच्च परिणामेंति, आहच्च ऊससंति, आहच्च णीससंति ! इंता गोयमा ! णेरइया सव्वओ आहारेंति एवं तं चेव जाव आहच्च णीससंति ॥६४२॥ णेरइया णं भंते ! जे पोग्गले आहारत्ताए गिण्हंति ते णं तेस्सि पोग्गलाणं सेयालस्सि कइभागं आहारेंति, कइभागं आसाएति ! गोयमा ! असंखेजइभागं आहारेंति, अणंतभागं अस्साएति । णेरइया णं भंते ! जे

पोगले आहारत्ताए गिण्हंति ते किं सव्वे आहारंति, णो सव्वे आहारंति ! गोयमा !
 ते सव्वे अपरिसेसए आहारंति । णेरइया णं भंते ! जे पोगला आहारत्ताए गिण्हंति
 ते णं तेसिं पोगला कीसत्ताए भुजो भुजो परिणमंति ! गोयमा ! सोइंदियत्ताए
 जाव फासिंदियत्ताए अणिट्ठत्ताए अकंतत्ताए अपियत्ताए असुभत्ताए अमणुणत्ताए
 अमणामत्ताए अणिच्छियत्ताए अ(ण)मिज्झियत्ताए अहत्ताए णो उट्ठत्ताए दुक्ख-
 त्ताए णो सुहत्ताए तेसिं भुजो भुजो परिणमंति ॥६४३॥ असुरकुमारा णं भंते !
 आहारट्ठी ! हंता ! आहारट्ठी । एवं जहा णेरइयाणं तथा असुरकुमाराणं वि भाणि-
 यव्वं जाव तेसिं भुजो भुजो परिणमंति । तत्थ णं जे से आभोगणिव्वत्तिए से णं
 जइण्णेणं चउत्थभत्तस्स, उक्कोसेणं साइरेगवाससहस्सरस्स आहारट्ठे समुप्पजइ ।
 ओसण्णं कारणं पडुच्च वण्णओ हालिहमुक्खिइइं, गंधओ सुग्भिगंधाइं रसओ, अविल-
 महुराइं, फासओ मउयल्लुहयणिद्धुण्हाइं, तेसिं पोराने वण्णगुणे जाव फासिंदियत्ताए
 जाव मणामत्ताए इच्छियत्ताए मिज्झियत्ताए उट्ठत्ताए णो अहत्ताए सुहत्ताए णो
 दुहत्ताए तेसिं भुजो भुजो परिणमंति, सेसं जहा णेरइयाणं, एवं जाव थणियकुमाराणं,
 गवरं आभोगणिव्वत्तिए उक्कोसेणं दिवसपुहुत्तस्स आहारट्ठे समुप्पजइ ॥६४४॥
 पुदविकाइया णं भंते ! आहारट्ठी ! हंता ! आहारट्ठी । पुदविकाइया णं भंते !
 केवइकालस्स आहारट्ठे समुप्पजइ ! गोयमा ! अणुसमयमविरहिणं आहारट्ठे समुप्प-
 जइ । पुदविकाइयाणं भंते ! किमाहारमाहारंति ? एवं जहा णेरइयाणं जाव ताहं
 कइदिसिं आहारंति ? गोयमा ! णिव्वाघ्राएणं छद्दिसिं, वाघायं पडुच्च सिय तिदिसिं
 सिय चउदिसिं सिय पंचदिसिं, गवरं ओसण्णकारणं ण भण्णइ । वण्णओ काल-
 णील्लोहियहालिहमुक्खिइइं, गंधओ सुग्भिगंधदुग्भिगंधाइं, रसओ तित्तरसकडुयरस-
 कसायरसअविलमहुराइं, फासओ कक्खट्ठफासमउयगळयल्लुहसीयउण्हणिद्धलुवत्ताइं,
 तेसिं पोराने वण्णगुणे सेसं जहा णेरइयाणं जाव आहच्च णीससंति । पुदविकाइया
 णं भंते ! जे पोगले आहारत्ताए गिण्हंति तेसिं भंते ! पोगलाणं सेयालंसि कइभागं
 आहारंति, कइभागं आसाएंसि ! गोयमा ! असंखेजइभागं आहारंति, अणंतभागं
 आसाएंसि । पुदविकाइया णं भंते ! जे पोगले आहारत्ताए गिण्हंति ते किं सव्वे
 आहारंति, णो सव्वे आहारंति ? जहेव णेरइया तहेव । पुदविकाइया णं भंते ! जे
 पोगले आहारत्ताए गिण्हंति ते णं तेसिं पोगला कीसत्ताए भुजो भुजो परिणमंति !
 गोयमा ! फासिंदियवेमायत्ताए तेसिं भुजो भुजो परिणमंति, एवं जाव वणस्सइ-

काइया ॥६४५॥ बेइंदिया णं भंते ! आहारद्वी ! हंता ! आहारद्वी । बेइंदिया णं भंते ! केवइकालस्स आहारद्वे समुप्पज्जइ ! जहा णेरइयाणं, णवरं तत्थ णं जे से आभोगणिब्बत्तिए से णं असंखिजसमइए अंतोमुहुत्तिए वेमायाए आहारद्वे समुप्पज्जइ, सेसं जहा पुट्टिकाइयाणं जाव आहच्च णीससंति, णवरं णियमा छइसि । बेइंदियाणं भंते ! जे पोगले आहारत्ताए गिण्हंति ते णं तेसिं पुग्गलाणं सेयालंसि कइभागं आहारंति कइभागं आसाएति ? एवं जहा णेरइयाणं । बेइंदिया णं भंते ! जे पोगला आहारत्ताए गिण्हंति ते किं सव्वे आहारंति, णो सव्वे आहारंति ? गोयमा ! बेइंदियाणं दुविहे आहारे पणत्ते । तंजहा—लोमाहारे य पक्खेवाहारे य, जे पोगले लोमाहारत्ताए गेण्हंति ते सव्वे अपरिसेसे आहारंति, जे पोगले पक्खेवाहारत्ताए गेण्हंति तेसिमसंखेज्जइभागमाहारंति, अणेसाइं च णं भागसहस्साइं अफासाइज्जमाणाणं अणासाइज्जमाणाणं विद्धंसमागच्छति । एएसि णं भंते ! पोगलाणं अणासाइज्जमाणाणं अफासाइज्जमाणाणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ! गोयमा ! सव्वत्थोवा पोगला अणासाइज्जमाणा, अफासाइज्जमाणा अणंतगुणा । बेइंदिया णं भंते ! जे पोगला आहारत्ताए—पुच्छा । गोयमा ! जिब्भिदियफासिंदियवेमायत्ताए तेसिं भुजो भुजो परिणमंति । एवं जाव चउरिंदिया, णवरं णेगाइं च णं भागसहस्साइं अणासाइज्जमाणाइं अणासाइज्जमाणाइं अफासाइज्जमाणाइं विद्धंसमागच्छति । एएसि णं भंते ! पोगलाणं अणासाइज्जमाणाणं अणासाइज्जमाणाणं अफासाइज्जमाणाणं य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ! गोयमा ! सव्वत्थोवा पोगला अणासाइज्जमाणा, अणासाइज्जमाणा अणंतगुणा, अफासाइज्जमाणा अणंतगुणा ॥ ६४६ ॥ तेइंदिया णं भंते ! जे पोगला—पुच्छा । गोयमा ! ते णं पोगला धाणिंदियजिब्भिदियफासिंदियवेमायत्ताए तेसिं भुजो भुजो परिणमंति । चउरिंदियाणं चक्खिंदियधाणिंदियजिब्भिदियफासिंदियवेमायत्ताए तेसिं भुजो भुजो परिणमंति, सेसं जहा तेइंदियाणं । पंचिदियतिरिक्खजोणियाणं जहा तेइंदियाणं, णवरं तत्थ णं जे से आभोगणिब्बत्तिए से जहण्णेणं अंतोमुहुत्तस्स, उक्कोसेणं छट्ठभत्तस्स आहारद्वे समुप्पज्जइ । पंचिदियतिरिक्खजोणिया णं भंते ! जे पोगला आहारत्ताए—पुच्छा । गोयमा ! सोइंदियचक्खिंदियधाणिंदियजिब्भिदियफासिंदियवेमायत्ताए तेसिं भुजो भुजो परिणमंति । मणूसां एवं चेव, णवरं आभोगणिब्बत्तिए जहण्णेणं अंतोमुहुत्तस्स, उक्कोसेणं अट्ठमभत्तस्स आहारद्वे समुप्पज्जइ । वाणमंतरा जहा णागकुमारा, एवं जोइसिया वि णवरं आभोगणिब्बत्तिए जहण्णेणं दिवसपुहुत्तस्स, उक्कोसेणं दिवसपुहुत्तस्स आहारद्वे समुप्पज्जइ,

एवं वेमाणिया वि, णवरं आभोगिण्वत्तिए जहण्णेणं दिवसपुहुत्तस्स, उक्कोसेणं तेत्तीसाए वाससहस्साणं आहारद्वे समुप्पजइ, सेसं जहा असुरकुमारणं जाव ते तेत्ति भुज्जे भुज्जे परिणमंति । सोहम्मे आभोगिण्वत्तिए जहण्णेणं दिवसपुहुत्तस्स, उक्कोसेणं दोण्हं वाससहस्साणं आहारद्वे समुप्पजइ । ईसाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं दिवसपुहुत्तस्स साइरेगस्स, उक्कोसेणं साइरेगं दोण्हं वाससहस्साणं । सणकुमारणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं दोण्हं वाससहस्साणं, उक्कोसेणं सत्तण्हं वाससहस्साणं । माहिंदे पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं दोण्हं वाससहस्साणं साइरेगाणं, उक्कोसेणं सत्तण्हं वाससहस्साणं साइरेगाणं । बंभलोए पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सत्तण्हं वाससहस्साणं, उक्कोसेणं दसण्हं वाससहस्साणं । छेतए णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं दसण्हं वाससहस्साणं, उक्कोसेणं चउदसण्हं वाससहस्साणं । महासुक्के णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं चउदसण्हं वाससहस्साणं, उक्कोसेणं सत्तरसण्हं वाससहस्साणं । सहससारे पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सत्तरसण्हं वाससहस्साणं, उक्कोसेणं अट्ठारसण्हं वाससहस्साणं । आणए णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अट्ठारसण्हं वाससहस्साणं, उक्कोसेणं एगूणवीसाए वाससहस्साणं । पाणए णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगूणवीसाए वाससहस्साणं, उक्कोसेणं वीसाए वाससहस्साणं । आरणे णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं वीसाए वाससहस्साणं, उक्कोसेणं एक्कवीसाए वाससहस्साणं । अच्चुए णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एक्कवीसाए वाससहस्साणं, उक्कोसेणं बावीसाए वाससहस्साणं । हिट्ठिमहिट्ठिमगेविज्जगाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं बावीसाए वाससहस्साणं, उक्कोसेणं तेवीसाए वाससहस्साणं, एवं सत्त्वत्थ सहस्साणि भाणियव्वाणि जाव सव्वट्ठं । हिट्ठिममज्झिमगाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं तेवीसाए, उक्कोसेणं चउवीसाए । हिट्ठिमउवरिमाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं चउवीसाए, उक्कोसेणं पणवीसाए । मज्झिमहेट्ठिमाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं पणवीसाए, उक्कोसेणं छव्वीसाए । मज्झिममज्झिमाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं छव्वीसाए, उक्कोसेणं सत्तावीसाए । मज्झिमउवरिमाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सत्तावीसाए, उक्कोसेणं अट्ठावीसाए । उवरिमहेट्ठिमाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अट्ठावीसाए, उक्कोसेणं एगूणतीसाए । उवरिममज्झिमाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगूणतीसाए, उक्कोसेणं तीसाए । उवरिमउवरिमाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं तीसाए, उक्कोसेणं एगतीसाए । विजयवेजयंतजयंतअपराजियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एग-

तामाए, उक्कोसेणं तेत्तीसाए । सव्वट्टसिद्धगदेवाणं पुच्छा । गोयमा ! अज्जहणमणु-
 क्कोसेणं तेत्तीसाए वाससहस्साणं आहारट्ठे समुप्पज्जइ ॥६४७॥ णेरइया णं भंते ! किं
 एगिंदियसरीराइं आहारेंति जाव पंचिंदियसरीराइं आहारेंति ! गोयमा ! पुव्वभाव-
 पण्णवणं पडुच्च एगिंदियसरीराइं पि आहारेंति जाव पंचिंदिय०, पडुप्पण्णभावपण्ण-
 वणं पडुच्च णियमा पंचिंदियसरीराइं आहारेंति, एवं जाव थणियकुमारा । पुट्ठा-
 काइयाणं पुच्छा । गोयमा ! पुव्वभावपण्णवणं पडुच्च एवं चेव, पडुप्पण्णभावपण्णवणं
 पडुच्च णियमा एगिंदियसरीराइं आहारेंति । बेइंदिया पुव्वभावपण्णवणं पडुच्च एवं
 चेव, पडुप्पण्णभावपण्णवणं पडुच्च णियमा बेइंदियाणं सरीराइं आहारेंति, एवं जाव
 च उरिंदिया जाव पुव्वभावपण्णवणं पडुच्च, एवं पडुप्पण्णभावपण्णवणं पडुच्च णियमा
 जस्स जइ इंदियाइं तइंदियाइं सरीराइं आहारेंति, सेसा जहा णेरइया, जाव वेमा-
 णिया । णेरइया णं भंते ! किं लोमाहारा पक्खेवाहारा ! गोयमा ! लोमाहारा, णो
 पक्खेवाहारा, एवं एगिंदिया सव्वे देवा य भाणियत्वा जाव वेमाणिया । बेइंदिया
 जाव मणूमा लोमाहारा वि पक्खेवाहारा वि ॥६४८॥ णेरइया णं भंते ! किं ओया-
 हारा मणभक्खी ! गोयमा ! ओयाहारा, णो मणभक्खी, एवं सव्वे ओरालियसरीरा
 वि । देवा सव्वे वि जाव वेमाणिया ओयाहारा वि मणभक्खी वि । तथ णं जे ते
 मणभक्खी देवा तेसि णं इच्छामणे समुप्पज्जइ 'इच्छामो णं मणभक्खणं करित्तए,
 तए णं तेहिं देवेहिं एवं मणसीकए समाणे खिप्पामेव जे पोगला इट्ठा कंता जाव
 मणामा ते तेसि मणभक्खत्ताए परिणमंति, से जहाणामए सीया पोगला सीयं पप्प
 सीयं चेव अइवइत्ताणं चिट्ठंति, उस्सिणा वा पोगला उस्सिणं पप्प उस्सिणं चेव अ-
 वइत्ताणं चिट्ठंति, एवामेव तेहिं देवेहिं मणभक्खीकए समाणं से इच्छामणे खिप्पा-
 मेव अवेइ ॥६४९॥ पण्णवणाए भगवईए अट्ठावीसइमे आहारपए
 पढमो उद्देसओ समत्तो ॥

बीओ उद्देसओ

आहार भविय सण्णी लेसा दिट्ठी य संजय कसाए । णाणे जोगुवओगे वेए
 य सरीर पज्जत्ती । जीवे णं भंते ! किं आहारए अणाहारए ! गोयमा ! सिय आहा-
 रए, सिय अणाहारए, एवं णेरइए जाव असुरकुमारे जाव वेमाणिए । सिद्धे णं

भंते ! किं आहारए अणाहारए ! गोयमा ! णो आहारए, अणाहारए । जीवा णं
भंते ! किं आहारया अणाहारया ! गोयमा ! आहारया वि अणाहारया वि । णेरइ-
याणं पुच्छा । गोयमा ! सव्वे वि ताव होजा आहारया १, अहवा आहारया य
अणाहारए य २, अहवा आहारया य अणाहारया य ३, एवं जाव वेमाणिया, णवरं
एगिदिया जहा जीवा । सिद्धाणं पुच्छा । गोयमा ! णो आहारया, अणाहारया
॥ दारं १ ॥ भवसिद्धिए णं भंते ! जीवे किं आहारए अणाहारए ? गोयमा ! सिय
आहारए, सिय अणाहारए, एवं जाव वेमाणिए । भवसिद्धिया णं भंते ! जीवा किं
आहारया अणाहारया ? गोयमा ! जीवेगिदियवज्जो तियभंगो, अभवसिद्धिए वि
एवं चेव । णोभवसिद्धिएणोअभवसिद्धिए णं भंते ! जीवे किं आहारए अणाहारए ?
गोयमा ! णो आहारए, अणाहारए, एवं सिद्धे वि । णोभवसिद्धियणोअभवसिद्धिया
णं भंते ! जीवा किं आहारया अणाहारया ? गोयमा ! णो आहारया, अणाहारया,
एवं सिद्धा वि ॥ दारं २ ॥ सण्णी णं भंते ! जीवे किं आहारए अणाहारए ?
गोयमा ! सिय आहारए, सिय अणाहारए, एवं जाव वेमाणिए, णवरं एगिदिय-
विगिदिया णो पुच्छिज्जति । सण्णी णं भंते ! जीवा किं आहारया अणाहारया ?
गोयमा ! जीवाइओ तियभंगो जाव वेमाणिया । असण्णी णं भंते ! जीवे किं आहा-
रए अणाहारए ? गोयमा ! सिय आहारए, सिय अणाहारए, एवं णेरइए जाव
वाणमंतरे । जोइसियवेमाणिया ण पुच्छिज्जति । असण्णी णं भंते ! जीवा किं आहा-
रया अणाहारया ? गोयमा ! आहारया वि अणाहारया वि, एगो भंगो । असण्णी
णं भंते ! णेरइया किं आहारया अणाहारया ? गोयमा ! आहारया वा १, अणा-
हारया वा २, अहवा आहारए य अणाहारए य ३, अहवा आहारए य अणाहारया
य ४, अहवा आहारया य अणाहारए य ५, अहवा आहारया य अणाहारया य ६,
एवं एए छब्भंगा, एवं जाव थणियकुमारा । एगिदिएसु अभंगयं, बेइदिय जाव
पंचिदियतिरिक्खजोणिएसु तियभंगो, मणूसवाणमंतरेसु छब्भंगा । णोसण्णीणोअसण्णी
णं भंते ! जीवे किं आहारए अणाहारए ? गोयमा ! सिय आहारए, सिय अणाहारए
य, एवं मणूसे वि । सिद्धे अणाहारए, पुहुत्तेणं णोसण्णीणोअसण्णी जीवा आहारया
वि अणाहारया वि, मणूसेसु तियभंगो, सिद्धा अणाहारया ॥ दारं ३ ॥ ६५० ॥ सलेसे
णं भंते ! जीवे किं आहारए अणाहारए ? गोयमा ! सिय आहारए, सिय अणा-
हारए, एवं जाव वेमाणिए । सलेसा णं भंते ! जीवा किं आहारया अणाहारया ?

गोयमा ! जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, एवं कण्हलेसा वि णोल्लेसा वि काउलेसा वि
 जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो । तेउलेसाए पुढविआउवणस्सइकाइयाणं छब्भंगा, सेसाणं
 जीवाइओ तियभंगो जेसिं अत्थि तेउलेसा, पम्हलेसाए सुक्केसाए य जीवाइओ
 तियभंगो, अलेसा जीवा मणुस्सा सिद्धा य एगत्तेण वि पुहुत्तेण वि णो आहारगा
 अणाहारगा ॥ दारं ४ ॥६५१॥ सम्महिट्ठी णं मंते ! जीवा किं आहारगा अणाहा-
 रगा ! गोयमा ! सिय आहारगा, सिय अणाहारगा । बेइदिया तेइंदिया चउरिंदिया
 छब्भंगा, सिद्धा अणाहारगा, अवसेसाणं तियभंगो, मिच्छादिट्ठीसु जीवेगिंदियवज्जो
 तियभंगो । सम्मामिच्छादिट्ठी णं मंते !० किं आहारए अणाहारए ! गोयमा ! आहा-
 रए, णो अणाहारए, एवं एगिंदियविगल्लिंदियवज्जं जाव वेमाणिए, एवं पुहुत्तेण वि
 ॥ दारं ५ ॥६५२॥ संजए णं मंते ! जीवे किं आहारए अणाहारए ! गोयमा !
 सिय आहारए, सिय अणाहारए, एवं मणूसे वि, पुहुत्तेणं तियभंगो । असंजए
 पुच्छा । सिय आहारए, सिय अणाहारए, पुहुत्तेणं जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो ।
 संजयासंजए णं जीवे पंचिंदियतिरिक्खजोणिए मणूसे य ३ एए एगत्तेण वि पुहु-
 त्तेण वि आहारगा णो अणाहारगा, णोसंजए णोअसंजए-णोसंजयासंजए जीवे सिद्धे
 य एए एगत्तेण वि पुहुत्तेण वि णो आहारगा अणाहारगा ॥ दारं ६ ॥६५३॥ सक्साई
 णं मंते ! जीवे किं आहारए अणाहारए ! गोयमा ! सिय आहारए, सिय अणाहारए,
 एवं जाव वेमाणिया, पुहुत्तेणं जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, कोहक्साईसु जीवाइसु
 एवं चेव, णवरं देवेसु छब्भंगा, माणक्साईसु मायाक्साईसु य देवणेइएसु छब्भंगा,
 अवसेसाणं जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, लोहक्साईसु णेरइएसु छब्भंगा, अवसेसेसु
 जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, अक्साई जहा णोसण्णीणोअसण्णी ॥ दारं ७ ॥६५४॥
 णाणी जहा सम्महिट्ठी । आभिणिबोहियणाणी सुयणाणी य बेइंदियतेइंदियचउरिंदि-
 एसु छब्भंगा अवसेसेसु जीवाइओ तियभंगो जेसिं अत्थि । ओहिणाणी पंचिंदिय-
 तिरिक्खजोणिया आहारगा, णो अणाहारगा, अवसेसेसु जीवाइओ तियभंगो जेसिं
 अत्थि ओहिणाणं, मणपजवणाणी जीवा मणूसा य एगत्तेण वि पुहुत्तेण वि आहा-
 रगा, णो अणाहारगा । केवलणाणी जहा णोसण्णीणोअसण्णी ॥ दारं ८-१ ॥
 अणाणी मइअणाणी सुयअणाणी जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो । विभंगणाणी पंचि-
 दियतिरिक्खजोणिया मणूसा य आहारगा, णो अणाहारगा, अवसेसेसु जीवाइओ
 तियभंगो ॥ दारं ८-२ ॥६५५॥ सजोगीसु जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो । मणजोगी

वइजोगी जहा सम्मामिच्छदिद्वी, णवरं वइजोगो विगलिदियाण वि । कायजोगीसु
जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, अजोगी जीवमणूससिद्धा अणाहारगा ॥ दारं ९ ॥ सागा-
राणारोवउत्तेसु जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, सिद्धा अणाहारगा ॥ दारं १० ॥
सवेयए जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, इत्थिवेययपुरिसवेयएसु जीवाइओ तियभंगो,
णपुंसगवेयए य जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, अवेयए जहा केवलणाणी ॥ दारं ११
॥ ६५६ ॥ ससरीरी जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, ओरालियसरीरीजीवमणूसेसु तिय-
भंगो, अवसेसा आहारगा, णो अणाहारगा जेसिं अत्थि ओरालियसरीरं, वेउव्विय-
सरीरी आहारगसरीरी य आहारगा, णो अणाहारगा जेसिं अत्थि, तेयकम्मगसरीरी
जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, असरीरी जीवा सिद्धा य णो आहारगा, अणाहारगा
॥ दारं १२ ॥ आहारपज्जतीए पज्जत्तए सरीरपज्जतीए पज्जत्तए इंदियपज्जतीए
पज्जत्तए आणापाणुपज्जतीए पज्जत्तए भासामणपज्जतीए पज्जत्तए एयासु पंचसु वि
पज्जतीसु जीवेसु मणूसेसु य तियभंगो, अवसेसा आहारगा, णो अणाहारगा, भासा-
मणपज्जती पंचिदियाणं, अवसेसाणं णत्थि । आहारपज्जतीअपज्जत्तए णो आहारए,
अणाहारए एगत्तेण वि पुहुत्तेण वि, सरीरपज्जतीअपज्जत्तए सिय आहारए सिय
अणाहारए, उवरिल्लियासु चउसु अपज्जतीसु णेरइयदेवमणूसेसु छब्भंगा, अवसेसाणं
जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, भासामणपज्जत्तएसु जीवेसु पंचिदियतिरिक्खजोगिएसु य
तियभंगो, णेरइयदेवमणूएसु छब्भंगा । सव्वएसु एगत्तपुहत्तेण जीवाइया दंदगा
पुच्छए भाणियव्वा जस्स जं अत्थि तस्स तं पुच्छिजइ, जस्स जं णत्थि तस्स तं
ण पुच्छिजइ जाव भासामणपज्जतीअपज्जत्तएसु णेरइयदेवमणूएसु छब्भंगा, सेसेसु
तियभंगो ॥ ६५७ ॥ दारं १३ ॥ बीओ उद्देसओ समत्तो ॥ पणवणाए
मगवईए अट्ठावीसइमं आहारपयं समत्तं ॥

एगूणतीसइमं उवओगपयं

कइविहे णं भंते ! उवओगे पणत्ते ! गोयमा ! दुविहे उवओगे पणत्ते ।
तंजहा-सागारोवओगे य अणागारोवओगे य । सागारोवओगे णं भंते ! कइविहे
पणत्ते ! गोयमा ! अट्ठविहे पणत्ते । तंजहा-आभिणिबोहियणाणसागारोवओगे,
सुयणाणसागारोवओगे, ओहिणाणसागारोवओगे, मणपज्जवणाणसागारोवओगे, केवल-

णाणसमारोवओगे । मइअण्णाणसमारोवओगे, सुयअण्णाणसमारोवओगे, विमंग-
 णाणसमारोवओगे । अणामारोवओगे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ! गोयमा ! चउ-
 व्विहे पण्णत्ते । तंजहा—चक्खुदंसणअणामारोवओगे, अचक्खुदंसणअणामारोवओगे,
 ओहिदंसणअणामारोवओगे, केवलदंसणअणामारोवओगे य । एवं जीवाणं पि ॥६५८॥
 णेरइयाणं भंते ! कइविहे उवओगे पण्णत्ते ! गोयमा ! दुविहे उवओगे पण्णत्ते ।
 तंजहा—सामारोवओगे य अणामारोवओगे य । णेरइयाणं भंते ! सामारोवओगे कइ-
 विहे पण्णत्ते ! गोयमा ! छ्विहे पण्णत्ते । तंजहा—मइणाणसमारोवओगे, सुयणाण-
 समारोवओगे, ओहिणाणसमारोवओगे, मइअण्णाणसमारोवओगे, सुयअण्णाण-
 समारोवओगे, विमंगणाणसमारोवओगे । णेरइयाणं भंते ! अणामारोवओगे कइ-
 विहे पण्णत्ते ! गोयमा ! तिक्खिहे पण्णत्ते । तंजहा—चक्खुदंसणअणामारोवओगे,
 अचक्खुदंसणअणामारोवओगे, ओहिदंसणअणामारोवओगे, एवं जाव थणियकुमा-
 राणं । पुटविकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! दुविहे उवओगे पण्णत्ते । तंजहा—सामारो-
 वओगे अणामारोवओगे य । पुटविकाइयाणं० सामारोवओगे कइविहे पण्णत्ते !
 गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते । तंजहा—मइअण्णाणसमारोवओगे, सुयअण्णाणसमारोव-
 ओगे य । पुटविकाइयाणं० अणामारोवओगे कइविहे पण्णत्ते ! गोयमा ! एगे
 अचक्खुदंसणअणामारोवओगे पण्णत्ते, एवं जाव वणस्सइकाइयाणं । बेइंदियाणं
 पुच्छा । गोयमा ! दुविहे उवओगे पण्णत्ते । तंजहा—सामारोवओगे अणामारोवओगे
 य । बेइंदियाणं भंते ! सामारोवओगे कइविहे पण्णत्ते ! गोयमा ! चउव्विहे पण्णत्ते ।
 तंजहा—आभिणिबोहियणाणं, सुयणाणं, मइअण्णाणं, सुयअण्णाणसमारोवओगे ।
 बेइंदियाणं भंते ! अणामारोवओगे कइविहे पण्णत्ते ! गोयमा ! एगे अचक्खुदंसण-
 अणामारोवओगे, एवं तेइंदियाणं वि । चउरिंदियाणं वि एवं चेव, णवरं अणा-
 मारोवओगे, दुविहे पण्णत्ते । तंजहा—चक्खुदंसणअणामारोवओगे, अचक्खुदंसण-
 अणामारोवओगे । पंचिदियतिरिक्खजोणियाणं जहा णेरइयाणं । मणुस्साणं जहा
 ओहिणं उवओगे भणियं तहेव भाणियव्वं । वाणमंतरजोइस्सियवेमाणियाणं जहा
 णेरइयाणं ॥६५९॥ जीवा णं भंते ! किं सामारोवउत्ता अणामारोवउत्ता ! गोयमा !
 सामारोवउत्ता वि अणामारोवउत्ता वि । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘जीवा सामा-
 रोवउत्ता वि अणामारोवउत्ता वि’ ? गोयमा ! जेणं जीवा आभिणिबोहियणाणसुय-
 णाणओहिणाणमणपजवणाणकेवलणाणमइअण्णाणसुयअण्णाणविमंगणाणोवउत्ता तेणं

जीवा सागारोवउत्ता, जेणं जीवा चक्खुदंसणअचक्खुदंसणओहिदंसणकेवलदंसणो-
वउत्ता तेणं जीवा अणागारोवउत्ता, से तेणद्वेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ—‘जीवा सागा-
रोवउत्ता वि अणागारोवउत्ता वि’ । णेरइया णं भंते ! किं सागारोवउत्ता अणागारो-
वउत्ता ? गोयमा ! णेरइया सागारोवउत्ता वि अणागारोवउत्ता वि । से केणद्वेणं
भंते ! एवं बुच्चइ० ! गोयमा ! जेणं णेरइया आभिणिबोहियणाणसुयणाणओहिणाण-
मइअणाणसुयअणाणविभंगणाणोवउत्ता तेणं णेरइया सागारोवउत्ता, जेणं णेरइया
चक्खुदंसणअचक्खुदंसणओहिदंसणोवउत्ता तेणं णेरइया अणागारोवउत्ता, से तेण-
द्वेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ—जाव ‘सागारोवउत्ता वि अणागारोवउत्ता वि,’ एवं जाव
थणियकुमारा । पुढविकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! तद्देव जाव जेणं पुढविकाइया
मइअणाणसुयअणाणोवउत्ता तेणं पुढविकाइया सागारोवउत्ता, जेणं पुढविकाइया
अचक्खुदंसणोवउत्ता तेणं पुढविकाइया अणागारोवउत्ता, से तेणद्वेणं गोयमा !
एवं बुच्चइ जाव वणप्फइकाइया । बेइंदियाणं भंते ! अट्टसहिया तद्देव पुच्छा ।
गोयमा ! जाव जेणं बेइंदिया आभिणिबोहियणाणसुयणाणमइअणाणसुयअणाणोव-
उत्ता तेणं बेइंदिया सागारोवउत्ता, जेणं बेइंदिया अचक्खुदंसणोवउत्ता तेणं बेइंदिया
अणागारोवउत्ता, से तेणद्वेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ०, एवं जाव चउरिंदिया, णवरं चक्खु-
दंसणं अभहियं चउरिंदियाणं ति । पंचिदियतिरिक्खजोणिया जहा णेरइया, मणूसा
जहा जीवा, वाणंमंतरजोइसियवेमाणिया जहा णेरइया ॥६६०॥ पणवणाए

भगवईए एगूनतीसइमं उवओगपयं समत्तं ॥

तीसइमं पासणयापयं

कइविहा णं भंते ! पासणया पणत्ता ! गोयमा ! दुविहा पासणया पणत्ता ।
तंजहा—सागारपासणया, अणागारपासणया य । सागारपासणया णं भंते ! कइविहा
पणत्ता ! गोयमा ! छविहा पणत्ता । तंजहा—सुयणाण०पासणया, ओहिणाण०पास-
णया, मणपज्जवणाण०पासणया, केवलणाण०पासणया, सुयअणाणसगारपासणया,
विभंगणाणसागारपासणया । अणागारपासणया णं भंते ! कइविहा पणत्ता ! गोयमा !
तिविहा पणत्ता । तंजहा—चक्खुदंसणअणागारपासणया, ओहिदंसणअणागारपास-
णया, केवलदंसणअणागारपासणया, एवं जीवाणं पि । णेरइयाणं भंते ! कइविहा

पासणया पणत्ता ! गोयमा ! दुविहा पणत्ता । तंजहा—सागारपासणया अणागार-
 पासणया । णेरइयाणं भंते ! सागारपासणया कइविहा पणत्ता ! गोयमा ! चउद्विहा
 पणत्ता । तंजहा—सुयणाण० पासणया, ओहिणाण० पासणया, सुयअणाण० पासणया,
 विभंगणाण० पासणया । णेरइयाणं भंते ! अणागारपासणया कइविहा पणत्ता !
 गोयमा ! दुविहा पणत्ता । तंजहा—चक्खुदंसण० ओहिदंसण०, एवं जाव थणिय-
 कुमारा । पुढविकाइयाणं भंते ! कइविहा पासणया पणत्ता ! गोयमा ! एगा सागार-
 पासणया प० । पुढविकाइयाणं भंते ! सागारपासणया कइविहा पणत्ता ! गोयमा !
 एगा सुयअणाणसागारपासणया पणत्ता, एवं जाव वणस्सइकाइयाणं । बेइदियाणं
 भंते ! कइविहा पासणया पणत्ता ! गोयमा ! एगा सागारपासणया पणत्ता । बेइ-
 दियाणं भंते ! सागारपासणया कइविहा पणत्ता ! गोयमा ! दुविहा पणत्ता ।
 तंजहा—सुयणाणसागारपासणया, सुयअणाणसागारपासणया, एवं तेइदियाणं वि ।
 चउरिंदियाणं पुच्छा । गोयमा ! दुविहा पणत्ता । तंजहा—सागारपासणया य अणा-
 गारपासणया य । सागारपासणया जहा बेइदियाणं । चउरिंदियाणं भंते ! अणा-
 गारपासणया कइविहा पणत्ता ! गोयमा ! एगा चक्खुदंसणअणागारपासणया पणत्ता ।
 मणूसाणं जहा जीवाणं, सेसा जहा णेरइया जाव वेमाणियाणं ॥ ६६ ॥ जीवा णं
 भंते ! किं सागारपस्सी, अणागारपस्सी ? गोयमा ! जीवा सागारपस्सी वि अणागार-
 पस्सी वि । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘जीवा सागारपस्सी वि अणागारपस्सी वि’ ?
 गोयमा ! जेणं जीवा सुयणाणी ओहिणाणी मणपज्जवणाणी केवल्लणाणी सुयअणाणी
 विभंगणाणी तेणं जीवा सागारपस्सी, जेणं जीवा चक्खुदंसणी ओहिदंसणी केवल-
 दंसणी तेणं जीवा अणागारपस्सी, से एएणट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ—‘जीवा सागार-
 पस्सी वि अणागारपस्सी वि’ । णेरइया णं भंते ! किं सागारपस्सी, अणागारपस्सी ?
 गोयमा ! एवं चेव, णवरं सागारपासणयाए मणपज्जवणाणी केवल्लणाणी णं बुच्चइ,
 अणागारपासणयाए केवल्लदंसणं णत्थि, एवं जाव थणियकुमारा । पुढविकाइयाणं
 पुच्छा । गोयमा ! पुढविकाइया सागारपस्सी, णो अणागारपस्सी । से केणट्ठेणं भंते !
 एवं बुच्चइ ? गोयमा ! पुढविकाइयाणं एगा सुयअणाणसागारपासणया पणत्ता,
 से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ, एवं जाव वणस्सइकाइयाणं । बेइदियाणं पुच्छा ।
 गोयमा ! सागारपस्सी, णो अणागारपस्सी । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ ? गोयमा !
 बेइदियाणं दुविहा सागारपासणया पणत्ता । तंजहा—सुयणाणसागारपासणया, सुय-

अण्णाणसागारपांसण्या, से एण्णट्ठेण गोयमा ! एवं बुच्चइ० । एवं तेइदियाण वि । चउरिदियाण पुच्छा । गोयमा ! चउरिदिया सागारपस्सी वि अणागारपस्सी वि । से केणट्ठेण० ? गोयमा ! जेण चउरिदिया सुयणाणी सुयअणाणी तेण चउरिदिया सागारपस्सी, जेण चउरिदिया चक्खुदंसणी तेण चउरिदिया अणागारपस्सी, से एण्णट्ठेण गोयमा ! एवं बुच्चइ० । मणूसा जहा जीवा, अवसेसा जहा णेरइया जाव वेमाणिया ॥६६२॥ केवली णं भंते ! इमं रयणप्पमं पुटवि आगारेहिं हेऊहिं उवमाहिं दिट्ठंतेहिं वण्णेहिं संठाणेहिं पमाणेहिं पडोयारेहिं जं समयं जाणइ तं समयं पासइ, जं समयं पासइ तं समयं जाणइ ? गोयमा ! णो इण्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘केवली णं इमं रयणप्पमं पुटवि आगारेहिं० जं समयं जाणइ णो तं समयं पासइ, जं समयं पासइ णो तं समयं जाणइ ? गोयमा ! सागारे से णाणे भवइ, अणागारे से दंसणे भवइ, से तेणट्ठेण जाव णो तं समयं जाणइ, एवं जाव अहेसत्तमं । एवं सोइम्मकणं जाव अच्चुयं, गेविज्जगविमाणा, अणुत्तरविमाणा, ईसिप्पम्भारं पुटवि, परमाणुपोगलं दुपएसियं खंधं जाव अणंतपएसियं खंधं । केवली णं भंते ! इमं रयणप्पमं पुटवि अणागारेहिं अहेऊहिं अणुवमाहिं अदिट्ठंतेहिं अवण्णेहिं असंठाणेहिं अपमाणेहिं अपडोयारेहिं पासइ ण जाणइ ? इंता गोयमा ! केवली णं इमं रयणप्पमं पुटवि अणागारेहिं जाव पासइ ण जाणइ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘केवली णं इमं रयणप्पमं पुटवि अणागारेहिं जाव पासइ ण जाणइ’ ? गोयमा ! अणागारे से दंसणे भवइ, सागारे से णाणे भवइ, से तेणट्ठेण गोयमा ! एवं बुच्चइ—‘केवली णं इमं रयणप्पमं पुटवि अणागारेहिं जाव पासइ ण जाणइ,’ एवं जाव ईसिप्पम्भारं पुटवि परमाणुपोगलं अणंतपएसियं खंधं पासइ, ण जाणइ ॥ ६६३ ॥ पणवणाए भगवईए तीसइमं पासण्यापयं समत्तं ॥

एगतीसइमं सण्णीपयं

जीवा णं भंते ! किं सण्णी, असण्णी, णोसण्णीणोअसण्णी ! गोयमा ! जीवा सण्णी वि असण्णी वि णोसण्णीणोअसण्णी वि । णेरइयाणं पुच्छा । गोयमा ! णेरइया सण्णी वि असण्णी वि णो णोसण्णीणोअसण्णी । एवं असुरकुमारा जाव थणियकुमारा । पुटविकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! णो सण्णी, असण्णी, णो णोसण्णीणोअसण्णी । एवं बेइदियतेइदियचउरिदिया वि, मणूसा जहा जीवा, पंचिदिय-

तिरिस्त्वजोण्या याधमंतरा य जहा णेरइया, जोइसियवेमाणिया सण्णी, णो असण्णी,
 णो णोमण्णीणोअसण्णी । सिद्धाणं पुच्छा । गोयमा ! णो सण्णी, णो अमण्णा,
 णोमण्णीणोअसण्णी । णेरइयतिरियमणुया य वणयरगसुरा इ सण्णीऽसण्णी य । विग-
 लिंदिया अमण्णी जोइसवेमाणिया सण्णी ॥ ६६४ ॥ पणवणाए भगवईए
एगतीसइमं सण्णीपयं समत्तं ॥

बत्तीसइमं संजमपयं

जीवा णं भंते ! किं संजया, असंजया, संजयासंजया, णोसंजयणोअसंजय-
 णोसंजयासंजया ! गोयमा ! जीवा संजया वि १, असंजया वि २, संजयासंजया वि
 ३, णोसंजयणोअसंजयणोसंजयासंजया वि ४ । णेरइया णं भंते ! पुच्छा । गोयमा !
 णेरइया णो संजया, असंजया, णो संजयासंजया, णो णोसंजयणोअसंजयणोसंजया-
 संजया । एवं जाव च उरिंदिया । पंचिदियतिरिस्त्वजोण्याणं पुच्छा । गोयमा !
 पंचिदियतिरिस्त्वजोण्या णो संजया, असंजया वि, संजयासंजया वि, णो णोसंजय-
 णोअसंजयणोसंजयासंजया वि । मणुस्साणं पुच्छा । गोयमा ! मणूसा संजया वि
 असंजया वि संजयासंजया वि, णो णोसंजयणोअसंजयणोसंजयासंजया । वाणमंतर-
 जोइसियवेमाणिया जहा णेरइया । सिद्धाणं पुच्छा । गोयमा ! सिद्धा णो संजया
 १, णो असंजया २, णो संजयासंजया ३, णोसंजयणोअसंजयणोसंजयासंजया ४ ।
गाहा—“संजयअसंजयमीसगा य जीवा तहेव मणुया य । संजयरइया तिरिया
 सेवा अस्संजया होति” ॥ ६६५ ॥ पणवणाए भगवईए **बत्तीसइमं
 संजमपयं समत्तं ॥**

तेत्तीसइमं ओहिपयं

मेयविसयसंठाणे अभिभतरयाहिरे य देसोही । ओहिस्स य खवबुद्धी पडिवाई
 जेव अपडिवाई ॥ कइविहा णं भंते ! ओही पणत्ता ! गोयमा ! दुविहा ओही
 पणत्ता । तंजहा—भवपच्चइया य खओवसमिया य, दोण्हं भवपच्चइया, तंजहा—
 देवाण य णेरइयाण य, दोण्हं खओवसमिया, तंजहा—मणूसाणं पंचिदियतिरिस्त्व-
 जोण्याण य ॥ ६६६ ॥ णेरइया णं भंते ! केवइयं खेत्तं ओहिणा जाणंति पासंति ?

गोयमा ! जहण्णेणं अद्धगाउयं, उक्कोसेणं चत्तारि गाउयाइं ओहिणा जाणंति पासंति
 रयणप्पमापुदविणेरइया णं भंते ! केवइयं खेत्त ओहिणा जाणंति पासंति ! गोयमा !
 जहण्णेणं अद्धुद्धाइं गाउयाइं, उक्कोसेणं चत्तारि गाउयाइं ओहिणा जाणंति पासंति ।
 सक्करप्पमापुदविणेरइया जहण्णेणं तिणिणं गाउयाइं, उक्कोसेणं अद्धुद्धाइं गाउयाइं
 ओहिणा जाणंति पासंति । वालुयप्पमापुदविणेरइया जहण्णेणं अद्धाइजाइं गाउयाइं,
 उक्कोसेणं तिणिणं गाउयाइं ओहिणा जाणंति पासंति । पंक्कप्पमापुदविणेरइया जहण्णेणं
 दोणिणं गाउयाइं, उक्कोसेणं अद्धाइजाइं गाउयाइं ओहिणा जाणंति पासंति । धूम-
 प्पमापुदविणेरइया जहण्णेणं दिवहुं गाउयाइं, उक्कोसेणं दो गाउयाइं ओहिणा
 जाणंति पासंति । तमापुदविणेरइया जहण्णेणं गाउयं, उक्कोसेणं दिवहुं गाउयं ओहिणा
 जाणंति पासंति । अहेसत्तमाए पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अद्धं गाउयं, उक्कोसेणं
 गाउयं ओहिणा जाणंति पासंति ॥६६७॥ असुरकुमारा णं भंते ! ओहिणा केवइयं
 खेत्त जाणंति पासंति ! गोयमा ! जहण्णेणं पणवीसं जोयणाइं, उक्कोसेणं असंखेजे
 दीवसमुद्दे ओहिणा जाणंति पासंति । णागकुमारा णं जहण्णेणं पणवीसं जोयणाइं,
 उक्कोसेणं संखेजे दीवसमुद्दे ओहिणा जाणंति पासंति, एवं जावं थणियकुमारा ।
 पंचिदियतिरिक्खजोणिया णं भंते ! केवइयं खेत्त ओहिणा जाणंति पासंति ! गोयमा !
 जहण्णेणं अंगुलस्सं असंखेजइभागं, उक्कोसेणं असंखेजे दीवसमुद्दे । मणूसा णं
 भंते ! ओहिणा केवइयं खेत्त जाणंति पासंति ! गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्सं असं-
 खेजइभागं, उक्कोसेणं असंखेजाइं अलोए लोयप्पमाणमेत्ताइं खंडाइं ओहिणा जाणंति
 पासंति । वाणमंतरा जहा णागकुमारा ॥६६८॥ जोइसिया णं भंते ! केवइयं खेत्त
 ओहिणा जाणंति पासंति ! गोयमा ! जहण्णेणं संखेजे दीवसमुद्दे, उक्कोसेणं वि
 संखेजे दीवसमुद्दे । सोहम्मगदेवा णं भंते ! केवइयं खेत्त ओहिणा जाणंति पासंति !
 गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्सं असंखेजइभागं, उक्कोसेणं अहे जाव इमीसे रयणप्प-
 माए हिट्ठिले चरमंते, तिरियं जाव असंखेजे दीवसमुद्दे, उद्धं जाव सगाइं विमाणाइं
 ओहिणा जाणंति पासंति, एवं ईसाणगदेवा वि । सणकुमारदेवा वि एवं चेव, णवरं
 जाव अहे दोचाए सक्करप्पमाए पुदवीए हिट्ठिले चरमंते, एवं माहिंददेवा वि ।
 बंभेलोयलंतगदेवा • तच्चाए पुदवीए हिट्ठिले चरमंते, महासुक्कसहस्सारगदेवा •
 चउत्थीए पंक्कप्पमाए पुदवीए हिट्ठिले चरमंते, आणयपाणयआरणच्चुयदेवा अहे
 जाव पंचमाए धूमप्पमाए • हेट्ठिले चरमंते, हेट्ठिममज्झिमगेवेज्जगदेवा अहे जाव
 छट्ठाए तमाए पुदवीए हेट्ठिले चरमंते । उवरिमगेविज्जगदेवा णं भंते ! केवइयं

खेत्तं ओहिणा जाणंति पासंति ! गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असखेज्जभागं,
उक्कोसेण अहेसत्तमाए० हेट्ठिल्ले चरमंते, तिरियं जाव असखेजे दीवसमुदे, उट्ठे
जाव सथाइं विमाणाइं ओहिणा जाणंति पासंति । अणुत्तरोववाइयदेवा णं भंते !
केवइयं खेत्तं ओहिणा जाणंति पासंति ! गोयमा ! संभिणं लोमणालिं ओहिणा
जाणंति पासंति ॥ ६६९ ॥ णेरइया णं भंते ! ओही किंसंठिए पण्णत्ते ! गोयमा !
तप्पागारमंठिए पण्णत्ते । असुरकुमाराणं पुच्छा ! गोयमा ! पट्ठगसंठिए, एवं जाव
थणियकुमाराणं । पंचिदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा ! गोयमा ! णाणासंठाणसंठिए,
एवं मणूसाणं वि । वाणमंतराणं पुच्छा ! गोयमा ! पट्ठगसंठाणसंठिए । जोइसियाणं
पुच्छा ! गोयमा ! झल्लरिसंठाणसंठिए पण्णत्ते । सोहम्मगदेवाणं पुच्छा ! गोयमा !
उट्ठमुयंगगारसंठिए पण्णत्ते, एवं जाव अच्छुयदेवाणं । गेवेज्जगदेवाणं पुच्छा !
गोयमा ! पुप्फचंगेरिसंठिए पण्णत्ते । अणुत्तरोववाइयाणं पुच्छा ! गोयमा ! जवणा-
लियासंठिए ओही पण्णत्ते ॥ ६७० ॥ णेरइया णं भंते ! ओहिस्स किं अंतो, बाहिं !
गोयमा ! अंतो, णो बाहिं, एवं जाव थणियकुमारा । पंचिदियतिरिक्खजोणियाणं
पुच्छा ! गोयमा ! णो अंतो, बाहिं । मणूसाणं पुच्छा ! गोयमा ! अंतो वि बाहिं
पि । वाणमंतरजोइसियवेमाणियाणं जहा णेरइयाणं ॥ ६७१ ॥ णेरइया णं भंते ! किं
देसोही, सव्वोही ! गोयमा ! देसोही, णो सव्वोही, एवं जाव थणियकुमारा । पंचि-
दियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा ! गोयमा ! देसोही, णो सव्वोही । मणूसाणं पुच्छा ।
गोयमा ! देसोही वि सव्वोही वि । वाणमंतरजोइसियवेमाणियाणं जहा णेरइयाणं
॥ ६७२ ॥ णेरइयाणं भंते ! ओही किं आणुगामिए, अणणुगामिए, वट्ठमाणए,
हीयमाणए, पडिवाई, अप्पडिवाई, अवट्ठिए, अणवट्ठिए ! गोयमा ! आणुगामिए,
णो अणणुगामिए, णो वट्ठमाणए, णो हीयमाणए, णो पडिवाई, अप्पडिवाई, अव-
ट्ठिए, णो अणवट्ठिए, एवं जाव थणियकुमाराणं । पंचिदियतिरिक्खजोणियाणं
पुच्छा ! गोयमा ! आणुगामिए वि जाव अणवट्ठिए वि, एवं मणूसाणं वि । वाण-
मंतरजोइसियवेमाणियाणं जहा णेरइयाणं ॥ ६७३ ॥ पणवणाए भगवईए
तेत्तीसइमं ओहिपयं समत्तं ॥

चउत्तीसइमं परियारणापयं

अणंतरागयाहारे १ आहारे भोयणाइ य २ । पोमला णेव जाणंति ३ अज्झ-
वमाणा ४ य आहिया ॥१॥ सम्मत्तस्साहिगमे ५ तत्तो परियारणा ६ य बोद्धव्वा ।
काए फासे रुवे सहे य भणे य अप्पवहुं ७ ॥२॥ णेरइया णं भंते ! अणंतराहारा,
तओ णिव्वत्तणया, तओ परियाइणया, तओ परिणामया, तओ परियारणया, तओ
पच्छा विउव्वणया ! हंता गोयमा ! णेरइया णं अणंतराहारा, तओ णिव्वत्तणया,
तओ परियाइणया, तओ परिणामया, तओ परियारणया, तओ पच्छा विउव्वणया ।
असुरकुमारा णं भंते ! अणंतराहारा, तओ णिव्वत्तणया, तओ परियाइणया, तओ
परिणामया, तओ विउव्वणया, तओ पच्छा परियारणया ! हंता गोयमा ! असुर-
कुमारा अणंतराहारा, तओ णिव्वत्तणया जाव तओ पच्छा परियारणया, एवं जाव
यणियकुमारा । पुढविकाइया णं भंते ! अणंतराहारा, तओ णिव्वत्तणया, तओ
परियाइणया, तओ परिणामया, तओ परियारणया, तओ विउव्वणया ! हंता
गोयमा ! तं चेव जाव परियारणया, णो चेव णं विउव्वणया । एवं जाव चउरिंदिया,
णवरं वाउक्काइया पंचिंदियतिरिक्खज्जोणिया मणूसा य जहा णेरइया । वाणमंतर-
जोइसियवेमाणिया जहा असुरकुमारा ॥ ६७४ ॥ णेरइयाणं भंते ! आहारे किं
आभोगणिव्वत्तिए, अणाभोगणिव्वत्तिए ? गोयमा ! आभोगणिव्वत्तिए वि अणा-
भोगणिव्वत्तिए वि । एवं असुरकुमाराणं जाव वेमाणियाणं, णवरं एणिंदियाणं णो
आभोगणिव्वत्तिए, अणाभोगणिव्वत्तिए । णेरइया णं भंते ! जे पोमले आहारत्ताए
णिण्हंति ते किं जाणंति पासंति आहारेंति, उदाहु ण जाणंति ण पासंति आहारेंति ?
गोयमा ! ण जाणंति ण पासंति आहारेंति, एवं जाव तेइंदिया । चउरिंदियाणं
पुच्छ । गोयमा ! अत्येगइया ण जाणंति पासंति आहारेंति, अत्येगइया ण जाणंति
ण पासंति आहारेंति । पंचिंदियतिरिक्खज्जोणियाणं पुच्छ । गोयमा ! अत्येगइया
जाणंति पासंति आहारेंति १, अत्येगइया जाणंति ण पासंति आहारेंति २, अत्ये-
गइया ण जाणंति पासंति आहारेंति ३, अत्येगइया ण जाणंति ण पासंति आहारेंति
४, एवं जाव मणूस्साण वि । वाणमंतरजोइसिया जहा णेरइया । वेमाणियाणं
पुच्छ । गोयमा ! अत्येगइया जाणंति पासंति आहारेंति, अत्येगइया ण जाणंति ण
पासंति आहारेंति । मे ऋणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘वेमाणिया अत्येगइया जाणंति
पासंति आहारेंति, अत्येगइया ण जाणंति ण पासंति आहारेंति’ ? गोयमा ! वेमा-

शिया दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—माहमिच्छद्विद्विउववण्णगा य अमाइसम्महिद्विउव-
वण्णगा य, एवं जहा ईदियउहेसए पदमे भणियं तहा भाणियत्वं जाव से एण्णट्ठेणं
गोयमा ! एवं बुच्चइ० ॥६७५॥ णेरइयाणं भंते ! केवइया अज्झवसाणा पण्णत्ता !
गोयमा ! असंखेज्जा अज्झवसाणा पण्णत्ता । ते णं भंते ! किं पसत्था अपसत्था !
गोयमा ! पसत्था वि अरसत्था वि, एवं जाव वेमाणियाणं । णेरइया णं भंते ! किं
सम्मत्ताभिगमी, मिच्छत्ताभिगमी, सम्मामिच्छत्ताभिगमी ! गोयमा ! सम्मत्ताभिगमी
वि मिच्छत्ताभिगमी वि सम्मामिच्छत्ताभिगमी वि, एवं जाव वेमाणियाणं वि ।
णवरं एगिदियविगलिदिया णो सम्मत्ताभिगमी, मिच्छत्ताभिगमी, णो सम्मामिच्छ-
त्ताभिगमी ॥६७६॥ देवा णं भंते ! किं सदेवीया सपरियारा, सदेवीया अपरियारा,
अदेवीया सपरियारा, अदेवीया अपरियारा ! गोयमा ! अत्येगइया देवा सदेवीया
सपरियारा, अत्येगइया देवा अदेवीया सपरियारा, अत्येगइया देवा अदेवीया
अपरियारा, णो चेव णं देवा सदेवीया अपरियारा । से केण्णट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—
‘अत्येगइया देवा सदेवीया सपरियारा, तं चेव जाव णो चेव णं देवा सदेवीया
अपरियारा ! गोयमा ! भवणवइवाणमंतरजोइससोहमीसाणेसु कप्पेसु देवा सदेवीया
सपरियारा, सणकुमारमाहिंदंभलोवलंतगमहासुकसहस्सारआणयपाणयआरणच्छुएसु
कप्पेसु देवा अदेवीया सपरियारा, मेवेज्जअणुत्तरोक्वाइया देवा अदेवीया अपरियारा,
णो चेव णं देवा सदेवीया अपरियारा, से तेण्णट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ—‘अत्येगइया
देवा सदेवीया सपरियारा, तं चेव जाव णो चेव णं देवा सदेवीया अपरियारा’ ॥६७७॥
कइविहा णं भंते ! परियारणा पण्णत्ता ! गोयमा ! पंचविहा परियारणा पण्णत्ता ।
तंजहा—कायपरियारणा, फासपरियारणा, रूवपरियारणा, सद्दपरियारणा, मणपरि-
यारणा । से केण्णट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—पंचविहा परियारणा पण्णत्ता । तंजहा—काय-
परियारणा जाव मणपरियारणा ! गोयमा ! भवणवइवाणमंतरजोइससोहमीसाणेसु
कप्पेसु देवा कायपरियारणा, सणकुमारमाहिंदेसु कप्पेसु देवा फासपरियारणा, वंभ-
लोवलंतगेसु देवा रूवपरियारणा, महासुकसहस्सारेसु देवा सद्दपरियारणा, आणय-
पाणयआरणच्छुएसु कप्पेसु देवा मणपरियारणा, मेवेज्जअणुत्तरोक्वाइया देवा अपरि-
यारणा, से तेण्णट्ठेणं गोयमा ! तं चेव जाव मणपरियारणा । तत्थ णं जे ते काय-
परियारणा देवा तेसि णं इच्छामणे समुण्णज्जइ—‘इच्छामो णं अच्छराहिं सद्धिं काय-
परियारं करेत्तए,’ तए णं तेहिं देवेहिं एवं मणसीकए समाणे खियामेव ताओ

અચ્છરાઓ ઓરાલાઈ સિંગારાઈ મળુણાઈ મળોદરાઈ મળોરમાઈ ઉત્તરવેડવિચરુલાઈ વિડવ્વંતિ વિડવ્વિત્તા તેસિ દેવાળં અંતિયં પાડવ્વંતિ, તણં તે દેવા તાહિં અચ્છ-
રાહિં સદ્ધિ કાયપરિયારણં કરેતિ । સે જહાળામણ સીયા પોગલા સીયં પપ્પ સીયં
ચેવ અદ્વિચ્છાણં ચિટ્ઠંતિ, ઉસિણા વા પોગલા ઉસિણં પપ્પ ઉસિણં ચેવ અદ્વિચ્છાણં
ચિટ્ઠંતિ, એવમેવ તેહિં દેવેહિં તાહિં અચ્છરાહિં સદ્ધિ કાયપરિયારણે કણ સમાણે સે
હચ્છામણે સ્વિપામેવ અવેદ ॥૬૭૮॥ અત્થિ ણં મંતે ! તેસિ દેવાળં સુદ્ધપોગલા !
દંતા ! અત્થિ । તેણં મંતે ! તાસિં અચ્છરાણં કાસત્તાણ મુજો મુજો પરિણમંતિ !
ગોયમા ! સોહંદિયત્તાણ ચક્કુદ્દિયત્તાણ ઘાણિદિયત્તાણ રસિદિયત્તાણ ફાસિદિય-
ત્તાણ દ્વિત્તાણ કંતત્તાણ મળુણત્તાણ મળામત્તાણ મુમ્મગત્તાણ સોહમ્મારુજ્જોવ્વણુગુ-
લાવણત્તાણ તે તાસિં મુજો મુજો પરિણમંતિ ॥૬૭૯॥ તત્થ ણં જે તે ફાસપરિયારગા
દેવા તેસિ ણં હચ્છામણે સમુપ્પજ્ઞહ, एवं जहेव कायपरियारगा तहेव गिरवसेसं
भाणियत्वं । तत्थ ણં જે તે રુવપરિયારગા દેવા તેસિ ણં હચ્છામણે સમુપ્પજ્ઞહ—
'હચ્છામો ણં અચ્છરાહિં સદ્ધિ રુવપરિયારણં કરેત્તણ,' તણ ણં તેહિં દેવેહિં एवं
मणसीकए समाणे तहेव जाव उत्तरवेडव्वियाइ रुवाइ विडव्वित्ता जेणामेव ते देवा
तेणामेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता तेसिं देवाणं अदूरसामंते ठिच्चा ताइ उरालाइ
जाव मणोरमाइ उत्तरवेडव्वियाइ रुवाइ उवदंसेमाणीओ २ चिट्ठंति, तण णं ते
देवा ताहिं अच्छराहिं सद्धि रूवपरियारणं करेति, सेसं तं चेव जाव भुजो भुजो
परिणमंति । तत्थ णं જે તે સહપરિયારગા દેવા તેસિ ણં હચ્છામણે સમુપ્પજ્ઞહ—
'હચ્છામો ણં અચ્છરાહિં સદ્ધિ સહપરિયારણં કરેત્તણ,' તણ ણં તેહિં દેવેહિં एवं
मणसीकए समाणे तहेव जाव उत्तरवेडव्वियाइ रुवाइ विडव्वित्ता जेणा-
मेव ते देवा तेणामेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता तेसिं देवाणं अदूरसामंते ठिच्चा
अणुत्तराइ उच्चावयाइ सद्दाइ समुदारेमाणीओ २ चिट्ठंति, तण णं ते देवा ताहिं
अच्छराहिं सद्धि सहपरियारणं करेति, सेसं तं चेव जाव भुजो भुजो परिणमंति ।
तत्थ णं જે તે મળપરિયારગા દેવા તેસિં હચ્છામણે સમુપ્પજ્ઞહ—'હચ્છામો ણં
અચ્છરાહિં સદ્ધિ મળપરિયારણં કરેત્તણ,' તણ ણં તેહિં દેવેહિં एवं मणसीकए समाणे
स्वિपामेव ताओ अच्छराओ तत्थ-गयाओ चेव समाणीओ अणुत्तराइ उच्चावयाइ
मणाइ संपहारेमाणीओ २ चिट्ठंति, तण णं ते देवा ताहिं अच्छराहिं सद्धि मणपरि-
यारणं करेति, सेसं गिरवसेसं तं चेव जाव भुजो भुजो परिणमंति ॥६८०॥ एएसि

णं भंते ! देवाणं कायपरियारगाणं जाव मणपरियारगाणं, अपरियारगाणं य कयरे कयरेहिंते अप्पा वा ४ ! गोयमा ! सव्वत्थोवा देवा अपरियारगा, मणपरियासा संखेज्जगुणा, सहपरियारगा असंखेज्जगुणा, रुवपरियारगा असंखेज्जगुणा, कासपरियारगा असंखेज्जगुणा, कायपरियारगा असंखेज्जगुणा ॥६८१॥ पणवणाए भगवईए चउत्तीसइमं परियारणापयं समत्तं ॥

पणतीसइमं वेयणापयं

सीया य दव्व सरीरा साया तह वेयणा भवइ दुक्खा । अब्भुवममोवक्कमिया णिदा य अणिदा य णायव्वा ॥१॥ सायमसायं सव्वे सुहं च दुक्खं अदुक्खमसुहं च । माणसरहियं विगल्लिदिया उ ससा दुविइमेव ॥२॥ कइविहा णं भंते ! वेयणा पणत्ता ! गोयमा ! तिविहा वेयणा पणत्ता । तंजहा—सीया, उस्सिणा, सीओस्सिणा । णेरइया णं भंते ! किं सीयं वेयणं वेदेंति, उस्सिणं वेयणं वेदेंति, सीओस्सिणं वेयणं वेदेंति ! गोयमा ! सीयं पि वेयणं वेदेंति, उस्सिणं पि वेयणं वेदेंति, णो सीओस्सिणं वेयणं वेदेंति । केई एक्केक्कुपुदवीए वेयणाओ भणंति । रयणप्पमापुदविणेरइया णं भंते ! पुच्छा । गोयमा ! णो सीयं वेयणं वेदेंति, उस्सिणं वेयणं वेदेंति, णो सीओस्सिणं वेयणं वेदेंति, एवं जाव वालुयप्पमापुदविणेरइया । पंक्कप्पमापुदविणेरइयाणं पुच्छा । गोयमा ! सीयं पि वेयणं वेदेंति, उस्सिणं पि वेयणं वेदेंति, णो सीओस्सिणं वेयणं वेदेंति । ते बहुयतरागा जे उस्सिणं वेयणं वेदेंति, ते थोवतरागा जे सीयं वेयणं वेदेंति । धूमप्पमाए एवं चेव दुविहा, णवरं ते बहुयतरागा जे सीयं वेयणं वेदेंति, ते थोवतरागा जे उस्सिणं वेयणं वेदेंति । तमाए य तमतमाए य सीयं वेयणं वेदेंति, णो उस्सिणं वेयणं वेदेंति, णो सीओस्सिणं वेयणं वेदेंति । असुरकुमाराणं पुच्छा । गोयमा ! सीयं पि वेयणं वेदेंति, उस्सिणं पि वेयणं वेदेंति, सीओस्सिणं पि वेयणं वेदेंति, एवं जाव वेमाणिया ॥६८२॥ कइविहा णं भंते ! वेयणा पणत्ता ! गोयमा ! चउव्विहा वेयणा पणत्ता । तंजहा—दव्वओ स्सेत्तओ कालओ भावओ । णेरइया णं भंते ! किं दव्वओ वेयणं वेदेंति जाव भावओ वेयणं वेदेंति ! गोयमा ! दव्वओ वि वेयणं वेदेंति जाव भावओ वि वेयणं वेदेंति, एवं जाव वेमाणिया । कइविहा णं भंते ! वेयणा पणत्ता ! गोयमा ! तिविहा वेयणा पणत्ता । तंजहा—सारीरा,

माणसा, सारीरमाणसा । णेरइया णं भंते ! किं सारीरं वेयणं वेदेंति, माणसं वेयणं वेदेंति, सारीरमाणसं वेयणं वेदेंति ? गोयमा ! सारीरं पि वेयणं वेदेंति, माणसं पि वेयणं वेदेंति, सारीरमाणसं पि वेयणं वेदेंति । एवं जाव वेमाणिया, णवरं एणिदिय-विगल्लिदिया सारीरं वेयणं वेदेंति, णो माणसं वेयणं वेदेंति, णो सारीरमाणसं वेयणं वेदेंति । कइविहा णं भंते ! वेयणा पण्णत्ता ! गोयमा ! तिविहा वेयणा पण्णत्ता । तंजहा—साया, असाया, सायासाया । णेरइया णं भंते ! किं सायं वेयणं वेदेंति, असायं वेयणं वेदेंति, सायासायं वेयणं वेदेंति ! गोयमा ! तिविहं पि वेयणं वेदेंति, एवं सत्त्वजीवा जाव वेमाणिया । कइविहा णं भंते ! वेयणा पण्णत्ता ! गोयमा ! तिविहा वेयणा पण्णत्ता । तंजहा—दुक्खा, सुहा, अदुक्खमसुहा । णेरइया णं भंते ! किं दुक्खं वेयणं वेदेंति पुच्छा । गोयमा ! दुक्खं पि वेयणं वेदेंति, सुहं पि वेयणं वेदेंति, अदुक्खमसुहं पि वेयणं वेदेंति, एवं जाव वेमाणिया ॥६८३॥ कइविहा णं भंते ! वेयणा पण्णत्ता ! गोयमा ! दुविहा वेयणा पण्णत्ता । तंजहा—अब्भोवगमिया य उवक्कमिया य । णेरइया णं भंते ! अब्भोवगमियं वेयणं वेदेंति उवक्कमियं वेयणं वेदेंति ? गोयमा ! णो अब्भोवगमियं वेयणं वेदेंति, उवक्कमियं वेयणं वेदेंति, एवं जाव चउरिदिया । पंचिदियतिरिक्खजोणिया मणूसा य दुविहं पि वेयणं वेदेंति, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा णेरइया ॥ ६८४ ॥ कइविहा णं भंते ! वेयणा पण्णत्ता ! गोयमा ! दुविहा वेयणा पण्णत्ता । तंजहा—णिदाय अणिदाय । णेरइया णं भंते ! किं णिदायं वेयणं वेदेंति, अणिदायं वेयणं वेदेंति ? गोयमा ! णिदायं पि वेयणं वेदेंति, अणिदायं पि वेयणं वेदेंति । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘णेरइया णिदायं पि० अणिदायं पि वेयणं वेदेंति’ ! गोयमा ! णेरइया दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—सण्णीभूया य असण्णीभूया य । तत्थ णं जे ते सण्णीभूया ते णं णिदायं वेयणं वेदेंति, तत्थ णं जे ते असण्णीभूया ते णं अणिदायं वेयणं वेदेंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं—‘णेरइया णिदायं पि वेयणं वेदेंति अणिदायं पि वेयणं वेदेंति, एवं जाव यणियकुमारा । पुटविकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! णो णिदायं वेयणं वेदेंति, अणिदायं वेयणं वेदेंति । से केणट्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘पुटविकाइया णो णिदायं वेयणं वेदेंति, अणिदायं वेयणं वेदेंति’ ? गोयमा ! पुटविकाइया सत्त्वे असण्णी असण्णिभूयं अणिदायं वेयणं वेदेंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ—पुटविकाइया णो णिदायं वेयणं वेदेंति, अणिदायं वेयणं वेदेंति, एवं जाव चउरि-दिया । पंचिदियतिरिक्खजोणिया मणूसा वाणमंतरा जहा णेरइया । जोइसियाणं

पुच्छा । गोयमा ! णिदायं पि वेयणं वेदेंति, अणिदायं पि वेयणं वेदेंति । से केण-
 द्वेण भंते ! एवं बुच्चइ—‘जोइसिया णिदायं पि वेयणं वेदेंति, अणिदायं पि वेयणं
 वेदेंति’ ? गोयमा ! जोइसिया दुविहा पणत्ता । तंजहा—माइमिच्छदिट्ठिउववण्णगा
 य अमाइसम्महिट्ठिउववण्णगा य । तत्थ णं जे ते माइमिच्छदिट्ठिउववण्णगा ते णं
 अणिदायं वेयणं वेदेंति, तत्थ णं जे ते अमाइसम्महिट्ठिउववण्णगा ते णं णिदायं
 वेयणं वेदेंति, से एएणद्वेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ—‘जोइसिया दुविहं पि वेयणं वेदेंति,’
 एवं वेमाणिया वि ॥६८५॥ पण्णवणाए भगवईए पणतीसइमं वेयणा-
 पयं समत्तं ॥

छत्तीसइमं समुग्घायपयं

वेयणकसायमरणे वेउव्वियतेयए य आहारे । केवलिए चैव भवे जीवमणुस्साण
 सत्तेव ॥ कइ णं भंते ! समुग्घाया पणत्ता ! गोयमा ! सत्त समुग्घाया पणत्ता ।
 तंजहा—वेयणासमुग्घाए १, कसायसमुग्घाए २, मारणंतियसमुग्घाए ३, वेउव्विय-
 समुग्घाए ४, तेयासमुग्घाए ५, आहारसमुग्घाए ६, केवलिसमुग्घाए ७ । वेयणा-
 समुग्घाए णं भंते ! कइसमइए पणत्ते ! गोयमा ! असंखेजसमइए अंतोमुहुत्तिए
 पणत्ते, एवं जाव आहारसमुग्घाए । केवलिसमुग्घाए णं भंते ! कइसमइए पणत्ते !
 गोयमा ! अट्ठममइए पणत्ते । णेरइयाणं भंते ! कइ समुग्घाया पणत्ता ! गोयमा !
 चत्तारि समुग्घाया पणत्ता । तंजहा—वेयणासमुग्घाए, कसायसमुग्घाए, मारणंतिय-
 समुग्घाए, वेउव्वियसमुग्घाए । असुरकुमारानं भंते ! कइ समुग्घाया पणत्ता !
 गोयमा ! पंच समुग्घाया पणत्ता । तंजहा—वेयणासमुग्घाए, कसायसमुग्घाए, मारणं-
 तियसमुग्घाए, वेउव्वियसमुग्घाए, तेयासमुग्घाए, एवं जाव थणियकुमारानं ।
 पुढविकाइयाणं भंते ! कइ समुग्घाया पणत्ता ! गोयमा ! तिण्णि समुग्घाया पणत्ता ।
 तंजहा—वेयणासमुग्घाए, कसायसमुग्घाए, मारणंतियसमुग्घाए, एवं जाव चउरिदि-
 याणं । णवरं वाउकाइयाणं चत्तारि समुग्घाया पणत्ता । तंजहा—वेयणासमुग्घाए,
 कसायसमुग्घाए, मारणंतियसमुग्घाए, वेउव्वियसमुग्घाए । पंचविद्यतिरिक्खजोणि-
 याणं जाव वेमाणियाणं भंते ! कइ समुग्घाया पणत्ता ! गोयमा ! पंच समुग्घाया
 पणत्ता । तंजहा—वेयणासमुग्घाए, कसायसमुग्घाए, मारणंतियसमुग्घाए, वेउव्विय-

समुग्धाए, तेयासमुग्धाए । णवरं मणूसाणं सत्तविहे समुग्धाए पण्णत्ते । तंजहा—वेयणा-
समुग्धाए, कमायसमुग्धाए, मारणंतियसमुग्धाए, वेउव्वियसमुग्धाए, तेयासमुग्धाए,
आहारसमुग्धाए, केवलिसमुग्धाए ॥६८६॥ एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स केवइया
वेयणासमुग्धाया अतीता ? गोयमा ! अणंता, केवइया पुरेक्खडा ? गोयमा ! कस्सइ
अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सत्थि तस्स जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिणिण वा, उक्कोसेणं
संखेजा वा असंखेजा वा अणंता वा । एवमसुरकुमारस्स वि णिरंतरं जाव वेमा-
णियस्स, एवं जाव तेयगसमुग्धाए, एवमेए पंच चउवीसा दंडगा । एगमेगस्स णं
भंते ! णेरइयस्स केवइया आहारसमुग्धाया अतीता ! • कस्सइ अत्थि कस्सइ
णत्थि, जस्स अत्थि तस्स जहण्णेणं एक्को वा दो वा, उक्कोसेणं तिणिण । केवइया
पुरेक्खडा ! • कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा
तिणिण वा, उक्कोसेणं चत्तारि, एवं णिरंतरं जाव वेमाणियस्स, णवरं मणूस्स
अतीता वि पुरेक्खडा वि जहा णेरइयस्स पुरेक्खडा । एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स
केवइया केवलिसमुग्धाया अतीता ! गोयमा ! णत्थि । केवइया पुरेक्खडा ? गोयमा !
कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सत्थि एक्को, एवं जाव वेमाणियस्स, णवरं मणूस्-
स्स अतीता कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सत्थि एक्को, एवं पुरेक्खडा वि ॥६८७॥
णेरइयाणं भंते ! केवइया वेयणासमुग्धाया अतीता ! गोयमा ! अणंता । केवइया
पुरेक्खडा ? गोयमा ! अणंता, एवं जाव वेमाणियाणं, एवं जाव तेयगसमुग्धाए,
एवं एए वि पंच चउवीसदंडगा । णेरइयाणं भंते ! केवइया आहारसमुग्धाया
अतीता ! गोयमा ! असंखेजा । केवइया पुरेक्खडा ? गोयमा ! असंखेजा, एवं
जाव वेमाणियाणं । णवरं वणस्सइकाइयाणं मणूसाणं य इमं णाणत्ते—वणस्सइकाइ-
याणं भंते ! केवइया आहारसमुग्धाया अतीता ! गोयमा ! अणंता । मणूसाणं
भंते ! केवइया आहारसमुग्धाया अतीता ! गोयमा ! सियसंखेजा, सियअसंखेजा,
एवं पुरेक्खडा वि । णेरइयाणं भंते ! केवइया केवलिसमुग्धाया अतीता ! गोयमा !
णत्थि । केवइया पुरेक्खडा ? गोयमा ! असंखेजा, एवं जाव वेमाणियाणं । णवरं
वणस्सइकाइयमणूसेसु इमं णागत्ते—वणस्सइकाइयाणं भंते ! केवइया केवलिसमुग्धाया
अतीता ! गोयमा ! णत्थि । केवइया पुरेक्खडा ? गोयमा ! अणंता । मणूसाणं
भंते ! केवइया केवलिसमुग्धाया अतीता ! गोयमा ! सिय अत्थि सिय णत्थि, जइ
अत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिणिण वा, उक्कोसेणं सयपुहुत्तं । केवइया पुरे-

क्खडा !० सिय संखेजा, सिय असंखेजा ॥६८८॥ एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स णेरइयस्से केवइया वेयणासमुग्धाया अतीता ! गोयमा ! अणंता । केवइया पुरेक्खडा ! गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्स अत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिणिण वा, उक्कोसेणं संखेजा वा असंखेजा वा अणंता वा । एवं असुरकुमारस्से जाव वेमाणियस्से । एगमेगस्स णं भंते ! असुरकुमारस्स णेरइयस्से केवइया वेयणासमुग्धाया अतीता ! गोयमा ! अणंता । केवइया पुरेक्खडा ? गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सत्थि तस्स सिय संखेजा वा सिय असंखेजा वा सिय अणंता वा । एगमेगस्स णं भंते ! असुरकुमारस्स असुरकुमारस्से केवइया वेयणासमुग्धाया अतीता ! गोयमा ! अणंता । केवइया पुरेक्खडा ? गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिणिण वा, उक्कोसेणं संखेजा वा असंखेजा वा अणंता वा, एवं णागकुमारस्से वि जाव वेमाणियस्से, एवं जहा वेयणासमुग्धाएणं असुरकुमारे णेरइयाइवेमाणियपज्जवसाणेसु भणियो तथा णागकुमाराइया अवसेसेसु सट्ठाणेसु परट्ठाणेसु भाणियव्वा जाव वेमाणियस्स वेमाणियस्से । एवमेए चउव्वीसं चउव्वीसा दंडगा भवंति ॥६८९॥ एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स णेरइयस्से केवइया कसायसमुग्धाया अतीता ! गोयमा ! अणंता । केवइया पुरेक्खडा ! गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सत्थि एगुत्तरियाए जाव अणंता । एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स असुरकुमारस्से केवइया कसायसमुग्धाया अतीता ! गोयमा ! अणंता, केवइया पुरेक्खडा ! गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सत्थि सिय संखेजा, सिय असंखेजा, सिय अणंता, एवं जाव णेरइयस्स थणियकुमारस्से । पुढविकाइयस्से एगुत्तरियाए णेयव्वं, एवं जाव मणुयस्से, वाणमंतरस्से जहा असुरकुमारस्से । जोइसियस्से अतीता अणंता, पुरेक्खडा कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सत्थि सिय असंखेजा, सिय अणंता, एवं वेमाणियस्से वि सिय असंखेजा, सिय अणंता । असुरकुमारस्स णेरइयस्से अतीता अणंता, पुरेक्खडा कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सत्थि सिय संखेजा, सिय असंखेजा, सिय अणंता । असुरकुमारस्स असुरकुमारस्से अतीता अणंता, पुरेक्खडा एगुत्तरिया, एवं णागकुमारस्से जाव णिरंतरं वेमाणियस्से जहा णेरइयस्स भणियं तहेव भाणियव्वं, एवं जाव थणियकुमारस्स वि वेमाणियस्से, णवरं सव्वेसिं सट्ठाणे एगुत्तरियाए, परट्ठाणे जहेव असुरकुमारस्स । पुढविकाइयस्स णेरइयस्से जाव थणियकुमारस्से अतीता अणंता, पुरेक्खडा

कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सत्थि सिय संखेजा, सिय असंखेजा, सिय अणंता ।
 पुढविकाइयस्स पुढविकाइयत्ते जाव मणूसत्ते अतीता अणंता, पुरेक्खडा कस्सइ
 अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्स अत्थि एगुत्तरिया । वाणमंतरस्ते जहा णेरइयत्ते । ओइ-
 सियवेमाणियत्ते अतीता अणंता, पुरेक्खडा कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्स
 अत्थि सिय असंखेजा, सिय अणंता, एवं जाव मणूसं वि णेयव्वं । वाणमंतरजोइ-
 सियवेमाणिया जहा असुरकुमारा, णवरं सद्धाने एगुत्तरियाए भाणियव्वे जाव वेमा-
 णियस्स वेमाणियत्ते । एवं एए चउव्वीसं चउव्वीसा दंडगा ॥६९०॥ मारणंतिय-
 समुग्धाओ सद्धाने वि परद्धाने वि एगुत्तरियाए णेयव्वो जाव वेमाणियस्स वेमाणियत्ते,
 एवमेए चउवीसं चउवीसंदंडगा भाणियव्वा । वेउव्वियसमुग्धाओ जहा वसाय-
 समुग्धाओ तहा गिरवसेसो भाणियव्वो, णवरं जस्स णत्थि तस्स ण बुच्चइ, एत्थ वि
 चउवीसं चउवीसा दंडगा भाणियव्वा । तेयगसमुग्धाओ जहा मारणंतियसमुग्धाओ,
 णवरं जस्सइत्थि, एवं एए वि चउव्वीसं चउव्वीसा दंडगा भाणियव्वा ॥६९१॥
 एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स णेरइयत्ते केवइया आहारगसमुग्धाया अतीता !
 गोयमा ! णत्थि । केवइया पुरेक्खडा ! गोयमा ! णत्थि, एवं जाव वेमाणियत्ते,
 णवरं मणूसत्ते अतीता कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो
 वा, उक्कोसेणं तिण्णि । केवइया पुरेक्खडा ! गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि,
 जस्सत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं चत्तारि, एवं सव्वजीवाणं
 मणुस्साणं भाणियव्वं । मणूसस्स मणूसत्ते अतीता कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि,
 जस्सत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं चत्तारि, एवं पुरेक्खडा
 वि । एवमेए चउवीसं चउवीसा दंडगा जाव वेमाणियत्ते ॥६९२॥ एगमेगस्स णं
 भंते ! णेरइयस्स णेरइयत्ते केवइया केवलिसमुग्धाया अतीता ! गोयमा ! णत्थि ।
 केवइया पुरेक्खडा ! गोयमा ! णत्थि, एवं जाव वेमाणियत्ते, णवरं मणूसत्ते अतीता
 णत्थि, पुरेक्खडा कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सत्थि एक्को, मणूसस्स मणूसत्ते
 अतीता कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सत्थि एक्को, एवं पुरेक्खडा वि । एवमेए
 चउव्वीसं चउव्वीसा दंडगा ॥६९३॥ णेरइयाणं भंते ! णेरइयत्ते केवइया वेयणा-
 समुग्धाया अतीता ! गोयमा ! अणंता । केवइया पुरेक्खडा ! गोयमा ! अणंता, एवं
 जाव वेमाणियत्ते, एवं सव्वजीवाणं भाणियव्वं जाव वेमाणियाणं वेमाणियत्ते, एवं जाव
 तेयगसमुग्धाया, णवरं उवउज्जिऊण णेयव्वं जस्सइत्थि वेउव्वियतेयगा ॥६९४॥

णेरइयाणं भंते ! णेरइयत्ते केवइया आहारगसमुग्घाया अतीता ? गोयमा ! णत्थि ।
 केवइया पुरेक्खडा ? गोयमा ! णत्थि, एवं जाव वेमाणियत्ते । णवरं मणूसत्ते अतीता
 असंखेजा, पुरेक्खडा असंखेजा, एवं जाव वेमाणियाणं । णवरं वणस्सइकाइयाणं
 मणूसत्ते अतीता अणंता, पुरेक्खडा अणंता । मणूसाणं मणूसत्ते अतीता सिय
 संखेजा, सिय असंखेजा, एवं पुरेक्खडा वि । सेसा सव्वे जइा णेरइया, एवं एए
 चउवीसं चउवीसा दंडगा ॥६९५॥ णेरइयाणं भंते ! णेरइयत्ते केवइया केवल-
 समुग्घाया अतीता ? गोयमा ! णत्थि । केवइया पुरेक्खडा ? गोयमा ! णत्थि, एवं
 जाव वेमाणियत्ते । णवरं मणूसत्ते अतीता णत्थि, पुरेक्खडा असंखेजा, एवं जाव
 वेमाणिया, णवरं वणस्सइकाइयाणं मणूसत्ते अतीता णत्थि, पुरेक्खडा अणंता ।
 मणूसाणं मणूसत्ते अतीता सिय अत्थि सिय णत्थि, जइ अत्थि जइण्णेणं एक्को वा
 दो वा तिणि वा, उक्कांसेणं सयपुट्ठं । केवइया पुरेक्खडा ? गोयमा ! सिय संखेजा,
 सिय असंखेजा, एवं एए चउवीसं चउवीसा दंडगा सव्वे पुच्छाए भाणियव्वा जाव
 वेमाणियाणं वेमाणियत्ते ॥६९६॥ एएसि णं भंते ! जीवाणं वेयणासमुग्घाएणं कसाय-
 समुग्घाएणं मारणंतियसमुग्घाएणं वेउळ्वियसमुग्घाएणं तेयगसमुग्घाएणं आहारग-
 समुग्घाएणं केवलिसमुग्घाएणं समोहयाणं असमोहयाणं य कयरे कयरेहितो अप्पा
 वा बहुवा वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा आहारग-
 समुग्घाएणं समोहया, केवलिसमुग्घाएणं समोहया संखेजगुणा, तेयगसमुग्घाएणं समो-
 हया असंखेजगुणा, वेउळ्वियसमुग्घाएणं समोहया असंखेजगुणा, मारणंतियसमुग्घाएणं
 समोहया अणंतगुणा, कसायसमुग्घाएणं समोहया असंखेजगुणा, वेयणासमुग्घाएणं
 समोहया विसेसाहिया, असमोहया असंखेजगुणा ॥६९७॥ एएसि णं भंते ! णेरइ-
 याणं वेयणासमुग्घाएणं कसायसमुग्घाएणं मारणंतियसमुग्घाएणं वेउळ्वियसमुग्घाएणं
 समोहयाणं असमोहयाणं य कयरे कयरेहितो अप्पा वा ४ ! गोयमा ! सव्वत्थोवा
 णेरइया मारणंतियसमुग्घाएणं समोहया, वेउळ्वियसमुग्घाएणं समोहया असंखेजगुणा,
 कसायसमुग्घाएणं समोहया संखेजगुणा, वेयणासमुग्घाएणं समोहया संखेजगुणा,
 असमोहया संखेजगुणा । एएसि णं भंते ! असुरकुमाराणं वेयणासमुग्घाएणं कसाय-
 समुग्घाएणं मारणंतियसमुग्घाएणं वेउळ्वियसमुग्घाएणं तेयगसमुग्घाएणं समोहयाणं
 असमोहयाणं य कयरे कयरेहितो अप्पा वा ४ ! गोयमा ! सव्वत्थोवा असुरकुमारा
 तेयगसमुग्घाएणं समोहया, मारणंतियसमुग्घाएणं समोहया असंखेजगुणा, वेयणा-

समुग्धाएणं समोहया असंखेज्जगुणा, कसायसमुग्धाएणं समोहया संखेज्जगुणा, वेउव्विय-
समुग्धाएणं समोहया संखेज्जगुणा, असमोहया असंखेज्जगुणा, एवं जाव थणियकुमारा ।
एएसि णं भंते ! पुटविकाइयाणं वेयणा० करा०० मारणंतियसमुग्धाएणं समोहयाणं
असमोहयाणं य कयरे कयरेहिंते अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा पुटविकाइया मार-
णंतियसमुग्धाएणं समोहया, कसायसमुग्धाएणं समोहया संखेज्जगुणा, वेयणासमुग्धाएणं
समोहया विसेसाहिया, असमोहया असंखेज्जगुणा । एवं जाव वणस्सइकाइया, पवरं
सव्वत्थोवा वाउक्काइया वेउव्वियसमुग्धाएणं समोहया, मारणंतियसमुग्धाएणं समोहया
असंखेज्जगुणा, कसायसमुग्धाएणं समोहया संखेज्जगुणा, वेयणासमुग्धाएणं समोहया
विसेसाहिया, असमोहया असंखेज्जगुणा । वेइंदियाणं भंते ! वेयणासमुग्धाएणं कसाय-
समुग्धाएणं मारणंतियसमुग्धाएणं समोहयाणं असमोहयाणं य कयरे कयरेहिंते अप्पा
वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा वेइंदिया मारणंतियसमुग्धाएणं समोहया, वेयणासमुग्धा-
एणं समोहया असंखेज्जगुणा, कसायसमुग्धाएणं समोहया संखेज्जगुणा असमोहया
संखेज्जगुणा, एवं जाव चउरिंदिया । पंचिंदियतिरिक्खज्जोणियाणं भंते ! वेयणासमु-
ग्धाएणं कसायसमुग्धाएणं मारणंतियसमुग्धाएणं वेउव्वियसमुग्धाएणं तेयासमुग्धाएणं
समोहयाणं असमोहयाणं य कयरे कयरेहिंते अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा
पंचिंदियतिरिक्खज्जोणिया तेयासमुग्धाएणं समोहया, वेउव्वियसमुग्धाएणं समोहया
असंखेज्जगुणा, मारणंतियसमुग्धाएणं समोहया असंखेज्जगुणा, वेयणासमुग्धाएणं समो-
हया असंखेज्जगुणा, कसायसमुग्धाएणं समोहया संखेज्जगुणा, असमोहया संखेज्जगुणा ।
मणुस्साणं भंते ! वेयणासमुग्धाएणं कसायसमुग्धाएणं मारणंतियसमुग्धाएणं वेउव्विय-
समुग्धाएणं तेयगसमुग्धाएणं आहारगसमुग्धाएणं केवलिसमुग्धाएणं समोहयाणं
असमोहयाणं य कयरे कयरेहिंते अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा मणुस्सा
आहारगसमुग्धाएणं समोहया, केवलिसमुग्धाएणं समोहया संखेज्जगुणा, तेयगसमुग्धा-
एणं समोहया संखेज्जगुणा, वेउव्वियसमुग्धाएणं समोहया संखेज्जगुणा, मारणंतिय-
समुग्धाएणं समोहया असंखेज्जगुणा, वेयणासमुग्धाएणं समोहया असंखेज्जगुणा,
कसायसमुग्धाएणं समोहया संखेज्जगुणा, असमोहया असंखेज्जगुणा । बाणमंतरजोइ-
सियवेमाणियाणं जेहा असुरकुमाराणं ॥ ६९८ ॥ कइ णं भंते ! कसायसमुग्धाया
पणत्ता ! गोयमा ! चत्तारि कसायसमुग्धाया पणत्ता । तंजहा—कोहसमुग्धाए, माण-
समुग्धाए, मायासमुग्धाए लोहसमुग्धाए । णेरइयाणं भंते ! कइ कसायसमुग्धाया

पण्णत्ता ! गोयमा ! चत्तारि कसायसमुग्धाया पण्णत्ता, एवं जाव वेमाणियाणं । एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स केवइया कोहसमुग्धाया अतीता ! गोयमा ! अणंता । केवइया पुरेक्खडा ! गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा, एवं जाव वेमाणियस्स, एवं जाव लोहसमुग्धाए, एए चत्तारि दंडगा । णेरइया णं भंते ! केवइया कोहसमुग्धाया अतीता ! गोयमा ! अणंता । केवइया पुरेक्खडा ! गोयमा ! अणंता । एवं जाव वेमाणियाणं, एवं जाव लोहसमुग्धाए, एवं एए वि चत्तारि दंडगा । एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स णेरइयस्से केवइया कोहसमुग्धाया अतीता ! गोयमा ! अणंता । एवं जहा वेयणासमुग्धाओ भणिओ तहा कोहसमुग्धाओ वि णिरवसेसं जाव वेमाणियस्से । माणसमुग्धाए मायासमुग्धाएवि णिरवसेसं जहा भारणंतियसमुग्धाए, लोहसमुग्धाओ जहा कसायसमुग्धाओ, णवरं सच्चजीवा असुराइणेरइएसु लोहकसाएणं एगुत्तरियाए णेयव्वा । णेरइयाणं भंते ! णेरइयस्से केवइया कोहसमुग्धाया अतीता ! गोयमा ! अणंता । केवइया पुरेक्खडा ! गोयमा ! अणंता, एवं जाव वेमाणियस्से, एवं सट्ठाण-परट्ठाणेषु सच्चत्थे भाणियव्वा, सच्चजीवाणं चत्तारि वि समुग्धाया जाव लोहसमुग्धाओ जाव वेमाणियाणं वेमाणियस्से ॥ ६९९ ॥ एएसि णं भंते ! जीवाणं कोहसमुग्धाएणं माणसमुग्धाएणं मायासमुग्धाएणं लोभसमुग्धाएणं य समोहयाणं अकसायसमुग्धाएणं समोहयाणं असमोहयाणं य कयरे कयरेहिंते अप्पा वा ४ ! गोयमा ! सच्चत्थोवा जीवा अकसायसमुग्धाएणं समोहया, माणसमुग्धाएणं समोहया अणंतमुणा, कोहसमुग्धाएणं समोहया विसेसाहिया, मायासमुग्धाएणं समोहया विसेसाहिया, लोभसमुग्धाएणं समोहया विसेसाहिया, असमोहया संखेज्जगुणा । एएसि णं भंते ! णेरइयाणं कोहसमुग्धाएणं माणसमुग्धाएणं मायासमुग्धाएणं लोभसमुग्धाएणं समोहयाणं असमोहयाणं य कयरे कयरेहिंते अप्पा वा ४ ! गोयमा ! सच्चत्थोवा णेरइया लोभसमुग्धाएणं समोहया, मायासमुग्धाएणं समोहया संखेज्जगुणा, माणसमुग्धाएणं समोहया संखेज्जगुणा, कोहसमुग्धाएणं समोहया संखेज्जगुणा, असमोहया संखेज्जगुणा । असुरकुमाराणं पुच्छ । गोयमा ! सच्चत्थोवा असुरकुमारा कोहसमुग्धाएणं समोहया, माणसमुग्धाएणं समोहया संखेज्जगुणा, मायासमुग्धाएणं समोहया संखेज्जगुणा, लोभसमुग्धाएणं समोहया संखेज्जगुणा, असमोहया संखेज्जगुणा, एवं सच्चदेवा जाव वेमाणिया । पुट्टविकाइयाणं पुच्छ । गोयमा ! सच्चत्थोवा पुट्टविकाइया माणसमुग्धाएणं समोहया,

कोहसमुग्धाएणं समोहया विसेसाहिया, मायासमुग्धाएणं समोहया विसेसाहिया, लोभ-
समुग्धाएणं समोहया विसेसाहिया, असमोहया संखेजगुणा । एवं जाव पंचिदिय-
तिरिक्खजोणिया, मणुस्सा जहा जीवा, णवरं माणसमुग्धाएणं समोहया अमंखेज-
गुणा ॥७००॥ कइ णं भंते ! छाउमत्थिया समुग्धाया पणत्ता ! गोयमा ! छ छाउ-
मत्थिया समुग्धाया पणत्ता । तंजहा—वेयणासमुग्धाए, कसायसमुग्धाए, मारणंतिय-
समुग्धाए, वेउव्वियसमुग्धाए, तेयासमुग्धाए, आहारगसमुग्धाए । णेरइयाणं भंते !
कइ छाउमत्थिया समुग्धाया पणत्ता ! गोयमा ! चत्तारि छाउमत्थिया समुग्धाया
पणत्ता । तंजहा—वेयणासमुग्धाए, कसायसमुग्धाए, मारणंतियसमुग्धाए, वेउव्विय-
समुग्धाए । अमुरकुमारोणं पुच्छ । गोयमा ! पंच छाउमत्थिया समुग्धाया पणत्ता ।
तंजहा—वेयणासमुग्धाए, कसायसमुग्धाए, मारणंतियसमुग्धाए, वेउव्वियसमुग्धाए,
तेयासमुग्धाए । एगिदियविगल्लिदियाणं पुच्छ । गोयमा ! तिणिण छाउमत्थिया
समुग्धाया पणत्ता । तंजहा—वेयणासमुग्धाए, कसायसमुग्धाए, मारणंतियसमुग्धाए,
णवरं वाउकाइयाणं चत्तारि समुग्धाया पणत्ता । तंजहा—वेयणासमुग्धाए, कसाय-
समुग्धाए, मारणंतियसमुग्धाए, वेउव्वियसमुग्धाए । पंचेदियतिरिक्खजोणियाणं
पुच्छ । गोयमा ! पंच समुग्धाया पणत्ता । तंजहा—वेयणासमुग्धाए, कसायसमुग्धाए,
मारणंतियसमुग्धाए, वेउव्वियसमुग्धाए, तेयगसमुग्धाए । मणूसाणं भंते ! कइ छाउ-
मत्थिया समुग्धाया पणत्ता ! गोयमा ! छ छाउमत्थिया समुग्धाया पणत्ता । तंजहा—
वेयणासमुग्धाए, कसायसमुग्धाए, मारणंतियसमुग्धाए, वेउव्वियसमुग्धाए, तेयगसमु-
ग्धाए, आहारगसमुग्धाए ॥७०१॥ जीवे' णं भंते ! वेयणासमुग्धाएणं समोहए समोह-
णित्ता जे पोगले निच्छुभइ, तेहि णं भंते ! पोगलेहिं केवइए खेत्ते अप्फुण्णे, केवइए
खेत्ते फुडे ! गोयमा ! सरीरप्पमाणमेत्ते विक्खेभवाहल्लेणं णियमा छदिसि एवइए खेत्ते
अप्फुण्णे, एवइए खेत्ते फुडे । से णं भंते ! खेत्ते केवइकालस्स अप्फुण्णे, केवइकालस्स
फुडे ! गो० ! एगसमइएण वा दुसमइएण वा तिसमइएण वा विग्गहेण एवइयकालस्स
अप्फुण्णे, एवइयकालस्स फुडे । ते णं भंते ! पोगले केवइकालस्स निच्छुभइ ! गो० !
जइएणं अंतोमुहुत्तस्स, उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तस्स । ते णं भंते ! पोगला निच्छूढा
समाणा जाइं तत्थ पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं अभिहणंति वत्तेति लेसेंति संघाएति
संघंति परियावैति किलामैति उद्वैति तेहिंतो णं भंते ! से जीवे कइकिरिए ?
गोयमा ! सिय तिकिरिए, सिय चउकिरिए, सिय पंचकिरिए । ते णं भंते ! जीवा

तां जीवाओ कइकिरिया ! गोयमा ! सिय तिकिरिया, सिय चउकिरिया, सिय पंचकिरिया । से णं भंते ! जीवे ते य जीवा अण्णसि जीवाणं परंपराधाएणं कइ-
किरिया ! गोयमा ! तिकिरिया वि चउकिरिया वि पंचकिरिया वि ॥ ७०२ ॥
णेरइए णं भंते ! वेयणासमुत्थाएणं समोहए एवं जहेव जीवे, णवरं णेरइयाभिलावे,
एवं णिरवसेसं जाव वेमाणिए । एवं कसायसमुत्थाओ वि भाणियब्बो । जीवे णं
भंते ! मारणतियसमुत्थाएणं समोहए समोहणित्ता जे पोगले णिच्छुभइ तेहि णं
भंते ! पोगलेहिं केवइए खेत्ते अण्णुणे, केवइए खेत्ते फुडे ! गोयमा ! सरीरप-
माणमेत्ते विक्खंभयाहल्लेणं, आयामेणं जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जभागं, उक्कोसेणं
असंखेज्जाइं जोयणाइं एगदिसिं एवइए खेत्ते अण्णुणे, एवइए खेत्ते फुडे । से णं
भंते ! खेत्ते केवइकालस्स अण्णुणे, केवइकालस्स फुडे ! गोयमा ! एगसमइएण
वा दुसमइएण वा तिसमइएण वा चउसमइएण वा विग्गहेणं एवइकालस्स अण्णुणे,
एवइकालस्स फुडे, सेसं तं चेव जाव पंचकिरिया वि । एवं णेरइए वि, णवरं
आयामेणं जहण्णेणं सादरेणं जोयणसहस्सं, उक्कोसेणं असंखेज्जाइं जोयणाइं एगदिसिं
एवइए खेत्ते अण्णुणे, एवइए खेत्ते फुडे, विग्गहेणं एगसमइएण वा दुसमइएण
वा तिसमइएण वा, णवरं चउसमइएण वा ण भण्णइ, सेसं तं चेव जाव पंचकिरिया
वि । अमुरकुमारस्स जहा जीवपए, णवरं विग्गहो तिसमइओ जहा णेरइयस्स, सेसं
तं चेव जहा असुरकुमारे, एवं जाव वेमाणिए, णवरं एगिंदिए जहा जीवे णिरवसेसं
॥ ७०३ ॥ जीवे णं भंते ! वेउत्तिवसमुत्थाएणं समोहए समोहणित्ता जे पोगले णिच्छु-
भइ तेहि णं भंते ! पोगलेहिं केवइए खेत्ते अण्णुणे, केवइए खेत्ते फुडे ! गोयमा !
सरीरपमाणमेत्ते विक्खंभयाहल्लेणं, आयामेणं जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जभागं, उक्को-
सेणं संखेज्जाइं जोयणाइं एगदिसिं विदिसिं वा एवइए खेत्ते अण्णुणे, एवइए
खेत्ते फुडे । से णं भंते ! केवइकालस्स अण्णुणे, केवइकालस्स फुडे ! गोयमा !
एगसमइएण वा दुसमइएण वा तिसमइएण वा विग्गहेणं एवइकालस्स अण्णुणे,
एवइकालस्स फुडे, सेसं तं चेव जाव पंचकिरिया वि, एवं णेरइए वि, णवरं
आयामेणं जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जभागं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं जोयणाइं एगदिसिं ।
एवइए खेत्ते केवइकालस्स ! तं चेव जहा जीवपए, एवं जहा णेरइयस्स तहा असुर-
कुमारस्स, णवरं एगदिसिं विदिसिं वा, एवं जाव थणियकुमारस्स । वाउकाइयस्स
जहा जीवपए, णवरं एगदिसिं । पंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स णिरवसेसं जहा णेरइ-
यस्स । मणूपाणमंतरजोइसियवेमाणियस्स णिरवसेसं जहा असुरकुमारस्स ॥ ७०४ ॥

जीवे णं भंते ! तेयगसमुत्थाएणं समोहए समोहणित्ता जे पोग्गले णिच्छुभइ तेहि
 णं भंते ! पोग्गलेहिं केवइए खेत्ते अप्पुण्णे, केवइए खेत्ते फुडे ! एवं जहेव वेउव्विए
 समुत्थाए तहेव, णवरं आयामेणं जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेजइभागं, सेसं तं चेव,
 एवं जाव वेमाणियस्स, णवरं पंचिदियतिरिक्खजोणियस्स एगदिसिं एवइए खेत्ते
 अप्पुण्णे, एवइए खेत्ते फुडे ॥७०५॥ जीवे णं भंते ! आहारगसमुत्थाएणं समोहए
 समोहणित्ता जे पोग्गले णिच्छुभइ तेहि णं भंते ! पोग्गलेहिं केवइए खेत्ते अप्पुण्णे,
 केवइए खेत्ते फुडे ! गोयमा ! सरीरपमाणमेत्ते विक्खेवभाइहेणं, आयामेणं जहण्णेणं
 अंगुलस्स असंखेजइभागं, उक्कोसेणं संखेजाइं जोयणाइं एगदिसिं, एवइए खेत्ते
 एगसमइएण वा दुसमइएण वा तिसमइएण वा विग्गहेणं एवइकालस्स अप्पुण्णे,
 एवइकालस्स फुडे । ते णं भंते ! पोग्गला केवइकालस्स णिच्छुभंति ? गोयमा !
 जहण्णेणं अंतोमुहुत्तस्स, उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तस्स ॥७०६॥ ते णं भंते ! पोग्गला
 णिच्छुढा समाणा जाइं तत्थ पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं अभिहंति जाव उद्वेति,
 ते(हि)णं भंते ! जीवे कइकिरिए ! गोयमा ! सिय तिकिरिए, सिय चउकिरिए,
 सिय पंचकिरिए । ते णं भंते ! जीवाओ कइकिरिया ! गोयमा ! एवं चेव । से
 णं भंते ! जीवे ते य जीवा अण्णेसिं जीवाणं परंपराघाएणं कइकिरिया ! गोयमा !
 तिकिरिया वि चउकिरिया वि पंचकिरिया वि, एवं मणूसे वि ॥७०७॥ अणगारस्स
 णं भंते ! भाविक्कणो केवलिसमुत्थाएणं समोहयस्स जे चरमा णिजरापोग्गला सुहुमा
 णं ते पोग्गला पणत्ता समणाउसो ! सुव्वलोगं पि य णं ते फुसित्ताणं चिहंति ! इंता
 गोयमा ! अणगारस्स भाविक्कणो केवलिसमुत्थाएणं समोहयस्स जे चरमा णिजरा-
 पोग्गला सुहुमा णं ते पोग्गला पणत्ता समणाउसो ! सुव्वलोगं पि य णं ते फुसित्ताणं
 चिहंति ॥७०८॥ छउमत्थे णं भंते ! मणूसे तेसिं णिजरापोग्गलाणं किं चि वण्णेणं
 वण्णं गंधेणं गंधं रसेणं रसं फासेण वा फासं जाणइ पासइ ! गोयमा ! णो इण्ठे
 समइ । से केण्ठेणं भंते ! एवं बुच्चइ—‘छउमत्थे णं मणूसे तेसिं णिजरापोग्गलाणं
 णो किं चि वण्णेणं वण्णं गंधेणं गंधं रसेणं रसं फासेणं फासं जाणइ पासइ’ ? गोयमा !
 अयण्णं जेवुद्दीवे दीवे सब्बदीवसमुदाणं सब्बभंतराए सब्बखुडुए वट्टे तेह्मापूयसंठाण-
 संठिए वट्टे रहचक्कवालसंठाणसंठिए वट्टे पुक्खरक्कणियासंठाणसंठिए वट्टे पडिपुण-
 चंदसंठाणसंठिए एणं जोयणसयसइस्स आयामविवस्सेमेणं तिण्णि जोयणसयसइस्साइं
 सोलस सइस्साइं दोणिय य सत्तावीसे जोयणसए तिण्णि य कोसे अट्ठावीसं च धणु-

सयं तेरस य अंगुलाइं अङ्गुलं च किंचिविसेसाहि ए परिवखेवेणं पण्णत्ते । देवे णं महिद्धिए जाव महासोक्खे एगं महं सविलेवणं गंधसमुग्घायं गहाय तं अवदालेइ, तं महं एगं सविलेवणं गंधसमुग्घायं अवदालइत्ता इणामेव कट्ठं केवलकप्पं जंबुदीवं दीवं तिहिं अच्छराणिवाएहिं तिसत्तखुत्तो अणुपरियट्ठित्ताणं हव्वमागच्छेज्जा, से गूणं गोयमा ! से केवलकप्पे जंबुदीवे दीवे तेहिं घाणपोगालेहिं फुडे ! हंता । फुडे, छउमत्थे णं गोयमा ! मणूसे तेसिं घाणपुग्गालाणं किंचि वण्णेणं वण्णं गंधेणं गंधं रसेणं रसं फासेणं फासं जाणइ पासइ ! भगवं ! णो इणट्ठे समट्ठे, से एएणट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ-‘छउमत्थे णं मणूसे तेसिं णिज्जरापोग्गालाणं णो किंचि वण्णेणं वण्णं गंधेणं गंधं रसेणं रसं फासेणं फासं जाणइ पासइ, एसुहुमा णं ते पोग्गाला पण्णत्ता समणाउसो ! सव्वलोगं पि य णं फुसित्ताणं चिट्ठति’ ॥ ७०९ ॥ कम्हा णं भंते ! केवली समुग्घायं गच्छइ ! गोयमा ! केवलस्स चत्तारि कम्मंसा अवस्तीणा अवेइया अणिजिण्णा भवंति, तंजहा-वेयणिजे, आउए, णामे, गोए, सव्ववहुप्पएसे से वेय-णिजे कम्मे हवइ, सव्वत्थोवे आउए कम्मे हवइ, विसमं समं करेइ बंधणेहिं ठिईहि य, विसमसमीकरणयाए बंधणेहिं ठिईहि य एवं खलु केवली समोहणइ, एवं खलु समुग्घायं गच्छइ । सव्वे वि णं भंते ! केवली समोहणंति, सव्वे वि णं भंते ! केवली समुग्घायं गच्छंति ! गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । जस्साउएणं तुल्लइं, गंध-णेहिं ठिईहि य । भवोवगाहकम्माइं, समुग्घायं से ण गच्छइ ॥१॥ अगंतूणं समुग्घायं, अणंता केवली जिणा । अरमरणविप्पमुक्का, सिद्धिं वरगइ गया ॥२॥ ७१० ॥ कइ-समइए णं भंते ! आउजीकरणे पण्णत्ते ! गोयमा ! असंखेजसमइए अंतोमुहत्तिए आउजीकरणे पण्णत्ते । कइसमइए णं भंते ! केवलिसमुग्घाए पण्णत्ते ! गोयमा ! अट्ठ-समइए० पण्णत्ते । तंजहा-पदमे समए दंडं करेइ, बीए समए कवाडं करेइ, तइए समए मंथं करेइ, चउत्थे समए लोगं पूरेइ, पंचमे समए लोयं पडिसाहरइ, छट्ठे समए मंथं पडिसाहरइ, सत्तमए समए कवाडं पडिसाहरइ, अट्ठमे समए दंडं पडि-साहरइ, दंडं पडिसाहरेत्ता तओ पच्छा सरीरत्थे भवइ ॥७११॥ से णं भंते ! तहा समु-ग्घायगाए किं मणजोगं जुंजइ, वइजोगं जुंजइ, कायजोगं जुंजइ ! गोयमा ! णो मण-जोगं जुंजइ, णो वइजोगं जुंजइ, कायजोगं जुंजइ । कायजोगं णं भंते ! जुंजमाणं कि ओरालियसरीरकायजोगं जुंजइ, ओरालियमीसासरीरकायजोगं जुंजइ, कि वेउव्विय-सरीरकायजोगं जुंजइ, वेउव्वियमीसासरीरकायजोगं जुंजइ, आहारगमीसासरीरकायजोगं जुंजइ, कि कम्मगसरीरकायजोगं जुंजइ ! गोयमा !

ओरालियसरीरकायजोगं पि जुंजइ, ओरालियमीसासरीरकायजोगं पि जुंजइ, णो वेउ-
 व्वियसरीरकायजोगं०, णो वेउव्वियमीसासरीरकायजोगं०, णो आहारगसरीरकाय-
 जोगं०, णो आहारगमीसासरीरकायजोगं०, कम्मगसरीरकायजोगं पि जुंजइ, पदमट्टमेसु
 समएसु ओरालियसरीरकायजोगं जुंजइ, बिइयछट्टसत्तमेसु समएसु ओरालियमीसा-
 सरीरकायजोगं जुंजइ, तइयच्चउत्थपंचमेसु समएसु कम्मगसरीरकायजोगं जुंजइ
 ॥७१२॥ से णं भंते ! तहा समुग्घायगए सिज्झइ बुज्झइ मुच्चइ परिणित्वाइ सव्व-
 दुक्खाणं अंतं करेइ ! गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । से णं तओ पडिणियत्तइ पडि-
 णियत्तिता तओ पच्छा मणजोगं पि जुंजइ, वइजोगं पि जुंजइ, कायजोगं पि जुंजइ ।
 मणजोगं जुंजमाणे किं सच्चमणजोगं जुंजइ, मोसमणजोगं जुंजइ, सच्चामोसमणजोगं
 जुंजइ, असच्चामोसमणजोगं जुंजइ ! गोयमा ! सच्चमणजोगं०, णो मोसमणजोगं०,
 णो सच्चामोसमणजोगं जुंजइ, असच्चामोसमणजोगं पि जुंजइ । वइजोगं जुंजमाणे किं
 मच्चवइजोगं जुंजइ, मोसवइजोगं जुंजइ, सच्चामोसवइजोगं०, असच्चामोसवइजोगं
 जुंजइ ! गोयमा ! सच्चवइजोगं०, णो मोसवइजोगं०, णो सच्चामोसवइजोगं०,
 असच्चामोसवइजोगं पि जुंजइ । कायजोगं जुंजमाणे आगच्छेज वा गच्छेज वा
 चिद्धेज वा णिसीएज वा तुयट्ठेज वा उल्लघेज वा, पल्लघेज वा, पाडिहारियं पीढ-
 फलगसेज्जासंधारणं पच्चप्पिणेज्जा ॥७१३॥ से णं भंते ! तहा सजोगी सिज्झइ जाव
 अंतं करेइ ! गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । से णं पुव्वामेव सण्णित्तं पंचिदियपजत्त-
 यस्स जहण्णजोगिस्स हेट्ठा असंखेज्जगुणपरिहीणं पदमं मणजोगं गिरुंभइ, तओ
 अणंतरं वेइदियपजत्तगस्स जहण्णजोगिस्स हेट्ठा असंखेज्जगुणपरिहीणं दोच्चं वइ-
 जोगं गिरुंभइ, तओ अणंतरं च णं सुहुमस्स पणगजीवस्स अपजत्तयस्स जहण्ण-
 जोगिस्स हेट्ठा असंखेज्जगुणपरिहीणं तच्चं कायजोगं गिरुंभइ, से णं एएण उवाएण-
 पदमं मणजोगं गिरुंभइ, मणजोगं गिरुंमित्ता वइजोगं गिरुंभइ, वइजोगं गिरुंमित्ता
 कायजोगं गिरुंभइ, कायजोगं गिरुंमित्ता जोगणिरोहं करेइ, जोगणिरोहं करेत्ता अजो-
 गत्तं पाउणइ, अजोगत्तं पाउणित्ता ईसिं हस्सपंचवत्थरुच्चारणं द्वाए असंखेज्जसमइयं
 अंतोसुहुतियं सेलेसिं पडिवजइ, पुव्वरइयगुणसेदीयं च णं कम्मं, तीसे सेलेसिमद्वाए
 असंखेज्जाहिं गुणसेदीहिं असंखेजे कम्मखे खवयइ, खवइत्ता वेयणिजाउणामगोत्ते
 इच्चेए चत्तारि कम्मसे जुगवं खवेइ, जुगवं खवेत्ता ओरालियतेयाकम्मगाइं सत्त्वाहिं
 विप्पजहणाहिं विप्पजहइ, विप्पजहित्ता उज्जुसेदीपडिवण्णो अपुसमाणगईए एग-

समएणं अविग्गहेणं उणुं गंतां सागारोवउत्ते सिञ्जइ बुज्झइ*, तत्थ सिद्धो भवइ ।
 ते णं तत्थ सिद्धा भवंति असरीरा जीवघणा दंसणणाणोवउत्ता णिद्धियट्ठा णीरया-
 णिरेयणा वितिमिरा विमुद्धा ससयमणागयद्धं कालं चिट्ठंति । से केणट्ठेणं मंते !
 एवं बुच्चइ-‘ते णं तत्थ सिद्धा भवंति असरीरा जीवघणा दंसणणाणोवउत्ता णिद्धि-
 यट्ठा णीरया णिरेयणा वितिमिरा विमुद्धा सासयमणागयद्धं कालं चिट्ठंति’ ! गोयमा !
 से ज्झाणामए बीयाणं अग्गिदट्ठाणं पुणरवि अंकुरप्पत्ती ण भवइ, एवामेव सिद्धाण
 वि कम्मवीएसु दहेसु पुणरवि जम्मुप्पत्ती ण भवइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं बुच्चइ-
 ‘ते णं तत्थ सिद्धा भवंति असरीरा जीवघणा दंसणणाणोवउत्ता णिद्धियट्ठा णीरया
 णिरेयणा वितिमिरा विमुद्धा सासयमणागयद्धं कालं चिट्ठंति’ ति । णिच्छिण्णसव्व-
 दुक्खा आइज्जरा मरणवंधणविमुक्का । सासयमंत्वावाहं चिट्ठंति सुही सुहं पत्ता ॥१॥
 ॥७१४॥ पणवणाए भगवईए छत्तीसइमं समुघायपयं समत्तं ॥

॥ पणवणासुत्तं समत्तं ॥



